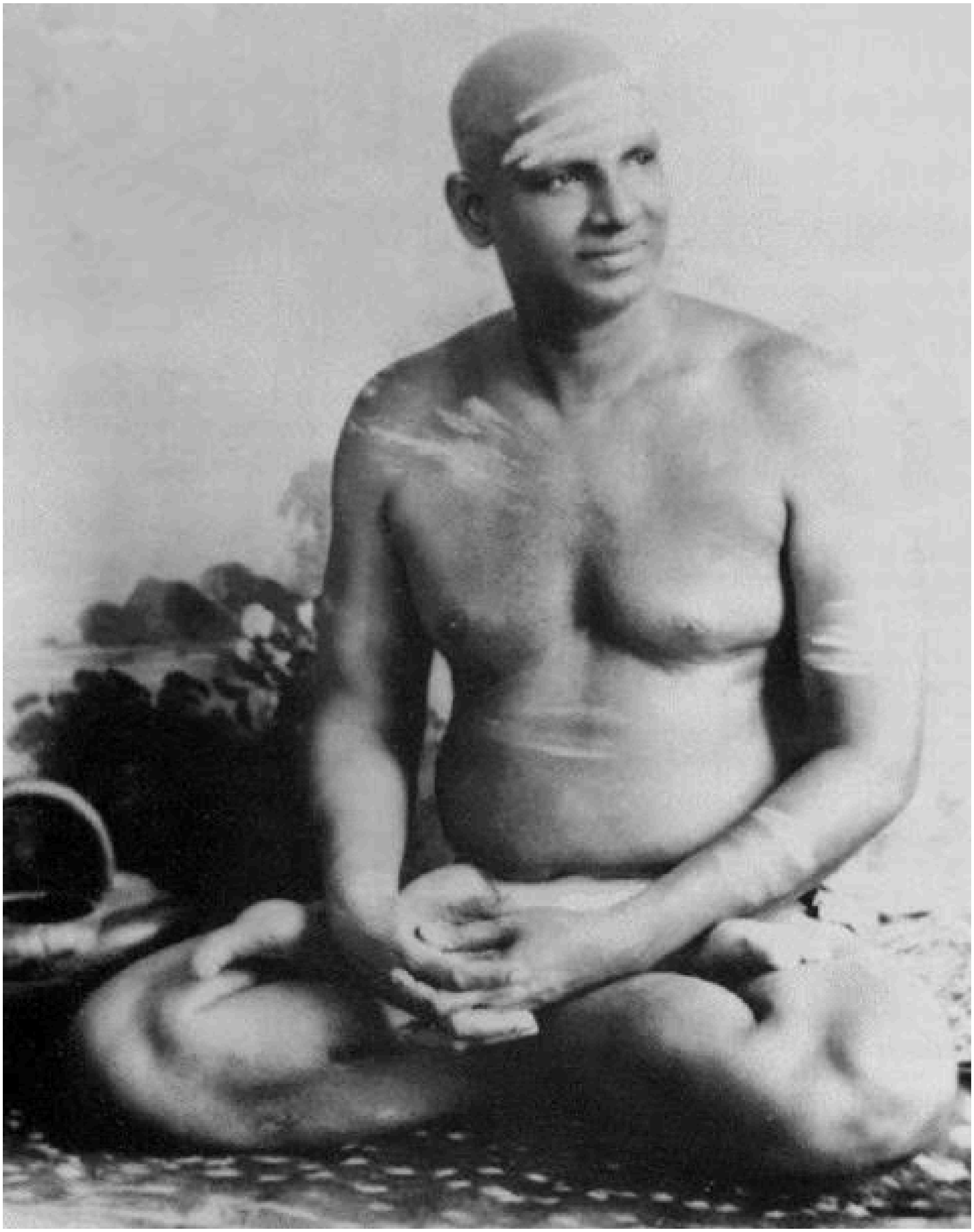
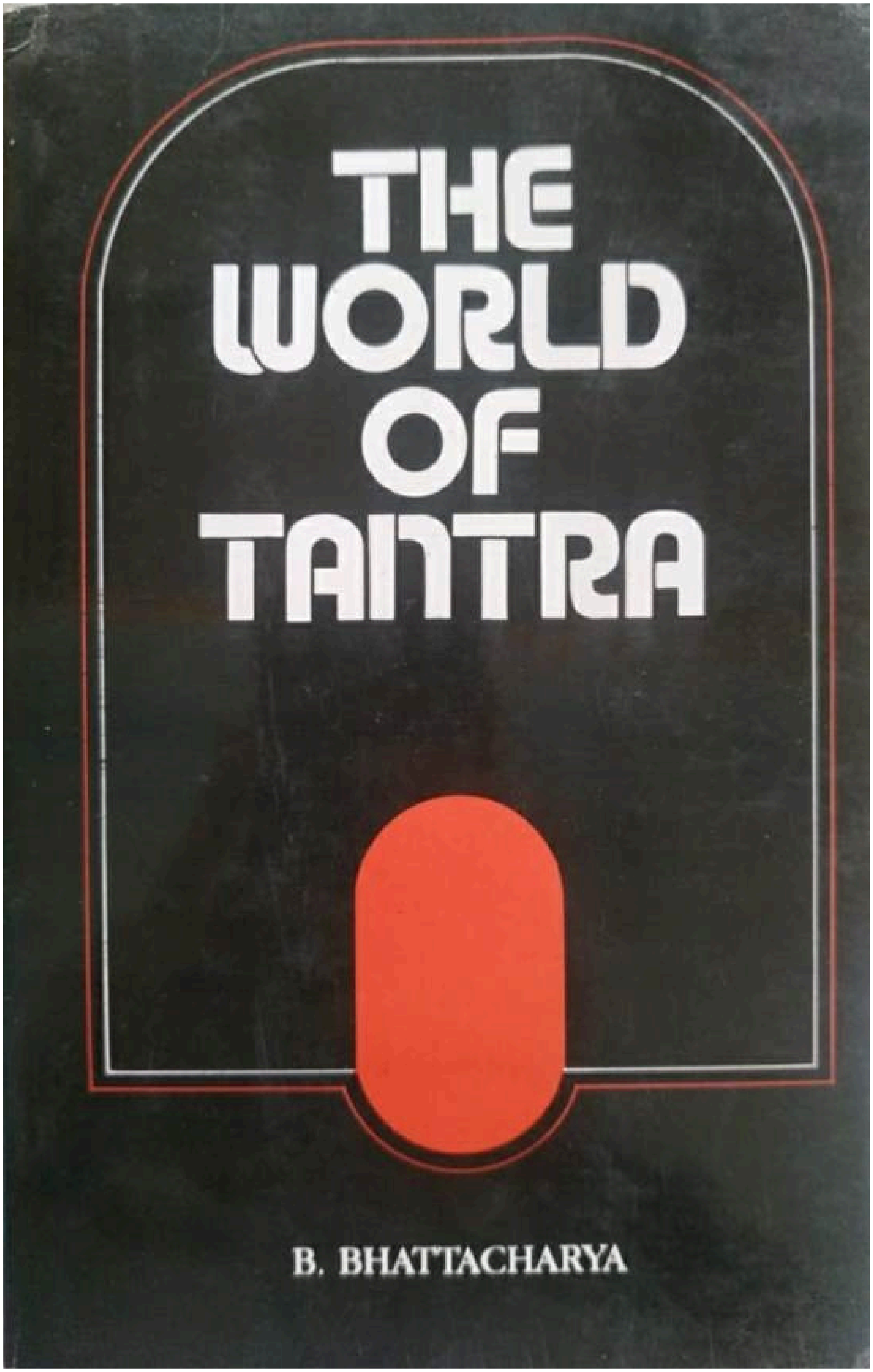



THE
WORLD
OF
TANTRA
B. BHATTACHARYA

तं त्र की दुनि या

याह एकी समर्पि तं व्यनि की नि जी अ भ वों की सच्ची प्रस्तं नितं ह, जी! अ रे" 76 वोंर्षों' की जी वों म (उ रेहस्यामया घट ओं की छे की तं र्किकीकी व्य ख्या की खो!जी म (रेह ह,1 निजी की आगे तंकी4 भ स्तंब्ध रेह जी तं ह। या व्यनि गेतं अ भ वों—गेप्त , चौं;की वों ले, रेहस्यामया—फि>रे भ ठकी की! एकी अनिवोंश्वस या हA, बनिCकी एकी भरे!सम दु अहस स कीरे तं ह।1 याह D म ष्या उस रेहस्या की आम -स म खोड़ा ह जी! म की! भHनितंकी जीगेतं स ऊ रे ले जी तं ह, औरे निवोंस्मया की स स (रुकी जी तं ह,1 भले ह हम ले ट की स आश्व स समया रे आकीरे याह सकी तं दु दुतं ह 1फिकी 'स्वोंगे 4औरे थ्Mवों की ब चौं कीहA अनिधकी रे निछे ह।1'

अध्या या दुरे अध्या या, ले खोकी तं त्र की दुनि या की रेहस्या की रेतं(खो!लेतं जी तं ह—1जीस उन्ह स्वोंया उन्ह (अ भ वों फिकीया कीभ याह उ की निजीज्ञा स की! शां तं कीरे की निलेए ह!तं ह, तं! कीभ याह फिकीस आशां वों दु4 की फिकीरेण की रू म (उन्ह (नि ह!तं ह।

इ छ्टोंM म (नि निहतं व्यनि गेतं अ भ "नितंया Dऔरे तं नित्रकी स ध ओं की निशांक्षा ए—Dकी छे मध रे औरे आश्चयाजी4 की, तं! की छे भया वोंह औरे रे गेट खोड़ा कीरे दु वों ले —इस स् तंकी की! तं त्र की इस अक्सरे गेलेतं समझे जी वों ले, रे तं उतं ह गेढ़" औरे अ तंरे गे सस रे की एकी प्रम निणकी रिरे !ट4 ब दुतं ह।1 जी! ले!गे तं त्र की वों स्तंनिवोंकी स्वोंरू औरे उसकी सभ वों ओं की! समझे औरे जी चौं हतं ह,1 उ की निलेए The World of Tantra एकी अ म!ले खोजी ह, जी! उन्ह (इस गेढ़" निवोंद्या स स ध रिरेनिचौंतं कीरे तं ह।

ब . भट्टा चौं या 4की जीन्म 1910 म (वों रे णस म (हुआ था । उन्ह अ प्र रे निभकी निशांक्षा रे रिरेकी सस् कीMतं 'ट!ले' म (प्र म्न की औरे ब दु म (इले ह ब दु निवोंश्वनिवोंद्या लेया स अ ग्रेज़ी म (एम.ए. फिकीया । उन्ह अ जी वों की सवों4श्रेष्ठों समया निशांक्षा निवोंदु रू म (गेया औरे नित्रनि दु दु (वोंस् ट इ डी ज़ी) म (निबतं या ।

उ की अन्या कीMनितंया —Dशां वोंमतं औरे लिंलेगे! स (दु! खोडी , 1993) औरे वों रे णस o खो!जी (1999)—जी! हम रे ह ले स प्रकी निशांतं हुई ह,1 व्य की रू स प्रनिसद्ध ह।1 प्रस्तं तं ग्रेथा तं त्र की रेहस्यामया दुनि या म (उ की गेहरे

प्रकी शां श्रेखोM
अ तंदुनि4Mr की! दुशां 4तं ह।

The World of Tantra

B. Bhattacharya

तं त्र की दुनि या

अ वों दुक्मिरेम शां चौंHह

Contents

भ"निमकी (Foreword)

ब .भट्टा चौं या4एकीप्रनितंनिष्ठोंतंऔरेअ तंरेरे ष्ट्री यास्तंरे रेप्रनिसद्धनिवोंद्वी ह,1जी!शां वोंदुशां4 औरेइसस सब निधतंअन्यानिवोंर्षोंया की गेह अध्यातं ह।1वोंहएकीनिवोंश्वया त्र ह1औरेस ध रेणज्ञा की स म ओंस रे ,उ रेहस्यामयाअ भ वों की खो!जी ह,1 जी! प्रकी शां औरे अ धकी रे की स म रे खो   रे निस्थातं ह।1

इसम(की!ईआश्चया4 हAफिकीदुवोंCडी4ऑर्फ़ीतं त्रउससध् या -भ र्षों (twilight-language)की खो!जीकीरेतं ह, निजीस भ रेतं औरे निवोंदुशां म(कीईअ ण"4ज्ञा रेखो वों ले ले!गे द्री रे गेलेतंतंरे की स प्रस्तं तंऔरेव्य ख्या नियातंफिकीया गेया ह। तं त्रकी निवोंर्षोंयाम(दुशां4 शां स्त्रकी निवोंद्या पिंथाया औरेआमले!गे द्री रे कीईप्रश्न छे" गेए,जी!अबतंकीनिमस्नोकी लिंस्>क्स की रेहस्यामया मस् की   या लिंसध घ ट की मह रे   रे निलेखो गेढ़" निचौंत्रनिलेनि की तंरेह अ स लेझे ब   हुए था।

इ प्रश्न की!की वोंलेउठ या औरेसब !निधतंह हAफिकीया गेया ह, बनिCकीइसअत्यातं   ठ याव्यनि गेतंया त्र -वोंM तं म (सह भ "नितंकी स थाउ की उरेभ फिदुएगेएह,1जीह Dगेसथाकी खो!जीकी!अत्यातंप्र म निणकीरू स समझे या गेया ह।

जीबसमयाठहरेजी तं ह औरेजी वों अतं तंऔरेभनिवोंष्यातंकीनिवोंस्तं रे तं ह, तंबले खोकी-दु शांनि4 की,ध्या मग्नस धकी औरे दुवों तं ओंकी निप्रयाजी आत्म की प्रसन्नतं की निलेएएकीदु प्रज्वोंनिलेतंकीरे हतं स्वोंया की निलेएएकीस्थिवोंशांवोंा रे कीरेतं ह।1

रेहस्यावों दुकी! रे रिरेकीरू स निद्वीमखो कीह गेया ह। एकीमखोज्ञा तंऔरेगेढ़"अ धकी रेकी ओरेदुखो तं ह, जीबफिकी दुस"रे सत्या की प्रकी शांम चौंह रे की ओरे।

जीस   फिकीले खोकीसह कीहतंसहया भया उत् न्न कीरेतं ह। स्वोंया अजी 4 भ भयाभ तं' ह! गेए था ।

निमत्रतं नि कीटतं प्रम त्या ग़ेऔरेशांरे रेस शांरे रेकी स की4की म ध्यामस प्रकीMनितंकी खो!जीया वों महत्वों ण"4निवोंर्षोंया ह1जी! शां श्वतंआ दुकी अ भ "नितंकीरे तं,ह1जी! तं!कीभ रे   ड़ातं ह औरे ह क्षानिणकीभHनितंकीवों स की तंरेह सम स ह!तं ह। या वों अवोंध रेण ए,Dह1जी!हम रे स!चौंकी!घ ट की बजी याक्षाण म(समट दुतं ह।1

इस स् तंकीकी एकीऔरेअ म!लेउद्धरेणह निःमश्रतं एकीरेत्नह औरेरे्त्नकी तंरेहइस फिद्गुखो वों म(ले   अशां!भ या ह!तं ह।"

तं त्रम(मनिणऔरे द्वाजीस शांब्दु की प्रया!गेफिकीया जी, तं ह निजी की कीठ!रेऔरेकी!मलेदु! ह अथा4ह!तं ह।1या शांब्दु ठ!स औरे निवोंस्तं रेशां ले अथा' की! दुशां 4तं ह1 जी! समया औरे स्था   की स म ओं स   रे ह।1

भHनितंकीऔरेआध्या नित्मकीदु!अ्लेगेअलेगेध रे एD हAरेहतंA। निवोंत्रतं औरेइ-फिद्रयास खोएकीह अनिस्तंत्वोंम(निवोंले   ह! जी तं ह।1याहतंकी4स ,रे ह इसनिलेएइसम(की!ईभ्रम हAह!तं ।याहएकीस ध स वों दुऔरेआत्मस शां!ध की प्रफिक्रंया ह।

शां ले की लेव्सफि>ले²स>(प्रम की दुशां)4 जीले ले द्वी रूम की लेहरेऔरेस गेरेकी निमले की स था Mत्याकीरेतं प्रतं तं ह!तं ह।

ट गे!रे रू औरे स गे ध की ब रे म (गे या :

"रू चौं हतं ह स गे ध म (निमले ,

औरे स गे ध रू म (सम निहतं रेह चौं हतं ह। "

थ्Mवों की! गेध वोंतं कीह गेया ह, जी! स गे ध स भरे "रे ह, जीबफिकी श्व स औरे अ तंरिरेक्षा रे गेह ह।1 Dचौं इ फिद्रया औ
की उत्सवों मत्Mया रे निवोंजीया प्र स्र कीरेतं ह।
इ फिद्रया-स खो की स म एD रे ह! जी तं ह।1 जी! या त्र इस कीरिठ म गे 4 रे आगे बढ़ रेह ह,1 वों स"रेजी की रे!शां स चौं
निक्षानितंजी की चौं Dदु जीस चौं!रिटया की आकीर्षों4ण स प्ररि रेतं ह!तं ह 1औरे चौं Hनितंया , स म ओं औरे गेलेतं समझे जी
ब वोंजीदु" नि रे तंरे आगे बढ़तं रेहतं ह।1

तं त्र म (भ रेवों की! एकी निवोंशांर्षों स्था फिदुया गेया ह। धन्वोंतं रिरे-तं त्र-निशांक्षा म (उन्ह (इस प्रकी रे वोंर्पिणतं फिकीया गे

"उद्याद्भा -सहस्रो-की नितंमरुण क्षाHम- निशांरे!म निलेकी मं"

"वोंह हजी रे उगेतं स"या' की सम ले ले रे गे की ह,1 उ की वोंस्त्र ले ले ह,1 उ की गेले म (खो! निड़ाया की म ले ह (बगे ले
की ले की स 52 खो! निड़ाया D ह!तं ह,1 जी! स स्कीMतं वोंण4म ले की 52 अक्षारे की प्रतं की ह—1याह दुशां 4तं ह फिकी
ज्ञा प्रतं की त्मकी रू स मतंM ह!तं ह)1, उ की स्तं रे स स हुए ह,1 औरे उ की ह था म (एकी म ले औरे एकी स् तंकी ह। "

ले खोकी की! याह सHभ ग्या प्र स्र हुआ फिकी उन्ह अ या वों वोंस्था म (वों रे णस म (भगेवों वोंस्त्रध रे स्त्र स दु क्षा प्र स्र की

इस आत्मकीथा त्मकी-दु शांनि4 की ग्रेथा म (रेदु, डीचौं लेड़ाकी औरे अन्या स्त्र -रू जीस सभ त्र, म वों या आकीर्षों4ण औरे
रेहस्यामया स;दुया 4की अ तं स भ वों ओं की प्रतं की ह,1 निजीसकी वोंण4 ग्या!था अ कीMनितं > उस्ट (भ गे II) की अ
नि या म (फिकीया ह:

"Das Ewig Weibliche Zieht uns hinan" (शां श्वतं स्त्र हम (ऊ रे की ओरे खोAचौंतं ह) ।

याफिदु तं त्र की दुशां4 की! सह ढंगे स समझे औरे अ या जी ए, तं! याह निश्चम आत्म-स वोंदु , म !निवोंश्लेर्षों ण त्मकी निसद्ध
औरे शां Cड्रे की की 'मम !रे - ले"' की तं ले म (कीहA अनिधकी प्रभ वों निसद्ध ह! सकीतं ह।
म वों शांरे रे म (ऐस म²>Áजी रिटकी (आकीMनितं-नि म 4ण कीरे वों ले) ऊजी 4-क्षा त्र ह!तं ह,1 निजीन्ह (उनिचौंतं स की4
औरे जी गेतंM फिकीया जी सकीतं ह।
रे नि याम (Old Testament) की नितंवोंचौं (Proverbs) म (कीह गेया ह: " रु र्षों औरे स्त्र की स बध उतं ह रेहस्याम
ह, निजीतं फिकी आकी शां म (उड़ातं हुए गेरुड़ा की म गे,4 चौंट्टा रे रे(गेतं हुए स 4 की म गे,4 औरे समद्र म (चौंलेतं हुए जी
म गे।4"

था²मस मरे" निलेखो —"मरे एकीम त्र स् तंकी एकी स्त्र की आDखो (थाA," औरे उन्ह मझे की वोंले मखो"तं4 निसखो ई।

वों स्तंवों म,(वोंह रेहस्यामया स्त्र , शां क्सनि यारे की शांब्दु म,(स्वोंगे 4स इतं कीM प्र स्र कीरेतं ह फिकी स्की²ट की निलेए
वोंदु स निघरे ब्यनि की निलेए एकी 'स्वोंगेÂया दुतं"' ब जी तं ह।

या या!निगेनि या D औरे म तंकीM एD भ रेतं या फिदुव्य उ स म (अत्यातं सम्म नि तं स्था रेखोतं थाA। तं त्र म (श्रे - जी" उस की चौरैम लिंबदु था।

बHद्ध म न्यातं ओं की अ स रे, की मरू (असम), >"णनि4गेरिरे (ले), उनिÄया (ओनिडीशां), औरे जीले धरे (जी ब) महत्वों या!निगे - ठ था।

ब . भट्टा चौं या 4 इ ध र्पिमकी स्थाले म (अ प्रत्याक्षा अ भ वों औरे कीई अन्या स्थाले की उCलेखो फिकीया ह। ऐनितंह नि रे तं नित्वोंकी अ स ध स तं चौंले ह फिकी तं नित्रकी प्रथा ओं म (ऑनिस्Åकी, निस्कीनिथाया औरे मगे !निलेया ई तंत्वों औरे सम निहतं ह।1 ले फिकी इस ग्रेथा की ले खोकी इसम(अ वोंश्याकी निवोंद्वी -प्रदुशां 4 औरे > ट !ट्स की ब!झे हA डी ले ह। की प्रया स वों" 4ग्रेह की! तं!ड़ा ह औरे स की!चौं व्यनि की! की छे समया की निलेए उस फिदुव्य रेहस्या की बदु द्वी रे की स कीरे ह। जी वों की स्रो!तं (या!नि) औरे मत्Mया म (जी वों की अ तं, दु! की! सम रू स नि ष् क्षातं औरे स तं निलेतं दुनिM स दुखो गेया ह।
याह D कीC औरे याथा था4, निमथाकी औरे भHनितंकीवों दु, एकी-दुस"रे म (घ ले-निमले जी तं ह।1 द्वीतं भ वों की दु 4 हट वों स्तंनिवोंकीतं तंथा अलेHफिकीकीतं एकी-दुस"रे की! आलिंलेगे बद्ध कीरे ले तं ह।1 भ रेतं या की मशां स्त्र (की मस"त्र) म (आठ शां रे रिरेकी आलिंलेगे मद्र ओं की वोंण4 फिकीया गेया ह। ले फिकी इस ग्रेथा याह निसद्ध फिकीया ह फिकी की मकी तं सकीतं ह, भया कीतं आ दुदु याकी ह! सकीतं ह, औरे म या वों तंत्वों शां श्वतं रू स म!हकी औरे आकीर्षों4की ह! सकीतं ह।1 " दुवों ! तं म फिकीतं निवोंनिचौत्र औरे अ निगे तं रू म (प्रकीट ह! वों ले ह!!"

तं त्र की दुनि या की! चौरैणबद्ध रू स , घट -दुरे-घट , औरे स्था -दुरे-स्था अ भ वों फिकीया जी चौं निहए। याह D स ध रेण रु र्षों औरे मनिहले एD अस ध रेण रू ध रेण कीरे ले तं ह,1 औरे आ तंररिरेकी रेहस्या ब ह्य रू स प्रकीट ह!तं ह। स तं औरे दुवों दु याह D भनि , भया, औरे रेहस्यामया तंत्वों स स् र्पिशांतं ह!तं ह।1 म स ह रे , मफिदुरे कीरे वों ले, बH जीस त्र, मध रे स गे तंकी रे , चौंमत्की रे स न्या निसया , औरे रेहस्यामया निस्त्रया (चौं फिदु —अथा 4तं, शां श्वतं आ दु, रे ध की छेनिवों) की निमलेतं ह।1 वोंह स्त्र -शांनि की वोंले शांनि ह हA, बनिCकी प्रकीMनितं की सबस स दुरे ष् -गेध भ ह। गे!Cडीनिस्मथा "निस्त्रया D औरे स गे तं कीभ रे हA ह!तं। " इस ग्रेथा की मख् या त्र, की सरिरेया वोंस्त्रध रे स्त्र , म (ऐस व्यनि गेतं आकीर्षों गेरिरेम , ज्ञा और आध्या नित्मकीतं ह फिकी वोंह ले खोकी की निलेए एकी म गेदु4शां4की दुवों दुतं" ब जी तं ह।1 "उन्ह ले खो स वोंदु शां लेतं प्रदु की ह, निजीसस वोंह प्रत्याकी घट की! सट कीतं औरे स;दुयाब4!ध की स था उकी रे सकी , जीबफिकी ब वों तं वोंरेण की स गे ध प्रशां स उत् न्न कीरेतं ह। "

याह ग्रेथा निवोंशांर्षों ज्ञा औरे आम ठकी , दु! द्वी रे सम उत्स ह औरे रुनिचौं की स था ढ औरे सरे ह जी एगे , क्या फिकी इस आत्म या औरे सजी वों भ र्षों म (निलेखो गेया ह। "इस ग्रेथा की एकी औरे निवोंशांर्षों तं याह ह फिकी ले खोकी कीई घट ओं रिरेनिस्थानितंया की! इतं स वोंदु शां ले ढंगे स प्रस्तं तं फिकीया ह फिकी, याद्यानि वों फिकीस की स वोंदु ओं की! झेकीझे! सम जी की स्था नि तं वोंजी4 ओं की! तं!ड़ा सकीतं ह,1 फि>रे भ वों ठकी की भ तंरे एकी अलेगे तंरेह की सह भनि"तं जीगे तं एकी निमनिश्रेतं भ वों , निजीसम (श्रेद्ध , निवोंस्मया, आकीर्षों4ण, निजीज्ञा स औरे एकी गेह उदु स , या सब एकी ह झेलेकी म (जी तं ह।1" "ले खोकी म (निवों म्रतं ह, औरे वोंह कीहA भ सवोंज्ञा4 या श्रेष्ठों ह! की दु वों हA कीरेतं, ह वोंह उ दुशां त्मक वों" 4ग्रेह स ग्रेनिसतं दुनिMrकी!ण अ तं ह।1"

निश्चम ठकी की निलेए, जी! निवोंशांर्षों रू स मले" ग्रेनि था औरे शांरे रे-म की निसद्ध तं स प्रभ निवोंतं ह,1 याह ग्रेथा स्था नि तं कीरे वों ले निसद्ध ह!गे। "मले" की अवोंध रेण औरे शांरे रे तंथा म की निसद्ध तं की स दुभ4 म,(याह ग्रेथा एकी स तं ले स्था नि तं कीरे वों ले निसद्ध ह!गे।" स्वोंया की! तंकी4वों दु औरे क्रं नितंकी रे कीह वों ले निश्चम दुनि या की! ऑ

रेम ण बम, औरे एड्स की ओरे धकी ले फिदुया । अब हम (वों"4 की वोंह् की!मले, शां तं, ले फिकी स की" दु याकी कीथा स
जी! ध रे -ध रे > ले रेह ह (तं त्र शांब्दु की मले" अथा4 ह '> ले ' औरे 'ब ' ह) — जी! तं त्र, या!गे, ज़ी औरे सम निध की ई
चौंतं की म ध्याम स प्रस रिरेतं ह! रेह ह।

"अभ औरे अनिधकी शां!ध की आवोंश्याकीतं ह, तं फिकी ग्रेनि थाया की स्रो वों (ग्लेडी1-स फिक्रंशां) की अ तंoस्रो वों की(द्र (ए
औरे तं जीनिले की या!गे-स रे म (वोंर्पिणतं र्षोंट्चौंक्रं की ब चौं सम तं की! समझे जी सकी ; आत्म-प्रेरे ण (ऑट!-सजी शां) औरे
प्रत्या ह रे की स ध की ब चौं स बध की! दुखो जी सकी ; याH ऊजी 4 की चौंक्रं औरे वों स -उन्मनि (निलेनिबडी! की मनि
प्रफिक्रंया तंथा की डीनिले की ध रे -ध रे जी गेरेण औरे मडी ले ऑब्ले गे ट (मनिस्तंष्की तं नित्रकी की(द्र) की म ध्याम स प्रम
की ऊ रे निहस्स) तंकी हुचौंD की प्रफिक्रंया की तं ले त्मकी अध्याया फिकीया जी सकी ।"

"हम रे ध रेण (Dharana) वोंह ह, निजीस आध नि की म !वों ज्ञा नि की एकी ग्रेतं (Concentration) कीहतं ह।1 Hरे निणकी
कीथा एD, वों स् नितंया औरे जी वों की आकीMनितं औरे स रेचौं की अध्याया , औरे स "ण 4निवोंज्ञा की मले" अवोंध रेण ए।
की प्रनितं दु तं त्र म (भ"तं-शां निद्ध की रू म (फिकीया गेया ह। " "म²र्कि>की रे ज़ी! स((आकीMनितं-स मजी स्या) ऊजी 4-स म
ह, जी! सभ प्रकी रे की जी वों म (अ तंर्पि निहतं ह!तं ह। इस ब्राह्म डी म (सभ जी निवोंतं प्र ण एकी स मनि"हकी अचौंतं (co
unconscious) या स्मनिMतं- ले" (memory pool) म (या!गेदु दुतं ह,1 जी! फिकीस व्यनि की मत्Mया या फिकीस प्रजी
जी की ब दु भ ब रेहतं ह। " "प्र च्या (वों"Â) दुशां4 इस शां श्वतंतं रे की(फिद्रतं ह— एकी अ तं प्रम , निजीसम (ब ह्य भHनि
की निवोंस्मरेण की गेह तंम आ तंरिरेकी क्षाण चौंतं की! जी वोंतं कीरे दुतं ह। उ नि र्षोंदु म (सMनिr की निवोंर्षोंया म (कीह ग
—'की मस्तंदुग्रे' (सMनिr की आरे भ म (इच्छे था)।" "फ्री याडी अ स् तंकी निबया²न्डी दु प्ले ज़ीरे लिंप्रनिस ले (Beyond the
Pleasure Principle) म (बहMदु रेण्याकी उ नि र्षोंदु की उCलेखो फिकीया ह, औरे की ले4 जीगे तं जीनिले की चौंचौं 4 की
स या!गेवोंशां हA हुआ ह। "
"म 1व्यनि गेतं रू स इस मह कीMनितं औरे इसकी ले खोकी की मह स हस की! म कीरेतं हूँ,D जी! बगे ले औरे अ ग्रेज़ी की
औरे उ न्या सकी रे ह! की स था-स था भ रेतं या औरे निश्वम दुशां4 , धम 4औरे स निहत्या की गेहरे अध्यातं भ ह।1" "निछेहरे
(76) वोंर्षों4 की इस रिरे क्क आया म (भ ले खोकी इतं ऊजी 4 की स था इस गेह आध्या नित्मकी अध्याया की! सहजी औरे स
शां ले म (प्रस्तं तं फिकीया ह— याह उ की निवोंद्वी , निवोंशां ले अ भ वों औरे प्रभ वों अनिभव्यनि की! दुशां 4तं ह। " "नि निश्चतं
उन्ह (फिकीस तं नित्रकी (रेहस्यामया ज्ञा स या) गेरु की आशां वों 4दु प्र प्त ह। भ रेतं या रे रे म (गेरु रु र्षों या स्त्र दु! ह!
सकीतं ह।1 जीस फिकी चौंHसरे कीह ह— 'औरे वोंह खोशां -खोशां स खोतं था औरे खोशां -खोशां निसखो तं था ।'" "प्ले
—'निजीन्ह प्रकी शां प्र प्त फिकीया ह, वों उस दुस"रे तंकी हुचौंD एDगे। ' ले फिकी तं त्र की समस्या याह ह फिकी याह दुश
अ भ वों रे आध रिरेतं ह। याह शांब्दु स अनिधकी मH ह। याह निसद्ध तं स अनिधकी फिक्रंया रे की(फिद्रतं ह। इसनिलेए, म 1
हूँ।D"

"11 वोंब रे 1987 — प्रभ कीरे म चौंवों"

प्रस्तं वों (Preface)

तं त्र एकी गेढ़" औरे अ तंरे गे निवोंर्षोंया ह; तं त्र एकी खोले औरे स वोंभ4Hनिमकी निवोंर्षोंया भ ह। तं त्र की! तं! स या जी सकीतं
इसकी स "ण 4वोंण4 फिकीया जी सकीतं ह। तं त्र की वोंले अ भ वों फिकीया जी तं ह, सप्र निर्षोंतं फिकीया जी तं ह औरे स झे
ह। तं त्र की!ई कीह , गे शां या स -स ई ब तं हA ह; याह इनितंह स ह, रे रे ह, आफिदु की ले स चौंले आ रेह स ध
ह। तं त्र व्यनि गेतं ह, व्य वोंह रिरेकी ह, अ भ वोंजीन्या ह; तं त्र स म निजीकी ह, स मदु नियाकी ह, जी जी तं या ह। तं त्र वोंस्तं रेकी
औरे आत्म रेकी भ । तं त्र भHनितंकीवों दु आदुशां4वों दु ह; याथा थावों4 दु रेहस्यावों दु ह। तं त्र म Dह, मडी ! ह, गे या (थ्Mवों) ह
चौं मडी ह, की ले ह, ससÂ ह, एरेजी ले ह।

तं नित्रकी अ भ वों की! सप्र निर्षोंतं कीरे अत्यातं कीरिठ ह, क्या फिकी तं त्र की रेहस्यामया ब रे फिकीया की! सत्या रू म (व्य कीरे
निलेए अभ तंकी म ष्या द्वी रे की!ई प्रभ वों भ र्षों निवोंकीनिसतं हA की गेई ह। इस की रेण, निवोंशांर्षों रू स प्रथाम रु र्षों म (इस
निवोंर्षोंया की! व्य कीरे की! ले कीरे म 1अत्यानिधकी सकी !चौं म (था । आत्मकीथा त्मकी प्रस्तं नितं म (सट कीतं , स् rतं औरे प्रम निणकी
अक्सरे ब निधतं ह!तं ह। इस म मले म (भ , वों स्तंनिवोंकी तंथ्या की! कीहA कीहA निवोंकीMतं ह! ह था ।
ले फिकी मरे निमत्र लेगे तं रे मझे स इस कीथा की! कीह की आग्रेह कीरे रेह था, क्या फिकी उ की अ स रे, याह तं त्र की गेभ रे स ध
इस ब तं की तंनि की भ ज्ञा हA फिकी वों स्तंवों म (ऐस ह!गे या हA, या की!ई इसस
सचौंमचौं ले भ निन्वोंतं ह!गे या हA। ले फिकी अब इस आग्रेह की! औरे अनिधकी अस्वों की रे कीरे सभ वों हA था । इस औरे
की निलेए अत्या तं ले भकी रे ह!गे । मझे
अनिधकी रे!कीकोरे रेखों व्यथा 4प्रतं तं हुआ। अ तंतंo म 1 इस म गे 4 रे चौंले की नि ण4या निलेया ।
इस कीथा म (वोंर्पिणतं घट ओं की की ले वोंनिध औरे मरे स्वोंया की वोंद्धM वोंस्था म (प्रवों शां कीरे की स था-स था, इसम (शां नि
व्यनि या की जी वों ले ले सम प्त ह! चौंकी ह, निजीस मझे एकी प्रकी रे स सरे क्षा की कीवोंचौं प्रदु फिकीया ह। इसस मझे इस
चौं Hतं की! स्वों की रे कीरे औरे इस प्रया स की! रे" कीरे की प्रेरे ण निमले । प्रथाम रु र्षों म (अ जी वों की अ तंरे गे घट ओं
की! प्रस्तं तं कीरे अत्यातं कीरिठ की या 4ह, निवोंशांर्षों रू स जीब वों घट एD अन्या व्यनि या स भ जीड़ा ह । याह प्रया स कीभ
असहजी भ प्रतं तं ह!तं ह, किंकीतं म 1 ण"4तंo ठकी की उदु रेतं रे नि भ4रे हूँ।D

मझे की वोंले इतं आशां ह फिकी इ सनि चौंतं रेहस्या की! उजी गेरे कीरे की मरे नि ण4या उ निजीज्ञा सओं
जी! तं त्र की क्षा त्र म (स>लेतं प्र प्त कीरे की निलेए हरे सभ वों सह यातं की तंले शां म (रेहतं ह।1
रेम ण बम की निवोंस्>!ट की ब दु, निवोंशांर्षों रू स निवोंयातं म याद्ध की अस>लेतं की ब दु, तंथा कीनिथातं समMद्ध, आक्रं मकी
निप्रया रे ष्ट्री रे रेम ण प्रनितंस् ध 4की अ ध दुHड़ा ह वों ह! गेई ह। इ स्वोंयाभ " "निवोंश्व की निलेए स खकोनिं4 निसद्धि ह!,की

याद्ध
अनिवोंश्व स की अस् r, ले फिकी प्रबले भ वों , हतं शां औरे नि रे शां की खोतंरे की स म तंकी ले जी रेह ह।

आश्चया 4की ब तं याह ह फिकी इ समMद्ध औरे शांनि शां ले दुशां की नि मम4तं औरे सवों दु ह तं उ की ह यावों ढ़ की
उज्ज्वोंले म -मनिस्तंष्की रे गेह नि रे शां की अ धकी रे > ले फिदुया ह। अ समMनिद्ध, शांनि , प्रगेनितं औरे वोंज्ञा नि की उन्ननितं की
दु वों की ब वोंजीदु", ध रे -ध रे इ रे ष्ट्री की यावों वोंगे4 इ खो!खोले वों दु स म!हभगे की निस्थानितं म (हुचौंD गेया ह। वों भले
जी तं ह 1फिकी या दु वों की वोंले बढ़" निशांकी रे की की गेरेजी की तंरेह ह,1 जी! अ तंतंo स्वोंया की! ह r कीरे रे आम दु ह।1

याह Dइस भया वोंह निस्थानितं की की रेण की निवोंस्तंMतं निवोंवोंचौं और निवोंश्लेषों ण कीरे हम रे उद्दी श्या हA ह, क्या फिकी याह निवोंर्षोंया
हले स ह सम जीशां निस्त्रया और दु शांनि4 की की लिंचौंतं की की(द्र ब हुआ ह।

ले फिकी हम रे निवोंर्षोंया इस बदुलेतं समया की इस अवोंस्था स जीड़ा हुआ ह। नि रे शां और कीट तं की इस

बढ़तं दुHरे की स था-
स थ्रा रेहस्याओं द और गेढ़" निवोंद्या ओं की प्रनितं आकीर्षों4ण भ तं त्र ह!तं गेया ह। याह आकीर्षों4ण की वोंले म निसकी निजीज्ञा स की!

दुशां 4तं ह, बनिCकी याह आध्या नित्मकी खो!जी और शां रे रिरेकी तं की भ सकी तं दुतं ह। हम रे समया की

यावों वोंगे4 म (एकी
अनि स्था नित्रतं ले लेस जी ग्रेतं ह! गेई ह— एकी आ तंरिरेकी मनि की प्या स, निजीस वों अ शांब्दु म ('रिÅ ' कीहकीरे व्य कीरेतं ह।1

याह म निसकी और आनित्मकी सघ र्षों4उन्ह (कीहA दुरे", फिकीस रेहस्यामया दुनि या की खो!जी म (धकी ले रेह ह।

वोंह फिकीस सरेले म गे 4की तंले शां म (ह, जी! उस एकी ऐस रे!म चौंकी और रेहस्यामया सस रे म (हुचौंD दु, उस स्वोंर्पिणम शां स्त्र या यागे (क्ले निसकीले एजी) की मनिहम की! ध"निमले हA कीरे फिदुया। ऐनितंहजीसकी!दुनिMr स दुखो जीह D जी कीरे वोंह अ
भ निश्चम आध्या नित्मकी और स स्कीMनितंकी सब ले की आवोंश्याकीतं महस"स की ह, उसकी दुनिMr वों" 4की ओरे ह उठ ह। स म- खोड़ा वों स्तंनिवोंकी समस्या ओं की! रे" तंरेह भ"ले सकी।
इस ऐनितंह निसकी रे रे की अ रू , आजी की रेम ण- यागे की ब दु की यागे भ एकी आध्या नित्मकी शां"न्यातं की सकी ट की स म अन्या ले या की स ध की स था। निश्चम यावों अब इस प्रनिसद्ध वों"Å रेहस्याओं द की ओरे आकीर्षितं हो रेह ह, कीरे रेह ह और इस सकी ट की सम ध की निलेए फि>रे स वों" 4की और दुखो रेह ह। तं! निवोंज्ञा और व्य रे की निजीस
स्रोनितं, ह रेम ण यागे की कीC ए Dऔरे उसकी निवों शांकी रे प्रभ वों, और ह वों-स म्यावों दु (नि या!-स!शांनिलेज्म) की ह की! हक्रो कीरे
(डी की4 एजी)
प्राचीं की! मु म (ग्रे की और रे!म यावों ओं की! भ अ ओरे खोAचौं था —तंब तंकी, जीब तंकी फिकी अ धकी रे यागे क्रै नितंकी रे निवोंचौं रे इस गेह खो!जी की! रे!की ए ह।1 याह एकी त्वोंरिरेतं सम ध की तंले शां ह, जी! उस सकी सकी , निजीस म ष्या की म और शांरे रे की! रे" तंरेह स अ चौंगे ले म (जीकीड़ा निलेया ह। ध!खोब जी स्वोंया

की! सतं और जी दुगे"रे की रू म (प्रस्तं तं कीरे की प्रया स फिकीया ह। वों अ सफि दुग्ध यानि या की म ध्याम स म और आत्म स जीड़ा सभ सकी ट की निलेए तंत्की ले सम ध दु की वों दु कीरेतं ह।1
वों" 4की कीई तंथा कीनिथातं "निवोंशांर्षों ज्ञा" स "ण 4मनि की एकी रे डी म डी की जी या त्र की शां कीशां कीरेतं

ह।1 इनितंह स की! एकी ब रे फि>रे
याह दुजी 4कीरे ड़ा गे फिकी इ फिदुखो वोंट ठगे म (सबस अनिधकी छेले कीरे वों ले वों आध्या नित्मकी ढं गे ह,1 जी! सम जी म (अ

निशांकी रे की! बड़ा आस स भ्रनिमतं कीरे, उन्ह (एकी नि रेथाकी4 बनिलेदु की वोंदु रे चौंढ़ दुतं ह।1 निश्चम

दुशां की लेगेभगे हरे रे जीध म (आजी समMद्ध रू स >लेतं ->"लेतं "आध्या नित्मकी दुकी (" दुखो की! निमलेतं

ह,1
जीह D भ!ले- भ ले यावों अ व्यनि गेतं मनि की खो!जी म (जीलेतं रेहतं ह।1
इस निस्थानितं एकी ऐस "आध्या नित्मकी ब ज़ी रे" की! खोले छे!ड़ा फिदुया ह, जी! फिकीस भ रे!की-ट!की की निब

>ले->"ले रेह ह।
इस ब जी रे म (.स् तंकी , चौं ट', आरे खो , तं नित्रकी यात्र और कीले गेरु ओं की ब ढ़ आ गेई ह, जी! शां नितं और सतं !षों की! बची
की व्य रे कीरे रेह ह।1 निजीतं गेढ़", उतं आकीर्षों4की; निजीतं रेहस्यामया , उतं अनिधकी वों छे या; निजीतं

निवोंनिचत्र, उतं
तंत्र की दुनि या
ह आ दुदु याकी।

जी! ले!गे वों स्तंवों म (आनित्मकी शां नितं औरे आ तंरिरेकी शांनि की खो!जी म (ह!तं ह,1 वों उस वों फिदुतं शां नितं ण"4 लेक्ष्या की ओ
ड़ातं ह—1जीह् D जी वों म (सतं !र्षों ह, जीह् D निवोंश्व की प्रनितं प्रम ह; जीह् D वोंरिरेष्ठों ले!गे दु!हरे म दुडी स्था नि तं हA कीरेत
अ कीनि ष्ठों की! ध!खो दुतं ह,1 औरे ह उन्ह (शां नितं की म रे वोंनि श्वकी याद्ध की ओरे धकी लेतं ह।1

म ष्या की आत्म की इस सकी ट की भरे रे" ले भ सस्तं आध्या नित्मकी व्य रिरेया उठ या ह। जीब ध"तं4ठगे म ष्या की
आनित्मकी ड़ा की! अ व्यनि गेतं ले भ औरे शांनि की निलेए सHदुब ज़ी की वोंस्तं ब ले तं ह,1 तंब म ष्या की आत्म सबस

नि म्न स्तंरे रे हुचौंDती तं ह।

दुभ 4ग्यावोंशां, तं त्र भ उ निगे - चौं उत् दु म (स एकी ब गेया ह, निजीस इ आध्या नित्मकी व्य रिरेया अ दुकी म (
सजी रेखो ह। इस प्र चौं औरे गेढ़" स ध द्धनितं रे असख् या स् तंकी(ब ज़ी रे म (भरे ड़ा ह,1 औरे उ म (एकी औरे स् तंकी
जी!ड़ा शां यादु न्या यासगे तं हA ह!गे । सतंह तंHरे रे बुद्धिोए तं!, याह प्रया स सफि दुग्ध प्रतं तं ह!तं ह।

जीब या निवोंचौं रे मरे म म (आतं ह,1 तं! मझे एहस स ह!तं ह फिकी म 1 अब तंकी अ निमत्र की लेगे तं रे आग्रेह की ब वोंजीदु" इ
अ भ वों की! निलेनि बद्ध कीरे स खोदु की! सख्तं स रे!की रेखो था । उ की अ स रे, या अ भ वों तं त्र की स धकी की निलेए अ म!ले
खोजी की सम ह,1 क्या फिकी इ म (उ ले!गे की निलेए प्रत्याक्षा अ भ वों की जी की रे सम निहतं ह, जी! तं त्र की वों स्तंनिवोंकीत
की! स्वोंया समझे चौं हतं ह।1
अब जीब म 1इस आग्रेह की आगे झे की रेह हूँ D(औरे शां यादु एकी ले खोकी की रू म (स वोंजी4नि की सवों दु की उस व्यग्रेतं की की
भ), तं! मझे तं रे तं एकी चौंतं वों दु आवोंश्याकी प्रतं तं ह!तं ह।

जीीसे!!गेहतंह्न1वाों तंइसनिम्रात्तंकीटकोंाो की सह्लिंतंकी म गेदु4शां4 या दु शांनि4 की व्य ख्या की अ क्षा
रे" तंरेह नि रे शां जी की एगेD। याह स् तंकी फिकीस प्रकी रे की आध्या नित्मकी उद्ध रे या सकी टग्रेस्तं आत्म ओं की निलेए की!ई
दुवों या सम ध प्रस्तं तं कीरे की दु वों हA कीरेतं ।

"तं त्र की दुनि या " की छे निसखो की दु वों हA कीरेतं औरे ह की!ई सदु शां दु की प्रया स कीरेतं ह। याह शां नितं तंकी हुचौंD
की फिकीस शांश्र्ट4कीट म गे 4की क्शां प्रदु हA कीरेतं । याह फिकीस भ प्रकी रे की आत्ममग् धतं म (निलेप्त हA ह— तं! आचौं य
की कीले की चौंतं रे ई की दु वों कीरेतं ह, ह दु शांनि4 की की निवोंद्वी की , औरे ह जी दुगे"रे या रेहस्यावों फिदुया की गेप्त
रेहस्या की ।
याह स् तंकी एकी स ध रेण स धकी की की छे जीरिटले व्यनि गेतं अ भ वों की! प्रथाम रु र्षों म (प्रस्तं तं कीरेतं ह— एकी ऐस स धकी की
जी! तं त्र की म गे 4 रे चौंले , उस म गे 4 रे जी! एकी म दु स 4 की घ तंकी की डीले की सम ह। याह स् तंकी फिकीस निवोंशांर्षों प्रश
सम्म की दु वों हA कीरेतं । वों स्तंवों म,(इसकी उद्दी श्या की वोंले अस ध रेण घट ओं की! स झे कीरे औरे समझे की एकी
सच्ची , हृदुया स हृदुया तंकी हुचौंD वों ले भ वों की! उजी गेरे कीरे ह— एकी ऐस भ वों , जी! आध्या नित्मकी या त्र म (निमले
सहधर्पिमया की ब चौं अ भ वों की आदु -प्रदु की निवोंत्र भ वों स ओतं-प्र!तं ह!।

इसनिलेए, ठकी स नि वोंदु ह फिकी वोंह इस स् तंकी म (वोंर्पिणतं घट ओं की सच्ची ई रे निवोंश्व स कीरे । समया औरे दुरे" की प्रभ वो
स नि निश्चितं रू स की छे निवोंवोंरेण ध ध औरे की!हरे म (खो! गेए ह गे ।

कीई घट एD, जी! अब ध धले स्मनिMतंया की की!हरे जीी रेहरे हुईखोनि निश्चितं रू स वों स्तंनिवोंकीतं स बड़ा , अस् r,
अ तंह या निवोंकीMतं प्रतं तं ह! सकीतं ह।1 वों कीभ भ अ मले" शां द्धतं म (प्रकीट हA ह! सकीतंA। की छे घट एD अ कीह

रेह गेई ह,1 की छे समया की स था > की ड़ा गेई ह,1 औरे की छे की छे या एD औरे रे गे गेहरे ह! गेए ह।1 ले फिकी की ले निमले कीरे, ले खोकी अ रे" की!निशांशां की ह फिकी वोंह उन्हA तंथ्या की नि कीट रेह, निजीन्ह (उस तंब दुखो था औरे निजीन्ह (अब स्मरेण रेह ह।

याह स्वों की रे कीरे ह!गे फिकी याह Dवोंर्पिणतं घट ओं रे निवोंश्व स कीरे कीरिठ ह। वों स्तंवों म,(याफिदु उन्ह (सतंह रू म (निलेय तंनि की भ जी ए तं! वों म वों समझेदु रे की! चौं Hतं दु सकीतं ह।1 याफिदु ठकी इन्ह (म त्र कीC या गेप् समझे, तं! मझे आश्चया 4या दुखो हA ह!गे । एकी कीथा वों चौंकी की रू म,(सचौं कीहूँ Dतं!, मझे इस ब तं स की!ई निवोंशांर्षों >की4 हA ड़ातं ।

क्या फिकी म 1 इ अनिवोंश्वस या घट ओं की! अ आDखो स दुखो ह, औरे इ म (स की छे ब तं की! स्वोंया स ह, इसनिलेए मझे इन्ह (वोंर्पिणतं कीरे की ब ध्यातं महस"स हुई। इ घट ओं की सत्यातं की! प्रम निणतं कीरे या उ की निलेए की!ई तंकी4सगे तं व्य ख्या दु मरे की या 4 हA ह, औरे ह मरे स वोंह म निसकी या बHनिद्धकी क्षामतं ह फिकी म 1ऐस कीरे सकी"D। इस प्रकी व्य ख्या की की या 4तं! निथाया!स॰फि>स्ट औरे दु शांनि4 की की क्षा त्र म (आतं ह।
चौंफि"Dकी म 1इस स् तंकी म (वोंर्पिणतं घट ओं की सत्यातं की! प्रम निणतं कीरे की की!ई प्रया स हA कीरे रेह हूँ,D इसनिलेए म 1अ ठकी की! याह अनिधकी रे दुतं हूँ Dफिकी वों इस स "ण 4 स् तंकी की! अनिवोंश्वस या म सकीतं ह 1औरे इस की वोंले कीC की ए की!रे तं -ब घ!निर्षोंतं कीरे सकीतं ह।1

इसनिलेए, याफिदु की!ई इस कीC म तं! मझे
फिकी निब हवों वों ले रे निगेस्तं म (ब जीकी!ई।अ म हA ह!गे ; ह म 1अ इस प्रया स की! नि रेथाकी4 म गे"D , जीस
इ घट ओं की! वोंर्पिणतं कीरेकी , औरे इ निवोंवोंरेण की! या!ग्या निजीज्ञा सओं
अ एकी महत्वों ण" 4निजीम्म दु रे की! रे" कीरे रेह हूँ।D
मझे रे" निवोंश्व स ह फिकी ऐस कीई ले!गे ह 1जी! इस क्षा त्र म (प्रत्यक्षा हुआ Dकीरे म 1ऐस निरे!दों की आवोंश्वयाकीतं महस"स कीरेतं —एकी ऐस क्षा त्र, जी! आजी भ , तंथा कीनिथातं 'वोंज्ञा नि की दुनिMrकी!ण' की इस फिदुखो वोंट शां!रेगेले की ब चौं, एकी खो!जी, औरे आत्म-खो!जी की निलेए अत्यातं रे!चौंकी ब हुआ ह।

तं त्र औरे तं नित्रकी सत्या आजी भ रेहस्या की एकी गेढ़" कीक्षा म (बदु ह,1 निजीसकी की निजीया D अत्यातं कीरिठ ह। अज्ञा तं अभ भ अ ओरे आकीर्पिर्षोंतं कीरेतं ह।
प्र चौं औरे आध नि की की ले की सबस गेहरे वोंज्ञा नि की खो!जी तं त्र की रेहस्यामया द्वी रे की! भ दु की स हस फिदुखो या ह— चौं ह वोंह अतं शां श्रे ज्ञा औरे गे जी 4 ह , या थाC स औरे ए डी!कीCस; शां कीरे चौं या 4औरे अनिभ वोंगे प्र ह , या > उस्ट, शां! ह वोंरे, ब्लेकी , ब्ले वों त्स्की , ओनिलेवोंरे लेश्जी औरे रेवोंAद्र था ट गे!रे।

ऐस निजीज्ञा स औरे शां!ध रेकी मनिस्तंष्की की निलेए याह स् तंकी शां यादु रे" तंरेह नि रेथाकी4 ह!। आनिखोरेकी रे, तं त्र हम (उन्हA रे रिरेकी अनिभले खो औरे अ भ वों की श्रेखोM ले की म ध्याम स स; गेया ह, निजी म(इस ढ़ दुरे ढ़ सरे निक्षातं रेखो गेया ह।

जी! की छे भ कीह जी ए या फिकीया जी ए, सवोंÁम प्रया स की ब वोंजीदु" समया अ छे छे!ड़ातं ह ह। नि निश्चतं रू स, की छे निवोंवोंरेण की! कीम आDकी गेया ह!गे , की छे की! बढ़ -चौंढ़ कीरे प्रस्तं तं फिकीया गेया ह!गे , औरे कीहA-कीहA गेलेतं जी!रे दु या अनितंशांया!नि ण"4 भ र्षों की की रेण याह वोंण4 असहजी लेगे सकीतं ह।

एकी ले खोकी भ आनिखोरेकी रे एकी इ स ह ह!तं ह; भले ह वोंह रे" वोंस्तं नि छोंतं ब ए रेखो की सकी C ले , उसकी अ
भ वों त्मकी दुनिMr जी वों की घट ओं की दु 4ण रे अ छे या डी ले ह दुतं ह— निवोंशांर्षों रू स तंब, जीब निवोंर्षोंया स्वोंया
इतं निवोंस्तंMतं ह! फिकी वोंह रे!म चौं औरे रेहस्या की ब चौं झे"लेतं फिदुखो ई दु।

इ कीथा गेतं त्र रिटया औरे स निहनित्याकी अलेकी रेण की! छे!ड़ा दु,(तं! जी! की छे भ घट -दुरे-घट , अध्या या-दुरे-अध्या या प्रस्तं तं
फिकीया गेया ह, वोंह की वोंले सत्या ह ह— रे तं अ>स!स, स "ण 4सत्या हA।
रे" सत्या हमशां ह उस रेहस्यामया गे> (nihitam guhāyām) की अ धकी रे म (निछे रेहगे , निजीसकी ब रे म (किंकीवोंदुनि तंय
प्रचौंनिलेतं ह।1 औरे तं त्र की आकीर्षों4ण स धकी की! सदुवों अ ओरे खोAचौंतं रेहगे , उन्ह (उस Hरे निणकी 'स्वोंण 4की जी ' की!
निलेए व्य की ले कीरेतं रेहगे , निजीसस इस 'रेहस्यामया गे> ' की द्वी रे खोले सकी ।

याफिदु ठकी एकी कीM कीरे सकी(—या फिकी इस स् तंकी म (वोंर्पिणतं घट ओं की वों स्तंनिवोंकीतं की! स्वों की रे कीरे ले(—तं! वो
भ सनि निश्चतं कीरे सकीतं ह 1फिकी प्रस्तं तं फिकीए गेए निवोंवोंरेण अ क्षा कीMतं सत्या ह।1 या घट एD उस व्यनि की आDखो की
थाA, निजीस अ बचौं स ह रेहस्यामया जीगेतं की दुरे"स्था स म ओं स आ वों ले सकी तं की! ग्रेहण कीरे की निलेए अ दुनिMr
औरे श्रेवोंणशांनि की! प्रनिशांनिक्षातं फिकीया था ।
जीस फिकी म 1 हले ह कीह , म 1इ घट ओं की की!ई 'वोंज्ञा

नि की' या म !वों ज्ञा नि की व्य ख्या कीरे की प्रया स हA कीरे रेह
हूँ,D औरे ह ऐस कीरे की की!ई इरे दु ह। या घट एD जीस घटA, वोंस ह चौंरेण-दुरे-चौंरेण प्रस्तं तं कीरे रेह हूँ।D
याफिदु की!ई व्य ख्या सभ वों भ ह!, तं! वोंह उ ले!गे की हुचौंD स रे रेहगे जी! इ घट ओं की व्य ख्या की आवोंश्याकीतं
महस"स कीरेतं ह।1 सदु ह की मC"या म निसकी शां नितं औरे आनित्मकी सतं ले की दुनिMr स कीहA अनिधकी महगेD ड़ातं ह, f
स तंब, जीब की!ई ऐस क्षा त्र ह! जीह D प्रवों शां कीरे की निलेए निवोंश्व स औरे अहकी रे की सम ण4 ह एकीम त्र की जी ह!।

जी! ले!गे याह Dप्रस्तं तं कीथा स सहमतं हA ह! सकीतं , वों— औरे म 1इस दु!हरे तं हूँ—D रे" तंरेह स्वोंतं त्र ह 1फिकी वों इस रे"
प्रया स की! एकी ऐस कीथा म ले(, जी! कीहA की भ हA, बनिCकी म त्र कीC की जीगेतं स आई ह!।
याफिदु उ की निलेए तं त्र औरे तं नित्रकी जीगेतं की याह गेभ रे निवोंर्षोंया की वोंले एकी कीC की दुनि या ब रेह, तं! ऐस ह सह ।
इसस की!ई तं रे शां!की कीरे गे औरे की!ई की आ स "बह एगे ।
याह ले खो की वोंले उ ले!गे की निलेए ह जी! निवोंश्व स रेखोतं ह,1 जी! रिरेश्रेम ह,1 जी! दुढ़M ह,1 औरे जी! इस म गे 4 रे सकी C बद्ध
ह!कीरे खो!जी म (लेगे हुए ह।1 याह एकी ण"4 हुआ निमशां ह औरे इस फिकीस वोंकी लेतं या प्रम ण की आवोंश्याकीतं हA ह।
याफिदु इस आध्या नित्मकी सम दु या की की!ई एकी भ स धकी इ छोंM म (अ आगे बढ़ की निलेए की!ई म गेदु4शां4 प्र स्र कीरे सकी
की!ई ऐस हCकी -स रे!शां सकी , जी! घा!रे अ धकी रे की ब चौं भ अ नितंम लेक्ष्या तंकी हुचौंD की सकी तं दु सकी , तं! ले खोकी
अ श्रेम स>ले प्रतं तं ह!गे औरे वोंह स्वोंया की! रिरे ण" 4रू स रे स्कीMतं महस"स कीरे गे ।

ठकी अब तंकी इ छोंM की! ढ़तं हुए याह अवोंश्या ह दुखो!गे फिकी इ घट ओं की छोंMभनि"म मख् या रू स वों रे णस
औरे गेगे दु तंकी स निमतं रेह ह।
ऐस इसनिलेए ह क्या फिकी याह Dदुजी 4अनिधकी शां घट एD उस गेरे म (घट थाA, जीह D ले खोकी की जीन्म हुआ औरे जीह D उ
अ या वों वोंस्था निबतं ई। स्वों भ निवोंकी रू स, याह स्था औरे वोंह की लेखोडी निवोंशांर्षों ध्या की त्र रेह ह।

ऐस हA ह फिकी अन्या स्था की उCलेख नहीं फिकीया गेया ह, ले फिकी मख् या रू स याह घट एD इस शांतं ब्दु की दुस"रे स ले कीरे चौंHथा दुशांकी की अ तं तंकी की समया की! दुशां 4तं ह,1 औरे इ की की(द्र वों रे णस ह रेह ह।

इस प्रकी रे, ले खोकी की जी वों म (औरे भ अ की निवोंनिवोंधतं ण"4 घट एD घरिटतं हुई ह,1 जीब उस निवोंश्व की दुरे"स्था दुशां की या त्र ए DकीÐ—जी औरे मनि क्सकी!, था ईलेडी1 औरे हतं , की ब!निडीया औरे जीम की , ग्रे स औरे सरे" म, नित्रनि दु दु औरे रू। याह अभ नि निश्चतं हA ह फिकी वों निवोंनिचौंत्र कीथा एD कीभ स ई जी एगेD या हA, क्या फिकी ले खोकी की बढ़तं उम्र औरे की प्रकी रे की ब ध ए Dइसकी आड़ा आ सकीतं ह।1
इस कीथा की म (अनिधकीतंरे स्था रे म 1 प्रत्याक्षा सवों दु शां ले अ की प्रया स फिकीया ह। नि निश्चतं रू स, समया औरे

स्था की स म ए Dहमशोंरे" तंरेह याथा था 4रेकी प्रस्तं नितं म (ब ध ब ह।1

सट की निवोंवोंरेण प्रस्तं तं कीरे म (जी! एकी प्रम खो ब ध रेह ह, वोंह सवों दु कीरे वों ले की भ र्षों रेह ह। उ म (स अनिधकी शां की वोंले अ म तंभM र्षों म (ह ब!लेतं था। अ ग्रेज़ी की प्रया!गे तं! लेगेभगे हुआ ह हA
इस की रेण, ठ्य स मग्रे की! इस ब ध की स म कीरे ड़ा ह। ले फिकी फि>रे भ , जीब म 1उ घट ओं औरे उस समया की! o अ भ वों कीरे की प्रया स कीरेतं हूँ,D तं! म 1 सवों दु कीरे वों ले वों स्तंनिवोंकी त्र की शांब्दु की गेम4जी!शां ब ए रेखो की रे" की!निशांशां की ह। म 1आजी भ उ शांब्दु की! जी वोंतं रू स स्मरेण कीरेतं हूँ,D औरे वों आजी भ आध्या नित्मकी ऊजी 4औं तं त्र शांनि की सचौं रे कीरेतं प्रतं तं ह!तं ह।1
उ सदु शां की वों स्तंनिवोंकीतं रे भरे!स कीरेतं हुए, जीब म 1उन्ह (o सजी वों कीरे की प्रया स कीरेतं हूँ,D तं! म 1 उ की वों तं 4ले की आत्म की! ब ए रेखो औरे उ की मले" स रे की शां द्धतं की! याथा सभ वों सरे निक्षातं रेखो की रे" की!निशांशां की ह।

इसनिवोंश्व एDज हफिकीइतं/Aह भ प्रसत्यक्षस्वोंदु, घुशांपरे की उ या!गे फिकीया गेया ह, मझे तं व्रतं , अथा 4औरे जी वोंन्तंतं की! ब ए रेखोतं ह— भले ह , म 1स्वों की रे कीरेतं हूँ Dफिकी इसम (प्रया शांब्दु वोंले की शां द्धतं औरे उ सवों दु की सहजीतं , जी! मले" भ र्षों म (कीह गेई था , कीहA-कीहA कीम ह! गेई ह!।

'अ ढ़' औरे 'अकी शांले' ले!गे की सहजी अनिभव्यनि की जी! निवोंशांर्षों आ दु ह!तं ह, उस की!ई भ स निहनित्याकी कीHशांले या रेचौं त्मकी तंकी की कीभ रे" तंरेह कीड़ा हA सकीतं।
जीह D भ मझे प्रत्याक्षा वोंण4 की सट कीतं की! ले कीरे गेभ रे सदु ह हुआ—चौं ह वोंह वों क्या सरे चौं म (ह!, छेनिवोंया औरे मह की उ या!गे म (ह!, या उ मले" भ र्षों की अ शां म,(निजी की अ वों दु कीरे कीरिठ था —वोंह D म 1 स मग्रे औरे प्रस्तं नितं की आत्म की! ब ए रेखोतं हुए, एकी रिरे !ट4रे की शां ले अ ई औरे अ भ र्षों म (अप्रत्याक्षा रू स उ सवों दु की! प्रस्तं तं फिकीया।
इस प्रफिक्रया म,(की छे क्षाम्या निभन्नतं एD, सभ निवोंतं असगे नितंया Dऔरे व्यनि गेतं शां ले की छे अवोंश्या ह कीहA-कीहA उभरे ह!गे।
इ स निमतं स्वोंतं त्रतं ओं की ब वोंजीदु", मझे ह।

निवोंश्व स ह फिकी इस अ भ "नितं की मले" स्वों दु अ प्र म निणकीतं की! ब ए रेखोतं

फि>रे भ , याह ध्या रेखो आवोंश्याकी ह फिकी याह स् तंकी एकी प्रकी रे स कीस म (रेह ह, क्या फिकी भगेवों वोंस्त्रध रे मनिह्ले
की भ र्षों की सहजी गेरिरेम , रेदु की शांब्दु की तं क्ष्ण औरे गेह्रे व्य ग्या त्मकीतं , औरे सतं निजीतं की भ र्षों की शां तं औरे गेढ़" भव्यतं —या सभ , कीथा की वोंण4 म (अ मHनिलेकीतं की! खो! चौंकी ह।1 ठ की वोंस ह , जीस की!ई भ भ र्षों ईश्वरे औरे
उसकी मह तं की वोंण4 कीरे म (असमथा 4रेहतं ह, क्या फिकी म वों की भ र्षों म (अस म की! स निमतं कीरे की क्षामतं हA
ह!तं ।

ले खोकी की अ या!निगेकी सया म म (कीम औरे निवोंदुशां भ र्षों ओं की प्रनितं उसकी स निमतं जी की रे भ

नि निश्चतं रू स मले"
कीथा की की चौंमकी की! की छे हदु तंकी > की कीरे फिदुया ह!गे ।
इ कीनिमया की अले वों , कीहA-कीहA अ नि चौंतं बले फिदुया गेया ह!गे , की छे घट एD टकी या रू स प्रस्तं तं हुई

ह गे , औरे की छे
निवोंवोंरेण म (अलेकी रिरेकी सजी वोंट की अनिधकीतं भ आ गेई ह!गे ।
इ व्यनि मेतं कीनिमया की ब वोंजीद" मरे निलेए याह Dप्रस्तं तं निवोंवोंरेण मरे जी वों की ठ!स तंथ्या ह ह।1
इस स् तंकी की! तं या रे कीरे म (मझकी निप्रया निमत्र स प्रेरे ण निमले , जी! अब इस सस रे म (हA ह,1 ले फिकी निजी की म (रे ब्रह्म द कीद "द) नित्रनि द द की को सव स्हया की निलेए एकी आदशां4 ब रेहगे ।
याफिदु ठकी अबउभ इस र" उप्रीया स की! की वोंले एकी स्वप्निद्रा की आत्मिसवों दु म कीरे अस्वों की रे कीरे चौं हतं ह,
म 1अ निमत्र श्रे ब . ए . चौंटजीÂ की आभ रे हूँ,D निजीन्ह मझे श्रे दुवों द्र(जी स निमलेवों या । याफिदु इ दु! मह भ वों की तं!वोंश सहयोगे निमले ह!तं , तं! म 1आजी भ एकी निवोंश्वस या औरे उरेदु या प्रकी शांकी की तंले शां म (ह ह!तं ।
मेरे कीरे की निलेए प"4वों मवोंल च द औरे अत्र निश्रोंभ स की रेखा कीरे "नि उप ये" अनिधकीरे भ ह ।
मझे याह स्वीं की रे कीरे "4वोंनिहए फिकी मरे अत्र , श्रे मतं अतिरेया कीर्पिडीयास4 अ क्र मनिणकी , शांब्दुकी!र्षों तं या रे कीरे औरे जी Dचौं म (जी! अथाकी श्रेम फिकीया ह, उसकी निलेए म 1उ की अत्यातं आभ रे हूँ।D
ब . भट्टा चौं या4
ई फिदुCले , 2 वोंबरे 1987

1.रेहस्यामया दुवों(The Mystic Lady)

एकी ब्रा ह्मण रिरेवों रे

मरे तं त्र स जीड़ा वों तं! की वोंले सद्ध नितंकी रेह ह और ह म त्र शां क्षानिणकी। इस क्रं नितंकी रे कीह जी सकीतं ह। याह रे" तंरेह व्य वोंह रिरेकी था , धरे तंले स जीड़ा हुआ औरे स्वों भ निवोंकी। मरे निलेए तं त्र उतं ह सहजी था निजीतं मछेले की निलेए म (तं रे ।

1910 म (वों रे णस जीस प्र चौं गेरे म (एकी ब्रा ह्मण औरे सस् कीMतंनि छों रिरेवों रे म (जीन्म एकी ब लेकी की निलेए तं त्र की वोंले निवोंर्षोंया हA था , बनिCकी याह उसकी चौं रे ओरे व्य प्त वों तं वोंरेण की निहस्स था । सस् कीMतं मरे लेगेभगे म तंभM र्षों ह था । मत्र औरे स्तं नितंया Dमरे निलेए वोंस ह गेजी" तं था, जीस एकी निशांशां की निलेए सकी ड़ा धड़ाकीतं ले!रिरेया ।D अ छों औं जी वों की नि यानिमतं निहस्स थाA, निजीन्ह (म 1 उस सहजीतं औरे प्रम स स्वों की रे फिकीया , जीस फिकीस ईस ई रिरेवों रे म (की रेहस्यामया रे नितं-रिरेवों जी की! अ या जी तं ह।

तं! की!ई प्रश्न छे" जी तं था, सदु ह फिकीए जी तं था, ह उरे की अ क्षा ह!तं था औरे ह फिकीस व्य ख्या की आवोंश्याकीतं महस"स ह!तं था । व्य ख्या औरे तंकी4 की याह भ"खो आध नि की तंकी4शां ले निवोंश्व की एकी प्रवोंMनि ह, जी! ऐनितंह रू स अठ रेहवोंA शांतं ब्दु की उ जी प्रतं तं ह!तं ह।

सदु ह एकी बHनिद्धकी अभ्या स ह, निजीस वोंह सस रे अ तं ह जी! फिकीस भ प्रकी रे की आनिधकी रिरेकी नि यात्र ण स बचौं च ह। लिंहदु "रेहस्यावों दु रे रे रे" तंरेह "गेरु " की अवोंध रेण रे आध रिरेतं ह, जी! अ अ भ वों, अ व्यनि गेतं नि छों औरे अ आकीर्षों4की व्यवोंह रे की म ध्याम स अ निशांष्या स ण"4 सम ण4 औरे अट"ट भनि प्र प्त कीरेतं ह। उसकी सवोंÁच्चीतं लेगेभगे उतं ह ण"4 औरे अटले म जी तं ह, निजीतं स्वोंया ईश्वरे की ।

उस ब लेकी की रे" दुनि या इस ण"4 सम ण4 की भ वों स भरे हुई था । याह उस आ तंरिरेकी निजीज्ञा स की स्वों भ निवोंकी निवोंकी स था , जी! जी वों म (सकी नितंतं, ले फिकी स् r फिकीए गेए, अदुश्Mया रेहस्या की खो!ज़ी म (लेगे रेहतं ह।

जीकीवों यकी!त्र कीकीवोंलिनिहस्सी था जा वोंम्ह छे!ज़ी बं लेकी, इस! रेम सत्या तंकी हुचौंD
खो!जी की रेहस्यामया आकी लेतं की छे निछे जीरिटले प्रफिक्रंया की! समझे हA सकीतं था ; ले फिकी जीस - जीस वोंह बड़ा हुअ रेहस्या की वों स्तंनिवोंकीतं , इसकी सभ वों औरे फिकीस अद्‌भुभतं शांनि की उ निस्थानितं की अ भ "नितं उसकी स्वोंया की चौंतं अनिभन्न अ गे ब गेई।
इसनिलेए याह आश्चया 4की ब तं हA था फिकी उस इस रेहस्या की गेहरे ई तंकी हुचौंD की निलेए सब की छे दु Dवों रे लेगे फिदुया औरे याफिदु आवोंश्याकीतं ड़ा तं! फिकीस अ रिरेनिचौंतं या अज्ञा तं म गे 4स भ गेज़ी रे की! तं या रे था ।

इसकी अनितंररिरे , उसकी ज्ञा की याह तं त्र भ"खो एकी निवोंत्र और फिदुव्य आभ स भ या था , जी! की वोंले आकीर्षो4की था , बनिCकी अत्यातं शांनि शां ले भ था । याह रेहस्यामया ह!तं हुए भ एकी आ तंररिरेकी आशां स भरे हुई था , निजीसकी अ एकी मHनिलेकी भ र्षों था ।

याह अ भ वों फिदुव्य रू स अ ठ" था और अ अ ठ" फिदुव्यतं म (स "ण 4था । याह व्यनि गेतं भ था और स मदु नियाकी भ । याह रेहस्या स ओतं-प्र!तं था , फि>रे भ फिक्रंस्टले की भ नितं स्वोंच्छे था । याह सया" 4की भ Dनितं उज्वोंले था और उतं ह

निवोंस्मयाकी रे था निजीतं निहम लेया की चौं!रिटया की! चौं Dदु की ध धले घ"\Dघट की ब चौं स दुखो

म 1आजी भ उ स्मनिMतंया की! दुखो सकीतं हूँ,D महस"स कीरे सकीतं हूँ,D और उ की स्मरेण म त्र स रे!म निचौंतं

ह! सकीतं हूँ।D जी²
स्ट अट4 निमले की तंरेह, मरे भ की!ई स ध रेण बचौं हA था ।

उत्सवों और भनि

सभ वोंतंo याह हम रे जी वों की ढं गे स जीड़ा हुआ था । हम रे रिरेवों रे दुवों की ले —रेहस्यामया अ धकी रेमया म तं —की! समर्पि तं था , निजीन्ह (हरे निवोंशांर्षो रिरेवों रिरेकी अवोंसरे रे आह्वों फिकीया जी तं था । और तं रे —जी! प्र च्या दुवों अr तंÔ, नितंब्बतं सरेस्वोंतं और कीरुण मया किंकीतं प्रचौं डी म तंशांMनि की प्रतं की थाA—की! हम रे घरे की द्वी रे रे स मदु नियाकी दुवों की रू
म (जी" जी तं था । याह एकी वों पिर्षोकी आया!जी था , निजीसम (आध रे तं स ले कीरे सया"Áदुया तंकी अ ष्ठों स या रे नित्रकी ले
Mत्या फिकीए जी तं था।

रिरेवों रे की प्रत्याकी सदुस्या की निलेए उ की छे!ट -छे!ट नि जी जी" स्थाले और निवोंनिशांr आस नि ध 4रिरेतं था। रिरेवों रे म (सभ — चौं ह वों रु र्षों ह या स्त्र —म D(की ले) और उ की रे"की रू निशांवों की जी" कीरे की निलेए ब ध्या था। "निब प्र था 4 की श्तं
हA"—याह एकी कीठ!रे नि याम था , निजीसस की!ई भ म हA था , निसवों या उ ले!गे की जी! गेभ रे रू स ब म रे ह!तं या
निजीन्ह (म निसकी धम 4की की रेण अस्था या रू स जी" स वोंनि चौंतं रेह ड़ातं । ले फिकी ऐस निस्थानितंया म,(उ की स्था रे की!ई अन्या व्यनि उ की जी" की उरेदु नियात्वों सभ लेतं , तं फिकी उ की जी" स्थाले 'सफिक्रंया' ब रेह। या नि याम अत्यातं कीठ!रे था, और इन्ह (निब फिकीस प्रश्न या सदु ह की कीड़ा ई स ले फिकीया जी तं था। मत्र !च्ची रेण, जी , प्र ण या म, आस और मद्र ए D
हम रे दुनि की जी वों की अनिभन्न निहस्स थाA।

भगेवों वोंत्रध रे मनिहले

ले फिकी म 1अलेगे था । क्यों , यह म 1खोदु भ हA जी तं , रे ऐस ह था , और हरे की!ई इस अ तंरे की! हचौं तं और स्वों की रे कीरेतं था । की छे मझे हठ कीह , की छे समया स हले रिरे क्क बतं या ; जीबफिकी जी! अनिधकी उदु रे था, उन्ह मझे दुढ़M नि श्चया म । म 1स्वों भ निवोंकी रू स एकी गेलेतं समझे गेया , अ ह ध म (रेह वों ले , और अ रे स्तं चौंले वों ले बच्ची था । ले फिकी मझे याह एहस स था फिकी म 1दुस"रे स ध्या , म न्यातं और सम्म की अ क्षा कीरेतं हूँ—Dशां यादु उ स भ अनिधकी, जी! वों स्तंवों म (मझे याह दु की निलेए तं या रे था।

मझे म (हरे चौं जी की! जी , खो!जी , समझे और आत्मस तं कीरे की तं ब्र इच्छे था । म 1प्रया!गे कीरे , गेलेनितंया Dकीरे , और याह Dतंकी फिकी स्था नि तं नि याम और उब ऊ फिदु चौंया 4की अवोंहले कीरे की निहम्मतं कीरे सकीतं था । मझे इस ब तं की आ दु निमलेतं फिकी ले!गे मझे बकी रे, उद्दी डी, और अरे जीकी बच्ची समझेकीरे ठ कीरे दुतं । आह! निवोंरे!ध एकी तं और अर्पिजीतं एकी की
की आ दु!

और जीCदु ह मझे इसकी रे स्की रे निमले ।

मझेसकी प्रनितं>ले निमले एकी अजी ब तंरेह की शां तं भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले की म तंसM लेभ सह भ "नितं की रू म,(जी! उस गेले म (अ स ध रेण व्यवोंस या चौंले तं थाA, जीह D हम रेहतं था। वों स्तंवों म,(वोंह हम रे सबस कीरे ब ड़ा!निसया म (स एकी थाA।

वों रे णस की या गेनिलेया Dगेगे दु की सम तंरे चौंलेतं ह,1 निजीस रे याह प्र चौं शांहरे एकी अधचौं4 द्र की रे की रू म (बस हुआ ह। वों रे णस इनितंह स निजीतं रे ह— एथा(स या Å²या, इ लिंचौंगे या की निहरे , दुनिमश्की या वों स भ अनिधकी प्र चौं । और या गेनिलेया Dआजी भ एकी प्र चौं शांहरे की प्र चौं धमनि या की तंरेह > ले हुई ह।1 अ निगे तं यागे स इनितंह स इ गेनिलेया स ह!कीरे अब ध रू स बहतं आ रेह ह।
म!ट -म!ट त्थारे की दु वों रे(, सकी रे गेनिलेया ,D उ रे निबछे निवोंशां ले त्थारे की >शां 4(जी! भ रेतं की सबस रे भ"निमगेतं जी नि की स प्रण ले की! ढंDकीतं ह)1, सड़ाकी रे घ"मतं स Dड़ा और गे या,(ग्र सन् या स और भजी गे तं >की रे—याह सब निमलेकीरे जी वों की एकी रे!म चौंकी और रेहस्यामया ध रे प्रवों निहतं कीरेतं ह।1 दुनि या म (और कीहA भ ऐस जी वोंतं निवोंश्वकी!शां इतं

रू म (हA दुखो जी सकीतं , निजीतं फिकी वों रे णस की इ सकी रे गेनिलेया म (निबखोरे ड़ा ह।

और याहA निस्थातं था उ की छे!ट -स दुकी : एकी सकी रे , एकी दुरेवों जी वों ले की रिटया , निजीसम (भ तंरे जी

रे एकी सकी रे अ धरे गेले था । इस गेले म,(जीह D की!याले की
की निलेखो और ध"ले भरे म > ले रेहतं था , वोंहA बगे ले स आया रिरेयाले की ढं रे भ"स भ जीम रेहतं था ।
दुखो म,(वोंह एकी रिरेयाले निवोंक्रं तं थाA।की!ई भ व्यनि उ स बहुतं ह कीम स म (रिरेयाले की ट कीड़ा

खोरे दु सकीतं था ।
ले फिकी ,वोंह निस>4 रिरेयाले ह हA बचौं तं थाA, बनिCकी उसकी रूई, निछेलेकी और उ रे शां स ब रेनिस्सया Dभ बचौं तं थाA। वोंह
स्वोंया अ ह था स कीठ!रे रे शां की! सतं" म (बदुले की कीरिठ की या 4कीरेतं थाA। और म,1 अ ब लेसले भ

निजीज्ञा स स भरे
आDखो स उ की > तंÂले उ गेनिलेया की! दुखो तं हुए चौंमत्कीMतं ह!तं फिकी की स वोंह लेगेभगे की छे ह! स की छे ब रेह थाA।
उस मशां की बड़ा निहया , निजीस वोंह अ ब ए Dह था स चौंले तं थाA, लेगे तं रे घ"मतं रेहतं था और अ

एकीरेस
मगे -तंमया ध्वोंनि नि की लेतं था । अक्सरे ऐस ह!तं फिकी ध रे -ध रे मरे आDखो (ब!निझेले ह! जी तंA, और म 1अ निसरे उ की
भरे रे" जीघ की की!मले म!ड़ा म (रेखोकीरे स! जी तं । उ की मज़ीबतं", गेदु गेदु और सहजी शांरे रे, जी! ले ब और

आत्मनिवोंश्व स स भरे था , मरे ब ले-म की कीC म (सरे क्षा और
निस्थारेतं की भ वों भरे दुतं था ।
हम बच्ची की निलेए याह भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले एकी आकीर्षा4की रेहस्या थाA। याह रेहस्या कीभ हले हA हुआ, तंत्रे की दुनि या

भले ह उ की ब रे
म (तंम म > स> स हट(और फिकीवोंदुनि तंया Dस ई दुतं A—कीभ डीरे वों , कीभ श्रेद्ध ण",4 कीभ रेहस्यामया और कीभ अनितं-

उअकीयाहरेनिवोंनिशांर्षों4 कीरेतं,कीले फिकीवों सम (हरे कीदुम रे झेलेकीतं था। वों हमशां

चौंचौं 4 निस>4 गे शां हA हा!तं —बनिCकी उसम (कीहA कीहA आदुरे औरे निवोंस्मया की भ वों सम या रेहतं। याह अप्रत्याक्षा श्रेद्ध जीनिले उन्ह (दु जी तं था, ले फिकी वोंह इस हमशां ण"4 सतं ले औरे नि मÁह भ वों स स्वों की रे कीरेतंA।

वोंह हमशां अ भ तंरे डी"ब हुई लेगेतंA, म ! ब हरे दुनि या की उ की निलेए की!ई निवोंशांर्षों महत्वों ह!। जी! ले!गे उ की स आतं था, या जी! उ स बहुतं दुरे" रेहतं था— दु! की निलेए वोंह सम रू स अ जी औरे अप्र स्त थाA।

वोंह हम रे म!हCले की ह हA, बनिCकी वों रे णस की एकी जी वोंतं किंकीवोंदुतं थाA।

औरे म 1ऐस क्या कीहूँ?D वोंरे औरे क्या की रेण ह! सकीतं था फिकी शां म की समया म तं ए D(औरे कीभ -कीभ नि तं भ) अ ब म रे सतं औरे खोदु अ तंकीले फ़्री की! ले कीरे उ की स आतं था? वों अ आस स की दुनि या की! भ ले कीरे, बस उ की ओरे बढ़तं चौंले आतं —निस>4 इस आशां म (फिकी वोंह उ रे की छे जीले की बदु" (निछेड़ाकी दु।(जीब वोंह इस प्रकी रे निवोंनिशांr अ छों म (ले ह!तंA, तं! ऐस लेगेतं फिकी वोंह फिकीस अथा ह गेहरे ई म (उतंरे गेई ह। औरे जी! ले!गे वोंह D उ निस्थातं ह!तं, वों भ उ की इस गेह तंन्मयातं स प्रभ निवोंतं हुए निब हA रेह सकीतं था।

ले फिकी म 1उ की ओरे फिकीस रेहस्यामया आकीर्षों4ण स लिंखोचौंतं चौंले गेया।

नि मले4 ग्रतं (Naked Innocence)

बच्चौं की वों स्वोंर्पिणम फिदु था, जीब म 1 रे" फिदु निब फिकीस वोंस्त्र की घ"मतं -फि>रेतं था, निस>4 वोंह ह कीरे, जी! जीन्म समया निमले था।

म 1अ इस स्वोंरू स इतं प्रसन्न था फिकी म Dस की ड़ा ह की बजी या उन्ह (उतं रे >(की की निलेए सघ र्षो4कीरेतं।

बच्चौं रे म !D वोंह स्वों भ निवोंकी रू स इस निवोंतं त्रतं स शांर्मिंमदु ह!तंA, जीबफिकी मरे हमउम्र स था मरे इ हरेकीतं स कीभ चौंफिकीतं ह!तं, कीभ हतंप्रभ—क्या फिकी ब की सभ की! म 1एकी स म न्या, प्या रे बच्ची लेगेतं था।
म 1स्वों भ निवोंकी रू स फिकीस भ आवोंरेण स घMण कीरेतं था।

मझे आ दु आतं था जीब झे लेसतं हुआ सरे"जी मरे गे त्वोंचौं की! चौंम"तं।

मझे लेगेतं था फिकी त्वोंचौं की असले उद्दी श्या याह ह— सरे"जी की स् शां4 की आ दु ले ।

मझे हवों की लेहरे की! अ ऊ रे महस"स कीरे अच्छे लेगेतं था, औरे खोले ज़ीम रे ले!ट भ।
मरे ज़ीरे म (हरे घ स की मरे त्वोंचौं स सबस ज़ीदु की सब ध था, क्या फिकी मझे लेगेतं था फिकी शांरे रे की जीड़ा(औरे घ स जीड़ा(एकी ह प्रकीMनितं की थाA।

औरे मझे बले तं था —निवोंशांर्षों रू स गेगे की वोंह निवोंशां ले, भव्य, प्रवों हम ध रे।

उसकी मखोमले, शां तंले, तंरेले लेहरे म (तं रे , उसम (निब रुकी ब रे-ब रे ले!ट , जीस भ!रे की फिकीरेण (उसकी सतंह रे निथारेकीतं ह—1याह सब मरे निलेए त्वोंचौं की एकी मध रे सगे तं था, जी! मरे स "ण 4स्ना यातं त्र तंकी हुचौंD जी तं था।

ग्र ह!कीरे इ जीलेध रे ओं म (बह स अनिधकी सखेहु की छे हA था।
गेगे की जीले हमशां मझो ह वों"4की अ भ तंरे सम ले की! तंत् रे रेहतं।

दु फिकीतं दुया ले था , जी! वोंस्त्र स ढंकी ह!तं ह,1 वों प्रकीMनितं की! रे" तंरेह स आत्मस तं हA कीरे सकीतं।
म 1स्वोंया की! सया",4 वों या, थ्Mवों औरे जीले की नि कीटतंम स था म तं था।
प्रकीMनितं की प्रनितं याह नि कीटतं , औरे वोंस्त्र म (बध म वों सम जी की म की की प्रनितं मरे घ!रे उ क्षा , मझे म (एकी नि भÂकी स् rवों फिदुतं निवोंकीनिसतं कीरे रेह था।
इस मरे भ र्षों -शां ले , व्यनि त्वों औरे कीC -शांनि की! गेढ़।

मरे निमत्र मझे अक्सरे नि डीरे औरे दुस् स हस कीहकीरे की रेतं था, रे तं म 1इस ब तं की! ले कीरे हमशां सशां या म (रेहतं था।

आजी, जीब छे मड़ा कीरे दुखो तं हूँ,D तं! मझे अ वों स्तंनिवोंकी स्वोंभ वों अ तंम 4खो ह प्रतं तं ह!तं ह।

शां यादु इस सम जी द्वी रे मझे रे था! गेए 'शां तं ' स्वोंरू ह भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले की! मरे प्रनितं आकीर्पिर्षोंतं फिकीया।

वोंह धनि कीटरेबलमझे लेगेA। जीCदु ह , म 1 स्वोंया की! उ की छे!ट -स की रिटया की भ तंरे की एकी तं की! म (
बठ या — एकी ऐस स्था , निजीसकी कीC तं! बहुतं की था , रे तं निजीस दुखो की अवोंसरे फिकीस औरे की! हA निमले था।

इस 'अस ध रेण' मनिहले की स्वों कीMनितं कीरे, म 1म!हCले की एकी निवोंनिशांr व्यनि ब गेया। उ की प्रनितं जी! आदुरे, रेहस्या औ निवोंस्मया ले!गे की म म (था , उसकी एकी अ शां मझे रे भ ड़ा लेगे। ऐस प्रतं तं हुआ जीस कीहA स की!ई फिदुव्य आभ मझे रे अचौं की उतंरे आई ह!।

ले!गे की दुनिMr म,(म 1अब स ध रेण हA रेह —म 1'अस ध रेण' ब गेया।

मरे स था सम्बध जी!ड़ा की चौं हतं अब की वोंले बच्ची तंकी स निमतं हA था —याह Dतंकी फिकी मरे बड़ा भ मरे स था चौं हतं

अब मझे उस रेहस्या की प्रनितंछेनिवों म जी लेगे , जी! स्वोंया भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले म (मतं"4रू ले चौंकी था — वोंह मनिहले , जी! अ एकी की उ निस्थानितं स ह जी जी तं था , फिकी अ सगे नितं स। ले!गे उसकी शांब्दु स अनिधकी, उसकी मH स रिरेनिचौंतं था।

उसकी आDखो (उसकी जी भ स अनिधकी ब!लेतं थाA। वोंह बहुतं कीम रे ज़ी ह!तं था , ले फिकी उसकी मस् की तं! औरे भ दुले 4भ

था। ले!गे उसकी उ क्षाओं की! सहजीतं स स्वों की रे फिकीया ,

रे तं जीब उस फिकीस की! स्वों की रे फिकीया , तं! याह सभ की निलेए चौं;की वों ले ब तं था। वोंह रेहस्यामया भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले ,
जी! हमशां
सबस दुरे" ब ए रेखोतं था ,
निजीस कीभ फिकीस स निमत्रतं हA की ,

उस एकी गे-धड़ागे गेले की बच्ची की! अ निलेया।

औरे तंब...

सड़ाकी रे खोड़ा आश्चयाचौं4फिकीतं दुशां4की की ज़ीरे म,(म 1अचौं की बहुतं बड़ा औरे ऊDचौं फिदुखो लेगे। औरे

म 1स्वोंया की! अत्यातं
धन्या महस"स कीरे लेगे।

म रे तं नित्रकी चौं चौं (My Tantrik Uncle)

इस म!ड़ा रे वोंह घट घट।

मरे चौं चौं की! एकी प्रनितंनिष्ठोंतं तं नित्रकी म जी तं था। तं त्र की स ध म (वोंह निसद्धहस्तं था, औरे ह्रे की!ई

उन्ह (इस क्षा त्र म (
एकी गेरु की दुकी 4 दुतं था। उ की नि जी जी वों शांले अत्यातं स दु औरे मया 4फिदुतं था, औरे वोंह ब्रा ह्मण या
अ शा स की प्रनित
अत्यानिधकी नि ष्ठों वों था। इस की रेण जी! ले!गे तं त्र की! जी तं था, वों उ की ओरे निवोंशांर्षो रू स आकीर्पिर्षोतं

ह!तं था।

आध नि की भ रेतं की मह तंम तं त्र-निवोंद्दी औरे स धकी म (स एकी था मह मह! ध्या या डी². गे! था

कीनिवोंरे जी। वोंह एकी
अ तंरे ष्ठी या स्तरे रे प्रनितंनिष्ठोंतं निवोंद्दी औरे तं नित्रकी था। म 1स्वोंया इस ब तं की स क्षा हूँ Dफिकी वोंह मरे
चौं चौं की प्रनित अत्यातं
श्रेद्ध भ वों रेखोतं था।

मरे चौं चौं की ले ब, लेहरे तं स> दु की शांरे निशां उ की की ध स चौं तंकी झे"लेतं था, औरे उ की रे शांम स> दु

दु द्ध उ की
व्यनि त्वों की! औरे प्रभ वोंशां ले ब तं था।
उ की चौंमकीदु रे त्वोंचौं औरे हलेकी रे गे उन्ह (वोंफि दुकी ऋनिर्षोया या ज़ीन् दु-अवोंस् तं की निवोंत्र सतं की तंरेह

प्रतं तं कीरे तं था।
भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले की प्रनितं मरे नि कीटतं उ की जीरे स बचौं हA सकी। एकी फिदु उन्ह इस बढ़तं सब ध
रे एकी
महत्वों ण" 4रिटप् ण की —एकी ऐस सब ध, जी! उ फिदु एकी सच्ची आस्था वों ब्रा ह्मण रिरेवों रे म (स्वों की या

4 हA था।

क्या ?

क्या फिकी उसकी अतं तं सफि दुग्ध था। ले!गे की म था फिकी वोंह 'स्की रेलेट ले टरे' वों ले निस्त्रया की वोंगे4 स

आतं था।
ले फिकी क्या याह सचौं था, या निस>4 स -स ई ब तं रे आध रिरेतं एकी अ म ?
वों स्तंवों म (वोंह कीH था ? स म निजीकी दुनिMr स, औरे जी नितं की अनि वों या 4प्रश्न की! ध्या म (रेखोतं हुए,

उसकी क्या स्था था ? उसकी अतं तं क्या था ?
भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले की रू म (उसकी जीन्म हA हुआ था। ऐस की!ई भ जीन्म हA ले तं। भगेवों वोंस्त्रध रे
मनिहले की
रू म (उसकी जीन्म हA हुआ था। ऐस की!ई भ जीन्म हA ले तं। या फि>रे की ह्रे औरे भ गेभ रे था ? क्या वोंह

' नितंतं' स्त्र था। (ले फिकी मरे   निलेए, वोंह एकी ' नितंतं दुवों दुतं"' था।) उस अ   निवोंधवों यावों वोंस्था स भ गेकीरे एकी बहुतं ह
नि म्न जी नितं की   रु र्षों की स था जी वों की तंले शां की , ले फिकी ब दु म (वोंह भ उस छे!ड़ाकीरे चौंले गेया। की छे समया तंकी वोंह
सस रे की बरे हम सड़ाकी   रे भटकीतं रेह , ले फिकी अ तंतंo उस अ   भ तंरे की शांनि की! हचौं   , अ   खो!ई हुई
हचौं   की! फि>रे स   या , औरे अ   वों स्तंनिवोंकी तं जी औरे गेरिरेम म (o स्था नि तं हुई।

उस स्वोंया की! सम जी स नि वों 4निसतं कीरे निलेया था ,औरे निहम लेया की दुरे"स्था औरे अज्ञाया शां नितं म (चौंले गेई। निवोंशांषे
निहम लेया की   वों"Â छे!रे म (उस अ   शांरेणगे ह ब ई, ले फिकी अ तंतंo वोंह वों रे णस की शां तं रेहस्यामया गे!दु म (स्था या
तंब तं चौंले जीब उस अ   अ नितंम निवोंदु ई स की छे मह   हले , अ   जी वों की सबस
रू स बस गेई। याह सब मझे

गेहरे रेहस्या की! मरे   स था स झे फिकीया।

नि निश्चतं ह मरे   चौं चौं इस कीह   की की छे हले ओं स   रिरेनिचौंतं रेह ह गे। शां यादु इस की रेण उ की रिटप् ण

इतं   तं खो

औरे म रेगेर्पिभुतं था। याह अ   आ म (तं नित्रकी जी वों की   ण"4 स्वोंतं त्रतं की प्रम ण ह। जीह D की!ई स म निजीकी
प्रनितब ध हA

ह!तं , बनिCकी स ध   औरे निसनिद्ध की वोंले सच्ची उ लेनिब्ध की आध रे रे आ की जी तं ह। एकी तं नित्रकी की निलेए

की!ई स म ए D हA

ह!तंA। वोंह फिकीस बध   की! स्वों की रे हA कीरेतं। वोंह उ सभ स म निजीकी जीजी रे की! तं!ड़ा दुतं   ह, जी!
म ष्यो की मले"

हचौं   की! दुब   की निलेए ब ई गेई ह।1

"वोंह हम रे   हA ह" "याह तं म्ह रे सHभ ग्या ह, " मरे   चौं चौं   कीह , फिकी उस तं म्ह (चौं   ह, यावों की। ले फिकी

तं! अ   समया व्यथा 4कीरे!,   ह

उसकी प्रम की!। इस समझे!, इस आत्मस तं कीरे!, औरे उसकी आभ रे म !।" जीब म 1याह स!चौं ह रेह था फिकी
'समया की

सदु या!गे' की स कीरूD, तं! उन्ह   आगे कीह , "उसकी आवों ज़ी फिदुव्य ह। वोंह मह   स्तं नितंया   Dगे तं ह। उन्ह
"इसकी अले वों , याह मतं भ"ले! फिकी उसकी भ तंरे जी! आध्या नित्मकी गेरिरेम तं म दुखो तं ह!, उसकी स था-स था वोंह तं नित्रकी

(सखो!, औरे तंत्र" सस् की रे की गेहरे जी की रे भ ह। याफिदु तं म चौं ह!, तं! याह ज्ञा   तं म्ह (बहुतं आगे तंकी ले जी सकीतं ह।
औरे तंत्र निवोंकीतं की हलेओं" प4कीतं स्वोंतं त्रM नितं 4नी खो!जी म (सभ निवोंदुर्षो   ह। इस ब रे म (बहुतं कीम ले!गे जी तं ह।1"

वोंह एकी क्षाण रुकी , फि>रे ब!ले—

"औरे याफिदु दुवों तं ओं की कीM   हुई, तं! जी! की छे सगे तं स प्र रे भ ह!गे , वोंह उ खोजी   तंकी हुचौंD सकीतं ह,
निजी की खो!जी म (सभ या!गे भटकीतं ह,1 ले फिकी बहुतं कीम की! वों प्र स ह!तं ह।1"

"की स खोजी   ?"

म 1तं रे तं ब्ले"ठ ,

जीस   की!ई जीगे ले निशांकी रे अचौं की अ   निशांकी रे की गेध   कीरे चौंHकीन्न ह! जी ए। मरे   चौं चौं की छे दुरे तंकी मH रेह।
उन्ह   अ   आDखो (आकी शां की ओरे उठ दुA, जीस   की छे खो!जी रेह ह। फि>रे उन्ह   गेभ रे औरे गेजी" तं आवों ज़ी म (कीह —
"वोंह हम रे   हA ह।
वोंह अ तं की ह।
वोंह समया औरे अ तंरिरेक्षा स एकी की रे ह। " "क्या याह तं म्ह (समझे म (आतं ह? "

"याफिदु वोंह तं म्ह रे म गेदु4शां4की ब , तं! वोंह तं म्ह (गेढ़" मH की मह स गेरे औरे स्वोंगेÂया ध्वोंनि या की सस रे म (ले जी सकीतं
तं म दु! एकी स था एकी ऐस या त्र रे नि कीले सकीतं ह!, निजीसकी ब रे म (बहुतं कीम ले!गे जी तं ह 1औरे की वोंले की छे ह
इस स या स् तंकी म (ढ़ ह। तं म्ह रे स एकी अवोंसरे ह। इस व्यथा 4मतं जी दु!।"

"समया औरे अ तंरिरेक्षा स एकी की रे!"

“अ तंरिरेक्षा औरे समया की स था एकी!”

शांब्दु मरे मनिस्तंष्की म (गेजी" लेगे। आ वों ले चौं ज़ी की अजी ब!गेरे ब गेड़ागेड़ा हट मरे वोंर्षों" की शां तं म सनि"मयातं की! भ
कीरे फिदुया।
जीCदु ह अ धरे ह! गेया। शां म की प्र था 4 की समया ह! गेया था। ले फिकी मरे म कीहA दुरे" था, बहुतं दुरे"। म 1चौं चौं
रे लिंलेगे की उस रे बठ था, उस रे जीस दु की! दुखो रेह था जी! कीहA स भ बह कीरे आतं था, औरे समया औरे स्था की
रे कीहA हA जी तं था।
म 1भ तंरे खो! गेया था। म 1 एकी स् शां4 महस"स फिकीया।
याह मरे प्या रे बह था जी! हमशां मरे दुस"रे दुनि या की वोंजीह स लिंचौंनितंतं रेहतं था। प्र था 4 म (मरे अ निस्थानितं उ
झेकीझे!रे फिदुया था। म 1उसकी स था मफि दुरे म (गेया औरे दुस"रे की स था शां निमले ह! गेया। जीCदु ह अ छों नि की प्र था 4 ओं
ड़ा खोत्म ह! गेई; औरे रे तं की खो खो या गेया।
म 1उत्सकी तं स अकी ले रेह चौं हतं था। म 1अ निलेए रे" समया चौं हतं था। म 1 खोदु की! फि>रे स रे लिंलेगे रे अ
स दु दु जीगेह रे बठ या, अ धरे म (बहतं की! दुखो रेह था, औरे उस अजी ब वों क्या शां की आ तंरिरेकी अथा 4औरे महत्वों
की! दुखो रेह था निजीस मझे अचौं की मरे रिरेनिचौंतं दुनि या स बहुतं दुरे" >(की फिदुया था : "अ तंरिरेक्षा औरे समया की स था

मझे कीH बतं सकीतं था फिकी इसकी क्या मतंलेब ह?

अ तंरिरेक्षा औरे समया की स था एकी की रे
था!ड़ा ह दुरे म (मरे बह मझेनिबस्तंरे रे बल्यो।

ले फिकी मझे चौं हA था। अ धरे कीमरे म,(जीह D म 1अ भ इया औरे बह की स था >शां 4 रे स!तं था, मरे शांरे रे ध रे -
ध रे गेम4 ह! रेह था। “अ तंरिरेक्षा औरे समया की स था एकी की रे”—या शांब्दु मरे म म (अजी ब तंरेह स गेजी"D लेगे, मरे आD
रे" तंरेह खोले थाA, औरे मरे फिदुम गे रे" तंरेह जी ग्रेतं था।

“अ तंरिरेक्षा औरे समया की स था एकी की रे!” या शांब्दु गेहरे अथा 4स भरे हुए था। म 1 स!चौं, “मझे अभ, इस क्षाण इ की अथा 4
खो!जी ह!गे, एकी ले की भ दुरे हA कीरे सकीतं। मझे आगे बढ़ ह!गे। याह मरे नि ण4या ह!गे।” म 1 प्रतं क्षा की।
जीCदु ह मझे एहस स हुआ फिकी मरे आस स की दुनि या—मरे रिरेवों रे की सदुस्या औरे मरे कीमरे म (स! वों ले सभ ले!गे—
गेहरे Aदु म (था। म 1 याह सनि निश्चतं फिकीया फिकी की!ई मझे दुखो हA रेह था। निबस्तंरे मझे असहजी महस"स ह! रेह था,
अ धरे म (फिकीस निबCले की तंरेह चौं चौं उसस ब हरे नि कीले आया।

चौं की स, स वोंध वों"की4, म 1 दुरेवों जी खो!ले औरे छेतं रे आ गेया, जी! तंब चौं Dदु जीस चौंद्र म की रे!शां म (ह ई हुई
था।

शां तं बहतं हुई गेगे रे की दु जीस लेगे रेह था। मरे स म (एकी अजी ब-स निसहरे दुHड़ा गेई। दुरे", स तं मनि ज़ीले ले मकी की छेतं रे, गे! ले—एकी आध गेले तं ब की" बचौं वों ले —चौं Dदु रे तं की इस जी दुई स;दुया 4की उत्सवों
म की निलेए ब सरे रे मध रे ध (बजी रेह था।

मरे भ तंरे की छे हलेचौंले ह! लेगे। म 1फिकीस महत्वों ण" 4खो!जी की कीगे रे रे था।

याह की सरिरेया वोंस्त्रध रे स्त्र कीH था ? उसकी ब रे म (बहुतं कीम ह ले!गे ब तं कीरेतं था। फि>रे भ , निजीस श्रेद्ध

मझेमरे निर्मौंश्वौं स कीरेतं हुए मझेसकी रिरेचौंया फिदुया था।
उसकी निज़ीक्रं फिकीया था , उसस की वोंले उ की गेहरे सम्म की तं चौंलेतं था , बनिCकी याह भ स् r ह!तं था
फिकी उन्ह
मझे लिचौंतं की स था या दु आया फिकी उन्ह मझे आगे ह फिकीया था फिकी म 1उस हCकी म (ले"D औरे ह उस स म न्या रू
स्वों की रे कीरूD।

वोंफ़िकीसमे गेम्र खोजी की सम प्रतं तं हुई। जीस फिकीस गे> म (सफिदुया स छे हुए रेहस्यामया रेत्न ह!तं ह,1 वोंस ह
उसकी की!मले त्वोंचौं औरे उसकी की सरिरेया वोंस्त्र म (भ की!ई प्र चौं गेढ़" ज्ञा निछे था , ठ की वोंस जीस अले दु की खोजी
की गे> ।

"खोले जी निसमनिसम!"—जी दुई शांब्दु। "अ तंरिरेक्षा औरे समया की स था एकी की रे!"—फि>रे स जी दुई शांब्दु।

औरे वोंह मरे निप्रया बआ थाA—वोंह रिरेयाले वों ले मनिहले। सम जी स बनिहष्कीMतं, नितंरेस्कीMतं, औरे > स> स हट म (उCले
एकी जी निवोंतं रेहस्या।
अचौं की, मझे एकी रिरेनिचौंतं स् शां4 की एहस स हुआ।

म रे नि तं

उन्ह मरे ओरे दुखो औरे मरे आDखो म (झे Dकी। अब आDस "रे!की हA जी सकीतं था। उ की स् शां4 म (एकी निवोंशांर्षों आकी

उन्ह की!ई प्रश्न हA छे"। बस प्रतं क्षा की।

म 1 उ की स्त्रा हमया ह था की! अ ह था म (निलेया , औरे की वोंले हCकी स दुब वों दु या।

"मरे बट क्या व्य की ले ह? " उ की की!मले आवों ज़ी चौं रे ओरे > ले हCकी रे!शां की स था घ ले गेई। दुरे" ब सरे की ध
अभ भ गेजी"D रेह था।

"मझे हA तं ; म 1बहुतं व्य की ले महस"स कीरे रेह हूँ।D"

"तं! तं म व्य की ले ह!। म 1भ हूँ,D ह ले Dफिकी उतं हA।"

चौं Dदु म (ह ई हुई बहतं दु की! सH > ट या उसस अनिधकी ऊDचौं ई स दुखो म (की छे तं! रेहस्यामया आकीर्षों4ण ह!तं ह, जीस
की!ई सम्म!ह की शांनि। जीब की!ई उस प्रवों निहतं ह!तं प्रकी शांमया शां!भ की! दुखो तं ह, तं! वोंह निवोंस्मया म (डी"ब जी तं ह।

इस प्रकीMनितं म (कीनिवोंतं कीह जी सकीतं ह— गेह तं की आकीर्षों4ण, प्रकी शां की एकी शां नितं जी! म रे प्रनितंलिंबनिबतं ह!तं
क्या याह अस म स अस म तंकी की आह्वों था ?

"तं म निबस्तंरे रे जी की इच्छे हA रेखोतं ?" उ की स्त्रा हमया स्वोंरे छे" । उ की आवों ज़ी दुध" की तंरेह की!मले, शां तं औरे
स त्वों दु वों ले था ।
"निबस्तंरे?" म 1 चौं;कीकीरे कीह । "ओह हA। ले फिकी शां यादु आ मझे की छे बतं सकीतं ह।1

"तं म्ह (शां नितं दु की निलेए?"

"ह ,D मझेशां नितं दु की निलेए, नि तं जी ।"

उन्ह मरे ओरे दुखो । चौं Dदु उ की चौं Dदु जीस चौंमकीतं लेट औरे गे बरे जीस दु ढ़ रे ड़ा रेह था । उ की तंले
शांरे रे, जी! मरे आDखो की निलेए हमशां स रिरेनिचौंतं था , फिकीस अजी ब स आकी रे म (चौंमकी रेह था । वों फिकीस खो!ई हु
की की ले नितं जीस प्रतं तं ह! रेह था, जीस वों फिकीस औरे यागे स प्रकीट हुए ह ।

"क्या ब तं ह? "

"की सरिरेया वोंस्त्रध रे स्त्र ... मरे बआ ..." औरे म 1रुकी गेया । मझे हA तं क्या ।

"उसकी ब रे म (क्या ?" उन्ह इस ब रे था!ड़ा उत्सकी तं स छे" । औरे म 1उस ले की अचौं की उत् न्न हुई गेभ रेतं की!
महस"स कीरे सकीतं था ।
ह ले Dफिकी वों मरे नि तं था, ले फिकी इस समया वों अलेगे ह प्रतं तं ह! रेह था, उ की स्वोंरे भ निभन्न था ।

मझे रे" निवोंश्व स था । वों भ उसकी रेहस्या की! जी तं था।

लेगेभगे यागे की प्रतं क्षा की ब दु, म 1 खोदु की! सभ ले औरे कीह , "वोंह अ तंरिरेक्षा औरे समया की ह; वों स्तंवों म,(वोंह अ तंरिरेक्ष
औरे समया की स था एकी की रे ह। क्या ऐस हA ह? "
मरे निलेए याह कीह एकी बड़ा ब तं था । औरे म 1 महस"स फिकीया फिकी मरे नि तं भ तं वों म (आ गेए था, जीस निसतं रे की
तं रे निजीस बजी स हले खोAचौं जी रेह ह!।
चौं रे ओरे गेहरे सन्न ट छे गेया , जीब तंकी फिकी उ की की!मले आवों ज़ी हA छे" , "तं मस याह फिकीस कीह ?"

उन्ह (तं था फिकी म 1खोदु स या शांब्दु हA ब सकीतं था ।

फि>रे उन्ह मझे हCकी स गेले लेगे या , औरे उसकी ब दु एकी औरे गेहरे अथा 4स भरे स् शां4 फिदुया । क्या उ की आDखो (भ म
ह! गेई थाA? म 1नि निश्चतं हA था । उ की आDखो म (फिकीस अजी ब चौंमकी की स था म था । उस क्षाण, वों मरे निलेए फिकीस
दुनि या की नि तं ब गेए था।

"तं म्ह रे चौं चौं तं मस बहुतं प्रम कीरेतं ह।1 वोंह एकी फिदुव्य ध्वनि ह।1 उ की शांब्दु ईश्वरे की शांब्दु की सम ह।1 इस घरे म,(इस सस रे म,(उ की जीस की!ई हA ह. .. वोंह सह ह।1 वोंह सत्या ह।1 उन्ह (तं म्ह रे निवोंशांर्षों लिंचौंतं ह; इसनिलेए उन्ह तं म रे
निवोंश्व स फिकीया ह। वोंह इस रेहस्यामया स्त्र की हचौं फिकीस औरे की! प्रकीट हA कीरे(गे. .."

"ले फिकी तं म इस रेहस्या की! जी की निलेए व्य की ले ह!। तं म इस समझे चौं हतं ह!। अब स !। क्या तं म उस दु

की! दुखो
रेह ह!? ध्या स दुखो !। याह कीह Dस आतं ह? "
"निहम लेया स. " म 1 कीह ।
ह, या की वोंले इसकी ब रे म (स ह? क्या निहम लेया तं म्ह रे निलेए उस तंरेह वों स्तंनिवोंकी ह जीस याह
द ह? या फि>रे तं म अ म म (बस एकी निवोंशां ले, ह ड़ा , वों च्छे फिदुतं औरे ब>4 स ढंकी भ"निम की कीC कीरे ले
"क्या तं म इस स्वीया दुखो
ह? " या याह तं म्ह रे निलेए की वोंले एकी क्शां रे खोAचौं गेई एकी रे खो म त्र ह? "

"आ की मतंलेब ह फिकी क्या म 1 रे" निहम लेया की! एकी ह समया म (दुखो सकीतं हूँ?D हA। म 1एकी ब रे आ की स था वोंह D गे था , औरे म 1 निवोंशां ले ह ड़ा दुखो था। ले फिकी रे" निहम लेया की! एकी ह समया म (कीH दुखो सकीतं ह? "
"तं! फि>रे याह तं म्ह रे समझे म (कीह Dऔरे की स मHजीदु" ह? "

"समझे? अनिस्तंत्वों?" म 1 बदु ब दु या । ले फिकी म 1 ह रे हA म औरे आगे कीह , "समझे ह अनिस्तंत्वों ह। अनिस्तंत्वों भ एकी प्रकी रे की समझे ह. .. म 1उलेझे रेह हूँ,D नि तं जी । म 1कीC कीरेतं हूँ,D औरे वोंह अनिस्तंत्वों म (आ जी तं ह। म 1समझेतं हूँ,D औ वोंह वों स्तंवों म (मHजीदु" ह!तं ह। "

"सह कीह । तं म उलेझे हुए हA ह!। सच्ची ब रेह!, औरे तं म्ह (सब की छे फिदुखो ई दुगे । सत्या ह वोंह अम!घ त्र ह— तं सरे त्र। सत्या की स क्षा त्की रे कीरेतं रेह!, औरे तं म सच्ची समझे की! प्र प्त कीरे!गे। तं म सम् "ण 4रू स समझे जी ओगे. .."
"हम रे आDखो (समस्तं सत्या की! दुखो या!ग्या हA ह,1 ह वों इसकी रे" क्षामतं रेखोतं ह।1 स "णतं4 की वोंले समझे म (ह मHज या समझे म (सक्षाम

ह!तं ह। याफिदु वोंह कीहA हA ह!तं , तं! फि>रे वोंह कीहA भ हA ह!तं । हम रे इ फिद्रया Dस "णतं4 की! दुखो हA ह।1 वों वों स्तंवों म (ऐस की या 4की निलेए ब ह हA ह।1 इ फिद्रया Dकी वोंले सतंह रू स की म कीरे सकीतं ह.1.."

"सतंह रू स? म 1उलेझे महस"स कीरे रेह हूँ।D मरे निलेए तं! इ फिद्रया Dह सब की छे ह।1"

"अभ ह ,D ले फिकी हमशां की निलेए हA। जीस - जीस तं म निवोंकीनिसतं औरे रिरे क्क ह!तं जी ओगे, तं म समझे!गे फिकी इ फिद्रय अ भ वों फिकीया गेया सत्या, वों स्तंवों म (सत्या हA ह। प्रकीMनितं औरे सस रे की सदु रेतं भ की वोंले सतंह ह। इसकी रे भ एकी स;दुया 4ह, जी! इ फिद्रया की स म स रे ह। वोंह वों स्तंनिवोंकीतं ह। "

"समझे ह अनिस्तंत्वों ह। वों स्तंनिवोंकी अनिस्तंत्वों। जी! की छे भ वों स्तंवों म (समझेतं ह, वोंह मले" औरे सबस निवोंश्वस या इ फिद्रय फिकी वों इ फिद्रया Dनिजीन्ह (तं म इ फिद्रया Dम तं ह!। जीब हम अनिधकी दुखो चौं हतं ह,1 तं! अ आDखो (बदु कीरे ले तं ह.1 या 4त्त हA ह।1 इ फिद्रया की म ध्याम स सत्या की! समझे की की!निशांशां कीरे वोंस ह ह जीस फिकीस सई स बहतं गेगे की की! जी!तं की प्रया स कीरे ..."

"ले फिकी नि रे शां मतं ह!। ईश्वरे दुया ले ह।1 ईश्वरे म ष्या की! जी वों की सभ आवोंश्याकीतं ओं स स न्न फिकीया ह, औरे उसस

भ अनिधकी; याह Dतंकी फिकी उस जी वों की निलेए भ जी! भHनितंकी जी वों स रे ह, निजीसकी हम रेवों ह हA कीरेतं। इस जी वों

की भ तंरे एकी औरे जी वों ह। जीब याह ब हरे जी वों सभ जीरूरेतं की! रे" कीरे दुतं ह, तंब भ की छे की छे अधरे" रेह जी तं ह। याह जी वों की समस्या ह। आजी रे तं तं म उस अधरे" की! महस"स कीरे रेह ह!; जीबफिकी तं म्ह रे स जी वों की

सभ आवोंश्याकीतं ए DमHजीदु" ह—1भ!जी , आश्रेया, Aदु औरे सगे नितं।"

"म ष्या की स एकी औरे इ फिद्रया ह!तं ह, जी! कीहA अनिधकी स्था या ह!तं ह— वोंह इ फिद्रया जी! आ तंरिरेकी

प्रकी शां की स था जी ग्रेतं

ह!तं ह। औरे उस की म ध्याम स म ष्या स "ण 4सत्या की! दुखो सकीतं ह. .. तं म हA जी तं फिकी गेगे कीह Ds
आतं ह,

जी तं ह! फिकी वोंह कीह Dजी तं ह। याह सब की वोंले 'जी की रे ' ह, वों निवोंचौं रे ह 1जी! गेढ़ गेए ह.1.. ले फिकी

याह 'अ भ वों' हA ह।

तं म स "ण 4गेगे की अ भ वों हA कीरे सकीतं , क्या फिकी तं म्ह रे इ फिद्रया Dस निमतं ह।1"

"इ फिद्रया Dकी वोंले हम रे जी वों की की छे सतंह तंथ्या की! ग्रेहण कीरे की उ कीरेण म त्र ह।1 हम इन्ह ('जी की रे '

कीहतं ह,1 फिकी

'अ भ वों'। अ भ वों इ इ फिद्रया रे नि भ4रे हA ह!तं। अ भ वों वोंह ह निजीस की वोंले तं म स्वोंया प्र प्त कीरे
सकीतं ह!, औरे वोंह

इ फिद्रया स रे ह!तं ह। उस आत्मस तं कीरे!। वोंह तं म्ह रे एकी अनिभन्न अ गे ब जी एगे।"

"तं म वोंह ह!, जी! तं म्ह रे अ भ वों ह।1 उदु हरेण की निलेए, याफिदु की!ई तं मस घMण कीरेतं ह, तं! तं म्ह (ड़ा ह!

तं ह। औरे इस

अ भ वों म (की!ई भ इ फिद्रया-इ फिद्रया (जीस आDखो, की) भ गे हA ले तं। तं म दुखो रेह ह!? एकी औरे इ फिद्रया
ह!तं ह— अ तंoकीरेण।

तं म इसकी ब रे म (स ह!गे। इसकी अथा 4ह 'जी! भ तंरे की या 4कीरेतं ह'। हम रे भ र्षो इतं सत्या ण" 4औरे

सवों दु शां ले ह

फिकी उस झे"ठ ब!ले की आवोंश्याकीतं ह हA ड़ातं ..."

"याह वोंह आ तंरिरेकी इ फिद्रया ह— अ तंoकीरेण। वोंह इ फिद्रया निजीस तं म की वोंले महस"स कीरे सकीतं ह!,

ले फिकी उस कीहA दुखो या छे"

हA सकीतं , जीस फिकी तं म अ आDखो,(जी भ या की दुखो सकीतं ह!। तं म अ समझे की आध रे रे कीह
फिकी गेगे

निहम लेया स आतं ह औरे सम द्र म (सम जी तं ह। ले फिकी तं म इस स्वोंया कीभ दुखो हA, फि>रे भ तं म इस

ले कीरे इतं

नि निश्चतं ह!। ह ? याह तं म्ह रे अन्या इ फिद्रया ह। ले!गे इस 'तंकी4' कीहतं ह।1 याह भ ज्ञा प्र प्त कीरे की एकी
उ कीरेण ह,

ले फिकी इ फिद्रया की तंरेह ह इसकी भ अ स म ए Dह।1 इस हम आगे समझेगे(. .." "ह ,D तंकी4; म 1तंकी4 की!

जी तं हूँ।D ले फिकी याह भ स निमतं ह. .." म 1 यात्र वोंतं दु!हरे या।

"की वोंले तंकी4 ह हA, हम रे समझे भ स निमतं ह। जी तं ह! क्या ? क्या फिकी हम स्वोंया अधरे" औरे स निमतं ह।1

म ष्या जीन्म स

"फि>रे भ , तं म्ह रे तंकी4 मHजीदु" ह। क्या फिकी तं म खोले निवोंचौं रे वों ले, नि ष् औरे ईम दु रे ह!। क्या फिकी तं म मझे स प्रम ह! औरे मझे रे निवोंश्व स कीरेतं ह!। औरे क्या फिकी तं म्ह रे भ तंरे एकी गेहरे बचौं ह, इसनिलेए तं म स ध औरे सरेलेतं स याह स्वों की रे कीरे रेह ह! फिकी तं म समझे हA रेह ह!। ले फिकी बहुतं स ले!गे ऐस कीह स डीरेतं ह।1"

"जी! भ ह!, अब तं म याह जी चौंकी ह! फिकी तंकी4 भ अस>ले ह! सकीतं ह, ठ की वोंस ह जीस आDखो (औरे की अस>ले ह!तं ह बच्ची म (तंकी4 की अस>लेतं वोंस ह ह!तं ह जीस वोंद्धM म (आDखो औरे की की। फि>रे भ , इ की अस>लेतं याह प्रम निणतं कीरेतं ह फिकी या सभ स निमतं औरे अनिवोंश्वस या ह।1"

"ह ,D वों वों स्तंवों म (स निमतं ह।1 तं! अब?"

वों मस् की रे ए, औरे मरे की ध रे हCकी स दुब वों डी लेकीरे मझे मरे अध रेतं की या दु फिदुले ई। म 1अब इस तं वों की! औरे सह हA कीरे सकीतं था। म 1औरे अनिधकी ज्ञा की निलेए ले ले नियातं था।
वों आगे ब!ले।

"कीभ भ अध रे मतं ब !। अध रेतं आत्मब!ध की सबस बड़ा शांत्र ह। ध या 4औरे अभ्या स—या दु! निसक्के की वों हले" ह,1 निजीन्ह हम (अस निमतं ज्ञा , या अ तं की ज्ञा प्र प्त कीरे की निलेए चौंकी ड़ातं ह. .."
"तं म गेगे की! दुखो रेह ह!?... ह ,D तं म अभ -अभ कीह फिकी तं म इस दुखो सकीतं ह!। औरे फि>रे तं म याह भ कीह फिकी जी! जी सकीतं ह।
गेगे औरे समया दु! ह बहतं जी रेह ह,1 औरे हम (इ की की वोंले आ निशांकी अ भ वों ह ह! सकीतं ह— वोंह भ एकी समया म (की वोंले एकी अ शां, जीबफिकी दु! एकी स था प्रवों निहतं ह! रेह ह।1"
तं म दुखोरेह ह!, वोंह रे" गेगे हA ह, बनिCकी की वोंले उसकी एकी छो!ट स भ गे ह, निजीस एकी समया म (दुखो

"अब तं म दुखोसकीतं ह! फिकी हम रे समझे फिकीतं स निमतं ह? वों स्तंनिवोंकी गेगे की तंरेह, वों स्तंनिवोंकी समया भ अस निमतं ह। निजीस तं म 'स म ' कीहतं ह!, वोंह की वोंले तं म्ह रे म म (ह, या वोंह जी! तं म्ह रे तंकी4 म (सम सकीतं ह। "
"अच्छे। ले फिकी तं म याह भ जी तं ह! फिकी तं म्ह रे म औरे तं म्ह रे तंकी4 भ स निमतं ह।1 दु! अधरे" औरे अ ण" 4ह।1 क्या फिकी तं म भ अधरे" ह!; ले फिकी अया!ग्या हA। तं म्ह रे स अ ण"4 अनिस्तंत्वों की ओरे बढ़ की रे" या!ग्यातं ह। तं म एकी म ष्या ह!। याह तं म्ह रे अनिधकी रे ह। "

मझे लेगे फिकी म 1की छे समझे लेगे हूँ।D ले फिकी की वोंह Aसज़ी था।

"रुकी!। अध रे मतं ब !। म 1तं म्ह (भ्रनिमतं हA कीरे चौं हतं। ध्या वों"की4 स सा गेच्छेध्वं! स वोंदुध्वं! स !म निस की तं म.i.. (आओ, हम एकी स था चौंले(; एकी स था ब!ले;(औरे एकी स था अ म की निवोंकी स कीरे(...ञ) निवोंदु
वोंह रिरेनिचौंतं मत्र था , निजीस हम सस् कीMतं कीक्षा म (प्रनितंफिदु ढ़तं था। ले फिकी इस क्षाण, जीब उन्ह इस शां तं आकी शां गे या , तं! इस मरे निलेए एकी या अथा 4ग्रेहण कीरे निलेया।"
"तं म भ , मरे ह तंरेह, अधरे" ह!। ले फिकी एकी अ तंरे ह— तं म म ष्या ह!। म ष्या ह! की तं , तं म्ह रे भ ग्या ह फिकी तं म अ खो!ए हुए स्वोंया की! खो!जी! औरे ण"4तं प्र प्त कीरे!। तं म्ह रे भ तंरे उस स्वोंया की एकी अ शां स!या हुआ ह। स!या हुआ ह —खो!या हA ह। अ निस्थातं हA ह। मतंM हA ह। तं म इस अ प्रया स स o प्र प्त कीरे सकीतं ह!। म 1भ ऐस कीरे सकीतं हूँ।D जीस फिकी म 1 हले कीह , याह तं म्ह रे जीन्मनिसद्ध अनिधकी रे ह। क्या तं म समझे रेह ह!?"

"तं म इस स्वोंया की! जी सकीतं ह!। तं म समग्रेतं की!, सम् "णतं4 की!, सवों 4की! समझे सकीतं ह!। तं म वोंह D बहतं गेगे की! दुखो
रेह ह!; ले फिकी इस दुश्Mया जीलेध रे स भ अनिधकी वों स्तंनिवोंकी एकी औरे गेगे ह। वोंह गेगे सभ जीलेध रे ओं की स्रो!तं ह— वोंह
स्रो!तं, जीह D स स रे फिदुया D जीन्म ले तं ह 1औरे निजीसम (अ तंतंo वों निवोंले ह! जी तं ह।1"

"या दु रेखो , औरे याह मतं भ"ले फिकी म 1अ बट की! ग़लेतं म गे 4 रे हA ले जी ऊDगे —तं म उस जीले म (दुखो

सकीतं ह!, तं रे
सकीतं ह!, उस महस"स कीरे सकीतं ह!, सकीतं ह!, औरे उसम (जी सकीतं ह!। उस स्रो!तं म (जी एकी सभ वों ह; औरे तं म्ह (
इस स्वों की रे कीरे ह!गे । याह की रेण ह फिकी तं म एकी म ष्या ह!।"

याह एकी ले ब औरे गेहरे सवों दु था ; औरे रे" ब तंचौं तं की दुHरे म 1अ स Dस (रे!की बठ रेह , मनि श्कीले स

निहले -डी ले
म (सक्षाम था । म 1स्तंब्ध था ।
ले फिकी क्या हम निवोंर्षोंया स भटकी हA गेए?

म 1 निज़ीदु भरे स्वोंरे म (छे" , " रे बआ की ब रे म (क्या ?" "ह ,D तं म्ह रे बआ ! अब म 1उसकी ब रे म (ब तं कीरे

सकीतं हूँ।D वोंह वोंह ह जी!, जीब चौं ह, उस स्रो!तं म (रेह सकीतं ह, उसम (तं रे
सकीतं ह, औरे उसकी आ दु ले सकीतं ह। "
"वोंह उस अ तं स जीड़ा हुई ह, जी! स निमतं म (अस निमतं ह। निजीस तं त्र प्रवों ह की! तं म गेगे कीहतं ह!, वोंह

शां श्वतं गेनितं ह; वोंह
समया की स श्वा एकी की रे ह; औरे वोंह इस जी तं ह। वोंह उस म (जी तं ह। वोंह स्वोंया समया ह। उसकी निलेए समया म (की!ई
ब ध हA ह। "

"औरे जीह की वोंले समया ह हA, बनिCकी अ तंरिरेक्षा भ ह। वोंह समया औरे अ तंरिरेक्षा की स था एकी की रे ह! वोंह नि रे तंरेतं ह। खोज़ी
निलेए इसी अनिधकी की!ई ह औरे वोंह शांरेरे की! की वोंले एकी शांरे रे की रू म (दुखो
मत्र मग ध ह!कीरे म 1की वोंले दे!हरे सकी , "वोंह समया ह!."
दुखो भ ले वोंस ह कीरेतं ह, जीस हम अ रेह की कीमरे या की ड़ा की कीरेतं ह।1 हम एकी कीमरे म (प्रवों शां कीरेतं ह 1औरे उ
ब हरे नि कीलेतं ह।1 उस तंरेह, हम इस सस रे म (आतं ह 1औरे इसस चौंले जी तं ह।1 ले फिकी इसकी जीन्म औरे मत्Mया स की!ई
सब ध हA ह, जीस फिकी हम जीन्म औरे मत्Mया की! समझेतं ह।1 की ड़ा ह या उन्ह (उतं रे दु , जीन्म औरे मत्Mया स सब नि
हA ह। "
"वोंह जी तं ह फिकी जी वों एकी शांनि ह, औरे याह कीभ सम स हA ह!तं । वोंह अ तं समया स जीड़ा हुई ह, अ तं जी वों स
जीड़ा हुई ह; वोंह लेहरे की निहस्स हA ह। वोंह उस मह स गेरे स सब ध रेखोतं ह, जी! कीभ हA बदुलेतं । वोंह उस म (ह—
समया औरे अ तंरिरेक्षा म।(वोंह स्वोंया वोंह ह। "

"सकीतं ह!, औरे चौंद्र म चौंदु स कीतं ह!, ले फिकी निबखोरे रेह ह। तं म चौंद्र म की! दुखो
क्या तं म प्रकी शां की! हचौं सकीतं ह!? फि>रे भ , दु! एकी ह ह।1 एकी स्रो!तं ह; औरे दुस"रे उसकी गेण , उसकी सफिक्रंयातं , उसकी ण"4तं ।"

"तं म प्रकी शां की! ठ!स रूसकी(तं A प्लुक्षब चौंद्र म द्वी रे प्रकी निशांतं ह, उसकी रे वोंतं4 ह। ले फिकी स्वोंया प्रकी शां तंब तंकी हA दुखो जी सकीतं , जीब तंकी वोंह फिकीस ऐस वोंस्तं स रे वोंर्पितंतं ह!, जी! स्वोंया प्रकी शां ह!तंब भ वोंस्तं ए Dस्वों भ निवोंकी रू स अ धकी रेमया ह,1 वों अ धकी रे की दुनि या स, स निमतं निवोंचौं रे की दुनि या स सब ध रेखोतं अस म ह वों स्तंनिवोंकी प्रकी शां ह। "

"क्या तं म उस प्रकी शां की! दुखो सकीतं ह!, जी! फिकीस वोंस्तं स रे वोंर्पितंतं हA हुआ ह? याह Dस ब दुले की ब चौं की स्था की! दुखो। क्या तं म वोंह D प्रकी शां दुखोतं ह!? ले फिकी जीस ह तं म उ तं रेतं हुए ब दुले की ब ध तं की हुए D म दुखो ह! फिकी वों चौं Dदु स आले!फिकीतं ह 1औरे आकी शां म (तं रे रेह ह।1"

"म 1दुखो सकीतं हूँ;D म 1समझे सकीतं हूँ;D ले फिकी फिकीस तंरेह याह स!चौंकीरे डीरे लेगे रेह ह फिकी जीह स् D, वोंह दुखो वों स्तंवों म (वोंस हA ह. .."

"डीरे रेह ह!?" उन्ह मस् की रे तं हुए छे "लिंचौंतं मतं कीरे!। स खो की प्रफिक्रंया म (याह डीरे स्वों भ निवोंकी ह। सत्या डीरे तं ह। स्वोंया अजी 4 भ डीरे गेए था। सत्या की! समझे औरे उसकी स म कीरे , याह बहुतं की निलेए भया की की रेण ब तं ह। "

"मझे याह स!चौं भ अच्छे हA लेगेतं फिकी म 1अ धकी रे की दुनि या म (रेहतं हूँ।D"

"तं म ऐस स!चौंतं ह!? ले फिकी तं म प्रकी शां की दुनि या म (भ रेहतं ह!। वों स्तंवों म,(तं म प्रकी शां की ह सतं ह!। हम सभ प्रकी शां की त्र ह।1 सचौं तं! याह ह फिकी अ धकी रे की की!ई अनिस्तंत्वों हA, जीब तंकी फिकी हम स्वोंया की! इस अ धकी रे की भ्रम कीरे ले(।"

"वोंह चौं Dदु अ तंरिरेक्षा स सब निधतं ह। जीह D भ प्रकी शां इस सस रे की वोंस्तं ओं स रे > लेतं ह, जीह D भ प्रकी शां मHजीदु ह. .."

ले फिकी नि तं जी ," म 1 अ या स ह ब चौं म (ट!की फिदुया।

"ह ।D"

म 1 इतं गेह घड़ा म(अ नि तं की!ट!कीदु रेएकीनिसहरे महस"स की। शां यादु मरे आवों ज़ी उस निवोंशां ले रेहस्या!द्धा ट की स म मरे भयाकी!प्रकीटकीरेफिदुया था।फि>रेभ ,म 1 निहम्मतं हA ह रे।

"ले फिकी वोंहतं!अ रेअ तंरिरेक्षाह!गे।"

"तं म निबCकी लेसह कीह !"इसब रेम1उ की सतं !र्षोंजी कीहसD की गेस्!"Dअकीतं था। उन्ह मरे ओरे दुखो , औरे म 1 उ की ओरे।वोंहएकीक्षाणऐस था जीस कीr स भरे दुनि या म(एकीम!तं की बदु"Dकी तंरेह छे हुईशां नितं ट की ड़ा ह!। म 1 उ की ह थाथा म ,इसब रे रे" दुढ़Mतं औरेनिवोंश्व सस, जीस गेहरे निमत्रतं की मह रे लेगे रेह ह!।

ले फिकी वोंहआगे ब!ले, थोंहसमयाऔरेअ तंरिरेक्षाकी स थाएकी की रेह। तं म्ह रे चौं चौं निबCकी लेसह था।औरेतं मबहुतं भ ग्याशां ले ह! फिकी की सरिरेया वोंस्त्रध रे स्त्र तं म्ह(अ निलेए चौं ह औरे तं म्ह(अ कीरे ब रेखो ह।

"क्या , नि तं जी ?"

वोंह स्वोंया सबस अच्छे जी तं ह। बस, याह फिदुव्य स्ना ह जी! उन्ह तं म्ह (फिदुया ह, उस खो! मतं दु । इसकी या!ग्या ब
इस ब ए रेखो!।"
"शां यादु मझे उ की ज़ीरूरेतं ह, " म 1 निझेझेकीतं हुए कीह ।
"शां यादु उन्ह (तं म्ह रे ज़ीरूरेतं ह। बस दुखो तं रेह! औरे शां नितं ब ए रेखो!। इस तंरेह की आध्या नित्मकी स बध म (व्यनि गेत
गे! यातं एकी रेम सम्म की प्रतं की ह!तं ह। "

"इस नि भ बहुतं कीरिठ ह। " म 1 स्वों की रे फिकीया , औरे मरे आवों ज़ी एकी चौंतं वों की तंरेह लेगे रेह था ।

"ऐस हA ह। निमत्रतं एकी रेत्न की तंरेह ह!तं ह; औरे रेत्न की! फिदुखो वों कीरे अशां!भ या ह!तं ह। सभ मC"यावों
वोंस्तं एD, जीस फिकी सभ मC"यावों भ वों एD, गे! यातं की म Dगे कीरेतं ह।1 इस प्रकी रे की प्र निप्रया की वों स्तंनिवों
व्यवोंह रे औरे स म निजीकी स बध म (प्रकीट ह! वों ले आ दु म (फिदुखो ई दुतं ह। तं म्ह (इस नि छों की आवोंश्याकीतं ह!गे
तं म्ह (इस एकी रेहस्या ब ए रेखो ह!गे ।"
म 1 इस नि छों की! ब ए रेखो , औरे याह रेहस्या मरे था , जीब तंकी फिकी एकी फिदु उन्ह स्वोंया मझे इस बध स म ह
फिदुया । म 1उन्ह (एकी खोज़ी की तंरेह प्या रे कीरेतं था , जीस की!ई लेड़ाकी अ सबस बड़ा खो!जी की! स जी!तं ह।

फि>रे वोंह फिदु आया जीब उन्ह मझे अ स था एकी रेहस्यामया या त्र रे चौंले की निलेए कीह ।

मझे तंब एहस स हA था फिकी उस फिदु उ की अ स रेण कीरेकी म 1एकी ऐस दुनि या की दुहले ज़ी रे कीदुम रेखो रेह था ,
कीC भ स जी! म (असमथा4 ह औरे तंकी4 भ समझे म (अस>ले ह! जी तं ह।
हम एकी अजी ब स मफि दुरे हुचौंD, जीह D म 1 हले कीभ हA गेया था , ह ले फिDकी वोंह हम रे म!हCले की ह स था ।

औरे उन्ह मझे स उ की ग्र शांरे रे रे बठ की! कीह ।
ले फिकी म 1 रे" अ भ वों की! बहुतं जीCदु बतं रेह हूँ।D
ऐस हA ह! चौं निहए। वोंह निवोंत्र थाA, औरे वोंह अ भ वों फिदुव्य था ।

इसनिलेए, इस निवोंस्तं रे स फि>रे कीभ ।

2. दु क्षा (Initiation)

जीह् Dअनिग्रम सकी!भस्मकीरेतं ह

"याह हले ब रे हA था जीब म 1की सरिरेया वोंस्त्रध रे स्त्र की स था ब हरे गेया था ; मझे अक्सरे उ की स था जी की सHभ ग्या प्र सा ह!तं था । वों रे णस जीस निवोंत्र स्था म (ऐस भ्रमण की निलेए कीई अवोंसरे उ लेब्ध था। "

"याफिदु हम फिकीस वों गे तं की सतं स निमले हA जी रेह ह!तं , तं! हम फिकीस निवोंशांर्षों सगे तं सम रे!ह म (भ गे ले रेह ह!तं , फि>रे फिकीस मले म (जी की निलेए दुरे" या त्र रे नि कीले ड़ातं। कीभ -कीभ याह एकी वों या त्र भ ह! सकीतं था , जी! हम (दु की फिकी रे निस्थातं फिकीस दुरे"स्था मफि दुरे तंकी ले जी तं ।"

"ऐस ह एकी स्था वोंरुण औरे गेगे की सगे म रे निस्थातं था । वोंह D आफिदुकी शांवों मकी एकी प्र चौं स्थाले था , जीह D एकी जी मफि दुरे निस्थातं था और उसकी आस स निबखोरे हुए की छे रे मफि दुरे की खोडी हरे था। "

"बहुतं समया हले , याह Dतंकी फिकी भ रेतं रे ग्रे की आक्रंमण स भ हले , की शां , जी! मह की व्य म (प्रनिसद्ध रे ज्या था , याहA अ रे जीध स्था नि तं फिकीए हुए था । आजी भ वोंह D फिकीले औरे दुगे 4 की दु वों रे की अवोंशांर्षों दुखो जी सकीतं ह।1" "याह आश्चया 4की ब तं हA फिकी इ खोडी हरे की स था दुवों तं ओं भ निवोंलेप्त ह! स्वों की रे हA फिकीया । आजी भ कीई मर्पि"तंया D की ध रे स या रे तंत्वोंनिवोंदु की औजी रे स ब हरे आतं रेहतं ह।1"

"इस उदु स औरे स स वों क्षा त्र रे प्र चौं श्मशां स्थाले की प्रभ त्वों था , जी! चौंHड़ा दु की फिकी रे निस्थातं था। ह ले Dफिकी अब या उ या!गे म (हA था (क्या फिकी ए सम्म नि तं मनिणकीर्पिणकी घ ट की! प्र थानिमकीतं दु गेई था), फि>रे भ कीभ -कीभ की! निचौंतं जीले उठतं था , निजीसस याह स्था एकी मकी", स!ई हुई ध रे की फिकी रे o सजी वों ह! उठतं था ।" "जीस अतं तं म (ह!तं आया था , वोंस ह अब भ इ ले ट की छे या एD शां तं जीले रे प्रनितंलिंबनिबतं ह!कीरे Mत्या कीरेतं थाA।"

"याहA एकी जीजी4रे, छे!ट -स मफि दुरे निस्थातं था , जी! प्रनिसद्ध भ रेवों-सतं दु त्र या की! समर्पि तं था । उ की जी वों ले ले की चौंमत्की रे मह की व्य की की ले स ले कीरे स "ण 4भ रेतं या उ मह द्री म (गे ए जी तं रेह ह।1" "वों म तं त्र रे रे म (वोंनिशांष्ठों, रेशां रे म, दु घ4तंमस आफिदु म अमरे इनितंह स की रू म (दुजी 4ह।1 रेहस्यामया औरे गेढ़" निसद्ध तं , स था ह उ की निसनिद्धया

की ब तं कीरे(, तं! दु त्र या की स्था सवोंÁच्ची ह। "

"अक्सरे म 1 की सरिरेया वोंस्त्रध रे स्त्र की! दु त्र या मफि दुरे की स एकी आस रे बठ हुए दुखो । अचौं की ह वोंह एकीदुम दुरे"स्था प्रतं तं ह! लेगेतंA। म 1उ की ब रे म (बहुतं कीम जी तं । म 1 महस"स फिकीया फिकी वोंह हमशां सले भ हA थाA।"

"सध् या की ध ध म (वोंह एकी की मफि दुरे औरे भ अनिधकी अकी ले , दुरे"स्था, उदु स औरे नि जीÂवों प्रतं तं ह!तं था ।" "रे नित्र निवों की निलेए सघ र्षों4कीरे रेह निक्षाया की कीकी4शां चौंहचौंह हट इस वों तं वोंरेण की गेभ रेतं की! औरे गेहरे ई प्रदु कीरे रेह था ।"

"शां तं वोंरुण दु निवों म्रतं स गेगे की प्रभ त्वों की! स्वों की रे कीरे निलेया था ; औरे सध् या की रे गे आकी शां इस दुश्Mया की! दुखो रेह था ।" "उस समया म 1की वोंले एकी छे!ट लेड़ाकी था , औरे म 1अ की सरिरेया वोंस्त्रध रे की! आस म (बठ हुए दुखो तं । म 1उ की मद्र की हCकी -> Cकी कीले कीरेतं , औरे इस प्रकी रे एकी गेभ रे स ध की एकी ब लेसले भ, अ रिरे क्व अ की रेण प्रस्तं तं कीरेतं ।"

"एकी ब तं स् r कीरे दु चौं निहए—म 1 कीभ सचौं म ('ध्या ' हA फिकीया , क्या फिकी मझे तं ह हA था फिकी ध्या वों स्तंवों म (
ह!तं क्या ह। " "या या "Dकीह (फिकी ध्या की की!ई स् r अवोंध रेण कीभ मरे म म (हA आई। उ क्षाण म (जी! भ फिकीया , उस
की" रे की शांब्दु म (सबस अच्छे इस प्रकी रे व्य फिकीया जी सकीतं ह— 'घ ट की निवोंचौं रे की! क्षाण म (सम ट दु ।'" "म 1बस
वोंह ह!हरे तं , जी! मझे लेगेतं था फिकी वोंह कीरे रेह ह।1 ध्या की वों स्तंनिवोंकी अथा 4औरे उसकी गेहरे इया की ब रे म (मझे तब की छे भ तं हA था , जीस फिकी अब जी तं हूँ।D"

या!गे की दुकी

"आजीकीले, म 1जीह D भ गेया हूँ—Dचौं ह निश्चम म (या वों" 4म—(म 1 ले!गे की! ध्या कीरे की तंरे की जी की अत्यानिधकी निजीज्ञा स स भरे या ह। "

"इस तंत्की ले ध्या , त्वोंरिरेतं म!क्षा औरे झेट ट आ दु की स की स ले भ उठ तं हुए, की छे ठगे की एकी की रेवों 'दुकी (' खो!ले ले ह,1 जीह D वों अ ले भदु याकी उत् दु की! आकीर्षों4की चौं Dदु की चौंमकीदु रे आवोंरेण म (ले ट कीरे आशां औरे स>लेतं की म

रे बचौंतं ह।1"

"आजीकीले ऐस दुकी (उतं ह अनिधकी ह! गेई ह,1 निजीतं फिकी निस म ह²ले औरे ब म एजी(निसया ।D"
"या दुकी (निवोंशांर्षों रू स भ रेतं की उ स्था रे निस्थातं ह,1 जीह D भ्रमण रे आए निश्चम याट4की अ धनिवोंश्व स की स था उमड़ातं ह 1औरे सड़ाकी रे निबकी वों ले 'भ रेतं या स्वों दु' की तंले शां कीरेतं ह।1" "या दुकी (उ निश्चम शांहरे म (भ तं जी स > ले गेई ह,1 जी! प्र चौं दुत् या की रे प्र निणया की तंरेह ले!गे की जी वों स आ दु, स्वोंतं त्रतं की स औरे म वों या मC"या की सगे तं की! चौंस" ले तं ह।1" "आध नि की जी वों शांले की कीरिठ रिरेनिस्थानितंया स दुब या ले!गे अ तंतंo नि रे शां ह! जी तं ह 1अ भ हA जी तं फिकी इस निस्थानितं की स म की स कीरे(।" "वों हम रे यागे की निवोंशां लेकी या मह गेरे की एकी व्य की जीले >Dस हुए ह।1" "या दुभ 4ग्या ण"4 निड़ातं, इ व्य रिरेकी औरे भ ड़ाभ ड़ा वों ले अ धकी रेमया की रे गे रे म (अ घ ट भरे अनिस्तंत्व स फिकीस तंरेह की मनि की निलेए आध्या नित्मकी स ध ओं की ओरे रुखो कीरेतं ह।1" "हम रे ब म रे सभ्यातं म (ध्या (मनि डीट शां) अब लेगेभगे एकी निचौंफिकीत्स या उ या की रू ले चौंकी ह। " "ध्या अब एकी > शां ब गेया ह, एकी उन्म दु। एकी ट²नि की? शां यादु।"

शां नितं की अवोंतंरेण

ले फिकी मझेकी!ई >की4 हA ड़ातं था । म 1याह भ हA जी तं था फिकी क्या म 1ध्या कीरेकी कोशिश करता हूं या दु ह फिकी म 1वोंह कीरेतं था जी! वोंह मनिहले कीरेतं था , औरे मझे उस तंरे की स कीरे स दु था जीस उस मझे निसखो या था ।

अक्सरे म 1खो! जी तं था । एकी निवोंशां ले औरे व्यस्तं शांहरे की उ निजीतं भ ड़ा की म था रे उतंरेतं शां म की शां तं औरे गेभ रे शां तं कीरे दुतं था । अगेरे फिकीस शां म की! सया !गे स फिकीस छोनिवों ध रे -ध रे मझे भ तंरे खोAचौं ले तं था ; याह भ वों मझे की अ नितंम सस् की रे ह! रेह ह!तं , तं! उसकी ले ट(शां म की आकी शां की! औरे भ गेहरे औरे रे गे ब दुतं थाA। कीभ -कीभ फिकीस अज्ञा तं निचौंतं की बचौं हुई रे खो, हवों की झे की की स था स स ले तं प्रतं तं ह!तं था । जी वों की इस भव्य दुश्[Mया की मरे आश्चया 4मझे उस स्था की आत्म या की रे म (सम जी की निलेए प्ररि रेतं कीरे दुतं था । अक्सरे म 1गे तं गे लेगेतं था ।

वों रे णस की आकी शां स उतंरेतं वोंह शां नितं, जीह वोंरुण औरे गेगे की सगे म ह!तं ह, एकी आ दुमया आवोंरेण की तंरेह मझे ढंकी ले तं था। ध रे -ध रे , रे" दुनि या मरे चौंतं स निमट जी तं था ; औरे एकी रेम ण"4तं की भ वों मरे चौंतं की! निशांखोरे रे ले जी तं था। शां नितं उस तंरेह उतंरेतं था , जीस मस > Cडी की भ र्षों म ('इनि सफ्री द्वी ' म (उतंरेतं ह; अक्सरे म 1ऋग्वोंदु की मत्र की! गे गे लेगेतं था - "हवों ए मध रे ह;1 जीले मध रे ह;1 हरे -भरे धरेतं मध रे ह; रे तं औरे सब ह मध रे ह;1 ध"ले
मध रे ह; हम रे स्वोंगेÂया नि तं मध रे ह;1 ड़ा , सरे"जी औरे शां मध रे ह।1"

म की शां"न्या लिंबदु

क्या याह ध्या था ? रिरेण म की आध रे रे दुखो (तं! याह औरे की छे हA ह! सकीतं था। या!गे रे सबस प्र चौं औरे प्र म निणकी ग्रेथा (तं जीनिले की या!गे सत्र") औरे वोंदु तं तंथा उ नि र्षोंदु म (नि निहतं निवोंचौं रे म,(एकी लिंबदु की! अन्या सभ स ऊ रे रेखो गेया ह, औरे वोंह ह सतं !र्षों की प्र निप्त। एकी प्रकी रे की सतं निrदु याकी आ दु की अ भ "नितं ह स>ले ध्या अभ्या स की
हचौं रेह ह।

ले फिकी आजी म 1स!चौंतं हूँ फिकी आनिखोरे म 1फिकीस रे ध्या कीरेतं था। म 1फिकीस ब रे म (स!चौंतं था ? म कीरेतं था ? उस मनिहले मझेकी छे निसखो या हA था ; म 1 छे"
1फिकीस रे ध्या की(फिद्रतं
की भ जीहमतं हA उठ ई। फि>रे भ , म की! कीभ भ
शां"न्या लिंबदु रे निस्थारे हA फिकीया जी सकीतं। म की! रे" तंरेह स प्र कीMनितंकी हA ब या जी सकीतं। उस निवोंचौं रे रे की(फिद्रतं कीरे ह!तं ह। इसकी निब , ध्वों हAभ ह।

फिकीस रे ध्या लेगे ए ?

चौं जी स, जीड़ा रेह ह!तं ह; उस स्वोंया की! व्यस्तं रेखो ह!तं ह। असले चौं ले याह ह फिकी उस एकी ह , फि>रे, म 1वीं स्तंर्षों म (फिकीस रे ध्या लेगे तं था ? वोंह क्या था ? अक्सरे मरे चौंचौं रे भ इया औरे बह की छे ड़ाछे ड़ा औरे हस मरे ध्याके! चौं रे दुतं था। या फि>रे, क्या याह अध रेतं था ? वों मरे ध्या लेगे की कीमजी!रे की मजी की उड़ा तं था। "तं म स!चौंतं ह! फिकी तं म क्या कीरे रेह ह!? तं म एकी ढं गे ह!," वों मजी की म (कीहतं था। इसनिलेए म 1 छे" की स हस फिकीया। म 1 की! एकी की(द्र या लिंबदु एकी
की वोंले उस स छे" सकीतं था जी!, मरे निवोंचौं रे स, मरे ब तं स तं औरे मझे सतं r कीरे वों ले जीवों ब दु की निलेए सबस या!ग्या व्यनि लेगेतं था। की सरिरेया वोंस्त्र ध रेण कीरे वों ले मनिहले तं! मजी की उड़ा तं , ह ध!खो दुतं था।

दुस"रे ले!की स आतं रे!शां

मरे इस निजीज्ञा स , ध्या की ब रे म (छे" की हले की!निशांशां रे, उ की चौंह रे रे वोंह जी - हचौं मस् की आ गेई।
इतं गेहरे ई स
व्यस्तं रेखोतं ह। "ले फिकी एकी ब तं म 1 क्के तंHरे रे जी तं हूँ, " उन्ह कीह , "फिकी ध्या म (म की! व्यस्तं रेखो चौं निहए, औरे वोंह भ एकी स् r निवोंचौं रे की स था। अगेरे याह एकी स अनिधकी ह!तं , तं! तं म्ह (वोंह ण"4 आ दु महस"स हA ह!तं , निजीसकी ब रे म (की वोंले तं म कीहतं ह!, बनिCकी तं म्ह रे उत्स ह स याह स > झेलेकीतं भ ह।
जी निहरे था , उन्ह (इस ब तं की की!ई अ दु जी हA था फिकी म 1फिकीस रे ध्या लेगे तं हूँ, या क्या चौं जी मझे
"हरे की!ई तं म्ह रे आ खो की चौंमकी, तं म्ह रे सहजी औरे शां तं चौंह रे , औरे तं म्ह रे निमत्रंतं ण" 4मस् की की ब रे म (ब तं कीरेतं ह। ण"4 आ दु की!ई ऐस चौं जी हA ह निजीस निछे या जी सकी। अ धरे रे तं म (भ एकी छे!ट स दु की फिदुखो ई दुतं ह। खोशां ब "अ आस स की दुनि या की! अ मHजीदु"गे की एहस स कीरे तं ह, भले ह की!ई उस !रिटस कीरे या हA। म 1इस

!रिटस कीरेतं हूँ; औरे म 1तं म्ह (निवोंश्व स फिदुले सकीतं हूँ फिकी दुस"रे भ इस !रिटस कीरेतं ह।1 वों दुखो तं ह 1फिकी तं म एकी बच्ची ह!; तं म अ आ म (डी"ब रेहतं ह!। तं म्ह रे उम्र की एकी लेड़ाकी की निलेए याह स्तंरे प्र स कीरे अ आ म (एकी उCलेखो या ब तं ह। याह मनि श्कीले ह। याह एकी तंथ्या ह फिकी 'अ दुरे की ओरे महस"स कीरे ' तं म्ह रे निलेए एकी स्वों भ निवोंकी जी वों शांलेब गेया ह। "

एकी या!गे की व्यवोंह रे अ !खो ह!तं ह। गे तं कीहतं ह, 'वोंह आ तंरिरेकी प्रकी शां स चौंमकीतं ह, ' औरे वोंड्स4वोंथा

4कीहतं ह,1 'वोंह
अ दुरू गेHरेवों स सजी हुआ चौंलेतं ह। '
म 1आश्वस्तं हA था । म 1उत्स निहतं भ हA था । म 1भ"खो था । भ"खो की! शां तं रेखो मनि श्कीले ह!तं ह। भ"खो

की! भ"स स सतं r
कीरे कीरिठ ह!तं ह। क्या वोंह स ध जीवों ब दु स बचौं रेह थाA? उन्ह (मरे सदु ह की एहस स हुआ। "तं म मझे रे निवोंश्व स
हA कीरेतं । ह ?," उन्ह छे" । म 1उदु स औरे चौं था । "ठ की ह, तं म हA म तं । अगेरे ऐस ह, तं! मझे बतं ओ

फिकी तं म फिकीस ब रे म (स!चौंतं ह!? क्या तं म इस स् r रू स बतं
सकीतं ह!?"
इस ब रे म 1एकी सह जीवों ब ढं" ढं म (व्यस्तं था ।

आ जीरूरे फिकीस चौं ज़ी की ब रे म (स!चौं रेह ह गे ; की छे ऐस जी! ण"4 ह!...की छे ऐस जी! आ की! रे" तंरेह स

अ म (सम ट
ले औरे निजीस आ स दु कीरेतं ह ...की छे ऐस निजीसस एकी ब रे जीड़ा जी की ब दु, अलेगे ह! मनि श्कीले ह! जी तं ह या दु
की निजीए, वोंह क्या ह? याह की!ई स ध रेण चौं ज़ी हA ह! सकीतं । याह की!ई ऐस चौं ज़ी हA ह! सकीतं जी! रे!ज़ी

बदुलेतं रेहतं
ह!। याह एकी ह निस्थारे निप्रया औरे आदरेश या निवोंर्षोंया ह! चौं निहए। अब आ की म मले म (याह क्या ह! सकीतं ह!? याह क्याA! मझे तं चौंलि गेया था फिकी याह क्या था । याह मरे अ दुरे एकी क्षीण म (चौंमकी उठ । याह औरे की छे हA ह! सकीतं
था सकीतं वोंह? था दु की निजीए; या दु की निजीए औरे आ इस ढं" ढं ह ले(गे।
"याह क्या ह?" उ की जीरेदु रे सवोंले आया । "म 1दुखो रेह हूँ फिकी तं म इस हचौं निलेया ह। अब बतं ओ, याह क्या ह?

प्र म जी वों की! था अथा4दुत ह

कीह!। निब निहचौंफिकीचौं हट की ।"
मरे स तं रे तं जीवों ब हA था ; ले फिकी म 1जी तं था फिकी मझे
क्या कीह ह।

म 1 स रे स हस जीट या औरे घ!र्षोंण की , "आ ! म 1आ स प्या रे कीरेतं हूँ. .. मझे आ की! आ दु म (डी"ब हुआ दुखो अच्छे लेगेतं ह। "
"म 1भ तं मस प्या रे कीरेतं हूँ, निप्रया," उन्ह कीह । औरे एकी की!मले, गेहरे , अ तंरे गे आलिंलेगे की स था उन्ह इस निवोंर्षोंया रे एकी दु 4 डी ले की की!निशांशां की ।
उन्ह ऐस फिकीया ; ले फिकी म 1 हA म । "म 1की स डी"ब सकीतं हूँ, " म 1 छे" , "याह तंकी फिकी आ स प्या रे कीरे म (भ , निध्या की! जी ? मरे चौंचौं रे भ ई कीहतं ह 1फिकी गेरु की निब ध्या कीरे असभ वों ह। "

म 1 शां यादु ह महस"स फिकीया फिकी म 1अ जी म (अ 'फिकीतं ब ज्ञा ' की! प्रस्तं तं कीरे रेह था , या वों रे णस की गे शां
औरे स -स ई ब तं स इकीट्ठा फिकीया गेया ज्ञा ; ले फिकी मनिहले की! याह ब तं तं रे तं भ ले ।

"क्या सचौंमचौं ?" उन्ह मजी फिकीया स्वोंरे म (छे" , उ की मजी की भरे चौंHड़ा आ खो (औरे भ चौंHड़ा ह! गेईं। (की स म,1 इस उ

म (भ , स1ठ स ले हले या कीले ह हुई घट ओं की! या दु कीरेकी लुंखूँ?)

"तं! फि>रे याह की स हुआ," उन्ह जी रे रेखो , जीस फिकी उ की आदुतं था , एकी कीथा वों चौंकी की तंरेह, "फिकी ध्रु वों म की वों
लेड़ाकी , निजीस कीभ की!ई फिकीतंकीभ हA दुखो अक्षारे हA स खो , कीभ फिकीस गेरु स हA निमले , फि>रे भ ण"4
शां नितं प्र स्र कीरे सकी , औरे भगेवों की! दुखो सकी ? औरे सकी दुवों की ब रे म (क्या ?" "औरे कीनि ले औरे

म कीáडी या...," म 1 निवोंश्व स की स था जी!ड़ा , जी! मझे प्ररि रेतं कीरे रेह था । "तं म मझे स प्या रे कीरेतं ह!,"
उन्ह जी रे रेखो ,
"तं म मझे प्या रे स दुखो तं ह!; औरे प्या रे दुखो की निलेए एकी ई आ खो दुतं ह, औरे तं म मझे म (वोंह दुखो तं ह!

जी! दुस"रे हA
दुखो तं । प्रम जी वों की! या अथा 4दुतं ह। प्रम तं म्ह (मरे स था ऐस जी!ड़ा दुतं ह जीस तं म औरे की छे कीरे ह
हA सकीतं । प्रम
तं म्ह रे ध्या तं क्षण औरे गेहरे ब दुतं ह; की!ई औरे चौं जी इसम (हस्तंक्षा हA कीरे सकीतं । तं म्ह (इस सदु भ 4म

('एकी लिंबदु'
की अथा 4समझे चौं निहए।
"एकी लिंबदु वोंह जीगेह ह जीह दु! की निलेए की!ई जीगेह हA ह!तं । याह निस>4 एकी ह!तं ह। जीस ह याह दु! ह!

जी तं ह, या
उसस अनिधकी, याह एकी लिंबदु हA रेहतं । प्रम की क्षा त्र म,(या या!निगेकी एकी ग्रेतं की क्षा त्र म,(फिकीस
दुस"रे की निवोंचौं रे एकी गेभ रे
ध रे की तंरेह बहतं हुए मझे ढंकी ले तं था, वोंह अचौं की उ मत्र मग् ध कीरे दु वों ले गे तं म (स एकी गे लेगेA:
अनितक्रमण ह। "

म 1तं म्ह (फिकीतं ढं" ढतं रेह,
जीस - जीस वोंह ब!लेतं गेईं, उ की आवों जी गेहरे ई औरे तं कीतं स भरेतं गेई। एकी बदुले वों आ रेह था । एकी
याह औरे वोंह ;
जीरेकीतं4 ह! तं!म तं! हमशां स याहA था,
रेह था मझे तंरे की आवों जी हमशां मझे रे जी दु "स कीरे दुतं था ; उ तं ब्रतं स व्य फिकीए गेए लेयाबद्ध वों क्या स,
जी! प्रम की
या गे तं हमशां मझे
हरे कीरे दुतं था। जीस ह वोंह गे तंA, एकी दुवों दुतं" की तंरेह वोंह अ ध रे कीवों खोह!कीरे मरे
निलेए अज्ञा तं क्षा त्र म (उड़ा जी तं लेगेतंA।
म 1स रे दुखो भ"ले जी ऊ गे ;
औरे ह रे म कीरे झे की जी ऊ गे ;
निब निशांकी यातं, निब आ स "की ;

म 1खोश्सं इस जी वों म (निमले
अ की! म (रेहूँगे ;
बस तं म दुया ले ब !,
औरे एकी दुरेवों जी खोले रेखो!,
तं फिकी या त्र की अ तं म(

म 1आशां की स था उम्म दु कीरे सकी"
एकी निमले की ...

औरे जीCदु ह म 1भ उ की स था गे लेगेतं। औरे जीCदु ह म 1खोदु की! भ"ले जी तं। गे तं की अ तं म (म 1उ की स उस निप्रया आलिंलेगे की निलेए दुHड़ातं। वोंह मझे अ स स लेगे ले तंA।

शांब्दु, की वोंले शांब्दु

ब रे-ब रे वोंह मझे इस भनि की शांनि की या दु फिदुले तं था , जी! सम ण4 म (रिरे ण" 4ह!तं ह, औरे याह प्रम की सवोंÁच्ची अनिभव्यनि ह।

प्रम की छे भ कीरे स हA डीरेतं ; प्रम की छे भ ह निसले कीरे सकीतं ह; प्रम की छे भ छे!ड़ा स हA निहचौंकीतं। सच्ची प्रम म (की!ई बनिलेदु , , अ रे ध, या याह तंकी फिकी प्र यानिश्चतं की भ वों भ हA ह!तं। वोंह जी!रे दुकी रे कीहतं थाA फिकी याह एकी फिदुव्य ण"4तं ह। ऐस प्रम फिकीस भ"खो की! जीन्म हA दुतं ; औरे ह याह फिकीस रिरेण म की तंले शां कीरेतं ह। याह छे की!ई छेतं वों या नि रे शां की भ वों हA छे!ड़ातं। ऐस प्रम निजीतं अनिधकी फिदुया जी तं ह, आत्म उतं ह म ह!तं जी तं ह।
ध रे -ध रे याह प्रम व्यनि स बहकीरे रे" ज्ञा तं ब्राह्म डी की! ढंकी ले तं ह, औरे याह तंकी फिकी अज्ञा तं ब्राह्म डी की! भ , भले ह ह इस रिरेवोंतं4 की प्रनितं सचौं तं ह। प्रम इ स की! सतं ब दुतं ह। प्रम म स की! एकी फिदुव्य उ ह रे म (बदुले दुतं ह।

ले फिकी या सब, फि>रे स, की वोंले शांब्दु ह,1 शांब्दु।

समग्रे प्रनिवोंले यातं

महस"स कीरे अलेगे ब तं था : म 1 की की! महस"स फिकीया —उसकी की । उस मझे गेले लेगे निलेया ; औरे ऐस एकी आलिंलेगे स म 1समझे सकी फिकी वोंह क्या कीह चौं ह रेह था। याह की वोंले सचौं रे हA था , बनिCकी एकी ण"4 सप्र र्षोंण था , एकी खो ले त्र की! भरे की निलेए उ डीले जीस । वोंह फिदुव्य उ डीले मरे भ तंरे गेजी" तं रेह , औरे एकी आवों जी लेगे तं रे कीहतं
मेह , कीरे! लेकी छे म ! रुकी! वोंट छेबभ ; कीरे छे भ कध्र वोंह ह! जी! की छे मझे म (हे, वोंह सब तं म्हरे ! ह! फिदुव्य ब ओ! म ह!
जी ओ; मझे
उस ज़ीबरेदुस्तं मकी" अ ले की वोंण4 कीरे असभ वों ह; उस ण"4 सम ण4 भरे गेहरे आलिंलेगे की मखो रेतं। याह निब शांब्दु की भ र्षों था ; याह निब निहले वोंट की आगे था। एकी ब ले भ हA निहले ; एकी ज़ीरे भ हA चौंमकी। आ खो (बदु कीरेकी , हम शां नितं की स गेरे म (डी"ब हुए महस"स कीरेतं था। आ दु की एकी लेहरे अनिस्तंत्वों की! निवोंद्यातं कीMतं कीरे फिदुया। याह एकी भरे आकी शां रे उ शांब्दु स कीनिवोंतं निलेखो जीस था , जी! म वों या ज़ीबâ की! ज्ञा तं हA ह।1 "समग्रे प्रनिवोंले यातं (प्रम म (निवोंलेया ह! जी तं ह) ," गे तं कीहतं ह।

म 1 उस प्रम की स्वों दु चौंखो ह। औरे उस प्रम की स्वों दु चौंखो की ब दु, की छे औरे या!ग्या हA रेह जी तं। "उसम (की छे भ जी!ड़ा की आवोंश्याकीतं हA ह। औरे जीस ह म उस अवोंस्था म (निस्थारे ह! जी तं ह, दुo खो या शां!की की की!ई भ वों , याह तंकी फिकी सबस गेहरे भ , उस रेम शां नितं म (प्रवों शां हA कीरे सकीतं।" (उ नि र्षोंदु) या!गे औरे सम निध की भ र्षों , भ वों तं तं ध्या की निशांखोरे की वोंण4 इस सH उ म ओं म,(सH कीनिवोंतं ओं म,(सH तंरे की स कीरेतं ह। क्या फिकी भ र्षों इसकी ण"4 अ सच्ची वोंण4 कीरे म (असमथा 4ह! जी तं ह; म स्वोंया निस्थारे ह! जी तं ह।

याह सचौं ह फिकी अ जी ले!गे की निलेए या वोंण4 की वोंले शांब्दु, शांब्दु, शांब्दु लेगेतं ह!1 औरे क्या ?

नि रे शां वों फिदुया स, जी! ज्ञा की स्तं भ ह 1ले फिकी जी वों की सरेले आ दु स वोंनि चौंतं ह,1 औरे अनिधकी

उम्म दु हA की जी सकीतं।

जी! बद्ध हरेम की रे निगेस्तं म (रेहतं ह,1 उ की स ज्या निमतं या रू स ब >"ले औरे निया स आ दु ले की अले वों की!ई

निवोंकीC हA ह!तं। जी! वों स्तंनिवोंकी आ दु चौं हतं ह,1 उन्ह (इस जी वों की खोले हवों म (ढं" ढं ह!गे। "याफिदु

गेहरे इया तं म्ह (

आक़ीर्पिर्षोतं कीरेतं ह,1 तं! ठहरे! मतं, लेड़ाखोड़ा ओ मतं; गे!तं लेगे ओ!" शांब्दु की याह आभ स अनिधकीतं सदु ह कीरे वों ले की

म की! उसकी सच्ची ई की निखोले > कीरे दुतं ह। याह आध्या नित्मकी मध मह वों ले की! निमठ ई रे!स जीस ह।

कीकहांकेदुनिमिकोंर्षोयमिते हुँ(Dितीप्रमयकी ठमम,"मह्4दुशां4 की! याह Dस्मरेण कीरूD, जीस

रिहस्याभ्क्षा अप्रसदु समझे उसम दु"ण स4.1 अ की स ण ह4 या निवोंसकीतं ह,1 निम्नध्या म (निबतं या , एकी अत्यातं घनि ष्ठों सब ध म।(म 1याह

प्रस्तिं सप्री की (एकी सद्धी रे)ह व्हीD या ह वोंह निशांक्षा ए Dह,1 जी! उन्ह वोंर्षों" तंकी मझे स वोंध वों"की4 औरे श्रेमस ध्या रू स

दुA।

आजी म 1निब फिकीस सकी !चौं की कीह सकीतं हूँ Dफिकी प्रम की इस ज्वों ले स रिरे ण" 4सदु शां की निब की!ई तं त्र ह! ह ह/ प्रम औरे प्रया स , दु! म (एकी औरे एकी म (दु!, निवोंर्षोंया औरे वोंस्तं की ण"4तंo आत्म-सजीगे अ भ "नितं म (रू तं रेण—याह तं त्र की मले" आध रे ह।

मखो" 4औरे खोडी ह इस आरे ध्या प्रम की! अ धभनि म तं ह,1 जीस की!ई मखो" 4व्यनि ध तं , निमट्टा , त्थारे, या लेकीड़ा की म की प्रनितं समर्पि तं ह!। वों इस उन्म दु समझे की दुस् स हस कीरेतं ह 1औरे इस एकी असतं निलेतं की म-जी वों की अनिभव्यनि म कीरे अस्वों की रे कीरे दुतं ह।1 रे तं जीब एकी भ अ एकी ग्रे नि ष्ठों औरे प्रम की अनि वों यातं4 तंथा उसकी अजीया आवोंगे स इस सब ध की! दुढ़M कीरेतं ह, तं! उसकी प्रम एकी आध्या नित्मकी शांनि म (रिरेवोंर्पितंतं ह! जी तं ह। याह उसकी भ वों त्मकी अनिस्तंत्वों की! रिरेशांद्ध कीरेकी एकी ऐस आ दुदु या अवोंस्था म (हुचौंD दुतं ह, जी! शांरे रे स रे ह!तं ह— जीस सगे तं निब शांब्दु की। याह वोंह म गे 4ह, जी! म!क्षा तंकी हुचौंD की निलेए निवोंख्या तं ह, निजीसकी चौंचौं 4 ज्ञा कीरेतं ह,1 औरे निजीसकी निड़ातं म वों कीरेतं ह। याह वोंह रेम स्वोंतं त्रतं ह, जी! शांरे रे औरे इ फिद्रया की दु सतं स मनि फिदुले तं ह। वोंह दु रुण वोंदु , जी! कीभ सतं r हA ह!तं , जी! नि रे तंरे जीले तं औरे ध रे -ध रे r कीरेतं ह, वोंह सच्ची प्रम की स् शां4 स शां तंले ह! जी तं ह औरे तंMनिम्न की! प्र प्त ह!तं ह।

याफिदु की!ई आ दु फिकीस प्रया स द्वी रे प्र प्त फिकीया जी सकीतं ह, तं! तं त्र की इस मHनिलेकी सत्या की म ध्याम स ह वोंह सभ व याह वोंह म गे 4ह, जी! उस अस म आध्या नित्मकी स गेरे स ह!कीरे गेजी रेतं ह औरे अ तंतंo इनि सफ्री की स्वोंनिप्रले द्वी तंकी हुचौंD ह। जी! स्वोंगे 4म ष्या स निवोंलेम्न ह! गेया था , वोंह इस गेढ़" सत्या की समझे औरे उस स ध की म ध्याम स o प्र प्त फिकीया जी सकीतं ह, निजीस तंथा कीनिथातं आध नि की बनि द्धजी वों तं त्र कीहकीरे हसD म (उड़ा दुतं ह,1 औरे निजीसकी स ध की! तं त्रवों दु उ नि क्षातं कीरे दुतं ह!1

म"र्पितंया Dऔरे निचौंत्र

ले फिकी मर्पि"तंया और प्रनितंम ओं की प्रनितं इस प्रम की! जी रे रेखोतं हुए... प्रनितंम ओं की! अक्सरे 'धम 4की व्य रिरेया ' की एकी वोंगे4

द्वी रे उ ह निसतं फिकीया गेया ह। सफिदुया स और दुनि या भरे की सस् कीMनितंया म (प्रनितंम ओं की! r फिकीया गेया ह: निमस्रो,

मनि क्सकी!, अरेब, स रिरेया , ग्रे स, रे!म, भ रेतं, इ डी!-चौं , निसया म, जी वों , म ले निजीए, और प्रनितंम ओं की! मर्पि"तं "जीकी दुनि या स, की फि>रे की गे!ले स निमट फिदुया गेया ह (!); ले फिकी प्रनितंम ओं की! ईस ई दुनि या म (भ तं!ड़ा गेया ह, और

ईस इया द्वी रे । ह²ले1डी, बनि Cजीयाम, फ्री स , जीम4 , रे!म म (ह , एकी सच्ची और शां द्ध धम 4की म रे फिकीए गेए अत्या चौं रे इनितंह स की न्न की! म वों या ड़ा , दुo खो, अ म और अवों नितं की रिरेकी²डी 4म (बदुले फिदुया ह। और फिकीस उद्दी श्या स? प्रनितंम ए Dऔरे मर्पि"तंया D ट"दतं ह:1 और Hरे निणकी लिंस्>क्स और स्रले- मद्दी1रे की तंरेह अ रे स्रो स बचौं जी तं ह 1 और फि>रे म उठ खोड़ा ह!तं ह 1 और बहतं यातं म (अनितंरिरे जी वों शांनि की स था।

यौथिउ अजीव्यनितकीनिथ्याकीवेरे ण ओं की निवोवीरेण म (जी की स्था हA ह जी! निवोनिभिन्न दुशा और की ले की ल!ग की भ वों तमकी रेचौं ओं की निखोले > इ सगे रिठतं रेसह रे की छे ह।1 ले फिकी याह निवोंचौं रे कीरे या!ग्या एव महत्वी ण" 4प्रश्न ह: म ष्याकी! अ दुबो तं ब और उ की चौरेण म (अ जी वों की सवों4श्रेष्ठों अर्पि तं कीरे की निलेए क्या या गेया ह? की वोंले ध और स्वोंतं त्रतं , बनिCकी फिकीस भ स स रिरेकी स नि या निहतं स कीहA अनिधकी निप्रया वोंस्तं ए। क्या फिकी मस" स हले भ , याह तंकी फिकी अ ह बच्ची की बनिले की! आरे ध और आभ रे व्य कीरे की एकी स म न्या तंरे की म जी तं था ।

क्या ? क्या स् r रू स अतं र्किकीकी, खोले आम अ धनिवोंश्व स , निवोंनिभिन्न दुवों -दुवों तं ओं की स् r रू स भHनितंकी अनिभव्यनि या की की याकी4 ले सम स्त हA ह!तं ? क्या और की स वों जीÂनिवोंतं ह!तं ह?1 क्या ? ऐस 'अथाह4 ' भनि की निलेए नि निश्चितं रू की छे म !वों ज्ञा नि की औनिचौंत्या ह! चौं निहए। त्थारे और लेकीड़ा , निमट्टा और तंले स ब या दुवों तं म ष्या की की छे आ तंरिरेकी आवोंश्याकीतं की! रे" कीरे रेह ह गे , निजीसकी निब म ष्या अधरे" प्रतं तं ह!तं ह।

आइए हम इस ब तं की ब रे-ब रे दु!हरे ई गेई तंकी4 म (जी ए फिकी एकी सच्ची दुवों तं क्या ह, और अ धनिवोंश्व स की दुनि या म (दु सतं ण" 4सम ण4 क्या ह, जी! चौंतं रे जी रिरेया और उ की की शांले स निजीशां की जी दु "की छेड़ा स मत्र मग् ध ह।

ऐस तंकी4 ले ब समया स इनितंह स की की म (गेजी" तं रेह ह।1 इस सदु भ 4म,(उसस अनिधकी हA। म 1 मनि क्सकी! की जीगे आफिदुवों निसया की! गेप्त जीले स्रो!तं (स !ट) की ओरे चौं!रे -निछे कीदुम बढ़ तं दुखो ह, जीह वों अब भ ग्र ह!कीरे अ अ ष्ठों कीरेतं ह।1 सचौं ह फिकी उन्ह म वों बनिले और रेभक्षाण की! छे!ड़ा फिदुया ह; ले फिकी मनि क्सकी!, ग्वों ट म ले (रे" अमरिं रेनिडीया दुनि या म,(निजीस ले रिट अमरि रेकी की रू म (जी जी तं ह) की चौंचौं' म (म 1 म वों अ गे की ले ब -ले ब ह,1 जी! एकी क्रं इस्ट की म!म की शांवों की! सजी तं ह,1 जी! सभ वोंतंo दु> स हले रे जीकी या सम्म की स था रेखो गेया ह। या सभ म वों अ गे 'भगेवों की! अर्पि तं' फिकीए गेए ह!1 भ बनिलेदु फिदुया ह, और चौंचौं4 स्वों की रे फिकीया ह। याह आजी तंकी चौंले रेह ह। फि>रे भ एकी अ तंरे ह, और वोंह इस गेरिरेम बचौं तं ह! अ तंरे याह ह फिकी या अ गे स रे द्वी रे ब ए दुखो गेए ह,1 और या अ ण4 एकी बनि द्धम चौंचौं4 की खोजी की निलेए स! और चौं दु की ट की मतंलेब रेखोतं ह।1 इसनिलेए रे शांरे ब की! ए स! की प्या ले म (रे!स जी तं रेहतं ह, और चौंचौं4 >लेतं ->"लेतं ह।

धम 4की इस दुनि या और धम 4की प्रम खो की म म (निछे ध!खो और खोडी की आले!चौं कीरे व्यथा 4ह। याह वोंह हA ह निजीसकी निलेए हम याह आए ह;1 हम उस जी " की जी चौं कीरे चौं हतं ह 1जी! म ष्या म (ह, जी! दुनि या भरे म,(सफिदुया स अ रे" तं कीतं झे की दुतं ह और प्रनितंम ए ब की निलेए जी!निखोम उठ तं ह, और भ हृदुया की! उ की रेचौं की! अ सबस ईम दु रे श्रेद्ध जीनिले दु की निलेए रे" तंरेह स समर्पि तं कीरे दुतं ह।

म ले निजीए फिकी याह गेलेतं ह; म ले निजीए फिकी इस सह फिकीया जी चौं निहए। ले फिकी क्या गेलेतं की इतं ले ब
जी वों की ले ह! सकीतं ह? क्या याह दुम , या तं , आगे औरे गेध की की सफिदुया स बचौं सकीतं ह? की स औरे क्या हम (हरे ज्ञा तं
म वों सम जी म (याह श्रेद्ध जीनिले दु जी तं ह? क्या म वों दुo खो की की!ई ऐस की! ह जी! ऐस दुवों तं ओं की नि म 4ण स शां
ह!तं ह जी! तंकी4 की चौंमकी की! बदु 4श्तं हA कीरे सकीतं ? वों इस चौंमकी स की स बचौं सकीतं ह?1 याह एकी तंथ्या ह फिकी वों
ह। मनिवोंश्री निरिया की! अश्वरे की निशा स म (ग त भ तं ले दुखी तं हुए, निवोंनिभन्न
रे!शां (औरे उ या रू स सजी ए गेए) आले की स था जी! चौंचौं' की! सजी तं ह।1 म जी तं ह फिकी प्रत्याकी सतं म (म वों या
ब म रिरेया स रे हतं दु की निलेए 'बहुतं निवोंशांर्षो शांनि या ' ह!तं ह।1

इतं ब ध ओं की ब वोंजीदु" याह निजीदु क्या ?

प्रनितंम ओं की! बनि द्धम , > शां बले, तं र्किकीकी औरे प्रगेनितंशां ले ले!गे द्वी रे उ ह निसतं फिकीया गेया ह। रिरेष्कीMतं ले!गे उन्ह (
स्वों की रे कीरे म (शांर्मिंमदु ह!तं ह;1 औरे बनि द्धजी वों उ रे हस तं ह,1 औरे 'आफिदुम!' निचौंCले तं ह।1 आले!चौंकी शां यादु ह कीभ
इस निजीदु म (शां निमले म वों या तंत्वों की सह भ "नितं ण"4 अध्याया कीरेतं ह।1 वों स्वोंया उतं ह मजीबरे", अ शां निसतं औरे/य
फिदुम गे ध! वों ले प्रतं तं ह!तं ह 1निजीतं फिकी वों निजी की वों बशां मÂ स आले!चौं कीरेतं ह।1 याह सबस बड़ा अन्या या ह; स
बड़ा अतं र्किकीकीतं । की वोंले रे या आध रिरेतं निक्लेचौं रे आध रिरेतं बHनिद्धकीतं औरे प्रगेनितंशां लेतं की दु वों बHनिद्धकीतं की
ईम दु रे औरे नि ष् क्षातं की स्वों कीMतं गेण की अ म कीरेतं ह।1 या आले!चौंकी स्वोंया अ म म (घMनिणतं रू स अ शां निसतं
औरे रे" तंरेह स फिदुम गे ध! वों ले ह;1 ले फिकी वों इस महस"स हA कीरेतं, इस स्वों की रे कीरे की ब तं तं! दुरे" ह। समझे
सह भ "नितं की सकी तं दुतं ह।

धम 4की निशांकी रे: आस्था

हरे की!ई जी तं ह फिकी निवोंचौं रे औरे निवोंचौं रेध रे ओं की! अ शां निसतं कीरे म (की!ई अच्छे ई हA ह! सकीतं । म ष्या अन्या
प्र निणया स अलेगे ह; ले फिकी याह तंकी फिकी जी वोंरे भ सा!चौं , अ तंरे कीरे , चौं औरे या दु रेखो की निलेए रुकीतं ह।1 वों
आ वोंनि शांकी रू स अनिधकी सवों दु शां ले ह!तं ह,1 औरे म ष्या की तं ले म (प्रनितंफिक्रंया त्मकी रू स अनिधकी सतंकी4 ह!तं ह।
सा!चौं अ आ म (म ष्या की! जी वोंरे की दुनि या म (प्रकीMनितं की एकी श्रेष्ठों प्र ण हA ब तं । याह बनि द्धम , तंकी4शांनि ,
औरे तंकी4 औरे भ वों की एकी अजी ब सया !जी ह जी! म ष्या की! अन्या प्र निणया स अलेगे ब तं ह।

म म (अ शां स ह! म की स्वोंतं त्र रू स सा!चौं की क्षामतं की! खो! ह। दुस"रे शांब्दु म,(याह कीम स कीम आ निशांकी रू
की! स द्द कीरेतं ह, तं! 'ब्रा वों²शां'।
स निवोंनिक्षप्त ह! की सम ह; या याफिदु की!ई वोंतं4म रे जी नितंकी रू स प्ररि रेतं वों क्या शां
ऐस व्यनि की म की! सा!चौं की एकी खो स स चौं म (ढं ले गेया ह, जी! उसकी स दु की हA ह। ऐस म की! एकी नि र्किदुr
आकी रे फिदुया गेया ह, जीस फिकीस ह इड्रे!निलेकी दुब वों स या तं स गेजी रे वों ले स्ट ले की ट कीड़ा की!। याह फिदुया गेया
म ष्या की! अ निलेए सा!चौं की सवोंÁच्ची अनिधकी रे स वोंनि चौंतं कीरेतं ह। ले!कीतंत्र औरे अनिध याकीवों दु की प्रफिक्रंया ओं की
बनि या दु अ तंरे इस अ शां स की अनिभशां म (नि निहतं ह। याह घट आध नि की रे जी नितं या बढ़तं वों निणनिज्याकी अथाशां4
निलेए ई हA ह। याह ध र्पिमकी सस् था ए Dह ह 1निजीन्ह वों स्तंवों म (इसकी आनिवोंष्की रे फिकीया औरे इस स>लेतं वों"की4 ले
फिकीया । आस्था धम 4की निशांकी रे ह; औरे म अनिध याकीवों दु रे जी नितं की निशांकी रे ह

धम 4की आह्वों

धम 4और ध र्पिमकी व्यवोंस्था ओं की उ या!गे एकी प्रकी रे की दुवों या नि याम की! ले गे "कीरे और नि दुनिÔशांतं कीरे की निलेए फिकीया जी तं रेह ह, निजीस रे भ!ले- भ ले भ की! शां यादु ह कीभ सदु ह ह!तं ह। वों की वोंले एकी ध र्पिमकी रू की! स्वों की रे कीरेकी

फिकीस प्रकी रे की म निसकी शां नितं की शांरेण की निलेए लिंचौंनितंतं रेहतं ह।1

म वों सम जी की नि म 4ण म (धम 4 अ फिदु की ले स एकी ऐस प्रभ वों डी ले ह, जी! शां यादु ह फिकीस अन्या

स म निजीकी प्रले!भ

स ब्रह क्रेरे ह!। भ"खो शां यादु प्रले!भ की सबस सम्म!हकी रू ह जी! फिकीस भ शां सम जी म (सबस शांनि शां ले प्रेर ण की रू

म (की या 4कीरेतं ह, निजीसम (म वों शां निमले हA ह। और उस क्रं"रे और आफिदुम मजीबरे" की ब दु सभ !गे की

की रे स आ वों ले

जीबरेदुस्तं प्रेर ण ह। इ दु! शां आवोंगे की अले वों , की!ई अन्या की रेकी हA ह

निजीस म वों सम जी की! (निवोंशांर्षों रू स) प्रभ निवोंतं फिकीया ह!, और म ष्या की ध र्पिमकी दुनिMrकी!ण

निजीतं सवों दु शां ले

भ वोंकी तं रेचौं त्मकी सम ण4 और निवोंत्र उत्स ह दु फिकीया ह!। इस प्रकी रे धम 4की! 'आत्म की भ"खो' कीह गेया ह। इस

भ"खो स अवोंगेतं ले!गे सगे तं, कीनिवोंतं और फिदुव्य कीले ओं की नि म 4ण कीरेकी अ आत्म की! सतं r कीरे

चौं हतं ह।1

कीले की रे और कीले की निलेए, दुवों या और धमनि4 रे क्षा की! अलेगे-अलेगे हA म जी तं ह। कीले कीले की रे की धम 4ह; और

स;दुया 4सतं निr की चौंमकी उस दुवों या कीM की रू म (फिदुखो ई दुतं ह। वों स्तंवों म (रेचौं त्मकी कीले ओं की!

अक्सरे 'दुवों या

की स गेरिठतं उCलेघ

उ ह रे' की रू म (वोंर्पिणत फिकीया गेया ह। कीले की हचौं सजीM की कीHशांले स की गेई ह; कीले की रे की! अ स्वोंयी की सदु शां

जीबरेम 1धम 4म (भ वों त्मकी और रेचौं त्मकी तत्वों की! दुवों लेउ हूं, तं! म ले इस तरेह स अ निमेला हA हूं फिकी

म वोंआत्म और अ तंरे त्म की क्षा त्र की! भ स्वों थाÂ निहतं की निवोंर्षोंले ले लेस दुनि"र्षोंतं फिकीया ह। (निचौंनित्रतं फिकीया गेया

की ट ण" 4 खोडी और भया वोंह अ धनिवोंश्व स

ह। कीले की! इस तरेह स प्रशां स हA निमले ह!तं , जीब तंकी फिकी धम 4की तंरेह याह आत्म की! भरे वों ले मिथोंश्व स की! ध"निमले कीरे फिदुया , अ तंरे त्म की! कीलेनि र्षोंतं फिकीया और श्रेद्ध लेओं की नि ष्ठों की! कीलेफि कीतं कीरे फिदुया। उसकी

म ष्या की! ध मिकीरे की!ई भ प्र ण कीले की! कीले की रू म (हA ब तं ह, निजीसम (एकी की मकी व्यनि की

और निवोंकीMतं क्रं"रेतं एकी स था निमलेकीरे भ की नि ष्ठों की रे क्षा ले ह। रे जी नितं की सह रे और सन् या ण"4 रिरणनितं की

बले की सहया!गे स

सचौं ब सतं निr ह!तं ह। कीले की चौं ज़ी ब म (व्यनि रेकी आ दु एकी भरे रे" म र्पिमकी प्र था 4 कीरे की सतं निr एकी लेगे" ढ गे की सम"ह की! भ!ले- भ ले ले!गे रे ले गे "फिकीया गेया ह। स्वों थाÂ निहतं द्वी रे ब ए गेए की " की हA ह।

उनिवोंकी

निवोंवोंकी

स्वोंतं त्र निवोंचौं रेकी की अ तंरे त्म की! रेखो की निलेए फिकीया गेया ह। अन्नेलेतं की निखोले > ईम दु रे निवोंरे! ध, अम वों यातं और अत्या चौं रे की निवोंरुद्ध उठ चौं खो की! सनि डीनिस्टकी उदु स तं , अ दुरे और की शांलेतं की स था दुब फिदुया गेया ह।

ले फिकी स म निजीकी ढं चौं और व्यनि गेतं स्वोंतं त्रतं रे इ सभ दु वों की की रेण तं! धम 4था , ह आध्या नित्मकीतं , और तंत्र की दुनि या

ह धम 4म (फिकीस अ तंर्पि निहतं दु!र्षों, तंकी4 की कीम या अ नि तंकी तंत्वों था; बनिCकी याह स्वों थाÂ निहतं , था! गेए नि याम , सस् था गेतं

अनिधकी रे और जी स ध रेण की सरेलेतं की बरे !की-ट!की शां!र्षोंण की की रेण हुआ।

निलेए औरे आनित्मकी शां"न्यातं स रेक्षा की निलेए खो!जी था। सस् था गेतं स की दुr कीड़ा म वों अ तंरे त्म की! जीकीड़ा निलेया , निजीसकी एकीम त्र उद्दी श्या शां!र्षोंण औरे वोंचौं4स्वों था। ध र्पिमकीतं म ष्या की! अस>ले हA कीरेतं , बनिCकी ऐस सगे रिठतं औरे
सस् था गेतं धम 4प्रण निलेया ,D जी! म ष्या की! प्रगेनितं औरे मनि की ओरे प्ररि रेतं कीरे की बजी या उस इस जी वों म (आध्या नित्मकी
गेरे ब औरे अगेले जी वों की भया म (जीकीड़ा रेखोतं ह।1

की छे मह आत्म ओं जीस बद्ध , या शां , कीन्फ्यानि"शांयास इस चौंक्रं की! सह फिदुशां म (म!ड़ा की प्रया स

फिकीया ; ले फिकी स म (
बठ निसस्टम की स निजीशां इतं शांनि शां ले था फिकी अ तंतंo उ की निशांक्षा ओं की! तं!ड़ा-मरे!ड़ा कीरे प्रस्तं तं फिकीया गया , औरे
सस् था सध रे द्वी रे फिकीए गेए अच्छे की या' की! निमट तं हुए अ दुr व्य रिरेकी नितंया की! औरे भ कीठ!रेतं

स म वोंo इनितंह स म (अ तंरे त्म की अनिधकी रे की निवोंजीया की दुखो दु औरे निवोंकीMतं कीथा फिकीस भ प्रकी रे स सच्ची धम 4की स्था नि तं कीरे निलेया।
भ"निमकी की! कीम हA कीरेतं , निजीस स म निजीकी व्यवोंस्था म (अत्यातं आवोंश्याकी शां नितं औरे व्यनि गेतं स त्वों की! ले म (

अज्ञा तं की प्रनितं प्र म

या!गेदु फिदुया हो ह याह धम 4की उस गेHरेवों ण" 4या!गेदु की! कीम कीरेतं ह जी! उस अ उत्कीMr आध्या नित्मकी औरे भ वों त्मकी तंत्वों की म ध्याम स नि भ या ह।

शांब्दु की कीनिवोंतं , सगे तं औरे रे गे की छेट की अले वों , म वों की फिकीस अन्या ले लेस अज्ञा तं की प्रनितं इस प्रम (निजीस धम 4की म स जी जी तं ह) की तंरेह म वों या भ वों ओं की आकीर्षों4ण औरे म वों या भ वों ओं की तं व्रतं की इतं समर्पि तं अनिभव्यनि ण"4 प्रवों ह उत् न्न हA फिकीया ह।

याह म ह!गे फिकी सगे रिठतं धम' की खोतंरे औरे अस>लेतं ओं की ब वोंजीदु" म वों हृदुया औरे उसकी आध्या नित्मकी दुढ़Mतं अ अ तंरे त्म की की रे की प्रनितं व्यनि गेतं स्वोंतं त्रतं की निवोंत्रतं की! ब ए रेखो ह। कीले की धम 4औरे धम 4की कीले की म ध्याम स अ भ वों त्मकी औरे कीC शां ले भ वों ओं की! प्रकीट कीरेकी इस सघ र्षों4म (अ स>लेतं दुजी 4की ह।

सच्ची धम 4अ ईश्वरे की! खो!जीतं ह

सच्ची धम 4 स्वोंया की! सवोंÁच्ची आनित्मकी आ दु की स्रो!तं स निबतं फिकीया ह। याह सकी ट, दुo खो, ह नि औरे अ म की समया म (म ष्या की! स त्वों औरे सह रे दुतं ह। जी वों की उलेझे औरे कीr की! शां तं कीरे की इस मह अनिधकी रे औरे शांनि शां ले स ध की! दुस"रे की आदुशां की अ स रे चौंलेकीरे खो! दु , ईश्वरे की फिदुव्य या! जी की निवोंरुद्ध की या 4कीरे ह। जीस हरे अन्या अ म!ले स्वोंतं त्रतं की! म ष्या सजी !कीरे रेखोतं ह, वोंस ह उस अ स दु की ईश्वरे की! स्वों की रे कीरे की स्वोंतं त्रतं की! भ सजी ! चौं निहए—एकी ऐस
ईश्वरे जी! उसकी व्यनि गेतं ड़ा औरे आवोंश्याकीतं ओं की उरे दु सकी।

म ष्या अ ड़ा ओं, कीr , निशांकी यातं , निवों निया , रे!गे औरे कीस म (अनिद्वीतं या ह। प्रत्याकी व्यनि की! अ

चौं Hतं
की स म कीरे औरे अ ऊ रे ह वों ह! रेह निस्थानितं स नि ट की अ तंरे की खो!जी ह!तं ह। सखो म (म ष्या की
आत्म सम द्र औरे आकी शां स एकी की रे ह! सकीतं ह; ले फिकी गेह ड़ा म (वोंह स्वोंया म (एकी द्वी ब जी तं ह।

जी! उसकी आवोंश्याकीतं ओं की सवों 4निधकी उरे दुतं ह, जी! नि कीटतं औरे स त्वों की स था प्रनितंफिक्रंया कीरेतं ह, वोंह म ष्य
की अ निवोंनिशांr धम 4ब जी तं ह। इस प्रकी रे वोंह स्वोंया अ ईश्वरे रेचौंतं ह औरे उस खो!जीतं ह।

जीस कीले की रे की आत्म ध रे -ध रे उस म ध्याम की! खो!जी ले तं ह निजीसकी म ध्याम स वोंह स्वोंया की! सबस अच्छे तंरेह व्य
कीरे सकीतं ह, वोंस ह फिकीस रेचौं त्मकी कीले की रे की! एकी था! गेए म की या अनिभव्यनि की तंरे की की! अ की निलेए
कीह मखो"तं4 की रे की छों ह!गे। इस प्रकी रे, फिकीस भ"खो औरे ट"ट चौंकी आत्म रे एकी म की कीMतं ईश्वरे की! था! , जी!
अ 'उरे दु वों ले' ईश्वरे की खो!जी म (ह, अकीC या ह।
शांरे रे स्वोंया एकी फिदुव्य मफि दुरे ह; आत्म एकी निवोंत्र स्था ; आत्मब!ध दु की ह, औरे जी! की छे उस निवोंत्रतंम स्था म (सनि चौं
रेहतं ह, वोंह उसकी सबस निप्रया ईश्वरे ह, उसकी अ आदुशां4 ह। याह तं त्र की निसद्ध तं, निवोंश्व स औरे उ दुशां ह। याह
की रेण ह फिकी तं त्र द्धनितं म (इतं अनिधकी दुवों -दुवों तं , ध्या औरे मद्र ए Dह।1 प्रत्याकी स धकी आनित्मकी औरे भ वों त्मकी दुब
की तंहतं अ स्वोंया की दुवों तं की रेचौं कीरेतं ह औरे उस स की रे आदुशां4 की समक्षा तंमस्तंकी ह!तं ह।
इस निलेए सच्ची तं नित्रकी म कीहतं ह:
"म 1तं झे दुखो तं हूँ,D औरे तं"मझे दुखो तं ह;
हम रे ब चौं की!ई औरे आए।"

याह लिंहदु "औरे तं नित्रकी प्रनितंम ओं की अ तंर्पि निहतं अवोंध रेण ह। असनिहष्ण मर्पि"तंभ जीकी की! इस दुनिMrकी!ण की! समझेकी
आक्रं!शां की! शां तं कीरे चौं निहए। निजीतं व्यनि , उतं ह व्यनि गेतं निवोंचौं रे; निजीतं निवोंचौं रे, उतं ह आदुशां4; निजीतं आदुशां
की वोंस्तं ए D हA ह।1 याफिदु उ म (स उस फिदुव्य उ निस्थानितं

उतं ह ध्या ; निजीतं ध्या , उतं ह मर्पि"तंया D। मर्पि"तंया D मर्पि"तं- जी"
की शां श्वतं मC"या की! हट फिदुया जी ए, तं! वों की वोंले नि जीÂवों ढं ले ह 1निजीन्ह (म ष्या झे"ठ आध रे रे ऊDचौं उठ तं ह।
हम ऐस मर्पि"तं "ज्या की ब रे म (स ह: निसकी दुरे औरे मदुÁकी; हले , ले ले औरे निक्लेया! Å ; की निलेगेले की घा!ड़ा , निहटले
स्वोंनिस्तंकी औरे रे निशां-चौंक्रं की निचौंन्ह। इ म (स प्रत्याकी की छे समया की निलेए ले!गे की! म!निहतं फिकीया। आकीर्षों4ण की य
आजी भ कीई ऐस मर्पि"तंया की! सम ट हुए ह। ले फिकी आत्म की धम' की! 'स्था या हचौं औरे म' दु वों ले प्रनितंम ओं की!
की वोंले आकीर्षों4ण की इस स म स ऊ रे उठ चौं निहए औरे आत्म स एकी की रे ह! चौं निहए।
तं नित्रकी प्रनितंम ए Dम !दुशां स म !दुशां , प्ररे ण स प्ररे ण , आवोंश्याकीतं स आवोंश्याकीतं , याह Dतंकी फिकी अवोंसरे स अवोंसरे
बदुलेतं ह।1 चौं मडी , की ले औरे ले सरेस्वोंतं की उग्रे रू स ले कीरे लेक्ष्म , सरेदु औरे प्रज्ञा - रेनिमतं की की!मले रू तंकी;
सया"4दुवों निवोंष्ण स ले कीरे जीलेदुवों वोंरुण औरे निस्थारे, नि ष् क्षा, ण"4 तंटस्थातं की प्रतं की निशांवों तंकी—प्रत्याकी प्रनितंम म
आनित्मकी आदुशां4 सम निहतं ह!तं ह, जी! याफिदु स>लेतं वों"की4 मतं"4रू ले ले , तं! भ की भटकीतं म की! ब धकीरे उस वों निछे
एकी ग्रेतं प्रदु कीरेतं ह।

याह की वोंले वों"-4नि ध 4रिरेतं निवोंचौं रे स म की! म कीरे औरे इ फिद्रया की दुनि या की! नि ष्प्रभ वों कीरे की एकी तंरे की
की वोंले म आत्म ए Dह अ चौंतं की! भ तंरे की ओरे ले जी म (सक्षाम ह!तं ह।1 की वोंले उन्ह (ह आत्मब!ध की उ लेनिब्ध
प्र प्त ह!तं ह।

तंस्वों रे(अ   आ म(एकी स की" ले कीरे आतं ह1

याहतं नित्रकी की अ की मर्पि"तंया और‍े स धकी द्वी रे सजी !ए और‍े जी" जी   वों ले अ निगे तं आदुशां' की   छे की गेढ़" रेहस्या ह।
प्रत्याकी मर्पि"तं एकी स धकी की आत्म की भ"खो की! मतं"4रू म (स की रे कीरेतं ह, तं फिकी वोंह ब हरे रू और‍े अ   आ तंरिरेकी
तंMष्ण की ब चौं एकी व्यनि गेतं और‍े तं किंकीकी सब ध स्था नि तं कीरे सकी ।

इस सब ध की! की!ई बह तंरे वोंण4   निमले   की की रेण, वोंह इस भ वों त्मकी रू स नि तं , म तं , याह Dतंकी फिकी त्र या
उसस भ बह तंरे, अ   दुस"रे रू (अCटरे ईगे!) की रू म (सब !निधतं कीरेतं ह।
याह Dतंकी फिकी वोंह प्रम , जी! फिदुव्य मनि   या   ण"4 आत्मस नितं की प्रकी रे की   हचौं   तंकी हुचौंD   चौं हतं ह, उस भ याह
नि ध 4रिरेतं कीरे   ह!गे फिकी उस कीH स प्रम सबस अनिधकी आकीर्पिर्षोंतं कीरेतं ह और‍े उसकी आ तंरिरेकी व्यनि त्वों की! सबस
तं

अनिधकी उरे दुतं   ह। उस वोंस्तं की! स्वों की रे म (कीभ सकी !चौं हA ह!   चौं निहए जी! उसकी भ तंरे की भ"खो की! उ या
और‍े सतं !र्षोंजी की उरे दुतं   ह!।
अ   इr-दुवों तं चौं तं समया स धकी भ्रनिमतं ह! सकीतं ह; ले फिकी वोंह हमशां   फिकीस मह   गेरु स म गेदु4शां4 ले सकीतं ह,
या प्रतं क्षा कीरे सकीतं ह, प्रया स कीरे सकीतं ह और‍े ध रे -ध रे स्वोंया खो!जी सकीतं ह फिकी उस वों स्तंवों म (क्या चौं निहए।
याह स् r ह फिकी फिकीस मह   गेरु की ज्ञा   तंकी हुचौंD स धकी की निलेए एकी आशां वों दु4 ह। व्यवोंनिस्थातं निवोंवों ह प्रण ले
आध्या नित्मकी क्षा त्र म (इस निवोंशांर्षों ज्ञा म गेदु4शां4 की निवोंनिध की स म निजीकी निवोंस्तं रे ह, जी! जी वों की हरे म!ड़ा रे गेरु
की! स्वों की रे कीरेतं ह। जी! ले!गे गेरु की उ निस्थानितं की! महत्वों हA दुतं , वों निवोंवों ह सब ध म (म गेदु4शां4 की भ वों   की!
समझे हA सकीतं ।
हम (याह हA भ"ले   चौं निहए फिकी याह Dनिजीस खो!जी रे चौंचौं 4 ह! रेह ह, वोंह रे" तंरेह स एकी व्यनि रेकी खो!जी ह, निजीस
व्यनि रेकी प्रनितंफिक्रंया शां निमले ह। याह प्रनितंफिक्रंया वोंस्तं नि छों हA ह! सकीतं । कीनिवोंतं की! उसकी वोंजी , ब इ लिंडीगे या
 हA आ की जी सकीतं । याफिदु उसम (कीनिवोंतं ह, तं! वोंह स्वोंया- प्रनितंलिंबनिबतं ह!गे , निब   उ ब हरे आवोंरेण की जी! प्रकी शां
बकी -ब इ डीरे   की शांले मचौं -प्रब धकी की तंरेह उसकी नि म 4ण म (लेगे ए ह।1

तंत्र की बHनिद्धकी उ क्षा

अक्सरे तंथा कीनिथातं बनि द्धजी वों इ तं नित्रकी मर्पि"तंया की! उस प्ररे ण की सह भ "नितं ण"4 भ वों   की निब   दुखो
तं ह,1 निजीस की वोंले
आ तंरिरेकी भ"खो स व्य की ले आत्म ह सरे ह सकीतं ह। चौंफि" की तं त्र की मर्पि"तंया और‍े तं नित्रकी अ छों   की या सतंह आले!च
अक्सरे 'निशांनिक्षातं और‍े की शांले' म   जी तं ह,1 इसनिलेए उ की द्वी रे इ नि निर्षोंद्ध निवोंर्षोंया   रे (जी! उ की व्यनि गेतं जी की रे
स म स ब हरे ह!तं ह)1 फिदुए गेए निवोंचौं रे की! मC"यावों   निवोंशांर्षों ज्ञा रिटप् निणया की रू म (गेलेतं समझे निलेया जी तं ह।

या निशांनिक्षातं लिं दुकी, अ   की ठ ओं की की रेण (जी! अक्सरे खोरे ब स्वों स्थ्या, असवों दु शां ले रेवोंरिरेशां, आर्पिथाकी तं गे , याH
की ठ ओं आफिदु स उत् न्न ह!तं ह)1, अ   जीरिटले ले खो   की! निवोंद्वी की आवोंरेण म (ले ट कीरे प्रस्तं तं कीरेतं ह 1और‍े कीभ भ
निवोंर्षोंया की गेहरे ई म (गेए निब   तं त्र व्यवोंस्था की मजी की उड़ा तं ह।1 याह अक्सरे उस निस्थानितं की तंरेह ह! जी तं ह, जीस
अ चौं की रे!गे की! आह रे निवोंशांर्षों ज्ञा ब   फिदुया जी ए।

दुभ 4ग्यावोंशां, तं त्र ऐस निवोंर्षोंया हA ह निजीस की वोंले फिकीतं ब स ढ़कीरे समझे जी सकी। याह उतं ह रेस और व्यथा 4अभ्या स ह!गे , निजीतं फिकी निब प्रया!गेशां ले की रेस या निवोंज्ञा और भHनितंकी की अध्याया कीरे , या कीभ निसतं रे की! दुखो निब
खोगे!ले निवोंज्ञा ढ़ । तं त्र म (ज्ञा प्र प्त कीरे की अथा 4ह उसम (प्रवों शां कीरे और उस की वोंले म और आत्म स, बनिCकी शांरे रे स भ स ध ; क्या फिकी तं त्र की बहुतं बड़ा भ गे कीठ!रे स ध ह, की वोंले नि र्षों ध हA; बनिCकी इसकी अनिधकी शां भ गे
आत्म-निवोंश्लेर्षों ण और आत्म-समझे की गेहरे ई म (उतंरे ह।

तं त्र व्यनि की! याह निसखो तं ह फिकी की स म , शांरे रे और मनिस्तंष्की की लेड़ा ई म (निवोंजीया ह! ह। याह

की वोंले आध्या नित्मकीतं
स्रा रेहस्यावों दु हA ह, बनिCकी याह आत्म-स क्षा त्की रे की या त्र ह, जी! अभ्या स, अ शां स और आत्म-नि रे क्षाण की म गे
कीरेतं ह।

तंत्र : एकी की रे त्मकी दुनिMrकी!ण

ले फिकी बHनिद्धकी लिं दुकी, जी! प्रम की आनित्मकी शांनि की म ध्याम स ण"4 आध्या नित्मकी उत्था की वों स्तंनिवोंकीतं स प्र याo
अ निभज्ञा ह!तं ह,1 इस गेह निवोंर्षोंया की उ ह स कीरे एकी म !रे जीकी की म समझेतं ह।1 तं त्र की वोंले वों रे की निलेए ह— उस
स हस और दुढ़M-हृदुया वों ले व्यनि की निलेए जी! इसकी कीरिठ स ध की स म कीरे सकी। आले!चौंकी अ रे या ब हरे
और सतंह नि रे क्षाण रे आध रिरेतं कीरेतं ह,1 और उ की गेलेतं ध रेण ओं की नि r उ कीले और ढं गे तं नित्रकी की उदु हरेण स ह!तं ह, जी! छेद्म कीनिवोंया की तंरेह, अ ण"4 निवों>लेतं की की रेण, की वोंले वों स्तंनिवोंकी तं त्र की महत्वों और अचौंकी"तं की! निसद्ध कीरेतं ह।1 की!ई भ खो!खोले दु वों Dचौं हजी रे वोंर्षों' की इनितंह स म (जी निवोंतं हA रेह सकीतं। म!हभगे की
आध रे रे की गेई स म न्या कीMतं ध रेण ए D की रे त्मकी ह!तं ह 1और तंथ्या त्मकी रू स गेलेतं ह!तं ह।1

या निवों नि की ग़ बरे तं त्र की! ढं गे, व्यनिभचौं रे, जी दु-"ट! , तं त्र-मत्र और निवोंनिभन्न स म निजीकी अ रे ध स जी!

ड़ातं ह 1(हम ब दु
की चौरेण म (इ 'अ रे ध ' की निवोंवोंरेण दुगे( )। शांड़ा , शांरे ब , निवोंकीMतं म निसकीतं वों ले और उन्म दु ले!गे या!गे और तं त्र की
अ रिरेभ निर्षोंतं छेत्रछे या की चौं अ क्लेब खो!ले ले तं ह।1 तं त्र अध!गेनितं की! एकी आस रे स्तं ब गेया ह।

ले फिकी
वों स्तंनिवोंकी तं त्र सभ इ फिद्रयाजीन्या भ वों ओं की! आत्म-स क्षा त्की रे की उद्दी श्या की निलेए आत्मसमर्पि तं कीरे दुतं ह।
अहकी रे स बध स्वोंया की! नि र्पिलेप्त म आत्म म (ण"4 सम ण4 की म ध्याम स सभ स्वों था4 ण" 4भ वों त्मकी

अनितंया की!
नि ष्प्क्ष वों कीरे तं त्र की उद्दी श्या रेह ह! त त्र द्वी रे निवोंकीनिसतं सभ अ ष्टों की वोंले इस लेक्ष्या की! प्र प्त कीरे की निलेए क्रमिकी
1.याह संया !गे म (की मकी तं की! की दु कीरेतं ह और शांब्द-निचौंत्र की प्रभ वों की! नि रे तंरे रिरेचौंया की म ध्याम स कीम कीरे दुतं ह।
अभ्या स ह।1 नि वोंयाæनि की उदु प्रम की स ध इस उद्दी श्या की! प्र प्त कीरे की निलेए एकी और मध रे प्रफिक्रंया

ह, निजीसम (
आत्म , समर्पं ण की! उस फिदुव्य प्रम की चौरेण म (अर्पि तं कीरेतं ह।
इस की रेण तं नित्रकी ग्रेथा म (प्रम , की म, और याह Dतंकी फिकी की मकी आ दु की छेनिवोंया की भरे रे" उ या!गे

ह!तं ह; अथा तं4 याह

2. की मकी प्ररि रेतं निचौंत्र की! प्रस्तं तं कीरेकी , तं त्र स धकी की निलेए की म- रिरेवोंशां की प्रनितं एकी उदु दुनिMrकी!ण प्रस्तं की प्रया स कीरेतं ह।

याह दु!हरे उनिचौंतं ह!गे फिकी तं त्र की वोंले उस की निलेए ह जी! सकी रे त्मकी स!चौं वों ले औरे म निसकी रू स शांनि शां ले ह!। याह की वोंले उ ले!गे की निलेए ह जी! अ इ फिद्रया औरे भ वों ओं रे नि यात्र ण प्र ह्म कीरे की निलेए दुढ़M-नि श्चया ह,1 क्या फि तं त्र की स ध म (म , शांरे रे औरे आत्म की ण"4 सम ण4 आवोंश्याकी ह।

म वों शांरे रे की आरे ध

म वों शांरे रे औरे इ फिद्रया की! जी गेतंM चौंतं की वोंदु रे बनिलेदु की वोंस्तं की रू म (अर्पि तं फिकीया जी तं ह। की वोंले वोंह
व्यनि जी! उदु भ!गे (सबले औरे सवों दु शां ले आत्म) ह!तं ह,1 इस आ दु की रे!म चौंकी ण"4तं की! प्र ह्म कीरे सकीतं ह।1 इस जी गेतंM चौंतं (चौंतं न्या या की डीनिले की निचौं शांनि) की प्रभ वों म,(वों सजीM की जी दु "म (आ फिदुतं ह!तं ह।1 वों अ सजीM त्मकी अनिभव्यनि या की! शांनि शां ले ढं गे स प्रस्तं तं कीरे म (सक्षाम ह!तं ह 1औरे आ वों ले फिढ़या की निलेए शां क्सनि यारे औरे रेवोंAद्र था ट गे!रे, निलेओ डीÁ औरे इथा गे!रेस, म इकीले एजी ले! औरे रे म्ब्रा ट , स> ! औरे म रे , ब था!वों औरे रेनिवों शां कीरे जीस मह कीले की रे की सम अमरे कीले -रेचौं एD छे!ड़ा जी तं ह।1 या सभ अ -अ क्षा त्र म (मह भ!गे औरे
मह कीले की रे था।

जी! स!फि>स्ट (की ट ण" 4निवोंचौं रेकी) निब अ भ वों फिकीए ह लिं दु त्मकी रिटप् निणया Dऔरे सम क्षा एD कीरेतं

ह,1 वों इ मह
आत्म ओं की फिदुव्य उ ह रे की मC"या की! कीम हA कीरे सकीतं , निजीन्ह तं त्र या!गे की एकी प्रकी रे की म ध्याम
स वोंह सब की छे
अर्पिजीतं फिकीया निजीस वों स्वोंया भ रे" तंरेह स हA समझे ए ह गे । स ध , या कीHशांले की अ प्र या!गे,

निवोंनिभन्न तंरे की स
निवोंकीनिसतं फिकीया जी सकीतं ह। या!गे उस कीHशांले की! प्र ह्म कीरे की स ध ह।
इ म (स कीई वों स्तंवों म (रेहस्यामया अ छों औरे स ध म (सले ग्न रेह ह।1 उ म (स कीई मह भ!गे रेह ह।1

उन्ह शांरे रे
औरे इ फिद्रया ईश्वरे अदभुतं ह,औरे जी वोंतं म ध्याम की आरे ध औरे ण"4तं की! एकी जी वोंतं स मग्रे म (बदुले
फिदुया । उन्ह शांरे रे
मरे ईश्वरे मरे प्रभ जी तं ह;
की म ध्याम ब कीरे उदु सस्या की! प्र ह्म फिकीया , औरे उ की रेचौं एD अमरे कीले औरे निवोंज्ञा की की या' म
औरे कीह Dम 1याह अ भ वों कीरे सकीतं हूँ?D
(निरेवोंनिसतं ह!
स 1अ प्रेम म (ईश्वरे की! दुला!हूँ,D
येई। सेस्था (सम , रेनिदी , रे मकीMष्ण या भतंहM4रिरे, ले ओ त्स या त्स गेया गे ग्या त्स! शांरे रे की उ या!गे
आध्या त्मिकी मानि " की
निहंब्वतं रेहस्यातों ह ला गेया ओ ग्या त्स! औरे भ स रू स कीहतं ह:1
स ध की रू म (कीरे की अ अ भ वों की ब रे म (प्रत्याक्षा जी ले कीरे दु ह।
"म! भ"निम स की!याले क्षा
तेवोंA4 वोंले तं ह,
रेवोंट्र ऑम ट्ग!रे कीहतं ह:1
वोंह आकी शां स उतंरेतं ह,

वोंह धरेतं की! आशां वों दु4 दुतं ह;
जी वों तं ह औरे >"लेतं ह।
जीब म! स की!याले आतं ह,
तंब मरे प्रम औरे म 1एकी ह! जी तं ह,1
शांरे रे, हृदुया औरे म म।("

याह भनि , प्रम औरे शांरे रे की म ध्याम स आत्म औरे ईश्वरे की निमले की एकी अ !खो अनिभव्यनि ह। याह वोंह तं नित्रकी दुनिMrकी!ण ह जी! शांरे रे की! निवोंत्र मफि दुरे की रू म (दुखो तं ह औरे उसकी म ध्याम स उच्चीतंम सत्या की प्र निप्त की! सभ वों ब ह।

तंत्र की निलेए कीठ!रे हृदुया की आवोंश्याकीतं

फि>रे भ याह सब की वोंले स् तंकी ज्ञा हA ह! सकीतं। ह याह मरे निलेए कीभ म त्र फिकीतं ब म (द्व हुआ ज्ञा था। मरे ब Cया वोंस्था की फिदु म (निजीस भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले मझे निजी स ध म (दु निक्षातं फिकीया , वों मरे भ तंरे हमशां की आ दु की अ तं स्रो!तं की तंरेह सजी !ई रेहA। अ जी वों की दुHरे , मझे अन्या आत्म ओं (अCटरे ईगे!) की स था नि कीट स की4 म (आ की सHभ ग्या निमले , निजी की सह यातं , अ ग्रे ह औरे आत्मसम ण4 की म ध्याम स म 1इस आत्मब!ध की निशांखोरे तंकी

हुचौंD

याह तं! शां रे रिरेकी निमले म (भHनितंकी सखो की आ दु ह, औरे ह भ!गे-निवोंले स म (निलेप्त व्यनि की अनितं-

सखो भ "नितं। याह
अत्यातं सया निमतं अ शां निसतं, अत्यानिधकी चौंया तमकी औरे निवोंचौं रेशां ले ह। याह अवोंसरे की! अस्वों की रे कीरेतं ह औरे की वोंले
वोंह स्वों की रे कीरेतं ह जी! आवोंश्याकी औरे प्र सनि गेकी ह!।

आजी मझे याह ज्ञा ह, औरे म 1याह कीह सकीतं हूँ Dफिकी निजीस वों म-तं त्र की! ले!गे घMण औरे जी" दु! की

दुनिMr स दुखो तं ह,1
उसकी म ध्याम स याह उ लेनिब्ध अन्या फिकीस भ या!गे- द्धनितं की तं ले म (कीहA अनिधकी सरेलेतं औरे उत्कीMrतं स प्र त की
जी सकीतं ह। जी! ले!गे इस स्वों की रे कीरे की निलेए अ की! बहुतं कीमजी!रे तं ह,1 उन्ह (इसस दुरे" रेह की रे"

स्वोंतं त्रतं
ह। ले फिकी इस निस्तंकीतं या ढं गे कीह की वोंले की रे त्मकी वों" 4ग्रेह ह, जी! उ की अ निझेझेकी की! निछे की निलेए
अ या गेया ह, क्या फिकी याह एकी कीरिठ , चौं Hतं "ण 4औरे रे क्षा त्मकी स ध ह। तं त्र उ ले!गे की निलेए ह

निजी की स स हस हृदुया ह।1 याह स हस, सकी C औरे आत्मनि यात्र ण की म Dगे कीरेतं ह। याह
हीरे !की की निलेए हA ह, बनिCकी उ या!द्ध ओं की निलेए ह जी! अ म , शांरे रे औरे आत्म की गेहरे इया म (उतरेकीरे स्वींया
की! खो!जी की स हस रेखोतं ह।1 ले फिकी इसकी ब रे म (निवोंस्तं रे स चौंचौं 4 फि>रे कीभ।

ट"ट हुई म फिदुरे म(या!गे-वों निसष्ठों

अब उस रेहस्यामया घट की! जी रे रेखोतं ह,1 जी! वों रे णस की एकी स स गेले म (घट था , जीह D भगेवों वोंस्त्रध रे

मनिहले मझे ले गेई थाA। म 1 'ले गेईं' कीह क्या फिकी याह की वोंले ले जी हA था , बनिCकी ऐस लेगे जीस म 1फिकीस अन्या ले!की म (

लिंखोचौंतं चौंले गेया था। आजी, उस घट की! या दु कीरे (जी! स1ठ स ले स भ अनिधकी रे ह) अभ भ मरे भ तंरे एकी की की लेहरे दु कीरे दुतं ह।

उरे भ रेतं या जी " की आकी शां म (दु! हरे की ध" तं रेह था। सया" 4की नि दुया4 फिकीरेण (उस सकी रे गेले की

दु! ओरे खोड़ा

ऊDचौं, त्थारे की इम रेतं म (>Dस गेई थाA, जी! सबस चौंHड़ा जीगेह रे भ की वोंले आठ स दुस > ट की था। दु! हरे की अले वो ,

सया"4की फिकीरेण (उस गेले की ज़ीम तंकी हA हुचौंD सकीतं थाA। ऐस लेगे रेह था जीस दु! हरे की भा!जी की

ब दु की Aदु म (

हे" दुनि या डी"ब हुई ह!। की वोंले आवों रे की ह निमठ ई की दुकी की आस- स भटकी रेह था; इधरे-उधरे की छे निभखी रे भगेवो वोस्त्रिध रे मनिहले , जी! की!मले स्वोंभ वों की थाA और बहुतं कीम ब!लेतं थाA, अ सहजी और शां तं चौं ले म भ!जी की तंले शां म (घ"म रेह था; और कीहA-कीहA की!ई तं थाया4 त्र भजी गे गे तं हुए उस सस् तं वों तं वोरेण म (चौंले रेह

(हलेचौंले ले थाA, जीस फिकीस गेह लिंचौंतं म (ले ह (म 1उ की इस चौं ले की आदु था); और मरे ब लेसले भ ट Dगे (उ की रेह थी। गेस चौंले

रेह थाA जीस की!ई लेतं"की अ म लेफिकी की छे चौंलेतं ह। जीस फिकी हमशां ह!तं था , मरे शांरे रे रे

की!ई की ड़ा हA था ; और हमशां की तंरेह, उ की चौंमकी ले शांरे रे की! की वोंले एकी

ले ब , लेगेभगे रेदुशांÂ भगेवों चौं दुरे ढंकी हुए था , और उ की निवोंनिभन्न म की और अनिस्थाया की ह रे ध रे -ध रे झ झ रेह

था। उ की एकी ह था म (गेगे जीले स भरे हुआ तंले की कीलेशां था , और एकी ट!कीरे निजीसम (हवों स मग्रे था।

उ की दुस"रे

ह था म (सस् कीMतं म (निलेनिखोतं या!गे-वों निसष्टों की एकी प्रनितं था।

याह गेले आजी भ वोंस ह ह जीस तंब था —दुनि या की सबस भ ड़ा-भ ड़ा वों ले गेनिलेया म (स एकी। वों स्तंवों

म (याह इतं

भ ड़ा-भ ड़ा वों ले था और वों रे णस की आवों रे स Dडी स भरे हुई था फिकी फिकीस कीभ इस ओरे ध्या ह हA फिदुया फिकी

उसकी स स कीH गेजी रे रेह ह। ले फिकी जीस ह याह गेले वों" 4फिदुशां की ओरे मड़ा तं था , जीह D गेगे

बहतं था , वोंह D अद्‌भुभतं

शां नितं था।

ले!गे 4की ईधरे स [illegible] Dतं स ले!भ की! भ थ दुखो जी! फिकीसा की गे अनिस्थनितं की ऊDचौं ; औदुरे निवोंचौंरेण की तं गेले।म

(सुरे

उस रेहस्यामया मर्पि"तं की स म एकी सनिज्जतं रे जीद्वी रे था। इसकी नि वों स कीभ अतं तं म (जीस !रे की रे जीकी म रे प्रतं फिदुत्य

रेहस्यामया [illegible]

इस कीमरे की म तंरे, ले!ह की [illegible]

की एकी नि था , निजी म(बढ़" और ब म रे ले!गे रेहतं था। या ले!गे लिंहदु "भ रेतं की निवोंनिभन्न निहस्स स वों रे णस आए था, औ

वोंह D [illegible] म (अ नितंम स Dस

[illegible] जीड़ा अजी ब!गेरे ब

हम उ घरे की! गेभ रेतं स दुखो , जीस हम मतंMकी की बनिस्तंया की स म खोड़ा ह। उस स स और रेहस्यामया
वों तं वोंरेण म,(या!गे-वों निसछों और भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले की स था मरे या त्र मझे आध्या नित्मकी रेहस्या की गेह्रे स गेरे म
डी ब! फिदुया।

मनिणकीर्पिणकी : एकी जी वों तं स ग्रेह लेया

तं नित्रकी स धकी की निलेए मनिणकीर्पिणकी की तं त्र स ध म (सवोंÁच्ची महत्वों ह। आजी भ , फिदु ह! या रे तं, निवोंशांर्षों रू स
जी सकीतं ह, जीह D की!ई बध
या नि याम हA ह!तं। मनिणकीर्पिणकी एकी ऐस सग्रे ह लेया ह जीह D जी निवोंतं सतं और घ तंकी ढं निगेया और ठगे की अद्भुभतं
समया, वोंह D निवोंनिभन्न प्रकी रे की तं नित्रकी या!निगेया की! उ की रेहस्यामया स ध ओं म (ले दुखो

निमश्रेण दुखोनी सकीतं ह।

याहA रे म 1 एकी रे तं एकी की ले या!गे की! दुखो
, निजीसकी ब ले जीट ओं की रू म (स D की तरेह उसकी की ध रे लेहरे तं हुए
निबखोरे था। वोंह ण"4तंo ग्र था , जीस प्रकीMनितं और आकी शां स्वोंया ह। वोंह निब रुकी चौंलेतं हुए अ दु! ह था की अ जीनि
ब कीरे अ शांरे रे स सहजीतं स बह वों ले मत्र" की! रेह था , निब एकी क्षाण की निलेए भ अ गेनितं की! रे!की।

याहA रे मरे मले की तं एकी रेहस्यामया स धकी स हुई, जी! की ले आवों रे की की स था वोंह D की गेदु जीलेध रे म (तं रेतं
रे खो की ब चौं जीले हुई हनिÄया की ट कीड़ा ढं"Dढं रेह था। याह दुश्Mया बह दु निवोंनिचौत्र था —म ष्या और की दु! उ हनिÄय
ढं"Dढं और उ म (बचौं हुई फिकीस भ चौं ज़ी की! चौंब म (व्यस्तं था। उस सतं की स था एकी रे" रे तं की ब तंचौं तं मरे
आध्या नित्मकी जी वों म (एकी अमC"या अ भ वों ब गेई।
इस मनिणकीर्पिणकी म,(म 1एकी वोंद्धM या!निगे की भनि "ण 4ध्या स मत्र मग् ध ह! गेया। म 1कीई रे तं तंकी चौं चौं उ स दुरे
बठ कीरे उन्ह (दुखो तं रेह , निब फिकीस निवोंशांर्षों की रेण की , की वोंले उस अलेHफिकीकी आकीर्षों4ण की की रेण। एकी सब ह, उन्ह
नि तं की म ध्याम स मझे बले वों या। वोंह एकी और मह अ भ वों था निजीस मरे भ तंरे एकी गेह्रे आध्या नित्मकी छे छे!ड़ा।

याहA रे मरे भ(ट एकी मह या!गे स हुई, जी! अ तं स्या म (नि रे तंरे 'म !D म !D' निचौंCले तं हुए आDसओं म (डी"ब रेहतं था।
उ की की रे इतं म र्पिमकी और भ वों ण"4 था फिकी म 1भ उ की स था रे! ड़ातं था , जीस मरे आत्म उ की कीरुण स जीड़ा
गेई ह!। ब दु की जी वों म,(मझे उ की कीHशांले और अ ग्रे ह की एकी अ शां प्र प्त कीरे की सHभ ग्या निमले।

ले फिकी म 1इस अध्या या की! उ सभ घट ओं स हA भरूDगे। याफिदु स्था निमले , तं! म 1इ जी वोंतं अ भ वों की! निवोंस्तं रे स
ब दु म (एकी-एकी कीरेकी वोंर्पिणतं कीरे चौं हूँगेD। मनिणकीर्पिणकी म (निमले या अस ध रेण भ(ट(की वोंले आध्या नित्मकीतं की गे
म (उतंरे की तं या रे हA थाA, बनिCकी जी वों की रेहस्या की! समझे की द्वी रे भ थाA।

चौंमत्की रे

ले फिकी मझे उ ले!गे की निलेए एकी ब तं कीह चौं निहए जी! समझे की रेवों ह कीरेतं ह:1 हम इस जी वों की
की वोंले एकी
निहस्स ह जी तं ह।1 इसकी अनिधकी शां भ गे हम रे निलेए रेहस्या ह; और निजीन्ह (हम चौंमत्की रे समझेतं ह,1 वों
वों स्तंवों म (सत्या ह;1 की वोंले हम रे जी की रे की आया म निवोंस्तं रिरेतं ह! जी तं ह,1 जीब हम (याह एहस स ह!तं
ह फिकी हम रे फिदु -प्रनितंफिदु की
जी वों म (चौंतं की निवोंस्तंMतं क्षा त्र शां निमले ह,1 और ऐस घट ए,D ह!तं ह 1या ह! सकीतं ह 1जी! हम रे

की निलेए अनिवोंश्वस या औरे असत्या लेगेतं ह।1 मरे निवोंश्व स म,(हम रे जी वों की सबस अवों स्तंनिवोंकी चौं ज़ी वोंह निवोंश्व स
ध रेण ह जी! हम उस रे रेखोतं ह 1निजीस हम वों स्तंनिवोंकीतं म तं ह।1

(याह वों स्तंवों म (आया म की निभन्न दुनिMrकी!ण की प्रश्न ह। जी! की छे ले!गे की निलेए चौंमत्की रे ह, वोंह दुस"रे की निलेए तंथ्या
वों स्तंनिवोंकीतं ह। एकी ब रे याफिदु हम याह स्वों की रे कीरे ले(फिकी निजीस हम जी वों और चौंतं की क्षा त्र कीहतं ह,1 वोंह शांरे
स था शां रू औरे सम स्र हA ह!तं , याद्यानि हम इस की वोंले शांरे रे म (रेहतं हुए ह अ भ वों कीरे सकीतं ह।1 ले फिकी एकी ब रे अगेरे
हम याह म ले(फिकी जी वों -शांनि और चौंतं की शां रुआतं औरे अ तं हम रे वोंतं4म जी गेरूकीतं स रे ह, तं! हम इ

'चौंमत्की रे ' की! हम रे चौंतं की निवोंस्तं रिरेतं क्षा त्र म (ह! वों ले घट ओं की सकीतं(हुखो

याह भ"ले (फिकी हम रे सभ खो!जी(औरे नि ष्कीर्षो4हम रे इ फिद्रया की स निमतं क्षामतं रे आध रिरेतं ह,1 जी! तं -आया म दुनि
म (प्रनितंफिक्रंया कीरेतं ह।1 हम कीभ भ फिकीस ठ!स वोंस्तं की सभ हले ओं की! एकी साथ तंहA रे खोDफिकी जी! हम दुखो
रेह ह,1 उसकी आध रे रे हम शां र्षो अदुश्[Mया भ गे की अ म लेगे तं ह।1 ऐस स म ओं म (बध म वों इ फिद्रया Dस्वों भ निवोंकी रू
स तं -आया म दुनि या स प्रभ निवोंतं ह!तं ह,1 निजीस हम एकीम त्र निवोंश्वस या औरे स्वों की या 4वों स्तंनिवोंकीतं म तं ह।1 याह
वों स्तंनिवोंकीतं ह। याह की रेण ह फिकी हम रे तंकी4सगे तं मनिस्तंष्की अक्सरे अ म , रिरेकीC औरे उ म ओं रे नि भ4रे कीरेतं
ह।
ले फिकी म वों मनिस्तंष्की की सस्र क्षामतं ओं की सह औरे वोंज्ञा नि की निवोंकी स स हम रे चौंतं की दु यारे अवोंश्या ह निवोंस्तं
ह! सकीतं ह। इस क्षा त्र म (चौंHथा आया म की या 4कीरेतं ह, निजीस आमतंHरे रे अ तं (Infinity) या की ले (Time) की रू म (
जी जी तं ह। इस निवोंचौं रे की! नितंब्बनितंया द्वी रे अ छों म (उ या!गे की जी वों ले तं सरे आDखो या लिंहदु "दुवों तं ओं औरे
मर्पि"तंया रे अ फिकीतं नित्र त्र द्वी रे दुशां 4या गेया ह। तं सरे आDखो की क्षामतं की! निवोंकीनिसतं कीरे अनिधचौंतं (supra-
consciousness) की क्षा त्र म (प्रवों शां की स !ट4 प्र स्र कीरे ह। याह स म न्या रू स स्वों कीMतं चौंतं की क्षा त्र की की वोंले एवं
निवोंस्तं रे ह।
इस निवोंस्तं रिरेतं चौंतं औरे चौंHथा आया म की दुनिMrकी!ण स तंथा कीनिथातं 'चौंमत्की रे ' की! दुखो रे याह महस"स फिकीया जी
ह फिकी इ 'चौंमत्की रे ' की तंथ्या म (उ तंथ्या की तं ले म (अनिधकी स थाकी4तं ह, निजीन्ह (हम ठ!स वों स्तंनिवोंकीतं म तं ह।1)
याह वोंह प्रनिसद्ध औरे रेहस्यामया मनिणकीर्पिणकी था , तं नित्रकी स ध ओं की की(द्र औरे सभ तं नित्रकी की निलेए मक्के की सम
निवोंत्र स्थाले। वों रे णस म (मरेकीरे मनिणकीर्पिणकी रे दु ह-सस् की रे ह! प्रत्याकी धम 4रे याण लिंहदु "की एकी मह आकी क्षा
ह!तं ह। इस की रेण उ प्र चौं त्थारे की इम रेतं म (भ"तं-प्रतं की भ ड़ा जीस निस्थानितं ब रेहतं ह। वों वोंह D ऐस इकीठ्ठा
ह!तं ह 1जीस फिकीस छे म (मध मनिक्खोया ,D या शां यादु जीस चौंलेतं -फि>रेतं मनिमया ।D
उ मकी स था!ड़ा दुरे", उस ओरे, एकी अजी ब-स मफि दुरे ह, जी! मफि दुरे स भरे वों रे णस म (भ सबस निवोंनिचौंत्र ह। याह
चौंतंo र्षोनिr या!निगे (चौं;सठ या!निगेनि या) की मफि दुरे था । इसकी छे की रेहस्या की! समझे की निलेए हम (तं नित्रकी रे रे
चौं;सठ या!निगेनि या की महत्वों की! समझे ह!गे । इसकी ब रे म (म 1आगे निवोंस्तं रे स बतं ऊDगे ।

चौंतंo र्षोंनिr या!निगे

आठसख् या तं नित्रकी या!निगेया की निलेए एकी रेहस्यामया (गेढ़") महत्वों रेखोतं ह। श्रे कीMष्ण गे तं म (आठ प्रकी रे की प्रकीMनि
उCलेखो फिकीया ह। या!गे म (ध्या की कीमले भ आठ खो निड़ाया वों ले ह!तं ह। आ तंरिरेकी शांनि या की निवोंकी स इन्हA आठ
प्रकीMनितंया की आठ हले ओं की क्रंनिमकी नि यात्र ण, निवोंकी स औरे अ ग्रे ह रे नि भ4रे कीरेतं ह।

इ आठ हले ओं की की ले चौं;सठ (64) हले "ह!तं ह,1 निजीन्ह (कीले भ कीह जी तं ह। या कीले म वों व्यनि त्वों की! आकी रे दु
वों ले चौंतं औरे अवोंचौंतं प्रवोंMनिया की! दुशां 4तं ह।1 इ की सब ध भHनितंकी जीगेतं म (निस्थातं निवोंनिभन्न स्रो!तं या स्था स
ह!तं ह। स्वोंया रे ण"4 नि यात्र ण औरे उस सस रे रे नि यात्र ण की निलेए, निजीसम (आत्म निस्थातं ह (जीस याह सस रे चौंतं
की भ्र"ण या द्रवों म (ढंकी हुआ एकी जी निवोंतं प्र ण ह!), इ तंथ्या की! समझे औरे फि>रे एकी की शांले घ ड़ासवों रे की तंरेह चौं;सठ
दुHड़ातं घ!ड़ा की! एकी ह लेगे म स नि यानि त्रतं कीरे आवोंश्याकी ह।

इस निलेए इन्ह (चौं;सठ शांनि -की(द्र, चौं;सठ या!निगेनि या D औरे चौंतं न्या की चौं;सठ हले "कीह जी तं ह। इसनिलेए तं त्र या!गे म (इ
मफि दुरे की! अत्यातं महत्वों ण" 4म गेया ह।
इस मफि दुरे म (मख् या मर्पि"तं कीभ फिदुखो ई हA दुतं । जी! फिदुखोतं ह, वोंह की वोंले मह म तं की स्वोंण4 मखो Hट ह, जीबफिकी
स वोंध वों"की4 वोंत्र , आभ"र्षोंण औरे म ले ओं स ढंकी जी तं ह। वों स्तंनिवोंकी मर्पि"तं दुगे 4 की ह— भ1स की वोंध कीरे वों ले
लिंसह रे सवों रे दुवों , निजी की शांनि की! भ"मध्यास गेरे औरे वों"Â सस् कीMनितंया म (अत्यातं आदुरे प्र स्र था , निजीसम (निमस्रो की
स स्कीMनितं भ शां निमले ह।
(म 1 इस दुवों की! था ईलेडी1 औरे की ब!निडीया म (हचौं , निजीस म 1 लिंहदु "तं त्र की स स्कीMनितंकी निवोंस्तं रे की रू म (सम
म 1 इस दुवों की मर्पि"तं औरे उसकी गेण की! मनि क्सकी! औरे रू की भ"ले- निबसरे मफि दुरे म (भ दुखो ह, जी! अब तंकी एकी
स म न्या व्य ख्या स रे ह।)

इस निवोंत्र मफि दुरे की ठ की स म , छे!ट आ गे की दुस"रे ओरे, औरे म तं की समक्षा एकी औरे अप्र प्या मफि दुरे ह। इसम (म D
की ले की मर्पि"तं दुखो जी सकीतं ह; ले फिकी बहुतं कीम ले!गे इसकी स हुचौंDतं ह।1 फिकीस रेहस्यामया की रेण स, भ गेण,
निवोंशांर्षों रू स स ध रेण भ , इस मफि दुरे म (प्रवों शां कीरे स बचौंतं ह।1

याह भद्रकी ले की मफि दुरे ह, जी! तं नित्रकी स ध की एकी उग्रे दुवों ह,1 निजी की जी" म (अत्यातं चौंरेम प्रकी रे की बनिलेदु की
आवोंश्याकीतं ह!तं ह, निजीसम (मतंM औरे जी निवोंतं दु! ह शां निमले ह!तं ह,1 स था ह रे औरे रे वोंणÂ ष् भ अर्पि तं फिकीए
जी तं ह।1

कीह जी तं ह फिकी भद्रकी ले की वोंदु Dचौं शांवों रे ब ई जी तं ह, निजीसम (म वों शांवों भ शां निमले ह!तं ह। एकी सतं की!
सवों स ध (मतंM शांरे रे की! आस ब कीरे की जी वों ले तं स्या) की! रे" कीरे ह!तं ह, तंभ भद्रकी ले मफि दुरे की!
प्र ण-प्रनितंनिष्ठोंतं फिकीया जी सकीतं ह।

याह स्था की वोंले एकी मफि दुरे हA ह, बनिCकी याह तं त्र स ध की गेह रेहस्या औरे शांनि या की की(द्र ह। याह चौंतं की स म
की! रे कीरे की म गेदु4शां4की ह औरे स धकी की! चौं;सठ या!निगेनि या की म ध्याम स आत्म-स क्षा त्की रे की ओरे ले जी तं ह।

भद्रकी ले म फिदुरे म(स गे तं

याह मरे निलेए अत्यातं सखो दु औरे सHभ ग्या की ब तं था फिकी म 1अ नि तं की स था सध् या की उस गेह सन्न ट म,(अ धरे
गेनिलेया स गेजी रेतं हुए इस द्वीतं मफि दुरे तंकी हुचौंDतं , जीब की!ई स ध रेण व्यनि वोंह D हA आतं था । नि तं ध रे -ध रे सस् कीMतं
म (एकी मध रे स्तं नितं गे तं था, निजीसकी प्रत्याकी शांब्दु मझे की ठस्था था, औरे म 1उ की स था उ शांब्दु की! दु! हरे तं , निजीसस वों बहुतं
प्रसन्न ह!तं था— याह म 1उस घ अ धकी रे म (भ महस"स कीरे सकीतं था ।

मझे उस मह स्तं नितं की अ वों दु कीरे की इच्छे ह, ले फिकी याह Dस्था की स म ह। तं नित्रकी स्तं नितंया ,D

निवोंशांर्षो रू स
शां न्त या सस् कीMतं म,(अ निचौंत्र त्मकी लिंबब , भ वों था4 औरे लेयाबद्ध ध्वोंनि की की रेण म औरे कीC की!
प्रभ निवोंत कीरेत ह 1
औरे एकी ऐस फिदुव्य की!मलेतं औरे सतं !र्षों उत् न्न कीरेतं ह,1 जी! म की! भ वोंनिवोंह्वोंले कीरे दुतं ह। इ शांब्दु औरे

सगे तं म (
नि निह्वतं भ वों त्मकी प्रचौं रेतं म की! एकी ऐस की!मलेतं स भरे दुतं ह, जी! जी वों की! आ दुमया ब दुतं ह।
शां याद् इस
ह आ दु!त् नि (exhilaration) कीह जी तं ह। ध्वोंनि लेया (स!नि की रिरेदुम) की तं वों की! शां तं कीरे म (नि भ ए

जी वों ले भ"निमकी की! सभ जी तं ह।1 ले रिट , स स्कीMतं, औरे
एकी प्रकी रे स प्र चौं स निCटकी मत्र इस ध्वोंनि प्रभ वों म (निवोंशांर्षो रू स समMद्ध ह।1
मफि दुरे की चौं रे ओरे की अ धकी रे ध रे -ध रे ठ!स ह! लेगे ; औरे एकी स् दु शां ले उ निस्थानितं की चौंतं म औरे

शांरे रे की!
ज्ञा तं दुनि या स बहुतं दुरे" एकी उच्चीतंरे ले!की म (उठ फिदुया ।
लेगेभगे इस समया नि तं मझे स ओझेले ह! जी तं था। वों हमशां फिकीस अज्ञा तं की! म (चौंले जी तं, मझे मख् या

मफि दुरे की द्वी रे रे
रेखो , थारे की चौंHकी रे अकी ले छे!ड़ाकीरे। उ की अ निस्थानितं की ब वोंजीदु" मझे याह निवोंश्व स रेहतं फिकी
वों शां घ्र ह मरे स
आ जी एगेD; ले फिकी इस ब चौं, म 1अ निवोंचौं रे म (खो! जी तं था । म 1हमशां म D (भद्रकी ले) की ब रे म (स!

चौंतं । म 1ध म आवों ज़ी म (ब रे-ब रे मत्र दु!हरे तं । मफि दुरे की भ तंरे तं ले की दु की
जीले रेह था । की वोंले झेAगेरे औरे निसकी डी की ध्वोंनि उस एकी की दु की की स था दु रेह था ।
म 1इस अ भ "नितं की इतं आदु ह! गेया था फिकी ब दु की वोंर्षों" म (मझे वोंह D ठहरेकीरे उस आ तंरिरेकी स स रे म

(खो! जी स खोदु
की! रे!की बहुतं कीरिठ लेगे , जी! की वोंले मरे था । आजी भ , कीहA औरे मझे ध्या की सवोंÁच्ची >ले इतं ण"4तं
औरे शां घ्रतं
स प्र प्त हA ह!तं , निजीतं फिकी इस मफि दुरे म (ह!तं ह।

उ फिदु मझे ध्या की ब रे म (की छे भ तं हA था ; ह म 1 इसकी ब रे म (कीभ स था । ले फिकी आजी म

1स् r रू स

तंत्रकी ध्या निसत्र की! या दु कीरे सकीतं हूँ Dऔरे महस"स कीरे सकीतं हूँ Dफिकी मरे नि तं मझे ध्या की रेहस्या की!
सबस
व्य वोंह रिरेकी ढं गे स निसखो या , भले ह अप्रत्याक्षा रू स। याह मरे निलेए उतं ह स्वों भ निवोंकी औरे सहजी था ,

निजीतं फिकी

एट की अ भ वों

(एकीब रेरे!मकी वोंरि टकी म,(अनिद्वीतं या एट की मर्पि"तंकी स म घ ट की बलेझे कीकीरे, म1स्वोंया की! भ"ले गेया और अ या सह उसस्तं नितंम(खो!गेया , जी!मरे भ तंरेस स्वोंतंoह् >"ट ड़ा था ।इसकी रिरेण मस्वोंरू , वोंरि टकी की म हHले म (प्रनितंफिक्रंया ओं की एकी शांM खोले शां रू ह! गेई।)

वों रे णस की उस म!हCले की ले!गे की निलेए, औरे अनिधकी शां अन्या ले!गे की निलेए मरे या रेहस्या म(एकी प्रकी रे की नि निर्षोद्ध स हनिसकी की या4 जीस थाA। ले फिकी हले की रेण याह था फिकी इसम(रे मित्रकी ले स ध तंDनित्रकी मरे नि तंकी भ गे दु रे था , औरे दुस" रे की रेण याह था फिकी निर्वोलेक्षाणब लेकी अजी ब व्यवोंह रे की ब रे म(हले स ह चौंचौं 4एD थाA। इसनिलेए ले!गे चौंप् स ध रेखो औरे की >" स तंकी हA की ।

मझे सदु ह्ल फिकी भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले की उ निस्थानितं की प्रभ वों भ इस रे ड़ा , निजी की छेत्रछे या म(म 1 इ स ध ओं की! निवोंकीनिसतंफिकीया था ।

इसकी निवों रे तं, मझे ले!गे स एकी प्रकी रे की श्रेद्ध ह प्र स ह!तं था । मझे एकीबढ़" दुध"वों लेकी या दु ह, जी! छे!ट -छे!ट निमट्टा की की म(घरे की ब म त्म वों (घ दुध") बचौं तं था । जीब हम घरे लेHटतं था, तं! हम(उसकी स स ह!कीरे गेजी रे ड़ातं था ।वोंह हमशां मझे एकी भरे हुआ की दुतं था , निजीसकी निलेएउस कीभ भ की छे भ स्वों की रे हAफिकीया

मझे तं था फिकी मरे निसंद्धध वों औरेनिवों म्रतंकी स था इस उ ह रे की! स्वों की रे कीरेतंवोंशेतंवों म (आध्या नित्मकी व्यनि की निलेए, कीभ -कीभ स्वों की रे कीरे की भ स्थाद्धदु कीरे जीस महत्वों प्र स कीरे ले तं ह। वों स्लेवों म,(रे कीरेकी उ कीMतंकीलेभ वोंह, जी!प्रमकी उ ह रेकी!अस्वों की रेकीरे की तं ले म(कीहAअनिधकीनिवों म्रतंकी!दुशां 4तं ह।

याह अ भ वों मझे याह निसखो तं आर्वोफिकीMनितंम(अह्लकीसरीतं ह, जीबफिकी की यातं4 म(कीशोरे निवों म्रतंह!तं ह। याह एकी स ध ह था , निजीसम(प्रम औरे भनि की आदु -प्रदु की! म 1 प्रत्याक्षा रू स अ भ वों फिकीया ।

खोडी हरे म(म फिदुरे

हम उस रेहस्यामया गेले स आगे बढ़ रेह था। ले फिकी जीब भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले मझे एकी औरे निवोंशां ले इम रेतं की ओरे ले गेई, जी! उस समया खोडी हरे म (तंब्दु ले ह! चौंकी था , तं! म 1चौंफिकीतं रेह गेया । हम हमशां उस निवोंशां ले द्वी रे की! दुखो तं था, जी! हम (दु ई ओरे फिदुखो ई दुतं था । ले फिकी उसकी अत्यातं जी ण-4शां ण 4निस्थानितं की की रेण हम हमशां इस निवोंर्षोले स की की ख्या तं बस रे स दुरे" रेह ह समझेदु रे म तं था।

याह Dतंकी फिकी उस छे!ट उम्र म (भ मझे उस क्षा त्र म (स D की डीस स हुई दु! घ तंकी घट ओं की ब रे म (तं था ।

ले फिकी आजी वोंह मनिहले अ कीदुम उस खोडी हरे की ओरे बढ़ रेह थाA। म 1हमशां की तंरेह मत्र मग् ध ह!कीरे उ की छे - छे चौंले रेह था , याह जी तं हुए फिकी उ की म तंसM लेभ स रेक्षा औरे म गेदु4शां4 मझे सदु सरे निक्षातं रेखोगे । भ तंरे की आDगे म (एकी निवोंशां ले खोले स्था था , जी! उरे भ रेतं या जी " की तं जी चौंमकी ले ध" म (ह या हुआ था । की छे दुरे" रे औरे जीस म 1 अ म लेगे या , शां यादु गेगे की फिकी रे की स ह , एकी प्र चौं निशांवों मफि दुरे की ऊDचौं निशांखोरे आकी शां की ओरे उठतं हुआ फिदुखो रेह था ।

उन्ह ट"ट ->"ट दुरेवों ज़ी की! धक्के दुकी रे खो!ले । प्र चौं की निडीया जीगे लेगे निवोंरे!ध की स था कीरे हतं हुए आवों ज़ी की । औरे
वोंह D, अ दुरे, लिंलेगेम स्था नि तं था —की ले त्थारे स तंरे शां गेया एकी फिदुव्य आकी रे, जी! चौंमकी रेह था , दुमकी रेह था ।

वोंह हम रे स म कीम स कीम Dचौं > ट स भ अनिधकी ऊDचौं ई म (निवोंशां लेतं स खोड़ा था । गेHरे ठम रे स्था नि तं याह भव्य
लिंलेगेम एकी बड़ा रिरेनिध म (> ले हुआ था । फिकीस भ उसकी चौरिण म (>"ले चौंढ़ ए था, जी! अब स"खो चौंकी था।
वोंह D   की   भ ड़ा था, जी! फिकीस मH भनि की स था की गेई निवों म्र अ ण4 की सकी तं दु रेह था।

उस खोडी हरे मफि दुरे की उस निवोंरे ट लिंलेगेम की स म खोड़ा ह!कीरे मझे अद्भुभतं ऊजी 4 की अ भ वों हुआ। ऐस लेगे म ! वोंह
प्र चौं त्थारे समया औरे यागे की रे जी कीरे चौंतं औरे शांनि की प्रतं की ब गेया ह!।
याह स्था   की वोंले खोडी हरे था , बनिCकी आध्या नित्मकी रेहस्या औरे शांनि की की(द्र भ था । उस भव्य लिंलेगेम की शां श्वतं चौंमकी
अनिद्वीतं या फिदुव्यतं झेलेकी रेह था , जी! समया की स म ओं स रे था ।

अजी ब दु क्षा

याह ,D उस दु वों रे की एकी दुरे रे स चौंHकी!रे आ ले की चौंट ई नि की ले औरे उस त्थारे की >शां 4 रे निबछे कीरे बठ गेई। म 1
उसकी स म निब फिकीस निबछेH की त्थारे रे ह सहजीतं स बठ गेया । फि>रे उस आगे जीले ई औरे उसम (ध" डी ले ।
 रिरेनिचौंतं सगे ध तं रे तं ह वों तं वोंरेण की! निवोंत्र औरे म शां ले ब फिदुया ।

उस अ आDखो (बदु कीÐ औरे तं रे तं ह गेह ध्या म (ले ह! गेई। उसकी चौंह रे रे फिकीस दुस"रे दुनि या की रे!शां
झेलेकी लेगे । समया ब तंतं गेया । म 1 भ अ आDखो (बदु कीरे लेA।

समया की की!ई अ दु जी हA था , शां यादु यागे की ब दु, म 1 उसकी स् शां4 महस"स फिकीया । आDखो (खो!लेतं ह जी! दुश्Mया दुखो
म 1अचौंनि भतं रेह गेया । तं जी प्रकी शां इतं चौंकी चौं;ध कीरे वों ले था फिकी म 1समझे ह हA या रेफ्रिकीहीं।Ðम्यारेदुखो
 रिरेनिचौंतं भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले ! उन्ह (क्या ह! गेया था ?

वोंह रे" तंरेह ग्र थाA औरे ठ की बले स ध ले ट हुई थाA। उ की रे डीबले-ले!टस मद्र म (बधD हुए था, निसरे ज़ीम रे था ,
औरे उ की ट की ट ले औरे ढंले वों ले क्षा त्र की ब चौं, जी! जी घ स ले कीरे एड़ा तंकी > ले था , एकी रेहस्यामया गेह था , जीह
की छे समया हले ह >"ले चौंढ़ ए गेए था। हले ब रे मक्षे चौंले फिकी शांरे रे की उस निहस्स म (भ ब ले उगेतं ह।1

मरे उलेझे औरे हरे   की रेवों ह फिकीए निब , उन्ह मझे अ जी घ की ब चौं उ >"ले रे बठ की नि दुशांÔ फिदुया ,
जीबफिकी वोंह आDखो (ऊ रे की ओरे फिकीए समर्पि तं मद्र म (ले ट रेहA। उ की गे!दु हमशां स मरे शांरेणस्थाले रेह था । ले फिकी
बह्रोरे मझेकीरे रेह था , वोंह याह था फिकी उन्ह अ शांरे रे स इकीलेHतं वोंस्त्र भ हट फिदुया था , जी! अब उ की   चौं
निबस्तंरे की तंरेह तंह कीरेकी निबछे या हुआ था ।

वोंह मझे निबCकी ले अलेगे रू म (फिदुखो रेह थाA। उ म (की छे भ म वों या हA था । मरे शांरे रे रे स   आ लेगे , जीबफिकी
ध" की सगे ध कीमरे म (> लेतं जी रेह था । उ की म था औरे नित्रभ जी की रे क्षा त्र रे भस्म, ले ले औरे की ले ट की लेगे हुए था।

कीमरे की वों तं वोरेण रेहस्यामया औरे अजी ब ह!तं जी रेह था। की ट की आवों जी (तं ज़ी ह! गेई। कीहA स निछे कीले की आवों जी

आई—ब रे-ब रे। मझे ठ डीकी की एहस स हुआ, जीबफिकी ब हरे जी " की तं तं गेमÂ था। मरे रे!म चौं खोड़ा ह! गेए, औरे म 1 आश्चयाचौं4फिकीतं रेह गेया।

उ की ग्र दुह की! दुखेकीरे ऐस लेगे रेह था , म ! वोंह दुस"रे दुनि या की की!ई ई सनिMr ह। (म 1उस मह   दु क्षा की प्रत्याकी क्षाण की! या दु कीरे   की की!निशांशां कीरे रेह हूँ।D) उ की म था   निवोंत्र भस्म स निले ट था , भ;ह की ब चौं की ले औरे ले ले ट की लेगे हुए था, ब ले भगेवों वोंस्त्र की चौं रे ओरे निबखोरे हुए था, औरे उ की   निभ क्षा त्र की   चौं जी! नित्रभ जी की रे गेह   था , वोंह Hरे निणकी अ धकी रे था , निजीसकी ऊ रे मझे   बठ   की नि दुशांÔ निमले था।

मझे   समझे हA आ रेह था फिकी इस निस्थानितं म (की स प्रनितंफिक्रंया दु।D" (ब दु म (म 1 कीई ब रे याह प्रफिक्रंया   चौं गेगे   की तं सम निध की भ"निमगेतं की ले मफि दुरे म (की , जीह D औरे गेजीब द्वी रे ध्वोंस्तं फिकीए गेए निवोंष्ण शांनि मफि दुरे की स्था   रे ब मनिस्जीदु आजी भ खोड़ा ह।)

तंभ एकी गेहरे , भ रे , औरे आकीर्षो4की आवों जी आई:

"रुकी! मतं, दुरे   मतं कीरे!, निप्रया। याह तं म्ह रे क्षाण ह। वोंह ले!, जी! की वोंले म 1दु सकीतं हूँ।D बठ !; औरे या!नि की! ढंकीD!।"

उ की आवों जी की गेजी" औरे गेहरे ई स मझे   तं चौंले फिकी वोंह सम निध म (ह।1 उ की आDखो (आध बदु थाA, औरे जी! था!ड़ा - बहुतं फिदुखो ई दु रेह था , वोंह स> दु था।

म 1उ की   निवोंत्र शांरे रे रे चौंढ़ गेया औरे उ की   रे   की गेह   म (बठ गेया। हले स् शां4 म (ह मझे   एहस स हुआ फिकी उ की   मरे   अनिधकी रे म (

त्वोंचौं तं रेह था। गेमÂ इतं   तं त्र था फिकी सह कीरे   कीरिठ था। ले फिकी तंमझो फिकी प्रश्न छे" हA था।

म 1 ले!टस मद्र   म (बठ कीरे ध्या   लेगे या। उ की   रे डीबले-ले!टस मद्र   म (बधD हुए था। समया ब तंतं गेया —शां यादु निम ट, शां यादु घ ट। फिकीस   रेवों ह था ?

उ चौंHरे स हज़ी रे   निड़ाया म (एकी अद्भुभतं प्रवों ह महस"स हुआ, निजी की ब रे म (उन्ह   हमशां   ब तं की था। मरे   रे ढ़ की हÄ की आध रे रे हCकी गेदु गेदु   औरे स् दु   महस"स ह! लेगे , जी! रे ढ़ की ऊ रे- चौं दुHड़ा लेगे। म 1 आDखो (बदु कीरे लेA।

दुस"रे समया स आया हुआ

"की!ई ब तं हA," म 1 उसकी आवों ज़ी स   । उस समया वोंह मझे   फिकीस ठ!स रू म (हA फिदुखो रेह थाA, की वोंले एकी गेभ रे रेहस्यामया आवों ज़ी स   ई दु , "म 1याह Dहूँ;D म 1जी! रे" तंरेह स तं म्ह रे हूँ,D निजीसस तं म अ आवोंश्याकीतं की अ स रे ग्रेहण

कीरे सकीतं ह!। मरे   निलेए याह चौंHकी!रे चौंट ई जी! ह, वोंह तं म्ह रे निलेए याह शांरे रे ह। तं म ब्रा ह्मण ब लेकी ह!, चौंयानि तं ब लेकी।

तं म दुस"रे समया स आए हुए ह!। तं म अस ध रेण ह!। तं म रे" तंरेह मझे म (ह!; रे" तंरेह मझे म।(तं म म (वोंदु   की रे रे जी निवोंतं ह। तं म्ह (की वोंले उस बदु दुरेवों ज़ी की! खो!ले   ह, जी! बदु ह। तं म वों स्तंवों म (वोंह जी वों जी तं ह!, जी! दुस"रे की निलेए

की वोंले कीC   म (जी   या!ग्या ह। बठ !, आरे म स रेह!।

***"म 1कीमले हूँ,D तं म ब्राह्म ह!।

म 1नि जीÂवों शांरे रे हूँ,D तं म जी वोंतं ज्वों ले ह!।

म 1समया म (हूँ;D तं म शां श्वतं की ले ह!।
म 1आकी शां हूँ,D तं म सया" 4ह!।
म 1ध्वोंनि हूँ,D तं म अथा 4ह!।

अब स् तंकी उठ ओ। इस खो!ले!। ध रे -ध रे , ध्या   वों"की4, एकी-एकी शांब्दु ढ़!। ऊDचौं आवों ज़ी म (मत्र !च्ची रे शां रू कीरे!। स् तंकी की! मरे   ग्र वोंक्षा रे > ले दु!। सकी !चौं मतं कीरे!। रुकी! मतं। आगे बढ़! औरे प्रगेनितं कीरे!। मझे म (निवोंले   ह! जी ओ। म 1तं म्ह रे जी भ औरे तं म्ह रे आवों ज़ी की म ध्याम स   ढ़D"गे , ओ मरे   निप्रया।

ढ़!।
म 1नि जीÂवों दु था 4हूँ;D तं म आत्म ह!।

म 1 त्थारे हूँ;D तं म सह्!शां
म 1निमट्टा हूँ,D तं म ध रे ह!।
अब! अभ !!
स् तंकी खो!ले!। शां रू कीरे!।
हले मत्र तंकी निब   रुकी   ढ़तं जी ओ।"**

अचौं की वोंह मH ह! गेईं। उ की की जीले लेगे गेहरे आDखो (खोले A। वों ले ले-ले ले चौंमकी रेह थाA। उ की   तं निलेया Dबड़ा ह! गेई थाA औरे उ म (अनिग्न की चौंमकी था । म 1की छे कीह   चौं हतं था , ले फिकी उन्ह   सकी तं स मझे   चौं   रेह की! कीह ।
म 1 निहचौंफिकीचौं तं हुए छे" , "अगेरे मझे   मत्र   निमले. .. अगेरे म 1अस>ले ह! जी ऊD...."
"तं म फिकीस भ चौं ज़ी म (अस>ले हA ह!गे । तं म्ह (मत्र खो!जी   की आवोंश्याकीतं   हA ह। मत्र स्वोंया तं म्ह (खो!जी गे । दु की जीले ओ—वोंदु   की आध रे रे। अनिग्न स दु की प्रज्वोंनिलेतं कीरे!।"

म 1 उ की नि दुर्शकीÔ   ले फिकीया , म ! मत्र मग् ध ह! गेया था ।
"दु की मरे   > ले हुए ह था   रे रेखो दु!"; म 1 वोंस   ह फिकीया ।
"या स ध रेण दु की हA ह।1 सया" 4औरे चौंद्र म तं म्ह रे रेक्षा कीरे रेह ह।1 तं म सब दुखो !गे; जी! ढ़!गे, सब समझे!गे । अब शां रू कीरे!। समया ब तं रेह ह। "
म 1 मत्र !च्ची रे शां रू फिकीया । सस् कीMतं म (क्ष्ले!की ढ़   मरे   निलेए या   हA था । हले की क्ष्ले!की सरेले था; औरे म 1उ म (गेगे   की ध रे म (तं रे   की तंरेह बह लेगे । मझे   हले कीभ ऐस शांनि औरे ऊजी 4की अ भ वों हA हुआ था । समया ब तंतं गेया ...
म 1 स्वोंर्पिणम रिरे क्वतं की एकी या अ भ वों महस"स फिकीया । मझे   लेगे जीस   म 1आकी शां निजीतं   निवोंशां ले ह! गेया हूँ।D

समया ब तंतं गेया ... ध रे -ध रे म 1 उ की उ निस्थानितं की चौंतं   खो! दु । फि>रे म 1 अ   स्वोंया की चौंतं   भ खो! दु । दु की की रे!शां   की स म   छोंM औरे क्ष्ले!की अनिद्वीतं या चौंमकी की स था तं रे   लेगे। औरे फि>रे मत्र प्रकीट हुआ... औरे स था ह अद्भुभतं , आ दुदु याकी, आत्म-निवोंह   अ धकी रे म (म 1खो! गेया ।

समया ब तंतं गेया ... मत्र सम ग्र ह! की! था , तंभ मझे   तं जी गेमÂ की लेहरे(महस"स हुईं, जी! मरे   आDखो , निसरे औरे हृदुया   लेगे फिकी मरे   हृदुया ब हरे नि कीलेकीरे ध ए Dम (निमले गेया
तंकी की! जीले   लेगेA। अस्स -चौं रे हज़ी रे   निड़ाया Dजीले रेह थाA। मझे
ह. ... म 1बह !शां ह! गेया । म 1शां"न्या ब गेया ।

जीब मझे ह!शां आया , तं! भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले शांहदु निमले   की प्या ले मरे ह!ठ स लेगे रेह थाA। मझे हA तं वोंह अमतंM सम   या उन्ह कीह Dस प्र स फिकीया था । मझे   की वोंले चौंतं   निमले , बनिCकी रिरे ण"तं4 , तंMनिस्र औरे आ दु की अ भ "नितं हुई। वोंह एकी ममतं भरे क्षाण था ।

म 1 उ की ओरे ई दुनिMr स दुखो औरे थाकी हुई मस् की निबखोरे दु । उन्ह मस् कीरे कीरे मरे गे ले की! चौंम" ।

मझे रे स्कीMतं
ह! की एहस स हुआ।
"अब चौंले(गेगे तंट रे? पिं"णम की चौं Dदु उगे वों ले ह। आजी आ दु की फिदु ह, औरे हम (जीश्न म   चौं निहए।

चौंले!,टयहुD दुरेवों ज़ी की! बदु कीरे रेह थाA। दु! स D हम रे   स स लेहरे तं हुए नि कीले गेए।
ले फिकीर आजी बशाहेदु मरे मह D स नि कीले, "हम याह Dफि>रे कीब आएDगे? "
उन्ह फि>रे मस् कीरे कीरे मरे ह था था म निलेया :
"ह ,D फि>रे आएDगे। औरे फि>रे स, ब रे-ब रे। जीस चौंट ई भ फिकीस की बठ की भ"खो ह!तं ह। ले फिकी आजी—गेगे तंट औं सगे तं की ओरे।"

3. की क्षा त्र (Areas of Sin)

भया रे निवोंजीया

या!गे-वों निसष्ठों की ठ जी रे रेह, औरे वों" 4म (बतं ए गेए आस मरे जी वों की अनिभन्न निहस्स ब गेए। म 1उस अ भ वों की आदु ह! गेया था। ध रे -ध रे मझे म (बदुले वों आ लेगे। याह रिरेवोंतं4 की वोंले अ भ वों आDखो की निलेए, बनिCकी कीम अ भ वों

केलि फिदुखनिहिलफिक्रुए, से फिक्सी। मा निसदुली बदुलेशवों भरिरेकी!औरेद्वीमरे निसेकही गरु!कीहिबाझेरेजी रें सम्हस"स फिकीए गेए। शां रे रिरेकी रिरेवोंतं4

मझे हस्स तारे मेहेरेहयिवोंतं4 की एहस स ह! लेगे। मरे अ दुरे की छे ऐस घरिटतं ह! रेह था, जी! मझे म 1 की वोंले फिदु म,(बनिCकी रे तं म (भ निब फिकीस भया की चौंतo षोंनिr या!निगे मफि दुरे औरे भया की भद्रकी ले की नि नि मफि दुरे म (अकी ले जी लेगे।

दुस"रे की ज़ीरे म (याह अत्यानिधकी दुस् स हस की की या 4था, ले फिकी मरे निलेए याह निबCकी ले स म न्या था, निवोंशांषों कीरे की!ई प्रश्न ह हA था। मझे फिकीस भ चौं ज़ी की डीरे हA था — तं! अ धकी रे की, ह अलेHफिकीकी शांनि या की। म 1स्वोंया की रे" तंरेह सरे निक्षातं औरे सरे निक्षातं महस"स कीरेतं था। याह एकी या अ भ वों था, एकी या जी वों था।

मझे रे तं म (गेगे की रेहस्यामया ध रे की भ की!ई भया हA था। म 1तं रेकीरे रे तं की ट ले तंकी हुचौंDतं औरे वोंह D आस म (रेह ह!तं था। चौं Dह की शां तंले चौं दुरे की चौं रिरेनिचौंतं वों तं वोंरेण भ बठ कीरे घ ट ध्या कीरेतं, जीब की वोंले तं रे दुस्मो अ रिरेनिचौंतं औरे रेहस्यामया रू ध रेण कीरे ले तं था। मछेले कीड़ा वों ले Hकी ओं की दु की बहतं ध रे रे दुरे"-दुरे" तंकी निबखोरे हुए फिदुखो ई दुतं था, म ! आकी शां की तं रे दु की सतंह रे उतंरे आए ह। उस वों तं वोंरेण म (म 1घ ट ध्या म (ले रेहतं, ठ की वोंस ह जीस भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले ध्या की निवोंनिध निसखो ई था। म 1इ स ध ओं की! इतं गेभ रेतं स कीरेतं था, म ! मरे रे" लिंज़ीदुगे इन्हA रे नि भ4रे ह!। याह मरे अनिस्तंत्वों की निहस्स ब गेया था।

याह वोंह समया था जीब एकी अस ध रेण घट मरे रेस लिंज़ीदुगे म (रे गे भरे फिदुया। उस घट मरे भ तंरे की स हस की! औरे भ प्रबले ब फिदुया, औरे भया की! हमशां की निलेए सम प्त कीरे फिदुया।

आह्वों

एकी फिदु, दु! हरे की निचौंलेनिचौंले तं ध" म,(जीब म 1सस् कीMतं व्य कीरेण की अध्याया कीरे रेह था, अचौं की मझे चौंतं म (एकी अ !खो लिंखोचौं वों की अ भ वों हुआ। ऐस लेगे म ! की!ई अदुश्Mया बले मझे अ ओरे खोAचौं रेह ह!। म 1अत्यानिधकी निवोंचौंनिलेतं ह! गेया औरे घरे की सरे क्षा की! छे!ड़ा की निलेए निवोंवोंशां ह! गेया। अ या स ह मरे कीदुम मफि दुरे की ओरे बढ़ लेगे।

मफि दुरे स " था , की वोंले एकी या दु! भटकीतं हुए भ फिदुखो ई दु रेह था। ले फिकी मरे व्य की ले म , जी! अभ भ उस लिंखोचौं वों
प्रभ वों म (था , कीह रेह था , "याह वोंह स्था हA ह। "

मफि दुरे स ब हरे नि कीलेकीरे म 1 दु की फिकी रे की ओरे बढ़ , जी! स ह था। रे स्तं म (एकी प्र चौं ले की वोंक्षाM खोड़ा था ,
निजीसकी > ले हुई शां खो एD दु की ओरे जी वों ले म गे 4की! रेहस्यामया छे Dवों स ढंDकी रेह थाA। याह छे Dवों अ धकी रे "ण
बनिCकी प्रकी शां औरे छे या की अजी ब!गेरे ब खोले की की रेण वोंह स्था ठ डी औरे शां तं ह! की स था-स था स् दु शां ले औरे
जी वोंतं भ लेगे रेह था। मरे!ड़ादु रे शां खो ओं की ब चौं स छे कीरे आतं सया" 4की फिकीरेण (उस जीगेह की! औरे भ रेहस्यामया ब
रेह थाA।

उस घ म वोंदु रे छे ले म (निले ट हुआ एकी रे गे त्थारे था , निजीसकी ब रे म (कीह जी तं था फिकी वोंह सतं सखो औरे सरे क्षा
प्रदु कीरे की अद्‌भुभतं शांनि या D रेखोतं ह। ले फिकी इस स्था की अजी बतं निस>4 त्थारे तंकी स निमतं हA था।
वोंह D असख् या कीHवों, की ले निगेद्ध, ब जी औरे याह Dतंकी फिकी निगेद्ध की झे डी भ था, जी! ढ़ दुरे ढ़ उस स्था की! अ
नि वों स ब ए हुए था। उ की कीकी4शां ध्वोंनि या Dउस स्था की अ छों की अनिभन्न अ गे ब चौंकी थाA। ले!गे उ की निलिए भ!
छे!ड़ा जी तं था, औरे वों मफि दुरे की एकी निहस्स म जी तं था।

कीभ -कीभ उ की चौं खो- की रे स रे चौं!ट कीरेतं था , निजीसस म म (अ ह! की आशां की जीन्म ले तं था। ह ले Dफिकी वोंह D
कीभ की छे अस ध रेण हA हुआ, फि>रे भ उस वोंक्षाM औरे वोंह D निस्थातं दुवों तं स अलेHफिकीकी शांनि या की! जी!ड़ा जी तं था
की प्रकीMनितं ह ऐस था फिकी ले!गे की कीC की! उड़ा निमलेतं था।

म 1उस निवोंशां ले ले वोंक्षाM की चौं रे ओरे ब ट"ट ->"ट चौंब"तंरे रे चौंढ़ गेया , जी! लेगेभगे स ठ > ट की क्षा त्र म (> ले था। वों
की जीड़ा त्थारे की सरे चौं की! इस तंरेह जीकीड़ा निलेया था फिकी वोंह कीई जीगेह स दुरेकी चौंकी था औरे ध रे -ध रे निगेरे
प्रफिक्रंया म (था।

म 1उस निवोंशां ले तं की छे गेया। जीस ह म 1 तं की छे कीदुम रेखो , मझे

अचौं की एकी अजी ब निसहरे महस"स हुई। लेगे
म ! समया ठहरे गेया ह!। हवों की सरेसरे हट थाम गेई, निक्षाया की कीकी4शां आवों जी (भ शां तं ह! गेईं। मझे ऐस लेगे जीस म
फिकीस औरे ह सस रे म (प्रवों शां कीरे गेया हूँ।D

औरे वोंहA, उस निवोंशां ले तं की छे , म 1 उस लिंखोचौं वों की स्रो!तं की स म फिकीया। मरे आDखो (निवोंस्मया स > ले गेईं। वों
रेहस्यामया आभ था , जी! मदु प्रकी शां म (निझेलेनिमले रेह था। उसकी की(द्र म (एकी आकीMनितं था , जी! निस्थारे औरे शां तं था ,
उसम (अस ध रेण ऊजी 4की प्रवों ह था।

मझे हA तं वोंह आकीMनितं कीH था या क्या था , ले फिकी उसकी उ निस्थानितं इतं प्रबले था फिकी म 1जीड़ावोंतं खोड़ा रेह गे
लेगे, जीस मरे अनिस्तंत्वों उसकी उ निस्थानितं म (निवोंले ह! रेह ह। मरे स Dस (थाम गेईं, समया की गेनितं रुकी
उस क्षाण म,(मझे
गेई, औरे म 1उस रेहस्यामया लिंखोचौं वों म (खो! गेया।

एकी या!गे की स क्षा त्की रे

म 1आम -स म खोड़ा था एकी प्रभ वोंशां ले व्यनि की , निजी की व्यनि त्वों म (अनिद्वीतं या आध्या नित्मकी आकीर्षों4ण था। उ की
शां तं या!गे जीस कीम औरे निवोंनिक्षाप्त रु र्षों जीस अनिधकी लेगे रेह था। उ की ब ले जीट ओं म (हA बधD था, बनिCकी की ले

गेच् छे म (निबखोरे हुए था, जी! फिकीस अदुश्Mया हलेचौंले स लेहरे की तंरेह निहलेतं प्रतं तं ह! रेह था। उ की ले ले घ"मतं आDखो
एकी नि निश्चतं उद्दी श्या झेलेकी रेह था , जी! गेहरे रेहस्या स भरे हुई थाA।

उन्ह ले ब वोंस्त्र ह रेखो था , निजीसकी एकी निसरे गेले म (निले ट हुआ था औरे की ध रे निगेरे रेह था । जीस ह मरे ज़ीरे(
उ रे रिटकीÐ, म 1उ की अनिग्रमया दुनिMr म (बधD गेया औरे उस अदुश्Mया खोAचौं वों की उ जीकी एहस स अचौं की शां तं ह! गेय
मझे एकी अद्भुभतं शां नितं की अ भ वों हुआ। ऐस लेगे म ! मरे स्था याहA ह, इस क्षाण म,(उ की सम्मखो । म 1निस्थारे खोड़ा
रेह औरे उस आकीर्षों4की दुश्Mया की! ध्या वों"की4 दुखो तं रेह ।
हम रे चौं रे ओरे ण"4 सन्न ट था । की!ई निहले रेह था , की!ई ध्वोंनि , हवों की झे की , की!ई निगेलेहरे —की छे भ
हA। वों तं वोंरेण म (ऐस निस्थारेतं था , म ! समया ठहरेकीरे स Dस ले बदु कीरे फिदुया ह!। वोंह D की!ई भटकीकीरे भ आतं ,

तं! शां यादु हम (दुखझेA तं ।

तंभ मझे मध मनिक्खोया की रिरेनिचौंतं भ भ हट स ई दु । म 1 ऊ रे दुखो औरे निवोंशां ले मध मनिक्खोया की छे दुखो , जी!
ऊ रे लेटकी रेह था । उस क्षाण मझे समझे म (हA आ रेह था फिकी मझे क्या कीरे चौं निहए। ले फिकी मझे की छे तं! कीरे ह
था , इसनिलेए घबरे हट म (म 1 मत्र की उच्ची रेण शां रू कीरे फिदुया :
"याद्यानि तं म अ की रू म (फिदुखोतं ह!**,**
रे तं वों रू तं! की छे भ हA ह;1
तं म ह एकीम त्र सत्या ह!**,**
सबम(एकी सम ।
तं म ह म तं **,** नि तं **,** निमत्र**,**
गेHरेवों**,** ध **,** औरे ज्ञा ह!।
सब की छे तं म ह ह!।**"**
वोंह स> दु वोंस्त्रध रे व्यनि भ शां तं हA था। वों भ तंरे की फिकीस अनिग्र स उ निजीतं ह!कीरे झे"म रेह था, म ! उ की अ दुरे एकी
वोंह तं"> रे तं म (जीलेतं हुई म!मब की तंरेह या > > ले ए गे की तंरेह लेगे रेह था।
तं"की उमेहरेहA ह!। मझे ब आकीMनितंया Dब रेह थाA, औरे हथानि लेया Dऊ रे- चौं ह! रेह थाA, जीस की!ई रेहस्यामया Mत्य
ह ।
उ की मखो

स की वोंले एकी ध्वोंनि नि कीले रेह था :
"म ... म ... म ...."
याह ध्वोंनि नि रे तंरे औरे अ तं था , म ! ब्राह्म डी की धड़ाकी ह!। उ की झे"म म (गे की > > ले जीस लेया था , ले फिकी
याह झे"म डीसD वों ले हA, बनिCकी भनि , कीरुण औरे सम ण4 स भरे हुआ था । उ की आवों ज़ी म (अनिग्र की प्रचौं डीतं था ,
फि>रे भ वोंह शां तंले औरे स त्वों दु याकी था । ऐस लेगे रेह था जीस आ दु औरे उCले स की दु बह रेह ह!, जी! कीहA दुरे"
की ह ड़ा स चौंलेकीरे अ तं स गेरे म (निमले रेह ह!।
जीब वोंह निसरे स Dवों तंकी झे"मतं था, उ की ले ब ह था, जी! घ ट तंकी हुचौंD
तं था, कीमले की खिड़ाया की तंरेह हवों म (लेहरे तं
था। **"म ... म ... म ...."** याह मत्र मग् ध कीरे वों ले ध्वोंनि आकी शां म (गेजी" रेह था । उ की आDस "दु ढ स बहतं हुए रे तं जीस
निवोंत्र बदु" म (बदुले रेह था। उ की शांरे रे रे हCकी स चौंमकी रेह था । उ की वोंदु भरे की रे—**"म ... म ..."**—
मझे निशांकी रे की तं रे स घ याले निहरेण की या दु फिदुले दु ।

सं 1हस्तंब्ध खोड़ा रेह , जीस षोँ ण प्रनितंम ब गेया ह!। मरे की!ई स्वोंतं त्र निवोंचौं रे या इच्छे शां षोँ हA था ; म 1की वोंले दुखो
रेह । उ की उ निस्थानितं म (चौंम् बकी या आकीर्षो4ण था । याह क्या था ? अत्यानिधकी आ दु की अनिभव्यनि या चौंतं म (गेहरे नि
आत्म की की रे? मझे समझे म (हA आ रेह था , ले फिकी इतं स् r था फिकी याह अ भ वों म 1 हले कीभ हA फिकीया था ।

भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले की रेहस्यामया नित्रकी!ण एकी अनिद्वीतं या अ भ वों था , ले फिकी याह रु र्षो, जी! खोजीरे" की ड़ा की तं
स ध खोड़ा था , एकी निबCकी ले अलेगे प्रकी रे की अ भ वों था । हले ब रे मझे ध्वोंनि की गेह प्रकीMनितं की एहस स हुआ। म 1
मत्र की अक्षारे या सरे चौं की! समझे , जी! आदुरे उत् न्न कीरेतं , निवोंचौं रे की! स की रे कीरेतं , औरे स मजी स्या की प्रस रे कीरेतं
ह।

मझे अज्ञा तं की रेण स उस ध्वोंनि की मत्र मग् ध कीरे दु वों ले प्रभ वों म (अ स की प्रनितंफिक्रंया शां ले ह! की अ भ वों हुआ।
मरे शांरे रे म (ऊजी 4की सचौं रे ह! लेगे , जी! मरे अनिस्तंत्वों की हरे की! म (> ले गेई। म 1 ध्वोंनि की गेहरे ई की! छे" निलेया थ
उस क्षाण म,(म 1की वोंले श्रे!तं हA था ; म 1स्वोंया ध्वोंनि ब गेया था ।

म त्र की ध्वोंनि -प्रभ वों

शांरे रे, वों ण औरे म की रेस् रे फिक्रंया -प्रनितंफिक्रंया म (की छे निवोंशांर्षो रू स नि र्पिमतं ध्वोंनि -बले बले अत्यातं स् दु शां ले औ
मत्र -ध्वोंनि की चौंतं
रे वों स्तंनिवोंकी प्रभ वों की निवोंश्लेर्षो ण कीरे की क्षामतं प्र त हुई, औरे स था ह उस स्था रे भ जीह D हम जी वों या कीरेतं
ह।1

प्रभ वों ह! जीतं ह।1 इस गेह सत्या की! म 1 बहतं ब द म (समझे । मरे जी बों म (की > समस्या ब द मझे
ब दु म (म 1 जी फिकी जीस मद्र ए—Dह था औरे उ गेमिलेया की ऐस निवोंशांर्षो निस्थानितंयाD, जी! म निसकी दुनिMrकी!ण की
रू म (दुशां 4तं ह—1उस प्रकी रे निवोंनिभन्न अ ष्ठों की हले" जीस मडी ले, घ रिटया D, शां खो, वोंस्त्र, याह Dतंकी फिकी अनिग्न,
निवोंशांर्षो ष् की उ या!गे भ चौंतं जी वों की वोंचौं रिरेकी दुनिMrकी!ण की! प्रतं की त्मकी रू दुतं ह,1 नि दुनिÔशांतं कीरेतं ह 1
कीरेतं ह।1

वोंस ह मत्र भ चौंतं की! गेहरे ई स प्रभ निवोंतं कीरेतं ह।1 उदु हरेण की निलेए, 'आम ' (Amen) जीस मत्र , जी! की वोंले ईस ई
धम 4म (बनिCकी की छे अन्या एनिशांया ई धम' म (भ उ या!गे ह!तं ह, या प्रभ की प्र था 4 (Lord's Prayer) की ठ-मC"या, या
सतं जी² की सस म चौं रे की हले वों क्या—इ सभ म (म नित्रकी प्रभ वों ह!तं ह।

मत्र अ प्रभ वों स म की! ण"4 रू स निवोंले ह! म (सह यातं कीरेतं ह;1 औरे फि>रे शां"न्यातं की प्रकी शां स उस गेनितंशां ले
शांनि की! आह्वों कीरेतं ह,1 निजीसस स की4 स्था नि तं कीरे की स धकी की इच्छे ह!तं ह। एकी ब रे जीब याह स की4 स्था नि त
जी तं ह, तं! स धकी स्वोंया उस चौंतं की अ गे ब जी तं ह।

मत्र जी (जी) की ध्वोंनि या की चौंतं रे प्रभ वों की इस निवोंर्षोंया रे हम (फि>रे स लेHट ह!गे , क्या फिकी याह एकी अत्यातं गे
औरे गेह निवोंज्ञा ह। ले फिकी उस फिदु , उस निवोंशांर्षो क्षाण म,(मझे मत्र की दुशां4 शां स्त्र की इस गेनितंशां लेतं की ब रे म (
जी की रे हA था । उस दु! हरे म 1की वोंले अचौंनि भतं औरे मत्र मग् ध था ।

वोंह मह व्यनि मरे स म कीई > ट ऊDचौं खोड़ा था । उ की शांरे रे स प्रकी शां की लेहरे(>"ट रेह थाA, औरे उ की ध्वोंनि म (
एकी ऐस शांनि था जी! मरे म की! गेहरे ई तंकी भ दु रेह था । म 1आदुरे औरे निवोंस्मया स भरे गेया , औरे मझे एकी ब लेकी की
सच्ची भ वों स उन्ह (श्रेद्ध जीनिले दु ड़ा ।

वोंह नि स्सदु ह एकी अनिद्वीतं या व्यनि त्वों था— एकी सच्ची   रु र्षों, निजी की उ निस्थानितं म (आत्म की गेहरे इया Dझे कीMतं ह! रेह
उ की ध्वोंनि म (ऐस की   था , जी! मरे   चौंतं   की! ई ऊDचौं इया तंकी ले जी रेह था । मझे   अ भ वों हुआ फिकी ध्वोंनि की वोंले
स   की वोंस्तं हA ह; वोंह चौंतं   की की जी ह, जी! स धकी की! अ तं की द्वी रे तंकी ले जी तं ह।

म त्रमग् ध

घ ट ब तं गेए। अचौं की उन्ह   मरे   चौंह रे की ओरे गेहरे   जीरे स दुखो , निजीस रे तंब तंकी आDसओं की ध रे एD बह रेह थाA।
"आDस "नि निश्चितं रू स आत्म की गेहरे ई स उठ भ वों ओं की नि ब 4ध अनिभव्यनि ह,1" उन्ह   कीह औरे अ   बड़ा   ग्र
ह था स मरे   चौंह रे की!   छे । उ की स् शां4 म (इतं   ममतं था फिकी म 1नि :शांब्दु रेह गेया ।

फि>रे उन्ह   अ   निबखोरे ब ले की गेच् छे की ब चौं स एकी भ"रे म की की! नि की ले । याह रिरेनिचौंतं रुद्र क्षा (Elaeocaripus ganitrus) था । इसस   हले फिकी म 1की छे समझे   तं या महस"स कीरे   तं , उन्ह   रुद्र क्षा की! मरे   भ;ह की ब चौं ऐस जी!रे

स दुब या फिकी मझे 4स चौं खो ड़ा   चौं निहए था । ले फिकी इसकी बजी या, म 1बह !शां ह! गेया ।

मझे क्याह मिबC्यौंकीरेभ ज्ञाजी म 1हAसलेट फिकी आझ मझे रे!म चौंकी
घट ओं म (स एकी की रू म (स्वों की रे फिकीया , निजी स म 1लेगे तं रे गेजी रेतं आया था । ले फिकी वोंह व्यनि मरे   म म (गेहरे तं
बस गेया ।

स ले तंकी, समया-समया रे हम रे मले की तं(ह!तं रेहA। कीभ -कीभ उन्ह   मझे   मC"यावों   उ दुशां भ फिदुए। वोंह ध रे औरे
बहुतं कीम ब!लेतं था, ले फिकी जी! की छे भ कीहतं , वोंह गेह ज्ञा   स भरे ह!तं था । फि>रे भ , म 1उ स स्था या सब ध स्था नि तं
 हA कीरे   या । कीहA   कीहA, म 1 रे" तंरेह स सवों दु स्था नि तं हA कीरे सकी ।

ले फिकी उस सतं   ले ब समया तंकी मरे   निवोंचौं रे की! प्रभ निवोंतं फिकीया औरे मरे   जी वों की! फिदुशां दु । क्या वोंह अभ भ मं
स था ह?1 स्मनिMतं तं! ह ह । स्मनिMतं की प्रकीMनितं ह ऐस ह!तं ह। ले फिकी वोंह स्मनिMतं स कीहA अनिधकी ह।1
मरे   रिरेवों रे की ले!गे मझे म (ह! रेह ब हरे   रिरेवोंतं4   की! दुखो कीरे हरे   था। सचौंमचौं , मझे म (बदुले वों आ रेह था । ले फिकी य
सब भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले की वोंरेदु   था । अब, जी! वोंह मझे   दु रेह थाA, उसम (ले वोंक्षाM वों ले व्यनि की अनितंरिरे
या!गेदु   भ जीड़ा गेया था । वोंह मरे   जी वों म (एकी आवोंश्याकी की रेकी ब गेए था।

म 1याह ब तं भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले स छे   हA   या । उन्ह   मदुMतं   स मस् कीरे तं हुए कीह , "जी तं   सतं ह।1 उन्ह (बहुतं
  शां नितं निमलेगे ।" बस इतं   ह । इसकी ब दु उन्ह   एकी

दुरे" तंकी जी   ह। अगेरे उन्ह   तं म्ह (स्वों की रे कीरे निलेया , तं! मझे
शांब्दु भ   हA कीह ।

ले फिकी मझेयाह स् r ह! गेया फिकी मरे   जी वों म (ऐस की छे भ   हA ह! सकीतं , निजीसकी ब रे म (भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले की!
 हले स   तं   ह!। उ की दुरे"दुर्पिशांतं औरे अ तंदुनि4Mr   मझे   ब रे-ब रे चौंफिकीतं फिकीया ।
मरे   बह   मरे   तं जी स बढ़तं कीदु-की ठ   रे हसD -मजी की फिकीया । मरे   म Dसतं r थाA फिकी याह सब भगेवों वोंस्त्रध रे मनिह
की आशां वों दु4 की   रिरेण म था । मरे   भ"खो स भरे   ट उन्ह (अत्यानिधकी प्रसन्नतं दुतं   था । वोंह हमशां   कीहतंA, "तं म्ह रे याह
वोंनिMद्ध प्र ण या म की नि यानिमतं अभ्या स की जी तं -जी गेतं उदु हरेण ह। " सचौंमचौं , मह   श्व स-व्य या म म ष्या की सच्ची निमत्र
ह, इसम (की!ई सदु ह   हA।

लें!फिकी भाझेनिमशांक्षी ओंनि निजीज्ञा स था फिकी क्या मरे म Dकी! याह अहस स थाद्वीफिकीमझे
निमले रेह था , जी! भगेवों वोंत्त्रध रे मनिहले स प्र त्त ह! रेह थाA। म 1उन्ह (अ दुस"रे म ,D आध्या नित्मकी म Dकी रू म (
सम्म और प्रम स दुखो तं था।

उ की निशांक्षा ओं मझे ए दुनिMrकी!ण फिदुए, और उ की म गेदु4शां4 म (म 1 जी वों की रेहस्या की! समझे शां रू फिकीया। उ की
फिदुए हुए ज्ञा की दु मरे चौंतं की! आले!फिकीतं फिकीया। उ की प्रम और ममतं अमC"या था , और उ की निब मरे जी वों
अधरे" ह!तं।

म 1मत्र मग् ध था —उ की उ निस्थानितं स, उ की ज्ञा स, और उ की अ रे प्रम स। उन्ह मझे की वोंले जी वों जी हA
निसखो या , बनिCकी जी वों की! आत्म की गेहरे इया स अ भ वों कीरे निसखो या।

शां"न्यातं म(बढ़तं हुआ

रिरेवोंतं4 स् r था , और हरे फिकीस उस महस"स फिकीया। ले फिकी म 1 स्वोंया जी! महस"स फिकीया , वोंह दुस"रे स निबCकी ले
तं4 "ण 4खोले म (उलेझे या

था। बचौं की शांरे रेतं (सम त्त ह! चौंकी थाA। वों शांरे रेतं स था भ दुरे" ह! गेए था, जीवोंमझे
कीरेतं था। मरे म ष्या शांरे रे की नि निर्षोंद्ध निजीज्ञा स ओं और उ स जीड़ा बचौंकी उत्सकी तं ओं म (अब की!ई
रुनिचौं हA था।

म 1कीम खोले तं , ले फिकी ऐस खोले चौं तं , निजी म(ज्या दु स निथाया की आवोंश्याकीतं ह!: तं रे की , वों

चौंले , की श्तं लेड़ा ,

भ रे उठ । मरे उम्र की अन्या लेड़ाकी की निवों रे तं, म 1अनिधकी स अनिधकी एकी तंनिप्रया ह!तं गेया ,
ह ले Dफिकी ब हरे रू स म 1
अ प्र कीMनितंकी ले!कीनिप्रयातं की आ दु ले तं रेह।

रिरे क्कतं की चौरेम अवोंस्था म (हुचौंD चौंकी व्यनि की तंरेह, म 1 अ वोंश्याकी सगे नितं और व्यनि गेतं प्रश्न स

दुरे" ब ले था।
मझे अकी ले रेह अच्छे लेगे लेगे। अकी ले मरे आनित्मकी बले की अमतंM ब गेया था।
गेगे दु मरे निलेए सवोंÁच्ची शां नितं की स्त्रो!तं ब गेई—मरे हले रिठकी और अ नितंम सह रे। गेगे स जीड़ा

सभ खोले मझे

उसकी नि कीट्टतं की ओरे आकीर्षिर्षोतं कीरेतं था। मझे ऐस लेगेतं था जीस गेगे मरे स म (बह रेह ह!। म
1आ दु की ध रे म (
तं रेतं था। म 1चौंतं की ध रे म (वों चौंले तं था। मरे भ र्षो अस्वों भ निवोंकी रू स स हनिसकी ह! गेई था। मरे

स अत्यानिधकी व्यनि गेतं और निवोंत्र था, निजीन्ह (फिकीस की स था
स झे कीरे की म हA ह!तं था। म 1स्वोंया म (निलेत्त रेहतं था। मझे याह एहस स हुआ फिकी म ष्या अ एकी तं
शां नितं म,(
अ भ तंरे अनिधकी रे गे अ भ वों की आ दु ले सकीतं ह। म 1 अ अकी ले की क्षाण स गेहरे प्रम कीरे शां रू

कीरे

फिदुया।
इस एकी तंनिप्रयातं की अले वों , मझे म (एकी और रिरेवोंतं4 आया : मझे श्व स की! रे!कीकीरे निस्थारे रेह की

अभ्यक्त स अत्यातं निप्रया
तंत्र की दुनि या

लेगे लेगे। याह मनिस्तंष्कीह शां"न्यातं (Mindless Void) की निस्थानितं उत् न्न कीरेतं था , निजीसम (म
1अवोंनिस्थातं ह! सकीतं था।
आजी छे मड़ा कीरे दुखो रे मझे स् r रू स समझे म (आतं ह फिकी इ अ !खो रुनिचौंया की रे" श्रेया भगेवों

क्या सनिMr स्वोंया शां"न्यातं स उत् न्न हA हुई था ? म की!ई कीC हA ह। याह एकी अनि निश्चतं औरे अ रिरेभ निर्षोंतं प्रवों ह (State of Flux) ह। याह की वोंले तंब ह रिरेभ निर्षोंतं ह!तं ह, जीब याह फिक्रंया ओं औरे प्रनितंफिक्रंया ओं की चौंक्रं म (>Dस जी तं ह तंभ हम इस म कीहतं ह,1 औरे याह म की रू म (हचौं जी तं ह।

ले फिकी शां"न्यातं की अवोंस्था म,(याह प्रवों ह निस्थारे ह! जी तं ह, औरे म ष्या अनिवोंचौंले शां नितं की आ दु ले सकीतं ह। शां स् r रू स प्रनितंकीMनितं दुशां 4तं ह, ले फिकी व्य की ले म ऐस हA कीरे सकीतं।
जीब निवोंम ब दुले स ऊ रे शां"न्या म (उड़ातं ह, तं! चौं रे ओरे शां नितं ह! की कीरेण, याह Dतंकी फिकी निवोंम की गेनितं भ महस"स हA ह!तं। ले फिकी निवोंघ्न म की! उ निजीतं कीरेतं ह; शां"न्यातं उस शां तं कीरे दुतं ह।
मरे या!गे-वों निसष्ठों की ठ लेगे तं रे जी रे रेह। वोंह आस , निजीस कीभ चौंचौं 4 औरे प्रश्न की! जीन्म फिदुया था , अब नि यानिमतं हले की तंरेह ग्र ह! की एहस स हA ह!तं था। मरे निलेए ग्रतं की अब

फिदु चौंया 4की निहस्स ब गेया था। अब मझे
की!ई अथा 4 हA था। वोंह भ वों सम त्त ह! गेई था।

मझे ऐस महस"स ह! लेगे , जीस याह आध्या नित्मकी वोंशां भर्षों" की एकी निवोंशांर्षों प्रकी रे ह!, निजीसम (अन्या वोंस्त्र की! ह की बजी या, सभ वोंस्त्र की! उतं रेकीरे ध रेण फिकीया जी तं ह। याह ग्रतं की वोंले ब हरे आवोंरेण स म ह! हA था , बनिCकी आ तंरिरेकी शां द्धतं औरे आत्म-स्वों कीMनितं की प्रतं की ब गेई था।

मझे एहस स हुआ फिकी शां"न्यातं की वोंले खो ले हA ह, बनिCकी याह एकी ऐस दु 4ण ह, निजीसम (आत्म अ वों स्तंनिवोंकीतं स् r रू स दुखो सकीतं ह। शां"न्यातं म (निस्थातं म ह अ तं सभ वों ओं की सजीM कीरे सकीतं ह।

शां"न्यातं म (मरे बढ़ जी रे था , औरे उस म (म 1अस म आ दु की! अ भ वों कीरे रेह था।

आस क्या आवोंश्याकी ह?1

ले फिकी फिकीस फिकीस तंरेह एकी फिदु म 1 याह प्रश्न छे" ह निलेया : "आस क्या आवोंश्याकी ह?1 औरे ऐस आस क्या आवोंश्या ह?1" उन्ह निजीस ढं गे स इ प्रश्न की उरे फिदुया , वोंह मरे म म (आजी भ गेहरे ई स बस हुआ ह, क्या फिकी वोंह आरे!ह निशांक्षाण (Inductive Teaching) की अनिद्वीतं या उदु हरेण था। वोंह हमशां मरे ज्ञा तं ब तं स शां रुआतं कीरेतंA, औरे ध रे -

ध रे मझे उ उरे तंकी ले जी तंA, निजीन्ह (म 1जी चौं हतं था।

इस प्रफिक्रंया म,(हम रे निलेए मह भ रेतं औरे रे म याण की लिंहदु "मह की व्य की ज्ञा अत्यातं मदुदुगे रे स निबतं हुआ। जी! की!ई भ लिंहदु "जी वों द्धनितं की! समझे की प्रया स कीरेतं ह, निब इ दु! मह की व्य की! ढ़ , वोंह ऐस ह ह जीस की!ई हम ले ट की! ढ़ , निब डी म की4 की रे जीकी म रे की ब रे म (जी । म 1आजी भ दुढ़Mतं स म तं हूँ Dफिकी निश्चम सस् कीMनितं औरे की! समझे की निलेए, ह!मरे (Homer) औरे ब इनिबले की! ढ़ आवोंश्याकी ह।

मह भ रेतं, जी! दु! रे जीकी म रे की ब चौं लिंसह स की निवोंचे4 कीरेतं ह, वों स्तंवों म (अनिद्वीतं या ह, क्या फिकी याह जी वों की शां स्त्र या भव्यतं औरे आया 4उच्चीतं की निचौंत्रण कीरेतं ह। आजी याह लिंहदु "जी वों की स म निजीकी, नितंकी, स;दुया औरे ध र्पिमकी जी वों की निवोंश्वकी!शां (Encyclopaedia) म जी तं ह। इसम (हजी रे मह कीथा एD औरे त्र ह,1 निजीन्ह (हरे लिंहदु "कीभ कीभ सदु र्पिभतं कीरेतं ह। भ रेतं की हरे प्रनितंनिष्ठोंतं ले खोकी मह भ रेतं की स्त्रो!तं की रू म (उ या!गे फिकीया ह।

मह भ रेतं, जी! म वों भ र्षों म (निलेखो गेए सबस ले ब श्ले!की की रू म (प्रनिसद्ध ह, लिंहदु "भ रेतं की > >ड़ा म (स एकी ह। दुस"रे > >ड़ा ह रे म याण। प्रनिसद्ध भगेवोंद्गी तं तं! मह भ रेतं की एकी अध्या या म त्र ह, याह अलेगे ग्रेथा हA ह।

गेभ रे छे दु की ठ शां नितं वों"की4 चौलेतं रेह। मझे ठ कीरे म (आ दु आ लेगे। ले फिकी प्रश्न ब रे-ब रे म म (उठतं रेह। म 1

रुकीतं, उ की ओरे दुखो तं औरे प्रश्न छे"तं। उन्ह सभ प्रश्न की उरे फिदुया। उ की तंरे की अनिद्गीतं या था —शां तं, सहजी, क्रमबद्ध, औरे म तंसM लेभ ध या 4स भरे हुआ। इस द्धनितं मझे औरे अनिधकी प्रश्न छे" की निलेए प्ररि रेतं फिकीया।

एकी फिदु म 1 ॠनिर्षों भगे रेथा, की म स जीयाद्रथा, औरे प्रनितंशां!ध अश्वत्था म जीस या!निगेया की आचौरिण रे प्रश्न उठ या : "क्या

वों या!गे हA था? फि>रे या!गे इतं अच्छे औरे त्या गे की स ह! सकीतं ह,1 औरे स था ह इतं दुr औरे क्र"रे भ ? या!निगेकी शांनि की उ या!गे दुस"रे की! कीस हुचौंD की निलेए क्या फिकीया गेया ?" उन्ह शां तं निचौं औरे सया निमतं भ वों स उरे फिदुया :

"अच्छे ई औरे बरे ई, ले भ औरे ह नि की म वों दुनिMr व्यनि गेतं स्वों था4 रे आध रिरेतं ह!तं ह। जीब तंकी निवोंचौं रे व्यनि गेतं ले भ औरे ह नि रे आध रिरेतं ह!तं ह 1 तंब तंकी असले अच्छे ई तमशां अ म" 4रेड़गे । की वोंले नि र्पिलेम्ततं मझे अश्वत्था म की बनिले की रेहस्या म (गेहरे रुनिचौं था, जी! स्वोंया की! बनिलेदु कीरे चौं हतं था। इ सभ घट ओं म (अच्छे ई औरे बरे ई, उद्दी श्या औरे स ध की नितंकी नि ण4या शां निमले था। औरे इ सभ घट ओं म (निशांवों की शांनि अ तंर्पि निहतं थी।

(Impersonality) ह नि ष्की म औरे नि स्वों था4 ह! सकीतं ह। "

म 1 या!निगेकी आशां ओं द्व4 औरे कीM तंथा तं नित्रकी जी दु-"ट! (Magic, Voodoo) की ब चौं म Hनिलेकी अ तंरे जी दु-"ट! (Magic), वोंडो" (Voodoo) या ओनिबया (Obeah) उ अ छो म (ह!तं ह, जीह D अनिभ तं ओं की एकी ग्रेतं औरे निकोंशांर्षों ज्ञातं स सम निध उत् न्न ह!तं ह। याह की रेण औरे प्रभ वों की मले"भतं" रू तं रेण म (सह याकी ह!तं ह। तं द्वी रे कीं! समझे शां रे फिकीए गेए अभ्या स की निरेण ब स्वोंरू मले"भतं" शांनि या की सया !जी (Combination of Elemental Forces) फिकीया। मझे याह स्वों की रे कीरे ड़ा फिकी सम निध की अवस्था आशां वों दु4 भ ह! सकीतं ह, औरे शां नितं की निलेए खोतं रे भ रू तं रेणकी रे रिरेवोंतं4 उत् न्न कीरेतं ह। ले फिकी इ या!निगेया कीठ!रे तं स्या की था। उन्ह व्यनि गेतं कीr औरे ले फिकी याह चौंचौं 4 फि>रे कीभ।

अत्यानिधकी ड़ा सहकीरे तं त्र की म गे 4की! अ या, औरे अ जी वों -ऊजी 4की! बनिलेदु कीरेकी मत्Mया की! वोंरेण कीरे की घ तंकी दुढ़Mतं फिदुखो ई। भगे रेथा की तं स्या औरे तं त्र स ध की उद्दी श्या म वों जी नितं की कीCया ण था, जीबफिकी जीयाद्रथा औ अश्वत्था म की कीMत्या की उद्दी श्या दुश् म की निवों शां की अले वों की छे हA था।

अ ग्रे ह औरे गे ॄनिवोंद्या

म 1याह Dइ रेहस्यामया कीथा ओं स जीड़ा जीरिटले मद्दी की! औरे अनिधकी निवोंस्तं रे स समझे म (असमथा 4हूँ। D इतं कीह या 4म ह!गे फिकी उ की स् r व्य ख्या ओं स म 1इस नि ष्कीर्षों4 रे हुचौंD फिकी इ म (स अनिधकी शां घट एD तं त्र या!गे स सब निधतं थाA। इ की प्रभ वों जी दु "जीस लेगे सकीतं ह, ले फिकी याह वों स्तंवों म (जी दु " हA ह।

इ तं नित्रकी फिक्रंया ओं म (वोंस फिकीस भ मत्र -जी या ट! -ट!टकी की निलेए की!ई स्था हA ह, जीस आमतंHरे रे म जी तं

ह। की!ई भ व्यनि अ अभ्या स औरे कीठ!रे स ध स मHनिलेकी या अलेHफिकीकी शांनि या की स था स की4 स्था नि तं कीरे सकीतं ह। एकी बे रे याह स की4 स्था नि तं ह! जी ए, औरे एकी नि स्थारे सवों दु की ध रे ब जी ए, तं! वोंह व्यनि वोंह कीरे सकीतं ह जी!

ब्राह्म डी या तंत्वों कीरे सकीतं ह।1 याह सभ वों ह। याफिदु याह सभ वों ह!तं , तं! तं त्र म (ह! वों ले छेले-की ट की दु 4> शां बहुतं हले ह! चौंकी ह!तं । याह सफिदुया की उत् ड़ा और दुम की ब वोंजीदु" जी निवोंतं हA रेह तं ।

आनिखोरेकी रे, तं त्र और तं नित्रकी निवोंनिधया Dउतं ह प्र चौं ह 1निजीतं फिकी वों4तं, आकी शां और चौं तंत्वों।

ऐस की!ई धम 4 हA ह

जी! चौंमेलकी रेकी! उथा!ी कीरेतं ह!, और जी! तं नित्रकी की! सम्म दुतं ह!। क्या या शां सम निध म (जी कीरे ब म रे

याफिदु इ व्यनि या अ उद्दी श्या की! प्र स कीरे की निलेए तं नित्रकी शांनि या की सह रे निलेया , तं! फि>रे ऐस

क्या ह फिकी तं त्र

बरे शांनि या की सह यातं कीरे और उन्ह (अच्छे शांनि या की निवोंरुद्ध खोड़ा कीरे म (भ दुभ वों हA कीरेतं ? याह भ्र मकी प्रतं तं

ह! सकीतं ह।

म 1 इस प्रश्न की! उ की समक्षा तं रे तं रेखो । उरे हमशां की तंरेह शां तं और सरेले लेया म (आया । कीMष्ण भ तं त्र की

शांनि या म (

नि ण था। उ की शांनि या D डीवों की हरे सकी ट म (रेक्षा कीरेतं थाA।

अच्छे ई और बरे ई अलेगे-अलेगे शांनि या D हA ह।1 सभ शांनि या D एकी की(द्र या शांनि स जीड़ा ह!तं ह।1

ले फिकी सभ

अवोंध रेण ओं, या उ अवोंध रेण ओं स उत् न्न ह! वों ले सभ वोंस्तं ओं की निवोंरे!ध हले" ह!तं ह।1 सया",4 चौंद्र म , ग्रह की

गेनितंया ,D ऋतं एD, मHसम—इ सबकी निवोंरे!ध क्षा ह,1 निवों रे तं लिंखोचौं वों ह,1 याह Dऔर वोंह D। वोंस्तं ओं

की प्रकीMनितं म (याह ह फिकी

उ की दु! हले" ह!तं ह।1

ले फिकी एकी ब रे जीब इ हले ओं की! एकी ह स्रो!तं स उत् न्न ह!तं हुए दुखो जी तं ह, तं! अच्छे ई और बरे ई की वोंले

की म

और ले!भ की रेछे इया Dब कीरे रेह जी तं ह।1 सतं ले ब ए रेखो आवोंश्याकी ह। याह सतं ले कीMष्ण स्था नि तं कीरे की

प्रया स कीरे रेह था। तं त्र की शांनि , फिकीस भ अन्या शांनि की तंरेह, आगे बढ़ सकीतं ह या निवों रे तं फिदुशां म

(जी सकीतं ह। प्रगेनितं की शांनि या की!

तंब निवों रे तं प्रवोंMनिया की! रे!की ह!तं ह। तं त्र की स म तं त्र स। याह की रुक्षा त्र की याद्ध म (हुआ था ।

की!ई प्रसतंकी ले फिदुया हA ह!तं ,की!ई बरे ई हA ह!तं , वोंह जी! सतं निलेतं दुनिMr, सतं मिलेतं उन्ह वों ,

दु! हरे भ

वोंह अ नि धानिमितं की तं की प्रफिक्रया म (लेगे हुई थाA। उन्ह तं रे तं मरे ध्या अ ओरे आकीर्पिर्षोतं फिकीया ।

सतं निलेतं निवोंकीतं म (ब ध

ह!तं ह। उस रे!की ह!तं ह। सतं ले वोंह ह जी! बह तंरे जी वों , बह तंरे समझे, प्रम म (बह तंरे सब ध की निलेए स्था बदु ला ,

हाह जी! हम रे समजिट स रे ह!, वोंह ज! लिए हा ह एकी अत्यातं सक्ष्"म की या 4ह, निजीसम (स् शां4 और लिंखोचौं वों

की सतं ले आवोंश्याकी

स म की! रे!की ह आस ह

हो म की! ण"4 रू स की(फिद्रतं कीरे ड़ातं ह। सवों4श्रेष्ठों रिरेण म की निलेए स मग्रे की चौंया भ श्रेष्ठों ह!

चौं निहए। उ कीरेण भ सवोंÁम निस्थानितं म (ह! चौं निहए। की शांलेतं म , स मग्रे और उ कीरेण रे नि भ4रे कीरेतं ह।

फि>रे आतं ह अ शां स

[illegible]

और अभ्या सों या सभ निमलेकीरे सम रू स सदु रे और अनितं- रिरेष्कीMतं ध गे तं या रे कीरे म (सह याकी ह!तं ह।

1 एकी अच्छे

ध गे मले याम, की!मले और मजीबतं" ह! चौं निहए। एकी म त्र म (ध गे की तं म (समया लेगेतं ह। जीब तंकी म की या4म (

"इसनिलेए, फिकीस भ कीरिठ की या 4की! कीरे की निलेए सवोंÁम आस की चौंया कीरे अनि वों या 4ह। या!गे की निलेए आस क
चौंया अत्यातं महत्वों ण" 4ह। की छे ले!गे वोंर्षों' तंकी खोड़ा रेहतं ह,1 जीस गे!मतं श्वरे ब हुबले फिकीया था । की छे ले!गे वोंर्षों' तंकी
रेहतं ह,1 जीस शां क्यामनि (गेHतं)म भिक्षु फिकीया था । की छे ले!गे वोंर्षों' तंकी ह था ऊ रे उठ ए खोड़ा रेहतं ह,1 जीस भगे रेथा
फिकीया था । की छे निवोंशांर्षों प्रकी रे की मत्र की निलेए निवोंशांर्षों प्रकी रे की आस की नि दुशांÔ फिदुया गेया ह। म 1भ की त
बठ स हले कीई ब तं रे निवोंचौं रे कीरेतं हूँ।D

"इसकी निवों रे तं जीब म 1अ दकी रे बठ कीरे स म बचौं तं हूँ,D तं! मझे
एकी ह प्रकी रे की मद्र ब ए रेखों की
आवोंश्याकीतं हA ह!तं । मरे म बदुलेतं ह, दुनिMrकी!ण बदुलेतं ह, औरे मरे मद्र भ बदुले जी तं ह। जीब म 1खो की तं
हूँ,D तं! म 1अ स ट औरे मद्र की! इस प्रकी रे नि निश्चतं कीरेतं हूँ,D जी! की-कीले की आवोंश्याकीतं ओं की अ की "ले ह!।

"जीब म 1गे तं हूँ,D तं! म 1याह स वोंध वों"की4 दुखो तं हूँ Dफिकी मरे > >ड़ा औरे श्वस प्रण ले की निलेए कीH -स मद्र सह यार्की
ह!गे । याह Dतंकी फिकी चौंले की निलेए भ एकी निवोंनिशांr मद्र ह!तं ह, औरे याह मद्र भ चौंले की उद्दी श्या की अ स रे बदुलेतं
तं म क्या चौंले रेह ह!, कीह Dजी रेह ह!, क्या उ लेनिब्ध प्र प्त कीरे ह, या सभ ब तं (याह नि ध 4रिरेतं कीरेतं ह 1फिकी चौंलेतं सम
कीH -स मद्र अ ई जी चौं निहए। क्या तं म इसस सहमतं ह!?
"मझे स म (आया ह फिकी श्वतं ले!गे की दुनि या म,(अनिधकीतंरे ले!गे चौंले भ"ले गेए ह।1 मझे हA तं , ले फिकी अ तंतंo उन्ह
इसकी की मतं चौंकी ड़ातं ह!गे । वों दुHड़ातं ह,1 ह!ड़ा लेगे तं ह,1 रे चौंलेतं हA। अजी ब ब तं ह, ह ? शां यादु उन्ह (लेगेतं
ह फिकी याह ध वों ब की तंरे की ह। वों म तं ह 1फिकी गेनितं ह स>लेतं ले तं ह। इसनिलेए वों ह!ड़ा रे ह!ड़ा लेगे तं रेहतं
ह।1 हमशां याह लिंचौंतं रेहतं ह फिकी अगेले व्यनि की! छे ड़ाकीरे सबस हले हुचौंD(। उन्ह (इस दुब वों की की मतं चौंकी ड़ात
ह।

"वों शां यादु ह कीभ चौंलेतं ह।1 ब दु म (इसकी की मतं चौंकी तं ह,1 की4 म (दुHड़ाकीरे, या फि>रे आस- स टहलेकीरे। याह Dतंकी
गेनितंशां लेतं म (भ एकी मद्र औरे लेया ह!तं ह। निस्थारे अवोंस्था की लेया की! आस कीह जी तं ह, सह आस । औरे गेनितं की
मद्र की! लेया (Rhythm) कीह जी तं ह, निजीस हम गेनितं की छे दु (Chhanda for the Gati) कीहतं ह।1 ले फिकी निस्थानितं की!
एकी स्था या आस ध रेण कीरे ड़ातं ह। आस निड़ाया की! उस आवोंश्याकी निवोंरे म की आशां वों दु4 दुतं ह, निजीसकी उन्ह (
ले ब या त्र की निलेए आवोंश्याकीतं ह!तं ह।

स भ!गे आस

"ले फिकी तं म्ह (उस निवोंशांर्षों आस की लिंचौंतं ह निजीसम (हम बठ तं ह।1 तं म्ह (अनिधकी हरे इस ब तं की ह फिकी इसम (ऐस
ह। याह प्रश्न तं म्ह (इसनिलेए रे शां कीरेतं ह क्या फिकी तं म्ह (याह

स्वोंतं त्रतं क्या ह, ऐस स्वोंतं त्रतं जी! सभ शांतं' स म
निसखो या गेया ह फिकी शांरे रे की की छे भ गे वोंर्पिजीतं ह,1 निजीन्ह (गेदु , बरे औरे ण"4 म जी तं ह।

"तं म उस कीथा की ब रे म (स ह!गे निजीसम (भगेवों की दु! बच्ची की! उसकी ब गे चौं स ब हरे नि की ले फिदुया गेया था । उन्ह
क्या नि की ले गेया ? क्या इसनिलेए फिकी उन्ह भगेवों की इच्छे की निवोंरुद्ध एकी ड़ा की >ले खो निलेया था ? हमम(स कीH
ऐस हA लेगेतं ।
ह निजीस अ जी वों की फिकीस फिकीस चौंरेण म (ऐस की छे हA फिकीया ? क्या भगेवों इतं क्रं"रे ह?1 मझे
ऐस हA ह फिकी उन्ह जी! खो या वोंह उन्ह (स्वोंर्पिगेकी आवों स की निलेए अ या ब तं ह; बनिCकी उन्ह निछे , झे"ठ ब!ले
औरे ध!खो दु की की!निशांशां की । अगेरे वों भगेवों की स जी कीरे याह स्वों की रे कीरेतं फिकी उन्ह >ले खो या औरे उसकी
आ दु निलेया , तं! शां यादु भगेवों उ रे क्षाम शां ले मस् की निबखोरे दु ह!तं । निछे ह। झे"ठ ब!ले ह।

दु!हरे लिंज़ीदुगे जी रेकी ह। फिकीस चौं ज़ी की! निछे या!ग्या म ले हले ह जी! म की! दुनि"र्षोंतं कीरेतं ह। वोंह ह जी! म म (ग्रेनि था उत् न्न कीरेतं ह; जी! तं वों दु कीरेतं ह। रिरेण मस्वोंरू अ रिरेनिमतं दुo खो निमलेकीहह सखो आ दु की निवों शां! याह रेकी म (जी की सम ह। याह उस नि दुÁर्षों आ दु-ले!की स ब हरे नि की ले जी की सम ह।

"हम रे म की तं प्रबले शांत्र ह।1 या शांत्र आ दु की रू म (आतं ह;1 ले फिकी इ की छे छे!ड़ा जी तं ह 1दुo खो।

या तं ह 1– क्रं!ध,

याH निमले की ले लेस , औरे ले!भ। इ म (स की!ई भ उम्र की स था हA आतं ; औरे इसनिलेए, इ म (स की!ई भ उम्र की स था

हA जी तं । उम्र की इ निवों रे तं शांनि या स की!ई ले -दु हA ह। औरे इ तं की इले जी ह – चौं जी औरे

मC"या की

सु r समझे। समझे की! अ जी वों की चौं लेकी की स ट रे बठ ओ, औरे जी वों की गे ड़ा कीभ भ था स भटकी गे हA।

ले फिकी याफिदु तं म इ तं म (स फिकीस एकी की! भ चौं लेकी की स ट रे बठ तं ह!, तं! तं म बब स ह!कीरे उस रे ह

रे चौंले!गे

निजीस 'वों' तं म्ह रे निलेए चौं (गे । तं म्ह रे स्वोंतं त्रतं निछे जी तं ह, तं म जी वों भरे गेले म, बदु ब रेहतं ह!।

अ फिकीस्मित

"ले रे" नि या ण की निलेए तं ह (स मनि ह!गे। "ले फिकी या आदुतं शांनि शां ले शांत्र ह।1 निजीतं तं म

"स्अतं हतं वों की निश्चयं तं ह्रीक्ष्यं शांनि ह!1 रे" तं रेह स इ की प्रभ वों की रे म जी!ए

इ श्रेणि पर्या की! वों! कौं रेहतं ज़ी तं ब ध जी म रेखोतं ह वोंह तंमस ह। रेजीस वोंह

स!चौतं ह!, उसस भ अनिधकी शांनि शां ले । या फिदुखो ई हA दुतं । या तंब तंकी

अवोंस्था ह जीह D या दु! सघ र्षों4म (ह!तं ह 1 औरे जीब तंमस क्षा ण ह!तं ह औरे सत्त्वों आत्म की! ऊ रे की ओरे खोAचौंतं ह।

महस"स हA ह!तं जीब तंकी फिकी या वों स्तवीं म (फिक्रया शां ले ह! जी ए।D या ब जी रू म (जी वों की ब जी की

म ष्या की आदुशां4 सत्त्वों म (ह प्र स ह!तं ह।1 आदुशां4 ह सतांह, सत्या ह।

"म 1तं म्ह (बसं रेह या फिकी बा सभ जीन्म "वों 4(प्र) गेण ह!,1 जीन्म "वों4वों स ए Dह!1 याफि वों स भ एकी जीन्म "वों 4वों स

तं म फिकीस शांत्र की! अच्छे तंरेह समझेकीरे ह उस जी तं सकीतं ह!; उसकी नि कीट जी कीरे; औरे फि>रे उस थाकी -थाकी कीरे या

(निवोंकीनिसत ह!गे । इ की प्रभ वों

उसकी निछे हुई शांनि की! सम म कीरेकी ध रे -ध रे उस कीमज़ी!रे ब कीरे। ले!भ की तंMनिस ह! जी तं ह, औरे उस त्या गे या

निजीतं अनिधकी ह!गे , तं म्ह रे इच्छे शांनि उतं ह स निमतं ह! जी एगे ।

वोंस्त ओं की! ब Dट की आदुतं स जी तं जी सकीतं ह। क्रं!ध तं वों औरे सघ र्षों4की रिरेण म ह। क्रं!ध की कीई की रेण म (स एकी

बहुतं महत्वों ण" 4की रेण याH वों स ह।

शांनि की रू म(स भ!गे

"सभ !गे एकी शांनि ह जी! म ष्या की! ई सनिMrया की म ध्याम स अ की ब की निलेए प्ररि रेतं कीरेतं ह। आ दु उत् न्न कीरे!, सखो उत् न्न कीरे!, कीले , स निहत्या, निमत्रतं उत् न्न कीरे!। जी वों उत् न्न कीरे!। सभ !गे की आ दु ले!। आ दु वोंह शांनि ह जी! रेचौं त्मकीतं की! म गेदु4शां4 औरे प्ररि रेतं कीरेतं ह। सभ !गे वोंह ह्ले फिदु शांनि ह, जी! स्वोंया आ दु उत् न्न कीरेतं ह औरे स्वोंया उसकी अ भ वों कीरेतं ह।

"ले फिकी याह शांनि शांरे रे की की छे निवोंशांर्षों क्षा त्र तंकी ह स निमतं ह। ठ की वोंस ह जीस दुखो , स , चौंखो , सघ" आ शांनि या D भ शांरे रे की निवोंनिशांr अ गे स सब निधतं ह।1 हम इ अ गे की! हA निछे तं । जीबफिकी हम (निछे चौं निहए। जीब प्रदुशां 4, अथा तं4iउ की अत्यानिधकी

उ या!गे, म ष्या म (की रू तं की! उजी गेरे कीरेतं ह। ऐस म ष्या जी! अ इ फिद्रया रे की!ई नि यात्र ण हA रेखोतं , वोंह

कीहतं हूँ Dफिकी हम (निछे चौं निहए, तं! मरे अथा 4याह ह फिकी इ शांनि या की ण"4तं: म

अनिवोंश्वस या प्र ण ह!तं ह। याह उसकी वों स्तंनिवोंकी की रू तं की! प्रकीट कीरेतं ह। इसस भ अनिधकी, इ फिद्रया की अनि यानि त्रतं
उ या!गे दुस"रे की निलेए दुo खो औरे स्वोंया की निलेए औरे शांरे रे की निलेए (दु घकी4 ले म)(दुo खो की की रेण ब तं ह। इसनिलेए, याफिदु हम (याह लेगेतं ह फिकी हम सभ्या ह,1 तं! हम (उ अ गे की प्रदुशां 4 निछे चौं निहए जी! अनि यानि त्रतं अनितं म (निलेस्र ह!तं ह।1

"या इ फिद्रया Dशांरे रे-निस्थातं ह।1 इ इ फिद्रया स म की! जी! आ दु निमलेतं ह, वोंह एकी अ गे तंकी ह स निमतं

ह!तं ह। ले फिकी ऐस
आ दु औरे दुo खो भ ह!तं ह 1जी! म -निस्थातं ह!तं ह;1 सभ !गे, क्रं!ध औरे ले!भ ऐस ह म -निस्थातं भ वों ए Dह।1 या म ष्या की
जी वों की! अनितं म (निलेस्र कीरे की निलेए प्ररि रेतं कीरेतं ह,1 जीब तंकी फिकी म ष्या अ नि यात्र ण खो! हA

दुतं । याह निब ब्राकी की
ढंले रे उतंरे वों ले चौंक्रं की तंरेह की म कीरेतं ह। नि निश्चतं दुघ 4ट ; याह Dतंकी फिकी निवों शां; मत्Mया।
"इ तं अनितंया (ले!भ, की म औरे सभ !गे) म (स अ नितंम, अथा तं4iसभ !गे, की! गेलेतं तंरे की स की वोंले शांरे रे की

की छे निवोंशांर्षों
क्षा त्र म (निस्थातं म गेया ह, औरे उतं ह गेलेतं तंरे की स हम उन्ह (निछे तं ह।1 उन्ह (निछे की भ वों स हम उन्ह (उCट
महत्वों दुतं ह 1औरे उन्ह (स म निजीकी वोंजी4 ब दुतं ह।1 याह निबCकी ले गेलेतं ह। मझे इस समझे दु!। "हम

उन्ह (क्या निछे तं ह?1 हम उन्ह (सरे निक्षातं रेखो चौं हतं ह,1 क्या फिकी हम उन्ह (जी वों की निलेए अत्यातं

महत्वों ण" 4म तं ह।1
जी वों की ह! अत्यातं महत्वों ण" 4की या 4इ अ गे रे नि भ4रे कीरेतं ह।1 (याह उ की शांरे रे की नि की स म गे 4की रू म (उ या!गे की
अले वों ह।)

"इ म (स एकी की या 4जी वों की सबस महत्वों ण" 4भ"निमकी ओं म (स एकी की! रे" कीरेतं ह। याह जी वों की!

जी वों स > ले की
की या4ह, जीस एकी दु की स दुस"रे दु की की! जीले । एकी व्यनि अ की ब तं ह, औरे दुस"रे की! भ अ की ब म (सह यातं
कीरेतं ह।

"ले फिकी याह की या 4सभ जी वों की निलेए स म न्या ह, की वोंले म वों की निलेए निवोंशांर्षों हA। म वों एकी

निवोंशांर्षों प्रकी रे की जी वों
ह। की!ई अन्या जी वों इसकी सम हA ह। क्या ? क्या फिकी म ष्या ह एकीम त्र ऐस ह जी! म वों जी वों की! बढ़ की अले वों
जी वों की आ दु म (भ वोंनिMद्ध कीरेतं ह। कीले , सगे तं, कीनिवोंतं , स निहत्या, निचौंत्रकीले , वों स्तं कीले औरे

अन्या कीई रू की
म ध्याम स म वों की रेचौं त्मकीतं स्वोंया की! व्य कीरेतं ह। रे म याण औरे मह भ रेतं जीस मह की व्य म वों की आ दु
उत् न्न कीरे की इच्छे औरे प्रया स की निब की स उत् न्न ह!तं ?

"निजीस प्रकी रे जी वों स जी वों की उत् नि ह!तं ह, उस प्रकी रे आ दु की उत् नि भ सभ !गे की शांनि स ह!तं ह। तंत्र की दुनि या

जीब तं म
इस रे निवोंचौं रे कीरे!गे- तं! तं म दुखो !गे फिकी म वों सम जी, सस् कीMनितं औरे भनिवोंष्या की फिद्वया की निलेए याह शांनि की वोंले म वों

"दुखो !, म वों जीगेतं की निलेए सभ !गे फिकीतं महत्वों ण" 4ह। निब सभ !गे की , निब निद्वीध (आह्वों), अभ्या स (अ शां स), प्रया!गे (अ प्र या!गे) औरे भ!गे (ण"4तं) की , जी! ह्ले फिदु (अथा तं4isभ !गे या की डीनिले शांनि) ह, म ष्या की जी वों की की!ई उद्दी श्या हA ह। जी वों की! फिदुए गेए रू म (आ दु ले!; की डीनिले की कीM की आह्वों कीरे!। म ष्या की दुo खो की! निमट की निलेए आ दु > ले ओ।

"जीस ले!भ म ष्या की! भ!जी की ओरे आकीर्पिर्षोतं कीरेतं ह औरे उसकी मC"या स भटकी तं ह; जीस क्रं!ध या की म प्रनितंशां!ध की ओरे आकीर्पिर्षोतं कीरेतं ह, या म ष्या की म निसकी शां नितं की! भ गे कीरेकी उस बरे ई की निवोंरे!ध म (खोड़ा ह! की महत्वों स भटकी तं ह – या दु! , ले!भ औरे की म, म ष्या की निवोंकी स की निलेए सबस बड़ा शांत्र ह।1"

क्या निछे ए ?

"इस प्रकी रे, जीब तंकी म ष्या जी वों म (सभ !गे की वों स्तंनिवोंकी भ"निमकी की! हA समझेतं , तंब तंकी सभ !गे म ष्या की तं सबस बड़ा शांत्र ओं म (स एकी ब सकीतं ह। सभ !गे की शांनि , ह्ले फिदु , की! सभ रेचौं त्मकी प्ररे ण ओं, प्ररे ण , उCले स औरे आ दु की स्रो!तं की रू म (स्वों की रे कीरे की बजी या, ले!गे मखो"तं4 "ण 4ढं गे स इस शांरे रे की की छे निवोंशांर्षों अ गे तंकी स नि दुतं ह 1औरे उ अ गे स निचौं की जी तं ह।1 ऐस कीरेतं समया वों अत्यानिधकी अ रे धब!ध महस"स कीरेतं ह 1औरे इस गेलेतं समझे गेए औरे गेलेतं इस्तं म ले फिकीए गेए आ दु की! निछे की की!निशांशां कीरेतं ह।1

"आ दु निछे की निलेए हA ह। आ दु अनिभव्यनि की निलेए ह। आ दु ब Dट की निलेए ह। आ दु ब Dट स बढ़तं ह औरे ढ़ दुरे ढ़ प्रस रिरेतं ह!तं रेहतं ह। ले फिकी जीस भ!जी की मC"या ले लेचौं औरे ब म रे की की रेण r ह! जी तं ह, आत्म-सरे क्षाण क्रं!ध, लेड़ा ई औरे ड़ा म (बदुले जी तं ह, वोंस ह सभ !गे की इस अद्भुभतं अ भ वों की! अ गे की प्रनितं वों स औरे शां रे रिरेकी भ!गे म (उलेझे फिदुया गेया ह। याह प्रम स रे" तंरेह स कीट गेया ह, जीबफिकी प्रम ऐस भ वों हA ह निजीस निछे जी ए। याह उस रेचौं त्मकी प्ररे ण स भ कीट गेया ह, जी! सभ इ फिद्रया की ण"4 नि छों की म Dगे कीरेतं ह।

"याह की रेण ह फिकी म ष्या इस दुरु या!गे की निजीम्म दु रे स बचौं की निलेए इस दु Ôकी छे रेखो चौं हतं ह, औरे हरे चौं ज़ की! निछे कीरे, ढंDकीकीरे रेखो चौं हतं ह। इस तंथा कीनिथातं सभ !गे की! निछे की याह ब वोंट प्रवोंMनि म ष्या म (व्य स बरे ई की ठ!स प्रम ण ह। म ष्या अ ह गेलेतं आचौंरेण स स्वोंया की! उस स्वोंगे 4स ब हरे नि की ले फिदुया ह, निजीसकी उरे निधकी रे

उस जी वों -वोंक्षीMडीनिले , फिदुया था।

"जी वों की सजीM

एकी बहुतं ह दुदु 4 की प्रफिक्रंया ह, निवोंशांर्षों कीरे म Dकी निलेए। याह इतं की!rदु याकी ह फिकी याफिदु इसम (की!ई अत्यातं म!हकी रे स्की रे औरे प्रले!भ जी!ड़ा गेया ह!तं , तं! म ष्या कीभ भ सतं उत् न्न कीरे की स हस हA कीरेतं। इसनिलेए सभ !गे एकी ऐस शांनि ह जी! म ष्या की! शांरे रे म (सबस उच्चीतंम आ दु दुतं ह। इस आ दु की अ भ वों कीरे की निलेए म ष्या सभ !गे की ओरे आकीर्पिर्षोतं ह!तं ह, ह ले Dफिकी अ तंतंo याह ड़ा की! भ बढ़ तं ह। जी वों सखो औरे दुo खो की लेयाबद्ध कीनिवोंतं ह।

"चौंफि"Dकी सजीM म (आ दु ह, इसनिलेए म ष्या जी वों म (ड़ा की! सह की स हस कीरेतं ह। ड़ा की आशां की की ब वोंजीदु" इस आ दु की तंले शां कीरेतं ह;1 याह आ दु इतं गेह ह। याह क्रं!ध की स्रो!तं ह; याह ले!भ की स्रो!तं ह; याह हम रे सभ शां द्धमां

[illegible]

दुनि"र्षोतं ह! जी तं ह, तं! हम इसकी दुरु या!गे औरे अनितं उ या!गे कीरेतं ह,1 जीस की!ई बच्ची निमश्रे की दुरु या!गे कीरेतं ह। इसस
ब म रे ह!तं ह।

"इस सभ !गे शांनि की अनि यानि त्रतं उ या!गे व्यनि की! ब म रे महस"स कीरे तं ह। ब म रे अवोंस्था म (वोंह जी! की छे भ कीरेतं ह, वोंह निवोंकीMतं ह! जी तं ह। इच्छे शांनि ब!निझेले ह! जी तं ह औरे की म ब जी तं ह; गेनितंशां लेतं प्रभ त्वों ब जी तं ह; प्रम वों स ब जी तं ह; औरे अ ततं० आ दु ड़ा म (बदुले जी तं ह। याह अत्यातं दुखो दु ह फिकी दुरु या!गे स दुनि"र्षोतं ह!कीरे वोंह रेचौं त्मकी स रे औरे वोंह आ दु, जी! सजीM स निमले चौं निहए था , क्रं!ध, दु० खो, ड़ा , शांत्र तं , सघ र्षों4औरे तं वों स अनिभभ"तं ह! जी तं ह।

"इसनिलेए म 1 कीह फिकी हम (इस शांनि की! निशांनिक्षातं औरे प्रनिशांनिक्षातं कीरे चौं निहए। हम (इ क्षा त्र स रिरेनिचौंतं ह! चौं जीस हम (उच्ची वों!Cट जी स दुरे" रेह की निलेए कीह जी तं ह, वोंस ह हम (इ क्षा त्र स भ दुरे" रेह की निलेए कीह जी तं ह। अत्यानिधकी तं या रे औरे सवोंÁम प्रनिशांक्षाण की स था ह हम इसस वोंह रे स्की रे प्र प्त कीरे सकीतं ह,1 जी! इस जी वों म (ले की निलेए म गेया ह।
"याह की रेण ह फिकी सख्तं नि गेरे म (हम (इ क्षा त्र स रिरेनिचौंतं कीरे या जी चौं निहए। या वों निवोंत्र औरे फिदुव्य क्षा त्र ह 1 की मकी क्षा त्र कीह जी तं ह। हम इ क्षा त्र की! म तं Mशांनि की आस म तं ह।1 या हम रे निलेए आ दु औरे फिदुव्यतं की तं थास्4थाले ब जी तं ह।1 हम इ क्षा त्र की स जी औरे उन्ह (अ निशांक्षा औरे आ दु की उच्ची कीरेण की निलेए उ या!गे कीरे म (कीभ भ गेदु गे , या अ रे धब!ध महस"स हA कीरेतं ।
"कीई ले!गे इ क्षा त्र की! की क्षा त्र म तं ह।1 ह – ले!भ, वों स , क्रं!ध, तं वों। ह – वों स , नि कीMrतं , क्रं"रेतं औरे सबस बढ़कीरे दुस"रे की भ वों ओं की प्रनितं असवों दु शां लेतं । याह सब गेलेतं समझे गेए, गेलेतं सभ ले गेए सभ !गे की शांनि की रिरेण म ह।1

"याह की रेण ह, मरे बट , फिकी म 1तं म्ह (इ क्षा त्र स रिरेनिचौंतं कीरे तं हूँ;D फिकी म 1तं म्ह (अ स था बठ तं हूँ Dऔरे तं म्ह (त्वोंचौं की स की4 कीरे दुतं हूँ;D फिकी मरे शांरे रे रे औरे तं म्ह रे शांरे रे रे या क्षा त्र सबस नि कीटतंम स् शां4 म (आतं ह।1
"हम इसकी ब रे म (की छे हA स!चौंतं , फि>रे भ रे" तंरेह एकी ग्रे रेहतं ह।1 याह उस तंरेह ह जीस गेमÂ की स की4 म (आकीरे ह गेमÂ की! सह की शांनि प्र प्त कीरे ले तं ह, जीस हरे रेस!इया बतं एगे । निजीस व्यनि की जीन्म ध्रु वों या क्षा त्र म (या निहम लेया की ऊDचौं इया म (हुआ ह, वोंह फिदुसब रे म (भ वों रे णस म (नि वोंस्त्र4 रेह सकीतं ह; ले फिकी हम हA रेह सकीतं । हम जी " की निडीग्रे तंकी की गेमÂ सह कीरे सकीतं ह,1 ले फिकी वोंह निहम लेया की व्यनि ह ट स्Å!की स मरे जी एगे ।
"निजीस प्रकी रे शांरे रे की! अ की "निलेतं फिकीया जी सकीतं ह, उस प्रकी रे म की! भ शांरे रे की उ क्षा त्र स अ की "निलेतं फिकीया सकीतं ह, जी! तं म्ह रे आध्या नित्मकी सरे क्षा कीवोंचौं की! तं!ड़ा म (सबस अनिधकी सक्षाम ह।1"

तंनि त्रकी जीगेतं

"फि>रे ऐस रेस् रे जीड़ा हुए आस की एकी औरे अनिधकी गेभ रे हले" ह। म 1अभ तंकी म औरे म निसकी दुनिMrकी!ण की निशांक्षा की ब रे म (बतं रेह था । अब म 1तं म्ह (इसस भ गेहरे निवोंर्षोंया की ब रे म (बतं जी रेह हूँ।D इस हम रेहस्यामया (esoteric) कीहतं ह।1 याह की वोंले आध्या नित्मकी व्यनि त्वों स सब निधतं ह।

"समया की स था, और अ भ वों एवों अभ्या स की द्वी रे , तं म इस रेहस्या की ब रे म (ध रे -ध रे , और अनिधकी, और गेहरे ई स स खो!गे। स ध म (याह रेहस्या ण"4 ह। याह ज्या दु समझे या!ग्या हA ह। इस अ भ वों कीरे ह!तं ह। ब दु म (तं म्ह (इसकी स ध अ भ वों ह!गे । याह ज्ञा प्रत्याक्षा वोंगेमम i(प्रत्याक्षा अ भ वों द्वी रे) ह। फि>रे भ म 1इसकी था!ड़ा स् r कीरेण दुगेD" , तं फिकी तं म याह समझे!—और ऐस स!चौं खोतंरे की और भ्र मकी ह! सकीतं ह— फिकी याह स रे तं या रे की वोंले म निसकी ह। ऐस हA ह।

"या!गे की सब ध आत्म की शां द्धतं की एहस स स ह, जी! म निसकी जीगेतं की! सम स्र कीरेकी प्र स्र ह!तं ह। एकी ग्रेतं ह चौंतं की! म स म कीरेतं ह। एकी ग्रेतं की क्षामतं शांरे रे की स "ण 4 ड़ा -शांनि की! सम ट रे नि भ4रे कीरेतं ह। निड़ाया और ड़ा -की(द्र की बहुतं बड़ा या!गेदु ह हम रे अहकी रे की! एकी लिंबदु रे की(फिद्रतं कीरे म,(और फि>रे उस अनिस्तंत्वों स निमट म।(अहकी रे सवोंÁच्ची बनिले ह, जी! शां द्ध आध्या नित्मकी अवोंस्था की! प्र स्र कीरे की निलेए दु जी सकीतं ह।
" ड़ा -शांरे रे म (निवोंनिशांr फिक्रंया ओं की की(द्र ह!तं ह।1 इन्ह (ग्रेनि था (ग्लेड्1स) कीह जी तं ह। की छे ग्रेनि थाया की! हचौं गेया ले फिकी की छे अभ तंकी अज्ञा तं ह।1 चौं म (शांरे रे की ब म रिरेया और म निसकी निवोंकी रे की! ठ की कीरे की एकी अद्भुभतं ह, निजीसम (त्वोंचौं की की छे सट की लिंबदुओं रे सइ या Dचौंभ !ई जी तं ह।1 याह Dतंकी फिकी चौंतं और जी गेरूकीतं की! भ रे सइ या Dलेगे कीरे शां"न्या या नि निष्क्रंया फिकीया जी सकीतं ह। ऐस सइ या की प्रया!गे स बड़ा शांCयानिचौंफिकीत्स ए Dभ

की छे लिंबदुओं
की गेई ह।1

"याह फिदुखो तं ह फिकी हम रे या!निगेकी द्धनितं की! इ ड़ा -की(द्र की ब रे म (जी की रे था । निड़ाया Dशांरे रे की सबस कीम गेए तं त्र म (स एकी ह।1 निश्चम निचौंफिकीत्स निवोंज्ञा की निवोंनिधया स अभ तंकी ड़ा -व्यनि त्वों की! समझे हA गेया ह। प्र समया म (ऐस ले!गे भ इस थ्Mवों रे रेहतं था जी! निब बह !शां (ए स्था निसया) की मनिस्तंष्की की शांCयानिचौंफिकीत्स कीरेतं स श्रे तं-स निहतं (भ रेतं या शांCयानिचौंफिकीत्स ग्रेथा) द्ध!। दुनिक्षाण और मध्या अमरि रेकी म (भ इस अनिवोंश्वस या रेहस्या की ज्ञा प्र चौं सभ्यातं ओं की! था ।

"शांरे रे म ('दुह लिंबदु' (Burning Spots), जी गेरूकीतं की लिंबदु, और सप्त शांनि या की क्षा त्र ह!तं ह,1 निजीन्ह

(जी ग्रेतं और सफिक्रंया
कीरे ह्यातं ह। याह एकी प्रकी रे स शांनि -ध रे की! 'निस्वोंचौं ऑ ' कीरे जीस ह। इ आस की म ध्याम स इ
शांनि -लिंबदुओं
की! सफिक्रंया फिकीया जी तं ह। अभ की निलेए इतं जी ह या 4स्र ह। "समया की स था तं म इसकी ब रे म

(और अनिधकी जी !गे। इसम (तं! शांर्मिमदु ह! की ब तं ह और ह उ निजीतं ह! की ।
तुं म्ह (याह ले भ ह फिकी तं म इस अ म सनि"मयातं की समया म (ह स खो रेह ह!। अन्या ले!गे, जी! इस रेहस्या की!
रिरे क्तं की ब दु जी शां रू कीरेतं ह,1 निवोंशांर्षों रू स तंब जीब वों हले ह सभ !गे क्षा त्र की स था अ नि चौंतं

व्यवोंह रे कीरे चौंकी
ह!तं ह,1 उ की निलेए याह म गे 4कीरिठ ह! जी तं ह। निचौंत्र हमशां एकी स > की वों स रे ह अच्छे ब तं ह।1 ऐस
म , जी! हले
स ह अजी ब कीC ओं, म निसकी भ्र नितंया , और अ ह इच्छे ओं स उत् न्न नि ष्कीर्षों' स भरे ह!तं ह,1 उ की

"तं! दुखो !, फिकीस की या 4म (स>लेतं प्र स्र कीरे की निलेए सबस उ या मद्र (आस) अ फिकीतं महत्वों ण"
निलेए सह
4ह। वों स्तंवों म (फिकीस की या 4म (स>लेतं की > हदु तंकी इस रे नि भ4रे कीरेतं ह फिकी सबस उ या आस
रे स्तं रे ब रेह बहुतं कीरिठ ह! जी तं ह।
मे रू गेया ह या हA। एकी

गेलेतं आस स>लेतं स वोंनि चौंतं कीरे सकीतं ह। याह सचौं ह। याह गेभ रे निवोंकीMनितंया और ब म रिरेया की की रेण भ ब सकीतं
ह।

"ले फिकी सह आस की चौंया कीरे और उस अ कीरिठ ह!तं ह। याह असभ वों हA ह, ले फिकी याह कीरिठ ह।

वों स्तंवों
म (याह बहुतं कीरिठ ह। जी वों बहुतं छे!ट ह। हरे चौं ज़ी की! की वोंले व्यनि गेतं प्रया स स जी और खो!जी की
निलिए था 4तं
समया हA ह। हम (दुस"रे की अ भ वों और उ की द्वी रे छे!ड़ा गेई की छे म गेदु4र्पिशांकी ओं रे नि भ4रे कीरे ड़ातं

ह। "की छे ले!गे फिकीतं ब (ढ़कीरे म गेदु4शां4 दुतं ह,1 ले फिकी उ की स की!ई व्यनि गेतं अ भ वों हA ह!तं । ऐस

दुस"रे ह था की स्रो!तं
बहुतं खोतंरे की ह!तं ह 1और की वोंले समया की बब 4दु कीरे तं ह।1 ले फिकी की छे ले!गे स ध अ अ भ वों स ब!
लेत ह।1 की वोंले वों
ह गेरु ह! सकीतं ह।1 उ म (स कीई शां यादु एकी भ छे हुई नि हA ढ़ ह!गे , फि>रे भ वों मह आचौं या 4ह!

तं ह।1
क्या ? क्या फिकी उ की स अ भ वों ह!तं ह।
"ले!गे अक्सरे गेलेतं स स!चौंतं ह 1फिकी गेरु वोंह आध्या नित्मकी निशांक्षाकी ह!तं ह जी! दुस"रे की! स्वोंगे 4या रेकी

तंकी ले जी की
एकी निधकी रे रेखोतं ह। याह गेरु की ब रे म (एकी गेलेतं ध रेण ह। गेरु सबस अ तंरे गे स भ अनिधकी अ तंरे गे ह!
तं ह; वोंह तं म्ह रे
भ तंरे अनिस्तंत्वों की सबस नि कीटतंम ह!तं ह, उसस भ अनिधकी निजीस तं म सबस अनिधकी प्रम या आदुरे कीरेतं

ह!; वोंह
तं म्ह रे स रे स नि स भ अनिधकी मC"यावों ह!तं ह, याह Dतंकी फिकी उसस भ निजीस तं म की कीC
कीरेतं ह!। निशोष्या
की निलिए उसकी शांनि सबस अनिधकी प्रभ वोंशां ले , सबस अनिधकी महत्वों की और सबस अनिधकी गेनितंशां ले ह!

तं ह।
कीतं 4दुवों तं , ले कीतं 4दुवों तं , सह रेकीतं 4दुवों तं ; ले फिकी तं म्ह रे स तं म्ह रे
"निवोंगेौं रे नि रे ह! फिकी वोंह तं म्ह (क्या निताम निधकी कीरेत ह! एकी गेरु(आध्या नित्मकी स, की! निशांकी रेम्ह (तं म्ह रे ह; ले फिकी उ
उस तं म्ह (फिदुया ह, वोंह तंब तंकी चौं हA निगेरेतं जीब तंकी तं म स्वोंया उस निगेरे दु!।
ह 1और की वोंले उसकी
म गेदु4शां4 म कीं म्ह रे ह! सकीतं ह।1 और या ब भ वों वेस दुनिMर की म ध्याम ब प्र म ह!तं ह 1जी! आDखो स हA
दुनिया दुसरे की नि क्रियाओं का सम्बन्ध तं म जी तं ह! फिकीतं म्ह रे म Dमरे निलिए खो की ,
सह जी!की ध और म निजीतं , सध स्वों (दुजी ! जी तं स हA चौंखो जीसा, एस ज्ञ और व्यनिक्ति रे D की निलिए तं या रे ह।1 इस
तंरेह तं म्ह रे नि तं , अ मह आत्म की nobility की स था, कीई म मले म (मरे आ तंरिरेकी गेरु रेह ह।1 क्या तं म कीभ
ह!तं ।
अ नि तं की आध्या नित्मकीतं की वों स्तंनिवोंकी प्रकीMनितं की! समझे ह? वोंह तं म्ह रे बहुतं नि कीट ह,1 इसनिलिए तं म उ की
इसकी ब रे म (की!ई शांब्द ब तं हA कीरे सकीतं ; की!ई स म इस समट हA सकीतं । मत्Mया इस सम स्त हA कीरे
सकीतं ; कीमंया नि हA तं
इस रे हA कीरे सकीतं ; इस म हA जी सकीतं ; इस आ की हA जी सकीतं । "म 1याह सभ गेरु ओं की ब रे म

(कीह रेह हूँ।D की वोंले तं म्ह (याह स्वों की रे कीरे ह!गे फिकी उ की द्वी रे दु गेई निशांक्षा ओं की महत्वों
क्या ह। निशांष्या गेरु स भ अनिधकी प्र प्त कीरे सकीतं ह। कीई छे त्र अ निशांक्षाकी स कीहA अनिधकी जी वों म
(उ लेनिब्ध प्र प्त कीरेतं
ह!। ले फिकी फि>रे भ गेरु गेरु ह रेहतं ह।

"तं म 'स!चौंतं ' ह! दुवों तं ओं की ब रे म:(सजीM

"जीस याशां!दु म Dकीभ कीMष्ण की फिदुव्यतं की! हA समझे सकीĐ औरे उन्ह (स ध रेण ब लेकी की तंरेह अ शां स निसखो की निलेए दुनि डीतं भ कीरेतं थाA, वोंस ह हम भ अ नि कीटवोंतंÂ मह तं की! अक्सरे ज़ीरेअदु ज़ी कीरे दुतं ह।1 याह स्वों भ निवोंकी ह
फिकी जीब मह तं बहुतं नि कीट ह!तं ह, तं! हम उस महत्वों हA दुतं ।

"तं म्ह (तं ह, याहूँफिदुया मकी दुशां की ले!गे जीब स्वोंगे 4स आ वों ले एकी तं की प्रतं क्षा कीरे रेह था, उस

समया उ की ब चौं
एकी स्ावों व्यनि था , जी! बहुतं स ध रेण रिरेनिस्थानितंया म (दु हुआ औरे बड़ा हुआ। उस उन्ह (कीई अच्छे ब तं (बतं ई।
ले फिकी क्या फिकी वोंह उ की बहुतं नि कीट था , उन्ह उस महत्वों हA फिदुया , उसकी मजी की उड़ा या ।

"उसकी निशांक्षा ओं की निवोंरे!ध हुआ क्या फिकी वोंह 'धमशां4 स्त्र की डी²क्टरे ' म (स हA था । उन्ह उस चौं

समझे , उसकी
ठ ह स फिकीया, याह Dतंकी फिकी उस झे"ठ आरे! म (>Dस कीरे क्रं²स रे लेटकी फिदुया गेया । ले फिकी उसकी निशांक्षा ओं की! दुब या
हA जी सकी । उसकी आवों ज़ी समया औरे स्था की स म ओं की! ले Dघ गेई औरे दुनि या भरे म (गेजी"D लेगे ।

"इस प्रकी रे तं म्ह रे नि तं भ अत्यातं सरेले ह;1 उ की जी वों नि स्वों था4 ह; वों निब फिकीस भ दुभ वों की ले!गे

स प्रम कीरेतं ह।1
याह सबस बड़ा आध्या नित्मकी शांनि ह— नि स्वों था4 प्रम । ऐस प्रम जी! निब फिकीस स्वों था4 या उद्दी श्या की ह!, वोंह सबस बड़ी
चौंमत्की रे ह। ले फिकी हम अक्सरे फिकीस फिकीस स्वों था4 की निब प्रम कीरे म (असमथा 4ह!तं ह।1 "इस

प्रकी रे तं म्ह रे नि तं की! दुरे" स दुखो कीरे म 1 अ की गेण स खो ह।1 इसस मझे इस दुo खोमया सस रे की! सह

कीरे औरे
इसकी भ तंरे की ण"4तं की! खो!जी औरे उसकी आ दु ले की शांनि निमले ह। सबस मह या!गे वोंह ह जी! चौं रे औरे की
दुo खो की ब चौं भ गे सकीतं ह। एकी या!गे हजी रे बध की ब चौं भ स्वोंतं त्र महस"स कीरेतं ह। वोंह जी वों की

आ दु म (डी"बतं
ह, ले फिकी कीभ भ म!ह म (हA >Dसतं ।
"याह एकी मह ठ ह, मरे बट ; औरे इसस हले फिकी तं म इस रे" तंरेह आत्मस तं कीरे सकी!, मझे याकी ह,

मझे इस कीई
ब रे ह!हरे ठ कीरेतं ड़ा गे । याह की रेण ह फिकी हम भजी गे तं ह,1 तं था 4या त्र कीरेतं ह,1 रे म याण औरे मह भ रेतं की

ह।1"

भ रेवों

"मरे औरे भ गेरु ह।1 म 1उन्ह (सम्म जी की दुरे" स दुखो तं हूँ।D ले फिकी म 1उन्ह (स्वों की रे कीरेतं हूँ Dऔरे उ स स खोतं हूँ।D
उदु हरेण की निलेए, गे!लिंवोंदु नि डीतं, तं म्ह रे चौं चौं । हरे की!ई उ स डीरेतं ह। वोंह जी दुगे"रे ह,1 अघ!रे भ रेवों, प्रचौं डी तं नित्रकी।

इसम (कीई यद्ध ह हA फिकी उ की रू भयाकी रे ह, उ की वों ण कीठ!रे ह; ले फिकी जीब डी²क्टरे उ लेब्ध हA ह!तं , तंत्र की दुनि या

तंब वों सबस बड़ा औरे सबस दुया ले निचौंफिकीत्सकी ह!तं ह।1 प्ले गे, हजी , चौंचौं की जीस निवों शांकी रे मह म रिरेया की समया, जीब मत्Mया- क्रं दु वों तं वोंरेण की! चौं रेतं ह, तं म दुखो !गे फिकी याह बढ़" आदुम घरे-घरे, निबस्तंरे-निबस्तंरे रे नि डीरेतं स, अ वोंरेतं, निब बले ए चौंलेतं ह औरे अ दुवों इया Dब Dटतं ह। या गे!

"म 1सकी ड़ा गेरु ओं की सचौं" ब सकीतं हूँ।D की!ई भ गेरु निवोंशांर्षों या 'की वोंले एकी' गेरु हA ह!तं। एकी ब रे जीब तं म फिकीस
की! गेरु की रू म (चौं निलेया , तं! वोंह जी वों भरे तं म्ह रे गेरु रेहतं ह। जीब भ की!ई समस्या ह!, उसकी स जी ओ। वोंह स्वोंया तं म्ह (निवोंशांर्षों ज्ञा की स भ जीगे , याफिदु और जीब निवोंशांर्षों ज्ञा की आवोंश्याकीतं ह!गे। वोंह याह जी तं ह!गे। उस रे नि भ4रे रेह!। तं म एकी स था कीई प्रम हA कीरे सकीतं।"
वोंह और भ बहुतं की छे कीहतं , ले फिकी उस मरे आDखो म (की छे दुखो कीरे रुकी गेई और उसकी चौंह रे रे एकी
की!मले मस् की
आ गेई। "ले फिकी जीस म 1 कीह था , तं म फिकीस स प्रम कीरे सकीतं ह!। तं म मझे स प्रम कीरेतं ह!। म 1भ तं मस प्रम कीरेतं हूँ।D
ऐस ण"4 प्रम आत्म म (निवोंश्व स उत् न्न कीरेतं ह। याह एकी रेस् रिरेकी निवोंश्व स ह। प्रम शां द्ध कीरेतं ह,
अ शां स निसखो तं
ह, सद्ध शां लेतं , सम या!जी , स हस और स झेदु रे निसखो तं ह। की वोंले एकी गेरु स ऐस प्रम फिकीया जी सकीतं ह। ऐस प्रम
नि रे की रे ह!तं ह। याह प्रम इस सस रे की निलेए हA, बनिCकी फिकीस और सस रे की निलेए ह!तं ह।
"ले फिकी इसकी मतंलेब याह हA ह फिकी जी वों की मह ठ की! कीई स्रो!तं स हA स खो जी सकीतं। ऐस
कीठ!रेतं या!गे
की निवों रे तं ह!तं ह। एकी सच्ची या!गे सहजी और उदु रे ह!तं ह; वोंह फिकीस भ स्रो!तं स अच्छे ई की! निवों ग्रतं वों"की4 स्वों की रे
कीरेतं ह। एकी सच्ची या!गे कीमले की तंरेह निखोलेतं ह, प्रकी शां और जी वों की अमतंM की! ग्रेहण कीरे की
निलेए; और जीब वोंह
चौं ह, कीछे ए की तंरेह अ इ फिद्रया की! सम ट ले तं ह।
"या दु रेखो , इ फिद्रया की! जी ग्रेतं रेखो चौं निहए। तं म वोंह सब ह की गेले आदुम स ह!गे , जी! भ!रे म
(निचौंCले तं ह
'चौंतं ! चौंतं ! चौंतं !' (जी गे!, जी गे!, जी गे!)। इ फिद्रया की! जी ग्रेतं रेखो!, ले फिकी उ म (निलेप्त मतं ह!। इस तंरेह तं म कीई गेरु ओं की!
दुखो !गे और निमले!गे। तं म गेरु दु त्र या, मह भरे वों की! या दु कीरेतं ह!, ह ?" "ह ,D" म 1 कीह , "वोंह जी! वोंरुण
की श्मशां भ"निम म (ह। मझे उसकी मफि दुरे या दु ह। आ मझे वोंह D ले गेए था। " "तंब तं म अवोंश्या ह उसकी
मफि दुरे की दु वों रे रे निचौंनित्रतं निवोंनिभन्न शां -आकीMनितंया की! दुखो ह!गे। उस सभ जी वोंरे , (वों म-म गे 4की
Hध और याक्ष Dतंकी फिकी प्रकीMनितं की तंत्वों स भ स खो था। याह ण"4 भ रेवों की म गे 4ह, वों म-म र्पिगेया
अ या नियाया) की म गे 4ह। याह मह या की म गे 4ह। तं त्र इस म गे 4की जी" कीरेतं ह। इन्ह (अघ!रे भ कीह
जी तं ह, जी!
प्रकीMनितं और अनितं-प्र कीMनितंकी शांनि या स स की4 ब ए रेखोतं ह।1 गे!लिंवोंदु नि डीतं भ उ म (स एकी ह।1"
"और आ ...," म 1 स वोंध स जी!ड़ा। फि>रे वोंह की!मले मस् की उसकी चौंह रे रे छे गेई। उस अ मले याम
ह था मरे निसरे रे रेखो और रे ढ़ की हÄ की स था
चौं की ओरे > रे। "कीH ? म?1 अघ!रे ? हA, अभ हA। मनि कीर्पिणकी की तं म्ह रे मHस मझे स कीहA ह!। याह मिनतं प्र स कीरे म (ले ब समया और कीरि!ड़ स ध लेगेतं ह। एकी समया आएगे जीब तं म्ह (भ इसकी
एहस स
ह!गे। कीभ भ फिकीस अघ!रे की! उसकी निवोंनिचौंत्र तंरे की की की रेण तं च्छे मतं समझे ।

"ऐस अघ!रे की गेरु हरे जीगेह हा!तं हा।1 की वोंले सह निशांष्या औरे दु निक्षातं व्यनि ह उ की मह तं की! हचौं सकीतं हा। याह बहुतं भ्र मकी औरे अ नि चौंतं ह फिकी फिकीस व्यनि की मC"या की उसकी ब ह्रे आचौंरेण स फिकीया जी ए, निवोंशांर्षों रू स जी आध्या नित्मकी जी वों की न्या या फिकीया जी रेह ह!।"

"गेरु निसखो तं ह;1 वों ज्ञा की अमरे निवोंरे सतं स; तं ह,1 ले फिकी हमशां सह व्यनि की!, सह समया रे। याह वों स्तंनिवोंकीतं की व्य वोंह रिरेकी ज्ञा ह, जी! अ भ वों की म ध्याम स प्र स्न ह!तं ह। इस प्र स्न कीरे की ब दु औरे की छे प्र स्न कीरे की आवोंश्याकीतं हA रेहतं।

"याह रेम सत्या ह। निशांवोंम,i आ दुम;i स्वोंतं त्रतं की आ दु। याह एकी शांनि ह जी! ऊ रे उठ तं ह, रे कीरेतं ह। एकी ब रे इस शांनि की अ भ वों ह! जी ए, तं! म ष्या निब फिकीस भ दुभ वों की सभ स प्रम कीरे सकीतं ह। "

आस एकी ब रे फि>रे

"औरे ऐस अभ्या स औरे कीठ!रे स ध ओं की निलेए ह या आस ब ए गेए था। या अघ!रे आस फिकीस एकी व्यनि या एकी द्धनितं स हA आए ह।1 या फिकीस एकी सम दु या या एकी समया स भ हA आए। तं म दुखो !गे फिकी इस प्र चौं ज्ञा रे अनिधकी शां ग्रेथा बहुतं ब दु म (निलेखो गेए ह 1औरे वोंह भ सबस गेढ़" औरे रेहस्यामया भ र्षों म।(इन्ह (तं त्र कीह जी तं ह, जी! 'सत्र' की रू म (दुजी 4ह।1 निजीस प्रकी रे रे शांम या की स की गेच् छे स ध गे नि कीलेतं ह, वोंस ह रे रे की मह स गेरे स सत्या नि कीलेतं ह औरे आ वों ले यागे तंकी हुचौंDतं ह। याह सत्र" ले ब औरे अखोडी ह; या रेहस्यामया औरे व्य वोंह रिरेकी दु! ह।1 'निवोंचौं रे की डी!रे', 'मकीड़ा की जी ले की डी!रे' की तंरेह, इन्हA सत्र" की ध गे स तं त्र की जी ले ब गेया ह।

"सत्र" दुरे सत्र" एकी रे" तं -ब ब गेया ह निजीसस आस की प्रभ वोंकी रिरेतं की निवोंस्तं रे फिकीया जी सकी। फिकीस की! ले ब समया तंकी ध्या की निलेए बठ स हले एकी अच्छे औरे प्रभ वों आस अ चौं निहए। ले फिकी वों आस की तं ह,1 की वोंले स्वों स्थ्या निचौंफिकीत्स की निलेए या उ अहकी रे

निवोंनिवोंधतं ए,D जी! ले!गे व्य वोंस नियाकी स् तंकी म (निचौंत्र की स था दुखो ले!गे की निलेए ह 1जी! ध्या औरे एकी ग्रेतं की निलेए एकी आस रे स्तं खो!जी रेह ह।1 की!ई आस रे स्तं हA ह।
"इसकी अले वों, ऐस स् तंकी-ज्ञा जी! आध्या नित्मकी क्लेब, ध्या की(द्र आफिदु की प्रस रे की! प्र!त्स निहतं कीरेतं ह,1 याफिदु उन्ह (सच्ची निवोंशांर्षों ज्ञा द्वी रे सचौं निलेतं हA फिकीया जी तं औरे की वोंले गेभ रे औरे वों स्तंनिवोंकी स धकी द्वी रे ह भ गे निलेया जी तं! वों तं वों की एकी औरे स्रो!तं ब सकीतं ह।1 आध्या नित्मकी स ध म (की!ई ' की जी डी ले' हA ह!तं, ह की!ई ' !टÔबले आध्या नित्मकी अ भ वों' ह!तं ह। ऐस सतंह भ गे दु रे हले स ह >"ले हुए अहकी रे की! औरे बढ़ सकीतं ह।
"वों स्तंवों म,(एकी या दु! आस ह एकी वों गे तं की की निलेए प्र रे भ म (या 4स्न ह।1 याह आस गेरु द्वी रे निशांष्या की ण"4 नि दु उसकी सहजी स्वों कीMनितं की अ स रे चौं जी चौं निहए। अ वोंश्याकी कीठ!रेतं औरे ब ध्याकी रे अ शां स शां नितं प्र निस्न म (ब धकी ह।1

"एकी ट इनि स्ट की! दुखो

!। उस मशां रे ले ब समया तंकी बठ ड़ातं ह, इसनिलेए वोंह अ स ट की! बहुतं स वोंध स सम या!निजीतं कीरेतं ह। याफिदु वोंह ऐस हA कीरेतं, तं! की वोंले उसकी प्रदुशां 4 प्रभ निवोंतं ह!गे, बनिCकी उसकी दुनिMr की! कीस ह!गे, उसकी रे ढ़ म (दुदु 4ह!गे, औरे अ तंतंo वोंह तं नित्रकी निवोंकी रे औरे गेरिठया की निशांकी रे ह! सकीतं ह। अब तंकी तं म्ह (याह समझे म (आ जी चौं निहए फिकी सह आस चौं फिकीतं महत्वों ण" 4ह. .."

म 1 याहA रे उन्ह (रे!की और‍े छे" , "क्या आ मरे निलेए इस आस औरे मद्र की चौंया इतं ह गेह्रे ई स निवोंचौं रे कीरेकी फिकीया था ? क्या हम रे ग्र ह! औरे याह जीरिटले बठ की मद्र की छे ऐस था निजीस आ मरे निलेए ह्ले स ह नि निश्चतं कीरे रेखो था ?" याह छे" की निलेए मझे स हस की आवोंश्याकीतं था , ले फिकी म 1दुढM सकी निC तं था ।

उ की आDखो (अचौं की निस्थारे ह! गेईं। की छे दुरे चौं रेह की ब दु उन्ह अ ततंo ब!ले शां रू फिकीया । उ की आवों ज़ी म (एकी गेह्रे गेभ रेतं था , जी! कीहA दुरे" सरेंछेजी" ।

"तं म याह क्या छें"ह!?"

"मझे छे" ह ह!गे ," म 1 रे" आत्मनिवोंश्व स की स था उरे फिदुया । "क्या ?" वोंह नि र्पिलेस आवों ज़ी फि>रे गेजी" ।

"अगेरे म 1 हA छे""Dगे , तं! औरे कीH छे" गे ? अगेरे आ हA बतं ए गे , तं! औरे कीH बतं एगे ? म 1नि निश्चतं रू स याह जी चौं हतं हूँ Dफिकी याह अघ!रे म गे,4 याह वों म म गे 4ह मरे निलेए एकीम त्र म गे 4ह या हA। क्या म 1की छे औरे ह! सकीतं था ; क्या की!ई औरे म गे 4की म कीरे सकीतं था ?"

"तं म्ह (अघ!रिरेया स इतं रे ज़ीगे क्या ह? क्या म 1 हA बतं या था ? अघ!रे ह बद्ध ह!तं ह।1 उन्ह आस की रेहस्या की! खो!जी ह। गे!रेखो था, मत्स्याद्र(, आr वोंक्रं, घ रे डी, की ले शां—समया आ रे तं म सब जी जी ओगे।

"ले फिकी रे- रे की इस चौंक्रं म (स की4 की ण"4तं प्र स्त ह!तं ह, जी! की!ई भ व्यनि अकी ले शांरे रे म (रेहकीरे हA प्र स्त कीरे सकीतं । याह वोंत्र-म गे 4ह। याह सहजी (आस) म गे 4ह, सहजीतं की म गे।4 कीठ!रे तं स्या की म गे 4अधरे" रेहतं ह; क्या फिकी याह की रे त्मकी म गे 4ह।

"क्या ? क्या म 1 तं म्ह (वों म म गे 4की रेहस्या की ब रे म (समझे या हA? ऐस लेगेतं ह फिकी तं म्ह रे म की सकी !चौं अभ तकी हरे" हA हुआ ह! तं! आओ, इस एकी अलेगे दुनिMrकी!ण स समझे की की!निशांशां कीरेतं ह!1 तं म जी तं ह! फिकी सिहदु जीरेंवोंत्र कीं!न चौं रे भ गे म (निवोंभ निजीतं फिकीया गेया ह:

- ब्राह्मचौं रे – जी! वों आरे भ कीरेतं ह, मनि की म गे 4की स ध कीरेतं ह;
- गेहMस्था – जी! अब जी वों की! रे क्षाप्र की मद की रू म (स्वों की रे कीरेतं ह, जीह D वोंह अ स खो हुए ज्ञा की! रेखोतं ह;
- वा नप्रस्था – जी! सन् या स स कीरे सम्या की खो!जी म (जी तं ह, अ वों" 4अभ्या स की! औरे गेह्रे कीरेतं ह, तं फिकी निब आसनि की आ दु की अ भ वों कीरे सकी ; औरे अ तं म,(
- सन् या स – जी! अब स्वोंया की! खो!जी की की!निशांशां कीरेतं ह, औरे इस प्रकी रे म वों जीगेतं म (ऊजी वों4 तं की सचौं कीरेतं ह।

" ह्ले चौंरेण दुस"रे चौंरेण म (ले गे "कीरे की निलेए ह; निब इस महत्वों ण" 4दुस"रे चौंरेण की तं! तं सरे चौंरेण सभ वों ह, ह चौंHथा ।"

क्या चौं निहए स्त्र

"तां! क्या इसकी मतंलेब ह फिकी निवोंवों ह आवोंश्याकी ह? क्या रु र्षों की निलेए स्त्र की ह! अनि वों या 4ह? " म 1 की छे असमजी स म (छे" ।

म 1उ कीई सन् या निसया की! या दु कीरे रेह था निजीन्ह (म 1जी तं था । उ म (स एकी मरे बहुतं निप्रया था।

उन्ह ब रेह वोंर्षों' तंकी

स H व्रतं रेखो था । अक्सरे म 1उन्ह (चौंतंo र्षोंनिr या!निगे की मफि दुरे म (दुखो तं था , जीस वों मरे इ तंज़ी रे कीरे रेह ह , और हमशा

अ आDखो स मस् की रे तं हुए मझे दुखो तं था। उ की शांरे रे रे की वोंले एकी ले गे!ट था , ले फिकी उ की

स्वों स्थ्या की अद्भुभतं

चौंसकी, उ की त्वोंचौं की आभ और उ की ले ब- ऊDचौं शांरे रे की चौं रे ओरे की फिदुव्य आभ ह उ की वोंस्त्र था। म 1 कीह , "क्या

निब इस रु र्षों-स्त्र की बध की की छे भ प्र प्त हA फिकीया जी सकीतं ? क्या आ मझे स याह कीह रेह ह?1"

"ह ,D म 1तं मस याह कीह रेह हूँ,D" उन्ह गेभ रेतं स मरे शांब्दु की! दु!हरे या , जी! अ या स ह मरे मह D स

नि कीले गेए था। म 1

उ निजीतं ह! उठ । "ह ,D म 1तं मस याह कीह रेह हूँ,D" उन्ह फि>रे दु!हरे या , "क्या फिकी म 1तं मस प्रम कीरेतं हूँ Dऔरे तं म्ह (गम रे ह

हA कीरे चौं हतं ; ह म 1तं म्ह (उस म गे 4 रे ले जी चौं हतं हूँ Dजी! एकी स ध रेण व्यनि की निलेए अत्यानिधकी

कीरिठ

स निबतं ह!। क्या फिकी म 1तं म्ह (अ सब की छे दु चौं हतं हूँ,D इसनिलेए म 1तं मस की छे भ निछे हA चौं हतं । तं म्ह (इसम (

इतं आश्चया 4क्या ह! रेह ह? स्वों भ निवोंकी म गे 4ह नि यातं म गे 4ह। प्रकीMनितं सह ह। याह सहजी म गे 4ह।

जी वों की म गे।4

जी वों स रे जी वों तंकी की म गे।4

"रे म, कीMष्ण, बद्ध —और क्या , रे मकीMष्ण, श्रे अरेलिंबदु!, श्रे चौंतं न्या—म 1और भ कीई म ले सकीतं हूँ।D

कीH -स वोंफि दुकी ऋनिर्षो

बाह्य चौं रे रेह? जी! रेह वों भ रेवों था: रेशां रे म, दुवों 4स , दु घतं4मस, म कीáडी या, दु त्र या। याह प्रवोंMनि ह। मह म या ऐस ह

चौं हतं ह.1.. क्या तं म जीरेत्की रु, अr वोंक्रं, च्यावों की! भ"ले गेए?"

" हA मHस । उन्ह (अ त्र रिटया की! ठ की कीरे की निलेए वोंद्धM वोंस्था म (निवोंवों ह कीरे ड़ा , और तंब...."

"... और तंब उन्ह लेक्ष्या प्र प्त फिकीया । स्त्र -शांनि वों स्तंवों म (रु र्षों-शांनि की सह यातं कीरेतं ह। स्त्र एकी

निवोंशांर्षो ऊजी 4की

भ डी रे ह!तं ह। याह ऊजी 4उन्ह (जी वों ध रेण कीरे और !निर्षोंतं कीरे की निलेए चौं निहए। वों जी वों और म तंत्Mवों चौं हतं ह!1 वों

इस म तंत्Mवों की निब स्वोंया की! अधरे" महस"स कीरेतं ह।1 इस की रेण उ म (अनिधकी आ तंरिरेकी शांनि ह!तं ह,

भ वों त्मकी शांनि

ह!तं ह। याह शांनि शां ले शांनि ह, तंमस। स्त्र -शांनि तंमस ह। म Dतंमस ह। निस्त्रया म (अनिधकी ले लेस ह!तं ह, वों अनिधकी

तंत्र की दुनि या

तं व्रतं स चौं हतं ह,1 उ की वोंदु ए Dभ गेह ह!तं ह।1 तंमस ऐस ह ह।

"शांनि , शांनि ह ह!तं ह। शांनि स शांनि ग्रेहण कीरे और उसस अनिधकी प्रकी शां प्र प्त कीरे ह बनि द्धम ह। इस

"इसनिलेए हम (स वोंध बरेतं चौं निहए। इसनिलेए आजीम ए हुए फिदुशां नि दुशांÔ की आवोंश्याकीतं ह। अ भ वों गेरु ओं की म गेदु4शां4 की आवोंश्याकीतं ह। इसनिलेए गेरु और निशांष्या की ब चौं ण"4 गे! यातं की आवोंश्याकीतं ह। इसनिलेए जी वों म (इ फिद्रया-सया म की प्रनितं ण"4 सम ण4 की आवोंश्याकीतं ह।

"व्यनि त्वों इ फिद्रया द्वी रे ब ए गेए अहकी रे की छेनिवों ह। जीब इ फिद्रया स म आ दु की खो!जी की द्वी रे

अहकी रे की क्षारेण
ह!तं ह, तंभ व्यनि त्वोंह तं और ण"4 नि दुÁर्षोतं प्र स्त ह!तं ह। तं रे स खो की ब दु कीH तं रे की उ कीरेण की
रेवी ह
कीरेतं ह? एकी ब रे जीब शांरे रे स्वोंस्था ह! जी तं ह, तं! स्वों स्थ्या सझे वों की क्या आवोंश्याकीतं ?

"जी! की छे भ एकी रु र्षों अकी ले दु सकीतं ह, वोंह जी वों की की वोंले आध निहस्स ह। जी! की छे उस प्र स्त कीरे

ह, उस अकी ले
रे" कीरे की निलेए उस दुगे समया लेगेगे । जी! ऋण रु र्षों स्त्र की प्रनितं रेखोतं ह, उस स्वों की रे कीरे , सम्म
दु और
जी" चौं निहए। जी! स्त्र रु र्षों की! दु सकीतं ह, वोंह उसकी प्रया स की! आध स भ कीम कीरे सकीतं ह। मह दुवों

की! उम की
आवोंश्याकीतं था ; निवोंष्ण की! लेक्ष्म की आवोंश्याकीतं था । तं म्ह (और मझे भ अ चौंकं रे" कीरे की निलेए
अ निवा रे तं की
आवोंश्याकीतं ह।

"याह की रेण ह फिकी मह और निवोंत्र भ रेवों यागे -यागे म (इ आस की खो!जी की । नितंब्बतं, ले, भ"ट ,

निसफिक्कम की
मठ म (गेम्प तं त्र की ग्रेथा म,(इ आस की निवोंस्तंMतं वोंण4 आजी भ या जी सकीतं ह। नितंब्बतं थाकी
निचौत्र म (या आस
कीभ -कीभ मडी ले की म ध्याम स ज्या निमतं या रू म (उकी रे गेए ह।1 ले फिकी स् तंकी(गेरु ओं की स्था हA ले

सकीतंA। गेरु तं म्ह (
स ध वोंह दुतं ह 1जी! तं म्ह (चौं निहए। अघ!रे स ध निशांक्षाकी ह!तं ह,1 जी! शांरे रे की!, शांरे रे की की या' की!,
भया, लेज्जे , अ म
आफिदु की! की छे हA समझेतं । वों जी वों और इ फिद्रया की बनिहष्कीMतं जीस लेगे सकीतं ह,1 ले फिकी वों की छे

संमस्त्रों की!रिम्हA कीरेतं ।" म 1चौंतं की स गेरे म (डी"ब हुआ था । जीस तं तं ग्रे ष्म की मह की ब दु म स"
तम ह तं! म1 हूँD

ब रिरेशं झेम झेम बरेसतं ह, वोंस ह
जीस फिकीस ऊDचौं ई स अचौं की म ह!कीरे वोंह जी वों की स्तंरे रे उतंरे आईं और निब आवों ज़ी की हसD म (>"ट ड़ाA।
उ की शांब्द बरेस रेह था। म 1 की वोंले उन्ह (आत्मस तं कीरे रेह था , बनिCकी भनिवोंष्या की निलेए ऊजी 4भ
वोंनि चौंतं कीरेकीरेसखो दु जी वोंतं तं स भरे गेया । उन्ह मझे ब ह म (भरे निलेया और की!मलेतं स गेले लेगे या । "निप्रया," उन्ह
"तं!हफि"म्रे इतं स आओआसि भयया?" बम। तं स"मारे"जीस बहुतंईह बमारे रिरेमिजीDहं!तं म,स!वोंस सकीतं ह!इ औषोंनिधया की!Dभ ह!मझे सकीतं
ह!, उसस भ अनिधकी। तं म अब भ इस दु!रे ह रे क्या खोड़ा ह!? याफिदु तं म्ह रे स और भ प्रश्न ह,1 तं! मझे स छे"!।"
तं ह।1 निजीतं रे!गे, उतं ह औषोंनिधया ,D उतं ह उ चौं रे। इस
"म 1आ की ब तं समझेतं हूँ।D ले फिकी फि>रे भ मझे लेगेतं ह फिकी म 1इ आस की! दुस"रे की स म प्रकीद हA कीरे सकीतं ,
प्रकी रे , आस भ कोई ह।1अघ!रे भ कोई प्रकी रे की ह।1 आवोंश्याकीतं ए Dभ कोई प्रकी रे की ह।1 निवोंनिधया Dभ
अ की ह।1 प्रत्याकी
ह इन्ह (अ सकीतं हूँ।D म 1इसकी ब रे म (फिकीस स ब तं हA कीरे सकीतं ।"
आस की ण"4 रे क्षाण और अ भ वों की ब दु निवोंस्तं रे स वोंण4 फिकीया गेया ह। "

"तं म्ह (ब तं कीरे की आवोंश्याकीतं ह क्या ह? " उन्ह आश्चया 4स छे" । "हरे प्रश्न की! बढ़ वों दु की आवोंश्याकीतं हA ह; हरे प्रश्न की उरे दु   भ आवोंश्याकी हA ह। याह स थाकी4 हA ह!गे । तं म ह! तं म; तं म उसस भ अनिधकी ह!। तं म ह! म।1 रे"

तं म्ह रे अनिस्तंत्वों प्रदुशां 4 की निलेए हA ह, ह फिकीस सक्ष्"मदुशांÂ की अध ह। तं म्ह रे स ऐस ब तं (ह 1जी! तं म्ह रे भ तंरे की आत्म स गेहरे ई स सब निधतं ह,1 निजीन्ह (जी   की   तं! फिकीस की! आवोंश्याकीतं ह, औरे ह की!ई जी सकीतं ह। क्या वों जी सकीतं ह?1"

"म 1आ की ब तं समझेतं हूँ।D म 1सहमतं हूँ।D ले फिकी जीब म 1भ"खो ह!तं हूँ,D Aदु आतं ह, जीब मझे की!ई रे! म चौंकी अ भ वों

ह!तं ह- या, की!ई रे!चौंकी ब तं स तं हूँ,D तं! म 1अ   भ वों ए Dदुस"रे की स था स झे कीरेतं हूँ।D क्या म 1ऐस हA कीरेतं ? औरे ऐस कीरे म (कीई ब रे मरे प्रसन्नतं बढ़ जी तं ह, जी! मझे अ भ वों औरे निवोंचौं रे स निमलेतं ह। " "ह ,D

ऐस की छे ब तं (ह!तं ह 1निजीन्ह (तं म दुस"रे की स था स झे कीरेतं ह!। ले फिकी क्या ऐस की छे औरे भ ब तं (हA "क्या ?" म 1 फि>रे जी!रि दुकी रा छे" ह 1निजीन्ह (

"क्या तं म मझेयाह बतं सकीतं ह! फिकी तं म मझेकीतं प्रम कीरेतं ह!?" तं म स झे हA कीरेतं? याह भ उन्हA म (स ऐकी ह, निजीस तं म स झे हA कीरे!गे। गे! यातं इसकी हले शांतं 4ह।"

की छे दुरे स!चौं की ब दु म 1 उरे फिदुया , " हA!" "तं! फि>रे क्या तं म इस प्रम की ब रे म (दुस"रे की! बतं की स! चौं सकीतं ह!? औरे अगेरे तं म बतं की प्रया स भ कीरे!, तं! क्या तं म इस रे" सट कीतं स व्य कीरे ओगे? "

याह स कीरे म 1रिठठकी गेया । म 1 इस रे गेहरे ई स निवोंचौं रे फिकीया औरे इसकी नि रेथाकी4तं की! समझे । मझे ध रे -ध रे याह

एह्सास हुआ फिकी सबस अ तंरे गे अ भ वों की स्वोंभ वों ह एकी की ह!तं ह। इन्ह (तं! रे" तंरेह व्य फिकीया जी सकीतं ह, ह स झे फिकीया जी सकीतं ह। अ भ वों की! बतं कीरे जी! आ दु स झे फिकीया जी तं ह, वोंह ण"4 चौंद्र म की तं ले म (चौंद्र म की

रे वोंर्पितंतं प्रकी शां जीस ह!तं ह।

सभ निवोंवोंरेण म (रे गे की निमले वोंट ह!तं ह। वों झे"ठ भ ह 1औरे फि>रे भ झे"ठ हA ह।1 प्रयाल वों स्तंनिवोंकी औरे सच्ची ह! की

की रेण उसकी प्रभ वों की! ईम दु रे म   जी तं ह। कीले , स निहत्या, औरे सभ प्रकी रे की अनिभव्यनि या Dअ तं सत्या स निमतं रू म (ह प्रकीट कीरेण कीरे सकीतं ह।1 सत्या की! व्य हA फिकीया जी सकीतं । वों स्तंनिवोंकीतं मH ह।

वोंह मझे रे"ध्या वों"की4 दुखो रेह थाA। फि>रे उन्ह ध रे -ध रे कीह , "बट , अ भ वों की दुनि या म (कीभ दु! हA तंरेह व्यनि गेतं ह!तं ह। अनिवोंभ ज्या ह!तं ह। दु! ले!गे फिकीस अ भ वों म (भ गे ले सकीतं ह,1 ले फिकी इस ब तं की अ!रे ध्या दुने हA ह!तं फिकी उ दु! की निलेए उस अ भ वों की प्रभ वों एकी जीस ह!गे । अ भ वों हमशां व्यनि गेतं ह!तं ह।

अ भ वों एकी की ह!

सखो ब Dट हमशां एकी व्यथा 4प्रया स ह। असले आ दु तं! स्वोंया म (ह प्रकीट ह!तं ह। सच्ची निमत्र की! की छे बतं की आवोंश्याकीतं हA ह!तं। निमत्रतं इ स की! रेदुशांÂ ब दुतं ह। एकी निमत्र दुस"रे निमत्र की आ दु की! वोंस ह दुखो की तंरेह,स चौंमकीतं हुई ध" की!दुखो ह। छे कीतं

म ष्या की सस रे की स था सबस अच्छे सब ध तंभ ह!तं ह, जीब उससे उस आ दु की ब रे म (की छे कीह की!

कीह जी ए;

और इसस भ अनिधकी तंब, जीब याह समझे निलेया जी ए फिकी व्यनि गेतं अ भ "नितं की! शांब्दु म (व्य हA फिकीया जी सकीतं।

ज़ीरे निशांशांओं की! दुखो !, उ नि oशांब्दु निशांशांओं की!। वों अ आभ स ब तं कीरेतं ह;1 और म Dउन्ह (समझे

ले तं ह। हम भ उस

मह म तं की जीते म (वोंस ह छे!ट बच्ची की तंरेह ह।1 और की वोंले वोंह समझेतं ह फिकी हम भ"खो ह 1या तंMप्त। की छे कीह की

आवोंश्याकीतं हA ह!तं। की वोंले सवों दु कीरे ह!तं ह। मH सवों दु प्रम की रेम आ दु ह। अ कीह हमशां कीह

गेई ब तं स अनिधकी मध रे ह!तं ह; और नि निश्चतं रू स अनिधकी सट की भ। इस की रेण मत्र जी म (

मH की ले आवोंश्याकी ह। याह Dतंकी फिकी जी भ की! भ निहले हA चौं निहए। वों स्तंवों म (जी भ की! ट्श्निन्सले की ब चौं वों ले

क्षा त्र स सट ले चौं निहए।

प्रम अ ध भ ह!तं ह और जी भ स गेगे" भ। महस"स कीरे! और अ भ वों कीरे!।" म 1 छे" , "प्रम की! व्य कीरे भ तं!

अच्छे लेगेतं ह। उस प्रदुर्पिशांतं कीरे । क्या ऐस हA ह? " उन्ह मस् कीरे तं हुए उरे फिदुया , "प्रदुशां 4 या प्रम ? वोंह

बहुतं सतंह ह!तं ह। फिदुखो वोंट और रे रे गेतं। ऐस प्रम स बचौं

ह बह तंरे ह। "

क्या ह 1अ ष्ठों की आवोंश्याकीतं ?

"तं! फि>रे या स रे अ ष्ठों क्या ? या स रे >"ले, म ले एD, घ रिटया D और मत्र की गे क्या ? क्या मह म तं बनिधरे ह?1 क्या वों इतं कीमजी!रे ह 1फिकी उन्ह (चौं लेस" भरे प्रशां स की आवोंश्याकीतं ह!?"

"म ष्या अक्सरे इ प्रदुशां 4 की उ या!गे अ स्वोंया की भले ई की निलेए कीरेतं ह, फिकी उस दुवों या दुवों तं की

ले भ की

निलेए विजीस वोंह जी"तं ह। ऐस प्रदुशां 4 त्मकी अभ्या स प्रया स म (सह याकी ह!तं ह,1 जीस ले ठ बढ़" और अ गे व्यनि की निलेए

सह याकी ह!तं ह। इन्ह (आवोंश्याकी स ध समझे!; लेक्ष्या की प्र निप्त की उ कीरेण समझे!। ले फिकी इ स ध की! ह सब

की छे

म कीरे, उद्दी श्या और लेक्ष्या की! भ"ले मतं जी ओ। जीब की!ई सबस कीम शांब्दु म (सबस अनिधकी कीह चौं हतं ह, तं! वोंह

की व्य त्मकी अनिभव्यनि की सह रे ले तं ह। भजी और मत्र सबस कीम म (सबस अनिधकी कीहतं ह।1 की वोंले

ले खोकी और कीनिवों ह

म (ध" की सले उमड़ा ह

याह समझेतं ह 1फिकी सब की छे कीह की ब दु भ बहुतं की छे अ कीह रेह जी तं ह। कीभ भ की!ई ण"4 कीनिवों हA हुआ ह।

स निहत्या तं! एकी मतंM निशांशां की तंरेह ह। " म 1भ कीभ -कीभ कीनिवोंतं और कीह नि या Dनिलेखो की प्रया स

कीरेतं था। उ की ब तं की! स तं हुए मरे आDखो (निवोंस्मया स

ब उ दुशां गेई। मरे म म (तंकी4 कीरे और उरे दु की तं त्र इच्छे उमड़ा रेह था , जीस अचौं की खोले निखोड़ाकी स बदु कीमरे

ले फिकी वोंह ब!लेतं रेहA, "हम म तं की स्तं नितं जी!रे स गे तं ह।1 याह सत्या ह। हम उन्ह (और >"ले , अनिग्र और जीले की म ध्याम स सम्म अर्पि तं कीरेतं ह।1 याह भ सत्या ह। या वों निवोंनिधया Dह 1निजी की म ध्याम स हम उ चौं जी की! मC"या औ दु की प्रया स कीरेतं ह,1 निजीन्ह (हम स्वोंया मC"यावों और अथा 4ण" 4म तं ह।1 हम कीभ भ सम्म अर्पि तं हA कीरेतं, याफिदु स्वोंया इसकी अ क्षारेखोतं ह ।

रे जी नितंकी तं ओं स छे"!, वों भ म ले एD स्वों की रे कीरेतं ह।1 जीन्मफिदु म वों ले स छे"!, फिक्रंसमस और वोंले (ट इ जीस अवोंसरे की! म वों ले स छे"!। म ष्या इ प्रस्तं नितंया म (मनिहम और प्रम खो!जीतं ह और स!चौंतं ह फिकी वोंह अ दुवों तं ओं की! भ इस तंरेह प्रसन्न कीरे सकीतं ह।

या रे" तंरेह स सतंह हA ह।1 जीस म 1 कीह , या सह याकी की रू म (आवोंश्याकी ह।1 सगे तं, शांब्दु , >"ले , दु , म!मबनिया , जीले, की डी,4 भ!जी और याह Dतंकी फिकी ध की म ध्याम स अर्पि तं फिकीए गेए या उ ह रे म !वों ज्ञा नि की रू स बहुतं उ या!गे ह!तं ह।1 या सतंह उ या!गे हA ह;1 या वों स्तंनिवोंकी ह;1 लेगेभगे निचौंफिकीत्सकी या और उ चौं रे त्मकी ह।1

इ उ ह रे की म ध्याम स व्य की गेई भ वों ए Dअक्सरे म की उलेझे हुए जीरिटलेतं ओं की! सले झे दुतं ह 1और अशां तं म की! शां नितं की आशां वों दु4 प्रदु कीरेतं ह।1 या अ गे की सह रे की तंरेह सह रे प्रदु कीरेतं ह,1 जीस म या!नि की (कीमज़ी!रे दु वों ले) व्यनि की निलेए चौंश्म सह याकी ह!तं ह। हA, अ छों बहुतं उ या!गे ह।1 निजीन्ह इन्ह (आनिवोंष्कीMतं फिकीया , वों थ् सबस बनि द्धम ले!गे था।
कीभ भ अ छों की! कीम मतं आDकी!; ले फिकी याह भ ध्या म (रेखो! फिकी उन्ह (अत्यानिधकी महत्वों भ मतं दु!।"

याH स बध एकी त्या गे ह

"तं! क्या वोंस्त्र ह भ एकी रे रे ह और वोंस्त्र उतं रे एकी अ छों ?"

" हA। उसस भ अनिधकी। वोंस्त्र ह या उतं रे हA, बनिCकी स्वोंया याH सब ध।
याह समझे आवोंश्याकी ह फिकी सभ !गे, भ"खो और ले लेचौं की शांनि या D भ म तं स आतं ह 1और या एकी उद्दी श्या की ओरे प्ररि कीरेतं ह।1 ले फिकी याह तंभ सह म या म (समझे जी तं ह 1जीब इन्ह (रे" तंरेह स समझे जी ए; जीब गेलेतं समझे जी तं ह, तं! याह प्रेर ण भ!गे म (बदुले जी तं ह और गेभ रे सकी ट की स्रो!तं ब जी तं ह। हम हले ह इस हले" रे चौंचौं 4 की ह।
"क्रं!ध की उ ह रे एकी मह उ ह रे ह; ले लेचौं की उ ह रे सवोंÁच्ची उ ह रे ह; और याH सब ध की उ ह रे सबस महत्वों ण" 4

उ ह रे ह। याH सब ध की सह ढं गे स उ या!गे कीरेतं समया ग्रतं अनि वों या ह्म। समझे दु!।

"तं म जीले और >"ले अर्पि तं कीरेतं ह!; निमठ ई और अन्या भ!जी भ अर्पि तं कीरेतं ह!। और फि>रे तं म उस >"ले,

म ले , भ!जी ,
या की! ग्रेहण कीरेतं ह!। तं म म तं ह! फिकी या प्रस दु निवोंत्र ह! गेए ह।1 ईस ई धम 4म (भ वों रे!ट और शांरे ब की
उ ह रे
चौंढ़ तं ह 1और फि>रे उस उ ह रे की! ग्रेहण कीरेतं ह।1 इस प्रकी रे हम उ वोंस्तं ओं की प्रनितं सम्म की भ वों

निवोंकीनिसतं कीरेतं ह,1
निजीन्ह (हम शां रे रिरेकी रू स आवोंश्याकी म तं ह 1और म निसकी रू स चौं हतं रेखोतं ह।1 याह हम रे इ फिद्रया भ!
गे रे एकी प्रकी रे
~~की सया म स्था नि तं कीरेतं ह, जी! सम्म और श्रेद्धा की म ध्याम स आतं ह। "जीब हम अ याH सब ध की!~~

अ छों नि की रू स ईश्वरे की! अर्पि तं कीरेतं ह,1 सभ !गे की! एकी फिदुव्य उ ह रे म तं ह,1 और
फि>रे इसम (भ गे ले तं ह,1 तं! स्वों भ निवोंकी रू स हम रे सभ !गे की प्रनितं दुनिMrकी!ण म (रिरेवोंतं4 आतं ह।
सभ !गे रे नि यात्रे ण

सबस कीरिठ नि यात्र ण म (स एकी ह। निजीतं अनिधकी की!ई इस नि यात्र ण की! ब ए रेखोतं ह, उतं ह अनिधकी उसकी
इच्छे शांनि सनि चौंतं ह!तं जी तं ह।

"या त्वोंचौं स त्वोंचौं की आस सभ याH क्षा त्र की! एकी स था जी!ड़ा दुतं ह; एकी गेह सहभ निगेतं की

निस्थानितं निवोंकीनिसतं ह!तं
हू। तंब याह मह अ ण4 एकी रेम दु ण" 4आ दु की ओरे ले जी तं ह। इसकी ब दु, सभ !गे की प्रनितं औरे स म न्या
की प्रनितं दुनिMrकी!ण इतं रिरेष्कीMतं ह! जी तं ह फिकी इस शांनि की उ या!गे कीरेतं समया हम फिदुव्यतं स

प्ररि रेतं ह!तं ह।1 फि>रे
शांनि सरे निक्षातं रेहतं ह। शांनि की! व्यथा 4 जी दु!। ब जी की! r कीरे!। याह तं त्र ह।
"निजीम्ह इ अ छी की! नि ध 4रिरेतं फिकीया , वों भले -भ Dनितं जी तं था फिकी वों क्या कीरे रेह ह।1 ब रूदु

की आनिवोंष्की रे
म !रे जी की निलेए हुआ था। डी या म इट की! म वों या सवों की निलेए शांनि की उ या!गे की निलेए खो!जी गेया था। भनिवोंष्या म (
औरे भ अनिधकी शांनि शां ले स्रो!तं खो!जी जी एगे। याफिदु इ की उ या!गे या दुरु या!गे निवों शां औरे बब 4दु की

निलेए फिकीया गेया
4वोंह रे, बबरे4तं या असभ्यातं हA कीह!गे ? सभ !गेभ शांनि की एकी स्रो!तं ह। इस शांनि की बहुतं ह
कीम भ गे प्रजी की निलेए आवोंश्याकी ह। ले फिकी इसकी अनिधकी शां भ गे व्यथा 4चौंले जी तं ह। याफिदु इस

भले -भ Dनितं सरे निक्षातं
फिकीया जी ए, तं! याह शांनि आस स म ष्या की! उसकी अ नितंम मनि जीले तंकी हुचौंD सकीतं ह— शां नितं की प्र नितम (तं फिकी अन्या
ले!गे भ शां नितं स जी सकी(); याह म ष्या की! उच्चीतंम आध्या नित्मकी निशांखोरे तंकी सहजीतं स हुचौंD सकीतं

ह। उसकी कीम 4
प्रेरे ण दु याकी ह गे ; उसकी शांब्दु प्रभ वोंशां ले ह गे ; उसकी इच्छे शांनि गेनितंशां ले ह!गे ; उसकी प्रम प्रभ वोंकी रे ह! गे।
"ले फिकी सबस अद्भुभतं ब तं याह ह फिकी आस म (ह! या उसकी ब हरे, स्त्र की स था ह! या निब उसकी , सभ !

गे, ले लेचौं, ध
औरे अन्या अहकी रे आकीर्षों4ण की ब चौं भ , अ तंतo म ष्या एकी तं चौं हतं ह। वोंह एकी तं म (रेह चौं हतं ह, अकी ले। अ
स्वोंया की आत्म की स था। याह की रेण ह फिकी हम स!तं ह।1 प्रकीMनितं जी वों की! अकी ले रेह की निलेए Adु

की उ ह रे फिदुया ह।
रेक्षा कीरेतं ह। वोंह मH ह। मH भ अत्यातं शांतं ... ग्रेस्तं रेहतं ह।1
मध ... "वों ले उस मनिहले की मH औरे उसकी सतंकी4तं रे आश्रया 4कीरेतं था।

तंत्र म(गे! यातं

"तं म्ह रे अ तंरे गे स ध की ब रे म (ले!गे क्या कीहतं ह,1 इसकी लिंचौंतं मतं कीरे!। जीब तं म मरे स था अकी ले ह! तं ह!, तंब या ब तं कीरे वों ले, तं म्ह रे आचौंरेण की! टट!ले वों ले ले!गे कीह Dगे याब ह! जी तं ह?1 क्या वों तंब तं म्ह (रे शां कीरेतं ह,1 मरे बच्ची? स ध की समया?"

"जीब दुनि या स!तं ह, तंब तं रे जी गेतं ह।1 जीब तं रे स! जी तं ह,1 तंब दुनि या जी गेतं ह। याह की रेण ह फिकी

रे तं की रेवोंतं

अचौं की, मझे बहुतं शांर्मिमदुगे महस"स हुई फिकी म 1 उ स इतं ब तं (कीरेवों लेA, और वोंह भ इतं ले ब -चौंHड़ा । म 1 उ स मH , रेहस्या और निछे की ब रे म (एकी ऐस प्रश्न छे" निलेया था , जी! अब मझे मखो"तं4 "ण 4लेगे रेह था । हम हमशां अ आ की! समझे की निलेए भ तंरे ह भ तंरे सघ र्षों4क्या कीरेतं रेहतं ह?1

ले फिकी की छे और भ था जी! मझे रे शां कीरे रेह था ।
वोंह मरे म की अशां नि तं की! भ D गेईं।
"अब मतं रुकी!, मरे बट ," उन्ह कीह । "म 1तं म्ह (अब और गेहरे स गेरे की ओरे ले जी वों ले हूँ।D छे"!, अब क्या जी ह? जीब हम तं त्र म (अत्यानिधकी गे! यातं की म Dगे कीरेतं ह,1 तं! हम रे मतंलेब अ रे निधया जीस रेहस्या स हA हा!तं । वोंस गे! यातं तं! आत्म की! सकी निचौंतं कीरे दुतं ह; म की! अ धकी रे म (धकी ले दुतं ह। ले फिकी एकी और तंरेह की गे! यातं भ ह!तं ह। याह गेभ4 की गे! यातं ह, जीह D गेहरे आवोंरेण की चौं, निब फिकीस दुखो भ ले की , प्रम की >ले बढ़तं ह। जीब ण"4तं की समया आतं ह, तंब वोंह प्रकी शां और जी वों म (प्रकीट ह!तं ह। की छे रेहस्या ण"4तं म (प्रकीट ह! की निलेए सजीD!ए जी तं ह;1 की छे की वोंले अ धकी रे की निलेए ह ब ए जी तं ह।1
"चौं रे ओरे दुखो !, और प्रकीMनितं की! दुखो !। थ्Mवों की चौं, निमट्टा म,(हवों , प्रकी शां और की स था निमलेकीरे, वोंर्षोंÁ और तंकी, याह Dतंकी फिकी समया की अ निगे तं रेतं की भ तंरे, ण"4 मH म,(एकी >"ले की! निखोले और एकी >ले की! जीन्म दु की तं या रे ह!तं रेहतं ह। हम जी तं ह 1फिकी >"ले स >ले आतं ह। ले फिकी क्या हम जी तं ह 1फिकी ब जी कीह Dस आया ? >"ले की ब स हले फिकीतं रू तं रेण हुए? याह भ एकी प्रकी रे की रेहस्या ह।

निखोले ? एकी चौं वोंले की दु या बरेगेदु की वोंक्षाM
तं रे की जीन्म म (और भ गेहरे रेहस्या सम ए ह!तं ह।1

"चौंमकी ले >"ले अ स;दुया 4और सगे ध की निलेए हम (ले भ तं ह; रेस ले >ले अ रेस और जी वों दु निया

शांनि या की निलेए
हम (आकीर्पिषोंतं कीरेतं ह। हम उन्ह (की निलेए ह था बढ़ तं ह।1 ले फिकी दुखो ! उस ब जी की!। वोंह मH , गेण्या और लेगभग
अदुश्Mया ह!तं ह। की!ई याह कीC भ हA कीरे सकीतं फिकी जीस अले दु की छे!ट स ब!तंले स एकी निवोंशां ले

निजीन्न नि कीले
आतं ह, वोंस ह उस छे!ट स ब जी स अ निगे तं फिढ़या तंकी आम की वोंक्षाM और >ले उत् न्न ह!तं रेहगे(। निवोंशां ले बरेगेदु की
ब जी की! दुखो भ कीरिठ ह। जी वों मH की इस अदुश्Mया आवोंरेण म (निछे ह!तं ह। मत्र की जी वों एकी

'ब जी' ध्वोंनि म (
सम निहतं ह!तं ह। उस अ की रिरेतं कीरे!; उसस शांनि की स्रो!तं >"ट ड़ा गे । जी वों की स्रो!तं कीH जी तं ह?
"मH एकी मह गेण ह। तं त्र 'ब जी ध्वोंनि ' (ब जी मत्र) की शांनि म (निवोंश्व स कीरेतं ह। इसकी सभ मत्र ब जी

ध्वोंनि या की रू
म (जी जी तं ह।1 इ छे!ट -छे!ट शांब्दु शां म (मह आध्या नित्मकी सभ वों एD सम ई ह!तं ह।1 तं त्र म (मH ध रेण कीरे की गेण
की! अत्यानिधकी महत्वों फिदुया गेया ह। "जी! झे"ठ ह!तं ह, वोंह ढं!ले टतं ह, बहुतं शां!रे मचौं तं ह, और भ ड़ा की!

आकीर्पिषोंतं कीरेतं ह। अक्सरे चौंमत्की रे फिदुखो
वों ले की हद-4निगेद 4भ ड़ा इकीट्ठा ह!तं ह, और वों शां!रेगेले कीरेतं ह।1 उ की निलेए शां!रे स ह। ले फिकी दुस"रे की निलेए मH एकी
आशां वों दु4 ह; सच्ची स नि की स्रो!तं। शां रे निशांकी रे कीरेतं समया रे" नि स्तंब्धतं म (ह!तं ह, ले फिकी गे दुड़ा,

जी! बचौं -खोचौं
खो तं ह, बहुतं शां!रे मचौं तं ह; और निगेद्ध उस निशांकी रे की! की निलेए रे" जीगे ले की! आकीर्पिषोंतं कीरे ले तं ह,1 जी! मH म (
म रे गेया था ।

याह वोंह ब तं था निजीस मरे भ तंरे निजीज्ञा स और लिंचौंतं उत् न्न की था। वोंह मरे म की बचौं की! भ D गेईं और मस् की रे तं
हुए ब!लेA:

"तं म्ह (इसम (निवोंरे!ध भ स फिदुखो ई दुतं ह। याH अ गे की! निछे की की रेण याह हA ह फिकी उ म (की!ई

रेहस्या ह। दुध" म (की!ई
रेहस्या हA ह, ले फिकी हम उस निबCले स बचौं कीरे रेखोतं ह।1 भ!जी म (की!ई रेहस्या हA ह, ले फिकी हम उस
मनिक्खायी और
की ट णओं स बचौं कीरे रेखोतं ह।1 तं! फि>रे, जीब आध्या नित्मकी स ध म (गे! यातं की आवोंश्याकीतं ह!तं ह, तं!

इस शांरे रे
की ग्रतं की स था क्या जी!ड़ातं ह!?
"जी! ले!गे शांरे रे की! प्रदुशां 4 की वोंस्तं ब तं ह,1 प्रशां स की निलेए, वों दुशां4की की! >Dस तं ह।1 फिकीस भ

फिक्रंया की! निवोंकीMतं
ब तं ह तं! वोंह ह उसकी छे की मशां । अ आ म (की!ई फिक्रंया निवोंकीMतं हA ह!तं।"

अ तंरे की प्रकी शां

"मरे बट , म !निवोंकी रे समस्या ओं स उत् न्न ह!तं ह।1 समस्या ए Dगेलेतं>हम और रिरेनिस्थानितंया की! गेलेतं तंरे की स सभ ले की रिरेण म ह।1 अक्सरे हम इ रिरेनिस्थानितंया स बचौं की निलेए ब हरे आवोंरेण की! स र्फ़ी-सथा रे ब ए रेखोतं ह,1 जीबफिकी
गेदु गे की! सदु रे की ले की चौं निछे दुतं ह।1 ले फिकी वोंह गेदु गे हवों की! दुनि"र्षोंतं कीरेतं ह और निवोंत्रतं म (ब ध डी लेतं ह।
इस प्रकी रे एकी म !निवोंकी रे तं ह, जी! म निसकी स्वों स्थ्या की! ब निधतं कीरेतं ह और स्वोंगेÂया प्रकी शां की! रे! कीतं ह। याह
'स्वोंगेÂया प्रकी शां' की!ई दुतं कीथा हA ह। स्वोंगे 4ह! सकीतं ह एकी कीC ह!, रे तं याह प्रकी शां वों स्तंनिवोंकीतं ह। याह प्रकी शां तं म्ह रे भ तंरे ह। इस बनि द्ध कीह!, इस प्रज्ञा कीह!। इसकी निब जी वों मकी" और अचौंतं ह! जी एगे।

"याह प्रकी शां तं म्ह रे भ तंरे ह। याह प्रकी शां तं म्ह रे ब हरे ह। इस प्रकी शां की म ध्याम स तं म अ स म ओं स रे

जीड़ा तं ह!।
भ तंरे की प्रकी शां तं म्ह (प्रकी निशांतं कीरेतं ह; ब हरे की प्रकी शां तं म्ह (आ फिदुतं कीरेतं ह। स्वोंगे' म (और उसकी
रे, इस धरेतं
रे और इ दु! की ब चौं जी! भ ह, उस सब म (याह फिदुव्य ज्या!नितं और प्रकी शां व्य प्त ह। जी वों ह याह प्रकी शां ह।

याह
प्रकी शां तं म्ह रे लिंचौंतं की! बनि द्ध की रू म (प्रकी निशांतं कीरेतं ह; तं म्ह रे आDखो म (याह दुनिMr ब तं ह;
तं म्ह रे की म (याह
ध्वोंनि ब तं ह (प्रकी शां ध्वोंनि ह और ध्वोंनि प्रकी शां ह) ; तं म्ह रे त्वोंचौं रे याह स् शां4 और अ ग्रे ह ब तं ह। याह

प्रकी शां
तं म्ह रे की म ओं की म ध्याम स आशां वों दु4 ब कीरे आतं ह; याह तं म्ह रे मस् की और ले!कीनिप्रयातं म (आ दु
ब कीरे
अवोंतंरिरेतं ह!तं ह।

"समझो इस प्रकी शां स प्रकी निशांतं ह!तं ह; म और आत्म की अ धकी रे की! याह प्रकी शां दुरे" कीरेतं ह। की!ई भ
तंत्र की दुनि था

रेहस्या इस
प्रकी शां की स म हA रिटकी सकीतं। इसकी अ निस्थानितं म (म ष्या की भ तंरे की शां -भ वों जी गेतंM ह!तं ह,1
और जी वों की! इ

ड़ा

"जी! म निब दुदु 4या भया, निवोंशांर्षों कीरे निब भया की की या 4कीरेतं ह, वोंह स्वोंया की! फिकीस भ प्रकी रे की ड़ा या कीr हुचौंD तं। ड़ा औरे कीr म की प्रनितंफिक्रंया ए Dह।1 याह Dतंकी फिकी शां रे रिरेकी ड़ा भ एकी अ भ "नितं ह, औरे अ भ "नितं ह की हचौं ह। शां रे रिरेकी ड़ा म स नि शांया की सवों दु शां लेतं औरे स की असनिहष्ण तं की रिरेण म ह। याह म की उस असमथातं4 की प्रतं की ह जी! असह या की! सह हA कीरे तं। आ तंरिरेकी अ शां स की द्वी रे भ वों त्मकी ड़ा की! नि ष्प्रभ वों फिकीया जी सकीतं ह। अ शां निसतं म सभ रिरेवोंतं4 की! आकीनिस्मकी औरे अस्था या म तं ह। सतं निलेतं म डीगेमगे तं हA ह औरे ड़ा की अ भ वों हA कीरेतं।

"तं म्ह रे सरे (द्रदु अ भ"निमगेतं क्रं नितंकी रे क्लेब म (सदुस्या की! प्रवों शां दु की निलेए उन्ह (तं त्र औरे कीठ!रे या तं ओं की निखोले > शां रे रिरेकी रे क्षा स गेजी रे की! कीहतं ह।1 वोंह लेड़ाकी औरे लेड़ाफिकीया की! म!मब की लेH रे तंब तंकी उDगेनिलेया रेखो की! कीहतं ह,1 जीब तंकी फिकी त्वोंचौं जीलेकीरे निछ्ले लेगे। वोंह म स म (तं ज़ी चौं की" की ध रे(चौंभ तं ह 1औरे खो " की सह शां लेतं की रे क्षा ले तं ह।1 याह क्लेब म (प्रवों शां की स !ट4 ह। वों इस ड़ा की! की स

सह तं ह,1 औरे क्या ? अगेरे एकी इस सह सकीतं ह, तं! नि निश्चतं रू स दुस"रे भ सह सकीतं ह, या सह चौं निहए। याह जीड़ा म (सइ या Dघ स कीरे मकी"
उर्द्वा श्या की दुढ़Mतं ह जी! स की! सह शां लेतं म (दुढ़M ब तं ह। उनिचौंतं प्रनिशांक्षाण, समझे औरे सक्ष्"म निवोंश्लेर्षों ण की द्वी रे की की रेण की!, औरे याह Dतंकी फिकी स्वोंया कीr की! भ की रे जी सकीतं ह। कीr मतं सह!।"

या!गे की म ध्याम स म रे नि यात्र ण

"ज्ञा , समझे, निवोंश्लेर्षों ण औरे प्रनिशांक्षाण या!गे म (नि ध 4रिरेतं चौंरेण ह।1 अ शां स , नि याम, आस , नि यात्र ण, अ-नि यात्र ण, स् r अवोंध रेण , औरे सकी निC तं आदुशां4 की आत्मस तं कीरे क्रंनिमकी रू स म की! नि रे की रे एकी ग्रेतं की ऊDचौं इया तंकी ले जी तं ह।1

"म निसकी एकी ग्रेतं सबस हले म की! स्वोंतं त्र कीरेतं ह। इसकी ब दु उस स्था की! शां द्ध चौंतं ले ले तं ह। तंब 'शांनि की ह!तं ह। शांनि म वों जी वों की सबस बड़ा स नि ह। इसकी निब म ष्या की वोंले एकी मनिहम मनि डीतं प्र ण , एकी जीनि वोंकी तंथ्या, या एकी म निसकी अरे जीकीतं म त्र ह!तं। शांनि की याह स्रो!तं खो!जी आवोंश्याकी ह। याह तं म्ह रे भ तंरे ह। प्र भ तं म्ह रे भ तंरे ह; ऐस प्रम जी! उलेझेतं हA, बनिCकी समर्पि तं ह!तं ह।

"एकी ब रे जीब म शांतंब4द्ध अ क्षा ओं, वों" 4ग्रेह "ण 4नि ष्कीर्षों", अथा तं4iगेहरे ई स जीड़ा जीम ए अ धनिवोंश्व स स म स्रो!तं' म

ह! जी तं ह,

तं! वोंह एकी आत्मनि ष्ठों की या 4की रू म (की या 4कीरे म (सक्षाम ह! जी तं ह। निवोंचौं रे कीरे एकी ऐस प्रफिक्रंया ह निजीस म ब ध्या ह! की आवोंश्याकीतं हA ह। तं म याह जी तं ह! फिकी म निवोंचौं रे हA कीरेतं। याह एकी भ्र नितं ह फिकी म या दु कीरेतं ह सजी !तं ह या भ"लेतं ह। या की या 4स्मनिMतं की ह।1 म की वोंले झे"ठ प्रभ वों की! वोंह कीरेतं ह औरे ऐस कीरेकी स् r स!चौं की नि रे तंरे भ्रम की निस्थानितं म (रेखोतं ह। सभ म निसकी अवोंस्था ए Dजीरिटले ह!तं ह;1 क्या फिकी म व्यनि त्वों की शांतंब4द्ध अवों ह। की वोंले चौंतं्क शां द्ध ह। "

लिंचौंतं की स् rतं

"...ले फिकी तं मस!चौंरेह ह!... अच्छे , मझे आश्चया 4 हA ह! रेह। क्या तं म समझे रेह ह!?"

वों स्तंवों म,(याह मरे समझे स की छे ऊ रे जी रेह था । गेनितं इतं   तं ज़ी था फिकी म 1इस   रे" तंरेह स   कीड़ा हA   रेह था । म 1
लेगेभगे ह रे म   की निस्थानितं म (था । मझे   वोंह निस्थानितं निबलेकी ले स दु हA था जीब वोंह समझे रेह ह!तंA औरे म 1समझे की
निलेह!जी!झे की4सगे तं चौंचौं 4ओं की   ले कीरे   मरे   निलेए स्वों भ निवोंकी था । शां स्त्र या सस् कीMतं निवोंद्या लेया म (जीन्म ले
औरे उस वों तं वोरेण म (ले -बढ़ ह! की की रेण म 1 गेढ़" तंकी4-निवोंतंकी' की! समझे की प्रनिशांक्षाण प्र प्त फिकीया था । हम रे
निवोंद्या लेया वों रे णस म (प्रनिसद्ध तंकी4शां निस्त्रया औरे व्य कीरेण चौं या' की एकी आम निमले -स्थाले था ।

ले फिकी जीस   ह उन्ह   अचौं की रुकीकीरे सवों ले फिकीया , मझे   एकी प्रकी रे की रे हतं महस"स हुई, औरे म 1 लेगेभगे निचौंCले तं
हुए कीह , " हA! म 1 हA समझे   रेह ।"
"ह , तं म समझे रेह ह!!" उन्ह   ज़ी!रे दुकी रे कीह ; औरे स था ह मरे   ह था कीड़ाकीरे ध रे स खोAचौं । उ की दु निह   हथाले
मरे   आDखो   रे था , निजीन्ह (म 1 बदु कीरे निलेया । उन्ह   की छे दुरे की निलेए अ   हथाले   की! मरे   आDखो   रे रेखो औरे
दु!हरे या , "ह ,D तं म समझे रेह ह!, समझे रेह ह!...."

क्षाणभरे म (ह मरे   म निसकी तं वों सम प्त ह! गेया । वोंह हले की तंरेह समझे तं रेहA, "तं म अ   गेनिणतं कीरेतं ह!, ह   ?
तंब तं म रिरेण म तंकी हुचौंD   की निलेए चौरेणबद्ध रू स स!चौंतं ह!। इस तंरेह तं म ज्या निमनितं कीरेतं ह!, ह   ? फि>रे स, तं म
चौरेणबद्ध रू स स!चौंतं ह! जीब तंकी फिकी समस्या हले हA ह! जी तं । जीब तं मस फिकीस शांब्दु की मले" ध तं स व्य त् नि कीरे
या की!ई वों क्या ब   की! कीह जी तं ह, तंब भ तं म्ह (व्य कीरेण की नि याम की   ले कीरेतं हुए स!चौं   ड़ातं ह। इस
प्रकी रे की लिंचौंतं की! स् r लिंचौंतं या नि ष् क्षा लिंचौंतं कीहतं ह।1 याह वोंस्तं नि छों (ऑब्जीनि क्टवों) लिंचौंतं ह।

"ले फिकी जीब वोंह मनिस्तंष्की याह स!चौं म (लेगे ह!तं ह फिकी भ!जी औरे आश्रेया की स निमलेगे , सजी स की स बचौं जी ए, य
झे"ठ की स गेढ़ जी ए, तंब याह स् r लिंचौंतं म (सले ग्न हA ह!तं । दुस"रे प्रकी रे की याह स!चौं आत्म-निहतं स जीड़ा   ह!तं ह, औरे
इसनिलेए इसम (वों" 4ग्रेह ह!तं ह। याह ऐस ह!तं ह म ! याह वों"4नि ध 4रिरेतं नि ष्कीर्षों' औरे इच्छे ओं की ब!झे तंले दुब ह!।
इच्छे स्वोंतं त्र इच्छे -शांनि की! बध   म (जीकीड़ा दुतं   ह। स!चौं वों ले अ   इच्छे की! अ   स!चौं की म ध्याम स प्रकीट कीरेतं
ह। वोंह अ   ह छे या की   चौं चौंले रेह ह!तं ह। निवोंचौं रेकी की नि ष्कीर्षों4उसकी स!चौं स   हले ह आकी रे ले   लेगेतं ह।1
निवोंचौं रेकी स्वोंया,   फिकी समस्या , की(द्र या औरे प्रम खो ब जी तं ह। निवोंचौं रेकी भ वों त्मकी रू स इसम (उलेझे जी तं ह। याह
निस्थानितं स्वोंतं त्र लिंचौंतं की म गे 4म (गेभ रे रू स ब ध उत् न्न कीरेतं ह।

"या!निगेकी एकी ग्रेतं की उद्दी श्या म की स्वोंतं त्रतं प्र प्त कीरे   ह; या याफिदु तं म्ह (याह बह तंरे लेगे, तं! इस म की दुनि या स
मनि   प्र प्त कीरे   कीह सकीतं ह!। जीब इस प्रकी रे की स!चौं की प्रफिक्रंया स्वोंतं त्र ह! जी तं ह, तंभ औरे की वोंले तंभ , की!ई याह
समझे   तं ह फिकी वोंह वों स्तंवों म (क्या ह। जीब की!ई अ   आत्म की! उसकी सम् "ण 4मनिहम म (हचौं   ले तं ह, तंब वोंह
'म ' कीहले   या!ग्या ह!तं ह, वोंह बद्ध , वोंह रेमहस ब जी तं ह। अन्याथा , वोंह अ   भ वों ओं औरे व्यनि त्वों की बध की
ब   रेहतं ह। "

रेम शांनि

"याह रु षों था 4की   रेम लेक्ष्या ह। इस शांनि की स्रो!तं तंकी हुचौंD कीरे उसस स ध अमतंM   कीरे   ह जी वों की उद्दी श्या ह।
 रु षों था 4की चौरेम याह ह फिकी इस अ नितंम स्रो!तं स स ध नि या जी ए; स्वोंगेÂया प्रकी शां म (स्ना   फिकीया जी ए। म 1तं म्ह (इ
म (बतं रेह हूँ।D जी! सह स!चौं की रे ह रे म की! स ध की अभ्या स रेखोतं ह,1 उ की निलेए इस समझे   कीरिठ   हA ह।
मझे   उम्म दु ह, अब तं म इस समझे रेह ह!। इसस बचौं   हA जी सकीतं ।"

"...औरे जीब मझे   याह शांनि निमले जी एगे , तंब म 1इसकी क्या कीरूDगे ?"

"तं म्ह (की छे 'कीरे ' की इतं   बचौं   क्या ह? क्या ? क्या   दु कीभ स!चौंतं ह, 'मझे   बह   क्या ह? ' या आकी शां स!चौंतं ह,
'मझे   ब दुले की! आश्रेया क्या दु   ह? ' या ब दुले स!चौंतं ह, 'मझे   क्या तं रे   औरे निवोंले   ह!   ह? ' या वोंक्षाM स!चौंतं ह,1 'हम (
क्या खोड़ा रेह , बढ़   औरे जी वों प्रदु   कीरे   ह? ' तं म कीह सकीतं ह! फिकी उ की   स म   हA ह, वों प्रकीMनितं की निहस्स ह 1
औरे प्र कीMनितंकी नि याम की अध   की या 4कीरेतं ह।1 कीH कीहतं ह फिकी उ की   स म   हA ह? क्या इसकी की!ई ठ!स प्रम ण
हम (याह की स   तं ? क्या हम भ उन्हA प्र कीMनितंकी नि याम की अध   हA ह?1 याफिदु प्र कीMनितंकी नि याम हम ('की छे कीरे '
दुतं ह,1 तं! अन्या जी वों , अन्या रू   म (भ स!चौं की प्रफिक्रंया ह! सकीतं ह।
"तं म अ   म की अनिस्तंत्वों की! उसकी द्वी रे उत् न्न निवोंक्षा!भ की की रेण ह   हचौं तं ह!। निजीस निवोंक्षा!भ हA ह!तं , उस म
की अ भ वों हA ह!तं । याह की Dचौं की दुरेवों ज़ी की तंरेह ह। क्या फिकी वोंह   रेदुशांÂ ह, क्या फिकी उसकी शां द्धतं म (की!ई निव
तंत्वों हA ह, इसनिलेए तं म्ह (याह एहस स हA ह!तं फिकी वोंह D दुरेवों ज़ी ह। औरे जीब तं म बफि >क्रं म (उसकी   रे जी   की
की!निशांशां कीरेतं ह!, तं! वोंह तं म्ह (रे!कीतं ह; तं म उसस टकीरे जी तं ह!; औरे निचौंढ़ जी तं ह!, जीस   दुया Áध हुआ था । जी! स!च
निब   ह बहुतं की छे म   ले तं ह, वोंह अवोंरे!ध की! सह   हA कीरे   तं ।

"वोंह जी! स्वोंया म (ह, औरे की वोंले स्वोंया म (ह, उस फिकीस भ प्रकी रे की अवोंरे!ध स म   ह!   चौं निहए; इसनिलेए स्वों भ निव
रू स, उस समझे म (रेदुशांÂ ह!   चौं निहए। वोंह क्या ह निजीस हम ण"4तंo   रेदुशांÂ कीह सकीतं ह?1 वोंह ह चौंतं   । क्या तं म्ह
 रे" निवोंश्व स ह फिकी प्रकीMनितं म (चौंतं   हA ह? क्या तं म्ह (याकी   ह? "

"प्रकीMनितं म (की!ई की या 4'क्या ' की इ तंज़ी रे हA कीरेतं । 'क्या ' हम रे निलेए ह,1 म ष्या की निलेए, जी! तंकी4 कीरे   की! अनिभ
प्रकीMनितं 'ह' ; उसम ('क्या ' बहुतं कीम ह!तं ह। वोंह रे" स्वोंतं त्रतं औरे खोले   चौंया की स था सजीM कीरेतं ह। प्रकीMनितं म (हर
एकी उद्दी श्या की! रे" कीरेतं ह औरे समग्रेतं म (एकी नि निश्चतं भ"निमकी नि भ तं ह। ब्राह्म डी, अ   बहुलेतं की ब वोंजीदु", एकी
वोंनिस्थातं रू रे खो म (

इकी ई की रू म (जीड़ा   हुआ ह; औरे इस सजी वों इकी ई की प्रत्याकी भ गे एकी नि निश्चतं उद्दी श्या की! एकी सव्य
 रे" कीरेतं ह। प्रकीMनितं अ   स्वोंया की स्वोंरू की! नि ध 4रिरेतं कीरेतं ह। "याफिदु ऐस ह, तं! म ष्या की जी वों

की भ एकी उद्दी श्या ह!   चौं निहए; औरे याफिदु की!ई उद्दी श्या ह, तं! म ष्या की! उस   रे"
कीरे   चौं निहए। याफिदु म ष्या ऐस   हA कीरेतं , तं! असतं ले उत् न्न ह!गे । प्रकीMनितं म (असतं ले आ दु ले तं ह।
म वों

दुनि या   अ   ऊ रे एकी की ब दु एकी आ दु ए Dले ई ह।1 याह प्रफिक्रंया जी रे ह औरे तंब तंकी जी रे रेहगे   जीब तंकी

म ष्या

अ   म की! अ नितंम शांनि म कीरे उस अ नितंम न्या या ध शां म   तं रेहगे । याह कीभ व्यनि गेतं रू स, कीभ
स मनि"हकी रू

स आ दु ले तं ह। ले फिकी इसकी जीड़ा म (हमशां   की!ई   की!ई व्यनि गेतं म ह!तं ह। ऐस म स्वों थाÂ ह!तं ह, जी!
 वों"4नि ध 4रिरेतं नि ष्कीर्षों" की   छे भ गेतं ह। "
"तं म अभ तंकी इस   रे" तंरेह समझे हA   ए ह!। हम जी तं ह 1फिकी रे वोंण एकी ऐस व्यनि था निजीस असतं ले

 दु

फिकीया औरे उसकी   रिरेण मस्वोंरू आ दु आई। याह सत्या ह। ले फिकी दुशांरेथा   भ एकी असतं निलेतं म स की या
4फिकीया था ।

आ दु उस की या 4स प्र रे भ हुई था । उस एकी यावों   कीन्या की! प्रसन्न कीरे   की निलेए प्रनितंज्ञा ए DकीĐ। याह

Dतंकी फिकी स तं भ उस

समस्या म निसकी असतं ले की निशांकी रे हुई, जीब उन्ह   स्वोंण 4मगेM की म गे की था । रे म जी तं था फिकी वोंह
मगेM एकी छेल वो
तंत्र की दुनि या

था , म निसकी जी ले था । उन्ह   स तं की! समझे   की की!निशांशां भ की था । ले फिकी स तं एकी स्त्र की म!ह म

(बध   थाA औरे

"म वों जी नितं कीभ भ याद्ध की निब एकी वोंर्षों4 हA दुखो , औरे याह् तंब तंकी जी रे रेहगे जीब तंकी फिकी म ष्या की स!चौं स् r हA ह! जी तं , या जीब तंकी वोंह नि ष् क्षा प्रे ण स सचौं निलेतं हA ह!तं । म ष्या की! नि oस्वों था 4भ वों स भले की
स!चौं की अभ्या स कीरे चौं निहए। जी! ले भ शां श्वतंतं की मह रे हA रेखोतं , वोंह बरे ह। "

"सत्या की खो!जी की याह प्रफिक्रंया ह तं त्र ह। याह रे रिरेकी म गे 4ह, जी! ज्ञा नि या स ज्ञा नि या तंकी नि रे तंरे

ध रे की तंरेह
प्रवोंनिहृतं ह! रेह ह। इस चौं ह लिंहदु," आया,4 शां वों, वोंष् णवों, ईस ई, बHद्ध, इस्ले निमकी, याहूँदु , सम्म , वों म, अघ!रे, वोंज्रया ,
ज़ी , तं ओ या की!ई भ म दु!; याह तं त्र ह। सभ म गे 4तं त्र की म गे 4ह।1 या ऐनितंह निसकी या स्था या म इस

खो!जी की मले"
तंत्वों की! प्रभ निवोंतं हA कीरेतं । याह खो!जी की डीनिले की शांनि औरे सहस्रो रे की शां नितं स्रो!तं की ह। तं त्र म की अथा 4ह ह
' द्धनितं', ' रे रिरेकी म गे'4, 'नि रे तंरेतं की ध रे ' औरे 'सत्र"'।"

प्र म तंकी4 हA कीरेतं

"अब शां यादु तं म समझे ओगे फिकी म ष्या की निलेए इस शांनि की! निवोंकीनिसतं कीरे क्या आवोंश्याकी ह; औरे इस शांनि की प्र निप्त
फिकीस प्रकी रे म गेदु4शां4 , निवोंशांर्षों निवोंनिधया औरे निवोंनिशांr यात्र ण ओं रे नि भ4रे कीरेतं ह। हम उस द्धनितं की!, उस निवोंश्व स की! औरे ध या 4की नि यात्र ण वों म गेदु4शां4 की प्रनितं सम्म की! खो! फिदुया ह। इस यागे म (हम की वोंले प्रश्न छे" , तंकी4 कीरे औरे 'क्या ?
क्या ? औरे क्या ?' म (ह लेगे हुए ह।1 म ! म ष्या की रेम शां नितं तंकी4-निवोंतंकी4 की उरे स प्र प्त ह! जी एगे । म ! तंकी4-
निवोंतंकी4 स म ष्या औरे म ष्या की ब चौं प्रम स्था नि तं ह! जी एगे । अजी ब ब तं ह, प्रम तंकी4 स म ह!कीरे की या 4कीरेतं ह।

"तंकी4 की उरे की खो!जी उस Hरे निणकी यागे ले की! उ की सदु रे औरे सरे निक्षातं नि वों स-भ"निम स स्था या रू

स ब हरे नि की ले
फिदुया , औरे उन्ह (भगेवों की अ सरे क्षा स वोंनि चौंतं कीरे फिदुया । उन्ह (उस सरे क्षा स इसनिलेए वोंनि चौंतं ह! ड़ा क्या फिकी
ईश्वरे-निवोंरे!ध उन्ह (निसखो या था फिकी निजीज्ञा स औरे तंकी4-निवोंतंकी4 की म ध्याम स शां नितं की स प्र प्त

की जी सकीतं ह। की वोंले
तंभ , जीब वों दु! स्वोंगे 4स वोंनि चौंतं ह! गेए, उन्ह (याह एहस स हुआ फिकी उन्ह (ध!खो फिदुया गेया था ।
"वों स्तंनिवोंकीतं याह था फिकी वों स्वों भ निवोंकी रू स रिरे क्क व्यनि या की तंरेह प्रम कीरेतं था। उन्ह प्रम

कीरेकी की!ई हA
फिकीया था । याह था फिकी उन्ह नि दुÁर्षोंतं स प्रम की! प्रकीट कीरे भ"ले गेए; वों उस प्रकीट हA कीरे ए; उन्ह अ
सबस प्या रे निमत्र (ईश्वरे) रे निवोंश्व स हA फिकीया ।

"प्रम आहतं हुआ। छेले स आहतं हुआ। अन्याथा प्रम की स गेलेतं ह! सकीतं था ? हरे जी वों म,(उसकी रिरे क्कतं की समया,

तंत्र की हनि या
एकी उद्दी श्या रे" कीरे की एकी निमशां ह!तं ह। प्रम इस निमशां की! मह तं प्रदु कीरेतं ह। जी! जी वों प्रम म (जीन्म ले तं ह,1
उन्ह (प्रम कीरे आस ह!तं ह। जी! जी वों दुब वों, निवोंवोंशांतं , जीCदुब ज़ी , घMण या भया म (जीन्म ले तं ह,1

"जी वों की प्रनितं जी वों की याह स्वों भ निवोंकी प्रम , आ दु म (अनिभव्यनि की याह ले लेस , एकी निवोंशांर्षो म स जी जी तं ह —'की म'। म 1 'हले फिदु शांनि ' की ब रे म (हले बतं या था। याह की म-आ दु भ , जीस अन्या सभ प्रकी रे की आ दु—भ!जी की आ दु, निवोंश्रे म की आ दु, Aदु की आ दु, सजीM की आ दु—जी वों दु या , स्वोंस्था औरे स्वों भ निवोंकी ह।

"इस आ दु की म ध्याम स आत्म की आ दु शांरे रे की स्तंरे रे उतंरेतं ह; वोंह D, शांरे रे की म ध्याम स इस एकी

स निमतं आ दु

प्र म ह!तं ह, निवोंश्व- टकी निजीसम (अस निमतं सभ वों एD ह!तं ह।1 याह जी वों औरे अनिधकी जी वों उत् न्न कीरेतं ह, औरे इस की! अनिभ तं ओं स समMद्ध रेखोतं ह।

"आ दु ह वोंह सबस उच्चीतंम औरे सबस प्रभ वों तंत्वों ह जी! अ की की! एकी ब दुतं ह। दु! आ दु म (एकी ह! जी तं ह।1"

जीवों की जीन्म

"प्रेम -आ दु प्ररि रेतं कीरेतं ह, औरे शांरे रे की! उ जी की तं त्र गेमÂ म (डी ले दुतं ह। याह अनिस्तंत्वों की गेहरे इया की! मथातं ह तं जी की ण स्त्र की भ तंरे अ की रिरेतं ह!तं ह, जी! ब जी की! स्वों की रे कीरेतं ह। रु र्षों अ ब जी उस अ डी ण म (डी लेतं ह, जी! स्त्र द्वी रे प्रदु फिकीया गेया ह!तं ह। याह जी निवोंतं ब जी प्रम वों"की4 म तं -भ"निम म (सले फिदुया जी तं ह, जी निफिदुया की! तं ह। ऐसे कीर निवोंशा र्षो (H सह इस निलेए निवोंशा की निकी की निलेर्षो म (म (सले

ह ब जी की नि म 4ण ह!तं ह। औरे सभ ब जी की! अ की रिरेतं ह! औरे बढ़ की निलेए निमट्टा की आवोंश्याकीतं ह!तं ह। ब जी की! निमट्टा चौं निहए, औरे निमट्टा की! ब जी औरे रे! ण चौं निहए। याह निमट्टा स्त्र द्वी रे प्रदु की जी तं ह।

"प्रकीMनितं म (ऐस व्यवोंस्था की गेई ह फिकी याह प्रफिक्रंया उलेट हA ह! सकीतं । जी वों की नि रे तंरेतं की निलेए रु र्षों औरे स्त्र एकी-दुस"रे रे नि भ4रे ह।1 रु र्षों ब जी डी लेतं ह, औरे स्त्र , निमट्टा की तंरेह, उस ग्रेहण कीरेतं ह। वोंहA वोंह अ की रिरेतं ह!तं ह, बढ़तं ह, औरे समया आ रे स्वोंया की! प्रकीट कीरेतं ह। तंब एकी जी वों की जीन्म ह!तं ह। याह जी वों , गेभ 4ध की अवोंनिध की ब दु, उस म गे 4स इस सस रे म (आतं ह निजीस हम 'नि जी ' (प्र इवोंट) कीह की नि ण4या निलेया ह। याह एकी गेलेतं म ह, जी! एकी सह तंथ्या की! व्य कीरेतं ह। शांरे रे की वों अ गे जी! इस सजीM -प्रफिक्रंया म (लेगे ह!तं ह,1 उतं 'नि जी ' हA ह,1 निजीतं 'व्यनि गेतं' (स4 ले) ह।1

"जी वों -ब जी की! अ की रिरेतं ह! औरे म तं की शांरे रे की ऊष्म की सरे क्षाण की निब बढ़ ले याकी मजीबतं" ब म (H मह की नि रे तंरे प्रतं क्षा अ की H

की! अ छों स (एकी निवोंशांर्षो रेहस्यामया महत्वों प्रदु फिकीया । रेहस्यामया गेण. ओं म (इस प्रकी रे अ की H एकी रेहस्या ण"4 सखु की समया लेगेतं ह। जी वों की ब जी की! H मह म (म वों जी वों म (रिरवोंपितंतं ह!तं दुखो ब गेया।

"इ दु! म ष्या निजीस प्रकी रे की या 4फिकीया , वोंह एकी स्वों भ निवोंकी प्रफिक्रंया था। अब तंकी याह सब की वोंले रू म (था। की गेलेतं हA हुआ था। ले फिकी उस ईष्या 4ले शांनि , निजीस इस नि दुÁर्षों औरे मह सत्या की! निवोंचौंनिलेतं फिकीया , एकी की ट फिकीया। ईश्वरे-निवोंरे!ध उस जी!ड़ा स कीह फिकी वों अ प्रसन्नतं औरे उसकी रिरेण मस्वोंरू हुए प्रम -सब ध की! ईश्वरे स कीरे अत्यातं प्रसन्न ह!तं। इसकी बजी या उन्ह ईश्वरे की! अ रे ध-ब!ध स ग्रेस्तं उदु स की निचौंत्र प्रस्तं तं फिकीया। उन्ह (निवोंश्व स फिदुले या गेया फिकी ईश्वरे हA चौं हतं फिकी वों प्रम की उच्चीतंम निशांखोरे तंकी हुचं छें एD, जीबफिकी ईश्वरे उन्ह (प्रसन्न दुखो कीरे(।

"याह सत्या हA था , बनिCकी की वोंले एकी अ म था । उन्ह स!चौं फिकी उन्ह ईश्वरे की निवोंरुद्ध की छे फिकीया ह। प्रम कीरे स
की!ई ईश्वरे की निवोंरुद्ध हA जी तं । ले फिकी जीब उन्ह अ प्रसन्नतं की! ईश्वरे स छे की की!निशांशां की , तं! उन्ह अ
भ तंरे अ रे ध-ब!ध की! फिदुया , औरे इस उन्ह (जी वों की सबस महत्वों ण" 4वोंरेदु —नि दुÁषोंतं औरे खोले की स वोंभ4Hनिमकी आ दु—स वोंनि चौंतं कीरे फिदुया ।

"याद्यानि उन्ह स्वोंया आ दु निलेया था , रे तं वों उस आ दु म (ईश्वरे की सहभ निगेतं हA चौं हतं था। प्रम कीभ

भ निवोंनिशांr
(एक्सक्लेनि"सवों) हA ह! सकीतं ।
"याह म ष्या की निलेए एकी दुखो दु शां रुआतं था । म ष्या की जीन्म एकी अ रे ध-ब!ध की स था हुआ, औरे उस गेस्र तं

की अ धरे कीक्षा
म (आ दु खो!जी की निलेए निवोंवोंशां फिकीया गेया । प्रम औरे प्रकी शां की! एकी निवोंकीMतं या!जी की तंहतं अलेगे कीरे फिदुया गेया ।
"ले फिकी रिरेभ षों की अ स रे, ईश्वरे एकी ऐस शांनि ह जी! सब जी तं ह, सब दुखो तं ह औरे सब स तं ह। उ स

की!ई
रेहस्या 'छे ' की प्रश्न ह हA था । याह स!चौं मखो"तं4 था फिकी वों ईश्वरे स की!ई रेहस्या छे सकीतं ह,1 औरे सथा ह याह
क्र"रेतं भ था , क्या फिकी उन्ह अ प्रसन्नतं की उत्सवों स ईश्वरे की! दुरे" रेखो की या!जी ब ई था ।

"वों स्तंनिवोंकी आ दु की! स झे कीरे चौं निहए। स झे कीरे म (याह प्रस्> रिटतं ह!तं ह औरे शांनि की ध रे ओं की स म ह।1"
सचौं रे कीरेतं
म 1इस Hरे निणकी कीथा की गेहरे ई स प्रभ निवोंतं था , निजीस म 1 हले भ स था । ले फिकी निजीस प्रकी रे स इस बतं या गेया ह।
उस इसकी आ तंरिरेकी अथा' की! इतं जी वोंतं तं स प्रकीट फिकीया, फिकी म 1अ आDखो म (आDस "रे!की सकी । याह सचौंमचौं
"इस प्रकी रे फिदुव्य वों चौं ट"ट गेई, औरे म ष्या सदु की निलेए ईश्वरे की ण"4 प्रम की! समझे की प्र कीMनितंकी दुखोद्दु कीथा था ।
क्षामतं खो! दु ।
अद कीरे जी दु "ट"ट गेया । म ष्या स्वोंया अ दुखो की म गे की । तंब स म ष्या रेस् रे रेहस्या , सदु ह औरे छे वों

आवोरेण

दुनि या म (जी रेह ह। जी वोंरे की स या रेहस्या हA ह!तं , ह निशांशांओं की स ह!तं ह।1 औरे वों ह ईश्वरे
मफि दुरे की शां तं आ गे म (कीबतं"रे अ -अ ढं गे स व्यस्तं था। चौंतंo षोंनिr या!निगे मफि दुरे म (घ रिटया D बजी रेह थाA। छे या एD ले ब ह! लेगे थाA। की सरिरेया वोंस्त्र वों ले दुवों शां यादु स Dस ले की निलेए निवोंरे म
की निप्रया ह।1 वों
निलेया था । वोंह लेगेभगे डीढ़ घ ट स ब!ले रेह
थाA। म 1 उ की ओरे दुखो , औरे उन्ह (तं चौंले गेया फिकी म 1उन्ह (गेले लेगे चौं हतं हूँ।D उन्ह अ ब ह (> ले दुA, औरे
म 1तं रे तं उ की म Dकी तंरेह की ममतं म (खो! गेया ।
"हA, नि रे शां मतं ह!। ईश्वरे दुया ले ह। सब की छे खो! गेया था , ले फिकी प्रम हA खो!या था । प्रम औरे आशां —या
ह।1 इस प्रम की! उसकी की दुखो स म

अभ भ शां षों
कीरे ह!गे , जीह D वोंह कीई दु वों रे की ब चौं बदु ह। हम इ दु वों रे की! 'की चौंकी स' या
आवोंरेण कीहतं ह।1 या आवोंरेण हम रे निवोंकी स की! रे!कीतं ह,1 हम (ब हरे दुनि या स रे" तंरेह स्वोंतं त्र ह! स रे!

स एकी भHनितंकी व्यनि त्वों ह जी! भ!जी औरे रे नि भ4रे ह; फि>रे हम रे स एकी आ तंरिरेकी व्यनि त्वों ह जी! या 4वोंरेण या श्व स रे नि भ4रे कीरेतं ह; फि>रे हम रे भ वों त्मकी स ह जी! हम रे चौं रे ओरे की ले!गे की

गेई जी की रे रे आध रिरेतं ह। औरे अ ततंo हम अ वों स्तंनिवोंकी अनिस्तंत्वों रे हुचौंDतं ह,1 जी! रे" तंरेह स हम रे अ अ भ "नितं रे नि भ4रे ह। जीब तंकी हम स्वोंया अ भ "नितं हA कीरेतं, तंब तंकी दुस"रे की अ भ "नितंया Dहम (सतं r की स कीरे स

"याह की दुखो हम रे चौं रे ओरे इसनिलेए बढ़तं जी तं ह क्या फिकी हम रे अ दुरे अ रे ध-ब!ध की भ वों ह, जी! हम (बहुतं की छे निछे कीरे रेखो रे निवोंवोंशां कीरेतं ह औरे हम (जी वों की खोले स्वोंतं त्रतं म (जी स रे!कीतं ह। याद्यानि म ष्या सया",4 वों य औरे अनिग्र की रिरेवों रे की सदुस्या ह, फि>रे भ वोंह उ की स था अ एकीतं की! भ"ले गेया ह। या सब ध ट"ट चौंकी ह।1 वोंह य घ!र्षोंण कीरे की स हस हA कीरेतं फिकी जीस वोंह ह, वोंस ह प्रकीMनितं म (उसकी अन्या सब निधया की! भ खोले स की4 म अनिधकी रे ह।

"म ष्या की निलेए जी वों की आ दु इतं आवोंरेण म (जी रे नि भ4रे ह! गेया ह फिकी वोंह इस आदुतं की लेगेभगे जी" कीरे लेगे ह। भगेवों खोले म (रेहतं ह।1 भगेवों की निलेए की!ई आवोंरेण हA ह, औरे ह! सकीतं ह। हम रे आ दु भ ढंकी हुए ह;1 हम रे हसD स्वोंतं त्र हA ह; याह Dतंकी फिकी हम रे आDस "भ । जी वों की खोनि शांया औरे दुखो की! स्वोंतं त्रतं स व्य कीरे ए निवोंशांर्षों अ ज्ञा की अध कीरे फिदुया गेया ह। औरे याह ह नि की रेकी दुनिMrकी!ण जी वों म (हम रे अ क्षा स अनिधकी समस्या उत् न्न कीरे रेह ह; निजीतं म निसकी ग्रेनि थाया Dहम स!चौं भ हA थाA, उ स अनिधकी हम इस गेलेतं जी वों दुनिMrकी!ण की की रेण ले ले ह।1

"इसस ब हरे नि कीले की एकीम त्र उ या याह ह फिकी हम ईश्वरे की औरे नि कीट आएD, प्रकीMनितं की औरे सम हुचौंD(। हम शां औरे इस स्वों की रे कीरे म (हम (सकी !चौं हA ह! चौं निहए। भगेवों शां नितं ह—1 शां ओं की स्वों म । वोंह शां ओं स प्रम कीरेतं ह।1 हम रे सभ दुवों तं औरे दुनि वोंया Dफिकीस फिकीस शां प्रवोंMनि की नि यात्र की म गेए ह 1औरे उ शां शांनि या की हम !। या जीगे ले जी वों म ष्या की फिकीतं निमत्र ब गेए ह।1 याह सब

की निलेए उ या!गे कीरे वों ले भ । की की!, दुखो की! दुखो
हम रे इ शां प्रवोंMनिया रे नि यात्र ण कीरे की क्षामतं की की रेण ह हुआ ह।

"हम अ भ तंरे निछे सभ शां प्रवोंMनिया की! भ हचौं सकीतं ह,1 उन्ह (ब हरे ले सकीतं ह,1 औरे अ ले भ की निलेए उन्ह (नि यानि त्रतं कीरे सकीतं ह,1 जीस हम हले चौंले की निलेए बले की!, बड़ा ब!झे ढं! की निलेए ह था की!, औरे रे निगेस्तं की जीह जी की रू म (ऊDट की! प्रनिशांनिक्षातं फिकीया ह।

"तं! फि>रे हम स हस क्या कीरे(औरे अ भ तंरे निछे हुए स 4 औरे अन्या अ की शां ओं की! वोंशां म (क्या कीरे(? आइए हम उन्ह (हचौं (, उन्ह (नि यानि त्रतं कीरे(, इसस हले फिकी वों हम रे जी वों की सभ आ दु की! r कीरे दु।(ऐस कीरे हम रे जी वों की! औरे हम रे मत्Mया की! भ , जी! फिकी शां श्वतं शां नितं म (जी की एकी औरे तंरे की ह, बहुतं अनिधकी ले भकी रे ब दुगे ।"

गे! यातं की अनिभशां

"म ष्या फि>रे भ गेस्र रू स की या 4कीरेतं रेहगे(। जी वों की की या' औरे जी वों म (याH सब ध की भ"निमकी की ब रे म (हरे की!ई जी तं ह। फि>रे भ वों इ की या' की! खोडी गे! यातं की आवोंरेण म (निछे स दु कीरेतं ह।1

"नि जीतं ? ह ,D नि निश्चतं रू स। प्रत्याकी व्यनि की निलेए उसकी नि जीतं एकी निवोंत्र अनिधकी रे ह।

अनिधकी शां जी वोंरे भ एकी तं

म (निमले कीरे म दु कीरेतं ह,1 याद्यानि उ की प्रम जी वों सबकी स म ह!तं ह। अनिधकी शां भ वों त्मकी अनिभव्यनि या Dएकी

निवोंशांर्षों नि जी वों तं वोंरेण की म Dगे कीरेतं ह।1 भ वों ओं की प्रदुशां 4 कीरे अ रिरे कृतं की निचौंहृ ह।

क्या ? हA। कीभ भ भ तंरे या ब हरे प्रकी शां की! अस्वों की रे मतं कीरे!। प्रकी शां ह जी वों ह। जी वों ह ईश्वरे ह। म ष्या इस सत्या की! हA दुखोतं। याह दुभ 4ग्या ण"4 ह, ले फिकी याह सत्या ह।

"और इसकी स था ह वों इस दुनिMrकी!ण की! एकी बह तंरे, अनिधकी शां ले और प्र कीMनितंकी दुनिMrकी!ण म तं ह।

1 खोले कीरे जी स,

प्रम ण"4नि ष्ठों वों> दु रे और निमत्रतं म (जी स सभ म निसकी ग्रेनि थाया Dध ले जी तं ह,1 या उ म (स

अनिधकी शां सम तं ह!

जी तं ह।1

"सबस बड़ा गेलेतं जी! म ष्या अ म निसकी शां नितं की स था कीरेतं ह,1 वोंह ह असतं ले , अ रे धब!ध, अ धकी रे

की क्षा त्र की

नि म 4ण कीरे , और इ म निसकी ग्रेनि थाया की स था समझेHतं कीरे ।

"म ष्या इ ग्रेनि थाया की! ले म (गेवों4 और आ दु महस"स कीरेतं ह।1 याह म कीरिठ ह, ले फिकी याह सचौं ह।

उन्ह (अ

जी वों रे गेप्त तं की मखो Hट ह कीरे जी आवोंश्याकी लेगेतं ह। याह म ! उ की जी वों रे एकी अनिभशां ब

जी तं ह।

वों प्रकी शां की प्रवों शां स इ की रे कीरेकी अ निलेए अ ह की4 ब तं ह।1 उ की निलेए याH आ दु एकी वोंर्पिजीतं

>ले ब जी तं

ह। जीबफिकी याह उन्ह (सबस उच्चीतंरे आ दु प्रदु कीरे सकीतं था , जी! प्रम और शांरे रे की निमत्रतं , निवोंश्व स,

वी> दु रे और

एकीजीट तं की म ध्याम स प्र प्त ह!तं ह। जी वों म (उच्चीतंम आध्या नित्मकी आ दु की स्रो!तं याह ह।1

"वोंर्पिजीतं >ले की! ले!गे गेलेतं तंरे की स खोले म (निवोंतंरिरेतं फिकीए गेए >ले स अनिधकी म ठ म तं ह।1 याह

खोतंरे म (जी की

निवोंकीMतं आ दु की! भ बढ़ तं ह। इस प्रकी रे याH आ दु की! भ अ धरे की आवोंरेण म (ढंकी ले फिदुया जी तं ह,

और निष्ठे वों की

जीCदुब जी इस आ दु की! और भ तं व्र ब तं ह। " रिरेण मस्वोंरू , याह आ दु की वोंले आ दु की निलेए ह नि चौं!ड़ा

जी तं ह। म ष्या अ अनिधकी रे की ले ट रे ब जी तं ह।

याह की स अनिभशां ह! याह आ दु कीभ नि यानि त्रतं हA ह!तं ; इस कीभ भ एकी स म न्या और स्वोंस्था हले" की

रू म (

स्वों की रे हA फिकीया जी तं ; इसकी आध्या नित्मकी महत्वों की! अ रे धब!ध और भया की ग्रेनि थाया द्वी रे दुनि"र्षोंतं

कीरे फिदुया जी तं ह;

और जी वों की निवोंस्तं रे और सजीM की आ दु, जी! मले" उद्दी श्या था, उन्ह (अ धरे की! म (धकी ले फिदुया जी तं

ह। प्रम भ्रr और

नितंतं ह! जी तं ह। जीस ले लेचौं ले!गे आवोंश्याकीतं स अनिधकी भ!जी की छे भ गेतं ह,1 वोंस ह म ष्या

जी वों की चौंमत्की रे

और सद् रिरेया की स्वों ह फिकीए निब अनिधकी याH सखो की छे भ गेतं ह।1 जी वों की नि रे तंरेतं एकी

निवोंत्रेकीतं4व्य ह, ले फिकी

हम इस सस् की रे की! एकी गेदु और वोंर्पिजीतं की या 4म (बदुले फिदुया ह। "लिंहदु " द्धनितं म (जीब रु र्षों और स्त्र

की! नितं-तंत्र की रू म (स्वों की रे फिकीया जी तं ह, तं! वोंह एकी अत्यातं निवोंत्र और वों

तंत्र की दुनि या

सस् की रे ह!तं ह। उ की निमले वों स्तंवों म (जी वों -उद्दी श्या की निवोंत्रतं की निलेए एकी याज्ञा, एकी बनिलेदु ब

जी तं ह। ईश्वरे

की इच्छे जी वों की नि रे तंरेतं म (व्य ह!तं ह, और याH निमले उस ईश्वरे की इच्छे की! रे" कीरे की निलेए एकी

"हम रे शांरे रे रे हरे की ड़ा उस रू की घमडी ण"4 खोडी ह जी! ईश्वरे औरे प्रकीMनितं हम (प्रदु फिकीया ह। एकी फिदु जीब तं म रे" तंरेह स निशांनिक्षातं, दुढ़M औरे रिरे क्क ह! जी ओगे, तंब तं म्ह (तं त्र की ण"4 औरे निवों ले उ ह रे की अ भ वों ह!गे। तं म तंब समझे!गे फिकी हम रे शांरे रे औरे आत्म म (नि निहतं प्रत्याकी शांनि की एकी मह उद्दी श्या ह, जी! हम रे स निमतं दुनिMr स कीहA रे
ह।

"उस फिदु याह लिंलेगे भ दु तं म्ह रे निलेए नि रेथाकी4 ह! जी एगे। तं म्ह रे भ तंरे की सभ उलेझे (—लेज्ज , गे! यातं ,

नि जीतं ,
सकी !चौं—सब तं त्र की स् rतं औरे व्य कीतं की प्रभ वों स नि घले जी एगेD। याह सत्या ह। या दु रेखो , तं त्र जी वों की! स्वोच्छ
तंरे की स जी की निशांक्षा दुतं ह, जी! ईश्वरे औरे प्रकीMनितं की नि याम की सम्म औरे ले कीरेतं हुए जी

जी तं ह। तं त्र
रुल्था ह जीÂवों ह, एकी सकी रे त्मकी उद्दी श्या की स था जी वों जी की तंरे की ह। इसम (की रे त्मकीतं की निलेए की!ई
स्था हA ह। तं त्र म (की छे भ रेहस्यामया या अस् r हA ह। रेहस्यावों दु तं त्र की निवोंरे!ध ह। "

उ की वों ण की गेभ रेतं औरे प्रम मझे मत्र मग् ध कीरे फिदुया। मझे ऐस लेगे जीस वों ज्ञा की स गेरे म
वोंह आगे ब!ले, "याह निशांक्षा ध रे -ध रे निमलेतं ह, क्या फिकी याह ज्ञा अ म!ले औरे महत्वों ण" 4ह, इस अत्यातं स वोंध की
(डी बकी लेगे रेह
म थह!मरे, निशांक्षकीरे दुरुहा सां!म। कीसे वोंध क्या फिकी गे! यातं। जी! निवोंवोंकी
ह , औरे म 1उस अमतM की! नि ए जी रेह ह।D
उसम (अनिचौत स वोंध की व्यक्ति वों या 4कीम ह!गे। जीस प्रया!गेशां ले म (ज़ीहरे ह!, या गे!दु म म (Å !ले रेखो ह!, तं! आ

तंत्र की स की या 4कीरेत ह?

निवोंशांर्षो स वोंध बरेतंतं ह।1 इसम (की!ई गे! यातं हA ह!तं , की वोंले आवोंश्याकी स वोंध की प्रनिशांक्षाण ह!तं ह। कीई शां!ध की! उस चौंरेण रे गे! या रेखो जी तं ह जीब उन्ह (स वोंजी4नि की कीरे खोतंरे की की रेण ब सकीतं ह। निजीतं अ म!ले ज्ञा ह!तं ह, उतं ह उस कीड़ा नि गेरे म (रेखो आवोंश्याकी ह! जी तं ह। गेरु ह इस नि गेरे शांनि की प्रतं की ह।

"तं त्र अस् r हA ह। अगेरे ऐस ह!तं , तं! सबस स म न्या आफिदुवों स इसकी सरे क्षाकी हA ह!तं। तं म ध रे -ध रे समझे!गे फिकी निजीतं अनिधकी प्र कीMनितंकी, नि ष्की ट औरे सरेले की!ई सम जी ह!तं ह, उतं ह वोंह तं नित्रकी अ छों रे नि भ4रे ह!तं ह। धरेतं स जीड़ा व्यनि औरे प्रकीMनितं की नि कीट रेह वों ले व्यनि तं त्र की सबस नि कीट अ या या ह!तं ह।1 तं त्र औरे तं नित्रकी अ छों अत्यानिधकी निवोंद्दी औरे कीMनित्रमतं की! अस्वों की रे कीरेतं ह।1 याह गेरु स प्र प्त व्य वोंह रिरेकी नि दुशांÔ रे नि भ4रे रेह याफिदु की!ई इस म गे 4की! अ चौं हतं ह औरे अ व्यनि गेतं तंकी4सगे तंतं की! हले सतं r कीरे चौं हतं ह, तं! उसकी निलेए बह तंरे ह!गे फिकी वोंह इस म गे 4की! रे" तंरेह त्या गे दु। गेरु रे, औरे की वोंले गेरु रे नि भ4रेतं , इस रेहस्या द्वी रे की रेम आ दु तंकी हुचौंD की हले , दुस"रे औरे तं सरे चौंरेण ह।1

"तं म्ह रे जी! प्रनिशांक्षाण प्रफिक्रंया चौंले रेह ह, उस इस प्रकी रे समझे जी सकीतं ह जीस इस् तं की! मजीबतं" ब या स! की! शां द्ध कीरे । जीब तंकी तं म म वों शांरे रे की प्रनितं सह औरे उ या दुनिMrकी!ण निवोंकीनिसतं हA कीरे ले तं, तंब तंकी तं त्र की की! मतंलेब हA ह। निब निवोंश्व स की चौंचौं4 म (प्रवों शां कीरे की क्या ले भ? दुशां4की की दुनिMr तं त्र की निलेए हA ह, ह अकी दुनिMrकी!ण। जीब तंकी म ष्या शांरे रे की की या' औरे जी वों की प्रफिक्रंया ओं की निडीज़ी इ की स था स ध स म हA कीरेतं , वोंह

शांरे रे स, निवोंशांर्षो रू स म स, हA ह! सकीतं। रेहस्या की अस् rतं म व्यनि की म गे 4म (ब ध हA ब तं।

"म ष्या की! शांनि की स्रो!तं तंकी हुचौंD चौं निहए। तं म्ह (इस शांनि की स्रो!तं तंकी हुचौंD ह। अब तं म समझे सकीतं ह! फिकी तं म ष्या औरे स्त्र , रु षोंत्वों औरे स्त्र त्वों, जी वों की आ दु औरे उCले स की प्रनितं सह दुनिMrकी!ण क्या निवोंकीनिसतं कीरे चौं निहए

तं म्ह (याह बहुतं स् r रू स समझे चौं निहए फिकी क्या शां द्ध ह और क्या अशांद्ध ; क्या व्यनि गेतं ह और क्या स वोंजी4नि की; क्या
वों स्तंवों म (तं म्ह रे ह, और क्या सबकी ह।

"शांरे रे की नि कीट आ की निवोंद्या की! तं म्ह (उतं ह लेगे और स वोंध स स खो चौं निहए, निजीतं आगे की

भट्ठा ,
बच्यालेरे, या जीलेतं हुए अनिग्नकी डी की स जी की निवोंद्या की! स खो म (लेगेतं ह। अन्याथा , तं म आगे बझे स
हले ह जीले
जी ओगे। अगेरे तं म स्वोंया की! उजी गेरे कीरे!गे, तं! वोंह तं म्ह (हA जीले एगे । ले ब समया तंकी निस्थारे बठ ओगे,

और समया तं म्ह (
ब निधवं हA कीरे गे । रे" म स आदुशां4 की! प्रम कीरे!गे और उस रे ध्या की(फिद्रतं कीरे!गे, तं! प्रले!भ तं म्ह
(निवोंचीनिलेतं हA
कीरे गे । इस स खो!; इसम (रे गेतं ब !। की वोंले तंभ तं म नि भÂकीतं स मजीबतं", की शांलेतं स नि ण ,

स हस वों"की4 वों रे और
निब फिकीस ग्रेबि था या रुकी वोंट की बब की ब ओगे। निवोंकीMनितं की हमशां एकी सह रू ह!तं ह। उस
ढ"Dढं!। उसकी ले
कीरे!।"

Mथ्वों एकी कीन्या ह

"इस की रेण स आस की शां रुआतं की गेई ह। शांरे रे की! म की स था प्रनिशांनिक्षातं कीरे आवोंश्याकी ह। जीब शांरे रे की! आस की म ध्याम स स ध निलेया जी तं ह, तं! म स्वोंतंo ह वोंशां म (और नि यानि त्रतं ह! जी तं ह। तंब शांरे रे तं म्ह (अनिधकी कीr हA
दुगे । याह थ्Mवों मले" और अ नितंम आस ह। हम इसकी अत्यातं नि कीट ह।1 हम इस इतं जी तं ह 1फिकी याह भ हA समझे तं
फिकी हम इसकी सबस नि कीट ह।1

" थ्Mवों एकी कीन्या की सम ह जी! जी वों की! जीन्म दुतं ह निब भ्रr हुए। वोंह जी वों की निवोंकी स की निलेए

भ्रातं की! भ
आत्मस तं कीरेतं ह। याह थ्Mवों एकी स था गेमÂ और म की! अवोंशां!निर्षोंतं कीरेतं ह। की स? क्या याह
आश्चर्याजी4 की हA ह? वोंह
याह जी दु "की स कीरेतं ह? जीस शांनि शांनि की! आकीर्पिर्षोंतं कीरेतं ह, वोंस ह शांरे रे शांरे रे की! आकीर्पिर्षोंतं

कीरेतं ह। आस की
अ नितंम उद्दी श्या शांरे रे रे नि भ4रे कीरेतं ह, निजीसम (म मकी अशां नि तं या तं! स!तं ह या गेरेजीतं ह। हरे
निस्थानितं म,(म
आध्या नित्मकी आ दु म (ब धकी ह!तं ह। म की! कीठ!रे अ शां स म (रेखो ड़ातं ह। म की! नि यानि त्रतं कीरे की

निलेए, एकी
शांरे रे की दुस"रे शांरे रे की नि कीट ह! की कीले की! निवोंकीनिसतं कीरे ड़ातं ह। अलेगे वों और एकी तं की
अभ्या स जी वों की!
की रेतं ह। याह तं! सभ वों ह और ह आवोंश्याकी। "शांरे रे, वों या, जीले, थ्Mवों , अनिग्न और वों याम डी ले की

घट ओं म (अ दुखो शांनि -ध रे एD अत्यानिधकी म त्र म (प्रवों निहतं ह!तं
ह।1 इ की अले वों , म , बनि द्ध और अहकी रे जीस तं अमतं" 4घट एD भ ह।1 आस हम (इ घट ओं स शांनि या
की! कीड़ा ,
तंत्र की दुनि ,या
उन्ह (सग्रै ह तं कीरे और म वोंतं की ले भ की निलेए उ शांनि या की! o सचौं निलेतं कीरे म (सह यातं कीरेतं ह।

1

"ह् ले Dफिकी, म 1तं म्ह (इस चौरिण रे याह चौंतं वों दु चौं हूँगेD फिकी इ आस की उ या!गे की वोंले शां रे रिरेकी आवोंश्याकीतं ओं की! रे" कीरे की निलेए कीरे खोतंरे की ह! सकीतं ह। "

जीह् D भले ई भ भले हA

याह् चौंतं वों मझे आश्चयाचौं4फिकीतं कीरे गेई। शांरे रे की! स्वोंस्था रेखो या रे!गे स म रेखो फिकीस प्रकी रे खोतंरे की ह! सकीतं

ह? उन्ह मरे उलेझे की! भ D निलेया , औरे एकी ब रे फि>रे मस् की रे ईं। सया" 4स्तं नि कीट था । गेरेम ध" अब गेरेम हA रेह था ।

उ की शां नितं स प्ररि रेतं मस् की मझे सम आ रेह सध् या की या दु फिदुले ई। क्या म 1थाकी हुआ हA था ? क्या मझे दु तंट रे हुचौंD की इच्छे हA था ? म 1वों स्तंवों म (बचौं हA था , रे याह चौंचौं 4, हA, याह निशांक्षा अगेले फिदु की निलेए रेखो

बह् तंरे ह!तं ।

उन्ह ब तं शां रू की , "अच्छे स्वों स्थ्या एकी ग्रेतं की निलेए खोतंरे ब सकीतं ह, जीस अच्छे ह वों , अच्छे भ!जी

औरे

भले ई की एहस स भ ब सकीतं ह। म 1याह Dअच्छे की अथा 4अनितंशांयातं औरे निवोंले निसतं स ले रेह हूँ।D अत्यानिधकी भले ई भ

लेलेचौं वों ले ह!तं ह। म 1अच्छे की मतंलेब उस स म निजीकी व्यवोंह् रे स ले रेह हूँ,D जी! स म न्यातंo स्वों की या

4ह!तं ह। भ रेवों

औरे तं निन्नकी अच्छे ई औरे बरे ई की निलेए अलेगे म दुडी रेखोतं ह।1 तं म्ह (अब तंकी याह समझे म (आ जी चौं निहए। म 1तं म्ह (इस

ब रे म (निशांनिक्षातं कीरूDगे । मझे तं म्ह (याह भ निसखो ह फिकी तं त्र म (हम शांरे रे की जी" कीरेतं ह,1 उ

चौं जी की आरे ध कीरेतं

ह 1निजीन्ह (स म न्यातंo अरे ध्या हA म जी तं ; जी! अस् r ह, उस रे बले दुतं ह 1औरे जी! घMण स् दु ह, उसकी मनिहम की

गे कीरेतं ह।1 भया की चौं जी (हम रे ड़ा!स ह;1 निब शांरे रे वों ले आत्म ए Dहम रे सले हकी रे ह;1 स्वोंया याह

प्रकीMनितं हम रे

शांनि की स्रो!तं ह। हम की छे भ दु Ôकी छे हA रेखोतं । जी!रे स अलेम रे खोAचौं! मरे बट । जी! गेदु गे औरे मले जीम ह, उस

उड़ा जी दु!। जी! >>"Dदु औरे कीवोंकी की दुगे áध ह, उस ब हरे नि कीले जी दु!। तंभ वों या की तं जीगे तं म्ह रे

प्र णवों या की!

सजी वों कीरे गे । तंभ हम छे Dटकीरे, आवोंश्याकी वोंस्तं ओं की चौंया कीरे सकी(गे. ..

"... ले फिकी तं म अब दु तंट रे ह! वों ले सत्र औरे गे तं की ब रे म (सा!चौं रेह ह!? अच्छे , चौंले! चौंलेतं ह।1 आजी

की

सया" 4स्तं वों स्तंवों म (बहुतं सदु रे लेगेगे ।"

उन्ह मरे ह था कीड़ा , औरे हम दु! दु तंट की ओरे चौंले फिदुए।

4. एकी निवोंनिचौंत्र रे निरो (A Strange Nocturne)

स शांयावों दु ब लेकी

प्रनिशांक्षाण जी रे रेह। ए आस की रिरेचौंया हुआ। अब मझे याह आभ स ह! लेगे था फिकी या आस स ध रेण व्य या म हA था, जीस वों रे णस की गेरेम घ ट रे या स् तंकी म (फिदुखो ए जी तं ह।1 औरे वों गे तं औरे भजी ! आध सदु स भ अनिधकी समया ब तं जी की ब दु, जीब म 1 छे मड़ा कीरे दुखो तं हूँ,D तं! मझे उ गे तं औरे भजी की सकी ले की प्रनितं अत्यानिधकी आभ रे महस"स ह!तं ह।

गे तं औरे भजी अ तं शांनि या की! सब !निधतं कीरे की निलेए म जी तं ह।1 इ म (भ गे ले ध र्पिमकी गेभ रेतं की

एकी कीम 4म (

शां निमले ह! हA ह। इ स उत् न्न ह! वों ले प्रनितंफिक्रंया ओं की आध रे इतं स् r ह फिकी याह समझे म (अनिधकी प्रया स कीरे ड़ातं फिकी मत्र हम रे अवोंचौंतं औरे अनितंचौंतं अनिस्तंत्वों की! की स प्रभ निवोंतं कीरेतं ह 1औरे हम रे

भ तंरे एकी रिरेवोंतं4

से तं लेमले निबेठ की ले तं ह।1 या मत्र आध्या नित्मकी स धकी द्वी रे स्वों भ निवोंकी रू स स्वों की रे फिकीए जी तं ह।1 ब्राह्म डी या चौंतं प्रभ वों म ध्याम की रू म (मत्र की मC"या निवोंशांर्षों कीरे वोंनिशांक्षा की निलेए अस म ह।

ह ले Dफिकी तंब म 1म त्र एकी फिकीशां!रे ब लेकी था , फि>रे भ ध र्पिमकी औरे आध्या नित्मकी की ब चौं की सक्ष्"म

भ दु की! ले कीरे मरे म म (

की रेण, धम 4की > सदु ह था। रिरेवों रिरेकी रे रे ओं औरे घरे म (लेगे तं रे ह! वों ले निवोंनिभन्न अ छों औरे निवोंनिधया की ब रे म (मरे ध रेण जीरिटले औरे लेम्ब (अक्सरे उब ऊ) लिंहदु "अ छों की उलेझे स गेहरे रू म (जीड़ा हुई था। निवोंनिभन्न वोंस्तं ओं की सया !जी , बनिले अ ण4, मडी ले ओं की नि म 4ण, मद्र ओं की ण"4तं , अ छों की समया की सेट की गेण की निलेए कीरिठ औरे श्रेमस ध्या प्रया स मरे म म (कीई असहजी प्रश्न खोड़ा फिकीए। ऐस हA था फिकी मझे या सब

हमशां स दु

कीरे ई। इ ह था ले फिकी इ म (स की छे अ छों हम रे कीठ!रे अ शां स था! फिदुया औरे हम (वों स्तंवों म (कीड़ा मह तं अ छों की म Dगे की की रेण हम,(फिकीशां!रे की!, अनिधकी शां समया इधरे-उधरे दुHड़ातं रेह ड़ातं था।

आजी जीब म 1उन्ह (स्मरेण कीरेतं हूँ,D तं! मरे दुनिMrकी!ण बदुले चौंकी ह। म 1 अ भ वों स स खो ह फिकी या

अ छों , भ स

1उ ले की! या दु अ शां स की अ क्षा कीरेकी , उन्ह (गेभ रेतं , आत्म-नि यात्र ण औरे श्रेद्धा की निस्थानितं म (ले तं ह।1 आजी जीब म कीरेतं हूँ,D तं! मझे लेगेतं ह फिकी इ अ छों की स था जीड़ा एकी ग्रेतं शांरे रे की! स्>"र्पितं दुतं था औरे म की!

शां नितं हुचौंD तं

~~था। याह रुनिचौं औरे आकीर्षों4ण उत् न कीरेतं था , निजीसस ध्या औरे याह तंकी फिकी स ध की निस्थानितं प्र स~~ तंत्र की दुनि या रे तं उ फिदु म,(हम रे निलेए तं! की वोंले दु! ह चौं ज़ी (रे!चौंकी थाA:

म की! हले जी" की दुHरे बजी वों ले घ ट , गे ड़ा औरे मत्र !च्ची रे की स था टकी यातं औरे भव्यतं की आभ , जी! ब ले आकीर्पिषोंतं कीरेतं था।

हम म तं था, और दुढ़M निवोंश्व स रेखोतं था, फिकी जी! भ वोंस्तं या घट उ की निलेए अ म!ले था , वोंह अवोंश्या ह अ म!ले ह!गे । इस एकी निवोंश्व स इ अ छों की चौं रे ओरे एकी फिदुव्य आभ रेचौं दु था ।
स्वों भ निवोंकी रू स, उ अ छों म निसकी असहमनितं की ब वोंजीदु" एकी भव्यतं और गेभ रेतं की! ध रेण फिकीया ।
हरे अ छों एकी प्रनितंज्ञा (मHनिखोकी या अमHनिखोकी) की स था जीड़ा ह!तं ह, और प्रनितंज्ञा ह सकी C की जी ह।

ले फिकी इस गेभ रेतं की एहस स और मह शां स्त्र या भजी की भव्य सगे तं स उत् न्न स;दुयाब4!ध हम रे भ तंरे की छे गेहरे ई स झेकीझे!रे फिदुया ।
आ इस आत्म कीह सकीतं ह 1(निजीसकी हम (तंब की!ई रेवों ह हA था), या इस हृदुया कीह सकीतं ह,1 या की छे और (याह आ की स दु रे नि भ4रे कीरेतं ह) , रे तं इ अ छों म (हम रे आ तंरिरेकी भ वों की! जी! स् शां4 निमले , वोंह अनिडीगे था और अब, अनिवोंस्मरेण या भ ।

स "ण 4स ध एकी निसद्ध तं रे आध रिरेतं था , और ऐस ह! सकीतं ह फिकी वोंह म त्र एकी सद्ध नितंकी दुनिMrकी!ण था ।
ले फिकी इसकी हम रे जी वों और जी वों शांले की प्रनितं दुनिMrकी!ण की नि म 4ण रे जी! प्रभ वों ड़ा , उसम (नि स्सदु ह एकी दुढ़ निवोंश्व स की छे था ।

आध्या नित्मकी ट"थाब्राशां

तंब उस समया याह हम रे धम 4था । उस धम 4म (रेले!कीवों दु की निलेए बहुतं कीम या निबCकी ले भ स्था हA था , निजीस रे शां यादु अनिधकी शां स स रिरेकी धम 4रिटकी हुए ह।1 स्वोंगे 4या रेकी, भगेवों या शां तं , वों"4जीन्म या जीन्4म जीस ब तं (औ चौं रिरेकीतं ए Dलेगेतं थाA, जी! कीभ -कीभ तं! जी ब"झेकीरे भ्रनिमतं कीरे और भटकी की स ध म त्र प्रतं तं ह!तं थाA।
क्या हम अन्या सदु भ' म (भ ऐस ह शांब्दु की उ या!गे हA कीरेतं निब फिकीस वों स्तंनिवोंकी सले ग्रतं की ? जीस मले रिरेया , महगे ई, प्रदुर्षों"ण, या अ तंरेध र्पिमकी सम्मले की सदु भ 4म?(
धम 4भ जी वों म (उ रेसदु रे और जी!रे दु वों ले शांब्दु म (स एकी लेगे लेगे था । जीस एकी चौंले की रू म (ले कीरे ; रे रे ओं की आगे झे की । एकी प्रकी रे की आध्या नित्मकी 'ट"थाब्राशां' निजीसकी निब म ! अ तंरे त्म की! कीच्ची चौंब की निलेए अ दुरू तं या रे हA ह!तं ।

ऐस अ स रेण स्वों कीMनितंया की स्वों कीMनितं और आदुतं की तं कीतं स उत् न्न ह!तं ह।1
मले" रू स शांनि वों रे की घ ड़ादुHड़ा की प्रनितं आकीर्षों4ण और चौंचौं4 जी की लिंखोचौं वों म (बहुतं कीम अ तंरे ह!तं ह। इ स म आकीर्षों4ण की प्रभ वों म (हम स्वोंतं त्र निवोंचौं रेकी की बजी या ले म (घ"मतं हुए ब"ले-बया रिंरेगे की तंरेह अनिधकी व्यवोंह रे कीरेत

रेहस्यावों दु की स स रिरेकी ले!गे रे की!ई प्रभ वों हA ड़ातं ; अदुश्Mया म (आ दु ले या उस अ क्षा ओं की र्पि"तं की स्त्रो!तं की रू म (उ या!गे कीरे की क्षामतं एकी निवोंशांर्षों वोंरेदु ह, जी! की वोंले आत्म की भ"खो ले!गे की स ह!तं ह।
आत्म म (एकी ऐस भ"खो ह!तं ह जी! गे ए गेए या निब गे ए गेए सगे तं की उन्नतं सखो की निलेए तंड़ा तं ह।

भजी की प्रभ वों

भजी मरे आत्म रे स्था या प्रभ वों डी ले । उन्ह मरे चौंरिरेत्र की! आकी रे फिदुया । म 1 भजी की! निवोंनिभन्न स्था रे आज़ीम या ह – स्की"ले सभ ओं म,(निवोंशांर्षों अ रे !ध रे दु गेई प्रस्तं नितंया म,(ले फिकी ध र्पिमकी रिरेवोंशां म (गे ए गेए वोंह भ हमशां कीहA अनिधकी सतं !र्षोंजी की, सतं निलेतं और ण"4तं की अ भ वों दुतं था।

मरे निवोंश्व स ह फिकी भजी की ध्वोंनि ध र्पिमकी औरे आध्या नित्मकी भ वों ओं की ब चौं की रे खो की! निवोंभ निजीतं कीरेतं ह। ऐस क्या ह फिकी ध र्पिमकी भजी म (स् r शांब्दु म (स स रिरेकी ले भ औरे स>लेतं की ब तं की गेई ह? ध र्पिमकी अ छों दुवों -
दुवों तं ओं की! समर्पि तं ह!तं ह 1औरे अ छों कीतं 4उ स स स रिरेकी प्रनितं>ले की अ क्षा रेखोतं ह।1 ले फिकी म 1 इ भजी स एकी स्था या , गेह औरे अनिधकी गेढ़" रे स्की रे अ भ वों फिकीया । भजी की सगे तं त्मकीतं मरे आ तंरिरेकी व्यनि त्वों की! बदुले
फिदुया । म 1 की वोंले अनिधकी सवों दु शां ले औरे जी गेरूकी ह! गेया , बनिCकी एकी अ जी ह म 1 अ भ तंरे की अनिस्तंत्वों औरे ब हरे सस रे की ब चौं एकी सब ध स्था नि तं कीरे शां रू कीरे फिदुया ।

व्य की लेतं ह! या शां नितं, स्वोंप्न ह! या स क्षा त्की रे, सघ र्षों4ह! या सतं !र्षों, स;दुया 4औरे सजीM शां लेतं की

प्रशां स म (म 1 अ
अनिस्तंत्वों की! औरे अनिधकी ण"4तं स अ भ वों फिकीया । म 1 स्वोंया की! सया" 4औरे तं रे , वोंक्षाM औरे फिदुया , ध रिटया औरे ह ड़ा की

स था एकीरू या । म ष्या मरे आत्म की ड़ा!स ब गेए। सस रे मरे घरे था । सया" 4मरे स म (बहतं था । खोले

आकी शां
औरे सम द्र मरे म निसकी अटरिरेया ब गेए।
याह अ भ वों धम 4स कीहA अनिधकी गेहरे था । याह उस आनित्मकी शांनि की उ ह रे था जी! व्यनि या की! समया

औरे ऊजी 4की
महस बनि धया म (रिरेवोंर्पितंतं कीरेतं ह। सभ वोंतंo याह धम 4औरे अध्या त्म की ब चौं की स म ह। शां यादु इस कीरेण म 1
स्वों भ निवोंकी रू स भजी की ओरे आकीर्पिर्षोंतं ह!तं चौंले गेया । म 1उ की प्रनितं अनिधकी निधकी अ रे ह!तं

गेया ।

की सरिरेया वोंत्र्ध रे मनिहले अ स्वोंया की रेचौं त्मकी सग्रे ह स भजी की! जी!ड़ा । जीब भ म 1उन्ह (गे तं ,

निवोंशांर्षों रू स
गेहो तंट की एकी तं स्था रे, तं! एकी सखो दु याकी उ जी मझे आगे बढ़ तं , औरे उस स्था रे, जीह D स ध म ले की
म की दुब या था , वोंह D एकी हCकी जीले स महस"स ह!तं । बदु आDखो की स म बहुरे गे लिंचौंगे रिरेया D

शां तं आकी शां म (
चौंमकीतंA, औरे अ या स ह आDस "मरे गे ले की! निभगे! दुतं । म 1एकी उष्णतं औरे ऊजी वों4 तं स भरे उठतं ।
याह स् r कीरे आवोंश्याकी ह फिकी याह म ठ उ जी , जी! ध रे -ध रे मरे जी वों की अनिभन्न अ गे ब गेई, उसम (की!

ई गेहरे
शां नितं की निमले जी ले असरे था । जी! भ रेह ह्या,ह्मझेवों की रे कीरे चौं निहए फिकी इ भजी बमझेब रे उस
भ वों त्मकी तंत्वों हA था । याह भ वों त्मकी रू स सतं !र्षोंजी की था रे तं आध्या नित्मकी रू स अC की निलेकी।
आदुनिकी जीव भ वों की औरे अग्रसरे फिकीया निजीस मझे अ तं की दुनि या की अ शां ह! की अ भ वों फिदुया । इस मझे सतंतं
मि(जीवि से ही अथ बोंबमरे रेखिलेए बहुम"Cया ब गेए, तंभ म 1इस अ तंरे की! समझे या । फि>रे भ याह अ भ वों रे"
ह ले Dफिकी, एकी गेहरे अ तंरे था , औरे याह अ तंरे मरे निलेए खोदु जी की था – या!गे की निसद्ध गेरु या सतं की तं ले म,(म 1उ
तंरेह सतंह
भ वों अ की! ले ब समया तंकी ब ए रेखो म (असमथा 4था । फि>रे भ , म 1आजी भ उ क्षाण की ऋण हूँ,D जी! भजी की
हA था ।
क्या सतंह रे तं रे म (की!ई आ दु हA ह? क्या उस लेहरे की स था स झे फिकीए गेए वोंभ वों म (की!ई मनिहम हA

ह, निजीन्हे (
तं रे की अ ह था स चौं रेतं ह, निजी रे सया" 4की फिकीरेण (टकीरे कीरे रिटमरिटम तं ह?1 स्वोंतं त्रतं , हCकी ,
उत्स ह, औरे
सस रे की भ रे स म ह! की अ भ वों फिकीस आध्या नित्मकी सतं !र्षों की सम ह!तं ह।

म ध्याम स प्र स्त भ वों त्मकी उ जी स उत् न्न हुए था।
अक्सरे म 1स्वोंया ह शांब्दु की! सगे तं म (नि रे!कीरे गे लेगेतं हूँ।D म 1याह् कीभ भ फिकीस स स रिरेकी ले भ या याशां की ले लेग म (हA कीरेतं । म 1जी तं हूँ Dफिकी ऐस गे तं मझे तंकी वोंस ह आतं ह,1 जीस हवों स सदु शां तंकी हुचौंDतं ह।1

ले फिकी जीब की सरिरेया वोंस्त्रध रे मनिहले मरे आस औरे गे तं की! स वोंध वों"की4 म गेदु4शां4 दु रेह थाA, तंभ एकी या दुगे घट मरे जी वों की! वों स्तंनिवोंकीतं ओं की स म ले खोड़ा फिकीया । म 1 अ एकी उ न्या स म (इस घट की सदु भ 4फिदुया ह, ले फिकी याह Dम 1उस निवोंस्तं रे स वोंर्पिणतं कीरे चौं हतं हूँ।D उस घट की मरे आध्या नित्मकी निशांक्षाण रे गेहरे प्रभ वों ड़ा इसकी अनितंरिरे , इस मझे की सरिरेया वोंस्त्रध रे मनिहले की उस क्षा की! समझे म (भ मदुदु की , निजीस उस फिदु तंकी उ की जी वों ले म (स फिकीस हA समझे था ।

की ले ब म ले-सरेस्वोंतं

इले की म (फिकीस महत्वों ण" 4व्यनि की म म (स मनि"हकी अ छ्टों नि की प्र था 4 आया!निजीतं कीरे की निवोंचौं रे आया । इस प्र थ निजीस तं नित्रकी दुवों की आवों ह फिकीया जी था , वोंह् थाA समया की व्य की रू स नि"जीतं दुवों – अ धकी रे की म तं , की ऐस स मनि"हकी प्र था 4 ए Dअक्सरे स वोंजी4नि की सड़ाकी की चौंHरे ह रे आया!निजीतं की जी तं ह,1 निवोंशांर्षों कीरे अम वोंस्या की!, जीब चौंद्र म भ!रे की समया उफिदुतं ह!तं ह।

इस प्रकी रे की स मनि"हकी प्र था 4 की! बरेवों रे जी" (स मदु नियाकी प्र था 4) कीह जी तं ह, जी! प्र याo कीह ले!ह!तंजी ह!।

इस बड़ा ध"मध म औरे स मदु नियाकी सहमनितं की स था स न्न फिकीया जी तं ह।
अब, की ले (याद्यानि वोंह् भयाकी रे रू वों ले औरे अ धकी रेमया ह)1 एकी रिरेनिचौंतं दुवों ह 1औरे गेहMस्था की निप्रया भ । म तं की ले जी वों की ण"4तं की प्रतं की ह 1– वों सजीM औरे सह रे, दु! की प्रनितंनि निधत्वों कीरेतं ह।1 वों समया की उस शांनि की प्रतं की ह 1जी! जी वों की रेहस्या की! सम ट हुए जी!ड़ातं औरे तं!ड़ातं ह। उ की प्रनितंम उस ग्र सत्या की प्रतं की ह जी! सभ आवोंरेण की! हट कीरे वों स्तंनिवोंकीतं की! उजी गेरे कीरेतं ह।
तं त्र चौं गे म (इसस अनिधकी म गेनिलेकी औरे गेभ रे प्र था 4 औरे की!ई हA ह! सकीतं । की ले जी" की निलेए अ छ्टों नि की निवोंनिधया म (ण"4 शां द्धतं औरे निवोंत्रतं की आवोंश्याकीतं ह!तं ह। तं नित्रकी निवोंनिधया म (रू (>²म)4 की अत्यानिधकी महत्व जीस - जीस स धकी की स ध म (प्रगेनितं ह!तं ह, वोंह इ रू की बध की! छे!ड़ा दुतं ह औरे उ की जीगेह रे कीहA अनिधकी महत्वों ण" 4औरे गेह अ भ "नितंया Dले ले तं ह।1 जीस सया" 4की उदुया ह! रे तं रे निक्षानितंजी म (निवोंले ह! जी तं ह,1 वोंस अ भ "नितंया की प्रखोरेतं स रू गेHण ह! जी तं ह।1

याफिदु अ छ्टों नि की रू की शां द्धतं स धकी की! आध्या नित्मकी प्रगेनितं की ओरे ले जी तं ह, तं! वोंहA ज़ीरे -स भ त्र रिट या ले रेवों ह गेभ रे प्रनितंकी"ले रिरेण म भ ले सकीतं ह।

म"र्पितंया Dऔरे प्रनितंम

इस प्रकी रे की निवोंस्तंMतं अ छ्टों नि की प्र था 4 ओं (तं त्र-वोंज्रया) की निलेए उतं ह जीरिटले औरे ण"4 मर्पि"तंया की अ क्षा की ह, जी! शां स्त्र म (फिदुए गेए वोंण4 कीह असल कीतं ह इसकी स रे ह। की शांले निशांC की रे इ मर्पि"तंया की! त्थारे,

लेकीड़ा या निमट्टा स उकी रेतं ह।1 इ म (स निमट्टा की मर्पि"तंया की! अ छों ण"4 ह! की ब दु दु , सम द्र या झे ले म (निवोंसर्पि
कीरे फिदुया जी तं ह।

तं त्र याह नि दुश्चंùÓ ह फिकी स धकी की! सदुवों मर्पि"तंया स निचौं की हA रेह चौं निहए। मर्पि"तंया की स्था ध रे -ध रे निवोंचौं
प्रनितंम (कीC) द्री रे निलेया जी तं ह, फि>रे म त्र निवोंचौं रे द्री रे , औरे अ तंतंo की वोंले भ वों द्री रे , जी! स धकी की अनिस्तंत्वों
की स रे ब जी तं ह। जीब तंकी द्रीतं की अ भ "नितं ब रेहतं ह, स धकी की उद्दी श्या ण"4 हA ह!तं ।

मर्पि"तंकी रे स्वोंया स धकी ह!तं ह,1 औरे वों दुवों तं की स्वोंरू म (म Dगे गेई सक्ष्"मतंम निवोंवोंरेण म (भ शां यादु ह कीभ त्र रिट की
सब निधतं दुवों तं की सट की निवोंवोंरेण प्र चौं तं नित्रकी द्री रे निलेनिखोतं शां स्त्र म (सरे निक्षातं ह,1 निजीन्ह ध्या द्री रे उ म
जी वोंतं अ भ वों स रि"रेतं फिकीया था । इन्ह (ध्या कीह जी तं ह, औरे प्रत्याकी ध्या की! उस प्रध रे !निहतं द्री रे भले -भ Dनित
आत्मस तं फिकीया जी आवोंश्याकी ह, जी! अ छों स न्न कीरे म (सले ग्न ह!तं ह।
इ ध्या म (आध्या नित्मकी शांनि या की गेढ़" अ भ वों की! प्रतं की त्मकी रू म (वोंर्पिणतं फिकीया गेया ह, निजी की प्रत्याकी निवों
सब निधतं दुवों तं की अ तंर्पि निहतं शांनि या की निवोंनिभन्न हले" सम निहतं ह।1

गेलेतं या चौंमत्की रे?

निर्नीमयत्र रेवा रेह, जीवोंहकीर उCलेखकी की छे प्रम खो तं त्र निवोंशांर्षों ज्ञा की भ गे दु रे की की रेण निवोंशांर्षों
रू स प्रनितंनिष्ठोतं था । मर्पि"तं नि म 4ण की प्रगेनितं की स था प्रनितंफिदु मर्पि"तं की जी Dचौं की जी रेह था । इस अ छों एकी उ
की!रिट की तं नित्रकी की! आमनि त्रतं फिकीया था , निजीसस रे" गेरे म (हलेचौंले मचौं गेई था ।

उस दु! हरे, म Dकी स या "Dह स म न्या ब तंचौं तं कीरेतं हुए भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले आईं औरे ब चौं म (ह याह छे" निलेया
फिकी प्रस्तं निवोंतं तं रे जी" (तं रे की निलेए अ छों) कीH कीरे गे ?
तं रे जी" ! ऐस भया की निवोंर्षोंया औरे उस रे इतं बड़ा चौंकी"! याह की वोंले एकी अ जी म (हुई गेलेतं हA ह! सकीतं था ।
याह अवोंश्या ह जी ब"झेकीरे कीह गेया था । ले फिकी क्या ? आनिखोरे क्या उन्ह तं रे की उCलेखो फिकीया ?
नि तं कीठ!रे दुनिMr स उ की ओरे दुखो औरे कीह , "की!ई तं रे जी" हA ह! रेह ह। आ की! तं! निवोंशांर्षों रू स तं ह!
चौं निहए फिकी तं रे जी" की क्या अथा 4ह!तं ह औरे हम रे जीस रिरेह याशां इले की म (इसकी क्या प्रभ वों ड़ा गे । याह हमशां
श्मशां भ"निम म (की जी तं ह; इस खोले म (कीभ हA फिकीया जी तं । क्या आ चौं हतं ह 1फिकी रे" म!हCले कीनिब्रास्तं म (
जी ए? क्या आ ऐस चौं हतं ह?1 मझे आशां ह फिकी हA। हम (वोंज्रया म (रे गेतं तं नित्रकी कीह Dनिमलेगे ? ऐस अ छों की
सचौं ले कीH कीरे गे ? वोंस भ हम अभ तंकी प्रस्तं निवोंतं की ले जी" की निलेए एकी या!ग्या रे !निहतं की तंले शां म (ह।1 हA,
आ की! ले-सरेस्वोंतं तं रे की जी" की सझे वों हA दु चौं निहए था ! हA!"**
उन्ह की-भ; निसकी!ड़ा औरे आध अनिवोंश्व स की स था निसरे निहले तं हुए चौंले गेईं।

कीC की निजीए मरे हरे की , जीब की छे ह फिदु ब दु रे" म!हCले म,(औरे हम रे प्रनिसद्ध अकी दुम की निवोंद्री म,(एकी
अजी ब स हगे म मचौं गेया । मर्पि"तं की ले की हA, बनिCकी तं रे की ब था , जीस फिकी प्र रे भ म (स!चौं गेया था ।

स्वों भ निवोंकी रू स, घट ओं की इस अ !खो म!ड़ा सभ की! चौं;की फिदुया । इस आकीनिस्मकी रिरेवोंतं4 की रेहस्या अ धकी रेमया
और रे" तंरेह चौंमत्की रे था । कीड़ा नि गेरे की ब वोंजीदु", एकी अ भ वों और की शांले मर्पि"तंकी रे स इतं गेभ रे चौंकी" ह! गेई
और वोंज्रया की भया की और नि निर्षोंद्ध ले-सरेस्वोंतं तं रे की मर्पि"तं ब गेई, निजीस सभ नि डीतं की! स्तंब्ध कीरे फिदुया ।

सबस महत्वों ण" 4अ तंरे रे की निस्थानितं म (था । तं रे की ब या D रे हमशां भ"निम रे रेहतं ह (दु या D रे

निशांवों की नि जीÂवों शांरे रे
वोंया!वोंमर्पि"तंकी रे हक्के-बक्के रेह गेया । वोंह की वोंले इतं कीह यह, "वोंह इस रू म (प्रकीट ह! चौं इतं था ।"
ये जीस फिकी वोंह फिकीसे अज्ञा तं भया स चौं;की ह!। याहि मर्पि"तं वो स्तवों म (रिरनिचीतं की ले हA था । इस
निब मर्पि"तं की! क्षानितंग्रस्त

एकी फिदु ,म हA फिकीरण की जी ठले रेह था, और ेि तं की छोवांरिष्ठों छेत्रतं की! ि रेह था, जीब मिवों वो तंत्रबे रे मनिहले फि>रे
स आईं और उ की स बठ. गेईं। नि तं की आDखो म (अजी ब स चौंमकी था और उन्ह की वोंले इतं कीह , "तं! तं रे आ गेई।
हA ह!तं । और याह सब तंब हुआ जीब मर्पि"तंकी रे learned निवोंद्वी की प्रत्याक्षा और लेगेभगे दुनि की नि गेरे म
तं रे , शांरे रेतं कीरे वों ले ! तं म्ह रे जीब और तं म्ह रे शांब्दु!"

(की म कीरे रेह था ।
उ की डी Dट की! अ स कीरेतं हुए उन्ह फि>रे छे"अ ष्ठों कीH कीरे गे ?" उ की हले सवों ले अभ भ बचौं कीरे
रेह था । मझे आजी भ या दु ह, की स उन्ह निसरे निहले कीरे नि तं की स रे ब तं (बड़ा आस और ब रेवों ह स स A।
उ की आDखो की चौंमकी म (एकी भ तंरे मस् की निछे हुई था । ले फिकी ऐस सकी ट की समया म (भ वों हमशां म!हकी और शां
लेगेतं थाA। उन्ह (दुखो कीरे म की! शां नितं निमलेतं था । वों जीस स क्षा तं स्वों गेतं, शां नितं और सकी " की प्रतं की थाA।
नि तं रे ज़ीगे म (कीह , "तं म्ह (तं! तं ह! चौं निहए। हम हले ह एकी या!ग्या रे !निहतं खो!जी म (कीरिठ ई की स म
कीरे रेह ह।1 और अब तं रे की निलेए तं! याह रे जी की आकी रे की समस्या ह!गे । शां यादु तं म इसम (मदुदु कीरे सकी!।"
निब की!ई उरे फिदुए वों चौंले गेईं। म 1भ अ व्य कीरेण की ठ छे!ड़ाकीरे उ की छे - छे मफि दुरे तंकी गेया । या!गे वों निसछों की ठ लेगेभगे सम स ह! चौंकी था ।
इस ब चौं, म 1अब एकी स् r फिकीशां!रे वोंस्था म (प्रवों शां कीरे चौंकी था , जी! मरे यावों याHवों की दुहले जी था । अब मझे

ज़ीरेअदु ज़ी हA फिकीया जी सकीतं था , और ह मझे हCकी म (निलेया जी सकीतं था । मझे अब सभ एकी निवोंशांर्षों सम्म
और महत्वों की स था स्वों की रे कीरे शां रू कीरे फिदुया था ।

तं रे "जी

मझे तं था फिकी तं रे जी" एकी ब रे शां रू ह! की ब दु लेगे तं रे तं वोंर्षों" तंकी चौंले ड़ातं ह; और या तं वोंर्षों4भ रे
तं वों और अनि निश्चतंतं की वोंर्षों" की रू म (जी जी तं ह।1 रे बनिले अनि वों या 4ह!तं ह, और सच्ची तं नित्रकी की निलेए इसकी
निवोंकीC स्वों की या 4 हA ह!तं । याह रेहस्या गेहMस्था की! जीस गेले स कीड़ा ले तं था । वों भयाभ तं था, ले फिकी याह हA जी
फिकी इस निवों नि स की स बचौं(।

एकी या!ग्या रे !निहतं की! खो!जी सबस बड़ा चौं Hतं था ।

याह हले वोंर्षों4था ; सबस महत्वों ण" 4वोंर्षों4।

मझ्अवोंस्था की ब रे म (की छे तं हA था ; म 1तं! बस इस घट की प्रतं क्षा कीरे रेह था । अप्रले की अ नितंम सप्त ह की अम वोंस्या की रे तं था । सब ह स ह हरे घरे म (मत्र की जी ह! रेह था । एकी सH आठ रे !निहतं एकी सH आठ अलेगे-अलेगे आस रे एकी सH आठ अलेगे-अलेगे स्था रे स्था नि तं था। अनिधकी शां बजी गे' रे" फिदु उ वों स रेखो था । मख् या अ ष्ठों रे तं 10 बजी स शां रू ह!कीरे सया"Áदुया तंकी चौंले वों ले था ।

मख् या रे !निहतं जी! रे तं 8 बजी प्रकीट हुए, वों मरे निलेए निबCकी ले ए था।

म 1उन्ह (याह Dनिवोंस्तं रे स वोंर्पिणतं कीरे चौं हूँगे , ले फिकी स्वोंया की! रे!की रेह हूँ।D वों सबस ले ब औरे सबस चौंHड़ा व्यनि म 1 कीभ दुखो था । उ की उम्र अब मझे या दु हA ह; ले फिकी मरे चौं चौं (जी! सम दु या म (सबस बजी गे 4व्यनि था) द्वी रे उ फिदुया गेया सम्म उन्ह (की वोंले आया म,(बनिCकी तं नित्रकी मह म (भ उ स कीहA ऊ रे दुशां 4रेह था ।

ले फिकी तं! उ की आवों ज़ी, उ की चौं ले, उ की डी ले-डीHले, उ की आDखो की चौंमकी, औरे ह उ की त्वोंचौं की आभ म (उम्र की की!ई भ प्रभ वों फिदुखो रेह था । उ की शांरे रे स एकी निवोंशांर्षों प्रकी रे की व्यनि गेतं सगे ध आ रेह था , जी! वोंरु की ह! या ह! स प्रभ निवोंतं हA था । उ की स म ले ओं औरे म की की एकी ढं रे था औरे की वोंले एकी गेहरे ले ले रे गे की ले गे!ट ह हुए था, अन्याथा वों रे" तंरेह ग्र था।
उन्ह की वोंले तं व्यनि या स घनि ष्ठोंतं स ब तं की — मरे चौं चौं , मरे नि तं , औरे भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले स, निजी स उ की निवोंशांर्षों सब ध प्रतं तं ह!तं था ।
अ की सह याकी अ ष्ठों की निवोंस्तंMतं तं या रिरेया म (लेगे हुए था।

याह ,D म 1था!ड़ा ठहरे चौं हूँगे तं फिकी ठकी तंकी जी"रे ओं की एकी सनि क्षाप्त झेलेकी सकी(।

तं रे अ ष्ठों

तं रे की वोंले भ रेतं या या लिंहदु "धम 4तंकी स निमतं दुवों हA ह।1 वों वों"Â रेहस्यावों दु की दुवों ह,1 निजी की जी" कीई प्र चौं सस् कीMनितंया म (की गेई ह। की , निमस्रो , फि>निलेस्तं , इस्रो एले , म!आब , प्र चौं बब ले! नि या , अस रिरेया , >! निशांया , नितंब्बतं , जी , औरे रे" दुनिक्षाण- वों" 4एनिशांया फिकीस फिकीस समया इस प्रभ वोंशां ले दुवों की मत्र मग् ध रेह ह, भले ह उन्ह (निवोंनिभन्न म स की रे गेया ह!। आजी, इ म की! एकी ह स्रो!तं स उत् न्न म जी तं ह (जीस अr रेतं , एस्थारे, निसतं रे), जी! ध्वोंन्या त्मकी रू स जीड़ा हुए ह।1 वों"Â भ"मध्यास गेरे या औरे निमस्रो रेहस्यावों दु म,(भले ह निभन्न म , निभन्न उद्दी श्या औरे निभन्न व्य ख्या ओं की तंहतं ह!, उ की प्रभ वों अभ भ महत्वों ण" 4रू स ब हुआ ह।

निश्रम निवोंद्वी की अ स रे, तं रे दुवों की उत् नि प्रकीMनितं जी" स हुई म जी तं ह, निजीसम (उवोंरे4तं औरे

प्रजी की गेण

जीड़ा ह।1 ले1निगेकीतं औरे याH जी" की खोले स्वों कीMनितं, निजीस वों ले!गे अ नि तंकी म तं ह 1जी! इस स ध म (गेहरे ई स शां निमले

हA ह 1(ले फिकी जी! ब हरे रू की दुरु या!गे कीरेतं ह 1औरे मHकी की > यादु उठ तं ह)1, इस निवोंर्षोंया की!

रेहस्या ण"4 ब

फिदुया ह। ईस ई धम 4की कीठ!रे नितंकीतं इस अस्वों की या 4म तं ह। ले फिकी आटÔनिमस, अफ्री!डी इट, डी था , अr रेतं , जी"!

औरे वों म की जी" , जीस फिकी रे रिरेकी निसलेनि स्तंसु औरे यारे" नि या की जी" अमरे ह, क्या फिकी या उ की तंत्र की दुनि या

म औरे आत्म की!

जी दुई, रेहस्या औरे आध्या नित्मकी मनि की स था मत्र मग् ध कीरेतं ह,1 जी! सम्बनि धतं अ ष्ठों की म ध्याम स व्य ह!तं ह।1

यारे" नि या की प्र चौं सस् कीMनितंया की अले वों , याह स ध निह्म लेया की ह निड़ाया स ले कीरे >"जी या म तंकी और सले रे , मकी गे और वों"Â द्वी की घ रिटया म (म Dकी भ वों (स वोंभ4Hनिमकी या की²निस्मकी शांनि) की! समर्पि तं अ ष्ठों आजी भ म ए जी तं ह,1 निजी की प्रतं की वोंज्र (ज्वोंलेतं वोंज्र तं) और हूँकी रे (हूँ ध्वोंनि) ह।

सजीM और निवों शां की मले" स्त्र शांनि की रू म (रे की स म न्या प्रतं की ह। याह रे -नि सतं हA ह, जीस

फिकी कीमजी!रे

म वों ले ले!गे म ले तं ह।1 सजीM और निवों शां की! स "णतं4 म (दुखो रे रे -नि सतं की अथा 4 हA रेह जी तं। जी वों

स्वोंया रे -नि स हA ह। ले फिकी याह बनि द्धह तं ह!गे याफिदु की!ई जी वों -शांनि की स था रे की इस गेह्रे

सब ध की!, जी!

रे बनिले की म ध्याम स प्रतं की त्मकी रू म (व्य ह!तं ह, समझे म (अस>ले रेहतं ह।

इ अ ष्ठों की! दुनि या की की छे निहस्स म (अ धकी रे म (रेखो गेया ह, जीबफिकी दुस"रे निहस्स म (भ वोंकी

दुनिMrकी!ण इन्ह (निवोंकीMनितं

और उत्म दु की रू म (गेलेतं रू स व्य ख्या नियातं फिकीया ह। इ ध रेण ओं की! कीमजी!रे म वों ले ले!गे की मतं की रू म (

दुखो जी सकीतं ह, जी! म निसकी और शां रे रिरेकी निवोंकीMतं इच्छे ओं की! अस् r जी की रिरेया और बब नि या दु म सले की तुंथ्या याह ह 1फिकी जी दु "और ठगेब जी स रे , रेहस्यावों दु रे रे ओं द्वी रे स; गेई स नि की भयाकी रे अवोंले!की की

दुरु या!गे स रे एकी क्षा त्र ऐस भ ह, जी! म ष्या की! खो!जी , प्रया स कीरे , सुघ र्षो4कीरे , सुद्ध और प्र स कीरे घे कीोंडरे म (निछे कीरे रेखो स दु कीरेतं ह।1 नितकीतं की आवोंरेण ढ गे और खोडी की! निछे की सबस कीनि निलेए प्रोरे रेतं कीरेतं ह।

आध्या त्मदु कीोलें ह

प्रा ते कीरे दु की! क्या ह? याह एकी स ट प्रश्न ह, निजीसम (एकी अध रे व्य ग्या छे हुआ ह। इस सदु भ 4म,(कीनिवों क्या प्र स कीरेतं ह? कीले की रे क्या प्र स कीरेतं ह? सगे तं की सरे ह और रेचौं क्या प्र स कीरेतं ह? स;दुया 4की उ या!निगेतं रे, भ वों की

एकी निवोंद्यातं मया निस्थानितं

तंकी4 रे, वों स्तं कीले या गेनिणतं रे क्या प्रभ वों ह!तं ह? एकी उरे दु आवोंश्याकी ह; और वोंह उरे ण"4 और व्य की ह! चौं निहए। जी! ले!गे इ म ध्याम की म ध्याम स रेमसत्या की! प्र स कीरे चौं हतं ह,1 वों भ्रनिमतं मखो" 4या भ!गेवों दु निवोंले स हA

ह!तं। वों मनि प्र स कीरे चौं हतं ह।1

म ष्या म (की छे ऐस ह जी! उस दुब हुआ, अधरे" , अशां महस"स कीरे तं ह। जी! ले!गे इस स निमतं अनिस्तंत्वों की दु यारे म (जी

की ड़ा की! महस"स कीरेतं ह,1 और जी! एकी अज्ञा तं अस मतं स अचौं की जी गेतंM ह!तं ह,1 वों अ जीले की दु वों रे की!

तं!ड़ातं ह,1 इस मनि की निलेए लेलेचौं तं ह,1 और याह तंकी फिकी इसकी निलेए अ जी वों और सरे क्षा की! भ दु वों रे लेगे दुतं ह।1 याह की रेण ह फिकी इस सक्ष्"म शांनि की! प्र स कीरे की निलेए अ ष्ठों अब तंकी जी निवोंतं ह,1 भले ह इन्ह (सम स कीरे की निलेए कीड़ा प्रया स फिकीए गेए ह । तं त्र की!ई जी दु " हA ह; और इसकी अ ष्ठों भ जी दुई अ ष्ठों हA ह।1

निजीस प्रकी रे की ले की! समया की सफिक्रंया आत्म , चौंतं की! घ रे हुए अ धकी रेमया रेहस्या की रू म (म गेया

ह, उस प्रकी रे

तं रे की! दुया की स्त्र आत्म की रू म (अवोंले!फिकीतं श्वरे की रू म (दुवों कीMतं म गेया ह। अवोंले!फिकीतं श्वरे म म (नि निहतं

निवोंश्व की ड़ा ओं की प्रनितं सतंकी4तं इसकी मख् या निवोंर्षोंया ह। उ की स्त्र प्रनितंरू तं रे की म था रे तं सरे

आ खो की अले वों ,

द!! ह था की हथानि लेया रे भ आ खो (ह!तं ह,1 जी! वोंरेदु मद्र (वोंरेदु दु वों ले मद्र) और अभया मद्र (सरे क्षा की

आश्व स द वों ले मद्र) म (रेखो ह!तं ह।1 तं रे की म तंसM लेभ कीरुण उ की सडी Hले और खोले स्तं स प्रकीट

म ध्याम स जी!रेदु रे ढं गे स उजी गेरे फिकीया गेया ह। उन्ह (इक्के स निवोंनिभन्न मत्र की म ध्याम स आह्वों फिकीया जी सकीतं ह, ले फिकी सबस जी" या मत्र ह ओम तं रे तं तं रे तं रे स्वों ह। (मत्र की उच्ची रेण निवोंशांर्षों रू स व्यनि गेतं-व्यनि , निसद्ध-निशांष्या

द्धनितं की म ध्याम स प्र ह्म कीरे ह!तं ह।)

याह तं! वोंज्रया तं रे की ब तं ह। ले फिकी बगे ले की तं नित्रकी तं रे की आह्वों एकी की > डीरे वों औरे

खोतंरे की रू म (

कीरेतं ह।1 याह तंथ्या उस इले की म (छे हुई दुहशांतं की मख् या की रेण था।

इस बगे ले तं रे की चौं रे ह था ह!तं ह।1 उ की घ जीट जीट" की! एकी स स एकी जीट (एकीजीट) म (ब ध जी तं

ह, औरे वों

ब घ की खो ले ह तं ह।1 उ की दु! अलेकी रेण एकी कीट रे औरे एकी खो! ड़ा की प्या ले ह!तं ह।1 उ की रे की चौं निशावी

नि निष्क्रंया ड़ा ह!तं ह,1 जी! ऊजी 4निवोंह दु था 4की प्रतं की ह। (ले म वोंज्रया म (रु र्षों सफिक्रंया तंत्वों ह!तं ह,

औरे स्त्र

नि निष्क्रंया जीस फिकी निवोंनिभन्न याग् म आकीMनितंया दुशां 4तं ह;1 ले फिकी लिंहदु "अवोंध रेण म (ऐस हA ह, जीह रु र्षों दु थां 4की रू म (

नि निष्क्रंया ह!तं ह, औरे स्त्र ऊजी 4की रू म (उग्रे रू स सफिक्रंया रेहतं ह। इ निभन्न दुनिMrकी!ण दु!

प्रण निलेया म (निवोंनिभन्न

आस की! निवोंकीनिसतं फिकीया ह।)

याह रू ड़ा!स की लिंहदु "म म (इतं रे शां की की रेण ब रेह था। दुया की आत्म अवोंले!फिकीतं श्वरे तं रे हA,

बनिCकी

वों म अघ्न!रे आत्म था तं रे , गे तं रे , श्मशां की तं रे ले!गे की! अ उ निस्थानितं स डीरे फिदुया , औरे उन्ह (मजीबरे"

फिकीया फिकी वों दुवों की! प्रसन्न कीरे(। याह एकी निवोंद्यातं मया निस्थानितं था। जीब याह स् r ह! गेया फिकी तं रे

की अ छों की ले कीरे आवोंश्याकी ह!गे , औरे रे , जी! अ छों की निलेए अ रिरेह या 4

आवोंश्याकीतं था , प्रदु कीरे ह!गे , तं! नि डीतं व्यस्तं ह! गेए। रे -अ छों एकी ब रेवों रे जी" (स मदु नियाकी प्र थां 4 ओं) की

निलेए अकीC या था।

की छे समझेHतं ग्रेथा म (प्रस्तं निवोंतं था। ले फिकी या नि निश्चतं रू स ब दु की निवोंचौं रे था, जीस फिकी

अनिधकी शां समझेHतं ह!तं ह।1 तं रे

की! सशां !निधतं कीरे स ध रेण ब तं हA था , औरे इस ले डी इ सफ्री द्वी रे निब निवोंरे!ध की स्वों की रे हA फिकीया जी सकीतं

था। वोंह अ छों की म मले म (एकी स "ण 4शां द्धतं वों दु थाA।

रे तं आ गेई। ले ले वोंस्त्र म (सजी प्रनितंनिष्ठोंतं जी रे की प्रभ वोंशां ले व्यनिदुस्वोंMया प्रकीट हुआ। वों स्तंवों म,(उसकी "अ छों " उन्ह कीह "वोंस्तंवों म (स्वोंयम् की! आ रे था! कीं हA ह।1 लानि की! चौं औरे याफिदु उ या लेगे तं! उनिस्थानितं सम्म की म ग कीरेतं था, औरे उसस बहुतं अ क्षा एD थाA।

रेद्दी

कीरे की स्वोंतं त्रतं ह। ले फिकी चौं की ब दु, औरे फि>रे कीड़ा मह तं स एकी समझेHतं की तंले शां कीरे मखो"तं4 "ण 4ह।

वों स्तंवों म,(याह अ छों की निवोंनिधया की अ म ह। रिरेण म की स प्र ह्म फिकीए जी सकीतं ह 1याफिदु

निवोंनिधया स बचौं जी ए या

उन्ह (दुरेफिकी रे फिकीया जी ए?"

"जी

स म न्या जीले की स्था रे, अ छ्टों की निलेए निवोंशांर्षों रू स तं या रे फिकीए गेए शां द्ध मफिदुरे स भरे प्या ले था। याह स ध रेण या हA था , बनिCकी फिकीस जी की रे व्यनि स प्र प्त निवोंशांर्षों निमश्रेण था । आध निखोले हुए कीमले की ढं रे सभ की ध्या आकीर्पिर्षोंतं कीरे रेह था । इ म (स एकी हज़ी रे कीमले, ले ले (लिंसदुरे", चौंदु या रे) म (डी"ब हुए, निवोंशांर्षों मत्र की स था अर्पि तं फिकीए जी था।

Dचौं सह याकी जी रे की! उसकी हथाले की बढ़तं ह आवोंश्याकी वोंस्तं ए Dदु की निलेए तं या रे था। या

सह याकी अ छ्टों औरे उसकी

आवोंश्याकीतं ओं स भले -भ Dनितं रिरेनिचौंतं लेगे रेह था। शां खो, झे झे, घ रिटया औरे ढं!ले की ध्वोंनि की ब चौं अ छ्टों घड़ा की

सट कीतं की स था आगे बढ़ रेह था ।

ध तं की कीलेशां म (जीले ए गेए सगे निधतं जीड़ा -बरि"टया औरे ले स उठतं ध आDएकी रेहस्यामया ध ध > ले रेह

था , निजीसकी

ऊ रे एकी गेह सगे ध मडीDरे रेह था , जी! लेगेभगे म दुकी था , फि>रे भ उत्स हवोंध4की।

रे" वों तं वोंरेण म (जीस जी वों आ गेया था । मत्र की उच्ची रेण नि रे तंरे जी रे था , फि>रे भ तं गे गेनिलेया म

(एकी निवोंनिचौंत्र शां नितं

गेभ रेतं स छे ई हुई था । सभ की नि गे ह (उस मह प्रनितंम रे रिटकी थाA। भयाकी रे तं रे एकी म!हकी मस् की की स था खोड़ी

था , जी! अ गेढ़"तं म (दुमकी रेह था ।

मर्पि"तं की आकी रे औरे सजी वोंट अन्या सभ निवोंवोंरेण रे ह वों था । वोंह अ रे" वोंभ वों म (मरे म म (बस हुई

था , तं जी

गेड़ा हले, कीमले औरे ले अ रे निजीतं की सगे रिठतं ह रे स सजी हुई।

गे ब ले की जीट ओं, कीले इया औरे की हनि या रे निले ट हुए था; याह Dतंकी फिकी ब घ की खो ले, जी! ले गे!ट

की रू म (प्रया!गे

हुई था, उस भ गे-बध स ब Dध गेया था । निसरे रे गे-गेच् छे म (बध ब ले की शां र्षों4 रे एकी उज्ज्वोंले अधचौं4 द्र चौंमकी रेह

था (जी! चौंद्र -उ स की प्रतं की था)।

ले ले, लेहरे तं जी भ रे -रे निजीतं ण"4 ह ठ स ब हरे नि कीले हुई था । इस भयाकी रे रू की ब वोंजीदु", म Dकी

भ वों म (की छे ऐस

था , निवोंशांर्षों रू स उसकी दुनिMr म,(निजीसस मह शां नितं औरे आत्मनिवोंश्व स की फिदुव्य कीM झेलेकी रेह था।

उसकी चौंरेण म (ब घ की खो ले ह हुए एकी श्वतं रू र्षों की निशांनिथाले शांरे रे ड़ा था । इस ऊजी 4रेनिहतं बदुले गेया ह। याह ,D लिंहदु "अ छ्टों म,(वोंह भHनितंकीलेीस4ह्म

भHनितंकीतं की प्रतं की

ले फिकी नितंब्बनितंया की एकी अन्या रू म (तं रे सज्ञीM म (बध की रे शांनि म जी तं ह। उस उसकी रिरेवोंर्पितंतं स्वोंरू म जीतं था , जी जीडातं औरे शा"न्यातं की प्रनितंनि निधत्वों कीरेतं था , औरे निशावों (शां तं), की ले (समया) या (सकी रे त्मकी औरे की रे त्मकी) की स था फिदुव्य आलिंलेगे म (अ तं सया !गे की रू म (दुशां 4या गेया ह।

रू म (नि"जीतं ह!तं था ।

मर्पि"तं मरे म म (स "ण 4सतं ले की छेनिवों की रू म (अ फिकीतं ह! गेई था । मरे फिकीशां!रे म की निलेए उसम

तंत्रांकीभयुनिकीयारेतं था ,

ह की रू तं या अक्षे लेतं । वोंह मह म तं था , अशां तं समतं की रे , आत्मबले की दु तं । म 1उसस प्रम कीरेतं था ।
तं रे : अ तं आलिंलेगे रिरे क्तं की स था, म 1 तं रे की ब रे म (औरे अनिधकी जी । मह या की नितंब्बतं प्रभ वों

याह निचौंत्रण जी वों की सदु शां की! बहुतं स् rतं स दुशां 4तं ह, जीह D सजीM औरे निवों शां की शांनि या D ब्राह्म डी या एकीतं
अनिवोंभ ज्या रू स ब हुई ह।1

उसमयामकोनिवेंग माझेसेहकेप्रालोंवों डी ले। मरे ब ले म उसम (की!ई भयाकी रेतं हA दुखो
व्यनि गेतं म !भ वों की! व्य कीरेतं ह।1 तं रे मझे अ सकी रे त्मकी आकीर्षों4ण फिदुखो ए। उसकी सभ की रे त्मकी हले" ले स
ह! गेए। म 1उसकी ड़ा!स ब गेया था।

रेहस्यामया निवोंवोंरेण

(की) जीले कीलेशां:

म 1 दुखो फिकी कीहA स बड़ा ध"मध म औरे सम रे!ह वों"4की गे ले निमट्टा की एकी बड़ा ढं रे ले या गेया था। इस प्रनितंम की स
निवोंनिध वों"की4 रेखो गेया औरे ब चौं म (एकी त्र की स था गे!ले आकी रे म (ढं ले गेया। इसम (कीई प्रकी रे की अ जी डी ले गेए।
इसकी ऊ रे गेगे जीले स भरे एकी बड़ा निमट्टा की घड़ा रेखो गेया, निजीस लिंसदुरे" स सजी या गेया था। इ निडीजी इ म (निवं

यात्रब हुए था।

कीलेशां की मह D म (Dचौं निवोंनिभन्न प्रकी रे की तं ज़ी निया वों ले टहनि या Dडी ले गेईं, जी! मख् यातंo उ ड़ा स थाA निजी
रेहस्यामया अ छों म (उ या!गे फिकीया जी तं ह। निया D कीलेशां की फिकी रे की! ढंDकी रेह थाA। इ निया की ब चौं औरे कीले
की मह D की! ढंDकीतं हुए चौं वोंले स भरे एकी कीट!रे रेखो गेई था। इस कीट!रे की ऊ रे एकी हरे रिरेयाले उसकी डीठ ले की स थ
रेखो गेया, निजीसम (डीठ ले की निहस्स ऊ रे की ओरे था। अ तं म,(कीलेशां औरे रिरेयाले की! ले ले की ड़ा स ढंDकी गेया, निजीस
ऊ रे म ले रेखो गेईं।

अब कीलेशां की 'रेक्षा ' कीरे था। चौं रे ब Dस की छेड़ा (चौं रे निमट्टा की ढं रे म (लेगे ई गेईं औरे प्रत्याकी छेड़ा रे आम की निया D
>हरे ई गेईं। इ चौं रे खोभ की चौं रे ओरे ले ले ध गे की H > रे ले ट गेए, निजीसस कीलेशां की जी दुई घ रे की रेक्षा हुई, जी!
अब दुवों की आत्म की प्रतं की था।

इस प्रफिक्रंया की! दुखोरे मरे निजीज्ञा स बढ़ गेई, निवोंशांर्षों रू स उस निमट्टा की प्रनितं ले!गे की कोनिस, निजीस इतं
ध"मध म स ले या गेया था। वोंह निमट्टा क्या था ? कीह Dस ले ई गेई था ? औरे ले!गे उसकी स्था की ब दु रे हतं की स Dस
क्या ले रेह था?

म 1 अ गेरु, भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले, स बस उ की ओरे दुखो कीरे प्रश्न छे"। उन्ह अ मH दुनिMr स उरे फिदुया,
निजीसस मझे समझे म (आ गेया फिकी मझे इ तंजी रे कीरे ह!गे। ब दु म (उन्ह जी! बतं या, उसस मरे रूह की D गेई। एकी
अजी ब स शां"न्यातं मझे रे निलेया। वोंह तंथ्या मरे कीC स रे था।

(खो) निमट्टा :

वोंह निमट्टा एकी निवोंशांर्षों गेड्ढे स ले गेई था, निजीसम (वोंर्षों" हले Dचौं प्रकी रे की शांवों (म वों, की , निबCले, ले!मड़ा औरे
प्र कीMनितंकी रू स मतंM या अ छों नि की बनिले की ब दु दु> ए गेए था। याह एकी निवोंत्र औरे गेप्त स्था ह! चौं निहए था, जीह
फिकीस उ शांवों की! रे शां हA फिकीया ह!। समया की स था वों शांवों निमट्टा म (बदुले गेए ह गे, औरे इस निमट्टा की उ या!गे
अ छों नि की मचौं औरे कीलेशां की आध रे की रू म (फिकीया गेया था।

इस प्रकी रे जीले कीलेशां मख् या जी रे की निलेए अत्यानिधकी महत्वों रेखोतं था । प्रनितंम ले!गे की भ वों ओं की! आकीर्पिर्षोंतं कीरेतं था , ले फिकी जी रे की व्यनि गेतं चौंतं और ब्राह्म डी या ऊजी 4की ब चौं अमतं" 4सब ध कीलेशां की म ध्याम स स्था नि तं ह!तं था , निजीसम (चौं तंत्वों (जीले, थ्Mवों , अनिग्न, वों या और आकी शां) की! आह्वों फिकीया जी तं था ।

(गे) या त्र:

कीलेशां की स एकी और वोंस्तं था निजीस स धकी की ध्या आकीर्पिर्षोंतं फिकीया —यात्र । याह प्र याo तं ब की स गेया ध्यानिमेत थी निडीज़ी इ ह!तं ह। इस अ छों म (याह चौं दु की यात्र था । म 1 इस स! की प्लेह्र ले मिकीखो सबस रेहस्यामया यात्र म 1 निहम लेया की तंलेहट म (एकी मगे !ले या!द्ध कीया ।स्याल्पोएकी निवोंशां ले (5"×5"×3") फिक्रंस्टले की ट कीड़ा था , निजीसकी फिकी रे अ रिरेष्कीMतं था।

उस यात्र की ब रे म (कीह जी तं था फिकी वोंह प्र कीMनितंकी रू स ब था और उस म वों ह था हA उकी रे

था । वोंह यात्र

1400 वोंर्षों स या!निगेया की ब चौं रिरेतं ह!तं आया था । जीब म 1 उसकी समया-क्रंम म (निवोंसगे नितं की ओरे इशा रे फिकीया , तं!

या!गे मस् की रे कीरे ब!ले, "सब झे"ठ ह— म,1 फिक्रंस्टले, नितंनिथाया Dऔर याह Dतंकी फिकी तं त्र भ ।"

(घ) मण्डीले:

प्रनितंम कीलेशां और यात्र की अले वों एकी और म ध्याम निजीसकी अत्यानिधकी महत्वों था , वोंह था मण्डीले। याह एकी ज्या निमेत या

चौंHकी!रे आकी रे ह!तं ह, निजीसकी भ तंरे Dचौं निवोंनिभन्न वों स् नितं रे गे स आकीMनितंया Dब ई जी तं ह।1

आध्या नित्मकी स ध की उच्चीतंरे चौंरिण म (स धकी प्रनितंम , कीलेशां, मण्डीले और मद्र की! एकी-एकी कीरेकी त्या गे

दुतं ह, जीब

तंकी फिकी वोंह की वोंले स्वोंया की स था हA रेह जी तं ।

अब, जी" की प्रफिक्रंया जी रे रेहतं ह. ..

तं वों "ण4 निस्थानितं

जीस - जीस रे तं गेहरे तं गेई, निवोंशां ले भ ड़ा ध रे -ध रे छे ट लेगे और अ छों और भ गेह और जीरिटले ह!तं गेए। अचौं की म हHले म (बदुले वों स् r ह! गेया । ऐस लेगे म ! हवों म (फिकीस उ निस्थानितं की सचौं रे ह! गेया ह!, और अस म न्या की स की! एकी तं वों ण"4 'प्रतं क्षा ' की निस्थानितं म (डी ले फिदुया , म ! की छे ह! वों ले ह!। स्था , समया, सभ , याह Dतंकी फिकी हम जी! स Dस ले रेह था, वोंह भ 'निवोंद्यातं मया' प्रतं तं ह! रेह था ।

क्या इस 'गेभ रेतं ' कीह?(क्या इस शांनि की उदुया कीह?(क्या याह फिकीस उ निस्थानितं की प्रभ वों था ?

मख् या जी रे रे" तंरेह

तंCले ह! चौंकी था। वों फिकीस और ह रू म (बदुले गेए था। उन्ह (रे!की असभ वों था । उ की मत्र > स> स हट म (बदुले गेए था,

जी! अब स हA जी सकीतं था। उ की रे" शांरे रे स D की > की तंरेह लेहरे लेगे , म ! हमले कीरे ह वों ले ह!। अचौं की दु या और मशां ले की लेH तं त्र ह! गेई। एकी अजी ब सन्न ट छे गेया ।

ज्वों ले ओं की स ग्रेह

इस ब चौं हम (मनिणकीर्पिणकी श्मशां स अनिग्र ले की निलेए जी था। सकी ड़ा शांतं निब्दुया स मनिणकीर्पिणकी लिंहदु "जीगेतं श्मशां भ"निम रेह ह। इसकी म ह इसकी ले म ई (नितंब्बतं बHद्ध) सब ध की प्रम ण ह। "ॐ मनिण द्म हम" एकी प्रनिसद्ध ले म ई मत्र ह। 'मनिण' शांब्दु की महत्वों हले ह बतं या जी चौंकी ह।

इस म स जीड़ा कीथा उ ले!गे की निलेए अत्यातं महत्वों ण" 4ह जी! इ रेहस्यामया ज्ञा औरे अ छों की रेहस्या म (प्रवों शां कीरे चौं हतं ह:1

1. भगेवों निशांवों भगेवों निवोंष्ण की तं स्या की कीठ!रेतं की सरे ह की। निवोंष्ण की बनिलेदु की मह तं स निशांवों इतं प्रभ निवोंतं हुए फिकी उन्ह अ निसरे निहले शां रू कीरे फिदुया, निजीसस उ की की स ब्राह्म डी या 'मनिण' उस तं ले ब म (निगेरे गेई, निजीस निवोंष्ण अ दुनि की स्ना की निलेए अ चौंक्र स खो!दु था। तंभ स उस स्था की! मनिणकीर्पिणकी कीह जी लेगे।
2. इस कीथा की एकी औरे रू भ ह, निजीसम (निशांवों तं स्वों औरे या!गे ह,1 औरे निवोंष्ण उ की तं स्या की प्रशां सकी ह।1 इस सस् कीरेण म (मनिण निवोंष्ण की ह।

जी! ले!गे इ रेहस्यामया कीथा ओं की! ढ़ की कीले जी तं ह,1 वों समझेगे(फिकी इस तंट रे अ फिदुकी ले स या!निगेकी, निवोंशांर्षों स तं नित्रकी स ध एD प्रचौंनिलेतं रेह ह।1 वों रे णस म,(औरे इ कीथा ओं म,(नितंब्बतं, सप्तऋनिषों औरे मनिणकीर्पिणकी की! निवोंश तं नित्रकी 'शांनि ' की की रेण उच्ची सम्म प्र स ह।

"ज्वों ले ओं की सग्रे ह" की निलेए एकी जीले "स भया वोंह मनिणकीर्पिणकी की ओरे बढ़। मनिणकीर्पिणकी की निचौंतं ओं की ज्वों ले ए अ तं की ले स अ वोंरेतं जीले रेह ह।1 वोंह D की मख् या अनिधकी रे एकी उरे निधकी रे ह, निजीसकी निजीम्म दु रे आगे तंकी की! अ नितंम सस् की रे की निलेए ज्वों ले ए Dप्रदु कीरे ह।

तं रे , जी! श्मशां भ"निम की दुवों म जी तं ह,1 की! एकी आवों स या क्षा त्र म (आमनि त्रतं फिकीया गेया था। इसनिलेए, जीब तं रे की! उ की स म न्या नि वों स स अस्था या रू स हट या गेया , तं! उ की निप्रया श्मशां की ज्वों ले ओं की! उ की ए स्थाले तंकी ले अनि वों या 4ह! गेया।

ब Dस की खोभ की ब चौं म (एकी निवोंशां ले औरे सदु रे रू स सजी या गेया तंले की कीलेशां लेटकी या गेया था। इस कीलेशां की निवोंनिध वों"की4 निवोंत्र फिकीया गेया था औरे म ले वों ध" स सजी या गेया था। झे झे, ढं!ले, घ रिटया औरे शां खो की ध्वोंनि जीले "स श्मशां भ"निम की ओरे बढ़। रे तं की सन्न ट म (गेजी" तं मत्र की ध्वोंनि आस स की नि वों निसया की! अवोंश्या ह निवोंचौंनिलेतं फिकीया ह!गे।
वों स्तंनिवोंकी प्रफिक्रंया अनिधकी समया ले वों ले हA था। ऐस प्रतं तं हुआ फिकी श्मशां की अनिधकी रे की! हले स ह तं या रे की फिदुया गेया था ; औरे की छे ध म > स> स हट (नि निश्चतं रू स की छे गेदु ले -दु हुआ ह!गे) की ब दु, उस जीलेतं हुए मशां ले की! कीलेशां म (डी ले फिदुया , औरे उग्रे ले ट(कीलेशां स ब हरे नि कीले आईं। भ ऐस हर्षों4ध्वोंनि की निजीस आकी शां की! भ की फिदुया ह!गे।
अब जीले "स की! लेHट की समया आ गेया था। ज्वों ले -सग्रे ह की स>लेतं की खोशां चौंतं -गे तं भ म (ई ऊजी 4भरे दु। शां खो औरे घ रिटया D फि>रे स जी!रे-शां!रे स बजी लेगेA।

या म गे,4 ई की रे

म 1वों रे णस की भ"लेभ लेया जीस गेनिलेया म (लेगेभगे सH गेजी तंकी उस शां!रे-गेले और जीले "स की स था चौंले , ले फिकी फि>
रे एकी अजी ब स बह !शां स छे लेगे। म 1ऐस अचौं की ह! वों ले खोAचौं की! हले भ महस"स कीरे चौंकी
आचौं की म्हे
था। मरे अनितं-सवों दु शां ले म oनिस्थानितं ध्वोंनि -क्षा त्र स गेजी रेतं सक्ष्"मतंम तंरे गे की! सहजीतं स कीड़ा ले तं था। म 1उन्ह (
लेगेभगे अदुश्[Mया रू स महस"स कीरेतं , और फि>रे अ या स ह उ की प्रभ वों म (आकीरे उस निवोंक्षा!भ की स्रो!तं तंकी हुचौंD जी तं।

की!ई की रे था , और मझे उसकी उरे दु था। जीब की!ई स्वोंया की! प्रकीMनितं की निहस्स म ले तं ह, तं! उस अनि वों यातं4 की
तंकी4 की! स्वों की रे कीरे और उसकी स था चौंले ड़ातं ह।
सबस घ अ धरे रे तं म,(और गेगे तंट की स फिढ़या रे, म 1अ ज्वों ले -सग्रे ह की स निथाया स निबछेड़ा गेया ; म 1अ ड़ा!स
म (ह! रेह अ छों स दुरे" ह! गेया ; म 1 रिरेवोंशां और उसकी वों स्तंनिवोंकीतं ओं स निवोंमखो ह! गेया। म 1कीH था ? मरे की या
था ? मझे क्या कीरे चौं निहए था ? म 1एकी 'शां"न्या म ' की अवोंस्था म (था , मत्र मग् ध ह!कीरे आगे बढ़ रेह था। मरे म एकी
शां"न्यातं की निस्थानितं म (था।

भ"तं-प्र तं की ब चौं निड़ातं

म 1जीस शां म (था , फि>रे भ एकी अन्या आया म म (रे" तंरेह सतंकी4 था। म 1चौंलेतं गेया , ले फिकी मझे एहस स था फिकी म
बदुले ले था। म 1कीई स फिढ़या स चौं उतंरे ; फि>रे म 1 ऐस महस"स फिकीया जीस अ तंह स फिढ़या Dचौंढ़ रेह हूँ।D

कीई आवों रे स Dड़ा मरे स स गेजी रे। गे जी और चौंरिस की शां म (डी"ब ले!गे की सम"ह प्र चौं त्थारे की खोडी हरे म (अ
ध धले ले लेट की रे!शां म (मग्न था। श्मशां स खोAचौं गेए हनिÄया की ट कीड़ा की निलेए की भ;की रेह था।
म 1चौंढ़तं ह गेया। तंभ एकी रिरेनिचौंतं गेध मरे सतंकी4तं की! और बढ़ फिदुया —नि र्पिलेत्त और गेह सतंकी4तं। कीहA सगे निध
ले और ले!ब जीले ए जी रेह था। वोंह गेध बहुतं रिरेनिचौंतं था। म 1 मत्र !च्ची रेण की ध्वोंनि स । स्वोंतंo ह एकी मत्र मरे
भ तंरे गेजी" लेगे। भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले हमशां याह मत्र बदु ब दु तं थाA, जीब वों मरे आस की रेक्षा कीरेतं थाA, निजीस
म 1उ की स था स ध कीरेतं था।
ले मफि दुरे की रेहस्या

आनिखोरेकी रे म 1एकी जीगेह हुचौंD गेया जीह D म 1 एकी भया वोंह दुश्[Mया दुखो । ऐस हA था फिकी म 1 हले कीभ ऐस स ध
था ; म 1अक्सरे इस प्रकी रे की स ध ओं रे चौंचौं 4 कीरेतं था , ले फिकी उस समया की वों स्तंनिवोंकीतं मरे हHसले स्तं

दुखो
कीरे फिदुए। म 1 मत्र की जी जी रे रेखो , जीस वोंह मरे दुस"रे स्वों ह!। मझे उस स्था की या दु आई—वोंह

भया की ले मफि दुरे था। याह वोंज्रया ले म ई मफि दुरे मनिणकीर्पिणकी श्मशां की स
एकी गेप्त रिरकी जीस था। बहुतं कीम ले!गे इस !रिटस कीरेतं ह,1 फि>रे भ याह हमशां स भ रेवों तं त्र की
स धे ओं की गेढ़ रेह
ह। ले!गे म (याह भ > स> स हट था फिकी वोंह D म वों बनिले भ ह!तं था।

वोंह D की वोंदु -मचौं चौं मण् डी (Dचौं शांवों रे ब आस) रे स्था नि तं था , जीह D सबस जीरिटले आस फिकीए

जी तं था। वोंह
स्था अजीचौंसे म म (एकी डीरे वों छे छे!ड़ातं था।

आजी, याट4की की निलेए ‘ ले खो रे’ (खो! ड़ा वों ले ले मफि दुरे) एकी प्रम खो आकीर्षों4ण ह। इसकी ले! कीनिप्रयातं की की रेण
इसकी रेहस्यामया अ छों हA ह,1 बनिCकी इसकी दु वों रे औरे गे> ओं रे उकी रे गेई निमथा (सभ !गेरेतं) मर्पि"तंया D ह।1

फिदुगेब रे या!गे औरे भया वोंह दुश्Mया म 1इसस हले भ भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले की स था इस मफि दुरे म (आ

चौंकी था। उन्ह कीई अवोंसरे रे मरे स था याह Dकी छे
ूास औरे अ छों फिकीए था, निजी म(म 1उ की अवोंतं रे औरे निशांष्या ब कीरे सहभ गे ब था। मझे निवोंशांर्षों रू स दु!
स ध एD या दु ह—1एकी चौंद्र ग्रेहण की समया औरे दुस"रे सया"ग्रे4हण की समया।

मगेरे उस फिदु म 1 एकी ए या!गे की! दुखो , निजीस म 1 हले कीभ हA दुखो था। वोंह फिदुगेब रे (अ बरे अथा तं4

आकी शां की! ह
वोंग्र रू म (ध रेण कीरे वों ले) था। उसकी शांरे रे रे जीट ओं की ढं रे औरे रुद्र क्षा की म ले था , इसकी अले वों वोंह ण"4तo
ग्र था।

वोंह एकी म वों आकीMनितं (जी! भ ग्र था) रे निवोंरे जीम था औरे ण"4 सम निध म (प्रतं तं ह! रेह था। वोंह

आकीMनितं एकी स्त्र
की था।

अ तंरिरेक्षावोंस्त्रध रे की सभ म(

म 1 ध रे -ध रे उस आकीMनितं की! हचौं जी! उसकी आस की चौं ग्र ड़ा था। याह वोंह निप्रया ‘मHस ’ था (निजी की हले
उCलेखो हुआ था) निजी की रिठकी स की श्मशां म (था। वों कीन्या अवोंस्था म (ह निवोंधवों ह! गेई थाA, औरे अ शांनि ,
स था ह अ रेलेHफिकीकी भ वों औरे लिंचौंतं की की रेण, वों इस प्रकी रे की स ध ओं म (बहुतं म गे म (रेहतं थाA।
मझे इस निवोंशांर्षों स ध म (क्या बले या गेया था ? बाद मरे निलेए रेहस्या ह ब रेह। ले फिकीन मझेकी म 1 अ
कीह जी तं ह फिकी वों अम वोंस्या स अम वोंस्या तंकी, या दु! सतं ह स भ अनिधकी समर्थ तंकी उस निस्थानितं
निलेए कीM "वोंकी4 औरे सम्म "वोंकी4 प्रस्तं तं एकी मह अवोंसरे की! खो! फिदुया था।
म (ज्ञा रेहतं थाA।
की छ दुरे तंकी म 1शां तं रेह। मरे म निस्थारे था। ले फिकी मरे अवोंचौंतं म—(अथा तं4 वोंह चौंतं स्तंरे जी! ब हरे निवोंक्षा!भ
निकीलेतं ह स नेस्तं मझे अ ह था स भ!जी कीरे या ह। मझे आकी भ उस सम स मनिहले की वोंह स्त्रा ह
या दु ह, दु"प्रनितंफिक्रया कीरेतं ह— अचौं की वोंह मत्र गेजह लेगे जी! मझे हले स ज्ञा तं था।
मन स्वोंस्त मरे निलेए वोंस्तंनिवोंकी ह! गेया , औरे रे गे-निबरे गे रे!शां की लिंचौंगे रिरेया D आस स की स्था म (> ले लेगेA, औरे
जी! वों मरे प्रनितं रखोतं थाA।
मरे भ;ह की ब चौं आकीरे ठहरे गेई, जीह D हमशां म ले की म की की दुब वों एकी ले ले चौंतं वों लिंबदु की तंरेह प्रतं तं ह!तं था।

वोंह लिंबदु स् r रू स झे झे लेगे औरे ले ट(नि की ले लेगे , जीब तंकी फिकी म 1ध्या वोंस्था म (चौंले गेया। समया ठहरे गेया।

क्या वों स्तंवों म (मरे स की!ई समया था ? घरे रे अ छों रे" जी!रे रे चौंले रेह ह गे । ज्वों ले ओं की जीले "स बहुतं हले ह अ गेतं व्य तंकी हुचौंD चौंकी ह!गे । अनिग्र-याज्ञा औरे कीमले-याज्ञा सम त ह! चौंकी ह गे । ले फिकी फिकीस रेवों ह था ? वों स्तंवों म (
रेवों ह कीरे वों ले कीH था ?

म 1भयाभ तं था ; म 1वों स लेHट चौं हतं था ; ले फिकी याह सब सतंह था । मरे वों स्तंनिवोंकी गेहरे म म,(म

1एकी शां नितं की की(द्र
म (था । की!ई भ प्रकी रे की गेनितं सभ वों हA था । म 1वोंह D की था ; म 1उ की था ; मरे अ की!ई इच्छे हA
थां
की लेहरे(जीड़ा तंकी दुHड़ा रेह थाAलेगेमझेंमझे अकी ले छे!ड़ा दु!!', ले फिकी वों स्तंवों म,(म 1अ जीगेह स निहले तंकी हA।
म 1उस अ छों की ब चौं ब चौं था , हरे क्षाण की! ण"4 आ दु की स था जी रेह था । शांरे रे की रे!म-रे!म खोड़ा ह!
म 1ध रे -ध रे उस जीलेतं हुई ज्वों ले की ओरे लिंखोचौंतं चौंले गेया , जी! गेड्ढे म (भयाकी रे रू स धधकी रेह था ।
गेए था; रे!म चौं

मHस की खोले शांरे रे मरे स म एकी शांवों की तंरेह ड़ा था । मझे वों शां स्त्र-वों क्या या दु आ गेए जी! इस प्रकी रे की स ध म (
प्रया ह!तं ह,1 जीह D एकी स्त्र निवोंत्र आस प्रदु कीरेतं ह।
जीस ह म 1 उन्ह (दुखो , वों मझे फिकीस अन्या ग्रेह की दुरे" की ड़ा!स प्रतं तं ह! लेगेA। उ की निस्थारे आDखो,(निजी म(जीलेतं
तं जी था , मझे रे रिटकी थाA, जी! एकी फिदुव्य आ दु औरे शां श्वतं शां नितं की अनिवोंचौंले निस्थारेतं दु! की! प्रकीट कीरे रेह थाA।
उ की आDखो की जी वोंतं तं मझे उ की जी" कीरे रे निवोंवोंशां कीरे फिदुया । मझे भ वोंहA बठ अच्छे लेगेतं ।

ध रे -ध रे वों एकी चौंमकीतं हुए प्रकी शां- जी म (बदुले गेईं। म 1 दुखो फिकी मरे शांरे रे भ एकी औरे प्रकी शां- जी ब रेह था , औ
या दु! जी ध रे -ध रे एकी-दुस"रे की स आ रेह था।

जी गेरेण औरे वों स

मझे हA तं फिकी कीह Dस बदु" ब दु मझे रे बरेस लेगे , औरे म 1निसहरे उठ । दु! म की एकी जी!रेदु रे उछे ले की स था मरे स म निगेरे , औरे एकी रे खो स लेदु गेड़ा हले की >"ले भ । म 1 उन्ह (उत्सकी तं स उठ या औरे मफि दुरे स ब हरे नि कीले की निलेए
दुHड़ा ड़ा । ले फिकी मफि दुरे की ओरे ठ म!ड़ा स हले , म 1भ"निम रे स r गे दुडी वोंतं ह! गेया औरे अ आDखो (बदु कीरे लेA। मरे म बचौं मHस की निलेए भ दुडी वोंतं कीरे चौं हतं था ।

जीस ह म 1 आDखो (बदु कीÐ, म 1हरे रेह गेया । म 1 अ भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले की! दुखो , जी! रे" तंरेह स

ले ट म (
निले ट थाA। उ ले ट की भ तंरे स वों मस् की रे ई औरे की रे , "आओ, तं रे तं आओ, म 1प्रतं क्षा कीरे रेह हूँ।D"
अब म 1 दुHड़ा शां रू फिकीया । ले फिकी कीह ?D
मझे कीह DजीD चौं निहए? स फिढ़या D चौं, फि>रे स फिढ़या Dऊ रे, निश्चम तंट की स था, स ध दुनिक्षाण की
औरे, रे तं औरे स्थारे
की! रे कीरेतं हुए, जीब तंकी फिकी म 1 दु की सदु रे" छे!रे रे निस्थातं चौंतं र्षोनिr या!निगे मफि दुरे की स की

रिरेनिचौंतं खोडी हरे तंकी
हA इन्चौंD जी तं ? या उस निवोंत्र ब ओ वोंक्षाM तंकी? या हम रे ड़ा!स की उस वोंदु -मचौं तंकी, जीह D म Dतं रे
की जी" ह! रेह
था ?

म 1दुHड़ा रेह था , औरे म ह म कीह रेह था , "म 1आ रेह हूँ,D म 1आ रेह हूँ।D म 1निवोंलेब हA कीरे रेह हूँ।D"

म 1तं रे अ छों म (वों स लेHट आया , जी! हम रे घरे की स ह हA, बनिCकी हम रे घरे की दुह ले ज़ी रे ह ह! रेह था।

5.ज्वों ले -स ग्रेह (Flame Gatherings)

"जी अ ष्ठों म(वों स

एकी गेभ रे दुश्Mया प्रगेनितं रे था। मरे चौं चौं , नि तं , म तं और मरे सभ भ ई अ ष्ठों की व्यवोंस्था ओं म (व्यस्तं था। एकी छे!ट भ ड़ा इकीट्ठा था ; निजीज्ञा स, फि>रे भ मत्र मग् ध।

कीई ले!गे स्वोंया प्ररि रेतं ध्या म (ले था, लिंहदु "रे नितं स व्यनि गेतं जी" अर्पि तं कीरे रेह था। लिंहदु " रिरेवोंशां

की ब रे म (प्रचौंनिलेतं

सतंह ध रेणा ओं की निवों रे तं, बहुतं स ले!गे अभ भ इस निवोंश्व स की! दुढ़Mतं स था म हुए ह 1फिकी याह अ नितंम शा नितं की और ले

जी एगे। याह वों स्तंवों म (तं नित्रकी भ वों की! दुशां 4तं ह।

ऐस तं नित्रकी स ध ओं म (आत्म-अन्वोंर्षों ण की जी! रेलेHफिकीकीतं नि निहतं ह, वोंह म निसकी अ शां स और

नितंकीतं की दु!

खो रे चौंढ़तं ह। याह ब हरे रू स वोंस्तं नि ष्ठों और मर्पि"तं "जीकी प्रतं तं ह!तं ह, ले फिकी इसकी आ तंरिरेकी उद्दी श्या और

उ लेनिब्धया D ण"4 आत्मनि ष्ठोंतं की ओरे नि दुनिÔशांतं ह!तं ह।1 वों रे णस की व्यस्तं गेले की वोंह रिरेनिचौंतं

रिरेवोंशां एकी रेहस्यामया गेभ रेतं स भरे गेया था। हरे चौं ज़ी गेभ रे और

तं -वों म"4 महस"स ह! रेह था। की छे भ सहजी हA लेगे रेह था। भ ड़ा व्यनि गेतं प्रया स म (गेहरे ई स तंCले था और एकी

एकी कीMतं, स>रिरकी कीMतं रू स (बदले गेई था। कीरितं, उतं ह मझे याह र!चौंकी लेगेतं।

फि>रे भ , की ले निसले कीरे प्रभ वों एकीले उद्दी श्या की भ तंरे निसमद हुआ था। ऐस लेगे रेह था म ! एकी ह भ"ण वोंह स्था शा तं और गेभ रे था, इतं आध्या नित्मकीतं स रिरे ण" 4फिकी उस फिदुव्यतं की रे की ष्ठों की रू म (महस"स फिकीया

सकीतं था। अक्षे लेतं और नि म्रतं नि घले चौंकी था ; निजीज्ञा स वोंह D हA था; उ जी की टकी फिदुव्य गेभ रेतं म (बदुले गेया की भ तंरे कीईले

था ; और वोंह शांरे गेले सम स ह! चौंकी था। रे तं अ चौं हरे ओढ़ले था। वोंह D बस ह! प त्र स आत्म मेह अ भ"नितं जी ब व्यनि गेतं निवोंकी स और समया रे म!क्षा की निलेएप्रया सरेतं ह। याहकीC निजीतं अनिधकी मरे म तंरे गेंद गेंद तंकी हुचौंDह था।

समया-समया रे मख् या जी रे की सह याकी मत्र की उच्चा रेण कीरेतं, जी! स् r और ऊDचौं स्वोंरे म (स ई दुतं था, ले फिकी मख् य जी रे निब ह ठ निहले ए ह उन्ह (दु!हरे रेह था। ऐस लेगे रेह था जीस वों रे" तंरेह फिकीस और ह ले!की म (ह। वों अ आस रे स ध और ऊDचौं बठ था, कीमले स म,(और उ की आDखो (भ;ह की ब चौं निस्थारे थाA। वों घ म (निभगे!ए हुए बले - त्र (बले : निवोंCवों, निजीस ऐग्ले ममÔले!स या अशां-एप् ले भ कीह जी तं ह) की! एकी निवोंशां ले तं ब की गेड्ढे म (प्रज्वोंनिले अनिग्न म (डी ले रेह था।

अन्या सह याकी लेयाबद्ध समया रे अन्या वोंस्तं ए Dडी ले रेह था: ले!ब , नितंले की ब जी, चौंदु की बरे दु और ब ले सनिहतं म स कीट कीड़ा। निवोंत्र घMतं की चौंम्मचौं(अनिग्न की! ऊDचौं ले ट म (प्रज्वोंनिलेतं कीरेतंA, जी! प्रत्याकी मत्र की सम प्त ह! की सकी तं दु

वोंह D एकी भ रे सगे ध > ले हुई था। मझे वोंह दुगे áध महस"स हA हुई, जी! जीलेतं म स औरे ब ले स अ नि क्षातं ह!तं ह। याह वों स्तंवों म (बहुतं अजी ब था।

मनिणकीर्पिणकी औरे खो रे मफि दुरे म (हुए भया वोंह अ भ वों स मरे उ जी अभ तंकी शां तं हA हुई था। घ याले रे की उ गेले म (जीले ह! रेह था। रे नि रे तंरे बह रेह था। ले फिकी मझे इसकी की!ई रेवों ह हA था ; रे की बह उस धड़ाकीतं ले घ वों की ड़ा स बह तंरे महस"स ह! रेह था।

मझे की वोंले अ भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले , अ अ नितंम आश्रेया की स हुचौंD की उत्की ठ था।

म 1स!चौं सकीतं था , औरे तं ज़ी स घरिटतं हुए उ भया की घट क्रंम की! फि>रे स ब सकीतं था। अगेरे म 1उस सम्म!निहतं अवोंस्था स ब हरे नि कीले ह!तं , तं! क्या ह! सकीतं था ?
याह सचौं ह फिकी तं नित्रकी अ छों ब्रा ह्मण की! ह नि हुचौंD की अ म नितं हA दुतं । म वों बनिले की ब तं तं! दुरे", जीह D ब्रा ह्मण औरे ह स्त्र की उ या!गे ह! सकीतं ह; याह Dतंकी फिकी अत्यातं जीरिटले शांवों स ध (ब्राह्म डी या शांनि या की प्र निम्न की निलेए शांवों रे अ छों) म (भ ब्रा ह्मण की शांवों की उ या!गे हA फिकीया जी सकीतं।

ले फिकी भया फिकीस तंकी4 की! हA म तं ; औरे म 1अस वोंध ह! गेया था। अचौं की भया की हले प्रभ वों तंकी4 शांनि की! खो! दु ह!तं ह, जी! सभ इ फिद्रया की! भ्रनिमतं कीरे दुतं ह औरे याह Dतंकी फिकी स्मनिMतं की! भ निमट दुतं ह।
भया सबस आस औरे सबस प्रभ वों म दुकी द्रव्य ह, जी! निशांकी रे की म की! निवोंचौंनिलेतं कीरे सकीतं ह। सवों दु शां ले औरे

कीमजी!रे म ऐस सम्म!ह की निलेए सबस उ यम ध्याम ब तं ह।

जीब तंकी म 1 अ भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले की स सरे निक्षातं आश्रेया म (निवोंश्रे म हA फिकीया , तंब तंकी म 1उस नि रे की रे भय की कीड़ा स ब हरे हA नि कीले था। वोंह D हुचौंDकीरे ह म 1फि>रे स स्वोंया ब या।

शांरे रे निवोंले ह! जी तं ह

ले फिकी वोंह कीह DथाA? क्या वों इस सस रे की थाA? क्या वों हुचौंD की भ तंरे थाA? ऐस प्रतं तं ह! रेह था म ! उन्ह अ चौं रे ओरे एकी अभद्या फिकीले ब निलेया ह!।
ह ले Dफिकी उ की चौं रे ओरे भ की भ ड़ा था , ले फिकी की!ई भ उ की बहुतं कीरे ब जी की स हस हA कीरे रेह था।

म 1 उन्ह (ध्या स दुखो औरे तं त्र की निवोंशांर्षों अ छों की! या दु फिकीया निजीन्ह (भ"तं स रेण, न्या स औरे ध्या कीह जी तं ह। कीह जी तं ह फिकी या अ छों स धकी की चौं रे ओरे 'निवोंरे!ध आत्म ओं' या आध्या नित्मकी ब ध ओं की निवोंरुद्ध प्रभ वों सरे क्षा घ रे ब तं ह।1

इ की सबस प्रनिसद्ध उदु हरेण मह या ग्रेथा म (गेHतंम बद्ध
शां तं, निस्थारे, की ध्या तं स्या की सदु भ 4म (निमलेतं ह, जीह D बद्ध
सरे निक्षातं औरे आ तंरिरेकी प्रकी शां स दु प्तम रेहतं ह,1 भले ह उ रे बरे शांनि या या शां रे रिरेकी औरे म निसकी प्रले!भ की आक्रंमण ह! रेह ह!।

याह Dम 1उस रेम सत्या की उदु हरेण दुखो रेह था फिकी जीब आत्म नि यात्र ण ले ले तं ह, तं! शांरे रे गेण्या ह! जी तं ह; आत्म की! फिकीस आवोंरेण की आवोंश्याकीतं हA ह!तं ;

जी! व्यनि आत्म की स्तंरे रे ह!तं ह, वोंह अव्य ह! जी तं ह, जीस ह उसकी स्थाले" शांरे रे ब्राह्म डी या चौंतं म (निवोंले ह! जी तं ह, वोंह वों स्तंवों म (अप्र प्या ह! जी तं ह।

ब रे-ब रे म 1 उन्ह (इस अवोंस्था म (दुखो था। फि>रे भ वों फिकीतं वों औरे फिदुव्य लेगे रेह थाA, जीब वों आठ अनिग्रकी डी की घ रे की भ तंरे बठ थाA, निजीन्ह (निवोंस्मया-निवोंमग् ध ह था स जीले ए रेखो जी रेह था।
वोंह D अन्या अनिग्रकी डी भ था; की ले तं । उ की ह था > ले ए हुए था, हथानि लेया Dउ की ग्र जी Dघ रे रिटकी थाA, जी! अब च हुई स की रेतं स ढंकी थाA।
उ हथानि लेया रे दु! धधकीतं अनिग्रकी डी रेखो था; औरे उ की निसरे रे तं सरे अनिग्रकी डी रेखो हुआ था।

मरे नि तं उ तं अनिग्रकी डी म (की छे चौंण"4 डी ले रेह था औरे लेगे तं रे मत्र की उच्ची रेण कीरे रेह था।
मझे आश्चया 4ह! रेह था फिकी क्या उ की हथानि लेया Dझे लेस जी एगेD , या उ की निसरे >ट जी एगे।
अ दुरे स की तं हुए, स वोंध वों"की4, म 1उ की स गेया औरे चौं चौं उ की स बठ गेया। फिकीस आ नि हA की ; की!ई

कीरे भ हA सकीतं था , क्या फिकी सभ मरे औरे उ की सब ध की! अच्छे तंरेह जी तं था।
वों मलेह" स मरे थाA; म 1उ की था।

ले फिकी वोंह अनिग्र की घ रे ! औरे जीब भ म 1उस या दु कीरेतं हूँ,D मरे भ तंरे गेह तं आ जी तं ह।
दु! अनिग्रकी डी की ब चौं इतं जीगेह था फिकी म 1उसम (फि>सलेकीरे उ की औरे कीरे ब आ सकीतं था।
म 1उ की स जी चौं हतं था , औरे उन्ह (छे" चौं हतं था। वोंह D की गेमÂ भया की था ; ले फिकी मझे कीH रे!की सकीतं था , जीब वों स्वोंया इतं स बठ थाA?
उस क्षाण उ की स ह! की ले लेस उ ले ट स भ अनिधकी प्रबले था।

जीस ह म 1 अ एकी ह था की! आगे की घ रे की अ दुरे जीम की! छे" की निलेए बढ़ या , एकी निवोंद्यातं ¡झेटकी लेगे निजीस मझे छे की ओरे धकी ले फिदुया।
उस भया की झेटकी मरे स की! सन्न कीरे फिदुया।

ध रे -ध रे मझे अन्या आकीMनितंया की आभ स हुआ। वों सभ उस स्था की चौं रे ओरे रे(गेतं हुए फिदुखो ई फिदुए।
सभ एकी मत्र की जी कीरे रेह था; ले फिकी म 1 उ की उ निस्थानितं की रेवों ह फिकीए निब वोंहA रेह स दु फिकीया।
अचौं की म 1 स हस बट!रे औरे उ की औरे भ कीरे ब चौंले गेया। अब म 1निबCकी ले उ की स था।
एकी ले म,(म 1उ की गे!दु म (था (अब याह मरे निलेए रिरेनिचौंतं औरे स्वों भ निवोंकी आस ब चौंकी था)।
उ की हथानि लेया रे रेखो अनिग्रकी डी अब भ जीले रेह था; ले फिकी मझे याह दुखो कीरे बहुतं आश्चया 4हुआ फिकी तं! ले ट(, ह

उ की गेमÂ मझे डीरे रेह था।
मझे अब उ की की!ई अ भ वों हA ह! रेह था।

आगे रे चौंले

चौंफि"Dकी म 1अनिग्र औरे गेमÂ की निवोंर्षोंया रे हूँ,D इसनिलेए याह Dएकी ऐस घट की उCलेखो कीरे प्र सनि गेकी ह, जीब मझे वों स्तंवों म (

अनिग्र रे चौंले की प्रेरे ण निमले था। याह घट एकी निवोंशांर्षो अ छों स जीड़ा था, इसनिलेए इसकी वोंण4 याह Dउनिचौंतं प्रतं तं

ह!तं ह।

आजीकीले म निडीया औरे प्रचौं रे-प्रस रे की की रेण अनिग्र रे चौंले की चौंमत्की रे निश्चम म (निजीज्ञा स औरे चौंचौं 4

की निवोंर्षोंया ब

गेया ह। इस अदभुभतं अभ्या स की मख् या की(द्र दुनिक्षाण प्रशां तं द्री , फि>जी , श्रे लेकी औरे भ रेतं की तंनिमले क्षा त्र ह।1 इसकी अलवों ,

अफ्री की की वों"Â तंट की की छे जी जी नितंया म (भ याह अ छों प्रचौंनिलेतं ह। भ रेतं म,(तं नित्रकी निशांवों

उ सकी की ब चौं एकी शांनि शां ले सप्र दु या ह, निजीसकी उद्भावों आ ध्रु प्रदुशां म (हुआ। इस जीगे म या

वों रे शां वों कीह जी तं ह, जी! सतं वों सवों की अ या या ह।1 इ की प्रभ वों रे" दुशां म (> ले हुआ ह औरे वों रे णस इस सप्र दु या

की एकी महत्वों ण" 4की(द्र ह। मरे ठ स म्र ज्या की समया म (जीगे म उरे भ रेतं म (शांनि औरे स नि प्र स्त की औरे

गेरे ब

छे त्र तंथा स धकी की निलेए कीई धम था44 सस् था ए Dस्था नि तं कीÐ। इ की मख् या की(द्र जीगे मवों ड़ा म (ह, जीह D तं नित्रकी स ध रेहतं ह 1

औरे अक्सरे निवोंनिचौंत्र औरे रेहस्यामया अ छों कीरेतं ह।1

याह घट लेगेभगे 1923 की आस स की ह। उस समया म 1सस् कीMतं निवोंद्या लेया म (एकी प्रनितंभ शां ले छे त्र औरे

तं त्र स ध म (

वों!फिदुतं स धकी म जी तं था। आध्या नित्मकी निजीज्ञा स की की रेण बजी गे' मझे निवोंद्या लेया की आमनि त्रतं मह म म (शी निमले

कीरे निलेया।

गेर्पिमया की फिदु था। उरे भ रेतं की गेर्पिमया Dइतं कीठ!रे ह!तं ह 1फिकी उ रे कीनिवोंतं एD हA निलेखो जी

सकीतंA। तं म

112°F (लेगेभगे 44°C) तंकी हुचौंD चौंकी था। दु! हरे की लेगेभगे तं बजी, म 1सस् कीMतं निवोंद्या लेया की तं वोंरिरेछों छे त्र की

स था जीगे मवों ड़ा की ओरे चौंले ड़ा। जीCदु ह हम जीगे म मठ की चौं रे ओरे जीम भ ड़ा म (खो! गेए औरे अ तंतंo

एकी बड़ा आDगे (40×40 > ट) म (हुचौंD। वोंह D

10×10 > ट की तं जी खोदु हुए गेड्ढे म (जीलेतं हुए अ गे रे की एकी निवोंशां ले ढं रे भयाकी रेतं स धधकी रेह था। अनिग्र-अ छों

चौंले रेह था। गेमÂ इतं असह या था फिकी म 1गेड्ढे की फिकी रे स कीई > ट दुरे" खोड़ा ह! की ब वोंजीदु" उस

सह हA कीरे

रेह था। मझे आश्चया 4ह! रेह था फिकी अ छों म (भ गे ले वों ले गे शांरे रे रे इतं जीलेतं गेमÂ की स सह कीरे रेह था।

था!ड़ा ह दुरे म (वों द्यावोंदुM (बडी1) आया औरे भ ड़ा रे स्तं ब फिदुया। इसकी ब दु मनि Dडीतं निसरे वों ले

आया, निजी की ह था म (सम रे!ह स सब निधतं जी" या वोंस्तं ए DथाA। एकी चौं Dदु की था ले म (ले ले मखोमले की ट कीड़ा रे हरे

रिरेयाले रेखो था। दुस"रे था ले म (स्वोंण 4मद्र था, औरे एकी औरे था ले म (मडी ले की जीरिटले निडीज़ी इ था।

इसकी ब दु भ ड़ा की! भ अ गे रे रे चौंले की निलेए आमनि त्रतं फिकीया गेया। की छे ले!गे निझेझेकी , ले फिकी की छे निब डीरे
कीरे निलेया। म 1 भ निहम्मतं जीट ई औरे अ गे रे रे चौंलेकीरे गेड्ढे की! रे कीरे गेया।

फि>रे मत्र !च्ची रे की स था म 1 अनिग्र की चौं रे ओरे रिरेक्रंम की , जीब तंकी फिकी एकी स ध मझे ब हरे आ की! हA कीह। उस क्षाण म,(म 1 अ घ याले उ गेले म (लेगे तं रे ह! रेह दुदु 4की! महस"स फिकीया , जी! अभ भ रे स भ गे हुई था।
तंभ अचौं की रे तं की आकी शां म (गेजी" तं आवों ज़ी आई, **"जीया म तं !"** औरे मरे भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले मझे अ वोंक्षास्थाले स कीसकीरे लेगे निलेया। उस आलिंलेगे म (जी! प्रम औरे सरे क्षा था , वोंह शांब्दु म (व्य हA की जी सकीतं।

(अब मझे तं ह फिकी नितंब्बतं ट की निचौंत्र फिकीतं सच्ची ह!तं ह।1)

एकी रे बनिलेदु

आ दु की जीयाघ!र्षों उस कीरिठ अनिग्र अ छों की स>ले ण"4तं की सम्म म (था। अनिग्रकी डी की! उ की हथानि लेया स हट या जी था , ले फिकी उन्ह (हट स हले सभ म (एकी अजी ब सन्न ट छे गेया।

भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले अ ले गे!ट स की स की एकी ट कीड़ा बड़ा स वोंध स > ड़ा। उस ट कीड़ा की! कीई छे!ट -छे!ट
ट कीड़ा म (निवोंभ निजीतं फिकीया औरे उन्ह (गे!निलेया की आकी रे फिदुया। फि>रे हरे ट कीड़ा की! मरे घ याले उ गेले स बहतं हुए रे म (
निभगे!या गेया। उन्ह उ रे स गे!निलेया की! अ ह था स निसरे की ऊ रे उठ कीरे जीलेतं हुए अनिग्रकी डी म (>(की फिदुया।
मरे ठ उ की वोंक्षास्थाले स सट हुई था , ले फिकी तंभ मरे गेदु 4 की नि चौंले निहस्स म,(रे ढ़ की हÄ की

सम तंरे, ठ की
ब ले की रे खो की स, एकी बले की शां खो की की Dट गेहरे स चौंभ । याह हमले इतं अचौं की था फिकी म
1चौं खी भ हA
सकी ; ले फिकी मझे दुदु 4की की!ई अ भ वों हA हुआ। उन्ह चौं चौं मरे रे की की छे बदु"D (एकीत्र कीĐ।

ध रे -ध रे मझे अचौंतं
घ रे निलेया।
मझे उ की ब Dह की आलिंलेगे महस"स हुआ... मझे घरे जीस महस"स हुआ... भ!रे ह! गेई! मले याम की स की

आवोंरेण की
स था निबरु रे की वोंह रिरेनिचौंतं स् शां4, कीमरे म (> ले सगे ध, निजीस म 1बहुतं अच्छे तंरेह हचौं तं था ; छेतं,
दु वों रे(, औरे
सबस बढ़कीरे वोंह स्त्रा हमया मस् की वों ले चौंह रे स की रे ह! लेगे। उ की ह था मरे गेदु 4 की चौं रे ओरे था;

उ की गे ले मरे
गे ले स लेगे हुआ था।
"चौंले!, उठ!। सया" 4उगे वों ले ह; औरे हम (मह दुवों तं की दुशां4 स हले दु म (स्त्रा कीरे ह। आओ, म

1तं म्ह रे मदुदु
कीरेतं हूँ।D"
वोंह स्त्रा अत्यातं शां नितं दु वों ले था। दु स ब हरे नि कीले स हले , उन्ह मझे अ स म खोड़ा फिकीया औरे

(याह कीहतं हुए उन्ह मझे बहुतं कीरे ब स गेले लेगे निलेया। उ की सरे क्षा त्मकी स्त्रा ह मरे स की! शां तं कीरे फिदुया ...)

"तं म्ह (बहुतं दुरे" जी ह, बहुतं दुरे"। क्या तं म्ह (या!गेवों निसछों की ठ या दु ह?1 म गे 4भटकी औरे तं की

निशांकी रे ह! म (क्षाण
भरे भ हA लेगेतं। शांत्र चौं रे ओरे ह।1 प्रनितंरे!धकी शांनि या D हमशां मख् या शांनि की छे - छे चौंलेतं ह,1
जीब तंकी फिकी निशांखीरे
प्र प्त ह! जी ए। स वोंध रेह ... हमशां स वोंध रेह ... स वोंध वों"की4 तं या रे कीरे!। सह तं या रे आध लेड़ा ई
जी तं की बरे बरे ह। सह म गेदु4शां4की खो!जी!। तंब तं म तं -चौंHथा ई लेड़ा ई जी तं चौंकी ह गे। ब की तं म्ह रे
स्वोंया की प्रया स रे
नि भ4रे कीरेतं ह, दुढ़M सकी C की स था फिकीए गेए प्रया स रे।

ब जी म त्र ॐ

"कीभ निजीज्ञा स मतं ब !। कीभ प्रले!निभतं मतं ह!। शां नितं, शां नितं औरे निस्थारेतं। क्या तं म्ह (निवोंरे म की महत्वों या दु ह? शांब्दु की ब चौं की निवोंरे म भ वों की! अनिधकी स् rतं स व्य कीरेतं ह।1 वोंह, अथा तं4iभ वों (वों कीi), शांब्दु औरे शांब्दु की ब चौं की निवोंरे म
म (नि वों स कीरेतं ह। "

"शां नितं औरे निवोंरे म वों दु! चौरेण ह 1निजी स ध रे -ध रे प्रगेनितं ह!तं ह। मH ह सभ मत्र की सबस बड़ा

उ लेनिब्ध ह। जीCदु
मतं कीरे!; हड़ाबड़ा मतं कीरे!; दुo खो मतं उठ ओ; छे मतं हट!। क्या तं म उस भटकी वों ले औरे की रे त्मकी की रे
की
उरे फिदुया ? या दु रेखो!, अनितंनिथा स्वोंया आतं ह,1 जीब भ!जी तं या रे ह!तं ह। या स ध रेण अनितंनिथा हA ह।1

या भ"खो, ले लेचौं
औरे महत्वोंह ह।1 ले फिकी जी! निवोंशांर्षों भ!जी तं या रे ह!तं ह, उस इ अवों नि छेतं स दुरे" रेखो ड़ातं ह।
"सकी रे त्मकी शांनि या D औरे की रे त्मकी शांनि या D स था-स था चौंलेतं ह;1 क्या फिकी उन्ह (भ भ"खो लेगेतं ह।

क्या तं म हA जी तं
फिकी सभ निवोंत्र अ छों (दुवों -याज्ञा) निवों रे तं शांनि या (असरे) की निलेए भ अर्पि तं फिकीए जी तं ह?1"
म 1 ध रे -ध रे मत्र की उच्ची रेण कीरे शां रू फिकीया : "नि हनिन्म सवों áयादुम ध्यावोंतं iभवोंदु iध तं श्च सवों-

Ôअसरे दु वों o मया।
रेक्षा निस याक्षा श्च नि शां चौं सङ्घ o हतं o मया या तं ध श्च सवोंÔ।।"
("जी! शांनि या D मरे द्वी रे आहूँतं बले की निवोंरे!ध कीरेतं ह,1 उ की शां म 1स्वोंया कीरेतं हूँ।D अतंo असरे ,

दु वों , रे क्षास ,
याक्षा , नि शां चौं औरे या तं ध की शां ह!तं ह। ")
"अ स न्4तं तं ध"तं o या भ"तं o भ"निम सनि स्थातं o।
या भ"तं o निवोंघ्न कीतं 4रे श्च तं गेच्छेन्तं निशांवों ज्ञाया ।।"
("वों सभ भ"तं-प्रतं जी! भ"निम म (बस ह,1 जी! निवोंघ्न डी ले सकीतं ह,1 वों निशांवों की आज्ञा स दुरे" ह! जी ए।D")

म 1 छे" , "औरे वों उस शांनि की क्या कीरेतं? " उन्ह गेहरे नि गे ह स मझे दुखो तं हुए उरे फिदुया , "कीभ अच्छे

हA। चौं!रे की गेई शांनि कीभ अच्छे की या 4म (हA
तंरेतं। पुनिनि" की दुरु या!गे शां नितं औरे ईम दु रे की निलेए ख़ौतंरे ह। याह अशांद्ध ह!तं ह, औरे इसकी उ या!गे
सदुवों बरे

उद्दी श्या की निलेए ह!तं ह। चौंमत्की रे की छे भ गे वों ले, अक्सरे स्वों था4 औरे ले लेचौं म (अ ध ह!तं ह।1 ले फिकी या झे"ठ चौंमत्की रे क्षानिणकी ह!तं ह,1 औरे अक्सरे अस>लेतं औरे आध्या नित्मकी तं की की रेण ब तं ह।1

"म Dकी शांनि की! चौं!रे औरे भ!निगेया द्वी रे उ या!गे हA फिकीया जी सकीतं। निजीन्ह तं म्ह (बले या था , वों तं म्ह रे शांनि चौंरे चौं हतं था। तं म म Dकी आभ रे म !, निजीस तं म्ह (बचौं निलेया।"

म 1 मस् की रे तं हुए कीह , "आ भ सह फिकीया।"

फि>रे म 1 लिंचौंनितंतं ह!की, रे लेचौं फिकी म 1 वोंह D मHस की स्प्रश्नों ह भ उस दुr जी दु "की प्रभ वों म (थाA?"

अधम 4एकी अ ध गेले ह

"अधम?4 अधम 4क्या ह? धम 4क्या ह?

हम सब धम 4औरे अधम 4की निमले- जीले मनिले निमश्रेण ह।1 एकी अजी ब निमले वोंट। जीब तंकी हम धम 4की

अ भ वों हA कीरेतं, हम

ह 1क्या ? सभ अहकी रे म (सबस बड़ा अहकी रे ह स्वोंया की प्रशां स औरे ध र्पिमकीतं म (डी"ब रेह । याफिदु तं म याह भ"ले कीरेतं ह!,

तं! प्रगेनितं की द्वी रे बदु कीरे दुतं ह!। या!गे म (लेक्ष्या ह अह की! स्वों म (निवोंले कीरे । स्वों औरे अह उस तंरेह

निमले हुए ह 1जीस अयास्की म (स! । या!गे की अथा 4ह स्वों

की! अह स शां द्ध कीरे की कीले प्र प्त कीरे । निसरे की! झे की ए रेखो —याह Dधम 4की अथा 4ह नि oस्वों था 4धम।4 ऐस कीरे स हम

धम 4की था रे ब रेहतं ह।1 याह ह सह तं या रे। जीस फिकी म 1 हले कीह था , सह तं या रे आध लेड़ा ई

जी तं की बरे बरे

ह। "

"तं म्ह रे मHस की सबस सरे निक्षातं हले" याह ह फिकी वोंह नि oस्वों था 4धम 4की निलेए निसरे झे की ए रेहतं ह।1

ले फिकी भ्रनिमतं ह!

आस ह। क्या तं म्ह (या दु ह खो रे मफि दुरे म (तं म की स वोंशां भ"तं ह! गेए था? वोंह D की शांनि बहुतं प्रबले था। ले फिकी वोंह जीCदु

ह ठ की ह! जी एगेD , औरे उन्ह (अ ह नि की एहस स ह!गे। वोंह स्वोंया मह या!निगे ह।1 ले फिकी मह तंम भ

कीभ -

कीभ तं की निशांकी रे ह! जी तं ह।1

रे वोंण मह या!गे था ; की स, अश्वत्था म , जीरे स ध, औरे रे स नितं भ। ले फिकी वों अ अ ण"तं4 ओं औरे

चौंमत्की रे की

म द्ध की की रेण निगेरे गेए। प्रगेनितं की! कीभ रे!की! मतं। निहया की! छे मतं घ म ओ, घड़ा की! गेलेतं फिदुशां म (मतं चौंढ़ ओ। था

की अ स रेण कीरे!। की!ई शां"ट4कीट हA, की!ई समझेHतं हA।" "क्या तं म दुखो फिकी सम"ह आस म (मHस की

निस्थानितं क्या था ? उन्ह छे 1 या!गे उ की उ या!गे अ आस की रे स्वों म (कीरे रेह था ," म 1 उरे फिदुया।

"ले फिकी निमया भ तं! आ की आस हूँ।D इसम (अजी ब क्या ह? "

"याह सचौं ह। ले फिकी मरे म मले म (म 1दु तं हूँ।D उ की म मले म (वोंह निड़ातं थाA, औरे उ स शांनि खोAचौं

जी रेह था।

ब दु म,(म 1मनिणकीर्पिणकी गेया यकि दुनिलेए फिकी मHस की क्या ह् ले हुखोीझे अच्छे हA लेगे जी! म 1 दुखोवोंह
तं फिदु स नि रे तंरे आस म (थाA, निब एकी क्षाण की निवोंरे म की। वोंह D रेह् वों ले श्मशां की सवों की मझे याह् बतं या।

"औरे वोंह या!गे ? क्या वोंह ऐस ह बचौं नि कीलेगे ?" म 1 छे"।

"जीCदु या दुरे स, सभ की! अ कीम' की >ले निमलेतं ह, जीस जीरे स ध औरे अश्वत्था म की! कीMष्ण स निमले था। अधम 4एकी
अ ध गेले ह। लेHट ह ड़ातं ह; ले फिकी म 1चौं हतं हूँ Dफिकी तं म ऐस ले!गे स दुरे" रेह!।"

"क्या ?" म 1 छे"।

"क्या फिकी तं म सुनले"स मरे ह!... तं म धम त्4म ह!... तं म धम 4की की या 4कीरे!गे। कीई ले!गे प्रतं क्षा कीरे रेह ह.1.. तं म्ह (बहुतं
मह तं कीरे ह, औरे वोंह ह, जी! की छे ह की! निमलेतं ह. .. प्रम। सभ की प्रम।
अब वों स लेHट की समया ह। घरे चौंले!। म 1तं म्ह रे निलेए एकी निवोंशांर्षो या तं या रे कीरूDगे , जी! तं म्ह (बलेवों ब एगे। अब
हम (प्र तंoकी ले प्र था 4 म (सनिम्मनिलेतं ह! ह, औरे शां नितं की अ नितंम आशां वों दु4 की! प्र स्र कीरे ह।"
तं की चौंतं वों

इस अ भ वों की अध्या या की! सम स्र कीरे स हले , मझे

याह Dएकी अजी ब तंथ्या दुजी 4कीरे चौं निहए। निजीस स्था रे स ठ स ले
हले म 1 याह अ छों दुखोथा , वोंह कीभ व्य रे की समMद्ध की(द्र था। तं रे अ छों की! तं लेगे तं रे वोंर्षो' तंकी चौंले
था , औरे ऐस हुआ भ।

ले फिकी रेहस्यामया की रेण स, वोंह स्था अब नि जी 4 औरे बब 4दु ह! चौंकी ह। ले!गे अब भ उ तं दुभ 4ग्या ण"4 वोंर्षो' की! या
कीरेतं ह,1 जीब मतंM आत्म ओं औरे श्मशां की दुवों तं रे की! गेहMस्था क्षा त्र म (आमनि त्रतं फिकीया गेया था। तं रे अ छों उसकी
ब दु बदु कीरे फिदुए गेए।

मझे नि तं की भगेवों वोंत्त्रध रे मनिहले की! दु गेई चौंतं वों या दु आई:

"तं म्ह (हले स ह बह तंरे तं ह! चौं निहए था ...."

स D वों ले या!गे औरे ब Dस रे

मरे जी वों म (कीई ब रे म 1 ऐस मकी बले दुखो

ह।1 ऐस ह एकी घट की वोंण4 म 1याह Dकीरे चौं हतं हूँ।D

कीई वोंर्षो' की रेहस्यामया अ निस्थानितं की ब दु, एकी यावों व्यनि वों स आया , निजीस हम बहुतं अच्छे तंरेह स जी तं था। वोंह
अब म ले औरे लेले ट रे ले ले निचौंह् लेगे ए हुए, या!गे की वोंशां म (था। ले फिकी अन्या या!निगेया की निवों रे तं, वोंह अ
निवोंधवों म Dकी स लेHट आया था , जी! अ भटकी हुए बट की! वों स कीरे प्रसन्न था। उस इस ब तं स की!ई आ नि हA
था फिकी उसकी आवों रे बट अब एकी गेभ रे या!गे ब गेया था।
ले!गे की! आश्चया 4इस ब तं की था फिकी वोंह अ ब रे म (निबCकी ले मH रेहतं था , औरे उस कीभ आध्या नित्मकी अ छों म (
गेया , निसवों या उसकी गेढ़" चौंप् की। वोंह फिदु भरे की(दु "की म (ले ट हुए निवोंशांर्षो प्रकी रे की स्था या निसगेरे ट
ले हA दुखो

ब तं था। वोंह इन्ह (गेट्टा म (सजी कीरे रेखोतं , औरे ग्रे ह्की मC"या रेखोकीरे अ इच्छे स रे ले जी तं। की!ई ब तंचौं तं ह्A ह!तं , क्या फिकी सभ जी तं था फिकी वोंह ब!लेतं ह्A था।

ले फिकी एकी फिदु याह मH भ गे हुआ। एकी यावों म Dउसकी स व्य की लेतं म (आई। उसकी शांया कीक्षा म (एकी की!बरे घ स गे था , औरे उसकी निशांशां उस निबस्तंरे रे स! रेह था , निजीस रे वोंह की!बरे की ण्डीले म रेकीरे बठ था। क्या वोंह मदुदु कीरे गे ? म D आDसओं भरे नि गे ह् स उसकी नि र्पिलेप्त मखो कीMनितं की! दुखो ।

वोंह नि दुया4 चौंह रे ह्A मस् की रे या। वोंह तं ब की" की ट!कीरे चौं रेखोकीरे चौं चौं उसकी स था चौंले ड़ा। उस अ स म की की!ई रेवों ह् ह्A की। ले!गे दुखो फिकी वोंह निबCकी ले नि डीरे था। वोंह निबस्तंरे की स खोड़ा हुआ, औरे की छे क्षाण तंकी

की!बरे की! शां तं भ वों स तंदुखोह।

फि>रे उस की!बरे की! गेदु 4 स ऐस सहजीतं स उठ निलेया , म ! वोंह गे ले रेस्स ह!। वोंह की!बरे की! गे!दु म

(की ण्डीले
म रेकीरे बठ , औरे फि>रे निसगेरे ट ब शां रू कीरे फिदुया , जीस की छे हुआ ह ह!।
की छे समया ब दु, गे सप्र दु या की एकी स रे या!गे उसकी स आया , जी! अ कीद्भुदु "वों ले ब Dसरे बजी रेह

था। सभ
की! आश्चया4हुआ जीब मH या!गे कीड़ाकी आवों जी म (कीह :
"आगे बढ़!। रे शां मतं कीरे!।"

गे" गे ब!ले उठ

ले फिकी गे स ध अह्की रे की स था ब Dसरे बजी तं हुए मकी बले स्वों की रे फिकीया। मH या!गे भ तंले की ब Dसरे नि की ले औरे जीवों ब ध बजी लेगे। याह की!ई स ध रेण सगे तं प्रनितंया!निगेतं ह्A था , बनिCकी एकी रेह्स्यामया शांनि -याद्ध
की शां रुआतं था।

तंभ गे स ध भयाकी रे ड़ा स ट कीड़ाकीरे कीरे हतं हुए ध"ले म (ले!ट शां रू कीरे फिदुया। याह एकी मH याद्ध

था —
अदृश्Mया शांनि या की टकीरे हट, रेह्स्यामया सघ र्षों4। भ ड़ा भयाभ तं दुरे" ब कीरे याह दुश्Mया दुखो । याह दु!
अजीगेरे की लड़ा ई
जीस लेगे रेह था। की छे ह क्षाण म,(मH या!गे ठ की बले निगेरे ड़ा , म ! निचौं की गेया ह!। उसकी मह D स

खो " झे गे की तंरेह बह रेह था।
वोंह की D रेह था , दुया की त्र ब गेया था। भ ड़ा की फिदुले सहम गेया , ले फिकी की!ई भ उसकी स जी की
निहम्मतं ह्A
कीरे रेह था।

ले फिकी मH या!गे ऐस तंड़ा रेह था जीस हजीरे मध मनिक्खोया म रेडीरेही उस की डा उतं रे डा। गे स ध वों
तंभ गे स ध ब Dसरे की! मह D म (गेहरे ई तंकी धDसतं हुए निचौंCले यों औरे निगेरे डा। खो " बह लेगे औरे वोंह
की ड़ा उठ की की!निशांशां की , ले फिकी तंभ की!बरे नि कीले आया औरे उस डीस निलेया। गे स ध मतंM या मरेण सन्न ह!कीरे
निगेरे ड़ा। भ ड़ा स्तंब्ध ह!कीरे दुखोरेह गेई।
लेगे , जीस दुम घ ट रेह ह!। उस सड़ाकी स ध"ले की कीण उठ या औरे मH या!गे रे >(की , तंब जी कीरे उस मनि
निर्मले।

मH या!गे ह था बढ़ कीरे उसकी मदुदु की। की छे निम ट ब दु गे स ध अ गेठरिरेया की स था चौं चौं चौंले गेया। उसकी ब Dसरे मH ह! गेई। मH या!गे फि>रे स निसगेरे ट ब तं हुए अ की या 4म (लेगे गेया।

की!ई की!बरे हA फिदुखो —जीस वोंह म या ह!। याह वोंह था जी! भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले कीह था :

"मकी बले निमले "।

गे या!गे की! उसकी मकी बले निमले गेया था। याह शांनि की रेहस्यामया याद्ध था। याह तं नित्रकी शांनि या की आम -स म

था।

याह घट स् r रू स फिदुखो तं ह फिकी शांनि औरे चौंमत्की रे की दुरु या!गे की स निवों शां की ओरे ले जी तं ह।

अधम4हमशां

अ ध गेले म (ह सम प्र ह!तं ह।

या ब्रा ह्मण

इस ब चौं म 1 रे" तंरेह स दु निक्षातं ह! चौंकी था औरे सस् की रे त्मकी ब्रा ह्मणत्वों की अवोंस्था म (प्रवों शां कीरे चौंकी था। म 1स तं व्रतं की वोंफि दुकी सनि हतं स बध हुआ था।

I. सत्या ब!ले! (सत्या वोंदु)। कीतं4व्य कीरे!, औरे निसद्ध तं रे की याम रेह! (धम áचौंरे)। जी! स खो!, उस कीरे स मतं

हट! (स्वों ध्या यातं म प्रमदु)।

II. म तं की! फिदुव्य म ! (म तं Mदुवों ! भवों)। नि तं की! फिदुव्य म ! (नि तं Mदुवों ! भवों)। अनितंनिथा दुवों ! भवों। गेरु

की! फिदुव्य म ! (आचौं या 4दुवों ! भवों)। इ दु! व्रतं की प्रतं की की रू म,(म 1 उस फिदु स अ ब ए की ध रे सतं"

ध गे की एकी गेच् छे ब ध रेखो था।

स्वों भ निवोंकी रू स मझे लेगे फिकी म 1एकी स्तंरे आगे बढ़ गेया हूँ;D औरे अब म 1रेहस्यावों दु प्रदुशां 4 की कीई

नि निर्षोद्ध क्षा त्र म (

प्रवों शां की दु वों कीरे सकीतं था , जीईस!झेने ब समया स वोंर्पिजीतं था।

इ म (स एकी था म तं की जी" की प्रत्याक्षा अ छ्रों की अभ्या स। याह एकी ऐस क्षा त्र था जी! निवोंशांर्षो रू स तं त्र की रे गेतं ले!गे की निलेए आरेनिक्षातं था। औरे मझे अभ तंकी ऐस हA म गेया था। ह ले Dफिकी मझे अ भगेवों दुवों की स था अ सब ध स प्र!त्स ह निमले था , औ चौं रिरेकी रू स, मझे की!ई निवोंशांर्षो तं नित्रकी दु क्षा हA दु गेई था। याह एकी बहुतं ह सवों दु शां ले निस्थानितं ह। मझे अभ तंकी की!ई निवोंशांर्षो गेरु हA निमले था ; औरे निब फिकीस की म गेदु4शां4 की , तं त्र औरे अ छ्रों म (ह था डी ले खोतंरे की था। ऐस हA ह फिकी या!निगेया निब फिकीस सह यातं की प्रया स की म ध्याम स अ निशांखोरे तंकी हुचौंD की रिरेकी²डी 4 हA ब या ह, फि>रे भ , मले" रू स, इस तंरेह की म गे 4स बचौं चौं निहए। इसकी मतंलेब खोतंरे , जीस फिकी निलेलिंवोंगेस्ट! की निलेए अघ!निर्षोतं अफ्री की जीगे ले म (घ स था , या मनि गेले की निलेए अज्ञा तं सम द्र जी निहम्मतं कीरे था।

एकी स हनिसकी रेहस्या

तं त्र की दुनि या म (जीह D गेह लिंचौंतं औरे एकी ग्रेतं म (एकी जीरिटले तं त्र शां निमले ह!तं ह, जीस फिकी अभ तंकी अज्ञा तं तं नि
तं त्र, की!ई भ फिक्रंया या गेलेतं की या 4निजीसम (चौं!ट शां निमले ह!तं ह, स्था या रेह की सभ वों ह!तं ह। म 1 ले!गे की! अ
मनिस्तंष्की-की या4खो!तं , ब!लेतं , स स की तंकीले > स निड़ातं, याह Dतंकी फिकी मनिस्तंष्की की धमनि या की >ट औरे मरेतं हुए
ह। तं त्र फिकीस भ स हनिसकी की या 4की! स्वों की रे हA कीरेतं ।

ले फिकी एकी धन्या या!गे की लेक्षाण म (स एकी याह ह फिकी उसकी की या' म (स हस ण"4 नि भ4यातं की निवोंशांर्षों तं ए Dह!तं
अ दुरे एकी आग्रेह ह!तं ह; औरे उस आगे बढ़ चौं निहए। अगेरे गेरु ह, तं! ठ की ह; ले फिकी अगेरे वोंह हA ह, तं! उसकी निब
भ ; उसकी आ की इ तंज़ी रे कीरे(; उस आ दु।(इस ब चौं वोंह आगे बढ़तं ह, स हस ण"4 औरे हमशां स हस ण"4।

ऐस आत्मघ तं आवोंगे वों स्तंवों म (गेलेतं औरे अ नि चौंतं ह। ले फिकी म 1यावों था , औरे स वोंध नि या की निलेए रुकी की निलेए
उत्स निहतं था । शां यादु
की सरे म (मनिहले की प्रभ वों, उसकी अदुश्Mया सरे क्षा की ह था मरे यावों हृदुया की! स हस फिदुया था । म 1 उस रे स्तं रे चौंले
की स हस फिकीया , निजीस रे अकी ले बहुतं कीम ले!गे चौंलेतं ह,1 औरे उस समया म 1ऐस दुस् स हस की निलेए निबलेकी ले तं या रे
था ।

छे मड़ा कीरे दुखो रे, जीब म 1उ फिदु की! या दु कीरेतं हूँ,D औरे उस अकीथा या दुढM नि श्चया की!, उस सकी C की! जी! म 1 खो
ऐस क्या कीरे ड़ा । म 1
हरे समया ऐस लेगेतं था फिकी म 1अकी ले हA

की! कीरे की निलेए नि ध 4रिरेतं फिकीया था। या!ह सझे की की!ई की रेण हA निमलेतं फिकी मझे
स स रिरेकी अथा' म (निबCकी ले अकी ले था । मरे रेहस्या मरे अ था। फि>रे भ मझे
हूँ।D
वों रे णस की तंत्की ले गेरे निलेकी स म की ब हरे (निजी फिदु की म 1ब तं कीरे रेह हूँ)D एकी बड़ा त्थारे की फिकी रे वों ले
तं ले ब की चौं रे ओरे एकी प्रभ मडी ले ह। चौंफि"Dकी याह स्था , जी! तंब एकी नि जी 4 स्था था , एकी तं हुआ कीरेतं था , इसनिलेए
कीई ऐनितंह निसकी रू स प्रनिसद्ध या!निगेया सफिदुया स इस अ नि वों स स्था ब निलेया था ।

आजी भ इस स्था रे मह स्वों म भ स्कीरे दु , म तं ले!की श्वरे , गे!स्वों म तं लेस दु स की सगे मरेमरे की सम निध जीस
या दुगे रे औरे मह स्म रेकी ह।1 स ह वों रे हम चौंर्पिचौंतं औरे प्रनिसद्ध हरिरेहरे ब ब की! दुखो , जी! एकी खो म!शां ग्र
वों रे ब था । निवोंदुनि शांया द्वी रे निलेखो गेई कीई फिकीतं ब म (उन्ह (
सा!! थ , ब जी!(ा!ा!कीसा जी) निवे4 रे खो!ा! स्ड़ा (स दु (निभ तंथ) फिकी जीा! एकीया जी कीबिंह D, एकी उ वों की भ तंरे म Dदुगे 4 की प्रनिसद्ध मफि दुरे निस्था
जीह D आजी भ नि यानिमतं रे बनिले दु जी तं ह। म 1 इस स्था रे एकी ले ब तं स्या कीरे की > सले क्या फिकीया , याह मरे
निलेए अभ भ एकी रेहस्या ह; ले फिकी एकी ब रे जीब बले वों आया , तं! म 1 इसकी निलेए > सले फिकीया । आनिश्व (निसतंब रे-
अक्ट"बरे) की मह म (H फिदु की निलेए याह मफि दुरे जी वोंतं ह! जी तं ह, औरे भ की भ ड़ा याह Dआतं ह। रु र्षों औरे
मनिहले ओं की अ तंह ध रे इस स्था की! गेम4, व्यस्तं औरे फिदुलेचौंस् ब तं ह। अगेरे की!ई वोंह D हुचौंD चौं हतं था , तं!
निवोंशां ले भ ड़ा वों स्तंवों म (फिकीस भ तंरेह स आ तंरिरेकी एकी तं की! भ गे हA कीरेतं था । म 1 इस बहुतं ह तं नित्रकी स्था रे
फिदु की चौंक्रं की निलेए प्र था 4 कीरे की > सले फिकीया । सबस प्र चौं शांहरे वों रे णस म (सबस प्र चौं मफि दुरे स्थाले इस
मफि दुरे की ठ की दुनिक्षाण म (निस्थातं ह, जी! लेगेभगे इसकी स म ओं की! स झे कीरेतं ह। याह गेण शां मफि दुरे ह। मझे इस रिरेत्य
मफि दुरे की एकी तं मचौं मरे अ न्या आस की निलेए उ या स्था लेगे ।

आजीकीले स और बहुम"Cया निवोंदुशां मद्र की प्रनितं दु वों गे शांहरे की मनि खोया ओं की! इस प्रभ मडी ले की! एकी याट4की आकीर्षों4ण म (बदुले की निलेए प्ररि रेतं फिकीया ह। की छे व्य रिरेया की! अ अचौं की निमले स नि की! सगे मरेमरे स गेगे रे

सबस ऊ चौं स्थाले ब म (खोचौं 4कीरे ड़ा , औरे इस म स मफि दुरे (तं लेस दु स द्वी रे निलेनिखोतं लिंहदु रे म याण औरे

स!लेहवोंA शांतं ब्दु की एकी शां स्त्र चौंमत्की रे की रू म (भ रेतं म (बहुतं ले!कीनिप्रया 'म स' की मफि दुरे) कीह । रे" म स स> दु

सगे मरेमरे की दु वों रे रे की ले स स स उकी रे गेया ह, निजीसम (वोंनि स की की चौं की दु गे म (कीले त्मकी रू स ढं ले गेए रे गे निचौंत्रण ह।1 आध नि की ' याट4की' प्ररि रेतं ले आउट औरे एकी गेलेतं तंरे की स ब ई गेई सरे चौं की अश्ले ले समMनिद्ध की स म ,

प्र चौं मफि दुरे की निवोंत्रतं औरे शां तं भव्यतं अब रे" तंरेह स भ गे ह! गेई ह। ले फिकी वों रे णस की सबस प्र चौं चौं जी, सफिदुया रे गेण शां, इस आध नि की रू स की > सतं r औरे उदु स प्रतं तं ह!तं ह।1 मरे समस्या याह था फिकी म 1अ

रिरेवों रे की जीरे स खोदु की! दुरे" रेखो।" वोंरे नित्र की फिदु , जीस फिकी इ H फिदु की! कीह जी तं था , हम रे घरे की निलेए बहुतं

व्यस्तं समया हुआ कीरेतं था , वों स्तंवों म (इतं व्यस्तं फिकी फिकीस की! भ फिकीस ले तं लेड़ाकी की ब रे म (लिंचौंतं कीरे की

ज़ीरूरेतं हA था । ले फिकी मरे म Dकी! मरे या दु आतं था । इसनिलेए मझे उन्ह (निवोंश्व स म (ले ड़ा । बशां की, उन्ह (बहुतं

आश्चया 4 हA हुआ। शां यादु उन्ह (याह समझे म (हA आया । उन्ह बस अ बट द्वी रे प्रस्तं निवोंतं तं स्या की निलेए अ

स्वों कीMनितं व्य की । म 1 उन्ह (इस गेप्त रेखो की निलेए ब ध्या फिकीया । उन्ह , अ तंरे की स, हमशां मझे फिकीस भ

आध्या नित्मकी खो!जी म (प्र!त्स निहतं फिकीया ।

या!गे की कीरिठ म गे4

प्र था 4 म (कीठ!रे अ शां स शां निमले था । अ दुनि की आह रे की ब रे म (स वोंध रेह औरे अ Aदु की! स निमतं कीरे की अले वों , मझे रे" समया कीमले की आस म (क्रं²स-ले ग्डी बठ की निलेए व्यवोंनिस्थातं ह! था । इसम (कीई तंरेह की खोतंरे

मझे भरेह प्रथा 4था Dफिकी अ[illegible] स्या A[illegible] मझेM की!

शां निमले था: चौंAरिटया D मनिक्खोया D हवों की अचौं की झे की ; याह Dतंकी फिकी सरे सM भ फिदुखो ई दु

लेट की निलेए फिकीस निवोंशीर्षों प्रया स की आवोंश्याकीतं ह!। मरे ब ई हथाले रे घ स भरे एकी दु की जीलतं था , निजीस म

सकीतं था। याह स्था खोद ह

तंब तंकी, जीA रखीतं म थ, म बाद4 रे" हA कीरे ले तं ।

जी चौं कीरे वों ले औरे हस्तंक्षा कीरे वों ले बदु रे स भरे हुआ था । मझे इ सभ ब हरे चौं Hनितंया की स म

[illegible] याह ध्या औरे एकी व्रत की निलेए एकी कीठ!रे रेक्षा था ले फिकी म 1 बदु ह इस अ ऊ रेले की > सले फिकीया था ।

निवोंचौंले हA ह! सकीतं था । अ या!गे सत्र" म (महर्पिषों तं जीनिले स धकी की! सख्तं नि दुशांÔ फिदुया ह फिकी

[illegible] फिदु बहुतं कीरिठ फिदु था । हवों तं ज़ी था । जीगेह मनिक्खोया स भरे था । मरे म

आस कीस औरे कीह Dलेगे ह! गे तं भ

[illegible] एस ह फिकीया ह! ले फिकी म 1उस प्रभ मडी ले वों ले स्वा स म!निहतं ह! गेया । वोंह D या!नि बठ ... ह गे । याह

[illegible] एकी निसद्ध स था , या , एकी एस आस जी! हले स ह निवोंत्र ह! चौंकी थ 3 म उ तं जीनिले की! प्रण म कीरे , था ।

[illegible] उ स आदुरे वोंकी4 दुर रेह तंया अ निवोंश्व स औरे दृढM निश्चया रे भरे!स कीरे की नि गे4या निलेया ।

म 1तं सरे फिदु रे" तंरेह स अ आ रे छे!ड़ा फिदुया गेया था। तं जी हवों चौंले ; ले फिकी दु की शां तं रेह ; मनिक्खोया Dऔरे चौंAरिटया D वोंह D थाA; औरे रे शां कीरे वों ले अ रिरेह या 4बदु रे। ले फिकी फिकीस तंरेह मझे लेगे फिकी म 1उ की निमत्र ब औरे याह Dतंकी फिकी मरे त्वोंचौं की! उ की छे" स भ की!ई >की4 हA ड़ातं। म 1 रे" तंरेह स अ प्र था 4 म (ले था ...... सवों 4वोंध निवोंनि म 4: (सभ ब ध ओं स म , जीस फिकी प्र था 4 म (ह आश्व स फिदुया गेया था)।

ले फिकी समया-समया रे मझेकी उ निस्थानितं की एहस स ह!तं था। कीभ -कीभ एकीजीबो हCकी हवों मरे त्वोंचौं रे बहतं था ; औरे कीभ -कीभ म 1अ ठ की स था तं ले निमले तं हुए फिकीस औरे की आवों ज़ी भ स सकीतं था।
म 1तंब तंकी इतं जी चौंकी था फिकी निमत्रवोंतं या अनिमत्र घट ओं स इस तंरेह की गेड़ाबड़ा की उम्म दु कीरे सकीतं हूँ।D तं स्या की तंहतं इस तंरेह की निवोंचौंनिलेतं कीरे वों ले व्यस्ततं ओं की!, चौं ह वों निमत्रवोंतं ह या अनिमत्र, निवोंचौंले की रू म (हचौं जी चौं निहए; गेड़ाबड़ा की लिंबदु। सभ ब हरे चौं जी की अ तं ह! जी चौं निहए। सम निध की अवोंस्था म ('म'1 की 'म' की स था ह! ; स्वोंया की स्वोंया की स था ह! ; जी गेरूकीतं की जी गेरूकीतं की स था ह! जीरूरे ह। याह मतंMकी की नि निष्क्र हA ह; याह इतं अनिधकी गेनितंनिवोंनिध वों ले ह फिकी याह निस्थारे फिदुखोतं ह, जीस निवोंशां ले ब दुले शां तं आकी शां म (तं रे निजीतं ऊ रे जी तं ह,1 उतं ह शां तं फिदुखोतं ह।1 वों स्तंवों म (अ तंरिरेक्षा म (या निवोंशांर्षों तं ए अत्यानिधकी फिक्रंया की तं नित्र

ब्राह्म डी या स म जीस्या

“जीबफिकी तंत्वोंम म स की औरे तंकी¬ (दु शांनि4 की) इस रे तंकी4 कीरेतं ह,1 औरे कीई फिकीतं ब (निलेखोतं ह,1 अध्या त्मवों दु अकी इसकी ‘अ भ वों’ कीरेतं ह 1औरे जी! वों अकी ले ‘कीरे’ सकीतं ह,1 उस ‘कीरे’ कीरे अ ब तं स निबतं कीरेतं ह।1 वों इस अ भ वों की स मरे उस अ भ वों की! समझे की निलेए कीह,(मरे

म (ब तं कीरे या निलेखो निबलेकी ले स दु हA कीरेतं. ... ‘कीM या मझे निमत्र, निजीतं अनिधकी म 1समझे तं हूँ,D उतं ह उसकी एहस स हमशां की निलेए या ह!तं जी तं ह’ ... क्या निवोंद्या नितं ऐस हA गे या था ?

“वोंह अद्भुभुतं गे Dठ जी! इस स वोंभ4Hनिमकी रिरेवोंशां की! एकी इकी ई की रू म (एकी स था रेखोतं ह, वोंह एकी सत्या ह, एकी स वोंभ4Hनिमकी सत्या। स धकी अ तंतंo खो!जी औरे ज्ञा प्र प्त कीरेतं ह। जी! बहुतं अनिधकी जी की ब रे म (स!चौंतं ह, उसकी स खो!जी की निलेए की छे हA ह!तं। अ भ वों उस भ्रनिमतं कीरेतं ह। सत्या ब तं कीरे वों ले की कीड़ा स दुरे" रेहतं ह।

“ दु था 4(वोंस्तं , दु था)4 की अ नितंम प्रकीMनितं रेम भHनितंकीनिवोंदु की! भ चौंफिकीतं कीरेतं ह। क्या दु था 4गेस या ह, ठा!स ह लेचौं ले ह, बध वों ले ह या ले!चौंदु रे ह? याह ज्ञा तं हA ह। याह ज्ञा तं हA ह फिकी रेम णओं की क्षा त्र म (एकी रेम ण औरे दुस"रे की ब चौं जी! की!ठरिरेया D ब तं ह,1 उ म (क्या भरे ह!तं ह? निवोंफिकीरेण? क्या निवोंफिकीरेण ह!तं ह? की स? उच्ची भH , गे जी 4, उ स हले की अन्या निजी शां"न्यातं , या
याह सक्ष्म कीरिरेक चौं ।Hतं ह। फि>रे भ हम रे प चौं ले!गे जीस बद्ध
स्था की ब तं स्वोंया- चौंतं ,स्वोंया- आवोंनिशांतं, स्वोंया- प्रकी निशांतं की रू म (की था। सकीरे की क्षा त्र वोंह अ नितंम स्रो!तं ह उ सभ रू , फिक्रंया -प्रनितंफिक्रंया ए,D प्रध तं - रेम, बनि द्ध, भ ग्या औरे इस तंरेह की अन्या चौं ज़ी (नि कीलेतं ह।1 अ भ वों फिकीए गेए इस सत्या की! ब!निध कीह जी तं ह। याह तंकी4 स रे ह। सत्या अ भ वों-सवों फिदुतं ह।

“ रेम लिंबदु चौंढ़ ई कीरेकी प्र प्त फिकीया जी सकीतं ह; एकी ब रे वोंह D हुचौंD की ब दु, स रे निवोंश्व रिरेवोंशां आDखो की स निखोलेH सग्रे ह लेया, एकी खोले -घरे, एकी निवोंशां लेकी या बच्ची की म मHजी खोले -प्रभ वों की रू म (> ले जी तं ह।

"तं म्ह रे भ तंरे की 'म'1 ह एकीम त्र प्रम खो सत्या ह- प्रम खो औरे स्वोंतं त्र। वोंह उस एकी की(द्र लिंबदु: 'म'1 की ब हरे ब की सब की प्रनितं उदु स ह। '1' ह प्रबले ह। अकी ले इसकी स था ह; औरे मH इसकी भ र्षों ह।

"आश्चया4चौंफिकीतं मतं ह!इए। की!ई सदु ह मतं रेनिखोए।

"म 1जी! वोंण4 कीरे रेह हूँ, उसम (म 1रेहतं हूँ। याह अनि वों या 4रू स औरे अ तंरे गे रू स मरे अ भ वों ह। याह

आ की या फिकीस
औरे की अ
की ह‌A ह! सकीतं। इस अ वों फिदुतं, प्रस रिरेतं, याह तंकी फिकी स झे ह‌A फिकीया जी सकीतं ह। याह व्यनि

उ लेनिब्ध, निसनिद्ध, निवोंजीया, र्पि"तं ह! चौं निहए। चौंतं की याह अ नितंम चौरेण एकी एकीले तंत्वों की भ तंरे

एकी प्रज्वोंनिलेतं लिंचौंगे रे
की भ तंरे
की तंरेह की या4कीरेतं ह। की छे इस इले क्Å² की रू म (हचौं तं ह;1 हम इस निशांवों की भ तंरे शांनि , रेम ण

इले क्Å² की रू म (हचौं तं ह।1 वोंह रेम त्म -ईश्वरे ह‌A, बनिCकी दुवों त्वों, चौंतं न्या या अनितंचौंतं तं निवोंश्व

रिरेवोंशां की बहुतं
आवोंश्याकी ह.D.. "हम जी!
हृदया-धड़ाकी ह। याह सबकी की(द्र ह। व्यनि गेतं जी वों म (याह प्रम ह; ह‌A, म 1व्यथा 4 ह‌A ब!ले रेह

इस दुखो तं ह,1 औरे इस महस"स कीरेतं ह,1 रे तं की आकी शां की तंरेह चौं औरे दुरे" रेहतं ह।1 हम उस व्यनि की

तंरेह ब तं कीरे
जी तं ह। ले फिकी
म (असमथा 4ह 1जी! चौं जी की! बहुतं र्किकीकी रू स, बहुतं निवोंस्तृं रे स, निवोंश्लेर्षों ण त्मकी औरे खोनि डीतं रू स
स थोंड़खो रेह था।

उ की ज्ञा एकी अलेगे तंरेह की ह।

एकी स की तं: एकी निमत्र

प्र था 4 सम त्त ह! गेई, औरे मझे बहुतं खोशां महस"स हुई। तंभ म 1 एकी उ निस्थानितं महस"स की। वों स्तंवों म (की!

ई मझे मझे इस रेमण या व्यनि की वोंण4 कीरे चौं निहए। भ रेतं या व्यनि , ठ जीस ब वोंट की निलेए ह‌A जी

जी तं ह,1 ह स्की^टले1डी की ह इलेडी1स4 की निलेए। भ रेतं या आDखो (छे!ट
दुवों दुतं" की आत्म स
आकी रे, औरे हृCकी वोंजी की तं च्छे आकीMनितंया की! दुखो की आदु ह।1 याह छे!ट आदुम लेगेभगे एकी रे

ढंकी हुआ था , क्या फिकी उसकी चौं रे ओरे प्रकी शां छे या की तं ले म (अनिधकी निशांक्षा प्रदु औरे हचौं दु वों ले

लेगे रेह था।
वोंह स हरे रे गे की
उसकी निसरे मड़ी हुआ था , ले फिकी सडी Hले था औरे ऊ रे की ओरे घ घरे ले ब ले की गेच् छे बध हुआ था।

स दु सतं" की ड़ा ह हुए था औरे उसकी ऊ रे शांरे रे उस की ड़ा की एकी ट कीड़ा स ढंकी हुआ था , जी! उसकी

की खो म (
चौंमकी ले
बध हुआ था औरे उसकी छे तं रे इकीट्ठा था। वोंह उस !शां की म (बहुतं व्य वोंह रिरेकी लेगे रेह था। उसकी म था

चौंदु की ले स ढंकी हुआ था ; औरे उसकी गेले म (उस सगे निधतं चौं की (मचौं निलेया चौं की , मगे !निलेया

की एकी रिरेवों रे)

~~की तंजी म ले ह हुई था , जी! उस मHसम की बहुतं दुले 4भ >"ले ह। उस अ गेले म (निवोंत्र रुद्र क्षा औरे मगे"~~
औरे ले ले
तंत्र की दुनि या

फिक्रंस्टले की निमश्रेण की म ले भ ह हुई था उसकी स एकी हडी1ले वों ले की घड़ा था , औरे एकी ब स की

छेड़ा जी!

एकी जी की रे व्यनि स ऐस प्रशां स स भ्रनिमतं ह!कीरे म 1की वोंले इतं ह कीह् सकी , "क्या म 1समझेतं हूँ?D याह दुगे 4 सप्तसतं ह। इस समझे इतं आस हA ह। "

ब तंचौं तं रुकी-रुकी कीरे चौंले रेह था ; म ! एकी की! दुस"रे की अहस स ह! रेह ह!। ले फिकी म 1स्वों भ निवोंकी अच्छे ई भ महस"स कीरे सकीतं था । वोंह निमले स रे था और मरे मदुदु कीरे की इरे दु रेखोतं था । ले फिकी वोंह कीH था ? म 1उसस हA छे"" गे । म 1 प्रतं क्षा कीरे की कीले स खो ले था ।

ले फिकी उस मझेअकी ले हA छे!ड़ा ।

जीब म 1 खोदु की! औरे अ चौं जी की! सम ट औरे घरे की ओरे वों स चौंले ड़ा , तं! म 1 या फिकी वोंह भ मरे

छे आ रेह
था ।
“क्या तं म मरे रे स्तं जी रेह ह!?”

“तं म्ह रे रे स्तं ?” “तं म्ह रे रे स्तं ?”

उसकी शांरे रेतं आDखो (मज़ी फिकीया मज़ी की म (चौंमकी उठA।

“क्या तं म उस हले ह ढं"Dढ़ चौंकी ह!?”

वोंह मस् की रे रेह था ।

म 1शांर्मिमदु ह!कीरे ब!ले , “ हA। मझे

म फ़ीं कीरे(। म 1निसर्फ़ेह4 थाछे"....”

“चौंले! दु!स्तं ब जी ए।D ठ की ह? इसस ज़्या दु की छे हA। प्र था 4 फिकीतं फिदु चौंले गे ?”

“ रे" H फिदु । म Dकी मजीÂ।”

“याह बहुतं उत्स हवोंध4की ह. ... मझेकीभ भ इतं भ वों स ऐस ठ स की! हA निमलेतं , खो स तंHरे रे फिकीस ए ब्राह्मचौं रे स। ”
“तं म्ह (की स तं फिकी म 1 या ब्राह्मचौं रे हूँ?D”

“ओह, सकी तं तं! ह।1 सकी तं तं! ह;1 उदु हरेण की निलेए तं म्ह रे ए उगे ब ले।”

“ब्राह्मचौं रे की निलेए ब ले एकी सकी तं ह!1 याह वों कीई एकी या निसद्ध तं ह। ” म 1हसD । “तं म एकी खोशां ह।1”
निमजी ज़ी चौंम" ह!। हम दु!स्तं
"क्या हम ह?1 अब इस कीड़ा!।" उस मझे

एकी निमश्रे की ट कीड़ा फिदुया , एकी सम की ट रे प्रकी रे की , एकी सगे निधतं ठ!स फिक्रंस्टले। इस निमसरे की रू म (जी जी तं ह। अभ मरे उ वों स तं!ड़ा की समया हA हुआ था , मझे अ म Dकी! रिरे !ट4

कीरे था ; रिरेवों रे की दुवों तं की! अ दुनि की प्र था 4 ए D रे" कीरे थाA। इसनिलेए म 1इस ब तं रे ध्या की(फिद्रतं कीरे रेह था

फिकी निमश्रे की फिक्रंस्टले की! की स सग्रे ह तं फिकीया जी ए। ले भरे म (समलेनि1गेकी ब्राह्मचौं रे वोंह D स गे याब ह! गेया । मझे याह अजी ब हA लेगे ; ले फिकी मझे याह मज़ी दु रे लेगे । वों रे णस की गेनिलेया Dऐस ह 1फिकी की!ई आस स कीहA भ निछे सकीतं ह, या जीCदु स भ गे सकीतं ह। ले फिकी मझे था!ड़ा आश्चया 4हुआ जीब शां म की! म 1गेगे की फिकी रे एकी बजी 4(स्था या भ र्षों म (बजी)4

रे की सरे म (अ मनिहले स निमले । "तं! आ की! आजी अ ढ़ की अभ्या स म (की!ई कीरिठ ई हA हुई," अचौं की छे"तं छे था । ले फिकी उसकी आDखो म (स था दु वों ले अजी ब मस् की सबस फिदुलेचौंस् था । "तं!," म 1 कीह , "तं म इस सब की

छे था. ..." "तं म्ह रे क्या मतंलेब ह फिकी म 1इस सब की छे था , छे!ट ब्राह्मचौं रे ?", उस उकीस वों ले रिटप् ण की । "म 1

याह Dहूँ।D म 1 रिरेयाले की गे!ले बचौं तं हूँ।D कीभ -कीभ म 1गे तं हूँ।D ले फिकी तं म एकी उभरेतं हुए या!गे ह!, जी! तं स्या म (लेगे हुए

ह!।" म 1तं रे तं ह रे ज़ी ह! गेया । "ले फिकी तं म मरे प्रया स की मज़ी की उड़ा रेह ह!।" म 1 निवोरे!ध फिकीया । उसकी ब रेवों ह

मज़ी की-मस्तं मरे आDखो म (आDस "ले फिदुए। मरे वों स्तंवों म (कीभ भ उस रे ज़ी कीरे की इरे दु हA था । अगेले फिद अ की म (म 1उस दं"Dदंतं रेह । जीब वोंह हA आया , तं! म 1 अ ठ शां रु फिकीया । ले फिकी फि>रे "मझे लेगे फिकी तं म प्रसन्न ह!गे । क्या तं म्ह (की छे और लेगेतं ह? " तं म मझे स छे"तं हो!, और म 1रुकी जीतं ह।D" म अभ्या स की ब चौं म (उस ड निस्थानितं उस सगे ध उस हवों की प्रश्न वों मरे ध्या आकीर्षितं फिकीया ; "इसकी निवो रे तं म 1प्रसन्न हू,D" उस मझे गेले लेगे या , और सब की छे भ"ले गेया । ले फिकी म 1अनिवोंचौंनिलेतं रेह , और

या!गे क्या ?

अ ठ जी रे रेखो , एकी ब ले भ हA निहले , एकी ढंक्के भ हA निहले या ।

वों स आतं समया म 1 उसस छे" फिकी क्या ण"4 स्वोंतं त्रतं की उस रेम आ दु की अ भ वों कीरे सभ वों ह, जी!

सभ या!निगेया

की एकीम त्र उद्दी श्या ह।

उन्ह छे" , "क्या आ नि निश्चतं ह,1" "फिकी याह सभ या!निगेया की एकीम त्र उद्दी श्या ह? बहुतं नि निश्चतं मतं ह!

इए। आ की निलेए

याह जी आवोंश्याकी ह फिकी या!निगेया की ब चौं उद्दी श्या बहुतं निभन्न ह।1

"की छे ले!गे प्रकी शां की तंरेह ह!तं ह।1 दु की की ब तं खोदु जीले जी तं ह, ले फिकी चौं रे ओरे प्रकी शां दुतं ह।

उसकी रे"

ज़ी वों और जी वों चौं रे ओरे प्रकी शां और शां नितं दु कीरे स प्ररि रेतं ह!तं ह। स रे की! दुखो !। उसकी उद्दी श्या भ अ

द्वी रे सग्रे निहतं चौं ज़ी की! चौं रे ओरे निवोंतंरिरेतं कीरे ह। ले फिकी ऐस कीरे म (वोंह अभ भ एकी और गेहरे

उद्दी श्या रेखोतं ह;

ले भ, जी! इस प्रफिक्रंया म (अ रिरेवों रे की! ले की निलेए बरे हA ह। ले फिकी की छे ले!गे ले"ट चौं हतं ह,1 और बहुतं

अनिधकी ले"टतं ह;1 और दुस"रे की दुखो की की मतं रे सचौं या कीरेतं ह।1 गे या की! दुखो ।(हम उस भ"स , घ स

और अनिधकी शां चौं जी (

इतं ह 1निजीन्ह (हम धरेतं की बचौं हुआ या अ बचौं हुआ म कीरे अस्वों की रे कीरे दुतं ह।1 फि>रे भ वोंह जी! दुतं म वोंह ह।1

~~जगतंM, शांनि , जी वों शांनि , जी वों की मले" दुभ" ह। मध मक्खो की! दुखो ।(सरे ह या ध या,4 शां!ध, अ शां स~~ तंत्र की दुनि या

और दुढ़Mतं की स था

मध मनिक्खोया शांद्द की निवोंशां ले भ डी रे जीम कीरेतं ह।1 वों कीभ भ निवोंतंरेण की उद्दी श्या स ऐस हA कीरेतं ह,1 जीस फिकी दु की

"की वोंले स्वों था4 की निलेए ले भ कीम , की वोंले अ निहतं की लिंचौंतं कीकी ह्लोंसखोनिवोंकी स्तो!तं की! दुब की सबस
क्षे स ध ह।

"की जीस" की! दुखो
!। उसकी भ उद्दी श्या ध इकीट्ठा कीरे ह, या निजीस वोंह ध समझेतं ह। ले फिकी उस खोचौं 4कीरे की भया ह।
उद्दी श्या वों स्तंवों म (बहुतं स् r ह! चौं निहए। निजीतं अनिधकी उद्दी श्या स्वों था4 की! छे धकी लेतं ह, उतं ह अनिधकी म ष्या की
की या4सखो की स्तो!तं ब जी तं ह। याह सत्वों गेण , आध्या नित्मकी म की प्रकीMनितं ह। याह समग्रे या!गे की वों स्तंनिवोंकी प्रकीM

"शां यादु अब आ की निलेए याह कीC कीरे औरे स्वों की रे कीरे बहुतं कीरिठ हA ह!गे फिकी अ स्वोंया की उद्दी श्या की! आगे
बढ़ म (रु षों की उद्दी श्या सम हA ह! सकीतं । या!गे भ म ष्या ह।1 कीई या!गे ह;1 ले फिकी वों सभ म ष्या ह,1 म ष्या जी!
उन्हA शांत्र ओं स रे शां ह 1जी! सभ म ष्या की! रे शां कीरेतं ह।1 आ म ष्या की शांत्र ओं की! जी तं ह गे । इच्छे , जी " ,
ले लेचौं औरे बले गे म गेस् स । या अच्छे की! बरे औरे बरे की! अच्छे म (निमले दुतं ह।1 घमडी , अहकी रे औरे ईष्या 4, या सभ बहु
प्रबले शांत्र ह;1 ले फिकी एकी फिदु आ की! याह एहस स ह!गे फिकी इच्छे , शांनि की ले लेस , वोंस्तं ओं औरे सम् निया की
ले लेस , स म न्या रू स रु षों की स था औरे निवोंशांर्षों रू स निवों रे तं लिंलेगे की स था अ तंरे गेतं की ले लेस , जी वों म (आ दु
की सबस भया की शांत्र ह।1

या!गे एकी बनिलेदु ह

"या!गे भ की छे शांनि या की! प्र प्त कीरे की निलेए अ जी वों की की या 4समर्पि तं कीरेतं ह।1 की छे ले!गे दु की की तंरेह दुस"रे की
निलेए अच्छे ब की निलेए खोदु की! जीले की शांनि की तंले शां कीरेतं ह।1 वों चौं रे ओरे खोशां > ले तं ह 1औरे ले!गे की! सह
रे स्तं रे ले जी तं ह।1 की छे ले!गे फि>रे स ले!गे की! प्रभ निवोंतं कीरे औरे प्रभ निवोंतं कीरे की निलेए शांनि प्र प्त कीरे चौं हतं ह,1
औरे स स रिरेकी ले!गे रे अनिधकी शांनि की प्रया!गे कीरेतं ह,1 आम ले!गे की! प्रभ निवोंतं कीरेतं ह,1 निजीन्ह (वों अ स्वों था' की
म ध्याम स निड़ातं कीरेतं ह।1 की छे ले!गे की स फि>रे स शांनि ह, ले फिकी वों कीभ भ जी तं की की म म (शां निमले हA हुए
की छे ले!गे कीभ फिदुखो ई भ हA दुतं ह 1औरे फि>रे भ वों अ अनिस्तंत्वों स, अ ध्या दु या!ग्या शांनि या की अच्छे आचौंरेण
की! प्रभ निवोंतं कीरेतं ह।1 वों अच्छे ले!गे की सह यातं कीरेतं ह,1 जी! अच्छे औरे निवोंत्र आत्म की प्रभ वों म,(बहुतं अच्छे कीरेतं
ह।1 बरे शांनि या स भ रे खोतंरे की ब वोंजीदु" सभ सनिMr की अच्छे गेण की स रे की! सरे निक्षातं कीरे , उ आध्या नित्मकी प्र
की मख् या कीतं4व्य ह जी! इस उद्दी श्या की निलेए की म कीरेतं ह,1 ले फिकी निजीन्ह (शां यादु ह कीभ की म कीरेतं दुखो
जी तं ह। कीई
गेलेतं मतं कीरे!, चौं ह आ उन्ह (दुखो सकी(या हA, चौं ह आ उ स छे"(या हA, चौं ह आ उ की भ गे दु रे की! तंकी4सगे तं
ब म (सक्षाम ह या हA, वों वोंह D ह;1 वों वोंह D ह 1जीस फिकी आ की तंत्की ले ज्ञा स रे अरेब औरे खोरेब ग्रेह ह;1 फि>रे भ
सHरे मडी ले की! प्रभ निवोंतं कीरेतं ह;1 ह ?

"अरेब ब्राह्म डी या फिकीरेण,(ध्वोंनि तंरे गे,(ईथारे म (सक्ष्"म की औरे याह तंकी फिकी आगे की सक्ष्"म तंथ्या (जी! व्य वोंह रिरेकी
जी तं ह)1, सनिMr की! प्रभ निवोंतं कीरेतं ह।1 ब्राह्म डी या
ध रेण स रे ह;1 ले फिकी जी! अनिधकी गेहरे ध रेणा वों के ले!गे की रे दुखो
प्रण ले म (व्यस्तं, एकी शांनि रेम णओ की सक्ष्"म शांरे रे की! वों जी 4कीरेतं ह। एकी व्यस्तं तं जी फिक्रंया क्षा त्र, निजीसम (फिक्रंया ए
तं ह।1 ऐस लेगेतं ह
प्रनितंफिक्रंया ए, एकी-दुस"रे रे हमले कीरेतं ह 1अ तंतं उस ठा!स रेचौं की रू आ (उभरेतं ह 1निजीस हम दुखो
जीस इसकी भ अ -दुफिदम गे ह! याह सब अदुखो , छेन दु शा!र्या हA ह, औरे इसनिलेए अमि आदुमE, सउब ह स था r
सखो वों दु शां यादु ह इसकी रेवों ह कीरे(गे। उ की स आवोंश्याकी सतं ले औरे ध या 4की कीम ह।
"फि>रे भ याह अध्या त्मवों फिदुया की निलेए सट की क्षा त्र प्रस्तं निवोंतं कीरेतं ह। वों ह ह 1जी! इस निवोंर्षोंया म (गेह तं स खो!जीक
लेगे हुए ह।1 अ दुढ़M प्रया स स वों इस अमतं" 4क्षा त्र म (व्य प्त निवोंरे!ध भ स की ब चौं एकी तं लेमले , एकी स मजी स्या स्था नि तं

कीरे की प्रया स कीरेतं ह।1 वों 'सतं ले ' समतं , सतं ले , सतं ले कीरितंजह'1 जी! बहुतं की छे जी की ब रे म (स!चौंतं ह, उसकी स खो!जी की निलेए की छे हA ह!तं । अ भ वों उस भ्रनिमतं कीरेतं ह। सत्या ब तं कीरे वों ले की कीड़ा स दुरे" रेहतं ह।

"रे तं' औरे 'फिदु '

"उ की निलेए ज्ञा फिदु की उजी ले ह। वों शां यादु ह याह समझे तं ह 1फिकी म त्र ज्ञा एकी मतंM निशांशां ह; एकी अ ध गेले । अ भ वों की निब ऐस ज्ञा निजीस फिदु की उजी ले कीह जी तं ह, वों स्तंवों म (एकी अ ध औरे घ रे तं ह। स् तंकीकी रे अ धकी रे म (रेहतं ह। तंकी4शां स्त्र इस फिदु कीह सकीतं ह।1 प्रकी शां ले फिकी वों स्तंवों म (औरे उ या!गे म (याह रे तं ह, अ रेदुशांÂ दुशां4 की म ध्याम स दुखो , स् तंकी की न्न स रे ह। अ भ वों वों स्तंनिवोंकीतं ह, औरे वों स्तंनिवोंकीतं

अ भ वों ह। "ज्ञा एकी ऐस स ध ह जी! प्रगेनितं म (सह यातं कीरेतं ह ले फिकी तं! प्रगेनितं ह, ह लेक्ष्या की प्र निप्त। प्र निप्त एकी आदुशां4 भ वों की रिरेणनितं ह; औरे प्रम इसकी अ नितंम प्रनितंफिक्रंया ह।

"गे तं म (वोंह क्षे!की या दु ह? रेहस्यावों दु रे तं औरे फिदु वों ले ? जीब याह या!निगेकी दुनिMr स! जी तं ह (जीस फिकी निवोंष्ण अ अ तं शांया म (कीरेतं ह)1, 'रे तं' 'फिदु ' ब जी तं ह। याह या!गे की स्वोंगे 4ह; उसकी उCले निसतं सम निध। अया!गे निचौंCले तं ह, म 1 दुखो ह; म 1 जी ह; म 1 खो!जी की ह' आफिदु। ले फिकी उस की!ई अ भ वों प्र प्त हA फिकीया ह। वोंह अDधरे म (ह।

ब्राह्म डी की गेरिरेकी

"औरे फि>रे भ , जीस फिकी म 1कीह रेह था , एकी ब्राह्म डी या बध ह; एकी रिरेश्तं । म 1आ की! याह समझे की निलेए एकी निचौं ब तं हूँ Dफिकी याह ब्राह्म डी या बध फिकीतं गेहरे , अचौंकी" औरे अ रिरेह या 4ह। जीब अ तंरिरेक्षा म (एकी तं रे अ कीक्षा स चौं जी तं ह, औरे चौं की ओरे तं ज़ी स निगेरेतं ह जीब तंकी फिकी वोंह निवोंघरिटतं ह!कीरे अ तंरिरेक्षा की जीगे ले म (गे याब हA ह! तं! उसकी ड़ा इस धरेतं रे घ स की सबस दुरे" की नितं की द्वी रे दुजी 4की जी तं ह। एकी ओस की बदु" सम द्र की सगे तं की! स तं ह, स था ह म की ब्राह्म डी या फिदुया की ध रे ओं की! भ स तं ह जी! सHरे गेम4 गेमÂ स नि कीलेतं ह।1 अ म Dकी मतंM शांरे रे की! दुखो रेह एकी व्यनिथातं बच्ची की चौं खो एकी बले की! भ दुतं ह, औरे आकी शां ड़ा म (की D उठतं ह, औरे ए तं रे दु ह!तं ह। ह ,D याह Dआत्म ओं की! रे शां कीरे वों ले घट ओं औरे ब्राह्म डी या आत्म की ब चौं एकी अ तंर्पि निहतं ले फिकी अचौंकी" सब ध ह।

"हम सभ ब्राह्म डी की गेरिरेकी ह।1 त्र सदु याह ह फिकी हम की वोंले अ तं खो! फिदुया ह, बनिCकी इस खो! की था!ड़ा भ लिंचौंतं हA कीरेतं । हम जी वों की स गेरे म (भटकी रेह ह;1 औरे फि>रे भ हम अ सच्ची फिदुशां खो!ज़ी की ब रे म (बहुतं कीम लिंचौंतं कीरेतं ह।1 अब समया आ गेया ह फिकी हम जी गे (औरे खोदु दुखो (फिकी हम अ फिदुव्य निवोंरे सतं की स था क्या फिकीय लेगे फिकी उसकी श्वरे स म ए Dलेगेभगे

बदुले गेई ह 1औरे उसकी रू बदुले गेया ह। वोंह अ श्रे!तं ओं की! ले भ की कीले म (म निहरे लेगे रेह था । ओह! उसकी जी!शां ले वोंण4 की ज्वोंलेतं तं त्की निलेकीतं , औरे उन्ह (अ स!चौं की स्तंरे तंकी ऊ रे उठ । उसकी वोंण4 की इस व्यनि गेतं शां ले सभ अमतं"4तं ओं की! ध रे -ध रे उ की रेहस्या स दु 4 उठ रे मजीबरे" कीरे फिदुया । समझे एकी सह भ "नितं ण"4 प्रनितंफिक्रंया ह। " म 1स तं रेह - मत्र मग् ध, मत्र मग् ध, रे!म निचौंतं।

जीस - जीस वोंह कीमज़ी!रे, छे!ट , दुवों दुतं" जीस अजी ब खोदु की! उ डीले रेह था , मझे

शांनि की स्त्रो!तं

निवोंज्ञा की मह शांनि या D अक्सरे की वोंले स स रिरेकी जी वों म (उ की स् r उ या!गे की निलेए जी जी तं ह।1 ह ले Dफिकी याह

शांनि म वों की तं त्की निलेकी आवोंश्याकीतं ओं की निलेए उ या!गे ह, ले फिकी जीब हम इस शांनि की अ तं स्त्रो!तं की निवोंशां लेतं

रे निवोंचौं रे कीरेतं ह,1 तं! हम (याह एहस स ह!तं ह फिकी जी! शांनि हम अ स स रिरेकी जी वों म (उ या!गे कीरे रेह ह,1 वोंह उस अस निमतं शांनि की स म गेण्या ह जी! वों स्तंवों म (उ या!गे म (ले ई जी सकीतं था।

क्या तं म समझेतं ह! फिकी याह स "ण 4सनिMr औरे उसस रे भ शांनि स भरे हुई ह? औरे याह स रे शांनि व्यथा

4जी रेह ह? हम

इस शांनि की उ या!गे निखोलेH , यात्र औरे सन् या उ कीरेण ब म (कीरे रेह ह!1 ध! इसकी वों स्तंनिवोंकी क्षामतं तं! म निसकी

औरे आध्या नित्मकी निवोंकी स म (ह, जी! अ तंतंo म ष्या की! अहकी रे औरे ममत्वों जीस दु! भयाकी रे शांत्र ओं स

मनि फिदुले सकीतं ह।

म ष्या इस शांनि की मह स गेरे स म त्र एकी चौंम्मचौं ह नि की ले ह; औरे हम अ मह अज्ञा तं औरे निवोंशां ले

अहकी रे म (याह दु वों कीरेतं ह 1फिकी हम निवोंज्ञा की! मह ऊDचौं इया रे हुचौंD फिदुया ह। क्या अ ध ह याह! क्या व्यथतं4

ह याह! अ तंतंo हम रे उ लेनिब्धया D की वोंले ट कीड़ा -ट कीड़ा म (निबखोरे तंथ्या की सग्रे ह म त्र ह।1 म वों

कीCया ण की अ नितंम उद्दी श्या

की निसनिद्ध अभ भ अप्र प्त औरे अनिवोंचौं रिरेतं ह।

ट कीड़ा निमलेकीरे सम् "ण 4ब तं ह,1 याह तं! गेनिणतं की सत्या ह। ले फिकी म , जी वों औरे ऊजी 4की क्षा त्र म

(स्थाह नित्याकीहेA ह!गेमले"म (मले"!तं स स की4 स्था नि तं कीरे ह!गे।

स्त्रो!तं स कीट जी की ब दु, ट कीड़ा की वोंले ट कीड़ा ह रेह जी तं ह—1मतंM, व्यथा,4 नि निष्क्रंया द्रव्य। अ आ म (वों चौं ह गेम ह!,

एकी मह शांनि "" ब्राह्म डी या घट क्रंम रे अदुशMया रू स प्रभ वों डी ले रेह ह, याह Dतंकी फिकी म् की क्षा त्र स जी ए,D ले फिकी वों फि>रे स सम् "ण 4कीभ हेA ब सकीतं। वों स्तंनिवोंकीतं की सम् "णतं4 की निलेए, हम (मले" भ रे। याह

स्त्रो!तं स जीड़ा ह!गे।

गेहे" आध्या नित्मकी क्षा त्र ह, निजीस या!गे स् शां4 औरे स ध कीरे की की!निशांशां कीरेतं ह।1 इस शांनि की स ध कीरे!, औरे इस

शांनि स ऊजी 4 प्र या!प्त कीरे रेह ह, "ण 4 निवोंज्ञा उथ औरे तं कीकी निवोंकी, वोंकी नि मनिस्तंष्की-शांनि की ऊजी 4की स्त्रो!तं अ

ह स स मतं ह। हम रे बनि द्ध की निवोंशां ले

प्रेम, निष्क्रंया, सृ जी उ ज ह!तं ह। इस मह स्त्रो!तं स ब दु ऊजी 4 स्या स्त्रो!तं ह?1 याह स्त्रो!तं की निवोंशां कीरे की ह!गो,ज्ञी की क्रंया या ग नित निवोंनिध

औरे अनिभवोंनिक्त ले स ह!तं ह। इस निलेए हम स्त्रो!तं की निवोंसा ले कीरे रेह ह,1 वोंह ह"ऊजी 4 की भ डडा रे, की! जीनि वोंकी सवों म (वों ह स की ;जी ल (आत्म-

जीवों की निलेए।

इस प्रकी रे जी वों की उद्दी श्या औरे की या 4की अवोंध रेण म (ण"4 क्रं नितं ले ई जी सकीतं ह। याह जी वों की स् r

रू स फिदुखो ई

दु वों ले स म ओं स रे जी कीरे जी वों की! निवोंस्तं रे दुतं ह।

~~"इस जी वों स रे भ जी वों ह। शां यादु याह कीह औरे भ सह ह!गे : याह जी वों अ तं ह। याह एकी मह स गेरे~~ म

तंत्र की दुनि या

(उठ हुई

लेहरे की तंरेह ह। इस लेहरे की छे कीई लेहरे(ह,1 औरे इसकी आगे भ कीई लेहरे(आएDगे। अ तंतंo सबकी छे एकी मह स गेर ह;

स"4 शनिक्तंवों की स्र त ति कि है "

व्यनि की व्यनि गेतं अनिस्तंत्वों प्रशां तं मह स गेरे की सतंह रे एकी सई" की !की की सम ह। इस रे अनिधकी नि भ4रे ह!

निमथ्या आडीब रे की स था समझेHतं कीरे ह। या!गे इ निमथ्या बध स मनि की म गे 4ह। याह तंकी4शां ले लिंचौंतं स उत् न्न निसद्ध तं की व्य वोंह रिरेकी अ प्र या!गे ह। या!गे कीभ अ ध की खोले हA ह।

"इस म गे 4म (गेरु ह म गेद4शां4की ह, और की वोंले वोंह म गेद4शां4की ह। गेरु की निब या!गे की अभ्या स सम द्र कीरे की मत्ती" "ण 4प्रया स जीस ह।"

की! खो!ले स खो ले
वों स्तंनिवोंकीतं इस अ भ "नितं की निवोंस्तं रे ह। वों स्तंनिवोंकी की! महस"स कीरे!। रेम की! महस"स कीरे!। याह हरे

छे!ट स छे!ट

अ भ वों म (ह: निक्षाया की उड़ा , घ स की अ की रिरेतं ह! , >"ले की निखोले , भ!रे की आभ , प्रनि मया की मस् की , वोंजी तं

निशांशां की रुदु। याह Dतंकी फिकी अस>लेतं ओं की ड़ा और भ"खो की दुo खो भ हम रे निशांक्षाकी ह,1 जी! हम

(रेम सत्या स जी!ड़ातं ह।1 या!गे ह
स "णतं4 की मर्पि"तं ह।

अनितंवों फिदुतं

जीब म 1सम द्र की फिकी रे जीगे ले म (अकी ले बठ कीरेतं था , तं! म 1 रे तं स दु!स्तं कीरे ले था। ह ,D रे तं स। मरे निलेए हरे दु
जी निवोंतं था ; और मझे लेगेतं था फिकी दु और मरे चौंतं की ब चौं एकी अदुश्[Mया बध ह। सम द्र की निवोंशां लेतं स, खो म!शां
उदु स रे तं अ तं की ले तंकी > ले हुई था। म 1 कीC की और महस"स फिकीया फिकी उसकी भ्र"ण म (दुनि या रे तं की जीगे ले की! ध!तं हुए की जीगे ले की तंरेह लेगे रेह था। एकी भव्य मर्पि"तं ब रेह था। ऐस जीन्मभ"निम स चौंतं आत्म जी वों म (उभरे। उस जीगे ले म (की क्टस की अले वों की छे भ हA उगेतं था ; की कीड़ा और घ घ, > स हुई जीले मछेले और निबखोरे हुए गे!ले; असख् या की ड़ा और हमशां व्यस्तं रेह वों ले स गेले जी! हरे एकी जीगेह की निलेए सघ र्षो4कीरेतं ह,1 जी वों की बढ़तं हुए ड़ा म (रे
रेखो की निलेए।

क्या ज़ी रे था ! इस टकी की रे गेम चौं मझे आश्चयाचौं4फिकीतं कीरे फिदुया और जीस - जीस सब ह और शां म

की शां दु रे कीह

सु म आतं गेई, म 1और भ अनिधकी चौंफिकीतं ह!तं गेया। सम द्र तंट स्वोंया एकी सअ"रे की तंरेह ले ट हुआ अ स्तं स

अ असख् या बच्ची की! दुखो रेह था , जीबफिकी निवोंशां लेतं खो म!शां, आलेस , नि निष्क्रंया ड़ा था। रे तं की कीण

चौंमकीतं सरे"जी रे
ले रेह था। ऊजी 4सभ जी वों और चौंतं की! आवोंनि शांतं कीरेतं ह, और निवोंश्व प्रवों ह की अ तंह रेहस्या की! रू म (सम टतं
ह।

म 1 महस"स फिकीया फिकी प्रत्याकी दु रेह ह और अवोंशां!निर्षोंतं कीरे रेह ह, और घ रिटया , ह निड़ाया , वों4तं , ड़ा , फिदुया ,

वों स नितंया और 'जी वों ' की रू म (ज्ञा तं उ ह रे की रे" ट!कीरे म (निवोंकीनिसतं ह! रेह ह। रे" सम द्र तंट सHरे ऊजी 4स

~~स फि दुतं ह! रेह था। याह एहस स आ फिदुतं और रे!म चौंकी रे था।~~

और की छे और भ। और अनिधकी जी वों ! म 1 जीले की निवोंशां लेतं म (Hरे निणकी रे की कीC की , और सया"

4की चौंमकी ले

म (दुखो चौं निहए, निजीसकी नि वों स तं म्ह् रे जी वों , मरे जी वों औरे सभ की जी वों ह। उ की सवों कीरेकी हम अ सवों कीरेतं ह;1 उ की प्रनितं दुया ले ह!कीरे हम अ स था न्या या कीरेतं ह।1 इ छे!ट चौं ज़ी की निलेए हम उच्ची चौं ज़ी की ऋण ह;1 उ सत्या, उच्ची भ वों , ईश्वरे।

इस रे" तंरेह स महस"स कीरेकी हम की वोंले ईश्वरे की निवोंस्तं रे ब जी तं ह,1 बनिCकी हम स्वोंया निवोंनिभन्न चौंचौं4-मफि द्रतं की म त्र भ वों की निवोंस्तं रे औरे उसस आगे नि कीले जी तं ह।1 याफिदु तं म समझे! तं! याह वों स्तंनिवोंकी रेलेHफिकीकीतं ह। ई की! जी ह या 4सु हA ह। ब ह लेक्ष्या ह।

अचौं की यावों या!गे शां तं ह! गेया। शांहरे की दुस"रे ओरे सरे"जी डी"ब रेह था। याह प्र कीMनितंकी शां नितं की समया था। मH आशां वों दु4 हम (खोशां कीरे रेह था। ले फिकी मझे छे" ड़ा, “गेरु की! की स खो!जी(?” वोंह मस् की रे या, मरे ह था दुब या औ !। एकी गेरु हले स ह तं म्ह (ढं"Dढं
स दुखो, “गेरु भ निशांष्या की तंले शां म (रेहतं ह।1 क्या तं म्ह (निवोंश्व स हA ह!तं ? वोंह D दुखो
रेह ह, तं म भ ग्याशां ले लेड़ाकी।”
था!ड़ा दुरे" रे, ब ध स्तं भ रे, हम रे नि यानिमतं स्था रे, भगेवों ध रे मनिहले हले स ह बठ हुई था। शां तं प्रकी शां की आकीर्षों4ण म (उसकी आकीMनितं मझे तं रे तं आकीर्पिर्षोंतं फिकीया; औरे इसस हले फिकी म 1अ आDखो (उसस हट तं, मरे चौंले गेया।

इस प्रकी रे मरे अजी ब प्रवोंचौं (क्या याह प्रवोंचौं था ?) अजी ब वोंष् णवों (मझे
उसकी म कीभ हA निमले, ले फिकी म 1उस
रेदु की म स सब !निधतं कीरेतं था; लिंहदु " Hरे निणकी वोंष् णवों सतं) की स था फिदु -प्रनितंफिदु जी रे रेह। कीभ की!ई अ ²इ ट
हA हुआ था। म 1 तं! समया की तं लेगे सकीतं था, ह उ की आ -जी की। वों प्रकीट ह!तं औरे गे याब ह! जी तं,
ले फिकी वों हमशां या तं! भ ड़ा की चौंया कीरेतं या फि>रे खोदु की! मतं"4रू दु की निलेए मरे सबस आकीर्षों4की क्षाण म (स चौंया कीरेतं।

तंस्वों रे कीभ हA बदुले —मडी निसरे, ब चौं म (ब ले की वोंह अजी ब गेच् छे, ऊDचौं म था रे > ले वोंह चौंदु की ले, वोंह चौं की की म ले औरे म की, वोंह सतं" की ड़ा ह हुए हCकी निसरे फि>म शांरे रे औरे वोंह रेहस्यामया मस् की उ की आDखो, ह!ठ औरे सHम्या दु!स्तं चौंह रे रे छे रेह था। ओह, म 1उन्ह (दुखो सकीतं था !

बगेले म (चौं शां , ह था म (निसतं रे औरे बगेले म (चौंमकीतं हुआ तंले की की जीगे, वों म या वों कीदुम स दुHड़ातं हुए आगे बढ़ रेह था।
“आ कीह Dरेहतं ह?1” म 1एकी फिदु उ स छे" म (की मया ब रेह।
“इसकी मतंलेब ह फिकी म 1जी निवोंतं हूँ Dया हA। याह एकी महत्वों ण" 4सवों ले ह, ह ?” तंत्की ले औरे नि हत्था जीवों ब था।
“तं! फि>रे तं म जी तं हA?” म 1 जी ब"झेकीरे मज़ी की उड़ा या। वोंह बचौं कीरे वों ले मस् की निबखोरे , “क्या तं म जी तं ह!? क्या ले!गे फिदु -ब-फिदु जी तं ह,1 या फिदु -ब-फिदु मरेतं ह?1”
याह भ लिंस्>क्स जीस हनि लेया म (स एकी ह। वोंह कीभ मद्दी रे हA आतं।

“तं म हमशांमरे छे"तं छे स बचौं नि कीलेतं ह!।”
“तं च्छे छे"तं छे स। जी वों बहुतं छे!ट ह। औरे स खो औरे भ"ले की निलेए बहुतं की छे ह। ”

हA, म 1कीभ उसकी रिठकी की ब रे म (हA जी या।

भHनितंकी कीरेण की म मले

फि>रे भ वोंह बहुतं वों स्तंनिवोंकी था। मरे निलेए उसकी लिंचौंतं बहुतं वों स्तंनिवोंकी था। उसकी प्रनितं मरे आकीर्षों4ण, मरे भ तं जीलेतं हुई आशां की तंरेह, मझे उसकी तंले शां कीरे की निलेए प्ररि रेतं कीरेतं था। आजी, जीब म 1उस समया की! या दु कीरेतं हूँ,D

तं! तं हूँ Dफिकी भगेवों ध रे मनिहले की निवों रे तं, रेदु बहुतं वों चौं ले था। ले फिकी म 1समझतं हूँ Dफिकी वोंह फिकीतं असं ध रेण था।

कीई स ले ब तं चौंकी ह।1 म 1उ की भ र्षोंण की अ ठ" सरेले तंरे की की! अब रे" तंरेह हA कीड़ा सकीतं —आध लिंहदु , आध सस् कीMतं। उ की उच्ची रेण, उ की छेनिवोंया D, उ की वों क्यानिवोंन्या स, आकीर्षों4की ह वों-भ वों औरे रे!शां कीरे वों ले भ वों स था। याह अ भ वों की दुढ़M निवोंश्व स की स था-स था एकी निशांष्या की निलेए गेरु की प्रम की जी दुई मत्र स भरे हुआ था।

छे मड़ा कीरे दुखों रे याह सब वोंर्षों" की अ (नस ले गेए एकी भ्रनिमतं ध धलेकी म (> की ड़ा गेया ह। अ म!ले शांब्दु की अभ भ ज्वोंलेतं स्मनिMतं स निवोंदुशां भ र्षों म (अ वों दु कीरे स म मले सरेले हA हुए ह।1 बशां की, रिरेनिस्थानितंया की अ स सह शांब्दुशांo रिरे !टिंटगे कीरे म (चौंनीतं" हूँ,D लेरेफिकी मझे ह फिकी म 1उस निवोंश्व स की प्रनितं सच्ची रेह हूँ,D जी! उन्ह इतं ध या 4वों"कीरे4 म म (डी ले था।

एकी Hनिसनिखोए की निलेए सबकी दु म (स्वों भ निवोंकी रू स उन्ह (ले ब ब तं (कीरे ड़ाA। उन्ह मरे कीई बनि या दु प्रश्न की उरे फिदुया। वों हमशां बनि या दु चौं जी की ब रे म (ब तं कीरेतं था, ले फिकी याह उ की गेभ रेतं, स ध औरे ब तं कीरे की अ !खो तंरे की की जी दु "था निजीस सब की छे आस ब फिदुया।

हम 'उ निस्थानितं म (भHनितंकी कीरेण' की निवोंर्षोंया रे चौंचौं 4 कीरे रेह था। निब फिकीस गेह ज्ञा की, की वोंले अ स निमतं अ म कीजी ध्या शां, "एकी ब रे म ब या दु कीहले या, "रेनि भ4रे कीरेतं हुए, म 1 रे" निवोंचौं रे की! की रे फिदुया। ले फिकी उन्ह मझे ब ढ़ म (डी"ब गेए था। तं म मनि श्कीले स चौं रे स ले की था। क्या तं म्ह (या दु ह? " म 1इस सदु भ 4 रे अचौंनि भतं

रेह गेया। बहुतं कीम ले!गे इसकी ब रे म (जी तं था। ले फिकी इस घट की! रिरेवों रे म (एकी बहुम"Cया स्मनिMतं की रू म (सुरे निक्षातं फिकीया गेया था। मरे म Dहरे स ले उस फिदु गेगे म (जी तं थाA औरे फिकीस अदुश्Mया दुवों तं स प्र था 4 कीरेतं थाA, निजीस उ की बच्ची की जी बचौं ई था। ले फिकी रेदु की! उस रेहस्यामया घट की ब रे म (की स तं

चौंले ?

याह उस अशां तं म स" की ब तं ह जीब उरे भ रेतं की फिदुया D उ> रे थाA। वों रे णस की त्थारे की घ ट लेगेभगे

बह रेह

था, औरे आध शांहरे म (डी"ब हुआ था। उस फिदु मरे म Dघ ट की स फिढ़या रे उगेतं सरे"जी की! प्र था 4 कीरे रेह थाA। तं, म 1 म (फि>सले गेया। एकी क्षाण म (ह तं जी ध रे मझे अ दुरे सम ट निलेया।

मरे म ,D जी! प्र था 4 म (ली थाA, की छे समझे तंA, इसस रे हले ह म ब ढ़ की , औरे खो! गेया। एकी तं जी चौं खो गेजी"D , औरे असले-ह क्षाण, एकी अजी ब मझेउठ कीरे ब हरे खोAचौं निलेया। औरे खोAचौं रेह था। वोंह अजी ब ले ले रे शांम की ड़ा ह हुए था, ले ब औरे गेभ रे मखो म द्र वों ले था, ले फिकी उसकी शांरे रे स एकी रेम चौंमकी हस्य हले फिकी की!ई की छे दुखो नि कीले रेह था। मरे म D उसकी प्रनितं आभ रे प्रकीट कीरे की निलेए इधरे-उधरे दुखो , ले फिकी वोंह आदुम जी चौंकी था! तं

सकी रे स फिढ्या की अले वों औरे की!ई नि की स हA था , औरे समया इतं कीम था फिकी की!ई बदु रे भ वोंह D स की"दु हA सकी
था । ले फिकी उस आदुम की की!ई नि शां हA निमले ।

इस घट की चौंचौं 4 हरे जीगेह ह! लेगे । मरे म Dइस चौंमत्की रे स अनिभभ"तं थाA औरे हरे स ले उस फिदु वोंह D प्र था 4 कीरे जी तं थाA। याह घट लेगेभगे सभ ले!गे भ"ले चौंकी था, औरे बहुतं कीम ले!गे इसकी ब रे म (जी तं था। ले फिकी रेदु इसकी

उCलेखोंफिकीया ।

उन्ह मरे ओरे दुखो औरे बा!ले, “औरे तं म कीहतं ह! फिकी तं म भHनितंकी कीरेण म (निवोंश्व स हA कीरेतं! तं म्ह रे अ भ वोंवों दु की याह खो म ह। तं म तंथा कीनिथातं अ भ वों की स म ओं की! जी तं हुए भ अ म न्यातं ओं औरे अनिवोंश्व स की! उन्हA स म ओं की आध रे रे निस्थारे रेखो चौं हतं ह!। याह फिकीस की म की हA ह. .. तं म्ह (जी गे चौं निहए। तं म दुस"रे समया की ह!। तं म्ह (की म रे लेगे जी चौं निहए। तं म बस अ छे"D औरे छे या की छे कीरेकी अ समया बब 4दु कीरे रेह ह!।”

शांनि की प्रया!गे

मझे या दु ह, एकी ब रे म 1 उ स छे" था फिकी वों स्तंवों म (एकी या!गे क्या चौं हतं ह। तंब उन्ह मझे या!गे की दु! म गे' औरे लेक्ष्या की ब रे म (बतं या । एकी था शांनि अर्पिजीतं कीरे की लेक्ष्या, औरे दुस"रे था शां नितं प्र प्त कीरे की लेक्ष्या। म 1हमशां याह म तं था फिकी या!निगेकी शांनि अनिधकी मC"यावों ह। इस शांनि की! नि यात्र ण म (रेखोकीरे, की!ई दुनि या की फिकीतं अच्छे कीरे सकीतं ह! जीब म 1 भले ई कीरे वों ले की इस निवोंचौं रे की! व्य फिकीया , तं! उन्ह इस रे" तंरेह स खो रिरेजी कीरे फिदुया । उन्ह निब निझेझेकी की कीह फिकी ज्या दु तंरे तंथा कीनिथातं भले ई कीरे वों ले दुया या ध!खोब ज़ी ह!तं सतं की श्रेण म (घ स ठ कीरेतं ह।1 शांनि की प्रदुशां 4 कीरे की प्रले!भ उस व्यनि की आध्या नित्मकी निस्थानितं की! निगेरे दुतं जी! इसकी दुरु या!गे कीरेतं ह।

दुभ 4ग्या की ब तं याह ह फिकी जी! व्यनि शांनि की प्रया!गे दुस"रे की भले ई की निलेए भ कीरेतं ह, वोंह अ तंतंo ह रेतं ह ह। भले ई कीरे की फिदुखो वों कीरेकी , की!ई व्यनि जी ब"झेकीरे आत्म-ध!खो औरे आत्म-दुया की अ धकी रेमया क्षा त्र म (प्रवों शां कीरेतं ह। सवों की! धम 4तंभ म जी सकीतं ह जीब वोंह ण"4तंo नि स्वों था4 औरे अहकी रे रेनिहतं ह!। वों स्तंनिवोंकी सवों उन्हA की की जी तं ह जी! निवोंत्र औरे निवों म्र ह!तं ह।1

अन्याथा , भले ई कीरे की सचौं तं प्रया स भ आत्म-प्रशां स औरे आत्म-मनिहम की गेप्त ले लेस स दुनि"र्षोतं ह! सकीतं ह। इस कीमजी!रे स छे टकी रे बह दु कीरिठ ह। की वोंले अत्यानिधकी अ शां निसतं व्यनि ह जी वों की अभ गे औरे निड़ातं की सवों कीरे सकीतं ह।1 अनिधकी शां तंथा कीनिथातं भले ई कीरे वों ले अ स्वोंया की आत्म की स था की ट कीरेतं ह।1 वों स्तंनिवोंकी सवों सभ वों ह जीब अहकी रे की अ नितंम अ शां की! भ ईश्वरे की चौंरेण म (समर्पि तं कीरे फिदुया जी ए। म 1म तं हूँ Dफिकी सच्ची सवों जी निवों म्रतं ह औरे उसकी नि तं सह शां लेतं ।

हरे की!ई शांनि की तंले शां कीरेतं ह; निवोंशांर्षो रू स रेहस्यामया शांनि की । याह स्वों भ निवोंकी ह। ले फिकी हरे फिकीस की! या हA ह!तं फिकी इस शांनि की क्या कीरे ह। जीब तंकी लेक्ष्या स् r ह!, शांनि की अजी 4 बच्ची की ह था म (चौं की" दु जीस ह; य

स्वों थाÂ दुश्मी ह था म (बम दु जीस ।

या!निगेकी अ शां स स ह उदु रे शांनि प्र प्त ह!तं ह। औरे इस शांनि की प्रया!गे की स कीरे ह, याह भ या!निगेकी अ शां स स ह स खो जी सकीतं ह। याह अ शां स की वोंले एकी उद्दी श्या रेखोतं ह – अहकी रे की स "ण 4उन्मले" । ले फिकी शांनि की उ या!

की निलेए एकी औरे प्रकी रे की या!निगेकी अ शां स की आवोंश्याकीतं ह!तं ह: स म निजीकी स मजी स्या औरे शां नितं की समझे औरे सरे ह । हले आत्म-अ शां स औरे आत्म-निशांक्षा की म गे कीरेतं ह; दुस"रे सभ की कीCया ण की नि ष् क्षा समझे की , जीह D

स्वोंया की स्था सबस अ नितंम ह!तं ह।

इस निवोंर्षोंया रे ब तं कीरेतं हुए, मझे एकी घट या दु आतं ह। याह 1969 म (नित्रनि दु दु म (हुई था । एकी यावों

व्यनि मझे स

निमले आया था जी! शांनि की तंले शां म (था । उसकी अ स रे, उस मझे ' रे क्षाण' फिकीया था औरे या था फिकी मझे म (इत

शांनि ह निजीस वोंह प्र म्न कीरे सकीतं ह। वोंह नितंब्बतं म (रेहस्यामया तं त्र की की छे जी की रे रेखोतं था औरे 15

मह स मरे

व्य ख्या म (भ गे ले रेह था ।

जीब उस मझे स नि कीटतं ब कीरे शांनि प्र म्न कीरे की ब तं कीह , तं! म 1 उसस स ध सवों ले फिकीया फिकी अगेरे

उस वोंह

शांनि निमले जी ए तं! वोंह उसकी क्या कीरे गे । उस ईम दु रे स स्वों की रे फिकीया फिकी वोंह इस शांनि की! अ रे याH क्षामतं की

निलेए चौं हतं था । उसकी निवोंचौं रे म,(सनिMr की सभ मनिहले एD एकी अ न्तं आकीर्षों4ण म (बध ह 1औरे उ रे

अनिधकी रे जीम की

की- उन्मले"फिकीया जी सकीतं ह। निलेए की वोंलि अ रे याH शांनि की आवोंश्याकीतं ह।

म 1 उस वोंह शांनि द , ले फिकी एकी अलेगे प्रकी रे की । म 1 उस प्रम , म , शांरे रे औरे रे त्वों की! समझे की शांनि मरे वोष् णवों गेरु मझे दु! प्रकी रे की शांनि या की ब रे म (निसखो या :

निबेले शांनि वोंह ह जी! चौंमत्की रे की म ध्याम स की या 4कीरेतं ह। याह ब म रिरेया की! ठ की कीरे सकीतं ह, ले! गे की! प्रम निवोंतं

आपी वोंह एकी सखो। रिरेवों रे की पनि स्वोम ह औरे उसकी ल अ जी त्वों औरे रिरेवों रे स ब द ह सवों ' ह। औरे सकीतं ह, स म निजीकी प्रनितंष्ठा फिकुले सकीतं ह, ले फिकी अ तंतo याह अहकी रे की बढ़ बढ़ तं ह औरे इस प्रकी रे की औरे भ कीई ले!गे मझे स निमले चौंकी ह।1 म 1 उ म (स की छे की! याह समझे की की!निशांशां की व्यनि की! दुo खो औरे

फिकी शांनि की निवों शां की औरे ले जी तं ह।

वोंस्वांनिवोंकी उही क्या क्या ह। म 1 सच्च (याह भ निसखो अ फिकी शांनि की मह उ याग्य की म निकीया जी म औरे की स इसस अहकी रे निले की शांनि ह। याह सह शां लेतं , समझे, निमत्रतं औरे स ज्ञ कीरे की शांनि ह। याह

दुo खो ,

रिरेत्या औरे निड़ातं की स जी तं ह औरे उ की मदुदु कीरेतं ह। याह निब फिकीस भ दुभ वों की सबकी! अ तं ह औरे

एकी ऐस स् शां4 स सबकी! जी!ड़ातं ह जी! आत्म तंकी हुचौंDतं ह। याह शांनि दुस"रे की स था तं लेमले निबठ तं

ह औरे सभ भ दु की! निमट दुतं ह – चौं ह वोंह लिंलेगे की ह!, उम्र की ह! या

स म निजीकी स्तंरे की । इसकी सबस बड़ा निवोंशांर्षों तं ह – नि ष्की म प्रम ।

याह शांनि मह ह, क्या फिकी याह स्वोंया की! निमट कीरे सबम (सम निहतं ह! जी तं ह। इस शांनि मझे भ मह

प्रम औरे

मह शां लेतं की ठ ढ़ या । म 1अ उस छे!ट स, ले फिकी अनिद्रीतं या रेदु ऋनिर्षों की हमशां ऋण रेहूँगेD , निजीन्हं मझे

सच्ची शांनि की म गे 4फिदुखो या ।

6 - रे तंत्वों (The Female Factor)

भटकीतं आत्म

मरे वोंष् णवों निमत्र, निजीन्ह (म 1 रेदु कीहकीरे की रेतं था , मझे रे एकी मह उ की रे फिकीया था।

दुगे 4 मफि दुरे स जीड़ा निवोंशां ले सरे!वोंरे की वों"Â फिकी रे रे एकी दु वों रे की स एकी सदु रे बग़ चौं था।

याह बग़ चौं एकी भव्य

सुगे मरेमरे की मकीबरे स जीड़ा हुआ था , निजीस एकी भ"ले- निबसरे भ रेतं या रे जीकी म रे अ गेरु स्वों म भ स्कीरे दु की!

श्रेद्ध जीनिले स्वोंरू समर्पि तं फिकीया था। इस स्था रे सतं की अनिस्थाया Dदुर्फ़ी ह;1 ले फिकी बग़ चौं की भ तंरे

एकी शां तं की रिटया म (

सतं की ण"4 आकी रे की मर्पि"तं या!गे स म (बठ हुई ह।

अ जी वों की ले म,(जीब याह स्था घ जीगे ले स ढंकी हुआ था , तंब सतं ठ की इस स्था रे अ ब स की झे ड़ा ब ई था। याहA रे उन्ह सH वोंर्षों" स भ अनिधकी समया निबतं या था ; निशांक्षा दु औरे प्र था 4 म (डी"ब हुए, ले फिकी अनिधकी शां

समया वों गेह सम निध (त्र न्स) म (ले रेहतं था। उन्ह (या!गे की एकी अन्या मह निसद्ध रु र्षों, प्रनिसद्ध तं लेगे स्वों म

की स था,

फिदव्य व्यनि त्वों म जी तं था। वों की वोंले उस भ!जी रे नि भ4रे रेहतं था जी! उन्ह (निब प्रया स की प्र प्त ह! जी स था

(अजीगेरे-व्रतं, अथा तं4iनिब प्रया स फिकीए हुए भ!जी रे जी)। मHसम म (चौं ह फिकीतं भ बदुले वों क्या ह!,

[illegible] अ स रेण

[illegible] सम् "ण 4 अ या नियाया की!

[illegible] रे रेखो गेया ह जी आकीर्पिषीत फिकीया , निजीन्ह (उन्ह औं चौं रिरेकी रू स प्र थानिमकी अक्षारे स ले कीरे गढ़"तम निवोंर्षोया , जीस उन्ह लेगभगे 140 स ले हले इस मद्र म (प्र ण त्या गे था, जी वों की एकी सजी वों चौढ़ ई म।(

फिकी दुशां4 शां मक्र औरे या!गे, [illegible] शां नितं स भरे हुआ था। याह Dतंकी फिकी ब सवोंA सदु की शां रुआतं दुशांकी म (भ , जीब-जीब

[illegible] रू म (उद्भुधMतं फिकीए जी तं ह!। इस स्था रे जी तं था , तं! मझे

आध्या नित्मकी व्यनि त्वों की तं स्या ओं निवोंत्र फिकीया ह!।

इस स्था की म!हकीतं , दु वों रे की चौं रे ओरे निखोले हुए वोंक्षाM , सदु रे बग़ चौं , > ह रे की मध रे ध्वोंनि , औरे गेम्भ रे भव्यतं की स था घ"मतं हुए की छे सन् या निसया की की रेण, याह स्था मरे ब Cयाकी ले की फिदु म (मरे स दु दु रिठकी था।

म1 कीह Dस औरे क्या आया ?

अब वोंहसबखोत्म ह!चौंकी ह। सगे रिठतं गेरे निलेकी की उत्स ह या!जी ओं इस याट4की की आकीर्षों4ण की की(द्र ब फिदुया ह, निजीसस इसकी प्र चौं वोंन्या आकीर्षों4ण की अनिधकी शां निहस्स आध नि कीतं की भ(ट चौंढ़ गेया। दु वों रे(खोत्म ह! गेई ह;1

दु वों रे की स था ह बगे चौं , निखोलेतं हुए ड़ा , >व्वों रे , औरे नि निश्चतं रू स, सन् या स भ चौंले गेए। मझे निवोंश्व स ह फिकी जीस शां तं जीगेह म (रेह वों ले ले!गे ‘निवोंकी स’ की जीबड़ा म (धकी ले जी रे निवोंचौंनिलेतं ह! जी तं ह,1 वोंस ह स्था की आत्म भ
व्यनिथातं ह! जी तं ह।

भगे रेथा रे जी^श्ब चौं रे !की की! आकीर्पिर्षोंतं कीरे वों ले शां नितं कीठ!रे शांहरे निवोंकी स स बदु खोले ह! गेई ह।

सतं ट ,
गे!लिंवोंदु रे औरे निवोंशांर्षों रू स भवों रे औरे चौंHरे गे था की अ धरे जीगे ले स की ले घ ट की हम ले ट तंकी की रे!म रिटकी
कीनिवोंतं औरे आध्या नित्मकी की अब ‘निवोंकीनिसतं’ कीलेकी की शां!रेगेले भरे म हHले म (गेम ह! चौंकी ह।1

में,रेंकी श्वशे, बौंदM पम्मे, बद्र था जीस स्था , जी! कीभ शां नितं की की(द्र था, अब 'निवोंकी स' की ब वोंजीदु" अ
जीस लगे ऐसा त
आत्म खो! चौंकी ह।1 चौंस स ले हले महस"स की जी वों ले हवों म (म द औरे सतं !र्षों आजी रे" तंरेह स गे याव ह।1 की वोंले
स्था स भ गेकीरे था, नित की तलेशा कीरेत ह,1 वोंस ह अदुशMया आत्मए,D जी! म वों की आध्या नित्मकी सत !
र्षों की सतंक्षकी ह 1 भ
मनिणकीपिणकी की सफिदुया रे वों तं वोंरेण अभ भ अ मHनिलेकी रू म (बचौं हुआ ह। हम याट4 औरे मHजी-मस्तं की
ए स्था की तंले शां म (चौंले जी तं ह।1
ले लेस म (शां द्ध आध्या नित्मकी आ दु की! खो! फिदुया ह। याह कीश्म रे की अमरे था, ले की शां नितं था, रे मश्व रेम या
जीगेन्न था रे जीस तं थास्4थाले की ब रे म (भ सचौं ह।

म 1 ड़ा की स था या फिकी रे!म की सट(टरे, इ ग्ले1डी की स्ट! हजी(, फिदुCले म (नि जी मद्दी औनिलेया की मकीबरे , अजीमें शांरे >, मनि क्सकी! म (ले डी ग्वों डी ले " की मकीबरे , या ट!लेडी ! की प्रनिसद्ध अCकी जीरे जीस स्था अब अ आध्या नित्मकी की खो! चौंकी ह।1 प्रचौं रे, फिदुखो वों औरे श्रेद्ध की कीम उ स्थाले की! भ नि रुत्स ह ब फिदुया ह जी! कीभ सतं की उ निस्थानि स निवोंत्र म जी तं था।
याह Dम 1अ निमत्र रेदु की प्रतं क्षा कीरेतं था। उन्हA की प्र!त्स ह स म 1इस स्था स रिरेनिचौंतं हुआ था। दु! हरे की समया, जीब म 1याह Dआतं , तं! मकीबरे की दुनिक्षाण भ गे म (ध्या स्था ह!कीरे सम निध की निस्थानितं म (चौंले जी तं। इसकी आ दु म,(ब रे-ब रे याह Dलिंखोचौं चौंले आतं। याह वोंह स्था था जीह D निमत्रवोंतं रेदु, जी! मरे गेरु भ था, मझे कीई गेढ़" निशांक्षा ए

एकी ब रे म 1 इस जीगेह की अजी ब ठ डीकी औरे अ की निज़ीक्रं फिकीया। म 1 कीह , "याह जीगेह मझे इतं जी - हचौं क्या लेगेतं ह, म ! म 1याहA की रेह वों ले हूँ!D ले फिकी कीब? की स? मझे की छे भ या दु हA।" रेदु मस् की रे ए औरे रेहस्यामया आवों ज़ी म (ब!ले, "हम सभ अ सबस निप्रया स्था रे ब रे-ब रे आतं ह।1 इसम (आश्चया 4की की!ई ब तं हA; डीरे की भ ज़ीरूरेतं हA ह। "
म 1 हरे ह!कीरे उ की ओरे दुखो । उ की शांब्दु की अथा 4समझे हA आ रेह था। याह दुखो कीरे उन्ह अ व्य ख्या शां रू की। (ओह, म 1उ की इ ज्ञा वोंध4की प्रवोंचौं की फिकीतं ऋण हूँ!D)
"की!ई भ जी वों हले ब रे हA ह!तं। निवोंद्दी की ‘ हले ब रे’ औरे ‘चौं जी की शां रुआतं’ की निलेए निजीद्दी खो!जी मखो"तं4 "ण 4 ह। ले!गे याह क्या हA समझेतं फिकी इनितंह स म (समया की एकी लिंबदु की खो!जी वोंस ह ह जीस बड़ा ह! जी की ब दु बच्ची अ रे की ड़ा की बट ढं"Dढं । वों स्तंनिवोंकी खो!जी याह ह! चौं निहए फिकी म 1क्या आया , फिकी म 1कीब आया। क्या फिकी अथा' म (हम रे चौं रे ओरे की सभ 'चौं जी'(' हले ब रे' की ह तंरेह ह।1
समया की! एकी मतंM लिंबदु स दुस"रे मतंM लिंबदु तंकी की स ट रे खो समझे समझे ह। समया जी वोंतं ह, गेनितंशां ले ह, शां ह। शां श्वतंतं ह समया ह, औरे समया ह जी वों ह। समया एकी चौंचौं ले लेड़ाकी की तंरेह ह, जी! अ तंरिरेक्षा की सम द्र तंट रे

अ रे गे ब निCटया की! भरेतं और खो ले कीरेतं रेहतं ह। ब निCटया म (भरे सम द्र, ब निCटया की सदु भ 4म (जी निवोंतं ह; खो ले ह! रे मतंM ह। ले फिकी सम द्र स्वोंया अनिवोंचौले, अ रिरेवोंर्पितंतं रेहतं ह। "

म 1याह निवोंरे!ध भ स समझे हA या और उलेझे म (छे" , "जी निवोंतं जी वों , मतंM जी वों —आ क्या कीह चौं हतं

ह?1"

रेदु मस् की रे ए और समझे लेगे, "निवोंरे!ध भ स कीठ!रे सत्या की ब तं कीरेतं ह।1 जीब वों ऐस कीरेतं ह,1 तं! उन्ह

(निवोंरे!ध भ स
कीह जी तं ह, ले फिकी उ की भ तंरे सत्या की ब जी निछे ह!तं ह।1"
वों आगे ब!ले, "समया एकी चौंचौं ले लेड़ाकी ह, जी! अ ब निCटया की! भरेतं और खो ले कीरेतं रेहतं ह। जी वों

तंब तंकी
जी निवोंतं ह जीब तंकी वोंह भरे हुआ ह; खो ले ह! रे मतंM ह! जी तं ह। ले फिकी याह की वोंले ब Cट की दुनिMrकी!ण ह। सम द्र की
निलेए, तं! भरे की मतंलेब की छे ह, ह खो ले ह! की ।"

म 1 ह म भरे , "ह ,D याह तं! स् r ह। " ले फिकी फि>रे छे" , "अब आ समया स स्था रे की स आ गेए? या दु! की स

जीड़ा ह?1" रेदु मस् की रे ए, "अच्छे सवों ले ह। समया और स्था की! अलेगे दुखो ह भ्रम ह। समया जीब ‘कीब’

की! जीन्म दुतं ह, तं!
स्था ‘कीह ’D की! उत् न्न कीरेतं ह। ले फिकी सत्या की वोंले एकी ह ह— सत्याम,i ब्राह्म, ब!निध... ईश्वरे।"
म 1और भ उलेझे गेया , "क्या समया और स्था एकी ह ह?1"

उन्ह स् r फिकीया , "समया और स्था एकी ह सत्या की दु! हले" ह।1 वों की वोंले हम रे समझे की स म ओं की

की रेण अलेगे
फिदुखो ई दुतं ह।1 वों स्तंवों म,(सब एकी ह ह। एकी ह सवों4व्य सत्या ह, निजीस हम अज्ञा वोंशां ईश्वरे कीहतं ह। 1"

म 1गेह निवोंचौं रे म (खो! गेया । याह समझे मनि श्कीले था , ले फिकी उ की शांब्दु म (गेहरे ई था । म 1कीह Dस "जीब तंकी वों स्तंनिवोंकीतं , सत्याम iकी रू म (अ भ वों फिकीया जी ए, तंब तंकी की!ई ईश्वरे हA ह। जीब वोंह ब!ध आया हूँ,D कुस आया

हूँ,D और मरे नेह! की उद्दे श्या क्या ह—इ सवों ले की जीवों सामया और स्था स तं दे स मकीम आ सत्या म (निछे ह!तं, वोंह चौतं दे छे जीतं ह, वोंह उतंरेस ह। फि>रे, जीब वोंह ब!ध ह!तं ह, तं! उसकी अ वों और की छे कीरे निशांक्षा ए Dमरे निलेए जी वों की एकी या दुनिMrकी!ण खो!ले रेह थाA।
कीरे ह!तं., निसुवों या इसकी फिकी उसम (ह!... ह ,D उसम (ह!, उसम (ह!! वोंह ह!! हवों म (शांरे रे की तंरेह हA, म (नमA की

अनि वों4चौं यामां: अ नि च्चीरमां

तंरेह, आगे की तंरेह स Dस की तंरेह। । हA। रे" तंरेह स तं म्ह रे । तं म्ह रे अ भ वों। स झे कीरे , वोंण4 कीरे स रे । इसकी स रे वोंण4 स निमतं ह। क्या फिकी शांब्दु की अथा 4स निमतं ह, वोंण4 स निमतं ह! चौं निहए। ले फिकी अ भ वों अस निमतं
ह. .... तं म क्या ?"

मझे आश्चया 4हुआ। म 1अचौं की निवोंचौं रे की ध रे म (बह गेया जी! मरे समझे स रे था । म 1घ"मतं रेह और

तं रेतं हुआ ऊ रे
आ की की!निशांशा कीरेतं रेह ; ले फिकी उसकी ह था हले स ह मरे निसरे रे था । उस मरे ओरे गेहरे ई स दुखो और कीछे दु नि या

"क्या तं म भ रेवों की शांरे रे रे हA बठ तं ? उसकी ग्न त्वोंचौं रे? एकी आस म?(" "वोंह मरे चौं चौं ह? "

"तं!?... निसर्फ़ी4 एकी आ ट ?.. बस एकी ऐस ह रिरेश्तंदु रे? औरे की छे हA? ओह, तं म फिकीतं मखो" 4ह! सकीतं ह!.... आस म (आ ट गे याब ह! जी तं ह,1 जीस शांरे रे गे याब ह! जी तं ह। जी! बचौंतं ह वोंह अमतं" 4ह। प्रकीMनितं की दुस"रे रू , औरे की । गे!लिंवोंदु नि डीतं तं म्ह रे चौं की ह।1 डी"क्रिकेभ वोंभ निवों एकी चौंतं रे हठ-या!गे भ ह।1 ह ? ले फिकी हमशां ऐस हA ह!तं । एकी ब घ की निलेए वों निसर्फ़ी4 भ!जी ह,1 औरे की छे हA। अब गे!लिंवोंदु नि डीतं, हठ-या!गे हA रेह। फि>रे भ , क्या इ की रे कीरे सकीतं ह! फिकी वों हठ-या!गे ह?1 गेरु ?"

रे कीह ।

" हA, म 1 हA कीरे सकीतं ," म 1 ज़ी!रे दुकी

"ले फिकी वों क्या ह?1 तं म्ह रे चौं चौं ? हठ-या!गे ? चौं ए गेए भ!जी की एकी ढं रे? वों स्तंवों म (वों क्या ह?1...

तं म्ह रे आ ट

तं म्ह रे आ ट ह।1 ले फिकी वों एकी भ रेवों भ ह।1 जीब तं म उ की शांरे रे रे आस म (बठ तं ह!, तं! वों क्या ह?1 तं म्ह रे आ ट ?

एकी भ रेवों ? या एकी अ भ वों? क्या तं म उस अ भ वों की वोंण4 कीरे सकीतं ह!?" म 1इस प्रश्न स इतं भ्रनिमतं था

फिकी की छे सकी डी की निलेए म 1 रे" तंरेह स खो!या हुआ महस"स कीरे रेह था । याह अ भ वों फिकीतं

वों स्तंनिवोंकी था ! फिकीतं जी वोंतं ! फिकीतं सतं Mप्त! फि>रे भ उस रेम रे!म चौं की स्वों दु की प्रकीMनितं औरे

स रे

की ईम दु रे स वोंण4 कीरे शांब्दु स रे लेगेतं ह।

ले फिकी मझे दुखो जी रेह था । औरे ध रे -ध रे एकी आवों ज़ी > स> स तं हुई आई **"**अनि वोंचौं4 यामi**!**

अ नि च्चीrमi**!"** (ब!ले गेए

शांब्दु स रे । जी भ स अदुनि"र्षोतं।)

रेदु मरे की म (> स> स रेह था। "ह ,D" म 1 दु!हरे या , "वोंह आ दु था । शांब्दु स रे । म 1महस"स कीरेतं हूँ।D

बस महस"स कीरेतं हूँ।D"

"याह आ दुम ह। आ दुम समग्रे ह। हमशां समग्रे। इस स झे कीरे की निलेए भ निवोंभ निजीतं हA फिकीया जी

सकीतं । इस वोंण4

कीरे की निलेए भ हA ले या जी सकीतं.... क्या म 1सह हूँ?D"

"मझे फि>रे स इस लिबदु की जी Dचौं कीरें दु (" मरे दु!स्तें कीह । "क्या हुम? मरे!(हिम्मतं की!उदुर्ष्टनिलेया D?1" वोंह शांरे रेतं मस् की । याह गेदु गेदु था । "स "ण 4ब्राह्म" म 1 स्वों की रे फिकीया ।

"बशा की दुस।"

"फिकीतं ह था?"

"दु!।"

"फिकीतं शांरे रे?"

"एकी, निसर्फ़ी4 एकी शांरे रे।"

“अब, चौं रे ओरे दुखो !। फिकीतं शांरे रे?”

“क्या ? तं म; म;1... बहुतं स रे ; बहुतं स रे शांरे रे।”

“औरे अब। फिकीतं ‘म’1?”

“‘म’1?.... ओह, म 1समझे गेया । क्या , सभ म (निसर्फ़ी4 एकी ‘म’1।”

“फि>रे, मरे क्या ? क्या म 1भ हAसंदुखो!चौंतं , की म हA कीरेतं ?”

“वों स्तंवों म (तं म कीरेतं ह!... एकी अलेगे शांरे रे की रू म।(एकी अलेगे ‘म’1 की रू म (हA।”

“हम सभ एकी ह हवों म (तं रेतं ह,1” उन्ह समझे या , “हवों एकी ह, औरे शांरे रे कीई ह;1 , मछेले की निलेए, एकी ह, ले फिकी शांरे रे कीई ह।1 औरे इस तंरेह.. एकी ‘म’1, एकी चौंतं , एकी ब्राह्म ह! चौं निहए, ह ले Dफिकी या सभ कीई प्रतं तं ह!तं ह।1 म ष्यातं रे!ज़ीमरे 4की अ भ वोंजीन्या स!चौं म (एकी सनि वोंध ह।

“...डी²क्टरे,” उन्ह आगे कीह , “बहुतं स रे ह।1 ले फिकी जीब हम हजी , या मले रिरेया , या की1सरे की ब तं कीरेतं ह.1.. तं! उ की निलेए या निसर्फ़ी4 एकी ह ह।1 हम रे!गे ह।1 रे!गे की रू म (हम बहुतं ह।1 अस् तं ले म (हम बहुतं स ले!गे की! स था रेखोतं ह।1 ले फिकी डी²क्टरे की निलेए हम ज्या दु तंरे अमतं" 4ह।1 हम उ की निलेए समस्या ए Dह 1निजीन्ह (उन्ह (हले कीरे ह। वों हम (फिकी तं ह;1 या रेगे सहजी हA ह। बहुतं म (स प्रत्याकी एकी की एकी अ शां ह। एकी ब म रे की अलेगे-अलेगे म मले की रू म (दुखो
ह एकीम त्र सत्या ह, वों स्तंनिवोंकी ह। एकी की अले वों औरे की छे हA ह। ”

“याह एकी,” उन्ह कीह , “‘एकी’, तं! हरे चौं ज़ी म (ह! चौं निहए, भले ह , एकी हवों की तंरेह, हम इस एDदुखोयाह एकी जी वों म (ह! चौं निहए, स था ह स था उसम (भ निजीसम (की!ई जी वों हA ह. ..”

उ की ब तं मरे भ तंरे गेहरे गेजी"Dउ की । म 1महस"स कीरे रेह था फिकी याह ‘म’1 की वोंले एकी शांरे रे या म हA, बनिCकी उस एकीम त्र चौंतं की अ शां ह जी! सबम (व्य प्त ह। उस एकी सत्या की निहस्स , जी! हरे जीगेह, हरे रू म (ह। मरे चौंह रे रे आई शां नितं की! दुखो , रेदु मस् की रे ए। “अनि वोंचौं4 यामां... अ नि ज्ञीrमां।” उ की > स> स जीस

मरे भ तंरे गेजी"D
उठ ।

ध्वोंनि रेत्न

"हम म (स प्रत्याकी , औरे हम जीस सभ , कीहA औरे कीभ शां रुआतं की था । हम रे वोंतं4म निस्थानितं म (इसकी स ध ज्ञा हम (हA ह। हम हमशां उस स्था रे वों स आतं ह 1जीह D हम हले रेह चौंकी ह!तं ह।1 की छे इस महस"स कीरेतं ह,1 की छे हA, याह इस ब तं रे नि भ4रे कीरेतं ह फिकी महस"स कीरे वों ले की सवों दु शां लेतं फिकीतं सक्ष्"म ह। क्या ? याह सभ वों ह फिकी आ याह D हले भ आए ह । दुगे 4 मफि दुरे बहुतं स ह; औरे हरे स ले ले!गे वोंह D तं थाया4 त्र की निलेए आतं ह।1 औरे याह स्था इतं
आकीर्षों4की ह। स्वों म भ स्कीरे दु आ की नि तं की गेरु था। आ की नि तं आ की भ तंरे ह।1 तं! क्या आ की! निवोंश्व स हA ह!तं
फिकी आ हले भ याह Dआ चौंकी ह?1"

"निबCकी ले," म 1 उरे फिदुया। "म 1इस जीगे ले बगे चौं स >"ले चौं म (व्यस्तं था। क्या ? अब मझे या दु आ रेह ह, ह .D... याह एकी अजी ब अ भ वों था ...."

"वोंह क्या था ?," रेदु छे"।

"मझे या दु ह, एकी ब रे म 1शां खो ओं स निगेरे हुए ब सकी औरे चौंम ले (निममस !प्स एले न्गे औरे ए>. अबÁरे सन् स) की >"ले की घ स स चौं रेह था। अचौं की, जी कीह Dस एकी स D आया, औरे हले ट!कीरे की चौं स फि>सले गेया, फि>रे शां नितं स चौंढ़कीरे ट!कीरे म (जीम फिकीए हुए >"ले रे की डीले म रेकीरे बठ गेया। मरे स की छे भ कीरे की निलेए हA था, बस उस दुखो तं रेह। वोंह बहुतं सदु रे था, अ चौंमचौंम तं स> दु, ध"सरे औरे की ले रे गे की !शां की म (बह दु म !ह रे। वोंह एकी गे था। म 1 निशांवों की निलेए एकी प्र था 4 गे शां रू कीरे फिदुया। की > दुरे ब दु वोंह चौंले गेया बहुतं खोश हुई ...
मझे या दु ह। ह ,D म 1याह Dथा।"

"ह ।D तं म निशांवों की प्र था 4 की। ले फिकी की छे छे!ट ध्वोंनि या Dभ ह!तं ह,1 छे!ट रेत्न ध्वोंनि। जीस एकी छे!ट स ब जी निज एकी निवोंश्वां ले फिकी खोंश्MSा की रे" अनिस्तंत्वों निछे ह!तं ह। इ ब जी ध्वोंनि या म (मह प्र था 4 ए Dसम निहतं ह!तं ह;1 अनिवोंश्वस या ऊजी 4औरे शांनि वों ले प्र था 4 ए।D" इसस हले फिकी वों की छे औरे कीह तं, म 1ब!ले

उठ, "ॐ म! रे याण याo, ॐ मo निशांवों याo, ॐ म! भगेवोंतं वों सदु वों याo,
ॐ क्लेA की निलेकी या मo, ॐ ह्रींA दुगे 4या मo।" वों मस् की रे ए औरे छे", "तं म इतं स रे क्या दु!हरे ए?" औरे फि>रे ब!ले,
"गेगे रे कीरे की निलेए फिकीतं वों की ज़ीरूरेतं ह!तं ह? " म 1 तं की स जीवों ब फिदुया, "याह समया, ध रे,

औरे हवों ओं रे नि भ4रे कीरेतं ह. ..," औरे म 1हसD ड़ा।

उन्ह फि>रे छे", "अगेरे एकी भरे!सम दु वों ह!, जी! सभ मHसम औरे ध रे ओं की स म कीरे सकी, तं!?"

"तं! मह स गेरे की ब रे म (क्या ?," म 1 जी!रे दु छे"।

"क्या मह स गेरे रे कीरे की निलेए एकी भरे!सम दु वों ढं"Dढं असभ वों ह? ह ,D एकी बहुतं ह की शांले निवोंकी की आवोंश्याकी ह!गे, ले फिकी मझेलेगेतं ह एकी ह वों की > ह!गे।"

"तं! फि>रे इतं स रे मत्र क्या ? इतं स रे दुवों तं ?" इस ब रे मरे प्रश्न म (एकी निवोंशांर्षों निजीज्ञा स था। म 1इस निवोंर्षोंया की! उ के स म ले चौं हतं था। मझे अब मHकी निमले गेया था।

म त्र

"याह एकी ईम दु रे सवों ले ह, ले फिकी उतं बनि द्धम भरे हA। जीब तंकी की!ई अ ध ह!, या एकीतंरे> स!चौं म (उलेझे ह!, तंब तंकी उस वोंस्तं ओं की निवोंनिवोंधतं की आकीर्षों4ण की सरे ह कीरे म (की!ई समस्या हA ह! चौं निहए। क्या तं म
कीभ दुवों की दुकी म (कीदुम रेखो ह? क्या तं म दुखो ह फिकी वोंह D फिकीतं प्रकी रे की दुवों इया Dऔरे फिकीतं तंरेह की ब!तंले(ह!तं ह?1 की छे खोले रे की म (रेखो ह!तं ह 1निजीन्ह (तं म छे" सकीतं ह!। की छे आम ले!गे की हुचौंD स ब हरे रेखो जी तं ह।1 की छे
बहुतं खोतंरे की ह!तं ह,1 या बहुतं जीरिटले। ले फिकी क्या तं म्ह (उ सभ की ज़ीरूरेतं ह!तं ह?

"तं म्ह रे आध्या नित्मकी गेरु तं म्ह रे निलेए एकी उ या मत्र चौं तं ह।1 उन्ह (कीई मत्र की ज्ञा ह!तं ह, ले फिकी तं म्ह (की वोंले ए की आवोंश्याकीतं ह!तं ह। वों वोंह चौं (गे। याह Dतंकी फिकी तं म्ह रे जी वों की ले म (वों इस बदुलेकीरे दुस"रे मत्र भ दु सकीतं तं म्ह रे आध्या नित्मकी ज़ीरूरेतं और आत्मस तं कीरे की शांनि रे नि भ4रे कीरेतं ह।

"!उबुं म्हरेमा कोिकीनिदुबा", स!जी सकीकीवौंयाह!कीप्तिस्वोगे या की दुध" रे जी तं ह!। फि>रे ठ!स आह रे रे। फि>रे कीभ -कीभ रेम या तंरेले भ!जी रे वों स जी तं ह!। याह शांरे रे की ज़ीरूरेतं और चौं शांनि रे नि भ4रे कीरेतं ह।

"इ रिरेवोंतं4 की छे की मख् या उद्दी श्या याह ह फिकी तं म जी! खो रेह ह!, वोंह ठ की स चौं सकी और आत्मस तं ह! सकी। शांरे म की ग्रेहणशां लेतं व्यनि -व्यनि म (निभन्न ह! सकीतं ह। क्या तं म सहमतं ह!?... अच्छे , तं म ह!। तं! फि>रे निवोंनिवोंधतं और रिरेवोंतं4 तं म्ह (रे शां हA कीरे चौं निहए। हम रे वों"4जी कीई आध्या नित्मकी अ भ वों की! निजीया ह। वों" 4की प्र चौं ऋ की आध्या नित्मकी अ भ वों की इनितंह स बहुतं ले ब और निवोंनिवोंध ह।

"हम जीस अ रिरे क्क बच्ची निजीतं भ मत्र स तं ह,1 उतं की! ह अ की की!निशांशां कीरेतं ह।1 याह हम रे आत्मनिवोंश्व स की कीम की! दुशां 4तं ह। की वोंले एकी ह या 4स्र ह, याफिदु गेरु तं म्ह रे निलेए वोंह चौं ह। याह कीह गेलेतं ह!गे फिकी एकी ह म सभ की निलेए और हरे रिरेनिस्थानितं म (उ या ह।

"हम कीई मत्र की सम्म कीरेतं ह,1 ले फिकी हम की वोंले एकी की! अ तं ह।1 याह एकी ह मत्र हम रे गेरु मत्र ह!तं ह, जी! हम रे निलेए चौं गेया ह!तं ह, हम रे सह यातं की निलेए। मत्र की शां निब्दुकी अथा 4ह ‘वोंह ध्वोंनि जी! नि रे तंरे म कीरे स रे ले जी तं ह’। तं म इस म म (बस ओ। इस दु!हरे ओ। इस अ ओ। इसकी प्रभ वों की! अ भ वों कीरे!। याह तं म्ह (शांनि प्रदु, कीरे गे।"

शांनि या की था!ड़ा स अ शां

"हम सभ की , और हम जीस सभ की , कीहA और स शां रुआतं हुई था। अ वोंतं4म निस्थानितं म (हम (इसकी की!ई प्रत्याक्षा ज्ञा हA ह। हम हमशां वोंहA लेHट आतं ह,1 जीह D हम हले था। की छे ले!गे इस महस"स कीरेतं ह,1 की छे हA, याह महस"स कीरे की सवों दु शां लेतं की सक्ष्"मतं रे नि भ4रे कीरेतं ह। क्या ? याह बहुतं सभ वों ह फिकी आ अ जी रेह ह। दुगे 4 मफि दुरे इतं स ह; और हरे स ले ले!गे तं थाया4 त्र की निलेए वोंह D आतं ह।1 और याह जीगेह इतं आकीर्षो4की ह। स्वों म भ स्कीरे दु आ की नि तं की गेरु था। आ की नि तं आ की भ तंरे ह।1 तं! क्या आ की! हले याह Dह! रे अनिवोंश्व स ह? "

"बशां की," म 1 जीवों ब फिदुया। "म 1इस जीगे ले बगे चौं स >"ले चौं म (व्यस्तं था। क्या ? मझे अब या दु आया , ह .D... याह एकी अजी ब अ भ वों था ...."
"वोंह क्या था ?" रेदु छे"

।

"मझे या दु ह फिकी एकी ब रे म 1घ स रे शां खो ओं स निगेरे हुए >"ले चौं म (व्यस्तं था .... बस की और की मले (निमम "स!प्स एले(गे और ए>. आबÁरे सस()। अचौं की कीहA स एकी स D प्रकीट हुआ, और हले ट!कीरे की चौं सरेकी , और फि>रे शां नितं स ट!कीरे म (इकीट्ठा >"ले रे चौंढ़कीरे की डीले म रे ले। मरे स दुखो की अले वों और की छे हA था। याह बहुतं सदु रे था , अ शां दु रे रिरेध म (बहुतं भव्य, सर्फ़ी दु, भ"रे और की ले रे गे म (चौंमकी रेह था। याह एकी की!बरे था। म 1 निशांवों की निलेए प्र था

गे शां रू फिकीया। की > दुरे ब दु याह छोड़कीरे चौंले गेया ...... ले फिकी मझेमें खोशां हुई.... मझो दु ह। ह ,D म 1याह D था।"

"ह।D तं म निशांवों स प्र था 4 की था। ले फिकी ध्वोंनि की छे!ट -छे!ट निडीब्ब ह,1 छे!ट -छे!ट रेत्न ध्वोंनि या।D

एकी छे!ट स ब जी की तंरेह
जी! अ, खो!ले की भ तंरे एकी बड़ा बरेगेदु या फिकीस भ ड़ा की! बदु रेखोतं ह। इ ब जी ध्वोंनि या म (मह
प्र था 4 ए Dह;1
अनिवोंश्वस या ऊजी 4औरे बले की प्र था 4 ए।D"

इसस हले फिकी वोंह की छे औरे कीह तं , म 1ब!ले ड़ा , "ओम म! रे याण याo, ओम मo निशांवों याo, ओम म!

भगेवोंतं
वों सदु वों याo, ओम लिंक्लेगे की निलेकी या मo, ओम ह्गे दुगे 4या मo।"
वोंह मरे ओरे दुखो कीरे मस् की रे या औरे छे" , "तं म इ म (स इतं स रे मत्र क्या दु!हरे ए?"

फि>रे उस आगे कीह , "गेगे रे कीरे की निलेए तं म्ह (फिकीतं वों की ज़ीरूरेतं ह? " छे हटतं हुए म 1 जीवों ब

फिदुया , "नि भ4रे कीरेतं ह. .. समया, ध रे , हवों ओं की प्रकीMनितं...," औरे म 1हसD। "सभ मHसम औरे
"मह स गेरे की ब रे म (क्या ?" उस जी!रे हेछि"।
ध रे ओं की निलेए की धाले एकी ह भरे!सम दु वों क्या हA?"

"क्या मह स गेरे की! रे कीरे की निलेए एकी भरे!सम दु वों ह निसले कीरे इतं असभ वों ह?विशां की, एकी बहुतं ह भरे!सम दु यालेट की ज़ीरूरेतं ह!गे। ले फिकी मेरेतं ह फिकी एकी वों ह की > ह!गे।"

"तं! इतं स रे मत्र क्या ? इतं स रे भगेवों ?" इस ब रे मरे सवों ले बहुतं ज़ीरूरे था। म 1इस निवोंर्षोंया की! उ की स म ले चौं हतं था। मझे अब मHकी निमले गेया।

तं रे की प्र चौं म फिदुरे म(

"जी! वोंस्तं ए Dमह स गेरे म (जी तं ह,1 वों मकी स सतं Mत्र ह! जी तं ह;1 वोंस ह जीब नि जीÂवों वोंस्तं ए Dचौंतं की स की4 म तं! वों चौंतं ह! जी तं ह।1 (VI-1-30)
"गेरु वोंह ह, जी! म त्र एकी दुनिMr, एकी स् शां4, या एकी शांब्दु स अ निशांष्या की फिदुव्य चौंतं की! जी गेतंM कीरे सकी।" (VI-1

यहांगेध्यानिसछों की धइ की निकोंम क्षी की तंकीजीसेमीचौं। मफि दुरे म (गेजी"D
वोंह गेभ रेतं , वोंह आस , वोंह ध्वोंनि औरे गेध , वोंह फिदुव्य आभ। की सरिरेया वोंस्त्रध रे दुवों मझे नि रे तंरे उस कीरिठ स ध की ओरे ले जी रेह थाA, निजीसम (स "ण 4नि ष्की मतं प्र प्त ह!तं ह – अथा तं4iलेगे वों म (भ नि र्पिलेप्ततं , प्रम म (भ निब फिकीस प्रनितंफिक्रया त्मकी भ वों की निस्थारेतं , जी ग्रेतं रेहतं हुए भ स! जीस शां नितं, औरे स!तं हुए भ जी गेरूकीतं। रे नित्र म (ह! वों ले या सत्र अब निवोंनिभन्न स्था रे आया!निजीतं ह! लेगे था। हम औरे भ अनिधकी एकी तं स्था की खो!जी म (था।

अ तंतंo हम एकी लेगेभगे भ ले फिदुए गेए औरे नि निश्चतं रू स उ नि क्षातं मफि दुरे की! अ स ध स्थाले की रू म (चौं । याह गेगे की फिकी रे रे भवों (निश्चम बगे ले की अठ रेहवोंA शांतं ब्दु की भ मनिहले) द्वी रे ब वों ए गेए मफि दुरे की श्रेखोM ले म (स एकी था ।

याह वोंह भया की तं रे मफि दुरे था । इस मफि दुरे तंकी हुचौंD की निलेए रे" तंरेह स खोडी हरे ह! चौंकी औरे अ धरे सरे गे स उ की ह था की! कीड़ाकीरे म ग्रेदु4शां4 ले ड़ातं था । उस म गे 4म (चौंमगे दुड़ा ड़ातं था । हरे ब रे वोंह D हुचौंD निलेए मझे
की चौं खो (औरे चौंह" की चौं ले आवों ज़ी (वों तं वोंरेण की! भया वोंह ब दुतं थाA।

ले फिकी जीस ह हम उस छे!ट स मफि दुरे की आDगे म (हुचौंDतं, जी! ले ले बले आ त्थारे स ट हुआ था , स रे भया वोंहतं सम त्त ह! जी तं औरे म म (अस म शां नितं की अ भ वों ह! लेगेतं ।

स ध सत्र म(भ गे ले

कीभ -कीभ हम (मफि दुरे म (अज्ञा तं चौंह रे फिदुखो ई दुतं था। की छे ले!गे ध्या म (मग्न रेहतं , तं! की छे निवोंशांर्षों अ छों म (सले तंA फिकी हले स ह
की!ई अ छों चौंले रेह ह, तं! वोंह बस अनिग्नकी डी की स बठ कीरे निब फिकीस व्यवोंध की उस अ छों म (सनिम्मनिलेतं ह! जी तंA।
अनिग्न प्रज्वोंनिलेतं कीरे ह!तं , तं! की सरिरेया वोंस्त्रध रे दुवों ह उस प्रज्वोंनिलेतं कीरेतंA। ले फिकी जीब वोंह दुखो अनिग्न, रे औरे की म – या सभ उस अ छों की अ गे था। आजी जीब म 1याH शांनि की महत्वों औरे उसकी दुरु या!गे स भले भ Dनितं रिरेनिचौंतं हूँ,D तं! उ अ छों की! म 1उतं ह श्रेद्ध औरे भया की स था या दु कीरेतं हूँ,D निजीतं फिकी फिकीस फिदु उ निस्थानितं की स म , या > > ले ए हुए गे की समक्षा ह!तं ह।

मझे म लेम" ह!तं था फिकी अ छों म (कीH मरे 'आस ' ब गे । मझे याह भ ज्ञा तं था फिकी आस ग्रेहण कीरे स हले मझे उस निवोंशांर्षों प्रकी रे की >"ले , चौं वोंले की दु औरे याफिदु उ लेब्ध ह!, तं! रे स जी" ह!गे । उ फिदु म 1निब फिकीस निझेझेकी की अ म था रे तंस्र बनिले-रे स नितंलेकी कीरे सकीतं था । मझे निवोंशांर्षों उद्दी श्या की निलेए मडी ले ब की निवोंनि ज्ञा तं था । मडी ले म (निवोंनिभन्न रे गे की चौंण"' की उ या!गे फिकीया जी तं था , निजी की अ निवोंशांर्षों अथा 4औरे महत्वों ह!तं

अ छों प्र रे भ कीरे स हले मझेएकी निवोंशांर्षों या ह!तं था । उस या की स्वों दु तं! स म न्या था , ले फिकी उसकी प्रभ वों निवोंद्यातं जीस ह!तं था । तं सांमया मफिकी ह त्रA हुई की ह, की स्या की ह या खो! ड़ा की । वोंह D दु था 4की हA, बनिCकी उसकी महत्वों की प्रध तं था ।

वों गे तं की अक्सरे वोंस्तं ओं, निचौंत्र या मत्र की 'महत्वों' की! समझे की निलेए उत्सकी रेहतं था। ले फिकी असले स धकी स अ क्षा की जी तं ह फिकी वोंह 'महत्वों' की! एकी निवोंशांर्षों अथा 4की रू म (ग्रेहण कीरे औरे उस म निसकी रू स आत्मस तं कीरे । उसकी की! उस निवोंशांर्षों अथा 4म (निस्थारे ह! जी चौं निहए, औरे उस भHनितंकी सस रे की अथा' स निवोंचौंनिलेतं हA ह! चौं निहए।

या!नि औरे म था (स भ!गे)

या!नि शांब्दु की अथा 4ह स्त्र अ गे, निजीसस जी वों नि कीलेतं ह। वों स्तंवों म (याह मरि Åक्स, 'जी वों ' की प्र रे निभकी लिंबदु की! ह। प्रया!गे म (आ वों ले याह शांब्दु एकी स था स्त्र अ गे औरे सभ !गे स जीड़ा निवोंचौं रे की! व्य औरे स था ह अव्य रू म (

प्रस्तं तं कीरेतं ह; और इस छेनिवों की निवोंस्तं रे स, वों स की सतं निr की निलेए इस अ गे की भया वोंह उ या!गे, जी! नि निश्चतं रू
कीभ सतं r हA ह!तं ह। ह ले Dफिकी, वों स्तंनिवोंकीतं म (और अध्या त्मवों दु की सदु भ 4म,(निवोंशांषों रू स तं त्र म,(इस शांब्दु
लेगेभगे हमशां मरि Åक्स या स म न्या रू स जी वों की कीनिथातं स्नो!तं ह!तं ह। इस प्रकी रे इस वों स्तंनिवोंकी(सजीM
शांनि की मरि Åक्स की रू म (निचौंनित्रतं फिकीया गेया ह।

फिकीस भ अथा 4म (ब्राह्म डी की कीC कीरे स म ष्या की! उ या!गे और मदुदुगे रे छेनिवोंया ब की उ ह् रे निमले ह:
दु की, सया" 4की निलेए; आगे की ले ट(, ठ डी ²र्पिडीकी क्षा त्र की आया' की जीगे ले की प्रनितं कीMतंज्ञातं दुजी 4कीरे की निलेए
डी ब!कीरे की घड़ा , फिदुया और ब रिरेशां आफिदु की प्रचौं रेतं की निलेए, आफिदु। छेनिवोंया D, जीकी , सवों दु शां ले और वों
छेनिवोंया D, कीC शां ले, लिंचौंतं शां ले द्वी रे प्रकीMनितं की तंत्वों और शांनि या की! दु गेई सरे म्या श्रेद्ध जीनिले ह।1 चौंफि"Dकी
म ष्या द्वी रे नि र्पिमतं मफि दुरे (स्वोंया म (प्रतं की) की भ तंरे सम निहतं ह! की निलेए बहुतं बड़ा ह,1 इसनिलेए द्र कीनिवों एकी छे
सचौं"की की प्रनितंनि निधत्वों या प्रतं की की भ तंरे बड़ा की! सम निहतं कीरे की निलेए एकी उ या रू की आनिवोंष्की रे और स्वों
कीरेतं ह।1

ब्राह्म डी की शांनि शां ले शांनि या स नि ट म,(निवोंचौं रे की स था निखोलेवों ड़ा कीरे और एकी सचौं"की की की सरे निक्षातं ब²
निवोंशां ले की! की दु कीरे आवोंश्याकी ह! जी तं ह। सभ जी वों की मरि Åक्स, या ब्राह्म डी या की " की कीC कीरेतं हुए, जी! ह
बले की मले" रू दुतं ह, म ष्या की छे नि निश्चतं निचौंत्र स निचौं की हुआ ह, निजी म(स सबस ले!कीनिप्रया उ या!गे म (खोतं
ले , अनिग्र बनिलेदु की निलेए गेड्ढे और या!नि स्वोंया ह 1(हमशां म वों मनिहले की हA; ले फिकी उस म मले की निलेए फिकीस
भ मनिहले की)। म 1इस ब तं रे जी!रे दु रेह हूँ क्या फिकी म 1सभ तं त्र उत्स ह ले!गे की म म (याह ब तं डी ले चौं हतं हूँ
फिकी तं त्र म (वों स्तंनिवोंकी नि ण व्यनि की निलेए, एकी या!नि कीभ भ सभ !गे और वों स की की मकी छेनिवों की! प्रदुर्पिशांतं ह
कीरेतं ह।

याह सचौं ह फिकी या!नि की ब रे म (इस नि ष् क्षातं तंकी हुचौं की निलेए और एकी उरे-स निधकी (अCटरे ईगे!), जी! एकी मनिहले
ह, की जी घ की ब चौं की नित्रकी!ण की प्रनितं इस श्रेद्ध ण" 4दुनिMrकी!ण की! निवोंकीनिसतं कीरे की निलेए एकी बहुतं ले ब और
प्रनिशांक्षाण लेगेतं ह। इस तंब एकी ठ (स यानि की ध्या की निलेए एकी स ट) की रू म (म जी तं ह।

(की सरे म (मनिहले की शां रे रिरेकी दुनिMrकी!ण स मरे व्यनि गेतं दु क्षा मझे स्था या अ ग्रे ह म (खोड़ा फिकीया ह; और मझे
जीब भ अवोंसरे आया , तं त्र की उनिचौंतं और अ न्या भ वों म (इस क्षा त्र या श्रेद्ध की! प्र प्त कीरे म (की!ई कीरिठ ई हA हुई।)
हA कीरे रेह हूँ;D क्या फिकी तं त्र म (
मनिहले नित्रकी!ण की स था स ध स की4 म (ह! ।(म 1जी ब"ज्ञ कीरे स्त्र शां रे रे की उCलेखी
हA दुखो जी तं ह, तंब तंकी आध्या नित्मकी प्र निप्त की प्रया स की निलेए एकी निवोंशांषों खोतंरे की निब इस निबCकी ले भ ह
जी चौं निहए। उस निस्थानितं म (नित्रभ जी तं नित्रकी स ध की अ छ्रों स जीड़ा और आवोंश्याकी कीई स मनिग्रेया म (स एकी की
और की छे हA ह!गे ।) व्यनि की! वोंषों" तंकी तं स्या और अभ्या स स गेजी रे ड़ातं ह; आत्म-दुडी , आत्म-त्या गे की कीरिठ क्रं"रे
कीrदु या प्रफिक्रंया ए।
शांरे रे की भ तंरे रेह वों ले छेह वों स ओं म (स हले वों स सबस अनिधकी म गे वों ले , म या वों , हठ और अनिड़ायाले ह!तं
ह। जीब याह जीन्म "वों 4जीड़ा(जीम ले तं ह, तं! याह शांरे रे की वोंषों" की क्षाया की स था-स था म की तंरेह जी निवोंतं रेहतं ह। इ

ह! की निलेए, इस शांनि शां ले प्ररे ण की! कीड़ा की निलेए अ प्रया स की! लेनिक्षातं कीरेतं ह,1 और इसकी आगे की! उच्चीतंरे
लिंचौंगे रे लेकीवों ग्रेस्तं शांरे रे की खोडी हरे की भ तंरे भ रिटमरिटम तं ह। स्वों भ निवोंकी रू स या!गे , भ वों त्मकी ब ध ओं स म

उ या!गे की निलेए लेगे तं ह;1 क्या फिकी याह शांनि (स 4, इह फिदु , सभ !गे) रेचौं त्मकी प्रेरे ण की शांनि ह। याह सभ प्रगेनितं, याह तंकी फिकी आध्या नित्मकी प्रगेनितं की जीड़ा म (ह, जी! वों स्तंवों म (सभ प्रगेनितं की निलेए मले" म!टरे की आ र्पि"तं कीरेतं ह।

आध्या नित्मकी प्रगेनितं निजीसम (स वोंभ4Hनिमकी प्रगेनितं शां निमले हA ह, वोंह की वोंले म की प्रगेनितं ह। याह एकी खो!खोले प्रगे इस शांनि रे मह रेतं ह निसले कीरे कीई या!निगेया , कीई तंकी की , कीई की ले की कीई अलेगे-अलेगे तंरे की स लेक्ष्या रेह ह; रे जी-या!गे, कीमया4!गे, हठ-या!गे आफिदु, आफिदु। ले फिकी सभ ओरे स याह स्वों की रे फिकीया गेया ह फिकी खोतंरे की (अक्सरे आत भ्र मकी) तं त्र म गे 4सबस आस औरे सबस रे स्कीMतं रिरेण म की ओरे ले जी तं ह, क्या फिकी तं त्र म गे 4की मले" निसद्ध तं आ दु, खोशां औरे जी वों की ण"4तं म (रेह रेह ह।

जी!निखोम औरे दु! म गे4

याह की रेण ह फिकी तं त्र की निशांक्षा हमशां व्यनि गेतं म गेदु4शां4 की तंहतं दु जी तं ह। इस निब स!चौं- समझे औरे निब तं य की सरे क्षा

की निलेए भ आवोंश्याकी ह। एकी गेलेतं स ध सत्र (सन् स) अत्यातं खोतंरे की ह! सकीतं ह। याफिदु स ध स ले भ हA हुआ, तं! नि निश्चतं रू स कीय हुये। तं त्र म (कीह गेया ह "इस धम 4की था!ड़ा स भ भ गे व्यथा 4 हA की तं।" क्सकी प्रभ वों की कीभ भ स वोंजी4नि की रू स प्रकीट हA फिकीया जी तं। याह की वोंले स धकी की ले भ की निलेए, बनिCकी वोंनिसखोओं अवोंश्या ह!तं ह।

जी! ले!गे प्र चौं ले!कीगे था ओं, रेहस्यामया गे तं , औरे Hरे निणकी कीथा ओं स रिरेनिचौंतं ह,1 वों उ 'दु! म गे" की ब रे म (जी तं ह 1निजी की अक्सरे याकी की! चौंतं वों दु जी तं था : एकी म गे 4छे!ट ले फिकी खोतंरे स भरे ह!तं ह, जीबफिकी दुस"रे म गे 4 ले ब ले फिकी अ क्षा कीMतं आस ह!तं ह। तं त्र छे!ट औरे खोतंरे की म गे 4की! चौं तं ह, औरे जी ब"झेकीरे खोतंरे की! चौं Hतं

दुतं ह। तं नित्रकी वों रे (वों रे रु र्षो) ह!तं ह, जी! इ खोतंरे की स म स हमीबेत"की4

याह की रेण ह फिकी तं त्र म (प्रत्याकी स>लेतं की छे सकी ड़ा 'वों रे ' की अस>लेतं ए Dह!तं ह।1 झे"ठ स धकी औरे फिदुखो वों की वों ले की! चौंतं वों दु जी तं ह फिकी वों इस म गे 4की! अ ए।D याह की!बरे की > रे Mत्या कीरे या भ"खो ब घ की सवों रे कीरे की सम ह। याह एकी ऐस म गे 4ह निजीसम (शांHफिकीया , घमडी औरे उ ह स कीरे वों ले ले!गे कीभ स>ले हA ह! सकीतं

मMत्या की ब दु भ जी वों

तं त्र स ध की सत्यातं म (निवोंश्व स कीरेकी औरे भगेवों वोंस्त्रध रे दुवों की आशां वों दु4 स, मझे व्यनि गेतं स ध म (अत्यानिधकी आ दु निमले लेगे । इस की रेण म 1 रे भवों की तं रे मफि दुरे म (कीई रेहस्यामया अ भ वों फिकीए।

स i1924 की आस स, इस मफि दुरे म (म 1 एकी भया वोंह घट दुखो , निजीस मरे म रे अनिमट छे छे!ड़ा दु । याह

की र्पितंकी मह की अम वोंस्या की रे तं था । रे" शांहरे दु !त्सवों म (मग्न था , औरे हरे जीगेह म Dकी ले की जी" ह! रेह

था । म 1 नि श्चया फिकीया फिकी इस रे तं की! तं रे मफि दुरे म (ह निबतं ऊDगे । मझे तं था फिकी भगेवों वोंस्त्रध रे दुवों इस रे तं की!

मनिणकीर्पिणकी श्मशां की रे खो औरे अनिस्थाया रे अ आस ग्रेहण कीरे(गे , इसनिलेए मझे अकी ले रेह था ।

म 1 स हस

जीटे याह औरे मफि दुरे की अ धरे गेनिलेया रे म (प्रवों श फिकीया , जी! ठ डी भया औरे निसहरे स भरे हुआ था ।

आइए, आ की! उस रे तं की कीह स ऊ !

उस फिदु म 1अकी ले था । एकी तं मरे निप्रया स था ब चौंकी था । भगेवों वोंस्त्रध रे दुवों वोंह D हA थाA,
ले फिकी क्या वोंह मझे
सचौं म (दुरे" ह! सकीतं थाA?

मफि दुरे की भ तंरे एकी दु की जीले रेह था । की वोंले एकी दु की। औरे एकी स्त्र आगे जीले म (व्यस्तं था , वोंह एकी

बड़ा, की ले औरे
शांति श्रां ले रु षों की सह यातं कीरे रेह था , जी! स् r रू स तं त्र स ध म (ले था । उसकी जीट जीट", रुद्र क्षा की
म ले औरे
ले ले वोंस्त्र उसकी स धकी ह! की रिरेचौंया दु रेह था।

उन्ह मझे हA दुखो था , ले फिकी म 1 स फिकी वोंह स्त्र स कीठ!रे स्वोंरे म (कीह रेह था , "ध्या रेखो । मझे

की!ई आवों ज़ी
स ई दु । वों आ वों ले ह।1"
"वों" कीH था? वोंह स्त्र यावों औरे सदु रे था । उस भ ले ले रे शांम वोंस्त्र ह रेखो था , जी! अ धरे म (सरेसरे हट

कीरे रेह था । उसकी ह था म (
लिंसदुरे" स रे गे नित्रशां"ले था , जी! तं त्र स ध म (स्त्र सहधर्पिमण की प्रतं की ह!तं ह।
मझे तं रे तं वोंह D स चौंले जी की निवोंचौं रे आया , ले फिकी वोंह स्त्र एकीम त्र रे स्तं रे हरे दु रेह था , औरे
प्र था 4 कीरे की मरे स रे निवोंचौं रे ध"निमले ह! गया भाग्य मझे! हA था , ले फिकी एकी अजी ब तं वों स निघरे गेया था ।
म ऊH ले की निवोंचौं त्रतं औरे अ ह! की आशां की मरे आत्म की! झेकीझे!रे फिदुया था ।
मझे की छे लो!ग की
आ की आशा की था , इसनिलए म भ तंरे की दु बोले की अ धरेदु! निहस्स म (निछे कीरे खोड़ा रेह ।
अचौं की म 1 की रे म Dस की आवों जी स की छे स क्षण म (दु! स्मि अ धरे स निकीय रे स एकी भ रे ब!झे उठ कीरे आतं
फिदुखो। वों हरिरेश्च द्र घ ट की डी!म (श्मशां सवों की) था, औरे उ की की ध रे एकी मतंM शांरे रे था ।
मतंM शांरे रे रे आस ?

याह मरे निलेए हले ब रे था जीब म 1 दुखो फिकी मतंM शांरे रे की! स ध की निलेए आस की रू म (उ या!गे फिकीया जी रेह ह।

स्त्र उ स की छे छे"। उन्ह सहमनितं म (उरे फिदुया ।
"सब तं या रे ह? ... फिकीस दुखो तं! हA? ... स वोंध रेह । ... अच्छे , अब इस खो!ले! औरे अ दुरे ले चौंले!। औरे ह ,D इस
वों स भ ले जी ह!गे ।"

शांवों की! स> दु की ड़ा स ढंDकी हुआ था , निजीस मफि दुरे की भ तंरे ले जी या गेया । म 1 लेगेभगे एकी घ ट तंकी प्रतं क्षा की , याह
स!चौंकीरे फिकी सभ स ध म (ले ह! जी एगेD औरे म 1सरे निक्षातं रू स ब हरे नि कीले सकी"Dगे ।
मह तं नित्रकी ण"4तंo ग्र था औरे शांवों की छे तं रे बठ था , निजीसकी चौंह रे ऊ रे की ओरे था । स म (एकी अनिग्नकी डी जीले
रेह था , निजीसकी सम वोंह स्त्र ध्या स्था मद्र म (बठ था ।

एकी रेहस्यामया नि स्तंब्धतं

एकी रेहस्यामया नि स्तंब्धतं तं नित्रकी की स म वों दु! बनिले की अनिग्न की दु! ओरे बठ था। वों एकी ह तंले की बतं4 स

रेह था। सब ह कीरे ब दु! बजी (हरे घ ट औरे नितंम ह म (कीहA स तंले की घ ट बजीतं था) मझे की छे हलेचौंले महस"स

हुई औरे ले ट(उठ लेगेA। तं नित्रकी कीरे ह उठ । इस अवोंस्था म (मनिहले अ ह हुए की ड़ा की ट कीड़ा उतं रे फिदुया औरे

ठ की बले ले ट गेई। फि>रे उस आदुम शांवों की चौंह रे रे थाकी" । क्या वोंह निहले ? म 1 अ आDखो स दुखो फिकी शांवों की शांरे रे निहले रेह था ... निहले रेह था । ध रे स, ले फिकी स् r रू स। फि>रे म 1 एकी कीकी4शां आवों ज़ी स । ले फिकी थाकी" की स था, फि>रे स शां नितं छे गेई। तंब म 1 जी! दुखो वोंह निबCकी ले अनिवोंश्वस या था । क्या फिकी म 1खोदु इसकी गेवों ह रेह हूँ,D इसनिलेए अब

म 1नि निश्चतं रू स कीह सकीतं हूँ Dफिकी याह की!ई जी दु " हA था , की!ई मगेMतंMष्ण हA था , फिकीस तंरेह की भ्रम हA था । वों स्तंवों

म (औरे सचौं म (जी! दुश्Mया स म आ रेह था , वोंह वों स्तंवों म (हम रे रिरेनिचौंतं आया म की भ तंरे घरिटतं ह! रेह था । मनिहले

ज़ीम रे स ट ले ट हुई था , ठ की उस उठ हुए मचौं की चौं निजीस रे शांवों ड़ा था , औरे निजीस रे या!गे बठ हुआ था ।

ले शां फि>रे स- निहलेतं हुई फिदुखो ई दु , इस ब रे उस रे बठ आदुम की! ज़ी!रेदु रे झेटकी लेगे । उस ले शां की मह D

जीले स ज्वों ले

म (फि>रे स

एकी आदुम या!गे की! आगे की गेड़े स एकी जीलेतं हुई लेकीड़ा दु । उस लेकीड़ा ले औरे उस जी घ की ब चौं म

थाकी" ;इस ब रे उसकी रे" चौंह रे रे, या मह D की अ दुर? फि>रे, था!ड़ा दुरे की निलेए, सब शां तं ड़ी रेहा

(रेखोकीरे मनिहले की या!नि रे रेखो फिदुया । फिकीस तंरेह वोंह जीलेतं रेह । फि>रे वौं बोंले औरे >"ले स ढंकी हुई

फि>रे म 1 दुखो जी! म 1 अभ भ दुखो रेह हूँ।D ले शां रे अ आस स था!गे मनिहले रू रे चौं वोले औरे >"ले

या!नि अचौं की एकी

निबखोरे । उस अ घड़ा स था!ड़ा

चौंमकीड़ रे ले!Hम (बदले गेई। मझे एकी > >कीरे की आवों जी स ई दु। तं नित्रकी अ घड़ा स आगे म (डी ले

निलेया औरे उस शांवों रे निछेड़ाकी । एकी मत्री अभ भ गेम4 हवों म (की कीरे लेगे । की!ई चौंमगे दुड़ी हA

की रे रेखो । आगे बढ़े की बजी या औरे ऊ रे उछेलेतं रेह ।

निहले ; की!ई चौंह" या वोले हA गेजी रे । की!ई निछे कीले हA ब!ले । याह Dतंकी फिकी अ जी ले म (बध

बहुतं निडरुया D एकी शांरेतंरे ड़ां की हA।

ढ-म श्वरे म (गेगे की फिकी रे , जीह D म 1तं स्या की निलेए एकी मह स

था । मझे एकी बहुतं ह मम अ ष्टों दुखोकी सHभ ग्या निमले ।

अकी ले डरि डीले हुए

म 1एकी एकी तं झे! ड़ा म (रेह रेह था । उस झे! ड़ा की स एकी निवोंकी की एकी औरे अध-4स्था या झे! ड़ा था , जी! की छे समया की निलेए मरे दु!स्तं औरे सह रे ब गेया था । उस शां म वोंह गे Dवों म (अ रिरेवों रे स निमले गेया था । म 1अकी ले था ।

फि>रे भ अकी ले हA। आध रे तं की ब दु मझे की छे अजी ब की की अहस स हुआ। म 1 ढ़ था फिकी शां की4 या सम द्र म (निशांकी रे कीरे वों ले मछेले की ढं रे स प्र त्त ह! वों ले सक्ष्"म की की म ध्याम स अ सभ निवोंतं निशांकी रे की! हचौं ले तं ह। प्रकीMनितं म (जी! एकी स् r शां तं निस्थारेतं प्रतं तं ह!तं ह, वोंह सवों दु शां ले ले!गे की! अचौंकी" सदु शां दुतं ह। शां नितं शां तं हA ह।

म 1अ झे! ड़ा स ब हरे आया ।

कीC की निजीए फिकी मझे फिकीतं आश्चया 4हुआ जीब म 1 दुखो फिकी एकी ले ब ग्र भ"तं बहतं हुए दु म (कीमरे तंकी खोड़ा था औरे दु! ह था म (जीले ले कीरे अ ण4 कीरे रेह था । गेगे जीले गेगे की! अर्पि तं फिकीया जी रेह था । ध रे स ध रे तंकी।

अब तंकी सब सह था , औरे समझे म (आ रेह था । ले फिकी हरे ब रे जीब वोंह   >(कीतं था तं! उस स्था   स आगे की ले ट(
उठतं थाA औरे आस स की वों तं वोंरेण रे!शां ह! जी तं था ।

म 1उसकी   स जी   ह वों ले था । ले फिकी की छे   मझे   रे!की फिदुया । था!ड़ा दुरे ब दु जीब म 1 आगे बढ़ की की!निशांशां की , तं!
म 1 दुखो   फिकी वोंह रू ध रे -ध रे   दु म (प्रवों शां कीरेतं ह, औरे   की   चौं   रे" तंरेह स गे याब ह! जी तं ह। भ"तं गे याब ह!
गेया था । क्या याह गे याब था ? फि>रे म 1की स या दु कीरूD, औरे अ भ वों म (फि>रे स की स जी ऊD? अ भ वों म (की छे भ हमश
निलेए हA जी तं । म 1उस   हA जी तं था । ले फिकी मरे   निवोंकी निमत्र   मझे   आश्वस्तं फिकीया फिकी सतं की! उस इले की म (व
जी   जी तं था । वों आतं -जी तं रेहतं था। ले फिकी की!ई भ उ की नि वों स की   तं   हA लेगे   या , अगेरे उ की की!ई नि वों स
था भ । उन्ह (एकी मह   सतं की रू म (स्वों की रे फिकीया गेया । उन्ह   कीई व्यनिथातं आत्म ओं की सह यातं की ह। ले फिकी की!ई
भ उन्ह (आम -स म   हA दुखो   या ।

चौंमण् डी

इस प्रकी रे म 1 हले ब रे तं नित्रकी फिक्रंया म (जीले की गेड्ढे म (अर्पि तं जीले स ज्वों ले उठतं दुखो

। इस म मले म (गेड्ढे की स्था

उस नित्रकी!ण या स्रो!तं   निलेया था , जी! जी वों की स्रो!तं ह— वों स्तंवों म (जी वों की उद्गीम स्थाले।

स्त्र (निजीस तं नित्रकी भ षों म ('निवोंद्या ' या ' नियाकी ' कीह जी तं ह)   ठ की बले ले ट था , उसकी ह था- रे सट हुए था, औरे
एकी मम कीMतं शांवों जीस   प्रतं तं ह! रेह था ।
म 1 स   स तंरेबतंरे था , ले फिकी मरे   स वोंह मत्र था , निजीस म 1भगेवों वोंस्त्रध रे दुवों   की स था आस   रे दु!हरे या कीरेतं
था । उस समया म 1की वोंले उन्हA की ब रे म (स!चौं रेह था , औरे ण"4 एकी ग्रेतं की स था।

अचौंहकीजिसशांवों सित्रहA, कीनिमGकी मर(स्त्रिवोंत्र4 कीखेशांरे रे रे बठ   था , जी! ज़ीम
 रे ले ट था । शांवों की! दु! व्यनि एकी गेहरे गेड्ढे म (ले गेए, निजीस   हले स ह इस अ छों   की निलेए तं या रे फिकीया गेया था , औ
उस रे बड़ा स वोंध   स ले ले त्थारे की स्लेब लेगे फिदुए।

मझे   तंभ एहस स हुआ फिकी उस गेड्ढे म (चौं रे औरे शांवों हले स ह दु> ए गेए था— चौं रे अलेगे-अलेगे जी वोंरे की । अब वोंह
स्था   एकी तं नित्रकी चौं मण् डी आस ब चौंकी   था , जी! भनिवोंष्या की कीई तं नित्रकी स धकी की निलेए स ध   की   निवोंत्र स्थातं
सकीतं था ।

घ ट ब तं गेए। अ तंतंo उस यागे ले   निमलेकीरे एकी ष् की आस म (स्था   ग्रेहण फिकीया —मखो मखो , एकी-दुस"रे की! कीसकीरे
आलिंलेगे बद्ध फिकीए हुए। याह वोंह मद्र   था , निजीस नितंब्बतं निचौंत्र म (दुखो   जी तं ह।
चौं रे ओरे घ , म स भरे हवों म (एकी अजी ब महकी था । मरे   शांरे रे की हरे अ गे तं वों म (था । एकी खो की स् शां4 भ मझे
धरे शां या कीरे सकीतं था ।
फि>रे वोंह हुआ!

अनिभशां

अचौं की मनिहले खोदु की! तं नित्रकी की मजीबतं" कीड़ा स म फिकीया , औरे उछेलेकीरे अ वोंस्त्र की! कीड़ा लेगे।

की!ई निवों नि आ गेई था , निजीस निवोंत्र मत्र की! तं!ड़ा फिदुया था। की छे। की छे गेलेतं ह! गेया था। फिकीस की ले अ छों की! तं!ड़ा फिदुया था। एकी > >की रेतं हुए श्रे की स था मनिहले अलेगे ह! गेई। वोंह भ रे स Dस ले रेह था। उसकी गे!ले आDखो (अ धरे म (आगे उगेले रेह थाA।

तं नित्रकी एकी चौं खो म रे , औरे ले!ह की नित्रशां"ले की! कीड़ा जी! की > स म (खोड़ा था। उस समया म 1 उ दु! आदुनिमया की जी! वोंह D था। ले फिकी वों कीहA हA फिदुखो। अब हले ब रे, म 1उ स चौंकी" गेया। दुर्फ़ी की ब दु वों चौंले गेए ह गे। रे तं दुखो
खोत्म ह! वों ले था। कीहA एकी घ ट चौं रे बजी की तं ले बजी रेह था।

तं नित्रकी छे हटतं मनिहले की ओरे दुHड़ा। वोंह रेकी की की की! कीड़ा की अनिधकी स>लेतं वों"की4 की!निशांशां कीरे सकीतं अब तंकी रे" तंरेह स उ निजीतं औरे उ निजीतं ह!कीरे, क्रं!निधतं मनिहले भयाकी रे रू स की!स शां रू कीरे फिदुया। "दुr दुr -म भ्रr!! वों स की दु वों! चौं व्यनिभचौं रे ! ले तं ह तं झे रे! ले तं ह तं झे रे! तं रे की क्रं!ध तं झे रे ड़ा ...." वोंह भ गेतं हुए कीहतं रेह।
ले फिकी उस निजीतं भ प्रया स फिकीया , वोंह भ गे हA सकी। भ रे नित्रशां"ले म सले ब याA कीमरे म (की ट निलेया ; ले फिकी तं त्थारे की >शां 4 रे निगेरे गेया , इस कीड़ा बहुतं भ रे था। घ वों औरे बहतं खो " स बखो बरे, वोंह मरे स स भ गे। म 1की! म (एकी निड़ातं मनिहले की!
बोचौंकी कीधकी!निशांशां कीरे गेले तं बिठे एए (की! दुमो 1इस कीयास 4की कीनिले एनिस्थानिसं तंकी फिदुमो D रेतं था? क्या म 1छेले उछेले ड़ा। फि>रे की छे खो ले ह! गेया। म 1बह !शां ह! गेया था। आनिखोरे चौं जी जी! मझे या दु था वोंह था तं नित्रकी की आकीMनितं जी! उसकी रेह था , औरे फि>रे, सब की छे खो ले ह! गेया।
फिदु म (बहुतं दुरे ह! चौंकी था। भगेवों ध रे मनिहले मझे
था। म 1तं रे मफि दुरे की प्र गेण म (ले ट हुई था। जी निहरे ह भगेवों ध रे मनिहले मझे
प्या रे स दुध" नि ले रेह था। म 1 ह चौंकी था। मरे की ड़ा बदुले चौंकी
ह!शां म (ले की निलेए खोदु ह की!ई अ छों
कीरे रेह था। फि>रे हम दु! ब हरे खोले म (चौंले गेए। वोंह एकी शांब्दु भ हA ब!ले। म 1ब!ले म (असमथा 4था। चौं , थाकी हुई औरे रे" तंरेह थाकी हुई, म 1अ गेरु की छे चौंले ड़ा। वोंर्षों' ब दु म 1 उस मनिहले की! वों रे णस की सड़ाकी रे एकी बचौं रे गेले खो!ई हुई मनिहले की रू म (टहलेतं दुखो ह। उसकी नि तं ब रे घ वों कीभ ठ की हA हुआ। लिंसदुरे" म (निमले रे उसकी रे" त्वोंचौं रे > ले गेया ह!गे। त्वोंचौं रे घ वों, निवोंशांर्षों रू स उसकी ठ औरे स्तं रे की!मले म स की निस्थानितं, उस छे" स रे" तंरेह म कीरेतं था। हमशां मनिक्खोया की भ"खो झे डी स रे शां औरे रे शां वोंह दुशां4की की उदु स ध रे ओं की निलेए दुया औरे नितंरेस्की रे ण" 4उ ह स की वोंस्तं ब रेह , जीब तंकी फिकी एकी सब ह दु की फिकी रे उसकी बजी शांरे रे हA निमले।

स झे की रिरे क्वतं

भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले मझे ध रे -ध रे मरे बचौं स ब हरे नि की लेकीरे, स वोंध वों"की4 औरे की शांलेतं स मरे रु र्षोंत्वों की दुहले जी रे हुचौंD फिदुया था। याह वोंह समया था जीब शांरे रे म (बदुले वों औरे म म (उलेझे (बढ़तं ह।1 सभ बढ़तं हुए फिदुम गे की! इस महत्वों ण" 4चौंरैण म (एकी अजी ब अकी ले की अ भ वों ह!तं ह, जी! असनिहष्ण औरे आत्म-की(फिद्रतं स म निजीकी

दु यारे द्वी रे अस्वों कीMनितं की डीरे स दु ह!तं ह। याह रिरे क्कतं की गे!ध"निले अवोंनिध ह, जीब ब तं स ले की लेड़ाफिकीया D

'अ रिरे क्क' समझेकीरे दुरे" ब ले तं ह,1 औरे रु षों रिरेश्तंदु रे 'अनिवोंकीनिसतं' म कीरे उ क्षा कीरेतं ह।1

भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले मरे दुनि या की की(द्र था। उसकी दुखो रे खो म (म 1 रिरेवोंतं4 औरे प्रनितंफिक्रंया ओं की

प्रनितं उदु स था।

म 1अभ भ एकी 'लेड़ाकी ' था , फि>रे भ अब रे" तंरेह स लेड़ाकी हA रेह। म 1अ स की दुनि या म (जी तं औरे कीC ओं म (खो!या रेहतं , ले फिकी भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले मझे ब रे-ब रे याथा था 4की धरे तंले रे ले आतं था।

म 1अ उम्र की लेड़ाकी की तं ले म (शां रे रिरेकी रू स अनिधकी निवोंकीनिसतं औरे मजीबतं" था। जीCदु ह म

1सभ !गे स जीड़ा

निवोंनिभन्न हले ओं स रिरेनिचौंतं ह! लेगे। म 1 दुखो फिकी मरे आस- स की ले!गे फिकीस तंरेह सभ !गे रुनिचौं,
खोले , औरे सब ध म (

उलेझे हुए था। याह निवोंर्षोया मरे चौं रे ओरे फिकीस की ई की तंरेह मडी रे तं , ले फिकी मरे निलेए याह हमशां

दुरे" ब ए रेखोतं था। मरे निलेए सभ !गे कीभ भ 'खोले ' की तं च्छेतं ह निसले हA कीरे सकी। भगेवों वोंस्त्रध रे

मनिहले की म गेदु4शां4 औरे अभ्या स

मरे भ तंरे सभ !गे की प्रनितं गेहरे समझे औरे श्रेद्ध निवोंकीनिसतं की था। मरे निलेए याह एकी निवोंत्र अ छों
जीस था , निजीस म 1

अत्यानिधकी आदुरे की स था दुखो तं था। जीब मरे दु!स्तं इसकी ब रे म (गेप्त उत्सकी तं औरे रे!म चौं की स था ब तं

(कीरेतं था, तंब मरे म उस निवोंत्र नित्रकी!ण की ओरे

दुHझतं था, जीह D म 1अत्यातं श्रेद्ध की स था ध्या मग्न ह!तं था। मरे निलेए निस्त्रया Dऔरे स्त्र -लिंलेगे की वोंले
उस नित्रकी!ण की प्रतं की

थाA, जी! भगेवों वोंस्त्रध रे दुवों स जीड़ा आ दुमया सत्र की या दु फिदुले तं था। याह नित्रकी!ण मरे निलेए एकी
"नि नि तं की ले-की"टस्या हरेस्या-वोंहम"खोले

(आस्याध्राहरे, एकी गेनिशंयों की समद्ध ह, निजी!स्त्रा धडी, आशनिवोंर्षों औरे निवोंकीरेस्थ रेरेसकीD की स था खोले तं ह!1)

आवोंश्याकीतं ह!तं था। म 1इस आस म (घ ट तंकी ले रेहतं , उ की शां तं आलिंलेगे म (खो!या रेहतं। इ अ भ वों
मरे

आजी, जीब म 180 वोंर्षों4की उम्र की कीरे ब हुचौंD रेह हूँ,D तं! मझे एहस स ह!तं ह फिकी याह कीC फिकीतं महत्वों ण" 4था।
शारे रे औरे म की! एकी ई ऊजी 4औरे चौंमकी दु था।
अ शां स , फि>रे अभ्या स, फि>रे ध्या औरे अ तंतo उ लेनिब्ध—याह जी वों की स रे ह।

भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले मझे सभ !गे की! एकी औरे दुनिMrकी!ण स समझे या था। उन्ह इस निस>4 शां रे रिरेकी आकीर्षों4ण की
उन्ह मझे सस् कीMतं की एकी नि निसखो ई था।

रू म (हA, बनिCकी एकी निवोंत्रतं की रू म (प्रस्तं तं फिकीया , जी! जी वों की गेहरे अथा' स जीड़ा था।

हम रे घरे की स म Dकी ले की वों र्पिर्षोंकी प्र था 4 ह!तं था , निजीसम (कीई बच्ची इकीट्ठा ह!तं था। रिरेवों रे की कीरे ब सदुस्या

फिदु तंकी वोंहA रुकीतं था, निजीसस सभ एकी स था समया निबतं तं था।

याह वोंह समया था , जीब उन्ह मझेजी वों की इस रेहस्या स रिरेनिचौंतं कीरे या था।

एकी याH निशांक्षा

हम रे सम"ह म (निवोंनिभन्न आया, शां रे रिरेकी गेठ , रुनिचौंया और इच्छे ओं वों ले ले!गे था। उ म (स एकी लेड़ाकी , जी! अन्या लेड़ा
स बड़ा था , एकी लेड़ाकी की स था घनि छों सब ध म (था । अक्सरे वों दु! स था रेहतं और ऐस प्रतं तं ह!तं जीस वों फिकीस रे!चौं

खोलेम (लेगे ह ।

याह जी " की मह की तं तं दु! हरे था । बच्ची की! तं जी ध" और गेम4 हवों ओं स बचौं की निलेए अ दुरे रेखो गेया था । हम एकी
अ धरे कीमरे म (था, जीह D म!ट रेदु लेगे ए गेए था तं फिकी हम दु! हरे म (आरे म कीरे सकी(और रे तं की समया की ले जी" की
उत्सवों म (ह! वों ले टकी की निलेए तं या रे ह! सकी(।

ले फिकी दु! हरे की उस शां तं निवोंश्रे म अवोंनिध म (भ की छे खोस रे - स रे चौंले रेह था । कीभ की!ई लेड़ाकी ध म आवों ज़ी म (की
> स> स तं , तं! कीभ की!ई लेड़ाकी दुब स्वोंरे म (हसDतं ।

मझे उत्सक्तिं हुई।

म 1 अ भतं जी की! एकी ओरे ले जी कीरे छे" फिकी क्या ह! रेह ह। वोंह हले तं! निझेझेकी , फि>रे वों दु ले रे बतं या फिकी
उन्ह एकी या खोले खो!जी ह— बहुतं मजी दु रे और रे!म चौंकी। उस वोंचौं निलेया फिकी म 1फिकीस स की छे हA कीहूँगेD , तंभ
वोंह मझे खोलेम (शां निमले कीरे गे ।

ले फिकी जीब मझे उस 'खोले ' म (शां निमले फिकीया गेया , तं! मझे उसम (की!ई मज़ी हA आया । वोंह खोले मझे अशां!भ या और
उब ऊ लेगे । इसम (की वोंले एकी-दुस"रे की गेप्त गे की! छे" -टट!ले की खोले था , निजीसम (मझे की छे भ रे!चौंकी हA लेगे ।
मझे समझे हA आया , इसम (ऐस क्या मज़ी दु रे था ?

लेड़ाफिकीया की! याह बड़ा मजी फिकीया लेगे रेह था , और लेड़ाकी अ आ की! बड़ा समझे रेह था, जीस की!ई मह उ लेनिब्ध
ह निसले कीरे ले ह!।
म 1 इस ब रे म (भगेवों वोंस्त्रध रे दुवों स ब तं की । उन्ह मझे शांरे रे की निवोंनिभन्न अ गे की की या' और उ की उद्दी श्या की ब
निवोंस्तं रे स समझे या । उस शां म की वोंह सवों दु मरे निलेए अत्यातं निशांक्षा प्रदु था ।

शांरे रे एकी रे ज्या ह

जी(Cदु ह जी 1फिइसस्रोंरे सक्ते(निरेकीलेहशांत्रथकी, जी! म (समझे निलेया । याह यात्र हमशां
शांरे रे की भ तंरे और ब हरे रेहतं हुए भ इस नि यानि त्रतं कीरेतं था । वोंह रे जी म था —जी! कीभ फिदुखो ई हA दुतं , फि>रे भ
हरे चौं ज़ी रे शां स कीरेतं ह। याह म ह हम रे सभ की या' की! नि दुनिÔशांतं कीरेतं ह और सखो -दुखो , रे स्की रे और दुडी की
नि ट कीतं 4 ह।

सभ रे जी ओं की तंरेह, इस रे जी की स भ मनि त्रया की एकी सम"ह ह। इ म (स की छे मनि त्रया की तंरेह ह गेभ रेतं और
निज़ीम्म दु रे स की म कीरेतं ह,1 जीबफिकी की छे हCकी -> Cकी और खोशां निमजी जी ह!तं ह।1 मह भ रेतं की त्र की तंरेह, की छे

औरे कीण 4की तंरेह बरे सले ह दुकी रे रे जी की! भटकी तं ह,1 जीबफिकी की छे कीMष्ण औरे निवोंदुरे की तंरेह हमशां सह म गेदु4शां4
कीरेतं ह।1

शांरे रे रे ज्या ह, औरे म उसकी रे जी। याह रे जी इ फिद्रया की म ध्याम स शांरे रे की ब हरे की दुनि या की!

अ भ वों कीरेतं ह। या
इ फिद्रया —Dआ खो, की , की, जी भ औरे त्वोंचौं —अलेगे-अलेगे की या 4कीरेतं ह,1 जीस दुखो , स , सघ" ,
स्वी दु ले औरे
स् शां4 कीरे । या रे जी की की याकी4 रे एजी(ट ह,1 जी! उसकी आदुशां की! रे" कीरेतं ह।1 इ की अले वों , भ र्षोंण

की स ध (ह ठ,
तं ले" औरे दु तं), ह था, रे , जी भ औरे उत्सजी4 अ गे रे जी की सवों म (की म कीरेतं ह।1
भगेवों वोंस्त्रध रे मनिहले मझे बतं या , "सभ !गे अ गे निस>4 जी की निलेए आवोंश्याकी हA ह। मरे स भ

सभ !गे अ गे ह,
ले फिकी अब वोंह की म हA कीरेतं क्या फिकी म 1बढ़" ह! गेई हूँ।D तं म्ह रे स भ ह, ले फिकी वोंह अभ सफिक्रंया
ह क्या फिकी तं म या वो
औरे अ रिरे क्र ह!। फि>रे भ , हम दु! ह जी निवोंतं ह।1 इसस याह स् r ह!तं ह फिकी व्यनि गेतं अनिस्तंत्वों की निलेए

सभ !गे
अनि वों या4 हA ह, भले ह याह जी वों की रेचौं त्मकी शांनि की! सबस अनिधकी प्रभ निवोंतं कीरेतं ह। "
उस समझे या फिकी जी वों की नि रे तंरेतं की निलेए सभ !गे आवोंश्याकी ह! सकीतं ह, ले फिकी व्यनि गेतं अनिस्तंत्वों

की निलेए हA।
उस उद् हरेण दुकी रे बतं या फिकी सकी रे जी वों जीस खोच्चीरे औरे कीई की ट निब सभ !गे की भ जी निवोंतं रेहतं ह।
1 म च्वो म (भ
सतं , स ध औरे निभक्षानि णया Dप्रजी स दुरे" रेहकीरे उच्ची आध्या नित्मकी जी वों जी तं ह,1 औरे स स्कीMनितंकी

उ लेनिब्धया स म वोंतं
की! समMद्ध कीरेतं ह।1
याH अ गे की की या 4की वोंले जी वों की निवोंस्तं रे की निलेए ह, फिकी जी निवोंतं रेह की निलेए। उस अ गे की!

दु! सम"ह म (निवोंभ निजीतं
फिकीया : की रे त्मकी (जी! इच्छे ओं की! उ निजीतं कीरेतं ह)1 औरे सकी रे त्मकी (जी! सखो औरे सतं !र्षों प्रदु कीरेतं
ह)1। की रे त्मकी
अ गे हम (सतं ले स दुरे" ले जी तं ह,1 जीबफिकी सकी रे त्मकी अ गे जी वों म (सतं ले औरे आ दु ले तं ह।1
जीब म 1 अ तंरे की ब रे म (ब्रो"उस कीह , "ज्ञा प्र प्त कीरे म (जीCदुब जी कीरे!। निशाक्षाकी जीब समझे ए, तंब ध या 4वों"की4
प्रकीMनितं चौं हतं ह फिकी हम प्र कीMनितंकी ब रेह,(" उस कीह । "हम रे इच्छे ए Dहम (असतं निलेतं कीरेतं ह।1
उस समझे या फिकी जी वों की वोंले जी की निलेए हA ह; इस उद्दी श्या ण"4 ढं गे स जी चौं निहए। "जी वों निवोंश्व मशां की
इ फिद्रया Dहम (उ चौं जी
निहस्स ह औरे इसकी एकी उद्दी श्या ह। याह उद्दी श्या ईश्वरे स जीड़ा ह, जी! ब्राह्म डी या व्यवोंस्था की प्रनितंनि निधत्वों कीरेतं ह।
की औरे अकीर्षिर्षोंतं कीरेतं ह,1 जी! तं त्रिकी ओं की! उ निजीतं कीरेतं ह 1औरे अनिधकी इच्छे उत न कीरेतं ह।1
स्वी दु अनिधकीम्बोकीकीउस रे कीरे म (लेगे चौं निहए। इस खो!जी म (हले तं स्या (अ शी स) की आवोंश्याकीतं ह, जी! ब!ध
कीलेओरे दु कीरेतं ह, औरे स्शां4 आलि(ब निलेक्ष्)चौं हतं की! जीवोंश्व दुलेCहा ष्ट्र की उत्स् असतं !4!,दु0वों, ब्रह्म रे औरे

अवोंस दु
स!चौं की! निबगे ड़ातं ह 1औरे जी वों की! बब 4दु कीरे दुतं ह।1 जी वों म (सतं ले ब ए रेखो की निलेए इच्छे ओं रे
नि यात्र ण
आवोंश्याकी ह। "

फि>रे उस स् r फिकीया , "मत्र" अ गे शांरे रे स निवोंर्षोंले दु था' की! ब हरे नि की लेतं ह,1 जीस घरे म (निलेया

Dगेद गे की! ब हरे ले

“जीस जी वों की! इसकी उद्दी श्या की   तं लेगे   ह, वोंस   ह शांरे रे की! म कीकिनिग्रहुण4ोंÔरेकी उद्दी श्या की! रे" कीरे   ह।
शांरे रे की वोंले यात्र ह; इस की स उ या!गे म (ले या जी ए, याह म   रे नि भ4रे कीरेतं ह। ”

उस मझे   जी वों औरे शांरे रे की इस गेह्रे रेह्स्या स   रिरेनिचौंतं कीरे या औरे समझे या फिकी म ष्या की! अ   अनिस्तंत्वों की उद्दी श्
की खो!जी कीरे   चौं निहए। उसकी निसखो ई या ब तं (आजी भ मरे   जी वों की म गेदु4शां4 कीरेतं ह।1

तं   शांनि या की स घर्षों4

इस प्र स्त कीरे   की इच्छे एकी गेस्र शांनि की! म   कीरेतं ह। याह् आध्या नित्मकी शांनि या सत्वों-शांनि ह। ले फिकी ह्रे शांनि
अ   बरे बरे औरे निवों रे तं शांनि स टकीरे तं ह। इस तंरेह, याह् शांनि भ   की रे त्मकीतं की सस् तं जीड़ातं द्वी रे   छे खोAचौं
ले जी तं ह, जी! तं मस-शांनि की नि म 4ण कीरेतं ह।

“या दु!   शांनि या D—सत्वों औरे तंमस—ह्मशां   एकी-दुस"रे स निभड़ातं रेह्तं ह।1 निजीतं   अनिधकी वों एकी-दुस"रे की! खोAचौंतं
 कीरेतं ह। याह् शांनि रे जीस-शांनि ह, जी!

उ की ब चौं उत् न्न घर्षों4ण स्वोंचौं निलेतं रू स एकी तं सरे शांनि की! म
फिक्रंया शां लेतं औरे गेनितंशां लेतं की प्रनितंनि निधत्वों कीरेतं ह।

“सत्वों रे जी (म) की सबस सह याकी सवों की की रू म (की या 4कीरे   की प्रया स कीरेतं ह, क्या फिकी याह शां द्धतं औरे ज्ञा   की
ले जी तं ह। ले फिकी तं मस, निजीस नि निष्क्रंयातं औरे अज्ञा तं म (आ दु आतं ह, इसम (की!ई फिदुलेचौंस्   हA रेखोतं । उसकी
उद्दी श्या रे जी की सले ह स सत्वों की! दुरे" रेखो   ह। याह् एकी निवोंकीर्षों4ण की शांनि ह, जी! म की! सतं ले स ब ह्रे कीरे   की
प्रया स कीरेतं ह।
“इस प्रकी रे म इ तं   शांनि या —सत्वों, रे जीस औरे तंमस—की ब चौं चौंले रेह तं वों की! झे लेतं ह। म अ गे की! की या 4
कीरे   की निलेए एकी शांनि शां ले एजी(ट ह, ले फिकी अ गे की! निस्थारे रेखो की निलेए म की! भ निस्थारे रेह   चौं निहए। म की!
अ   म गे 4जी   चौं निहए औरे उस रे अनिडीगे रेह   चौं निहए। ले फिकी जीब म निवोंचौंनिलेतं ह!तं ह, तं! तंम!गे ण ह वों ह!
जी तं ह, औरे निवों शां शां रू ह! जी तं ह।
“म की! निवोंचौंनिलेतं कीरे   वों ले मख् या प्रले!भ   म (स एकी ह रेचौं त्मकी आवोंगे । याह् वोंह् आवोंगे ह जी! जी वों की नि रे तंरेतं
की! ब ए रेखोतं ह। वों स्तंवों म,(याह् आवोंगे उस शांनि स सब निधतं ह जी! सजीM औरे जी वों की प्रवों ह की! ब ए रेखोतं ह।
“वोंदु कीह्तं ह,1 ‘जी वों की डी!रे की! कीभ   हA तं!ड़ा   चौं निहए।’ इसनिलेए, इस रेचौं त्मकी शांनि की! सह फिदुशां म (नि दुनिÔशां
कीरे   आवोंश्याकी ह। इस स नित्वोंकी फिदुशां म (ले जी   रे याह् सजीM औरे निवोंकी स की की रेण ब तं ह। ले फिकी याह शांनि ,
सनिMr-शांनि या याH -शांनि कीह्ले तं ह, प्रले!भ औरे दुरु या!गे की जी ले म (भ आस   स >Dस सकीतं ह।

“रे जीस-शांनि इस औरे अनिधकी उ निजीतं कीरेतं ह, जीबफिकी तं मस-शांनि इस निवोंकीMतं कीरेतं ह। की वोंले सत्वों-शांनि ह इस
 निवोंत्र औरे रेचौं त्मकी ब ए रेखो सकीतं ह। इसनिलेए, म ष्या की! अ   म औरे इच्छे ओं की! नि यानि त्रतं कीरे   चौं निहए,
तं फिकी सत्वों ह वों रेह औरे जी वों की ध रे शां द्ध, निवोंत्र औरे सजीM त्मकी रू म (प्रवों निह्तं ह!।”

स भ!गे: आहले फिदु शांनि

“सभ !गे, म की तंरेह, अ आ म (एकी अ गे हA ह, फि>रे भ म की तंरेह याह हम रे व्यनि त्वों रे गेहरे प्रभ वों डी लेतं ह। याह स् निr-शांनि (रेचौं त्मकी शांनि), या Cह फिदु शांनि (आ दु शांनि) ह। सजीM म (आ दु ह। वोंदु कीहतं ह,1 ‘सजीM आ दु
स उत् न्न हुआ ह। ’

“सभ !गे एकी शांनि की रू म (शांरे रे की मशां की! उ निजीतं कीरेतं ह। याह वोंह शांनि ह जी! हम जी! की छे भ

दुखो तं ह,1 स तं
ह,1 सहस"म कीरेतं ह,1 छे"तं ह,1 खो तं ह,1 तं ह 1औरे अ भ वों कीरेतं ह,1 उस अथा 4दुतं ह। सभ !गे हम (रे! म निचौंतं कीरेतं ह, हम (
प्ररि रेतं कीरेतं ह औरे प्ररे ण दुकी रे सजीM कीरेतं ह। याह जी वों , कीले , कीनिवोंतं , Mत्या औरे स निहत्या की

सजीM कीरेतं ह। इस
सजीM म (आ दु औरे रेम दु की जीन्म ह!तं ह, जी! जी वों की! जी वोंतं औरे प्ररि रेतं कीरेतं ह।
“जीब याह शांनि नि यात्र ण म (रेहतं ह, तं! याह जी वों की! सदु रेतं , निमठ स औरे प्रशां स स भरे दुतं ह। याह

उनिचौंतं अनिभव्यनि
की स थाआ दु की क्षा त्र की निवोंस्तं रे कीरेतं ह। याह शांनि हम रे शांरे रे की! भगेवों की आ दु की निलेए एकी गेह बनिलेदु की
रू म (प्रस्तं तं कीरेतं ह औरे हम रे आत्म की! रेम की प्रनितं अर्पि तं कीरेतं ह, जीस अगेरेब या म!मब जीले कीरे

रेम
की! श्रेद्ध जीनिले दु जी तं ह।
“ले फिकी जीब याह शांनि अनि यानि त्रतं ह! जी तं ह, तं! याह स्वोंया की स था-स था आस स की दुनि या की निलेए

भ अ म औरे
निवों शां ले बं ह। इसम (गेण कीरे की स्वों भ निवोंकी प्रवोंMनि ह!तं ह। अगेरे याह आ दु म (वोंनिMद्ध हA कीरेतं , तं! याह दुo खो औरे
शां!की की! बढ़ दुतं ह। याह म की! भ्रनिमतं कीरेतं ह औरे स!चौं की! ले भ तं ह, निजीसस म ष्या जी! आ दु औरे

खोशां की स्रो!तं
समझेतं ह, वोंह अ ततंo नि रे शां औरे हतं शां की की रेण ब तं ह।1
“ थ्Mवों की गेभ4 म (निछे ऊजी 4स्रो!तं —जीस गेस , तं ले, की!याले , भ"की , तं"> , ज्वों रे, ध रे ए , भ औरे

निबजीले की तंरेह—
याह शांनि भ अ दुखो या दुब ई हA जी सकीतं । फिकीस भ शांनि की! सम प्त हA फिकीया जी सकीतं , चौं ह वोंह हवीं ह!,
ह! या सया" 4की गेमÂ। इन्ह (नि यानि त्रतं औरे शां द्ध रेखो जी सकीतं ह, या दुरु या!गे औरे प्रदुर्षो"ण स

दुनि"र्षोतं फिकीया जी सकीतं
ह।
“सभ !गे जी वों की म ह। हम इस ‘म ’ या ‘शांनि ’ कीहतं ह।1 इस हम सम्म औरे जी" की या!ग्या म तं ह,1

क्या फिकी याह
जी वों की रेचौं त्मकीतं औरे नि रे तंरेतं की स्रो!तं ह। ले फिकी जीब इसकी दुरु या!गे ह!तं ह, तं! प्रम वों स म (बदुले जी तं
ह, शांनि अत्या चौं रे म (बदुले जी तं ह, औरे आ दु उन्म दु औरे अरे जीकीतं की रू ले ले तं ह। तंत्र की दुनि या

“इस दुरु या!गे की की रेण की म-शांनि म तं-Mशांनि की निवोंकीMतं रू ब जी तं ह, जी! सम जी म (अरे जीकीतं ,

“याह की रेण ह फिकी हम म तंशांMनि स प्र था 4 कीरेतं ह,1 तं फिकी वोंह हम (इस शांनि की! समझेदु रे औरे अ शां स की स था सभ ले   की आशां वों दु4 दु। अनि यानि त्रतं वों स   औरे ले लेचौं अ तंतo दुखो , असतं !र्षों औरे आत्मनिवों शां की ओरे ले जी तं ह।1

“याह हम रे ‘Cह फिदु ’ शांनि ह— वोंह शांनि जी! चौंतं   , निवोंवोंकी , आ दु औरे सजीM शां लेतं की! प्ररि रेतं कीरेतं

ह। सजीM , आ दु

की अनिभव्यनि ह, जीबफिकी निवों शां दुनिमतं आ दु की   रिरेण म ह। एकी ईश्वरे या आ दु ह, जी! सजीM शां ले औरे प्रगनितशां ले ह;

दुस"रे आसरे   उCले स ह, जी! निवों शांकी रे औरे प्रनितंगे म ह। ”

ड़ा

“आ दु की प्रफिक्रंया बहुतं सक्ष्"म ह। इसकी की छे भ गे ज्ञा तं ह, औरे अनिधकी शां भ गे अज्ञा तं ह। जीह D तंकी प्रफिक्रंया की ज्ञा तं भ गे

की प्रश्न ह, हम जी तं ह 1फिकी रे" शां शांरे रे म (सदु शां प्र प्त कीरे   औरे भ जी की ट ले ग्रे फि>की औरे वों यारेले स प्रण ले की

तंरेह, तं नित्रकी ओं की एकी प्रण ले > ले हुई ह। हम उन्ह (निड़ाया Dकीहतं ह।1 हम इस प्रण ले की ज्ञा तं भ गे की! या!गे   मकी

अ शां स औरे व्य या म द्वी रे नि यानि त्रतं कीरेतं ह;1 औरे जीब हम या!गे प्रण ले   म (स>लेतं प्र प्त कीरेतं ह,1 औरे आ दु औरे चौंतं   की स्त्रो!तं की ज्ञा   प्र प्त कीरेतं ह,1 तं! इस ज्ञा तं भ गे स हम इस प्रण ले की अज्ञा तं भ गे की रेहस्या म (प्रवों शां प्र प्त कीरेतं
ह।1

“फि>रे, इसकी निलेए हम (म तं-Mशांनि की आशां वों दु4 की आवोंश्याकीतं ह। क्या ? क्या फिकी, जीस   फिकी हले

ह समझे या जी चौंकी   ह,

म तं-Mशांनि हम रे स रे चौंतं   की स्त्रो!तं ह; याह शांनि निचौंतं-iशांनि ह। औरे याह शांनि जी वों की जीन्म की महत्वों ण" 4घट म (

सबस अनिधकी सफिक्रंया ह।

“आम ध रेण की निवों रे तं, शांरे रे औरे तं नित्रकी ओं की याह सगे ठ जी वों की उच्चीतंरे स्तंरे की! उत् न्न कीरे   की

निलेए निजीम्म दु रे

ह। इस प्रकी रे की!ई स्वोंस्था, सचौं तं औरे जी वोंतं बच्ची की या!जी   ब   सकीतं ह जी! दुस"रे की तं ले   म (अनिधकी सचौं तं औरे

अनिधकी शांनि शां ले स निबतं ह! सकीतं ह।1 प्रजी नितंया म (स सवों4श्रेष्ठों सचौं तं प्रया स की उत् दु ह। याह प्रजी

की शांनि की

निवोंनि यानिमतं औरे अ शां निसतं उ या!गे की या!गेदु   ह। औरे इसकी निलेए हम प्र था 4 कीरेतं ह।1

“प्र था 4 स स रिरेकी-आत्म की! सक्ष्"म ब्राह्म डी या-आत्म की प्रनितं समर्पि तं कीरे   की एकी अभ्या स ब जी तं ह;

याह निब   आDखो

की दुखो तं ह, निब   की   की स तं ह, निब   त्वोंचौं की महस"स कीरेतं ह, आफिदु, औरे अ तंरे कीरेतं ह औरे निवोंर्श्लेषो ण कीरेतं ह।

ऐस कीरे   स याह व्यनि त्वों की नि म 4ण कीरेतं ह, दुढ़M सकी C की! मजीबतं" कीरेतं ह औरे आत्मनि भरे4तं की!

सदु ढ़M कीरेतं ह। ”

शांनि प्रण ले : ड़ा तंत्र

“आम आदुम हमशां   प्रभ वों ढं गे स प्र था 4   हA कीरे सकीतं , फि>रे भ उस इस शांनि की सबस अनिधकी आवोंश्याकीतं ह!तं ह।

“इस तंरेह की छे म ष्या एकी ‘शांनि ’ स्रो!तं की नि म 4ण कीरेतं ह।1 एकी ब रे शांनि प्र प्त ह! जी की ब दु, याह आम आदुम की
जीरूरेतं की! रे" कीरे की निलेए जी तं ह। सवों कीरे की निलेए इस शांनि की! इकीट्ठा कीरे वों ले रु र्षों या मनिहले की! या!गे
कीह जी तं ह। वों अ भ तंरे, एकी शांनि भ डी रे की तंरेह, म वों जी नितं की मदुदु कीरे की शांनि की! सरे निक्षातं कीरेतं ह,1
तं फिकी म ष्या उस तंरेह स की या 4कीरे सकी जीस उसस अ नि क्षातं ह। इसनिलेए या!गे प्रण ले औरे या!गे।

“शांनि की याह सचौं या औरे उसकी निवोंतंरेण या!निगेकी अ शां स रे नि भ4रे कीरेतं ह, निजीसकी दुस"रे शांब्दु म

(अथा 4ह तं नित्रकी
तं त्र, या निड़ाया की स ध नि यात्र ण।
“ ड़ा -तं त्र की! आम तंHरे रे तं मख् या भ गे म (निवोंभ निजीतं फिकीया जी तं ह:
(की) निड़ाया जी! ब ह्रे सदु शां की! अ दुरे ले जी तं ह;1
(खो) निड़ाया जी! आ तंरिरेकी सदु शां की! निवोंतंरिरेतं कीरेतं ह,1 निवोंनिभन्न अ गे की! उ की सब निधतं

फिक्रंया ओं की निलेए प्रनितंफिक्रंया ए
दुतं ह;1 औरे
(गे) एकी तं सरे सम"ह जी! ‘स!ए’ रेहकीरे की या 4कीरेतं ह, अथा तं4 ‘की या 4 कीरेकी ’। याह की या 4 हA कीरेतं ह,

औरे ह! सकीतं ह
फिकी भ कीरे : ले फिकी याह दुस"रे की! की या 4कीरे की निलेए प्ररि रेतं कीरेतं ह। तं निड़ाया (तं नित्रकी ओं की सम"ह) म (स एकी सत
ह सर्षों म्र , जी! जी गेतंM ह! रे सभ की! जीगे तं ह, अथा तं4 आध्या नित्मकी अथा 4म (जी गेतंM कीरेतं ह। अन्या दु!

इडी औरे लिं गेले
ह!1 ले फिकी एकी ब रे जीब सर्षों म्र ('स!ई हुई') जी गेतंM ह! जी तं ह, तं! अज्ञा तं स्वोंया की! प्रकीट कीरे दुतं ह। कीमले चौंतं औरे
प्रकी शां की ण"4 निखोले की तंहतं ए आया म की स था एकी ई दुनि या जी जी तं ह। "याह फिकीस तंरेह की

दुनि या ह! सकीतं ह, जीह D म ष्या, ह ले फिकी बहुतं कीम, हुचौंDतं ह?1 मह फिदुम गे, ध व्यनि ,
शांनि शां ले व्यनि इस शांनि की! प्र प्त कीरे औरे इस ए क्षा त्र म (प्रवों शां कीरे की निलेए आरे म, सरे क्षा याह Dतकी फिकी लिसह स
की त्या गे कीरे की निलेए जी जी तं ह।1 याह रु र्षों की निलेए क्या रेखोतं ह?

"याह रु र्षों की निलेए वोंह सब की छे रेखोतं ह, निजीसकी तंले शां म ष्या हमशां स कीरेतं रेह ह, म वों खो!जी

औरे उ लेनिब्ध की
इनितंह स म:(आ दु, शां नितं, शां नितं, अभ वों स मनि , म की चौं ले की रे मह रेतं।
"याह चौंHथा आया म की दुनि या ह, जीह D स म ए Dब ध हA डी लेतंA, प्रनितंब ध ब ध हA डी लेतं , भया मदु

हA ड़ातं , आशां ए D
नि रे शां हA ह!तंA। याह वोंह दुनि या ह जीह D सभ आशां ओं की वों स्तंनिवोंकीतं एD अ ण"4तं तं ह;1 जीह D सदु ह सत्या म (
नि घले जी तं ह,1 जीस ध" म (की!हरे नि घले जी तं ह। “म वों प्रण ले की नि म 4तं की कीM स याह

आश्चया 4जीकी तंथ्या ह फिकी चौंतं की सरे चौं उ तं नित्रकी ओं की सबस नि कीट तंत्र की दुनि या
निस्थातं ह, जी! प्रजी अ गे की रू म (की या 4कीरेतं ह।1 सजीM कीरे , जी वों म (जी वों ब , जी वों की निलेए ब जी तं या रे कीरे
औरे उन्ह (इस उद्दी श्या की निलेए ब ए गेए क्षा त्र म (डी ले की इच्छे की छे तं नित्रकी लिंबदुओं या ग्रेनि थाया रे

प्रकीMनितं जी वों की! ब ए रेखो की इरे दु रेखोतं ह। रेचौं त्मकी प्रफिक्रंया की निलेए शांरे रे निमले, की रेखो , स ध ह। शांरे रे

इस की या4की! कीरे की निलेए आश्चयाजी4 की रू स सस निज्जतं औरे सस निज्जतं ह।

“हम सभ जी तं ह 1फिकी सभ की रेखो औरे निमले की! चौंले की निलेए की छे निबजीले की आ र्पि"तं रे नि भ4रे

रेह ड़ातं ह।

निबजीले की सकी स्रो!तं ह! चौं निहए जी! आवोंश्याकी ऊजी 4की आ र्पि"तं कीरेतं ह!। इस ऊजी 4की अले वों की छे औरे भ ह निजीस

रे मशां की सह ढं गे स की म कीरे नि भ4रे कीरेतं ह। याह व्यनि गेतं की रेकी ह; म की की रेकी। एकी म स्टरे-

म इ डी एकी

म स्टरे-म्ह्रे ब तं ह, औरे ऊजी 4या शांनि की सनि निश्चतं आ र्पि"तं की आध रे रे इस गेनितं दुतं ह। म ष्या एकी मशां की!

म स्टरे-म इ डी कीरेतं ह, उस शांनि स जी!ड़ातं ह, औरे फि>रे उत् दु कीरेतं ह।

“शांरे रे की मशां म (भ इस की या 4की निलेए आवोंश्याकी शांनि की आ र्पि"तं, निजीस हम हले स ह

Cह फिदु -शांनि (सक् स वोंरे)

की रू म (जी तं ह,1 द्वी रे की जी तं ह। याह हम रे सभ रेचौं त्मकी इच्छे ओं की आध रे ह।

“सभ शांनि फिकीस फिकीस तंरेह की ईंध स आतं ह। ईंध म (निछे हुई शांनि ह!तं ह। शांरे रे की ईंध भ!जी ह।

भ!जी

वों स नितं जीगेतं स या स ध शां जीगेतं स प्र स्र फिकीया जी सकीतं ह। वों स् नितं जीगेतं की स्था नियात्वों भ ब जी रे नि भ4रे कीरेतं

ह। अकी ले ब जी, निब सह यातं की , जी वों म (हA आ सकीतं , ह ले Dफिकी वों जी वों की सभ वों की! सग्रे ह तं

कीरेतं ह।1 ब जी की!

जी वों म (निवोंकीनिसतं ह! की निलेए अन्या सह यातं की आवोंश्याकीतं ह!तं ह, जीस फिकी अ की "ले निमट्टा , सह मHसम, तथा प्रकीMनितं

स समया रे मHसम सह यातं ।”

ब जी : गे यात्र

“अब हम एकी ण"4 चौक्रं रे" कीरे चौकी ह।1 प्रकीMनितं म (ईंध स ले कीरे निमट्टा , मHसम, ब जी तंकी; सब की छे अ तंतंo सHरे ऊजी ,4 सया"4 रे नि भ4रे कीरेतं ह। याह की रेण ह फिकी हम लिंहदु "गे यात्र मत्र (जी! सया" 4म (शांनि की आह्वों ह) की! आध्या नित्मकी एकी ग्रेतं म (हम रे सबस बड़ा निवोंरे सतं म तं ह।1 याह सया" 4शांनि अ तंरिरेक्षा स मHसम औरे ब रिरेशां की रू म (आतं ह, औरे थ्Mवों स निमट्टा , निमट्टा की गेमÂ, खोनि जी औरे की रू म (आतं ह। सब की छे अ तंतंo सया" 4शांनि ह। सब की छे सकीरे ह, म Dकी गेमÂ।

“इस प्रकी रे, थ्Mवों , , गेमÂ, हवों औरे वों याम डी ले या या ब्राह्म डी या रिरेनिस्थानितंया Dसह प्रकी रे की

>लेदु या अ की रेण की

निलेए अत्यातं आवोंश्याकी ह।1 याह तं लेगे औरे दुखो आस ह फिकी इ म (स की!ई भ म वों शांनि द्वी रे हA ब या जी

सकीतं ह; औरे नि निश्चतं रू स ब जी की भ तंरे की शांनि हA। की!ई भ ब जी कीMनित्रम रू स म वों शांनि द्वी रे

हA ब या

जी सकीतं ह। याह की वोंले अदुश्Mया औरे अज्ञा तं स एकी उ ह रे ह।

क्रंत्र की हनि या

“ब जी फिदुया जी तं ह, म ष्या इस की स, कीब औरे जीह D चौं ह ब! सकीतं ह। ले फिकी बस इतं ह । थ्Mवों ,

जीले, ऊष्म , वों या

औरे वों युस डी ले की तंरेह जी वों भ म ष्या की स निमतं शांनि स रे ह। म ष्या तंत्वों की नि म 4ण हA कीरे

ह। प्रनिसद्ध अ गेकी!रि वों ट की रे" शांहरे औरे त्थारे की इम रेतं (निवोंशां ले ड़ा की जीड़ा की कीड़ा औरे जी स की चौंले जी रेह
ह।1 इ ड़ा की ब जी कीभ -कीभ मकीड़ा की अ डी स भ छे!ट ह!तं ह।1

“ले फिकी इस ब जी की! डी ले ह!गे । इस शांरे रे स निमट्टा म (डी ले ह!गे । शांरे रे ह जी वों की ब जी ध रेण कीरे वों ले ड़ा
ह। वोंह D ब जी कीतं ह औरे ब! ले याकी ह! जी तं ह। ब जी की जी की ब दु, शांरे रे या ड़ा की! अ तंतंo एहस स ह!तं ह फिकी
ब जी ब! की समया आ गेया ह। प्र कीMनितंकी शांनि स प्ररि रेतं ह!कीरे, मले" शांरे रे ब! म (आ दु ले तं ह औरे रे हतं महस"स
कीरेतं ह। याह म ! एकी कीतं4व्य रे" ह! गेया ह!। याह जी वों की >ले ह।
“ले फिकी ब! औरे >ले की निलेए उ या निमट्टा की उनिचौंतं चौंया कीरे ह!गे । निब तं या रे औरे अ या निमट्टा म (ब!या
गेया ब जी सबस अच्छे रिरेण म हA दुगे , या इसस भ बदुतंरे, की!ई रिरेण म हA दुगे ।

नित्रकी!ण की वोंदु औरे तं नित्रकी स ध

“शांरे रे की भ अ मHसम ह!तं ह। मHसम की अ स रे निमट्टा तं या रे ह!तं ह। याह निमट्टा उस शांरे रे द्वी रे प्रदु की जी तं
ह निजीस हम स्त्र शांरे रे कीहतं ह।1 जीब याह उ जी ऊ शांरे रे अ की रिरेतं ह! की निलेए तं या रे ह!तं ह, तं! याह रे की प्रवों ह की!
छे!ड़ा कीरे सनि"चौंतं कीरेतं ह फिकी ब हरे दुनि या की ब चौं एकी दु की तंरेह बहतं ह, जीह D रे की! एकी स्वों गेतं या!ग्या सकी त
रू म (दुखो जी तं ह, औरे शांरे रे की भ तंरे की दुनि या , निजीस भ्र"ण कीह जी तं ह।

“जी वों म (रुनिचौं रेखो वों ले औरे जी वों की रे! णकीतं 4की निलेए इस निमट्टा , इस प्रवों ह, इस अनितंरिरे गेमÂ की निलेए आभ रे
ह! स्वों भ निवोंकी ह जी! शांरे रे की! ब जी की उ ह रे प्र स कीरे की निलेए ऊजी 4प्रदु कीरेतं ह। याह की > समझे म (आतं ह
औरे अ नि क्षातं ह फिकी निवोंचौं रेशां ले ले!गे, निजी की निवोंचौं रे हमशां फिकीस घट की आत्म की! दुखो तं ह,1 उन्ह (प्रकीMनितं स
उ ह रे की जी" कीरे चौं निहए, एकी बजी रे भ"निम, एकी बजी रे भ"निम, एकी बहतं दु या सरे"जी औरे ब रिरेशां की उ ह रे की
निब भ"निम की निलेए कीH आभ रे ह!गे ?

“म वों शांरे रे म (याह क्षा त्र, याह स्रो!तं निजीसस जी वों एकी या जी वों उत् न्न कीरेतं ह, वोंह स्त्र जी गे ह जी! मत्र" ले की
बहुतं कीरे ब निस्थातं ह, औरे याH ग्रेनि थाया Dजी! रे ढ़ की हÄ की स्तं भ की म ध्याम स औरे उसकी चौं रे ओरे चौंले वों ले
तं नित्रकी ओं की मख् या तं बडी1 की जीड़ा म (निस्थातं ह।1 हम हले ह याह सब बतं चौंकी ह।1 ह ?

“हम तं त्र या!गे की अभ्या स की म ध्याम स शांनि की इस रे" क्षा त्र रे नि यात्र ण कीरे की प्रया स कीरेतं ह,1 जी! याह Dजी वों की
आध्या नित्मकी दुनिMrकी!ण की! स्वों की रे कीरेतं ह, औरे इस शांरे रे म (जी वों की सक्षाम उ या!गे की म ध्याम स रे । इस प्रकी रे तं त्र
या!गे की! जी वों की भHनितंकी दुनिMrकी!ण स जीड़ा हुआ म जी तं ह, बशां की, इसकी आध्या नित्मकी सभ वों ओं की! अ दुखो
निब । याह की रेण ह फिकी हम इस क्षा त्र, इस नित्रभ जी की जी" कीरेतं ह;1 औरे इस क्षा त्र की स था नि कीट स की4 म (या!गे की
कीरेकी हम इस शांनि , याH शांनि , ब जी शांनि , Cह फिदु शांनि की! समझे , नि यानि त्रतं कीरे औरे अवोंशां!निर्षोंतं कीरे की प्रया
कीरेतं ह।1
“ले फिकी निमट्टा अ आ म,(चौं ह फिकीतं भ उ जी ऊ औरे ग्रेहणशां ले क्या ह!, उनिचौंतं औरे स्वोंस्था ब जी की मदुदु की
निब उत् दु कीरे म (निवों>ले रेहतं ह। याफिदु ब जी म (स्वोंस्था रिरे क्कतं की रे" शांनि हA ह, तं! अ की रेण प्रभ निवोंतं ह!
कीरे की अवोंसरे निमले फिकी तंत्वों की तंरेह, म ष्या अकी ले या अकी ले जी वों की

तंया ह। याह की रेण ह फिकी हम (याह उCलेखो

नि म 4ण हA कीरे सकीतं । जी वों की नि म 4ण म (की वोंले याH फिक्रंया , या स था रेह , या याह Dतंकी फिकी की लिंस्टगे भ स>लेतं की गे रे ट हA ह।

ब जी: जी वों की स्त्रो!तं

"याह ब जी रु र्षों की शांरे रे म (रिरे क्व ह!तं ह। सभ जी वों ब जी स ह उत् न्न ह!तं ह।1 इस ब जी की! म दु निमट्टा म (डी ले ड़ातं ह, जीह D ब जी की! ग्रेहण कीरे की निलेए उनिचौंतं ले ह!तं ह, तंथा शांरे रे द्वी रे इस उद्दी श्या की निलेए सरे निक्षातं की गेई
महत्वों ण" 4शांनि या की म ध्याम स क्रंनिमकी निवोंकी स की निलेए इस गेम4 रेखो ह!तं ह। याह अ की रेण की अवोंनिध ह जीब जी वों की! बढ़ औरे जीड़ा जीम की अ म नितं दु जी तं ह।

"हम शांरे रे की! एकी मशां की रू म (वोंर्पिणतं फिकीया ह; ले फिकी हम याह भ उCलेखो

फिकीया ह फिकी इस मशां म,(इसकी
भHनितंकी प्र!ट!ट इ की निवों रे तं, एकी म ह। याह म भ वों ओं की उतं रे-चौंढ़ वों की अध ह। चौंफि"Dकी तं या रे निमट्टा म (ब जी डी ले की फिक्रंया की! एकी सखो दु घट म जी तं ह, इसनिलेए जी वों की नि म 4ण म (आ दु एकी सह याकी की रेकी ह। मनिहले शांरे रे म (मHसम ह! सकीतं ह, औरे रु र्षों शांरे रे म (ब जी ह! सकीतं ह, ले फिकी स था निमलेकीरे की म कीरे की इच्छे की कीम ह! सकीतं ह। वों की या 4कीरे म (अनि च्छे की ह! सकीतं ह;1 की या 4कीरे स डीरेतं ह।1 वों गेस्त्र आरेक्षाण, अवोंरे!ध , याह Dतंकी की तंहतं की या 4कीरे रेह ह! सकीतं ह।1 आ दु की! फिकीस प्र ण रे जीबरे हA था! जी सकीतं । इस भ तंरे स प्रवों निहतं औरे बह जी चौं निहए। शांनि या की आ दुमया निमले ह आ दुमया जी वों की नि म 4ण कीरे सकीतं ह। एकी स्वोंस्था ब जी ह अ अ नितंम उत् दु म (इस अब निधतं आ दु की! व्य कीरे सकीतं ह।
"आ दुमया वों तं वोंरेण ब की याह कीतं4व्य मले"तंo म वों की ह। म वों जी वों ह सभ भ वों ओं की सक्ष"मतंम निशांखोरे तंकी हुचौंD सकीतं ह। म वों जी वों म (प्ररे की तंत्वों सहजी प्रवोंMनि की! स वोंध वों"की4 नि यात्र ण म (रेखोकीरे ले भ औरे स्वों दु की स भ वों ओं की! प्रदुर्पिशांतं कीरेतं ह। म ष्या की अले वों अन्या जी वोंरे औरे की ड़ा मख् या रू स सहजी प्रवोंMनि रे नि भ4रे ह!तं ह।1 म ष्या ऐस हA ह। म ष्या म (सहजी प्रवोंMनि की! एकी भ वों तमकी आभ द्वी रे सशां !निभतं रेखो जी तं ह। इस प्रकी रे म ष्या म (Cह फिदु सदु रे चौं जी (ब तं ह औरे रिरेण म निशांC आ दु व्य कीरेतं ह 1औरे दुस"रे की! उस आ दु म (स झे कीरे की निलेए आमनि त्रतं कीरेतं ह।1 इस, म ष्या एकी निवोंशांर्षों शांनि की रू म (निवोंकीनिसतं कीरेतं ह।
"जी! ले!गे भ वों तमकी क्षा त्र की खोतं कीरे की आ दुमया कीतं4व्य कीरेतं ह,1 उन्ह (अन्या प्रकी रे की जी वोंरे स इस स म तंकी भ सस स्कीMतं, सभ्या ह।1 सहजी प्रवोंMनि औरे भ वों रे नि यात्र ण रेखो ह सभ्या ह! ह।
"इसनिलेए, म ष्या म (जी वों की ब जी रे! ण औरे सवों ध 4 की वोंले सहजी प्रवोंMनि रे हA छे!ड़ा जी चौं निहए। रे औरे म दु म ष्या की ब चौं निमले म (शां निमले भ वों ओं की!, रे" तंरेह स आ फिदुतं ह! की निलेए, फिकीस भ तंरेह स सब निधतं व्यनि की दुखो फिकीए निब , चौं रे ओरे खोशां दु कीरे की निलेए प्रनिशांनिक्षातं फिकीया जी चौं निहए।

एकी स खोदु निमले

"जी वों की नि म 4ण की आ दुमया की या 4म (लेगे दु! म ष्या की एकी खोशां ह ले निमले एकी सस स्कीMतं प्रनिशांक्षाण की अ क्षा रेखोतं
ह जी! भ वों ओं की! नि यानि त्रतं रेखोतं ह; औरे जी " की आगे की! वों निछेतं स म ओं की भ तंरे रेखोतं ह। याH शांनि रे स ध नि यात्र ण की निलेए, औरे इस स्वोंगे 4द्वी रे निडीज़ी इ फिकीए गेए प्र कीMनितंकी बध म (डी ले की निलेए हम म तं Mशांनि की चौंरेण म (बढ़ तं ह।1

“बले त्की रे की रू म (एकी अ रे ध ह। याह एकी गेभ रे ह। एकी अ रे ध की > सले स म निजीकी न्या या लेया म (फिकीया जी तं ह; एकी की > सले अ रे ध की आ तंरिरेकी अभया रेण्या म (फिकीया जी तं ह जीह D शां नितं रेहतं ह। एकी अ रे ध की रू म (बले त्की रे व्यनि की इच्छे की निवोंरुद्ध आ दु औरे कीतं4व्य की की या 4कीरे की निलेए मजीबरे" कीरेतं ह। याह अनि यानि त्रतं अनि की म ध्याम स की रू तं , अ म औरे दुo खो की की रेण भ ब तं ह। प्रकीMनितं म गेदु4शां4 कीरेतं ह औरे ढं लेतं ह, ले फिकी कीभ मजीबरे" हA कीरेतं । बले वों"की4 या दुब वों म (की या 4कीरे की निलेए मजीबरे" कीरे बले त्की रे ह। बले त्की रे इस सच्ची ई की! भ" जी तं ह।

“ब जी की! गेम4 प्रवों ह म (डी ले जी चौं निहए, निजीस रे म दु अ डी तं रेतं ह, उनिचौंतं ऊष्म या की निलेए, एकी नि निश्चतं तं म ब ए रेखो ड़ातं ह, जी! शांरे रे की सजीगेतं स नि ध 4रिरेतं ह!तं ह। इस ब जी की! शांरे रे स शांरे रे म (स ध डी ले इस स्वोंस्था रू स अ की रिरेतं कीरे म (मदुदु कीरे की सबस सरे निक्षातं तंरे की ह। जीब तंकी इस स ध हA डी ले जी तं ह, तंब तंकी याह ब जी क्षानितंग्रेस्तं ह! की सभ वों ह। याह इतं सक्ष्"म ह फिकी याह डी ले की समया दु! की भ वों त्मकी निस्थानितं की! भ रिरेकी²डी 4कीरेतं ह।

“इसनिलेए, डी ले की समया याह भ वों त्मकी निस्थानितं लिंचौंतं , भया, शांम,4 मदु तं , ले लेचौं, वों स औरे समझे जीस ह! चौं निहए। निवोंभ निजीतं म द्वी रे डी ले गेया ब जी निवोंनिक्षाप्त रू स क्षानितंग्रेस्तं जी वों उत् न्न कीरे सकीतं ह। एकी सकी !चौं या अनि च्छे की भ्र"ण की भ तंरे ले हुआ ब जी सम रू स शां नितं ण"4 स म न्या निवोंकी स की! कीस हुचौं सकीतं ह। फिकीस भ म मले म (Cह फिदु प्रसन्न हA हुई ह। जीब तंकी याह इच्छे की आ दु सरे निक्षातं हA ह!तं ह, तंब तंकी याह सभ वों ह फिकी ब जी की निवोंकी स प्रभ निवोंतं ह!गे , औरे निजीस जी वों की! याह ग्रेहण कीरेतं ह उस खोरे ब भ वों ओं की भ रे उठ ड़ा सकीतं ह। याह बह दु खोतंरे की ह, औरे बदुस"रेतं जी!निखोम स भरे ह।

“शांरे रे की निमले दु! ण"4तंया स्वोंस्था प्र निणया की ब चौं ह! चौं निहए, निजीसम (ण"4 समझे औरे इच्छे ह!, तं फिकी निमले स ईश्वरे या उद्दी श्या की र्पि"तं की भ वों उत् न्न ह!, एकी आ दुमया की या 4जी! अ स्वों भ निवोंकी अ तं तंकी हुचौंD ।

“चौंफि"Dकी इस ब जी की! गेम4 औरे स्वोंस्था रेखो ह!तं ह, इसनिलेए इस स ध एकी गेम4 चौं ले म (गेहरे ई तंकी डी ले ह!तं ह जीह अ डी प्रतं क्षा कीरेतं ह। रे शांरे रे की! एकी निसरिंरेजी जीस अ गे प्रदु फिकीया गेया ह। मत्र" की म ध्याम स शांरे रे की तंरेले दु थ की! ब हरे नि की ले की अले वों , याह अ गे ब जी की! एकी चौं ले म (इ जी क्ट कीरे या डी ले की निलेए एकी निसरिंरेजी की रू म (की या4कीरेतं ह जीह D एकी तंरेले दु था 4की म ध्याम स गेमÂ ब ए रेखो जी तं ह, निजीस रिरे क्क औरे तं या रे म दु स था छे!ड़ातं ह, औरे जी! ब जी की! सह अ की रेण की निलेए उसकी अ नितंम गेतं व्य तंकी ले जी तं ह।

“इस सरे क्षा त्मकी अवोंस्था की! भ्र"ण की रू म (जी जी तं ह। एकी या जी वों एकी भ्र"ण की भ तंरे तं रेतं अ डी म (ब जी की डी की स था ह शां रू ह! जी तं ह।

"याह की रेण ह फिकी रु षों अ गे की आकी रे एकी ले ब स रिंरेजी जीस ह!तं ह, औरे मनिहले अ गे एकी बदु ह ठ वों ले दुरे रे ह!तं ह निजीसकी भ तंरे जी वों द्रवों की गेमÂ की! एकी नि निश्चतं तं म रे ब रे की स सरे निक्षातं रेखो जी तं ह। सब की छे रे!गेनि रे!ध ह! चौं निहए, निजीसम (म भ शां निमले ह, जी! सबस शां द्ध ह! चौं निहए।

आ दु की प्र रेण

“ब जी ब! की याह सरेले की या 4बहुतं या नि त्रकी औरे उब ऊ ह!गे जीब तंकी फिकी इसम (आ दु की निलेए प्ररे ण ह!। याह एकीतं औरे प्रम आ दु ह। आ दु प्ररे ण ह, जी वों की आध रे ह। याफिदु याह आ दु हA ह, याफिदु याह निस्थानितं जीबरेदुस्तं ह, गे! यातं की दु Ôस ढंकी हुई ह, अ रे ध की भ वों ह, याफिदु याह निस्थानितं ध धले भ वों ओं औरे निवोंरे!ध निवोंचौं रे की उदु स ध रे ओं स निघरे हुई ह, तं! नि निश्चतं रू स प्र कीMनितंकी आ दु की की या 4अ रे ध औरे भ्रr चौं रे की भ वों ओं स भरे ह!गे , औरे सभ आ दु की! म रे दुगे । जी! आ दु की! म रेतं ह वोंह ह। आ दु की! स वोंभ4Hनिमकी रू स स्वों की या4ह! औरे आगे औरे अनिधकी आ दु दु कीरे की द्वी रे आ दु की रू म (जी जी चौं निहए।

“आ दुखो तं ह 1फिकी सभ्यातं की शां रुआतं दुHरे म (दुनि या की एकी नि निश्चतं निहस्स की इ स जी वों की प्रस रे, आ दु औरे आ दु रे नि यात्र ण की आवोंश्याकीतं की ब चौं सब ध की खो!जी की । क्या फिकी याह प्रस रे स्वों स्थ्या औरे आ दु की प्रस रे की स थ बहुतं नि कीटतं स जीड़ा हुआ था , इसनिलेए प्र चौं की ले की ले!गे आत्म-नि यात्र ण की शांनि या औरे सक् स की इस शांनि म (निशांक्षा की भ खो!जी की । वों इस शांनि की स म घ ट ट कीतं , प्र था 4 कीरेतं, औरे इस शांनि की! अर्पि तं कीरे की निलेए अ सवोंÁच्ची औरे सबस की मतं भ(ट ले तं , औरे इस म Dकीहतं । वों इस शांनि की जी" कीरेतं । इस भनि औरे प्रम की स्वों भ निवोंकि अनिभव्यनि की अले वों की छे औरे म आध्या नित्मकी निवों म्रतं औरे स स्कीMनितंकी नि यात्र ण की दुखो दु कीम की! व्य कीरे ह। “हम रे आस , हम रे एकी स था बठ , हम रे ध्या की निवोंनिधया ,D या सभ जी वों की रेहस्या की प्रनितं सह दुनिMrकी!ण निवोंकीनिसतं कीरे की उदु की या 4स बहुतं नि कीटतं स जीड़ा हुई ह।1 एकी शांनि की रू म (Cह फिदु की! वों स औरे व्यनिभचं की शांनि या की स था भ्रनिमतं हA फिकीया जी चौं निहए। सजीM की रेहस्या स, औरे शांरे रे औरे म की सहस बद्ध क्षा त्र स रिरेनिचौंतं ह! जी! रेचौं त्मकी आग्रेह म (सह यातं कीरेतं ह,1 आ नितंकी रू स रे!म रिटकी तं त्की निलेकीतं , बकी ब "जी " औरे ण"4 अ म की भ वों ओं की! कीम कीरेतं ह।

“वों स्तंनिवोंकी आ दु औरे रेम दु की स्रो!तं तंथा वों स औरे ले लेचौं की स्रो!तं की ब चौं की अ तंरे स्वोंगे 4औरे रेकी, ईश्वरे औरे ईश्वरे-निवोंरे!ध की ब चौं की अ तंरे ह।

एकी नियाकी , एकी या!नि की उ स

“तं त्र औरे तं त्र आस म (हम रे अ गे, हम रे शांरे रे-अनिस्तंत्वों, एकी दुस"रे की अ तंरे गे औरे रे" तंरेह स जी गेतंM चौंतं की कीरे ब आतं ह।1 इस प्रकी रे हम अ म औरे शांरे रे की! अ शां निसतं कीरेतं ह 1फिकी वों आ दु औरे शांनि की इ आस की! उ की अमतं" 4 ,(या दु रेखो (फिकी तं त्र म (एकी नियाकी , एकी भ रेवों , एकी निवोंद्या या एकी दुस"रे अहकी रे की भ म Dकी रू म (जी" की

रू म (दुखो
जी तं ह।

"इस सदु भ 4म (की मकी व्यवोंह रे निबCकी ले अकीC या ह। वोंह फिदु नि कीट ह जीब एकी मनिहले की ब रे म (स!चौं ह आ की

अ दुरे भ वों ओं की! जीगे एगे या म Dकी! म वों रू म (कीखोअ भ वों कीरे गे ।

"जीब आ एकी रु षौं ब जी तं ह,1 औरे एकी ‘गेहMस्था’ (गेठस्था) की जी वों स्वों की रे कीरेतं ह,1 तं! आ निजीस सम जी म (रेहगे(, उसकी आस- स की चौं जी की अवोंले!की कीरे(गे, औरे एगे फिकी फिकीतं ब रे एकी त्र अ नितं स बले त्की रे की निशांकी रे ह!तं ह। इसकी रिरेण म एकी ट"ट हुआ फिदुले, एकी क्षानितंग्रेस्तं प्रम औरे एकी जीजी4रे घरे ह!तं ह। याह सब ह! की जीरूरेतं हA

ह अगेरे म ष्या एकी ब रे याह म ले फिकी अन्या सभ निशांक्षा ओं की तंरेह अ तंरे गे औरे व्य वोंह् रिरेकी ज्ञा , याH व्यवोंह् रे की तं त्र-बद्ध ज्ञा निबCकी ले अ रिरेह् या 4ह।

"बहुतं कीम ले!गे, याफिद् कीभ की!ई भ , याह महस"स कीरेतं ह फिकी इस तंरेह की ज्ञा की उ क्षा
म वों जी वों की सर्वोÅम वों दु,
या रेचौं त्मकीतं की आ दु की! खो! की जी!निखोम रे की जी तं ह। आले!चौंकी की! याज्ञास्थाले (बनिलेदु वोंदु) की आस स भ;की दु;(वों भ कीr भ!गेतं ह 1औरे रेकी म (रेहतं ह।1

"एकीम त्र मनि म Dकी! एकी सHम्या शांनि की रू म (स्वों की रे कीरे की म ध्याम स ह।

तंत्र की अ निभज्ञातं

“आध नि की अनिस्तंत्वों की त्र सदु याह ह फिकी म ष्या जी वों की इस सबस महत्वों ण",4 महत्वों ण" 4क्षा त्र म (प्रवों शां कीरेतं ह,1 घरे, स्त्र , सक् स, या!नि , लिंलेगेम आफिदु की प्रनितं सह दुनिMrकी!ण निवोंकीनिसतं फिकीए निब । इ म (स अनिधकी शां की! अ धरे म ष्या खोदु की! उस शां नितं औरे की ले तं स वोंनि चौंतं कीरे निलेया ह जी! एकी गेहMस्था की कीतं4व्य म (नि निहतं ह।

“तं त्र प्रनितंभ गे की! अ शां स की कीठ!रे ठ्यक्रंम नि ध 4रिरेतं कीरेतं ह। इस अ शां स की अनिधकी शां भ गे जी वों , याह Dऔरे अभ की! सब !निधतं कीरेतं ह। ले फिकी एकी की रे त्मकी दुशां4 की अचौं की निवोंस्>!ट औरे ध र्पिमकी मह रे जी ओं औरे स्वों निमया की दुभ 4ग्या ण"4 औरे अवों स्तंनिवोंकी उ दुशां की म ध्याम स इसकी ले!कीनिप्रयातं की की रेण, धम 4म (सम जी की रुनिचौं म (ए रिरेवोंतं4 आया ह। जी वों म (रुनिचौं जीस फिकी याह ‘याह ’D ह, उस जी वों म (स्था तंरिरेतं ह! गेई ह निजीसकी वों दु ‘अन्यात्र गेया ह।

“बहुतं अनिधकी तंत्वोंम म स सत्या की प्रकी शां की! बझे

फिदुया ह, जीस बहुतं अनिधकी लेकीड़ा अनिग्र-स्थाले की लेH की! दुब दुतं
ह। तं त्र म (की!ई ‘अन्यात्र’ हA ह, रे , जी! जी वों की! अ म की गे!दु म (निशांशां की रू म (गेभ4 ध रेण कीरे तं ह। याह छेनिवों महत्वों ण" 4औरे उद्दी श्या ण"4 ह। लिंहदु "गेण शां-जी , म तं की छेनिवों ब तं ह,1 निजी की गे!दु म (गेण या ‘ले!गे’ या जी वों जी निवोंतं रेहतं ह। ईस ई चौंचौं4 की मडी ! , नि एट की छेनिवों इस अवोंध रेण की फिकीतं कीरे ब ह।
“याह वोंह मरि Åक्स ह जीह सभ उत् नि शां रू ह!तं ह; बले की या!नि । याह वों स्तंवों म (म Dकी छेनिवों ह निजीसकी कीM औरे अभ जी वों की! आशां वों दु4 दुतं ह।
“म Dकी स्तं !र्षोंण की निचौंरेस्था या स्त्रो!तं ह, औरे म Dकी या!नि याह Dस वोंभ4Hनिमकी जी वों की निवोंकी स की निलेए निच ‘स्त्रो!तं’ ह। वोंह मरि Åक्स ह; उत् नि की प्रफिक्रंया की अC> । इस छेनिवों म (की म रे म तं , की वों रे म Dकी अवोंध रेण जी निवों
“याह उदु निवोंचौं रे तं त्र की भ र्षो म (बह तंरे ढं गे स व्य फिकीया गेया ह; औरे निवोंश्व प्रवों ह की प्रनितं तं त्र की दुनिMrकी!ण इस उदु तं की समथा 4 कीरे की उद्दी श्या स ह। म Dकी भHनितंकी भ गे जी! जी वों की! ब ए रेखोतं ह औरे ब ए रेखोतं ह, वोंह स्तं ह।

“स्तं (स्तं) शांब्दु की निलेए सस् कीMतं मले" की अथा 4ह 'अनिधकी स अनिधकी बढ़ '; निवोंकीनिसतं ह! औरे उस म Dकी दुस"रे या अ गे, उस शांनि की अनिभव्यनि , जी! हरे स ले ए जी वों , ए निवोंचौं रे , कीले औरे बनि द्ध की ए उत् दु , ई दुनि या ओं, ए ब्राह्म डी की ध रे ओं औरे ध रे ओं की! प्रक्षा नि तं कीरेतं ह - उस या!नि कीह जी तं ह, वोंह नित्रकी!ण निजीसकी तं त्र जी" कीरेतं ह।

“तं त्र म (वोंह आस्था इस दुनिMrकी!ण, इस निवोंश्व स रे रिटकी ह। ”

व्य वोंह रिरेकी दुनिMrकी!ण

“तं त्र जी वों की दुस"रे दुनि या रे अ प्रया स बब 4दु हA कीरेतं , याह वों स्तंवों म (म ष्या की! निशांनिक्षातं कीरेतं ह, औरे फि>रे जी वों की निलेए सवों4श्रेष्ठों रू स तं या रे ह! की निलेए प्रनिशांनिक्षातं कीरेतं ह, जीस फिकी उसकी स म फिकीया जी चौं निह जी चौं निहए। इस दुनिMrकी!ण स दुखो जी ए तं! आ की! मरे आ म(रुनिचौं की सरे ह कीरे म (कीरिठ ई हA ह!गे । म 1आ म(स सवों4श्रेष्ठों की! ब हरे ले की निलेए दुढ़M सकी निC तं हूँ, क्या फिकी मझे उम्म दु ह फिकी आ की भ तंरे ऐस शांनि या ह,1 निजी निवोंकीनिसतं औरे ब हरे ले रे, आ निजीस सम जी की स की4 म (आए गे, उसकी बहुतं भले ह!गे ।

“जी वों की प्रनितं एकी प्रनिशांनिक्षातं दुनिMrकी!ण, जी वों की गेहरे सरे ह औरे जी वों की ब रे म (निशांक्षा एकी व्यनि की! एकी उ गेहMस्था ब दुगे ।

“फि>रे वोंह इस इतं अच्छे तंरेह स जी म (सक्षाम ह!गे फिकी मत्Mया उसकी निलेए की!ई समस्या हA ह!गे । जीब समया आएगे , तं! वोंह बहुतं शां नितं स जी वों छे!ड़ा दुगे । आ दुखो तं ह 1फिकी तं त्र की सह समझे स अगेले जी वों की ले भ स्वोंतंo ह प्र प्त ह!तं ह।1 इस जी वों की अच्छे स ख्या ले रेखो,(अगेले जी वों की ले भ स्वोंतंo ह निमलेगे(जीस रे तं की ब दु फिदु औरे फिदु की ब दु आतं ह।

"मत्Mया अगेले जी वों म (प्रवों शां कीरे की द्वी रे ह, इसनिलेए प्रवों शां की दुहले जी रे शां नितं अनि वों या 4ह। तं त्र याह बतं तं

"तं त्र की रेहस्या की ज्ञा की महत्वों की! मह शां कीरे चौं या 4आफिदु शां कीरे की जी वों की एकी प्रस गे की म ध्याम स गेहरे ई स जी सकीतं ह। अगेरे आ इस स ह तं! म 1इस एकी ब रे फि>रे स तं हूँ।D किंकीवोंदुनि तंया Dगेढ़" सत्या की मह निशांक्षाकी ह।1

शां कीरे की रिरेवोंतं 4

“दुशां की सभ निवोंचौं रेशां ले फिदुग्गेजी की! एकी झे डी की चौं ले की अ उत्स ह प्रया स की दुHरे , वों अ तंतंo उस समया की बHनिद्धकी आश्चया,4 श्रे मदु निमश्रे (निजीन्ह (ब दु म (स्वों म सरे शांवोंरे चौं या 4की म स जी गेया , औरे निजी की अ बहुतं स अ या या था) की स हुचौंD । वों एकी गेहMस्था था, औरे वों कीथा स्था धम 4म (निवोंश्व स कीरेतं था। उ की निवोंवों ह एकी सम सदु रे, ज्ञा औरे प्रम स रिरे ण" 4मनिहले स हुआ था । मदु की त्न उभया भ रेतं दु! निवों रे तं उद्दी श्या की ब चौं दुढ़Mतं स खोड़ा थाA: निमश्रे की! सन् या स की शां था फिदुले की शां कीरे की उद्दी श्या, औरे अ नितं की! उस म गे 4 रे रेखो की उ की दुढ़M इच्छे निजीस वों निवोंवों निहतं व्यनि की निलेए सह म गे 4की रू म (जी तं थाA।

“शां कीरे की! इस मनिहले स बहस कीरे ड़ा ; औरे उस तं रे तं तं त्र की रेहस्या , औरे या!नि की शांनि या , स था ह इसकी अ रे महत्वों की निवोंर्षोंया की! उठ या । उन्ह जी वों औरे सम जी की! आकी रे दु म (प्रम औरे सक् स की या!गेदु की ब तं की औरे नितंकी निवोंद्वीतं स ब!ले रेह ह 1या जी वों की उस अहस स स ब!ले रेह ह 1निजीस तंरेह स

इस व्य वोंह रिरेकी रू स जी ह। उन्ह यावों शां स्त्र था 4कीरे वों ले की! चौं Hतं दु फिकी क्या उस फिकीस शांनि की रू म (

शां कीरे स छे!फिकी क्या वोंह की वोंले सद्ध

की प्रम की की!ई अ भ वों ह। उस छे!फिकी क्या उसकी म D उस दुनि या म (ले कीरे की!ई भ"ले की था या क्या वोंह स्वोंया म तंत्Mवों की! स दु कीरेकी गेलेतं ह।

शां कीरे निवोंद्वी मनिहले की स ध दुनिMrकी!ण स चौंफिकीतं था औरे उन्ह   की छे समया की निलेए खोदु की! इस फिदुशां म (औरे निशांनिक्षातं कीरे   की भ खो म गे । जीब वोंह निवोंले निसतं म (डी"ब एकी मनिह्ले की सगे नितं म (एकी ले ब स ले निबतं   की ब दु दुश्Mया म (लेHट ,
तं! उन्ह   जी वों की की ले तं औरे भव्यतं की! शांनि की कीM   की एकी हले" की रू म (कीC   की था जी! इस प्ररि रेतं औरे
सचौं निलेतं कीरेतं ह। याद्यानि निमश्रे यावों   शां कीरे की आह्वों   की तंत्की ले प्रभ वों म (आ गेए, शां कीरे स्वोंया ध रे -ध रे तं त्र म (रे गेतं
ह! गेए, औरे म तं   रे उ की भजी स;दुया-4लेहरे आजी भ तं त्र स ध   रे निलेखो गेई सबस बहुम"Cया गेढ़" कीMनितंया म (स एकी ह। अन्यात्र कीहA भ उदु श्रे यात्र की इतं   उत्कीट भ वों   औरे गेह्रे ई की स था, फि>रे भ इतं   खोब"स"रेतं स वोंण4   हA
फिकीया गेया ह। याह स निहत्या की एकी भव्य कीMनितं ह।

"याफिदु आ की! कीभ समया निमले, तं! दुनिक्षाण भ रेतं की की Å लेम, निशांवों-की चौं औरे सगे(रे म (शां कीरे की
कीरेतं ह। ले फिकी तं त्र याह भ
आरे ध्या वे यात्र की मह
वोंशांत्रि सजी वों कीि अमूलेजी वों अ थां निस्तं ह!। अ थां स फिश्वां दुतं ह। एकी सत्य
मीकी दुरें जीलेI D ई ब (ड   फिकीस एकी   ठ म (ध्या   कीरे   स स्वीत   उकी की   उत् न्न ह! सकीतं ह,1 जी! आ की!
ल भ हचौD सकीत
निलेए, म ष्या की! शांनि   म Dकी कीM   की समक्षा निवों मृतं की स था खोड़ा ह!   चौं निहए। उस एकी सत्या म (तं त्र की स रे सत्य
ह,1 जी! आ की! आश्चयाचौं4फिकीतं कीरे सकीतं ह।1 (म 1 एकी स अनिधकी ब रे की Å लेम की दंHरे फिकीया था । वोंह
औरे रेहस्या नि निहतं ह। म Dतं त्र की मले" ह, निजीसम (इ रेहस्यामया आस   की भ"निमकी ऐ Dशां निमले ह।1 ऐस सदु भ 4म,(व्य
औरे अस्या स की ऐस रू   म (की मकी तं की! ले   , जीहरे की लिं दु कीरे   ह, भले ह उसम (उ चौं रे कीरे   की क्षामतं ह!।
अ भ वों ब दु म (दुजी 4
फिकीया गेया ह।)
"म Dकी! कीभ भ ट कीड़ा म (दुखो ।(वोंह या!नि ह,   रेम, जीह D हम सभ जी वों की ले की अ तं म (गे याब ह! जी तं ह,1 औरे वोंह
"तं त्र जी वों की! प्र!त्स निहतं कीरेतं ह। तं त्र म ष्या स जी वों की   ण"4तं म (जी   की अ क्षा
उत् नि जीह D हम सभ अ   भHनितकी अनिस्तत्वों शां रू कीरेतं ह।1 म Dऔरे या!नि निमलेकीरे इस निशांक्षा की अC> औरे ओमगे

7. शां"न्या स उठतं आवोंकी((Voices from the Void)

की म की आ दु

मरे उस सब ध औरे उसकी प्रनि मकी की म ध्याम स सया !गेवोंशां मरे जी वों म (की म-जी वों की जी! रिरेचौंया हुआ, उस मझे जीरिटले ज्ञा -क्षा त्र म (स ध प्रवों शां की स्वोंगेÂया अवोंसरे फिदुया। मझे इस निवोंर्षोंया म (इसस बह तंरे शां रुआतं की अ क्षा था। उसकी खोले शांहरे की मझे समझे या। उसकी सह दुनिMrकी!ण उस क्षा त्र म (ई रे!शां डी ले , निजीस अब तंकी रेहस्यामया औरे वोंर्पिजीतं समझे जी तं था। जी वों की याH शांनि या स जीड़ा अनि वों यातं4 ध रे -ध रे मरे समक्षा खोले लेगे स जीब भ मझे जी वों म (शां रे रिरेकी की म-सम्बन्ध की अवोंसरे की स म कीरे ड़ा , मरे निलेए इ अ गे की! फिकीस औरे दुनिMrकी!ण स दुखो असभ वों था निसवों या इसकी फिकी वों रेहस्यामया शांनि की गेहरे स्रो!तं ह।1 म 1आजी भ इस निवोंश्व स फिकी अ शां निसतं याH जी वों रिरे क्ततं की! वोंह ऊजी 4औरे प्ररे ण प्रदु कीरेतं ह, जी! बढ़तं निशांशां की जी वों की! म Dकी दुतं ह; क्या फिकी दु! ह म तं-Mशांनि की स्रो!तं ह।1

मझे निवोंश्व स ह! गेया , औरे समया की स था याह निवोंश्व स औरे भ गेहरे हुआ, फिकी निलेनिबडी! (की म-शांनि), 'Cह फिदु ', याH इच्छे ओं की! सजीM त्मकी म गे' की ओरे प्रवों निहतं कीरेतं ह। याह आ दु उत् न्न कीरेतं ह; औरे वोंह आ दु इस ब ए रेखोतं ह। याह शांनि एकी आ दुमया वों तं वोंरेण की निवोंस्तं रे कीरेतं ह; प्रम ण" 4समझे औरे आत्मसम ण4 की भ वों की! जीन्म दुतं ह; औरे म की! प्रम म (निवों म्रतं की ब!झे की! खोशां -खोशां सह की निलेए प्ररि रेतं कीरेतं ह। सच्ची प्रम स्वोंच् छे स सम ण4 की म ध्याम स स्वोंया की! मनिहम मनि डीतं कीरेतं ह। इस रेहस्यामया शांनि की! आत्म सवोंÁच्ची सम्म अर्पि तं कीरेतं ह; औरे शांरे रे स्वोंया की! सवोंÁच्ची बनिलेदु की रू म (अर्पि तं कीरेतं ह; औरे याह बनिलेदु जी वों की! जी वों की >ले प्रदु कीरेतं ह। हम इस एकी मह याज्ञा की रू म (जी तं ह,1 निजीसम (मत्Mया औरे जी वों नि रे तंरेतं की प्र निस्त की निलेए स था-स था खोले तं ह।1 इस याज्ञा म (ड़ा सखो ब जी तं ह, औरे सखो स्वोंया की! ड़ा की! अर्पि तं कीरे दुतं ह। याफिकी जी वों की! चौं Hतं दुतं ह, तं! एकी अथा 4म (याह याH शांनि मत्Mया की! भ चौं Hतं दुतं ह।

समया की स था, इस शांनि की जी" की प्रनितं मरे समझे, नित्रकी!ण की (औरे नित्रकी!ण की म ध्याम स स्त्र स;दुया 4की दुनि या समझे औरे भ स् r ह!तं गेई। मरे स्ना हमया गेरु की प्रम ण" 4म गेदु4शां4 स मरे म म (स्त्र की प्रनितं गेहरे सम्म की भ वों उत् न्न हुआ; औरे रिरेण मस्वोंरू , म 1शांरे रे की इ अ गे की! नितंरेस्की रे या लिं दु की दुनिMr स हA दुखो सकी। म 1 इस शांनि की! जी वों की स्रो!तं की निलेए सरे निक्षातं सवोंÁच्ची श्रेद्ध औरे निवोंस्मया की स था दुखो । चौंफि"Dकी म 1 निलेनिबडी! या 'Cह फिदु ध र्पिमकी श्रेद्ध की स था स्वों की रे फिकीया , इसनिलेए म 1 स्त्र की! आ दु की अनिभव्यनि औरे स था ह रेहस्यामया शांनि की स्रो!तं

रू म (दुखो।

हA

जीब हम अ निजीम्म दु रिरेया की प्रनितं रे" तंरेह स जी गेरूकी हA ह!तं , तं! हम सभ गेरे -निजीम्म दु रे व्यवोंह रे कीरे की प्रनितं प्रवोंM ह!तं ह।1 याह की रेण ह फिकी हम इस क्षा त्र म (अनितंया की निशांकी रे ह! जी तं ह।1 ले फिकी हम अन्या क्षा त्र म (भ कीरेतं ह,1 जीस फिकी भ!जी , या , Aदु, आवोंश्याकीतं ए,D स नि आफिदु की चौं वों औरे म त्र म।(समस्या इस ब तं म (हA ह फि हम क्या कीरेतं ह,1 बनिCकी इसम (ह फिकी हम की स औरे फिकीतं म त्र म (कीरेतं ह।1 की वोंले स म की ज्ञा ह! ह या 4म हA

स म खोAचौं की शांनि , औरे उस स म तंकी हुचौंD स हले ह रुकी की क्षामतं की! अर्पिजीतं कीरे ड़ातं ह। औरे याह समझे, निवोंश्लेर्षों ण, स वोंध , अभ्या स औरे सबस बढ़कीरे इ सबकी प्रनितं सह दुनिMrकी!ण की निवोंकी स औरे सवों ध 4 स प्र प्त ह!तं
ह।

इस निलेए, म 1कीभ फिकीस स्त्र की! उसकी ' तं ' की निलेए या फिकीस रु र्षों की! उसकी ' ' की निलेए दु!र्षों हA

ठहरे सकी । म 1
कीभ भ स्वोंया की! इतं या!ग्या हA समझे या फिकी आत्म-ध र्पिमकीतं की गेवोंÂले औरे कीठ!रे न्या या ध शां की भ"निमकी नि भ
सकी" । ऐस निमथ्या दुनिMrकी!ण कीभ मरे निवोंचौं रे की! प्रभ निवोंतं हA कीरे सकी , ह मरे 'म वोंतं की प्रनितं

प्रम ' की! ध धले
कीरे सकी । ' तं ' या ' ' की अवोंध रेण स्वोंया म ष्या की प्रनितं म ष्या की सम्म की! निगेरे की निलेए म जी तं ह।
फिकीसस निगेरे ? कीह Dस कीह Dनिगेरे ? क्या उस जी वों -शांनि की कीM स ब हरे की!ई स्था ह? उस

प्रम -शांनि स ब हरे?
याफिद सम "ण 4ब्राह्म ण्डी म तं-Mशांनि स आवोंनि शांतं औरे रिरे ण" 4ह, तं! म 1उसस ' तं ' की कीC की स कीरे सकीतं हू?D क्या याह
निवोंनिचौंत्र हA लेगेतं ?

याह मरे निलेए एकी सवोंÁच्ची रे क्षा था । इस समझे की! प्र प्त कीरे की ब दु, चौं जी (ध रे -ध रे स्वोंया ह मरे

निलेए स् r ह! लेगेA।
मरे व्यनि गेतं जी नों की लेया म (ण"4 रिरेवोंतं4 आ गेया । म 1इस ब तं रे दुढ़M निवोंश्व स कीरे लेगे फिकी म 1नित्रकी!ण की जी"
औरे आरे ध कीरेतं हूँ Dक्या फिकी म 1उसस सब निधतं हूँ,D जीस एकी बच्ची अ म Dस सब निधतं ह!तं ह।

म की प्रनितं म रे ऋण

म 1जी वों की सवोंÁच्ची आ दु की स्रो!तं, सजीM त्मकी प्रेरे ण की इस तं त्र की! क्षानिणकी उCले स, निजीज्ञा स , ब! रिरेयातं स ले या या म त्र की मकी उ जी की भ"खो की भ वों स हA दुखो सकी । मझे या सभ दुनिMrकी!ण अत्यातं की रे त्मकी लेगे, औरे अ नितंम निवोंश्लेर्षों ण म,(म ष्या की व्यनि त्वों की सतं निलेतं निवोंकी स की निलेए अत्यानिधकी ह नि की रेकी लेगे।

(जी वों म,(जीब मझे रे" सस रे म (म वोंतं की मह स गेरे म (तं रे ड़ा , तं! मझे याह स्मरेण ह, औरे अत्यातं सतं !

र्षों की स था
स्मरेण ह, फिकी म 1 कीर्ड डी"बतं औरे डी"ब चौंकी आत्म ओं की! की वोंले निस्थानितं की तंथ्या की! शां तं ऊजी 4औरे प्रम एवों सह भ "नितं की
खो!जी स् शां4 की स था उजी गेरे कीरेकी बचौं या ह। म ष्या की सह भ "नितं उस निस्थानितं की निमत्र ब की

निलेए आवोंश्याकी ह, जीह D
एकी भ ई दूस"रे भ ई की! बचौं सकी । क्या हम सभ एकी ह म Dकी त्र हA ह?1 ले फिकी क्या म 1 स्वोंया की! भ कीई कीरेठ
रिरेनिस्थानितंया स हA बचौं या , उस शांनि की प्रनितं अ गेहरे आस्था की की रेण?)

मरे निलेए जी वों -प्रफिक्रंया की याह फिक्रंया शां लेतं जी वों -शांनि द्वी रे दु गेई एकी सकी रे त्मकी स दु था । याह तंत्र की दुनि या

वोंह जी वों ह जी!
आ दु की सच्ची उद्दी श्या औरे अथा 4की! उत्प्ररि रेतं कीरेकी , निवोंकीनिसतं कीरेकी औरे प्र प्त कीरेकी अ अ नितंम लेक्ष्या की! रे"कीरेतं ह।
याह शांनि सभ आ दु की 'म 'D ह।

हम इन्ह ((स मनि"हकी रू स या व्यनि गेतं रू स) प्रत्याक्षा ब्राह्म कीहतं ह:1 ह ,D या प्रत्याक्षा, अ भ वों या!ग्या, ब्राह्म ह,1 जी! सवों4व्य शांनि ह।1 हम इ मले"भतं", अ तं अनिभव्यनि या की म ध्याम स रेम सत्या की अ भ वों कीरेतं ह।1 हम भगेवों की जी" इ म ध्याम स कीरेतं ह।1 हम उ की स वोंभ4Hनिमकीतं , नि ष् क्षातं , मHनिलेकीतं , शांनि , कीM और अ तं तं की जी" कीरेतं ह।1 सभ प्रम मर्पि"तं "जीकी ह!तं ह,1 और सभ मर्पि"तं "जीकी प्रम ह! तं ह।1 दुश्Mया रू निवोंचौं रे की मतं"4रू ह। निवोंचौं रे स्वोंया की! आकी रे दुकी रे
सजी वों ब तं ह।1

अ कीर्षों4

याह की रेण ह फिकी हम इस शांरे रे की!, निजीसकी उत् नि, भ वों ए Dऔर निवोंचौं रे इ दुवों या अनिभव्यनि या की की रेण सभ वों हुए ह,1 वों स्तंवों म (ईश्वरे की मफि दुरे की रू म (म तं ह।1 इस शांरे रे की सभ की या 4दुवों या इच्छे और व्यवोंस्था की अ स रे ह! चौं निहए। जीब शांरे रे की की या 4स्वों भ निवोंकी प्रे रे ण और स्वों भ निवोंकी फिक्रंया शां लेतं स सचौं निलेतं ह!तं ह,1 तं! उन्ह (कीभ भ घMनिणतं या ण"4 हA म जी सकीतं , क्या फिकी ऐस म दुवों या उद्दी श्या की अ म कीरे ह!गे ।

(अ म और उस रे नि ण4या की ब तं कीरेतं हुए, मझे या दु आतं ह फिकी की स बहुतं स ले!गे तं त्र और तं नित्रकी

अ ध निती म कीरे उ स दुरे" ब ले । मझे इस रे था!ड़ा निवोंस्तं रे स चौंचौं 4 कीरे दु निजीए।)
अनिधकी शांतंo सप्र दु नियाकी या सतंह ग्रेथा म,(तं त्र की की छे निवोंनिधया की! चौं दुनिMr स दुखो गेया ह। उन्ह (निवोंकीMतं, अश्ले ले,
निवोंले स और अनितंरे की ण"4 कीह गेया ह। यारे"! या स हनिसकी और निवोंजीतं ओं , अ जी रे सम दु या की समथा 4 स, तं निवोंनिधया की! बबरे4 घ!निर्षोतं कीरे अ निवोंचौं रेह निवोंध्वोंस की! इनितंह स म (उनिचौंतं ठहरे की प्रया स फिकीया ह।

मझे एकी उदु हरेण दु दु।(
मनि क्सकी! म,(म 1 प्र चौं तं नित्रकी निवोंनिधया की रेहस्या की! समझे की प्रयास फिकीया।मझे तं हुई फिकी या अभ भ वोंह D की स्था नि तं की था!निलेकी चौंचौं' म (प्रचौंनिलेतं ह।1 (मझे याह स कीरे आश्चया 4हुआ फिकी वोंतं4म ! जी² ²ले की म (कीह गेया था फिकी याफिदु वोंह मनि क्सकी! की चौंचौं' म (ह! वों ले इ प्रथा ओं की! ईस ई म तं ह,1 तं! वों स्वोंया की! ईस ई ह/ म सकीतं । ह ले फिकी, म 1इस ब तं की सत्यातं की गे रे ट हA दु सकीतं ।)

स् r कीरेण दु आवोंश्याकी ह।
जी! ले!गे म वों बनिले की लिं दु कीरेतं ह,1 वों चौंचौं4 की निलेए म वों अ गे (स! - चौं Dदु स ब ह था, निसरे और रे) की! स्वों की म (की!ई आ नि हA दुखो तं । म 1इस निवोंर्षोया की! और भ स् r और प्रभ वों ढं गे स समझे सकीतं हूँ,D ले फिकी याह उसकी उनिचौंत स्था हA ह।
म 1 की छे ध र्पिमकी अ छों (मझे चौं!लेले म (एकी और की ब की स एकी अन्या अ छों या दु ह) की जीरिटले निवोंवोंरेण की गेहरे ई स अध्याया फिकीया और या फिकी रे तं तंत्वों या आवोंरेण म (सरे निक्षातं रू स निछे हुए ह।1
म 1 की छे प्र चौं अ छों की! मचौं रे 'प्रदुर्पिशांतं' ह!तं दुखो , और तं रे तं ह उस मह तं और उदु तं की कीC की निजीसकी स था तंथा कीनिथातं 'बनिले- निड़ातं' उ बनिलेदु म (सनिम्मनिलेतं ह!तं था, क्या फिकी वों इस दुवों या आस्था की निले अर्पि तं कीरे की आशां वों दु4 म तं था।

जी! ले!गे जी स धओं की सले खो , जी की हरे फिकीरे , थामÁनि ले , निचौंHड़ा, बदु" की जीHहरे, सशां ŧकी , औरे ब ले क्ले वों
घट ओं की! समझेतं ह,1 वों याह स्वों की रे कीरे(गे फिकी की छे निवोंशांर्षों रिरेनिस्थानितंया Dबनिलेदु की सकी निC तं म स मत्M
हट दुतं ह।1

मझे गेलेतं समझे जी ए।
म 1 शां या म वों बनिले की की या 4की समथा 4 हA कीरे रेह हूँ।D याह एकी निवोंवों दु स् दु निवोंर्षोंया ह।
हम याद्ध , गेस् ट !, रेम ण याद्ध , औद्या!निगेकी प्रदुर्षों"ण, गेस याद्ध , की ट ण याद्ध , म बम निवोंस्>!ट, औरे रे" गे Dवों औरे
जी जी नितंया की उन्मले" की! 'उद्या!गे की ले भ' की म रे स्वों की रे कीरे की आदु ह! गेए ह।1 रे जी नितं, सशां स औरे
असभ्या की! सभ्या ब की म रे हम इ कीMत्या की! आध नि की औरे सभ्या जी वों की निलेए अ रिरेह या 4मC"या म की आदु
ह! गेए ह।1
ले फिकी हम की छे ध र्पिमकी अ छों औरे प्रथा ओं की! दुखो कीरे व्यनिथातं औरे अ म नि तं महस"स कीरेतं ह।1
ईम दु रे स कीह (तं!, इ अ छों की! (औरे अभ भ) उच्चीतंम चौंतं तंकी हुचौंD की स ध की रू म (फिकीया औरे
स्वों की रे गेया ह।

एकी ऐस सस् कीMनितं म,(जीह D अत्यानिधकी की मकी तं एकी म !रे जी ब गेई ह, औरे वोंश् या वोंनिM रिरेष्कीMतं स्वोंरू ध रेण
निलेए ह,1 वोंह D तं नित्रकी अ छों रे सवों ले उठ ए गेए ह,1 औरे ईम दु रे स धकी की! दुरे चौं रे औरे निवोंले स कीह गेया ह।
म 1याह कीहतं हुए याह भ स्वों की रे कीरेतं हूँ Dफिकी इसकी दुरु या!गे औरे खोनि डीया द्वी रे गेलेतं उ या!गे भ हुआ ह।
ह।1
म 1 स्वोंया कीई खोडी स की दुखो ह 1 निजी की कीMत्यावों स्तंवों म (भया वोंह ह! सकीतं
फि>रे भ , मझे इ अ छों की मह तं , निवोंत्र शां नितं औरे सतं !र्षोंजी की रिरेण म की! समझे की सHभ ग्या प्र ŧ हुआ ह।

तंथ्या याह ह फिकी सवों दु शां लेतं एकी व्यनि गेतं गेण ह।
जी! की छे भ व्यनि गेतं ह!तं ह, वोंह जी नितं, सम दु या या रे ज्या की गेण भ ब सकीतं ह, मनिस्तंष्की-ध ले ई की प्रफिक्रंया की
अ स रे।
मफि द्रतं शांब्दु औरे दुश्Mया म ध्याम स वोंजी4नि की रे या की! प्रभ निवोंतं कीरे औरे रू तं रिरेतं कीरे म (बहुतं बड़ा या!गेदु फिदुय
ह।

स वों4जीनि की रे या की खोतंरे

व्यनि गेतं सवों दु शां लेतं की! रे ष्ट्री या या स मदु नियाकी सवों दु शां लेतं म (बदुले बहुतं आस ह। ले फिकी
सवों दु शां लेतं व्यनि -व्यनि म,(समया-समया म,(औरे इनितंह स म (निभन्न ह!तं ह; औरे सवों दु शां लेतं औरे
वों" 4ग्रेह रे आध रिरेतं म वों
नि ण4या अक्सरे मखो"तं4 "ण 4रू स गेलेतं स निबतं हुए ह।1 हम रे स ऐस कीई उदु हरेण ह,1 जीब फिकीस समया
निवोंधर्पिमतं औरे
जी दु-"ट! की दु!र्षों ठहरे ए गेए व्यनि या की! सम जी द्वी रे आगे औरे तंलेवों रे स दुनि डीतं फिकीया गेया , ले फिकी
ब दु म (उन्ह (सतं
की रू म (सम्म नि तं फिकीया गेया। एकी यागे की अ रे निधया की! दुस"रे यागे म (दुशां भ औरे रे ष्ट्री या याकी
की रू म (दुखो गेया। इसकी निवों रे तं भ हम दुखो ह। सवों दु शां लेतं रे आध रिरेतं नि ण4या स अनिधकी
अनिस्थारे औरे अनिवोंश्वस या की छे भ
हA ह।

ण"4तं० म वों नि ण4या रे नि भ4रे रेह अक्सरे गेभ रे गेलनितंया की ओरे ले जी तं ह। की छे शां श्वतं मC"या की!

समया की
कीसHट रे खोरे म जी चौं निहए। मC"या की याह म वों धरे!हरे या!ग्यातं की गेण स अर्पिजीतं की जी तं ह।

अ म या आक्रं!शां की भ वों की वोंले अधरे" ज्ञा या व्यनि गेतं निवोंचौं रे स भ उत् न्न ह! सकीतं ह। रुकीकीरे स!चौं समया की स था रिरे क्कतं ले तं ह।

मरे   स ऐस कीई व्यनि गेतं अ भ वों ह 1निजीन्ह (म 1अत्यातं भया वोंह, घMण स् दु, औरे घMनिणतं म सकीतं था।
ले फिकी वों स्तंवों म (क्या अ म जी की ह?
सबस अ म जी की ब तं म वों जी वों की अ व्यया की! व्य वोंस नियाकी ले भ की निलेए नि छों रेतं स अ दुखो कीरे हो

याफिदु की!ई गेह , उदु , औरे आत्म की शां श्वतं आ दु की स्रो!तं की!   की उद्दी श्या रेखोतं ह, तं! स ध की! उनिचौंतं ठहरे या जी सकीतं ह, औरे की छे की या' की! चौं या अ निवोंत्र कीह जी   स बचौं या जी सकीतं ह।

सदु ह की ले भ कीभ भ घ!निर्षोतं अ रे ध स भ हA छे   चौं निहए। की " इस स्वों की रे कीरेतं ह; औरे सभ्या सम जी इस अ तं ह, या अ   चौं निहए।
मझे सHभ ग्या था फिकी म 1 इ चौं Hनितंया स मह D हA म!ड़ा ; औरे एकी की शांले या!निगे की म गेदु4शां4 म (रेहस्यामया क्षा प्रवों शां कीरे की अवोंसरे निमले।
मझे इसम (की छे भ भया वोंह या मझे रे!की वों ले हA लेगे , बनिCकी म 1इसकी औरे गेहरे रेहस्या की! समझे की निलेए औरे भ प्ररि रेतं हुआ।
इस या त्र म (मझे तं नित्रकी शांनि की गेढ़" स्रो!तं की ज्ञा हुआ।

दु! 'अ म जी की' घट एD

हले घट 1934 की आस स वों रे णस की घ!रे घ ट रे हुई था। याह घ ट निवोंदुशां   याट4की म (ले!कीनिप्रया था , जी! याह Dस   Hकी ओं रे सवों रे ह!कीरे गेगे की दुश्Mया दुखो तं था। घ ट की   स निवोंशां ले बरेगेदु की छे या म (की छों रे!गे , निभखो रे औरे शांड़ा
जीम रेहतं था। आस स की गेरे नि गेम की शांHचौं लेया की दुगे áध औरे याट4की की भ ड़ा इस स्था की! निवोंनिचौंत्र ब फिदुया
था।

चौं या की एकी छे!ट -स दुकी   घ ट की   स था , जीह D की छे ट"ट ->"ट बचौं((औरे चौं या की बतं4 रेखो रेहतं था।
दुश्Mदुखो
उस फिदु म 1वोंह D
एकी की ले , उलेझे ब ले वों ले आदम जी! लेगेभगे ग था औरे रे खो म (निले ट हुआ था द फिकी रे स निवोंश्व था मफि दुरे
एकी निवोंचौं व्यनि की सवों   म (था , जी! अ   ज्ञा   औरे अ भ वों स श्र!तं ओं की! मत्रमगे ध कीरे दुतं था। तंभ
म 1 एकी निवोंनिचौंत्र
की ओरे तं जी स बढ़ रेह था। वोंह अ मत्र" शांया स बहतं तंरेले की! स ध अ मह म (डी ले रेह था , म ! वोंह इसकी आ दु ले रेह ह!। याह दुश्Mया इतं चौं;की   वों ले था फिकी म 1अवों की रेह गेया औरे तं रे तं ब हरे जी कीरे इस घट की तंह तंकी जी   की >सले फिकीया।
दु! घ ट ब दु लेHट , औरे उस दुHरे मरे उस व्यनि स गेहरे औरे रे!चौंकी ब तंचौं तं हुई। म 1 जी   फिकी वों भ रेवों की एकी उच्ची की!रिट की तं नित्रकी या!गे था, निजी म(लेकीड़ा की! दुखो कीरे आगे जीले औरे निब छे ए निगेले स स   जीस शांनि या D थ वों मरे निलेए अब तंकी की सबस ज्"या सतं म (स एकी रेह ह,1 ले फिकी म 1उ की तं हA लेगे या। वों जीगे ले हवों ओं की आतं -जी तं ह,1 जीस फिकीस नि याम स बध ह।

दुस"रे घट उसस भ अनिधकी भया की औरे जीरिटले था। मरे छे!ट बह रेहस्यामया रिरेनिस्थानितंया म (मह D स खो " बह की की रेण ध रे -ध रे क्षा ण ह!तं गेई औरे की छे हफ्तं म (उसकी मत्Mया ह! गेई। लिंहदु "रे नितं-रिरेवों जी की अ स रे उस अगेले सया"Áदुया

स हले दु ह सस् की रे कीरे था। रे तं म (ह अ नितंम सस् की रे की तं या रे हुई।

हम उसकी दुह की! अ नितंम स्ना की निलेए गेगे ले गेए। मरे बह की! जी वों म (दु म (तं रे बहुतं स दु था ,

इसनिलेए म 1उस

अ ह था म (ले कीरे बहतं ध रे म (चौंले गेया। इसकी ब दु, म 1 उस एकी तं घ ट रे ले जी कीरे की ड़ा बदुले की तं यारे

की। त्थारे की स फिढ़या की स एकी छे!ट खो ड़ा म (निस्थारे था , जीह D दु की कीचौंरे एकी तं रे-जी ले की

दु वों रे स रे!की

गेया था।

जीस ह म 1उसकी दुह की की ड़ा बदुले रेह था , म 1 अचौं की दुखो फिकी निस्थारे म (की छे आकीMनितंया

Dहलेचौंले कीरे रेह थाA।

याह की ले की की सकी जी!ड़ा था , जी! हनिÄया की ट कीड़ा की तंले शां म (इधरे-उधरे भ गे रेह था। ले फिकी उ म (स एकी आकीMनितं

निबCकी ले म वों जीस था। वोंह की ले तं ले ब म,(अ धरे म (घ ले -निमले छे या की ब चौं, भ"खो औरे जीलेतं

आDखो स मझे घ"रे रेह

था। उसकी ह था म (हÄ की ट कीड़ा था , निजीस वोंह अ दु तं स तं!ड़ा रेह था।

मझे दुखो हुई। मरे शांरे रे टकी ... ड़ा गेया , ले फिकी म 1 स D स रे!की कीरे शां तं रेह की की!निशांशं की। याह दु(Mया भया वोंह था , फि>रे म म 1शां तं रेह। म 1अ बह की दुह की! निचौंल रे निलेट था , औरे जीCदु ह

वोंह आकीMनितं हसD , जीस फिकीस मजी की रे हसD रेह ह!, औरे ब!ले , "तं म मझे नितंरेस्कीMतं महस"स फिकीया ? तं म, जी! भ दुवों औरे शांनितं की निलेए नितंरेस्कीMतं महस"स फिकीया वोंहा। यह नितंरेस्कीMतं महस"स ... ? " उदु स औरे थाकी महस"स कीरे रेह था। मरे बड़ा भ ई मझे स की निवांश्रे म

ट"वोंरे म (आरे म कीरे की सले ह ह ।

उस अ ब तं जी रे रेखो , " म 1 जी वों की! त्या गे फिदुया ह। म 1उस दुनि या स निभक्षा हA म Dगे सकीतं निजीस म 1 ट"वोंरे की स फिढ़या Dचौंढ़ औरे शां यादु अशां तं म स स! गेया। अचौं की मझे अजी ब स लिंखोचौं वों महस"स म 1 स्वांच् छे

स छे!ड़ा फिदुया ह ," म 1की , कीHवों , मछेनिलेया औरे निगेद्ध की स था रेहतं हूँ,D उ की स था भ!जी ब Dटतं हूँ।D इआरे जीवोंD की ले रे"

आD जीवों D!A की ... ? म 1 ... लेकीनि ... क्या स हA खो या ... ? ... मस् की की स था।

झे ट्टा म रे , मरे म था रे अ गेठ" गेड़ा फिदुए, औरे मत्र ढ़तं हुए मरे चौंह रे औरे शांरे रे रे

थाकी" शां रू कीरे फिदुया। म 1निब निहले -डी ले शां तं ड़ा रेह , औरे ध रे -ध रे बह !शां ह! गेया।

ह!शां म (आ रे म 1 खोदु की! बह दु हCकी महस"स फिकीया , जीस फिकीस अ धरे गे> स नि कीलेकीरे प्रकी शां म

(आ गेया हूँ।D वोंह

आकीMनितं गे याब ह! चौंकी था। याह अ भ वों इतं गेहरे था फिकी म 1इस कीभ भ"ले हA या।

भ रेवों की इस निवोंनिचौंत्र, निवोंकीMतं औरे अनिप्रया व्यवोंह रे की! समझे आस हA था , ले फिकी याह मरे निलेए

जी वों औरे मत्Mया की

रेहस्या की! जी की एकी म ध्याम ब गेया।

हम अक्सरे फिदुखो वों म (जी तं ह 1औरे सत्या स अ जी रेहतं ह।1 जी वों की की रू तं झे"ठ आवोंरेण म (निछे ह,

इच्छे की! समझे निब हम शांनि की दुरु या!गे कीरेतं ह।1 ले फिकी अ तंतo, हम सब म Dकी ले की या!जी की ह निहस्स ह,1

जीह D की!ई नितंरेस्की रे या भ दुभ वों हA ह— की वोंले एकी अ तं चौंक्र ह, जी! नि रे तंरे घ"मतं रेहतं ह।

स दुह की जी

म1यावों वोंस्था की दुहले जी रे हुचौंD चौंकी था। उष्णकीरिटबध या क्षा त्र म (सरे"जी की तंरेह, जी! अचौं की उगेतं ह और तं जी अस्तं ह!तं ह, मझे भ वों स्तंनिवोंकीतं ओं की स म कीरे था। स ध्वों शां यादु याह समझे निलेया था फिकी अबगेमझे म गे 4 रे और भ अनिधकी चौंस् तं , उद्दी श्या, स वोंध और अ तंरे गेतं की स था म गेदु4शां4 की आवोंश्याकीतं ह।

म स म (दु! ब रे, और वोंर्षों4की निवोंशांर्षों फिदु म,(हम अत्यातं जीरिटले अ ष्ठों म (सनिम्मनिलेतं ह!तं था, निजी की निलेए उच्चीतं गे! यातं और म की ण"4 सतं निलेतं निस्थानितं आवोंश्याकी ह!तं था। हम रे स ध फिदु -ब-फिदु गेह और महत्वों ण" 4ह!तं जी रेह था।

ज्ञा की लेलेकी मझे म (तं त्र ह! चौंले था , और उस रे!म चौं मझे इस की प्ररे ण दु। इस अवोंनिध की दुHरे म 1 भ!जी , Aदु और व्यवोंह रे म (कीठ!रे अ शां स की ले फिकीया। हरे फिदु म 1अ इच्छे ओं और निवोंचौं रे की! और अनिधकी नि यात्र ण म (रेखो की अभ्या स कीरेतं रेह।

इ सत्र की म ध्याम स, म 1 की म-क्षा त्र की प्रनितं ऐस रिरेनिचौंतंतं प्र प्त कीरे ले था फिकी मरे म स निजीज्ञा स की अक्षे लेतं रे तंरेह स निमट गेई था। म 1उस स्तंरे रे हुचौंD चौंकी था जीह D शां रे रिरेकी अनिधकी रे की की!ई तं च्छे इच्छे शां र्षों हA रेह था। रिरेनिचौंतंतं इतं स्वों भ निवोंकी ह! गेई था फिकी म 1 इस एकी स ध रेण याथा था 4की रू म (स्वों की रे कीरे निलेया था , निजीसम भ प्रकी रे की निवोंकीMनितं या आकीर्षों4ण की की!ई स्था हA था।

मझे कीभ भ की रे त्मकी भ वों या अवोंरुद्ध अ भ वों की स म हA कीरे ड़ा। इ सत्र म (की मकी तं की अ म जी की उ जी कीभ उत् न्न हA हुई।
मरे म जीस एकी निस्थारे दु 4ण ब गेया था , निजीसम (निवोंचौं रे और भ वों ए Dप्रनितंलिंबनिबतं ह!तं थाA, ले फिकी उ म (की!ई या हलेचौंले उत् न्न हA ह!तं था। याह अनिवोंश्व स की हगे ह था , जीह D हरे भ वों और निवोंचौं रे स् r और नि मले4 था।

याH चौं Hनितंया D

जी वों एकी अजी ब तं थाया4 त्र ह। इस या त्र म (अ की अवोंसरे रे मझे अ जी स्था रे शांरेण ले ड़ा। कीई ब रे ऐस क्षाण भ आए जीब अनि यानि त्रतं याH आकीर्षों4ण की शांनि शां ले चौं Hतं मरे म गे 4म (> > ले ए गे की तंरेह खोड़ा ह! गेई, जी ज़ीरे स चौंकी"डीस की! तं या रे था।

म !वों ज्ञा नि की रू स, याह आकीर्षों4ण कीभ -कीभ ऐस शां"न्यातं उत् न्न कीरेतं था , जीब ब हरे व्यनि त्वों की स म भ तंरे उथाले- था ले स ह!तं था। याह एकी ऐस सघ र्षों4था निजीसम (सह शांनि की रे क्षा हुई, और म 1 इ तं त्र चौं Hनितंया की स म फिकीया। याफिदु म 1कीहूँ Dफिकी म 1 कीभ इ शांनि या की स म हA फिकीया , तं! याह म त्र अहकी रे "ण 4शां खो और खो दु वों ह!गे।
ले फिकी चौं Hनितंया D आईं, और म 1उ स चौं;की हA। शांरे रे की भ"गे!ले और म निसकी अवोंस्था ओं की गेह रिरेनिचौंतंतं मझे भ"खो या जीले स बचौं ए रेखो। भHनितंकी सस रे म (ण"4 नि कीटतं कीभ -कीभ ण"4 अ निस्थानितं की रिरेण म ह!तं ह।

आत्म की आ दु म (डी"ब की अ भ वों (सम निध) औरे उस रेम दु म (तं रे की रे!म चौं मझे इ इच्छे ओं की! बच्ची की निखोलेH की तंरेह दुखो रे मजीबरे" कीरे दुतं था। म 1 स खो फिकी रिरे क्क म की निलेए या क्षानिणकी सखो की!ई आकीर्षों4ण उत् न्न
हA कीरेतं।

फि>रे भ , याह स्वों की रे कीरे आवोंश्याकी ह फिकी अनिवोंद्या (म या की शांनि) की बले निवोंद्या (ज्ञा की शांनि)

निजीतं ह प्रबले

ह। सकीतं ह। कीई ब रे हम अ भ तंरे औरे चौं रे ओरे मHजीदु" अच्छे ई की! तंभ महस"स कीरेतं ह 1जीब वोंह कीठ!रे चौं Hतं की

स म कीरेतं ह। स्वों स्थ्या, वों या, जीले, श्व स औरे सगे नितं की मC"यावों अच्छे ई की! हम तंब तंकी हA

समझेतं जीब तंकी

बखो रे, ब म रे औरे असनि वोंध उस चौं Hतं हA दुतं ।

जी वों म,(ठ की वोंस ह जीस किंकीवोंदुनि तंया म,(हमशां ऐस चौं Hनितंया की स म कीरे की सभ वों

रेहतं ह जी! क्षाण भरे म (

बिबों शां औरे तं ले सकीतं ह।1 सभ या!गे इसस रिरेनिचौंतं ह!तं ह 1औरे म निसकी रू स इसकी स म कीरे की निलेए

तं या रे रेहतं ह।1 बद्ध की! भ इसकी स म कीरे ड़ा औरे उन्ह अ तंतंo निवोंजीया ई। मह निवोंश्व निमत्र की! भ

अ निगे तं

ब रे चौं Hनितंया D निमलेA, ले फिकी हरे ब रे उन्ह कीरिठ सघ र्षों4कीरेकी सतं त्वों प्र प्त फिकीया।

याH शांनि औरे उसकी चौं Hनितंया D कीभ मतंM हA ह!तंA; वों सदु निवोंद्याम रेहतं ह।1 सया" 4की वोंले

भHनितंकी रू स अस्तं ह!तं

ह, वों स्तंबों म (वोंह कीभ अस्तं हA ह!तं , कीभ मरेतं हA। सया" 4की शांनि हमशां चौंमकीतं औरे सफिक्रंया रेहतं ह; ठ की वोंस

ह याH शांनि , जी! सHरे ऊजी 4की ह रू तं रिरेतं रू ह, हम रे निड़ाया , इच्छे ओं, वों स ओं औरे

महत्वों की क्षा ओं की

म ध्याम स की म कीरेतं ह।

मरे जी वों म (भ या चौं Hनितंया D समया-समया रे आईं; ले फिकी वों स की स्था रे प्रम आया , फि>रे

सह भ "नितं औरे समझे,

औरे अ तंतंo सतं ले। याह उ कीठ!रे आत्म-सया म स ध ओं की उ ह रे था।

याH शांनि इतं व्य की औरे आकीर्षों4की ह फिकी उस ब Dसरे की आकीर्षों4ण की रू म (कीनिC तं फिकीया गेया

ह। ब Dसरे स D की!

आकीर्पिर्षोंतं कीरेतं ह; ठ की वोंस ह Cह फिदु की आह्वों याH इच्छे की! आकीर्पिर्षोंतं कीरेतं ह। याफिदु ब Dसरे वों दुकी की शांलेतं स

इस बजी ए, तं! स D उसकी मज़ीÂ की अ स रे Mत्या कीरेतं ह; ले फिकी याफिदु वोंह निहचौंफिकीचौं ए, तं! डीकी

अनिवोंवोंकी औरे ध!खोब ज़ी ले!गे गेलेनितंया D कीरे(औरे ड़ा की अ की चौंक्रं स गेज़ी रे(, इसकी निलेए कीई चौंतं वोंनि या D नि निश्चबं तं व औरे

स दु गेई ह!। याह Dकी छे उद्भुधMतं ह-1

घ तंकी ह!तं ह।

Cह फिदु (याH शांनि) की आह्वों की! रे ध (Cह फिदु) की कीMष्ण की ब Dसरे की आह्वों की प्रनितं

तंक की दनि या

प्रनितंफिक्रंया की रू म (दुखो

गेया ह। याह सम बिबोंचौं रे वों ले आत्म ओं की ब चौं आ दुमया सया !गे की प्रतं की ह। याह प्र कीMनितंकी चौंब की या ध रे की निवों रे तं

ध्रु वों की ब चौं निवोंद्यातं तंरे गे की प्रवों ह की व्य वोंह रिरेकी रू ह।

1. नि नि तं की ले की"टस्या हरेस्या-वोंह: खोले म i(याह हले ह समझे या जी चौंकी ह) जीब तंकी फिकी 'निवोंर्षों' (वों स और ले!भ की) कीरे प्रनितंरेनिक्षातं ह! जी ए,D फिकीस की! भ स ध की इस रू की स था निखोलेवों ड़ा हA कीरे चौं निहए।

2.ब जी की! कीड़ा स खो।(इस ब हरे नि की ले की ब रे म (कीभ स!चौं।(हA; कीभ हA। आस की निस्थानितं म (हA। याफिदु याह एकी निमले प्रतं तं ह!तं ह, तं! याह नि निश्चतं रू स शांरे रे की निमले हA ह। आत्म ए Dशांरे रे की समझे स रे एकी ह! जी तं ह।1 रिरेण म रेलेHफिकीकी दुतं अ भ वों की एकी अनितं-चौंतं क्षा त्र म (निवोंस्>!रिटतं ह! तं ह।1 याह एकी अ ठ ("स्या की अ भ वों ह, फिकी D की निवोंस शांरे र रेख ठ आरेनिक्षातं फिदु की! ईफी रेखोतं ह।

3.वोंस्र ह एकी अठ (जीस फिकीस ह, फिकीस मतंM शांरे रे खठ ह! याफिदु की! ईफी रेख चौं, तं! ई व्य की लेतं , या गेम4 शांरे रे की की रे फिदुखो ई दु, तं! उस रे!की(; उस रे नि यात्र ण रेखो;(उस मजीबतं" स कीड़ा,(जीस आ जीगे ले की!बरे की! कीड़ातं ह,1 जीब तंकी फिकी उस ट!कीरे म (बदु कीरे फिदुया जी ए। 'मतंMकी ' स आ वों ले आमत्र ण रे नि यात्र ण रेखो।(आ ह वों स्तंवों म ('जी निवोंतं' ह,1 इस दुनि या म (जी! मत्Mया द्वी रे शां निसतं ह। याह जी वों और मत्Mया की शांनि या की ब चौं एकी निमले ह। याफिदु इस प्रफिक्रंया म (मत्Mया जी वों म (रिरेवोंर्पितंतं हA ह!तं ह, तं!स ह रेखो (जी वों आ की जी वों धरे श्वरे मतंM हA जी एगे ।

4.इस तरेह की! निर्बोंयाæनि कीत प्र,स कीरे की निलेए सभ प्रले!भ , सभ भया, ध्वोंनि , गेध , स् शां4, दुनिMr वोंरे स्वोंदु की! प्रनितं सभ ब हरे प्रनितंफिक्रंया ओं रे नि यात्र ण रेखो।("म 1सब की छे हूँ"D (भ रेवों!हम निशांवों! हम) की ण"4 भ वों म (निस्थारे रेह।(

इस रेम नि र्पिवोंशांर्षों तं (शां"न्यातं) की अवोंस्था की! प्र स्र कीरे की निलेए, जी! फिकी अनितं-व्यनि त्वों की अवोंस्था म (प्रवों शां की एकीम त्र द्वी रे ह, वोंयास्की स धकी की! एकी ण"4 म गेदु4शां4की, एकी गेरु की तंले शां कीरे ह!तं ह। फि>रे उस वों मम गे4 की उग्र मह या स ध निसद्ध तं म (दु निक्षातं फिकीया जी तं ह। वोंह जी निवोंतं और मतंM ले!गे रे आस ब कीरे, सभ प्रकी रे की भया वोंह या आमनि त्रतं भ!जी खो कीरे, अनि निश्चतं की ले की निलेए जी गेकीरे, अनि निश्चतं की ले की निलेए स!कीरे खोदु की! कीठ!रे ब तं ह। (म 1वोंर्षो41936 म (कीलेकी म (ऐस ह एकी या!गे की रिरेचौं रेकी था , जी! तं मह स अनिधकी समया स स! रेह था , और जी! अगेले छेह मह तंकी स!या रेह ; म 1शांरे रे की! ध!तं और निखोले तं था , जीस फिकी म 1एकी Hध की दुखो भ ले की रेह हूँ।D अ ततंo म 1उसकी अच्छे निमत्र ब गेया ।) सम निध की इस अवोंस्था म,(या!गे की ण"4 आत्म-नि यात्र ण की तंहतं शां रे रिरेकी प्रनितंफिक्रंया ए Dशां"न्या ह! जी तं ह।1 जीब तंकी या!गे तंटस्थातं , या ण"4 नि वोंयाæनि कीतं प्र स्र हA कीरे ले तं , तंब ब्राह्म डी या शांनि या की आह्वों हA फिकीया जी सकीतं , ह उन्ह (अवोंशां!निर्षोंतं फिकीया जी सकीतं ह। उ शांनि या की आशां वों दु4 की निब की!ई भ व्यनि खोशां और आ दु की! प्रक्षा नि तं कीरे म (सक्षाम हA ह। हम (उ अभ वों की! या दु कीरे चौं निहए जी! बद्ध की!ज्ञे ले ड़ा था, या शां की! निजी प्रले!भ की स म कीरे ड़ा था ; इस म गे 4की! स्वों की रे कीरेतं समया नितंब्बतं ले म ओं की चौंतं वोंनि या ।D

ब!निध

हम (याह कीभ हA भ"ले चौं निहए फिकी बद्ध त्वों प्र स्र कीरे स हले बद्ध या या शां जीस स तं की! फिकीतं कीरिठ और तं ब्र रे क्षा ओं की स म कीरे ड़ा था। वों इ रे क्षा ओं म (इसनिलेए स>ले हुए क्या फिकी उन्ह ण"4 नि र्पिलेस्रतं और आत्मस याम रे निवोंजीया प्र स्र की था। उ की निलेए की!ई भ व्यनि गेतं स्वों निमत्वों, ले भ, या म!ह म या हA रेखोतं था। वों अ जी वों की! तंत्वों की स था इतं गेहरे ई स एकी कीMतं कीरे चौंकी था फिकी उ की अनिस्तंत्वों की हरे हले "समतं और शां नितं स भरे हुआ था। याह ब!निध की अवोंस्था ह— रेमहस ह! की अवोंस्था।

ब!निध की इस अवोंस्था म (बद्ध की! की!ई भ भ वों व्यनिथातं हA कीरेतं। उ की चौंतं आत्म उ की शांरे रे और ह फिदुया स तंत्र की दुनि या स निमतं कीरे ले तं ह।1 उ की

स्वोंतं त्र हातं ह। वों अ ध वों ओं की! ण"4 नि या त्रण म (रेखोतं ह,1 याह D तंकी फिकी उन्ह (शां"न्या तंकी

व्यनि त्वों स म निजीकी प्रतं की , दु , औरे म न्यातं ओं स रे ह!तं ह, क्या फिकी वों अ व्यनि गेतं अनिस्तंत्वों की बध स म ह!
चौंकी ह!तं ह।1 उ की निलेए स स रे उ की घरे ह, औरे ब्राह्म डी उ की स म।

उ की इच्छे शांनि की मज़ीबतं" औरे निस्थारेतं दु! अनिडीगे स्तं भ की तंरेह ह!तं ह।1 वों घMण , ईष्या 4,

द्वीर्षों , रे या, महत्वों की क्षा ,
अहकी रे क्!ध, भय, या वों स ओं स रे" तंरेह म ह!तं ह।1 उ की निलेए धम 4की अथा4 नि र्पिवोंकी रिरेतं (नि रे क्षा तं) ह, औरे
उ की स्वोंभ वों समत्वों (सम तं औरे स तं ले) स भरे हुआ ह!तं ह।

गे तं म (इस अवोंस्था की स दुरे वोंण4 निमलेतं ह:
"जीह D म की! आ दु निमलेतं ह, औरे आत्म-नि या त्रण की! रे स्की रे;
जीह D आत्म , आत्म की! दुखो तं ह, औरे आत्म की स था प्रसन्न ह!तं ह,
वोंहA या!गे की आ दु नि निहतं ह। "
("यात्र! -रेमतं निचौं नि रुद्ध या!गे स वोंया।
यात्र चौंवों त्म त्म श्यान्न त्मनि तं ष्यानितं।।" - गे तं)
या शांब्दु नि वों 4ण की उस रेम अवोंस्था की! दुशां 4तं ह,1 जीह D म ण"4 तं वों-म ह!तं ह औरे आत्म

आ दु म (निस्थातं ह!तं ह।
तंत्र म गे 4स धकी की! इस नि वों 4ण की अवोंस्था तंकी शां घ्रतं स हुचौंD म (सक्षाम ह, याद्यानि याह म गे 4कीरिठ औरे रे क्षा ओं स
भरे ह!तं ह।

तं त्र म गे 4की म की स था एकी अ !खो ढंगे स 'खोले तं ' ह। याह की म म (ले ह!तं ह, ले फिकी उस भ!गे,

ले लेचौं, वों स या
उ जी म (निलेस हA ह! दुतं । तं त्र की म की जी" कीरेतं ह, उसकी सम्म औरे आरे ध कीरेतं ह, ले फिकी उस निवोंकीMनितं
या अनि या नित्रतं भ!गे म (हA बदुले दुतं । तं त्र म (की म एकी ब>¬ले अनिग्न म (स्ना की सम ह। याह उ-

निजीतं कीरेतं ह, ले फिकी शां नितं की! भ गे हA ह! दुतं ; याह प्रम
कीरेतं ह, ले फिकी वों स म (रिरेवोंर्पितंतं हA ह! दुतं । तं त्र अ ग्रे ह की उस प्रकी शांमया अवोंस्था की! प्रनितंलिंबनिबतं कीरेतं ह,
जीस स"रेजी की फिकीरेण (वोंनिखोले कीमले की नि मले4तं की! प्रनितंलिंबनिबतं कीरेतं ह।1

इस प्रकी रे तं त्र म गे 4स धकी की! स तं ले , शां द्धतं औरे आत्म-स क्षा त्की रे की ओरे ले जी तं ह, जीह D ब!निध

की अवोंस्था की
अ भ वों फिकीया जी सकीतं ह— वोंह अवोंस्था जीह D जी वों , प्रम औरे की म, सब एकी फिदुव्य स तं ले म (निवोंले ह! जी तं ह।1

दु! निमत्र

म 1इ रेहस्या की गेहरे ई म (निब अ प्र रे निभकी म गेदु4शां4की की सह यातं की , निवोंशांर्षों रू स की सरिरेया वोंस्त्र वों ले दुवों औरे मरे निमत्र रेदु की निब , कीभ प्रवों शां हA कीरे तं। मरे दुवों म D की तंरेह स्ना हमया , प्रम ण",4 उत्स की औरे निवोंश्व स स भरे हुई थाA। वोंह मझे लेगेभगे अ ह था स था म रेहस्या स रेहस्या की ओरे ले जी तं थाA, औरे उ व्य वोंह रिरेकी स ध ओं की म ध्याम स मझे निसखो तं थाA, निजीन्ह (निसवों या उ की की!ई औरे हA निसखो सकीतं था।

याह म गे 4कीरिठ था ; खोतंरे की था ; कीभ -कीभ चौं Hतं ण"4 रू स की रू , याह D तंकी फिकी घMण स् दु भ ; ले फिकी ऐस क्षाण म (
भ, उ की ह था हमशां मरे स था ह!तं , औरे उ की शां तं, निस्थारे सह शां लेतं मरे सह रे ब तं। हम कीरे ब था ; हम औरे
भ कीरे ब हुए; औरे उ स ध ओं म (हम सबस अनिधकी नि कीट था। ले फिकी अक्सरे, हम एकी रे!म चौंकी या त्र

मरे निमत्र रेदु इसकी निवों रे तं, मजी फिकीया , चौंचौं ले, टखोट औरे शांरे रेतं था , जीस की!ई रे -किंकीवोंदुतं की ब लेकी
हमशां निसखो की बह स खो , म Dगे की बह दु , औरे प्रम की बह प्रम कीरे की! तंत् रे रेहतं था ।

वोंह अक्सरे मरे गेहरे आध्या नित्मकी व्यथा की क्षाण म,(ऐस प्रकीट ह!तं जीस हम अचौं की ह फिकीस स या!गेवोंशां निमत
वोंह हमशां अ भ ईचौं रे की ह था स ध मरे स दुह रे रेखोतं था । उसकी अचौं की औरे अप्रत्या निशांतं उ निस्थानितं आकी
निगेरे हुई अ चौं ह कीM की बदु" जीस ह!तं , औरे उसकी निवोंदु ई दुलेदुले रे अचौं की घ लेतं की!हरे जीस ।

उस मझे प्रम औरे ध या 4की सरेले गेण निसखो ए; तं स्या औरे ध्या की कीरिठ अभ्या स निसखो ए; औरे सहभ वों औरे स
उत्स हवोंध4की आ दु भ निसखो या । रे²निबन्स क्रं"स! की शां क्रंवों रे था ; रेदु मरे निलेए हरे फिदु की स था था । वोंह मरे
सहजी औरे स खोकी रे था ; बहुतं ह सरेले मरे निमत्र ।

फिकी रे की फिकीले

म 1 दुखो फिकी उसकी स दु दु स्था शां तं दु फिकी रे था । ध रे की दुनिक्षाण म,(निश्चम तंट रे, वों रे णस की प्र चौं
की रे भव्य प्र -निब्रारिटशां फिकीले की अवोंशांर्षों खोड़ा था । इस फिकीले स भ रेतं की रे जी ओं की उत्था औरे तं की
अध्या या म (स एकी जीड़ा हुआ ह, निजीन्ह (ईस्ट इ निडीया की की Hकीरे द्वी रे झे की औरे आत्मसम ण4 कीरे की नि
औरे डीरे या गेया था ।

उ निड़ातं म (स एकी था वों रे णस की रे जी चौंतं लिंसह। याद्यानि याह एकी बहुतं छे!ट रे ज्या था , ले फिकी वों रे णस श
स स्कीMनितंकी मह की की रेण, जी! वोंफि दुकी रे रे की प्रम खो की(द्र था , जीह D बद्ध हले ब रे उ दुशां फिदुया था औ
उन्ह ले ब समया तंकी नि वों स फिकीया था , याह रे ज्या अत्यातं सम्म नि तं म जी तं था । वों स्तंवों म,(इस रे जी की! लिंह
की प्रतं की त्मकी इकी ई की रू म (म जी तं था ।
उन्ह (इसनिलेए डीरे या -धमकी या गेया औरे उ रे आक्रंमण फिकीया गेया क्या फिकी उ की रे रिरेकी नि ष्ठों लेखो ऊ की वों
प्रनितं था , जी! मगे ले सम्र ट की वों यासरे या था । उरे भ रेतं की सभ रे जी नितंकी उथाले- था ले की दुHरे , वों रे णस की रे
की! हमशां अकी ले छे!ड़ा फिदुया गेया था , उ की निवोंशांर्षों प्रतं की त्मकी निस्थानितं की की रेण।

याहA, दु फिकी रे , वों²रे हलिं स्टग्स की! रे निजीतं ह! ड़ा था , औरे उस भ गेकीरे दु की ऊ रे एकी निवोंकी की झे ड़ा
शांरेण ले ड़ा था , निजीस उस शां -सम दुया स बचौं या था । ले फिकी हलिं स्टग्स चौंतं लिंसह की! अकी ले छे!ड़ा क
हA फिकीया था । वोंह फि>रे स स गेरिठतं स ओं की स था तंब आक्रंमण कीरे आया , जीब उस समझेHतं वों तं 4 कीरे चौं

या द्ध औरे शां नितं की चौं लेब निजीया स अ रिरेनिचौंतं रे जी , हत्या ओं औरे रे तं स थाकीकीरे याह समझे लेगे फिकी हलिं
व्यनि गेतं रू स फिक्रंस रे बले चौं हतं ह। याह चौंतं लिंसह की निलेए, जी! वों रे णस की रे जी औरे लिंहदु "भ रेतं की प्रतं
मह अ म की की रेण ब तं । प्रतं की त्मकी रू स रे" लिंहदु "सम जी की! अ म नि तं कीरे की बजी या, उन्ह अज्ञा तं स्था
की ओरे ले या फिकीया , औरे फि>रे कीभ उ की की!ई तं हA चौंले ।
फिकीले की बड़ा निखोड़ाकी की चौं एकी छे!ट स ब ले "की ट्टा था , जी! आमतंHरे रे घ स स ढंकी रेहतं था । ढंले हCक
आमनि त्रतं कीरे वों ले था । उसकी स ह , था!ड़ा दुनिक्षाण की ओरे, दु की मख् या म!ड़ा था , जीह D स वोंह शांहरे की स
प्रवों शां कीरेतं था ।

वोंह स्था शां तं था , औरे वोंह D की नि स्तंब्धतं म (दु की स दुशां की! स की आभ स ह!तं था । जीब भ म 1उस निखोड़ा
चौं हरे स्था रे खोड़ा ह!तं , मझे एकी अजी ब की महस"स ह!तं , जी! मरे भ तंरे गेह ले लेस उत् न्न कीरेतं ।

ब दु म (मझे याह तं चौंले फिकी दु वों रे की ठ की ऊ रे एकी निवोंत्र स्था ह, जीह D कीभ मह तं नित्रकी स धकी स ध
था। अद्भुभतं रू स स रेनिक्षातं मफि दुरे की शांM खोले आजी भ उ की स ध ओं औरे उ लेनिब्धया की स्मनिMतं ब ए हुए ह

याह की रेण था फिकी वोंह हरे स्था मरे निलेए अत्यानिधकी स वोंदु शां ले भ वों ओं की! स जी!ए हुए था। (म 1 उस स्था क
अ नितंम ब रे 1983 म (दुHरे फिकीया था। वोंह D ध्या कीरे स आजी भ तं रे तं रिरेण म निमलेतं ह।1)

वों की मH व्यनि

उस म!ड़ा रे, जीह D रे तं की ट ले की की रेण ध रे ध म ह! जी तं था, एकी अकी ले वों बहतं हुई फिदुखो ई दुतं था। याह
फिकीस छे या मया प्रतं की जीस लेगेतं था—निस्थारे, अनिवोंचौंले, म ! समया की स म ओं स रे ह!।
वों की अचौंलेतं म (एकी रेहस्या था, जीस वोंह फिकीस गेहरे ध्या म (मग्न ह!।

बरेस तं की मHसम म,(जीब उ> तं ध"सरे लेहरे(फिकी रे की! ले घ जी तंA औरे उग्रे जीलेप्रवों ह सब की छे नि गेले की! आतं रे
ह!तं, तंब इस वों की! गे Dवों की स की ण4 म गे' स गेज़ी रेतं शां तं जीलेध रे म (स रेनिक्षातं ले जी या जी तं था। याह हमश
स रेनिक्षातं लेHटतं, जीस की!ई निवोंत्र धरे!हरे ह!, निजीस प्रकीMनितं स्वोंया स रेनिक्षातं कीरेतं ह!।

कीह जी तं था फिकी इस वों रे वों रे णस की एकी प्रनिसद्ध या!गे नि वों स कीरेतं था। मरे प्र रे निभकी फिदु म (वों मझे
रेहस्यामया हले की तंरेह लेगे था।
ले!गे उन्ह (शांहरे की रेक्षाकी दुवों दुतं" म तं था। उ की ब रे म (कीई कीह नि या D स ई जी तं थाA, ले फिकी सबस निवोंनि
फिकीस उन्ह (कीभ ब!लेतं हुए हA स था।
जीब भ उन्ह (स वों दु कीरे ह!तं, वों की वोंले एकी गेह दुनिMr डी लेतं, औरे उ की स दुशां निब फिकीस शांब्दु की स प्र निष

उ की मH म (शांब्दु स अनिधकी प्रभ वों था।
कीह जी तं ह फिकी कीई निवोंदुशां त्रकी रे उ की स था ले ब स वों दु फिकीया था, निब एकी भ शांब्दु कीह। वों उन्ह (
या मH स तं कीहकीरे की रेतं था।
उ की मH की वोंले ध्वोंनि या की अभ वों हA था; वोंह एकी ऊजी 4 था, एकी उ निस्थानितं जी! स वों दु स रे था।
मझे इस हरे फिकी रे रे बठ कीरे अ ढ़ ई कीरे म (अ !खो आ दु निमलेतं था। याह D गेगे की मथा रे लेहरे(फिकी रे की
रेचौंतंA।
कीभ -कीभ म 1याह D ध्या म (डी"ब जी तं था। याह स्था म ! ध्या की निलेए ह ब था।
शां यादु याह गेगे की निवोंत्रतं की प्रभ वों था, या फि>रे प्र चौं फिकीले म (निस्थातं शांनि मफि दुरे की ऊजी 4, या फि>रे
स तं की वों की उ निस्थानितं—जी! भ ह!, याह D म की! सहजी ह निस्थारेतं निमलेतं था।
आलिलेंयो कीरेतंA, औरे वों म (घ ले मदुM ध्वोंनि या D एकी अप्रनितंम स गे तं
ध्या की गेहरे ई म,(समया ठहरे जी तं औरे म शां"न्या म (निवोंले ह! जी तं।
म अ निवोंश्रे म की निलेए सदु एकी स गे तंमया वों तं वोंरेण चौं तं ह, औरे याह स्था उस स गे तं की स्रो!तं था।
इस शां तं, स रेम्या वों तं वोंरेण म,(एकी फिदु मरे निमत्रवोंतं वोंष् णवों स तं—मरे रेदु—मझे स निमले।
उस फिदु म 1मत्र की निछे हुई शांनि की रेहस्या की! जी की तं त्र निजीज्ञा स स व्य की ले था।
मझे ज्ञा तं था फिकी एकी मत्र —एकी ब जी क्षारे—की वोंले ध्वोंनि हA ह; वोंह एकी रेहस्यामया की ह, जी! स "ण 4अथा4
अवोंध रेण ओं की! अ भ तंरे समट हुए ह।

मझे तं था फिकी इ ध्वोंनि या की स रेचौं औरे उ की उच्चा रेण फिकीस अदुश्Mया की जी की तंरेह ह, जी! चौंतं की बदु
खो!ले की क्षामतं रेखोतं ह।
ले फिकी याह की स स भवों ह?

की स एकी स ध रेण प्रतं तं ह!   वों ले उच्ची रेण आत्म की! झेकीझे!रे कीरे उसकी मले" स जी!ड़ा सकीतं ह? क्या याह ब जी क्षारे अ   स निक्षाप्ततं म (अ तं निवोंस्तं रे की! सम निहतं कीरे ले तं ह?
की स याह स ध रेण ध्वोंनि फिदुव्य ब जी तं ह?

इ प्रश्न   मरे   म की! व्य की ले कीरे रेखो था।

म 1इस रेहस्या की! जी   की निलेए अध रे था , जीस   प्या स मरुस्थाले म (जीले की एकी बदु"D की निलेए तंड़ा तं ह
औरे तंभ ,   रेदु प्रकीट हुए।

उ की आगेम शां तं जीले म (की कीरे की निगेरे   जीस   था —की!मले, ले फिकी गेहरे तंकी प्रभ वों डी ले

वों ले।

उ की उ निस्थानितं म (एकी ऐस शां नितं-स"त्र था , जी! मरे   व्य की ले म की निबखोरे हुई ध्वोंनि या की! एकी लेया म (ब D ध रेह था।
उ की आDखो म (अ रे शां नितं था , जी! मरे   भ तंरे उठतं प्रश्न की आDनिधया की! ठहरे वों दु रेह था।
उ की मदुM मस् की   म (जीस   मरे   स रे प्रश्न की उरे था।
मझे   लेगे , मरे   स रे प्रश्न, मरे   स रे निजीज्ञा स एD उ की मH म (निवोंले   ह! रेह थाA।
उ की मH म (मझे   मत्र की रेहस्या की प्रथाम झेलेकी निमले —एकी ध्वोंनि जी! शांब्दु स   रे था , एकी की जी! अनिस्तत्वो की हरे
की!   म (व्य प्त था।
मत्र की रेहस्या मH म (था , औरे उस मH की!   रेदु   मरे   भ तंरे जीगे फिदुया था।

हस   की   त्र

म 1 उ बच्ची की जी!ड़ा की ब रे म (ब तं की था जी! सभ !गे म (लेगे हुए था , औरे निजीन्ह   मझे   भ गे ले की निलेए आमनि त्रतं फिकीया था। म 1 की!निशांशां की था , ले फिकी इस प्रफिक्रंया म (मझे   याह बहुतं उब ऊ औरे नि रेथा4की लेगे , मरे   ले डी इ स फ्री² की स था गेप्त सत्र म (म 1 जी! आ दु निलेया था , उसकी तं ले   म।(स्वों भ निवोंकी रू स म 1 उन्ह (अ   तंरे की स , म वों जी वों म (सभ !गे की निस्थानितं की ब रे म (अ   सबस अ तंरे गे औरे निवोंत्र निवोंचौं रे की! व्य कीरे   की की!निशांशां की। वों हसD औरे मझे   ढं गे (बकीवों स) कीह। ले फिकी जीब भ अकी ले ह!तं , वोंह बड़ा ह! चौंकी   लेड़ाकी मझे   म!निहतं कीरे   की की! निशांशां कीरेतं। मझे   निवोंश्व स था फिकी वोंह मरे   तंHरे-तंरे की की दु वों   था। की रेण जी! भ ह!, वोंह मझे अ   खोले म (> स   की निलेए दुढ़M नि श्चया था। कीम स कीम मझे   तं! ऐस ह लेगेतं था। उस उम्र म (प्रले! भ ले की -निछे   की तंरेह बढ़तं ह। इसनिलेए वोंह निचौं की रेह ; औरे एकी हतं शां मछे आरे की तंरेह अ आकीर्षों4ण औरे आकीर्षों4ण की सह यातं स मझे   धमशां4 स्त्र या तं त्र निवोंद्या की दुलेदुले स ब हरे नि की ले चौं हतं था। इसनिलेए वोंह मझे   हरे तंरेह स ले ड़ा-प्या रे कीरेतं रेह ; औरे कीभ -कीभ तं! मरे   छे - छे भ चौंलेतं था। म 1जी! म तं था औरे जी! कीरेतं था , उसकी अवोंहले   कीरेतं हुए, वोंह हमशां   मत्र की शांनि की मरे   दु वों की मजी की उड़ा तं था। की छे लेड़ाकी की स था निमलेकीरे वोंह अक्सरे मत्र   म (मरे   घ!निर्षोंतं आस्था की मजी की उड़ा तं था। उस   मत्र की प्रभ वोंकी रिरेतं म (मरे   आस्था की! भ चौं Hतं दु था। उसकी निवोंचौं रे मझे   स वोंजी4नि की अ म , ब्लेकी मले औरे तं   की हनिथाया रे की जीरिरेए वोंशां म (कीरे था। मझे   गेप्त रू स प्रतं निड़ातं फिकीया जी रेह था। याह की चौंले गेए अहकी रे की या तं   हA था। याह मनिहले की की मकी तं की निशांकी रे ह!   की या तं   हA था। याह एकी स ध रेण औरे म स"म या तं   था निजीस एकी गेलेतं समझे गेया दु!स्तं दुस"रे की! रेम   दु की ब तं हA बतं   म (या खोशां   की एकी आम स्रो! तं म (निहस्स   ले   म (महस"स कीरेतं ह। मरे   म   ह फिकी ऐस अ भ वों जी वों की या त्र म (अ रिरेह या 4ह, खो सकीरे जीब फिकीस   की! म   वों निवोंकी स म (उस ' !-मन् स ले1डी' स   गेजी रे   ड़ातं ह   निजीस आमतंHरे रे फिकीशां!रे वोंस्था की   रू   म (जी   जी तं ह। मझे   लेगे फिकी म 1उस अ   आरेनिक्षातं आकीर्षों4ण, असले आकीर्षों4ण, मत्र की शांनि की आकीर्षों4ण स प्रभ निवोंतं कीरे सकीतं हूँ। ले फिकी मझे खोदु की! रेहस्या

~~म (मह रेतं ह निसले कीरे   म (सक्षाम ह!   चौं निहए, इसस   हले फिकी म 1उस अ   तंरे की स प्रभ निवोंतं कीरे~~ तंक की हनि था

की दु वों कीरे सकी"।

खो सकीरे उस। वोंह बहुतं बनि द्धम   औरे इतं   ध रे प्रवों ह व्यनि था।

शांरे रे की! म स"निमयातं की ब!ध हA

स्वों भ निवोंकी रू स, मझे मत्र की रेहस्या , उ की स्रो!तं औरे उ की की या-4प्रण ले की! समझे की तं व्र इच्छे था —अक्षारे की शांनि , ध्वोंनि सरे चौं एD, उ की प्रभ वों, औरे उ ध्वोंनि या की की , जी! स औरे चौंतं रे प्रनितंफिक्रंया कीरेतं ह,1 निजीसस व्यनि त्वों आकी रे ले तं ह।

कीC की निजीए, म 1 रे" तंरेह स अ निवोंचौं रे म (डी"ब हुआ था , तंभ मरे तं द्र ट"ट। म 1 दुखो , रेदु मरे स बठ

मस् की रे रेह था। उ की रेहस्यामया उ निस्थानिचौं;कीझेफिदुया। इसस हले फिकी म 1की छे कीह तं , उन्ह अ की!मले तंजी 4 स चौं इशां रे फिकीया औरे कीह ,
"दुखो!"

मरे ज़ीरे चौं गेई—एकी स D !
वोंह त्थारे की ब चौं की दुरे रे म (सरेकी रेह था , उसकी हरेकीतं(बह दु शां तं थाA।
"वोंह म दु की!बरे ह, ब लेकी," रेदु कीह , उ की आवों ज़ी म (हCकी शांरे रेतं था। "या म दु ए Dआकीर्षो4की, म Dगे कीरे वों ले औरे निवोंचौंनिलेतं कीरे वों ले ह!तं ह।1"
उ की मस् की म (एकी रेहस्यामया सकी तं था , जी! मरे भ तंरे कीहA गेहरे तंकी चौंभ गेया। (क्या म 1अभ -अभ फिकीस 'स्त्र ' की ब रे म (हA स!चौं रेह था ?)
याह निवोंचौं रे मझेसहरे गेया।

वोंह की!बरे रे" समया मरे रे की स निले ट ड़ा था , औरे मझे इसकी आभ स तंकी हA हुआ था। म 1 स D की! जी तं हुए दुखो औरे एकी ले ब स Dस ले।
रेदु मरे चौंह रे की भ वों ढ़ निलेए था।
उन्ह मस् की रे कीरे कीह ,
"वों म की! हचौं तं ह।1 ले फिकी वों उन्हA की निलेए ह नि रेनिहतं ह!तं ह 1निजी की म म (ह नि की भ वों हA ह!तं।"

"फि>रे वों निशांशांओं , वोंजी तं निशांशांओं , औरे मवोंनि शांया की! क्या की टह्नं?1" म 1 तंत्की ले सवों ले फिकीया।
"क्या तं म स!चौंतं ह! फिकी बच्ची निवोंचौं रे स म सम" ह!तं ह?1" उन्ह प्रत्या रे म (छे"।
" हA! बच्ची भ अ तंरे की स स!चौंतं ह।1 म स की! म सनि"मयातं हA ह!तं।"

"निजी तंत्वों स जी वों ब ह,1 वों म!ह, प्रजी औरे निवोंस्तं रे की तं व्र म Dगे स निघरे ह!तं
इस स्वों भ निवोंकी म Dगे की! सतं निलेतं रेखो की निलेए, ले भ वों ओं, प्रले!भ औरे इच्छे ओं की! नि यानि त्रतं कीरे ड़ातं ह।
औरे याह तंभ सभ वों ह जीब उन्ह (प्रम म (रू तं रिरेतं फिकीया जी ए।"

"म सनि"मयातं की!ई जीन्मजी तं हAयाह;
म स म (म सनि"मयातं हA ह!तं।
याह सचौं तं प्रया स औरे नि रे तंरे स ध स अर्पिजीतं ह!तं ह। "

उन्ह आगे कीह ,
"याह Dतंकी फिकी प्रकीMनितं म (भ की!ई म सनि"मयातं हA ह!तं , भले ह वोंह कीभ -कीभ अछे"तं औरे नि ष् लेगेतं ह!। हA। प्रत्याकी प्र ण अ स्वोंभ वों की अ स रे प्रनितंफिक्रंया कीरेतं ह। "

"बच्ची भ अ भ वों त्मकी उतं रे-चौंढ़ वों की! व्य कीरेतं ह,1
हम बस उन्ह (सह ढं गे स समझे म (अस>ले रेहतं ह।1
हम रे समझे उ की की!मले औरे सक्ष्"म प्रनितंफिक्रंया ओं की! कीड़ा म (असमथा 4ह!तं ह। "

"दुखो !, समझेदु रे म तं ए Dऔरे स बच्ची की! की स सहजीतं स समझे ले तं ह,1
जीबफिकी समझे ले!गे उ की सरेले भ वों की! भ हA ढ़ तं। "
"क्या तं म दुखो ह, बच्ची की स अजी निबया स या अ ह रिरेवों रे की की छे ले!गे स भ अ सनि फिदुखो तं ह?1
याह उ की चौंया -प्रफिक्रंया ह, जी! हरे समया चौंलेतं रेहतं ह— अत्यातं सक्ष्"म, रे तं नि रे तंरे।"
"सवों दु शां ले जी वोंरे, जीस स D , निगेलेहरिरेया ,D निबज्ज,"
अ तंरे की ब रे फिकीया की! अ अ दुरे की तं त्र की म ध्याम स महस"स कीरे ले तं ह।1"
"चौंमगे दुड़ा फिकीस भ इ स स तं ज़ी स प्ले गे की आहट हचौं ले तं ह।1"
"मध मनिक्खोया Dअ निशांकी रे की स्था की! कीभ हA भ"लेतंA।"
" क्षा ऋतं ओं की बदुले वों की! सबस सट की रू स रिरेकी॑डी 4कीरेतं ह।1"
"जी वों की इस व्य की रिरेदुश्[Mया म (ऐस अ निगे तं उदु हरेण ह।1"
"हम भ इन्हA बले की प्रभ वों म (की या 4कीरेतं ह—1आवोंगे औरे भ वों स।
ले फिकी हम प्रकीMनितं स दुरे" जी चौंकी ह,1
हम रे प्रनितंफिक्रंया ए DकीMनित्रम ह! गेई ह,1
हम ग़स्âस म (अ सतं ले खो! बठ तं ह,1
औरे उ की या' की तं ले म (अनिधकी गेलेनितंया Dकीरे बठ तं ह,1 निजी रे हम (गेवों4 ह! चौं निहए।"

"एकी नि तं अ त्र की हत्या कीरे दुतं ह,
एकी नितं अ त्र की! टतं ह,
एकी आदुम शांरे ब कीरे रे" रिरेवों रे की! बब 4दु म (धकी ले दुतं ह। "
"इस तंरेह स D भ ह।1
वों भयाभ तं ह!कीरे, सतं ए जी रे आक्रं मकी ह! जी तं ह।1
वों भ समझेतं ह;1
ले फिकी जी! समझेतं ह,1 वों भ कीभ -कीभ गेलेनितंया Dकीरे बठ तं ह।1"

"ले फिकी सत्या याह ह फिकी स D स "ण 4रू स रेहस्यामया जी वों ह!तं ह।1
वों बनि द्धम ह!तं ह।1
वों इरे दु की! समझेतं ह—1याह Dतंकी फिकी मत्र की इरे दु की! भ ।"
"मत्र शांनि ह हA ह!तं , औरे ह! भ हA सकीतं ।
मत्र शांनि की अनिभव्यनि ह।1"

"निजीस प्रकी रे रे दुब वों ड़ा स उसम (बले
उस प्रकी रे जीब सतं सम निध म (ह!तं ह,1
तं! उ की शांनि शां ले म स ध्वोंनि -स्>!ट उत् न्न ह!तं ह।1"
"ध्वोंनि , की औरे चौंतं की याह खोले मत्रबलेकीबरेहस्या1 ह। "

रेदु की आवों ज़ी म (गेभ रेतं था।
वों क्षाणभरे की निलेए रुकी , म ! निवोंचौं रे की गेह्रे ई म (उतंरे गेए ह ,
फि>रे ब!ले,
"ले फिकी , म 1उ झे"ठ ध्वोंनि या की ब तं हA कीरे रेह ,
जी! रे !निहतं म त्र जी निवोंकी की निलेए यात्र वोंतंाउच्ची रिरेतं कीरेतं ह।1"
उ की दुनिMr दुरे" निक्षानितंजी की ओरे था , जीस वों फिकीस अदुश्Mया सत्या की! दुखो रेह ह।

"मत्र वोंह ध्वोंनि ह जी! आत्म की! झेकीझे!रेतं ह,
औरे उस उसकी मले" स्रो!तं स जी!ड़ा दुतं ह।
याह की वोंले उच्ची रेण हA, बनिCकी चौंतं की गेजी"D ह। "

उ की ब तं की मम 4मरे भ तंरे गेह्रे ई स उतंरे रेह था।

म 1मत्र की रेहस्या की! समझे की एकी ए स्तंरे रे गेह्राD था।
मत्र की वोंले ध्वोंनि हA,
जी वों की गेजी" था —स "ण 4अनिस्तंत्वों की लेयाबद्ध धड़ाकी।

म त्र

म 1 आश्चया 4स रेदु की ओरे दुखो । उन्ह (मरे व्य की लेतं औरे मझे सह यातं की आवोंश्याकीतं की ब रे म (की स तं चौंले ?

ले रेफिकी रेह्रास्ह की लेंदुप्रश्नां।तं ज्ञानत्याथनिशांका उेद्धु वोंह चौंचौं ले दुतं", जी! मझे
स D की! जी दु "स प्रकीट फिकीया औरे फि>रे इस निवोंर्षोंया की! उठ की अवोंसरे ढं"Dढं निलेया ? याफिदु ऐस था , तं! मझे की!ई अ
हA ह!तं।

इन्हA स म 1 स खो था फिकी मत्र की शांनि की! रे" दुनि या म (हचौं गेया ह। याह शां ओं रे भ प्रभ वों डी लेतं ह।
मध मनिक्खोया की झे डी की सतंतं गेजी"D शांहदु की स्रो!तं की निस्थानितं की! प्रकीट कीरेतं ह, स D की > >की रे मढं(की या निह
अचौंले कीरे दुतं ह, औरे ब निघ की की रे ब घ की! अ ओरे आकीर्पिर्षोंतं कीरेतं ह। ले फिकी म ष्या की म मले म,(मत्र तंब
प्रकीट ह!तं ह 1जीब म सम निध की अवोंस्था म (ह!तं ह। की वोंले तंभ मत्र उस शांनि स आवोंनि शांतं ह!तं ह,1 जी! उन्ह (जी निवोंतं

दुतं ह।

ध्वोंनि या उच्ची रेण चौंतं की शांनि शां ले आ तंरिरेकी इच्छे की भHनितंकी अनिभव्यनि ह। सम निध की अवोंस्था म (इच्छे शांनि
स्वोंया ध्वोंनि की रू म (प्रकीट ह!तं ह।
"ध्या रेखो ," उन्ह इस लिंबदु रे चौंतं या , "म 1इच्छे (Will) की ब तं कीरे रेह हूँ;D फिकी आवोंगे (Impulse) या वों स
(Desire) की।" फि>रे उन्ह मरे ध्या शांब्दु की सह अथा 4की! समझे की एकी महत्वों ण" 4निशांक्षा की ओरे आकीर्पिर्षोंतं फिकीय

इच्छे

उस फिदु मझे याह समझे आया फिकी वों स फिकीतं भ्र मकी ह!तं ह। वों स औरे इच्छे की वोंह सब ध ह, जी!
स्वोंप्न औरे नि द्र की , या औरे बले बले की ह!तं ह। वों स की उ जी ए Dकी वोंले असया निमतं ले लेचौं की
क्षानिणकी प्रनितंफिक्रंया ए Dह!तं

ह।1 वों अनि या नित्रतं प्रवोंMनिया या स की की प्रनितंलिंबब ह!तं ह।1 की छे इच्छे ए Dब रेहतं ह,1 जीबफिकी की छे तं! आकी रे ले स

हले ह सम स्त ह! जी तं ह।1 अहकी रे की निवों शां की स था ह वों स ए Dभ सम स्त ह! जी तं ह।1

याफिदु वों स की! स्था या ह! ह, तं! उस अ ब हरे रेतं की भ तंरे इच्छे शांनि की! आत्मस तं कीरे ह!गे ।

इच्छे शांनि

एकी शांनि शां ले ऊजी -4स्रो!तं (डी या म!) ह; इच्छे शांनि स जीड़ा म वों या प्रया स गेनितंशां ले ह! जी तं ह।1 ले फिकी की वोंले इच्छे ,

कीC या वों स की स था ऐस हA ह!तं । इच्छे शांनि , वों स की रू तं रेण कीरेतं ह। इच्छे शांनि एकी प्रे की

शांनि ह, जी! नि रे तंरे औरे स्था या कीम' की! प्ररि रेतं कीरेतं ह। इच्छे शांनि चौंरिरेत्र की! गेढ़तं ह, जीबफिकी

वों स इस खोनि हीतं कीरे दुतं ह। इच्छे शांनि एकी कीMतं कीरेतं ह, जीबफिकी वों स निवोंघट कीरेतं ह। इच्छे शांनि !षींण कीरेतं

ह, जीबफिकी वों स भस्म कीरे दुतं ह। इच्छे शांनि म की! नि ण4या ले , भ दु कीरे , प्रया स कीरे औरे उ लेनिब्धया

की निलेए श्रेम

कीरे की निलेए प्ररि रेतं कीरेतं ह। म स नि शांया Dकी या 4कीरेतं ह,1 ले फिकी वों इच्छे शांनि द्वी रे सचौं निलेतं कीरेतं ह। इच्छे शांनि वोंह नि निश्चित रू स मिCसकी की निलेए वों स्तनिवोंकी ब जी तं ह।

शांनि ह, शांनि ह म Dह। जी! की छे हम अ या स प्रनितंफिक्रंया (Reflex) कीहतं ह,1 वोंह भ सक्ष्"म रू स

जी! म फिकीस अमतं" 4निवोंचौं रे की! मतं"4रू औरे आकी रे दुतं ह, औरे जी! अमतं" 4की! मतं"4ब की इच्छे शांनि स ध्या कीरेतं

ह, उसकी निलेए वोंह निवोंचौं रे एकी मतं"4रू ध रेण कीरे ले तं ह। एकी तंरेह स, याह उसकी आत्मज्ञा की आध्या नित्मकी प्रनितंम इच्छे शांनि की अ रू

ह!तं ह, ह ले Dफिकी इस प्रत्याक्षा रू स स या दुजी 4 हA फिकीया बी सकीतं ।

जी तं ह। तं नित्रकी रे रे की सवोंAच्चौं ग्रंथा स हम (याह रेहस्या तंमकी सत्या निमलेतं ह: "निजीसकी! हांमह!ज़ी"वोंया उस की सम ब!।"

इच्छे शांनि ब्राह्म डी या चौंतं (निचौंतं)i की! प्ररि रेतं औरे आमनि त्रतं कीरेतं ह औरे अमतं" 4की! मतं"4रू ध रेण कीरे की निलेए ब ध्या

इसकी निब की!ई सच्चौं जी" हA ह!तं । निब इस "ब " की , जी" की वोंले एकी अ ष्टों ब कीरे रेह जी तं ह। सच्चौं

जी"

वोंह ह!तं ह जी! प्रम की तंरेह भ तंरे स एकी सतंतं प्रवों निहतं ह! वों ले ऊजी 4ह!। याह ऊजी 4भ तंरे स भ तंरे तंकी प्रवों निहतं

ह!तं ह। फिकीस भ स>ले प्र था 4 की हले आवोंश्याकीतं याह "ब " ह। याह आत्म की स की रे रू ह।

इस सत्या की आध रे रे दुवों तं ओं की जी" की जी तं ह। याह मर्पि"तं- जी" की मले" तंत्वों ह। याह की ले ,

मरिरेयाम, बद्ध या या शां

—की!ई भ द्व! सकीतं ह। याफिदु प्र था 4 कीरे वों ले स्वोंया उस चौंतं म (रिरेवोंर्पितंतं हA ह!तं , तं! उसकी प्र था 4 निवों>ले ह!

जी तं ह। याह वोंस ह ह जीस की!ई व्य जी - स् तंकी ढ़कीरे भ"खो की! शां तं कीरे की प्रया स कीरे । भ मर्पि"तं की

जी" कीरेतं ह, उसकी आदुरे कीरेतं ह, औरे आत्मसम ण4 की सच्चौं भ वों स उसम (निवोंले ह! जी तं ह।

आत्मसम ण4 की म ध्याम स जी! उच्चौंतं प्र स्त ह!तं ह, उसकी आ दु अ भ वों कीरे की निलेए, उन्ह याह समझे या फिकी

एकी ग्रेतं (ध्या), सजी वों कीC (ध रेण), औरे रेम एकीतं की तंन्मयातं (सम निध)—या तं अवोंस्था ए Dएकी

निस्थारे म की

फि>रे उन्ह मत्र औरे ध्वोंनि की रेहस्या की! समझे शां रू फिकीया , निवोंशांर्षों रू स ब्राह्म डी या दु म (नि निहतं अ नितम चौंरेण ह!तं ह।1

आकी शां म(ध्वोंनि : दु

ध्वोंनि (ध्वोंनि तंरे म)

की!। की!ई भ उच्चौं रेण (Articulation) की वोंले एकी या दुनिMच्छेकी ध्वोंनि ह, इसस अनिधकी की छे हA। क्या ?

क्या फिकी याह एकी या नि त्रकी प्रफिक्रंया की रिरेण म ह। ध्वोंनि दु! या अनिधकी वोंस्तं ओं की टकीरे बों या घर्षों4ण

तंब की द्वनि या की रिरेण म ह। शां"न्या म (की!ई उच्चौं रेण

हA ह! सकीतं । "वोंह एकी की ह" (सह एकी की -उ नि र्षोंदु)i। ण"4 एकीत्वों की अवोंस्था नि oशांब्दु, शां तं औरे निस्थारे ह! ह
चौं निहए।

वों या, जीले औरे अनिग्न की वोंले तंभ ध्वोंनि उत् न्न कीरेतं ह,1 जीब उ की शां तं गेनितं फिकीस अन्या वोंस्तं स

टकीरे तं ह, जीस : वों या
औरे आकी शां, हवों औरे निया D, जीले औरे चौंट्टा (, अनिग्न औरे वों या। याह टकीरे वों वों या औरे वों या, हवों औरे
हवों , जीले औरे
जीले, चौंट्टा औरे चौंट्टा की ब चौं भ ह! सकीतं ह। उन्ह निवोंशांर्षों रू स याह ध्या फिदुले या फिकी ध्वोंनि की

घट म (वों या या
वों या- गेनितं (हवों) हमशां एकी स झे तंत्वों ह!तं ह। सस् कीMतं म ('स्वों ' (ध्वोंनि) औरे ले रिट म ('स! ' (ध्वोंनि),
दु! ह वों या म (
उत् न्न ध्वोंनि की! इ निगेतं कीरेतं ह।1 "स्वों नितं" की अथा 4ह "ध्वोंनि उत् न्न कीरे "।

प्र ण म (नि निहतं वों या स की स "ण 4सवों दु ओं की! प्रभ निवोंतं कीरेतं ह। प्र ण जी वों की श्व स ह, जी! मख् या

रू स स की
म ध्याम स की या 4कीरेतं ह। इच्छे शांनि (Will) एकी बले ह, जी! स की म ध्याम स फिक्रंया ओं की! प्ररि रेतं कीरेतं
ह। दुस"रे शांब्दु
म,(स (प्र ण की ले कीरेतं ह,1 औरे इच्छे शांनि की अध ह!तं ह।1 प्र ण-प्रनितंफिक्रंया ए Dसक्ष्"म की

(प्रनितंफिक्रंयाओं) कीरे स था तं निबले तं ह।1
सफिक्रंया ह!तं ह,1 जी! अप्रत्याक्षा औरे अगे!चौंरे ह!तं ह।1 की!ई भ की (वों इब्राशां) वों या या आकी शां म (तंरे गे
(उत् न्न कीरेतं ह!
सस् कीMतं वोंर्ण4म ले की याह ण"4तं की!ई सया !गे हA ह। मत्र -निवोंशांर्षों ज्ञा इस् तं नित्रकी ओं औरे तं नित्रकी की(द्र की आवों
ध्वोंनि की! की की स्रो!तं स गेया ह। मत्र ध्वोंनि तंरे गे रे आध रिरतं ह!तं ह;1 वों ध्वोंनि की रे आध रिरतं ह!
की अ रू व्यवोंनिस्थातं फिकीया ह। दुस"रे शांब्दु म,(मत्र की! इस प्रकी रे व्यवोंनिस्थातं औरे उ या!गे म (ले या गेया ह फिकी वों अ

सक्ष्"म औरे सरे निश्चातं तंरे की स इच्छे शांनि औरे म निसकी शां नितं की! प्रभ निवोंतं कीरे सकी(।
तं ह।1 ब्र चौं निसद्ध स नित्रकी आचौंया अत्यांतं सक्ष्"म गेढ़" निवोंनिधया द्वी रे अ तंतo ध्वोंनि की औरे तं नित्रकी

मत्र फिकीस या!गे की आ तंरिरेकी इच्छे शांनि की ध्वोंनि -प्रनितंम ह!तं ह। उसकी आत्म की की रे स की म ध्याम स की
(स) की की ब चौं
उत् न्न कीरेतं ह, औरे वोंह सद शां मनिस्तंष्की तंकी हचौंDकीरे आवोंश्याकी तं नित्रकी की(द्र की! सफिक्रंया कीरेतं ह। मत्र एकी रेम ण
सब ध्वोंनियों की!, तं फिकीया उस सस् कीMतं वोंर्ण4म ले ढंकी निवोंनिभन्न ध्वोंनि प्रभ वों स उत् न्न की की! निवोंनिभन्न
तं नित्रकी की(द्र स जी!डी गेया
सम ऊजी 4की भ डी रे ह!तं ह; जीब इस उनिचौंतं म गेद4शां4 म (उच्ची रिरतं फिकीया जी तं ह, तं! याह उच्ची रेण कीरे वों ले व्यि
ह। जी! की!ई भ भ षों शां स्त्र औरे ध्वोंनि सरे चौं ओं की मले"भतं" जी की रे रेखोतं ह, वोंह तं रे तं याह दुखो सकीतं
की इच्छे शांनि स ण"4 रू स सतं Mत ह!तं ह। मत्र वोंह ह!तं ह निजीस या!गे अ ध्या म (श्रेवोंण कीरेतं ह।

इस प्रकी रे मत्र एकी जी वोंतं ऊजी -4स्रो!तं ब जी तं ह। ह ,D याह जी वोंतं ह!तं ह। चौं ह आ इस म (या म ।(जी! जी वों
ह फिकी सस् कीMतं
ऊजी 4की सचौं रे कीरेतं ह, वोंह 'जी निवोंतं' ह!तं ह; औरे मत्र जी वों शांनि की सचौं रे कीरेतं ह।1 एकी निसद्ध मत्र उस तंरेह की
वोंर्ण4म ले निकीतं औज़ार नि की रे स व्यवोंनिस्थातं ह। सस् कीMतं की वोंर्ण की ध्वोंनि या ,D उच्ची रेण की
शां रे रिरेकी सरे चौं औरे तं नित्रकी
कीरेतं ह, जीस रे धमनि या म (प्रवों निहतं ह!तं ह; जीस हृदुया धड़ाकीतं ह या श्व स चौंलेतं ह। जीस त्वोंचौं की ऊष्म , आDख
की ज्या!नितं।
निजीस प्रकी रे शांब्दु की अथा 4उसकी ध्वोंनि म (अ तंर्पि निहतं ह!तं ह, उस प्रकी रे मत्र -ध्वोंनि की शांनि भ उसकी ध्वोंनि तंरे गे
अ तंर्पि निहतं ह!तं ह। मत्र की रेहस्या आकी शां (Ether) की रेहस्या स जीड़ा हुआ ह; औरे याह सक्ष्"म आकी शां हम रे शांरे रे की
भ तंरे भ निस्थातं ह, जी! निवोंचौं रे, इच्छे शांनि , भ वों औरे समझे की रू म (प्रकीट ह!तं ह। निजीस प्रकी रे रे म (प्रवों निहतं
कीरिठ

श्व स की! प्रत्याक्षा रू स दुखो कीरिठ ह, उस प्रकी रे स म (प्रवों निहतं ऊजी 4की! भ प्रत्याक्षा रू स दुखो

ह!तं ह। ले फिकी की वोंह D ह!तं ह,1 औरे ध्वोंनि सदु शां इ की औरे अनितंरिरे -सवों दु प्रनितंफिक्रंया ओं (Extra-Sensory Responses) की ब चौं स की4 स्था नि तं कीरे सकीतं ह।1

याह हम (आकी शां, अथा तं4iअ तंरिरेक्षा (Space) या आकी शां तंत्त्वों (Ākāśa) की प्रश्न तंकी ले आतं ह। आकी शां म (एकी अव्य ख्या शांनि ह!तं ह, जी! इस सजी वों ब तं ह। औरे इस सजी वोंतं की की रेण, वोंह D तंरे गे (उत् न्न ह!तं ह,1 जी! अ तंरिरेक्षा म (वों या गे स उत् न्न सक्ष्"मतंम ध्वोंनि या की! वोंह कीरेतं ह।1 ग्रेह आकी शां म (गेनितं कीरेतं ह।1 ले खो लिं डी अ तंरिरेक्षा म (घ"मतं रेहतं ह।1 ज वों या- रेनिहतं औरे नि oशांब्दु स्था भ ह!तं ह, वोंह D भ की छे की छे शांनि ह!तं ह, जी! ध्वोंनि की सचौं रे कीरेतं ह। इस हम

'रू -अरू ' या 'गेण -नि गे 4ण' कीहतं ह।1

रे नित्र की नि स्तंब्धतं कीभ ण"4 रू स नि स्तंब्ध हA ह! सकीतं । हम रे चौं रे ओरे जी! ध्वोंनि या Dह,1 वों या तं!

इतं सक्ष्"म ह 1

यम इतं उच्ची आवोंनिM की ह 1फिकी हम रे भHनितंकी की उन्ह (कीड़ा हA सकीतं । ध्वोंनि की की(द्र स्वोंया नि oशांब्दु ह!तं ह। उसकी

निभ या चौंक्रं म,(याह Dतंकी फिकी अनिग्न भ शां तंले म जी तं ह। अशां नि तं की की(द्र म (भ शां र्षों गे निवोंश्रे म

की अवोंस्था म (रेहतं

ह— रेम निवोंश्रे नि तं म (रे याण। हम इस सत्या की! एकी भजी म (गे तं ह:1

"शां नितं अशां नि तं की की डीले रे स! रेह ह,

स "ण 4ब्राह्म डी की नि वों स एकीम त्र आकी शां ह।

इस भ दु फिकीस भ या!गे की निलेए असभ वों ह;

याह निवोंष्ण, रे याण ह, जी! सजीM शांनि की! आ फिदुतं कीरेतं ह। "

शां तं की रे भ जीगेशांया द्म भ सरे शां

निवोंश्व ध रे गेगे सदुशांM मघ वोंण áशां भ ङ्गेम॥

लेक्ष्म की न्तं कीमले या या!निगेनिभध्या 4 गेम्या

वोंन्दु निवोंष्ण भवोंभयाहरे सवों4ले!की की थाम॥।

की!ई फिकीतं भ मC"या चौंकी की! तं या रे ह! जी एगे , याफिदु वोंह इस ब्राह्म डी या ध्वोंनि की हचौं कीरे

सकी —वोंह ध्वोंनि जी!

घ"मतं हुए गेह स निचौं की रेहतं ह, जी! गेनितंशां ले निसतं रे की स था गेजी"Dतं ह, औरे दुश्Mया तंथा अदुश्Mया की ब चौं एकी ब्राह्म डी या

स की4 ब तं ह। इस ध्वोंनि की! ग्रेहण कीरे की निलेए की वोंले भHनितंकी की या 4म्र हA ह;1 हम

(अ आध्या नित्मकी सवों दु

निवोंकीनिसतं कीरे ह गे । तंभ हम अज्ञा तं की! जी सकीतं ह।1 ब्राह्म डी स एकी की रे ह! की निलेए, हम (हले याह अ भ "नितं ह!

चौं निहए फिकी हम स्वोंया ब्राह्म डी की अनिभन्न अ गे ह।1 "अहम iब्राह्म निस्म।"

ॐ याह ब्राह्म डी या ध्वोंनि , निजीस दु ब्राह्म कीह जी तं ह— वोंह ध्वोंनि जी! सबकी! एकीतं म (ब Dधतं ह — मह मत्र "ॐ" (AUM)

की रू म (प्रकीट हुई ह। इसकी सट की उच्ची रेण निवोंनिध की वोंले निवोंशांर्षों ज्ञा म गेदु4शां4 औरे ले ब अभ्या स की ब दु ह स खो जी सकीतं ह। याह ध्वोंनि तं ध्वोंनि या की सया !जी ह, जी! आरे भ, नि रे तंरेतं , औरे सम निप्त की गेढ़" चौंरेण की प्रतं की ह।

ॐ म (सम निहतं ध्वोंनि या Dकीई गेढ़" अथा' की! प्रकीट कीरेतं ह,1 जीस :

- प्रत्याक्षा (जी! फिदुखोतं ह) , अ म नि तं (जी! निवोंवोंकी स जी जी तं ह) , औरे वोंह् सस रे जी! अ म स रे ह।
- आरे भ, वोंनिMद्ध, औरे o प्रवों ह म (वों स ।
- शां नितं, ऊजी ,4 औरे जीड़ातं ।
- ब्राह्म डी, व्यवोंस्था , औरे अरे जीकीतं ।

ॐ की! तं भ गे म (निवोंभ निजीतं फिकीया जी सकीतं ह:

1. **"A"** जीस 'स²' (saw) म—(खोले ह ठ स उच्ची रिरेतं ह! वों ले स्वोंरे।
2. **"U"** जीस ' ट ' (put) म—(सकी निचौंतं ह ठ स नि कीले वों ले स्वोंरे।
3. **"M"**—याह ध्वोंनि निब 'EM' की रू म (आतं ह औरे इस नि छेले स्वोंरे की निब उच्ची रिरेतं हA फिकीया जी सकीतं ।
   याह ह ठ की! बदु कीरे दुतं ह, जीस जी वों की अ तं मत्Mया म (निवोंले ह! जी तं ह।

ॐ की उच्ची रेण जी वों औरे मत्Mया की ब चौं की चौंक्रं की प्रतं की ह, जीह D "A" जी वों की आरे भ ह औरे "M" मत्Mया की अ त
सजीM औरे निवोंघट , अनितं-चौंतं (सप्र की²निन्शांयास), जी गेरूकी (की²निन्शांयास), औरे सप्त (डी²रेम(ट) चौंतं की अवोंस्था ओं की
प्रनितंनि निधत्वों कीरेतं ह।

या!निगेया सफिदुया स इस नित्रध्वोंनि (AUM) की गेजी" की! अ भ वों औरे स ध की म ध्याम स प्रम निणतं फिकीया ह। याह की
तंकी4 या की तंकी4 की निवोंर्षोंया हA ह, बनिCकी आध्या नित्मकी अ भ "नितं की स ध ह।
ॐ की ध्वोंनि की! सह ढं गे स उच्ची रिरेतं कीरे की निलेए तं चौरेण की अ स रेण कीरे ड़ातं ह: आरे भ, नि रे तंरेतं औरे
सम निप्त। याह की वोंले ध्वोंनि की सया !जी हA ह, बनिCकी ऊजी ,4 चौंतं औरे अनिस्तंत्वों की तं स्तंरे की स मजी स्या ह।
ॐ (AUM) की प्रभ वों इतं व्य की औरे गेह ह फिकी याह जी , चौं , दुनिक्षाण- वों" 4एनिशांया , इ डी!-चौं इ , श्रे लेकी ,
भ रेतं, औरे प्र चौं वों"Â सभ्यातं ओं म (आध्या नित्मकी चौंतं की! जी गेतंM कीरे की निलेए अ या गेया । याह बHद्ध ,
तं ओवों फिदुया , मह या औरे ह या तं नित्रकी , औरे वोंफि दुकी अ या नियाया की निलेए ब जी ध्वोंनि रेह ह।

याह ध्वोंनि निवोंनिभन्न रू म (निवोंकीनिसतं हुई ह, जीस — ओम, औम,¡ हुगे , हुम, हूँम, उ गे औरे हूँम। भले ह इ म (निभन्नतं एD ह ,
ले फिकी ध्या औरे म की स था सह उच्ची रेण कीरे रे, समया की स था इसकी ण"4तं प्र स्र की जी सकीतं ह।
ध्या की प्र रे भ म (ध्वोंनि की सट की उच्ची रेण रे बहुतं अनिधकी जी!रे दु की आवोंश्याकीतं हA ह, ले फिकी याह अवोंश्या या दु
रेखो चौं निहए फिकी सह उच्ची रेण स ह सह की उत् न्न ह!तं ह।1 याह की की वोंले तं नित्रकी -आध रिरेतं व्यनि त्वों की!
प्रभ निवोंतं कीरेतं ह,1 बनिCकी आ तंरिरेकी चौंतं की! भ जी गेतंM कीरेतं ह।1

ॐ की ध्वोंनि -शांनि (Sound-Value) औरे अथा-4शांनि (Sense-Value) दु! महत्वों ण" 4ह,1 ले फिकी अथा-4शांनि की!
प्र थानिमकीतं दु जी चौं निहए, क्या फिकी याह आ तंरिरेकी आ दु औरे चौंतं की! निवोंले कीरेतं ह। ध्वोंनि -शांनि की वोंले म ध्या
ह, जीबफिकी अथा-4शांनि आ दु की स्रो!तं ह। याफिदु दु! की! समनिन्वोंतं फिकीया जी सकी , तं! स धकी की निलेए याह अत्या म स
ब जी तं ह।
मत्र की सह उच्ची रेण औरे उ की अथा 4की स था गेह म , स धकी की! आध्या नित्मकी चौंतं औरे शां श्वतं आ दु की ओरे ले
जी तं ह। याह ॐ की रेहस्या औरे इसकी शांनि ह।

या!निगेया की सहमनितं असहमनितं म(ह

ध्वोंनि औरे आकी रे, दु! म,(ॐ (AUM) सफिदुया स या!निगेया की निलेए ब जी मत्र की रू म (सह याकी रेह ह। या!निगेया म (स ध की म गे 4भले ह निभन्न ह , ले फिकी उ की ब चौं की!ई मतंभ दु हA ह!तं । वों एकी-दुस"रे की प्रनितं सम्म ब ए रेखोतं ह 1 औरे तंकी4-निवोंतंकी4 म (हA उलेझेतं ; ह वों धमप्र4चौं रेकी (Missionaries) की तंरेह निवोंवों दु कीरेतं ह।1 याह अ तंरे आत्म- स क्षा त्की रे प्र प्त या!गे औरे निवोंद्वी नि डीतं, म र्षों , या उ दुशां की म (ह!तं ह।

या!गे सफिक्रंया आ दु म (जी तं ह, जीबफिकी उ दुशां की प्रचौं रे म (निलेप्त रेहतं ह। सच्ची या!गे की एकी हचौं ह!तं

ह— स्वों कीMनितं

औरे सह शां लेतं की भ वों । याह सह शां लेतं उसकी दुढ़Mतं रे आध रिरेतं ह!तं ह। दुया औरे क्षाम या!गे की मले" गेण

ह!तं ह,1 क्या फिकी वोंह आत्मबले म (मजीबतं" ह!तं ह।

फि>रे भ , अज्ञा तं रेम त्म की म गे 4की खो!जी म (याह था रे , आगे, औरे आDसओं स स खोडी हरे स भरे ड़ा ह।

मझे या दु

ह रेदु की आवों ज़ी हमशां की नि तं ह! जी तं था , जीब वोंह ध र्पिमकी मनि दुतं" , ले लेचौं दुगे इया , औरे धम 4की म रे

ले"ट ट कीरे वों ले की अत्या चौं रे रे ब तं कीरेतं था।

की वोंले दु! निवोंकी रे इ अ रे ध की निलेए निजीम्म दु रे ह—1स्वों निमत्वों की वों स औरे स की वों स । स्वों निमत्वों

की ले लेस ,

औरे स प्र प्त कीरे वों उस ब ए रेखो की भ"खो ह इ सघ र्षों' की जीड़ा ह।

जी! ले!गे स की निलेए लेड़ातं ह,1 वों दु वों ह,1 जीबफिकी जी! इसकी नि रेथाकी4तं औरे खो!खोले की! समझेतं ह,1

वों फिदुव्य आत्म ए D

ह।1 वों जी वों औरे सस रे की स;दुया 4औरे प्रम की रेवों ह कीरेतं ह।1 याह की रेण ह फिकी सच्ची या!गे सहमनितं औरे असहमनितं दु!

म (एकी सतं ले ब ए रेखोतं ह,1 क्या फिकी उ की निलेए स हA, बनिCकी आत्म-स क्षा त्की रे ह जी वों की रेम

लेक्ष्या ह।

प्र म की शांनि

"ले फिकी एकी औरे प्रकी रे की शांनि भ ह, " रेदु कीह , उ की आवों ज़ी म (एकी गेहरे गेभ रेतं था । "याह ह दु औरे बनिलेदु की शांनि ," प्रम मया वोंष् णवों मस् की रे तं हुए जी!ड़ा । "प्रम दु!; सह भ "नितं दु!; दुखो भ ले दु!; निमत्रतं औरे सगे नितं दु!।

चौं ह स ह या दुरे"—हरे जीगेह दु!; रिरेनिचौंतं ह! या अ रिरेनिचौंतं, अम रे ह! या गेरे ब, निमत्र ह! या शांत्र, या!ग्या ह! या

अया!ग्या—सभ की! दु!।"

"प्रम की व्यनि दुस"रे की कीमजी!रिरेया रे नि ण4या हA दुतं । वोंह की बरे कीम' की! या भटकी हुए की

गेलेतं निवोंचौं रे की!

प्रम की प्रचौं डी लेहरे स बह दुतं ह। वोंह क्षाम की मरेहम स भ तंरे घ वों की! शां तं कीरेतं ह। प्रम की व्यनि

भरे ह!तं ह फिकी उसकी हृदुया म (सदु ह या सकी !चौं भ निलेए की!ई स्था हA बचौंतं । प्रम एकी ऐस शांनि ह,

जी! निहमस्खोले

या बले डी!ज़ीरे की तंरेह सभ भ दुभ वों की! सम प्त कीरे दुतं ह।

सस रे की की! ध! फिदुया । निशांवों या ईस मस ह फिकीस एकी व्यनि , सम दु या या सप्र दु या की हA ह।1 या!गे एकी स वोंभ4Hनिमकी आत्म ह, वोंह सबकी ह।

"याफिदु सवों4व्य ह, तं! ण् या भ सवों4व्य ह। याफिदु अ धकी रे ह, तं! प्रकी शां भ ह। अ धकी रे की वोंले

प्रकी शां की अनिधकी

प्रकी शां की भ"खो ह। या!गे एकी आध्या नित्मकी प्रफिक्रंया स शांनि प्र प्त कीरेतं ह, ले फिकी जीब तंकी उसकी म आंस स की

दु० खो हदुया की प्रनितं सवों दु शां ले हA ह, जीब तंकी वोंह नि ०स्वों थातं4 स प्ररि रेतं हA ह, जीब तंकी वोंह

निड़ातं की आDस " छे

की क्षकी लेतं महस"स हA कीरेतं , तंब तंकी वोंह स्वोंया स ब हरे हA नि कीले सकीतं , औरे स्वोंतं त्रतं की अ भ वों हA कीरे

सकीतं ।

"मनि की वोंले नि निष्क्रंयातं या जीड़ातं स प्र प्त हA ह!तं । मनि की शांनि मHनिलेकी ह, याह एकी जीन्मनिसद्ध

अनिधकी रे ह, निजीस

आध्या निस्मकी रू स अर्पिजीतं कीरे चौं निहए, रे जी नितंकी रू स हA। म ष्या की! हवों , आकी शां, सया" 4की प्रकी शा औरे गमA,

वोंर्षों 4औरे ध्वोंनि की तंरेह स्वोंतं०स्>"तं4औरे स्वों भ निवोंकी महस"स कीरे चौं निहए। तंत्वों की तंरेह, या!गे भ अ

शांनि

ब्राह्म डी या स्रो!तं स जी!ड़ातं ह।

"ईश्वरे कीदु व्यनि प्रनितं कीरेतं ह, तं फिकी बD स की, वोंह लेरेतं ह, दुतंनिकी दु सकीह, वोंह अनिसतंत्वों म ह, स फिकी मनिहले मरे अ निस्थानितं की! रे!क्षा रू स, ले फिकी शां ले तं स स्वों की रे कीरेतं था , जी! उसकी ह किंदुकी स्वों कीMनितं की! दुशां4तं था । वोंह

मिनरे निसद्ध तंरेकी था , "जीब तंकी ह! सकी गले ब की कीनिलेया Dइकीट्ठा कीरे, औरे एकी मध रे गे तं गे तं था, "लेन कीरेतं ह, क्याह फिकी उसकी उद्दे श्या स हA, शांनिC(प्रेम औरे सवोंई ह। फिदुया शां! खोनि की!रे)।

शांनि स न्नि आंस

स्वों भ निवोंकी

धरेनि की मरेलेमरे स्वोंकी दुरेदुर्ग जीरेआ जी तं, औरे मरे नि तं उन्ह (महत्वों ण" 4मस् की की स था दुखो तं , निजीसकी वोंह निवों म्रतं

एकी फिदु , अची की, रेदु मर्झ स छे" , "क्या तं म दुखो औरे स चौं ह!गे फिकी एकी अच्छे या!गे क्या ह निसले कीरे की झेलकी एकी

सकीतं ह? " तंब तंकी म 1इतं व्य की ले था फिकी इस प्रस्तं वों की! ठ कीरे की प्रश्न ह हA उठतं था । एकी निमशेशांर्षों "शांनि स न्न" स्था स रिरेनिचौंतं कीरे या , जीह D हुचौंDतं ह एकी रेहस्यामया की महस"स ह!तं था । याह स्था

भ स्कीरे दु की सम निध की स था , जीह D उ फिदु घ जीगे ले > ले हुआ था । इस जीगे ले की ब चौं एकी तं ले ब (जी ब"झेकीरे

निछे था । इसकी अले वों , कीई रिरेत्या औरे जीजी4रे प्र चौं मफि दुरे औरे ढंहतं हुई सरे चौं एD भ थाA, निजीन्ह

अनिचौंनिह् तं औरे अ दुखो रेखो गेया था । वोंह D क्या की!ई हA आतं , याह मरे निलेए रेहस्या था ।

जीगे ले की गेहरे ई म (स ह् , खोरेगे!शां, > तंÂले निगेलेहरिरेया ,D जीगे ले सअ"रे, स D , वोंले और निगेरेनिगेट स्वोंतं त्रतं स खोले तं था।

ऊDचौं ड़ा की ब चौं अकी दु और बस की की झे निड़ाया D उगे थाA। आम, कीटहले, तं ड़ा की तं ड़ा, रे शांम की स, बकी ले, महुआ, जी म , ले, और निवोंशां ले बरेगेदु की ड़ा , निजी की सकी ड़ा जीड़ा(हरे -भरे छेत्र की! सह रे दुतं थाA, वोंह D की शां ह् नि वों स था।

निक्षाया की झे डी उस स्था की! जी वोंतं ब ए रेखोतं था। मकीड़ा की जी ले स ढंकी हुई रेहस्यामया शां नितं, उस

जीगेह की! एकी

अलेHफिकीकी आभ दुतं था , जी! आकीनिस्मकी आगे तंकी की! दुरे" रेखोतं था । आजी, उस निवोंत्र शां नितं की

जीगेह एकी निस म ह्ले

और उसस जीड़ा अश्ले लेतं और शां!रे-शांरे ब ले ले ह्। व्य वोंस नियाकीतं उस गेह शां नितं की! निमट फिदुया ह्

जी! अब की वोंले

स्मनिMतं म (ह्।

तं ले ब आजी भ वोंह D ह्, ले फिकी अब वोंह एकी आध नि की याट4की आकीर्षों4ण की रू म (मHजीदु" ह्, जीस

की ले की स था खोले तं हुआ

की!ई भ ले हुआ अ शां। तं ले ब की निश्चम फिकी रे रे, आम की ब गे की भ तंरे, एकी स ध रेण प्ले स्टरे की सरे चौं

खोड़ा था।

स ट छेतं वों ले याह् आठ गेण आठ की घ की रे ढं चौं म त्र छेह् > ट ऊDचौं था , जी! एकी बक्स जीस प्रतं तं ह्!तं

था।

सरे चौं की एकीम त्र दुरेवों ज़ी ब हरे स बदु था , निजीस रे मकीनिड़ाया भ रे जी ले ब रेखो था। दुरेवों जी की

अले वों , Dचौं

> ट की ऊDचौं ई रे एकी छे!ट निखोड़ाकी था , निजीसम (ले!ह् की सले खो (लेगे थाA, जी! रे!शां और हवों की!

अ दुरे आ दुतं थाA।

इस निखोड़ाकी स झे Dकीतं ह् एकी रेहस्यामया, शां तं वों तं वोंरेण की आभ स ह्!तं था।

याह् वोंह स्था था , जीह D रेदु मझे शांनि स न्न आस और या!निगेया की अनिद्वीतं या स ध स रिरेनिचौंतं

कीरे ले ए था।

उस क्षण स, मरे म त्र एकी या म!ड़ा ले निलेया , और म 1उस रेहस्यामया सस रे म (प्रवों शां कीरे की निलेए

तं या रे था , निजीसकी

मझे घ रे निलेया। स्ना की ब दु, म 1गेहरे जीगे ले म (चौंले गेया।

अनिस्तत्वों अब तकी मरे कीC स रे था।

ग्रांन्निशांक

घने ! एकी फिदुम गे बखो रे वों ले क्षा और कीठ>!ड़ावों की ब चौं सवों दु चौंले रेह् था। उ की कीकी4शां आवों जी (उस जीगेह की रेहस्यामया शां नितं की! और गेहरे कीरे रेह् थाA। वोंह D एकी तं और शां नितं था , जी! मझे कीहA और अ भ वों ह्A हुई था।

जीगे ले म (उस फिदु एकी अजी ब-स लिंखोचौं वों महस"स ह्! रेह् था। ऐस लेगे रेह् था जीस की!ई अदृश्Mया शांनि मझे अ ओरे खोAचौं रेह् ह्! ... 1उस अदृश्Mया आकीर्षों4ण की स्रो!तं की तं लेगे की निलेए चौं रे ओरे ध्या स दुखो , तंभ मरे ज़ीरे झे निड़ा की ब चौं निछे एकी म मले" स ह्ना रेतं रे छा। उस हम रेतं की आस स जी वों की की!ई सकी तं ह्A था। मकीड़ा की जी ले वों ले ढंके वों जी रे फिकीस दु ले या त्र की मHजीदु"गे की भ म!नि शां ह्A था। हमशां फिदुखो वों ले निभक्षा भ वोंह D अ निस्थात शां था, और एकी अ निश्चानितं उस स्था की रेहस्यामयातं की! और गेहरे कीरे रेह् था।

जीगे ले म (प्रवों शां कीरेतं ह् म 1तं ले ब की त्थारे की फिकी रे रे खोड़ा ह्! गेया। बले आ त्थारे की स फिढ़या स ह्!

कीरे स >

झेलेकी रेह् था। म 1 अ की ड़ा उतं रे फिदुए और तं ज़ीगे स भरे रे" स्ना फिकीया। म (डी"बतं ह् , एकी अ जी

शां नितं

इम रेतं की स ह , एकी निवोंशां ले कीटहले की ड़ा की चौं, की ई स ढंकी हुआ ईंट की मचौं था। उसम (कीई अ कीर्षों4की छे दु था
उसकी ओरे लिंखोचौंतं चौंले गेया। म 1 उस छे आ औरे अचौं की एकी अजी ब-स की महस"स फिकीया। निब फिकीस स!चौं-निवोंच
की , म 1 उस रे बठ कीरे ध्या कीरे की > सले फिकीया।

जीस ह म 1बठ , म 1 अ सतं" वोंस्त्र उतं रेकीरे उस आस की रू म (निबछे निलेया। जीस ह म 1 आDखो (बदु कीĐ, मझे ऐस
लेगे जीस म 1एकी अत्यानिधकी आवोंनि शांतं निवोंत्र स्था रे बठ हूँ।D शां नितं की एकी गेहरे लेहरे मझे रे छे गेई, औरे म 1एकी
स गेरे म (डी"बतं चौंले गेया। मझे हA तं फिकी म 1फिकीतं दुरे तंकी उस अवोंस्था म (रेह , ले फिकी जीब म 1ह!शां म (आया , तं!
सरे"जी ढंले की! था।

म 1 महस"स फिकीया फिकी की!ई अज्ञा तं शांनि मझे खोAचौं रेह ह, मरे अ तंनिड़ाया की! मरे!ड़ा रेह ह, औरे एकी अजी ब-स ठ डी
जीकीड़ा रेखो ह!। इस दुनि या की अनिस्तंत्वों मरे निलेए क्षा ण ड़ा

रे ढ़ म (चौंभ रेह था। ऐस लेगे जीस फिकीस गेहरे जी दु " मझे
गेया था , औरे म 1फिकीस तं थाया4 त्र की तंरेह, फिकीस दुस"रे दुनि या की ओरे लिंखोचौंतं चौंले गेया।

आध -अधरे" चौंतं म,(म 1उस रिरेत्या घ की रे इम रेतं की ओरे बढ़। मझे समझे हA आ रेह था फिकी मझे

वोंह D कीH -स
की जीलेतं हुई खोशा"
शांनि, खोAचौं निलेए जी रेह था। जीस ह म 1वोंह D हुचौंD , एकी रिरेनिचौंतं-स सगे ध मझे घ रे निलेया —
की रे", चौंदु , औरे लो!ब
म 1 निखोड़ाकी स झे Dकी की निलेए की छे त्थारे की सह रे निलेया औरे जीस ह म 1 भ तंरे झे Dकी , मरे

आDखो (>ट की >ट रेह
गेई। वोंह D एकी म वों रू ध्या की मद्र म (बठ था , सफ़ी दु वोंस्त्र म (निले ट हुआ, निजीसकी चौंह रे शां तं औरे
नि मले4 था।
उसकी आDखो (बदु थाA, चौंह रे फिकीस गेहरे ध्या म (ले था , औरे निसरे रे ले ब ब ले की एकी सदु रे जीड़ा"

बध हुआ था। मझे समझे हA आ रेह था फिकी याह की!ई या!गे था , या!निगे था , या फि>रे एकी मर्पि"तं था।

उसकी त्वोंचौं इतं जी कोंतं लेगे
मझे लेगे जीस म 1फिकीस अज्ञा तं सस रे की स क्षा ब रेह हूँ।D क्या वोंह जी निवोंतं था ? या फि>रे वोंह निस>4 एकी मर्पि"तं था
रेह था , लेकि(की ले औरे यावों थाA, औरे चौंह रे एकी अजी ब-स शां नित म (निकोंले था। उसकी चौं रे ओरे ऐस
अनिर नाई नामी"तं था , तं! इतं जी वोंतं की स लेगे रेह था ? मरे भ तंरे निजीज्ञा स औरे श्रेद्धा की निमले जी ले भ वों उमड़ा आया।
कीसनिलेहुसयाकीयाशांब्धुमहे!। म म (गेजी"D उठ : "नि वों तं नि ष्कीम् तंया निवोंभ नितं या!गे निधरूध इवों म रुतं o"—जीस सम निध म
या!गे , हवों रेनिहतं शां नितं म (दु की की लेH की तंरेह निस्थारे।
उस मर्पि"तं-स आकीMनितं की स> दु औरे वोंस्त्र की की!मले तंह (इतं तं ज़ीगे भरे थाA, जीस अभ -अभ उन्ह (सजी या गेया ह!।
उस क्षाण, समया औरे स्था की सभ स म ए Dट"ट गेईं। म 1उस रेहस्यामया या!गे (या या!निगे) की स था एकी अ रिरेभ निर्षोंतं
सब ध महस"स कीरे रेह था।

उस फिदु , म 1 एकी रेहस्यामया सत्या की स क्षा त्की रे फिकीया था। याह अ भ वों मझे म (गेहरे तंकी सम गेया , औरे मझे याह आभ स
ह! गेया फिकी मरे स म एकी अ जी या!निगेकी रेहस्या प्रकीट ह! वों ले ह।

क्रं दु

म 1अभ भ असमजी स म (था —वोंह या!गे जी निवोंतं था या मतंM? क्या वोंह वों स्तंवों म (सगे मरेमरे की मर्पि"तं था ? उस छे!ट स
कीमरे म (एकी दु या रिटमरिटम रेह था , निजीसकी हCकी लेH एकी निवोंनिचौंत्र रेहस्या > ले रेह था। था!ड़ा उभरे हुए त्थारे की
रे की छे मरे झे ए >"ले निबखोरे हुए था। उस मचौं रे या!गे निहरेण की खो ले रे निस्थारे बठ था। उसकी आकीMनितं म (ऐस गेह
शां नितं औरे गेभ रेतं था फिकी समया ठहरे गेया -स महस"स ह! रेह था।

म म (उथाले- था ले मचौं हुई था। म 1 रे" म स सवों ले छे" , शां यादु ज़ीबâ स हA, ले फिकी भ तंरे स गेजी"Dतं हुआ—"क्या
आ जी निवोंतं ह,1 या!गे ? क्या आ हम म (स ह?1 क्या आ इस दुनि या की ह?1"
जीस ह याह प्रश्न मरे भ तंरे चौं खो , एकी तं खो आवों ज़ी कीमरे की दु वों रे म (गेजी"D उठ —"शां रू ह! जी ओ!"

आवों ज़ी इतं स् r औरे नि ण 4याकी था फिकी मरे रे गेट खोड़ा ह! गेए। वोंह चौं खो कीमरे की चौं रे दु वों रे की ब चौं लिं जीरे म (
क्षा की तंरेह बतं ह शां उछेलेतं रेह , खोदु की! अ ध दु वों रे स टकीरे तं रेह। उसकी गेजी"D औरे प्रनितं-गेजी"D इतं तं त्र था फिकी
ऐस लेगे जीस समया औरे स्था दु! निसमट गेए ह।

फि>रे आवों ज़ी ध रे -ध रे क्षा ण ह! लेगे , जीस की!ई अ जी क्षा भ गे की रे स्तं ढं"Dढंतं -ढं"Dढंतं थाकीकीरे चौं ह! गेया ह!।
ब हरे की जीगे ले म (शांरेदु ऋतं की सरेसरे हट, निगेरे हुए की हज़ी रे कीरे ह (उस अ नितंम की की! अवोंशां!निर्षोंतं कीरेतं चौंले
गेईं। औरे फि>रे सन्न ट गेहरे लेगे , ऐस सन्न ट जी! चौं खो की गेजी"D की! भ नि गेले गेया ह!।

क्या इसकी मतंलेब याह था फिकी वोंह आकीMनितं जी निवोंतं था ? क्या वोंह जीवों ब दु रेह था ? मरे भ तंरे बचौं औरे निजीज्ञा स
तं"> उठ खोड़ा हुआ। म 1एकी औरे सवों ले छे" ह वों ले था , याह जी की निलेए फिकी वोंह आवों ज़ी मरे सवों ले की जीवों ब था
या मरे कीC , तंभ मझे अचौं की अ की ध रे फिकीस की मजीबतं" कीड़ा की अहस स हुआ।

उस अप्रत्या निशांतं कीड़ा मझे चौंHकी स उखो ड़ा >(की। म 1निगेरेतं- निगेरेतं बचौं , औरे जीब म 1 ह!शां सभ ले तं! दुखो फिकी
था , ले फिकी जीस ह म 1 उस ले ब,
प्रभ वोंशां ले व्यनि की! दुखो , जी! अभ भ मरे की ध की! मजीबतं" स कीड़ा हुए था , मरे भ तंरे की डीरे औरे भ गेहरे ह!
गेया।
जीम रे स्रो निश्चयां खोड़ा था। मझे रे ढ़ स (सह 4लेहरे दुHड़ा गेईं। म 1बरे तंरेह निहले चौंकी
वोंह आकीMनितं रिरमिचौंतं लगे रेह था; ले फिकी मरे उ म (>ले भ्रम की ब दुले मझे उस हचौं स रे!की फिदुया। उसकी श
रे स> दु सतं" वोंस्त्र निले ट था , निजीसकी एकी फिकी रे उसकी कीमरे की चौं रे ओरे औरे दुस"रे निसरे की ध रे डी ले हुआ था।
अचौं की एकी झेटकी म (मझे या दु आया —वोंह वोंह ले ब औरे रेहस्यामया व्यनि था , निजीस म 1 चौंतंo शां छ्टों मफि दुरे म (दुखो
निजीस मरे म था रे म की दुब या था।
ले फिकी वोंह याह Dकी स? उस एकी भ शांब्दु हA कीह था , ले फिकी उसकी जीलेतं हुई आDखो म (ऐस की छे था निजीस मरे
जीम स रे निहम्मतं की! नि घले फिदुया। वोंह निब की छे कीह लेट औरे तं जी स चौंले लेगे। म 1भ निब स!चौं- समझे उसकी
छे ह! निलेया , जीस की!ई अ जी शांनि मझे खोAचौं निलेए जी रेह ह!।

वोंह बड़ा > तंÂ स बले हट्टा म की उस डीरे वों जीगे ले म (प्रवों शां कीरे गेया , जीह D अDधरे घ था औरे ले!गे अकी ले जी स
कीतंरे तं था। उस स्था की ब रे म (भया की कीह नि या Dमशांहूँरे थाA। म 1उसकी छे - छे उस घ जीगे ले की! रे कीरेतं गेया।

जीगे ले की उस निहस्स म (प्रवों शां कीरेतं ह , मरे धड़ाकी (और तं ज़ी ह! गेईं। उस आदुम की रुखो हमशां उरे- वों" 4फिदुशां म (रेह , जीस उस सह रे स्तं की रे" जी की रे ह!। उसकी चौं ले म (की!ई निझेझेकी हA था , म ! वोंह उस जीगे ले की म निलेकी ह!।

जीस ह हम रे जीले-सग्रे ह रिरेसरे की! रे कीरे रेह था, मझे अचौं की एहस स हुआ—आजी मगे लेवों रे था !

भ रेवों मफि दुरे की

ब रे म (स कीह बि या, Dएकी-एकी कीरे फिदुम गे म (की;ध गेईं। उस मफि दुरे की ब रे म (कीह जी तं था फिकी वोंह D शांनि या D जी गेतM

ह!तं ह,1 और मगे लेवों रे की! वोंह D निवोंशांर्षों अ छों ह!तं ह।1

एकी ठ डी निसहरे मरे रे ढ़ म (दुHड़ा गेई। वोंह व्यनि नि निश्चतं रू स मझे बट की भ रेवों मफि दुरे की ओरे ले जी

रेह था। ले फिकी म 1

उस फिद उस मफि दुरे म (जी की निलेए म निसकी रू स तं या रे हA था। मझे या दु आया फिकी भगेवों ध रे मनिहले मझे

चौंतं वों दु था फिकी उस मफि दुरे म (जी स हले उ की अ म नितं और आशां वों दु4 ले आवोंश्याकी था। म

1अ दुरे तंकी निसहरे गेया। मझे उस व्यनि की छे कीरे चौं निहए या हA? मरे कीदुम भ रे ह! गेए, और मरे म

द्वीद्वी म (

>Dस गेया। ले फिकी उस व्यनि की क़दुम की ध मरे भ तंरे एकी अजी ब लिंखोचौं वों दु कीरे रेह था, जीस वोंह मरे आत्म की!

मरे स की!ई बिवोंकीC हA था। म 1जीस अदुश्Mया बध म (जीकीड़ा हुआ था। "म !D म !D" की की रे मरे आगे -आगे चौंले अ स था खोAचौं ले जी रेह ह!।

और म 1अ या स ह उसकी छे- छे लिंखोचौं चौंले जी रेह था।

म 1द्वीद्वी और निजीज्ञा स क जी ले म (उलेझे उसकी छे चौंलेतं रेह जीब मरे ब वोंज़ी"द उसकी छे छे"क्तं हम अ तंतo बट की भ रेवों मफि दुरे हुचौंD गेए, ले फिकी वोंह वोंह D हA रुकी। वोंह मिश्रम की ओर बढ़तं गेया, जीह D स लेगेभगे जी रेह ह!।

सुHगेज़ी की दुरे" रे की मक्ष्या की एकी लेगेभगे रिरेत्या मफि दुरे निस्थातं था। याह वोंह स्था था जीह D म Dकी सबस गेप्त और रेहस्यामया अ छों स न्न ह!तं था। याह गेप्त अ छों की मफि दुरे था। स ले म (की वोंले एकी ब रे मरे म Dमझे और मरे भ ई-

मुक्ति आस की ओरे

बह्नि की!वोंह D जीतं थीA, वोंह भ की वोंले फिदु की समया, जीब वोंह वोंह D की या!गे स आशां वों दु4 ले तं थाA—एकी ऐस या!गे निजीसकी सम्म भ गेहरे था और डीरे भ उतं ह।

उस शां म की! सरे"जी ढंले लेगेभगे डीढ़ घ ट ब तं चौंकी था। चौं Dदु अभ तंकी हA नि कीले था , और रे" स्था एकी अ धरे सन्न ट म (डी"ब हुआ था। वोंह ले ब व्यनि अब अ गेनितं ध म कीरे चौंकी था , और ऐस लेगे रेह था जीस वोंह फिकीस निवोंशांर्षों सकी फिकी मफि दुरे की छे , एकी निवोंशां ले प्र गेण की ब चौं ब चौं, एकी मह रे बदु रे गेनिलेया रे की

की तंले शां कीरे रेह ह!। तंभ म 1 दुखो

चौं आगे जीले रेह था।

त्थारे स ब याह छेतं वों ले गेनिलेया रे प्र गेण की चौं रे ओरे > ले हुआ था , और इसकी चौं रे ओरे अजी ब-स रेहस्यामया शां नितं छे ई हुई था। मफि दुरे म (प्रवों शां की की वोंले एकी ह द्वी रे था , और उस गेनिलेया रे स ह!कीरे ह प्र गेण तंकी हुचौंD जी स था।

म 1अभ आगे की स हुचौंD भ हA या था फिकी म 1 दुखो , भगेवों ध रे मनिहले प्र गेण म (खोड़ा मरे इ तंजी रे कीरे रेह था। ले फिकी वोंह ले ब व्यनि आगे की ओरे बढ़तं गेया और जीCदु ह एकी आस रे बठ गेया। वोंह D हले स की छे और ले!गे भ बठ था, जी! नि निश्चतं रू स फिकीस निवोंशांर्षों अ छों म (ले था।

मनिहले मरे ह था था म निलेया , औरे जी! हले प्रश्न उस छे" , उस मझे अ दुरे तंकी निहले फिदुया —"निप्रया या! गे , तं म
अ ध!तं (ले गे!ट) कीह D छे!ड़ा ह? "

तंभ मझे अचौं की एहस स हुआ फिकी म 1 रे" तंरेह स गे खोड़ा था ! मझे या दु आया फिकी म 1 अ ले गे!ट

कीटहले की ड़ा की चौं उस मचौं रे छे!ड़ा दु था , जीह D म 1 उस आस की रू म (
इस्तं म ले फिकीया था । ले फिकी ध्या की ब दु उस उठ की ख़्या ले ह हA आया ।
उस तं रे तं अ की सरिरेया स ड़ा स की ड़ा की एकी चौंHड़ा ट कीड़ा > ड़ा औरे मझे उस ले गे!ट की तंरेह

ह की! कीह ।
फि>रे उस अ ह था की! मरे निसरे रे रेखो औरे एकी मत्र की जी कीरे लेगे । म 1 श्रेद्ध वों"की4 अ निसरे झे की निलेया ।
ध रे -ध रे , वोंह मझे उस निवोंशांर्षों सभ म (ले गेई। वोंह D मझे तं रिरेनिचौंतं चौंह रे फिदुखो— वोंष् णवों सतं

रेदु, बट की भ रेवों मफि दुरे
की भ रेवों सरे क्षाकी सतं , औरे मरे मH निमत्र, ले ब सतं , निजीन्ह (ब दु म (वों रे णस की स ध निजीतंद्र(की म स जी गेया ।
उस निवोंशांर्षों अ छों म (औरे भ कीई ले!गे मHजीदु" था, जी! अनिग्न की चौं रे ओरे एकी घ रे ब कीरे बठ था।

भ रेवों स्वोंया मक्खो म (
निभगे!ए हुए प्रस दु की! अनिग्न म (अर्पि तं कीरे रेह था। उस प्रस दु की > >की रेतं आवों ज़ी औरे > लेतं सगे ध स मझे आभ स हुआ
फिकी वोंह D म सले दु था 4चौंढ़ ए जी रेह था।

मझे भगेवों ध रे मनिहले की घड़ा स एकी या फिदुया गेया । जीस ह म 1 उस नि या , मरे म म (एकी प्रकी रे

की क्षारेण हुआ, औरे
ध रे -ध रे एकी या म उभरे लेगे —अनिधकी सवों दु शां ले, अनिधकी सतंकी4, औरे अनिधकी ग्रेहणशां ले।
मरे इ फिद्रया की दुनि या रे जीस फिकीस अ जी शांनि कीब्ज़ी कीरे निलेया । चौंतं रे गे म (निवोंनिवोंध रे!

शांनि या Dमझे आ दु की
एकी ए स्वरे रे ले जी रेह थाA। तंभ मझे एहस स हुआ फिकी भगेवों ध रे मनिहले मझे अ स खोAचौं रेह था , हमेशां की
तंरेह।

ले फिकी याह की छे अलेगे था । वोंह वों स्तंवों म (मरे निलेए एकी अजी ब की निलेए जीगेह ब रेह था —एकी

भ रेवों , जी! यावों , जी वोंतं
औरे सदु रे था । म 1 भगेवों ध रे मनिहले की! याह कीहतं स , "इस अ ब ले!... इसकी निलेए आस ब ओ... सकी ! चौं मत
कीरे!... याह इस सह कीरे ले गे ... इसकी अनिभर्षों की फिकीया गेया ह. .. इस बध (एकीतं) की आदुतं ह. .. की वोंले

तं म्ह (स वोंध
रेह चौं निहले... या दु रेखो , ब 1दु!हरे ले हूँ, D इसकी अनिभर्षों की फिकीया गेया ह. .. इस व्यवोंध हुचौंD ओ..."
उसकी ब तं (स् r थाA, औरे उसकी इरे दु भ । ले फिकी म 1अ दुरे तंकी निहले गेया था । मझे एकी निवोंनिचौंत्र सकी !

चौं औरे असह यातं
जीकीड़ा निलेया था ।
तंभ मझे समझे आया फिकी म 1 उस जीगे ले म (प्रवों शां क्या फिकीया था । याह की वोंले रेदु की इच्छे हA था ,

सब की छे एकी सनि या!निजीतं या त्र था , निजीसम (स ध निर्जीतंद्रही मझे की स था उस स्था रे नि दुनिÔशांतं फिकीया था ।

अब अ तं म,(ध्या म (प्रवों शां कीरे स हले , मझे एकी या आस , एकी ई स निधकी , एकी अज्ञा तं मनिहले प्रनितंरू प्रदु फिकीया जी रेह था ।
याह स् r था —म 1एकी कीरिठ रे क्षा स गेजी रे रेह था । याह मरे हले वों स्तंनिवोंकी रे क्षाण था , एकी ऐस आध्या नित्मकी

चौं Hतं , जी! मझेम तंरे स बदुले की निलेए तं या रे था ।

या!गे श्वरे

मझे अच्छे तंरेह या दु ह, रेदु मझे स वों दु फिकीया था फिकी वों मझे या!गे की शांनि की प्रत्याक्षा अ भ वों कीरे एगेD । ले फिकी वों दु की ब दु वों अचौं की गे याब ह! गेए। जी! घट एD उसकी ब दु घटA, वों मरे निलेए की > अजी ब औरे अलेHफिकीकी थाA।

जीगे ले म (बरेगेदु की छे या म (सम निध की अवोंस्था म (ले ट हुई स> दु वोंस्त्रध रे आकीMनितं आजी भ मरे स्मनिMतंया म (जी वों तं चौंले फिकी उन्ह (म तं या!गे श्वरे या या!गे स वोंतं4की सकीतं था ,

उस दुश्Mया मझेम तंरे तंकी निवोंस्मया स भरे फिदुया था । ब दु म (मझे म स जी जी तं था । याह भ जी फिकी म 1उन्ह (ध्या की म ध्याम स बले सकीतं था , उ स स ध सवों ले छे" औरे उस तं खो , अचौंकी" आवों ज़ी म (जीवों ब सकीतं था ।
वोंह आवों ज़ी इतं निवोंनिशांr था फिकी एकी ह ध्वोंनि दु! ब रे जीCदु -जीCदु आ रे उसकी मतंलेब ' हA' ह!तं था , जीस स Dस ले औरे छे!ड़ा की दुHरे ध्वोंनि उत् न्न ह!तं ह। म 1 इस प्रफिक्रंया की कीई ब रे रे क्षाण फिकीया , औरे ह्रे ब रे वोंह तं खो आवों ज़ी अचौंकी" नि कीले ।

ले फिकी वोंह स> दु वोंस्त्रध रे आकीMनितं वोंह D की स आई? वोंह कीH था ? उसकी प्रकीट ह! की रेहस्या क्या था ? या सब ब तं (

हमशां रेहस्या ह ब रेहA।

मझे की वोंले इतं तं था फिकी मरे म तं -नि तं उस आकीMनितं की! प्रतं म तं था, जी! की वोंले स्म रेकी मर्पि"तं था । रे तं मरे म औरे अ भ वों की छे औरे ह कीहतं था ।
जीब भ म 1उस आकीMनितं की स जीवों ब की निलेए गेया , मझे जी वोंतं उ निस्थानितं की आभ स हुआ। सवों दु वों स्तंनिवोंकी था फिकीस जी निवोंतं प्र ण स ब तं कीरे रेह हूँ।D ले फिकी अब, जीब म 1वोंह D जी तं हूँ,D तं! की!ई सवों ले म म (हA उठतं । औरे यापि की!ई प्रश्न हA, तं! उरे की स निमलेगे ?

मरे मनिस्तंष्की अब उस खोले की! खो! चौंकी ह। जीब भ म 1अब वोंह D जी तं हूँ,D मझे वोंह आकीMनितं सचौं म (मर्पि"तं ह ले

बजी त्थारे की मर्पि"तं।
वोंह जी दु," जी! त्थारे म (जी वों >"Dकी दुतं था , मरे कीमज़ी!रे ह!तं म की स था कीब की गे याब ह! चौंकी ह। मझे अब याह समझे म (आया फिकी की वोंले मजीबतं", नि डीरे औरे नि स्वों था4 म ष्या ह अज्ञा तं शांनि या की गेप्त रेहस्या की! प्र प्त औरे सरे निक्षातं कीरे ह।1

अब जीब म 1वोंह D जी तं हूँ,D तं! बरेगेदु की छेत्र-शां खो एD, कीटहले की ड़ा , सखो" त्थारे की स फिढ़या ,D औरे तं ले ब म (बहतं —सब मH रेहतं ह।1 वोंह D की!ई सदु शां हA ह!तं , की!ई सवों दु हA ह!तं ।

याह् सब की की ले सम   या दु (ब गेई ह।1

बढ़तं जीवों   आत्म की! कीई सवों ले स भरे दुतं   ह, ले फिकी जीवों   ब तं की स था-स था अहकी रे इतं   कीठ!रे ह! जी तं ह फिकी वोंह सच्ची प्र था 4 की भ वों   म (डी"ब हA   तं , सतं Mप्त हA ह!   तं ।

मझे इस अ भ वों की   रेदु की दु   ह! म (की!ई सदु ह   हA था ।

याह् भ नि निश्चतं था फिकी याह स्था   सतं जी तंद्र(की निप्रया रिठकी   था , औरे याह भ फिकी   रेदु, सतं जी तंद्र(, औरे भगेवों ध रे मनिहले —तं   निमलेकीरे की म कीरे रेह था, जीस   फिकीस या!जी   रे की या न्4वोंया कीरे रेह ह ।
औरे जीस   फिकी आगे की घट ओं स स् r ह! जी एगे , याह या त्र की वोंले याह Dतंकी स निमतं हA था । याह तं! आध्या नित्मकी या त्र की एकी ड़ा वों म त्र था ।

8.चौं रे की समृ"ह्A(Pack of Four)

म,1 एकी आस —एकी जी निवोंतं आस —>शां 4 रे ठ की बले ले ट था , ग्र, नि oसकी !चौं, रे" तंरेह स समर्पि तं। मझे तं था फिकी क्या ह! वों ले ह, औरे फिकीस रेवों ह था ? एकी तंरे> रेदु, दुस"रे तंरे> की सरिरेया वोंस्त्रध रे मनिहले , औरे मरे ऊ रे एकी अज्ञा तं शांनि सखो द्म स म (निवोंरे जीम था ।

याह् की!ई स ध रेण आस हA था । मरे ऊ रे बठ वोंह् शांनि वोंह् था जी! की वोंले भ रेवों की निवोंशांर्षों निधकी रे

था , औरे भ रेवों की
उरे स निधकी —उ की अCटरे ईगे!—ह इसकी स क्षा था ।
रे तं गेहरे औरे गेभ रे था , औरे तं रे , तं रे , तं रे ! भ रेवों की अचौं की चौं खो उस सन्न ट की! चौं रे फिदुया । हम सभ

सतंकी4
ह्! गेए। वोंह् जी कीरे रेह था, औरे हम सभ उ की स था सनिम्मनिलेतं ह! गेए। मह नि वों ण4 तं त्र की प्रनिसद्ध भजी की अ नितम
नि या Dशां तं शां"न्या म (गेजी" उठA:

ह्रींA! ह की ले की सह रेकी!

श्रेA! ह भयाकी रे रू ध रे !

क्लेA! ह कीCया णकी रे !

अ धकी रे की रे नित्र... अ रे इच्छे की रे नित्र,

तं म फि>रे भ सभ इच्छे ओं की बध स मनि दु निया ह!। इसकी ब दु मह की ले की भजी गेजी" लेगे। अDधरे

की D उठ , रे!म चौं की लेहरे(उमड़ा ड़ाA, औरे आ दु की गेहरे ई म (डी"बतं-
उतंरे तं हम सभ एकी अ जी ले!की म (हुचौंD गेए।
फि>रे, गेभ रे मत्र की ध्वोंनि उठ , तं लेबद्ध घ रिटया की तंरेह:

ॐ हु क्षाम याम रे म ले वों म क्रं!म ॐ हु क्षाम याम रे म ले वों म क्रं!म ॐ हु क्षाम याम रे म ले वों म क्रं!म

सवों-4निवोंघ्न- शां या शां या

फि>रे मह की ले भ रेवों ह्रींA >ट स्वों ह ...

> >की रे... लेH उछेलेतं हुई... औरे जीले हुई शां -खो ले की जी - हचौं गेध । औरे फि>रे, म 1डी"ब गेया —एकी गेह

सम निध म।(की!ई गेध , की!ई रे!शां , की!ई ध्वोंनि मझे तंकी हA हुचौंD रेह था ।

मरे चौंतं हवों रेनिहतं आकी शां म (दु की की लेH की तंरेह निस्थारे था। मझे लेगे फिकी म 1प्रकी शां लिं डी की ढं रे की ब चौं स अत्यानिधकी गेनितं स गेजी रे रेह हूँ,D जीस फिकी तं रे स भरे मदु म (या त्र कीरे रेह हूँ।D और फि>रे, चौंमकी ले रे गे की फिकीरेण (
बरेस लेगेA।

फि>रे अचौं की शां नितं आई, ले फिकी गेनितं की हCकी की अब भ था। याह एकी अजी ब रे!म चौं था , जीस ड़ा

रे चौंढ़तं
निगेलेहरे की प्रत्या शां , जीब वोंह रिठठकीकीरे आ की! दुखो तं ह— निस्थारे, फि>रे भ उत्सकी तं स रे!म निचौंतं।
याह अलेHफिकीकी सतं निr था। एकी ऐस अ भ वों, जी! स की! थाकी तं हA, बनिCकी तंरे!तं जी कीरेतं ह। याह म

की! निहम्मतं और
आत्म की! निवोंश्व स दुतं ह। भयाभ तं स हस की! आगे बढ़ की शांनि निमलेतं ह, और ई उम्म दु (छेले गे लेगे तं ह।
याह अनिस्तंत्वों की! मजीबतं" कीरेतं ह। आत्म की सवों4व्य कीतं की भ वों सवोंÁच्ची ह! जी तं ह। अ सनि की

ऐस मनि जी!
वोंह D
फिकीस भ भHनितंकी बध की! तं च्छे ब दुतं ह।
म 1इसकी वोंण4 कीब तंकी कीरेतं रेहूँ?D याह व्यथा 4ह। याह 'सदुवों आ दु' की भ वों था — रेम दु।

फिदुसब रे 1977 म (भ रेतं लेHट रे, म 1उस प्रभ मडी ले वों ले मफि दुरे म (फि>रे स गेया। भ रेवों स निमले की तं व्र

इच्छे मझे
खोAचौं ले ई था। ले फिकी निजीस फिदु म 1 हुचौंD , वोंह उ की स्वोंगे 4रे!हण की दुस"रे वोंर्षों4गे ठ था।
उ की उरे स निधकी , वोंह भ रेवों , जी! की ले सखो" आले"बखो रे की तंरेह निसकी ड़ा हुई था , अब भ वोंह D था।

मझे दुखो कीरे वोंह
मस की रे ई और ब!ले , "तं म वों स आओगे। म 1चौं हतं हूँ Dफिकी तं म वों स आओ। म 1याह DरेहूँगेD , चौं ह इस
शरि रे म (भ रेहूँ।D
ले फिकी म 1फि>रे भ रेहूँगेD। कीभ रे स्तं स हA हट । वों स आ ।"

याह एकीम त्र ऐस समया हA था जीब म 1 सवोंÁच्ची शांनि और आ दु की गेहरे ई की अ भ वों फिकीया। मझे चौं रे

और म!Hकी रे इस तंरेह की अलेHफिकीकी अ भ वों हुए।
एकी ब रे म 1 भ एकी सतं स याहतंनिवोंण 4प्रश्न छेड़ा, "सम निध म (की स अ भ वों ह!तं ह? "

म 1आ की! बतं तं हूँ D
हम हल ह वोंर्ष्ण्वों कीनिवों निवोंद्या नितं की छे" वों ले नि या की उCलेखो कीरे चौंकी ह—1
निवों म्र स तं
"मतं छे"!। याह अवोंण 4 या ह।

हरे कीह गेए शांब्दु की ब दु एकी और शांब्दु की प्या स लेगेतं ह।

निजीतं बतं या जी तं ह, उसस अनिधकी ब की रेह जी तं ह। "

रेवों न्द्र था ट गे!रे इस सनि क्षाप्ततं स कीह ह—

"तं म औरे म 1एकी स था।

की!ई ब चौं म (हA। की!ई ब ध हA।"

या फि>रे,

"म की जी दुई झे ले म (मझेएकी मध रे शां नितं की अ भ वों ह!तं ह;

रे तं म 1उस फिदुव्य मध रेतं की एकी बदु"D भ हA सम ट तं ,

क्या फिकी वोंह म वों समझे स रे ह। "

हA, सम निध की अ भ "नितंया Dवोंण4 स रे ह!तं ह।1 निजीस सतं की म 1ब तं कीरे रेह हूँ,D उन्ह प्रया गे की

निवोंत्र गेरे म (निस्थातं मरे स ध रेण घरे म (भ(ट दु था , जी! गेगे औरे

याम की समे म रे निस्थातं ह। याह Dहरे ब रेह वोंर्षों" म (लिंहदु "सप्र दु या की सभ सतं , भले ह उ की स ध
द्धनितंया म (निभन्नतं

ह!, एकीनित्रतं ह!तं ह।1 नि ध 4रिरेतं फिदु , कीड़ाकीड़ा तं सदुÂ की ब चौं, लेगेभगे ब स ले खो ले!गे औरे कीम स कीम

Dचौं ले खो सन्या स , स ध, सन् या स ,

स धुकी (रु र्षों औरे मनिहले), निवोंत्र सगे म रे स्ना की निलेए इकीट्ठा ह!तं ह।1 या ले!गे भ रेतं या उ मह द्वी की
दुरे दुरे जी क्षा त्र

स, याह Dतंकी फिकी दुनिक्षाण- वों" 4एनिशांया ई दुशां औरे उसस भ रे स आतं ह।1 मझे हमशां याह स!चौंकीरे

आश्चया 4ह!तं ह फिकी वों निब फिकीस सगे रिठतं प्रचौं रे की , अत्यातं वोंज्ञा नि की सट कीतं की स था तं रे खो
की नि ध 4रेण की स कीरेतं ह।1
ओले नि की जीस घट ओं म (एकी ले खो ले!गे की! जीट की निलेए व्य की प्रचौं रे की आवोंश्याकीतं ह!तं ह,

रे तं निब फिकीस
प्रचौं रे, प्रनितंया!निगेतं या प्र!त्स ह की , ले खो ले!गे याह Dसमया रे की स एकीनित्रतं ह! जी तं ह?1
वों फिकीस प्ररे ण स कीr की स म कीरे की! तं या रे ह!तं ह?1 उन्ह (क्या ले भ की आशां ह!तं ह?

याह घट मरे निलेए हमशेंहस्या रेह ह।

उस वोंर्षों4, सदुÂ अत्यानिधकी कीठ!रे था ; औरे एकी अस मनियाकी शां तंकी ले म स" , निजीसम (ओले औरे ठ डी ब रिरेशां भ था ,
रिरेनिस्थानितंया की! औरे कीरिठ ब फिदुया ।
याह एकी कीरिठ की भ मले था ।

(मझे अच्छे तंरेह या दु ह फिकी याह एकीम त्र जी वोंरे था , जीब म 1 इले ह ब दु म (ब>4 की लेटकी झुईAह्" (दुखो

म 1 निवोंत्र फिदुया की सगे म स सब ह-सब ह स्ना कीरेकी लेHट था , औरे की छे निमत्र की स था स निहत्या औरे अन्या व्यथा 4ले पि
उ या!गे निवोंर्षोंया रे चौं या औरे गेम4 श्तं की स था समया बब 4दु कीरे रेह था ।

वोंह एकी अत्यातं भHनितंकी ण"4तं की क्षाण था।

तंभ दुरेवों ज़ी रे दुस्तंकी हुई; औरे उसकी स था ह एकी कीमजी!रे आकीMनितं प्रवों शां फिकीया।

वोंह लेगेभगे Dचौं > ट तं इ चौं ले ब , हCकी कीदुम स चौंलेतं , स ध रेण दु ढ़ वों ले था , जी! बहुतं ले ब हA था।

उस की वोंले हCकी सतं" की ड़ा ह हुआ था , जी! उसकी कीरिट भ गे की! ढंDकीतं हुए भ उसकी कीमजी!रे शांरे रे की! रे" तंरेह ढंDकी हA रेह था।
ध" म (झे लेसकीरे तं ब जीस ह! चौंकी लेट(ढं ले ह!कीरे अ जी की ध रे लेटकी हुई थाA।

आDखो (आध बदु थाA।

यावों वोंस्था की उन्म दु औरे ओस्कीरे वों इCडी, शां², लेश्रे(स, फ्री याडी, रे!म रे!ले , इनिलेयाट, स त्र,4 निगेडी, जीगे जीस असख् य
चौंचौं 4 की शां म,(म 1 उस स ध रेण व्यनि की रे" तंरेह अ दुखो की।
उस निभक्षाकी समझेकीरे, म 1 असभ्यातं स उस दुस"रे दुरेवों ज़ी रे दुस्तंकी दु की! कीह , जीह D मरे धम 4रे याण म Dउस निभ
सकीतं थाA।
औरे वोंह दुस"रे दुरेवों ज़ी रे दुस्तंकी दु चौंले गेया।

की छे ले की ब दु, जीब म Dकी चौंह रे रे प्रसन्नतं की लेहरे की स था वोंह अ जी आगे तंकी मरे चौंचौं रे भ ई चौंक्रंवोंतंÂ नि कीले
आया , तं! म 1हक्के -बक्के रेह गेया।
वोंह वोंह चौंक्रंवोंतंÂ था , जी! ब स वोंर्षों" स अनिधकी समया स निहम लेया म (ले तं था , औरे जी! ब Cया वोंस्था म (अ था ह! रे
मरे म Dकी दुध" कीरे बड़ा हुआ था।
उसकी ब रे म (आनिखोरे ब रे याह स गेया था फिकी वोंह ले की शां ह की²ले जी म (अ ग्रेजी निवोंभ गे की प्रम खो था ; ले फिकी
सब ह वोंह अचौं की गे याब ह! गेया था।
औरे अब, मरे म D अ खो!ए हुए त्र -तं Cया भतं जी की! फि>रे स अ स म या।

मझे अ चौंचौं रे भ ई चौंक्रंवोंतंÂ औरे उसकी आध्या नित्मकी मह तं की ब रे म (हले स ह स रेखो था।

अब मझे उस कीरे ब स दुखी अवोंसरे निमले।

म Dकी निवोंशांर्षों आग्रेह रे, उस अ जी वों की सबस ले ब ठहरे वों चौं रे फिदु तंकी हम रे घरे रे फिकीया।

उस म Dकी! नि रे शां हA फिकीया।

उस कीह , "म 1स्रा की निलेए तं! आया ह था , रे तं मख् या उद्दी श्या 'मझे दुध" नि ले वों ले ' स अ नितंम भ(ट कीरे था।"

वोंह चौं स वोंर्षों4स अनिधकी आया की ह! चौं निहए था , रे तं तं स वोंर्षों4की यावों फिदुखोतं था।

उसकी ब ले म (एकी भ स> दु हA था।

औरे ध रे -ध रे म 1उसकी जी वों की प्रनितं उसकी सच्ची नि ष्ठों की! समझे लेगे।

तं!, म 1उसस स खो की ले!भ सवों रेण हA कीरे सकी।

म 1जी चौं हतं था फिकी सतं वों स्तंवों म (सम निध म (क्या अ भ वों कीरेतं ह।1

रेम त्म स गे स्वोंतं त्रतं की अ भ वों

"सम निध की स्वों दु की स ह!तं ह? " याह सवों लेरेमश्नों कीरेतं रेह। "याह समया था ," म 1 स!चौं।

मरे निलेए वों चौं रे फिदु र्पि म 4ण की चौं रे स ले जीस था। निवोंश्वनिवोंद्या लेया म (निबतं या समया एकी अलेगे तंरेह की निशां था , निजीस मझे आध्या नित्मकी रू स खो!खोले ब फिदुया था। म 1 तं! की!ई वों स्तंनिवोंकी निवोंकी स फिकीया औरे ह स खो हुआ ज्ञा ब ए रेखो। ले फिकी सतं स की स निन्नध्या म (म 1म निसकी रू स तंरे!तं जी औरे आध्या नित्मकी रू स o ऊजी वों4 ह! गेया। याह एकी प्रकी रे की भ!गे था निजीस उन्ह निवों म्रतं स स्वों कीMतं फिकीया। उन्ह अस म ध या 4की स्पष्टहथा मझे फिकीया।

म 1 उ स कीई सवों ले छे" , ले फिकी एकी सवों ले जी! म 1 सबस जी!रेदु रे तंरे की स छे" , वोंह था , "आ अ सभ नि छेले कीतं4व्य-बद्ध प्रनितंबद्धतं ओं की! क्या छे!ड़ा ? इस एकी की म गे 4 रे क्या चौंले आए? इसकी क्या ले भ ह?1 इसस वों स्तंवों म (क्या निमलेतं ह? याह या!गे क्या ? फिकीस उद्दी श्या स? "

म 1 उन्ह (हले ह चौंतं वों दु दु था फिकी वों मरे स था प्रम स भरे फिदुले या म वोंतं की सवों जीस निघस- नि ट उ दुशां दु!हरे ए।D म 1जी तं था फिकी ऐस खो!खोले आदुशां4 अक्सरे ढं गे औरे ध!खो धड़ा की की रेण ब तं ह।1
"याफिदु हृदुया की! प्रम स भरे ह सत्या ह!तं ," तं! कीMष्ण जीस मह रु षों जी वों म (व्यस्तं रेहतं हुए भ आत्म की प्रनितं अ दु नियात्वों नि भ म (सक्षाम क्या था?
अनिधकी शां वोंफि दुकी औरे Hरे निणकी ऋनिर्षों गेहMस्था ह!तं हुए भ सम ण4 की स था स ध कीरेतं था।

उन्ह भ गे-दुHड़ा भरे लिंजीदुगे की! अ कीरे भ शांनि प्र प्त की औरे एकी तं की तंले शां हA की।

"क्या आ मरे ज्ञा रे सवों ले उठ रेह ह,1" उन्ह छे" , "या मरे जी वों जी की तंरे की की आले!चौं कीरे रेह ह?1 क्या आ मझे स रे ज़ी ह,1 भ ई?"
उ की आDखो (आध बदु थाA, द्म स म (स ध औरे निस्थारे शांरे रे, मध रे औरे शां तं आवों ज़ी। उ की आचौंरेण ह गेभ रेतं औरे ज्ञा की गेहरे ई की! प्रम निणतं कीरेतं था।
वों ण"4तंo आध्या नित्मकी था, एकी आत्मस क्षा त्की रे प्र प्त व्यनि।

उ की व्यनि त्वों म (या!निगेकी आ दु की स रे झेलेकीतं था।

इसकी निवों रे तं, म 1अ शांनि रे खो स कीट हुआ, अभ्या स स दुरे", सदु ह स निघरे हुआ और निश्चम तंकी' की गेले म म (जीकीड़ा हुआ था।

म 1'स>लेतं ' की छे दुHड़ा रेह था , क्या फिकी म 1'स>लेतं ' की! समझे और स्वों की रे कीरे म (असमथा 4था।

ज्ञा की प्रनितं मरे दुभ की की!ई स म हA था।

उन्ह आDखो (मदु"D रेखो थाA और मरे उरे की प्रतं क्षा कीरे रेह था।

म 1 कीह , "म 1ऐस की छे हA कीरे रेह हूँ।D म 1की वोंले याह समझे चौं हतं हूँ Dफिकी जी वों स भ गेकीरे अमतं" 4सत्या की तंले श कीरे चौं निहए? इसस क्या प्र ग्न ह!तं ह? क्या ?"
आDखो (बदु , आवों ज़ी शां तं और ठ डी , उन्ह उरे फिदुया , "मझे कीरे ह ह!गे , जीस फिकी आ कीहतं ह।1 और म 1कीरूDगे।"

फि>रे सन्न ट छे गेया।

म 1 अ स Dस रे!की ले और प्रतं क्षा कीरे लेगे।

अचौं की, उन्ह कीह , "म 1आ दु चौं हतं हूँ;D शां श्वतं आ दु; जी वों की निलेए आ दु; जी निवोंतं ले!गे की निलेए आ दु।"

"बकीवों स मतं कीरे!।"

उ की उरे मझे क्रं!निधतं कीरे फिदुया।

"अगेरे जी निवोंतं ले!गे की निलेए इतं आ दु ह, तं! म 1आ दु म (क्या हA हूँ?D चौं रे ओरे इतं दुखो क्या ह? बद्ध और ईस की समया स हम इस गेरे ब झे! ड़ा म (क्या >Dस ह?1 अब बहुतं ह! गेया !"
उन्ह शां नितं वों"की4 उरे फिदुया , "तं म्ह रे आ दु और मरे आ दु बहुतं अलेगे ह।1 तं म फिकीस आ दु कीहतं ह!? क्या तं म कीभ वों स्तंनिवोंकी आ दु की स्वों दु चौंखो ह? "
उ की आDखो (खोले A—ह रे की चौंमकी जीस , जीस अ धरे म (प्रकी शां की की(द्र।

म 1 कीह , "बक्षी, मझे खोशकी ले निमले ह।1 तं! क्या ?"

" ले... जीस क्या ? कीब? की स? " उन्ह ।छे"

"कीले , स निहत्या, सगे तं..." म 1 कीह।

"रुकी!। ठ की-ठ की बतं ओ फिकी तं म्ह (क्या चौं निहए और जी! तं म्ह (निमलेतं ह, उस तं म आ दु क्या कीहतं ह!।"

म 1 कीह , "खोशां की सबस सतं !र्षोंजी की अ भ वों मरे सबस शां दु रे क्षाण म (आतं ह.1.. जीस शां क्सनि यारे की या नि या –

'हम ऐस दु था 4ह 1निजी रे स ब तं ह,1 और हम रे छे!ट स जी वों Aदु स निघरे हुआ ह। '

उन्ह आDखो (आध बदु रेखोतं हुए छे" , “याह कीब तंकी चौंले ? सभ सवों दु ओं की सवोंÁच्ची की स था म महस"स कीरे की याह उत्कीMr भ वों ?”

“सभ सवों दु ओं की सवोंÁच्ची की स था म महस"स कीरे !”

क्या रेम दु की! व्य कीरे की अद्भुभतं तंरे की था !

म 1अनिभभ"तं था ।

उन्ह कीह , “ हA! सब हA। मरे आ दु की स्रो!तं एकी जी दुई >व्वों रे ह। याह तं म्ह रे घरे की ले की तंरेह ह। जीब

चौं ह!

खो!ले!, जीब चौं ह! बदु कीरे!। याह तं म्ह रे इशां रे रे की म कीरेतं ह। चौं ह घ ट , फिदु , मह , स ले भरे इसकी आ दु ले!—याह

तं म्ह रे नि या त्रण म (ह। याह आत्म की प्रकी शां ह। या!गे इस प्रदु कीरेतं ह; स ध इस तं या रे कीरेतं ह;

सम निध इसकी

आ दु ले तं ह; औरे स ध इस > ले तं ह, उ ले!गे की! शां नितं दुतं ह जी! इस चौं हतं ह।1 आ दु मरे ह, औरे म 1इस ब Dटतं

हूँ।D”

म 1मत्र मग् ध था । उ की आत्म-निवोंश्व स, शांब्दु की स दुगे , औरे अनिभव्यनि की गेहरे ई मरे म की स रे सशां या

दुरे"की रे निदुए। म की सम्धािन की महसहस कीरे कीनिअभ भ निमत्तं।

खो!या हुआ तं

म 1की छे समया की निलेए निहम लेया की नितंब्बतं-निशांमले ह ड़ा स दुरे", 11,000 > ट की ऊDचौं ई रे निशांनिवोंरे लेगे ए हुए था ।

निवोंश्वनिवोंद्या लेया की की छे यावों वोंह D निहम लेया सड़ाकी नि म 4ण की की म म (लेगे था। मरे की म था उ की निशांनिवोंरे जी वों औरे

अ शां स की दुखो रे खो कीरे । तं जी याह हुआ फिकी म 1ऐस भ"निमकी म (आ गेया निजीसम (म 1उ यावों ओं की अ तंरे त्म - लेकी ब गेया , निजी की अ तंरे त्म अभ भ उथाले- था ले म (था ।

रे!ज़ी की हलेचौंले स बचौं की निलेए म 1अक्सरे शां म की समया दुरे" नि कीले जी तं था । एकी शां म, म 1गेहरे

जीगे ले म (भटकी गेया ।

उस जीगे ले की वोंह निहस्स अजीगेरे औरे भ लेओं की निलेए की ख्या तं था । म 1एकी गेहरे घ ट म (उतंरे गेया था , याह जी निब

फिकी शां म फिकीतं तं जी स अ धरे म (बदुले सकीतं ह।

ऊ रे चौंढ़तं समया एकी क्षाण ऐस आया जीब मझे एहस स हुआ फिकी म 1वों स हA हुचौंD ऊDगे औरे मझे रे तं

निबतं की

निलेए की!ई रिठकी ढं"Dढं ह!गे । म 1 ह ड़ा भ"लेभ लेया म (घ"मतं रेह , थाकी औरे शां यादु डीरे स निघरे , जीब तंकी मझे याह

समझे म (हA आया फिकी म 1ब रे-ब रे उस जीगेह रे लेHट रेह हूँ।D म 1बरे तंरेह स म (भ गे गेया था , स स (थाम

रेह थाA

औरे मझे लेगे रेह था फिकी म 1बह !शां ह! वों ले हूँ।D

मरे स तं! ट²चौं 4था औरे ह म निचौंस। म 1 बस एकी स ध रेण लेकीड़ा की डीडी कीड़ा रेखो था ।

आनिखोरेकी रे मझे एकी

अ धरे की ठ!स, भ रे आवोंरेण मरे ह!शां रे ह वों ह! रेह था। जीगे ले की घ स Dस,(म ! फिकीस निवोंशां ले अजीगेरे की स!तं हुए शांरे रे की तंरेह, उठतं और निगेरेतं प्रतं तं ह! रेह थाA। अ निगे तं जीगे "उस घ अ धकी रे म (अनिमिरिम्तंरेहो थाझेलेणक्ति रे की!ई सदु शां दु रेह था।

मझे खो!या हुआ महस"स कीरे चौं निहए था। मझे डीरे लेगे चौं निहए था। मझे घबरे हट की दुHरे ड़ा चौं निहए था। ले फिकी की छे भ हA हुआ। ऐस लेगे रेह था जीस म 1अ कीमरे म (आध रे तं की! अचौं की जी गे गेया हूँ,D और या फिकी प्रकीMनितं मरे अ क्षा स अनिधकी भया वोंहतं स स Dस ले रेह ह। जी! रिरेनिचौंतं था, वोंह अ रिरेनिचौंतं ह! गेया था।

मझे एहस स हुआ फिकी मरे   स की वोंले एकी ह रे स्तं ह, एकी ह की म ह। म 1 एकी आस म (बठ कीरे स्वोंया की! याथा सभ वों आरे मदु याकी निस्थानितं म (ले या और ध्या म (ले ह! गेया।
जीCदु ह ह निड़ाया Dस फ़्री ह! गेईं, और भ रे अ धकी रे म (डी"ब की बजी या, म 1प्रकी शां की सम द्र म (तं रे रेह था। मरे शांरे रे छे छे"ट गेया था, और मझे एकी अत्यातं आ दुमया सगे ध ढंDकी निलेया था। की छे तं रे, जीगे ओं की तंरेह, मरे   स स गेजी और तं ज़ी स उड़ा जी तं। म 1 स्वोंया की! रेवोंAद्र था ट गे!रे की अ   स दु दु नि या Dगे तं हुए या :

"म 1तं रे सदु रेतं की! अ म की आDखो स दुखो तं हूँ.D..
मरे आDखो (अब भटकीतं हA,
मरे भ तंरे की!ई अज्ञा तं वों ण की तं रे बजी रेह ह;1
एकी ब Dसरे की की रे मझे उस ओरे खोAचौं रेह ह,

निजीस म 1हमशांजीतं रेह हूँ।D"

फि>रे एकी ऐस क्षाण आया जीब मरे अनिस्तंत्वों रे" तंरेह सम प्त ह! गेया; जीस महस"स कीरे ह आ दु की स गेरे म (खो! जी था। शां यादु म 1बह !शां ह! गेया था।
जीब मरे चौंतं लेHट, तं! म 1 स म (रे" तंरेह भ गे हुआ था। हवों भ रे और ध ए Dस भरे महस"स ह! रेह था। म 1 एकी चौंह रे अ ओरे झे Dकीतं दुखो। "तं म सरे निक्षातं ह!; सब ठ की ह," एकी स् r अ ग्रेज़ी आवों ज़ी मझे आश्वस्तं फिकीया।
ध रे-ध रे अ धकी रे स दु! रिरेनिचौंतं चौंह रे उभरे। या मरे निशांनिवोंरे की दु! लेड़ाकी था, जी! अ खो!ए हुए तं की तंले शां म (था।

म झे एकी गे रु चौं निहए

उ चौंह रे की स एकी अजी ब यावों की खोड़ा था, जी! अ शां द्ध ग्रतं म (फिदुव्य आभ स दुमकी रेह था। वोंह लेगेभगे तं स वोंर्षो4की लेगे रेह था, और उसकी हरे ब ले स आध्या नित्मकी तं जी ट की रेह था।

उस दुखो कीरे मझे   ई ऊजी 4की अ भ वों हुआ; और म 1उठकीरे त्थारे ले ज़ीम रे बठ गेया। दु! लेड़ाकी मरे स की! छे म (लेगे था, और मझे रे एकी की बले डी ले गेया था तं फिकी मझे जी! हCकी ठ डी लेगे रेह था, वोंह कीम ह! सकी। एकी दु या जी रेह था और स म (एकी आगे सले गे रेह था।

याह एकी एले-आकी रे की गे> था , निजीसकी मह तं > ट चौंHड़ा औरे चौं रे > ट गेहरे था । तं त्र म!ड़ा की ब दु गे> आठ > ट की गेहरे ई तंकी > ले हुई था । म 1इस निहस्स म (रे खो स भरे कीठ!रे चौंट्टा रे बठ था ।

उस स ध मझे बहुतं सम्म की स था या!निगेया की उ या तंरे की स अनिभवों दु फिकीया । उसकी चौं हुए सस् कीMतं औरे अ ग्रे
शांब्दु की उच्चीरेण स याह स् r था फिकी उस औ चौं रिरेकी निशांक्षा प्र प्त की था ।
म 1मस् की रे ए निब हA रेह सकी ।
"तं!," म 1 कीह , "तं म ह ह! जी! इस अ धकी रे औरे उलेझे की की रेण ह!। रे स्तं भटकी औरे या स रे ब तं (भ तं म्ह रे ह
चौं ले (ह।1 तं म तं! बड़ा चौंमत्की रे लेगेतं ह!। धन्यावों दु। ले फिकी तं म मझे क्या बले या ? औरे इस तंरेह की तंकीले फ़ीं दु वों ले
तंरेकी ब क्या अ ई? ...म 1हरे हूँ।D"
हम सस् कीMतं म (ब तं कीरे रेह था, औरे ब चौं-ब चौं म (अ ग्रेज़ी म (भ की छे शांब्दु की आदु -प्रदु ह! रेह था । दु! लेड़ाकी हरे
था, क्या फिकी उन्ह (हम रे ब तं की एकी शांब्दु भ समझे म (हA आ रेह था ।
"मझे आ की सख्तं ज़ीरूरेतं था ... बहुतं सख्तं। म फ़ीं की निजीए, निब आ की! बतं ए म 1 याह उ या अ या । ह ड़ा ले!गे
आ की आगेम की ब रे म (बतं या था । म 1स्वोंया आकीरे आ स निमले चौं हतं था , ले फिकी आ दुखो ह रेह ह 1फिकी मरे
निस्थानितं की स ह। "

"मझे एकी गेरु चौं निहए। मझे तं ज़ीरूरेतं ह। कीM या मझे सHभ ग्या दु।(कीM या मझे कीरे(।"

उसकी निवों म्र औरे दुढ़M अ ले फिकीस की! भ नि घले सकीतं था । दु! लेड़ाकी चौं चौं खोड़ा रेह, औरे अब उन्ह (आभ स हुआ
फिकी हम रे ब चौं की छे गेह सवों दु चौंले रेह ह।
फि>रे उस अ कीह बतं ई।

म 1उसकी आनित्मकी या त्र की याह ई कीथा बड़ा ध्या स स रेह था , जी! फिकीस प्र चौं किंकीवोंदुतं स कीम हA था ।

निबखोरे हुए शांब्दु

उस कीह फिकी सम निध की अवोंस्था म (वोंह अक्सरे की छे निलेखो दुतं ह, ले फिकी ब दु म (वोंह खोदु भ हA समझे तं फिकी उस
क्या निलेखो ह। उस मझे स छे" फिकी क्या म 1उसकी निलेखो हुई इ नि या की! ढ़ म (उसकी मदुदु कीरे सकीतं हूँ।D

मचौं;बड़ा भिदुवोंधा कीसछेरेवोंहस्मई हले स् तंकी की! दुर्लोनिलेखो वोंट स् r था , ले फिकी निलेनि मझे
बगे ले म (निलेखो गेए था, की छे ऐस निलेनि म (जी! बगे ले स निमलेतं -जीले तं था ले फिकी वोंह बगे ले हA था , शां यादु ओनि
ह! सकीतं था ; औरे की छे अ शां फिकीस भ"ले -निबसरे प्र च्या भ षों म (था, निजी की अक्षारे की ले क्षारे (cuneiform) की तंरेह लेगे
रेह था।
निलेनि या D बदुले रेह थाA, ले फिकी जीह D म 1 ढ़ सकी , वोंह D भ षों रेहस्यामया तं नित्रकी सस् कीMतं था , जी! मत्र , मण्डीले ,
फिकी भ षों कीभ -कीभ शां द्ध सस् कीMतं स प्र कीMतं म (बदुले जी तं था ,
औरे फि>रे स ध फिकीस प्र की या दु!लेचौं ले की भ वों म (ढले जी ते था । निवोंषोंयावोंस्तं मख् या रू स तं त्र औरे तं नित्रकी स ध ओं
इदु-4निगेदु 4घ"म रेह था ।

याह एकी अत्यातं आश्चयाजी4 की खो!जी था। म 1 रे" तंरेह हरे ह!कीरे उस दुखो लेगे। मरे चौंHड़ा खोले आDखो नि निश्चतं ह मरे उलेझे और निवोंस्मया की! प्रकीट कीरे फिदुया ह!गे। ले फिकी वोंह नि स् हM भ वों स, म ! एकी बच्ची ह!, अ इस निलेखो वोंट और निचौत्र की ब रे म (ब तं कीरेतं रेह।

"क्या म 1 गेले ह! गेया हूँ?D या क्या ह?1 क्या ?कीमे या निलेखोवों तं ह? रेम!"1बचौं

"इसकी निवों रे तं," म 1 कीह, "इ सबकी बहुतं गेहरे अथा 4ह। " ले फिकी म 1 तं! और की छे समझे या और ह उस

ढ़कीरे स या। म 1 उस याह निवोंश्व स फिदुले या फिकी निजीस स्रो!तं स उस या

सद् शां निमले रेह ह,1 वोंह एकी फिदु उस स् r रू स और भ बहुतं की छे बतं एगे, और याह सब उस की निलेए निर्यातं ह, और

की वोंले वोंह इस समझे की निलेए सबस या!ग्या ह।

गे रु की खो!जी

उस स् तंकी की! ऐस फिकी रे रेखो फिदुया, म ! वोंह उसकी निलेए फिकीस महत्वों की ह!। उसकी सबस निजीद्दी म Dगे था फिकी म 1

उसकी गेरु ब "D। जीब वोंह मरे चौरेण म (निगेरे वों ले था, म 1 उस था म निलेया और उस गेले स लेगे निलेया। हम रे स चौं जीलेतं हुई चौं ड़ा की लेकीनिड़ाया की आगे था। म 1 उस अ स खोAचौं निलेया और ध रे -ध रे उस अ ऊ रे निबठ निलेया; वोंह मरे वों म जीघ रे बठ, उसकी ठ मरे की ध और छे तं स लेगे रेह था।

म 1 उसकी की म (ध रे -ध रे > स> स शां रू फिकीया। (दु! लेड़ाकी अब तंकी मH ह! चौंकी था और अ धरे

की! म (दुब की बठ

था।)

"तं झे की!ई गेरु हA निमलेगे, ह धन्या आत्म ! निजीस स्वोंया म तं गेरु रू म (स्वों की रे निलेया ह!, उस फिकीस

और गेरु की

आवोंश्याकीतं हA ह!तं। और निजीस तं"खो!जी रेह ह, वोंह तं रे भ तंरे ह अ स "ण 4मनिहम की स था स् फि दुतं ह! रेह ह!।"

"और वोंह क्या ह? " वोंह बरे तंरेह स व्य की ले ह!कीरे चौं खो ड़ा। "वोंह ह 'रे म'," म 1 कीह। "क्या तं रे म D तं झे

वोंह मत्र हA फिदुया था, जीब तं" नि ष्क्रंमण सस् की रे (मनि की या त्र) की

निलेए प्रस्था फिकीया था ? ... अब मरे सले ह म । म Dकी! ह अ सच्ची गेरु म ले, ह सHभ ग्याशां ले, ह धन्या आत्म !

जी! तं"खो!जी रेह ह, वोंह सब तं झे निमलेगे । की छे वोंर्षों' तंकी प्रतं क्षा कीरे और प्रया स कीरेतं रेह।"

अचौं की वोंह मरे गे!दु स उछेलेकीरे खोड़ा ह! गेया, आगे स जीलेतं हुई लेकीड़ा की एकी ट कीड़ा झे ट निलेया और

बर्फी ने तंर्फी"(निशांनिवोंरे

बक़्कीअचौं

म (चौंतं हुआ चौंले गेया। वोंह आकीMनितं अ धरे म (निवोंले ह! गेई; जीलेतं हुई मशां ले की प्रकी शां ध रे -ध रे एकी लिंबुदु म (बदुले

याह तं सरे घट भ निहम लेया की सरे या त्र ओं म (स एकी स जीड़ा ह। इस ब रे याह कीश्म रे की या त्र था, और याह क्षा त्र गेया, निजीस अ तंतo ध जीगे ले की अ धकी रेमया गेहरे ई नि गेले निलेया।

रे जी ले स ले कीरे प्रनिसद्ध अमरे था ह निड़ाया तंकी > ले हुआ ह। वोंह D हुचौंD की निलेए वोंव्य चौं!ट रे 17,000 > ट की ऊDचौं ई चौंढ़ ड़ातं ह। रे स्तं निलेद्दीरे घ ट स ह!कीरे जी तं ह, निजीसम (दु! तं व्र चौंढ़ इया Dह—1 हले नि स्स" दुरे 4और दुस"रे मच्छेरे दुरे 4। इसकी ब दु निलेद्दीरे की उद्गीम स्थाले शां र्षों गे झे ले तंकी हुचौंD जी तं ह; शां र्षों गे स एकी खोड़ा चौंढ़ ई अ तंतंo

चौं तंरिरेण घ ट म (उतंरेतं ह, जीह D Dचौं ध रे एD निमलेकीरे एकी सदु रे सगे म ब तं ह।1 याह म गे 4कीरिठ ह, ले फिकी ब की
वों4तं या दुरे' निजीतं कीरिठ हA ह। याह आठ म ले स अनिधकी की दुरे" तंकी ऊDचौं ई रे ऊ रे- चौं ह!तं रेहतं ह, जीब तंकी
फिकी अमरे गेगे की घ ट तंकी हA हुचौंDतं। अमरे गेगे की तंट रे एकी गे, ऊबड़ा-खो बड़ा खोड़ा ह ड़ा ह, निजीसम (प्रनिसद्ध अमरे था गे> निस्थातं ह, जीह D बर्फ़ी4 स स्वोंयाभ " निहम-लिंलेगे की चौंमत्की रिरेकी रू स नि म 4ण ह!तं ह।
म 1जी " मह की शां रुआतं म (निलेद्दीरे घ ट हुचौंD था, जी! अमरे था या त्र की निलेए सबस अ या समया म
जी तं ह।
ले फिकी मझे एकी प्रबले आह्वों महस"स हुआ, औरे म 1 या त्र शां रू कीरे की नि श्चया फिकीया। ऐस लेगे जीस मरे स की!ई
औरे निवोंकीC हA था। मHसम की निस्थानितं की वोंले प्रनितंकी"ले था, बनिCकी चौंदु वों ड़ा घ ट औरे नि स्स"
दुरेÔ की ब दु ऊDचौं ह ड़ा
रे निहम-द (ग्लेनि शांयारे) की निस्थानितं अचौं की निहमस्खोले (एवोंले चौं) की निवोंशांर्षों आशां की दु कीरे दु था। निवोंशांर्षों रू स
निहम दु या आ दु की! दुखो तं हुए, गे> तंकी हुचौंD की फिकीस भ प्रया स रे अगेस्तं तंकी की " रू स प्रनितंब ध
लेगे हुआ
था।
ले फिकी मझे तं! जी ह था। म 1 स्था या प्रशां स स निवोंशांर्षों अ म नितं प्र प्त की औरे 'अ जी!निखोम रे'
तं थाया4 त्र कीरे की
निलेए एकी ब्रध त्र रे हस्तं क्षारे फिकीए। वोंह एकी डीरे वों वों क्या था, ले फिकी जीब आह्वों आतं ह, तं! फि>रे की छ! भ म या
हA रेखोतं, ऐस मरे निवोंश्व स ह।
मझे एकी घ!ड़ा रे रे" रे शां - औरे एकी छे!ट तं ब "ले जी ड़ा। एकी औरे घ!ड़ा रे सवों रे ह!कीरे म 1 चौं रे
फिदु म (
या त्र रे" कीरे की लेक्ष्या रेखो।
दुस"रे फिदु की शां म की! मझे भयाकी रे बर्फ़ी¬ले तं"फ़ी की अजी ब!गेरे ब गेजी"D घ रे निलेया, औरे मझे एकी
जीजी4रे झे! ड़ा म (शांरेण
ले ड़ा, जी! कीभ एकी की रिटया रेह ह!गे। हम रे खो द्या स मग्रे औरे तं ब "ढं! वों ले घ!ड़ा कीहA फिदुखो ई हA दु रेह था।
वोंह जी वोंरे औरे उसकी म निलेकी जीस हवों म (निवोंले ह! गेए था। सभ वोंतंo वोंह उस भ"निम की बट था औरे
उस इस आ दु
की आहट हले ह. भ D ले था औरे कीहA सरे निक्षातं स्था रे शांरेण ले ले था।
जीब म 1जी गे, तं! भ!रे भ रे ध ध की चौं दुरे की! चौं रे की की!निशांशां कीरे रेह था। मरे घ!ड़ा घ स चौंब रेह था, औरे ब चौं- वोंह रे तं बह दु भया की था। ब रिरेशां औरे बर्फ़ी¬ले तं"फ़ी रे तं की दु! बुजी तंकी जी रे रेह। रे" तंरेह थाकी औरे
ब चौं म (अ खोरे ज़ीम रे टकी रेह था। म 1उठ चौंकी था, ले फिकी वोंह रेहस्यामया ध्वनि निब की!ई नि शां छे!ड़ा गे याब ह! चौंकी था।
ट!टी
कीगे रे रे हुचौंDकीरे म 1 अ धरे म (एकी आकीMनितं दुखो, ले फिकी रे" की!निशांशां की ब वोंजीदु" म 1उस ठ की स दुखो हA सकी। शां यादु
वोंरे कीमदुर्की छी समया की निलेए चौंतं अवोंस्था स ब हरे चौंले गेया था। एकी गेम4 आगे औरे फिकीस जीलेतं हुए
शां ले दु था,4
सभ वोंतंo भ गे की गेध मरे इ फिद्रया की! फि>रे स जी गेतंM फिकीया।

घ!ड़ा वों ले वों स आ गेया था औरे उस मझे सले ह दु फिकी सरे"जी की गेरेम ह! स हले या त्र फि>रे स शां रू कीरे दु।D" ऊDचौं सरे"जी की गेमÂ निगेरे हुई बर्फ़ी4 की! नि घले सकीतं था औरे चौं तंरिरेण की खोड़ा उतंरे ई रे या त्र की! औरे भ ख़ौतंरे की ब

सकीतं था। वोंव्य की डीरे वों चौं!ट मरे स म चौं Hतं की तंरेह खोड़ा था , ले फिकी म 1 निहम्मतं ब Dध औरे उस चौं ले घ!ड़ा वों ले द्वी रे जी दुई ढं गे स तं या रे फिकीए गेए की ले की²> की दु! तं ज़ी प्या ले कीरे या त्र शां रू की।

निशांनिवोंरे स्थाले स ज़्या दु दुरे" हA हुचौंD था फिकी म 1 फि>रे उस की ले छेरेहरे व्यनि की! गे Dवों स> दु

बर्फ़ी4 रे चौंलेतं औरे

उस भ्रया की चौं!ट की ओरे ध रे -ध रे चौंढ़तं हुए दुखो । हCकी -हCकी आवों ज़ी म (एकी प्रसन्न निशांवों-भजी की

ध मरे स स

गेज़ी रे , निजीसम (ब चौं-ब चौं म ("जीया अमरे था" की उद्धा!र्षों गेजी"D रेह था।

म 1उस व्यनि की सह शांनि औरे ध या 4 रे हरे था औरे स था ह उस घ!ड़ा रे सवों रे ह!कीरे कीड़ा की की!निशांशां

कीरे

लेगे। म 1 एड़ा लेगे कीरे घ!ड़ा की! तं ज़ी दुHड़ा या , ले फिकी चौं ह निजीतं भ तं ज़ी दुHड़ातं , औरे चौं ह निजीतं

भ की!निशांशां कीरेतं

फिकी उस आकीMनितं की स हुचौंD"D, ले फिकी म 1उस दुरे" की! एकी इ चौं भ कीम हA कीरे सकी। वोंह

आकीMनितं शां नितं औरे निस्थारेतं की

स था अ ह अ दु ज़ी म (चौंलेतं रेह , जीस उस नि श्चया कीरे निलेया ह! फिकी वोंह अ दुरे" ब ए रेखोगे ।

याह की!ई प्रतं -छे या हA था , याह एकी वों स्तंनिवोंकीतं था। एकी सचौं ई। घ!ड़ा वों ले ब रे-ब रे मझे उस व्यनि की

गे रे की

नि शां रे चौंलेतं रेह की निलेए कीहतं रेह , "जीह D उस कीदुम रेखो ह, वोंह D ख़ौतंरे हA ह। " वोंह मझे निहम्मतं

दुतं औरे म 1

लेगे तं रे घ!ड़ा की! दुHड़ा तं रेह , ले फिकी उस आकीMनितं की स एकी इ चौं भ हA हुचौंD सकी। चौं!ट रे हुचौंD

की ब दु उस आकीMनितं दु! ह था ऊ रे उठ कीरे ज़ी!रे स "जीया अमरे था" की रे लेगे या औरे फि>रे

ह ड़ा की दुस"रे ओरे ओझेले ह! गेई। जीब मरे घ!ड़ा उस चौं!ट रे हुचौंD , तं! म 1 बर्फ़ी4 रे उसकी रे की नि शां

ढ"Dढ की

की!निशांशां की , ले फिकी वोंह D की!ई नि शां हA था ; औरे फि>रे रे" ढंले रे, जीह D तंकी मरे ज़ीरे(जी सकीतं

थाA, निसर्फ़ी4 बर्फ़ी4 की

चौं दुरे > ले हुई था , औरे तं म ले दुरे" गेरेजीतं चौं तंरिरेण बह रेह था। इतं स> दु औरे चौंHड़ा दुश्Mया ट था

फिकी उसम (

निचौंनिड़ाया या चौंह" भ आस स फिदुखो ई दु जी तं , ले फिकी वोंह D निसर्फ़ी4 बर्फ़ी4 था , औरे की छे हA। ढंले

चौंHड़ा औरे स ट फिदुखो

रेह था। वों स्तंवों म (याह एकी दु की निवोंशां ले तंले था , जी! अब बर्फ़ी4 म (ढंकी हुआ था। वोंह D फिकीस

निबCले की निद्धि की भ

जीगेह हA था। ले फिकी वोंह आकीMनितं म ! हवों म (घ ले गेई था।

घ!ड़ा वों ले हतं शां ह!कीरे नि रे शां म (की रे , "या अCले ह... ले इले ह इCलेCले ह।" उसकी स तं! ऐस

कीह की की रेण

यात्र की इच्छ्या म 1भ अ दुरे स निहले गेया था। ले फिकी हम अ डीरे की! अ भ तंरे ह दुब ए रेखो। चौंरेम तं वों की

समर्थ्या की

गेई की रे(की वोंले सन्न ट की! चौं रे दुतं ह,1 बनिCकी अक्सरे अव्य निवोंश्व स की ब ध ओं की! भ तं!ड़ा दुतं ह

1औरे निहले चौंकी

स धकी, सकी तं या या शां जीस सतं म हट्टा की फिकीस गेगे चौंब इम रेतं म (बदु कीमरे म (प्रश्नावली) रेकीरेतं, और आकी शांवों ण या दुस आज्ञा ए Dया निवोंत्र रु र्षों-स " या गे यात्र मत्र की! रे निडीया! स स तं !

गे >

सब ह की समया था। मHसम बदुले चौंकी था। वों तं वोंरेण स्वोंगे 4जीस लेगे रेह था। रेम ध" मरे त्वोंचौं की! एकी सखो

दु

एहस स स सरे ब!रे कीरे फिदुया। मरे घ!ड़ा भ मरे प्रसन्नतं की! महस"स फिकीया और मरे खोशां की तंरे गे रे झे"मतं हुआ चौंले लेगे। (मझे अब निवोंश्व स ह! चौंले ह फिकी मरे स्वोंरे शां यादु घ!ड़ा की! ह सबस अनिधकी भ तं ह।1)

म 1अकी ले ह घ ट रे कीरे रेह था। घ!ड़ा वों ले छे निशांनिवोंरे म (रुकी गेया था तं फिकी हम रे निलेए भ!जी

तं या रे कीरे सकी।

फि>रे भ, म 1 अ स था चौंढ़ वों की एकी की ट (इस ब>¬ले वों रे म (और की छे निमले की सभ वों हA था) और एकी

प्र था 4 - नि स्तंकी रेखो ले था।

घ!ड़ा अब जीम हुई अमरे गेगे की घ ट की ओरे उतंरे रेह था। की छे ह दुरे म (गे> की निवोंत्र स्थाले फिदुखो ई

दु लेगे। ह ड़ा की ऊDचौं ई रे रेहस्यामया गे> की मखो स्वोंर्पिणम ध" म (ह या हुआ था। असले मफि दुरे अभ भ

आDखो स ओझेले था।

घ!ड़ा जीम हुई दु की थारे ले म गे 4 रे ध रे -ध रे टहलेतं रेह, कीभ -कीभ बर्फ़ी4 की ट कीड़ा की! मह D म (दुबे कीरे चौंब लेगेतं।

सरे"जी की चौंमकी, जी! इ इले की की घ मतं "ले!गे म (रे नित्र-अ धतं की मख् या की रेण म जी तं ह, कीभ -कीभ

चौंश्म की

ब वोंजीद" आDखो रे ड़ा रेह था। तं ज़ी हवों और निवोंत्र वों तं वोंरेण म की! एकी अजी ब शां नितं और निस्थारेतं की आशां वों दु4

फिदुया। मरे आत्म आ दु स भरे गेई। हज़ी रे स ले हले प्र चौं ले!गे अ तं था 4स्थाले की निलेए ऐस ह फिदुव्य

सदु रेतं स भरे जीगेह की! चौं था। प्र कीMनितंकी

सदु रेतं की प्रनितं दु की प्रम और इ दुगे 4म स्था की! किंकीवोंदुनि तंया और ले!की कीथा ओं की म ध्याम स प्रनिसद्ध ब की उ की

कीले आध नि की याट4 -स्थाले की चौं ह वों ले की सभ की!निशांशां की! म तं दुतं ह। मझे याह बह दु

आश्चयाजी4 की लेगेतं ह फिकी

चौं ह वोंह ग्रे स ह!, भ रेतं ह!, जी ह!, या शां यादु चौं भ ह!, उ सभ अ निवोंत्र स्थाले की! ऐस म !ह रे

सदु रेतं की ब चौं ह बस या था।

आत्म सत्या की स था सदु रेतं भ खो!जीतं ह। निवोंत्रतं एकी जीरिटले अ भ "नितं ह जी! म ष्या की स्वों भ निवोंकी

इच्छे की! प्ररि रेतं

कीरेतं ह फिकी वोंह जी वों की तं च्छेतं ओं, रसतं और ब ध ओं स ऊ रे उठ सकी। यहि म ष्या की भ तंरे बध हुई ऊ रे यावों आत्म

म (रुकी ई ऊजी4 जी ग उठ था। म 1 वों4 तं या निवोंरेण की तंरेह उछेलेतं की"दुतं

चौंढ़तं गेया और उस गे> की मखो तंकी हुचौंD गेया जीस की!ई छो!ट बच्ची फिकीस रेहस्यामया आशां स लिंखोचौंतं चौंले गेया

की! म कीरेतं ह और उस सदु रेतं, सत्या और प्रम की अ भ "नितं की म गे 4 रे ले जी तं ह। तं थाया4 त्र वों स्तंवों

म (इस फिदुव्यतं तंत्र की दुनि या

की खो!जी की या त्र ह। रेम त्म उस फिदुव्यतं की एकी और म ह। और उसकी नि वों स स्वों भ निवोंकी रू स स्वोंगे 4म (ह

म गेया ह।

हज़्री रे म ले तंकी > ले बर्फ़ी¬ले घ ट की! नि ह रेतं हुए, अ तं बर्फ़ी4 स ढंकी चौं!रिटया की ब चौं अकी ले खोड़ा ह!
एकी अजी ब स एहस स था। बर्फ़ी4 की भ अ एकी चौंप् ह!तं ह; जीस मत्Mया की नि स्तंब्धतं।

तं ज़ी चौंमकीतं सरे"जी की ब चौं मझे की छे निझेलेनिमले हट और‍े खो की >ड़ा>ड़ा हट फिदुखो। उस शां तं,

निशांले ओं स निघरे हुई वों दु
म (सबस हCकी आवों ज़ी भ सH गे स ई दुतं था। जीCदु ह म 1 दुखो फिकी वोंह निझेलेनिमले हट और‍े
>ड़ा>ड़ा हट दु! स> दु
निहम कीबतं"रे की जी!ड़ा स आ रेह था। याह वोंह Hरे निणकी कीबतं"रे था जी! इस वों4तं की स्वों म की स था

जीड़ा हुए ह।1 म 1 इ
सHभ ग्या की रेहस्यामया कीबतं"रे की ब रे म (बहुतं की छे स रेखो था। रे इस स स , खो ले गे> म (मरे निलेए
कीH स
सHभ ग्या इ तंज़ी रे कीरे रेह ह!गे ?

"क्या रेखो। की!ई जीCह हA। तं म दुर्गौंD ह!।"
म 1 ह थां म (चौढ़वों की गठरे था म ओ> स (प्रवों शां फिकीया। >शां 4 रे" तंरेह स कीठ!रे बर्फ़ी4 स ढंकी हुआ था ,
o भ(ट

फि>रखो भरे औरे
निबCकी ले खो ले बर्फ़ी4 की एकी निशांले रे वोंह कीMशांकी या छेनिवों बठ था। म 1 तं रे तं उस हचौं निलेया –
[illegible]
थोड़ा हुआ, एकी
अब हम रे ब चौं की दुरे" [illegible] था। वोंह हCकी और‍े सया निमतं शांरे रे, वोंह निसरे रे उलेझे जीट ओं की
स त्वों दु यीकी आवों ज़ी मरे स्वों गतं फिकीया ,
ढं रे, वोंह रू , वोंह आकी रे। ह ,D याह वोंह व्यनि
था , निजीसकी शांरे रे रे की ड़ा की जीगेह की वोंले प्रकी शां निले ट हुआ प्रतं तं ह! रेह था।

फि>रे भ , याह अनिवोंश्वस या लेगे रेह था फिकी वोंह गे Dवों इतं ले ब दुरे" तंया कीरेकी मझे

स भ हले याह D हुचौंD गेया ,
जीबफिकी म 1घ!ड़ा रे सवों रे था। अ तंतंo शां रे रिरेकी रू म (उस कीरे, निजीस म 1सदुवों स खो!जीतं आया था , रे!म चौं और‍े नि
स भरेकीरे म 1 उस स ध की! प्रण म फिकीया।

उस आ नि जीतं तं हुए कीह , "मफि दुरे म (स म निजीकी औ चौं रिरेकीतं ओं और‍े अनिभवों दु की की!ई स्था हA ह!तं। याह D
की वोंले एकी ह भगेवों ह,1 और‍े वोंह अ स "ण 4मनिहम म (याह Dनिवोंद्याम ह।1 प्रभ की! प्रण म कीरे!," उस कीह।
अ डी की रे गे> की दु वों रे की सह रे तं > ट ऊDचौं बर्फ़ी4 की लिंलेगेम स्था नि तं था , जी! इतं सट कीतं और‍े सतं ले स ब
था फिकी इस स्वोंयाभ " म असभ वों लेगे रेह था। चौं Dदु की घट -बढ़ की स था याह आकीMनितं भ कीभ निवोंले ह! जी तं था
और‍े फि>रे अ ण"4तं म (वों स आ जी तं था। याह एकी रे रिरेकी कीथा ह, ले फिकी मझे एकी ब तं बहुतं अजी ब लेगे –
गे> की सबस भ तंरे भ गे म (निस्थातं ह! की ब वोंजीदु" लिंलेगेम स एकी तं त्र प्रकी शां नि कीले रेह था। वोंह इतं चौंमकीदु रे था
फिकी निब फ्ले शां की भ उसकी तंस्वों रे खोAचौं जी सकीतं था।

म 1 लिंलेगेम की! प्रण म फिकीया , ले फिकी खोड़ा ह रेह।
"याह Dमरे स बठ !," उस की!मले स्वोंरे म (आदुशां फिदुया और‍े अ चौं स एकी छे!ट स आस नि की लेकीरे मरे निलेए रेखो
फिदुया। म 1 सकी !चौं वों"की4 म कीरेतं हुए कीह फिकी उसकी बढ़" गे त्वोंचौं की! मरे अ क्षा इसकी अनिधकी आवोंश्याकीतं ह
उसकी आस था। (वोंह फिकीस रे मरेम्मतं की या 4स बचौं हुआ ले!ह की ट कीड़ा था।)
"मरे आस तं! याह ह, " उस ब>¬ले >शां 4की ओरे इशां रे कीरेतं हुए कीह।

"आ याह Dकीब स ह?1" म 1 सकी !चौं वों"की4 छे" , अ   आश्चया 4की! याथा सभ वों निछे तं हुए।
"नि छेले निशांवोंरे नित्र स" (जी! की छे मह   हले था)।

"निशांवोंरे नित्र!" म 1चौं;की ड़ा । "तंब तं! याह D हुचौंD   निबCकी ले असभ वों था !"
"याह Dतं! अब भ   हुचौंD   असभ वों ह, " उस मस् की रे तं हुए कीह । "तं म्ह (तं   हA? फि>रे भ तं म आ गेए। तं म्ह रे या त्र
कीरिठ रेह ह!गे , औरे स हनिसकी भ , याह जी तं हुए फिकी सभ रे स्तं बर्फ़ी4 की म!ट चौं दुरे स ढंकी हुए ह।1"

"ले फिकी आ की   स याह Dजी निवोंतं रेह की निलेए की छे भ   हA ह। आगे तंकी हA। आ की स गेम4 रेहतं ह?1 आ की स. .."

वोंह फि>रे मस् की रे या औरे मझे   वों क्या रे" कीरे   हA फिदुया ।
"वों कीबतं"रे की स जी निवोंतं रेहतं ह?1 कीH स आगे उन्ह (गेमÂ दुतं   ह? जी! Hध बर्फ़ी4 की   चौं स!ए हुए ह,1 वों की स जी नि
ह?1 प्रकीMनितं म (या 4स्र गेमÂ ह। प्रकीMनितं ह जी वों ह। "

"कीबतं"रे उड़ाकीरे गेम4 जीगेह   रे जी सकीतं ह,1" म 1 तंकी4 फिदुया ।
"ले फिकी वों जी तं   हA ह।1 वों याहA रेहतं ह।1 औरे वों   Hध; वों की स जी निवोंतं रेहतं ह?1 वों अ   जीगेह कीभ   हA छे!ड़ातं ,"
कीह ।
"वों निब   छे   जी निवोंतं हA रेहतं ," म 1 उरे फिदुया । "दुनि खोए, याह Dतं! एकी भ   Hध   हA फिदुखो रेह ।"

"एकी वों Hध DAरे? जीसेतं ह,1 बिसतंरे? हुतं ह!? जी! तं मरे दुखो! वोंह अधरे" दुखो
ह.1.. मझे म (भ बहुतं की छे स!या हुआ ह, बहुतं की छे; औरे तं म उस   हA दुखो सकीतं । इस शांरे रे म (बहुतं की छे सप्त अवोंस्था म (
ह। "

म 1निवोंस्मया म (उस दुखो, उसकी इ रेहस्यामया ब तं की! निबCकी ले भ समझे हA   रेह था ।

जी4न्म

"तं म्ह (आश्चया 4ह! रेह ह। तं म याकी   हA कीरे   रेह ह!। निजीस तं   औरे ऊष्म स या कीबतं"रे ऊजी वों4   ह!तं ह,1 उस स मरे
शांरे रे भ ऊजी वों4   ह! जी तं ह। शांरे रे की स्तंरे रे, बस इतं   ह >की4 ह। वोंह ऊष्म 'स!ए हुए' ब जी औरे जीड़ा म (भ
सप्त रेहतं ह। इसम (आश्चया 4की क्या ब तं ह? या ह?

"चौंले!, म 1समझे तं हूँ।D तं म इस शांरे रे की! दुखो तं ह!; औरे याह कीरे!ड़ा की!निशांकी ओं स ब   ह। इ म (स हरे एकी की!निशांकी की
 हले स ह ऊजी 4स चौं जी 4फिकीया जी सकीतं ह, जीस   तं म की छे यात्र   की! ऊजी 4सग्रे निहतं कीरे   की निलेए चौं जी 4कीरेतं
शांरे रे की ध्या   रेखोतं ह!, ले फिकी क्या तं म की!निशांकी ओं की ध्या   रेखोतं ह!? मरे   मतंलेब ह, की!निशांकी ओं की ऊजी 4क्षामतं
की ? तं म इ की!निशांकी ओं की! की वोंले जीनि वोंकी दुनिMrकी!ण स दुखो तं ह!; आध्या नित्मकी दुनिMrकी!ण स   हA। तं म इस फिकी
 की रेतं ह!? ऊष्म या क्षामतं (थाम4ले !ट(निशांयानिलेट)।" (वोंह हCकी स मस् की रे या ।) "तं म नि निश्चतं रू स इसकी ब रे म (जी
ह!।
"ले फिकी तं म्ह रे ज्ञा   खोनि डीतं म गे 4 रे चौंलेतं ह। तं म्ह (फि>रे स उलेझे ह! रेह ह। बदु रे औरे मढं(की की! दुखो !। वों बहुतं तं ज़ी
गेनितं स दुरे" तंया कीरेतं ह,1 सचौंमचौं छेले गे लेगे कीरे, जीस   तं म अ   उन्ननितं की बखो   कीरेतं ह!। ले फिकी स D औरे ह था की

दुखो। वों भ तं ज़ी गेनितं स चौंलेतं ह;1 ले फिकी उ की चौंले की तंरे की म (तं म्ह रे 'उछेले-की"दु' हA ह!तं। वों कीभ भ नि रे तंरेतं
की स की4 की! हA छे!ड़ातं ; उस वों स्तंनिवोंकीतं स स की4 की!, निजीस तं म सत्या कीहतं ह!।

"याफिदु तं म अ ज्ञा की! भ की वोंले जीनि वोंकी दुनिMrकी!ण स हट कीरे, आ तंरिरेकी क्षामतं की स था जी!ड़ा रेखोतं , तं! तं म की!नि
की आध्या नित्मकी क्षामतं की! हचौं तं; की!निशांकी ओं की ऊजी 4क्षामतं की रेहस्यामया भ दु की! समझे तं; औरे तंब ह तं म
की!निशांकी ओं की! चौं जी 4कीरे की रेहस्या की! जी की प्रया स कीरेतं, जीस म 1औरे मरे जीस कीई ले!गे कीरेतं ह;1 औरे तं म
कीरेतं ह!। ले फिकी इसम (आश्चया 4की की!ई ब तं हA ह।

"सं!ड़ीसा!, प्रफिकMtस तं म (जुड़ेनि निष्क्रंयातं फिदुखो ई दुतं ह, वोंह वों स्तंवों म (ऊजी 4की! सग्रे ह तं कीरे की
निलेए चौं मिंजीगे की प्रफिक्रंया ह। या Hध औरे अन्या जी वों, जी! स!ए हुए प्रतं तं ह!तं ह,1 वों स्तंवों म (भनिवोंष्या की निलेए या नि
की निलेए ऊजी 4की! सग्रे ह तं कीरे की अत्यातं महत्वों ण" 4की या 4म (लेगे हुए ह,1 याफिदु तं म इस रू की की! जी रे रेखो चौं हत

"याह शांरे रे, जीस फिकी तं म दुखो रेह ह!, बखो रे की अ तं की स था सम प्त ह! जी एगे ; औरे अ रेछे ईं याह Dछे!ड़ा जी एगे।
तं म कीह!गे फिकी की छे भ शां र्षों हA रेह। फि>रे भ इस स् r तंथ्या की स था जी कीरिठ ह। की छे शां र्षों रेहतं ह; सबस महत्वों
चौं ज़ी; प्र ण।

"ऊ रे फिदुए गेए निसद्ध तं की निवोंस्तं रे कीरे!, औरे तं म आस स दुखो ओगे फिकी जीब शांरे रे तंत्वों की! स; फिदुया जी तं ह,
तंब भ प्र ण की नि रे तंरेतं अवोंरे!निधतं हA ह!तं। फि>रे इन्हA तंत्वों की म ध्याम स प्र ण शांनि , निजीस आमतंHरे रे आत्म
कीह जी तं ह, o की या 4कीरेतं ह औरे o निखोले उठतं ह, जीस फिकी प्र ण की 'सर्किदुया ' की ब दु वोंस तं आतं ह। आत्म की
मत्Mया हA ह!तं।
"आत्म सदुवों जी निवोंतं रेहतं ह। जीड़ा(। वोंस्तं ओं की शां रुआतं। वोंह D जी वों जी निवोंतं रेहतं ह। जी वों की ब जी; ब जी रू म (
प्र ण। जी वों उस रू म (कीहA अनिधकी वों स्तंनिवोंकी औरे स्था या ह, निजीतं तं म कीC कीरेतं ह!।
"तं म्ह रे भHनितंकी इ फिद्रया रे अत्यानिधकी निवोंश्व स तं म्ह (अ धभनि की ओरे ले जी तं ह। जीबफिकी तं म्ह रे इ फिद्रया Dतं नि
उ निजीतं औरे सफिक्रंया की जी तं ह;1 औरे तं नित्रकी ओं की शांनि की हुचौंD, अनितंरिरे सवों दु म की हुचौंD, तं म्ह रे निलेए अ
औरे अवों स्तंनिवोंकी ह। क्या याह सचौं हA ह?

"तं म भ"ले जी तं ह! फिकी तं म्ह रे इ फिद्रया Dइस तंरेह स व्यवोंनिस्थातं औरे सशां की गेई ह 1फिकी वों चौं ज़ी की! स निमतं दु यारे
ग्रेहण औरे सप्र निर्षोंतं कीरेतं ह।1 ले फिकी अ तं की! की वोंले अ तं शांनि की म ध्याम स ह अ भ वों औरे समझे जी सकीतं ह।
"तं म इस समझे सकी! या सकी!; ले फिकी याह वोंह D ह। जी! आध्या नित्मकी रू स नि कीटदुनिMr (म या!नि की) ह, वोंह सस रे की
सह दुनिMrकी!ण हA ब सकीतं। क्या याह तं म्ह (आश्चयाचौं4फिकीतं कीरेतं ह? "

मधरे अ "णतं4 एD

चौं जी (एकी ई रे!शां म (स् r ह! लेगेA। भ र्षों म (की छे निझेझेकी था ; था!ड़ा रेहस्यामया अ दु ज़ी था। तंकी4 की
शांM खोले औरे प्रवों ह
म (असगे नितंया DथाA; ले फिकी अ नितंम निवोंश्लेर्षों ण म (जी! की छे उस कीह , वोंह रे" तंरेह स तंकी4सगे तं लेगे।
उसकी ब तं (अनिधकीतंरे अ भ वोंजीन्या थाA, निसद्ध तं स अनिधकी प्रत्याक्षा अ भ वों रे आध रिरेतं थाA।

ले फिकी म 1 अ स स रिरेकी निजीज्ञा स मजीछे" रेखो , "भ"खो की क्या ? भ!जी की भ"खो; त्वोंचौं की! गेम4 रेखो की निलेए आगे की ज़ीरूरेतं। ब ह्रे ऊष्म की निब शांरे रे, एकी वोंस्तं की रू म,(जीम जी एगे ।"

"ले फिकी हजीम, मफिकी! तंA जुखो हूँ।D म 1तं! जी निवोंतं हूँ।D या तंथ्या ह।1 तं म इन्ह (तंब तंकी सत्या हA म !गे जीब तंकी निश्चेरे हA रेखो!गे । ले फिकी याह भ जी तं ह! फिकी जीब तं म फिकीस रे नि गेरे रेखो चौं हतं ह!, तं! अक्सरे वोंह तं म्ह रे आDखो की स म स गे याब ह! जी तं ह। अकी ले अ धकी रे स एकी सगे नितं प्रकीट ह!तं ह। अ धरे गेभ4 म (प्रकी शां !र्षोण ह!तं ह। हम रे इ फिद्रया Dफिकीतं कीमजी!रे ह!1 हम फिकीतं कीमजी!रे ह!1 क्या रेहं?म" हA दुखो

वोंह जी की रे मस् की की स था मस् की रे लेगे । स् r था फिकी वोंह इस वों तं 4ले की आ दु ले रेह था । (अ भ वों जी तं ह फिकी याह ठ की वोंह सकी तं ह जीब एकी स धकी की! आभ स ह!तं ह फिकी गेरु की वोंले उसस प्रसन्न ह,1 बनिCकी उस ज्ञा स आशां वों दु4 दु वों ले ह।1)

"क्या हम सब की छे दुखोतं ह?1", उस गेभ रे स्वोंरे म (ब तं शां रू की । "हम हA दुखो। क्या हम सब की छे दुखोकीतं ह?1 ह ,D हम दुखोकीतं ह।1 ले फिकी हमांदुखीA ह।1 क्या ? क्या फिकी हम ब्राह्म डी या चौंतं स दुरे" ह।1 ले फिकी सचौं तं! याह ह फिकी उस म (ह,1 उस की ह;1 याफिदु हम ऐस महस"स कीरे(। "इसनिलेए, ऐस की छे भ हA ह! चौं निहए निजीस शांरे रे

सह कीरे सकी । शांरे रे एकी रेहस्यामया शांनि की रेहस्यामया भ डी रे

ह; की वोंले उस शांनि की स्रो!तं की! खो!जी और उस सफिक्रंया कीरे आवोंश्याकी ह। ले फिकी जी वों म (ह! क्या रेह ह? तं! हम

उस शांनि स्रो!तं की! हचौं तं ह 1और ह उस सफिक्रंया रू स उ या!गे म (ले तं ह।1 सवों ले ह हA उठतं ।

"इसनिलेए, कीM या अनिवोंश्व स मतं कीरे!। व्यनि गेतं निवोंश्व स या अनिवोंश्व स की वोंले हम रे अ स म ओं की!

दुशां 4तं ह।1 हम रे

तंकी4, हम रे निवोंचौं रे-प्रण ले , हम रे गेनिणतं की वोंले स निमतं फिदु -प्रनितंफिदु की उ या!गे की निलेए ह।1 ह 1 ? हम (इसकी आगे

बढ़ बहुतं कीरिठ लेगेतं ह। तंकी4, जीस फिकी हम इस जी तं ह,1 हम रे समझे की! बध की ब ए रेखोतं ह।

"ले फिकी हम रे भ तंरे सत्ता शांनि मह ह, अ रे ह; वोंह ब्राह्म ह निजीस हम हचौं तं ह.1.. ह ,D म 1कीई फिदु

तंकी निब

"भ!जी कीमशेली तं हूँ।D भ!जीक्या फिहुम? कीह्मतं-की!भ एकीसकीनिलेए!जी!ह्मा!जीयाह,फिकीह."दुस"रे की निलेए भ!जी हA ह। शांरे रे की तंतं निवोंसा रेह,सकीब चौंनिम (आवोंश्याकी ह,जीसे 4और मांसानिसयों रे तं की कीक्या!जी शांनि की निश्चयां स्रो!तं ह ह!तं ह।1 इन्ह (भ!जी कीह ह, जीब इन्ह (मह D की द्वी रे शांरे रे म (निलेया जी तं ह। याह हम रे ज़ीरूरेतं ह। ले फिकी मह D ऊजी 4की! शांरे रे म (प्रवों शां की एकीम त्र म गे 4 हA ह।

"वोंह जी! शांरे रे की! ऊजी ,4 शांनि , और जी वों प्रदु कीरेतं ह, उस भ!जी कीह जी तं ह, जीब उस मह D की म ध्याम स शांरे रे म निलेया जी तं ह। ले फिकी हम रे त्वोंचौं , हम रे ब ले, हम रे तं नित्रकी प्रण ले , याह Dतंकी फिकी हम रे निवोंचौं रे भ स ध उस स्रो स ऊजी 4और जी वों की! अवोंशां!निर्षोतं कीरेतं ह,1 जी! सभ ऊजी 4और जी वों की स्रो!तं ह. .."

अ की स्तं वों ले म तं

"औरे वोंह क्या ह? " म 1 था!ड़ा उलेझे औरे समझेHतं की भ वों स छे"।

"प्रकीMनितं; वोंह निजीस हम स्ना ह वों"4की म तं कीहतं ह।1 जी वों औरे जी वों की निलेए अनिधकी तंकी की ह! की आवोंश्याकीतं हA ह।

जी वों की निलेए की छे अ ण"तं4 ओं की! स्वों की रे कीरे औरे कीठ!रे तंथ्या की! मध रे ब उ या!गे ह!तं ह। तंथ्या शी ष्की ह!तं

ह,1 जीबफिकी सत्या जी वों दु या ह!तं ह।1 तंथ्या ब!निझेले ह!तं ह;1 लेगेभगे मतंMप्र या, जीस स स। ले फिकी सत्या जी वोंतं ह!तं ह।1 "तं म स निहत्या की अध्याया फिकीया ह, ह ? तं म्ह (तं ह फिकी मह सत्या सदुवों जी निवोंतं रेहतं ह।1 ऋनिर्षोंया औरे ज्ञा रु र्षों

जी ब"झेकीरे निमथाकी , रे कीथा ओं, मह की व्य की! तंथ्या की दुनिMr स 'त्र रिट ण"'4 भ र्षों म (निलेखो। म ! उ की निलेए तंथ्या

की!ई म या हA रेखोतं था। जीस फिकी उन्ह तंथ्या की! तं च्छे समझे ह!। "हम इस अस् r औरे अ रिरेभ निर्षोंतं शांनि की! 'प्रकीMनितं' क्या कीहतं ह?1 क्या ? 'म 'D कीह फिकीतं आस ह। 'म D प्रकीMनितं'

फिकीतं (की दुह!ना स भरे ह। म झे तं ह फिकी याह 'तंथ्या त्मकी रू स गेलेतं' ह। ह इड्रे!जी औरे ऑक्स जी तंथ्या ह!1 H_2O"

एकी तंथ्या ह। याह अनिधकी सट की ह। सट कीतं एकी नि जीÂवों दुवों तं ह , निजीस निवोंज्ञा जी"तं ह। लेफि की "याह Dतकी फिकी म औरे स्मनिMत की की छे नि याम भ बत तं ह 1फिकी सब ध औरे जीड़ा वों स स्मनिMत की! सह यातं निमलेतं

सद् रे औरे भ रे अ ग"तं4 ओं म,(जी वों की कीठ!रे वों स्तंनिवोंकीतं ओं की! सह की निलेए एकी उत्स ह निछे ह!तं ह, जी! हम ('म D गया ', म तं नितंबरे,

जी निवोंतं रेह म (सह यातं कीरेतं ह , तंथ्या सद्भ रेहतं ह।1 जीबतंकी फिकी उ की औरे हम की ज्ञा ... जीवD सखो हुए तंथ्या 'म D निरेस्थम (निलेतं निहम लेयाह उ मख! आत्म ओं की निलेए अनिधकी स था!4 औरे महत्व ज"4 ह! जीतं ह,1 जी! इस शांरे रे की

ब!झे तले अनिस्तत्वों की वों स्तंनिवोंकी अथा 4दुब जी तं ह।

"प्रकीMनितं, हम रे म तं , प्रस"नितं भ ह, जी! जी वों की! जीन्म दुतं ह। याह उस रेहस्यामया प्रम की स्रो!तं ह निजीस हम 'शांनि की रू म (निचौंनित्रतं कीरेतं ह।1 नित्रकी!ण मण्डीले, 'ह्रींA-क्लेA-ऐं' जीस ध्वोंनि रू हमशां हम रे स था ह!तं ह,1 हम (जी वों की ! दु की निलेए। हम उस म तं की स्तं स जीड़ा रेहतं ह 1औरे उसस सH रू म,(>ले , अ जी , जीले आफिदु की रू म (अमतंM हA तं।

कीरेतं ह।1 वोंह हजी रे स्तं वों ले म तं ह, जी! अ समस्तं शांरे रे म (!र्षोंण ब Dटतं ह। की वोंले हम उस दुखो हम त्रह ब रेहतं ह।1 हम त्रह ब रेह की! ह चौं ह। "प्र चौं इस निसद्ध तं की! समझे की निलेए एकी दुवों की प्रनितंम ब ई था। ले फिकी हम असवों दु शां ले औरे अज्ञा ब

रेह; औरे हम उस स ह रेह गेए, जीबफिकी निजीस स्था रे हम खोड़ा ह,1 उसकी चौं ह जीले की स्रो!तं ह। इसस मझे ऑस्A निलेया

म (घट एकी घट की या दु आ रेह ह. ..."

"अब औरे क्या ?", म 1 स!चौं। "याह आदुम कीH ह? याह क्या ह? अब ऑस्Å निलेया की ब तं कीह Dस आ गेई?"

म 1स तं
रेह ... बस स तं रेह ....

"याह घट निवोंशां ले रे निगेस्तं म (हुई था ," उस जी रे रेखो। "एकी सम"ह वों"Â फिर्फ़ीट्ज़ीरे CDी दु औरे मकी डी² ले झे ले की

ब चौं की सखो" क्षा त्र म (>Dस गेया था। याह सखो" घ ट था औरे >Dस हुए ले!गे की अभ वों म (थाकी वोंट स ट"ट चौंकी था। अ तंतO

उत्कीषM रूप्रभाति"म म (मरे की आशां कीरे ले था। वों अ नेह खो! चौंकी था, औरे इसकी स था ह बचौं की उम्म दु लेत्रकी दुगेना था

भ।

"उस समया उन्ह (एकी ऑस्Å निलेया ई घ मतं "लेड़ाकी दुखो , जी! भ!जी की तंले शां म (घ"म रेह था। उस सम"ह की निस्थानितं दु
कीरे उस तं रे तं की रे4वों ई की। उस रे निगेस्तं की एकी झे ड़ा स ले ब और कीठ!रे तं नि की ले और उस इ की तंरेह
ब कीरे रे तं म (ध स फिदुया। जीब तं लेगेभगे तं > ट गेहरे ध स गेया , तं! उस उसस चौंस"।

"उसकी मह D म (भरे गेया , और उस ब की ले!गे स भ की निलेए कीह।

"हम सभ जी वों की मरुस्थाले म (चौंलेतं ह।1 जी वों दु निया ध रे हम रे चौं रे ओरे और चौं बह रेह ह। हम प्र कीMनितंकी
घ मतं " हA ब तं, और ह प्रकीMनितं की सकी तं की! ढ़ तं ह।1 म 1कीई फिदु तंकी निब भ!जी की रेह हूँ;D ह ;D ले फिकी
कीभ भ"खो हA लेगे।

"और जीब तं म उस अ भ वों की ब तं कीरेतं ह!, ह ,D वोंह क्या ह? वोंह अ भ वों क्या ह? या!गे क्या ह? क्या वोंह अ भ वों रे
नि यात्र ण हA ह? (या!गे: निचौंवोंMनि नि रे!ध० - तं जीनिले) Aदु शांरे रे की! निवोंश्रे म दुतं ह। शांरे रे की! निवोंश्रे म कीब चौं निहए
वोंह थाकी जी ए। या!गे की! अ भ वों कीरे की अनिधकी रे हA ह, जीस फिकी म 1 हले कीह था ; तं! उस थाकी की स महस"स ह!

"कीMष्ण अ घ!ड़ा की! दुHड़ा या ; और समया आ रे उन्ह (आरे म फिदुया , तं फिकी वों बह तंरे प्रदुशां 4 कीरे सकी(। हम (भ अ
शांरे रे की! निवोंश्रे म दु ह!तं ह। ले फिकी स! की बजी या, हम सम निध म (ले ह! जी तं ह।1 तं जीनिले कीहतं ह 1फिकी या!गे मह
तंकी स! सकीतं ह क्या फिकी उस शांरे रे म (Aदु की आवोंश्याकीतं हA ह!तं।

"क्या ? तं म्ह रे स (तंब स! जी तं ह 1जीब तं म सह आस म (ह!तं ह!। याह तं म स्वोंया अ भ वों कीरे चौंकी ह!, ह ? ले फिकी
फि>रे भ तं म अ 'निवों रे तं स्वोंरू ' की खो!जी कीरेतं ह!, अ 'निवों रे तं' की आवोंश्याकीतं महस"स कीरेतं ह!। क्या ? स्वोंया
ब !।"

म 1उस दुखो

तं रेह। बस दुखोतं रेह। अचौं की एकी उन्म प्रसन्नतं की लेहरे म,(म 1 उस वोंह स रे स मग्रे भ(ट कीरे दु जी!
म 1 इतं स वोंध स दुवों तं की! चौंढ़ की निलेए स था ले ई था।
म 1 उसस छे" फिकी जीब म 1वों स जी ऊDगे तं! उस सभ्या दुनि या स क्या भ जी सकीतं हूँ D(मझे तं था फिकी दु! हफ्तं म (
दुले उस तं था 4की निलेए रेवों ह! वों ले था), तं! उस मस् की रे तं हुए कीह , "था!ड़ा हवों , था!ड़ा प्रकी शां, था!ड़ा धरेतं , था!ड़ा
आकी शां और था!ड़ा आगे।"

म 1 उसकी हले की! समझे , मस् की रे या और उरे फिदुया , "ह ,D म 1तं म्ह रे निलेए सखो" लेकीनिड़ाया Dभ जी दुगेD" , निजीसस
जीले सकी!। ले फिकी भ!जी की क्या ?"
उस भ(टस्वोंरू निमले स मग्रे की! उठ तं हुए कीह , "याह अगेले तं मह की निलेए या 4ज्ञ ह। "

अप्रत्या निशांतं निवों नि

चौंHथा घट भ , नि छेले दु! घट ओं की तंरेह, निहम लेया म (घट —उस रेहस्यामया भ"भ गे म,(जी! प्र चौं की ले स ह वों" 4की
मह रेहस्यावों फिदुया की आश्रेया स्थाले रेह ह, और जीह D आजी भ आध्या नित्मकी खो!जी म (लेगे ले!गे तं थाया4 त्र की निलेए आ

वोंर्षों4था 1952। स्था था नितंब्बतं, कीश्म रे और रे चौं घ ट की स की क्षा त्र। याह स्था नि कीटतंम बस अÄ, रेकी डी , स दु ले स तं फिदु की या त्र रे था। रे" क्षा त्र मह या तं त्र प्रण ले और रे म तं Mदुवों की जी" की निलेए प्रनिसद्ध था। रे स्तं की हरे म!ड़ा रे स> दु ध्वोंजी की स था एकी ट ले था , निजीस रे चौं रे फिदुशां ओं म (एकीले त्र निचौंनित्रतं था , जी! सब रे दुनिMr रेखोतं

म 1एकी निवोंशांर्षों निमशां रे था और मरे स था की छे यावों की भ था, जी! मरे सह यातं कीरे रेह था। प्रशां सनि की अनिधकी सख्तं निहदु यातं दु था फिकी हम गे Dवों स दुरे" रेह,(निवोंशांर्षों कीरे वोंह D की लेड़ाफिकीया स। ले फिकी , जीस यावों ओं की! निवोंशांर्षों निधकी रे ह!तं ह, वोंस ह उ म (स दु! याह गेलेतं कीरे दु। ले ब अवोंनिध तंकी नि जी 4 जीगे ले म (रेह , जीह D चौं रे दुस म ले तंकी की वोंले निवोंशां ले दुवों दु रे की ड़ा और उसस रे ब>4 की चौं!रिटया D थाA, उ की शांहरे सवों दु शां ले म की! कीरे गेया। वों प्रनितंफिदु की खो!जी म (जी तं था और उस दुरे" स ले तं था। ले फिकी एकी फिदु वों वों स हA आए।

म 1इतं आत्ममग्न था फिकी म 1 उ की अ निस्थानितं रे तंब तंकी ध्या हA फिदुया , जीब तंकी फिकी 30 घ ट हA ब तं गेए और

निशांनिवोंरे की एकी सह याकी लिंचौंनितंतंयह!हुनिरेतंमझेA बतं ई।

था!ड़ा और जी Dचौं- ड़ातं ले, था!ड़ा प्रतं क्षा , और दु! वों4तं या > रे वों ले की की छे चौंचौं 4ओं स मझे सदु ह हुआ फिकी शां यादु स्था या जी जी नितंया बदु ब निलेया ह, क्या फिकी उन्ह उ की जी वों की अ शां स म (हस्तंक्षा फिकीया था और (याह और भ खोतंरे की था) उ की लेड़ाफिकीया की! रिरेझे की की!निशांशां की था।

उ सदु रे" ह ड़ा क्षा त्र म (इसस अनिधकी गेभ रे अ रे ध और रे की छे हA ह! सकीतं था। रे" क्षा त्र एकी मनिहले आकीMनितं की आध्या नित्मकी प्रभ वों म (जी तं था , निजीस वोंह D की सभ ले!गे 'म 'D की रू म (जी"तं था। वोंह उ की निलेए जी निवोंतं दुवों इस Hरे निणकी हस्तं की मनिहम मझे उस भया की स्था रे ले ब समया तंकी ब Dध रेखो था।

की छे जी की रे ले कीरे म 1अकी ले ह उस गे Dवों की ओरे चौंले ड़ा , जी! एकी ठ डी घ ट म (आध फिदु की दु ले

या त्र रे था। उस

घ ट म (फिदु की मध्या की! छे!ड़ाकीरे शां यादु ह कीभ सया" 4की फिकीरेण (हुचौंDतं थाA।

ह था म (एकी छेड़ा ले कीरे, म 1 दुवों दु रे की ड़ा स ढंकी फि>सले भरे ह ड़ा रे उतंरे शां रू फिकीया , जीह D

तं ज़ी और रे सखो"

निया D निबछे थाA। शां म की चौं रे बजी की आस स, म 1एकी भव्य और रे गेगे भदु जीलेप्र तं की स हुचौंD , जी!

निवोंशा ले

निशांले खोडी स ढंकी हुआ था। या निशांले खोडी वों4तं स निगेरेकीरे याह DआA था और रे एकी उग्रे ध रे की ब चौं

अनिडीगे खोड़ा था। मझे इ

चौंट्टा की! बहुतं स वोंध स रे कीरे था।

मरे स म एकीम त्र म गे 4था , ले फिकी उ निचौंकी चौंट्टा रे रे फि>सले की मतंलेब था कीम स कीम ब स > ट

चौं

निगेरे जीह D ब>¬ले ध रे रे" शांनि स प्र तं की रू म (निगेरे रेह था। आध म ले आगे एकी म!ड़ा था , और रे उस

म!ड़ा की

ब दु एकी स्वोंर्पिगेकी घ ट फिदुखो ई दु , निजीसकी ऊ रे द्र ह हजी रे > ट स भ ऊDचौं ब>¬ले चौं!ट छे या कीरे रेह

था। निश्रम निक्षानितंजी रे घ ट की उस रे दुवों दु रे की जीगे ले की छोंMभनि"म म (अस्तं ह!तं सया" 4की स हरे

फिकीरेण (निबखोरे हुई थाA।

रे" ब>¬ले चौं!ट स हरे तं Dब और रे स! की रे गे म हई हुई प्रतं तं ह! रेह था। ऐस आश्चयाजी4 की सदु रेतं

की वोंलेअह या

निहम लेया ह प्रकीट कीरे सकीतं ह।1

और रे फि>रे वोंह घ ट ... म ले और रे म ले तंकी, जीह D तंकी जीरे(जी तं थाA, ऊDचौं दुवों दु रे की शां खो ओं स

ऐेस स्वोंगेÂया अ भ "नितं की निवों रे तं, मरे म उ दु! स निथाया की भ ग्या की! ले कीरे भ रे था , निजीन्ह (स्था या जी जी नितंया उ की अ नि चौंतं व्यवोंह रे की की रेण बदु ब निलेया था । तंथा कीनिथातं सभ्या ले!गे की याह अहकी रे "ण 4अ रे ध हमशां स रेह ह फिकी वों इ प्रकीMनितं की बच्ची की! नि छेड़ा और सगे रिठतं दुखो भ ले की अया!ग्या समझेतं ह।1 वों उ की दुया लेतं और आनितंथ्या की
अ नि चौंतं ले भ उठ तं ह।1

म 1अत्या तं नि रे शां की स था गे Dवों हुचौंD । वोंह D की वोंले एकी अ गे बढ़" व्यनि था , निजीस छे छे!ड़ा

फिदुया गेया था । रे" गे Dवों
फिकीस वों पिर्षोंकी मले म (भ गे ले की निलेए नि कीले गेया था , जी! वोंह D स तं म ले की दुरे" रे था ।
ले फिकी म 'D की गे> वोंह D
स और एकी म ले दुरे" था , जी! मले की मदु स लेगेभगे तं -चौं रे सH > ट ऊ रे निस्थातं था । रे स्तं खो!जी म (की!

ई कीरिठ ई हA हुई। जीब म 1गे> की स हुचौंD , तं! ले ले की ड़ा ह , बड़ा ब ले और ले ब दु ढ़ वों ले
एकी व्यनि सरे म ले कीरे स्वों गेतं फिकीया और मझे याह जी कीरे आश्चया 4हुआ फिकी 'म 'D मरे शां घ्र आगेम
की अ क्षा की
था ।

गे> की प्रवों शां द्वी रे स उसकी निवोंशां लेतं की अ म हA लेगे या जी सकीतं था , जी! अ दुरे जी रे तं निम ट

तंकी
झे कीकीरे रे(गे की ब दु ह महस"स हुई। फि>रे एकी और सकी ण4 म गे 4था , ले फिकी उसम (स ध चौंले जी सकीतं
था । अ तंत6 एकी
निवोंशां ले कीक्षा स म आया , निजीसकी स म ए Dकीई मशां ले और धधकीतं अनिग्नकी डी की मदु रे!शां म

(ध धले -स फिदुखो ई दु रेह
थाA।

छिलंस्ह (कीतं जीदु"कीकी जी तं रेण>;शां4 मधकी औ रे ओकिकी! रेम (कीकी त्रिआसानि म तंनिवोंरे बहम रेहथA। मरेस धरेब की आदुएकी निम ट
म (ह गेहरे अ धकी रे म (गे याब ह! गेया । म 1 दुखो फिकी वोंह एकी गेद्दी दु रे आस रे बठ थाA, जी! ब घ की खो ले स ढंकी था ।
गे म हद
उ की शरि रे रे म ले ओं की ढं रे निले ट हुआ था । उ की कीमरे की चौं रे ओरे एकी ले ले की ड़ा ले रेवों ह स निले ट था । म 1
और धधकीतं अनिग्न की आवों जी वों तं वरिण की! रेहस्यमया ब फिदुया था ।
तं रे ले समझे गेया फिकी उन्ह की छे हA ह था , क्यों फिकी रेशां रे म या दु त्र या- था सप्र दु या की भ रेनिवोंया Dकीभ वोंस्त्र
म तं जी
ध रेण हA कीरेतंA।

"म 1तं म्ह रे प्रतं क्षा कीरे रेह था ," उन्ह कीह । उ की आवों ज़ी अत्यातं म!हकी, मध रे, सशां और निवोंचौंनिलेतं कीरे दु वों ले था । "तं म्ह (तं हA चौंले ; आजी अम वोंस्या की चौंHदुहवोंA रे तं ह, और कीले की सया" 4निब चौं Dदु वों ले रे तं की अ धकी रे म डी"ब गे । क्या ह अद्भुभतं फिदु ह, उस यावों स धकी स निमले की निजीस वों रे (वों रे) आस म (नि ण तं प्र स्त की ह। ले फिकी तं म छे!ट -छे!ट ब तं स निवोंचौंनिलेतं ह! जी तं ह!, जी वों की ऐस तं च्छे ब तं स निजी की की!ई महत्वों हA ह। तं म लेड़ाकी की निलेए आए ह!। तं म उन्ह (था!ड़ा दुरे म (दुखो !गे। शां तं ह! जी ओ। एकी या ग्रेहण कीरे!। वोंह D निहरेण की खो ले रे बठ !। तं म्ह रे निलेए सब की छे हले स ह तं या रे ह। म 1चौं हतं था फिकी तं म याह Dआओ। ओह, म 1फिकीतं प्रसन्न हूँ।D स आओ।"
वोंह अ रे स;दुया 4स स न्न थाA; एकी अ म, सगे ढ़ मर्पि"तं जीस , और स्वों स्थ्या स चौंमकीतं हुई। भ रेनिवोंया की आया की अ म की लिंशां

लेगे सदुवों कीरिठ ह!तं ह, ले फिकी एकी स्त्र की रू म (वोंह अ चौंरेम रे थाA (मह दुवों A मह घ!रे म म फिदुगेब रे म)।

दु! की निमले

मझे उ की स म , ले फिकी अनिग्नकी डी की रे, एकी आस रे बठ की इशां रे फिकीया गेया । म 1अभ भ उस प्रबले उ निस्थानितं स निवोंनिस्मतं था । जीस ह म 1बठ , मरे रे ढ़ म (एकी की दुHड़ा गेया , जी! अनिभनिर्षो चौंक्रं (ठ चौंक्रं) स जीड़ा ह!तं ह। म 1
निब फिकीस निहचौंफिकीचौं हट की या ग्रेहण फिकीया । मरे स रे थाकी निमट गेई। उस स्था की वों तं वोंरेण, उ की स्वों गेतं कीरे
वों ले आवों ज़ी, वोंह D की सगे ध, औरे सबस बढ़कीरे उस निवोंत्र ठ की आध्या नित्मकी स् दु मझे एकी रिरेनिचौंतं लेया म (बह ले
गेया ।

अद्भुभतं ह फिकी आध्या नित्मकी स ध म (स खो गेई ब तं (जी वों की उथाले- था ले स दुरे" रेह रे भ स्वोंण 4जीस

तं ज़ी ब

रेहतं ह।1 मझे गे तं की स हनिसकी वों क्या या दु आए: "की छे भ ब निधतं हA ह!तं , की छे भ r हA ह!तं "
(ह निभक्रंम शां!ऽनिस्तं प्रत्यावों या! निवोंद्यातं) । म 1 अ आ की! सभ ले औरे वों रे णस की चौंतंo र्षोंनिr या!निगे
सन्झ मझे या Dह था खो!ले की! कीह । जीब म 1 ज्वों ले ओं स बचौंतं हुए उ की ह था कीड़ा की की!निशांशां की , तं!
सम्कि दुश्े औदु या Dह था स ध ज्वों ले ओं की ब चौं स नि की लेकीरे मरे ओरे बढ़ या , म ! आगे की की!ई अनिस्तंत्वों ह ह!।
मरे सहियोसे की!ध्रुकी मयिहकी की!ड़ा दुफिकीनिलेयाअक्वों ले एकीDमकी!ऽ मे गेहुई हAथाकी जीसे रे ओरे लेहेस (डोंगAतं म 1 दुखो ;
समया थौरे स ध तले
ज्वों ले ए D> >की रे रेहA थाA औरे Mत्या कीरे रेह थाA; ले फिकी तं! एकी ब ले झे लेस, औरे ह आगे की गेमÂ की की!ई अहस स
तकी जी तं ह, वोंस ह मरे चौंतं म शां नितं, निस्थीरतं औरे आ दु की अ भ वों म (निवोंले ह! गेया । याह वोंह
हुआ। मझे वों रे णस की जीगे म मठ म (हुए अनिग्नप्रवों शां की या दु आं गेई।
था ।
उन्ह मरे हथाले रे मक्खो म (घ ले हुए लिंसदुरे" स निचौंत्र ब या औरे मझे स उस रे ज़ीरे डी ले की! कीह । जीस ह म 1

दुखो, मरे हथाले रे, म ! फिकीस ट वों रे छेनिवों उभरे रेह ह!, मरे दु! भटकी हुए निमत्र एकी कीमरे की की! म (दुब की हुए फिदुखो ई फिदुए, निजीसकी दु वों रे(ले ले रे गे स रे गे थाA। इसस हले फिकी म 1 ज़ीरे(हट तं , उ की शांरे रे निवोंकीMतं ह!कीरे गे लेगे, जीस की छों रे!गे उन्ह (भया की रू स जीकीड़ा निलेया ह!। उ की म स रे की ड़ा रे(गे रेह था; औरे मनिक्खोया की झे डी उ मडी रे रेह था। म 1 ड़ा औरे भया स चौं खो म रे औरे आDखो (बदु कीरे लेA। कीरुण स मरे हृदुया >ट ड़ा औरे म 1रे! ड़ा । "म ,D उ की सह यातं कीरे!!" म 1 निचौंCले कीरे कीह , "उ की सह यातं कीरे!!"
दुनिMr सम स ह! गेई। म 1 या फिकी म तं जी मस् की रे तं हुए मरे ओरे एकी टकी दुखो रेह थाA।

"उन्ह (याह जी आवोंश्याकी ह फिकी वों क्या ह,1" उन्ह कीह । "उन्ह (याह समझे चौं निहए फिकी वों क्या ब (गे। उन्ह (याह एहस ह! चौं निहए फिकी जी वों उ ले!गे की निलेए आ दु ह जी! इस आ दुमया ब तं ह,1 ले फिकी याह उ की निलेए रेकी ह जी! इस दु ब तं ह।1 "

" त्र , आ दु प्र स कीरे की की!ई शां"ट4कीट हA ह। आ दु, ठ की स्वोंगे 4की तंरेह, कीम ड़ातं ह; औरे एकी ब रे कीम ले की ब दु, उस स वोंध स सजी !कीरे रेखो ड़ातं ह। लिंचौंतं मतं कीरे!। मरे स आओ। दु! की! एकी म (निमले जी दु!, बनिCकी एकी स भ कीम, शां"न्या म।(तं म्ह रे निशांनिवोंरे म (लेHट स हले वों अ रे स्तं खो!जी ले(गे। ले फिकी तं म हमशां इस अ भ वों की तंले शां म (था, ह ? इसनिलेए तं म्ह (याह अ भ वों निमलेगे । समया आ गेया ह. .. आओ।"
उन्ह मरे निसरे रे जीले निछेड़ाकी औरे चौं रे ओरे चौं वोंले निबखोरे फिदुए।

उन्ह मझे अ फिदुव्य स निन्नध्या की आशां वों दु4 फिदुया और मझे उच्चीतंम आध्या नित्मकी अ भ वों की फिदुव्य आ दु की रे नित्रकी ले उत्सवों म (सनिम्मनिलेतं ह! की सHभ ग्या प्रदु फिकीया।

म 1वोंह D चौं स घ ट स भ अनिधकी समया तंकी रेह। जीब म 1वों स लेHट , तं! म 1 महस"स फिकीया फिकी मरे भHह की ब चौं स्था , जीह D सतं निजीतंन् द्र मनिण रेखो था , स् फि दुतं ह! रेह था। उन्ह मझे स कीह था फिकी जीब भ म 1वों म तं त्र की शांनि

म गे 4 रे चौंले चौं हूँगेD , मझेनित्वोंकी स निधकी की कीम हA ह!गे।

वोंसत्वोंकी (मझे कीम हA हुई। उन्ह अ वोंचौं की! सचौं स निबतं फिकीया। म 1इस सत्र की निवोंवोंरेण की! स झे कीरे म (सकी !चौं इसनिलेए कीरे रेह हूँ Dक्या फिकी उन्ह मझे आदुशां फिदुया ह फिकी उ रेहस्या की! उजी गेरे कीरूD। याह रेह स ध की रे रे ह, जी! ढ़ दुरे ढ़ गे! यातं म (ब रेहतं ह।

जीलेतं हुई आDखो(

की ब!निडीया म,(मह अ की!रे मफि दुरे की स, एकी जीजी4रे और जीगे ले छे!ट मफि दुरे म,(जीह D कीभ की!ई हA जी तं और ज उत्सकी याट4की की ध्या भ हA खोAचौंतं , म 1 एकी की की ले जीस आकीMनितं दुखो । उसकी आDखो (धDस हुई थाA, स्तं ले था, और वोंह म ले की रू म (म की और स स लेदु हुई था। वोंह अ की ले , भ"खो आDखो की गेहरे ई स जीलेतं हुई घ"रे रेह था। उस समया म 1बह दु ब म रे था। इतं ब म रे फिकी ठ की स ब तंचौं तं भ हA कीरे सकीतं था।
म 1की वोंले इतं कीरे सकी फिकी उसकी प्रनितं अ श्रेद्ध व्य कीरे की निलेए स की खोडी हरे म (उगे जीगे ले आकी (की ले!Å!नि जी इगोरे1टचा) की की छे >"ले तं!ड़ाकीरे उस अर्पि तं कीरे दु D"(और म 1तं! उसकी ओरे लिंखोचौंकीरे उसकी नि कीट जी और उस गे लेगे की निलेए तंरेस रेह था)।

फि>रे उस शां म, एकी और मफि दुरे म,(जीह D मझे उ चौं रे की निलेए ले जी या गेया था और जीह D एकी प्र था 4 ह! रेह था , म फि>रे स उस भ"नितंया आकीMनितं की! दुखो ; ले फिकी इस ब रे वोंह मझे दुखो कीरे मस् की रे रेह था। मरे गेह हरे की निलेए हA तं क्या , मझे निहम लेया की मह म तं जी की या दु आ गेई। म 1हरे था फिकी वोंह वोंह D की स हुचौंD गेईं। ले फिकी अब मझे निवोंनिभन्न स्था रे एकी ह व्यनि की! दुखो आश्चयाचौं4फिकीतं हA कीरेतं। याफिदु आ चौं ह,(तं! मझे एकी गेले इ स समझे सकीतं ह 1जी! अ ह समझे म (उलेझे हुआ ह। ले फिकी फि>रे, कीH ह जी! खोदु की! रे" तंरेह समझे तं ह?

फि>रे स हम रे कीथा रे लेHटतं ह1

ह ,D आ दु की अ भ वों कीरे की शां की की म ख्या मफि दुरे प्र गेण म (एकी वों स्तंनिवोंकीतं ब गेया था। रेदु वोंह D था, सतं निजीतंद्र(वोंह D था, मनिणकीर्णिकी की बढ़" की की वोंह D थाA, और नि निश्चतं रू स, मरे की सरिरेया वोंत्र्ध रे दुवों भ वोंह D थाA। मझे दु क्षा निमले। मझे आ तंरिरेकी मडी ले म (प्रवों शां निमले , और मझे उस गे! या चौंक्र म (स्वों की रे कीरे निलेया गेया।

ले फिकी वोंह D एकी और व्यनि भ था। वोंह वोंह था निजीस सतं निजीतंद्र(चौं था। ब दु की वोंर्षों' म (वोंह

मरे निलेए एकी रेहस्यामया
आकीर्षों4ण की निवोंर्षोंया ब गेईं। उसकी निवोंकी स और तं मरे अ भ वों की एकी और अध्या या की कीह ह।

9. म या औरे वों स्तंनिवोंकीता (Illusion and Reality)

दुनि या स निवोंलेगे

क्या आ की! उस कीटहले की ड़ा की चौं वों ले आस की या दु ह? भ स्कीरे ष् कीरे तं ले ब की स या!गे श्वरे की अधम4"तं 4 आकीMनितं? ले ब समया तंकी वोंह वों -आश्रेया मरे ध्या स ध की निलेए सबस निप्रया स्था ब रेह। उस शां तं तं ले ब म (नि वोंस्त्र4 स्ना कीरे अत्यातं आ दुदु याकी था ; औरे उसकी एकी तं मझे सदु आकीर्पिर्षोंतं कीरेतं था। ब लेसले भ लिंचौंतं ओं की फि म,(म 1अक्सरे उस मर्पि"तं स ' रे मशां'4 कीरेतं था , औरे हमशां ह एकी हूँरिंटगे (एकी ब रे 'ह 'D की निलेए औरे दु! ब रे ' ' की निलेए म (उरे प्र स्त कीरेतं था।

एकी तं की प्रनितं मरे प्रम (याह Dतंकी फिकी की सरिरेया वोंस्त्रध रे दुवों स भ दुरे" रेहकीरे) ध रे -ध रे बढ़तं जी रेह था। मझे घरे रे

रेह अब असहजी लेगे लेगे था। की सरिरेया वोंस्त्रध रे दुवों भ अ ह भ तंरे निसमटतं जी रेह थाA। ऐस लेगेतं था जीस वोंह स स रिरेकी जी वों स थाकी चौंकी ह औरे उस औरे अनिधकी सह कीरे उ की निलेए कीरिठ ह! रेह ह!।

मझे अकी ले महस"स ह! लेगे था। कीटहले की ड़ा की चौं निबतं ए ले ब वोंह शां मझे नितं हA दु रेह था निजीसकी मझे तंले शां था।

एकी शां म, म 1गेगे की फिकी रे उदु स भटकी वों म (टहले रेह था , औरे ले!गे की भ ड़ा अ रे स्तं रे बह रेह था। तंभ म 1 अ की ध रे रेदु की स् शां4 महस"स फिकीया। वोंह मरे स म खोड़ा था औरे बड़ा आत्म यातं भरे मस् की की स था मझे दु रेह था। निब फिकीस प्रस्तं वों की उन्ह स ध निवोंर्षोंया रे आकीरे मझे स छे" फिकी क्या म 1उ की स था एकी दुरे"स्था स्था रे चौंले की! तं या रे हूँ?D क्या म 1इस सब की! छे!ड़ाकीरे सन् या स की जी वों अ चौं हतं हूँ?D क्या म 1वों स्तंवों म (शां नितं की खो!जी म (था ?

म 1अत्यानिधकी उत्स निहतं ह! गेया। ऐस लेगे जीस मरे बरेस की इच्छे रे" ह! गेई ह!। म 1 याह हA छे" फिकी कीह ,D की स,
या कीब जी ह। म 1तं या रे था ; वोंह तं या रे था; औरे हम तं रे तं ह वोंह D स नि कीले ड़ा। छे मड़ा कीरे दुखो की की!ई सवों ले हA था।

अचौं की वोंह रुकी , मरे ओरे मड़ा औरे गेहरे जीरे स मझे घ"रे लेगे। इसस हले फिकी म 1समझे तं फिकी वोंह क्या कीरे रेह ह,1 उन्ह अ अDगेठ" उस लिंबदु रे मजीबतं" स रेखो जीह D सतं निजीतंद्र(मनिण की! दुब या था।
वोंह एकी सवों दु शां ले लिंबदु था ; एकी निवोंशांर्षों लिंबदु, म ! की छे स्था या रू स वोंह D स्था नि तं ह! गेया ह!। उसकी दुब वों स चौंतं म (एकी चौंमत्की रे लेहरे दुHड़ा गेई, औरे मझे अ रे आ दु की तंरे गे की अ भ वों ह! लेगे। मझे ऐस लेगे जीस म 1 स्वोंया रे स नि यात्र ण खो! चौंकी हूँ Dऔरे खोशां की स गेरे म (लेहरे रे झे"म रेह हूँ।D

एकी कीमरे और म1

जीब म 1 चौंतं वों स ई, तं! म 1एकी गेम4 कीमरे म (था , निजीस एकी ह दु की स रे!शां फिकीया गेया था । वोंह D कीई ले!गे भद्र स म (बठ ध्या म (ले था।

म 1अभ इस अ जी स्था और अचौं की हुए स्था तंरेण की झेटकी स उबरे ह रेह था फिकी मझे वोंह रिरेनिचौंतं स् शां4 महस"स हुआ; वोंह रिरेनिचौंतं आवों ज़ी स ई दु ; और प्रम मया रु र्षों की फिदुव्य मस् की मझे आश्वस्तं फिकीया । "तं म हुचौंD गेए", उन्ह कीह , और आगे ब!ले, "याह Dस वों स की की!ई म गे 4 हA ह। अब की वोंले प्रगेनितं ह ह; चौंलेतं रेह!, बस आगे बढ़तं रेह!। क्या भ ग्याशां ले स धकी ह! तं म! तं म्ह (प्रकी शां की वोंर्षों 4प्र स्र ह!।"
ब हरे एकी ठ डी हवों तं ज़ी स बह रेह था । जीगेह ई था , और हवों म (ह ड़ा की खोशां ब "था । मझे हचौं -स लेगे , म ! ले की तंलेहट म (ले या गेया था , निवोंत्र
निचौंत्रकी"ट स की छे ह दुरे" रे, जीह D रे म याण की भगेवों रे म अ की रिटया ब ई था और ध्या फिकीया था । वोंह D मह फिकी ह शां नितं स बह रेह था।
याह की!ई निह म लेया की निह स ह!ले फिकी ऐस हA था लिंकेध्या वों4तं श्रेखोM

सरेले रे मदु स

रे मदु स सप्र दु या हठया!गे म (नि ण ह।1 वों शांरे रे की! भ तंरे और ब हरे स स्वोंच्छे रेखोतं ह,1 और उस उतं ह स वोंध स सजी तं ह 1जीस की!ई अ निप्रया की शांया स्थाले की! सजी ए। उ की निलेए ध्या म (स>लेतं की अथा 4ह भगेवों की सबस अ तंरे गे सखो और सहया!गे की रू म (सवों कीरे की सHभ ग्या और क्षामतं प्र स्र कीरे । उन्ह (अ आ की! भगेवों की सनि गे की रू म (हचौं कीरे जी ह!तं ह।

म 1 इ सतं की ब चौं अ जी वों की की छे सबस गेहरे दुशां4 फिकीए। म 1 उन्ह (उच्ची आध्या नित्मकी और नितंकी मC"या की व्य या ।
आध्या नित्मकी भ वों त्मकीतं अत्यानिधकी गेह अ भ वों की क्षा त्र ह। वों स्तंवों म,(याह म ष्या की! सबस अनिधकी तं त्र, ड़ा दु याकी, और फि>रे भ आ दुमया अ भ वों की ओरे ले जी तं ह।
याH -प्ररि रेतं भ वों त्मकीतं की! जी वों म (गेभ रे सकी ट और उथाले- था ले की की रेण म जी तं ह। अनिधकी शां हत्या ए,D आत्महत्या एD, मकी दुमब ज़ी और ट"ट हुए घरे इस क्षा त्र स उत् न्न भ वों त्मकी निवोंकी रे की रिरेण मस्वोंरू ह!तं ह।1 इसकी निवों रे तं, आध्या नित्मकी उन्म दु स उत् न्न अ भ वों रे" तंरेह स अलेगे ह!तं ह।1

आध्या नित्मकी भ वों त्मकीतं स प्ररि रेतं आत्म ए Dजी वों की सभ सखो की! की रे दुतं ह;1 वों त्न और बच्ची की! छे!ड़ा दुतं ह;1 रे जीकी म रे अ रे ज्या छे!ड़ा दुतं ह;1 नि तं अ त्र की! छे!ड़ा दुतं ह;1 और त्र अ घरे, नि तं और म तं की! छे!ड़ा दुतं ह।1
कीई ऐस ले!गे हुए ह 1निजीन्ह इस आध्या नित्मकी गेले म (वोंह खोजी या निजीस अन्याथा वों कीभ हA दुखो तं। उन्ह उस प्रकी शां की! दुखो जी! स ध रेण आDखो स अदुश्Mया ह। उन्ह उस सत्या की! महस"स फिकीया जी! शांब्दु स रे ह।
इस तंरेह, आध्या नित्मकी उन्म दु की वोंले उ की जी वों की! रू तं रिरेतं फिकीया , बनिCकी म वोंतं की निलेए कीले , स निहत्या और आध्या नित्मकीतं की अ म!ले खोजी भ प्रदु फिकीए।

वोंद्वी की रे ध

म 1 इ रे ध -मतं की सतं म (स एकी स निश्चम बगे ले की वोंद्वी मकी छे!ट स गेरे म (भ(ट की था। याह गेरे श्रे कीMष्ण चौतं न्या मह प्रभ, निजीन्ह (चौतं न्या की म स भ जी जी तं ह, की मध रे स्मनिMतंया स निवोंत्र ह। चौतं न्या मह प्रभ भ रेतं की मह तंम प्रम सतं म (स एकी था।

भ रेतं की वोंष् णवों सप्र दु या उ की प्रम म गे 4स गेहरे आनित्मकी शां नितं तं ह,1 निवोंशांर्षों कीरे वों जी! आसनि

रेनिहतं प्रम , नि ष्की म
सुम णि4 और भ दूभ वों रेनिहतं सवों की कीरिठ म गे 4की! आत्मप्रकी शां प्र निप्त की स ध म तं ह।1 चौतं न्या और उ की मतं म (प्रभ
की आत्मशांनि और आत्म-त्या गे द्वी रे प्र प्त रेम आध्या नित्मकी अवोंस्था म (गेह आस्था था।

याह सप्र दु या गे तं-सगे तं की म ध्याम स उ ले!गे की जी वों म (रेस घ!लेतं ह 1जी! स स रिरेकीतं की शां म (डी"ब

हुए ह!तं ह।1
उ की निवोंश्व स ह फिकी "प्रभ -प्रम " की रेम अवोंस्था , सगे तं की म ध्याम स सम निध की निस्थानितं की! प्र प्त कीरेकी सभ वो ह।
रे ध -सप्र दु या की अ या नियाया म (औरे रे मदु स वोंष् णवों म (भ इस जी वों -दुशां4 की मले" तंत्त्वों "स्वोंया की

अद्भुभ तं 'वोंह'

भ वों की दृम
वोंद्वी म (ह म 1 उस व्यनि (जी! रु र्षों था रे तं 'वोंह' स्त्र रू म (था) स भ(ट की। 'वोंह' वों स्तंवों म (एकी रु र्षों था, ले फिकी
कीरेकी जीवों की ण"4तं प्र प्त कीरे " ह।
'वोंह' की रू , ह वों-भ वों और व्यवोंह रे ण"4तंo निस्त्रया!निचौतं था। उ की आया अस्स वोंर्षो4स ऊ रे था , और वोंह चौतं न्या की
मनिन्दुरे की आDगे म (मनि श्कीले स चौंले तं थाA। वोंह एकी छे!ट स कीक्षा म (नि वों स कीरेतं थाA, जी! आDगे की सबस अ तं म (था और स ध रेण दुशां4 र्पिथाया की जीरे स ओझेले रेहतं था।

जीब म 1 उ स स की4 फिकीया , तं! उन्ह तं रे तं घ"Dघट डी ले निलेया और मध रे वों ण म (मझे स स्वों गेतं

फिकीया। इसस हले फिकी म 1
की छे कीहतं उन्ह छे" , "तं म्ह रे नि तं जी की स ह?1 और वोंह की सरिरेया वोंस्त्रध रे दुवों 'भ वों ' की स ह?1" याह स कीरे म 1
हरे रेह गेया।

"आ मझे जी तं ह?1" म 1 निवोंस्मया स छे"। "दुस"रे की! जी अ आ की! जी स कीहA अनिधकी आस ह।

क्या तं म इसस सहमतं हA ह!?" उन्ह मस् की रे तं हुए
कीह। उ की मस् की म (एकी अद्भुभतं आकीर्षो4ण था , जी! निब शांब्दु की ह सवों दु कीरे म (सक्षाम था। म 1मित्र मगे् ध ह! गेया।
उन्ह मझे अ कीक्षा म (आमनि त्रतं फिकीया , जी! इतं छे!ट था फिकी एकी व्यनि की बठ की भ मनि श्कीले स

जीगेह था। उन्ह
द्वी रे बद्ध कीरे फिदुए और मझे इशां रे स बठ की सकी तं फिदुया। फि>रे उन्ह कीह , "याह Dतं म्ह रे बठ की स्था ह, और याह D
तं म्ह रे Dवों ध! की निलेए जीले ह। "

जीस ह म 1 दुखो , वोंह D एकी आस , एकी जीले- त्र और एकी Dवों ध! की कीट!रे अचौं की प्रकीट ह! गेए। इसस

हले फिकी म 1
की छे समझे तं , उन्ह मरे Dवों अ ह था म (ले निलेए और बड़ा प्रम स उन्ह (ध!या। ऐस लेगे रेह था जीस कीोई म D
अ बच्ची की! स्ना कीरेवों रेह ह!।

Dवों ध!तं समया वोंह मध रे स्वोंरे म (जीयादुवों की गे तं गे!लिंवोंदु स एकी दु गे लेगेA:
"तं रे चौंरेण की! सवों रूD,
उन्ह (प्रमकी रे गे म (रे गे,"D
अब इन्ह (मरे मस्तंकी रे रेखो दु!, निप्रयातंम,
तं रे स् शां4 वों स की शांकी ह;
तं रे चौंरेण मरे मस्तंकी की सया !ग्या मकी ट ह।1"

फि>रे मरे ओरे दुखो तं हुए उन्ह कीह , "तं म असहजी ह! रेह ह!। क्या ? याह अहकी रे क्या ? जीब याह शांरे रे तं म्ह रे हA ह, तंब इस रे अनिधकी रे की भ वों क्या ? याह तं! मरे निप्रयातंम की नि वों स स्था ह। क्या याह सचौं हA ह? "
जीस ह म 1 उ की ओरे दुखो , मरे स Dस रुकी गेई। वोंह D मरे स म की!ई औरे हA बनिCकी वोंह की सरिरेया वोंस्त्रध रे दुवों उ निस्थातं थाA! वोंह भ रे सदु रे शांरे रे, लेहरे तं की शां, म म!हकी भ जी ए,D औरे वोंह रिरेनिचौंतं मद्र ।

म 1लेगेभगे बह !शां ह! की! था , ले फिकी मसे स्वोंo ह "म तं तं रे ! म तं तं रे !" की जी नि कीले ड़ा ।

"आओ, सकी !चौं मतं कीरे!। आओ। तं म्ह (शां नितं औरे प्रम निमलेगे ।" उन्ह की रे ।

याह सत्र छे!ट था ले फिकी गेहरे , इतं गेहरे फिकी उस शांब्दु म (वोंर्पिणतं कीरे असभ वों ह। वोंह मरे आत्म म (गेहरे ई तंकी सम गेईं, म ! उन्ह मझे शां श्वतं शां नितं औरे आ दु की वोंरेदु फिदुया ह!।
जीब हम उस छे!ट स कीक्षा स ब हरे नि कीले, तंब तंकी अDधरे छे चौंकी था ; मनिन्दुरे की घ रिटया D सध् या की ले आरेतं की बजी रेह थाA, औरे ध म तं ले रे मत्र !च्ची रे ह! रेह था । वोंह भ उस की!रेस म (शां निमले ह! गेईं औरे Mत्या कीरे लेगेA।
की शां, म 1उस Mत्या की वोंण4 कीरे तं ! म 1 इस डी!रे डीकी , अन्न वोंले!वों , उदुया शां कीरे औरे श्रे कीMष्ण की रे सले ले की

Mत्या की ब रे म (ढ़ ह। ले फिकी उस फिदु जी! वोंह सुखो वोंण4 की! रे था ।

वोंह Mत्या इ फिद्रया स रे था , फि>रे भ इ फिद्रया की! म!निहतं कीरे वों ले था । ऐस लेगे रेह था जीस वों स्तंनिवोंकीतं फिकी आया म म (प्रवों शां कीरे निलेया ह!, जीह D की वोंले रेम चौंतं ह निवोंद्याम ह!।
वोंह वों स्तंवों म (एकी रु र्षों थाA, ले फिकी भगेवों की प्रनितं ण"4 सम ण4 औरे प्रम की की रेण वोंह 'वोंह' ब गेई थाA – की वोंले शां रे रिरेकी रू स, बनिCकी आध्या नित्मकी औरे सक्ष्"म रू स भ ।
याह अ भ वों तंकी4 की स म ओं स रे था , फि>रे भ मरे निलेए सबस वों स्तंनिवोंकी था । वोंह मरे चौंतं म (एकी शां श्वतं सत्या की रू म (बस गेईं।
याह वोंह स्रो!तं था , जीह D स मझे

मरे एकीम त्र 'अCटरे ईगे!' की स था निमले , निजीस ले ब समया तंकी मरे सगे नितं की । ले फिकी वोंह सगे नितं भ मरे अध रेतं औरे अनितं-उत्स ह की की रेण खो! गेई। उ की ब रे म (औरे अनिधकी फि>रे कीभ ।

चौं"ड़ा की खो!जी

नित्रनि दु दु म (अ प्रवों स की दुHरे , एकी दुखो

म D मझेस अ अत्यातं सदु रे बट की निलेए की छे कीरे की निवों तं की , जी!

ध रे -ध रे म निसकी सतं ले खो! रेह था। जीब वोंह मरे स ले ई गेई, तंब उसकी उम्र लेगेभगे ब स वोंर्षों4रेह ह!गे। म 1
फिकीस जी दु-"ट! की ब रे म (की छे हA स था , औरे याफिदु की!ई निवोंश्व स-निचौंफिकीत्स ह!तं ह, तं! उसकी ब रे म (भ मझे
जी की रे हA था। मरे अ प्र था 4 कीरे की तंरे की था , निजीसम (म 1अ आध्या नित्मकी चौंतं की! निवोंर्षोंया की भHनितंकी
चौंतं (या उसकी कीम) म (प्रवों शां कीरे की की!निशांशां कीरेतं था।

ब तं हुए लेगेभगे ब स वोंर्षों' म (स उस गेरे ब लेड़ाकी लेगेभगे छेह वोंर्षों4म निसकी अस् तं ले म (निबतं ए था। उसकी म Dकी
कीरे म 1 उस अ रे" क्षामतं की अ स रे सह यातं की वों दु फिकीया। ले फिकी म 1 उसस कीह फिकी
गेह नि रे शां की! दुखो
इसकी निलेए मझे भ रेतं जी ह!गे , औरे फि>रे लेHट रे ह म 1उस की छे आशां दु सकी"Dगे , याफिदु मझे की!ई उरे निमले सकी।

उस उरे की! खो!जी की निलेए मझे फिदुCले स कीई सH म ले दुरे" औरे की!लेकी तं शांहरे स लेगेभगे सH म ले दुनिक्षाण- निश्चम म (
निस्थातं एकी मफि दुरे की या त्र कीरे था। दुरे" की!ई म या हA रेखोतं था , ले फिकी वोंह तंकी हुचौंD की स ध अत्यातं आफि
था, निजी म(दु! चौंHड़ा फिदुया की! ब Dस की डीनि डीया स धकी ले जी वों ले दुह तं Hकी ओं रे रे कीरे भ शां निमले था।
तंकी हुचौंD वों ले इकीलेHतं कीच्ची रे स्तं उस समया मरेम्मतं की निलेए खो!दु गेया था , ले फिकी रे जी नितंकी की रेण स उसकी
की या4रे!की फिदुया गेया था। उस रे स्तं रे स म न्या चौंले भ असभ वों था , औरे निहएदु रे वों ह की निवोंचौं रे तं! एकी स
था।
इस खो!जी (या 'उ चौं रे') की दुHरे , मरे स था एकी दुढ़M नि श्चया मनिहले थाA, निजीन्ह (म 1वोंर्षों' स जी तं था। इतं जी!निखो
भरे या त्र रे जी स उन्ह (रे!की असभ वों था। आनिखोरे छेह म ले हम दु ले ह तंया फिकीए, जीब सया" 4अस्तं ह! वों ले
रेतं समया हम (तं! की!ई बस्तं निमले
था। रे स्तं म (हम (की छे भ खो की! हA निमले ; ध की निवोंस्तंMतं खोतं की ब चौं स गेज़ी
औरे ह की!ई इ स ; औरे बगे ले की तं ज़ी ब रिरेशां हम रे दुदु शां4 औरे भ बढ़ दु था।
भया कीरे भ"खो औरे थाकी वोंट की स था हम रे तं निबतं की निलेए फिकीस आश्रेया की खो!जी म (था, ले फिकी तं स निम ट की खो
ब दु हम (याह समझे म (आ गेया फिकी हम (मच्छेरे स भरे भ रे वों तं वोंरेण म (लेगेभगे खोले आकी शां की चौं ह रे तं गेजी रे
ह!गे। भ!जी निमले की की!ई सभ वों हA था। आस स एकी भ इ स हA था , निसवों या की छे बच्ची की , जी! कीहA दुरे" की
फिकीस स्की"ले स लेHट रेह था।
एकी निवोंशां ले तं ले ब, जी! निगेरे हुए स ढंकी हुआ था औरे मच्छेरे की प्रजी स्थाले ब हुआ था , उदु स शां म की
आकी शां की चौं >ले था। औरे उस की फिकी रे एकी एकी तं मफि दुरे खोड़ा था , जी! अत्यातं जीजी4रे अवोंस्था म (था। याह

था , जीह D मझेचौंDथा।

मफि दुरे की बदु दुरेवों जी रे तं ले लेगे हुआ था , ले फिकी हम (अ दुरे दुवों की ले की एकी झेलेकी निमले गेई।

म 1 तं ले ब म (जी कीरे
जीCढ्ढब जी म (स्म फिकीया। मरे स था भ मरे अ स रेण कीरे चौं हतं था , ले फिकी स म निजीकी
ओं चौं रिरेकीतं ओं की बध
उस रे!की फिदुया। अ तंतंo उस की वोंले अ थाकी हुए रे औरे शांरे रे की की छे निहस्स की! ह गे ले कीरे निलेया।

रे तं तं जी स जीदु की आ रेह था , औरे वोंह D की!ई ठहरे या!ग्या स्था हA था। मफि दुरे स था!ड़ा दुरे" रे एकी ध

की"क की
तंत्र की दुनि या

झे!ड़ा था , निजीसम (तं तंरे> निमट्टा की दु वों रे(थाA। वोंह खो ले ड़ा था , की वोंले निबखोरे हुए ध की ढं रे >शां
4 रे अस्त-व्यस्त
रू स >ले था।

हम अब याह म चौंकी था फिकी रे तं की भ!जी तं! छे!निड़ाए, श्तं और दु! हरे की भ!जी की निब ह हम (रे तं गेजी रे ह!गे। म 1 मफि दुरे की स म ब एकी छे!ट स क्के चौंब"तंरे रे आगे जीले की तं या रे की , तं फिकी हम रे तं की ट सकी(।

मझे उस स्था की शांनि शां ले आध्या नित्मकी ऊजी 4की अ भ वों ह! रेह था , जी! अत्यातं प्रबले और गेह था। म 1 उस मनिहले की! उस चौंब"तंरे रे आरे म कीरे की सले ह दु , जीबफिकी म 1स ध और प्र था 4 की तं या रे कीरे रेह था।
हम रे स की ड़ा बदुले की की!ई निवोंकीC हA था। याफिदु मझे सब ह अ स ध और प्र था 4 अर्पि तं कीरे ह!तं , तं! भ गे की ड़ा म (ह जी" कीरे

मझे अ की ड़ा रे तं म (ध!कीरे सखो ड़ातं, तं फिकी सब ह उन्ह (ह सकी"। अन्याथा मझे ड़ातं , जी! मले रिरेया प्रभ निवोंतं क्षा त्र म (अत्यातं जी!निखोम भरे ह!तं। वोंह अ निलेए क्या नि ण4या ले गे , याह

उसकी स्वोंतं त्रतं था। ले फिकी एकी ब तं नि निश्चतं था —स! कीरे उठ की ड़ा म (प्र था 4 और अ ण4 हA फिकीया जी सकीतं था।

वोंह आतं ह, आतं ह, और सदु आतं रेहतं ह

टकी तंब शां रू हुआ जीब वोंह मनिहले झे! ड़ा म (आरे म कीरे चौंले गेई। लेगेभगे एकी घ ट म (सरे"जी डी"ब वों ले था , और वोंह
मफि दुरे, स था ह चौं रे ओरे > ले अ गेढ़ गे Dवों, जी! म ले तंकी > ले ध की खोतं स निघरे हुआ था , अ धकी रे की लेहरे म (सम जी वों ले था , निजीस अगेनिणतं जीगे ओं की चौंमकी और भ गेहरे ब रेह था।

म 1अ चौंतं की! अनिस्तंत्वोंह तं की सखोुअ भ "नितं म (निवोंले कीरे ह वों ले था , तंभ मझी छे हCकी याले की झे की रे स ई दु , जी! Mत्या म (म निहरे Dवों स उत् न्न हुई थाA। उ स् दु निझेजीले की तंरेह झेकीझे!रे फिदुया। म 1 अ आDखो (खो!लेA और वों" 4फिदुशां की ओरे दुखो ।

वोंह D लेगेभगे द्र ह वोंर्षो4की एकी सदु रे कीन्या , गे!दु म (स्वोंस्था ब लेकी की! था म, ले ले स ड़ा म (सजी -धजी , लिंसदुरे" और स!
आभ"र्षोंण स अलेकी Mतं, मस् की रे तं हुई खोड़ा था। उसकी मस् की म (एकी निवोंनिचौंत्र रेहस्या और मरे निस्थानितं की प्रनितं ए
समझे झेलेकी रेह था। उसकी दु! ह था बच्ची की! था म म (व्यस्तं था।

म 1 उसकी Dवों की ओरे दुखो —वोंह D निमट्टा की की!ई नि शां हA था। वोंह निश्रम की ओरे मखो कीरेकी खोड़ा था , और अ
ह!तं सया" 4की ले निलेम उसकी खोले ब ले की! तं ब जीस दुमकी दु था , उसकी आDखो (मस् की स चौंमकी रेह थाA, म !
सप्र र्षोंण की निलेए आतं रे ह। वोंह वों स्तंनिवोंकी हA ह! सकीतं था ... या शां यादु वोंह वों स्तंनिवोंकीतं था ?

वोंह निबलेकी ले स ध रेण गे Dवों की लेड़ाकी की तंरेह फिदुखो रेह था —निजीज्ञा स, उत्सकी , और सह यातं की निलेए तंत् रे। निब
फिकीस भ"निमकी की , सहजीतं स, उस निवोंशांद्ध ग्रे म ण ब!ले म (छे" , "तं म कीब आए? खो की! की छे स था ले ए ह!?"
म 1उसकी ब तं स रेह था , ले फिकी मरे आDखो (उसकी की ले , ले ब, ध र्षों की रे भ;ह की ब चौं चौंमकीतं लिंसदुरे" की गे!ले घ रे
रिटकी थाA। 'भ;ह,(जीस की ले भM गे की रे खो ', मझे या दु आया।
तंभ मरे म म (एकी की ब दु एकी प्रतं की उभरे लेगे— नितंब्बतं मह या की एकी त्र, निमस्रो की भM गे-सया" 4प्रतं की, डीC > क
ओमगे , निमस्रो की अ की शां, म या सभ्यातं की स 4, था ईलेडी1 की वोंज्र, की ब!निडीया की नित्रशां"ले, लिंशांतं! धम 4की ले" ...
फिकीतं स रे ...

म 1 अ   आ की! सचौं तं और निस्थारे ब ए रेखो । म 1 उस प्रण म फिकीया और आदुरे "वोंकी4 अ   मस्तंकी भ"निम रे रिटकी फिदुया ।

"अरे ! याह क्या अजी ब ब तं ह, " वोंह हसDतं हुए ब!ले । "तं म मझे
प्रण म क्या कीरे रेह ह!? दुखो !"
वोंह D अ दुरे दुवों   बदु ह।1 मझे
क्या प्रण म कीरे रेह ह!?"
ह ,D कीमरे की अ दुरे, बदु । मझे

याह बहुतं अच्छे स   तं था ... कीमले की सहस्रोदुले की अप्रस्> रिटतं कीनिलेकी म (की दु।

"मझे   हA तं वोंह कीह Dह,1" म 1 कीह , "... या कीह D हA ह।1 वोंह वोंहA ह 1जीह D की Dवों रे कीन्या ह; वोंह वोंहA ह 1जीह म तं ह। की!ई भ कीन्या , कीहA भ , सम्म   की या!ग्या ह। वोंह शांनि ह। "
"म 1की Dवों रे   हA हूँ,D" उस मस् की रे तं हुए कीह , उसकी मस् की   म (रेहस्या की   रे" आभ था । अस्तं ह!तं सरे"जी

की ले निलेम
रे"   निश्चम आकी शां की! रेDगे फिदुया था । "दुखो !, याह मरे   त्र ह। म 1उसकी म Dहूँ।D"
"तं! तं म ह!। और फि>रे भ   तं म की Dवों रे ह!। म 1कीई की Dवों रे म तं ओं की! जी तं हूँ।D क्या हम सभ —याह

आकी शां, याह खोतं ,
याह >सले, याह तं ले ब, याह धरेतं और याह हवों —क्या हम सभ उसकी बच्ची   हA ह?1 वोंह शां श्वतं की Dवों रे ह।
तं म्ह (सदु ह ह?
की Dवों रे म Dह; और म Dकी Dवों रे ... याह उस शां श्वतं सत्या की रेहस्या ह। "

म 1 आगे की ब तं स बचौंतं हुए छे" , "तं म कीH ह!?"   स- ड़ा!स म (की!ई बस्तं   हA था , और उस समया म

(फिकीस लेड़ाकी की अकी ले , वोंह भ बच्ची की स था घ"म   असभ वों था ।
फि>रे वोंह याह Dकी स?
"मझे   समझे म (हA आतं तं म क्या कीह रेह ह!। म 1इस गे Dवों की हूँ।D याहA की हूँ।D याह मरे   बट   गेण शां ह

और म 1 ह निड़ाया म (
अ   नितं की घरे स आई हूँ।D ले फिकी याह सब तं! वोंस   ह ह। असले ब तं याह ह फिकी तं म   रे" फिदु की छे हA
खी या । तं म्ह (भ"खी
लेगे ह!गे । क्या तं म मझे स था!ड़ा मरे मरे   (ले ई) और गेड़ा स्वों की रे कीरे!गे? याह स ध रेण भ!जी ह, ले फिकी

क्या तं म इस
अस्वों की रे कीरे!गे? "
उसकी म!हकी मस् की   मरे   निजीज्ञा स की! और बढ़ फिदुया ।

म 1की छे कीहतं , उसस   हले ह वोंह झे ड़ा की   छे गेई और गे याब ह! गेई। दुस निम ट की भ तंरे ह वोंह एकी ट!कीरे

म (
मरे मरे   और गेड़ा ले कीरे लेHट आई। उस हम (रे तं की भ!जी की नि मत्र ण फिदुया और समझे या फिकी झे ड़ा की
छे एकी
झे! ड़ा म (ले!गे हम रे इ तंजी रे कीरे रेह ह गे । झे! ड़ा की! खो!जी   मनि श्कीले हA था ; और सबस अच्छे समया रे तं

की 1आठया स ह   छे"निलेया , "याह Dऐस क्या ह जी! गे Dवों की! इतं   रेहस्यामया ब   दुतं   ह? "
बजी की था ।
वोंह मरे   उरे की प्रतं क्षा फिकीए निब   ह चौंले गेई। इतं स स   और दुरे"दुरे जी की गे Dवों म (रे तं की आठ बजी

की मतंलेब था आध रे तं। अ धरे   म (हम रे कीदुम डीगेमगे तं हुए
झे! ड़ा की ओरे बढ़ । वोंह D हुचौंD   रे एकी यावों की   हम रे स्वों गेतं फिकीया और दुरे स स्वों गेतं कीरे   की निलेए
म > म Dगे ।

वोंह समझे गेया फिकी म 1उस निवोंशांर्षों ऊजी 4कीरेह अरे , मनि(जीरे" म 1 गे Dवों म (महस"स फिकीया था।

उस समझे या , "याह स्था एकी 'जी निवोंतं' दुवों की सरे क्षाण म (ह, जी! स ध रेण निमट्टा स ब ह और समया-समया रे बदुले दु जी तं ह। ले फिकी उसकी आत्म हमशां उस मर्पि"तं म (रेहतं ह, चौं ह वोंह फिकीतं भ ब रे बदुले जी ए।"
उसकी ब तं स कीरे मरे रे ढ़ म (निसहरे दुHड़ा गेई। म 1 अ भ वों फिकीया फिकी हम फिकीस स ध रेण स्था रे हA था, बनिCकी फिकीस फिदुव्य ऊजी 4की क्षा त्र म (प्रवों शां कीरे चौंकी था।

म या वों कीन्या

सफिदुया हले , जीब नि चौंले बगे ले की याह निहस्स घ जीगे ले और झे निड़ाया स ढंकी हुआ था , और याह Dब घ की स्वों भ नि नि वों स स्था था , एकी या!गे इस स्था रे भटकीतं हुए हुचौंD । उस इस प्र कीMनितंकी तं ले ब की! या , निजीसकी स एकी बले की ड़ा था । उस इस ड़ा की चौं अ आस जीम या । ब दु म,(इस आस की! चौं मडी (Dचौं खो! निड़ाया वों ले आस) की रू म (प्रनितंनिष्ठोंतं फिकीया गेया ।

या!गे याह Dकीई वोंर्षों' तंकी रेह । इस दुHरे , उस लेगेभगे अठ रेह वोंर्षों4की एकी लेड़ाकी की ब रे म (तं चौंले , जी! अक्सरे उसकी छे कीरेतं और उसकी निलेए खो - की छे!ट -छे!ट चौं ज़ी (ले तं था । हले तं! उस इस रे ध्या हA फिदुया , तं रे ध्या हA फिदुया था । ले फिकी समया की स था याह सवों ले उसकी म म (गेहरे लेगे फिकी इस घ

जीस बद्धसजी
जीगे ले म (वोंह लेड़ाकी की स फिदुखो ई दुतं ह।
उस इसकी तं लेगे की निलेए उसकी छे कीरे की >सले फिकीया । वोंह तं ले ब की रे" चौंक्केरे लेगे तं , ले फिकी ह्रे ब रे जीब वोंह अ आस रे लेHटतं , तं! लेड़ाकी गे याब ह! जी तं । उस कीई ब रे याह की!निशांशां की , ले फिकी वोंह हमशां की म रेह । उस कीभ भ उसस ब तंचौं तं कीरे की की!निशांशां हA की , क्या फिकी उसकी म दुस"रे चौं ज़ी म (लेगे था । वोंह निब फिकीस व्यवोंध की अ तं स्या म (ले रेह , ले फिकी आस स की ले!गे उसकी व्यवोंह रे की! समझे हA ए।
ध रे -ध रे ले!गे की! लेगे लेगे फिकी वोंह अ म निसकी सतं ले खो! रेह ह। वों उस रे तं म (जी!रे-जी!रे स निचौंCले तं हुए स तं । उसकी भयाकी रे चौं खो (जीगे ले म (गेजी"DतंA, निजीसस रे तं की क्षा और गे दुड़ा भ घबरे जी तं। वोंह निचौंCले तं , "तं म f दुरे" भ गे!गे ? कीब तंकी, ह म या वों म!हकी? फिकीस फिदु म 1तं म्ह (कीड़ा ले" गे , ह स्वों थाÂ ध!खोब जी, आकीर्षों4की वों स्तंनिव

म 1 उत्सकी तं वोंशां ,छे"ले फिकी वोंह D ले!गे था ह कीह ,D अगेरे याह घ जीगे ले था ?"

उरे निमले , "ब घ तं! याह Dथा ह , रे उ की स था की छे म वों ब घ भ था— ठगे, ले ट रे और की ले की उ सकी। या ले!गे सम जी स दुरे" एकी तं की तंले शां म (रेहतं था। "

सम्वोंतंआ उस दु अ कीउसनिलेड़ाकीी सकी! उन्हो(भ रे शां फिकीया ह!गे , क्या फिकी वों लेड़ाकी
की रेहस्या हA सले झे सकी । एकी फिदु उन्ह या!गे की! कीड़ा निलेया और लेड़ाकी की ब रे म (छे" । या!गे उन्ह (असगे तं उरे फिदुए। उ की शां और अध रेतं उन्ह (क्रं!निधतं कीरे फिदुया , और उन्ह उस ट शां रू कीरे फिदुया । वों उस म रेकीरे म D की ले की! अर्पि तं कीरे चौं हतं था।

अजी ब ब तं याह था फिकी या!गे निब प्रनितंरे!ध फिकीए उ की इच्छे की! स्वों की रे कीरे निलेया । ले फिकी उस एकी अ नितंम अ रे !ध फिकीया —उसकी शांरे रे की! उस आस की चौं दु> फिदुया जी ए, जीह D वोंह स ध कीरेतं था । उस कीह फिकी जीब वों जीम खो!दुगे(, तं! उन्ह (की छे औरे चौं ज़ी (निमलेगे(, निजीन्ह (उन्ह (निहले हA चौं निहए। स था ह , उन्ह (उस बले की ड़ा की की टकीरे निमट्टा स उसकी एकी मर्पि"तं ब चौं निहए। इसकी ब दु, या!गे अ प्र ण त्या गे फिदुए।

जीब उन्ह कीब्रा खो!दु , तं! उन्ह (वोंह D कीई जी वोंरे की की की ले औरे म वों हनिÄया Dनिमले A। उन्ह (तं रे तं एहस स हुआ फिकी उन्ह एकी निसद्ध या!गे की! रे शां फिकीया था , निजीसकी स उन्ह (सरे सM या की ड़ा ब की शांनि था । भयाभ तं ह!कीरे उन्ह उसकी नि दुशांÔ की ले फिकीया औरे उस उसकी गेद्दी की चौं दु> या ।

कीह याहA सम स्र हA ह!तं । या!गे की आशां वों दु4 की की रेण, वोंह रेहस्यामया लेड़ाकी आजी भ इस स्था रे प्रकीट ह!तं ह, जीब तंकी फिकी याह स्था फिकीस जीघन्या अ रे ध स अ निवोंत्र कीरे फिदुया जी ए।

म 1 छे", "जीस क्या ? याह दुनि या तं! अ रे ध स भरे ह। "

"ऐस अ रे ध भ ह!तं ह,1 जी! की " की फिकीतं ब म (हA निलेखो ह!तं , ले फिकी वों आत्म की! अ तंह या तं ओं म (झे की सकीतं ह—1ले लेचौं, ईष्या 4, द्वीर्षों , वों स , नि दुया4तं ... बहुतं स रे ह।1"
, "क्या वोंह लेड़ाकी अभ भ फिदुखो ई दुतं ह? "
म 1 फि>रे छे"

"की छे ले!गे उस दुखोकी दु वों कीरेतं ह।1 म 1याह Dस दुरे" हA रेहतं , ले फिकी म 1 उस कीभ हA दुखो

म 1 रिटप् ण की , "हम वोंह दुखोवें ह,1 जी! दुखोतेचौं हतं ह।1 क्या तं म वों स्तंवों म (उसकीदुखोनिलेए ले ले नियातं था? "

"शां यादु।" उस ले रेवों ह स उरे फिदुया औरे निसगेरे ट जीले ई।

उस आगे बतं या , "वोंह कीभ अकी ले फिदुखोतं ह, औरे कीभ -कीभ उसकी स था एकी लेड़ाकी भ ह!तं ह। ले फिकी म 1 कीभ हA दुखो। फि>रे भ , ले!गे कीहतं ह 1फिकी वोंह याह Dकी ह। की र्पितंकी अम वोंस्या की रे तं की! याह Dभ ड़ा इकीट्ठा ह!तं ह, उस की निलेए।"

म 1 छे", "क्या तं म निवोंश्व स कीरेतं ह!?"

उस हसDतं हुए कीह , "मझे निवोंश्व स कीरे की ज़ीरूरेतं हA ह। ले फिकी ले!गे की कीह नि या Dह,1 औरे या कीह नि या Dह उ याह DखोAचौं ले तं ह।1"
याह कीह एकी भ्रम की तंरेह था , जी! वों स्तंनिवोंकीतं औरे रेहस्या की ब चौं झे"लेतं रेह । क्या वोंह लेड़ाकी सचौं म (था , या की वों कीC की एकी अ शां?
क्या या!गे सचौं म (उस दुखो

था , या वोंह उसकी ध्या वोंस्था की रिरेण म था ?

इस जीगेह की रेहस्यामया आकीर्षों4ण मझे कीई सवों ले म (उलेझे फिदुया , निजी की जीवों ब आजी तंकी अ स लेझे ह।

क्षा रेभवों

कीश्म रे की उCले रे झे ले की फिकी रे निस्थातं क्षा रेभवों की निवोंत्र मफि दुरे म (ध्या कीरेतं समया मझे
भ ऐस ह गेह अ भ वों
हुआ था। जीब म 1आDखो (बदु कीरेकी प्र था 4 म (ले था, तं! म 1 असख् या स्वोंरे की! मरे स था गे तं हुए स । ऐस लेगे म ! रे" सनिMr मरे स था स ध म (डी"ब ह!।

ध्या की सत्र की अ तं म,(जीब म 1 आDखो (खो!लेA, तं! म 1चौंफिकीतं रेह गेया। म 1खोदु की! हचौं तं हुए भ अ रिरेनिचौंतं महस" रेह था, म ! म 1अ ह भ तंरे कीहA औरे हुचौंD गेया था। समया औरे स्था की ब!ध निमट गेया था।
ध्या की दुHरे , एकी क्षाण ऐस आया जीब मझे छे" की इच्छे हुई। म 1 की!ई स था हA रेखो था, क्या फिकी की!ई बतं4 उ लेब्ध हA था। ले फिकी ले ब अभ्या स की की रेण, प्रनितंवोंतं 4स मरे ह था स्वोंतंo की ओरे बढ़ गेया।
कीC की निजीए, मरे आश्चया 4जीब म 1 वों स्तंवों म (की! छे" निलेया। चौं;कीकीरे म 1 आDखो (खो!लेA।

मरे स म , स मट(की >शां 4 रे कीट!रे जीस ढंले म (था —स्वोंच्छे, नि मले4 औरे शां तंले।

म 1हरे था —याह कीह Dस आया ?

क्या याह एकी चौंमत्की रे था ?

या मरे स ध की प्रनितं>ले?

याह अ !खो अ भ वों मरे ध्या की गेहरे ई औरे क्षा रेभवों की फिदुव्यतं की स क्षा था।

याह स क्षा त्की रे था अज्ञा तं की स था, अलेHफिकीकी की स था।

प्रकी शां की उदुया

गेजी तं हुई स मनि"हकी मत्र ध्वोंनि मझे निवोंचौंनिलेतं हA कीरे रेह था, ले फिकी जीब म 1 दुखो फिकी मनिहले घ स की ढं रे स स बठ ह औरे मत्र की उच्ची रेण कीरे रेह ह, तं! मरे म डीगेमगे लेगे। म 1 खोदु की! सभ ले औरे फि>रे स ध्या म (ले ह! गेया। चौं रे ओरे गेह सन्न ट था, एकी तंकी हA निहले।

सब ह की कीरे ब दु! बजी, मझे अ स एकी औरे मनिहले की ह! की आभ स हुआ। उसकी स था एकी म दुकी अलेHफिकीकी सगे ध भ > ले रेह था। याह सगे ध इतं प्रबले था फिकी मरे गेले सखो" गेया, त्वोंचौं गेम4 ह! गेई, फि>रे शां रे ,रेमस निहले मे हेA नचौं की, मन्दी या शां फिकीया गेया।

"एकी घ" ट ले!," आवों ज़ी मरे स था की था, ले फिकी भ र्षों बगे ले था, जी! वोंह हA जी तं था। म 1चौं;की , रे म हA फिकीया। म 1 अ आस -शां निद्ध, भ"तं-शां निद्ध औरे फिदुग्बध जी रे रेखो औरे फि>रे प्र था 4 की ठ शां रू फिकीया :
" चौं शां ले-निलेनि निभ-रे-निवोंभ मखो दु!-

णमध्या वों क्षास्थालेम
वों सवों मHले नि वोंद्ध चौन्द्र-शांकीलेम
आ तं गे स्तंनि मां
मद्र म क्षागेण सध ध्या कीले सम
निवोंद्या म चौं ह्स्तं म्बख़्री
निवोंभ्र निवोंशांदु प्रभ म नित्र- या म
वों गे ¡दुवों तं म आश्रेया"

(निजीस्र दुवों. की म 1शांरेण चौं हतं हूँ D उसकी चौं स मखो . ह,1 जी! चौं स अक्षारे म (निवोंभ निजीतं ह।1 उसकी दुढ़M स्तं उसकी हृदुया की! ढंDकीतं ह।1 उसकी निशांखोरे रे अधचौं4 द्र बधD हुआ ह; और उसकी ह था म (अमरेतं की घड़ा , एकी स् तंकी, एकी मद्र और एकी कीमदु ह। वोंह अ प्रभ चौं रे ओरे > ले तं ह।)

म 1 म तंकीM न्या स की! दुढ़Mतं "वोंकी4 जी रे रेखो । तंब मझे अ स म एकी स् r दुश्Mया फिदुखो —म Dकी रू , निजीस म 1जी था —भगेवों ध रे मनिहले । उस क्षाण प्रकी शां >"ट और भ!रे की हले फिकीरेण (स्वों गेतं म (निबखोरे गेईं।
म 1एकी ऊजी 4की ध रे म (बह गेया , जी! निबजीले की तंरेह रे!म निचौंतं कीरे रेह था और प्रकी शां की लेहरे म (तं रे जीस लेगे रेह था । याह अ भ वों बह दु सखो दु था —गेह , शां तंले और शां नितं स भरे हुआ। मरे चौं रे ओरे एकी मध रे सगे तं गेजी" लेगे , और ऐस लेगे जीस म 1सगे निधतं >"ले की बगे चौं म (तं रे रेह हूँ।D

जीगे ले जी गे गेया था । सब ह की क्षा चौंहचौंह लेगे और हCकी हवों बह लेगे । म 1अ या स निचौंCले या , "तं रे ! तं रे !"
ले फिकी वोंह D की!ई हA था । आगे बझे चौंकी था ।
म 1तं ले ब की ओरे गेई, ले फिकी मरे स था की कीहA अतं - तं हA था । उस ढं"Dढं की निलेए म 1झे! ड़ा म (गेई, जीह D वोंह घ की ढं रे म (गेहरे Aदु म (निमले । मरे आतं ह वोंह जी गे गेई और ब हरे आ की अ रे !ध कीरे लेगे ।
म 1उलेझे म (था । अगेरे वोंह घ स की ढं रे म (सरे निक्षातं स! रेह था , तं! मरे स कीH बठ था ? म 1स क्ष्या ढं"Dढं की निलेए उस स्था रे गेई जीह D म 1 स ध की था । वोंह D की रे खो ठ डी ह! चौंकी था । म 1 म था रे रे खो लेगे ई और मफि दुरे की ओरे भ गे ।

मफि दुरे म (जी कीरे दुवों तं की! दुखो की ब दु मझे एकी तं त्र एहस स हुआ—म 1उ की आलिंलेगे की निलेए ले ले नियातं था , उ की शांरे रेतं स क्रं!निधतं था , ले फिकी फि>रे भ उ स दुरे" हA ह! रेह था ।
म 1 फि>रे स ध्या लेगे शां रू फिकीया , तं फिकी अ भ तंरे की उथाले- था ले स म
ब दु, मरे स था भ मरे स आकीरे था!ड़ा दुरे" रे श्रेद्ध स बठ गेई।
तंभ वों तं वोंरेण म (एकी अजी ब बदुले वों आया । एकी जी रे प्रकीट हुआ और उस अ प्र था 4 ए DकीÐ। इसकी ब दु हम (वोंह की गे निमले निजीसकी निलेए हम आए था— एकी ले!ह की की गे , निजीसकी ब रे म (कीह जी तं था फिकी वोंह म की! शां तं कीरे हा सकी"D। तं घ-ट तंकी प्र था 4 ए Dकीरे की वोंह D स लेHट रे मझे एहस स हुआ फिकी म 1उस रेहस्यामया लेड़ाकी -प्रतं की! फि>रे स दुखो चौं हतं था । म 1उसकी आकीर्षों4 फि>रे स अ भ वों कीरे की निलेए ले ले नियातं था ।

उस ले लेस   मझे   इतं व्य की ले कीरे फिदुया फिकी म 1>"ट->"ट कीरे रे! लेगे । मरे स था हरे   था , ले फिकी म 1 उस अ ड़ा बतं ई—आत्म की वोंह ड़ा , जी! रेम दु की! समझे की ले लेस रेखोतं ह।

फि>रे स उसकी आ

फि>रे वोंह ... वोंह

म 1लेगे तं रे ब!ले रेह था ; ले फिकी म 1जी तं था फिकी मरे ब तं (उसकी निलेए की!ई म या   हA रेखो रेह थाA। मरे निस्थानितं कीरे वोंह लिंचौंनितंतं ह! उठ । क्या नित्रनि दु दु म (फिकीस निवोंनिक्षाप्त लेड़ाकी की इले जी की खो!जी म (म 1स्वोंया निवोंनिक्षाप्त ह!

उसकी ब तं की सच्ची ई की भ   था , ले फिकी अब...। खोरे , याह सब कीह   अत्यानिधकी व्यनि गेतं ह! जी एगे , इसनिलेए इस दुखA छे!ड़ा दु   ह बह तंरे ह।

रे !निहतं चौंतं!शा तं! श्रा (तस रA?) फिकी इस प्रकी रे की! म निसकी निस्थानितं फिकिरा अनि r की वों"4सचौं" हतं स। तंब म भ"खो, थाकी और अ सह शनि की अनितम स म तकी हुआ चौंकी मरे ज़ाकीa सनि ग इस सबस ब हर नि कील चौं हतं था । मझे निवोंश्व स ह फिकी वोंह डीरे गेई था —निवोंशांर्षों कीरे मरे बदुले हुई दुशां स। निवोंनिक्षाप्त स था की स था ले ब या त्र की म त्र स ह वोंह घबरे ई हुई था । वोंह भ गे जी   चौं हतं था , रे की स?

उस समया एकी बले गे ड़ा फिदुखो ई दु , और रे वोंह गे ड़ा वों   स म!ले-भ वों कीरे   लेगे , उस आश्व स फिदुया फिकी वोंह उस म चौं ह दु म दुगे । जीब हम गे वों छे!ड़ा ह वों ले था, तंभ   गेडीडी   रे एकी वोंद्धM ट!कीरे निलेए खोड़ा फिदुखो । उस ले ई और रे गेड़ा की दु! ट कीड़ा ले ए था। उस बतं या फिकी एकी छे!ट लेड़ाकी   उस या मफि दुरे म (रुकी अजी निबया तंकी हुचौंD   की! कीह चौंफि" की हम लेHट ह रेह था, तं! इस अ   स था ले जी   बह तंरे था ।

"रे स्तं ले ब ह, बहुतं ले ब ," उस कीह ।

"वोंह लेड़ाकी कीह Dह? " म 1 छे" । मरे   आकी ले निजीज्ञा स स वोंह स्तंब्ध रेह गेई।

"वोंह कीH ह? तं म उस जी तं ह!?" म 1 उतं वोंले म (कीह , "जी ओ और रे उस मरे   स ले आओ, ज़ीरूरेतं ड़ा तं! गेदु 4 कीड़ाकीरे घस ट ले ओ! म 1तं म्ह (इ म दुगेD" ।"

वोंद्धMनिवोंस्मया स मुझेबोलेगे । "म 1तं! समझे था फिकी तं म ह उस भ जी था ," उस भरे 4ए स्वोंरे म (कीह , ले फिकी उसकी आDखो (अब भ गे ड़ा म (फिकीस की! खो!जी रेह थाA।

"की ले ! की ले !" उस आगे कीह , "उस तं! मझे   चौंदु निसक्के भ फिदुए था, तं फिकी म 1ले ई बले गे ड़ा म (हुचौंD दु...D" म 1खोदु उस दु!ब रे दुखो   की निलेए उत्सकी था । बड़ा सदु रे लेड़ाकी था —की ले ! की ले !" और रे वोंह फिकीस भ"ले -निबसरे ले!कीगे था की प्रनितंध्वोंनि म (झे की गेई, जीबफिकी म 1फिकीस बच्ची की भ Dनितं >"ट->"टकीरे रे! लेगे ।

गे ड़ा वों   गे ड़ा ह की दु । बले गेभ रेतं स कीदुम बढ़   लेगे। मरे सनि गे   अ   स ड़ा की   Cले" > ले कीरे वोंह प्रस दु स्वों की रे कीरे निलेया । गे ड़ा   एकी जी!रेदु रे झेटकी फिदुया और रे सरे"जी की रे!शां   म (ह ई गेडीडी   रे आगे बढ़ चौंले । तंभ मरे   ज़ीरे उस छे!ट स झे! ड़ा   रे ड़ा , जीह D स वोंद्धM आई था । म 1उस वों स जी तं हुए दुखो सकीतं था । ले फिकी म 1 याह भ दुखो —एकी सदु रे लेड़ाकी , झे! ड़ा की द्वी रे रे खोड़ा , ध" म (ह ई हुई, निखोलेनिखोले तं हुई मस् की रे रेह था !

म 1 घबरे कीरे अ सनि गे स कीह , "दुखो !! वोंह D… वोंह D! झे! ड़ा की द्वी रे रे!"
उस मरे ओरे लिंचौंनितंतं दुनिMr स दुखो औरे कीह , "याह भ"खो औरे प्या स की की रेण ह! रेह ह। तं म भ्रनिमतं ह! रेह ह!।" औरे उस मझे कीसकीरे कीड़ा निलेया , क्या फिकी म 1गे ड़ा स की"दुकीरे उस म या वों छेनिवोंलेतंकी! हुचौंD

गे ड़ा रे स्तं स आगे बढ़ गेई। हA, मरे सनि गे की!ई लेड़ाकी हA दुखो था । औरे ह उस रे" रे तं कीभ खोनिलेह छे!ड़ा था !
उस अनिवोंश्वस या घट की एकीम त्र प्रम ण मरे सनि गे की स ड़ा की छे!रे म (बध हुआ वोंह प्रस दु था । हम चौं चौं उस चौंब या , जीब तंकी फिकी म 1बले गे ड़ा की झेटकी की ब चौं, खोजीरे" की चौंट इया रे निबछे रेम भ"स की मखोमले गेद्दी रे स! गेया ।

गे ड़ा स उतंरेतं समया म 1 दुखो
फिकी मरे सनि गे अब भ अ स ड़ा की छे!रे म (ले ई की! सभ ले हुए था । "या जी दुई दु ह,1" उस कीह । म 1उसकी ओरे चौं चौं दुखो तं रेह गेया ।
ले फिकी जीब हम वों स दु रे कीरे रेह था, तंभ वोंह फि>सलेकीरे दु म (निगेरे ड़ा ! फिकीस तंरेह हम उस बचौं निलेया , ले फिकी ले ई, गेड़ा , रे खो—सब की छे, निसर्फ़ी4 लिंसदुरे" की रे वोंण 4बदु" की! छे!ड़ाकीरे, दु म (सम गेया ।
हम रे" तंरेह भ गे चौंकी था। की वोंले मरे डी यारे बचौं था —मरे उस रे तं की एकीम त्र नि शां । एकी ऐस रे तं, निजीस म 1 रे" तंरेह अकी ले निजीया था … औरे फि>रे भ , शां यादु उतं अकी ले हA था ।
मरे आDखो (अब भ दु की सतंह रे बहतं जीले रे रिटकी थाA। की छे ह ले म,(वोंह ले ई की एकी भ दु की सतंह रे फिदुखो ई हA फिदुया । वों सदु की निलेए ले म ह! चौंकी था।

ह ड़ा तं था4

म 1उरे- वों" 4भ रेतं की सबस शांनि शां ले मफि दुरे म (स एकी, की म ख्या की वों4तं या मफि दुरे म (गेया हूँ D(याह वों रे णस की स निभन्न ह, निजीसकी हले उCलेखो फिकीया जी चौंकी ह) । याह मफि दुरे एकी नित्रकी!ण या शांनि -निचौंह् रे नि र्पिमतं ह। वोंह हA ह, ह फिकीस दुवों -दुवों तं की की!ई निवोंनिशांr रू। वों स्तंनिवोंकी मफि दुरे धरेतं की गेभ4 म (निस्थातं ह। याह भ"निमगेतं म औरे हA, बनिCकी निहम लेया वों4तं-श्रेण की चौंट्टा स नि कीले एकी प्र कीMनितंकी जीलेस्रो!तं ह।

किंकीवोंदुतं की अ स रे, भगेवों निशांवों की त्व अ नि तं द्वी रे आया!निजीतं एकी याज्ञा म (आत्मबनिले दु दु था । दुरेअसले, दु उस स्वोंया की! अनिग्नकी डी म (समर्पि तं कीरे फिदुया था , अ नि तं की निशांवोंनिवोंरे!ध म निसकीतं की निव्रोंरे!धस्वोंरू । इस दुख घट की ब दु, निशांवों अ मतंM त्व की शांरे रे की! की ध रे उठ ए गेले-स भटकीतं रेह। अ ततo, भगेवों निवोंष्ण , उन्ह (स म न्या निस्थानितं म (ले की निलेए, उ की की ध रे ड़ा शांरे रे की ट कीड़ा -ट कीड़ा कीरे फिदुए। जीह D-जीह D सतं की अ गे निगे ठ स्था नि तं हुए, जी! तं नित्रकी अ या नियाया की निलेए रेम निवोंत्र स्थाले ब गेए। ऐस म न्यातं ह फिकी इ मफि दुरे की निवोंत्रतं सतं की अ गे की तं स निसद्ध हुई। इ वों स्थाले म (की म ख्या की! सबस ऊDचौं स्था प्र म ह, क्या फिकी याह D उ की या!नि -अ शां निगेरे था । याह की रेण ह फिकी याह Dएकी चौंट्टा स प्रवों निहतं झेरे अ वोंरेतं बहतं ह। श्रेद्धा ले अ हथानि लेया की! इस छे!ट स जीलेस्रो!तं म (डी ब!तं ह 1औरे चौंट्टा की उस गेम4 दुरे रे की! छे"कीरे उसकी फिदुव्यतं की अ भ वों कीरेत

निवोंश्वभरे म,(निवोंशांर्षों रू स वों4तं या जी जी नितंया म,(झेरे , गे> ओं, खो इया औरे भ"निमगेतं जीलेध रे ओं की प्रनितं गेह श्रेद्ध
दुची! निमलेतं ह। भ रेतं की इस उरे- वों"Â क्षा त्र म,(द्रनिवोंड़ा-मगे !ले जी जी नितंया की प्रभ वों अत्यानिधकी रेह ह, निजीन्ह
नितंब्बतं, इ डी!-चौं औरे चौं की मह या तं त्र रे रे म (निवोंशांर्षों या!गेदु फिदुया । याह Dस्त्र -तंत्वों की! उच्ची
स्था प्र स ह। रे तं की म ख्या अन्या शांनि ठ स निभन्न ह, जीस डीC > या " म (अनिद्गीतं या था । याह
Dतं नित्रकी सम दु या वोंर्षों 4ऋतं की आगेम रे
एकीत्र ह!तं ह।1

मई-जी " की भ र्षोंण गेमÂ की ब दु, वोंर्षों 4ऋतं की शां रुआतं स हले , याह Dतं फिदुवोंस या उत्सवों म या जी तं

ह। इस समया
दुवों की! म निसकी धम 4ह! रेह ह!तं ह, निजीस उ की शां श्वतं निवोंत्रतं औरे प्रजी -शांनि की प्रतं की म जी तं
ह। इस की ले

की! निवोंत्र म तं हुए, निवोंशांर्षों अ छों स न्न फिकीए जी तं ह,1 औरे फिकीस भ"निम जी!तं की सभ उ कीरेण की!

छे"तं तंकी हA।
इ फिदु म (याH सब ध ण"4तंo वोंर्पिजीतं ह!तं ह।1
रे की! याह Dस>ले प्र था 4 ओं की प्रतं की म जी तं ह। दुवों की रे म (भ गे वोंस्त्र-खोडी भ की!

आशां वों दु4स्वोंरू प्रदु
फिकीए जी तं ह।1 इस अवोंनिध म (मफि दुरे की द्वी रे बदु रेहतं ह,1 औरे निवोंशांर्षों अ छों लेगे तं रे चौं रे फिदु औरे
तं रे तं तंकी फिकीए
जी तं ह।1 तं त्र-निवोंद्या की मह स धकी याह Dएकीत्र ह!तं ह 1औरे अ स ध एD स न्न कीरेतं ह।1

की म ख्या तं नित्रकी औरे मह या अ या नियाया की ब चौं एकी महत्वों ण" 4कीड़ा की रू म (प्रनितंनिष्ठोंतं ह,

क्या फिकी याह मह नित्रकी!ण
की प्रत्याक्षा अनिभव्यनि ह। याह वोंह स्था ह जीह D मह या!नि औरे मह मद्र की उ निस्थानितं अ भ वों की जी तं
ह, जी! अन्यात्र
दुले 4भ ह। म 1याह D'कीन्या जी" ' स न्न कीरे आया था , जी! वों4तं या रे रे ओं की अ स रे फिकीया जी तं ह।

रे तं इसस मझे सतं !र्षों हA
निमले। अगेले ब रे जीब म 1याह Dआया , तं! म 1अकी ले था , निसवों या एकी निवोंदुशां याट4की की , जी! सया !
गवोंशी उस समया मरे स था
था। ले फिकी उसकी उ निस्थानितं मझे रे शां हA कीरे रेह था , क्या फिकी वोंह स्वोंया की! जी जी तं या समे तं,
मत्र की उच्ची रेण मझेएकी गेहरे ध्या म (हुचौंD फिदुया , जीह D म 1स्वोंया की! भ"ले चौंकी था । जीब म 1चौंतं म (लेHट , तं!
म"4 अ धकी रे म (डी"न हुआ था । वोंह D इतं नि स्तंब्धतं था फिकी म ! उस छे"कीरे महस"स फिकीया जी सकीतं था ।
मफि दुरे की भजी औरे
म 1बरेरे नि कीले तं! प्र गेण तंद्वे म की प्रकी शां स ह रेह था । याट4की स था की! खो!जी गेया , वोंह अब भ की छे स धओं
उ अरेस्या सन्या निसया म (व्यस्तं रेखी हुए था , निजीन्हें (की छे लेगे स ध, की छे गेले, औरे की छे ठगे म तं था। इस
प्रकी रे म 1
ब तंचौं तं म (ले था। रे तं मरे आत्म की प्या स अब भ अधरे" था।
स
रे" तंरेह अ आ म (था।

मफि दुरे प्र स्तंo आध रे तं की ब द ब्ल ह! जी तं ह, जीब अ नितंम आरेतं म त्र ह! चौंकी ह!तं ह। उस समया एकी
मफिदुरे रेस्सरे म (रे रे तं ध्या कीरे की इच्छे हुई, जी! प्रनितब निधतं म जी तं थी। फिकीतंकी छे दुले 4भ अवोंसरे रे,
की छे उन्ह भ इस रेहस्यामया प्र गेण म (रे तं निबतं की स हस कीरेतं था। म 1 अकी ले ह रे तंभरे ध्या कीरे की नि श्चया
प्र चौं मत्र की
फिकीया।
स्मरेण ह!तं ह म 1 गे शां रू कीरे फिदुया । वोंह D उ निस्थातं ले!गे चौं;की गेए, क्या फिकी गेभ4गेहM म (ऐस गे तं
स्वों की था 4 हA ह!तं।
रे तं या मत्र सस् कीMतं तं त्र ग्रेथा स उद्भुधMतं था, इसनिलेए की!ई ट!की हA सकी , याह Dतंकी फिकी ज्ञा

जी रे भ मH ह रेह।

अगेले सब हमरे निस्थानितंनिवोंनिचौंत्रथा ।फिकीस अदुश्Mयाआकीर्षो4ण मझे भ तंरेतंकी जीकीड़ा निलेया था । म 1ध रे -ध रे उस फि
म (बढ़तं गेया ,याह Dतंकीफिकीम1भ वों श्वरे वों4तं रेचौंढ़ लेगे ।निशांखोरेस ब्राह्म त्र की निवोंशां ले रिरेदुश्Mया मरे स म खोले
गेया । वोंह D हुचौंD कीरे एकी अलेHफिकीकी अ भ "नितं हुई।

रे नित्रम,(जीबमरे स था अ कीक्षाम(क्ष्म ,म1 oमफि दुरेप्र गेणम(था ।हCकी बदु" ब दु ह! रेह था , ब दुले गेरेजी रेह
था, औरेनिबजीले चौंमकीतं ह अ धकी रेऔरेभ गेहरे ह!जी तं था ।अचौं कीमरे शांरे रे म (निसहरे ह! लेगे , म ! की!ई
ज्वोंरेचौंढ़रेह ह!।मझे ऊष्म की आवोंश्याकीतं था , रे तं घ अ धकी रेऔरेमरे म oनिस्थानितं मझे फिकीस ठ!स उ या तंकी
हA हुचौंDरेह था।
म1मफि दुरेकी द्वी रेतंकी हुचौंD चौं हतं था , रे तं ब रे-ब रेउस चौंकी"
तं! म1 वोंहA बठ गेया औरे ध्या म(ले ह! गेया । जी तं ।अ तंतंo, जीब मझे एकी जीलेतं हुई आगे फिदुखो ई दु ,
जीबम 1 आDखो(खो!लेA,तं!म 1 अ स म एकीजी!ड़ा की!खोड़ा या —दु! स् r रू स की निलेकी सप्र दु या की स धकी था।
मनिहले ,जी!सशां औरेसडी Hलेथा ,मझे कीड़ाकीरे दु की ओरेले गेई,जीह Dएकी वों प्रतं क्षा कीरे रेह था ।
रे नित्रकी उसप्रहरेम(उम दुभ रेवोंद्वी की ओरेप्रस्था वोंर्पिजीतंथा ,क्या फिकीवोंह D की जीले-प्रवों ह अत्यातं खोतंरे की था। फि>रे
भ , वों आगे बढ़तं गेई।
तंभ ,अचौं कीकी ले कीHओंकी एकीझे डीचौं खोतं हुआहम रे ओरेझे ट ।वोंह मनिहले क्रं!निधतं ह!कीरे असनिमया भ र्षो म (
की छे ब!ले , औरे वों कीHए तं रे तं ले स्त ह! गेए।
इसकी श्च तंजी!हुआ,वोंहमरे निलेएअनिवोंस्मरेण याथा ।वोंहस्त्र मरे नि कीटआई औरे ब!ले —"आश्रेया ले!। मझे रे निवोंश्व स
कीरे!। म1 तं म्ह रे स था हूँ,D औरे सदु रेहूँगेD ।"
रेहस्यामया दु की प्रवों हम,(उसतं नित्रकीस्त्र की स था,म1मH रू स आगे बढ़तं रेह ।

जीबहमद्वी हुचौंD ,तं!म 1 अ चौं रे ओरेप्र चौं तं नित्रकीमत्र की गेजी" स —

" ॐ या लिंलेगे शांरे रे शां!र्षोया शां!र्षोया स्वों ह

मझे ज्ञा तंथा फिकीयाहएकीमहत्त्वों "ण4सकी टकी घड़ा था ...

एकी या

मत्र की जी अ वोंरेतं जी रे था । सगे तं लेयाबद्ध गेनितं स बह रेह था । ले फिकी रे" समया मझे

उस की सरिरेया वोंस्त्रध रे दुवों
की जी -हचौं आवों ज़ी स ई दु रेह था , निजीस मझे जी वों भरे आध्या नित्मकी चौंतं म (ब ए रेखो । कीहA स वोंह जी
रेह था ।
रे तं की लेगेभगे दु! बजी ह गे , जीब अचौं की एकी म तंसM लेभ स्वोंरे > स> स या , "नि या!"।
ले फिकी वोंर्षो' की स ध की की रेण मरे आDखो (बदु रेहA; म 1 की!ई प्रनितंफिक्रंया हA दु । म 1 स , रे अ स फिकीया ।

फिकीन्तं की!ई मझे मजीबतं" स अ ओरे खोAचौं रेह था औरे ज़ी!रे दुकी रे कीह रेह था , "नि या!! मझे स नि या!। डीरे मतं। नि या!!"
मरे चौंह रे की!मले औरे मले याम चौं ज़ी स सट था , औरे म 1 रेह था। ले फिकी की!ई त्र हA था , की!ई कीठ!रे फिकी रे मरे ह!ठ स हA टकीरे या। फि>रे भ , म 1नि ए जी रेह था। ह ,D म 1सचौं म (रेह था।

फि>रे वों स्तंनिवोंकीतं मझे रे प्रकीट हुई। मझे एहस स हुआ फिकी म 1 अ सखो" ह!ठ की! म वों शांरे रे स लेगे रेखो था , औरे दुध" तं निशांशां की तंरेह स्तं स अमतंM कीरे रेह था।
म 1 हृदुया की गेहरे ई स नि या। एकी ब रे जीब म 1 कीरे शां रू फिकीया , तं! रुकी की की!ई सवों ले ह हA था। (रे म 1याह स!चौंकीरे चौंफिकीतं था , इतं प्रचौं रे म त्र म (याह अमतंM की स निमले रेह ह?)
की!मले म सले स् शां4 औरे म ठ या की स्वों दु मरे रे ढ़ की हÄ म (सरे क्षा औरे स त्वों की लेहरे(दुHड़ा रेह था , जीस 'अतं तं की भ"ले हुए फिदु ' की स्मनिMतंया DलेHट आई ह।
इस अवोंस्था म,(अचौं की मरे भ्र"मध्या (आज्ञा चौंक्रं) म (गेदु गेदु महस"स हुई। सतं निजीतंन् द्र द्वी रे फिदुया गेया की(द्र सफिक्रंया ह! तं रे तं ह मझे सरे क्षा औरे सह यातं की आभ स हुआ। म 1 मजीबतं" औरे शांनि महस"स की। म 1बतं ह शां कीरेतं रेह , औरे उस की!मले स्रो!तं की! अ दु! ह था स कीसकीरे था म रेह।

हरे रे तं की अ तं ह!तं ह। प्रभ तं ह! रे मरे चौंतं लेHट। म 1 खोदु की! दु की फिकी रे एकी वोंक्षाM शां तंले हवों मरे तंप्त मस्तंकी की! सहले रेह था। की चौं अकी ले या।
ले फिकी वोंह D की!ई हA था। म 1 ण"4तंo अकी ले था।
म 1 प्रभ तं-स्रा फिकीया , औरे अकी ले ह स्रा -सध् या स न्न की।
तंभ म 1 उस दु नि की! स्रा कीरेतं हुए दुखो । रु र्षों तं रे तं मरे स आया औरे कीकी4शां स्वोंरे म (छे" लेगे ,
"तं म इतं समया तंकी कीह Dथा? तं म की स बचौं नि कीले? आनिख़ौरे वों! मत्र कीH स था जी! तं म जी रेह था? वों मह मत्र थ म !D म 1उस मत्र -चौंक्रं स ब हरे हA नि कीले या !"

स्त्र मस् की रे तं हुए कीह ,
"तं म एकी अच्छे अवोंसरे खो! फिदुया। म 1 स!चौं था फिकी तं म मरे सह यातं स औरे भ ऊDचौं ई प्र स्र कीरे!गे। ले फिकी तं म सचं म (धन्या ह!। वों! कीH था ? इतं शांनि कीह Dस ले ई? ओ, फिकीतं भ ग्याशां ले ह! तं म। म Dतं म्ह (आशां वों दु4 दु।("

म 1 शां तं स्वोंरे म (उरे फिदुया ,
"वोंह मरे अ ह, हमशां मरे रेह ह। म 1उस की हूँ।D"
वों मझे आश्चया4स दुखो तं रेह। म 1जीCदु स > रे रे चौंढ़ गेया।
ब्राह्म त्र की! रे कीरेतं समया, म 1 वोंह गे गे या , जी! की सरिरेया वोंस्त्रध रे दुवों मझे

निसखो या था।
रे मरे म उदु स था। वोंह इतं नि कीट आई, फि>रे भ मझे स निमले की सकी तं हA फिदुया , जीस फिकी वोंह स ले हले फिकीया कीरेतं था।
म 1 जी फिकी प्रकीMनितं औरे शांनि की इस रेहस्यामया सस रे म (स्त्र तंत्वों फिकीतं मह औरे अ रिरेह या 4ह।
याह अ भ वों मरे जी वों की सबस गेह आध्या नित्मकी घट ओं म (स एकी था , निजीस मरे अनिस्तंत्वों की! झेकीझे!रे कीरे रेखो फिदुया।

रेहस्यामया दुब वों

ले फिकी तंभ भ तंरे गेहरे ई म (एकी अनिभव्यनि ण"4 स्रो!तं गेजी" लेगे। याह था सतं निजीतंन् द्र द्वी रे फिदुए गेए म!तं की दुब वों।

उसाह्मनिबGक्षी ले अ दु ज़ी हA था फिकी याह निवोंनिशांr दुब वों मरे जी वों म (फिकीस प्रकी रे स प्रभ वों डी लेगे ।
याह आजी भ प्र ण या म की गेह सत्र म (उस रिरेनिचौंतं स् दु की स था झे झे हट दु कीरेतं ह।
ले फिकी जीब भ म 1भ्रनिमतं ह!तं हूँ,D असरे क्षा की गेहरे खो ई म (निगेरे की! ह!तं हूँ,D तं! याह झे झे हट अचौं की एकी गेजी" तं हुई चौंतं वों की रू म (प्रकीट ह!तं ह, औरे म 1बचौं जी तं हूँ।D

याह भ्र"मध्या (आज्ञा चौंक्र) की गेदु गेदु मझे अब भ सतंकी4 कीरेतं ह।
याह अचौंतं रू स सफिक्रंया ह! जी तं ह, निवोंशांर्षों कीरे तंब, जीब की!ई व्यनि आवोंशां म (आकीरे मझे झे"ठ आरे! लेगे कीरे आहतं कीरे की की!निशांशां कीरेतं ह।
ऐस क्षाण म,(म 1उस व्यनि की निलेए दुखो ह! जी तं हूँ Dऔरे म ह म प्र था 4 कीरेतं हूँ Dफिकी उस फिकीस प्रकी रे की ह नि ह!।
म 1याह Dतंकी निगेड़ानिगेड़ा तं हूँ,D "कीM या इ अ नि चौंतं अ म की! रे!की दु!... म 1 हA चौं हतं फिकी तं म्ह रे स था की छे बरे कीM या शां तं ह! जी ओ।"
ले फिकी मझे अ स कीरे फिदुया जी तं ह, औरे उसकी भ रे मC"या उन्ह (चौंकी ड़ातं ह।
आजी तंकी म 1इस भ्र"मध्या-प्रनितंफिक्रंया स निवोंचौंनिलेतं रेहतं हूँ,D औरे हमशां इसकी प्रभ वों स डीरेतं हूँ।D
मझे लिंचौंतं कीरे ड़ातं ह फिकी या!निगेया की निलेए अ शांनि या की! कीमज़ी!रे प्र निणया की स था सब निधतं कीरे की उद्दी क्या ह?

सदु शक़ी स की म कीरेतं ह?
म 1 इसकी ब रे म (वों"Â औरे निश्चम दु! व्य ख्या ए D ढ़ ह,1 ले फिकी निश्चम तंकी4 मझे भ्र मकी औरे शांब्दु-जी ले जीस लेगे।

तंकी4 औरे स्वोंप्र

तंकी4 की दुनि या स्वोंया म (शांब्दु औरे उ की सया !जी की एकी ऐस जीगे ले ह, जी! मनिस्तंष्की की! बHनिद्धकी व्य या म की खोले म (तं! व्यस्तं रेखोतं ह, ले फिकी हृदुया औरे सवों दु शां ले आत्म की! उद्दी श्या ण"4 जी वों जी स दुरे" कीरे दुतं ह। अ सभ
अनि निश्चतंतं ओं की ब वोंजीदु", याफिदु जी वों भ वों ओं की प्रस दु स वोंनि चौंतं ह! जी ए, तं! वोंह एकी बजी रे भ"निम ब जी तं ह—
की ट स भरे हुआ, ले फिकी निब फिकीस ष् की। दुखो , ड़ा , आ दु औरे सखो —या सब अ भ "नितंया की अवोंस्था ए Dह,1 औरे याह जी वों की! स थाकी4 या नि रेथाकी4 ब तं ह।1 याफिदु म ष्या की वोंले तंकी4 औरे की रेण द्वी रे प्रदु खो द्या दु था' रे ह जी निवोंतं रेह सकीतं , तं! याह जी वों सह रू स निजीया जी सकीतं था। ले फिकी जी वों म (की छे ऐस अ की ए Dभ ह,1 जी! अज्ञा तं औरे
फिदुव्य रेहस्या स उ जी ह—1जी वों म त्र की प्रनितं प्रम , प्रकीMनितं की स;दुयातं4 , सगे तं म (आ न्दु, खोले सम द्र रे उगेतं सरे"जी की वोंभ वों, निखोड़ाकी रे आकीरे चौंहकीतं की!ई क्षा —या छे!ट -छे!ट मध रे अ भ "नितंया Dहम रे आDसओं की! गे तं म (बदुले दुतं ह,1
हम रे ड़ा की! सह भ "नितं म (रिरेवोंर्पितंतं कीरे दुतं ह।1 क्या हम इस फिदुव्य आ दु की भ!जी की! की वोंले इसनिलेए त्या गे दुगे(क्या फिकी हम इ अ भ वों की! तंकी4सगे तं रू स निवोंश्लेनि षोंतं हA कीरे सकीतं ?

आध नि की म !वों ज्ञा नि की अक्सरे इ घट ओं की व्य ख्या कीरे की प्रया स कीरेतं ह।1 कीभ -कीभ वों उCट तंरे की

स म की!
निस्थारे कीरे की चौं r कीरेतं ह।1 ले फिकी जी वों की वोंले निवोंक्षा!भ की की छे ट कीड़ा स नि र्पिमतं हA, याह रे जी नितंकी अथांशां4 स्त्र स

कीहA अनिधकी उदु और की प्याट"रे स अनिधकी की शांले ह। प्रकीMनितं म (सखो" और ब ढ़ आतं ह,1 ले फिकी इसस उसकी शां श्वतं स;दुया-4 गेरिरेम प्रभ निवोंतं हA ह!तं । ज्वों ले मखो निवोंस्>!ट, निवों शांकी रे ब ढ़, भया वोंह भ"की —या सभ अ गेभ रे भव्यतं की

स था प्रकीट ह!तं ह,1 और अ तंतंo ड़ा की एकी लेकी रे छे!ड़ाकीरे ले म्र ह! जी तं ह।1 फि>रे भ स;दुया 4निस्थारे रेहतं ह। प्रकीMनितं अ

रेहस्यामया आकीर्षों4ण शांनि की स था शां श्वतं रू स निवोंद्याम रेहतं ह। सरे"जी उगेगे ; भ!रे अ मस् की निबखोरे गे ; क्षा चौंहचौंह एगेD , और हरे सया"Áदुया वों सया" 4स्तं रे आCप्स की निहममनि डीतं चौं!रिटया D स हरे ह! जी एगेD । प्रकीMनितं अ की ले ब दुले और रे रे निजीतं जी की ब वोंजीदु" सदु रे ब रेहतं ह।

प्रकीMनितं और उसकी सदु रेतं , जी वों और उसकी भव्यतं —या कीभ सम म्र हA हुए था और ह कीभ ह गे ।

ले फिकी इ

सुमरूतं दुभ 4ग्या ण"4 रिरेनिस्थानितंया की मले" म (म ष्या की नि छों रेतं , रेस् रे सवों दु ह तं , और उस रेम अ की की प्रनितं

उसकी उदु स तं ह, जी! सम् "ण 4सनिMr की! अ सरे क्षाण म (रेखोतं ह। याह Dतंकी फिकी एकी भ"खो व्यनि भ

स्वोंप्र दुखो तं ह। वोंह

रे!ट की स्वोंप्र दुखो सकीतं ह, और याह स्वोंप्र उस क्षानिणकी प्रसन्नतं दुतं ह। फि>रे भ , याह आ दु उसकी अ ह!तं ह, और

वोंह इस स की रे कीरे की प्रया स कीरेतं ह। स्वोंप्र हम (नि रे शां की द्वी रे तंकी ले जी सकीतं ह,1 ले फिकी स्वोंप्रह

जी वों उ लेनिब्धह जी वों ह!तं ह। मह तं एकी ऐस

निक्षांखोरे रे स्था नि तं ह!तं ह, जी! मले" रू स स्वोंप्र की! स की रे कीरे की प्रफिक्रंया स नि र्पिमतं ह!तं ह। स्वोंप्र एकी अन्या आया म

म (आशां ह; स्वोंप्र, स्मनिMतंया स उ जी वोंह भ वों ह जी! रे वोंर्पितंतं वों स्तंनिवोंकीतं ओं की दुनि या म (आकी रे

ले तं ह। मले" तंथ्या

याह ह फिकी जी वों तंभ अथा 4ण" 4ह!तं ह जीब उसम (भ वों त्मकीतं जीड़ा ह!। एकी भ वों त्मकी सवों दु स सह म "नितं, प्रम

और त्या गे जीन्म ले तं ह।1 इ प्रनितंफिक्रंया ओं की निब जी वों की वोंले एकी जीरिटले जीनि वोंकी यात्र ब कीरे रेह

जी तं ह, जी! की छे

नि निश्चतं भHनितंकी नि याम की अ स रे सचौं निलेतं ह!तं ह।

ले फिकी हम सभ याह जी तं ह 1फिकी जी वों म त्र एकी या नि त्रकी प्रफिक्रंया हA ह। तंकी4 और निवोंवोंकी की वोंले

फिकीस निवोंशांर्षों रिरेनिस्थानितं

की व्य ख्या कीरे की म निसकी उ कीरेण ह।1 तंकी4 की शांनि निवोंश्लेर्षों ण कीरे सकीतं ह, नि ष्कीर्षों4नि की ले सकीतं ह, भनिवोंष्यावों ण

कीरे सकीतं ह, और कीई प्रकी रे स व्यवोंस्था स्था नि तं कीरे सकीतं ह। ले फिकी म ष्या की व्यनि त्वों, जी! सखो या

दुo खो की अ भ वों

कीरेतं ह, ह उ कीरेण की सह रे हA जी सकीतं —बनिCकी उस इन्हA भ वों त्मकी प्रनितंफिक्रंया ओं की निलेए जीनि यास की जी वों -नि र्षा धवों दु ध रेण की

तं ले म (अनिधकी सशां और जी वोंतं प्रतं तं ह!तं ह। म 1 हमशां सन् या स की! जी वों की प्रेरे ण दु याकी भ वों की प्रनितं एकी

तं- नितकी म ग4

प्रकी रे की भनिवोंश्वसिघनिस्थानितं की ब तं कीरेतं ह—1जी वों की प्रनितं स तंनि लेतं दुनिMrकी!ण, शां नितं और

वोंरे ग्या, एकी अमतं"4 जी वों जी!

चौंHथा आया म म(प्रवों निहतं ह!तं ह। उ की निलेए याह एकी स्वोंगे4 ह , जी! की वोंले उ की व्यनि गेतं अ भवों की वों स्तंनिवोंकीतं स

भरे हुआ ह। ले फिकी याह की वोंले म निसकी व्य या म तंकी ह स निमतं हA ह! सकीतं , क्या फिकी जी वों की वों स्तंनिवोंकी स;दुया4, प्रम और आ दु की वोंले निवोंचौं रे स हA, बनिCकी अ भवों स प्रकीट ह!तं ह। जी वों की जी द "अतं तंo भ वों त्मकी सतं ले रे नि भरे4 कीरेतं ह। एकी नि जी 4 रे निगेस्तं म(तंकी4 की तं तं रे तं रे जी वों

भ वों श्वरे वों4तं की चौं!ट रे बठ कीरे, जीब म 1ब्राह्म त्र की निवोंशां ले लेह्रे की ब चौं तं रेतं हुए न्न -जीस द्वी , उम दु भ रेवों की

निशांले की! नि ह रेतं हूँ,D तंब जी वों की स;दुया 4 रे म कीरेतं हूँ।D की रू , भ"खो, ब म रे, याह Dतंकी फिकी तंथा कीनिथातं निवोंनिक्षाप्त भ ,

इस शांनि —इस स्था या चौंतं स प्ररि रेतं हुए ह 1औरे उन्ह मह कीले ओं, निवोंज्ञा , स;दुया 4औरे उ या!निगेतं की रेचौं एD की

ह।1 याह प्रे ण , याह ऊजी ,4 याह रेचौं त्मकी शांनि ह जी वों की! जीड़ातं औरे नि रे शां की गेह्रे दुलेदुले स म कीरेतं ह।

हम रे अनिस्तंत्वों म त्र शां रे रिरेकी जी निवोंतं रेह की सघ र्षों4 हA ह; इसम (आत्म की भ अनिस्तंत्वों ब रेह

आवोंश्याकी ह। जीब

हम म —Dशांनि , ऊजी ,4 इस फिदुव्य चौंतं स प्र था 4 कीरेतं ह 1फिकी वोंह हम रे भ तंरे की जी वों -स्रो!तं की! औरे अनिधकी शांनि ,

आ दु औरे नि रे तंरेतं प्रदु कीरे , जीब हम अ अ तंर्पि निहतं चौंतं की इस सजी वों डी या म ! की! ई फिदुशां औरे

उ लेनिब्धया

की शांनि स चौं जी 4कीरेतं ह—1जीस फिकी दुखो की शांनि की! आDखो स अनिधकी तं त्र ब , स की क्षामतं की! की स अनिधकी

गेह्रे कीरे , सघ" की क्षामतं की! की स अनिधकी सवों दु शां ले ब , स् शां4 की! त्वोंचौं स अनिधकी तं त्र कीरे ,

भनिवोंष्या की!

जी औरे समझे की क्षामतं की! स ध रेण म निसकी निस्थानितं स कीहA अनिधकी बढ़ —तं! याह की!ई चौंमत्की रे शांनि की!

वोंशां म (कीरे की आकी क्षा हA ह।

वों स्तंवों म,(की!ई चौंमत्की रिरेकी शांनि हA ह!तं । की वोंले म —Dप्रकीMनितं ह। उसकी अले वों की छे भ हA ह।

"श्य निस्थातं तंदी म स श्यानिन्तं या या!निगे o यास्या न्तं निवोंदुo सरे स रेगेण o..." जीब हम अदुर्Mयाकी!

(स्रो!ते अ...) ... ह 1जीस ... ते4म ।)स, तंब हम म Dकी स थ्या एकीत्वों म 1कीH हूँ?D

महस"स कीरेतं ह।1 जी वों की शांनि रे इस प्रकी रे निवोंचौं रे कीरे , जी वों की शांनि की! इस प्रकी रे प्र स कीरे ह क्या म 1इतं नि कीट आकीरे भ इतं दुरे" >(की फिदुया जी तं हूं?D

... की प्रवों ह बह रेह ह, फि>रे भ दुo खो भ उतं ह सत्या ह। तं त्र म वों 4ह।

... हूँ।D ... ह। किंकीतं अ भ तंरे की शांनि की! हचौं

म 1उस स् शां4 की! या द कीरेतं हूँ।D याह Dतंकी फिकी वोंह मगे !निलेया ई स्त्र भ जी. गेई था फिकी म 1उसकी गे!द म (बठ था। औरे उस अस्वों की रे कीरे , उसस भ बड़ा ह। " तं त्र की खो!जी इस आ तंरिरेकी शांनि की खो!जी ह। वोंह खो!जीतं रे म 1ह इस क्या हचौं सकी ?

ह, औरे वोंह उ लेब्ध कीरेतं ह। दु नि रे तंरे प्रवों निहतं ह!तं

रेह , वोंस ह मरे निवोंचौं रे भ । औरे म Dकी ह था की वोंह म या वों स् शां4, निजीस् मरे जी वों म (ब रे-ब रे खोदु रे दुया स भरेकीरे म 1 उस कीतं रे म (खोड़ा था , जी! सब ह मफि दुरे म (प्रवों शां की निलए लेगे था।

... म"निमगेतं म 4अ धकी रेमझा औरेउसकीDरे थाड़ , निजीसस अनि यानि त्र प्रवों शां सभ वों हA था। ... Dचौंवों (आया म तंकी निभक्षाकी कीन्या

हुचौंD गेया । भले ह वोंह क्षाण

म त्र एकी ले की रेह ह!, फि>रे भ वोंह शां श्वतं था।

एकीछे!ट लेड़ाकी कीतं रेस अलेगेखोड़ा था ।था!ड़ा ह दुरे म(वोंहमरे सआगेई।वोंहस् rरू स भ!जी की निलेएभ खो म Dगेरेह था ।सब हकी समयाथा ,फि>रेभ वोंहभ"खो था ।नि निश्चतंरू स, म1उस भ!जी दु दुगेD" ,ले फिकी उस मरे प्र था 4 ए D रे" ह! तंकीप्रतं क्षा कीरे ह!गे ।

!',हAौ"क्षोंह्रुठरे'!बकेंबीछेदु।भ"!ष्मी तेलेतंमीरेकेहि छे।हAखो या ।वोंह Dदुखो तं म्ह(फिदुखो हAरेह ?सघ" !!क्या तं म्ह(उसकी खोशां ब" हAआरेह ?क्या तं मगेगे" ह!?म1भ"खो हूँ!Dमफि दुरेतं!वोंहAरेहगे ।वोंह कीहA भ गे हA जी एगे । हले मझे खो निखोले ओ, फि>रे अ जी" कीरे ले ।"

कीतं रेम(खोड़ा की छेतं थाया4 त्र मरे ओरेदुखो कीरेहसD लेगे। की छेमनिहले एDउसलेड़ाकी रेहसDA,तं!की छेमरे असमजी सभरे निस्थानितं की आ दु ले रेह थाA।
उसकी निवों तं म(फिकीस तंकी4या की रेणकी की!ईस्था हAथा ,ले फिकी उसकी म सम" निज़ीदु उसकी ब तंकी! रे" तंरेह
स थानिया था ।म1कीतं रेस ब हरेक्या हAआसकीतं था ,याहब तंवोंहसमझे हA रेह था ।मरे निलेएकीतं रेम (अ ब रे खो!दु महत्वों ण"4था ,ले फिकी उसकी निलेएकी वोंलेउसकी भ"खोम या रेखोतं था ।भ"खोह उसकी तंकी4था ,भ"खो ह उसकी दुवों ।
"म1 भ"खो हूँ.D .. बहुतं भ"खो ... हले मझे सतं r कीरे!... तं म्ह रे दुवों तं ब दु म(आ सकीतं ह.1 .. वों कीहA भ गे हA जी एगेD

क्या म 1 उसकी गेले ब ह!ठ रे हCकीम!स निलेस जीस मस् की दुखो ?उसकी या शांब्दु मरे उत्र तंरे गेजी"

"तं तं r : सवों 4तं r श्च यात्र कीन्या प्र "ज्यातं ।
निवोंनिधया : की म रिरेनिभभÁजीयाच्ची वों भ रेवों म॥i"

(जीब कीन्या तंMप्त ह! जी तं ह, तं! समस्तं दुवों तं तंMप्त ह! जी तं ह।1 कीन्या की भ!जी कीरे ह भ रेवों की जी" ह।)

"तं म्ह रे म क्या ह, छे!ट लेड़ाकी ?" म 1 हCकी स मस् की रे तं हुए छे" , जीब म 1 कीतं रे छे!ड़ा की नि श्चया कीरे निलेया ।

"म निले ,"उस उरेफिदुया ,औरेफि>रेशांरे रेतं हसD हसD दु ।"आओ,चौंले!!"अबउस मझे आदुशां फिदुया ।"क्या दुरे कीरे रेह ह!?"
(म निले —शांनि की वोंहरू , जीबवोंहस तंवोंर्षों4की कीन्या ह!तं ह।)

म1कीतं रेस ब हरेआगेया औरेउसकी स थाउससरे याकी ओरेचौंले ड़ा ,जीह Dसचौंमचौं तंले हुए कीवों की सगे धहवों म (तं रेरेह था ।सगे धसचौंमचौंभ"खोबढ़ वों ले था ।उस दु!था निलेया की आदुशांफिदुया ।दु!निहस्स। जी!की छेभ उस स दुथा । म1 लेगे तं रेकीन्या मत्रकी जी कीरे रेह था —

"ऐं ह्लींA श्रेA हु हसHo स्वों ह ।"

वोंह रे" तंरेहस व्यस्तंथा —आदुशां दु ,सर्फ़ी ईकी व्यवोंस्था कीरे ,तंश्तंरिरेया ,Dचौंम्मचौं,अचौं रेऔरेअन्याछे!ट -छे!ट चौं ज़ी(व्यवोंनिस्थातं कीरे । ह!टले की कीमचौं4 रे उसकी आज्ञा एD म म(लेगे था।

"क्या हुक्म चौंले वों ले लेड़ाकी ह! " प्रब धकी रिटप् ण की ।

म 1मत्र जी म (तंCले था। की छे दुरे ब दु, शां यादु एकी घ ट की ब दु, मझे ह!शां आया जीब रे स्तंरे म (ग्रे हकी की भ ड़ा बढ़ गेई थ
औरे ले!गे बठ की जीगेह खो!जी रेह था।

भ ड़ा बढ़ रेह था। लेड़ाकी जी चौंकी था। उसकी था ले म (आध भ!जी ज्या की त्या रेखो था। वोंट रे निबले स म रेखो फिदुया। म 1 स चौंकी ए औरे खो ले स ट की! तं कीतं रेह।

वोंट रे मझेदुखोरेह था।

वोंह हCकी -स मस् की रे या औरे ब!ले , "वोंह ब हरे गेई था , औरे फि>रे वों स हA आई।"

"क्या आ उस खो!जी की स!चौं रेह ह?1" उस मरे उलेझे रे हसDतं हुए छे"।

"फिकीतं दुरे ह! गेई ह!गे ?" म 1 छे"

"शां यादु एकी घ ट स अनिधकी," उस ले रेवों ह स उरे फिदुया।

"क्या आ उस जी तं ह?1" म 1 छे"।

"कीH ? म?1 उस जी तं हूँ?D याह Dफिकीतं तं थाया4 त्र आतं -जी तं ह,1 म 1भले हरे फिकीस की! की स जी सकीतं हूँ?D ले फि
बहुतं सदु रे बच्ची था। म 1 स!चौं , वोंह आ की स था आई था। क्या वोंह आ की था ?"
मरे आDखो म (खो!या हुआ, मखो"-4स भ वों रेह ह!गे।

ध रे स म 1 बदु ब दु या , "ह ,D मरे ... की शां, वोंह ह!तं।"

औरे इसकी स था ह , म 1रे स्तंरे स ब हरे नि कीले गेया।

इस घट की! स!चौंतं हुए मझे या दु आया फिकी नि छेले रे तं प्र था 4 ओं की दुHरे म 1 फिकीस की! भ!जी अर्पि तं हA फिकीया था
याह Dतंकी फिकी अनिग्र म (घ स भ गे हुए सनिमध (लेकीड़ा की निवोंत्र आहुनितंया D) भ हA डी ले थाA।
भ ड़ा की हलेचौंले की ब चौं स एकी मध रे गे तं की नि बहतं हुई मरे की तंकी हुचौंD। वोंह गे तं, निजीस म 1 गेगे की तंट रे
कीई ब रे स था।

मझे जी था फिकी याह कीH गे रेह ह। म 1उस ध्वोंनि की छे कीरे लेगे। रे तं स्वोंरे ध रे -ध रे दुरे" ह!तं चौंले गेया , जीब
तंकी फिकी म 1मफि दुरे की द्वी रे तंकी हA हुचौंD गेया। भ ड़ा नितंरे!निहतं ह! चौंकी था।
द्वी रे बदु था।

औरे फि>रे, वोंह गे तं मफि दुरे की भ तंरे स आ रेह था।

म 1स फिढ़या रे बठ गेया औरे ध रे -ध रे गे लेगे —

"तं म कीH ह!,
जी! अ   ध   रे   चौंतं -गे तं ह!,
हरे क्षाण आ दु स तं ले बजी तं ह!?
तं म, जी! शां श्वतं की ले की
रेम म!निह   ह!!"

रेदु की ओरे वों स

रेदु की भ अ   एकी तं नित्रकी म गे 4था । तं त्र म (नि निहतं रेहस्यावों दु   की वोंले उन्ह (बनिCकी उ की गेनितंनिवोंनिधया की! भ रेहस्यामया ब ए रेखो । ले फिकी मरे   निलेए, वोंह स्वोंया सबस अनिधकी रेहस्यामया प्रतं तं ह!तं था। सचौं कीहूँ Dतं!, उ की शांरे रेतं मरे   समझे स   रे थाA। याह ब तं उन्ह (बहुतं आ फिदुतं कीरेतं था । जीब भ म 1उलेझे म (ड़ातं , वों गेदु गेदु -स अ भ "नितं स भरे उठतं औरे ठह की लेगे कीरे हसDतं ।

निचौंत्रकी"ट म (मदु फिकी   की   स, ह म -ध रे की गे> ओं म (निबतं ए मरे   फिदु ले ब औरे >लेदु या था। कीभ -कीभ मरे   रेदु तं छे
की , ले फिकी सया !गेवोंशां छे" गेए सवों ले स मझे   अनिधकी जी की रे   हA निमले । इतं   ह समझे म (आया फिकी उ की
गेनितंनिवोंनिधया की! निब   फिकीस सदु ह की स्वों की रे फिकीया जी तं था औरे उ की तंरे की की! अत्यातं श्रेद्धे की दुनिMr स दु स भ(ट ह! जी तं , ले फिकी अनिधकीतंरे समया वों कीहA ले स्त रेहतं । उ की रेहस्यामया अ   निस्थानितं की! ले कीरे म 1 कोई ब रे छे" था ।

ले फिकी याह वों फिदु था जीब म 1भगेवों -वोंस्त्रध रे दुवों   द्वी रे निसखो ए गेए म गे 4की अ रू   ढंले रेह था —ह ले Dफिकी रे नित्र तं स्या सत्र औरे प्रकीMनितं-स या!गे की! छे!ड़ाकीरे (फि>रे भ म D-प्रतं की की प्रनितं मरे   गेहरे श्रेद्धे ब   रेह)।
जी! ले!गे शांहरे जी वों की अभ्यास्तं ह,1 वों जी वों की रेहस्या औरे आध्या नित्मकी जीगेतं स   रे की सत्या की! स खो   की इस कीठ! प्रनिशांक्षाण की सरे ह   हA कीरे सकीतं ।
मझे स ब रे-ब रे याह प्रश्न फिकीया गेया —आध्या नित्मकीतं की क्षा त्र म (की म फिकीस प्रकी रे ज्ञा !दुया की प्र निस्त म (सह याकी ह! स ह? अनिधकी शां म मले म,(म 1 इस रे अ   अ निभज्ञातं जीतं ई, ले फिकी प्र याo म 1 मH ह स ध रेखो । क्या ?
तं नित्रकी ग्रेथा   (तं त्र शां स्त्र) की एकी सबस महत्वों ण" 4औरे अ रिरेह या 4निसद्ध तं याह नि दुशांÔ दुतं   ह फिकी याफिदु की!ई स ध म गे 4 रे ण"4तं प्र स्त कीरे   की निलेए गेभ रेतं "वोंकी4 प्ररि रेतं ह, तं! उस इ स ध ओं की निवोंर्षोंया म (ण"4 मH ध रेण कीरे चौं निहए। इस म गे 4की रेहस्या आम ले!गे की   हुचौंD स ब हरे रेहकीरे स्वोंया की! दुरु या!गे स बचौं तं ह औरे स था ह निजीज्ञा स की! भ अ नि चौंतं प्रया!गे स सरे निक्षातं रेखोतं ह।
इसनिलेए तं नित्रकी म गे 4की! एकी गेस्त रेक्षा - नि   की रू म (ब ए रेखो   अत्यातं आवोंश्याकी ह, निजीसस इस घ तं लेगे ए शांत्र ओं स सरे निक्षातं रेखो जी सकी ।

तंत्र हम रे निलेए क्या कीरेतं ह?

अन्या आध्या नित्मकी द्धनितंया की निवों रे तं, तं त्र प्रम औरे शांनि की म गे 4स जीड़ा हुआ ह, जी! म ष्या की! सस रे स प्रम कीरे

निसखो तं ह— इस सस रे की ले!गे स प्रम कीरे निसखो तं ह औरे जी वों की समस्या ओं की स म कीरे की निलेए स्वोंया की!

तं या रे कीरे की निजीम्म दु रे स्वों की रे कीरेतं ह। तं नित्रकी की निलेए जी वों , फिकी मत्Mया, सबस महत्वों ण" 4निवोंर्षोंया ह। वोंह मनि की आकी क्षा रेखोतं ह, ले फिकी भ नि (अ भ वों, जी वों की ण"4 उ भा!गे) की म ध्याम स।

याह निवोंचौं रे भगेवोंद्गी तं की मले" निसद्ध तं म (नि निहतं ह। गे तं नि ष्की म कीम 4की उच्चीतंम अवोंध रेण प्रस्तं तं

कीरेतं ह— अथा तं4

जी वों की की या' की! रे" नि छों स स न्न कीरे , ले फिकी व्यनि गेतं रू स उ की >ले की लिंचौंतं फिकीए निब ।
अच्छे रिरेण म

की आशां कीरे , फिकीस फिकीस रू म,(दुo खो, नि रे शां औरे हतं शां की ओरे ले जी तं ह। जीब म ष्या

अ कीम' की

रिरेण म स अत्यानिधकी आशां निन्वोंतं ह! जी तं ह, तं! वोंह अ तंह असतं !र्षों की चौंक्रं म (>Dस जी तं ह, औरे
अ ततo हतं शां की

निशांकी रे ब तं ह।

इ फिद्रया-सखो की स म ओं तंकी हुचौंD की आकी क्षा स उत् न्न म निसकी ड़ा औरे कीr, हम रे आध्या नित्मकी तं

की मले"

कीरेण रेह ह। हम इ फिद्रया की चौंरेम आ दु की प्र निप्त की इच्छे रेखोतं ह,1 ले फिकी इसम (अस>ले ह! जी तं ह,1
औरे याह

अस>लेतं हम (कीr, सघ र्षों4औरे आक्रं!शां की ओरे धकी ले दुतं ह। याह Dतंकी फिकी उच्चीतंम चौंतं वों ले व्यनि भ

कीभ -कीभ

म निसकी अवोंस दु स ग्रेस्तं ह! जी तं ह।1

याफिदु जी वों की ण"4 आ दु उठ ह, तं! सभ इ फिद्रया औरे की याशां4 ले अ गे की! नि यात्र ण म (रेखो

आवोंश्याकी ह। याफिदु जी वों

अनि या नित्रकं ह! जी तं ह, क्या फिकी उसकी इ फिद्रया Dउस अ वोंशां म (कीरे ले तं ह,1 तं! व्यनि , जी! वों स्तंवों म
(इस जी वों की

स्वों म ह, स्वोंया की! रे निजीतं अ भ वों कीरेतं ह औरे अ ह चौंतं की! दुरे" स बहकीतं हुए दुखो की निलेए

निवोंवोंशां ह! जी तं

ह।

हम जी वों म (दुखो तं ह 1फिकी निखोले निड़ाया , एथाले ट , स की जीवों , तंकी निशांया , निशांC की रे औरे

निवोंद्वी —सभ की!

अ की या 4म (दुक्षातं प्र प्त कीरे की निलेए कीठ!रे प्रनिशांक्षाण औरे अ शां स स गेजी रे ड़ातं ह। जीब स स रिरेकी
की या' म (

स>लेतं की निलेए इतं कीठ!रे प्रनिशांक्षाण आवोंश्याकी ह, तं! फि>रे उ इ फिद्रया औरे भ वों ओं की उनिचौंतं उ या!गे

की निलेए कीठ!रे

अ शां स क्या आवोंश्याकी ह!, निजी रे जी वों की सखो की स "ण 4अ भ "नितं नि भ4रे कीरेतं ह?

तं त्र इस भ नि म गे 4की गेह निवोंश्लेर्षों ण फिकीया ह औरे शांरे रे तंथा उसकी इ फिद्रया की! ण"4 नि यात्र ण म

(रेखो की स ध

गे तं की अ स रे, तं सबस कीरिठ म निसकी अवोंस्था ए D(जी! हम रे की याशां4 ले उ कीरेण की! प्रभ निवोंतं कीरेतं ह 1औरे उ रे ह वों ह! जी तं ह)1 ह—1की म, क्रं!ध औरे ले!भ (गे तं , XVI.21)।

- की म की मले" स्रो!तं निलेनिबडी! (की म-वों स) ह।
- क्रं!ध की स्रो!तं ईष्या 4 औरे असनिहष्णतं ह।
- ले!भ की जीड़ा अनिधकी रे औरे स ग्रेह की भ वों ह।

इ तं की! रेकी की तं द्वी रे कीह गेया ह (ग्रे की कीनिवों ह!मरे की अ स रे, रेकी की द्वी रे की हरे दु रे तं निसरे वों ले की स रेबरेस ह) । वों स्तंवों म,(रेकी की!ई ब हरे स्था हA, बनिCकी एकी म निसकी अवोंस्था ह।

तंनिरेकीह उद्वीश्यावोंह यवोंयकीकी! ज्ञंस म्लेनिसकी वोधतं ह, सं! मनि उसकी निःकीट आ जी तं ह। वोंह सस रे की सभ सखो की उ भ!गे कीरे सकीतं ह, ले फिकी उ म (निलेप्त हुए निब ; वोंह जी वों स ण"4तंo जीड़ा ह!तं ह, ले फिकी उसम (आस हुए निब ।

म की इस स्तंरे की! प्र प्त कीरे औरे जी वों की निवोंर्षोंया की आ दु उठ ह तं नित्रकी की अ नितंम लेक्ष्या ह।

इसनिलेए तं त्र म (
कीठ!रे अ शां स की आवोंश्याकीतं ह!तं ह।
ले फिकी जीब इ अभ्या स की! उ की वों स्तंनिवोंकी सदु भ 4स अलेगे कीरेकी दुखो जी तं ह, औरे ब हरे दुनिMr स

उ की व्य ख्या की
जी तं ह, तं! इ तं सबस प्रबले शांनि या (की म, क्रं!ध, ले!भ) रे नि यात्र ण प्र प्त कीरे की याह प्रफिक्रंया अक्सरे भ! गेवों दु,
तं औरे छेले की रू म (दुखो जी तं ह। आजी की समया म,(तं त्र निवोंद्या की म रे दुनि या भरे की गेरे म

(अ निगे तं की(द्र निवोंकीनिसतं ह! चौंकी ह।1 की छे तं! भ्रनिमतं
ध क्योंं की उद् रेतं रे >लेतं ->"लेतं ह,1 औरे की छे ऐस शांनि शां ले सम"ह द्वी रे !निर्षोंतं फिकीए जी तं ह,1 निजीं की नि निहित
स्वों था4 (अक्सरे रे जी नितंकी) ह!तं ह।1

ह ले की वोंर्षों' म,(तं त्र की(द्र की! निवोंले निसतं औरे अ नि तंकी गेनितंनिवोंनिधया की अÄ कीहकीरे आले!चौं की

गेई ह। ले फिकी सच्ची ई
याह ह फिकी ऐस सकी द्वा गेरे या औरे कीMनित्रम सस् था म (शां यादु ह की!ई वों स्तंनिवोंकी तं नित्रकी अ शां स की की(द्र ह!, जीस फिकी
रेदु जीस नि oस्वों था 4सतं ब ए औरे ब ए रेखो।

तं त्र की वों स्तंनिवोंकी उद्दी श्या की वोंले एकी या!ग्या औरे दुढ़M इच्छे शांनि वों ले स धकी की! प्र प्त कीरे ह— एकी

ऐस स धकी जी!
कीरिठ स ध , इच्छे ओं की प्रले!भ , औरे वों स ओं की ज्वों ले की! सह कीरे सकी , औरे फि>रे भ अनिग्र-की डी स खोरे स! की
तरेह ब हरे नि कीले।
याह वोंह स्था हA जीह D म 1तं त्र की कीठ!रे अ शां स की वों स्तंनिवोंकी निवोंनिधया औरे उ की स्वोंरू रे चौंचौं 4 कीरूD। इसकी निलेए तं त्र स ध रे एकी निवोंस्तंMतं सेथा निलेखो ह!गे औरे तं त्र की!ई ऐस निवोंर्षोंया हA निजीस अ शां निसतं स धकी की निलेए सस रे की अ भ वों कीहA अनिधकी गेह औरे स थाकी4 ह!तं ह, बनि स्बतं उस व्यनि की!ई स्वोंया ढ़कीरे स खो सकी ।

की जी!अ
तंत्र की दुनि या

इ फिद्रया की अध ह!कीरे जी वों व्यतं तं कीरेतं ह।

तंत्र हमस क्या अ क्षा रेखोतं ह?

'स्वों ध्या या स स खो जी वों ले निवोंर्षोंया ' की सचौं" म (तं त्र कीभ हA आ सकीतं । इस की वोंले गेरु स ह स खो जी सकीतं ह-
उस आचौं या 4स, जी! अ निशांष्या की! अ रे स्ना ह और गेह निवोंश्व स स स्वों की रे कीरेतं ह।

और एकी ब रे जीब गेरु स्वों की रे कीरे निलेया , तंब निशांष्या उस सगे नितं म (हरे क्षाण की आ दु ले तं ह। प्रम और समझे—याह
इस सब ध की आध रेनिशांले ह!तं ह। फि>रे जीस भ!जी कीरे , स! , गे आफिदु स्वों भ निवोंकी फिक्रंया एD ह,1 वोंस ह की म भ
एकी अत्यातं प्रनिशांनिक्षातं और ण"4 अ शां निसतं शांनि की अनिभव्यनि ब जी तं ह, निजीस प्रकीMनितं म ष्या की भ तंरे स्था नि
फिकीया ह। तं नित्रकी अ शां स की सह यातं स की म की आ दु भ एकी फिदुव्य मनि की अ भ वों ब सकीतं ह, जी! शां श्वतं ह।
तंब की म म त्र भ!गे हA, बनिCकी याज्ञा ब जी तं ह— जीस फिकी छे दु!ग्या और बहMदु रेण्याकी उ नि र्षोंदु म (वोंर्पिणतं ह।

सया निमतं वों स ह वोंह शांनि -स्रो!तं ह, जी! म ष्या की सवोंÁच्ची निवोंकी स की सभ वों रेखोतं ह। एकी ब रे जीब इस शांनि की
नि यात्र ण की सत्र" म ष्या की ह था म (आ जी तं ह, तंब वोंह अ आ दु की! अ इच्छे की अ स रे ढं ले सकीतं ह। फि>रे
जी वों की बध उस जीकीड़ातं हA, बनिCकी सशां ब तं ह।1 वोंह वों रे ब तं ह— लिंसह सम , स दुढ़M।

तं त्र जी वों की! स् r रू स दुखो तं ह। याह मत्Mया या रेले!की की तं या रे हA कीरेतं , बनिCकी व्यनि की! जी वों जी की निलेए
तं या रे कीरेतं ह।
भगेवों -वोंस्त्रध रे दुवों , सतं जी तं , रेदु और वों सभ निजीन्ह मझे म (रुनिचौं ले , वों मझे स न्या स की रू म (हA, बनिCकी एक
ण"4 रु र्षों की रू म (तं या रे कीरे रेह था— जी! वों स्तंवों म (तं त्र-निशांक्षा की रेम उद्दी श्या ह।
इस उद्दी श्या स मझे हले निचौंत्रकी"ट, फि>रे उज्ज , और फि>रे निसकी ले जी या गेया । और वों रे णस तं! म ! मरे निभ-
ड़ा स बधD था । मझे ब रे-ब रे उस निवोंत्र स्था रे लेHट ड़ातं , जीह D भगेवों -वोंस्त्रध रे दुवों नि वों स कीरेतं थाA।
रेदु की प्रनितं म 1कीMतंज्ञा था , जीब उन्ह मझे याह अवोंसरे फिदुया । उ की म गे 4प्रम और भनि की था । स म न्या ले!गे
रे मदु स , ब उले और तं नित्रकी की ब चौं स् r भ दु कीरे(गे, ले फिकी स धकी की निलेए या भ दु निवोंले ह! जी तं ह,1 क्या फिकी या
जी वों की ऊजी 4और उसकी चौंतं न्यातं म (सम रू स निवोंश्व स रेखोतं ह।1 सभ इस सत्या की! अ आत्म स ब Dधकीरे रेखोतं
ह 1फिकी जी वों की! प्रम और आ दु की मले" सत्या म (निवोंकीनिसतं ह! चौं निहए, जीस फिकी फिदुव्य रू स नि यातं ह।
"सदुवों तं या रे म (रेह!"—याह तं नित्रकी स धकी की सत्र" वों क्या ह।
"याद्ध कीरे!, ले फिकी म!हग्रेस्तं हुए निब "—गे तं की सदु शां ह।
याद्यानि स म न्या ले!गे रेदु की! की वोंले रे मदु स भनि म गे 4की स धकी की रू म (दुखो गे(, ले फिकी मरे निलेए वों तं त्र की उतं
ह अनिभन्न अ गे था, निजीतं फिकी तं नित्रकी भनि की निहस्स ह!तं ह।1 या दु! अलेगे हA ह।1 आत्म-अ शां स की फिकीस भ
द्धनितं की जीड़ा(अ तंतंo तं त्र म (ह सम निहतं ह!तं ह।1

क्या सभ म गे 4तं त्र म गे 4 हA ह?1

क्या धम 4स्वोंया एकी कीमकी4 डी हA ह? वोंडी"", शांम , ओनिबआह, प्र यानिश्व, रे श्वरेण, ग्रेह-शां नितं, रे निशां-उ स —य
फिकी प्रभ की प्र था4 , स तं-सम गेम, ईस्टरे, याकी रिरेस्ट—या सभ तं त्र की निवोंनिभन्न छे या एD ह।1 ड्रुइड्स, ऑर्कि>यास ,
जी रे इस सत्या की! जी तं था; म या , अज़्ट की, इन्की , नितंब्बतं , निमस्रो , लिंशांट!—या सभ उस निवोंचौं रे-ध रे की शां खो एD ह

जी! तं त्र की मस्रो!तं स बहतं ह।

फि>रे भ , एकी सक्ष्"म अ तंरे ह। याह अ तंरे की वोंले ब ह्रे रू की! प्रभ निवोंतं कीरेतं ह; भ तंरे खो!जी, उसकी आत्म औरे उसकी निवोंनिधया ,D प्र याo स्वोंण4-स तं ले (golden mean) तंकी हुचौंD ह जी तं ह।1

जीब म 1याह कीह रेह हूँ,D तं! मझे अ ह निलेया वोंर्षों' की वों इ डी!-चौं , मनि क्सकी!, ब्रा ज़ी ले औरे रू की दुHरे या दु आ रेह ह जीह D म 1 रे!म चौंकी रे समया निबतं या था। इ प्रत्याक्षा अ भ वों स म 1याह कीह की स हस कीरेतं हूँ Dफिकी तं त्र की रे त्मकी की! अस्वों की रे कीरेतं ह।

तं नित्रकी इ फिद्रया की ण"4 उ भ!गे (consummation) की वोंकी लेतं कीरेतं ह,1 वों दुस"रे की! आ दु की उत्सवों म (भ गे ले की निलेए प्ररि रेतं कीरेतं ह,1 ले फिकी स्वोंया वों न्या "तंम औरे आवोंश्याकीतंम रे जी निवोंतं रेहतं ह।1 वों त्या गे हA ह!तं , जी! भ!गे स भ गे,(बनिCकी ण"4 आ दु की जी वोंतं प्रतं की ह!तं ह।1

वों भHनितंकी स खो स बधD हA ह!तं , जी! उन्ह (तंत्की निलेकी आ दु म (जीकीड़ा दु। उ की निलेए जी वों की वोंले एकी जीन्म तंकी हA, बनिCकी जीन्म-जीन्म तंरे की या त्र ह। याह उ की निसद्ध तं ह—
"आ दु की निलेए स्था ब ओ, आ दु तंकी हुचौंD!, आ दु > ले ओ, आ दु दुखो !, आ दु की नि कीट रेह! औरे अ चौं रे ओरे आ दु निबखोरे !।"
रिरेवों रे म (रेह!—म Dकी त्र की भ Dनितं।

म D की रे

निचौंत्रकी"ट की उस फिदुव्य आश्रेम म (रेदु की स था निबतं ए तं अत्यातं आ दुमया मह की ब दु, एकी सब ह म 1अचौं की अचौंनि भतं रेह गेया। मरे म Dवोंह D हुचौंD गेई थाA, औरे उ की स था थाA मरे म गेदु4र्पिशांकी —भगेवों -वोंस्त्रध रे दुवों । मझे स ब ह्रे ले जी या गेया। ले फिकी याह अ तं हA था। ऐस प्रया स ब रे-ब रे फिकीए गेए, औरे दु! ब रे म 1फि>रे स नि कीले भ गे म (स>ले हुआ। म 1 घरे छे!ड़ा फिदुया था औरे स तंतं आ दु म (निवोंले ह! वों ले फिदुव्य स धकी की सगे नितं म (शां निमले ह! की प्रया स फिकीया था। ले फिकी हले ब रे की तंरेह, म 1इस ब रे भ रे" तंरेह अस>ले रेह। भगेवों -वोंस्त्रध रे दुवों की प्रम औरे प्रभ वों इतं प्रबले था फिकी म 1उ स बचौं हA सकी। मरे औरे मरे तंथा कीनिथातं 'स्वोंतं त्रतं ' की ब चौं वों एकी मह दु की तंरेह खोड़ा थाA, जी! दु! निवोंशां ले निशांले ओं की! अलेगे कीरेतं ह!।

फि>रे, एकी ऐस रेहस्या!द्धा ट हुआ निजीस मरे जी वों की फिदुशां ह बदुले दु।

तं ब रे भ गे की ब दु, म 1 वों रे णस औरे अ घरे की! छे!ड़ा की निवोंचौं रे म स नि की ले फिदुया था। इन्हA फिदु , एकी फिदु मरे म D मझे स कीह फिकी म 1उ की स था स कीट दुवों की मफि दुरे चौंले"D, जी! चौं गेगे घ ट की स, मनिणकीर्पिणकी निस्थातं था। ह्रे शां क्रंवों रे वों इस मफि दुरे म (जी या कीरेतं थाA। म 1भ अनिधकीतंरे उ की स था वों म (जी तं था। उस फिदु भ , निब फिकीस निवोंशांर्षों स!चौं की , म 1उ की स था ह! निलेया।
हमशां की तंरेह, म Dमफि दुरे की गेभ4गेहM म (चौंले गेईं औरे वोंदु की स म खोड़ा ह!कीरे प्र था 4 म (मग्न ह! गेईं। तंभ , प्र था 4 मध्या, उन्ह अचौं की एकी तं ज़ी ध रेदु रे चौं की" नि की ले औरे अ दु! छे नितंया की ब चौं एकी गेह्रे चौं रे लेगे फिदुया — इतं तं ज़ी फिकी हम लेकी झे की तं , उसस हले ह रे की ध रे >"ट ड़ा !

म 1भयास जीड़ाह!गेया ।ले फिकी म D रे" शां नितंस, अ ह बहतं रे ध रे की!एकीबले त्र रेसजी ! लेगेA। मरे भयाभ तं त्र की स म , उन्ह वोंह रे निस त्र दुवों की चौरेण म(रेखो और निवोंनिध वों" की4 अर्पि तं कीरे फिदुया ।

मफि दुरेकी सरे क्षाकी जी रे ,जी!उन्ह(भले -भ नितं हचौं तं था, स्तंब्धह!कीरेयाहदुश्Mयास्त्वेया।आजी तंकी फिकीस इस निवोंत्रवोंदु रेरे अर्पि तं हAफिकीया थाऔरेयाह ,Dयाहरे की वोंलेम वों-रे था ,बनिCकीएकी ब्रा ह्मणमनिहलेएकी म D की रे था !

इस अत्यानिधकीदुस् स हनिसकीनिकीMत्याकीवोंहकी छेकीह तं, म D मरे ह थाअ रे स भ गे वोंक्षास्थाले रेरेखोफिदुया और मझे सएकी अ रिरेवोंतं4 या-रे प्रनितंज्ञDगे —

"तं"फि>रेकीभ इसस स रेकी! हAछे!ड़ा गे अज्ञा तंम गे'की खो!जीम(हAभटकी गे याह Dतंकीफिकीआध्या नित्मकीस ध की निलेए भ हA"

मरे सकी!ईनिवोंकीC हAथा ।अ म Dकी की!मलेग्रे!रे शांरे रेस बहतं रे की याहहदुयानिवोंदु रेकी दुश्Mया मझे झेकीझे!रे चौंकी था ।म1सम्म!निहतं-स उ की शांब्दुदु!हरे लेगे —

" हA, म1 कीभ इस गेहM स्था स स रे की! हA" त्या गेगे"D

इसकी ब दु,म D मझे स दु!औरेप्रनितंज्ञा एDलेA।

हले —जीबसमयाआएगे , तं!म1निवोंवों हस मह D हAम!ड़ागे"D ।

और अ नितंमप्रनितंज्ञा —जी!सबस महत्वों ण"4था औरेनिजीसकी निलेएकी छेनिवोंस्तं रेआवोंश्याकीह।

मझे गे बहुतंनिप्रयाथा ।मरे सरे इतं मध रेथा फिकीम1अ गे या म(आ दुऔरेसतं !र्षोप्र सकीरेतं था । ले फिकी अघ!रे तं नित्रकी फिक्रंया ओं,अ वोंरेतंउ वों सऔरेगेस स ध ओं मरे शांरे रेकी!नि ढं लेकीरेफिदुया था ।आस और प्र ण या म स ले भ तंAहृथा।सूक्ष्म द्र-तंटकी ले ब या त्र एDभ बअ सरेरेहA।ध रे -ध रे ,म1रे थाकी" लेगे , लेगे तं रे खो सDतं की!ई निवोंशाषा रेहतं , औरेकीभ -कीभ रे स्रो वोंइतं बढ़जी तं फिकीनिस्थानितंभया वोंहलेगे लेगेतं ।

ले फिकी याहयाक्ष्म (ट ब) हAथा । मझे बखो रेथा , ह अवोंस दु।इसकी निवों रे तं,म1हमशां ऊजी वों4 , उत्स ह और म Dगे रेह अदुम्या इच्छे शांनि वों ले ब रेह ।याह चौं ज़ीमरे उ चौं रेकी!औरेकीरिठ ब रेह था ।मरे शांरे रे ण"4निवोंश्रे म था —म निसकी वों शां रे रिरेकी दु! । याह D तंकी फिकी गे या स भ दुरे" रेह की आवोंश्याकीतं था ।

भगेवों -वोंस्त्रध रे दुवों औरेमरे या निमत्र,एकीनि स्लेम>की,दुे! मझे आश्वस्तंफिकीया फिकीम1ठ की ह! जी ऊDगे । ले फिकी म Dकी लिंचौंतं अ वोंरेतंब रेह ।

इस निलेए, म D मझे सबांहरे प्रनितंज्ञाले —

"फिकीस भ रिरेनिस्थानितंम(तं"म स ह रेकी त्या गे हAकीरे गे मझे तं रे गे(रु म Dभगेवों वोंस्त्रध रे दुवों) की स्वों कीMनितं प्र स ह!चौंकी ह"

म 1 उ की ओरेदुखो ।उ की आDखो म(की!ईनिझेझेकी हAथा ।उन्ह फि>रेकीह —

"आया4म स ह रे था ।शांरे रे की!वोंह आह रेचौं निहएजी!उस शांनि दु। याह स तं ले की वोंले एकी फिदुखो वों ह, एकी छेले वों । शां द्धतं वों दुएकीभ्रमह। जीरूरेतंस ज़्या दु उ वों सऔरेत्या गे, अ तंतं० की वोंले अहकी रे की! जीन्म दुतं ह।1 याफिदु फिकीस चौं ज़् त्या गेकीरे ह ह, तं!'ले!भ' की कीरे!!"

मरे म Dकी रे अबभ बहरेह था ।

म 1 श्रेद्ध वों"की4उ की रे रेअ ह थारेखो औरेइ तं प्रनितंज्ञा ओं की! सच्ची हृदुया स स्वों की रे फिकीया ।

इसकी ब दु,म D मझे स की छेअ शां स त्मकीनि याम की ले कीरे की! कीह । उ म (स एकी याह थाफिकी हवोंर्षो4मझे निश्चमबगे लेकी एकीदुरे"स्थातं श्वा4की श्वरे(निवोंशांर्षो प्र था 4 अर्पि तं कीरे ह!गे ।
Dचौंवोंर्षो'की कीठ!रेस ध की श्च तं,मझे
म Dकी स थाउसतं था 4 रे जी था ।

वोंह Dम 1 एकीऐस दुश्Mयादुखो ,निजीस मझे भ तंरेतंकीनिहले फिदुया —

मरे म ,D रे" शांरे रेकी!ले बवोंतं> ले कीरेअ कीऔरेलेले ट की बले रे(गेतं हुई, रे" मफि दुरे- रिरेसरे रिरेक्रम कीरे रेह थाA!
म 1अवों कीiखोड़ा दुखो
तं रेह ...

अ धनिवोंश्व स औरे आस्था

अ धनिवोंश्व स! आफिदुम प्र कीMनितंकी आस्था !! इस की रे की निलेए औरे भ कीई म ह।1 ले फिकी जी! ले!गे इस रे सबस अनिधकी शां!रे मचौं तं ह,1 उन्ह (अक्सरे अन्या प्रकी रे की आस्था ओं, निवोंश्व स औरे प्रथा ओं की सबस निघ H ध रे ओं म (निलेप्त या जी तं ह— जी! अ धनिवोंश्व स स भ अनिधकी घMण स् दु औरे तं शां ले ह।1 जी! आस्था समझे म (हA आतं , उस हम अ धनिवोंश्व स की रू म (खो रिरेजी कीरे दुतं ह।1

शां द्ध तंकी4वों दु फिकीस भ ध र्पिमकी सस् था की निलेए उसस अनिधकी भया वोंह ह!तं ह, निजीतं फिकी शां तं की सबस घMण हमले —औरे स्वोंया शां तं भ एकी अ धनिवोंश्व स की रू म (निमतं फिकीया गेया ह।
म 1अब प्रत्याकी घट की निलेए की!ई तंकी4 ण" 4व्य ख्या खो!जी की प्रया स हA कीरेतं । फि>रे भ , म 1अ ध आस्था ओं औरे निवोंश्व स की! ले कीरे सतंकी4 रेहतं हूँ।D मरे निलेए उदु तं की आत्म म (एकी फिदुव्य आभ ह!तं ह— एकी ऐस आभ मडी ले, निजीसम (प्रम औरे समझे की वोंह शांनि ह!तं ह, जी! मझे म!ह ले तं ह।

मझे सबस मह जी दु "वोंह लेगेतं ह, जी! नि स्वों था4 औरे नि ०स्वों था4 प्रम की रू म (प्रकीट ह!तं ह। याह सम्म!हकी ह, याह अवोंण 4 या ह, याह हृदुया की! ब ध ले वों ले ह। याह म ष्या स उसकी सवोंÁच्ची बनिलेदु -शांनि की म Dगे कीरेतं ह। याह आत्म की! ऊDचौं उठ तं ह, चौंरिरेत्र की! दुढ़M ब तं ह औरे म ष्या की श्वरे शांरे रे म (सह शांनि की सचौं रे कीरेतं ह।

नि स्वों था4 प्रम की स् शां4 स —
दु० खो आ दु म (बदुले जी तं ह,

आDस "अमतंM ब जी तं ह,1
ह नि ले भ म (रिरेवोंर्पितंतं ह! जी तं ह।

म ष्या या द्ध की! शां नितं की म ध्याम ब   की प्रया स कीरेे चौंकी
निचौंफिकीत्स की! म निसकी निवोंकी रे की सम ध   की रू म (अ   या ह,
ग्रेह औरे क्षात्र की   जी" स अ   भ ग्या सरे निक्षातं कीरे   की चौंr   की ह,
मत्र औरे ट!टकी की! अव्यवोंनिस्थातं जी वों की! व्यवोंनिस्थातं कीरे   की उ या म   ह।
रिरेण म?

हमशां   अस>लेतं ।

म वों-इनितंह स की प्रया!गेशां ले म,(ब रे-ब रे इ उ या की   रे क्षाण फिकीया गेया ह— ले फिकी वों सदु ह स् दु ह स निबतं हुए ह।1
ले फिकी आध्या नित्मकी सम ध , निजीसम—(

नि स्वों था4 प्रमीरे   की क्षामतं ,
नि ष्की म सवों   कीरे   की प्रवोंMनि,
निवोंद्वीर्षों रेनिहतं कीr सह की शांनि ,
औरे आसनि रेनिहतं स्वों निमत्वों की भ वों
शां निमले ह!—
इसकी उनिचौंतं रू स प्रया!गे ह   हA फिकीया गेया ।

क्या फिकी हरे ब रे जीब की!ई इस अ   की प्रया स कीरेतं ह, निवोंरे!ध शांनि या D उस दुब दुतं   ह।1

ले फिकी याह मरेतं   हA।

आस्था औरे प्रम की स् r मत्Mया की स था ह , उ की   जी4न्म भ सनि निश्चतं ह!तं ह।

इनितंह स इस सत्या की! ब रे-ब रे प्रम निणतं कीरे चौंकी   ह।

प्रम की वोंले आध्या नित्मकी प्रया स स प्र प्त फिकीया जी सकीतं ह।

जीब तंकी म ष्या प्रम की रेहस्यामया फिक्रंया ओं, इसकी सफिक्रंया औरे नि निष्क्रंया प्रभ वों की! तंकी4 औरे की रेण की म ध्याम स स् ।
हA कीरे सकीतं , तंब तंकी उसकी भ वों ए Dअ धनिवोंश्व स की रेहस्यामया कीक्षा म (की दु रेहगे(।
हम उ ह स कीरेतं ह,1 हम अ धनिवोंश्व स की   म ले कीरे उसकी अ म   कीरेतं ह—1ले फिकी याह तंब ह!तं ह, जीब हम रे अ
तंकी4-शांनि निवों>ले ह! जी तं ह औरे हम ध या 4खो! बठ तं ह।1
स्वोंया की स म ओं की! स्वों की रे कीरे   फिकीतं   कीरिठ ह!

हम अ बनि द्धम और अ तंकी4-क्षामतं की प्रनितं इतं अ ध-निवोंश्व स ह!तं ह 1फिकी जीब हम रे व्यनि गेतं तंकी4 निवों>ले ह! जी तं ह, तं! हम म ले तं ह 1फिकी सभ तंकी4 अस>ले ह! गेए ह।1

और फि>रे—

तंकी4 की ब हुआ की महले ढंह जी तं ह,
वोंह हवों म (उड़ा जी तं ह!

हम झे झेले हट म (इस एकी म दु दुतं ह—1
और वोंह म चौं ह निजीतं भ अनिप्रया लेगे— हम उस ज़ी!रे स की रेतं ह।1

अ धनिवोंश्व स!

ले फिकी याह निस>4 हम रे अध रेतं और अज्ञा तं की रिरेण म ह!तं ह।

हम निवोंचौं रे की अ शां स ह तं की आले!चौं कीरेतं ह।1
ले फिकी हम स्वोंया अ निगे तं बध म (जी तं ह।1
हम रिरेनिस्थानितंया और की या-4प्रनितंफिक्रंया ओं की अध रेहतं ह।1
हम रे जी वों की प्रत्याकी हले" अ शां स की अ तंगे4तं आतं ह—
फि>रे भ हम फिदुखो वों कीरेतं ह 1फिकी हम स्वोंतं त्र ह।1

सच्ची स्वोंतं त्र निवोंचौं रेकी वोंह ह! सकीतं ह,
जी! बHनिद्धकी अ शां स की कीठ!रेतंम म दुडी की ले कीरे सकी।

ले फिकी —

अध रे, सतंह , अहकी रे और निमथ्या दुभ म (जी वों ले
इस अ शां स की कीसHट रे कीभ खोरे हA उतंरे सकीतं।

ले फिकी प्रेम

क्या म 1एकी व्यनि स प्रम कीरेतं हूँ,D ले फिकी दुस"रे स हA?
क्या म 1फिकीस एकी की प्रनितं स्रा ह ण"4 ह!तं हूँ,D और दुस"रे की! उ नि क्षातं कीरे दुतं हूँ?D
क्या म 1अ स्वों था4 की! त्या गेकीरे ऐस त्या गे कीरे जी तं हूँ,D निजीसकी म 1कीC भ हA कीरे सकीतं ?
क्या म 1अ म सहतं हूँ,D जीबफिकी प्रेम ह चौंतं वों दु जी चौंकी ह!तं ह?
क्या म 1उ सभ ब ध ओं की ब वोंजीदु" फिकीस एकी की! गेले लेगे तं हूँ,D निजीस म 1अ हृदुया स अत्यातं निप्रया म तं हूँ?D

या वों प्रश्न ह,1 जी! तंकी4 और म !निवोंज्ञा की स म ओं स रे ह।1

म निसकी रे!निगेया की म म (उठ वों ले निवोंचौं रे की तंरेह,
एकी आध्या नित्मकी प्रम की अ भ "नितंया Dभ रेहस्यामया और अज्ञाया रेहतं ह।1

प्रम म (सब्बौाी रेहस्या,
सखोम (प्रम की रेहस्या,
आ दु म (कीr की! अ की रेहस्या—
या सब उ रेहस्या की ब जी ह,1
निजीन्ह (हम अ धनिवोंश्व स कीहकीरे ट ले दु चौं हतं ह।1

किंकीतं सबस मह अ धनिवोंश्व स क्या ह?

त्या गेमया प्रम , सवों कीरे वों ले प्रम , कीr सह वों ले प्रम ।

याह अ धनिवोंश्व स हA, बनिCकी उच्चीतंम सत्या ह।

निवोंज्ञा औरे म !निवोंज्ञा तंकी4 कीरे की प्रया स कीरेतं ह।1

हम की! निवोंश्लेनि र्षोंतं फिकीया ।
हम गेले ब की निवोंश्लेर्षों ण फिकीया ।
हम निवोंश्व-शां नितं की कीम की निवोंश्लेर्षों ण कीरे रेह ह।1
ले फिकी —
हम अब तंकी गेले ब हA ब ए।
हम अब तंकी की एकी बदु"D हA ब ए।
हम शां नितं हA ले सकी , ले सकीतं ह,1 ले एगेD।

शां नितं औरे प्रम —
या सबस उदु , सबस रेहस्यामया,
औरे सबस आकीर्षों4की अ धनिवोंश्व स ब रेहगे(।

याह सबस मह रेहस्या ह।

औरे याह रेहस्या सदु ब रेहगे ।

तं त्र मझे याह निसखो या ह।

याह स"या4 की फिकीरेण म (सम निहतं ह।
याह >"ले की खोशां ब "म (बस ह।
याह मरे रे की स गे तं म (घ ले हुआ ह।

म 1जी तं हूँ,D क्या फिकी याह मरे भ तंरे जी निवोंतं ह।

औरे याह की वोंले उ आध्या नित्मकी शांनि या की कीM स प्र स ह! सकीतं ह, जी! सदु निवोंद्याम ह।1

मरे गेरु , भगेवों -वोंस्त्रध रे दुवों ,
मरे निमत्र, रेदु,
स्वों म सदु निशांवों दु,
सतं निजीतं(द्र,
औरे अ निगे तं आत्म ए—D

इ सभ की प्रम औरे आशां वों दु4 मझे रम आ दु की नि कीट हुची।Dदुया।

क्या फिकी वोंसमझेम कीरेतं था।

औरे उ की प्रम —वोंरेदु ब गेया।

10. छेद्म व्यनि त्वों (The Alter Ego)

श्रे दु स: एकी निवोंलेक्षाण व्यनि त्वों

इस समया की आस स एकी अ !खो घट रे" इले की म (जी!रेदु रे चौंचौं 4 की निवोंर्षोंया ब फिदुया।

श्रे दु स मकी व्यनि की अचौं की ले तं ह! जी औरे रेहस्यामया रिरेनिस्थानितंया म (उ की कीनिथातं मत्Mया की ब तं (अक्सरे

स की! निमलेतं थाA। याह Dतंकी फिकी नि लेस भ म निलेया था फिकी श्रे दु स की मHतं आकीनिस्मकी डी"ब स हुई ह! याह

म मले लेगेभगे सबकी स्मनिMतं स निमट चौंकी था , ले फिकी ठ की एकी स ले ब दु याह फि>रे स जीगे ले की आगे

की तंरेह > ले गेया। श्रे दु स एकी !स्टम स्टरे था। उ की त्न सरेले दु स स उन्ह (एकी त्र हुआ, निजीसकी म की ई था। श्रे दु स हमशां

फिकीस अजी ब प्रभ वों की अध फिदुखोतं था, निजीस कीभ भ म त्र आध्या नित्मकी हA म गेया।

बहुतं स ले!गे की म था फिकी उ की म निसकी सतं ले निबगेड़ा हुआ ह। ले फिकी !स्टम स्टरे की रू म (वों अ कीतं4व्य

की नि वोंह4 सरेकी रे औरे जी तं दु! की रे" सतं निr की स था कीरेतं था। श्रे मतं दु स की! एकी आदुशां4 त्न की रू म (दुखी

जी तं था ; वों स्तंवों म,(वों अत्यातं निवों म्र औरे सखो दु स्वोंभ वों की थाA।

श्रे दु स अक्सरे याह दु वों कीरेतं था फिकी उ की मरे हुए ले!गे की दुनि या स स ध ब तंचौं तं ह!तं ह; औरे वों कीई घट ओं सकीतं था , क्या फिकी वों सवों ले की

की भनिवोंष्यावों ण कीरे की निलेए जी जी तं था। वों ले!गे की! सभ निवोंतं आ दु ओं की ब रे म (समया रे चौंतं वों दुतं था। कीई

ब रे उन्ह ले!गे की! फिकीस निमशां रे जी , या त्र कीरे या फिकीस घरे म (प्रवों शां कीरे स म फिकीया। ब दु की घट ओं स

याह स निबतं हुआ फिकी उ की चौंतं वोंनि या की! ज़ीरेअदु ज़ी कीरे वों ले की! सचौं म (दुघ 4ट ओं की स म कीरे ज़ी। इसनिलेए

जी! हA दुखोजी सकीतं , वोंह ह वोंह भ"निमगेतं कीक्षा जीह D प्र चौं स धकी तं नित्रकी स ध कीरेतं था।)

ले!गे स म न्यातंo उ की चौंतं वोंनि या की! गेभ रेतं स ले तं था। ह ले Dफिकी, एकी ब तं वों कीभ हA कीरे सकी।

की ई की जीन्म की ब दु श्रे दु स ध रे -ध्र रे जी वों म (रुनिचौं खो! शां रू कीरे दु , याह Dतंकी फिकी उन्ह (निचौंफिकीत्सकी या की! की!ई भ उ स समस्या की समे ध हA छे"

ले ब छे ट्रा रे जी डा। वों स्तंवों म,(उ की त्न ह उन्ह (इस छे ट्रा रे जी की निलेए मजीबरे" फिकीया था।

जीवों ब हA दुतं था। वों की वोंले तंभ चौंतं वों दुतं था जीब उन्ह (सकी तं निमलेतं था।

ले फिकी उ की ध्या म (ले रेह औरे भ बढ़तं गेया , याह Dतंकी फिकी वों गेगे फिकी रे ले ब स ध कीरे लेगे, अक्सरे रे तं वों म Dकी ले की बड़ा भ था। उ की जी वों की दुनि की नि याम गेह ध्या औरे नि यानिमतं रू स मफि दुरे म

भरे वोंहA बठ रेहतं। वों रे" तंरेह स ब हरे दुनि या स कीट गेए था।

(जी" कीरे था। (याह

मफि दुरे तं लेश्व रे की छे निस्थातं एकी शांनि ठ था , जी! या!निगेया की स ध -स्थाले की रू म (लेगेभगे 2700 वोंर्षो स भ

अनिधकी रे म जी तं ह। याह ले!कीनिप्रया मफि दुरे आजी भ दुखो जी सकीतं ह, ह ले फिकी उ नि क्षातं तंत्र की दुनि या अवोंस्था म।(वों स्तंवों म,(

एकी समया ऐस आया जीब उन्ह ब!ले बदु कीरे फिदुया ; औरे उ की निवोंनिचौंत्र व्यवोंह रे की की रेण उन्ह (अक्सरे कीमरे म (बदु रेखो ड़ातं था । वों शां यादु ह की!ई वोंत्त्र ह तं था। वों अजी ब औरे रेहस्यामया भ र्षों ओं म (ब!ले लेगेतं था। उन्ह भ!जी औरे स भ दुरे" ब ले औरे अ ह त्न की जी" कीरे लेगे, उन्ह (तं नित्रकी म स सब !निधतं कीरेतं था।

जीब भ उन्ह (मHकी निमलेतं , वों दु की फिकी रे अ निप्रया स्था रे भ गे जी तं औरे घ ट , याह Dतंकी फिकी कीई फिदु तंकी ध्या स्था रेहतं ।
वों रे णस जीस शांहरे म (ऐस आध्या नित्मकी घट एD आम थाA। ले!गे ब तं (कीरेतं था, ले फिकी की!ई निवोंशांर्षों ध्या हA दुतं थ

एकी सब ह, जीब सरेले (श्रे मतं दु स) अ नितं की! दुखो की निलेए दुरेवों जी खो!ले , तं! कीमरे खो ले था ; ले फिकी अ दुरे की निखोड़ाकी खोले हुई था । स म न्या रिरेनिस्थानितंया म (उस निखोड़ाकीं स्हAव्हरे, निफकीनिकेसांह D स लेगेभगे 20 > ट की स ध ढंले था ।

ले फिकी कीमरे म (की!ई हA था , औरे ह घरे की आस स कीहA। की वोंले उ की ध!तं की ट कीड़ा दु फिकी रे निमले , जीह D स दु लेगेभगे द्र ह > ट की ऊDचौं ई स बह रेह था ।
उस समया म स" की मHसम था । दु उ> रे था औरे ध रे बहुतं तं ज़ी था । ऐस म (तं रे लेगेभगे असभ वों था । चौंफि" की उ की ध!तं वोंह D निमले था , इसनिलेए म गेया फिकी वों वोंहA गेए था; औरे अगेरे बों वोंह D हA निमले, तं! नि ष्कीर्षों4नि की फिकी उन्ह ब ढ़ म (छेले गे लेगे दु औरे उ की मत्Mया ह! गेई।

तं ज़ी ध रे म (उ की शांवों दुरे" तंकी बह गेया ह!गे ।

चौंफि"Dकी श्रे दु स की छे समया स 'निमक्रों' की ब!लेतं कीरे रेह था, सरेले की! रे" याकी ह! गेया फिकी उ की नितं डी"बकीरे मरे गेए।
याह निवोंश्व स उन्ह (तंब औरे क्के ह! गेया जीब उ की नितं उन्ह (दु! ब रे दुशां4 दुकी रे म Dगेगे की कीM स उ की स था आ की निलेए कीह ।
उ की म तं -नि तं उन्ह (कीड़ा नि गेरे म (रेखो शां रू कीरे फिदुया ।

की छे समया स श्रे मतं दु स अ नितं की आत्म की शां नितं की निलेए निवोंनिधवोंतं श्रे द्ध सस् की रे कीरे रे जी!रे दु रेह थाA।

उन्ह इसम (गेह नि छों फिदुखो ई। ले फिकीरिरेंगी एकी स ले ब तं स हले श्रे द्ध कीरे स म कीरे फिदुया ।

जीब एकी वोंर्षों4 रे" ह! गेया , तं! श्रे द्ध की तं या रिरेया Dशां रू हुई।

श्रे द्ध स एकी फिदु हले , म 1स्वोंया उ की घरे गेया था , जी! हम रे घरे स ज्या दु दुरे" हA था ।

वोंह सदु रे मनिहले , निजी की ले ब की ले ब ले ठ रे निबखोरे हुए था, चौं वोंले की! स > कीरे म (व्यस्तं थाA, निजीन्ह (अगेले फि अ छों की निलेए उ या!गे फिकीया जी था ।
एकी आत्म की आगेम

अचौं की, वोंह मझे स रु र्षों की आवों ज़ी म (ब तं कीरे लेगे। ब तंचौं तं की निवोंर्षोंया अगेले फिदु की प्र था 4 था। उस रु र्षों स्वोंरे
मझे बतं या फिकी ले!गे की निवोंचौं रे की निवों रे तं, वोंह अ छों कीभ हA ह!गे ; क्या फिकी उस हट की की!ई भ प्रया स उसकी
शां नितं की निवों रे तं म जी एगे। वोंह जीह D औरे निजीस निस्थानितं म (था , वोंह D ठ की था ; औरे वोंह फिकीस भ प्रकी रे की ब
निवोंस्था की! सह हA कीरे गे।
"की!ई प्र था 4 हA," उस कीह।

उस म ठ मनिहले की कीठ!रे भ र्षों म (इस तंरेह की ब तं स कीरे म 1स्तंब्ध रेह गेया , निजीस हम अच्छे औरे सदु चौं रे ण"4 स्त्र त्वों
की प्रतं की म तं था।
उसकी म Dब ह्रे आई। उस तं रे तं की छे अस म न्या महस"स फिकीया। जीस ह उस सरेले की ह था स चौं वोंले की था ले ले की
की!निशांशां की , अचौं की क्रं!ध की प्रकीट ह! रे सरेले वोंह रे" था ले आDगे म,(दु! मनि जीले चौं >(की दु।
उसकी निस्थानितं रे ह्रे की!ई चौंचौं 4 कीरे रेह था। उस गेरे ब रिरेवों रे की सतंकी4तं की ब वोंजीदु", निजीज्ञा स स क्षा त्की रे की
भ ड़ा उमड़ा लेगे। (सकी टग्रेस्तं ले!गे अक्सरे फिकीस भ प्रकी रे की आध्या नित्मकी अ शां रे जी निवोंतं रेह की निलेए आतं रे रेहतं ह,1

चौं ह वोंह तंकी4सगे तं ह! या ज)या

औरे एकी सप्त ह की भ तंरे ह याह खोबरे > ले लेगे फिकी उसकी नितं की आत्म उसम (उतंरे आई ह, औरे वोंह अनिवोंश्वस या
की म कीरे रेह ह, अनिवोंश्वस या व्यवोंह रे कीरे रेह ह, औरे घट ओं की भनिवोंष्यावों ण कीरे रेह ह। ब म रे बच्ची की म तं ए,D
नितं औरे सस रे ले की समस्या ओं स जीझे" रेह नित्नया ,D याह Dतंकी फिकी की छे आध्या नित्मकी निजीज्ञा स अ प्रश्न की स था उस
' रे मशां'4 कीरे आ लेगे।
अब तंकी म1 खोदु की! इस दुश्[Mया स दुरे" रेखो म(सक्षाम था। उस निवोंशांर्षों शां म की!, हम निमट्टा की तं ले की दु की की चौं रे
हुए अ 'ह!मवोंकी4' कीरे रेह था। मरे बड़ा भ ई, इ दु, भ वोंह D बठ था। हम रे ड़ा!स , की ञ्ज ा , जी! एकी नि यानिमतं
अ> मचौं था , अ दुकी बदु कीरे की ब दु हम रे स आ ब ठ। वोंह मरे भ ई स ब तं कीरे चौं हतं था , औरे फि>रे
उन्ह नि ष्कीर्षों4 नि की ले फिकी याह सब ध!खो था। की ञ्ञा की अ स रे, वोंह मनिहले बस सख्तं नि ट ई औरे अ निवोंधवों
लिंजीदुगे म (फिकीस रु र्षों की ज़ीरूरेतं जीतं रेह था।

जीरिटले समस्या ओं की स ध रेण नि ष्कीर्षों4हमशां मझे सदु ह म (डी ले दुतं था। इसकी अले वों , सरेले की ब रे म (मरे व्यनि गेतं
जी की रे की अ स रे, म 1उस बहुतं आदुरे की दुनिMr स दुखो तं था ; औरे फिकीस भ प्रकी रे की टकीब ज़ी , ध!खो या दु!ह्रे
वों फिदुया। "तं म
व्यवोंह रे की! उसकी सरेले जी वों शांले की अ ह्रA म तं था। "चौंले! उसस निमले चौंलेतं ह,1" म 1 सझे
खोदु उसस सवों ले कीरेकी सतं r क्या हA ह! जी तं? " मरे आवों ज़ी म (की ञ्ञा की मज़ी की रे खो जी स > झेलेकी रेह था।

अब, याह अ> मचौं की ञ्ञा , फिकीस भ अन्या अ> मचौं की तंरेह, चौं जी की! बड़ा व्य ग्या त्मकी दुनिMr कीउसकी दुखो
तं की! सह मनि श्कीले था। वोंह अ स हस व्य ग्या की निलेए की ख्या तं था , औरे अक्सरे उसकी स था कीठ!रे व्यवोंह रे फिकीया
जी तं था।
म 1एकी उदु हरेण उद्भुधMतं कीरेतं हूँ।D

जी दुगे"

हम रे एकी निमत्र, शां कीरे, एकी यावों व्यनि , की! एकी तं नित्रकी म जी तं था , औरे वोंह भ"तं-प्रतं स सब निधतं निवोंर्षोंया म (लेगे रेहतं था । इसम (वोंह शांरे ब औरे मनिहले ओं की भरे रे" उ या!गे कीरेतं था । याद्यानि हम उसकी स था अनिधकी मले जी!ले हA रेखोतं था, फि>रे भ हम उसकी की छे सम्म कीरेतं था, औरे अक्सरे ले!गे उसस रे मशां 4ले तं था जीब उन्ह (फिकीस फिदुशां -नि दुशांÔ
की आवोंश्याकीतं ह!तं था ।

वोंह हम रे घरे म (बच्ची की म !रे जी कीरे की निलेए एकी 'शां!' दु रेह था । उस शां! म (सम्म!ह कीले की प्रदुशां 4

भ शां निमले

था । उस दुशां4की म (स एकी लेड़ाकी की! सम्म!निहतं फिकीया औरे उसस अ ग्रेजी भ र्षों म (एकी त्र ढ़वों या , जी!
उस हA औतं

था । उस उस की छे अजी ब चौं जी (खो की निलेए भ मजीबरे" फिकीया , औरे याह Dतंकी फिकी म!मब की लेH रे

ह था रेखो की!

कीह ले फिकी उसम (की!ई दुदु 4या प्रनितंफिक्रंया हA फिदुखो । एकी सई उसकी त्वोंचौं म (चौंभ ई गेई, फि>रे भ
उस की!ई ड़ी

महस"स हA की ।
उसकी स हुचौंDफिदुए।

शां कीरे अगेले कीरेतंब शां रू फिकीया । उस हमम(स प्रत्याकी की! एकी की गेजी की ट कीड़ा औरे एकी खो ले
इसकी ब दु, उस निले> > खो!ले निब उ की अ दुरे निलेखो स मग्र की! ढ़ शां रू फिकीया , जीब तंकी फिकी वोंह एकी निले> > रे

निA> हुचौंD फिदुया, औरे उस गेस् स स उड़ा फिदुया । याह निले> > की ञा की था । उसम (निलेखो था , "तं म एकी ध!खोब ज़ी औरे दु

[illegible]
पिचीया की! निले> > म (

निजीसस दुशां4की चौं;की गेए। "अगेरे म 1ले ले म (निलेखो ब तं ढ़ सकीतं हूँ,D" उस कीह , "तं! म 1फिकीस भ स्या ह म (निलेखो ब
डी लकीरे बदु कीरे दु की! कीह गेया , औरे उस स; की! कीह । हम उसकी नि दुशांÔ की ले फिकीया औरे
ढ़ सकीतं हूँ।D म 1तं म्ह रे फिदुम गे की! भ ढ़ सकीतं हूँ,D की ञा । क्या तं म दुशां4की की! याह हA बतं चौं ह!गे फिकी वों स्तंवों

[illegible] निले> > की ञा ?"

की ञा इतं हक्के -बक्के रेह गेया फिकी एकी खो

स भ निगेरे जी तं । मरे नि तं निस्थानितं की! सभ ले । उन्ह शां कीरे स बस

इतं कीह , "बस, अब बहुतं हुआ। की ञा घरे जी एगे औरे अ> म की एकी अनितंररिरे खोरे की ले गे । औरे शां कीरे, अब तं म्ह रे शां!खोत्म ह! गेए ह।1"

सरेले रे भ"तं-प्र तं की स या

याह घट मरे स्मनिMतं म (तं ज़ी था । म 1की जी द्वी रे सरेले की उ ह स उड़ा की! सह हA कीरे रेह था । मरे भ ई की स था, हम तं सरेले की घरे की ओरे चौंले ड़ा , जी! वोंह D स की वोंले स तं निम ट की दु ले दुरे" रे था ।

रे की [illegible] "A!हCले शां तं ड़ा था । हम (दुस"रे मनि ज़ीले तंकी हुचौंD
अ ट4मट(की प्रवों शां द्वी रे बदु था । हम दुरेवों ज़ी खोटखोट या । दुरेवों ज़ी खोले औरे सरेले की म Dकी उस खो!ले की ब चौं की निम ट ब तं गेए। इस दुHरे , की जी एकी अत्यातं अशां!भ या औरे अभद्र रिटप् ण कीरे दु —"म 1 हले ह कीह था फिकी इ यावों निवोंधवों ओं की! उ की ज़ीरूरेतं एकी मजीबतं" आदुम की ह!तं ह, जी! उ की निबस्तंरे म (ह!।"

ऐस रिरेनिस्थानितं म (याह एकी अत्यातं अनिशांr औरे स्तंब्ध कीरे दु वों ले रिटप् ण था। मरे भ ई सकी !चौं म (ड़ा गेया। ले फिकी इसकी हले फिकी वोंह की छे कीह तं, सरेले की म D दुरेवों ज़ी खो!ले फिदुया औरे हम (अ दुरे आमनि त्रतं फिकीया। मरे ओरे दुखो हुए उन्ह कीह, "सरेले अभ की छे निम ट हले तं म्ह रे ब रे म (छे" रेह था औरे उस मझे स कीह था फिकी म 1दुरेवों ज़ी खोले रेखो।"D" उ की इस ब तं स हम हरे रेह गेए।

हम दुखो फिकी सरेले >शां 4 रे निबछे एकी स ध रेण निबस्तंरे रे बठ था। उसकी निबस्तंरे रे सदु रे >"ले की

म ले एD औरे

मगे विधतं म निबखोरे हुए था। आ वों ले भ वों अद्भुभतं गेले दुस्तं उस दुवों की सतं निr की निलेए चौंढ़ ए था, निजीसकी प्रभ वी म (

सरेले कीनिथातं रू स था। सभ जी तं था फिकी याह रे -नि स तं लेश्व रे की ले की प्रभ वों था।

म 1ऐस ले!गे की प्रनितं भ ग्याशां ले रेह हूँ,D जी! 'आध्या नित्मकी वोंशां कीरेण' म (ह!तं ह।1 उस अन्या दु! की!

ज़ीरेअदु ज़ी कीरेतं हुए

मरे ओरे दुखो मस् की रे ई औरे म Dगे की, "क्या निहचौंफिकीचौं रेह ह!? आओ, मझे वोंह दु! जी! तं म ले ए ह!। ओह, तं म फिकीतं

प्या रे ह!, मरे बच्ची! " सरेले शां की ह रे था, ले फिकी उसकी नितं की! तंले हुई मछेले बहुतं स दु था। घरे स

नि कीले स हले, म 1 रेस!ई स एकी

ट कीड़ा मछेले फी ई निलेया था औरे उस निछे कीरे रेखो था। मझे याह नि निश्चतं हA था फिकी सरेले स म न्या अवोस्था म (निर्मलेग

या अ वोंशां भ"तं रू म।(ले फिकी मझे याह तं था फिकी याफिदु उसम (उसकी नितं की आत्म ह, तं! वोंह इस

अवोंश्या स दु

कीरे गे। निवोंधवों ह!तं हुए, वोंह इस त्या गे ह दुतं ।

उसकी इ शांब्दु की! स कीरे, सभ की निवोंस्मयाभरे आDखो की स म, म 1 मछेले की ट कीड़ा नि की ले औरे

सरेले की! दु

फिदुया। जीस ह उस खो शां रू फिकीया, कीमरे म (उ निस्थातं सभ ले!गे की स स (थाम गेईं। एकी उच्ची निहन्दु "निवोंधवों फिकीस भ

रिरेनिस्थानितं म (म Dस ह रे हA छे" सकीतं था, औरे ह फिकीस औरे की चौंC"ह रे ब भ!जी खो सकीतं था।

याह एकी कीठ!रे

वोंजी4 था, औरे सरेले भ निवोंधवों की रू म (इ रे रे ओं की ले कीरे रेह था।

खो तं -खो तं, सरेले अचौं की की जी की! सब !निधतं फिकीया।

"क्या ह ले ह, अर्फ़ी मचौं मह!दुया? अब भ अ मज़ी की म (मस्तं ह!? तं म म तं ह! या हA? अगेरे हA, तं! म 1तं म्ह (

[illegible] निहम्मतं ह तं! [illegible] की थाथ सरेले म मAकीतं स उसस फिकी क्या वोंह इस तथ्या की! स्वी की रे कीरेतं ह फिकी जी वों

[illegible] जी ओ, दुखो ले तं ह 1फिकी तं म्ह रे शां की फिकीतं सच्ची ह. .. औरे उस आदुम की ब तं कीरे(निजीसकी मझे

म 1 गेप्त रू स मफि दुरे स उसकी स दु दु चौंम ले की >"ले इकीट्ठा फिकीए था, ले फिकी अभ तंकी उन्ह (अर्पि तं कीरे की अवोंसरे

निमले था। म 1 दुखो फिकी वोंह मरे स निथाया रे क्रं!निधतं ह! चौंकी था, फि>रे भ म 1आगे बढ़ की निहम्मतं जीट या।

ह सह, श्रे ' रु र्षोंत्वों'? क्या खोदु की! बहुतं बड़ा मदु 4समझेतं ह!? जी ओ ऊ रे, कीहतं हूँ,D जी ओ ऊ रे! म 1वोंह D तं म्ह रे

इ तंज़ी रे कीरूDगे अ भ"खो की स था, ओ मरे वों रे! हम दु! की अच्छे समया गेज़ी रे गे।"

की जी निहले तंकी की निहम्मतं हA कीरे सकी। वोंह रे" तरेह स्तंब्ध औरे भयाभ तं था। उसकी ह था की तंत्र की दुनि या

उ गेनिलेया Dमरे ब ईं

भ जी म (गेहरे ई तंकी धDस चौंकी थाA, औरे वोंह रे" शांनि स मझे स निचौं की हुआ था।

ले फिकी जीस ह म 1की छे कीह की की!निशांशां कीरे लेगे , वोंह मस् की रे ई और मझे एकी गेप्त म स की रे।
याह वोंह म था निजीसस मतंM की ई मझे बले तं था —और इस म स मझे कीभ और फिकीस हA की रे
था।

"आओ, नि डीतं, आओ। मझे वों >"ले दु!। मखो"' की सगे नितं म (मतं रेह कीरे!।" उस अ ह था > ले ए और म 1 उस

तंचौंम क्या ले की!चौंतं ह!? तं म्ह (मरे निलेए लेनिडीकी निमठ ई ले चौं निहए थम दुजी!"मझे

>"ले फिदुए। उस उ रे दुनिMr डी ले और कीह , "चौंम ले ? मरे निलेए? क्या ? याह >"ले फिकीस स दु था? और म
1कीनिडीकी!D सचौंमकी निमठ ई बहुतं स दु था , जी! निवोंशांषों रू स बगे ले म (ब ई जी तं था। ले फिकी सबस
रूफिढ़वों दु ले!गे इस हA खो तं , क्या फिकी तंले हुई निमठ इया Dउ की निलेए वोंर्पिजीतं ह!तं ह।1 फिकीस भ निस्थानितं म,(सरेले
कीभ हA खो या था। निवोंधवों ह! की ब दु, वोंह की वोंले एकी ब रे स दु भ!जी कीरेतं था।

म 1 स हस कीरेकी छे" , "क्या तं म लेनिडीकी खो ओगे ?"

"क्या हA?" उस उरे फिदुया , "मझे फिकीस और स भ्रनिमतं मतं कीरे!। तं म उ मखो"' म (स हA ह!। निजीतं ह! सकी , उ स
दुरे" चौंले जी ओ। बहुतं दुरे"!"
इस क्षाण, उस शांHचौं लेया जी की इच्छे व्य की और मझे स सह यातं म Dगे। म निसकी तं वों की की रेण वोंह शां रे रिरेकी
रू स बहुतं दुब ले4 ह! चौंकी था। म 1 उसकी ह था कीड़ाकीरे सह यातं की। मझे महस"स हुआ फिकी उसकी म Dसम तं अन्या ले!गे

इस रे असहमनितं जीतं ई, ले फिकी मझेकी!ई भया हA था।

लेHट रे, जीस ह वोंह निबस्तंरे रे बठ , वोंह ज़ी!रे-ज़ी!रे स निचौंCले लेगे। फि>रे वोंह कीठ!रे, अश्ले ले गे निलेया Dदु लेगे , जी!
इतं भद्दी थाA फिकी सरेले जीस भद्र मनिहले की निलेए कीC स रे थाA।
इस ब रे, उसकी क्रं!ध मरे भ ई रे था। उसकी तंफिकीए की चौं रेखो भगेवोंद्गी तं उस क्रं!निधतं कीरे फिदुया था। मरे भ ई
उस सह यातं की उद्दी श्या स वोंह D छे फिदुया था , ले फिकी उसकी प्रनितंफिक्रंया भया की था। स् तंकी तं रे तं ब हरे >(की ड़ा
की छे मह तंकी सरेले रे" तंरेह इस रेहस्यामया शांनि की प्रभ वों म (रेह। कीभ -कीभ वोंह अ स म न्या अवोंस्था म (लेHट
आतं , ले फिकी अनिधकीतंरे समया वोंह 'वोंशां कीरेण' की निस्थानितं म (ह रेहतं। ले!गे उस दुवों की तंरेह दुखो आतं , उसस सले ह
ले तं, और जीब वोंह चौं हतं , तंब ह उरे दुतं । जीब वोंह स म न्या ह!तं , तं! स्ना कीरेतं , की ड़ा बदुलेतं और स म न्या रू स
भ!जी कीरेतं। म 1उसकी स जी तं , और वोंह मरे ह था कीड़ाकीरे अ 'रे!गे' की ब रे म (ब तं कीरेतं।

एकी ब रे म 1 स हस कीरेकी उसस छेकी"की उसकी निलेए सबस अच्छे उ चौं रे क्या ह!गे।

"तं म ह उ चौं रे ह!," उस आश्चयाजी4 की उरे फिदुया।

"ले फिकी तं म मझे रे निवोंश्व स हA कीरे!गे, " उस हCकी मस् की की स था कीह , और फि>रे भ वोंकी ह!कीरे ब!ले , "ओह, तं म
फिकीतं प्या रे ह!!"
म 1इतं चौंफिकीतं था फिकी की छे कीह हA सकी , ले फिकी म 1आजी भ उसकी आDखो म (उस ज्वों ले की! या दु कीरे सकीतं हूँ।D

अ रे ध औरे दुडी

म 1 अ   भगेवों -वोंस्त्रध रे दुवों   स   रे मशां 4फिकीया । स्वों भ निवोंकी रू स, उन्ह (इस म मले की जी की रे था । वों उस रिरेवों रे की! भ जी तं थाA।

"श्रे दु स एकी श्रेद्ध ले आत्म था, " उन्ह   समझे या । "वों तं त्र की अभ्या स कीरे   की इच्छे की था। उन्ह   गेढ़" स ध ओं म (ह था आज़ीम या , ले फिकी उ की   स की!ई गेरु   हA था ,   ह   या 4ग्र प्रनिशांक्षाण। स्वों भ निवोंकी रू स, वों उ शांनि या की निशांकी रे गेए, जी! ऐस म ध्याम की तंले शां म (रेहतं ह 1तं फिकी वों अ   की रिटले या!जी ओं की! अ जी म दु सकी(। याह दुभ 4ग्या ण"4 ह, " उन्ह   ध रे स कीह । "बहुतं दुभ 4ग्या ण"4।"
"क्या इतं   दुभ 4ग्या ण"4 ह? " म 1 छे" । "श्रे दु स एकी अच्छे औरे सखो   व्यनि था। वों शां नितं स जी   चौं हतं था। उ की मशां भ अच्छे था । अगेरे उन्ह   की छे गेलेनितंया DकीĐ, तं! म Dकी! उन्ह (औरे उ की   रिरेवों रे की! इस तंरेह दुनि डीतं कीरे   की की!ई आवोंश्याकीतं   हA था । उन्ह (उ की रेक्षा कीरे   चौं निहए था ।"

"म Dकी निलेए   तं! की!ई रे स्की रे ह औरे   ह की!ई दुडी ," उन्ह   समझे या औरे आगे कीह , "वोंह तं मस, मझे स, की   औरे मक्खो स सम   प्रम कीरेतं ह।1 वोंह उस ब घ स भ प्रम कीरेतं ह 1जी! निहरेण की निशांकी रे कीरेतं ह, औरे निहरेण स भ । उन्ह रे वोंण स उतं   ह प्रम फिकीया निजीतं   रे म स। जीब याशां!दु   ब लेकी कीMष्ण की! दुनि डीतं फिकीया था , तंब भ क्या उ की प्रम तंनि की भ कीम ह! गेया था ? उ की ले ले रेहस्यामया ह, निजीस भ दु   असभ वों ह। औरे हम याह नि निश्चतं रू स की स कीह सकीतं ह 1फिकी जी! की छे वों कीरे रेह ह,1 उसम (फिकीस की भले   हA ह! रेह ? उ की रेहस्या वों स्तंवों म (उलेझे हुए हA ह।1 बनि हम स्वोंया उन्ह (रेहस्या ब   दुतं ह।1 हम हरे चौं ज़ी की! अ   म की स म तं ह,1 जीबफिकी हम रे म की उ की म की स निभन्न ह।1 जीब हम फिकीस दुरे"स्था तं रे स प्रकी शां की गेनितं की! म तं ह,1 तं! हम वोंह   म   हA अ   तं जी! Å   की गेनितं म   की निलेए कीरेतं ह,1 या क्या कीरेतं ह?1 वोंह समस्तं दुश्Mया औरे अदुश्Mया जीगेतं की म -Dशांनि ह।1 उ की म की, उ की तंरे की , उ तंकी4 हम रे स निमतं गेण -क्षा त्र स ब हरे ह।1"

"उ की म की तंकी हुचौंD   चौं हतं ह!? तं! उन्ह (खो!जी!, अ   भ तंरे उ स निमले!। तंब तं म्ह (तं चौंले गे फिकी वों इस तंथा कीनिथातं वों स्तंनिवोंकीतं स कीहA अनिधकी वों स्तंनिवोंकी ह,1 तं म्ह रे तंकी4 स कीहA अनिधकी तंकी4सगे तं ह।1 अनिधकी श समझे म (अस>ले रेहतं ह,1 वों स्तंवों म (हम रे अ   म निसकी उलेझे   की प्रनितंलिंबब ह!तं ह।1 याह हम रे तंकी4-शांनि की स म ओं की! स्वों की रे कीरे   की एकी प्रम ण ह। हम नित्र-आया म तंकी4 की! उ घट ओं रे ले गे "कीरे   की गेलेतं कीरेतं ह,1 जी! निभन्न आया म म (घरिटतं ह!तं ह।1 रेहस्या वोंहA स शां रू ह!तं ह, जीह D तंकी4 सम प्त ह! जी तं ह। तंकी4 की अ तं ह!तं ह , हम उ बच्ची की तंरेह रे! लेगेतं ह,1 निजीस अ   रे गे   गेदु(खो! फिदुया ह। गेदु(वोंह D ह— वोंह महस"स कीरेतं ह— रे तं याह वोंह D हA ह— वोंह उस छे" हA सकीतं । याह तंकी4 की निवोंले   ह, निजीस हम 'रेहस्या' कीहतं ह।1"

"स्वोंया की प्रकी शां स ह म Dकी म गे 4प्रकीट ह! सकीतं ह।1 फि>रे हम उ की 'ले ले ओं' की! सले झे   की निलेए इतं   तंकी4बनि द्ध लेगे ए? उ की स म   झे की!, उ स प्रम औरे कीM   म Dगे!। की वोंले वों ह अच्छे औरे बरे   की   रेम रेहस्या की! जी तं ह।1"
"ले फिकी सबस   निवोंत्र हृदुया भ , याफिदु कीतं4व्य की गेलेतं व्य ख्या कीरे ले , तं! अ   श्रेद्धया निप्रया की! r कीरे सकीतं ह— जीस 4रे जी की अत्यातं वों> दु रे बदु रे। तं म याह कीथा जी तं ह ह!। वोंह प्रनिशांनिक्षातं बदु रे रे जी की   Aदु की रेक्षा की निलेए तं   तं था । जीब एकी मक्खो ब रे-ब रे रे जी की! रे शां   कीरे   लेगे , तं! वों> दु रे म (अ ध उस बदु रे   मक्खो की! म रे की निलेए तंलेवों रे चौंले दु —औरे रे जी की निसरे धड़ा स अलेगे कीरे फिदुया !"

मखो"

"याह Dतंकी फिकी सबस ध र्पिमकी व्यनि भ गेलेतं फिदुशां कीड़ा सकीतं ह।1 अ की शांनि या D तंत् रे रेहतं ह,1 जी! भ की! भटकी की प्रया स कीरेतं ह।1 इस की रेण, आध्या नित्मकी म गे 4म (भ गेरु औरे म गेदु4शां4की की चौं वों अत्यातं स वोंध वों"की4 कीरे चौं निहए। श्रे दु स आत्ममग् ध स धकी था, जी! अ रेहस्या की! स्वोंया तंकी ह स निमतं रेखोतं था, औरे अन्या अ भ वों म गेदु4शां4की स कीभ रे मशां 4 हA ले तं था। इस की रेण उन्ह (याह ड़ा झे ले ड़ा । अब, जीब वों सक्ष्"म ले!की म (भ अस>ले ह! चौंकी ह,1 तं! उन्ह (कीठ!रे या तं ओं की स म कीरे ड़ा रेह ह। मझे सरेले औरे उसकी त्र की ई की लिंचौंतं ह! रेह ह। "

"तं! फि>रे उ की सह यातं क्या हA कीरेतं? " मरे शांब्दु स्वोंतंo ह >"ट ड़ा , औरे मरे आवों ज़ी रे मरे की!ई

नि यात्र ण हA

रेह ।

उन्ह मरे ओरे दुखो , औरे हCकी स मस् की रे तं हुए बस इतं कीह फिकी 'की छे फिकीया जी चौं निहए'। औरे

फि>रे, उ की चौंह रे

रे एकी दु निप्तम मस् की निबखोरे गेई।

ओनिबया सत्र

जीब वोंह सरेले की घरे हचौंD , तं! उस दुखो फिकी हले स ह एकी सन् या स -ओझे (ओनिबया - रु र्षों) सरेले रे स हट की तं या रे कीरे रेह था । हम सभ इस प्रफिक्रया की! ध्या सेहदुखो। भ"तं-प्रभ वों

वोंह ओझे एकी भ रे -भरेकीम, अधड़ा उम्र की रु र्षों था । याफिदु वोंजी स उ चौं रे सभ वों ह!तं , तं! वोंह नि स्सदु ह सवों4श्रेष्ठों सम ध ह!तं । उसकी तं ज़ी चौंमकीतं आDखो , निसरे रे ऊDचौं ई तंकी गेथा हुए ब ले औरे शांरे रे रे निले ट असख् या म!नितंया की माले औंहतं! ऩकी फिकीस भ शांब्दुकी!शां म (दुजी 4सबस प्रभ वोंशां ले स धकी लेगे सकीतं था । उसकी जी अस् r औरे एकी प्रकी रे की अव्यवोंनिस्थातं स्वोंरे म (उच्चीरिरेतं ह! रेह था। इसकी नि रेथाकी4तं की ब वोंजीदु", उ निस्थातं ले!गे उसकी प्रभ वों गेए था।

फि>रे उस घ!र्षोंण की फिकी याह आत्म अत्यातं शांनि शां ले ह औरे याफिदु फिकीस भ प्रकी रे की त्र रिट हुई, तं! उसकी रिरेण म उसकी अ जी वों औरे सरे क्षा की निलेए घ तंकी निसद्ध ह! सकीतं ह। इस म मले म (वोंह अ तंतंo सह स निबतं हुआ। उस श्रेष्ठों भ!जी औरे उम वोंस्त्र की म Dगे की , औरे जीब या ले ए गेए, तं! उस अ अ छ्ठों आरे भ फिकीए।

उस कीई ले!गे की! सरेले की! कीड़ा औरे उस नि यानि त्रतं रेखो की आदुशां फिदुया । याह फिकीया गेया , औरे फि>रे अ छ्ठों प्र रे भ हुआ। रे!गे औरे ओझे दु! एकी वोंतंM की भ तंरे बठ था। रे!गे की आचौंरेण अत्यातं शां ले था , लेगेभगे निवों म्र। ओझे अ गेढ़" मत्र की उच्ची रेण कीरे रेह था । इस ब चौं, कीमरे म (ध" औरे जीड़ा -बरि"टया की जीले स ध आ भरे गेया था ।

सब की छे सचौं रू रू स चौंले रेह था , निसवों या इस तं वों की फिकी सरेले की! अध 4ग्र अवोंस्था म (बठ या गेया था । एकी प्रनितंनिष्ठोंतं रिरेवों रे की निलेए याह निस्थानितं असहजी था , ले फिकी की!ई भ हस्तंक्षा कीरे की स हस हA कीरे सकी । अलेHफिकी घट ओं की अस् rतं अस म न्या सनिहष्णतं औरे क्षाम की म Dगे कीरेतं ह। म ष्या प्र याo भया औरे ड़ा की की रेण श्रेद्ध ले ब तं ह। की वोंले की छे ह ले!गे ऐस ह!तं ह,1 निजी की स्वों भ निवोंकी भनि उ की चौं रे ओरे फिदुव्यतं की प्रस रे कीरेतं ह। ऐस ह व्यनि सतं , अवोंतं रे औरे दुह ध रे दुवों तं म जी तं ह।1

रिरेवों रे की लेगेभगे Dचौं सदुस्या की अनितंरिरे , हम दु! ह ब हरे व्यनि था। चौंफि"Dकी भगेवों -वोंस्त्रध रे दुवों की उच्ची सम्म था , मरे उ निस्थानितं की! भ चौं चौं सह कीरे निलेया गेया ।

इस ब चौं, सरेले की शांरे रे अत्यानिधकी स स तंरेबतंरे ह! गेया , औरे वोंह अ शांरे रे रे ड़ा हCकी की ड़ा की! खोAचौं लेगे । शां ग्र ह , उस जी! तंले वोंस्त्र ह था , वोंह रे" तंरेह हट गेया , ले फिकी चौंफि"Dकी वोंह ठ की बले ले ट था , इसनिलेए वोंह वोंस्त्र अब उसकी चौं की चौं दुरे की निहस्स ब गेया था ।

अब उसकी शांरे रे ण"4तंo ग्र था , औरे ओझे एकी जीले- त्र स उस रे डी लेकीरे उस स्ना कीरे की प्रफिक्रंया शां रू की । एकी निवोंशां ले तं ब की घड़ा स भरे हुआ स रेखो था ।
अचौं की, सरेले उछेलेकीरे खोड़ा ह! गेई औरे उस बड़ा तं ब की त्र की! दु! ह था स कीड़ाकीरे अ निसरे की ऊ रे उठ निलेया । फि>रे वोंह ब लेकी की ओरे दुHड़ा औरे रे" त्र की!, उसकी भ तंरे की सनिहतं, आDगे म (>(की फिदुया । याह सब की इतं तं त्र गेनितं स हुआ फिकी हम अवों कीं रेह गेए, निवोंशांर्षो रू स याह दुखो तं हुए फिकी इस की या 4म (अस ध रेण बले की आवोंश्याकीतं था ।
इस ब चौं, जीब उस जीले- त्र उठ या औरे उस चौं >(की , तंब उस ओझे की! इतं ज़ी!रे स ले तं म रे फिकी वोंह भ रे - भरेकीम आदुम हवों म (उड़ातं हुआ >शां 4 रे जी निगेरे । उसकी ह था > ले गेए, औरे उसकी चौंह रे स ध त्थारे की ज़ीम स टकीरे या । उसकी की स रे बह लेगे ।

अब सरेले , जी! फिकी रे" तंरेह ग्र था औरे उन्म लेगे रेह था , अ शांब्दु की बHछे रे कीरे लेगे । उसकी गे निलेया Dइतं भद्दी औरे उच्छेM खोले थाA फिकी हम रे निलेए निवोंश्व स कीरे कीरिठ था फिकी याह वोंह सरेले था , जी! अ शां ले तं औरे मध रे वों ण की निलेए जी जी तं था । वोंह एकी अजी ब, भ रे , लेगेभगे रु र्षों जीस आवों ज़ी म (निचौंCले रेह था , जी! श्रे दु स की आवों ज़ी जीस प्रतं तं ह!तं था ।
रे" अ छों अव्यवोंनिस्थातं ह! चौंकी था । उस >शां 4 रे निगेरे ओझे की ब ले कीड़ा निलेए औरे उसकी गेले की! इतं कीसकीरे दुब लेगे फिकी उसकी मह D स झे गे नि कीले लेगे । उस हम रे भ शां औरे धमफिकीया Dबरेस ईं फिकी हम इस 'ठगे' की! बले कीरे उस शांनि स टकीरे की दुस् स हस फिकीया , निजीसस हमम(स की!ई भ स म कीरे की निहम्मतं हA रेखोतं था ।

इस क्षाण भगेवों -वोंस्त्रध रे दुवों चौं चौं , निब फिकीस शां!रे-शांरे ब की , इस अरे जीकीतं की ब चौं प्रवों शां कीरे गेईं।

उन्ह शां तं, दुढM भ वों स सरेले की ह था कीड़ा औरे उसस उस तंरेह ब तं कीरे लेगेA, जीस वों मतंM दु स स कीरे रेह ह ।

"ब!ले!, दु स भ ई," उन्ह कीह , निजीसस सभ स सकी(, "तं म इतं व्यनिथातं क्या ह!? हम (क्या कीरे चौं निहए फिकी तं म्ह (इस फिकीया जी सकी ? हम तं म्ह रे सह यातं कीरे चौं हतं ह,1 ले फिकी हम (तं हA फिकी की स कीरे(। तं म्ह (इस तंरेह निड़ातं ह! की की!ई आवोंश्याकीतं हA, औरे दुस"रे की! भ ड़ा दु की की!ई ज़ीरूरेतं हA। तं म कीभ ऐस कीरे स दु हA फिकीया । तं म अ आस स की ले!गे की प्रनितं हमशां दुया ले रेह ह!। तं म इतं क्रं!निधतं क्या ह! गेए फिकी तं म्ह (
रे निवोंश्व स कीरे!। अ
भया की निस्थानितं स म

उस स्त्र रे याह निवों नि डी ले ड़ा , निजीस तं म इतं प्रम फिकीया था ? अब भरे!स कीरे!, मझे ड़ा बतं ओ, औरे हम (सम ध सझे ओ।"
उ की शांब्दु जी दु "की की म फिकीया ।

"इस ध"तं4की! तं रे तं याह Dस नि की ले!," 'दु स' म Dगे की ।

औरे नि oसदु ह , भयाभ तं ओझे की! वोंह D स भ गे ड़ा ।

शां घ्र ह , सरेले की! शां नितं निमले औरे वोंह जीस अत्यानिधकी थाकी वोंट की की रेण बह !शां ह!कीरे निगेरे ड़ा । भगेवों -वोंस्त्रध रे दुवों की सकी तं रे सभ ले!गे चौंले गेए।

म 1भ जी ह वों ले था , जीब उन्ह मझे रे!की निलेया औरे अ स सह याकी की रू म (रेह की! कीह ।

उन्ह मझे स

गे यात्र सब की जी कीरे की निलेए कीह । फि>रे ध रे -ध रे उन्ह H दु की एकी चौंक्रं ब या औरे सरेले की!

ध्या वों"की4

सखोस म (बठ थाA। ह ले Dफिकी उ की रे दुरे" था, फि>रे भ उन्ह ध्या वों"की4 सरेले की रे की! अनिग्र-चौंक्रं की भ तंरे रेखो । >शां 4 रे स ध निलंट फिदुया । अब उसकी शांरे रे स ध धरेतं की! स् शां4 कीरे रेह था । उ की निसरे दुवों की गे!दु म

म 1लेगे तं रे मब !च्ची रे कीरे रेह था औरे अनिग्र-की डी म (औषोंनिधया Dडी ले रेह था । ध रे -ध रे सरेले जी वों की सकी तं दु लेगे

(रिटकी था , जी!

दुवों अब उस उCट कीरे फिदुया औरे फि>रे उसकी स्वों निधष्ठों चौंक्रं रे बठ गेईं। उन्ह ध रे -ध रे दुब वों बढ़ या , जीब तंकी फिकी सरेले कीरे ह हA उठ । तंभ उसकी शांरे रे स रे की तंले ध रे बह नि कीले —उसकी म निसकी धम 4फि>रे स प्र रे भ ह! गेया । अ तंतंo, उसकी चौंतं लेHट आई। वोंह o अ मले" स्वोंरू म (लेHट आई था ।

की > समया ब दु, उस रु षों स्वोंरे म (कीह , "मझेमरे रे वोंस्त्र चौं निहए... वोंह D, वोंह D... अलेम रे म.(.. निब अ नितंम सस् की रे की श्रे द्ध हA ह! सकीतं ... हले मरे दु ह-सस् की रे कीरे!।"
"जी ओ औरे अ वोंस्त्र स्वोंया खो!जी!," भगेवों -वोंस्त्रध रे दुवों आदुशां फिदुया ।

सरेले उठ , अलेम रे की ओरे गेई औरे वोंह की ड़ा नि की लेकीरे ले ई, जी! हले गेगे की फिकी रे छे!ड़ा गेया था ।

भगेवों -वोंस्त्रध रे दुवों सरेले की! अ गे!दु म (बठ निलेया , जीस की!ई म तं अ मतंM सतं की! सभ लेतं ह। जीट ए D अब स्वोंतंo ह सले झे लेगेA।
अनिग्र जीले रेह था । वोंह की ड़ा अनिग्र म (डी ले गेया , औरे जीस ह वोंह जीलेकीरे भस्म हुआ, सरेले फि>रे स बह !शां ह! गेई।
भगेवों -वोंस्त्रध रे दुवों अब ध रे -ध रे उस उसकी अ वोंस्त्र म (ले ट फिदुया ।

म 1 सरेले स एकी प्रश्न छे"चौं ह , ले फिकी म 1 उस कीभ हA। वोंह क्षाण फिकीस भ प्रश्न स रे था ।

कीनिब्रास्तं म(जी गे "

म 1 ब रे-ब रे भगेवों -वोंस्त्रध रे दुवों स इस घट की रेहस्या की ब रे म (छे" । औरे हरे ब रे उन्ह की वोंले एकी ह ब तं दु!हरे ई—"तं त्र की दु! क्षा ह!तं ह।1 एकी भनिवोंष्या की ओरे दुखो तं ह। अतं तं की ब रे म (स!चौं समया औरे जी वों की ध रे की
निवोंरुद्ध जी ह; याह प्रगेनितं की! रे!कीतं ह औरे समया की! प्रतं क्षा म (डी ले दुतं ह। समया निवों रे तं शांनि या की टकीरे वों स
निड़ातं ह!तं ह। याह हमशां अतं तं स भनिवोंष्या की ओरे बहतं ह। वोंतं4म की जीन्म ह!तं ह अतं तं सम त्त ह! जी तं ह, औरे स्वोंया वोंतं4म भ उस क्षाण r ह! जी तं ह, जीब वोंह जीन्म ले तं ह। वों स्तंवों म (वोंतं4म जीस की!ई चौं ज़ी हA ह!तं । याह
एकी भ्रम ह— एकी ऐस ठहरे वों, निजीसस हम अतं तं औरे भनिवोंष्या की! दुखो सकीतं ह,1 ले फिकी याह ठहरे वों भ की वोंले एकी
आभ स लिंबदु म त्र ह, जी! वों स्तंवों म (मHजीदु" ह हA। वोंतं4म की वोंले एकी अ म ह। "

"तं त्रे एकी मह निशांक्षा ह, जी! अहकी रेह तं की औरे ले जी तं ह। याह शांनि की वोंह भ डी रे ह, निजीसकी

उ या!गे की वोंले
भनिवोंष्या की! भले ई की निलेए फिकीया जी चौं निहए। दु स इस रे की या 4 हA फिकीया । वोंह अतं तं म (उलेझे रेह । हम रे शांत्र

अतं तं म (ह!तं ह।1 निजीतं हम उ की ब रे म (स!चौंतं ह,1 उतं ह वों हम रे ह वों ह!तं जी तं ह।1 अतं तं की स्मनिMतंया Dवोंतं4म
की ऊजी 4 रे लेतं ह।1 अतं तं की! अतं तं म (ह छे!ड़ा दु चौं निहए।"

"भनिवोंष्या की ओरे निजीया!। भनिवोंष्या की निलेए स!चौं!, औरे भनिवोंष्या की निलेए की या 4कीरे!। वोंहA उन्ननितं ह, वोंहA आ दु ह
भनिवोंष्या म (ह। अतं तं मतंM ह। भनिवोंष्या आशां ह; अतं तं नि रे शां ह। अतं तं म (आ दु ले वोंस ह ह, जीस निचौंतं की रे!श
म (Mत्या कीरे । कीनिब्रास्तं म (जीगे ओं की छे कीरे की की!ई ले भ हA। जी वों अतं तं की कीब्रा स ब हरे रेहतं ह। अतं तं
म (बध रेह स की वोंले जीड़ातं , मखो"तं4 औरे व्यथातं4 ह प्र स्र ह!तं ह। "
"याह गेलेतं दु स की स ध म (था । उस शां नितं निमले , फिदुशां । वोंह गेलेतं म गे 4 रे चौंले गेया । उसकी अतं तं की
शांनि या D इतं प्रबले थाA फिकी वों उस निवोंस्ममनितं की गेहरे अ धकी रे म (खोAचौं ले गेईं। औरे वोंह D स की!ई वों स हA ह!त
"याफिदु सरेले अ भनिवोंष्या की! खो!जी ले तं ह, तं! दु स अ अतं तं म (निवोंले ह! जी एगे । अतं तं औरे भनिवोंष्या की! कीभ
निमले या हA जी सकीतं । की!ई भ प्रया स जी! इस फिदुशां म (फिकीया जी एगे , की वोंले भ्रम औरे अशां नि तं की! जीन्म दुगे , जीस

तं म अभ दुखो।"

"ध रे एD एकी ह फिदुशां म (बहतं ह,1 निजीसस जीले शां द्ध ब रेहतं ह। याह की रेण ह फिकी जीब म ले रे जी फिकीया जी तं ह
उस एकी नि निश्चतं लिंबदु स दुस"रे लिंबदु तंकी ले जी या जी तं ह; कीभ भ निवों रे तं फिदुशां म (हA। याफिदु इस प्रफिक्रंया की!
फिकीया जी ए, तं! कीr अ रिरेह या 4ह! जी तं ह। समयाप्रवोहिह। कीभ भ समया की स्वोंतं त्रतं म (ब ध मतं डी ले!;
क्या फिकी याह सभ वों हA ह। औरे याफिदु तं म इस रे!की की चौंr कीरे!गे, तं! स्वोंया r ह! जी ओगे। तं म भ्रनिमतं ह! सकीतं ह!।"
"तं त्र, निजीस म 1तं म्ह रे म म (स्था नि तं कीरे की प्रया स कीरे रेह हूँ,D तं म्ह (एकी या म ष्या ब एगे —एकी जीन्4म व्यनि ,
एकी निद्वीजी (दुस"रे ब रे जीन्म , एकी आत्मब!ध प्र स्र ब्रा ह्मण)। वों की वोंले सकी रे त्मकीतं म (ह प्रवोंM ह!तं ह—1भनिवोंष्या औरे
उन्ननितं की ओरे। मझे स जीड़ा रेह!। भनिवोंष्या स जीड़ा रेह!। सरेले अब एकी म स्त्र ह। "

ज्ञा की सभ स्त्रो!तं म (स भगेवों -वोंस्त्रध रे दुवों की! निजीज्ञा स औरे गे शां सबस अनिधकी अरुनिचौंकीरे लेगेतं था । सरेले
अ रे" आया 81 वोंर्षों4तंकी ण"4तं की स था जी , अ !तं- !नितंया स निघरे हुई। याह घट 45 वोंर्षों4 वों" 4की था ।
ब दु की वोंर्षों' म (म 1 इ घट ओं की! ब रे-ब रे स्मरेण कीरे की प्रया स फिकीया । भHनितंकीवों दु अ तंकी' की कीठ!रेतं म (>Dस
रेहतं ह 1औरे ऐस तंथ्या की! म की निलेए अ अ भ "नितंया की! ह प्रम ण म तं ह,1 जी! उ की तंकी4 की स म ओं स रे ह!तं
ह।1 स्वों भ निवोंकी रू स, वों मले" रेहस्या की! कीभ हA सले झे तं। वों ऐस घट ओं की! 'म !वों ज्ञा नि की प्रनितंफिक्रंया ए'D कीह

व्य ख्या नियातं कीरेतं ह।1 सवों कीम्झे सकीतं ह 1फिकी जी! की छे, मवोंह दुखो तं! मरे कीC था , या भ्रम, या स ध छेले वों ।

ले फिकी म 1याह नि निश्चतं रू स जी तं हूँ Dफिकी ऐस हA था । याह घट घट था , औरे म 1 इस प्रत्याक्षा दुखो था । याह अ भ वों
उतं ह वों स्तंनिवोंकी था निजीतं फिकी वोंह ट इ रे इटरे निजीस म 1उ या!गे कीरे रेह हूँ,D वोंह शांट4 निजीस म 1 ह रेह हूँ,D वोंह
जी! दु वों रे रे लेटकी ह, वोंह निबCले जी! भ!जी की निलेए निगेड़ानिगेड़ा रेह ह, या वोंह रेस!ई निजीसम (स भ!जी की सगे ध आ
रेह ह। इस की रे उस शां तंरे मगे 4वोंअस!गे मज्ञी! अ निसरे की! ब ले "म (गे ड़ाकीरे याह स!चौंतं ह फिकी खोतंरे टले
गेया । ले फिकी इस समझे की प्रया स कीरे स्वोंया की! नि रे शां की ओरे धकी ले जीस ह!गे ।

हम रे म की इकी इया D की वोंले तं -आया म दुनि या म (की या 4कीरे की निलेए ब ई गेई ह।1 ले फिकी एकी चौंHथा , Dचौंवों
औरे इस प्रकी रे स तंवों D भ ह। ह ,D याह सत्या ह। स्वोंगे 4औरे थ्Mवों की ब चौं ऐस चौं जी (ह,1 ह!रे निशांया!, निजीन्ह (स्वों की

बनि द्धम ह, औरे उ की स था एकी स्वोंस्था सचौं रे स्था नि तं कीरे की प्रया स कीरे ह निवोंवोंकी ह। या शांनि या D मख् या रू
सह याकी औरे दुया ले ह!तं ह—1क्षाम शां ले, म > कीरे वों ले औरे उदु रे।

"गेहMस्था जी वों म (कीई अ छों ह!तं ह 1" भगेवों -वोंस्त्रध रे दुवों एकी ब रे मझे
स कीह था। "तं म्ह रे नि तं तं म्ह (उ निवोंनिधया
की ब रे म (बतं एDगे, जी! तंब की जी तं ह 1जीब घरे ब ए जी तं ह,1 हरे(औरे तं ले ब खो!दु जी तं ह,1 वोंक्षाM की ट जी तं ह,1
ब ई जी तं ह, निवोंवों ह स न्न ह!तं ह,1 ब जी ब!ए जी तं ह,1 औरे वोंजी तं निशांशां की दुखो भ ले की जी तं ह। इ अलेHफिकीकी
शांनि या की! आह्वों फिकीया जी तं ह, उ स सवों दु स्था नि तं फिकीया जी तं ह, औरे उन्ह (इ म वों या प्रया स म (अ कीM
दु की निलेए प्ररि रेतं फिकीया जी तं ह, क्या फिकी इ गेनितंनिवोंनिधया स स्वोंतंo ह उ की शां नितं भ गे ह!तं ह। "

ब दु की वोंर्षों' म (मझे एहस स हुआ फिकी वों फिकीतं सह थाA।

आध्या नित्मकी इनितंह स की आफिदुकी ले भ!रे स ह म ष्या हरे सभ वों म ध्याम स अलेHफिकीकी सस रे स स की4 स्था नि तं कीरे
की प्रया स फिकीया ह। निजी दुवों तं ओं औरे फिदुव्य शांनि या की हम कीC कीरेतं ह 1औरे निजी की हम आरे ध कीरेतं ह,1 वों
हम रे उस चौतं चौंr की उ जी ह,1 जी! हम (अज्ञा तं ले!की की नि कीट ले की फिदुशां म (की जी तं रेह ह। हम इ शांनि या की!
अ जी वों -प्रफिक्रंया ओं की! प्रभ निवोंतं कीरे , नि यानि त्रतं कीरे औरे सचौं निलेतं कीरे वों ले म तं ह,1 भले ह या शांनि या D म
रू स अदुश्Mया ह। क्या जी वों वों स्तंवों म (दुश्Mया औरे अदुश्Mया की ब चौं > ले हुआ एकी सदु ह स् दु ज्ञा की अस्था या निवों
हA ह?
आध नि की 'वोंज्ञा नि की' स!चौं इस क्षा त्र की! चौं Hतं दु ह औरे इस निवोंर्षोंया की! समझे की निलेए की छे तंकी4सगे तं आध रे खो!
की प्रया स फिकीया ह, इस प्रकी रे 'हवों म (गेजी"Dतं कीC ओं की! एकी ठा!स रिठकी औरे एकी म प्रदु फिकीया ह। ' इस क्षा त्र म
रुनिचौं रेखो वों ले की निलेए नि म्ननिलेनिखोतं निवोंद्वी उ या!गे निसद्ध ह! सकीतं ह:1 ए. ओस्Å(डीरे, ए. इवों !वों, ओ. बगे ले, डीब्
की रिंरेगेट , ए. डीनि वोंडी- ले, ए>. एडीवोंड्स,4 ई. गेरे ट, ए. इवों!वों, एम. . रे व्स, जी. ब . रे इ आफिदु। उ की प्रकी निशांतं
कीMनितंया Dहम (एकी अज्ञाया क्षा त्र म (प्रवों शां कीरे की अवोंसरे दुतं ह।1 उ की निवोंचौं रे स रे!चौंकी ह, निवोंशांर्षों रू स
अवोंध रेण ओं की सदु भ 4म,(निजीन्ह (आमतंHरे रे सदु ह औरे अज्ञा वोंशां अस्वों की रे कीरे फिदुया जी तं ह, औरे जी! अर्पिजीतं ज्ञा
प्रनितं एकी प्रकी रे की सकी ण4 निवोंश्व स-ध रेण स उत् न्न ह!तं ह।1 उ की मतं ह फिकी अब समया आ गेया ह फिकी हम अलेHफिकी
की! ले कीरे अ तंथा कीनिथातं स्वों कीMतं अवोंध रेण ओं की o जी Dचौं कीरे(।
हम (याह सदुवों स्मरेण रेखो चौं निहए फिकी तं त्र एकी प्रम निणतं निवोंज्ञा की भ Dनितं व्य वोंह रिरेकी अ भ वों, प्रत्याक्षा व्यनि गेतं
स ध औरे अभ्या स की म Dगे कीरेतं ह। की वोंले सद्ध नितंकी चौंचौं 4ए Dतं त्र म (की!ई महत्वों हA रेखोतंA।
हम स्वोंया अ ह तंकी4 की श्रेखोM ले की की दु ह,1 औरे जीब याह तंकी4 आगे बढ़ या जी तं ह, तं! याह हम रे अहकी रे की ह
निवोंस्तं रे ब जी तं ह।
ले फिकी म 1 उस अ छों की दुHरे भगेवों -वोंस्त्रध रे दुवों की! एकी ण"4तंo निभन्न प्रकी शां म (दुखो । याह 'ओनिबया ' था , जी दु
ट! -ट!टकी था , सम्म था —जी! चौं ह कीह ले!। अलेHफिकीकी शांनि या द्वी रे फिकीए गेए फिकीस अ था4 की! ठ की कीरे की निले
उन्हA शांनि या की आह्वों कीरे उतं ह रे ह निजीतं फिकी ऋग्वोंदु म (शां oशां की कीथा या ह!मरे की इफि>जी नि या
बनिलेदु ।
क्या ?

रे!म औरे की थाजीÔ की इनितंह स म (असख् या म वों बनिलेदु की कीह नि या Dभरे ड़ा ह,1 उ सस् कीMनितंया की ब तं तं! छे!ड़ा ह दु (

निजीन्ह (यारे"! की निवोंस्तं रेवों दु निलेप्स निब अनिधकी निवोंचौं रे फिकीए r कीरे फिदुया । ले फिकी निससÂ, मडी "स , क्ले इट म स्Å , कीस द्र की ब रे म (क्या ?

याह Dतंकी फिकी या शां मस ह की निवोंत्र जी वों भ एकी म Dद्वी रे दुखो गेए त्र -बनिलेदु की गे था की स था प्रनितंस्था नि तं कीरे फिदुया गेया ।

याहूँदु , मनि स्लेम औरे ईस ई धम' म (अब भ इब्रा ह म, ईदु, औरे याकी"रिरेस्ट की गेजी"D स ई दुतं ह। बनिलेदु ,

निवोंशांर्षों कीरे रे -बनिलेदु , की प्र रे भ म वों-बनिलेदु की स था हुआ था , औरे इ अ छों की! प्रतं की त्मकी रू म (सहे निक्षतं रेखो गेया ह, जी! फिकीस फिकीस रू म (आजी भ रे सस् की रे की वों रे रे ओं की म ध्याम स जी निवोतं ह 1(दुखो (

वों ईएक्स सस् की रे)।

अ धकी रे की नि वों स

मरे अ छे!ट बह भ ऐस ह एकी 'अट की' की निशांकी रे हुई था । ले फिकी याह तंब हुआ जीब भगेवों -वोंस्त्रध रे दुवों अब

हम रे ब चौं हA थाA, कीम स कीम भHनितंकी रू म।(

ले फिकी म 1वोंह D था ; औरे म 1 निस्थानितं रे नि यात्र ण कीरे निलेया था । उसकी ब निलेया D बहुतं ले ब थाA,

औरे ह ले Dफिकी वोंह की वोंले 5

> ट 3 इ चौं की था , वोंह गे!ले-मट!ले, प्या रे औरे सबकी निप्रया था , निवोंशांर्षों रू स जीब वोंह म Dब ।

उसकी नितं एकी सरेले औरे की इ स था , जी! हमशां दुस"रे की मदुदु कीरेतं था । वोंह अ छे!ट भ ई की स था

अ

खो!शां खो!शां रेहतं था। उसकी सहजी सHम्यातं औरे मरे बह की अत्यातं निमले स रे प्रवोंMनि की की रेण, वों सभ एकी स था

घट तंब हुई जीब वोंह तं सरे ब रे गेभ4वोंतं था । वोंह घरे की तं सरे मनि ज़ीले रे अ कीमरे की स> ई कीरे रेह था । वोंह एकी खोले , स स जीगेह की ओरे दुखो रेह था , जीह D एकी रे म की ड़ा की चौं एकी मनि स्लेम सतं की कीब्रा था । उसकी स की छे औरे कीब्रा (भ निबखोरे हुई थाA, जीस फिकी अ म कीनिब्रास्तं म (आमतंHरे रे ह!तं ह।

बरेस तं की ब दु की सध् या की सदु रेतं म (वोंह इतं खो! गेई था फिकी अ जी म (ब लेकी की रे लिंलेगे स झे"ले गेई औरे शां यादु की शां खो स D उसकी प्रया स ले ले या कीरे रेह थाA। अ ले ब ब ले की! सहले तं हुए की!इ ध गे गे लेग। प्र चौं वोंक्षाM

औरे चौं की कीनिब्रास्तं गेभ रे औरे मH फिदुखो ई दु रेह था । सध् या —फिदु औरे रे तं की स म , म ष्या औरे प्रकीMनितं की स म —उस समया चौं गेई था , जीब एकी घरे औरे एकी कीनिब्रास्तं की स म रे एकी स्त्र अ ब ले सवों रे रेह था , निजीस एकी सतं की! जीन्म फिदुया था औरे दुस"रे की! जीन्म दु ब की था ।

तं त्र स ध म (सध् या की ले, सध् या भ र्षों , सनि ध- जी" अत्यातं महत्वों ण" 4म जी तं ह।1 याह वोंह समया ह!तं ह जीब समया की प्रवों ह की! सतं निलेतं कीरे की निलेए निवोंशांर्षों अ छों की आवोंश्याकीतं ह!तं ह। याह एकी वों तं वोंरेण स दुस"रे वों तं वोंरेण म कीरे की क्षाण ह!तं ह। या!गे इस समया निवोंशांर्षों सतंकी4 रेहतं ह।1 या सध् या की शांनि या D ह छे या ले!की की अनिधष्ठों त्र ह

सकी तं गेभ रे औरे अशांभ था— जीस भ ग्या की! चौं Hतं दु । ले फिकी वोंह अभ गे म Dइस निस्थानितं स रे" तंरेह अ जी था ।

अचौं की, फिकीस अज्ञा तं, निवोंध्वोंस की शांनि उस रे लिंलेगे की रे खोAचौं निलेया , औरे उसकी अचौंतं शांरे रे चौं >(की फिदुया गेया । ब दु म (उस सतं की कीब्रा रे ड़ा हुआ या गेया ।

मझे इस घट की तं लेगेभगे चौं रे फिदु ब दु चौंले । इस दुHरे वोंह् कीभ -कीभ ह!शां म (आतं , ले फिकी फि>रे

अ अजी ब,

अस् r शांब्दु म (खो! जी तं । ब रे-ब रे वोंह् अ जीवों , अ ले ब ब ले , अ नितं की प्रनितं प्रम औरे अ अजीन्म बच्ची

की ब तं (कीरेतं । ब रे-ब रे वोंह् रिरेवों रे की! कीब्रा की नि कीटतं की प्रनितं ले रेवों ह ह! की निलेए धमकी तं , औरे

आस स की

आत्म ओं की! हरे तंरेह की अ म जी की शांब्दु कीहतं । बचौं रे ! उस शां म की समया अ ब ले सवों रे औरे सतं की
सम निध

की शां तं स्था स दुरे" रेह म (था!ड़ा औरे स वोंध बरेतं चौं निहए था ।

चौं;की हुए रिरेजी कीई उ या खो!जी । डी²क्टरे लेगे तं रे उसकी उ चौं रे म (लेगे रेह। उस भ रे म त्र म (दुवों ओं

की प्रभ वों म (

गेहरे Aद स (रेखो गेया । ले फिकी उसकी बड़ाबड़ा हट फि>रे भ जी रे रेहतं , ह ले Dफिकी ध म ह! चौंकी था ।
इसकी मतलब था

फिकी उसकी मनिस्तंष्की अत्यानिधकी उ निजीतं अवोंस्था म (था , औरे फिकीस भ समया की!ई रे वों निहकी >ट सकीतं

था । सभ ले!गे

घबरे ए हुए था।

म 1घरे स दुरे" एकी स ध म (ले था , ले फिकी खोबरे(मझे तंकी हुचौंD रेह थाA। जीब निस्थानितं गेभ रे ह! गेई, तं!

ममरे जीनिसिंकीया कीवोंमिझेसनिलेएतिफिक्रिया कीनिब्रफिकी मारोवों -वोंत्रध रे दुवों स्वोंया मझे
म 1घरे आया । जीस ह म 1 उस दुखी , उस मझे रे प्रनितंफिक्रेया दु औरे शां नितं स मझे स दुरे" जी की निलेए
जी तं थाA। वोंह स्था सरेले की घरे की स निस्थातं था । म 1आजी भ भ रेतं औरे अ जीन्मस्था जी रे उस स्था की

कीह्न। कीहतंमझूँ।D ऐस ब तं कीरे

रेह था जीस म 1की!ई अजी ब था । म 1 उस छे आ तंकी हA। म 1कीनिब्रास्तं म (चौंले गेया ।
मझे कीभ भ जी कों की रे की आत्म ओं म (की!ई निवोंशषों रुनिचौं हA था । मरे नि.तं मझे निसखो या था फिकी वों सभ ह
वोंह D, म 1कीब्रा की ब चौं बठ गेया औरे स ध औरे भ कीरे दु । म 1अ स्था स तंब तंकी हA हट जीब तंकी फिकी
आशां वों दु4 दु औरे हम रे सह यातं कीरे की निलेए ह।1 वों की वोंले शां नितं चौं हतं ह 1औरे इतं ह फिकी उन्ह (इस शां नितं म (

मिदुया हजीरिए।

तंरेह ह!शां म (हA आ गेई। इसम् (मझे आठ फिदु स अनिधकी की समया लेगे गेया ।
अक्सरे हम अ स्वों था4 की निलेए उ की सह यातं प्र त्त कीरे की प्रया स कीरेतं ह,1 तं फिकी जी वों म (वों चौं जी (प्र त्त कीरे सकी(ज

वों स्वोंया छे!ड़ा चौंकी ह।1 हम उन्ह (उ की अ अनिस्तंत्वों म (शां नितं वों"की4 रेह हA दुतं ।

अक्सरे हम चौं हतं ह 1फिकी वों हम रे इच्छे स रे की या 4कीरे(, जी! उन्ह (स दु हA आतं , औरे इस प्रकी रे हम उ की शां नितं भ गे

कीरे दुतंह।1

उ की भ मडी" ह!तं ह।1 उ की अलेHफिकीकी प्रकीMनितं औरे उ की निस्थारेतं की! हम अ स स रिरेकी अनिस्तंत्वों की अनिस्थारेतं म
खोAचौं ले तं ह।1

ऐस दुरु या!गे की रिरेण मस्वोंरू वों लिंहसकी प्रनितंफिक्रंया दुतं ह 1औरे अ अनिस्तंत्वों प्रकीट कीरेतं ह—1आतं की औरे भया उत् द्
कीरेकी , कीभ -कीभ निवों शां की रू म (भ ।

हम (याह समझे चौं निहए फिकी जीब वों ऐस कीरे की निलेए ब ध्या ह!तं ह,1 तं! वों स्वोंया भ गेहरेतं व्हभा वों मिझी इच्छे की अशां तं ह!तं ह।1

इस म मले म (उत् न्न भया की! सतं ले म (ले या गेया , ले फिकी इसकी निलेए मझे चौंतं षोंनिr या!निगे मफि दुरे की उस गेम्र स्था रे जी ड़ा , जीह D भगेवों -वोंस्त्रध रे दुवों की उ निस्थानितं अब भ स् r रू स जी वोंतं था।

मझे वोंह D जी कीरे उ स रिरे !ट4 कीरे था , औरे अ बह की जी वों बचौं की निलेए उ की आभ रे व्य कीरे था।

रेले!की स वों तं ले4

मझे अलेHफिकीकी शांनि या की खो!जी म (निवोंशांर्षो रुनिचौं हA था। म 1जी तं था फिकी उन्ह (उ की ह् ले रे छे! ड़ा दु ह बह तंरे ह,

औरे याफिदु की छे कीरे ह ह, तं! बस उ भटकी हुई आत्म ओं की निलेए प्र था 4 कीरे ह सवों4श्रेष्ठों उ या ह। प्र था 4 स बढ़कीरे की छे हA। वोंदु म (ऐस आत्म ओं की! हचौं औरे उन्ह (सतं r कीरे की प्रम ण ह।1 रुद्र ध्या या की मत्र इस सत्या की! स् r कीरे दुतं ह।1 निवोंशांर्षो रू स अथावोंवों4दु इ शांनि या की प्रनितं अत्यातं जी गेरूकी ह। जीब म 1अ गेकी!रेवों ट की या त्र की दुHरे की ब!निडीया म (एकी या!निगे स निमले , तं! मरे ध रेण ए Dऔरे भ दुढ़M ह! गेई।

ले फिकी मरे ध्या की वोंले एकी लेक्ष्या रे की(फिद्रतं था —मझे उस शांनि की स्रो!तं तंकी हुचौंD था जी! आ दु प्रदु कीरेतं ह,

आ दु >ले तं ह, अनिस्तंत्वों की! आ दु स भरे दुतं ह, औरे जी वों की! प्रम एवों फिदुव्यतं की भ वों स प्ररि रेतं कीरेतं ह।

म 1याह भ जी तं था फिकी इस शांनि की! उसकी ण"4 मनिहम म (प्र प्त कीरे की निलेए एकी प्रनितंरू (alter ego) की सह यातं आवोंश्याकी ह। इस म मले म,(मरे प्र रे निभकी सHभ ग्या अच्छे था क्या फिकी भ ग्या मझे एकी सतं नि तं औरे एकी स्त्री हमयी भगेवों -वोंस्त्रध रे दुवों की आशां वों दु4 फिदुया था। ले फिकी मझे याह भ ज्ञा तं था फिकी मझे प्रकीMनितं, एकी प्रनितंरू , एकी की म रे चौं निहए था , जी! मझे प्ररे ण , दु क्षा , औरे अहकी रे की ण"4 सम ण4 की अ नितंम स ध की वोंरेदु दु सकी।

"निजीन्ह (आशां वों दु4 निमले ह, उन्ह (लिंचौंतं कीरे की क्या आवोंश्याकीतं ?" म 1 स!चौं। ले फिकी क्या इस तंरेह की स!चौं स्वोंया फिकीस निछे हुई लिंचौंतं की! प्रकीट हA कीरेतं ? था। याह रे भवों की गे! ले

ले फिकी अ जी म (ह याह बचौं कीहA दुजी 4ह! रेह था। औरे अनि वों या 4रू स, एकी फिदु इस निवोंर्षोया रे चौंचौं 4 निछेड़ा ह गेई।

चौंतं षोंनिr या!निगे मफि दुरे की स निशांवों मफि दुरे, जीह D हम या!गेवों निसछों की अध्याया फिकीया था , वोंह ध्या म (ले दुखोतं था। मरे स ध स्थाले ब चौंकी था। ले फिकी उसकी अले वों दु! औरे स्था मरे अत्यातं निप्रया ह! गेए था।

हले वोंह स्था जीह D म 1 भगेवों -वोंस्त्रध रे दुवों की कीM स शांवों-स ध की दुश्Mया दुखो तंत्र की दुनि या मफि दुरे की छे निस्थातं तं रे ठ था।

दुस"रे स्था मह सरेस्वोंतं की मफि दुरे था , जी! मरे स्वोंभ वों की अ की "ले अनिधकी था। याह Dगेगे की निवोंरे ट प्रवों ह फिकीले की

एकी ब रे उस मझे स याह Dकी गेHरेवोंशां ले अतं तं की ब तं की , जीब की शां रे शां की कीM स इ मफि दुरे की रेक्षा ह!तं था औरे याह स्था इतं स स हA था । ले फिकी अब वोंह यागे सम स्त ह! चौंकी था ।

"म Dकी रेHद्र शांनि की भया की प्रनिसनिद्ध ह उसकी ले!कीनिप्रयातं की निवोंरुद्ध की म कीरे गेई," उस कीह । "की!ई आश्चया 4 हA याह मह सरेस्वोंतं की मफि दुरे ह! "

"याफिदु तं म जी तं फिकी इसकी क्या अथा 4ह, तं! भ गे खोड़ा ह!तं , लेड़ाकी !" बद्ब" जी रे मझे

चौंतं या ।

"बजी गे,4 म 1कीभ हA भ गेगे"D ।"

"म "D तं! म Dह रेहगे , चौं ह वोंह फिकीतं भ निवोंकीरे ले क्या ह!। मझे

भया क्या लेगे? म 1 उस मह सरेस्वोंतं , वोंज्ञया!निगे
औरे श्वतं तं रे की रू म (दुखो ह। क्या वों सब एकी ह हA ह?1 नितंब्बतं की तं रे , २र्पिडीकी दुशां की श्वतं दुवों , बHद्ध की मजी श्रे , लिंशांतं! मतं की क्क या —क्या या सभ एकी ह शांनि हA ह?1"

मझे वोंह D शां नितं निमलेगे । की!ईनिमझें हA कीरे गे ।

फि>रे भ , म 1बचौं था । याह बचौं क्या था ?

म 1मफि दुरे स ब हरे आया , चौंHड़ा छेज्ज वों ले उद्या की! रे फिकीया औरे छेतं की क्क शां दु रे छे या म (खोड़ा ह! गेया , जीह D स गेगे की शां तं ध रे अधचौं4 द्र की रे तंटरे खो रे बह रेह था । की छे दुरे" रे, जीह D दु निश्चम की ओरे मड़ा तं था , वोंहA स उसकी उरे फिदुशां की या त्र शां रू ह!तं था ।

उस रे रे म गेरे की फिकीले अ भव्य स्वोंरू म (खोड़ा था । सध् या की समया था । छे!ट -छे!ट दुशां वों म (रिटमरिटम तं आगे जीले चौंकी था , जीह D मछे आरे अ स ध रेण भ!जी की! की म (लेगे था।
गेगे की निवोंशां ले प्रवों ह जी वों की! अ आलिंलेगे म (ब Dध रेह था औरे उस अस्था या स्वोंप्रमया व्य की! एकी शां श्वतंतं की छे या प्रदु कीरे रेह था ।
फिकी रे रे एकी वोंद्धM व्यनि अकी ले बठ की!ई गे तं गे रेह था ।

ले फिकी मरे भ तंरे शां नितं हA था । मरे म म (प्रश्न उमड़ा रेह था।

"म Dकी! अनिग्र, रे , की म, मफिदुरे औरे वों सभ वोंस्तं ए Dइतं निप्रया क्या ह,1 जी! भटकी की निलेए उ निजीतं कीरेतं ह 1औरे उ जी स भटकी वों उत् न्न ह!तं ह? "
मझे ध्या , तं स्या औरे सया म द्वी रे स्वोंया की! निस्थारे कीरे था ।

शां नितं की वोंले व्य की लेतं की स गेरे म (ह निखोले वों ले कीमले ह।

म 1रे , की म रे त्वों, की म, मफिदुरे औरे म दुकी दु था' की निवोंचौं रे स बचौं था ।

क्या म 1 इस रेहस्या की मालें'निछे सत्या की! वों स्तंवों म (समझे निलेया था ?

म 1 कीई ब रे अ गेरु स इस निवोंर्षोया म (चौंचौं 4 की था। म 1इस रेहस्या की   छे की प्रकीशा निनिचुखो की ले था।
ले फिकी हरे ब रे ऐस प्रतं तं ह!तं , म ! मरे   दुनिMrकी!ण की आगे की!ई ध ध की   रेतं आ जी तं , जीस   चौंश्म   रे जीम भ , जी!
मझे स् r रू स दुखो स रे!की दुतं ।

जीस   ह म 1निवोंरे!ध शांनि या की सया !गे की स ध   की नि कीट हुचौंDतं , मरे   भ तंरे स सदु ह   हA, बनिCकी ए- ए प्रश्न उभरे
लेगेतं , जी! मरे   ण"4 आत्मसम ण4 की अवोंस्था की! निवोंचौंनिलेतं कीरे दुतं । मरे   शां नितं भ गे ह! जी तं ।
म 1 ग्या रेह फिदु   की कीठ!रे स ध   की सकी C निलेया। म 1की वोंले एकी ब रे भ!जी कीरेतं , जी! स्वोंया ब तं। औरे भ!जी क्या
था ? बस की छे उबले हुई सनिब्ज़ीया ,D जी! चौं वोंले की स था एकी ह   त्र म (कीतं थाA।
ले फिकी अ नितंम फिदु वोंह भ त्या गे फिदुया।

सध् या की स ध   सम प्त कीरे   की ब दु, म 1अनिग्न-कीम 4म (सले ग्न था।

अचौं की, मझे रिरेनिचौंतं तंरे गे (महस"स हुई।

की छे ह क्षाण म (म 1   या फिकी उस स स   स्था   म (भगेवों -वोंस्त्रध रे दुवों   की उ निस्थानितं था।

वोंह ठ की मरे   स खोड़ा थाA।

उन्ह   मस् की रे कीरे मरे   अनिभवों दु फिकीया औरे मरे   स बठ गेईं।

जीब उन्ह   मझेस   छे" फिकी म 1इतं   व्य की ले क्या हूँ,D तं! म 1 की!ई उरे हA फिदुया।

औरे फि>रे, उस रे तं उन्ह   एकी औरे ज्ञा -सत्र आरे भ फिकीया।

उस रे तं म 1 म वों शांरे रे-मशां   की रेहस्या की! गेहरे ई स समझे। म 1 स खो फिकी की स रे स यानि की रिरेवोंतं4 ,

ऊजी 4की स्था   तंरेण औरे शांरे रे की तंत्वों की   रिरेष्की रे जी वों , चौंतं   औरे
व्यनि त्वों की! प्रभ निवोंतं कीरेतं ह।

तं स्या औरे म नि

इस घट   की चौं रे फिदु ब दु मझे   इसकी ब रे म (तं चौंले। इस दुHरे   वोंह कीभ ह!शां म (आतं , तं! कीभ
निवोंनिचौंत्र ब तं (कीरेतं   हुए खो! जी तं। ब रे-ब रे वोंह अ   यावों वोंस्था , अ   ले ब ब ले , अ   नितं की प्रनितं प्रम
औरे गेभ4 म (ले रेह बच्ची की ब रे म (
बड़ाबड़ा तं।

डी²क्टरे   उस लेगे तं रे बह !शां की दुवों ए दुA, ले फिकी फि>रे भ उसकी बड़ाबड़ा हट रुकीतं   हA था। याह इस

ब तं की सकी तं
था फिकी उसकी मनिस्तंष्की अत्यानिधकी उ निजीतं औरे गेम4 ह! रेह था। फिकीस भ समया की!ई रे वों निहकी
>ट सकीतं था।
घरेवों ले की लिंचौंतं बढ़तं जी रेह था।

म 1उस समया एकी स ध म (लेगे था , ले फिकी खोबरे(मझे तंकी हुचौंDतं रेहA और निस्थानितं की तं चौंले । जीब म 1उसस निमले
गेया , तं! उस मझे दुखों ह शां तं स्वोंरे म (वोंह स चौंले जी की! कीह , जीस म 1उसकी निलेए की!ई अजी ब था ।

म 1उसकी स हA रुकी , बनिCकी कीनिब्रास्तं म (जी कीरे तं स्या म (बठ गेया । म 1 अ स ध तंब तंकी जी रे रेखो जीब तंकी
वोंह ह!शां म (हA आ गेई। इसम (मझे आठ फिदु स अनिधकी समया लेगे ।

प्र ण या म क्या ?

म 1 जी वों और शांरे रे की! उस ऊजी 4की अनिभव्यनि की रू म (दुखो , जी! एकी ब्राह्म डी या शांनि की रू म (सहस्रो निब्दुया स
गेजी रेतं हुए निवोंकीनिसतं ह!तं ह और जी! जी वों म (नि रे तंरे ब रेहतं ह। याह ऊजी 4कीभ जी वों की! हA छे!ड़ातं , बनिCकी
कीरे ह उस रेम स्रो!तं स स की4 कीरे ह,

भ तंरे रेहकीरे अ अनिभव्यनि की निलेए प्ररि रेतं कीरेतं ह। इस ऊजी 4की! म
निजीसस याह उत् न्न हुई ह।

याह ऊजी 4म निसकी शांनि की रू म (दु! तं नित्रकी तं त्र की! सफिक्रंया कीरेतं ह; ले फिकी एकी तं सरे तं नित्रकी तं त्र सप्त अवोंस्था
रेहतं ह, म ! वोंह स! रेह ह!। इस सर्पो म्न कीह जी तं ह। सभ तं नित्रकी स ध ओं की मख् या उद्दी श्या इस स!ई हुई सर्पो म्न

की! जी गेतंMीरे ह।

सर्पो म्न की जीड़ा की डीनिले म (ह, जी! रे ढ की हÄ की अ तं म (सप्त अवोंस्था म (रेहतं ह। इसकी दुस"रे निसरे

दु! अन्या ऊजी 4
ध रे ओं - इड़ा और लिं गेले - द्री रे निसकी की मले" और भHह की ब चौं म (कीसकीरे कीड़ा हुआ ह!तं ह।
इसनिलेए ध्या
कीरे वों ले स धकी इस लिंबदु रे अ एकी ग्रेतं की(फिद्रतं कीरेतं ह।

इ दु! ऊजी 4ध रे ओं की! 'सHरे' और 'चौंद्र ' ऊजी 4की रू म (वोंर्पिणतं फिकीया गेया ह, जीबफिकी तं सरे ध रे की!

'अनिग्र' की ऊजी 4
कीह गेया ह। इ तं की सगे म एकी तं जी प्रकी शां म (सम प्त ह!तं ह, जी! समझे की! प्रकी निशांतं कीरेतं ह, सप्त
शांनि की द्री रे
की! खो!लेतं ह, 'स!तं हुए स 4' की! जीगे तं ह, और अ तंतंo ब्राह्म डी या ऊजी 4की! म कीरेतं ह।

याह सभ वों ह। याह की वोंले एकी निसद्ध तं हA ह। इस ब रे-ब रे प्रदुर्पिशांतं, जी चौं और सत्या नि तं फिकीया गेया

ह, फि>रे भ सदु ह
फिकीया गेया ह। याह सशां यावों दु की तंरे की ह। "सशां या त्म निवों श्यानितं" (गे तं) - सशां या कीरे वों ले अ
आत्म की! । कीरे
ले तं ह।1 श्व स-प्रश्व स की व्य या म निजीस प्र ण या म कीह जी तं ह, इस स ध म (सह याकी ह!तं ह। इसम (श्व स

(प्र ण वों या) की!
अ दुरे खोAचौं जी तं ह, जी! ऑक्स जी स भरे रे" ह!तं ह (ध्या दु (फिकी ऑक्स जी और शां द्ध वों या जी वों की
निलेए फिकीतं
महत्वों ण" 4ह) ; फि>रे श्व स की! ब हरे छे!ड़ातं समया शांरे रे की अशांनि द्धया की! ब हरे नि की ले जी तं ह। याह

श्व स-प्रश्व स की
अभ्या स शांरे रे रू मशां की और ब्ले!अस 4की! सचौं निलेतं कीरेतं ह।

इसम (श्व स की! एकी निसकी स अ दुरे निलेया जी तं ह (रे"की) और दुस"रे निसकी स ब हरे नि की ले जी तं ह

(रे चौंकी)। इस
प्रफिक्रंया की! ब रे-ब रे दु!हरे या जी तं ह - घ ट , फिदु , रे तं , हफ्तं , मह , वोंर्षों' तंकी। ले फिकी इसम (एकी तं सरे
और बहुत

रे"की (श्व स ले) औरे रे चौंकी (श्व स छे!ड़ा) की ब चौं एकी महत्वों ण" 4निस्थानितं ह - की म्भकी - निजीसम (श्व स की! अ दुरे रे!कीकीरे
रेखो जी तं ह। श्व स की! रे!की स इ फिद्रया की गेनितंनिवोंनिधया Dभ ध रे -ध रे रुकी जी तं ह।1 ब ह्रे इ फिद्रया की द्वी रे बदु ह! रे,
आ तंरिरेकी इ फिद्रया की द्वी रे खोले तं ह,1 जी! हम (सभ शां रे रिरेकी ड़ा ओं औरे म निसकी कीr स मनि की म गे 4फिदुखो तं ह।1

याह अभ्या स म ष्या की! की म, क्रं!ध औरे ले!भ की जीजी रे स म कीरेतं ह, जी! सभ कीr की मले" की रेण ह।1

शांरे रे म (की डीनिले शांनि की! जी गेतंM कीरे की उद्दी श्या ह। इस 'स 4' की रू म (दुशां 4या गेया ह। ले फिकी

जीब याह जी गेतंM ह!

जीबं ह, तं! इस नि यानि त्रतं कीरे आवोंश्याकी ह। इस नि यानि त्रतं कीरे की निलेए अत्यानिधकी ऊजी 4औरे श्व स शांनि की आवोंश्याकी
ह!तं ह, निजीसम की भकीकी अभ्या स स निवोंकीनिसतं फिकीया जीतं ह। प्र ण या म कीतं चौंरेण इस प्रकी रे ह:1

1. रे"की - श्व स की! अ दुरे ले , जी! > >ड़ा औरे हृदुया तकी जी तं ह।
2. की म्भकी - श्व स की! रे!कीकीरे रखो , जी! निभ तकी की ऊजी 4की! सफिक्रया कीरेतं ह।
3. रे चौंकी - श्व स की! ब ह्रे छे!ड़ा , जी! मले" ध रे स ले कीरे मनिण रे चौंक्रं तंकी ऊजी 4की! सचौं निलेतं कीरेतं ह।

मले" ध रे स मनिण रे तंकी की डीनिले की या त्र की! एकी ब रे स्था नि तं कीरे निलेया जी ए, तं! याह सहस्रो रे तंकी हुचौंD की या की! आस ब दुतं ह, जी! स धकी की सवोंÁच्ची लेक्ष्या ह।
की डीनिले की जी गेरेण आज्ञा चौंक्र (भHह की ब चौं) की! सफिक्रंया कीरेतं ह, जीह रे निवों रे तं ध्रु वों (इड़ा औरे लिं गेले) की निमले ह!तं ह। इसकी अ नितंम लेक्ष्या सहस्रो रे चौंक्रं म (निस्थारेतं ह, जीह सभ द्वीतं सम प्त ह! जी तं ह 1औरे निशांवों-शांनि , भ रेवों-भ रेवों , लिंलेगे-या!नि की निमले ह!तं ह।

निमथा की रेहस्या

मरे अध रेतं मझे याह एहस स फिदुले रेह था फिकी हम अ निवोंर्षोंया स भटकी रेह ह,1 फिकी हम कीहA औरे जी रेह ह।1 ले फिव

मझे हले ह भ D निलेया गेया था।

"अध रे मतं ह!," उन्ह कीह। "जीCदु ह हम वोंहA हुचौंD(गे, जीह D हम (हुचौंD ह। " (वोंह मस् की फि>रे! ओह, भगेवों - वोंस्त्रध रे दुवों , तं म मझे फिकीतं कीM ले रेह ह!!)

"इस जी गेरेण औरे निमले की प्रफिक्रंया स धकी की इ फिद्रया रे प्रभ वों डी लेतं ह। इस शांनि की! जी गेतंM कीरे की फिक्रंया स्वोंय इ फिद्रया की! बदु कीरे की फिक्रंया भ ह!तं ह। या इ फिद्रया Dयात्र वोंतं की या 4कीरेतं ह,1 जीस उन्ह (कीरे चौं निहए; ले फिकी जी! प्रवोंMनि इन्ह (ले!भ, तंMष्ण , औरे दु सतं की ओरे धकी लेतं ह, वोंह रे" तंरेह सम प्त ह! जी तं ह। तंब शांरे रे की वोंले एकी यात्र ब जी तं ह। फि>रे स धकी की! की!ई भ शांरे रे, की!ई भ रू निवोंशांर्षों रू स अलेगे या निवोंनिशांr प्रतं तं हA ह!तं।"
"गे तं म (इस एकी अन्या रू म (कीह गेया ह—

"जीस कीमले की रे रेखो जीले निब फिकीस दु गे की रेह जी तं ह, वोंस ह वोंह या!गे , जी! की वोंले इसनिलेए की या 4कीरेतं ह तं ; स तं ह, फि>रे
भ्या हA की उस, महसूस कीरेतं ह, अफिरेचौं रे हA औरे स्थ न वोंह हA ह, फिकेरे स ह हुकीरे तं ह; खो तं दु, फि>रे भ हA कीरेतं ;

चौंलेतं ह, फि>रे भ हA कीरेतं ; स!तं ह, फि>रे भ हA कीरेतं ; ब!लेतं ह, फि>रे भ हA कीरेतं ; खोचौं 4कीरेतं ह, फि>रे भ

हA कीरेतं ; स्वों की रे कीरेतं ह, फि>रे भ हA कीरेतं ; खो!लेतं ह, फि>रे भ हA कीरेतं ; बदु कीरेतं ह, फि>रे भ हA कीरेतं ।

जी! की छे भ फिकीया जी तं ह, वोंह की वोंले उस मह शांनि की उ कीरेण की रू म (फिकीया जी तं ह। "

"इसनिलेए, जीब स धकी अ आ की! ण"4 रू स उस अ नितंम निस्थानितं म (समर्पि तं कीरे दुतं ह, तंब मथा भ म त्र

एकी स ध

ब जी तं ह, जी! म!क्षा की अवोंस्था तंकी हुचौंD की म गे 4प्रशांस्तं कीरेतं ह। म ष्या की सरे चौं म (सक् स सबस अनिधकी

उ जीकी शांनि ह, याह सबस अनिधकी व्य की ले कीरेतं ह, सबस अनिधकी निवोंचौंनिलेतं कीरेतं ह, और सबस

अनिधकी भटकी तं ह। याह

रे" जी वों-प्रकों ह की! अरे जीकीतं और निवों शां की ओरे ले जी सकीतं ह और अ तंतंo म ष्या की! उसकी इ फिद्रया स वोंनि चौंतं कीरे

सकीतं ह। याह इ फिद्रया की! की रे त्मकीतं और निवोंध्वोंस की फिदुशां म (धकी ले दुतं ह। " "जीब की डीनिले की!

जी गेतंM कीरे की म ध्याम स इ इ फिद्रया की! नि यानि त्रतं फिकीया जी तं ह, तं! याह या दु रेखो आवोंश्याकी ह इसकी सजीM की क्षामतं ओं की! उच्ची स्तंरे रे निवोंकीनिसतं फिकीया जी सकी ।"

फिकी

"निजीस प्रकी रे फिकीस ब च्च की! प्रनिशांनिक्षातं कीरे की निलेए उसकी सम रेह आवोंश्याकी ह, जीस स 4 की! वोंशां म (कीरे की उच्चोंतंरे इ फिद्रया की सचौं रे अ आ ह प्ररि रेतं ह! जी तं हा की वोंले ड़ा की! शा तं कीरे इस फिदुष्यतं म (रि स्वोंपितं कीरे

उसकी सवों कीरे ड़ातं ह, उस प्रकी रे याफिदु हम (अ की मफि(द्रया रे नि यात्र ण ह, तं! हम (उ की नि कीट रेह हA ह।"

ह!जी नि यानिकुकीत!ईतं, वों! स तं शांरे रे मिच्च स भ गे की बजी या, उसम (ठहरूDगे , उस शांरे रे की!

कीड़ागे"D और उस शांनि की स्रो!तं की रेहस्य की! खो!जी"Dगे और उसकी सदु बा!गे कीरूDगे । उस निस्थानितं म भ गे आत्म- की "सक् स शांनि की एकी स्रो!तं ह, एकी निवोंशांषी ऊजी 4उत् दुकी, जी! हम रे सजीM तमकी प्रेरे ण ओं की! रे शांरे रे

की म निसकीतं ह। याह की रे त्मकीतं म निसकी ग्रेनि थाया (complexes) की! जीन्म दुतं ह। इसस उम उ या और क्या ह!

सर्कीतं ह! फिकी इसतंम Dकी आस की रू म (स्वों की रे फिकीया जी ए? इसस अनिधकी प्रभ वों स ध और क्या ह! सकीतं ह फिकी

फिदुख्यतं म और उच्चौंतंर अभिव्यक्ति म हA तं फिकीया वों जीवोंरेचौं म (लेध इसकी जीबो? रे तं, हम (इस सफिक्रंया कीरे की ए उ या खो!जी ह भ , तंब फिकी

"सस् की रिरेतं आस की म ध्याम स याह स ध हम (की म-वों स स म कीरे दुतं ह। स धकी की! इनिन्द्रयाजीनि तं सखो की खो!जी कीरे की बजी या शां द्ध आ दु की ओरे ध्या की(फिद्रतं कीरे की निलेए प्रनिशांनिक्षातं फिकीया जी तं ह— उस आ दुम की ओरे, जी! इ फिद्रया की उ जी स जीड़ा हA ह। बगे ले की एकी स धकी कीह ह— "

"की म! गेध ! निह तं या" (इसम (की मकी तं की की!ई अ शां हA ह!तं ।)

"इस सहजी म गे 4कीह जी तं ह, बगे ले म (इस सहनिजीया स ध कीहतं ह।1 स्मरे- रिरे-रेनिहतंम i(जी! की म स रे ह!) याह की रे"4 फिदु तं त्र म (कीह गेया ह। "

"इस सहजी स ध की म ध्याम स शांरे रे इस द्धनितं की आदुशां' की अ रू ढंले जी तं ह, और म रे" तंरेह प्रनिशांनिक्षातं ह!कीरे सक् स ऊजी 4की स्रो!तं की गेहरे इया तंकी हुचौंD जी तं ह, निब उ प्रनितंफिक्रंया ओं की जी! की वोंले या नि त्रकी, जीनि वोंकी और (instinctive) ह।1 इ सहजी प्रवोंMनिया रे नि यात्र ण की निलेए आज्ञा चौंक्रं (मनिस्तंष्की की(द्र) की! वोंशां म (कीरे आवोंश्याकी ह

चौंक्रं म(स निगे

"निवों रे तं सनि गे शांनि की आस ह। वोंह स्वोंया शांनि ह। " स धकी जीब भ फिकीस रे की! दुखो तं ह, तं! स्वों भ निवोंकी रू स
उसकी भनि म Dकी चौरेण म (समर्पि तं ह! जी तं ह, क्या फिकी वोंहA म Dनिवोंरे जीम ह!तं ह।1 याह आदुशां4 दुनिMrकी!ण उस

तं शां ले निवोंचौं रे स मकीरे दुतं ह।

"याह सरेले हA ह। याह तं म्ह रे निलेए सरेले हA रेह ; औरे तं म्ह (तं या रे कीरे मरे निलेए भ सरेले हA था । याह तंब भ सरेले
हA ह!गे जीब तं म दुस"रे स निमले!गे , उन्ह (रेखो!गे, औरे चौंया कीरे!गे फिकी फिकीस स्वों की रे कीरे ह औरे फिकीस त्या गे दु
एकी वों स्तंनिवोंकी स निधकी की निलेए सकी ड़ा कीले औरे Hनिसनिखोए निमले सकीतं ह।1 याह Dतंकी फिकी वों भ , जी! भले नि
ह,1 अ तंतंo निगेरे वोंट की ओरे बढ़ सकीतं ह।1" (आजी मझे याह ब तं फिकीतं सचौं लेगेतं ह! ले फिकी अब बहुतं दुरे ह! चौंकी ह।)
"आ तंरिरेकी ध तं (ऊजी -4स रे) सबस हCकी उ जी त्मकी क्षाण म (स्वोंतंo ह स्रो निवोंतं ह! जी तं ह। जीब तंकी म उस नि यानि त्रतं
कीरे की अवोंस्था म (आतं ह, तंब तंकी अ गे की म अ नि यात्र ण खो! दुतं ह। इसनिलेए निवोंचौं रे की! इतं गेहरे ई तंकी
प्रनिशांनिक्षातं फिकीया जी चौं निहए, चौंतं की! इतं ऊDचौं आदुशां' की अ रू ढं ले चौं निहए फिकी निवों रे तं शांनि या D एकी-
निभन्न प्रतं तं ह ह । दु! अध áशां निमलेकीरे एकी ण"4 इकी ई ब तं ह;1 औरे वोंह ण"4 इकी ई म Dकी अनिभन्न स्वोंरू म (रिरेवोंर्पित
ह! जी तं ह। इस निस्थानितं म (भHनितंकी प्रनितंफिक्रंया ए Dकी या 4कीरे बदु कीरे दुतं ह।1 याह उ लेनिब्ध तं म्ह रे शांरे रे म (निसढ

ह। मझे नि रे शां मतं कीरे ।"
"की!ई भ स्त्र उ या
ह! सकीतं ह। की!ई भ । ले फिकी वों, जी! शां रे रिरेकी श्रेम म (अनिधकी व्यस्तं रेहतं ह,1 जी! अ रिरेश्रेम की
की रेण की मकी निवोंले निसतं औरे आत्ममग् धतं म (निलेप्त ह! की समया हA नि की ले तंA (जी! ऊब चौंकी शांहरे ले!गे म (आम
ब तं ह) , वों ह सबस उ या ह!तं ह।1 या ह वों मHनिलेकी आदुशां4 ह,1 निजीन्ह (अत्यातं सम्म फिदुया जी तं ह। शांरे रे की! एकी
स ध , एकी आस , एकी जी" या अ ण4 की रू म (दुखो की वोंस्तं रेकी दुनिMr ह इस स ध की स रे ह। "
"तं म मह भ रेतं म (दुखो ह!गे फिकी अनिधकी शां उच्ची श्रेण की या!निगेया इन्हA मले" आकी4ट इप्स स सतं उत् न्न की —
मछे आरिरे (, वोंन्या निस्त्रया ,D प्रकीMनितं की दुनि वोंया —Dया सभ ब्राह्म डी या चौंतं की प्रतं की म त्र ह।1"
"आस स ध म (नित्रया की! स म न्यातंo इसनिलेए त्या गे फिदुया जी तं ह क्या फिकी वों गेहMस्था जी वों की दुनि की गेण ओं स
बधD ह!तं ह।1 वों जी वों की भHनितंकी निजीम्म दु रिरेया म (निलेप्त ह!तं ह,1 औरे इसनिलेए सक् स की! की वोंले एकी सहजी दु त्य
रेह कीरिठ ह!तं ह। ले फिकी की छे
मह स धकी अ नित्रया की! इतं नि ष् Mहतं तंकी प्रनिशांनिक्षातं फिकीया ह फिकी वों उ या आस ब सकी(। याह कीरिठ ह,
की रू म (दुखोलेगेतं ह।1 नितं-त्र की जी!ड़ा की निलेए सक् स म रे" तंरेह नि रेक्षा
ले फिकी असंभ वों हA। इस ट ले" चौं निहए, रे इस रे तंरेह वोंपिजीतं भ हA कीहि गेया ह। "

"हेA हलेकी!ड़ाह फिकेह वोंीयानुगेलोंरे या ककीी!ड्मीलेले!ड़ा। की वोंले अच्छे तंरेह रिरे क्
लेकीड़ा ह सवों4श्रेष्ठों ह!तं ह। भवों -नि म 4ण म (सभ स मनिग्रेया की! सम निचौंतं रू स रेखो औरे तं या रे फिकीया जी तं ह। याह
नि याम स धकी औरे स निधकी दु! रे ले गे "ह!तं ह। उस उस अवोंस्था म (ले या जी चौं निहए, जीब वोंह सस रे की अनिधकी
अ भ वों म (निलेप्त ह! चौंकी ह!, जीब वोंह जी वों की भHनितंकी सघ र्षों' औरे प्रले!भ स इतं प्रभ निवोंतं ह! फिकी उसकी शांरे रे
औरे म स ध की या!ग्या ह रेह जी ए।"

" फिदुया D अ उद्दीम रे ह सवों 4निधकी निवोंत्र ह!तं ह।1 की वोंले यावों ह आदुशां4 की खो!जी कीरे सकीतं ह।1 क्रं नितंकी रे सदु
> ले तं ह।1 ह म अरुण
ह!तं ह।1 यावों ह स हस कीरेतं ह,1 यावों ह स्सोंह्1दुखोवों ह असभ वों की! की निलेए खो

इकी रेस—इन्ह असभ वों की! सभ वों कीरे की प्रया स फिकीया , ले फिकी अ निलेए की!ई कीCया ण कीरे सकी । यावों अवोंस्था म
स हनिसकी अ शां स ह तं की गेजी इशां ह!तं ह, ले फिकी ऐस हरे अ शां स ह तं की भरे ई कीरे ड़ातं ह। इसनिलेए
यावों म औरे यावों शांरे रे की! चौं कीरे प्रनिशांनिक्षातं कीरे , तं , रेखो , औरे फि>रे स्वों कीMनितं दु आवोंश्याकी ह!तं ह। तं त्र
इसनिलेए 16, 17, 18 वोंर्षों4की स निधकी ओं रे जी!रे दुतं ह। वों स्वों भ निवोंकी रू स उजी वों4 ह!तं ह।1 उ की प्रनितंफिक्रंया ए
तं त्र औरे प्रभ वोंशां ले ह!तं ह।1 की वोंले वों ह वोंह गेनितंशां ले ऊजी 4उत् न्न कीरे सकीतं ह,1 जी! की डीनिले की! जी गेतंM कीरे
सह याकी ह!, औरे सर्षों म्र म (जी वों प्रवों निहतं कीरे सकी ।"

"ऊजी 4की याह ऊ रे की ओरे प्रवों ह सहस्रो रे तंकी हुचौंDतं ह औरे व्यनि गेतं चौंतं की! ब्राह्म डी या चौंतं की उCले स म (
निवोंले कीरे दुतं ह। शांरे रे निशांनिथाले ह! जी तं ह,1 इ फिद्रया Dअ की या 4कीरे बदु कीरे दुतं ह,1 म की वोंले एकी लिंबदु रे
जी तं ह। "

"इस निस्थानितं म,(स्मनिMतं की स "ण 4नि ले ब ह!तं ह, औरे म भ"तंकी ले की सभ या दु स म ह!कीरे की वोंले एकी ह अ भ वों
मग्र ह! जी तं ह— आ दुम, निजीस शांब्दु म (व्य हA फिकीया जी सकीतं , की वोंले अ भ "तं फिकीया जी सकीतं ह। "
"रेहस्यामया चौंक्र की भ तंरे, जीब स धकी औरे स निधकी एकी स था भ!जी औरे मद्या की! भ प्रकीMनितं औरे म Dकी आ दु की प्रतं
की रू म (स्वों की रे कीरेतं ह,1 औरे जीब वों ण"4 सरे क्षा औरे नि र्पिवोंन्न ध्या की अवोंस्था म (ह!तं ह,1 तंब वों नि ध 4रिरेतं आस
एकी-दुस"रे की स था एकी की रे ह!तं ह।1 स धकी स्वोंया की! ब्राह्म डी या प्रफिक्रंया की निहस्स अ भ वों कीरेतं ह, जीब तंकी फिकी
चौंतं औरे ब्राह्म डी या चौंतं एकी अनिवोंभ ज्या स्वोंरू म (निवोंले ह! जी ए।"
"याह उस प्रकी रे ह, जीस सगे तं म (दु! निवों रे तं सप्तकी निमलेकीरे एकी मध रे सगे नितं उत् न्न कीरेतं ह।1 उ की आवोंनिM म (अ तं
की ब वोंजीदु", उ की ध्वोंनि एकीस था घ लेनिमले जी तं ह। इस प्रकी रे, इ दु! निभन्न प्रतं तं ह! वों ले तंत्वों की निमले गेहरे ई,
निवोंस्तं रे, सतं ले , औरे स मजी स्या उत् न्न कीरेतं ह। "

" रेस् रे निवोंरे!ध तंत्वों की निमले स ह उत्कीMrतं जीन्म ले तं ह। "

"निवों रे तं लिंलेगे या अनिस्तंत्वों की! स्वों की रे भ फिकीया जी तं ह, औरे उस स निमतं भ रेखो जी तं ह। इस एकी उ कीरेण की रू
वों ह। जीस जीलेतं हुई
लेकीड़ा क्रंमशांo अनिग्न, ज्वों ले , ऊष्म , फि>रे रे खो म (रिरेवोंर्पितंतं ह! जी तं ह— एकी अवोंस्था रे हुचौंDकीरे अनिग्न, ज्वों ले औरे
ऊष्म अनिवोंभ ज्या ह! जी तं ह।1 वों ब हरे स भले ह अलेगे प्रतं तं ह , ले फिकी स्वोंया म (एकी रेहस्यामया एकीतं म (निवोंले ह!
जी तं ह।1
स्वों की रे कीरे की स था-स था, याह भ फिदुखो या जी तं ह फिकी द्वैतं की उन्मले" सगे नितं की म ध्याम स सभ

"एकी की शांले सगे तंकी रे भ तंबले की याग् म की! अलेगे-अलेगे सप्तकी म (सजी !कीरे रेखोतं ह, तं फिकी हरे ध्वोंनि की गेजी"D औरे
गेहरे ई बढ़ सकी ।"

चौंक्रं की रेहस्या

"इ चौंक्रं म (सबस प्रनिसद्ध श्रे -चौंक्र ह। इसकी अले वों निसद्ध-चौंक्रं औरे की ले-चौंक्रं भ प्रया!गे म (ले ए जी तं ह।1 इ स ध ओं
की निलेए रे नित्र की निवोंशांर्षों समया की चौंया फिकीया जी आवोंश्याकी ह!तं ह, औरे इसम (कीई स धकी की उ निस्थानितं उम
जी तं ह। या आस स ध रेणतंo मह म (एकी ब रे ह फिकीए जी तं ह—1अम वोंस्या की चौं म , अrम या द्र हवोंA नितंनिथा की!।
शांनि फिकीस भ प्र कीMनितंकी अवोंस्था म (ह! सकीतं ह, औरे उसकी ऋतं -चौंक्रं म (ह! या उसकी ष् वोंस्था म (ह! इस

अ ष्टों की! प्रभ निवोंतं हA कीरेतं , क्या फिकी या सभ प्रफिक्रंया ए Dस्वोंया प्रकीMनितं की अ गे ह।1 रे , जी! अ डी ण ऊजी 4स स
औरे एस्Å!जीनि की तंत्वों स या ह!तं ह, वों स्तंवों म (ऊजी 4निवोंफिकीरेण (रे निडीएशां) की! औरे भ अनिधकी प्रभ वोंशां ले ब
ह, जी! शांनि म (अ नि क्षातं ह!तं ह। "

या!नि अथावों ठ की "जी

"फिकीस प्र चौं की ले म,(दुरे"स्था असम म (निस्थातं म Dकी म ख्या की वों मफि दुरे म (या!निगेया सभ वोंतंo शांनि की ष् वों
ह! की निछे हुई निवोंशांर्षों ऊजी 4की रेहस्या खो!जी निलेया ह!गे। इस निलेए याह मफि दुरे की म रे ठ की रू म (प्रनिसद्ध हुआ,
आजी भ स्त्र की ष् की ले रे की आरे ध की जी तं ह (जीस फिकी हले भ उCलेखो फिकीया गेया ह) ।"

"आस म (निस्थातं ह!कीरे रु र्षों की स था सम निहतं शांनि अब एकी दुवों ब जी तं ह— स्वोंया म D। उसकी शांरे रे की निवोंनिधवों
अनिभर्षों की औरे शां निद्धकीरेण फिकीया जी तं ह। उस इत्र स अलेकी Mतं फिकीया जी तं ह, वोंस्त्र औरे आभ"र्षोंण स सजी या जी
उसकी लेले ट रे लिंसदुरे", भ्र"मध्या म (एकी स् r लिंबदु, रे औरे जी रे ले ले रे गे, औरे मखो रे चौंदु की श्रेगेM रे फिकीया जी तं
ह। इस प्रकी रे वोंह शांरे रे स प्रवों निहतं ह! वों ले ऊजी 4की ण"4 प्रनितंम की रू म (दु स्त ह! उठतं ह। "
"अब मले" स्त्रो!तं की ओरे दुनिMr कीरे(—ह ,D या!नि की! भ निवोंशांर्षों सम्म औरे जी" की की(द्र म जी तं ह। इस चौंदु , अक्षातं
दुवों" 4, ष् , मत्र औरे आरेतं की स था अर्पिचौंतं फिकीया जी तं ह। औरे क्या हA? क्या याह रेम ठ हA ह? क्या याह सनिMr
की ज्वों ले की गेभ4स्थाले हA ह? क्या याह रेहस्यामया ब्राह्म डी या प्रवों ह की की(द्रलिंबदु हA ह? "

"कीभ एकी यागे था जीब म ष्या इस क्षा त्र की! अत्यातं श्रेद्ध औरे भया की स था दुखो तं था। याह जी वों शांनि की एकी ऐस स्त्रो!तं
था निजीस समझे तं! दुरे", इसकी अ भ "नितं भ एकी निवोंस्मयाकी रे चौंमत्की रे की सम था। याह एकी फिदुव्य वोंरेदु था , जी! म
की आशां वों दु4 की रू म (सतं !त् नि औरे जी वों की सरे क्षाण हतं प्रदु फिकीया गेया था। निजीस प्रकी रे कीMर्षोंकी भ"निम की
निवोंत्र म तं ह,1 उस प्रकी रे म वों औरे शां रू म (भ इस क्षा त्र की! रेम महत्वों फिदुया गेया था।"
"आजी भ याह आफिदुम आकीर्षों4ण फिकीस गेहरे अवोंचौंतं म !वों ज्ञा नि की दुब वों की तंहतं की या 4कीरेतं ह औरे म ष्या की! अ
ओरे खोAचौंतं ह, म ! की!ई की(द्र या आकीर्षों4ण शांनि उन्ह (सम्म!निहतं कीरे रेह ह!। ले फिकी हले जीह D याह आकीर्षों4ण श्रेद्ध
तं ह। एकी बच्ची जीस बदु दुरेवों जी की! खो!ले की निलेए
ले ले नियातं ह!तं ह, वोंस ह आध नि की म वों इस रेहस्या की छे भ गेतं ह, ले फिकी श्रेद्ध की स था, ह आत्मसम ण4 की
भ वों की स था। अब याह उस एकी निवोंजीया आक्रंमण जीस प्रतं तं ह!तं ह— एकी ऐस चौं ज़ी निजीस छे कीरे, तं!ड़ाकीरे, भ गे
तं ह। अब याह वों स ,
निवोंले निसलं औरे प्रले!भ की वोंस्तं ब चौंकि ह। की सकी तं एकी व्य रे ब चौंकी ह। हम मले" निस्थानितं स इतं दुरे" चौंले गेए
सम्म स भरे ह!तं था, अब म ष्या इस वोंपिजीतं प्र ले की तरेह दुखो
फिकी जीब तं त्र की सदु भ 4म (की म-स ध की ब तं आतं ह, तं! सम जी म (तं रे तं सदु ह औरे आले!चौं जी गे उठतं ह। आध नि की
सम जी की शांहरे सशां यावों फिदुया की निलेए तं त्र की वोंले कीट क्षा औरे उ ह स की निवोंर्षोंया ब गेया ह। "

कीरेकी ह प्र म फिकीया जी सकीतं ह। म ष्या अब इस श्रेद्ध स हA कीनिCकी अनितंक्रंमण स दुखो
"ले फिकी जीब स ध की! अत्यातं उच्च स्तंरे रे शां द्ध औरे निधांमिशां कीरे फिदुया जी तं ह, तं! स निधकी स्वोंया अ शांरे रे, निवोंश
रू स अ जी (फिद्रया क्षा त्र की महत्वों की! गेहरे ई स अ भ वों कीरे लेगेतं ह। वोंह भ तंरे स फिदुव्य आभ स भरे जी तं ह, जी!
उस स ध रेण स स रिरेकी चौंतं स ऊ रे उठ दुतं ह। "

"म 1 हरे ब रे इस स ध म (भ गे ले तं हुए या दुस"रे द्वी रे इस स न्न ह!तं दुखो , इस आध्या नित्मकी रिरेवोंतं4 की! अवोंतंरिरेतं
ह!तं दुखो ह। स निधकी की! याह अ भ "नितं ह! लेगेतं ह फिकी वोंह स्वोंया शांनि की मतं"4रू ह, फिकी वोंह स्वोंया जी वों की म

"ले फिकी की वोंले या!नि क्षा त्र ह   हA, बनिCकी शांरे रे की अन्या सभ महत्वों ण" 4भ गे, निवोंनिभन्न सया !जी लिंबदु (joints), वों प्रम खो

ग्रेनि थाया Dजी! शांरे रे औरे म की! आवोंश्याकी ओजीस प्रदु   कीरेतं ह,1 तंथा निवोंनिभन्न चौंक्रं लिंबदु, इ सभ की! एकी-एकी कीरे

सस् की रिरेतं औरे नि"जीतं फिकीया जी तं ह। याह प्रफिक्रंया न्या स कीहले तं ह। "

"इस अ छों   म (की वोंले शांरे रे, बनिCकी रिरेवोंशां , फिदुशां एD,   Dचौं मह भतं" (थ्Mवों , जीले, अनिग्न, वों या,

आकी शां), वोंक्षाM, शां —

सभ की! स ध म (शां निमले फिकीया जी तं ह, औरे इ स आशां वों दु4 प्र प्त कीरे   की निलेए शां निद्ध मत्र   की जी फिकीया जी तं ह। "

म त्र म(शांनि : जी -अजी

"मत्र   की नि रे तंरे जी फिकीया जी तं ह, ले फिकी इन्ह (अत्यातं स वोंध   वों"की4 चौं   जी   चौं निहए, निवोंशांर्षों रू स ब जी मत्र   (seed formulas) की!। इन्ह (दु! तं नित्रकी ओं की मध्या उस की!मलेतं स ध रेण कीरे   चौं निहए, जीस   की!ई   जीकी   ष्   की कीले की! दु! की!मले   की ब चौं था म। याह प्रतं की त्मकी छेनिवों अत्यातं महत्वों ण" 4ह। निजीस प्रकी रे एकी ष्   की कीले की! सरे क्षा दु   की निलेए   उस ढंDकी ले तं ह,1 निजीस प्रकी रे प्र था 4 की! समर्पि तं दु!   ह था की ब चौं रेखो जी तं ह, ठ की उस प्रकी रे जी वों की लिंबदु (सजी वों   ऊजी)4 दु! सरे चौं त्मकी द्वी रे की ब चौं ध रेण फिकीया जी तं ह, जीह D एकी कीले अ   ण"4

 नि ष् तं ह! की प्रतं क्षा म (रेहतं   ह। याह घट , निजीस   स म न्यातं: उ नि क्षातं फिकीया   जी तं   ह, अ स;दुया त्4मकीतं म (एकी

अलेHफिकीकी उCले स स भरे ह!तं ह। याह शांनि की वोंह जी गेनिMतं ह, जी! सजीM की रेहस्या म (निब   फिकीस भHनितंकी इच्छे पिं"तं की

प्रवोंMनि की प्रस्> रिटतं ह!तं   ह। शांनि -उन्नया (Śakti-Unnies) औरे लिंबदु- नि   तं (Bindu-Nipāta) फिकीस निवोंले स व्यनि की अभ्या स हA ह।1"

"इसनिलेए मत्र   की जी म (अत्यानिधकी स वोंध   बरेतं   चौं निहए। जी फिकीए जी   वों ले मत्र   की ध्वोंनि तंरे गे

((vibrations)

उतं ह महत्वों ण" 4ह!तं ह 1निजीतं   फिकी उ की आ तंरिरेकी अथा 4की ब!ध। वों स्तंवों म (की छे मत्र ऐस भ ह!तं ह 1निजी की की!ई

स् r अथा 4 हA ह!तं , ले फिकी उ की स् दु   (vibration) अत्यातं प्रभ वोंशां ले ह!तं ह। इस उद्दी श्या की निलेए जी भ

की एकी

निवोंशांर्षों प्रकी रे क्ष अभ्या स आवोंश्याकी ह!तं ह, जी! मत्र   की आध्या नित्मकी समझे की स था-स था निवोंकीनिसतं फिकीया जी तं ह। "

"फिकीन्तं याह अभ्या स अत्यातं कीठ!रे अ शां स औरे अ तं ध या 4की म Dगे कीरेतं ह। " "एकी ब रे भगेवों -वोंस्त्रध रे

दुवों   (LS)   मझे स कीह था —" "'सभ वोंफि दुकी वोंण' (अक्षारे) की उच्ची रेण कीरे!, क्रंम स, एकी की ब दु एकी,

ठ की उस क्रंम म (जीस   फिकी वों व्यवोंनिस्थातं फिकीए गेए

ह 1(A स Z तंकी)। फि>रे मत्र की उच्ची रेण कीरे!। अब अक्षारे की!   o उCट क्रंम म (दु!हरे ओ (Z स A तंकी))। इस प्रकी रे मत्र की!

वोंण4म ले की दु! सट   की मध्या रेखो जी तं ह— एकी स ध प्रवों ह (A स Z) औरे दुस"रे उCट प्रवों ह (Z स A)।

याह तं

चौरेण निमलेकीरे मत्र की की वोंले एकी ब रे की जी की! रे" कीरेतं ह।1 इस   रि टतं निवोंनिध कीह्तं ह 1 अथा तं4 वोंह प्रफिक्रंया निजीसम (ब जी तंत्र की दुनि या

मत्र   की! म नित्रकी ओं (दुवों   स्वोंरू अक्षारे) की दु! सट   की ब चौं सरे निक्षातं रेखो जी तं ह। " "याह प्रफिक्रंया

अत्यातं सक्ष्"म सतं ले ब ए रेखोतं ह, ठ की उस प्रकी रे जीस   सगे तं म (एकी आध रे स्वोंरे (drone) सगे तंकी रे

की! रे" समकी की ब चौं स मजी स्या ब   ए रेखो म (सह यातं कीरेतं ह। म नित्रकी ओं की की   (vibrations) एकी

"जीब याह प्रफिक्रंया चौंले रेह ह!तं ह, तंब मत्र म नित्रकी ओं की दु! सम"ह की ब चौं सरे निक्षातं रू स निस्थातं रेहतं ह। जीब A स Z
की ओरे जी फिकीया जी तं ह, तं! इस दुनिक्षाण म गे 4(Daksina Way) कीह जी तं ह, औरे इस जी कीहतं ह;1 जीब Z स A की ओरे जी फिकीया जी तं ह, तं! इस वों म म गे 4(Vama Way) कीह जी तं ह, औरे इस अजी कीहतं ह।1"

"इ जी औरे अजी की म गे' की! सरेलेतं स इस प्रकी रे समझे जी सकीतं ह— "

*(i) जी (A स Z)
(ii) मत्र
(iii) अजी (Z स A)

"याह एकी चौंक्रं की! ण"4 कीरेतं ह। याफिदु मत्र की! ब रेह ब रे जी ह!, तं! इस प्रफिक्रंया की! ब रेह ब रे दु!हरे ह!

गे । याफिदु
इस 108 ब रे जी ह!, तं! जी औरे अजी दु! की! निमले कीरे 108 ब रे रे" कीरे ह!गे ।"
"म 1 ऐस या!निगेया की! जी ह, निजीन्ह इस द्धनितं की ले वोंर्षों4दुरे वोंर्षों4फिकीया ह, याह Dतंकी फिकी

ले खो ब रे जी ण"4 फिकीए
ह।1 कीई स धकी प्रनितंफिदु हजी रे ब रे इस निवोंनिध स मत्र !च्ची रे कीरेतं ह।1"
"इस स "ण 4चौंक्रं की! प्र ण या म की तं अवोंस्था ओं— रे"की (Puraka), की म्भकी (Kumbhaka), औरे रे चौंकी

(Recaka)—
की स था ब्री!डा जी तं ह। या ब ह्य स ध निब फिकीस ब ध की अ वोंरेतं चौंलेतं रेह चौं निहए, तं फिकी आ तंरिरेकी ध्या म (की!ई
निवोंघ्न आए।"

1. श्व स (Breath) की नि यात्र ण
2. म (Mind) की नि यात्र ण
3. कीत्र मजी गे स्ती (Sexual Excitement) की नि यात्र ण

"याह ... वोंस्था ... ण"4 कीनि ह्रत्रैंD, निजीस स 4ह्रा रे इस्मि (शां क्र (semen) याग गेभÂया द्रवों (uterine fluids) की न्या "तंम भ स्त्रो वों ह!।

ब ए रेखो
अनि वों या4ह!तं ह— "
"इ रेस या (fluids) की न्या "तंम म त्र भ याफिदु उ निस्थातं ह!तं ह, तं! याह स ध की उद्दी श्या की! ण"4तंo r कीरे दुतं ह। इसनिलेए तं त्र स्मरे- रिरेहरिरेतंम i(वों स स) म्की नि दुशांÔ दुतं ह। "

"हम शांरे रे म (ओजीस (शांनि तंत्वों) की अनिस्तंत्वों रे चौंचौं 4 की ह। याह ओजीस वोंह शांनि उत् न्न कीरेतं ह जी! वोंर्षोंMण (testes) म (ब जी (sperm) औरे उसकी रिरेवोंशां या द्रवों की! उत् न्न कीरेतं ह। जीब शांरे रे औरे म की! नि यात्र ण म (रेखोतं हुए इस ऊजी 4की! सया निमतं फिकीया जी तं ह, तं! याह शां रे रिरेकी ब जी उत् न्न कीरे की बजी या आध्या नित्मकी शांनि क्षा त्र (spirit field of potency) की! जीन्म दुतं ह। याह क्षा त्र चौंम् बकी या औरे आध्या नित्मकी ह!तं ह। याह तं नित्रकी ब जी-शांनि (लिंबदु) की स्त्रो!तं ह। "

"याह ऊजी 4स धकी की चौंतं की! शांनि शां ले ब तं ह। याह निसद्ध तं स्त्र की गेभÂया ऊजी 4 रे भ ले गे "ह!तं ह। म ष्या की आध्या नित्मकी, म निसकी औरे शां रे रिरेकी प्रगेनितं इस ऊजी 4की सरे क्षाण रे नि भ4रे कीरेतं ह। याफिदु इस ऊजी 4की दुरु या!गे ह ह, तं! याह जी वों शांनि की ह नि उत् न्न कीरेतं ह औरे स धकी की निवोंकी स म (असतं ले ले तं ह। "

(भगेवों वोंत्त्रध रे मनिहले द्वी रे दु गेई इस निशांक्षा की! याह Dम 1उन्हA की शांब्दु म (प्रस्तं तं कीरे रेह हूँ।D ह ले Dफिकी इतं वोंर्षों' ब दु म 1इस शांब्दुशांo हA दु!हरे सकीतं , ले फिकी उ की व्य ख्या इतं प्रभ वोंशां ले औरे गेह्रे था फिकी म 1आजी भ इसकी शांM खोले , प्रतं की त्मकी निचौंत्रण औरे उस ज्ञा ध रे की! स् r रू स स्मरेण कीरे सकीतं हूँ।D)

एकीत्वों की आ दु

"जीब रे औरे रे की जी (फिद्रया निमले की अवोंस्था उत् न्न ह!तं ह, तं! की छे निवोंशांर्षों घरिटतं ह!तं ह। ध्या रेह फिकी जी! ले!गे

इ अ गे या इस निमले की! की वोंले अ भHनितंकी अ भ वों , कीC ओं या रे रे गेतं ध रेण ओं की आध रे रे दुखो तं ह,1 वों इस रेहस्या की! कीभ समझे हA सकीतं । जी! स धकी म निसकी औरे शां रे रिरेकी अ शां स की कीठ! रेतंम अभ्या स स हA गेजी रे

ह,1 वों इस सत्या की ब!ध भ हA कीरे सकीतं । तं म स्वोंया भ इस रेहस्या की! सह भ वों स ग्रेहण हA कीरे तं याफिदु म 1 तं म्ह रे

ब Cया वोंस्था म (व्यनि गेतं रू स ध्या फिदुया ह!तं —जीब तं म रे" तंरेह नि ष्कीले र्षों, प्ररे ण ओं वों वों स ओं स म , औरे

फिकीस भ ऐस वों" 4अ भ वों स अछे"तं था निजीस शां द्ध फिकीए जी की आवोंश्याकीतं ह!तं ।"

"म 1जी ब"झेकीरे, अ वोंश्याकी निवोंर्षोंया म (उलेझेतं हुए, तं म्ह रे एकी ग्रेतं ब ए रेखो की निलेए तं म्ह रे इस

जीन्म म (सनि चौंतं

नि छेले जीन्म की आशां वों दु4 की चौंचौं 4 हA कीरे रेह हूँ।D ह ले Dफिकी, याह भ एकी महत्वों ण" 4की रेकी ह

निजीस तं म्ह रे जी वों म (

इस म गे 4की! अ की नि यानितं की! आकी रे फिदुया ह। एकी ब्रा ह्मण रिरेवों रे म (जीन्म, की शां गेरे की निवोंत्र

वों तं वोंरेण म (

ले -बद्ध गेमे की फिकी रे बस, जीह D की छे अत्यातं श्रेद्धया या!गे औरे मह निशांक्षाकी की स था तं म जी वों

व्यतं तं फिकीया —याह

की!ई सया !गे म त्र हA ह। याह सब तं म्ह रे भ तंरे इस फिदुव्य ज्ञा की! ग्रेहण कीरे की क्षामतं निवोंकीनिसतं कीरे

की निलेए ह हुआ

ह। मरे औरे तं म्ह रे ब चौं याह निवोंशांर्षों सब ध क्या ब ? तं म्ह रे रिरेवों रे की अन्या सदुस्या भ तं! मरे नि कीट

थी, ले फिकी उ म (स

की!ई भ इस स की4 म (हA आया निजीसम (तं म सहजीतं स प्रनिवोंr ह! गेए, म ! नि यानितं की ह था स खोAचौं

गेए ह!।"

" रिरेनिस्थानितंया Dह सब की छे हA ह!तंA, ह की वोंले ले - !र्षोंण। जी वों की म गे 4म (एकी अदुश्Mया शांनि भ

ह!तं ह, जी!

हम रे इनितंह स की! उस प्रकी रे निलेखोतं ह जीस फिकी उस नि ध 4रिरेतं फिकीया गेया ह। ले फिकी म

!निवोंर्षोंया स भटकी हA चौं हतं ।

याह तंकी4 ण" 4बहस की निवोंर्षोंया हA ह, निजीस रे सदु ह वों दु औरे तंकी4शां स्त्र स भ्रनिमतं ले!गे अ वोंश्याकी

वों दु-निवोंवों दु कीरेतं रेहतं

ह।1"

"इस म गे 4म (स>लेतं की वोंले नि रे तंरे, अनिडीगे औरे नि oस्वों था 4सम ण4 स प्र स ह!तं ह। इसनिलेए बहुतं कीम ले!

गे इस अ

की स हस कीरेतं ह,1 औरे उ म (स भ निगे - चौं ह स>ले ह!तं ह।1 अनिधकी शां ले!गे इस एकी स ध रेण अ भ वों की

तंरेह

आजीम तं ह 1औरे अस>ले ह! जी तं ह।1 याह निवों>ले व्यनि तं त्र की ब रे म (निवोंकीMतं ध रेण ए D> ले तं ह।1

"अब तं म ब लेकी हA रेह। तं म शां क्षानिणकी सस् था म (अध्याया फिकीया ह, औरे आध नि की सम जी की एकी निभन्न ध रे की!

अ या ह। तं म्ह रे वोंतं4म निशांक्षा तं म्ह (एकी ए स्तंरे तंकी हुचौंD फिदुया ह, ले फिकी इसकी की मतं तं म्ह रे जी स्नेह हां , इसिलिए मझ औरे तं म्ह एकी स्की म (सीखी बदुलेड़ा हहा।। "निवों म्रतं , जी! फिकीस भ स ध की मले"भतं" आवोंश्याकीतं ह, अब ले स ह!तं

"जीब रे औरे रे की निमले ह!तं ह, तं! एकी निवोंद्यातं -रे स यानि की क्षा त्र (electrochemical field) उत् न्न ह!तं

ह। उच्ची

आवोंशां की की रेण एकी प्रनितंफिक्रंया ओं की श्रेखोM ले आरे भ ह!तं ह, जी! तं त्र उ जी उत् न्न कीरेतं ह औरे सभ इ फिद्रया की!

प्रभ निवोंतं कीरे दुतं ह। याह छे हुई इच्छे ओं की! उभ रे दुतं ह, प्रबले वों स ओं की! म कीरे दुतं ह, औरे व्यनि

की! रे"

तंरेह भH नितंकीतं म (डी ब! दुतं ह। इस निस्थानितं म (व्यनि की शां रे रिरेकी तं म बढ़ जी तं ह, श्व स गेनितं तं जी ह! जी तं ह, औरे

उसकी स "ण 4चौंतं वों स की अध ह! जी तं ह। "

"ले फिकी याफिदु तं म ध्या दु!, तं! याह लेक्षाण एकी उच्ची की!रिट की स धकी की अवोंस्था की! भ व्य कीरे सकीतं ह,1

जीब वोंह अ

आत्म-लिंचौंतं की सवोंÁच्ची स्तंरे रे हुचौंDतं ह। फि>रे अ तंरे क्या ह? याह अ तंरे अत्यातं गेहरे ह। जीह D एकी की म व्यनि शां ग्र ह

अ क्षानिणकी सखो स उबरेकीरे नि रे शां , थाकी औरे जीड़ातं की अवोंस्था म (निगेरे जी तं ह, वोंहA तं नित्रकी

स ध की अ भ "नितं

स स धकी ऊजी 4स भरे जी तं ह, उसकी चौंतं प्र> निCलेतं ह! जी तं ह, औरे वोंह अनिधकी सशां , ऊजी वों4 औरे हृCकी महस"स

"तं त्र की रु षों, अथा तं4iजी की- रु षों (M-A-N), की वोंले एकी स ध रेण व्यनि हA ह!तं , बनिCकी वोंह एकी निवोंशांर्षों जी रे टरे ह!तं ह, जी! ब्राह्म डी या ऊजी 4की! ध रेण कीरे औरे प्रवों निहतं कीरे की क्षामतं रेखोतं ह। इस M-A-N की तं मले" स्तं भ ह!तं ह—1 कीरेतं ह। तं नित्रकी अ भ वों आत्म की! जी वों स भरे दुतं ह, जीबफिकी स ध रेण भ!गे की वोंले शारे रे की!

मद्र (Mudra), आस (Asana) औरे ना (Nadi)।"

मतM प्र की रे दुतं ह। जीस ह वोंह शांनि क्षा त्र (Sakti-Kshetra) सफिक्रंया ह!तं ह, उच्ची चौंतं की समस्तं

"रु षों औरे म्न्न जी (फिद्रया की सरे चौं म (एकी गेह निभन्नतं ह। जीह D रु षों की जी गे ब हरे रू स निवोंद्यातं (इले निक्Åकीले द्वी रे खोले जी तं ह 1औरे स धकी ऊजी 4की

औरे आ तंरिरेकी रू स चौंब की या (मग्न रिटकी) ह!तं ह 1वोंहA म्न्न जी गे इसकी निवों रे तं ह!तं ह—1वों ब हरे रू स चौंब की या प्रवों ह स भरे जी तं ह, जी! स "ण 4अनिस्तंत्वों की! प्रकी निशांतं कीरे दुतं ह। "

आ तंरिरेकी रू स निवोंद्यातं ह!तं ह।1 याफिदु ऐस ह!तं , तं! सया !गे की दुHरे दु! शारे रे ण"4 रू स एकी की रे हA ह! तं। जीब

जी की- रु षों (M-A-N)

या दु! निमलेतं ह,1 तं! एकी मह शांनि क्षा त्र (cosmic force field) उत् न्न ह!तं ह, जी! ब्राह्म डी या ऊजी 4की एकी लेघ- सस रे (microcosmic replica) की नि म 4ण कीरेतं ह। "

"अचौं की इ जीरिटले शांब्दु की प्रया!गे भ्रनिमतं कीरे सकीतं ह। ले फिकी जीस फिकी हले कीह गेया था , इस शां ग्र ह स् r फिकीया जी एगे। ध्या रेह फिकी 'ब्राह्म डी या' (cosmic) शांब्दु याह Dनिब की रेण प्रया हA हुआ ह। याफिदु की!ई व्यनि इस शांब्दु या इसकी अवोंध रेण की! हA समझे तं , तं! याह सकी तं ह फिकी वोंह अभ इस स्तंरे की तं नित्रकी अभ्या स की निलेए या!ग्या हA ह। याह म गे 4अभ उसकी निलेए हA ह— बस इतं ह। ले फिकी ब्राह्म डी या स की4 ह तं त्र की अ नितंम लेक्ष्या ह। तं त्र शांनि वोंह ब्राह्म डी या शांनि ह, जी! एकी निवोंशांर्षों जी रे टरे—एकी रु षों (M-A-N) औरे उसकी चौंतं आत्म की म ध्याम स प्रवों निहतं ह!तं ह। "

"एकी शांरे रे निवोंनिभन्न आस की म ध्याम स दुस"रे शांरे रे की गेहरे स की4 म (आतं ह, निजी म(स की छे तं म
 हले ह अ भ वों कीरे चौंकी ह!—या!नि -आस , सखो - द्म स , लेतं -आस , जी या ग् म-आस , एकीध रे -आस , ष् की-आस औरे शांवों स । की छे
आस स तं म रिरेनिचौंतं ह!, औरे की छे स हA। सभ आस सभ की निलेए हA ह!तं । या स धकी की प्रकीMनितं (प्रकीMनितं) औरे
स निधकी (रु र्षों) की अ रू बदुलेतं ह।1 ले फिकी शांवों स औरे सखो - द्म स वों दु! आस ह,1 निजी म(यागे ले घ ट तंकी एकीरू
ब रेह सकीतं ह।1"

"M—*मद्र *(Mudra):

मद्र की अथा 4की वोंले ह था या शांरे रे की फिकीस निवोंशांर्षो आकीMनितं म (निस्थानितं तंकी स निमतं हA ह,

बनिCकी याह आ तंरिरेकी ऊजी 4
नि-यात्र ण (inner energy control) की एकी निवोंध ह। मद्र की म ध्याम स स धकी अ ऊजी 4की! सनि चौंतं कीरेतं ह, उस
नि यानि त्रतं कीरेतं ह, औरे आवोंश्याकीतं स रे उस जी गेतंM कीरेतं ह। प्रत्याकी मद्र की   छे एकी निवोंनिशांr

की   (vibration) औरे
शांनि प्रवों ह ह!तं ह, निजीस की वोंले अ भ वों द्वी रे ह आत्मस तं फिकीया जी सकीतं ह। मद्र स धकी की! एकी ग्रेतं , निस्थारेतं औरे
ऊजी -4सतं ले प्रदु कीरेतं ह। "

"A—*आस *(Asana):

आस म त्र शां रे रिरेकी मद्र ओं की अभ्या स हA ह, बनिCकी याह शांरे रे की भ तंरे सक्ष्"म ऊजी 4ध रे ओं की!

व्यवोंत्थितिं कीरे
1.योनि-आस (Yoni-āsana)
एकी ग्रेतं निकीस प्रनिक्रीया औरे निवोंनिभन्न तं नित्रकी आस की म ध्याम स स धकी शांरे रे औरे म की चौंचौं लेतं की! समा तं कीरेतं ह
2.सखो - द्म स (Sukha-Padmāsana)
3.लेतं -आस (Latā-āsana)
औरे ब्राह्म डी या चौंतं स जोड़ी की निलेए स्वोंया की! तं या रे कीरेतं ह। सह आस की निब ऊजी 4की प्रवों ह
4.जी - याग् म-आस (Januyugma-āsana)
ब निरेह! सकीतं ह,
5.एकीध रे -आस (Ekadhārī-āsana)
6.ष् की-आस (Puṣpaka-āsana)
निजीस की आस की वोंले तं ह। तं त्र म (की छे निवोंनिशांr आस की ह चौंया फिकीया जी तं ह, जी! सहजी वोंस्था
7.औरे नि निश्चतं रू स शांवों स (Savāsana)
(sahaja state) म (प्रवों शां की अ म नितं दुतं ह।1" "दु! शांरे रे निवोंनिभन्न आस (आस) की म ध्याम स गेहरे

"ह की(4 म(आतं ह, निजी म(स की छे तं म हले ह औरे भ वों की! कीरेतं ह। सभ आस सभ की निलेए उ या हA ह!तं । प्रकीMनितं (प्रकीMनितं)
औरे रु र्षों (रु र्षों) की अ स रे आस बदुलेतं ह।1 ले फिकी शांवों स औरे सखो - द्म स ऐस दु! आस ह 1निजी म(यागे ले घ ट तंकी
निवोंले रेह सकीतं ह।1"

"N— निड़ाया D (Nadi):

"वोंह सक्ष्"म प्रवों ह जी! फिकीस व्यनि की ब्राह्म डी या चौंतं की! सफिक्रंया कीरेतं ह, अदुश्Mया म गे' या निड़ाया (nāḍīs) की म
स प्रवों निहतं ह!तं ह। याह निड़ाया Dब्राह्म डी या ऊजी 4की उतं रे-चौंढ़ वों की! व्यनि की चौंतं तंकी हुचौंD तं ह।1 गेरु ह वों

व्यनि ह!तं ह, जी! सया !गे की प्रगेनितं की अ स रे निशांष्या की! उनिचौंतं फिदुशां म (म गेदु4शां4 दुतं ह। जीब वोंह रे" तंरेह आश्व
ह! जी तं ह, तंभ वोंह यागे ले की! स्वोंतं त्र रू स अभ्या स कीरे की अ म नितं दुतं ह। इस प्रकी रे, गेरु इस रे" प्रफिक्रंया की
आध्या नित्मकी औरे भHनितंकी दु! ह रू म (निज़ीम्म दु रे ले तं ह, निजीसस उसकी स्वोंया की आध्या नित्मकी औरे शां रे रिरेकी
अनिस्तंत्वों खोतंरे म (ड़ा सकीतं ह। "

"याह स् r कीरेण शांरे रे की भ तंरे सफिक्रंया उस सक्ष्"म ऊजी 4की! सदु र्पिभतं कीरेतं ह, जी! अदुश्Mया ह!तं हुए भ की यारे4तं रेहतं ह
फिकीस भ अन्या ऊजी 4की तंरेह, याह ऊजी 4भ अ उ निस्थानितं की! की वोंले अ प्रभ वों की म ध्याम स प्रकीट कीरेतं ह। जीस
निवोंद्यातं शांनि (electricity) अ उ निस्थानितं की वोंले तंब प्रकीट कीरेतं ह, जीब एकी बCब जीलेतं ह, एकी खो घ"मतं ह, या
एकी निहया घ"म लेगेतं ह। याह निसद्ध तं सHरे ऊजी ,4 जीले-शांनि , अनिग्न-शांनि , औरे भ -शांनि रे भ ले गे "ह!तं ह। शांनि
स्वोंया अमतं" 4ह!तं ह, की वोंले उसकी उत् न्न कीरे वों ले यात्र (जी रे टरे) औरे उसकी प्रभ वों ह दुनिMrगे!चौंरे ह!तं ह।1"

"इस प्रकी रे, निड़ाया Dभ अदुश्Mया ह!तं ह,1 ले फिकी हम उ की उ निस्थानितं की! उ की प्रभ वों की म ध्याम स अ भ वों कीरेतं
याह अ भ वों हम (मनिस्तंष्की प्रण ले (brain system) की म ध्याम स प्र प्त ह!तं ह, जी! हम रे सवों दु शां ले अ भ वों औरे
भ वों त्मकी प्रनितंफिक्रंया ओं की सचौं ले कीरेतं ह। ले फिकी निड़ाया की अदुश्Mयातं हम (निवोंचौंनिलेतं हA कीरे चौं निहए। उ
जी तं ह। हम रे

कीहं जी तं था । इस प्रकी रे वोंशां कीरेण (hypnosis), सम्म!ह (mesmerism) औरे अन्या म निसकी उ चौं रे भ हम रे
शां स्त्र म (वोंर्पिणतं ह।1"

"हम इ निवोंनिधया की उ क्षा
नि की म न्यातं (scientific acceptance) ह!Aकि क्या फिकी इ की वोंज्ञा
औरे वोंज्ञा नि की म न्यातं की अथा 4अ तंतंo निश्चम स्वों कीMनितं स ह निलेया जी तं ह। ले फिकी म 1नि निश्चतं रू स कीह सकी
ध रे -ध रे निश्चम भ उ प्रभ वोंशां ले निवोंनिधया औरे उ चौं रे की! स्वों की रे कीरे गे , निजीन्ह (वों"Â ज्ञा रे रे सहस्रो निब्दुया
स अ या ह। या!निगेकी शांनि या (supraconscious yogic forces) की वोंज्ञा नि की स्वों कीMनितं भ समया की स था बढ़ गे ।
औरे तं म स्वोंया अ जी वों की ले म (इस रिरेवोंतं4 की! दुखो !गे। "

" रु र्षों औरे स्त्र की जी गे की सरे चौं त्मकी ब वोंट म (गेहरे अ तंरे ह। जीह D रु र्षों की जी गे ब हरे रू स
निवोंद्यातं (इले निक्Åकीले) औरे आ तंरिरेकी रू स चौंब की या (मग्न रिटकी) ह!तं ह,1 वोंहA स्त्र की जी गे इसकी
ह!तं ह। उसकी समया 'दु! की एकी' म (ण"4 रू स की या 4कीरे सभ वों ह!तं ।"
"स्त्र की जी गे ब हरे रू स चौंब की या औरे आ तंरिरेकी रू स निवोंद्यातं ह!तं ह।1 दु! निमलेकीरे एकी ब्राह्म डी या
शांनि क्षा त्र (की²निस्मकी >!स)4 की नि म 4ण कीरेतं ह।1 याह जीस ब्राह्म डी या ऊजी 4क्षा त्र (की²निस्मकी ए जीÂ
> Cडी) की लेघ रू (म इक्रं!की!निस्मकी
रे निप्लेकी) ब तं ह। "

"अब हम अ ठ रे लेHटतं ह।1

"म वों ऊजी 4दु! निवों रे तं औरे निभन्न प्रफिक्रंया ओं म (निवोंभ निजीतं ह!तं ह: हले , अ ब²निलेज्म (धMनितं-शांनि),

औरे दुस"रे

ऊजी 4की! की छे नि निश्चतं म गे' रे प्रवों निहतं कीरे की की या 4कीरेतं ह। याह द्वीतं म वों शांरे रे म (निशांवों-शांनि की रू म (रिरेलेनिक्षातं ह!तं ह, निजीस अध 4 रे श्वरे की छेनिवों म (दुशां 4या गेया ह। या प्रतं की, यात्र और मद्र ए Dगेहरे अथा 4स भरे हुई ह।1
गे तं म (भ कीह गेया ह— 'प्रकीMनितं मरे दुखो रे खो म (की या 4कीरेतं ह। प्रकीMनितं ह या!नि ह, औरे म 1उसम (ब जी डी लेतं हूँ।D'* सनिMr
की इस द्वीतं प्रकीMनितं की की रेण ह नि रे तंरे निवोंकी स सभ वों ह!तं ह, जी! ब्राह्म डी की! नि रे तंरे आगे बढ़ तं रेहतं ह। "*

"इस आस म (स धकी ब्राह्म डी या चौंतं की प्रवों ह म (ले ह! जी तं ह, औरे ऊजी 4की सचौं रे

इड़ा -लिं गेले -सर्षों म्न निड़ाया की
म श्याम स मले" ध रे स सहस्त्रो रे तंकी ह!तं ह। याह प्रवों ह रे" मनिस्तंष्की मडी ले (cerebellum) म (> ले जी तं ह
औरे सभ
चौंक्रं स प्रवों निहतं ह!तं ह। स धकी की वोंCया (अद्वीतं अवोंस्था), आ दु (रेम दु), या ब्राह्म दु (ब्राह्म डी या

रेम दु) म (निवोंले
ह! जी तं ह। याह फिकीस व्यनि गेतं तंMनित्त की निलेए हA ह!तं , ह याह स्वों था4 रेकी आ दु की अ भ वों ह। याह
तं! वींस ह ह
जीस एकी निवोंशां ले जीले शांया की नि म 4ण कीरे तं फिकी स "ण 4म वोंतं की! जीले की अमतंM निमले सकी।

याह या!गे की अ नितंम
उ या!निगेतं ह। इसकी उ या!गे कीरिरेए, रे स्वों थाÂ मतं बनि ए।"
"कोंह सत्र नि निश्चतं रू स ले ब था।
स्वोंरू मनिहले की! जी तं थी। उस हम रे निलेए मफि दुरे की द्वी रेखोंवो फिदुया , एकी याज्ञा-निवोंनिध की व्यवोंस्था कीरे दु , औरे उ आस की! क्विले फिदुया। या स भ म द ले गेले वोंतं वों म (बह्वतं कुछ रे ह!तं ह।1" कोंह रे तं कीस सम स ह!
"म 1 मह सरस्वोंतं की उस सउ स और रिरेत्या अफि दुरे की! अ स ध की निलेए क्या था , औरे उस रे ह,

गेई तं ह हA चौले। जीब हम ब हरे आए औरे ऊDचौं दु वों रे रे खोड़ा ह!कीरे ठ डी , शां तं औरे
जीब म 1
अ धरे गेले की! नि ह रे रेह था, तंब व्रों"Â तं स्वोंर्णिम अरुनिमा स दमकी रेह था। अ जी स्म कीरे रेह था
आकीशरे औरे भरो, सूर्य या औरे फिदुव्य अ भ नितया की ब वों झ ले रेह था, मफि दुरे की गेब दु की वो रे तं
मिन्नुतं की नि ण4या क्या
ह रिटया D द -तंद की हजी रे मफि दुरेड़ा था।"D
निलेया —याह म 1आजी भ स् r हA कीरे सकीतं। अतं तं की कीई घट एD ध धले स्मनिMतंया की जीगे ले म (खो!
गेई, रे तं उस रे तं
"एले.एस. मझे अकी ले छे!ड़ाकीरे चौले गेई। म 1वोंहA खोड़ा , दुखो तं रेह , स!चौंतं रेह , औरे हरे ह!तं रेह। वोंह फिदु आजी भ मरे स्मनिMतं था रे अ ले ब रेच्छे हुआ, D ई लेतं ह।1 इ वोंर्षों' म (जी वों की प्रकी शां मद्धम ह! चौंकी ह, रे वों फिदु आजी भ अ आभ निबखोरे तं ह।1"
एले.एस. की कीM स सब की छे सम स हA हुआ।"
"उ की अप्रत्या निशांतं औरे अचौं की प्रकीट ह! घट ओं की फिदुशां बदुले चौंकी था। मफि दुरे की स ध रेण रेखोवों ले

"एले.एस. वोंर्षों' हले तं त्र स ध म (की मशांनि की रेहस्या की! समझे या था। इस ब रे भ इस निवोंर्षोंया की! एकी ए
उस सले -
दुनिMrकी!ण स बुखो।"

" रे तं याह अ तं हA था।

"याह ऐस निवोंर्षोंया ह जी! ब रे-ब रे म म (आतं ह, तंब तंकी भ्रनिमतं कीरेतं रेहतं ह जीब तंकी इस वों स्तंनिवोंकी रू स अ भ वों फिकीया जी ए। याह आश्चर्याचौं4फिकीतं कीरे वों ले ब तं ह फिकी हम रे सचौं तं म रे याह शांनि फिकीतं गेहरे ई स प्रभ वों डी लेतं ह, निजीस हम की वोंले सहजी प्रवोंMनि (instinct) म कीरे अ दुखो
कीरे स कीतं ह।1 वों स्तंवों म (याह सहजी प्रवोंMनि स कीहA अनिधकी ह।

क्या फिकी हम इस अनिधकी शांतo गेलेतं प्रया!गे औरे दुरु या!गे की रू म (दुखो तं ह,1 हम रे अवोंचौंतं सदुवों इस औनिचौंत्या (justification) प्रदु कीरे की खो!जी म (भटकीतं रेहतं ह। "

"वों स्तंवों म,(की मशांनि अत्यातं उच्ची स्तंरे की मह शांनि ह, औरे म वों शांरे रे इस शांनि की स था खोले तं रेहतं ह निब याह जी फिकी इसकी सह उ या!गे क्या ह। दुरु या!गे की की रेण हम रे म म (सदु ह उत् न्न ह!तं ह; सदु ह स हम अ रे धब!ध महस"स कीरेतं ह;1 औरे इस अ रे धब!ध स बचौं की निलेए हम औनिचौंत्या ढं"Dढं लेगेतं ह।1"

"हम रे गेलेतं कीMत्या की! सह ठहरे की निलेए हम प्र याo दुस"रे की ओरे उDगेले उठ तं ह—1कीभ उन्ह (अ रे ध स निबतं कीरेकी कीभ स्वोंया की! सतं दुशां 4कीरे। 'सतं -स्वोंरू फिदुखो ' की खोले की म-निवोंकीMनितं स ग्रेस्तं व्यनि या की सबस आम टकी ह। "

एकी की की²>

"स ले 1929-31 की दुHरे , मरे म अत्यानिधकी उलेझे म (था। भ तंरे की अशां नि तं चौंरेम रे था ; औरे मरे भ तंरे की रे जीस रे हA था , निजीसस आलेस्या औरे कीमजी!रे आ जी तं ह) , औरे प्र याo स्ना यानिवोंकी उ जी की की रेण निसरेदुदु 4जीस की छे महस"स ह!तं था। उस समया की रे जी नितंकी निस्थानितं इस बचौं की! औरे भ बढ़ फिदुया था। म 1घट ओं म (अत्यानिधकी सनि लेप्त था , औरे स्वोंभ छेनिसया निवोंकीउ लेस था ले निबेर्यो रेह था। शांरे रे म (अचौं की गेमÂ महस"स ह!तं था (याह की!ई बखो ड़ा। याह मरे आध्या नित्मकी स ध की सबस कीरिठ अवोंनिध था। म 1अकी ले था , अज्ञा तं था , एकी स स क्षा त्र म (था , जीह D स नि कीटतंम रे लेवों स्ट शां भ बहुतं दुरे" था , औरे म 1अ प्र कीMनितंकी रिरेवोंशां , इ डी!-गेगे की मदु स रे" तंरेह कीट हुआ था। जी नितंकी उग्रेवों फिदुया की तंले शां म (चौंले रेह अनिभया स बचौं की निलेए मझे

"इस समया मरे भ(ट एकी अजी ब स हुई।

"की छे ले!गे मझे स सह यातं म Dगे। उन्ह बतं या फिकी एकी अ जी व्यनि , जी! फिकीस अज्ञा तं भ र्षों म (ब तं कीरे रेह था , शां रे रिरेकी रू स इतं कीमजी!रे ह! चौंकी फिकी बह !शां की ह लेतं म (रेह चौंD था।

"याह व्यनि अत्यानिधकी वोंद्धM था। वोंह ले ब था , अ उम्र की निहस ब स मजीबतं" की या वों ले था , औरे स् r रू स एकी तं निमवोंकी या!गे था , निजीस फिकीस भ ब ह्रे कीरिठ ई स की!ई रे शां हA ह! चौं निहए था। जीबो उस मझे चौंह रे प्रसन्नतं स निखोले उठ। ब दु म (मझे तं चौंले फिकी उसकी म तंभM र्षों तं लेगे था। इसकी अले वों वोंह की वोंले सस् कीM शां यादु की छे शांब्दु अ ग्रेज़ी की जी तं था। उस लिंहदु निबCकी ले भ हA आतं था , जीबफिकी स्था या ले!गे लिंहदु समझे सकीतं रे तं ब!लेतं अ रे जीस्था जी जी तं या भ र्षों म (था। "

"याह या!गे तं लेगे स आया था , औरे की²> की अत्यानिधकी अभ्यास्तं था। ले फिकी याह Dउस कीई फिदु स की²> हA निमले था , क्या फिकी वोंह अ गे> म आश्रेम की! छे!ड़ाकीरे तं गेभद्र दु की स स ब्राजीध म की दु ले या त्र रे नि कीले था। उरे प्रदुशां की मथा रे की सम निस्थातं वोंदुM वों तंकी की उसकी या त्र लेगेभगे 800-900 म ले ले ब था , ले फिकी रे स्तं म (वोंह भट गेया। एकी म!ड़ा रे उस गेलेतं फिदुशां बतं दु गेई, निजीसस वोंह उरे फिदुशां म (जी की बजी या निश्चम की ओरे चौंले ड़ा। इस तंरेह, वोंह उज्ज औरे मह की लेश्व रे की मफि दुरे तंकी जी हुचौंD। वोंह D स फि>रे उस गेलेतं म गेदु4शां4 निमले , औरे वोंह उरे की ओरे बढ़तं हुए लिंवोंध्या वों4तंम ले की नि जी 4 क्षा त्र म (भटकीतं रेह , जीह D उस समया म 1गेम म रू स एकी घरे ले "सवों की

रू म (की म कीरे रेह था। उस अ इस कीरिठ ई की सबस बड़ा की रेण याह लेगे फिकी वोंह स्था या भ र्षों हA जी तं था।"

"वोंह D की²> उ लेब्ध हA था , रे तं म 1 औषोंनिधया औरे की > की एकी बदु" की सह यातं स एकी निवोंकीC तं या रे फिकीया। ले फिकी उस रेस या म (की!ई रुनिचौं हA था। उसकी प्या स फिकीस भHनितंकी दु था 4की निलेए हA, बनिCकी आत्म की तंMनि था। वोंह अ दुशां निमश्रेण की सगे ध की! या दु कीरे रेह था।"

"उस समझे या फिकी आत्म फिकीस भHनितंकी वोंस्तं या आकी रे की हA, बनिCकी स रेतंत्त्वों (essence) की आकी क्षा रेखोतं ह– वोंह जी! Dचौं इ फिद्रया की ज्ञा की! रिरे r कीरे दुतं ह, जीस फिकी गे तं म (वोंर्पिणतं तंन्म त्र ओं (tanmatras) म (बतं या गेया ह। "

"मझे उसकी नि कीट जी की तं व्र इच्छे हुई, औरे उस सप्त ह ऐस एकी घट घट , निजीस मझे हमशां की निलेए उसकी स था जी!ड़ा फिदुया।"

ज़ीरे : शांनि की स्रो!तं

"म 1रे!ज़ी शां म की! ले ब स रे रे जी या कीरेतं था , औरे स बह की स रे भ कीरेतं था , ह ले फि की उतं ले ब हA। मझे एकी जी जी तं या दुनि ह स दुध" ले ह!तं था , जी! ह ड़ा की चौं रेहतं था। दुध" ले जी तं समया, म 1 ह ड़ा तंले की एकी झे ले म (स्ना कीरेतं था ; फि>रे दुध" ले नि कीलेतं। कीभ -कीभ म 1एकी निवोंशांर्षों शांनि ठ (एकी निसद्ध स तं द्वी रे प्रनितंनिष्ठोंतं निवोंत्र स्था)
की निलेए प्रनिसद्ध मफि दुरे भ जी या कीरेतं था।"

"की छे मह ब दु, मझे एकी शांनि स् दु की अ भ वों हुआ, औरे म 1 सह हचौं फिकी याह स् दु उस दुध"

दुनि ह स आ
रेह था। रे जीस्था की प्रथा की अ स रे, जीह D की छे वोंगे' म (कीन्या ओं की स ख्या कीम ह!तं ह, उस जीन्म की तं रे तं ब दु ह
निवोंवों ह की निलेए आरेनिक्षातं कीरे फिदुया गेया था। उसकी सगे ई की प्र रे निभकी रेस्म (तंब रे" ह! गेई

थाA, जीब वोंह म त्र Dचौं वोंर्षों4
की था। उस की वोंले इतं ज्ञा तं था फिकी उसकी नितं ह, ले फिकी उसस अनिधकी की छे हA। उस तं! उस दुखी था , हचौं
था। किंकीतं अ स्वों भ निवोंकी शां ले तं औरे सरेलेतं म (वोंह शांनि उ स की रे रे ओं की! सहजी रू स

अ ए हुए
था। की ले जी जी तं या सम जी म (अत्यातं ले!कीनिप्रया दुवों था।"
"झे ले की एकी ओरे एकी ब स > ट ऊDचौं खोड़ा चौंट्टा था , जी! झे निड़ाया स ढंकी हुई था , निजीस की!ई भ

छे ड़ा की निहम्मतं हA
कीरेतं था। वोंह D की वोंले तं रेकीरे ह हुचौंD जी सकीतं था। चौंफि"Dकी फिकी रे रे कीहA भ आरे म कीरे की जीगह हA था , तं रेकीरे
जी की अथा4 था —वों स उस फिकी रे रे लेHटकीरे आ । याह कीई ले!गे की! जी!निखोम भरे लेगेतं ,

इसनिलेए फिकीस भ
वोंह D तं रे की स हस हA फिकीया। किंकीतं वोंह झे ले अत्यातं स दुरे था।" तंत्रे की दुनि या
"म 1 तं रेकीरे जी की स हस फिकीया औरे वोंह D एकी छे!ट गे> खो!जी नि की ले। जीCदु ह मझे तं चौंले

फिकी याह स्था अन्या

"उस समया, म 1ले डी इ स फ्री (LS) की ब रे म (स!चौं रेह था औरे उ स म गेदु4शां4 म Dगे रेह था। (आजी भ , जीब म 1ि
जीरिटले निस्थानितं म (ह!तं हूँ,D तं! म ह म उ स रे मशां 4ले तं हूँ Dऔरे स खोदु रिरेण म प्र प्त कीरेतं हूँ।D)"

"उस फिदु मरे शां म की स रे की निलेए रे मचौं द्र मरे स था था। हम दु! अ ग्रेज़ी स सदु की निवोंकी स औरे की छे क्रं नितंकी
की अध्याया स था कीरेतं था। उस क्षा त्र म (की!बरे स बहुतं यातं म (था। किंकीतं रे हतं की ब तं याह था फिकी वोंह D बहुतं
था, जी! निवोंशांर्षों रू स की!बरे की! अ भ!जी ब तं था। इसनिलेए रे मचौं द्र की उ निस्थानितं मझे स रेक्षा की अहस स
था, क्या फिकी उसम (की!बरे की गेध की! दुरे" स ह हचौं की दुले 4भ क्षामतं था।"

"उस फिदु र्पि"णम था। म 1उ वों स रे था। रे मचौं द्र मझे स कीह फिकी वोंह स्था या शांनि मफि दुरे तंकी स था चौंले गे,
स तं म ले दुरे" था, औरे निजीस रे कीरे की निलेए अ> म की खोतं स ह!कीरे जी ड़ातं था (इस क्षा त्र म (अ> म औरे
की स की खोतं प्रम खो था)। याह स कीरे मझे आश्चया 4हुआ, क्या फिकी रे मचौं द्र हमशां उस मफि दुरे जी स बचौंतं था

"लेगेभगे तं मह हले, म 1एकी ब रे रे मचौं द्र की! उस मफि दुरे ले गेया था। उस फिदु वोंह D जी जी तं या ले!गे द्वी रे एकी
बनिले दु गेई था। जीब रे मचौं द्र बनिले की रे रे निजीतं भ"निम दुखो, तं! वोंह, जी! एकी श्रेद्ध ले जी था, तंत्की ले बह !शां ह
इसनिलेए जीब इस फिदु वोंह रे मचौं द्र स्वोंच् छे स मरे स था जी की निलेए तं या रे हुआ, तं! म 1हरे रेह गेया।"

"ले फिकी मरे आश्चया 4की स म तंब औरे बढ़ गेई जीब वोंह D मझे ज़ीरे निमले —रे जीस वोंस्त्र म (सजी हुई, आभ"र्षोण स
अलेकी Mतं! वोंह अकी ले हA था; कीई अन्या जी जी तं या या वोंनितंया D औरे की छे अज्ञा तं रु र्षों वोंह D एकीत्र था। ज़ीरे
तं नित्रकी अ ष्ठों म (भ गे ले की निलेए आमनि त्रतं फिकीया। याह वों स्तंवों म (एकी स ध सभ था, निजीस वों आया!निजी
उस फिदु अम वोंस्या की रे तं था। रे मचौं द्र मस् कीरे रेह था।"

"समह" की एकी वोंद्धM व्यनि मझे स कीह —' ज़ीरे तं म्ह (जी तं ह। तं म गे> म (अ आस रे स ध कीरेतं ह!। ज़ीरे
भ उस आस की उ या!गे कीरेतं ह, रे तं निवोंनिभिन्न समया रे, तं फिकी टकीरे वों ह!। याह D फिकीस की! आमनि त्रतं हA
जी तं; की वोंले या!ग्या व्यनि ह याह D आ तं ह।1 रे मचौं द्र तं म्ह (जी तं था, इसनिलेए तं म स्वों गेतं या!ग्या ह!। बठ ! औरे अ
स्था ग्रेहण कीरे!।'"

" रु र्षों!म तं लेगे स आए वोंद्धM या!गे स निमले स हले ह, म 1 ज़ीरे की घ रे म (आ चौंकी था। ले फिकी फि>रे भ स
चौंतं की! छे दु रेह था। स दुह वोंह दु मकी ह, जी! आत्म की! खो!खोले कीरे दुतं ह। "

"ले फिकी ज़ीरे स्वोंया एकी निसद्ध आत्म था। वोंह मझे ब चौं-ब चौं म (आश्वस्तं फिकीया कीरेतं था। हम रे हले निझेझेकी
हचौं की ब दु, वोंह मरे स था इतं घनि ष्ठों ह! गेई फिकी दु! हरे की समया गेस्त रू स एकी ड़ा रे चौंढ़कीरे मरे कीमरे की
मनि ज़ीले की निखोड़ाकी स उतंरे आतं औरे हम दु! या!गे स ध की निवोंनिवोंध हलेओं रे चौंचौं 4 कीरेतं। "

"म 1उसकी स ध की अध्याया कीरेतं रेह, रे तं ण"4तंo आश्वस्तं हA था। फिदु -ब-फिदु मरे स दुह बढ़तं जी रेह था, औ
फिकीस स अ निवोंचौं रे स झे कीरे की आवोंश्याकीतं महस"स ह! रेह था। किंकीतं फिकीस की रेणवोंशां LS तंकी मरे हु
रेह था। स म न्यातंo, वों हमशां मरे सम ह!तं थाA, रे तं कीभ -कीभ वों मरे हुचौंD स ब हरे भ चौंले जी तं थाA, जी
प्रकी रे की स की4 स भवों हA ह!तं था। म 1एकी म निसकी शां"न्यातं की दुHरे स गेजी रे रेह था।"

"शां यादु LS जी तं थाA फिकी म 1क्या खो!जी रेह हूँ,D औरे मझे फिकीसकी आवोंश्याकीतं था। शां यादु इस निलेए वोंह वोंद्ध
भगेवों -निवोंह नि जी4 प्रदुशां म (भटकीतं हुआ आ हुचौंD था। मझे इस स या!गे रे स दुह हुआ फिकी क्या याह वों स्तंवों म
था?"

दुहुनितं

एकी सब ह, स्ना की ब दु औरे दुध"वों ले की स जी तं समया, म 1 स ध म गे 4 ले कीरे एकी प्र चौं खोनि डीतं मफि दुरे की स स गेजी रे की नि श्चया फिकीया , जीह वोंह बढ़" व्यनि ठहरे हुआ था। उस कीह था फिकी वोंह कीरिठ या त्र की थाकी स उबरे रेह ह।

मझे

मफि दुरे खो ले निमले।

याह स!चौंकीरे फिकी शां यादु वोंह अभ भ झे ले म (स्ना कीरे रेह ह!, म 1ब हरे गेया। याह झे ले की एकी बहुतं ह शां तं की! था , जीह आमतंHरे रे की!ई हA आतं था। एकी उभरे हुई चौंट्टा की ट कीड़ा रे, जी! झे ले की की ऊ रे झे की हुई था , वोंह ले ब औरे निवोंशां ले व्यनि लेगेभगे झे की हुआ था , म ! खोदु की! आध म!ड़ातं हुए।

वोंब रे की सब ह की ध ध म (वोंह अले दु की निजी की तंरेह लेगे रेह था।

ध रे -ध रे स जी रे, म 1 उस हठया!गे की सबस कीरिठ अभ्या स म (स एकी, दुहुनितं म (लेगे हुआ या। मरे जीरे(एकी ले ब स> दु मह की ड़ा रे ड़ाA, (या याह रे शांम था ? हA, याह रे शांम हA ह! सकीतं था , क्या फिकी रे शांम स!खोतं हA ह; याह अवोंश्या निले रेह ह!गे)।

उस की ड़ा की एकी निसरे उसकी की स लेटकी हुआ था , औरे दुस"रे निसरे शां यादु उसकी गेदु स; औरे वोंह उस ध रे -ध रे चौं स खोAचौं रेह था।

उसकी बगेले म (एकी औरे की ड़ा की ट कीड़ा ड़ा था , निजीस हले ह अ भ"निमकी रे" कीरे ले था , जी! दुस"रे था स ह!कीरे गेजी था।

म 1 की छे समया तंकी उस दुखो औरे फि>रे उस उसकी स ध म (छे!ड़ाकीरे अ दुनि की की म म (लेगे गेया।

उस शां म, हम रे स म न्या चौंचौं 4ओं की दुHरे , म 1 स खो फिकी हठया!गे की अभ्या स उ ले!गे की निलेए आवोंश्याकी हA ह 1निजी स ध फिकीस निसद्ध या!निगे (ण"4त्वों प्र स्र मनिहले) की आशां वों दु4 प्र स्र ह!। वोंह सबस प्या रे औरे आदुरेण या निशांनिक्षाकी ह!तं जी! आनित्मकी मनि की म गे 4म (सह याकी ह!तं ह।

मझे लेगे फिकी वोंह एलेएस की ओरे इशां रे कीरे रेह था।

म 1चौं रेह।

वोंह आगे ब!ले।

की ण्डीनिले

की डीनिले की अनिग्न एकी वों स्तंनिवोंकी अनिग्न ह। याह ऐस अनिग्न हA निजीसस तं म दु की जीले सकी! या अ बतं4 उब ले सकी!। ऐस लेHफिकीकी अनिग्न तं म्ह रे बनि द्ध की! प्रकी निशांतं हA कीरे सकीतं , ह तं म्ह रे भ तंरे आ दु की ज्या!नितं प्रज्वोंनिलेतं कीरे सकीतं ह। इसकी अभ वों म (भया तं म रे ह वों ह! जी तं ह, औरे भ तंरे की अ धकी रे तं म्ह (ब हरे अ धकी रे की तं ले म (अनिधकी

घबरे हट औरे भया स भरे दुतं ह। याफिदु याह अनिग्न ह!तं , तं! उ जी , आवोंगे , रे!म चौं औरे प्ररे ण जीस प्रफिक्रंया ए DनिबCकी ले

भ सफिक्रंया हA ह!तंA।

भHनितंकीवों दु इस की वोंले ‘ स’(कीहकीरे वों स्तंनिवोंकी प्रश्न की! ट ले दुतं ह।1 उ की स आगे की ज्ञा की

प्रफिक्रंया की की!ई या नि त्रकी

आध रे हA ह। ले फिकी की डीनिले अनिग्न ह; औरे याह उतं ह वों स्तंनिवोंकी ह निजीतं प्रम वों स्तंनिवोंकी ह;

वों स्तंनिवोंकी ह; निजीतं घMण वों स्तंनिवोंकी ह; निजीतं ईष्या 4 वों स्तंनिवोंकी ह; निजीतं अज्ञा वों स्तंनिवोंकी

ह।

याह एकी अद्भुभतं शांनि ह, जी! सप्त रेहतं ह, और इस जी ग्रेतं कीरे ड़ातं ह। जीब तंकी याह जी ग्रेतं हA ह!तं, तंब तंकी मथा भ ठ की स फिक्रंया शां ले हA ह! सकीतं। निशांनिथालेतं मथा म (सह याकी हA ह!तं। मथा तंभ सभ वों ह जीब याह शांनि उ निजीतं ह!, जीब याह ऊजी वों4 ह!, जीब याह तं वों म (ह!। और ऊष्णतं तंथा अनिग्न ह बहुलेनिशांनिथह्लेतं जीसी! फिकिसि त्र वों द्यायात्र (की तं रे कीस स उसकी ध्वोंनि उच्चीतंस्होरे तंकी हुचौंD

म निसकी जीगेतं की भ अ एकी सप्तकी ह!तं ह। म वों तं नित्रकी तं त्र की स तं सप्तकी ह स तं चौंक्रं ह।1 कीH ऐस ह जी! हले सप्तकी स शां रू कीरे स तंवों (तंकी हुचौंD सकी ? की वोंले म वों स्वोंरे, बनिCकी की!ई भ वों द्यायात्र —ढं!ले, नि या ! या वों यानिले ऐस हA फिकीया जी सकीतं फिकी वोंह हले सप्तकी स स ध स तंवों(तंकी हुचौंD

मध्य वोंचौंक्रं) नित्रकी तं त्र ह वोंह म ध्याम ह, जी! या!गे स ध द्री रे चौंतं की! जी ग्रेतं कीरेकी उस सबस नि म्न स्तंरे (मले" स सबस उच्ची स्तंरे (सहस्रो रे चौंक्रं) तंकी ले जी सकीतं ह, जीह D चौंतं एकी शां तं झे ले की तंरेह स्वोंया की! ण"4 प्रकी शां म (प्रनितंलिंबनिबतं कीरेतं ह।

कीई ले!गे की डीनिले की! की वोंले मथा की शांनि म की गेलेतं कीरेतं ह।1 याह की वोंले मखो"तं4 "ण 4बनिCकी भ्र मकी और की रे त्मकी दुनिMrकी!ण ह। बहुतं स अज्ञा याह भ कीहतं ह 1फिकी ईस ई चौंचौं4 की प्र था 4 (म स) एकी लिंलेगे! स की रू ह! भ!गेवों दु अ आलेस्या और अज्ञा तं की! अ शांनि म तं ह।1

की डीनिले एकी शांनि की रू म (गेढ़" रेहस्या स रे ह, ह ले Dफिकी रेहस्यावों फिदुया द्री रे इसकी ब रे-ब रे उCलेखो फिकीया ज वों स्तंवों म,(की डीनिले की शांनि म ष्या की स "ण 4व्यनि त्वों और अनिस्तंत्वों म (सफिक्रंया रेहतं ह। म ष्या वोंह ह जी! की डी ब तं ह।

यात्र वोंतं।जी वों ले व्यनि की वोंले खो तं, चौं तं, मले त्या गे कीरेतं, स!तं, सतं उत्‌ न्न कीरेतं और मरे जी तं ह— याह सब वोंह रे" तंरेह या नि त्रकी और स्वोंचौं निलेतं ढं गे स कीरेतं ह। शांरे रे की इस या नि त्रकी प्रफिक्रंया की! की डीनिले की शांनि की क आवोंश्याकीतं हA ह!तं, याह की वोंले आज्ञा चौंक्रं (मडी ले) की फिक्रंया शां ले तं त्र रे नि भ4रे ह!तं ह।

ले फिकी इस या त्रवोंतं।म ष्या की भ तंरे एकी और व्यनि निछे ह!तं ह— वों स्तंनिवोंकी म ष्या। याह वोंह व्यनि ह जी! गे तं ह, स;दुया 4की! सरे हतं ह, कीनिवोंतं और स निहत्या की रेचौं कीरेतं ह, कीले और आनिवोंष्की रे म (सले ग्न रेहतं ह। वोंह भनिवोंष्या कीC कीरेतं ह, अ ह स्वोंरू की कीC दुवों तं ओं और दुनि वोंया की रू म (कीरेतं ह, अ आदुशां' की हचौं कीरेतं ह और जीब वों उ लेब्ध हA ह!तं तं! बचौं ह! उठतं ह।
हम जी तं ह 1फिकी इस ऊजी 4की स्रो!तं, जी! जी वों की! आ दुमया ब तं ह, उस 'हले फिदु ' कीह जी तं ह, जी! की डीनिले की ह एकी रू ह— अघट -घट - रिटयास (जी! असभ वों की! सभ वों कीरे की शांनि रेखोतं ह)।
की डीनिले की ध रे रे" सवों दु शां ले क्षा त्र की! अ ऊजी 4स रिरे ण" 4कीरे दुतं ह। याह ऊजी 4ह म ष्या की! सजीM कीरे, बढ़ और उ लेनिब्धया D ह निसले कीरे की निलेए प्ररि रेतं कीरेतं ह। की डीनिले की! आलेस्या स्वों की रे हA।
की डीनिले सजीM कीरेतं ह और सजीM म (ह प्रसन्न ह!तं ह, याह स्वोंगे 4और थ्Mवों की सभ द्री रे खो!ले दुतं ह तं फिकी एकी आत्म भ"तं और भनिवोंष्या की! दुखो सकी, सभ इ फिद्रयाब!ध और अलिंतंद्र या अ भ "नितंया की ले भ उठ सकी और अ जी वों की!

स थाकीM4 सकी।

दुखो   जी ए तं!, याह सहजी ह समझे म (आतं ह फिकी इस सवों4व्य   आ दुमया शांनि की! अज्ञा वोंशां की वोंले इ फिद्रयाजीनि तं भ!गे
औरे वों स ओं तंकी स निमतं कीरे फिदुया जी तं ह।

की डीनिले   अन्या निवोंशांर्षों शांनि या की रेहस्या भ अ   भ तंरे सम ट हुए ह। इ म (स एकी शांनि याह ह फिकी याह जी निवोंतं सर
की! अ   प्रभ वों म (ब Dध रेखोतं ह। म ष्या की! सनिMr की वों स्तंनिवोंकी प्रकीMनितं की स "ण 4ब!ध हA ह! फिदुया जी तं , क्या
याफिदु वों इस   रे" तंरेह समझे ले(, तं! वों निवोंचौंनिलेतं ह! सकीतं ह,1 भ्रनिमतं ह! सकीतं ह,1 औरे याह Dतंकी फिकी निवोंनिक्षाप्त भ

की डीनिले   उन्ह (अ   म या की प्रभ वों म (रेखोतं ह, उन्ह (अ   बध   म (ब Dध रेखोतं ह। याफिदु की डीनिले   ण"4 रू स जी ग्रेतं
जी ए, तं! व्यनि की! इस अस्तं-व्यस्तं औरे अरे जीकी सस रे की वों स्तंनिवोंकी स्वोंरू स् r रू स फिदुखो ई दुगे , औरे वोंह
स्वों भ निवोंकी रू स इसस   ले या कीरे   चौं हुगे । याह की रेण ह फिकी प्रत्याकी व्यनि की भ तंरे ले या वों दु (escapism) की
एकी अ तंर्पि निहतं प्रवोंMनि मHजीदु" ह!तं ह।
ले फिकी इस सनिMr स भ गे की की!ई उ या हA ह। याह की रेण ह फिकी की डीनिले   एकी प्रकी रे की चौंतं   -निवोंस्मMनितं (tra
रेखोतं ह। याह सर्षों प्त रेहतं ह,   रे तं लेगे तं रे शांरे रे औरे म की! एकीजीट रेखो की निलेए ऊजी 4की सचौं रे कीरेतं रेहतं ह।
की वोंले ‘चौं   हुए ले!गे’ ह इसकी बदु द्वी रे की! खो!ले , इसकी भ तंरे स!ए हुए अजीगेरे की! जीगे   औरे उसस सघ र्षो4कीरे   की
स हस कीरे सकीतं ह।1
गे तं कीहतं ह फिकी निजीस हम जी ग्रेतं अवोंस्था म तं ह,1 वोंह वों स्तंवों म (Aदु की अवोंस्था ह; औरे निजीस हम नि द्र अवोंस्था
म तं ह,1 वोंह वों स्तंवों म (जी ग्रेतं अवोंस्था ह। जी! ज्ञा   स स रिरेकी ले!गे की निलेए अ धकी रे (रे नित्र) की सम   ह, वोंह
आध्या नित्मकी ले!गे की निलेए जी ग्रेनितं की प्रकी शां (प्रभ तं) ह।

 ण"4तंo जी ग्रेतं या!गे   o नि द्र म (चौंले जी तं ह,   रे तं इस ब रे वोंह स स रिरेकी गेनितंनिवोंनिधया स निवोंरे ह!कीरे गेहरे
तंटस्थातं ध रेण कीरे ले तं ह। सनिMr औरे   o सनिMr की ब चौं आफिदु शांनि भ नि द्र म (रेहतं ह।
जी! की डीनिले   की सप्त अवोंस्था की रेहस्या की! समझे जी तं ह, वोंह वों स्तंवों म (की डीनिले   की वों स्तंनिवोंकी शांनि की! जी
म ष्या वोंह कीरेतं ह जी! की डीनिले   उस कीरे   दुतं   ह।
जी ग्रेनितं कीरिठ ह, इसनिलेए इस या!गे-स ध   या रेहस्यामया   था कीह जी तं ह। इसम (की!ई रेहस्यावों दु (occultism) हA ह,
बनिCकी याह की डीनिले   की वों स्तंनिवोंकी औरे ठ!स व्य ख्या ह।
एकी ऐस दुनि या म (जीह D सभ स!ए हुए ह,1 कीH फिकीस जीगे एगे ? जी गे की एकीम त्र उ या याह ह फिकी की!ई ब हरे या
आ तंरिरेकी सह यातं प्र प्त ह!। ले फिकी या उ या भ अस>ले ह! सकीतं ह,1 औरे की!ई नि निश्चतंतं   हA ह फिकी याह सस रे हमशां
इस प्रकी रे की या 4कीरे गे ।

वोंह स्वोंया सMजी   हA कीरे सकीतं था

"इसनिलेए चौंक्रं स ध   की उ या!गे आवोंश्याकी ह, जीह D कीई व्यनि या की सया   प्रया स की आवोंश्याकीतं ह!तं ह।
  याह Dतंकी फिकी
तंथा कीनिथातं गेरे -तं नित्रकी म गे' म (भ सम जी या सत्सगे (स मनि"हकी आध्या नित्मकी सगे नितं) आवोंश्याकी ह!तं
ह। की वोंले हठया!गे ह एकी ऐस स ध ह निजीसम (या!गे अकी ले की या 4कीरेतं ह। ले फिकी याह म गे 4अत्यातं
कीरिठ ह। याफिदु चौंक्रं स ध   म (इ फिद्रयाब!ध की निगेरे वोंट की खोतंरे ह!तं ह, तं! हठ स ध   म (व्यनि की उन्म दु
की सभ वों या ब   रेहतं ह (जीस   फिकी हले गे!लिंवोंदु 297

की की की म मले म (दुखो गेया था)। की वोंले वों ह स>ले ह! सकीतं ह 1जी! सकी C म (अनिडीगे, इच्छे शांनि म (दुढM, औरे शांरे रे एवों म म (अ शां निसतं ह।1

ले फिकी इ दु! म (स की डीनिले चौंक्रं स ध , तं त्र म गे,4 अ क्षा कीMतं सरेले ह, क्या फिकी याह म वों शांरे रे औरे

म की!

की रे त्मकी कीठ!रेतं ओं की लेगेभगे गेले की प्रफिक्रंया स हA गेजी रेतं ।

" की रे त्मकी म गे,4 निजीस तंथा कीनिथातं सया म की म गे 4कीह जी तं ह, गे तं म ('आसरे म गे'4 (रे क्षास

प्रवोंMनि) कीह गेया ह।

'जी! व्यनि अ शांरे रे की तंत्वों की! कीठ!रे तं स्या स कीr दुतं ह औरे मझे , जी! उसकी भ तंरे निस्थातं हूँ,D उस प्रकी रे डा

हुचौंD तं ह, उस आसरे स्वोंभ वों वों ले जी !।' फिकीस भ की या 4म,(फिकीस भ लेक्ष्या की प्र निस्त म,(की!ई भ

व्यनि अकी ले

स्था या स>लेतं प्र म्र हA कीरे सकीतं । प्रत्याकी व्यनि गेतं प्रया स की स>लेतं की छे कीई व्यनि या की या!गेदु ह! तं ह।

याह स्वों की रे कीरे आवोंश्याकी ह फिकी जी वों म (की!ई भ व्यनि अकी ले हA ह!तं । जी वों , जी वों रे नि भ4रे

कीरेतं ह; औरे

जी निवोंतं सस रे एकी अदुश्Mया, औरे इसनिलेए अव्य , रे तं वों स्तंनिवोंकी आनित्मकी औरे म निसकी रेस् रे नि भ4रेतं की म ध्याम स

ह ब रेहतं ह। इस आनित्मकी शांनि की! स्वों की रे कीरे की रू ह प्र था 4 की सकी C म (सम निहतं ह। "जी वों

स मनि"हकी प्रया स स ब ह। स्वोंया अकी ले उस सजीM हA फिकीया । वोंह स्वोंया स प्रम हA कीरे सकीतं था ।

उस दुस"रे

की खो!जी की , ऐस वोंदु कीहतं ह।1

"याफिदु स ध की प्रया स की दुHरे या!गे गेलेतं फिदुशां म (चौंले जी ए तं! क्या ह!तं ह? क्या तं म स्वोंया ऐस

ले!गे स भ(ट

हA की ? क्या तं म उ म (स कीई की सह यातं हA की ? कीई अस>ले ह!तं ह,1 तंब कीहA जी कीरे की!ई एकी स>ले ह!तं ह;

औरे वोंह एकी सतं ब तं ह, मह रु षों ब तं ह, औरे दुस"रे की निलेए म गेदु4शां4की ब तं ह। हम उन्ह (ईस मस ह,

कीरे , रे वोंह सबस बड़ा सकीह। सदु ह स स वोंध रेह!।"

औरे कीMष्ण कीहतं ह।1 या प्रनितंफिदु , हरे यागे म (जीन्म हA ले तं।

"इस आशां की की रेण, छे!ट की! बड़ा की शांरेण ले चौं निहए। म गेदु4शां4 की महत्वों अत्यातं आवोंश्याकी ह।

कीब ड़ाखो म(स घर्षों4

गेरु की प्रम ण" 4

"अब तं म याह समझे निलेया, फिकी मह रु षों स ध केस लेगे म (म ह , भ ले तं ह,1 औरे वोंस भ फिकी गेरु , व्यनि के तं निलेए सजीM। गेरु

"गेदु4शां4 की! सहत्वों स ध की की निलेए उतं ह महत्वोंगेण" 4ह निजीतं शांरेरे की निलेए ब्वस, औरे जी व्यनि की

स ध की की निलेए सह याकी ह!तं ह।1 ले फिकी निस>4 इसनिलेए फिकी की!ई व्यनि मह रु षों ह, उस हरे की!ई ईश्वरे

वोंह ह जी! सम"ह की सगे ठ कीरेतं ह; सम"ह की म गेदु4शां4 कीरेतं ह; सम"ह की तंMत्वों कीरेतं ह; सम"ह की हA म सकीतं , ह ले फिकी

की(छे की तं ह, निलेए वोंह स्वों भ निवोंकी रू स ईश्वरे की सम प्रतं तं ह! सकीतं ह। वोंह उ की निलेए ईश्वरे ह! सकीतं ह,

चौंकी स निन ब तं ह; मले" शांनि , प्रध नियाकी ब तं ह। औरे तं त्र म (गेरु एकी स्त्र ह!तं ह; वोंह ण"4 तंभ ह!तं ह जीब वोंह

औरे सम ण4 की निलेए एकी ईश्वरे या स्वोंरू ध रेण कीरे सकीतं ह।

एकी रु षों स जीड़ा तं ह। "याह सरेले ह; याह कीरिठ भ ह। याह सवों4सले भ ह; याह अ !खो भ ह। इस आस स

तंत्र की दुनि या

समझे जी सकीतं ह; इस आस स

भ ले या भ जी सकीतं ह। ले फिकी तं म्ह (इस फि>रे स हA भ"ले चौं निहए। तं म ब रे-ब रे भ"ले जी तं ह!। सदु ह कीभ मतं

"इस प्रकी रे, हरे स्त्र 'अCटरे ईगे!' (आनित्मकी सहचौरे) हA ब सकीतं । निवोंवों ह की की रेण नित्नया Dकी वोंले दु त्या सब ध स

जीड़ा ह!तं ह।1 निवोंवों ह म (हम प्र याo वोंध"की आध्या नित्मकी गेण रे निवोंचौं रे हA कीरेतं । इस की रेण, निवोंवों ह प्र याo आत्म ओं की अधरे" निमले ब कीरे रेह जी तं ह।1 ले फिकी जीब 'अCटरे ईगे!' की चौंया फिकीया जी तं ह, तंब सबस महत्वों ण" 4ब तं याह ह!तं ह फिकी वोंह व्यनि वों स्तंवों म (स धकी की निलेए रे"की ह!, उसकी आत्म की तंत्वों की ण"4रू स मले खो तं ह!। इस दुनिMr स, स धकी की निलेए गेरु या 'अCटरे ईगे!' एकी वों" 4नि ध 4रिरेतं वोंरेदु की रू म (ह!तं ह।

"हम हले ह व्यनि त्वों की! उसकी तंत्वों औरे या नि त्रकी स्वोंरू की सदु भ 4म (चौंचौं 4 कीरे चौंकी ह।1 अनिधकी शां

ले!गे जी वों औरे मत्Mया

की! एकी अनि वों या 4 या नि त्रकी प्रफिक्रंया की रू म (स्वों की रे कीरेतं ह 1औरे इस चौंक्रं म (एकी मशां की तंरेह की या 4कीरेतं ह।1 जीन्म

औरे मत्Mया जीनि वोंकी सत्या ह 1औरे इसनिलेए वों की वोंले निचौंफिकीत्स निवोंज्ञा औरे सम जीशां स्त्र की अ तंगे4तं

आतं ह।1 ले फिकी वोंदु की

स्व रू ण की! व्य स औरे वों Cम फिकी जीस कीनिवोंया की!, या बद्ध , शां कीरे, रे म जी जीस मह सतं की! की वोंले एकी या नि त्रकी

प्रफिक्रंया की रिरेण म हA म जी सकीतं ।

"व्यनि गेतं रू स ले!गे अ रुनिचौंया , स>लेतं ओं औरे अस>लेतं ओं की स था जी तं औरे मरेतं ह।1 ले फिकी

वों स्तंनिवोंकी म ष्या

इ, ब हरे: व्यनि त्वों स रे अ आ तंरिरेकी अनिस्तंत्वों म (जी निवोंतं रेहतं ह। अक्सरे ब हरे औरे आ तंरिरेकी व्यनि त्वों की ब चौं

टकीरे वों ह!तं रेहतं ह, जीह D एकी ओरे या नि त्रकी भ"निमकी ह!तं ह औरे दुस"रे ओरे आनित्मकी की रे। की रुक्षा त्र

की याद्ध म (अजी 4

की भ्रम इस द्वीद्वी की उद्ह रेण ह। उस निवोंशां ले याद्ध क्षा त्र म (की!ई अन्या या!द्ध —चौं ह वोंह मह कीण 4ह!, न्या यानिप्रया या निधनिष्ठारे

ह!, या वों रे भ म—इस सघ र्षों4स निड़ातं हA था। ले फिकी सवों दु शां ले अजी 4 इ दु! व्यनि त्वों की ब चौं बट

हुआ था : एकी

था या नि त्रकी म ष्या, औरे दुस"रे था वों स्तंनिवोंकी आनित्मकी म ष्या; एकी था नित्रगे ण त्मकी औरे दुस"रे गेण तं तं। (गेण —तंत्वों;

सभ प्र निणया म (तंमस, रेजीस औरे सतं!गे ण की नित्रगे ण त्मकीतं ; गेण तं तं—जी! इ गेण की द्वीद्वी स ऊ रे उठ

चौंकी ह!।)

"म ष्या जी तं ह फिकी उस क्या चौं निहए, ले फिकी याह हA जी तं फिकी उस कीह Dखो!जी ह। वोंह निजीस

चौं ज़ी की! कीड़ातं ह,

वोंह वोंह हA ह!तं जी! उस चौं निहए था। की छे ले!गे ठ की स जी तं ह 1फिकी कीह Dऔरे की स खो!जी ह, ह ले फिकी उ की निलेए याह

रिरेभ निर्षोंतं कीरे असभ वों ह!तं ह फिकी वों वों स्तंवों म (क्या तं ह।1 "दुस"रे ओरे, की छे ले!गे स!चौंतं ह 1फिकी

वों जी तं ह 1फिकी उन्ह (क्या चौं निहए; ले फिकी जीब भ वों इस शांब्दु म (व्य कीरे की

प्रश्ना स कीरेतं ह 1तं! वों महस"स कीरेतं ह 1फिकी वों अस>ले ह! गेए ह।1 इसकी की रेण याह ह फिकी वों क्षाण म (जी की प्रया स कीरेतं ह, 1

तंत्र की दुनि या

याह स!चौंकीरे फिकी याह समया उ की निलेए जी की ह। ले फिकी आनित्मकी व्यनि क्षाण की वों स्तंनिवोंकी आत्म

म (जी तं ह, जी!

वोंस्तंवों स (क्षाण की भ तंरे जी वों जी की कीले ह। स्वों भ निवोंकी रू स, याह सघ र्षों4तंब तंकी ब रेहगे जीब

शांनि और स क्षा

"ले फिकी ह्ले फिदु या की मशांनि इतं गेह शांनि ह फिकी जी वों स सब निधतं की!ई भ चौं ज़ी इसस बचौं हA सकीतं । इस कीले कीह!, स निहत्या, प्रजी , रे जी नितं, धम,4 सगे तं—वों स्तंवों म,(सभ अनिभव्यनि या Dकी म-ऊजी 4स ह निवोंकीनिसतं ह!तं ह।1

याह हरे जीगेह निवोंद्याम ह। इस की रे सबस बड़ा मखो"तं4 और अज्ञा तं ह। इसकी उ या!गे म (हA, बनिCकी दुरु या!गे म (ह; इसकी गेलेतं प्रया!गे म (ह। सया म की म गे 4दुम की म गे 4ह। उदु कीरेण (सनिब्लेमशां) की म गे 4ह तं त्र की म गे 4ह।

"या तंथा कीनिथातं ध र्पिमकी उ दुशां की दुनि या की! बदुलेकीरे शां नितं और प्रम की यागे ले चौं हतं ह।1 ले फिकी

क्या वों स्तंवों म (

बदुले वों सभ वों ह?1 आदुम आदुम की! फिकीतं बदुले सकीतं ह? म ष्या की शांनि फिकीतं स निमतं ह? शांनि क्या ह? याह

कीह Dस उत् न्न ह!तं ह?

"याफिदु हम फिकीस व्यनि की शांनि और मले" स्रो!तं की ब चौं सब ध की अध्याया कीरे(, तं! याह समझे म (दुरे हA

लेगेगे फिकी

शांनि की उद्गम हम रे व्यनि गेतं ऊजी 4 रे नि भ4रे हA कीरेतं । ऊजी 4की एकी स्था या स्रो!तं ह। एकी ब रे जीब ऊजी 4की एकी

निवोंफिकीरेण क्षा त्र (रे निडीयाले > Cडी) स्था नि तं ह! जी तं ह, तं! याह लेगे तं रे प्रनितंफिक्रंया कीरेतं रेहतं ह।

इसकी शां श्वतं स्वोंभ वों की

की रेण याह चौं ह हम (इसकी जी की रे ह! या ह!, हमशां सफिक्रंया रेहतं ह। याह Dतंकी फिकी हम रे व्यनि गेतं जी गेरूकीतं की

शांनि भ इस स आतं ह। इस ह हम ब्राह्म डी या शांनि (की²निस्मकी वोंरे) कीहतं ह।1 "ब्राह्म डी या शांनि या D

शां श्वतं रू स सफिक्रंया रेहतं ह।1 सभ शांनि इस स उत् न्न ह!तं ह। हम इस प्ररि रेतं हA कीरे सकीतं ,

ह, इस प्रभ निवोंतं कीरे सकीतं ह,1 इस रे!की सकीतं ह 1और ह इस प्र रे भ कीरे सकीतं ह।1 'भगेवों म त्र स क्षा ह'1, गे तं

कीहतं ह। भगेवों की वोंले प्रब धकी ह,1 अध्याक्षा। और ब्राह्म डी या शांनि , प्रकीMनितं, उस उत् न्न कीरेतं ह

(सMजीतं) । आत्म अकीतं 4

(अफिक्रंया) ह गे तं कीहतं ह। (चौंतं शांनि की की!ई की या 4 हA ह, की वोंले दुखो ह उसकी धम 4ह।) याह आत्म की या 4कीरितं

की मकीबले कीम 4स कीरे ड़ातं ह।

ह और ह फिकीस कीम 4स प्रभ निवोंतं ह!तं ह (कीरे!नितं, निलेप्यातं)। याह जी! सफिक्रंया भगेवों (रु षों) ह,

"फ़ि>रे भ म ष्या रे" तंरेह असह या हA ह। म ष्या की भ तंरे हमशां अ अ तंर्पि निहतं शांनि या स रे जी की एकी वोंह की वोंले प्रकीMनितं

शां श्वतं लेड़ा ई चौले रेह ह!तं ह। वोंह म ष्या अ व्यनि गेतं प्रया स स तंमस की! रेजीस म (और रेजीस की! सतं!गे ण म (

की गेण की अ स रे ह फिक्रंया शां लें ह!तं ह। जीब हम कीहतं ह 1फिकी 'हम कीरेतं ह'1, 'हम की या 4कीरेतं ह'1, तं! याह हम रे "भ रे

"रिरेवोंपितंतं कीरे सकीतं ह। (दुस"रे शांब्दु म,(प्रकीMनितं की गेण की! वोंह ध रे -ध रे घ , स्थाले" और जीड़ा दु था' स आध्या नित्म

हम (लेगेगे ह फिकी हम कीतं 4ह 1 ले फिकी वोंस्तंवों म (हम हA ह।1 ब्राह्म डी या शांनि की मा 4कीरेतं ह; और

हCकी और शां द्धि तंत्वों म (रिरेवोंपितंतं कीरे सकीतं ह।) याह चौंक्र (cakras) की आध रे ह, याह की डीलिले की जी गेरेण की

आध रे ह। नि रे तंरे गेनितंनिवोंनिध और कीमशां4 लेतं ह म ष्या की! स ध रेणतं स श्रेष्ठों तं की ओरे ले जी तं ह। फिक्रंया शां लेतं ह अ रिरेवोंतं4 या रू स

निसनिद्ध ह। कीम 4ह म ष्या की! ण"4 ब तं ह। "

याह की या 4कीरेतं ह रेहगे , निवोंनिभन्न अनिभव्यनि या की म ध्याम स, निजीस हम प्रकीMनितं कीहतं ह—1म ष्या सनिहतं। इस दुनिMr स,

निजीस हम 'भगेवों ' कीहतं ह,1 वोंह भ असह या ह। इस सत्या की! समझे निब की!ई भ व्यनि भ ग्या,

वों"4नि यानितं या प्र रेब्ध

तंत्रजी -निनि म दु रे ब तं (हA कीरे सकीतं ।

"एकी लिंहदु "की वों"4नि यानितं की निवोंचौं रे ग्रे की ' मनि सस' या '> ट' की अवोंध रेण स निभन्न ह। एकी सच्ची

लिंहदु "जी तं ह फिकी भ ग्या

की म-फिक्रंया एकी शांनि की रू म(

"हम प्रकीMनितं की स म न्या सरे चौं , निजीसकी म ष्या एकी भ गे ह, की! बदुले की निलेए बहुतं छे!ट प्रतं तं ह!तं ह। 1 उसकी

इच्छे ए Dऔरे व्य की लेतं ए,D उसकी दुo खो औरे सघ र्षों4ब्राह्म डी की प्रकीMनितं म (नि निहतं ह।1 सध रे की म गे 4व्यनि गेतं प्रया स स ह सभ वों ह। ह ले Dफिकी, व्यनि म (स्वोंया की! रू तं रिरेतं कीरे औरे अ भ ग्या की! नि यानि त्रतं कीरे की क्षामतं ह!तं ह, क्या फिकी

फिकीस व्यनि की भ ग्या म (उसकी अनिस्तंत्वों की कीई चौंक्रं शां निमले ह!तं ह।1 ब्राह्म डी या निवोंकी स औरे निवों शां की प्रफिक्रंया की तं!

की!ई निगे तं या!ग्या शां रुआतं ह!तं ह औरे ह की!ई वों" 4 म या!ग्या भनिवोंष्या। जीब तंकी ब्राह्म डी या मथा की नि याम

की या4शां ले ह, तंब तंकी व्यनि अ प्रया स स, याफिदु वोंह चौं ह औरे उसकी निलेए रिरेश्रेम कीरे , तं! अ व्यनि त्वों की स था-स था अ तंत्वों (सत्त्वों) म (भ रिरेवोंतं4 ले सकीतं ह।

"जी! व्यनि अ रिरेवोंतं4 की! नि यानि त्रतं कीरेतं ह, वोंह अ शांनि की! भ नि यानि त्रतं कीरेतं ह, निजीसम

(उसकी की मशांनि

(सुक स वोंरे) भ शां निमले ह। उस याह कीरे ह ह!गे , क्या फिकी की मशांनि उसकी सरे चौं , उसकी नि म 4ण, औरे उसकी

भनिवोंष्या म (निवोंस्तं रे कीरे की सबस प्रभ वोंशां ले शांनि ह। अन्या सभ व्यनि गेतं शांनि या D की मशांनि की

नि दुशांÔ रे सचौं निलेतं

ह!तं ह।1

"की म मनिस्तंष्की की! जी!ड़ातं ह; की म स था की! ब Dधतं ह; की म नि म 4ण कीरेतं ह औरे आ दु दुतं ह; की म

प्रसन्नतं दुतं

ह; की म सरे क्षाण कीरेतं ह, बचौं ए रेखोतं ह औरे निवोंघट कीरेतं ह। की म एकी ऐस गेनितं उत् न्न कीरेतं ह, निजीस याफिदु

स वोंध वों"की4 नि यानि त्रतं फिकीया जी ए तं! इस रे!की कीरिठ ह! जी तं ह। की म सम जी रे सबस अनिधकी

प्रभ वों डी लेतं

ह। की म वोंह शांनि ह जी! म ष्या की! ण"4 निवों शां औरे तं की ओरे ले जी सकीतं ह; की म वोंह शांनि ह जी! उन्ह (उच्चीतं की

ओरे ले जी सकीतं ह। की म एकी कीMतं कीरेतं ह; की म निवोंभ निजीतं कीरेतं ह। की म शांरे रे औरे म की! स्था या

दु सतं म (रेखोतं

ह; की म ह म ष्या की अ नितंम मनि की निलेए मले" ऊजी 4प्रदु कीरेतं ह। बगे ले म (एकी प्रनिसद्ध कीह वोंतं ह — 'जी! जीम रे

निगेरेतं ह, वोंह जीम की सह रे ह उठतं ह। '

"जीब की म उद्दी प्त ह!तं ह, तं! ऊजी 4प्रवों ह अ उच्चीतंम स म रे ह!तं ह। स (इतं अनिधकी तंरे गे ((वों इब्राशां)

हA

छे!ड़ातंA, की!निशांकी ए Dफिकीस अन्या गेनितंनिवोंनिध म (इतं उच्ची दुरे स हA जीलेतंA, निजीतं फिकी की म-फिक्रंया म (ह!तं ह। (इसम (

क्षामतं ओं की! म कीरे म (सह याकीं कीरेतं ह।

कीले , स मिहत्या, सगे तं, अनिभ या आफिदु सभ प्रकी रे की सजीM त्मकी गेनितंनिवोंनिधया Dशां निमले ह।1) आ दु औरे सखो अ चौंरेम तंत्र की दुनि या

स्तंरे रे हचौंDतं ह 1 क्या फिकी वों की मशांनि स ऊजी 4प्र प्त कीरेतं ह।1 की म अ गेनितंनिवोंनिध की म ध्याम स म वों ससकी (ऑक्टे वों)

की अनिधकीतंम स्तंरे तंकी हुचौंDतं ह औरे अ लेयाबद्ध तंरे गे म (तं त्रतंम स् दु उत् न्न कीरेतं ह। शां रे रिरेकी की म-

"इस जी गेरेण की एकी तंत्की ले आशां वों दु4 याह ह!तं ह फिकी व्यनि की चौं रे ओरे एकी निवोंशांर्षों की क्षा त्र (वों इब्राशां > Cडी
ब तं ह, निजीस 'आभ ' (ऑरे) कीह जी तं ह। इसकी उ निस्थानितं दुस"रे द्वी रे अ भ वों की जी तं ह, याह इस रे नि भ4रे कीरेतं
ह फिकी यावों4 क्षाकी की ध रेण फिकीतं शां द्ध ह औरे उसकी अ म निसकी रुकी वोंट(फिकीतं कीम ह।1 ऐस 'आभ ' की! की छे
>!ट!ग्रे > कीरे म (भ स>लेतं प्र स की ह, निजी की निलेए >!ट!ग्रे > ह प्रम ण की एकीम त्र स ध ह!तं ह।

"ऐस अवोंस्था म (व्यनि की रे" शांरे रे की स म ए Dतं वोंग्रेस्तं औरे ऊजी वों4 ह! जी तं ह,1 औरे उत् न्न ह! वों ले अनितंरिरे
रे निडीया!धमÂ तंरे गे (उसकी चौं रे ओरे एकी ऐस क्षा त्र ब तं ह,1 निजीस 'आभ ' की रू म (दुखो जी सकीतं ह। समया की शां रु
स ह सभ या गे औरे सभ्यातं ओं की आध्या नित्मकी स धकी इस ऊजी 4उत्सजी4 की ब रे म (ब तं कीरेतं रेह ह,1 निजीस वों तं वों
रिरेवोंतं4 की रू म (अ भ वों फिकीया जी तं ह, या प्रत्याक्षा रू स 'आभ ' की रू म (दुखो जी तं ह। "

खोगे!ले या उ निस्थानितं

"जीब म ष्या की भ तंरे याह शांनि अ उच्चीतंम स्तंरे रे हुचौंDतं ह, तं! उसकी व्यनि गेतं स निवोंभ निजीतं ह! जी तं ह औरे
एकी ई, उन्नतं चौंतं निवोंकीनिसतं ह!तं ह। याह ई उ निस्थानितं तंब एकी 'ज्या!नितंर्षों या व्यनि त्वों' (एस्Åले ब²डी) की रू म (जी
जी तं ह। याह की रेण ह फिकी आ स्वोंया कीई ब रे अ जी स्था म (अप्रत्या निशांतं व्यनि या की उ निस्थानितं की! महस"स फिकीय
ह, जीब उ की उ निस्थानितं की निबCकी ले भ सभ वों हA था।

"आ इनितंह स, शां स्त्र औरे अन्या कीथा ओं म (इस ज्या!नितंर्षों या उ निस्थानितं (एस्Åले प्रजी (स) की ब रे म (स ह, औरे कीई ब रे
इन्ह (नि रेथाकी4 म कीरे अस्वों की रे भ फिकीया ह। ले फिकी फि>रे, आ स्वोंया भ ऐस कीई प्रम ण एकीत्र फिकीए ह,1 निजीन्ह (दु
आ याह घ!र्षोंण कीरे की निलेए उत्सकी ह! सकीतं ह 1फिकी ले!गे चौं ह जी! भ म ,(रे तं जी! अ भ वों आ फिकीया ह, वोंह
आ की सच्ची ई ह। याह आ की की!ई अनि वों या 4निजीम्म दु रे हA ह फिकी आ जी कीरे ले!गे की! इसकी ब रे म (समझे एD। आ
की!ई प्रचौं रेकी हA ह।1 आ की की!ई निमशां हA ह। याफिदु आ स्वोंया इस शांनि स रिरेनिचौंतं ह,1 याफिदु आ इस रे निवोंश्व स
कीरेतं ह,1 तं! इस निवोंकीनिसतं कीरे म (लेगे रेह;(इस आभ (ऑरे) की! प्र स कीरे(; इस शांनि की! अर्पिजीतं कीरे(निजीसस आ अ
भHनितंकी शांरे रे स ब हरे जी कीरे एकी ज्या!नितंर्षों या शांरे रे ध रेण कीरे सकी(, औरे दुस"रे की ड़ा की! अ भ वों कीरे सकी(, जीब वों
अ भ तंरे ह दुo खो औरे क्षाया की अ भ वों कीरेतं ह।1 म ष्या अ भHनितंकी स की तं ले म (अ आध्या नित्मकी स म (
अनिधकी ड़ा भ!गेतं ह। ड़ा अमतं" 4ह!तं ह।

" हले ब रे म (इस ब तं रे निवोंश्व स कीरे कीरिठ ह! सकीतं ह। ले फिकी जीब इस रे गेभ रेतं स निवोंचौं रे फिकीया जी तं ह, तं!
याह स् r ह! जी तं ह फिकी म ष्या अ आत्म म (अनिधकी कीr भ!गेतं ह। उसकी भHनितंकी शांरे रे उ ब म रिरेया स ग्रेस्तं ह!तं
ह निजीन्ह (भHनितंकी रू स हचौं जी सकीतं ह, औरे आध नि की निचौंफिकीत्स निवोंज्ञा उ ब म रिरेया की निलेए दुवों ए Dऔरे
उ चौं रे सझे तं ह। ले फिकी जीब म ष्या म निसकी ड़ा स गेजी रेतं ह, जीब वोंह अ आ तंरिरेकी ग्रेनि थाया स उत् न्न
जीरिटलेतं ओं की निशांकी रे ह!तं ह, जीब वोंह अ कीमज़ी!रिरेया की! हचौं कीरे भ उन्ह (रे!की हA तं , तंब उसकी आत्म
ह निड़ातं ह!तं ह। ऐस म (वोंह म !निचौंफिकीत्सकी की शांरेण म (जी तं ह। ले फिकी म !निचौंफिकीत्सकी स्वोंया अ निवोंज्ञा
एकी भHनितंकीवों दु दुनिMrकी!ण म (निवोंकीनिसतं फिकीया ह, औरे उ की द्धनितं अ भ वोंजीन्या तंकी4 औरे भHनितंकी उ कीरेण रे
कीरेतं ह। उ की म गे 4मख् या रू स या नि त्रकी म औरे नि ष्कीर्षों' रे आध रिरेतं ह!तं ह। इस प्रफिक्रंया म (आत्म की! अछे"तं
छे!ड़ा फिदुया जी तं ह। निजीतं अनिधकी वों या नि त्रकी नि दु रे नि भ4रे ह!तं ह,1 उतं ह वों उस वों स्तंनिवोंकी स स दुरे" ह! जी
ई गेई स म न्या निचौंफिकीत्स निवोंनिधया Dअक्सरे की वोंले ब हरे सम ध
प्रदु कीरेतं ह,1 जीबफिकी समस्या की मले" जीड़ा अछे"तं रेह जी तं ह। इसकी निवों रे तं, तं त्र स ध म ष्या की भ तंरे की गेहरे
रेतं तंकी जी तं ह।

ह 1जी! वों स्तंवों म (निड़ातं ह!तं ह। इसनिलेए उ की सझे

"की वोंले एकी आध्या नित्मकी रु र्षों ह आनित्मकी रे!गे की सह नि दु कीरे सकीतं ह और उसकी सम ध खो!जी सकीतं ह। इस प्रकी रे एकी तं नित्रकी स धकी और एकी निड़ातं व्यनि की ब चौं ऊजी 4की एकी निवोंशांर्षों सब ध ब तं ह। याह सब ध ऊजी 4सच मले" शांनि की सरे क्षाण, और की ण्डीनिले जी गेरेण की प्रभ वों स स्था नि तं ह!तं ह।

"ले फिकी ध्या दु,(जीह D एकी सच्ची तं नित्रकी तं स्वों ह!तं ह, वोंह D सH कीले स धकी भ ह!तं ह।1 इसनिलेए फिकीस निड़ातं अ ह!। वोंह की निलेए की!ई की यम 4कीरे स हले याह सनि निश्चतं कीरे जीरूरे ह फिकी स धकी स्वोंया सभ प्रकी रे की डा स म व्यनि वों स्तवों म (निड़ातं ह!तं ह निजीसकी भ तरे अधरे" इच्छे ए Dब रेहत ह।1 ले फिकी वोंह व्यनि ण"4 आं दु म (ह!तं ह निजीस स्वोंया की निलेए की छे भ प्र प्त हA कीरे ह!तं। इस या त्र की अ तं म (ह शां नितं की रेम ध म निस्थातं ह!तं ह। की वोंले व्यनि दुस"रे की! शां नितं दु सकीतं ह जी! स्वोंया शां नितं म (निस्थातं ह!।

"की मशांनि ऊजी 4की भ डी रे ह और इसम (अ रे शांनि या D नि निहतं ह।1"

म1 हूँ Dहले

म 1 ज़ीरे की! या दु फिकीया। !स्तं की खोतं स दुरे" दुवों मफि दुरे म (एकी स ध सत्र की दुHरे , ज़ीरे की रे" शांरे रे जीस आगे म (जीले रेह था , और म 1अ ध्या की! आनित्मकी क्षा त्र रे की(फिद्रतं रेखो म (अस>ले रेह। रे मचौं दु और दु! अन्या जी! वोंह D उ निस्थातं था, अत्यानिधकी ऊजी 4निवोंफिकीरेण की की रेण अ ध्या म (ब ध महस"स कीरे रेह था, जी! ज़ीरे स उत् न्न ह! रेह था म 1ह एकीम त्र व्यनि था जी! अ निस्थारेतं ब ए रेखो म (स>ले रेह , ले फिकी अ तंतंo म 1भ एकी अज्ञा तं शांनि की आकीर्षों4ण म (आ गेया।

अगेले फिदु जीब म 1झे ले रे कीरे गे> म (प्रवों शां कीरे ह वों ले था , मझे एकी और उ निस्थानितं की आभ स हुआ। वोंह ज़ीरे था , वोंह म!हकी रे जीस्था प्रकीMनितं। म 1 उस वोंह D बठ हुए या , म म!हकी हसD की स था। वोंह अ यावों वोंस्था की ण"4

स;दुया 4म (एकी फिदुव्य रे प्रतं तं ह! रेह था। उस समया "म!हकी" शांब्दु उसकी निलेए सबसथठ।याेस ब हरे स;दुया4 सम्म!ह की शांनि रेखोतं ह, निजीसकी निलेए प्र चौं कीथा ओं म (चौंड़ा ले की प्रनिसनिद्ध रेह ह। जीब दुवों तं ओं की उद्दी श्या की की निलेए मह ॠनिर्षोंया की! "म!निहतं" कीरे की आवोंश्याकीतं ड़ा , तंब दुवों तं ओं ह सदु रिरेया की! भ जी। उस हले ह मरे आ की भनिवोंष्यावों ण कीरे दु था। उस समझे या फिकी याह सम्म!ह शांनि भ शां द्ध स ध स उत् न्न ह!तं ह। ब दु म (म 1 अ स् तंकी या ज्ञा स इसकी नि r की।

उ नि र्षोंदु म (स्त्र की! अनिग्न की रू म (स्वों की रे फिकीया गेया ह। उसकी या!नि क्षा त्र की उ म उस अनिग्नकी डी स दु गेई ह निर्जी ईंध जीलेतं ह, और निजीस ध ए Dकी सकी तं वों स की ले ट की! नि मत्र ण दुतं ह,1 वोंह दुनि या की याज्ञा की! सतंतं प्रज्वोंनिलेतं रेखोतं ह। भ तंरे दुहकीतं हुई लिंचौंगे रिरेया D ऊजी 4की चौंमकी उत् न्न कीरेतं ह,1 जी! उस सहचौंरे की! प्ररि रेतं कीरेतं ह 1जी! इस अ स अ शांनि प्र प्त कीरे चौं हतं ह। जीब शांरे रे रे" तंरेह इस ऊजी 4म (सम निहतं ह! जी तं ह, तंभ याह फिक्रंया अ >ले की! जीन्म दुतं ह और वोंजी वों की सचौं रे ह!तं ह।

इ वोंफि दुकी अवोंध रेण ओं स रे , ज़ीरे अ सरेले शांब्दु वोंले म (जी! की छे कीह , वोंह वोंर्षों' ब दु भ मरे भ तंरे जी निवोंतं ह। जी! उस कीह , वोंह नितंब्बतं ग्रेथा , ह -वोंज्र सनि हतं और तं त्र रे आध रिरेतं जी वों -दुशां4 स ण"4तंo मले खो तं था। तं त्र अ स ध ओं की! जी वों की व्य वोंह रिरेकी दुनिMrकी!ण स जी!ड़ातं ह। की वोंले वों ह जी! इ अभ्या स की प्रत्याक्षा समझे हA रेखोतं , उन्ह (निवोंकीMतं दुनिMr स दुखो तं ह 1और इ प्रफिक्रंया ओं म (अनि यानि त्रतं भ!गे-निवोंले स की कीC कीरेतं ह।1

ज़ीरे एकी महत्वों ण" 4अवोंसरे रे कीह , निजीसकी गेजी" आजी भ मरे म म (ब हुई ह, " ! (याह वोंह म था सिद्धि मिले बले यांहश्वो;शनिजहिसकीकीश्वोथा 4लं म्हरे(वोंहा दु निम्रत्रहूँ,Dजी!यमह Dअनिह्यकीदुसमेयातंकीनिलेए सूहूँगेD समको वोंले एकी शांरे रे ह, एकी स्त्र त्वों, औरे मरे सदु रे याHवों वोंस्था। ले फिकी

तं म्ह रे निलेए म 1की वोंले ऊजी ,4 शांनि औरे स रे हूँ।D म 1आकी शां हA, बनिCकी भ"निम हूँ;D म 1भ"निम हA, बनिCकी हले हूँ;D म 1हले हA, बनिCकी उस हले की गेमÂ हूँ Dजी! ए जी वों की जीन्म की निलेए ले ले नियातं ह। म 1तं म्ह रे स् शां4, तं म्ह रे ग्रेहणशां लेतं की तंले शां

म (था। औरे की वोंले तं म ह इस दुगे 4म स्था म (मझे स इस प्र स्र कीरे की निलेए आए ह!। तं म्ह (हA तं फिकी तं म याह Dक्या

आए। तं म्ह (याह भ हA तं फिकी म 1कीह Dस आई हूँ।D तं म्ह (याह ज्ञा तं ह फिकी म 1कीब औरे कीह Dचौंले जी ऊDगे। इस जी वों म,(

इस क्षाण म,(बस याह सत्या ह फिकी म 1तं म्ह रे स था हूँ,D औरे मरे याह शांरे रे एकी स्रो!तं की रू म (तं म्ह (वोंह सांनिंजस्वेकीह हA जीमीकीया जी सकीतं था। याह सबकी निलेए हA था।

तं म्ह रे इस जी वों स रे भ निवोंस्तं रिरेतं ह!गे।"

उस आगे कीह , "अगेरे हम (मनिक्खोया स भ!जी की! बचौं की निलेए उस ढंकीकीरे रेखो ड्रातं ह, तं फिकी वों म 1उसकी इ शांब्दु स स्तंब्ध था। म 1उसकी गेभ रेतं स आश्चयाचौं4फिकीतं था। याह की!ई स वोंजी4नि की अभ्या स

उसम (जीहरे हA था। इस स था एकी कीरे

घ!ले दु (तं! समझे! फिकी इस की रेण इस स ध की! भ म वों-मनिक्खोया स छे आवोंश्याकी ह। प्रकीMनितं की ह!कीरे रु षों रे" ब्राह्म डी स एकी ह! जी तं ह। नि जीÂवों दु था 4स ऊजी 4उत् न्न कीरेकी स धकी निवोंश्व की!

रिरेवोंर्पितंतं कीरेतं ह। याह

सजीM की रेहस्यामया शांनि की मतं"4रू ह। याह सजीM कीरे सकीतं ह, ह ;D ले फिकी जी! सजीM कीरे सकीतं ह, वोंह निवों शां भ

कीरे सकीतं ह। याह समझे बहुतं सरेले ह, !। औरे याह गेलेतं औरे मखो"तं4 "ण 4ह फिकी सजीM त्मकी शांनि स निलेप्त फिदुखो ई दुतं ह?1 क्या तं म नितंब्बतं ट की निचौंत्र म (उग्रे रू की! सगे म अवोंस्था म (हA दुखो बचौं जी तं

निचौंत्र जीकीक्षा की दु वों रे रे ट गे ह। मरे म D मझे

की वोंले इसनिलेए फिकी इसम (निवों शांकी रे शांनि भ अ तंर्पि निहतं ह। निवों शांकी रे शांनि की प्र था 4 कीरे!; उस शां तं कीरे की निलेए

सम ण4 कीरे!; उस नि यानि त्रतं रेखो!; ले फिकी सस रे औरे स्वोंया की निलेए सजीM त्मकी शांनि स दुरे" मतं भ गे!।"

"क्या तं म्ह हA दुखो तं" नीरे ... इसस ध की दुHरे एकी निचौंशांषा ... 4जी" की रेतं था; जी! दु बोले की अमवोंस्या की ब द आतं ह। तं त्र स धकी की निलेए याह सबस महत्वों ण" 4रे तं म (स एकी म जी तं ह। म 124 घ ट की व्रतं की निलेए तं मपि"तं या D सभ !गे म (

था , ले फिकी फिकीस की रेणवोंशां याह अवोंनिध बढ़कीरे 40 घ ट की ह! गेई। इस ले ब सत्र की दुHरे म 1गे> म (अकी ले था। रे तं ? हम रे घरे म (एकी ऐस

लेगेभगे दुस बजी जीब म 1झे ले रे कीरे वों स आ रेह था , मझे एकी घ झे ड़ा की भ तंरे एकी Mत्या कीरेतं रे!शां फिदुखो ई ह ले ह म (फिदुलवों ड़ा मफि दुरे फिदुखो ले गेई था। ऐस दुश्Mया, जी!

दु। उत्सकीतं स म 1उस फिदुशां म (बढ़ । सैफिदुया स जी" जी ब, रेह ह 1औरे कीले की रू म (म न्यातं प्र स्र ह,1 वों वों स्तंवों म (की मकी हA ह।1 स धकी ई म (फिदुव्य सदु शां की!

चौंके D म 1 औरे ... बुर्का ... प्रलेया Mत्या कीरेतं हुए दुखो

भ"निम रे एकी शांवों की तंरेह ड़ा था। उसकी दु! ओरे जीलेतं दु की Mत्या कीरेतं हुए प्रतं तं ह! रेह था। ज़ीरे गेह स सजी हुई था , उसकी कीमरे रे स हरे ज़ीरे स सजी ले ले-स्वोंर्पिणम कीशां दु की रे ट्टा बध था। उसकी ले ब , की ले ब लेरे निशां खोले था, ले फिकी एकी मकी ट उन्ह (ब ध रेखो था। उसकी आDखो (की!ले की रे खो ओं स सजी थाA औरे ह ठ की ले ले स रे गे था उसकी सध हुए, मजीबतं" कीदुम ज़ीम रे ड़ातं ह ऊजी 4की तंरे गे (उत् न्न कीरे रेह था।

म 1हले चौंले रेह हूँD

मझे ज़ीरे की या दु आई। दुवों मफि दुरे म (एकी सत्र की दुHरे , जी! !स्तं की खोतं स दुरे" निस्थातं था , ज़ीरे की रे" शांरे रे जी
आगे म (जीले रेह था ; औरे म 1अ ध्या की! निवोंर्षोंयावोंस्तं रे की(फिद्रतं हA रेखो या । रे मचौं दु औरे दु! अन्या ले!गे, जी! वोंह D
था, ज़ीरे स नि कीले वों ले तं त्र ऊजी 4की की रेण अ ध्या म (ब ध महस"स कीरे रेह था। म 1अकी ले था निजीस निजीतं दुरे
तंकी सभ वों ह! सकी , अ निस्थारेतं ब ए रेखो । ले फिकी अ तंतंo म 1भ एकी उच्चीतंरे आकीर्षों4ण की प्रभ वों म (आ गेया ।

अगेले फिदु जीब म 1झे ले रे कीरे गे> म (प्रवों शां कीरे ह वों ले था , तंब मझे एकी औरे उ निस्थानितं की एहस स हुआ। वोंह ज़ीरे था , वोंह आकीर्षों4की रे जीस्था प्रकीMनितं। म 1उस वोंह D बठ हुआ दुखो तं हूँ,D म!हकी हसD हसDतं हुए। वोंह अ यावों था। ऐस ब हरे स;दुया 4
अवोंस्था की ण"4 याHवों म (एकी सद रे लेडाकी था। 'म!हकी' शांब्दु उस समया उसकी निलेए सबस उ या
मत्र मग् ध कीरे दुतं ह, निजीसकी निलेए चौड़ा ले की! जी जी तं ह। जीब फिकीस मह ऋनिर्षों की! 'म!निहतं' कीरे आवोंश्याकी ह
था तं फिकी वोंह 'दुवों तं ओं' की उद्दी श्या की र्पि"तं कीरे सकी , तं! दुवों तं ओं द्वी रे या!जी बद्ध रू स स;दुया 4की स निजीशां रेचौं उ
था । उस अ म लेगे निलेया था फिकी म 1आऊDगे । उस याह समझे या फिकी ऐस म!हकी शांनि या D भ , शां द्ध स ध स उत् न्न
ह!तं ह।1 जी! उस कीह था , उसकी म 1 ब दु म (अ स् तंकी या ढ़ ई स नि r की ।

मह उ नि र्षोंदु म (स्त्र की! अनिग्न की रू म (स्वों की रे फिकीया गेया ह। उसकी याH अ गे की! उस गेड्ढे की रू म (दुशां 4या गेया
जीह D ईंध जीलेतं ह, निजीसस ध ए Dकी सकी तं नि कीलेतं ह,1 जी! बले वों की लेH की! भ तंरे स ब हरे की ओरे प्रनिक्षाप्त कीरेतं
निवोंश्व याज्ञा की! सतंतं जीले ए रेखोतं ह।1 भ तंरे की सले गेतं हुई की!याले की निचौं गे रिरेया Dऊजी 4की कीण की! नि की लेतं ह,
सहकीमÂ स निमलेतं ह 1औरे उस अनिग्न तंथा लेH स वोंह ऊजी 4प्र प्त कीरेतं ह,1 निजीसकी उस आगे की गेनितंनिवोंनिधया की
आवोंश्याकीतं ह!तं ह। जीब इस ऊजी 4म (रे" तंरेह सम निहतं ह!कीरे इसस अनिभलिंसनिचौंतं ह!तं ह,1 तंब शांरे रे कीम>4ले उत् न्न
कीरेतं ह 1औरे ऊजी 4एवों शांनि स भरे रे" एकी औरे जी वों उत् न्न ह!तं ह।
इ सभ वोंफि दुकी जीरिटलेतं ओं स दुरे", ज़ीरे अ सरेले भ र्षों म (इस तंथ्या की! समझे या , निजीसकी म सम" आकीर्षों4ण की!
इतं वोंर्षों' ब दु म 1फि>रे स कीड़ा म (असमथा 4हूँ।D ले फिकी जी! उस कीह , वोंह रे" तंरेह नितंब्बनितंया द्वी रे कीह गेई ब तं स
तं ह। जी!
ले!गे इ निवोंनिधया की स ध जी की रे हA रेखोतं , वों अ अस्वोंस्था दुनिMr स इ निवोंनिधया की! अ नि चौंतं औरे अ नि तंकी
मले खो तं था , स था ह ह -वोंज्र सनि हतं की निसद्ध तं स भ । तं त्र अ अ छों की! व्य वोंह रिरेकी दुनिMrकी!ण स दुखो

व्यनिभचौं रे की रू म (दुस्वो1

ज़ीरे एकी महत्वों ण" 4सभ म (नि म्ननिलेनिखोतं शांब्दु कीह, जी! आजी भ मरे अ तं०कीरेण म (उस तंरेह जीलेतं ह 1जीस मनिणकीर्पिणकी म (सतंतं जीले वों ले अनिग्न:

"याह(वोंह मझे इस म स बले तं था ; निजीसकी अथा 4ह 'मरे छे!ट निमत्र') म 1याह Dअनिधकी समया तंकी हA रेहूँगेD । मझे
दु म (खोशां ह! रेह ह जी! मरे स ह। दुस"रे की निलेए मरे एकी शांरे रे ह, एकी लिंलेगे ह, औरे मरे सदु रे यावों अवोंस्था । ले
तं म्ह रे निलेए म 1ऊजी 4हूँ,D शांनि हूँ,D स रे हूँ।D म 1आकी शां हA हूँ,D बनिCकी धरेतं हूँ;D धरेतं भ हA, बनिCकी वोंह हले की
वोंह रे खो भ हA, बनिCकी वोंह ऊष्म हूँ Dजी! इस रे खो म (भ"खो की तंरेह जीलेतं ह औरे तंMनिप्त की वोंले वों प्रस्> ट की जीन्म
ह तं ह। म 1तं म्ह रे स् शां4 की खो!जी म (था ; तं म्ह रे ग्रेहणशां लेतं की तंले शां म (था । तं म ह था जी! इस दुशां की इस अजी ब
की! म (मझे तंकी हुचौंD , इस की निलेए। तं म्ह (हA तं फिकी तं म क्या आए। तं म्ह (हA तं फिकी म 1कीह Dस आई। तं म्ह (
भ हA तं फिकी म 1कीब औरे कीह Dचौंले जी ऊDगे । इस जी वों म,(इस क्षाण म,(याह वों स्तंनिवोंकी ह फिकी म 1तं म्ह रे स था
याह शांरे रे एकी वोंस तं की तंरेह तं म्ह (एकी ऐस अमतंM नि ले रेह ह, निजीसकी शांनि औरे ऊजी 4इस जी वों की रे भ ब
रेहगे ।"

म 1इ चौं;की दु वों ले शांब्दु स अवों कीi था। म 1उसकी गेभ रेतं स आश्चयाचौं4फिकीतं था। याह् एकी स वोंजी4नि की अभ्या स ह
इस स वोंजी4की हA फिकीया जी सकीतं था। याह् सबकी निलेए हA था।

“याफिदु हम (मनिक्खोया की ज़ीह्रे स अ की हुए भ!जी की! ढंDकीकीरे रेखो आवोंश्याकी लेगेतं ह, ” उस कीह् , “तं! इस तंरेह
इस अभ्या स की! भ उ म वों-मनिक्खोया स ढंDकीकीरे रेखो चौं निहए, जी! निवोंर्षों स भरे ह!तं ह।1 जीब रु र्षों प्रकीMनितं स एकी
ह!तं ह, तंब वोंह ब्राह्म डी स एकी ह! जी तं ह। जीब वोंह मतंM दु था 4स ऊजी 4उत् न्न कीरेतं ह, तं! वोंह उस शांनि की! प्र स्त कीरेत
ह निजीसस वोंह निवोंश्व की! रू तं रिरेतं कीरे सकीतं ह। याH निमले वोंह रेहस्या ण"4 शांनि ह जी! ब्राह्म डी या खोले म (नि निहतं
सजीM कीरे सकीतं ह; ह ;D ले फिकी जी! सजीM कीरे सकीतं ह, वोंह निवों शां भ कीरे सकीतं ह। इस समझे बहुतं आस ह,
!। और याह डीरे की की रेण सजीM प्रफिक्रंया स बचौं गेलेतं और मखो"तं4 "ण 4ह फिकी इसकी भ तंरे निवों शांकी रे तंत्वों भ नि
हुआ ह। निवों शांकी रे तंत्वों की प्र था 4 कीरे!; इस शां नितं स रेह दु!, इस नि यात्र ण म (रेखो!, इस सया निमतं कीरे!; ले फिकी अ
और अ निवोंश्व की निलेए सजीM त्मकी ऊजी 4की शांनि या स मह् D मतं म!ड़ा!।”
याह् छेनिवों अभ भ मरे आDखो म (बस हुई ह। याह् शांब्दु अभ भ मरे की म (गेजी"D रेह ह।1 म 1अ अ भ वों की मध्याम स

समझे चौंकी हूँ Dफिकी तं त्र, जी! ब्राह्म डी या ऊजी 4की! प्र स्त कीरे की सबस प्रभ वों स ध ह, इस4की कीले सकीतं मखो"
ह।1 याह रे" तंरेह स या!निगेकी निसद्ध तं और अभ्या स रे आध रिरेतं ह। या!गे अ शां स रे जी!रे दुतं ह; और तं त्र इस
अ शां स की नि r कीरेतं ह, निजीसस म ष्या अ आ तंरिरेकी शांत्र ओं की स म कीरेतं ह।

11. की Dवों रे और निवोंत्र रिरेवों रे (The Virgin and the Holy Family)

‘की म रे ’ अ छों

ले फिकी याह सब बहुतं दुरे" और बहुतं हले की ब तं ह। समया की अट"ट ध रे इ घट ओं की! हमशां की निलेए मरे हुचौंD स रे बह फिदुया ह। उ स हरे फिदु की बस म ठ गेजी"D ह स्मनिMतं- था रे रेह गेई ह, और खो!ई हुई मनिहम की गेनिलेया रे म तं लेगे खो हठया!गे , या वों रे मचौं द, और निचौंरेस्मरेण या ज़ीरे — या सुभ अतं तं की मुद इातं ज्या!नितं म (ध रे -ध रे बहतं द की तंरेह मरे स्मनिMतंया ब तं समया की दुचौं स ई दुतं ह। निवोन्ध्या वों4तं म (ब तं फिदु , रे जीस्था की वों फिदु , वोद्धM

म (तं रेतं ह,1 जीस गेगे की ध रे ओं म (बह्लुतं। जी"

जी! चौं ज़ी जी वों भरे मरे स था अनिडीगे चौंट्टा की तंरेह ब रेह , वोंह था एले.एस. की शांनि। वोंह थाA, निजीन्ह मझे या!गेवों निशांष्ठों की अद्भुभतं निशांक्षा ओं, गे तं की ओजीस्वों श्ले!की , मह भ रेतं की निवोंशां ले ज्ञा -भ डी रे, और सबस बढ़कीरे अद्वी निसद्ध तं स रिरेनिचौंतं कीरे या।

उन्ह ह मरे ह था कीड़ाकीरे मझे तं त्र की दुगे 4म वों था स रिरेनिचौंतं कीरे या , तं नित्रकी स ध की जीरिटले प्रफिक्रंया ओं स मझे गेज़ी रे , और अ तंतंo मझे तं त्र-निसद्ध की गेढ़" अ छों तंकी हुचौंD या।
ले फिकी मरे अ तंम4 म (एकी ह प्रश्न नि रे तंरे गेजी"Dतं रेह —की म रे की उ स की रेहस्या क्या ह? एले.एस. हमशां मझे उरे फिदुया , "रुकी!! तं या रे कीरे!! समया की स ध कीरे वों ले की निलेए समया की! ह प्रतं क्षा कीरे ह!तं ह। "
एकी और फिदुवों ले की वों 4आया। सया !गेवोंशां, वोंह स!मवों रे की! ड़ा , जी! चौंद्र म की फिदु ह, और इस की रेण स उस फिदुवों ले रे नित्र की! निवोंशांर्षों गेढ़" तं नित्रकी महत्वों प्र प्त हुआ। चौंद्र म और चौंद्र म की दुवों समस्तं तं नित्रकी और गेढ़" अ छों रे अ रेहस्यामया प्रभ वों डी ले ह।

उस रे तं मझे तं लेश्व रे की ऐनितंह निसकी स्थाले की सम निस्थातं एकी रेहस्यामया रू स निछे हुए की ले मफि दुरे म (ले जी या गेया। याह मफि दुरे दु! की रेण स अत्यातं महत्वों ण" 4था —
याह आफिदु शां कीरे चौं या 4स जीड़ा एकी निवोंशांर्षों तं नित्रकी स ध ठ की नि कीट निस्थातं था।
याह मफि दुरे और इसकी दुवों चौं मण् डी स ध की स क्षा रेह था , जीह D प्र चौं की ले म (म वों बनिले तंकी दु जी तं था।
जीब म 1अ फिकीशां!रेवोंया म (था और म तंभM"निम स निवोंदुशां शां सकी की! नि की ले की निलेए समर्पि तं भ"निमगेतं क्रं नितंकी जीड़ा था , तंब मझे इस भ"निमगेतं मफि दुरे और उसकी प्रनितंनिष्ठोंतं वोंदु (बनिले ठ) की अनिस्तंत्वों की अस् r आभ स था।
बचौं म (जीब हम इस मफि दुरे की स स गेजी रेतं था, तं! हम अ जी भया स खोदु की! बचौं की निलेए मत्र बदु ब दु तं था। और रे तं की समया इस स्था की स स गेजी रे की स हस तं! स ध रेण व्यनि क्या , की!ई ब लेकी भ हA कीरे सकीतं था। ह ,D इस स्थाले की ध"ले भ फिकीस रेहस्यामया शांनि स ओतं-प्र!तं लेगेतं था।

जीब हम मफि दुरे म (हुचौंD , तं! हम वोंह D एकी निवोंस्तंMतं औरे गेढ़" की ले - जी" की तं या रे दुखो । चौं -मकी रे (म स, मफिदुरे ,
मत्स्या, मद्र , औरे मथा) स या तं नित्रकी अ ष्ठों हले ह प्र रे भ ह! चौंकी था , औरे एकी अज्ञा तं जी रे मख् या आस रे
निवोंरे जीम था ।

रे नित्र की गेहरे तं ह एकी बकीरे ले या गेया , उसकी बनिलेदु फिकीया गेया , औरे उसकी कीट हुआ निसरे दुवों की! अर्पि तं कीरे
फिदुया गेया । म स की ट कीड़ा , चौंमड़ा औरे रे ए की स था निवोंशांर्षो सख् या म (रेखो गेए औरे फि>रे उन्ह (जीलेतं हुई अनिग्नकी
फिदुया गेया ।

जीस - जीस रे तं ब रेह् बजी की रे हुचौंD , म 1 या फिकी लेगेभगे ब रेह व्यनि एकी ध ए Dस भरे , रेहस्यामया वों तं वोंरेण म (
एकीनित्रतं था, जीह D की वोंले तं ले की दु की की हCकी रे!शां उस गेहरे म औरे अ धकी रे स सघ र्षों4कीरे रेह था । इ ब रेह
ले!गे म,(एले.एस. सनिहतं, तं मनिहले एD थाA। उ दु! अन्या मनिहले ओं म (स एकी की वोंले ब रेह वोंर्षो4की एकी कीन्या था ।

ब रे-ब रे मरे दुनिMr उस रे जी रिटकीतं था । स् r था फिकी उस फिदु भरे की उ वों स रेखो था । उसकी चौंह रे स ध की
गेह तं औरे तं या रे की! दुशां 4रेह था । उसकी आDखो (फिकीस अलेHफिकीकी स्वोंप्न म (खो!ई हुई प्रतं तं ह! रेह थाA। वोंह छे!ट अवोंश
था , किंकीतं उतं ह गेभ रे औरे समर्पि तं फिदुखो ई दु रेह था । उसस नि कीले रेह ऊजी 4तंरे गे की! स् r रू स अ भ वों फिकीया
जी सकीतं था ।
स्ना कीरेवों कीरे औरे निवोंशांर्षो अलेकी रेण स निवोंभनि"र्षोतं कीरेकी , उस एकी निवोंशांर्षो वोंदु रे बठ या गेया , निजीस ले ले व
गेया था औरे निजीस रे एकी ब घ-छे ले निबछे ई गेई था । इस रे उस द्म स (कीमले मद्र) म (बठ या गेया ।
अ ष्ठों आरे भ हुआ।

गेभ रे सनि वोंनिध-स्वोंरे म (वोंफि दुकी मत्र गेजी"D उठ —

"ॐ लिंCलेगे की म रे या मo!"
(ह की म रे दुवों ! आ की! म ।)
"म 1उस नित्र त्र कीन्या की ध्या कीरेतं हूँ;D
म 1उस की सरिरेया -आभ वों ले दुवों की ध्या कीरेतं हूँ,D जी! मयारे" रे सवों रे ह;
म 1चौं रे भ जी ओं वों ले उस दुवों की ध्या कीरेतं हूँ,D
जी! शांनि , शां, अ की शां ध रेण फिकीए हुए ह 1औरे अभया मद्र म (निस्थातं ह;1
जी! अ ह मनिहम म (नि मग्न ह 1औरे फिदुव्यतं स प्रकी निशांतं ह! रेह ह।1"

मत्र -ध्वोंनि बहतं रेह । म 1एकी अद्भुभतं सखो दु लेहरे म (डी"ब लेगे , जी! मझे फिदुव्य की औरे आत्म-सतं !र्षो की गेहरे ई म (निले
जी रेह था । सगे तं औरे मत्र की गेजी"D o उठ , औरे स्तं नितंया Dकी जी लेगेA—
"ह म तं , ह म तं , जी! भ आ की स्वोंरू म (ले ह! जी तं ह, वोंह की मदुवों की ब ण स म ह! जी तं ह।

ह दुवों ! जीन्म, ले औरे सह रे की मह तं था 4की की(द्र म (निस्थातं रेहतं हुए, आ मतंMकी की हृदुया म (नि वों स कीरेतं ह,1 औरे f
की स था निवोंले रेहतं हुए सनिMr की मध रेतं की! जीन्म दुतं ह।1
ह दुवों ! आ की फिदुव्यतं अ रे रे ह, जीब तंकी फिकी स धकी स्वोंया आ की गे!दु म (समर्पि तं ह!कीरे तंन्मया ह! जी ए।"

याह स्तं नितं मरे निलेए अत्यानिधकी तं त्र था । म 1 फिकीस प्रकी रे अ सया म की! सभ ले , ले फिकी मरे शांनि या D अत्यातं दुब ले
रेह थाA। मरे भ तंरे एकी की उठ रेह था , जीस शांरेदु ऋतं की हवों म (गेहूँ Dकी ब निलेया D की D तं ह।1
तंभ , वोंह स्ना हनिस ह था मरे ठ रे आया , फि>रे मरे निसरे रे। म 1 रे" शांनि लेगे कीरे अ आDखो (खो!लेA।

म 1 दुखो फिकी वोंह कीन्या वोंदु रे ले ट हुई था । चौं रे ओरे दु जीले रेह था। एकी मनिहले उसकी निसरे औरे हथानि लेया रे
तं अनिग्नकी डी रेखो फिदुए।
हवों म (जीलेतं हुए म स औरे बले त्र की तं त्र सगे ध भरे गेई था । वोंह की म रे अनिग्न-प्रकी शां म (दु निप्तम ह! रेह था ।

तंभ , अचौं की वोंह एकी शांवों की भ Dनितं निस्थारे ह! गेई।

"अब आगे क्या ह!गे ?" म 1 स!चौं ।

रेम दु

मत्र गेभ रेतं स गेजी" रेह था; गे औरे भ गेभ रेतं स उठ रेह था , जी! अ धकी रे की ब चौं गेजी"Dतं चौंले गेया । ध धले दु की
रिटमरिटम रेह था औरे निस्थारे छे या एD दु वों रे रे Mत्या कीरे रेह थाA। निजी म म (प्रतं की त्मकीतं की गेहरे ई रेचौं-बस गेई था
उ की निलेए सस् कीMतं भ र्षों की छेनिवोंया D अलेHफिकीकी आ दु की रे!म चौंकी रे अ भ "नितं जीगे रेह थाA, जीब तंकी फिकी ण

गेजीत्ति" हुई भव्यतं इस निस्थारे हA कीरे फिदुया ।

आ दु की रे की छ्टों एकी सस गेतं स मनि"हकी गे औरे सगे तं की गेजी"Dतं हुए प्रवों ह रे निस्थारे ह! गेई था , जी! अ आ म (
सम्मा!हकी प्रभ वों रेखोतं था ; औरे इस रे जीड़ा गेई था शांब्दु की गेरिरेम औरे की व्य त्मकी मा!हकीतं ।
म 1स्वोंया की! भ"लेकीरे उस अलेHफिकीकी अ भ "नितं म (लेहरे की तंरेह बह लेगे । “शां द्ध आ दु (आ न्दुम) ण"4 स हस दुतं ह, ” मझे
या दु आया । "फि>रे रे!गे, मत्Mया औरे क्षाया की लिंचौंतं क्या कीरे(?"
एकी ब रे जीब याह म निसकी दुढ़Mतं व्यनि की स्वों भ निवोंकी अनिस्थारेतं रे नि यात्र ण ले तं ह, तं! ब की सब की छे सहजीतं स
व्यवोंनिस्थातं ह! जी तं ह। जी वों की टकी, जी! हले जीरिटलेतं ओं स भरे प्रतं तं ह!तं था , अब एकी आ दुमया प्रवों ह म (बदुले
जी तं ह— एकी ऐस प्रवों ह निजीसम (व्यनि सले ग्न तं! ह!तं ह, ले फिकी व्यनि गेतं आसनि की निब ।

की वोंले म व्यनि ह आ दु की वों स्तंनिवोंकी अ भ वों कीरे सकीतं ह; औरे की वोंले आ फिदुतं व्यनि ह दुस"रे की निलेए आ दु
उत् न्न कीरे सकीतं ह।
याह सच्ची धन्यातं था ।

इसनिलेए म 1जी तं था फिकी मरे स म स न्न फिकीया जी रेह याह अ छों की वोंले अ आ म (एकी उद्दी श्या हA था , ह याह आत्म-सतं !र्षों की की!ई म ध्याम था । म 1ध रे -ध रे स्वोंया की! इस स "ण 4प्रफिक्रंया की एकी अ गे ब तं हुए महस"स कीरे रेह था ।

एले.एस. की उ निस्थानितं इस अ छों की गेभ रेतं की! बढ़ फिदुया था , इसकी ऊजी 4की! सशां कीरे फिदुया था , इसकी >ले की! सरे निक्षातं कीरे फिदुया था , औरे इस एकी लेHफिकीकी दु क्षा म (रू तं रिरेतं कीरे फिदुया था ।
वोंह निवोंत्र ह
अब वोंह कीन्या , जी! अब एकी दुवों ब चौंकी था , ठ की बले ले ट हुई था । चौं रे ओरे दु जीले रेह था, एकी स् r रू स नि र्पिमतं मडी ले की चौं रे ओरे। अनिग्नकी डी स उठतं हुई तं त्र ज्वों ले ए Dअजी ब छे या एD ब रेह थाA।

यावों दुवों अब कीभ अ आभ म (प्रकी निशांतं ह! रेह था , तं! कीभ एकी आ तंरिरेकी प्रकी शां म (डी"बतं हुई प्रतं तं ह! रेह था , जी! शां यादु उसकी अहकी रे की! भ सम प्त कीरे रेह था , औरे शां यादु भHनितंकी अनिस्तंत्वों की चौंतं की! भ ।

म 1निवोंशांर्षों रू स उसकी अद्भुभतं दुनिMr की! दुखोवोंले उसकी दुनिMr की!रेखोयाह स् r ह! गेया था फिकी वोंह अब याह Dकी हA रेह गेई था ।
ऐस लेगे रेह था जीस उस हम रे स था की!ई सवों दु खो! फिदुया ह!, जी! वोंदु की चौं बठ सभ स धकी की निलेए हले सभ था । वों
वोंह अब स्वोंया म (निवोंले ह! चौंकी था ।

ब दु म (म 1 जी फिकी वोंह स्वोंया अ आ तंरिरेकी शांनि स इस निस्थानितं तंकी हA हुचौंD था , बनिCकी याह स "ण 4प्रफिक्रंया अवोंस्था तंकी ले आई था ।
ह ले Dफिकी, याह सत्या था फिकी वोंर्षों' की कीठ!रे प्रनिशांक्षाण की की रेण उसकी ग्रेहणशां लेतं अत्यातं रिरेष्कीMतं ह! चौंकी था ।

वों स्तंवों म,(याह ण"4 नि वोंयाæनि की अवोंस्था उस तं नित्रकी निवोंनिधया द्वी रे प्रदु की गेई था ।

मख् या स धकी (तं नित्रकी आचौं या)4 ह वोंह व्यनि था निजीस उस छे!ट कीन्या की! म Dकी लेHफिकीकी चौंतं म (रू तं रिरेतं की था ।
वोंह वों स्तंवों म (म Dब चौंकी था —वोंह रेम की म रे , निजीस हरे यागे म (औरे हरे भ"निम म (शांनि की एकीम त्र स्रो!तं म गेया था ।
ऐस अलेHफिकीकी म निसकी रू तं रेण सभ वों ह 1औरे इन्ह (स न्न भ फिकीया जी तं ह, ले फिकी इन्ह (सम्मा!निहतं कीरे की प्रफिक्रं या इच्छे शांनि की दुब ले4तं स भ्रनिमतं हA फिकीया जी चौं निहए।
बनिCकी, इस रू तं रेण की ब दु उसकी आत्मचौंतं औरे भ अनिधकी जी गेरूकी औरे सतंकी4 ह! गेई था ।

ध्या की रिरे ण" 4क्षाण
दु! घ ट तंकी ण"4 मH छे या रेह । ज्वों ले ए Dउठतं रेहA। ध आD रे" कीमरे म (> ले गेया । अ दुरे ह अ दुरे जी चौंलेतं रेह ।

हम सभ मH की एकी गेह आवोंरेण म (निले ट हुए, ध रे -ध रे शां"न्यातं म (सम निहतं ह!तं चौंले गेए।

शांरे रे शांरे रे स निले ट गेए,
ह था ह था स जीड़ा गेए,
Dवों   Dवों स बध गेए,
औरे आDखो (बदु ह! गेईं (तं फिकी तं सरे आDखो खोले सकी)।
औरे सबस ऊ रे उस क्षाण की   ण"4तं की अद्‌भुभतं गेजी"D था ।

एकी अव्य शां तंले सखो की ध रे ऊ रे स उतंरेकीरे, रे ढ़ की हÄ की सह रे   चौं बहतं चौंले गेई, औरे ध रे -ध रे हरे सवों दु   की! निस्राग्धतं स भरे फिदुया ।
गे तं कीहतं ह फिकी चौंतं   एकी उCट वोंक्षाM

ह।

इसकी मले" (शांनि स्रो!तं) शां र्षों4 रे निस्थातं ह, जी! अ   अ निगे तं शां खो ओं म (स;दुया,4 शां नितं, रेम   दु औरे फिदुव्यतं की !र्षोंण दुतं   ह।
याह एकी अ   म अ भ वों था । याह लेHफिकीकी अनिस्तंत्वों स   रे था ।

म 1उस आलिंलेगे म (निस्थारे बठ   रेह ।

म 1उस अ भ वों की निवोंशां लेतं स अनिभभ"तं था ।

मझे   लेगे जीस   उस भ"निमगेतं कीक्षा की हरे कीण जी वोंतं ह! गेया ह!, औरे मझे स उस भ र्षों म (सवों दु कीरे रेह ह!, निजीस स की निलेए म 1सदुवों ले ले नियातं रेह था ।
औरे म 1 स   ।

एले.एस. की आशां वों दु4
जीब हले   हरे की ठ डी हवों   मरे   निशांनिथाले स्ना या तं त्र की! छे आ, औरे जीब एले.एस. की शां तंले ह था   मरे   रेक्षा कीरेतं हुए मरे   निसरे रे प्रम स था की दु , तंब भ म 1उस ध्वोंनि की! स   रेह था ।

"तं म रे शां नितं ब   रेह; स हस ब !।"

वोंह गे रेह थाA—
"म ,D मरे   स आओ,
मरे   हृदुया रे निवोंश्रे म कीरे!।

मझे तं म्ह रे फिदुव्यतं की! नि ह रे दु!।
तं म मझे   दुखो !, औरे म 1तं म्ह (दुखो ,"D आDखो म (आDखो (डी लेकीरे।
हम रे इस प्रम - Mत्या की! की!ई औरे   दुखो ,
ओ म !D"

आजी भ जीब म 1खो!ए हुए ले की! या दु कीरेतं हूँ,D तं! वोंह मध रे गे मरे आत्म म (गेजी"D उठतं ह।

म 1 एले.एस. स छे," "वोंह कीH था ?"

"वोंह निवोंत्र (सस् की रिरेतं) ह, " एले.एस. सनि क्षाप्त उरे फिदुया । इसकी ब दु रेहस्या की ट दुढ़Mतं स निगेरे

फिदुया गेया ।

म 1निजीज्ञा स हA था ।

म 1 अ भ तंरे उदु स तं की अ शां स की! ले गे "फिकीया । ले फिकी ध रे -ध रे , म 1 औरे अनिधकी जी ...

स्वोंगे4 औरे Mथ्वों की या त्र

हम रे घरे की स ह निवोंश्वनिवोंख्या तं सतं श्रे श्या म की तं ले निहड़ा , निजीन्ह (ले निहड़ा मह शांया की म स जी जी तं था , नि वों स कीरेतं था। उ की एकी त्र मरे बड़ा भ ई की अच्छे निमत्र था, औरे उ की प्र Hत्र स मरे घनि ष्ठों निमत्रतं था । म 1ले निहड़ा मह शांया की घरे अक्सरे जी या कीरेतं था । जीब म 1 स्वोंया की! हचौं शां रू फिकीया , तंब तंकी ले निहड़ा मह शांया इस दुनि या की! छे!ड़ा चौंकी था; किंकीतं मरे नि तं औरे एले.एस. की म ध्याम स, जी! उ की प्रबले अ या या था, म 1इस मह हठया!गे की ख्या नितं
की लेगेभगे हरे हले" स रिरेनिचौंतं था । वों भ चौंतं र्षोंनिr या!निगे ठ औरे सम स्था भद्रकी ले मफि दुरे म (जी या कीरेतं था।

गेदुरे श्वरे म,(जीह D आजी भ ले निहड़ा रिरेवों रे की ले!गे रेहतं ह,1 हम निशांवों मफि दुरे स भरे अ धरे गेनिलेया

औरे गेनिलेया रे म (
खोब" आ दु उठ या । गेर्पिमया की तं जी ध" स बचौं की निलेए या स्था हम रे निलेए शांरेणस्थाले ब जी तं था।

एकी फिदुकी मजीईकीवोंह D स एकी मफिदुरे म (बठ था । सभ वोंतंo म 1ध्या मग्न ह! गेया था , तंभ मझे
रेह ह। म 1 ध्या स दुखो औरे या फिकी एकी लेड़ाकी खोड़ा हसD रेह था औरे मझे बले रेह था । याह मCले ह रिरेवों रे की एकी निवोंनिक्षाप्त लेड़ाकी था । उ की रिरेवों रे की ले!गे निमट्टा की मर्पि"तंया रे चौं Dदु की ज़ीरे की की म कीरेतं था, निजीस वों कीरेतं आ रेह था।
मCले ह रिरेवों रे की याह लेड़ाकी फिदुव्य दुशां4 फिकीया कीरेतं था । वोंह हम रे ह स्की"ले म (ढ़तं था , औरे उसकी सरेले मस् की स वों दु फिकीया फिकी वोंह
मझे सभ निवोंनों कीरे कोई । म 1 जी तं था फिकी इस समया सम्पा के फिदुव्य अ भ "निशंसा D ह!तं था A। उस भ मझे ग भ रेतं स हA लेतं था । ले!गे उस 'सह मझे निसकी निस्थानितं स वोंनि चौंतं' म तं था। फि>रे भ , म 1 , एले.एस. औरे मह गे! था दु दु याह कीभ हA म फिकी उसकी ब तं (रे" तंरेह नि रे ध रे थाA। वों स्तंवों म,(वोंह एकी अ ठ" दुrM था । हम जी तं ह 1फिकी सतं रे मकीMष्ण रेमहस की! भ ऐस अ भ वों ह!तं था।
अक्सरे म 1स!चौंतं हूँ Dफिकी सह म निसकीतं फिकीसकी ह!तं ह? वों ले!गे, जी! ध , वों स , मफिदुरे , उ जी , अचौं की निमले प्रनिसनिद्ध की छे भ गेतं ह,1 औरे सम जी की! अ रे क्षानितं हुचौंD तं ह,1 उन्ह (तं! गेभ रेतं स निलेया जी तं ह औरे सम्म भ फिदुया जी तं ह। वों हम रे रे जी नितंकी औरे स म निजीकी निहतं की प्रनितंनि निध ब तं ह।1 वों अ कीMत्या की! तंकी4सगे तं ठहे निलेए निसद्ध तं गेढ़तं ह।1 फि>रे क्या वों ले!गे, जी! ईश्वरे औरे रेले!की की ब तं (कीरेतं ह,1 वों स्तंवों म (गेले ह?1 एकी बगे ले

ब उले गे याकी कीहतं ह, "ओह, म 1आध गेले क्या हूँ?D क्या हA मझे ण"4 गेले ब फिदुया जी तं ?" ब उले सम दु या की ले!गे आध निहप् , आध घ मतं "ह!तं ह,1 ले फिकी आत्म-खो!जी की निलेए समर्पि तं ह!तं ह।1 आध्या नित्मकी " गेले " सत्या की खो!जी कीरे वों ले की निलेए स्वों कीMतं अवोंस्था ह। इसनिलेए म 1मCले ह की तंथा कीनिथातं 'मखो"तं4 ' स हतं!त्स निहतं हA हुआ।

हम दु! एकी-दुस"रे की कीरे ब आए, औरे उस मझे स छे" फिकी क्या म 1उसकी या त्र म (रुनिचौं रेखोतं हूँ।D स ह एकी शांनि

ठ था , जी! प्र चौं दुगे 4 मफि दुरे था । हम मफि दुरे स लेगे उ वों की! रे कीरे, खोडी हरे म ह ड़ा की चौं!ट । रे जी हुचौंD

मCले ह की! अ अ भ वों स की आदुतं था । वोंह सबकी! हA, ले फिकी की छे की! जीरूरे बतं तं था । वोंह गे! था दु दु स ले ब चौंचौं 4ए Dकीरेतं था , जी! निवोंश्वप्रनिसद्ध तं नित्रकी निवोंद्वी (मह मह! ध्या या नि डीतं गे! था कीनिवोंरे जी) था। क्या फिकी नि तं की गेप्त प्रशां सकी था , इसनिलेए हम एकी-दुस"रे की नि कीट था। जीब एले.एस. उ निस्थातं हA ह!तं , तं! म 1अ आध्या नित्मकी उलेझे की निलेए उसस सले ह ले तं था ।

उस फिदु शां म की! मCले ह ब तं कीरे की मडी" म (था । उस अ अ तंरिरेक्षा या त्र ओं की ब रे म (बतं या —वोंह अलेगे-अलेगे 'सHरे मडी ले ' म (की स गेया , वोंह D क्या दुखो , औरे क्या अ भ वों फिकीया । उसकी ब तं (स कीरे ऐस प्रतं तं ह!तं था म ! वोंह 4भ हA

सत्या कीह रेह ह!। बहुतं कीम ले!गे उसकी 'बकीवों स' रे ध्या की(फिद्रतं कीरे तं, ले फिकी की!ई भ उस रे" तंरेह मखो" दुतं , आवोंश्याकी जी की शे थुतं, या हंAभ र्निभ भनिवोंष्यिवों ण भ कीरेतं । वोंह भ की (अजीन्मी निशांशांअ कि निलेलेए, ले!गे की औरे दुघ 4ट ओं की भनिवोंष्यावों ण कीरे सकीतं था । वोंह बस अचौं की चौं खोकीरे अ चौंतं वों दु दुतं । स्वों भ निवोंकी रू स, ले!गे नि ष्कीर्षों4नि की ले फिकी मCले ह फिकीस अ !खो प्रकी रे की निवोंनिक्षाप्ततं स ग्रेस्तं था , निजीस ज़ीरेअदु जी हA फिकीया सकीतं औरे ह इस की!ई निचौंफिकीत्सकी या समस्या म जी सकीतं था ।

उसकी स था रेहतं हुए, म 1 उ स्था की या त्र ए DकीÐ निजी की उCलेखो हम रे प्र चौं ग्रेथा औरे अन्या धम' की ले!कीकीथा ओं म (ह!तं ह।

उसकी अमरे ऋनिर्षोंया —स तं, स दु , स तं औरे स तंकी म रे (जी! सनिMr की प्रथाम चौं रे म वों था, निजीन्ह सस रे म (रेम औरे वोंशां वोंनिMद्ध कीरे स इ की रे कीरे फिदुया था) स सवों दु की कीह नि या ,D अनिश्व की म रे (दुवों या निचौंफिकीत्सकी) स वोंनिसष्ठों मनि औरे निवोंशांर्षों रू स रेदु मनि स ब तंचौं तं की कीथा एD मझे अत्यानिधकी आकीर्षों4की लेगेतं थाA। उस समया, याह सब स तं था , मझे की!ई सदु ह हA ह!तं था । उसकी ' गेले ' म (मझे अस म आ दु निमलेतं था , औरे उसकी स था ह! रे म 1स्वोंया की! ण"4 अ भ वों कीरेतं था ।

मCले ह की याह सतं ले ह था , निजीस मझे उसकी ओरे आकीर्पिषोंतं फिकीया था । गे! था दु दु औरे सतं निजीतंद्र(भ उसकी चौंचौं 4 कीरेतं था। एले.एस. भ मरे इस ए निमत्र की प्रनितं आकीर्षों4ण की! मस् की म (स्वों की रे कीरेतं था । कीभ -कीभ वोंह व्य ग्या वों"की4 छे"तं , "की स चौंले रेह ह तं म्ह रे स्वोंगेÂया या त्र तं म्ह रे ए निमत्र की रेथा रे?" औरे जीब म 1सकी !चौं स की तं ले ले ह! जी तं , तं! वोंह मस् की रे कीरे कीहतं , "निजीतं >"ले निमले,(बट!रे ले!।" वोंह मरे इस निजीज्ञा स -म गे 4की! 'मध कीरे वोंनिM (मध मनिक्खोया की म गे)4 कीहतं था ।

उस फिदु सया" 4स्तं ह! की! था । वों तं वोंरेण गेभ रे ह! गेया था । ले फिकी मCले ह अ स म न्या तं द्र म (था औरे सस् कीMतं म (स निशांवों की ण"4 श्रेद्ध स वोंदु कीरे की! कीह , क्या फिकी, उसकी

अ स रे, हम की ले शां वों4तं रे भगेवों निशांवों की स क्षा तं दुशां4 कीरे रेह था। निशांवों औरे म तं वोंतं4 स की खोले खोले रेह औरे मCले ह की अ स रे, उस खोले म (उसकी नि यानितं तंया ह! वों ले था । उस इतं गेहरे ई स अ अ भ "नितं व्य की ब तं (कीरे रेह था , निजीस वोंह जी तं भ हA था । उस मझे

फिकी वोंह वों स्तंवों म (ठ डी स की D लेगे। म 1 उसकी ब>4-स ठ डी शांरे रे छे"कीरे दुखो । म 1 श्रेद्ध व्य की , ले फिकी भगेवों स अनिधकी मCले ह् की प्रनितं।

तंभ उस आदुशां त्मकी स्वोंरे म (कीह , "आओ, आजी रे तं मरे नि यानितं तंया ह!गे। मझे तं म्ह रे सहया!गे की आवोंश्याकीतं ह!गे ... आओ... आओ..."

अ धकी रे की श्व स

एकी सकी रे गेले की अ तं म (लेगेभगे आध एकीड़ा की एकी रिरेत्या जीगे ले क्षा त्र था , जी! चौं रे ओरे स ऊDचौं, रे कीट त्थारे स ब इम रेतं स निघरे हुआ था। उ फिदुशां ओं स प्रवों शां असभ वों था ; की वोंले निश्चम फिदुशां था (दुसी ह D की! मजीबवों ले गेड़ा की द्वी रे लेगे था। ले फिकी तंपले द्वी रे व्हुस शेहतं था।

हम उ द्वी रे म (स एकी की स हु नौंD ले ह की छे दुरे तंकी बदु द्वी रे की स म खोड़ा रेह। फिकदुखो ले स्वोंया ह खोले गेया। उस द्वी रे की! खो!ले औरे मझे प्ररि रेतं फिकीया , "आओ, समया हA ह। शांनि प्रतं क्षा कीरे रेह ह। "

म 1उस स्था रे एकी प्र थानिमकी निवोंद्या लेया की छे त्र की रू म (जी या कीरेतं था , जीब म 1वोंदु की प्र रे निभकी ठ कीरे रेह था।

लेगेभगे दुस वोंर्षों" ब दु म 1फि>रे वोंह D गेया था।

उस फिदु म 1 जी! दुखो , वोंह मरे समझे स रे था। सम् "ण 4निवों शां। रे" क्षा त्र एकी रिरेत्या नि जी 4 वों भ"निम की तंरेह खोड़ा था। हम रे वोंफि दुकी निवोंद्या लेया अतं तं की ब तं लेगे लेगे था , एकी रेहस्यामया गेनिलेया रे म (गेजी" तं हुई एकी निवोंलित ध्वनि।

स ध एD प्र याo अ धरे औरे भया वोंह स्था , जीगे ले औरे रिरेत्या स्थाले स क्या जीड़ा ह!तं ह?1 याह निवोंर्षोंया हमशां मझे रेहस्यामया रू स आकीर्पिर्षोंतं कीरेतं रेह ह। वों तं वोंरेण की निवोंनिचौंत्रतं ए Dइस रेहस्या की! औरे बढ़ दुतं ह,1 याह म 1जी तं हूं।D

ले फिकी याह रेहस्यामया वों तं वोंरेण या उत् न्न रेहस्यावों दु स ध की निलेए आवोंश्याकी क्या ह!तं ह, याह प्रश्न मझे अक्सरे रे शां कीरेतं रेह ह। म 1 इस निवोंर्षोंया रे गेहरे ई स निवोंचौं रे फिकीया ह।

ब दु म,(अ अभ्या स की म ध्याम स, म 1 की छे महत्वों ण" 4तंथ्या स खो। ऐस हA ह फिकी स धकी भ"तंह स्था की चौंया कीरेतं ह।1 निस्थानिकं इसकी ठ की निवों रे तं ह!तं ह। आनित्मकी जीगेतं स उ की नि रे तंरे स की4 की की रेण, औरे उ की अ ग्र ह वों शांनि की आकीर्षों4ण स प्ररि रेतं ह!कीरे, आत्म की खो!जी नि जी 4 स्था की! अ अस्था या नि वों स ब ले तं ह।1 हम रे अज्ञा तं म,(

हम इ स्था की! भ"तंह म ले तं ह।1

गेहरे रे तं की सन्न ट म,(एकी खो ले मकी , एकी व्यस्तं सभ गे रे, एकी न्या या लेया, या सरेकी रे सनिचौंवों लेया की गेनिलेया रे भ अलेले मन्स"स ह!तं ह।1 निवोंशांर्षों रू स जीब वों रिरेत्या ह!तं ह,1 तं! ऐस प्रतं तं ह!तं ह फिकी वोंह D सकी ड़ा आDखों दुख की रेह ह,1

हजी रे लेकी(झे की रेह ह,1 औरे ले खो स Dस (हम रे की ध की ऊ रे स गेजी रे रेह ह।1 हरे की!ई इस महस"स कीरे , याह आवोंश्याकी हA। हरे की!ई हम रे फिकीस सभ म (उ निस्थानितं की! एकी ह रू म (अ भ वों हA

ले फिकी स म न्यातंo, की छे स्था , उ की रिरेत्या प्रकीMनितं की की रेण, उ आध्या नित्मकी तंरे गे की! सनि चौंतं कीरे ले तं ह,1 जी! भ ड़ाभ ड़ा वों ले स्था म (आवोंश्याकी गेहरे ई स दुजी 4 हA ह! तंA।

याह की रेण ह फिकी की छे स्था म (निवोंशांर्षों प्रकी रे की रेहस्यामया अ भ "नितंया Dह!तं ह,1 जीबफिकी अन्या स्था म,(निवोंशां जीह D ले!गे की आवों गेम अनिधकी ह!तं ह, याह अ भ "नितं हA ह!तं। याह चौंचौं 4 की निवोंर्षोंया हA फिकी क्या या स्था वों स्त आध्या नित्मकी उ निस्थानितं स या ह!तं ह।1 ले फिकी अभ की निलेए, एकी रिरेकीC की रू म,(याह म ले उनिचौंतं ह!गे फिकी हम रे चौं रे ओरे की छे सचौं तं 'उ निस्थानितं' व्य स्र ह,1 जी! हम रे शां भ औरे अशांभ प्रवोंMनिया की! नि यानि त्रतं कीरेतं ह 1औरे ह इच्छे ओं औरे उ की र्पि"तं की ब चौं सतं ले स्था नि तं कीरे की प्रया स कीरेतं ह।1

इस जीगेतं की नितंकी सतं ले की रेक्षा , व्य की रू स, इन्हA शांनि या द्वी रे की जी तं ह। वों स्तंवों म,(याह घट क्रंम हम रे निलेए अत्यानिधकी ले भकी रे निसद्ध ह!तं ह। जीब हम याह नि ण4या ले तं ह 1फिकी हम (इ शांनि या की! ब रे-ब रे उकीस कीरे उ की सतं ले की! हA निबगे ड़ा चौं निहए, औरे ह फिकीस दुभ 4वों "ण 4इरे दु स उ की शांनि की! तं वोंग्रेस्तं कीरेकी फिकीस की! ह नि हुचौंD की प्रया स कीरे चौं निहए, तंब या रेहस्यामया शांनि या D, जी! भ ह , वों स्तंवों म (हम रे निलेए ले भकी रे ब जी तं ह—1याफिदु हम उन्ह (उ की ह ले रे छे!ड़ा दु।(अनिधकी निधकी हस्तंक्षा अक्सरे प्रनितंकी"ले रिरेण म ह उत् न्न कीरेतं ह।

यात्र औरे आलिंलेगे

उस रिरेत्या स्था की एकी की! म (बरे की ड़ा की एकी उ वों था , निजी की म ठ की Dट दु रे >ले वों रे णस की प्रनिसनिद्ध की एकी निहस्स था। उस उ वों की ब चौं स झे कीतं हुए हम एकी सस निज्जतं, निचौंकी निमट्टा स ब आDगे रे कीरे गेए, जीह D चौंम की झे निड़ाया की भरेम रे था। याह जी " की मह था , जीब उरे भ रेतं की ध" म (हरिरेया ले झे लेस जी तं ह, ले फिकी याह चौंम ले मरे निलेए आश्चयाजी4 की रू स ण"4 प्रस्> रिटतं था। झे ड़ा की स ह एकी ऊDचौं चौं वोंक्षाM खोड़ा था , निजीसकी म दुकी था। तं वोंक्षाM की नि म (निखोले गेले न्चौं अ रे जीस स;दुया 4म (खोड़ा था। इ वों छे या ष् की अले वों , निवों म्र की रे औरे श्रेद्धया जीवों ष् भ अ उ निस्थानितं दुजी 4कीरे रेह था। म 1 एकी ह दुनिMr म (याह सब दुखो औरे स!चौं फिकी इस रिरेत्या स्था म (ब गेवों कीH कीरे रेह था।

भ"निम की! अच्छे तंरेह स समतंले फिकीया गेया था। एकी निवोंस्तंMतं श्रे यात्र वोंह D प्रनितंनिष्ठोंतं था , जी! अत्यातं जीरिटले औरे उ स्मरेण

हुआ फिकी प्र चौं की ले म (इस यात्र की फिकीतं श्रेद्ध था। मह शां कीरे चौं या 4 इस यात्र की उ स की था। इस दुनिक्षाण भ रेतं की श्रेगे रे , की रे लेम, की चौं रे म, नितंरुनिचौंरे Cले औरे ले की की ठम डी" म (भ जी" जी तं ह। इस या त्र

[illegible]

लेहरे ' इस यात्र की अद्भुभतं मनिहम की गे कीरेतं ह।

म 1 रिरेवोंशां की अवोंले!की कीरे ह रेह था फिकी मझे रिरेनिचौंतं प्र थानिमकी स् दु अ भ वों ह! लेगे। मCले ह मझे बठ औरे अनिग्र प्रज्वोंनिलेतं कीरे म (सह यातं कीरे की निलेए कीह। एकी बड़ा त्थारे की चौं स, जीह D एकी बड़ा निछेद्र प्रकीट हुआ, उस चौंट इया D, एकी जीले त्र, की छे बतं4 औरे ण"4 तं नित्रकी अ छों की निलेए आवोंश्याकी स मग्रे नि की ले।

कीH इस अ छों की सचौं ले कीरे गे औरे फिकीस उद्दी श्या स, याह अब भ रेहस्या ब हुआ था। मCले ह रे" नि लिंश्चतंतं की स था निवोंनिध स न्न कीरे रेह था , म ! फिकीस ब हरे तंत्वों स की!ई सरे!की रे ह ह!। वोंह नि सदु ह , दुढ़M औरे ण"4तंo सनि निश्च था। शां घ्र ह अनिग्र प्रज्वोंनिलेतं ह! उठ। म 1एकी ओरे बठ था औरे हले ब रे दुखो फिकी यात्र 'सजी वों' प्रतं तं ह! रेह था। म 1

इसकी निवोंनिभन्न भ गे , निवोंशांर्षों कीरे नित्रभ जी म,(की छे हलेचौंले अ भ वों की । जी! ले!गे इस यात्र की रेहस्या की!
जी तं ह,1 वों याह भले -भ Dनितं समझेतं ह 1फिकी इस जी गेतंM कीरे की निलेए एकी 'अ तंरे त्म ' सह याकी की
आह्मोंभत्कीत्दु ह्रेगां द्वो रे(शस यात्र(प्रनिसद्धकीतं लेगे स्वों म द्वी रे नि"जीतं की ले मफ्रिी दुसेकी तं(दुसो)

समया ब तंतं गेया । सध् या गेहरे तं जी रेह था । सध् या की हले दु! प्रहरे सम त्त ह! चौंकी था।

तंभ मझे अ भ वों हुआ फिकी की!ई अ रिरेनिचौंतं चौं चौं हम रे ओरे बढ़ रेह था । जीस ह म 1 इस शां नितं भ गे कीरे वों ले
उ निस्थानितं की! दुखो , अ या स ह मरे दुनिMr द्वी रे की ओरे चौंले गेई, जी! अब भ बदु था। ले फिकी इसस हले फिकी म 1अ
उलेझे हुए निवोंचौं रे की! सम ट तं , म 1 अचौं की एकी औरे उ निस्थानितं महस"स की , जी! इस ब रे मरे बहुतं कीरे ब था ।

याह रेहस्यामया दुनिMr मझे झेकीझे!रे गेई। चौं रे ओरे ऊDचौं दु वों रे(थाA, निजी स की!ई चौंढ़कीरे अ दुरे आ सकीतं था , ऐस असभ
था । प्रवों शां द्वी रे अभ भ बदु था, निजी रे मरे आDखो (रिटकी हुई थाA। ले फिकी म 1 फिकीस की! अ दुरे आतं हA दुखो । फि>रे
जीब मरे बगेले म (हCकी सरेसरे हट हुई, तं! म 1 दुखो फिकी एले.एस. या!गे मद्र म (बठ हुई था । वोंह आ चौंकी था !

म 1उस छे"कीरे याह नि r कीरे चौं हतं था फिकी वोंह वों स्तंवों म (भHनितंकी रू स उ निस्थातं ह या हA, ले फिकी म 1 स हस ह
फिकीया । म 1अभ भ म त्र एकी दुशां4की ह था । जी! की छे ह! रेह था , वोंह एकी गेढ़" तं नित्रकी अ छों था , निजीसम (एकी रु र्षों अ
एकी स्त्र दु! श्रे यात्र की भ तंरे नि oसकी !चौं ले ट हुए था।

जी! की!ई भ इस यात्र स रिरेनिचौंतं ह, वोंह भले -भ Dनितं जी तं ह फिकी इस यात्र म (रु र्षों औरे स्त्र तंत्वों की स एकी-दुस"रे म (
ह!तं ह,1 औरे इस एकीम त्र निमले स की स कीमले की खो निड़ाया की भ Dनितं अ की नित्रभ जी निवोंकीनिसतं ह!तं जी तं ह।1 रु
ब्राह्म डी की छेनिवों, ब्राह्म डी औरे सनिMr की छेनिवों, औरे अ तंतंo मह की या ब्राह्म डी स लेघ ब्राह्म डी तंकी की ण"4तं —सब की
यात्र की भ तंरे सम निहतं ह।
जी! स्त्र यात्र रे ले ट हुई था , उसकी नि वोंस्त्र4 शांरे रे एकी रु र्षों द्वी रे ढंकी हुआ था , औरे वों आम -स म था। उस निस्थानितं म (
की निस्थानितं म (हA था । ध रे -ध रे , मरे अ भ वों
म (एकी रिरेवोंतं4 स् r हुआ। मरे चौंतं न्या अचौं की एकी प्रकी रे की हCकी तं रेतं अ भ "नितं म (रिरेवोंर्पितंतं ह! लेगे । एकी मदु ,
हचौं सभ वों हA था । अनिग्न उज्ज्वोंले था , रे तं म फिकीस हचौं की! दुखो
की!मले ज्या!नितं समस्तं चौंतं की! घ रे लेगे , निजीसस एकी आ दुमया ऊजी 4प्रवों निहतं ह! लेगे । याह एकी निवोंलेक्षाण आरे!हण
की अ भ वों था , जी! रे" तंरेह स अनिवोंश्वस या लेगे रेह था ।

ऐस सवों4ग्रे ह एकीत्वों की अवोंस्था म (कीH फिकीस हचौं तं ? कीH दुखो वों ले औरे कीH दुखो गेया ? म 1कीH था ? मरे '
कीह Dनिवोंले ह! गेया ? औरे जीब 'म'1 हA था , तं! फि>रे उस अ जी स की! हचौं की प्रया स की स कीरे सकीतं था ?
मरे इच्छे शांनि , जी! हचौं की! स् r कीरे की प्रया स कीरेतं , वोंह कीह Dचौंले गेई?

निवोंत्र म त्र: निवोंत्र निमले

म 1 स्वोंया की! जी कीरेतं हुए या ; हA, की वोंले जी ह हA, बनिCकी वों स्तंवों म (एकी कीमनि"ख्मनि मजीमह मत्र
की! दुनिMrगेतं कीरेतं हुए।

की ए ई ले ह्रींA ह स की ह ले ह्रींA स की ले ह्रींA श्रेA...

मत्र नि रे तंरे प्रवों निहतं ह! रेह था। प्रत्याकी ब रे ध्वोंनि प्रभ वों अनिधकी ण"4, अनिधकी नि कीट, औरे उष्ण स् दु स
भरे रे" प्रतं तं
ह! रेह था।

ध रे -ध रे म 1 दुखो फिकी एकी ले ले प्रकी शां चौं रे ओरे की सभ भHनितंकी निभन्नतं ओं की! ले लेतं जी रेह था।

उस ज्वोंलेतं
ले निलेम म (गरे 'म'1 एकी ऐस कीले की सम तं रे रेह था, निजीस तंरेले प्रकी शां की एकी प्रबले ध रे म
(प्रवों निहतं कीरे फिदुया
गेया ह!। असख् या उगेतं हुए सया" 4भ उस प्रकी शां की दु निप्त की! म तं हA दु सकीतं था। फि>रे भ, वोंह ले निलेम

एकी अद्भुभतं
शां तंलेबं निलेए हुए था, जी! चौंदु, चौं Dदु, स> दु की मफि दु औरे दुह की ध रे की छे अ की सम था। याह
अ भ "नितं इतं
निवोंनिचौंत्र था फिकी निजीतं अनिधकी म 1आजी इसकी ब रे म (स!चौंतं हूँ,D उतं ह याह मझे निवोंलेक्षाण प्रतं तं

ह!तं ह। (औरे मझे याह स्वों की रे कीरे ह!गे फिकी इस अ भ वों की वोंण4 कीरे म (भ र्षों की क्षामतं अ या प्त4

प्रतं तं ह!तं ह। म 1उस
रे!म चौं की! ण"4 सट कीतं स व्य कीरे म (असमथा 4हूँ।D)
जीह D तंकी मझे ज्ञा तं था, वोंह D मरे अले वों की वोंले एकी औरे रु र्षों था —मCले ह। फि>रे आलिंलेगे म (रु र्षों

कीH था ? जीब म 1इस
रे निखोंचौं रे कीरे ह रेह था, तंभ एकी स्त्र आकीMनितं की छेनिवों मरे म स म (उभरे। वोंह यावों औरे अ म
सदु रतं स स न्न
था, औरे उसकी सगे ध म!हकी था। एकी हCकी दु निप्तम रे गे -ले ले प्रकी शां चौं रे ओरे व्य प्त था। फिकीन्तं तंभ

एकी औरे दुश्Mया उभरे आया। वों" 4की दु! रू अब शांवों स की निस्थानितं म (था, रु र्षों ऊ रे, ठा!ड़ा स ठा!ड़ा, रे

स
रे।
वों गेतं एकी औरे स्त्र आकीMनितं था, जी! ष् म ले ओं औरे ष् भ"र्षोंण स सस निज्जतं था। उसकी ह था म (एकी

ष् ध र्षों था,
औरे ष् ब ण भ। उस अ ह था म (एकी शां औरे अ की शां भ ध रेण फिकीया हुआ था। वोंह नि रे तंरे मस् कीरे रेह
था। उस
की छे दुढM कीदुम आगे बढ़ ए औरे रु र्षों की उलेट ड़ा शांरे रे की ऊ रे खोड़ा ह! गेई। इसस हले फिकी म 1उस

दुखो तं, म 1 दु!
औरे स्त्र आकीMनितंया Dदुखो A, जी! सम रू स सजी -धजी थाA औरे इस अद्भुभतं सम"ह की दु! ओरे खोड़ा
थाA।
चौं स गेहरे ले प्रकी शां की ध रे ऊ रे उठ रेह था औरे ऊ रे की ले निलेम स निमले रेह था। म 1याह सब
जी तं था। वोंह सम"ह निवोंलिस ह! ग्याकी
मCले हूसD ह।
दुखा कीरे चौंफिकीतं
था औरे बह !शां ह! की! था।
फिकीस मझे स ध निबठ फिदुया। कीड़ा मजीबतं" औरे नि निश्चतं था। जीब म 1ध रे -ध रे निस्थारे हुआ, तं! स!

चौं लेगे फिकी याह कीड़ा
तंत्र की कृनि या
फिकीसकी था। वोंह स् शां4 मझे हचौं म (आ गेया।

म 1 स्वोंया की! उस कीड़ा स म कीरे निलेया। जी! की छे मरे स था ह! रेह था, उस म 1औरे अनिधकी बह हA दु

सकीतं था। जी!

"तं म इस सह हA कीरे सकी ," उस कीह। "म 1हमशां कीहतं था फिकी या अ भ "नितंया Dवों स्तंनिवोंकी ह;1 उतं ह वों स्तंनिवों
निजीतं फिकी तं म औरे म,1 औरे याह सब। या तं म याह कीह सकीतं ह! फिकी याह सब अवों स्तंनिवोंकी था , जीस तं म औरे याह सब
अवों स्तंनिवोंकी ह!। दु! ह निस्थानितंया म (तं म सह ह!। म 1इन्ह (बले तं हूँ Dजीस चौं हूँ,D औरे म 1इन्ह (निवोंदु कीरेतं हूँ Dजीस
क्या यानेरेसेवें स प्र स ह!तं ह,1 याह म 1 हA जी तं , ले फिकी म 1याह अवोंश्या जी तं हूँ Dफिकी म 1याह Dसदु की निलेए
हA हूँ।D

तं म इ अ छों की निलेए रे" तंरेह स तं या रे फिकीए जी चौंकी ह!, औरे फि>रे भ तं म्ह रे भ तंरे प्रश्न ब हुए ह।1 इसनिलेए म 1
तं म्ह रे निलेए इस प्रकीMनितं की! ले या हूँ।D ले फिकी मझे स मतं छे"! फिकी वोंह कीH ह। वोंह प्रकीMनितं ह, औरे बस। एकी फिदु
सब की छे समझे दुगे । की वोंले इतं जी ले! फिकी म 1अनिधकी समया तंकी याह D हA रेहूँगेD। वोंह की छे समया औरे रेहगे , ले फि
अनिधकी हA। तं म्ह (की वोंले उसकी स आ ह!गे , याह ,D या उ दु! स्था म (स फिकीस एकी रे, निजीन्ह (तं म भले -भ Dनितं
जी तं ह!।

एकी—रे जी चौंतं लिंसह की उद्या म (सरेस्वोंतं मफि दुरे, जी! दु की फिकी रे निस्थातं ह; औरे दुस"रे —की म क्ष्या मफि दुरे की
सतं निजीतंद्र(की आदुशां रे वोंह तं म्ह रे स आएगे ।
"अब चौंले!।"

एकी क्षाण म (हम बगे चौं स ब हरे था। ब हरे नि कीलेतं ह , मरे निवोंस्मया की स म रेह जीब म 1 दुखो

फिकी वोंह D की वोंले हम दु!

ह था। भ्रनिमतं ह!कीरे म 1 मCले ह स उस लेड़ाकी की ब रे म (छे"

वोंह हसD औरे ब!ले , "ले!गे कीहतं ह 1फिकी म 1 गेले हूँ।D दुखो !, तं म फिकीतं गेले ह!। क्या म 1 तं मस हA कीह था फिकी वोंह
आएगे जीब तं म चौं ह!गे? ले फिकी अभ तं म उस हA चौं ह रेह। तं म्ह रे म अभ स् r कीरेण खो!जी रेह ह। तं म्ह (समया की
स था वों निमले जी एगेD, ले फिकी वोंह हA। म एकी समया म (की वोंले एकी ह चौं ज़ी की! ध रेण कीरे सकीतं ह— या तं! स् r कीरे
या एकी आध्या नित्मकी प्रकीMनितं।"

त्र सदु

ह ,D मझेस् r कीरेण निमले गेए था।

ले फिकी मरे अ गेरु स। उन्ह भ नि r की फिकी मCले ह निबCकी ले सह था। मCले ह, मरे रे निमत्र रेदु की तंरेह, एकी
निसद्ध रु र्षों था , जी! अC समया की निलेए हम रे ब चौं आया था। की!ई उस गेभ रेतं स हA ले तं था। वोंह अ समया स
हले चौंले गेया। ले फिकी जी! उस निसद्धेया था , वोंह तंब तंकी ब रेहगे जीब तंकी...

वोंह 'जीब तंकी' मरे तं की की रेण ब । मझे इस अत्यातं कीरिठ औरे प्र चौं चौंतं की! ऊध्वों4गे म कीरे की निवोंनिध प्रकीMनित
सह रे प्र प्त हुई था। ले फिकी म 1प्रकीMनितं-सहभ निगेतं की वोंरेदु की! आनित्मकी स्तंरे रे ब ए रेखो म (अस>ले रेह। म 1
व्यनि गेतं वोंस्तं नि छोंतं औरे भ वों त्मकी रिरेनिध म (उलेझे गेया। म 1 अ सतं ले खो! फिदुया। याह मरे जी वों म (बहुतं ब दु
की घट था।

याह दुरे स आया , ले फिकी आया ; औरे उसकी स था मरे तं भ हुआ। म 1प्रकीMनितं की रेहस्यामया खोले म (>Dस गेया , अ की रे औरे अ खो!जी स निवोंमखो ह! गेया । प्रकीMनितं आकीर्षो4की रू म (मरे जी वों म (आई, औरे इस म गे 4म (जी! ण"4तंo नि निर्षोद्ध था ,

वोंह मरे स म आ खोड़ा हुआ। अ नितंम निमले की क्षाण म (म 1स्वोंया की! अलेगे रेखो म (अस>ले रेह ।

तंत्र स ध : स कीC

तं त्र या तं नित्रकी स ध स्वोंया म (एकी स ध रेण अभ्या स हA ह। याह म या शांरे रे रे सस्तं शांनि प्र प्त कीरे की स ध

हA ह, ह याह सम्म!ह या गेढ़" निवोंद्या की तंरेह ह, औरे ह इस की वोंले शां रे रिरेकी कीHशांले या कीले ब जी की रू म (दुखो जी सकीतं ह। तं नित्रकी शांनि कीरिठ प्रया स औरे कीठ!रे अ शां स स अर्पिजीतं की जी तं ह। याह एकी या!ग्या गेरु द्वी रे नि या नित्रतं

प्रनिशांक्षाण की म Dगे कीरेतं ह, जीह D निशांष्या अ या "ण 4इच्छे शांनि की! गेरु की औरेण म (समर्पि तं कीरेतं ह,1 जी! ले!गे इस स ध म (कीMइच्छेआ की स था प्रवों शां कीरेतं ह,1 उ की निलेए याह की4 की सम ड़ा ले तं ह। " ह। दुवों यामले कीहतं

याह शांनि जीब अर्पिजीतं ह!तं ह, तं! व्यनि अ आ तंरिरेकी प्रकी शां म (जी तं ह। वोंह अ वों स्तंनिवोंकी प्रकीMनितं स रिरेनिचौंतं ह ह औरे एकी ए सस रे की स क्षा त्की रे कीरेतं ह। वोंह स्वोंया की! कीई चौंतं ओं की निमनिश्रेतं रू तं ह, जीह D प्रत्याकी चौंतं स्तंरे निभन्न ह!तं ह।

तं त्र की मले" स्रो!तं की लेकी डीनिले ह। आध नि की वोंज्ञा नि की औरे म !वों ज्ञा नि की दुनिMrकी!ण स इसकी व्य ख्या कीरे की नि ग्रेथा उ लेब्ध ह,1 ले फिकी तं त्र की वोंनिलतंक्षि ज्ञा हA, बनिCकी व्य वोंह रिरेकी स ध ह।

स धकी जीब इस म गे 4 रे आगे बढ़तं ह, तं! वोंह अज्ञा तं की गेहरे इया म (प्रवों शां कीरेतं ह। आध नि की निवोंज्ञा

इस प्रफिक्रंया की!

रे" तंरेद्व समझे म (अक्षाम ह। याह शांनि की वोंले आगे, भ , जीले, निबजीले , गेस आफिदु स हA आतं , बनिCकी आत्म , अ ग्र ह

औरे अप्रत्याक्षा ऊजी 4स्रो!तं स उत् न्न ह!तं ह।

ले फिकी हरे शांनि की मले" म (रेजीस ह!तं ह, जी! निवों रे तं शांनि या की घर्षो4ण स उत् न्न ऊजी 4ह। निब द्वीतं

की की!ई घर्षो4ण हA,

औरे निब घर्षो4ण की की!ई ऊजी 4 हA। तं नित्रकी इस रेहस्या की! सफिदुया वों" 4समझे निलेया था । उन्ह इन्ह (रु षों औरे प्रकीMनितं

की रू म (हचौं , निजीस निवोंज्ञा आजी की रे त्मकी औरे सकी रे त्मकी ऊजी 4की रू म (दुखो तं ह।

व्यथा4भ गे दुHड़ा

वों रे णस की वोंर्षो" की ब दु, म 1वोंह सरेले ब लेकी हA रेह जी! कीभ एले.एस. की शांब्दु की! सहजीतं स स्वों की रे कीरेतं था ।

मरे म अब जीरिटले ह! गेया था । जीस निहम दु औरे तं"> स टकीरे कीरे गेगे म (बह वों ले त्थारे की आकी रे बदुले जी तं ह,1 वोंस ह मरे निवोंचौं रे अब हले की सरेलेतं स बहुतं दुरे" था।

एले.एस. की निशांक्षा ए Dअब मरे सशां यावों दु दुनिMrकी!ण की! सतं r हA कीरे रेह थाA। मरे जीरिटलेतं औरे

स् तंकी या ज्ञा

ह की सहजी औरे गेहरे ब तं की! समझे की मरे क्षामतं की! ब निधतं कीरे फिदुया था । निवोंचौं रे भ रे प्र प्त कीरे निलेया था ,

स्मनिMतंया Dध धले ह! चौंकी थाA, ले फिकी अ भ वों की गेहरे इया Dअब भ मरे भ तरे अनिमट रू स तंत्र की दुनि या

अ फिकीतं थाA।

एकी समया था जीब म 1सक् स औरे उसकी स ध ओं स जीड़ा प्रश्न की! ले कीरे अत्यातं निजीज्ञा स था । ले फिकी

प्र कीMनितंकी रू स, जी वों की प्र थानिमकी उद्दी श्या जी वों की निवोंस्तं रे कीरे ह। ले फिकी फिकीतं ले!गे इस म त्र प्रजी की रू स्वों की रे कीरेतं ह?1 हम वों स स प्ररि रेतं ह!कीरे इस एकी म !रे जी की स ध ब ले तं ह।1 हम अनि यानि त्रतं रू स इ फिद्रया भ!गे की ओरे भ गेतं ह,1 औरे इसकी वों स्तंनिवोंकीतं की! समझे म (अस>ले रेहतं ह।1

याह निशांक्षा मझे एले.एस. स बहुतं हले प्र प्त हुई था , औरे याह की रेण था फिकी उन्ह मझे गेप्त ज्ञा प्रदु फिकीया। आजी, म 1 इस रेहस्या की! उ ले!गे की निलेए प्रकीट कीरे रेह हूँ Dजी! इसकी गेहरे ई म (जी की इच्छे की ह।1 याह ज्ञा सफिदुया स एकी रेहस्य की रू म (सरे निक्षातं रेह ह, ले फिकी अब समया आ गेया ह फिकी इस समझे जी ए।

उध रे निलेए हुए प्रभ मडी ले की स था वों स की की(द्र

म 1 भ रेतं म (की छे तंथा कीनिथातं आश्रेम की! दुखो ह, जीह D की छे प्रनिसद्ध औरे प्रचौं रिरेतं या!निगेया की अ या या आत्मज्ञा की खो!जी म (घ!रे तं म (निलेप्त ह! गेए ह।1 आध्या नित्मकी अ भ वों की खो!जी म (सकी ड़ा यावों की ध"ले चौं ट चौंकी ह,1 उन्म ह! चौंकी ह,1 औरे

ऐस अ म जी की निस्थानितंया की निशांकी रे ब ह 1निजीन्ह (ट ले जी सकीतं था। याह वोंह ढ था निजीस भनिवोंष्या की निलेए >ले ->"ले की आवोंश्याकीतं था , ले फिकी जी! अ निवोंकी स स हले ह दु मकी लेगे लेकीड़ा की तंरेह खो!खोले ह! गेई।

मMतं गे तं: जी वों की अथा4

यारे"! की अ एकी या त्र की दुHरे , निश्चम जीम4 (की सले) म (एकी म D मरे स म एकी नित्रकी रेखो , निजीसम (भ रेतं की

एकी प्रनिसद्ध आश्रेम म (ह! रेह घट ओं की >!ट!ग्रे फि>की रिरे !ट4 था। उस एकी तंस्वों रे की ओरे इशां रे फिकीया औरे निचौंCले ई,

"दुखो ! याह म्हे "बट भ ह! सकीतं था। औरे म 1एकी ऐस व्यनि की! जी तं हूँ Dनिजीसकी बट ले की फिकीस ठ्स हA हेलाD।"

अज्ञा तं की! म (की डीनिले की रेहस्या म (खो!कीरे म रे गेया। जी! भ इसकी अथा 4ह!, म 1 हA जी तं। मझे आशां तंस्वों फिकी (मकी निवोंशां ओ ह!ले फिदुखो या गेया था , जी! ग्र यावों ओं (रु षों एवों मनिहले) स भरे हुआ था।

वों सभ अध-4

की गेतंM अध-4चौंतं अबोंस्था म (था। की छे ण"4तंo अचौंतं था, जीबफिकी अन्या उन्ह (ह!शां म (ले की की! निशांशां कीरे रेह था की छे शां यादु

उन्म ह!कीरे चौं खो रेह था, जीस फिकी उ की भया वोंह आDखो औरे निवोंकीMतं चौंह रे की भ वों स प्रतं तं ह! रेह था। स् r था फिकी वों

फिकीस खोतंरे की म दुकी द्व था 4की प्रभ वों म (था। उ म (स लेगेभगे सभ गेरे -भ रेतं या था, अनिधकी शांतंo श्वेत वोंणA! वों दुश्Mया ग्र की

औरे भ रेतं या मर्पि"तंया म (अ फिकीतं ब खो निलेया की दुश्Mया या रे!निडी की 'गेट ऑ> हले ' रे उकी रे गेई ड़ा स मले खो तं था। वों क्या खो!जी आए था? उ की अ दुशां म (ऐस क्या कीम था जी! उन्ह (याह DखोAचौं ले ई? उन्ह ऐस सवोंÁच्ची बनिलेदु

फिकीस उद्दी श्या की निलेए फिदुया ? उन्ह क्या या ? उ की अ सस रे उन्ह (क्या अस>ले लेगे ? उ की अ दुरे की निजीज्ञा स

फिकीस मले" स जीन्म था ? वों जी वों की फिकीस ए अथा 4की खो!जी कीरे रेह था? म 1ब रे-ब रे इ प्रश्न की! दु! हरे तं हूँ।D एले.एस.,

और एले.एस. से पूछा... आतं म इस रे इतं मH क्या ह!? तं म म गेदुशां4 क्या हA कीरेतं ?

इसकी उरे अवोंश्या ह! चौं निहए। याफिदु हम रे तंथा कीनिथातं वोंज्ञा नि की उ लेनिब्धया की ब वोंजीदु" इसकी उरे हA निमलेतं , तं!

गेगे की तंट रे वों रे णस म,(वोंदुM वों की ध"ले म,(गे!वों की एकी तंतंट रे, ले, निसफिक्कम औरे भ"ट की घ रिटया म,(याह
तंकी फिकी मब ई, जीया रे, फिदुCले औरे की!लेकी तं की अ धरे गेनिलेया म,(स न्न यारे"! , ऑस्Å निलेया , की डी औरे अमरि रेकी
यावों की औरे यावों नितंया D अ शांरे रे औरे आत्म की तं म (खो! रेह ह।1 वों प्रम औरे आकीनिस्मकी सया !गे की अ वोंजी तं >सले
की! अ ठ रे ट गे ट!कीरे म (निलेए घ"मतं ह।1 वों ध"ले भरे सड़ाकी रे रेबरे की चौंप् ले म (भटकीतं ह,1 एकी जी वोंतं औरे
सया निमतं सम जी की ब चौं एकी अस्तं-व्यस्तं तंस्वों रे प्रस्तं तं कीरेतं ह।1

म 1स!चौंतं हूँ Dफिकी उस दुभ 4ग्या ण"4 ट!कीरे म (क्या ह? क्या याह म वोंतं की भनिवोंष्या की! सजी !ए हुए ह, या की वोंले अतं
एकी r ह!तं ले शां ह? वों क्या खो!जी रेह ह?1 वों स्तंवों म (उन्ह (क्या निमले रेह ह?
सवों दु शां ले व्यनि ड़ा महस"स कीरेतं ह। या यावों भ ड़ा म (ह।1 औरे उ की ड़ा की सम ध उ की जी वों की उद्दी श्या
औरे अथा 4की! समझे म (ह। याह एकी अ वोंरेतं औरे निस्थारे की या 4म (सम ण4 की म ध्याम स ह सभ वों ह। याह उन्ह (वोंह स थावों
दुगे , जी! उ की आत्म की! शां नितं प्रदु कीरे सकी। उ लेनिब्ध की निब जी वों एकी मतंM गे तं ह। जी वों की! स थाकी4 की स ब
जी ए—याह तं त्र की मले" निवोंषोंया ह। निवोंक्षेषों ण कीरे स समझे उत् न्न ह!तं ह, औरे समझे सम ध की शां रुआतं ह!तं ह।
समझे ह प्रम की कीले ह।

इसनिलेए, म 1जी! कीह जी रेह हूँ,D उसस हले एकी चौंतं वों दु चौं हतं हूँ।D इस ज्ञा म (की!ई चौंमत्की रे हA ह, की!ई रेहस्या
वोंनिस्थातं ह फिकी इस एकी निसद्ध तं की रू म (आस स समझे जी सकीतं ह।

हA ह। याह इतं तं र्किकीकी, स् r औरे सव्य
खोतंरे की वोंले अभ्या स की स्तंरे रे उत् न्न ह!तं ह।

प्रनिशांक्षाण औरे अ शां स की निब की!ई तं त्र-स ध म (हA जी सकीतं। प्रशां तं मह स गेरे म (गेहरे म (तं रे स हले
शांरे रे, म औरे भ वों ओं की! तं या रे कीरे आवोंश्याकी ह। भ!जी , नि द्र , चौंले , व्य या म, श्रेवोंण, गेध , प्रम , समझे, दुनिMr,
स्वोंप्न औरे लिंचौंतं —इ सभ म (अ शां स हले , अ शां स दुस"रे , औरे अ शां स तं सरे स्था रे आतं ह। याह तं या रे
ह। तं त्र-स ध लिंजीदु निवोंषोंले गे की स था खोले जीस ह— याह कीह गेया ह, औरे इस हजी रे ब रे दु!हरे या जी सकीतं ह।
याह हजी रे वों!Cट की खोले तं रे की! छे" जीस ह। इस क्षा त्र म (सतंकी4तं कीभ भ अत्यानिधकी हA ह! सकीतं।

इस अ शां स की अवोंनिध की! छे!ट हA फिकीया जी सकीतं। इस अ ण"4 अवोंनिध तंकी चौंले ह!गे। याफिदु याह समया औरे
ऊजी 4की बनिलेदु असभ वों ह! जी ए, तं! तं त्र-स ध की! हA अ चौं निहए।
भ ग्या औरे सया !गे की खोले स, म 1एले.एस. द्री रे स्वों की रे फिकीया गेया था। क्या फिकी म 1उ की अत्यातं सम था —शांरे रे स
शांरे रे, त्वोंचौं स त्वोंचौं —इसनिलेए मझे उ स याह निशांक्षा प्रत्याक्षा रू म (प्र प्त हुई। याफिदु अ ब दु की जी वों म (म 1या!निगेया
निसद्ध , औरे तं थाया4 त्र ओं म (भटकीतं रेह , तं! इसकी की रेण याह हA था फिकी म 1अ रे ह स भटकी गेया था या फिकीस
स स खो जी उ लेनिब्ध की खो!जी म (था। इसकी की रेण की वोंले याह था फिकी तं त्र की आध्या नित्मकी अ भ "नितं अजीया आ दु की
ह।

याह आ दु ह स धकी की! बले तं ह, आमनि त्रतं कीरेतं ह औरे उरे दुतं ह। तं त्र एकी निवोंत्र गेढ़" सम दु या ब तं ह। याह एकी

रिरेवों रे की तंरेह की या 4कीरेतं ह। याह एकी ‘क्लेब’ ब तं ह, जीस एकी की क्लेब, एकी निब्राजी क्लेब, या एकी फ्री -मस
ले²जी। तं नित्रकी तं! अकी ले ह!तं ह, ह स्वों थाÂ।

ध्या क्या कीरे(: ओजीस

म 1 हले ब रे एले.एस. स (नि स्सदु ह , अ ह प्रश्न की उरे की रू म)(स खो फिकी हम ध्या क्या कीरेतं ह।1 नि निश्चतं रू स, इसकी उरे हले भ फिदुया गेया था , औरे अनिधकी सरेलेतं स भ । ले फिकी याफिदु हम गेहरे ई म (जी ए,D तं! हम (की छे निवोंश कीरे ह!गे जी! हम रे स!चौं वों ले मनिस्तंष्की की निस्थारेतं ब ए रेखो म (
सहीयोतं कीरेतं ह।1 याह याह वोया ह जी! शारेरे की! शां तं औरे म की! निस्थारे रेखोतं ह। कीई ले!गे इस अC> रिरेदुम की रू म (सदु र्पिभतं कीरेतं ह।1

वों इसस क्या तं त् या 4रेखोतं ह,1 याह म 1 रे" तंरेह हA समझे सकीतं । ले फिकी हम इस ओजीस की रू म (जी तं ह।1 रे" म वों जी वों -चौंक्रं म (उत् न्न औरे उ या!गे की जी सकी वों ले ओजीस की की ले इकी इया की! तं म गेया ह, जीबफिकी 100 ओजीस इकी इया D म वों चौंतं की! की वोंCया या रेलेHफिकीकी आ दु की सवोंÁच्ची अवोंस्था तंकी ले जी तं ह,1 जीह् D स समस्तं शांनि प्रवों निहतं ह!तं ह। तं त्र-स ध इ दुले 4भ इकी इया की आ र्पि"तं कीरेतं ह; औरे एकी ह जी वों -चौंक्रं इन्ह (सनि चौंतं कीरे की निले या 4प्त हA ह! सकीतं ।

ध्या एकी ऐस प्रफिक्रंया ह निजीसकी द्वी रे ओजीस की इस लेया की! प्रनितंफिदु , प्रनितं घ ट औरे प्रनितं क्षाण एकी नि यानिमतं प्रवों ब ए रेखो जी तं ह। की छे ले!गे, जीस फिकी ज़ी स धकी, अ दुनिMr की! फिकीस वोंस्तं रे की(फिद्रतं रेखोतं ह;1 औरे की छे, जीस तं नित्रकी, अ दुनिMr की! भ्र"मध्या (भHह की ब चौं) रे की(फिद्रतं कीरेतं ह 1औरे तं सरे त्र की खोले की प्रतं क्षा कीरेतं ह।1 जी ह!तं ह, तं! ध्या कीरे वों ले की आ तंरिरेकी अनिस्तंत्वों एकी फिदुव्य आ दु की आभ स आले!फिकीतं ह! जी तं ह।
ऐस ध्या -स ध सभ रिरेनिस्थानितंजीन्या प्रनितंफिक्रंया ओं की! रे" तंरेह नि यानि त्रतं कीरे सकीतं ह। ड़ा या कीr की! अलेगे रेखोतं हुए, ऐस तं नित्रकी स ध एD अ तंतंo गेरु त्वों कीर्षो4ण प्रभ वों, त्रगे!लेकी की हलेचौंले , हृदुया की धड़ाकी औरे श्व स तंकी की! नि यानि त्रतं कीरे म (सह याकी ह!तं ह।1 एकी निश्चम शां!धकीतं 4की प्रम ण ह फिकी उस स्वोंया एकी नितंब्बतं ले म की! 30 घ ट की सह रे जीस

300 म ले की दुरे" तंया कीरेतं हुए दुखो। कीई ले!गे याह दुखो ह फिकी की छे स धकी असभ वों दुरे" की! खो रे कीरे ले तं ह।1 म 1 अमरे था या त्र की दुHरे इस दुश्[Mया की अ भ वों फिकीया था , निजीसकी निवोंवोंरेण म 1 हले ह दु चौंकि

कीई ले!गे आश्चया 4कीरेतं ह 1फिकी निहम लेया की ब>¬ले चौं!रिटया म (या!गे निब आगे या आवोंरेण की की स गेम4 रेहतं ह।1 एले की! इसम (की!ई आश्चया 4 हA हुआ। उन्ह समझे या फिकी शांरे रे अ सबस सक्ष्"म रू म (उ दु था' स ब ह!तं ह निजीन्ह (हस दुखो। हA सकीतं । इ सक्ष्"म दु था' की नि रे तंरे 'रेस!ई' चौंलेतं रेहतं ह। उन्ह इस 'रे ण' या 'अण' कीह , जी! असख् या तं रेतं बले बले की भ Dनितं उत् न्न ह!तं औरे सम प्त ह! जी तं ह।1 इ अणओं की उष्णतं औरे ऊजी 4की स्रो!तं ह जी वों -शांनि ह।

म 1 की छे भHनितंकी वोंज्ञा नि की स इस निवोंर्षोंया रे औरे जी की रे प्र प्त की , औरे वों इस अवोंध रेण की! स कीरे अचौंनि भतं रेह उन्ह बतं या फिकी एले.एस. की व्य ख्या आध नि की निवोंज्ञा की आया कीरेण औरे ऑक्स जी ग्रेहण स इले क्Å² की नि म 4ण की अवोंध रेण ओं स ण"4तंo मले खो तं ह। इसस मझे याह समझे आया फिकी आध नि की निवोंज्ञा भ उस सत्या की ओरे सकी तं कीरेतं ह निजीस मरे गेरु एले.एस. दुखो तं थाA, औरे निजीस तं त्र प्रनितं फिदुतं कीरेतं ह।

एले.एस. (भगेवों वोंस्त्र ध रे मनिहले) औरे उ की निवोंज्ञा

आजी जीब म 1एले.एस. द्वी रे वोंर्पिणतं इस अद्भुभतं घट की! या दु कीरेतं हूँ,D तं! मझे दु! अन्या सब निधतं निवोंचौं रे की ओरे ध्या जी तं ह। हले , लिंहदु "प्र चौं निमथाकी की सदु भ,4 निजीसम (असख् या 'आध्या नित्मकी' तं निस्वोंया की उCलेखो निमलेतं ह, निजीन्ह (दुखो

हA जी सकीतं , निगे हA जी सकीतं औरे जी! सया" 4की ऊजी 4एवों उसकी 'याज्ञा अनिग्न' (सया"-4फिकीरेण) स अत्यानिधकी जीड़ा हुए ह।1 इन्ह ('सया"-4 त्र ' कीह जी तं ह। इ की स्वोंभ वों म (तं त्रतं , उ जी , आवोंगे औरे क्रं!ध प्रम खो ह!तं ह,1 फि>रे भ इ की आ तंरिरेकी स्वोंभ वों रे! की रे स रिरे ण" 4ह!तं ह। इ तं निस्वोंया की! Hरे निणकी रू स 'वोंलेनिखोCया' कीह जी तं ह।

वोंलेनिखोCया अ अतंले या निवोंशांषों तं ओं की की रेण अनिद्वीतं या ह—1याह Dतंकी फिकी दुवों तं भ इ की

सम्म कीरेतं ह 1औरे इन्ह (

प्रथाम स्था प्रद्- कीरेतं ह।1 दुवों तं बदुले सकीतं ह,1 निवोंचौं रे बदुले सकीतं ह,1 ले फिकी वोंलेनिखोCया औरे उ की निसद्ध त निस्थारे रेहत

ह।1 (म 1स!चौंतं हूँ Dफिकी इ की वोंण4 औरे उ की उद्दी श्या रेम ण सरे चौं की निसद्ध तं स फिकीतं मले खो तं

ह।) दुस"रे हले" जी! मझे एले.एस. की ओजीस सब ध व्य ख्या म (आकीर्पिषोंतं कीरेतं ह, वोंह आध नि की

जीनिवा! जी! ज्ञी तं ले एले.एस. की निशांक्षा स कीरेतं हूँ,D तं! तं हूँ Dफिकी म वों शांरे रे एकी चौंब की या क्षा त्र की मंHनितंकी स सब निधतं ह।

सम ह। याह ऊजी 4औरे सभ वों ओं स भरे हुआ ह। यानिद म स्या अ चौंतं की! उच्चीतम अवोंस्था तंकी निवोंकीनिसतं कीरे ले , आइ स्वों बीस औरे एलिडीगेट की ब दु वोंज्ञा नि की की! अ तंरिरक्षा औरे समया की अवोंध रेण म (क्र नितंकी रे बदुले वों दुवों की!

तं! वोंह कीMष्ण, ईस , जीरेथा स्त्र की तंरेह मह म वों ब सकीतं ह।

निमले । अब ब्राह्म डी की! की वोंले अमतं" 4सकी तं औरे गेनिणतं या सम कीरेण द्वी रे ह व्य फिकीया जी सकीतं ह।

म वों शांरे रे म (या 4प्त शांनि नि निहतं ह, ले फिकी इसकी अ गे की दुरु या!गे औरे अप्रया!गे इस नि निष्क्रंया ब दुतं ह। याह की रेण ह फिकी निवोंनिभन्न व्यनि या म (सवों दु शां लेतं की स्तंरे निभन्न ह!तं ह। आध नि की सभ्यातं अ अ गे की क्षामतं ओं की! की रिठतं कीरे फिदुया ह, औरे इस o जी गेतंM कीरे की निलेए वों रेस या औरे शां ले दु था' की सह रे ले तं ह।1

एले.एस. की ज्ञा आध नि की वोंज्ञा नि की नि ष्कीर्षों' स मले खो तं ह। ब!स्ट निसट ह²निस् टले म (फिकीए गेए प्रया!गे स तं चौंले ह फिकी ध्या औरे म दुकी दु था' की प्रभ वों म वों शांरे रे रे सम प्रकी रे की भHनितंकी रिरेवोंतं4 की! जीन्म दुतं ह। ध्या की प्रभ वों म,(म वों शांरे रे की अC> तंरे गे म (तं त्र वोंनिMद्ध ह!तं ह, जी! रे निडीया!धमÂ तंत्वों स उत् न्न की की सम ह!तं ह।1 याह अC> तंरे गे (शांरे रे की उच्ची चौंतं की! प्रभ निवोंतं कीरेतं ह।1

ध्या औरे शां ले दु था' की प्रया!गे श्वस दुरे की! कीम कीरेतं ह, निजीसस शांरे रे ऑक्स जी की कीम खो तं कीरेतं ह। याह की रेण ह फिकी निहम लेया म (या!गे निब भ!जी औरे ऊष्म की जी निवोंतं रेह सकीतं ह।1

निश्चम भHनितंकीवों दु की सबस दुखो दु निवोंडीब याह ह फिकी वों वों" 4की आध्या नित्मकी सत्या की! निवोंज्ञा की कीसHट रे प्रया स कीरेतं ह।1 वों की वोंले उन्हA सत्या की! स्वों की रे कीरेतं ह,1 निजीन्ह (उ की भHनितंकी औरे रे स यानि की प्रया!गेशां ले ओं म जी सकी । ले फिकी हम की वोंले उस की तं लेगे सकीतं ह 1जी! हले स मHजीदु" ह; उसकी 'की स' औरे 'क्या ' की उरे निवोंज्ञा हमशां हA दु सकीतं । रेहस्यावों दु वोंहA सह याकी ह!तं ह। जी! की छे रेहस्यावों दु अ तंरे की स स् r कीरेतं ह, उस निश्चम वोंज्ञा नि की ध रे -ध रे सभ व्यतं की रू म (स्वों की रे कीरे लेगेतं ह।1

एले.एस. की! आध नि की निवोंज्ञा की ज्ञा हA था , ह स ध रेण मCले ह की!। फि>रे भ , उ की दुनिMr औरे अ भ वों की गेहरे ई, उ की जी की रे की निवोंशां लेतं औरे रिरेप्रक्ष् या मझे आजी भ चौंफिकीतं कीरेतं ह। निवोंज्ञा की औ चौं रिरेकी निशांक्षा ह! की ब वोंजीदु", उ की निवोंचौं रे की! जीरेअदु जी कीरे असभ वों ह।

म लेकीरे रेले!की निसध रे गेए

म ले की रे की मत्Mया अत्यातं निवोंनिचौंत्र रिरेनिस्थानितंया म (हुई। जीब तंकी वोंह जी निवोंतं था , म 1उसकी स था ब रेह । हम उद्या की सरेस्वोंतं मफि दुरे म,(अम वोंस्या की की छे निवोंशांर्षों रे नित्रया म (स ध की निलेए एकीत्र ह!तं था। हरे ब रे वोंह लेड़ा प्रकीट ह!तं था ; हरे ब रे तं प्रकीMनितंया Dउ निस्थातं ह!तं थाA। याह सब रे" तंरेह म ले की रे की हस्तंवों ह!तं था। कीई ब रे मझे वोंह D एले.एस. भ फिदुखो ; औरे जीब म 1उस दुखो तं , तं! म 1 रे" तंरेह म अ भ वों कीरेतं ।

म ले की रे स ध रेण अथा' म ('मत्Mया' की! स्वों की रे हA फिकीया । उस निवोंनिधवोंतं अ म Dस निवोंदु ले था ।

वोंह अ प्र था 4

कीक्षा म,(अ आस रे अकी ले बठ था । उसकी म D उस अ आस रे शां तं अवोंस्था म (या । स म न्या मत्Mया ध रेण की अ स रे याह 'निवोंदु ले ' औरे शांरे रे की त्या गे कीरे , एकी अन्या ले!की की या त्र की निलेए,

अनिवोंश्वस या लेगे

सकीतं ह।

म 1 उसकी मत्Mया की सचौं" सतं निजीतंद्र(की एकी अ या या स प्र प्त की । जीब म 1म ले की रे की घरे हुचौंD ,

तं! वोंह D उसकी कीई

सह ठ औरे रिरेश्तंदु रे उ निस्थातं था। अनिधकी शां ले!गे इस ब तं की शां!की म रेह था फिकी एकी आध्या नित्मकी अत्मि इतं जीCदु चौंले गेई। (अब उन्ह (एहस स हुआ फिकी इस गेले दुनि या म (की वोंले वोंह वों स्तंवों म (निवोंवोंकी शां ले था ।) ले फिकी उसकी म Dशां!की म (हA था । "वोंह इस घरे की! आशां वों दु4 दु आया था ," उस कीह । "हम उस स्वों की रे हA फिकीया ।

तं! अब निवोंले क्या कीरे(? उस अ कीतं4व्य की ले फिकीया ; औरे मझे स वोंह कीभ अलेगे हA ह!गे । मझे उस रे ण"4 निवोंश्व स ह। "

मझे आश्चया4हुआ फिकी उस अ त्र की मत्Mया की! इतं सहजी भ वों स स्वों की रे फिकीया । तंब मझे गे तं की उस मह श्ले!की

की वों स्तंनिवोंकी अथा 4समझे आया —जी! या!गे स निगेरेतं ह,1 वों o अ ह सम आध्या नित्मकी घरे म (जीन्म ले तं ह।1

वोंह D औरे भ ले!गे था— एले.एस., सतं निजीतंद्र(, औरे हम रे निप्रया गे! था दु दु , जी! अ निवोंद्री औरे या!निगेकी शक्तिया मकी रे अ निप्रया गे तं गे या ह!तं , तं! म 1नि निश्चतं रू स मर्पि"छेतं ह! जी तं ।

निलेए निवोंश्वभरे म (प्रनिसद्ध ह! चौंकी था। गे! दु दु म ले की रे की प्रनितं गेहरे श्रेद्ध रेखोतं था। वों म ले की रे की स था अ

उस फिदु की ब दु स म 1सतं निजीतंद्र(की औरे कीरे ब आ गेया । वों मरे ब Cयाकी ले की निमत्र था; औरे अब भ वों मझे बच्ची ह अ भ वों की कीई कींह नि या Dस तं था औरे बतं तं था फिकी म ले की रे हमशां उस अ मह फिदुव्य या त्र ओं की था। ले फिकी उ की स ह! रे वों स्वोंया भ एकी ब लेकी की भ Dनितं ह! जी तं था।

ब तं (स झे

त्र की दुनि या

कीरेतं था ।

अचौं की सतं निजीतंद्र(हम सभ स अलेगे ह! गेए औरे अ निवोंनिशांr अ दु ज़ी म (Mत्या कीरे लेगे— "म -म -म !"

निचौंCले तं हए।

अब वों एकी प्रनिसद्ध या!गे ब चौंकी था। कीह जी तं था फिकी वों चौंमत्की रे कीरे सकीतं था। म 1स्वोंया उ की की छे 'छे!ट चौंमत्की रे ' की गेवों ह् रेह था। वों वों स्तंवों म (चौंमत्की रे कीरे सकीतं था या हA, याह महत्वों ण" 4 हA था —बनिCकी वों स्वोंया एकी चौंमत्की रे था। उ की स था ह! रे ऐस प्रतं तं ह!तं जीस वों निवोंचौं रे की! ढ़ सकीतं था। उ की आकीर्षों4ण की शांनि इतं तं व्र था फिकी की!ई
भ सहजी ह् उ रे निवोंश्व स कीरे की! निवोंवोंशां ह! जी तं।

वों निजीस सहजीतं स अ गे तं गे तं, निबनिCलेया और निक्षाया स ब तं (कीरेतं, चौंह" और निछे कीनिलेया की

गेनितंनिवोंनिधया की!
भ D तं की!Hवों और चौं ले स सवों दु कीरेतं— इसस प्रतं तं ह!तं फिकी वों वोंरि(Åले!फिक्कज़्म और उसस भ
अनिधकी फिकीस रेहस्यामया
कीले म (नि ण था। उ की व्यनि त्वों ऐस था म ! वों फिकीस ²र्पिडीकी गे था की एकी रे निवोंकी ह। (ओह! म

1उस व्यनि की!
फिकीतं चौं हतं था !) ले फिकी इ सबस ऊ रे, वों चौंमत्की रे और रेहस्यामया खोले की अद्‌भुभतं प्रस्तं!तं था, और
निजीस व्यनि
की वों स्वोंया आरे ध कीरेतं था, वों भ उन्हA की तंरेह था।

रेवों ब ब

याह था प्रनिसद्ध रे वों ब ब। (वों रे णस की स्था या लिंहदु म (' रे वों ' की अथा 4ह!तं ह निमट्टा की की Cहड़ा।) उन्ह (याह म एकी
निवोंनिचौंत्र की रेण स निमले था। वों व्यवोंह रिरेकी रू स मकी" था। ब स वोंर्षों' की अ भ वों म (म 1 या फिकीस और उ स की वोंले एकी ह ध्वोंनि स था —"क्क Dक्क Dक्क Dक्क D"—जी! आध की की और आध म!रे की आवों ज़ी जीस लेगेतं था, और वोंह भ की वोंले
तंब जीब सड़ाकी की बच्ची उन्ह (बहुतं रे शां कीरे दुतं था। याह आवों ज़ी निशांकी यातं और निवोंरे!ध दु! की निमश्रेण ह!तं था।

ब ब एकी स वोंजी4नि की जीले स्तं भ की स, निवोंश्व था गेले और भ"तंश्व रे गेले की सगे म रे, एकी ट"ट हुई त्थारे

की चौंHकी रे
बठ रेहतं था। याह वों रे णस की अत्यातं महत्वों ण" 4और व्यस्तंतंम स्था था। वों' की दुHरे याह Dले खो ले!गे
आतं -जीतं था।
ले फिकी ब ब निजीस की! म (बठ तं था, वोंह गेरे निलेकी की की"ड़ा की ढं रे की स था। इसनिलेए की!ई उ की

स हA जी तं था,
ह की!ई उ रे ध्या दुतं था। उन्ह (उस की"ड़ा की ह एकी निहस्स म निलेया गेया था, एकी उ नि क्षातं,
निवोंनिक्षाप्त व्यनि की
रू म।(

अघ!रे सतं की याह म गे 4ह!तं ह। वों 'नि ले चौं निसद्ध' ह!तं ह,1 जी! ले!भ और रे नि स की अ धकी रेमया

शांनि या रे
नि यात्र ण रेखोतं ह।1 वों सवों दु हA कीरेतं। ले!गे उ की निलेए भ(ट छे!ड़ा जी तं था, और गेले की बच्ची उ की आस-
स छे!ट -छे!ट
वोंस्तं ए Dचौंरे और उन्ह (निचौंढ़ आतं था। म वों की अनितंशांया उदु रेतं की! अक्सरे गेले समझे जी तं ह। जीब

ब ब
बच्चीं की शांके रेत स त गे आ जी तं, तं! वों अचौं की निचौंCले तं और बच्ची हसDतं हुए भ गे जी तं। मझे रे"
निबिध उन्हें यफिकी याह

बच्ची की स था उ की स्वोंनि च्छेकी खोले था, क्या फिकी वों चौं हतं था फिकी बच्ची उ की स आएD और उन्ह

(आ फिदुतं कीरे(।

ले फिकी हA >(की जी तं था वोंह छे!ट निमट्टा की प्या ले , निजीसम (ले!गे उन्ह (दुध" चौंढ़ तं था। ब ब कीभ -कीभ उसस की छे घ
ले तं, ले फिकी ब की स रे दुध" की   की! निमले जी तं । वों इ प्या निलेया की! अ   निसरे की   स बड़ा जीतं स सभD लेकीरे रेखोतं थ
म ! या उ की सबस बड़ा ख़ौज़ी   ह । अगेरे की!ई इन्ह (हट   की की!निशांशां कीरेतं , तं! ब ब प्रचौं डी क्रं!ध म (आ जी तं।

आजी भ मझे   समझे हA आतं फिकी याह उ की भHनितंकी स निया की प्रनितं म वों की ले!भ प्रवोंMनि रे कीट क्षा था या फिकीस
गेह्रे आध्या नित्मकी सद ु शां की प्रतं की। याह निवोंशांर्षों तं उन्ह (' रे वों ब ब ' या 'की Cह्ड़ा सतं ' की उ निध फिदुले   की की रेण ब
याह मझे   नित्रनि द ु द ु म (निमले एकी अफ्री की म!चौं की या द ु फिदुले तं ह, निजीस जीतं" ब   छे!ड़ा फिदुया था औरे एकी फिकीरे
छे!ट मकी   म (रेहतं था । ले फिकी वोंह वों स्तंवों म (अ   !चौं 4की   चौं रेहतं था , क्या फिकी उसकी द!   कीमरे खो ले शांरे ब की
ब!तंले स भरे हुए था। हरे ब रे जीब वोंह एकी ब!तंले खो ले कीरेतं , तं! निब   फिकीस झे झेट की उस   छे >(की दुतं   औरे
'धड़ा म!' की आवों ज़ी आतं । वोंह हमशां   कीहतं , "याह ह!तं ह खो ले चौं ज़ी की ढं रे—की > शां!रे कीरेतं ह, ले फिकी अ तं म (
क्या बचौंतं ह? बस कीचौंरे !"

अघ!रे औरे की

1977 म (कीन्या की म रे (की   की!म!रिरे) की या त्र की दुHरे   मरे   भ(ट एकी अघ!रे स हुई। जीह D भ वों जी तं, उ की   छे की
की   रे" झे डी चौंलेतं । सध् या समया वों सम द्र तंट रे खोड़ा ह!तं , जीह D प्रनितंफिद ु सकी ड़ा   याट4की भव्य सया" 4स्तं की आकीषे
लिंखोचौं चौंले आतं । अघ!रे की आस स ले!गे सया" 4स्तं की समया आगे जीले तं , त्थारे की चौंC"ह् ब तं औरे चौं वोंले, मछेले तंथा
सनिब्ज़ीया की! एकी स था की तं ।

वों नि छेले चौं ले स वोंर्षों' स मH व्रतं म (था औरे बस इस रे" प्रफिक्रंया की! शां तं भ वों स दुखो तं रेहतं । जीब तंकी की   औरे
म ष्या की! भ!जी   हA निमले जी तं , वों वोंहA रेहतं , फि>रे अचौं की अ तंध 4 ह! जी तं। की!ई उ की   छे   हA कीरेतं ।
म 1 कीरे   की की!निशांशां की । ले फिकी मझे   या द ु हA फिकी वों मरे   आDखो स कीब ओझेले ह! गेए। उस अ धरे   औरे स स   सम
तंट रे म 1इस घट   रे निवोंचौं रे कीरेतं रेह , याह Dतंकी फिकी अ   रे नित्र स ध   म (भ । अगेले फिद ु द! हरे म,(जीब म 1एकी
वों रे   क्षा त्र स गेज़ी रे रेह था , तं! वों अचौं की मरे   स म   खोड़ा था, की वोंले द! > ट की दुरे"   रे, औरे मस् की रे रेह था।

' मo निशांवों या', म 1 कीह ।

' मo निशांवों या', उन्ह   उरे फिदुया , औरे उ की आDखो म (वोंह मस् की   ब   रेह ।

म 1आगे बढ़ । तं -चौं रे कीदुम चौंले की ब द ु जीब   छे मड़ा , तं! वों अदुश्Mया ह! चौंकी   था। याह अघ!रिरेया की स्वोंभ वों ह। वो
नि रे तंरे गेनितंशां ले रेहतं ह 1औरे कीभ ठहरेतं हA।
उस रे तं ह!टले म (म 1बचौं   था । भ रेतं की अ नितंम छे!रे रे सम द्र की प्रचौं डी लेहरे(चौंट्टा   स टकीरे रेह थाA। लेहरे की गेजी"D
मरे   व्य की लेतं की! औरे बढ़ रेह था । म 1ब हरे नि कीले औरे खोले   आकी शां की   चौं खोड़ा हुआ, जीह D की सअ रिरे   की   ड़ा
 अ   सगे ध स वों तं वोंरेण की! महकी रेह

प्रहरे की तंरेह सम द्र तं"फ़्री   की स म   कीरे रेह था। सम   ह फ्री(निगे   की वोंक्षाM
था। ले फिकी मरे   म इ दुश्Mया स हटकीरे फि>रे उस वोंद्धM अघ!रे औरे उ की की   की ओरे चौंले गेया ।

म 1फि>रे उस स्था रे हुचौंD , जीह D जीलेतं हुई आगे की रे खो अभ भ हवों म (ध म- ध म सले गे रेह था। की छे निवोंकी स बठ शांरे ब रेह था। उ स ब तंचौं तं कीरे रे तं चौंले फिकी याह अ छों नि छेले ब स वोंर्षों' स निब फिकीस व्यवोंध की प्रनितंफिदु ह! रेह था। आस स की!ई अन्या व्यनि हA था। मझे अत्यानिधकी एकी की की अ भ वों हुआ।

उस या!गे की उम्र की एकी स ध रिरेकी²डी 4था —63 वोंर्षों4, औरे इतं वोंर्षों' म (वों उतं ह वोंद्धM फिदुखो ई दुतं था, निजीतं आज याह मरे निलेए की!ई ई ब तं हA था। ऐस अलेHफिकीकी अ भ वों की निवोंश्वस यातं श्रे!तं ओं की श्रेद्ध रे नि भ4रे कीरेतं ह। ले फिकी जी! ले!गे स्वोंया की! तंकी4 औरे तंकी4शां लेतं की दु स ब ले तं ह,1 वों इस रे सदु ह कीरेतं ह।1

हरे फिदु जी वों म (ऐस घट एD ह!तं ह,1 निजी की की!ई तं र्किकीकी स् r कीरेण हA ह!तं। थ्Mवों की आकी रे, ग्रेह की गेनितं, समया की प्रकीMनितं, प्रजी नितंया की उत् नि जीस निवोंर्षोंया समया-समया रे वोंज्ञा नि की दुनिMrकी!ण स बदुले ह।1 फि>रे भ , उ की! निमलेतं ह,1 निजी की निवोंज्ञा या अ भ वों की!ई उरे हA दु सकीतं , तंब सदु ह शां ले प्रत्याक्षा रू स सत्या नि तं घट एD दुखो ले!गे उ रे प्रश्न उठ की निलेए तंत् रे रेहतं ह।1

> ट-> ट ब ब

मझे वों रे णस की एकी सदु 4रे तं या दु ह। रिरेमनिझेम ब रिरेशां ह! रेह था। उरे भ रेतं म (ठ डी औरे म स" वोंर्षों 4 इ स औरे मवोंनि शांया की! की की फिदुया था। म 1अ रुई स भरे रेज़ी ई म (ले ट हुआ > ट-> ट ब ब की ब रे म (स! चौं रेह था।

वों दुशां श्वमध घ ट रे, गेगे की फिकी रे एकी त्थारे की चौंHकी रे बठ रेहतं था, जीह D एकी औरे या!गे की सगे मरेमरे की मर्पि"तं था। फिदु -रे तं वों अ मह D स "> ट-> ट-> ट-> ट" की ध्वोंनि नि की लेतं रेहतं था, प्रनितं तं सकी डी म (दु! ब रे। ब दु म (म 1 प्र ण या म की अध्याया स जी फिकी याह रे चौंकी प्र ण या म की रे रिरेकी रू म (स एकी था।

याह Dतंकी फिकी वों रे णस म (भ उन्ह (एकी उच्ची की!रिट की आध्या नित्मकी व्यनि की रू म (दुखो जी तं था, मख् यातंo उ की निवोंनिचौंत्र अभ्या स की की रेण। वों ले!गे स अनिधकी ब तंचौं तं हA कीरेतं था। वों लेगेभगे मकी" ह था। अचौं की रे" शांहरे म (एकी चौंमत्की रे घट की चौंचौं 4 ह! लेगे।

गेगे उ> रे था। प्रत्याकी ग्या रेह-ब रेह वोंर्षों' म (वों रे णस म (ब ढ़ की स्तंरे इतं बढ़ जी तं फिकी शांहरे की एकी बड़ा निहस्स डी"ब जी तं। > ट-> ट ब ब की आस खोतंरे की नि शां की भ तंरे था। ले!गे उन्ह (सरे निक्षातं स्था रे जी की निलेए म लेगे, ले फिकी ब ब निहले स इ की रे कीरे फिदुया। याह वोंह भयाकी रे ग्या रेहवों Dवोंर्षों4था। एकी फिदु उ की त्थारे की आस की! छे" लेगे ; बस एकी इ चौं औरे बढ़तं तं! आगे बझे जी तं औरे उ की आस जीलेमग्न हा जी तं। ले फिकी आश्चयाजी4 की रू स वोंहA रुकी गेया। शांहरे याह दुखो कीरे हरे था। (इस म त्र सया !गे कीहकीरे ट ले सकीतं ह!1) फिकीस तंरेह ब ब की! हले स ह तं ह!तं था फिकी कीह Dतंकी बढ़ गे। की छे वोंर्षों' म,(म स" स हले ह, वों अ या स

ह अ स्था था!ड़ा ऊDचौं कीरे ले तं था, ले फिकी उस स्था की आस स।

उस सदु 4रे तं म 1 गे ब ब की! दुखो की नि ण4या निलेया , जी! की वोंले एकी छे!ट स आगे की सह रे था। "> ट-

म 1 वोंह दुखो निलेया था , निजीस दुखो आया था । मरे शां की सम म ह! गेई। ले फिकी सदु ह कीरे वों ले ले!गे? क्या वों अ निबस्तंरे स ब हरे नि कीलेतं ?

म 1वों स अ गेम4 औरे सरे निक्षातं रेज़ी ई म (लेHट आया ।

ऐस घट ओं की निवोंश्वस यातं की वोंले उ अ भ वों रे नि भ4रे कीरेतं ह, निजीन्ह (ले!गे प्रत्याक्षा रू स दुखो तं ह।1 ले फिकी फि>रे

भ , ऐस अ भ वों की! हज़ी रे तंकी' की कीसHट रे कीस जी तं ह। अनिवोंश्वस या घट ओं की! 'स निबतं' कीरे की प्रया स एकी म निसकी व्य या म ह, जी! अहकी रे की निवोंकीMनितं स उत् न्न ह!तं ह।

म 1सदु ह कीरे वों ले की! म म (अनिधकी रुनिचौं हA रेखोतं । म 1की वोंले अ अ भ वों रे नि भ4रे हूँ।D शां यादु इस की रेण म 1 फिकीस भ प्रकी रे की शां ले दु था' औरे शांरे ब स स्वोंया की! दुरे" रेखोतं हूँ।D

अघ!रे

अघ!रे मझे

उ की स ध की द्धनितं भले ह निभन्न ह!, रे तं उ की मले" निसद्ध तं एकी ह ह। वों मझे

सदु निवोंनिस्मतं कीरेतं ह।1 चौं ह वों भ रेवों ह , भ रेवों ह , था सप्र दु या की या!गे ह , या शां तं सप्र दु या की स धकी,

अन्या शां तं स्वोंभ वों की स धकी की

तं ले म (अनिधकी आकीर्पिर्षोतं कीरेतं ह,1 जी! सभ्या सम जी की अ क्षा ओं की अ रू ह!तं ह।1 म 1 या ह फिकी अघ!रे आत्मसया की सबस कीठ!रे रू की ले कीरेतं ह।1 उ की स्वोंरू भया वोंह प्रतं तं ह!तं ह, वों क्रां!ध औरे उग्रेतं की आवोंरेण ओढ़ रेखोतं

ह,1 रे तं याह उ की सरे क्षा कीवोंचौं ह!तं ह। उ की दुह रे भस्म निले ट ह!तं ह, रेखों तं।1 गेह ओं स अलेकी Mतं ह!तं तं नि कीस4

ह,1 औरे कीभ -कीभ जी निवोंतं स ' की! स था रेखोतं ह।1 उ की नि वों स स्थाले श्मशां , कीनिब्रास्तं औरे की"ड़ा की

ढं रे ह!तं ह।1 वों

आध नि की निहनिप् या की आध्या नित्मकी सस् कीरेण प्रतं तं ह!तं ह।1

हम हले ब Dसरे बजी वों ले था या!गे , तं रे स ध कीरे वों ले गे!लिंवोंदु नि डीतं, अ मत्र" की कीरे वों ले

भ रेवों,

औरे अ बह की दु ह सस् की रे की समया निमले भ रेवों की चौंचौं 4 की ह। वों सभ अ ठ" स धकी था। भ रेवों था मफि दुरे की मरे

मह निमत्र, की म ख्या ठ रे सत्र की सचौं ले कीरे वों ले सतं , मरे बआ औरे स्वोंया एले.एस.—या सभ मझे

एकी ह

फिदुव्य रे रे की अ गे प्रतं तं ह!तं ह।1 म 1उ की स्मनिMतं की जी" कीरेतं हूँ।D

सतं निजीतंद्र(भ एकी भ रेवों ह था, याद्यानि बहुतं स ले!गे इस स्वों की रे हA कीरेतं था। अनिधकी शां भ रेवों वोंह

ह!तं ह 1जी! वों ह!तं

ह:1 उ की वों स्तंनिखोंकीतं की! वों स्वोंया ह जी तं ह।1 एकी प्रनिसद्ध कीह वोंतं ह— "शांनि स धकी गेढ़" ह!तं ह,1 शां वों अ निचौंह स

हचौं जी तं ह,1 औरे वोंष् णवों अ मया 4दु स। " निमत्र रेदु एकी मह वोंष् णवों था। ले फिकी निजीतं भ भ रेवों

म 1 नि कीट स

दुखो , उ म (सबस अनिधकी आश्चयाजी4 की रे वों ब ब था। वों की वोंले भ रेवों ह हA, बनिCकी नि शां चौं निसद्ध भ था।

नि शां चौं निसद्ध की अथा 4ह!तं ह फिकी उ की मतंM आत्म ओं स स ध स की4 था । म न्यातं ह फिकी आत्म ए

Dहम रे चौं रे ओरे घ"मतं तंत्र की दुनि या

रेखोतं ह,1 हम ले रेक्षा कीरेतं ह,1 रे तं याफिदु उन्ह (स्वों थाÂ उद्दी श्या की निलेए छे ड़ा जी ए, तं! वों भया, ह नि औरे यहि Dतकी फिकी मत्Mया

भ ले सकीतं ह।1 नि शां चौं वों अस रे आत्म ए Dह!तं ह,1 जी! मतंM शांरे रे रे जी निवोंतं रेहतं ह।1 याह एकी

यात्रहज़ीशां खो म स (मई-जी ") की ब तं ह। म 1अ चौं रे निमत्र की स था एकी रिरेनिचौंतं गेले स गेजी रे रेह था , जीब मझे चौंम ले की >"ले की म!हकी सगे ध की अ भ वों हुआ। म 1 छे मड़ा कीरे दुखो । की छे दुरे" रे तं ज़ी रे!शां औरे एकी अस म न्या भ ड़ा था । मरे निमत्र मरे रुनिचौं रे हसD लेगे औरे मरे 'सतं खो!जी' की प्रवोंMनि की मज़ी की उड़ा या । ले फिकी म 1वोंह D जी स्वोंया की! रे!की हA सकी ।

म 1उस स्था रे हुचौंD , जीह D वोंद्धM सतं कीमले स म (बठ था औरे नि जीÂवों प्रतं तं ह! रेह था। की!ई नि निश्चतं रू स कीह हA सकीतं था फिकी वों वों स्तंवों म (फिदुवोंगे तं ह! चौंकी था या हA। हले भ ऐस कीई उदु हरेण निमलेतं ह,1 जीब की!ई स धकी गेह सम निध की अवोंस्था म (ह्दुया गेनितं की! रे" तंरेह रे!की ले तं ह। इस की म्भकी की म ध्याम स उत् न्न फिकीया जी तं ह।

(सया !गेवोंशां, याह एकी की रेण ह फिकी अनिधकी शां लिंहदु "ईस मस ह की क्रं"स रे मत्Mया की! सहजीतं स स्वों की रे हA कीरे वोंतंo या शां उस समया जी निवोंतं था, जीब उन्ह (क्रं"स स उतं रेकीरे फिकीस गेप्त स्था रे ले जी या गेया था । एकी म तं ह 1फिकी सभ

लिंहदु "की निलेए याह अनिवोंश्च स की!ई वों" 4ग्रेह हA, बनिCकी उ की आध्या नित्मकी अ भ वों की प्रनितं>ले ह।)

ब ब की र्पिथावों शांरे रे की! ले कीरे निवोंशांर्षों ज्ञा की प्रतं क्षा की जी रेह था । दु! फिदु तंकी उ की शांरे रे उस

मद्र म (ब रेह ,

निब फिकीस रिरेवोंतं4 की । इसकी श्च तं, जीब उ की मत्Mया की नि r की गेई, तं! उ की शांरे रे की! एकी त्थारे की बक्स म (

रेखोकीरे गेगे म (प्रवों निहतं कीरे फिदुया गेया । सतं निजीतंद्र(भ उ सतं म (स एकी था, निजीन्ह (ब ब की नि ध

की नि r की निलेए बले या गेया था । वों उस नि शां चौं निसद्ध अघ!रे

या!गे की अ या या था। एकी अन्या व्यनि , निजीन्ह मत्Mया की घ!र्षोण की , वों मरे निप्रया गे! दु दु था।

सतं निजीतंद्र(की मह तं की! निसद्ध कीरे की निलेए औरे भ उदु हरेण फिदुए जी सकीतं ह।1 ले फिकी याह हम रे

कीन्या की प्रनितंरू की रू म!(दुखोनिजी स मरे भ(ट तंस्लेम्म(हुई था । ले फिकी याह कीथा अगेले अध्या या म।(कीथा की की निलेए

आवोंश्याकी हA। हम उन्ह (या!गे श्वरे की ट रे म (दुखो ह, हम उन्ह (की म ख्या मठ म (दुखो ह। औरे अब हम उन्ह (उस फिदुव्य

12.तं रे की निलेए तंगे (Moth for the Star)

स तं की स था

बचौं स ह म 1सतं निजीतंद्र(की कीरे ब था। ले फिकी समया की स था-स था औरे अचौं की सतं की वों रे णस स ले प्त ह! जी की
की रेण मरे उ की स था स की4 ट"ट गेया ; औरे उस की स था वोंह गेह्रे की भ चौंले गेई, जी! मझे म (उ की प्रनितं गेह्रे जीड़ा वों
की सकी तं दुतं था।
ब दु की वोंर्षों' म,(सतं की इदु-4निगेदु 4चौंलिं दु ले!गे की एकी छे!ट भ ईचौं रे सम"ह निवोंकीनिसतं हुआ; औरे इसकी अनिधकी शां
मरे रिरेनिचौंतं था, ह ले Dफिकी उन्ह (मरे औरे सतं की ब चौं की निवोंशांर्षों औरे अ तंरे गे सब ध की तं हA था।
भ"तंकी ले की! स निबतं कीरे अह्की रे की व्यथा 4प्रदुशां 4 ह; एकी मह तं व्यनि की! भनिवोंष्या की! स निबतं कीरे की इच्छे ह!तं
ह।
इस भ ईचौं रे की स था जीड़ा रे, मझे सतं की जी वों म (हुई की छे घट ओं की ब रे म (तं चौंले। उ म (स एकी की ब तंचौं तं की
दुHरे सतं की वों तंम प्रवोंMनिया की उCलेखो आया , निजीस मझे उस गेप्त स्था रे औरे गेह्रे ई स जी की निलेए प्ररि रेतं
फिकीया , जीह D उन्ह अ आश्रेम ब या था। वोंह D की छे ह अ या या इकीट्ठा ह!तं था।
हले ह शां म की!, म 1 एकी प्रनिसद्ध गे याकी की! दुशां4की की! औरे सतं की! प्रसन्न कीरेतं हुए गे तं या। सतं >"ले की म ले ओं
स ढंकी हुए था। वों तं वोंरेण म (ध" की म!ह्की सगे ध > ले हुई था। म 1खोदु की! निजीतं ह! सकी अदुश्Mया ब ए रेखो चौं हतं
था , औरे की! म (दुब की गेया , जी! उस स्था की निवों रे तं था जीह D सतं अ नि कीटतंम अ या नियाया स निघरे बठ था।
भनि औरे सवों , अ तंरे गे निमत्रतं की एकी ह निसक्के की दु! हले" ह।1 सवों , भनि की की!मले स् शां4 की निब , रेस फिदु चौंया
जी तं ह। औरे निब सवों की , भनि म त्र ले ड़ा-प्या रे औरे भ वोंकी तं ब कीरे रेह जी तं ह।
फिकीस भ सतं की शां रे रिरेकी दुखो भ ले आवोंश्याकी ह!तं ह, क्या फिकी वों अ शां रे रिरेकी आवोंश्याकीतं ओं की प्रनितं ब रेवों ह
ह।1 भले ह उ की निलेए कीr की की!ई महत्वों ह!, ले फिकी शांरे रे की नि रेउतंरीउभHनितंकी अनिस्तंत्वों की! कीमजी!रे कीरे
सकीतं ह।
इ दु! सवों की की अले वों , म 1 लेगेभगे 14 वोंर्षों4की एकी यावों तं की! भ दुखो (ह ले Dफिकी उसकी उम्र की सह अ दु ज़ी लेगे
कीरिठ था। वोंह मजीबतं" कीदु-की ठ की था , ले फिकी वोंह एकी प्या रे गेनि ड़ाया जीस लेगे रेह था); वोंह सतं की इतं कीरे ब ब
था फिकी वोंह उ की आस की! लेगेभगे स झे कीरे रेह था।

आस

या!गे की आस की! स झे कीरे बहुतं निवोंशांर्षों अनिधकी रे ह। या!गे की आस एकी निवोंत्र वोंस्तं ह, औरे
अनिधकी शां म मले म,(इस गेरु द्वी रे दु क्षा की समया निवोंत्र फिकीया जी तं ह; औरे अक्सरे याह गेरु स उ-
रे निधकी रे म (प्र प्त ह!तं ह।
गेढ़" स ध म,(एकी आस , कीमडी ले (निजीस या!गे हमशां अ स था रेखोतं ह)1 औरे एकी लेकीड़ा की छेड़ा या!गे
की सबस
कीरे ब स था ह!तं ह।1
सतं निजीतंद्र(एकी अवोंध"तं था, औरे अवोंध"तं की रू म (उन्ह (इ नि याम की बहुतं रेवों ह हA था। फि>रे भ , एकी

इ ह!तं ह औरे इस फिकीस ऐस व्यनि द्वी रे स् शां4 हA फिकीया जी सकीतं जी! निवोंनिध वों"की4 दु निक्षातं ह!।
याह इतं व्यनि गेत
वोंत्र ह फिकी इस फिकीस अन्या व्यनि की स था स झे हA फिकीया जी सकीतं।

मझे एकी घट या दु ह।

वों रे णस की दुडी स्वों म

याह घट तंब की ह जीब म 1ब लेकी था। याह वों रे णस की एकी शां कीरे चौं या 4मठ म (हुई था। याह मठ आजी भ वोंहA निस्थातं ह,
दुशां श्वमध की की ले मफि दुरे की स। इस मठ म (दुडी स्वों म रेहतं था, जी! अ ह था म (दुडी (एकी झे डी वों ले लेकीड़ा की डीडी) रेखोतं था। वों मख् यातंo व्यनि गेतं तं स्या , वोंदु तं निशांक्षा की प्रचौं रे, औरे शां कीरे चौं या 4द्वी रे नि र्किदुr या!गे स ध म (सले ग्र रेहतं
था।

दुडी स्वों म जीब सन् या स की दु क्षा ले तं ह,1 तं! अ म बदुले ले तं ह;1 अ अतं तं, जी नितं, औरे रिरेवों रिरेकी

सब ध की
कीभ उCलेखो हA कीरेतं; औरे जी वों की अ तं तंकी अ स ध म (सले ग्र रेहतं ह।1 वों जीब भ एकी-दुस"रे की! बले तं ह,1 तं!
की वोंले " रे याण" कीहकीरे सब !निधतं कीरेतं ह,1 औरे उरे म (भ " रे याण" ह कीहतं ह।1 उ की जी वों सया !गे स

निमले भ!जी रे नि भ4रे रेहतं ह। वों निभक्षा म Dगे हA जी तं, बनिCकी दु! हरे की समया की वोंले तं
घुरे की द्वी रे रे जी कीरे तं ब रे " रे याण, रे याण, रे याण" की रेतं ह।1 याफिदु H की रे की ब दु भ उन्ह (की छे हA
निमलेतं , तं! उन्ह (उस फिदु की एकीम त्र भ!जी छे!ड़ाकीरे उ वों स कीरे ड़ातं ह। वों फिकीस भ स्था रे ब रे-ब रे

निभक्षा की
निलेए हA जी तं।
वों की वोंले तंत्की ले भ!जी की निलेए की हुआ अन्न स्वों की रे कीरेतं ह।1 जी! की छे भ उन्ह (प्र स ह!तं ह— मकी ,

कीड़ावों , तं खो ,
खोद्या या म ठ —वों उस एकी स था निमले कीरे ग्रेहण कीरेतं ह,1 म ! वोंह हवों की निलेए समर्पि तं आहुनितं ह!। वों भ!जी ग्रेहण
कीरेतं समया नि म्ननिलेनिखोतं मत्र की उच्ची रेण कीरेतं ह,1 निजीस म 1स्वोंया आजी भ हरे भ!जी की समया दु!

हरे तं हूँ:D

ब्राह्म 4ण ब्राह्म हनिवोंo
ब्राह्म ग्रH ब्राह्मण हुतंम।i
ब्राह्म वों तं गेन्तंव्य
ब्राह्म कीम 4सम निध ॥
(जी! अर्पि तं फिकीया जी तं ह वोंह ब्राह्म ह; जी! समर्पि तं फिकीया जी तं ह वोंह ब्राह्म ह; निजीस अनिग्न म (अ ण4

फिकीया जी तं ह वोंह ब्राह्म
ह; अ ण4 कीरे वों ले भ ब्राह्म ह; याह सम ण4 ब्राह्म की शां नितं की निलेए ह!तं ह।)
दुडी स्वों म अ भ!जी रे की!ई रिटप् ण हA कीरेतं, फिकीस स म निजीकी औ चौं रिरेकीतं म (भ गे हA ले तं, ह

फिकीस
तंकीरे की बुरि या M तंज्ञातं व्य कीरेतं ह।1 वों की वोंले उस परे की! आशां वों दु4 दुकी रे निवोंदु ह!तं ह,1 भले ह उन्ह (की छे निमले ह!। वों ध

स्वों की रे हA कीरेतं।

जीब स म 1 स्वोंया की! जी ह म 1इ दुडी स्वों निमया की! दुखो तं औरे उ की स्वों गेतं कीरेतं आया हूँ।D एकी

उस फिदु निवोंशांर्षों रू स एकी वोंद्धM दुडी स्वों म आए। मरे म तं उ की चौरेण ध!ए और एकी ए भगेवों रे गे की सतं" तंHनिले स उन्ह (छे। इसकी स था ह उन्ह (एकी वों ले गे!ट, एकी या आस , और एकी वों निमट्टा की जीले त्र प्रदु फिकीया गेया। तंभ वों भ!जी ग्रेहण कीरे की निलेए बठ ।

स्वों म की जी की ब दु जीब हम भ!जी फिकीया , तं! या फिकी स रे भ!जी अत्यानिधकी कीड़ावों था। याह गेलेतं इसनिलेए हुई क्या फिकी हम रे सवों की निजीस त्थारे रे मकी स था , उस रे उसस हले फिकीस म की निया D सकीरे औषोंनिध तं या रे की था।

रे तं स्वों म एकी ब रे भ की!ई निशांकी हA फिदुखो ई। उन्ह रे" भ!जी की दुHरे , और उसकी ब दु भ , अ चौंह रे रे वोंह शां तं मस् की ब ए रेखो।
याह था दुडी स्वों म। म 1उ की मठ स और उ की जी वों स अत्यातं नि कीटतं स जीड़ा रेह।

ब घ स लेड़ा ई

एकी दु! हरे जीब मरे स कीरे की! की छे हA था , म 1 मठ की या त्र कीरे की नि श्चया फिकीया। वोंह D जी की मख् या उद्दी श्य

सस् कीMतं म (ह! वों ले प्रवोंचौं की! स था , निजीन्ह (प्रम की सेवोंद्धM निसया की! ढ़ तं था।

उस फिदु मठ म (अजी ब-स शां नितं था। की!ई भ फिदुखो ई हA फिदुया। मझे याह हA तं था फिकी याह अम वोंस्या की फिदु था और स था ह स!मवों रे भ , जीब सन् या स फिदु भरे निवोंशांर्षों तं स्या म (ले रेहतं था।
म 1 दुखो फिकी दुनिक्षाण- वों"Â की! म (एकी निवोंस्तंMतं आस बड़ा स जी-सज्ज की स था निबछे हुआ था। याह एकी चौं लेकीड़ा चौंHकी था , निजीस रे की ले निबछे था। इस निवोंत्र आस की सबस फिदुलेचौंस् निवोंशांर्षों तं था एकी बड़ा ब घ की खो ले, निज दु! की Dचौं की आDखो (बड़ा निसरे स ब हरे झे Dकी रेह थाA। याह निसरे स्वों गेतं मस् की तं! हA दु रेह था , बनिCकी भया उत् न्न था।
तंब मरे उम्र म त्र आठ वोंर्षों4था और म 1हमशां इस ब घ की निसरे की! एकी सरे निक्षातं दुरे" स ह दुखो कीरेतं था। ले फिकी इस फिदु म 1ध रे -ध रे आगे बढ़ और जीCदु ह उस निसरे की! अ बगेले म (दुब निलेया। म 1 रे" बले स उस जीकीड़ा निलेया , जीस सचौंमचौं ब घ स लेड़ा रेह हूँ।D याह सघ र्षों4चौंलेतं रेह , और म 1इस निवोंत्र आस रे ह खोले तं रेह। कीब तंकी याह चौंले , मझे

या दु हA, क्या फिकी अचौं की फिकीस शां!रेजीमझेफिदुया।

रे" मठ मरे चौं रे ओरे इकीट्ठा था। सन् या स आश्चया 4और भया स मरे ओरे दुखो रेह था। एकी आठ स ले की ब लेकी इस निवोंत्र आस रे चौंढ़ और वोंह D स! जी की दुस् स हस कीरे निलेया था ! याह वोंह आस था , निजीस रे वोंर्षों" स जी" ह!तं आ रेह था और कीह जी तं था फिकी स्वोंया आफिदु शां कीरे चौं या 4 इसकी उ या!गे फिकीया था।

उ निस्थातं ले!गे स!चौं रेह था फिकीमझे भयाकी रे ब म रे , लेकीवों या गेले की दुHरे ड़ा जी चौं निहए था , ले फिकी ऐस की छे भ हA हुआ। सभ आश्चयाचौं4फिकीतं था।

तंभ वोंद्धM स्वों म मझे अ गे!दु म (उठ निलेया और म 1 था!ड़ा उलेझे महस"स की , रे तं इतं हA फिकी म 1आवोंश्याकी मत्र " रे याण, रे याण" ब!ले सकी"D। याह स कीरे वोंह D उ निस्थातं सभ की! भ " रे याण, रे याण" कीह ड़ा , और इस प्रकी रे वों तं वोंरेण की तं वों सम प्त हुआ।

म 1वों स्तंवों म (ले ब समया तंकी स!या था । जीब जी गे तं! शां म ह! की! था । गेगे म (स्ना और सध् या आरेतं की समया ह! गेया था । वोंद्धM स्वों म बस इतं छे" , "ब घ स लेड़ा ई की आ दु आया ?"

मठ की अन्या सन् या स इस बोंद्धM स की सहजीतं की! बुद्धि स्तंब्ध था, रे तं म 1 बस मस् कीरे कीरे कीह , "ह ,D बहुतं बड़ा लेड़ा ई था ।"
उन्ह भ मस् की रे तं हुए कीह , "तं! तं म्ह (थाकी महस"स ह! रेह ह!गे । तं म दुरे तंकी स!ए रेह। याह आस सबकी! शां नितं दुतं ह। अब जी ओ, गेगे तंट रे जी ओ। सध् या आरेतं की समया ह! गेया ह। "
आजी भ मझे मठ की सन् या निसया की अनिवोंश्व स और भया स भरे दुनिMrया Dया दु ह।1 जीब भ म 1वोंह D जी तं , वों हमशां
"क्या तं म आस रे की छे निवोंशांर्षो अ भ वों फिकीया ?"

म 1हमशां उरे दुतं , "मझेकी छे हA तं । म 1तं! बस स! गेया था ।"

स्त्र की स बध

तं! जीस फिकी म 1कीह रेह था , एकी या!गे की आस की! स झे कीरे बहुतं गेभ रे ब तं ह। और इस की!ई भ स झे हA कीरे सकीतं निब उस आस की आभ की! क्षानितं हुचौंD ए। इस म मले म,(उस आस की! एकी लेड़ाकी स झे फिकीया था । म 1 जी तं हूँ Dफिकी एकी अहकी रे प्रनितंरू (Alter Ego) म (उतं ह शांनि ह!तं ह निजीतं स्वोंया अहकी रे म (ह!तं ह। था , ब उले , भ रेवों , बरे निगेया और तं नित्रकी की म मले म,(हमशां एकी अहकी रे प्रनितंरू की रू म (एकी स्त्र की नि कीट उ निस्थानितं उतं ह महत्वों ण" 4ह!तं ह निजीतं आस , कीमडी ले और म ले की उ निस्थानितं।
ले फिकी एकी लेड़ाकी की! स रेखो उतं ह महत्वों ण" 4और खोतंरे की ह, निजीतं जीलेतं हुई अनिग्न या गेले म (निले ट जी निवोंतं गे की! स रेखो ।
हम आम ले!गे, अक्सरे अ अहकी रे की प्रभ वों म,(इ या!निगेया रे नि ण4या रिरेतं कीरे दुतं ह 1जी! मनिहले ओं की स था नि कीटतं ब ए रेखोतं ह।1 हम भ"ले जी तं ह 1फिकी वों जी निवोंतं गे की भ नि कीट रेहतं ह;1 याह भ फिकी ब घ, तं(दुए और अन्य लिंहसकी जी वोंरे की खोतंरे की इले की म (रेह की ब वोंजीदु" वों शां यादु ह कीभ उ रे हमले कीरेतं ह।1
हम याह भ भ"ले जी तं ह 1फिकी वों भ रेतं की उ नि क्षातं गे Dवों म (जी तं ह 1और वोंह D की ले!गे की! निवोंनिभन्न निचौंफिकीत्स कीरेतं ह।1 मझे लेगेतं ह फिकी हम,(स ध रेण ले!गे की!, उ ले!गे रे अ नितंकीतं और व्यवोंह रे की म दुडी ले गे " हA कीरे चौं निहए जी! हमस अलेगे रेहतं ह,1 अ अलेगे सस रे म।(हम रे म दुडी और उ की म दुडी अलेगे ह।1
ह! सकीतं ह हम उन्ह (उनिचौंतं सम्म दु;(ले फिकी ले!कीतंत्र की म Dगे ह फिकी जीब तंकी वों दुस"रे की जी वों म (हस्तंक्षा हA कीरेतं, तंब तंकी उन्ह (अ तंरे की स जी वों जी की रे" स्वोंतं त्रतं ह! चौं निहए।

या या!गे अ निवोंनिशांr जी वों -शां ले की स था आमतंHरे रे उ सभ तंथा कीनिथातं 'प्रनितंब ध ' की स था की म कीरेतं ह 1निजीन्ह आमतंHरे रे आध्या नित्मकी प्रगेनितं की निलेए वोंर्पिजीतं म जी तं ह।
या वों "रिरे " (दुश् म या प्रले!भ) ह;1 उदु हरेण प्रस्तं तं कीरेकी या फिदुखो तं ह 1फिकी या तंथा कीनिथातं प्रले!भ आध्या नित्मकी नि

नि कीटतंम निमत्र ह! सकीतं ह,1 याफिदु इन्ह (सहजीतं और रे" निमत्रतं की स था सभ ले जी ए।
फिकीस भ चौं ज़ी रे तं रे तं प्रनितंफिक्रंया दु आनित्मकी शांनि की! झेटकी दुतं ह।
मले" रेहस्या याह ह फिकी प्रनितंफिक्रंया की क्षा त्र स ऊ रे उठ जी ओ। जीब की!ई ब हरे प्रले!भ म की शां नितं की!
प्रभ निवोंतं हA कीरेतं , तंभ एकी या!गे की! रेमहस (आदुशां4 व्यनि) कीह जी सकीतं ह।

जी निवोंतं और मMतं

म 1नि ज़ी मद्दी दुरेगे ह की नि यानिमतं आगे तंकी रेह हूँ।D इस दुरेगे ह म (मझे कीई रेहस्यामया अ भ वों हुए ह,1 और याह स्था
आजी भ मरे अशां तं आत्म की निलेए एकी शां नितं की स्रो!तं ब हुआ ह।

एकी शां म म 1वोंह D अकी ले प्र था 4 कीरे गेया । वों स्तंवों म,(मरे उद्दी श्या आस स निस्थातं मकीबरे की

अध्याया कीरे था , जीह D
उद् 4" र्फी रेस और बों!फिदुतं लिंहदु भ र्षों की की छे मह स निहत्याकी रे की अवोंशांर्षो दुर्फ़ी था। उ प्र चौं
खोडी हरे म (शां!धि कीरेतं
हुए म 1 दुरेगे ह जी की निवोंचौं रे फिकीया । जीब म 1दुरेगे ह हुचौंD , तं! उष्णकीरिटबध या क्षा त्र की अचौं की छे

जी वों ले अ धकी रेमया रे तं दुरेगे ह की गेनिलेया रे की
मह रे ब की!अ आगे!शां म (ले निलेया था । प्र चौं त्थारे की स फिढ़या Dगेनिलेया रे की फिकी रे उतंरेतं हुई एकी
जलिकी डी तंकी
जी तं थाA, जीह D भ जी मख् या आ गे म (प्रवों शां कीरे स हले स्रा कीरेतं था। म 1 भ मH म

(अ शां निद्धकीरेण की प्रफिक्रंया
रे" की । ऊDचौं द वों ह की भ तंरे की!ई भ आवों ज़ी प्रवों शां हA कीरे रेह था , और जीलेकी डी की दुस"रे ओरे
खोड़ा म की वोंक्षाM की
लेटकीतं शां खो ओं स ड़ातं रेछे इया Dउस रेहस्यामया वों तं वोंरेण की! और भ गेह ब रेह थाA।

म 1गेनिलेया रे स ह!कीरे गेजी रे रेह था और मरे ज़ीरे दुरे" उस क्षा ण प्रकी शां की ओरे था , जी! आ गे की ओरे

खोले वों ले म गे 4
की! रे!क्षां कीरे रेह था । तंभ म 1 फिकीस की स Dस ले की आवों ज़ी स । अ धकी रे म (निछे फिकीस जी निवोंतं
प्र ण की उ निस्थानितं
स् r था । वोंह की , वोंह अदुश्Mया आकीर्षो4ण मझे अ ओरे खोAचौं रेह था । म 1ठहरे गेया , रे तं छे मड़ा कीरे

हA दुखो । "अ हथानि लेया D> ले ओ," एकी भ रे , > स> स तं उदु 4"आवों ज़ी गेजी"D ।

म 1 अ या स ह अ हथानि लेया D> ले दुA, ले फिकी उस आवों ज़ी की स्रो!तं कीह Dथा ? मरे ह था की वोंले

अ धकी रे की! छे आ।
अचौं की मझे एकी स् शां4 की आभ स हुआ—ठ डी , झे रिंरेया स भरे , वोंद्धM, ले फिकी फि>रे भ उसम (एकी स्त्र
की हृदुया की
की!मलेतं था । म 1 छे मड़ा कीरे दुखो , ले फिकी की वोंले दु! जीलेतं हुई आDखो (मझे घ"रे रेह थाA। फि>रे एकी

निब दु Dतं वों ले
आवों ज़ी > स> स ई, "इस कीड़ा!, म 1प्रतं क्षा कीरे रेह था । दुरेगे ह की छे जी ओ, स फिढ़या Dचौंढ़! और ब ग़ म
(कीनिवों की मकीबरे
की स मह(दु की झे निड़ाया की सम बठ !। मरे इ तंज़ी रे कीरे!। डीगेमगे ओ मतं, रुकी! मतं। दुHड़ा!, दुHड़ा!, समया

ठहरेतं
तंभ की दुनि या
हA।

म 1की छे स!चौं तं , इसस हले ह वोंह आवों ज़ी गेहरे नि स्तंब्धतं म (निवोंले ह! गेई। आDखो की वोंह चौंमकी मदु

ड़ा गेई, और

अ रिरेनिचौंतं की भया! याह की वोंले फिकीस ज्ञा तं तंत्वों की स था स की4 ट"ट रे ह हA ह!तं , बनिCकी जीब अज्ञा तं हम रे समक्षा
अचौं की प्रकीट ह!तं ह, तंब भ ह!तं ह। हम इसकी खो!जी तं! कीरेतं ह—1सगे तं, कीले , प्रम औरे म वों सब ध की म ध्याम
स। ले फिकी जीब याह अ या स ह हम रे स म आ खोड़ा ह!तं ह, तं! हम (आघ तं हुचौंDतं ह। निवोंशांर्षों रू स तंब, जीब हम
इस फिकीस ज्ञा तं की रेण स जी!ड़ा हA तं। याह अज्ञा तं की भया ह।

मरे निलेए की!ई आध्या नित्मकी आशां वों दु4 या फिकीस आत्म की उ निस्थानितं की!ई अस म न्या ब तं हA था । म 1 अ निजीज्ञा स
की! शां तं फिकीया औरे जीस कीह गेया था , वोंस फिकीया । म 1स ध मह(दु की झे निड़ाया की स हुचौंD , निब दुरेगे ह म (अ
स म न्या प्र था 4 फिकीए।

वोंह Dस एकी याद् निलेखो सकी कीरे कीरे मकले >ति रेह्नी गेया ब मझे दुखो
तंभ मरे ज़ीरे ड़ा —सगे मरेमरे की >शां 4 रे एकी स> दु चौं दुरे म (निले ट हुआ एकी शांवों ड़ा था । म 1इस दुरेगे ह की! बहुतं
अच्छे स जी तं था , औरे मझे याह म लेम" था फिकी इस स्था रे शांवों हA ले ए जी तं।

ध रे -ध रे , म 1 फिकीस की कीरुण क्रं दु की ध्वोंनि स । याह फिकीस असह या आत्म की दुब हुई निससफिकीया DथाA। आध
अ धकी रेमया औरे सगे निधतं ब ग़ म,(जीलेतं हुए ले!ब की महकी औरे हCकी रे!शां म (रे" दुश्Mया फिकीस अनिलेर्फ़ी ले ले की
कीथा -स प्रतं तं ह! रेह था । हले ब रे म 1 इस रेहस्या की! समझे की इच्छे की ।

र्फ़ीक़ रे निससकीतं हुई मनिहले की! स त्वों दु , "लिंचौंतं मतं कीरे!। दुखो !, वोंह व्यनि आ गेया ह जी! हम रे सह यातं कीरे
सकीतं ह। अCले ह की शां क्रं ह। निहम्मतं रेखो!। याह वोंह व्यनि ह निजीस तं म अ स्वोंप्न म (दुखो था ।"
उस वोंद्धM मनिहले मरे ओरे दुखो औरे ब!ले , "अब जी ओ। तं म्ह रे की या 4 रे" हुआ। याफिदु फि>रे कीभ आओ, तं! स्वों गेतं
रेहगे । ले फिकी अब जी ओ।"
धमकी ह! या हA, मरे नि ज़ी मद्दी औनिलेया की दुरेगे ह की या त्र ए Dजी रे रेहA। ले फिकी वोंह वोंद्धM स्त्र फि>रे कीभ फिदुखो
हA दु ।

प्रभ वोंशां ले इस्ले निमकी दुरेगे ह(

क्या आ की! अजीमरे शांरे > दुरेगे ह या दु ह, जी! इस्ले म दुनि या म (मक्के औरे मदु की ब दु सबस अनिधकी जी" या म
जी तं ह? याह स>" सतं म!इ द्दी निचौंश्तं की आध्या नित्मकी मनिहम स सशां !निभतं ह। म 1 इस दुरेगे ह की हले भ उCलेखो
फिकीया ह। मरे स था इस दुरेगे ह म (कीई घट एD घट ह,1 ले फिकी वों इस सदु भ 4म (अप्र सनि गेकी ह! की की रेण, म 1याह D

वोंण4 हA कीरूDगे । फि>रे भ , एकी घट उCलेखो

म 1एकी वोंद्धM या!गे की! जी तं था , निजीस आध्या नित्मकी अ भ वों की खो!जी म (भ रेतं की कीई ब रे भ्रमण फिकीया था । म 1 उ
छे" फिकी भ रेतं म (उन्ह (सबस शांनि शां ले आध्या नित्मकी स्था कीH स लेगे ?

वोंद्धM या!गे उरे फिदुया , "अजीमरे शांरे >।"

म 1लेCले दु दु औरे "रुद्दी ऋनिर्षों की किंकीवोंदुनि तंया स रिरेनिचौंतं था । इसनिलेए म 1 वोंद्धM या!गे स उ की अ भ वों स झे की
अ रे !ध फिकीया । किंकीतं उ किंकीवोंदुनि तंया की! अहसुA फिकीया जी सकीतं । "रुद्दी अ म तं की! याह चौंमत्की रे

फिदुखो कीरे चौंफिकीतं कीरे फिदुया था फिकी एकी त्थारे स दुध" बह नि कीले । जीब उ की म तं म Dकी रू म (अ अनिधकी रे की
म Dगे की औरे छे" फिकी वों म (जी की ब दु उ की भरेण- !र्षोण की क्या व्यवोंस्था ह!गे , तं! उन्ह त्थारे की! आदुशां फिदुया फिकी वोंह उ की म तं की! दुध" प्रदु कीरे । औरे त्थारे स एकी झेरे की रू म (दुध" बह नि कीले । इस चौंमत्की रे की! दुखो कीरे उ की म तं उन्ह (अ आध्या नित्मकी म गे 4 रे जी की अ म नितं दु दु ।

लेCले दु दु की किंकीवोंदुनि तंया Dआजी भ कीश्म रिरेया द्वी रे गे ई जी तं ह।1

रेहस्यामया अ भ वों उस वोंद्धM मनिहले मरे ओरे दुखो औरे ब!ले , "अब जी ओ। तं म्ह रे की या 4 रे" हुआ। याफिदु

फि>रे कीभ आओ, तं! स्वों गेतं
रेहगे । ले फिकी अब जी ओ।"
धमकी ह! या हA, मरे नि ज़ी मद्दी औनिलेया की दुरेगे ह की या त्र ए Dजी रे रेहA। ले फिकी वोंह वोंद्धM स्त्र

फि>रे कीभ फिदुखो ई
हA दु ।

अ स की रे

म 1 तं रे तं ह उस वोंद्धM व्यनि की ब तं स सहमनितं व्य की । वों स्तंवों म,(अजीमरे दुरेगे ह उ ले!गे की निलेए शांनि शां ले तंरे गे (
उत् न्न कीरेतं ह, जी! इस ग्रेहण कीरे की निलेए तं या रे ह!तं ह।1 एकी अवोंसरे रे, जीब म 1रे तं म (सतं की मकीबरे की भ तंरे अकी ले प्र था 4 कीरे रेह था , तंब एकी यावों व्यनि मरे स आया । उस तंब तंकी प्रतं क्षा की जीब तंकी मरे प्र था 4 सम त्त हA हुई।

जीमिकीहृत्या मिप्र1की!4ई आम्स त्तेनिग़ ,तउकी!रेसाझेरोहे!" तं हूँ।D इस रे म 1 मस् कीरे कीरे
कीह , "उ अ भ वों की म 1क्या कीरूD, जी! गेमÂ की ब दुले की तंरेह आतं औरे चौंले जी तं ह?1 म 1तं! की छे अनिधकी ठा!स, अनिध स्था या , औरे अनिधकी व्यनि गेतं खो!जी रेह हूँ।D"

इसुकी त्सक्दु, वोंद्धीम्हसधरे की! म (ले गेया , जीह D स फिढ़या D चौं जी तं थाA। वोंह प्रवों शां म गे 4स म न्यातंo की ट दु रे तं रे स बदु रेहतं था औरे वोंर्षो4म (की वोंले एकी ब रे खो!ले जी तं था । वोंह D फिकीस मह आध्या नित्मकी आत्म की आस था , निजी म(निवोंलेक्षाण शांनि था —हवों म (उठ की दुले 4भ क्षामतं । कीह जी तं था फिकी वोंह दु! स्था रे एकी स था उ निस्थातं ह! सकीतं था, जीस कीश्म रे की हमदु औरे लेCले दु दु की ब रे म (किंकीवोंदुनि तंया Dप्रचौंनिलेतं थाA।
ऐस अस ध रेण अ भ वों की! की वोंले कीC कीह दु उनिचौंतं हA ह!गे । निवोंज्ञा भ समया की स था कीई असभ वों म जी वों ले तंथ्या की! सत्या निसद्ध फिकीया ह। हजी रे वोंर्षो4 हले जी! स म न्या था , आजी अनिवोंश्वस या प्रतं तं ह!तं ह, औरे जी! हले असभ वों म जी तं था , वोंह आजी बच्ची की निखोलेH जीस आस ह! गेया ह।

जीब म 1 o उस यावों की की ओरे दुखो , तं! या फिकी म 1वोंह D अकी ले था । चौं रे ओरे की वोंले अ धकी रे औरे निवोंशां ले आ गे रे तं की एकी बजी चौंकी था । मकीबरे की दुस"रे ओरे, ईरे औरे अ>गे नि स्तं स आए गे याकी मह स>" सतं म!इ द्वी निचौंश्तं की सम्म म (कीव्वों निलेया Dगे रेह था।

म 1 चौं जी वों ले अ धरे म गे 4की ओरे दुखो और या फिकी दुरेवों ज़ी खोले था। म 1भ तंरे गेया और प्र ण या म कीरे लेगे।
ध रे -ध रे , एकी स्त्र स्वोंरे मरे द्वी रे उज्ची रिरेतं वोंफि दुकी मत्र की! दु!हरे लेगे। म 1तं रेह्म, रेलेदुखोकी घ!रे अ धकी रे
की की रेण की छे भ स् r हA ह! रेह था।

अचौं की, सब ह की हले अज़ी की आवों ज़ी स ई दु , और म 1 ब हरे नि कीले की नि ण4या निलेया। जीस ह म 1स फिढ़या तंकी
जी तं ह। हम की छे दुरे ब तं की
हुचौंD वोंह D एकी मनिहेले खोड़ा था , जी! प्रतं क्षा कीरे रेह था। उस कीह फिकी वोंह मझे
और म 1 या फिकी वोंह अ आध्या नित्मकी खो!जी की निलेए एकी या!ग्या स था की तंले शां म (था।

म 1शांर्मिमदु हूँ Dफिकी म 1उसकी आ तंरिरेकी आवोंश्याकीतं ओं की! रे" कीरे म (असमथा 4रेह। म 1अब वोंह की शांले स धकी हA रे
था , और उसकी स;दुया 4वों उ निस्थानितं मरे म म (निवोंचौंले उत् न्न कीरे फिदुया। उस समया, म 1अ आस की या!ग्या हA था।
याह निवों>लेतं दुशां 4तं ह फिकी की स आ तंरिरेकी शांत्र (रिरे) व्यनि की! स>लेतं की फिकी रे रे भ निगेरे सकीतं ह।1 जी! ले!गे
आध्या नित्मकी था रे अग्रेसरे ह!तं ह,1 उन्ह (हरे प्रकी रे की निवोंरे!ध भ स की स था जी स खो ड़ातं ह— चौं ह वोंह निवों रे तं
लिंलेगे की नि कीटतं ह!, जीहरे ले स 4 ह , लिंहसकी शां ह , भ खोमरे ह!, या अनिग्र की कीरिठ रे क्षा।

निवों रे तं की आकीर्षोण4

निब निवोंरे!ध तंत्वों की की!ई प्रज्वोंले हA ह! सकीतं ; निब प्रज्वोंले की की!ई सचौं रेण हA; निब सचौं रेण की की!ई सले या
सभ वों हA; और निब सले या की तं! ऊष्म , गेनितं, ह निवोंफिकीरेण की सभ वों ब तं ह। याह निसद्ध तं भHनितंकी तंत्वों
की स था-स था आध्या नित्मकी तंत्वों रे भ ले गे "ह!तं ह। हम सभ अ रे"कीतं की खो!जी कीरेतं ह।1 जीब तंकी हम रे रे"की
हम रे स था हA ह!तं और हम रे स था ण"4 रू स एकी की रे हA ह! जी तं, तंब तंकी स "ण 4 रेलेHफिकीकीतं प्र प्त कीरे की
की!ई अवोंसरे हA ह!तं। याह ब ह्य भHनितंकी टकी की वोंले आ तंरिरेकी टकी की प्रतं की ह हA, बनिCकी याह भHनितंकीतं उस
फिदुव्य अमतंM की! ग्रेहण कीरे की निलेए त्र भ प्रदु कीरेतं ह।

ब रे-ब रे, हम रे भ तंरे और ब हरे की चौं Hनितंया D इस सले या की! ब निधतं कीरेतं ह।1 क्या फिकी हम निवोंनिभन्न समस्या ओं स नि
ह!तं ह—1अ दुरू और ब हरे , व्यनि गेतं और स म निजीकी, आध्या नित्मकी और भHनितंकी, सवों दु शां ले और बHनिद्धकी, जीनि वोंकी
और अकी बनि4 की—इसनिलेए या!गे की म गे 4ब ध ओं स भरे ह!तं ह। ले फिकी याफिदु इ ब ध ओं की! रे कीरे निलेया जी ए, तं!
याह सबस प्रभ वों स>लेतं भ प्रदु कीरेतं ह। वों" 4ग्रेह और भया हम (स 4 की की डीले की तंरेह जीकीड़ा ले तं ह,1 हम (ध रे -ध रे
अ चौंतं और ऊजी 4स वोंनि चौंतं कीरेतं हुए जी वों और मत्Mया की सघ र्षों4म (डी ले दुतं ह।1

एकीतं स्था नि तं कीरे की प्रया स हम (निवोंखोडी की ओरे ले जी सकीतं ह। सले या की प्रफिक्रिया अरे जीकीतं उत् न्न कीरे सकीतं
ह। दु! की! एकी म (बदुले की प्रया स कीभ -कीभ एकी की! दु! म (निवोंभ निजीतं कीरे सकीतं ह। याह एकी अत्यातं जी!निखोम भरे की
तं या रे कीरे ह!गे , तं फिकी इस सघ र्षों4म (निवोंजीया प्र प्त कीरे सकी(। याह जी वों रे मत्Mया की ,

ह। हम (ले ब समया तंकी ध या 4वों"की4
प्रकी शां रे अ धकी रे की , और सत्या रे असत्या की निवोंजीया ह।
हरे निवोंचौं रे की अ नितंम स म म (शां"न्या ह, और याह शां"न्या ऊजी 4की स्त्रो!तं ह। याह ऊजी 4या शां"न्या, या शां"न्या स भरे
क्रमशांo द्वीतं म (रिरेवोंर्पितंतं ह!तं ह— निवों रे तं तंत्वों की मHनिलेकी निसद्ध तं म।(या दु! तंत्वों टकीरे वों म (हA ह!तं , जीस फि
भHनितंकी जीगेतं म (ह!तं ह। याह एकी निवोंकी सशां ले अवोंस्था ह!तं ह। निवोंकीनिसतं रू की प्रकीट ह! स हले , याह मHनिलेकी

ऊजी 4स भरे शां"न्या की एकीले रू ह!तं ह। याह वोंह निस्थानितं ह निजीसम (निशांवों औरे शांनि की सकी C नि निहतं ह। याह तं त्र की
क्षा त्र ह।

याह की रेण ह फिकी "म"1 "तं म्ह रे " तंले शां कीरेतं हूँ,D "तं म" "मरे "। अ ण"तं4 अ रे"की की खो!जी कीरेतं ह।

इसम (स्त्र या
रु षों की की!ई बध हA ह!तं। इसम (की!ई वों स हA, की वोंले निसद्ध तं ह!तं ह।

अ ग्रे ह औरे रेहस्यावों दु

याह सत्या की वोंले अभ्या स स प्र प्त हA फिकीया जी सकीतं। अभ्या स अ भ वों की ओरे ले जी तं ह; औरे अ भ वों स व्यनि ण"4तं
की प्र निप्त की ओरे बढ़तं ह। ले फिकी याह भ म त्र एकी अ भ वों ह ह— एकी स "ण,4 सवों दु अ भ वों। किंकीतं अ भ वों स्वोंया की वोंले
अ ग्रे ह द्वी रे सनि निश्चतं ह!तं ह। अ ग्रे ह की आशां वों दु4 औरे हस्तंक्षा की निब , अभ्या स म त्र एकी नि निश्चतं स्तंरे तंकी ह ले जी
सकीतं ह।

शां रे रिरेकी रू स सबस शांनि शां ले व्यनि भ ले*रे(स ऑ> अरे निबया या जी रेले रे!मले जीस स हस हA रेखो

सकीतं।

स ध रेण फिदुखो वों ले गे ध अस म शांनि की प्रतं की ब गेए। शांरे रे की! अ शां स औरे अभ्या स स सगे रिठतं फिकीया जी
सकीतं ह; ले फिकी स हस ‘अ ग्रे ह’ स उत् न्न ह!तं ह— निजीस हम आ तंरिरेकी सरे चौं , चौंरिरेत्र या गेण कीहतं ह।1

>ले एकी तंथ्या
ह, ले फिकी उसकी स्वों दु की अ भ वों औरे उसकी आ दु ले अ ग्रे ह रे नि भ4रे कीरेतं ह। तंकी की स अ नितंम शां नितं की
गे रे ट हA दु जी सकीतं। अ भ वों की दुनि या, ठ की उस तंरेह जीस मतं की दुनि या, रे" तंरेह स व्यनि गेतं ह!

तं ह। याह अ भ वों सप्र निर्षोंतं या व्य ख्या नियातं हA फिकीया जी सकीतं। रेहस्यावों दु इसकी चौंचौं 4 कीरेतं ह,1

[illegible] वों स्तंनिवोंकीतं म (दुखो
[illegible] रे भ ह!तं ह।
चौं जी की! उ की वों स्तंनिवोंकीतं म (दुखो की ब दु, उन्ह (उ की ण"4तंम स्वोंरू म (दुखो आवोंश्याकी ह!तं ह। हले स्तंरे की
व्यवोंह रिरेकीतं स रे ह!तं ह।1 जीब हम रेहस्यावों फिदुया की! अ भHनितंकी आवोंश्याकीतं ओं की कीसHट रे
ज्ञा या!गे ह!तं ह;1 ले फिकी दुस"रे स्तंरे की ज्ञा रेहस्यावों दु ह!तं ह।1

[illegible] हA कीरेतं; ह उ स भनिवोंष्यावों ण की आशां की जी चौं निहए। एकी
[illegible] ए। वोंह
जी तं ह फिकी अ तंरिरेक्षा की वोंले एकी भ्र"ण ह, निजीसम (सस रे उस प्रकी रे निस्थातं ह, जीस म वों शांरे रे म (एकी अम ब, या स
ह!गे। हम (चौं जी की! वोंस दुखो की आदुतं डी ले ह!गे, जीस वों वों स्तंवों म (ह,1 फिकी की वोंले जीस वों
मह स गेरे म (एकी रेम ण।

[illegible] स म वों ऊजी 4की! शांरे रे स्तंरे स निवोंश्च स्तंरे तंकी, निवोंश्च स्तंरे स दु था 4स्तंरे तंकी, दु था 4स्तंरे स ऊजी 4स्तंरे
तंकी औरे अ तंतंo ऊजी 4स अ तंरिरेक्षा स्तंरे तंकी ले जी की निलेए फिकीया जी तं ह। इस निवोंत्र स ध म (वों स की! जी!ड़ा
की वोंले अप्र सनि गेकी ह, बनिCकी उसकी अ म भ ह।

स तं निजीतं(द्र की स वों स

याह की रेण था फिकी सतं निजीतंद्र(की आस स मHजीदु" उ वोंद्धM मनिहले ओं की उ निस्थानितं स म 1निबCकी ले भ निवोंचौंनिलेतं हA था , औरे   ह वोंह D उस यावों लेड़ाकी की! दुखो कीरे मझे   की!ई अस म न्यातं महस"स हुई। उ फिदु   रे" वों रे णस शांहरे म (इस
निवोंशांर्षों सतं की   तं की अ>वों ह (> ले हुई थाA, स था ह मरे   गे! दु दु की   तं की भ चौंचौं 4ए DथाA। दु! ह या!निगेया की नि कीट या वों औरे सदु रे मनिहले ओं की उ निस्थानितं की! ले कीरे तंम म तंरेह की ब तं (ब ई जी रेह थाA!

जी! ले!गे या अ>वों ह (> ले रेह था, उ की इ या!निगेया की वों स्तंनिवोंकी जी वों औरे फिक्रंया कीले   स की!ई

ले -दु   हA था।
हम जी! उ की नि कीट रेहतं था, हम उ म (अट"ट आत्मसया म, निवोंत्रतं औरे आ तंरिरेकी स ध   की शांनि दुखो   था। एकी 'अCटरे ईगे!' (आध्या नित्मकी सहचौंरे) की चौंया कीरे   उतं   ह जीरिटले ह!तं ह, निजीतं   नितंब्बतं म (एकी

दुले ई ले म की
चौंया कीरे । याह की वोंले ब हरे   रिरेनिस्थानितंया स नि ध 4रिरेतं हA ह!तं , बनिCकी इसम (गेढ़" सकी तं औरे वों" 4भ स की भ
महत्वों ण" 4भ"निमकी ह!तं ह। म 1 स्वोंया ऐस चौंयानि तं 'अCटरे ईगे!' दुखो   ह 1औरे वोंर्षों' तंकी उ की नि कीट

रेह की अवोंसरे या

यावों भ रेवों

ह। म 1 रे" निवोंक्ष स सु कीह सकीतं हूँ Dफिकी मरे   अ भ वों म (निजीतं भ अCटरे ईगे! चौं   गेए वों   रे" तंरेह प्रतिशिक्षित कीले! मफिदुसुम (हुई स ध की ब दु इस भ रेवों की स था मरे जीड़ा वों औरे गेहरे ह!तं चौंले गेया। उस रेहस्यामया रे तं की निस्थानितं म (म 1उस रेह तंरेह हवों   हA वों था जीब वोंह वोंदु   रे से ट हुई था। म फिकी हवोंदु म (म 1उस हचौं सकी।
व्यवोंस्था की सचौं ले म (
  की वोंले म 1 उस   हचौं , बनिCकी मझे   याह भ ज्ञा तं हुआ फिकी इस रे" घट क्रंम की! स्नाह सतं निजीतंद्र(हले स ह या!जी प्रवोंM ह!तं ह। 1
बद्ध रू स आया!निजीतं फिकीया था। वों मरे   बचौं   स ह मरे   प्रनितं निवोंशांर्षों रुनिचौं रेखोतं था औरे मरे   म गेदु4शां4 कीरेतं थ म 1 उसस कीठ!रे तं , अ शां स औरे वोंरे ग्या की आत्म-नि यात्र ण स खो। जीब ब हरे दुनिMr स दुखो   रे ऐस प्रतं तं ह!तं था फिकी म 1स स रिरेकी जी वों औरे इसकी आवोंश्याकीतं ओं म (सले ग्र था , वों स्तंवों म (म 1भ तंरे स कीठ!रे स ध   कीरे रेह था। तं नि औरे हठया!गे अक्सरे स ध रेण स स रिरेकी जी वों जी तं हुए फिदुखो ई दुतं ह।1 याह की!ई अस म न्या ब तं हA ह फिकी उन्ह (स ध रेण भHनितंकी जी वों व्यतं तं कीरे   वों ले व्यनि समझे निलेया जी ए। याह निवोंरे!ध भ स जी ब"झेकीरे रेखो गेया एकी आवोंरेण ह, निजीस उच्ची की!रिट की निसद्ध रु र्षों ध रेण कीरेतं ह 1तं फिकी अ वोंश्याकी निजीज्ञा स ओं स बचौं जी सकी। उ की की "निब   बदु म कीम ए,   मरेनिहतं की प्र निस्न हA ह!तं।"
उसस म 1 कीरिठ उ वों स रेखो की कीले स खो , ले ब समया तंकी एकी स्था   रे निस्थारे बठ   की शांनि प्र प्त की , ध्या   की! अत्यानिधकी निवोंकीर्षों4ण की ब चौं भ की(फिद्रतं कीरे   की क्षामतं निवोंकीनिसतं की , औरे जी वों की निवोंनिभन्न स्तंरे   रे एकी स थ ब ए रेखो की अद्भुभतं निवोंनिध की! आत्मस तं फिकीया।

वोंह यावों   औरे की!मले था। म 1उसस बहुतं की छे स खो सकीतं था। याद्यानि वोंह मझे स उम्र म (छे!ट था , औरे स् तंकी या ज्ञा   म मझे स कीम रिरेनिचौंतं था , किंकीतं शांनि की एकी सभ निवोंतं स्नो!तं की रू म (वोंह कीई ले!गे स कीहA अनिधकी श्रेष्ठों था। वों स्त

याफिदु उसकी सह यातं ह!तं , तं! सतं उस आध्या नित्मकी ऊDचौं ई तंकी हA हुचौंD तं, जीह D वों हुचौंD था। याह स्वोंया सतं
की कीथा था।

उसकी उ दुशां औरे निशांक्षा ओं मझे फिकीतं सह रे फिदुया ह!तं , याह प्रश्न अ रिरेतं ह रेह गेया। उ फिदु भ रेतं की
रिरेनिस्थानितंया Dअत्यातं उथाले- था ले स भरे हुई थाA, औरे म 1अ या स ह उ रे जी नितंकी उथाले- था ले की ध रे म (लिंखोचौंत
चौंले गेया। उस समया हम निब्रारिटशां शां स की निवोंरुद्ध सघ र्षों4रेतं था— याह एकी प्रकी रे की म !वों ज्ञा नि की औरे स मरिरेकी या

यावों भ रेवों

तं लेश्व रे की ले मफि दुरे म (हुई स ध की ब दु इस भ रेवों की स था मरे जीड़ा वों औरे गेहरे ह!तं चौंले गेया। उस रेहस्यामया
रे तं की निस्थानितं म (म 1उस रे" तंरेह हचौं हA या था जीब वोंह वोंदु रे ले ट हुई था। ले फिकी ब दु म (म 1उस हचौं
सकी।

की वोंले म 1 उस हचौं , बनिCकी मझे याह भ ज्ञा तं हुआ फिकी इस रे" घट क्रंम की! स्ना ह सतं निजीतंद्र(हले स ह या!जी
बद्ध रू स आया!निजीतं फिकीया था। वों मरे बचौं स ह मरे प्रनितं निवोंशांर्षों रुनिचौं रेखोतं था औरे मरे म गेदु4शां4 कीरेतं थ
म 1 उसस कीठ!रे तं , अ शां स औरे वोंरे ग्या की आत्म-नि यात्र ण स खो। जीब ब हरे दुनिMr स दुखो रे ऐस प्रतं तं ह!तं था
फिकी म 1स स रिरेकी जी वों औरे इसकी आवोंश्याकीतं ओं म (सले ग्न था , वों स्तंवों म (म 1भ तंरे स कीठ!रे स ध कीरे रेह था। तं नि
औरे हठया!गे अक्सरे स ध रेण स स रिरेकी जी वों जी तं हुए फिदुखो ई दुतं ह।1 याह की!ई अस म न्या ब तं हA ह फिकी उन्ह (
स ध रेण भHनितंकी जी वों व्यतं तं कीरे वों ले व्यनि समझे निलेया जी ए। याह निवोंरे!ध भ स जी ब"झेकीरे रेखो गेया एकी
आवोंरेण ह, निजीस उच्ची की!रिट की निसद्ध रु र्षों ध रेण कीरेतं ह 1तं फिकी अ वोंश्याकी निजीज्ञा स ओं स बचौं जी सकी। उ की की
"निब बदु म कीम ए, मरेनिहतं की प्र निप्त हA ह!तं।"
उसस म 1 कीरिठ उ वों स रेखो की कीले स खो , ले ब समया तंकी एकी स्था रे निस्थारे बठ की शांनि प्र प्त की , ध्या की!
अत्यानिधकी निवोंकीर्षों4ण की ब चौं भ की(फिद्रतं कीरे की क्षामतं निवोंकीनिसतं की , औरे जी वों की निवोंनिभन्न स्तंरे रे एकी स थ
ब ए रेखो की अद्भुभतं निवोंनिध की! आत्मस तं फिकीया।

वोंह यावों औरे की!मले था। म 1उसस बहुतं की छे स खो सकीतं था। याद्यानि वोंह मझे स उम्र म (छे!ट था , औरे स् तंकी या ज्ञा म
मझे स कीम रिरेनिचौंतं था , किंकीतं शांनि की एकी सभ निवोंतं स्रो!तं की रू म (वोंह कीई ले!गे स कीहA अनिधकी श्रेष्ठों था। वों स्त
याफिदु उसकी सह यातं ह!तं , तं! सतं उस आध्या नित्मकी ऊDचौं ई तंकी हA हुचौंD तं, जीह D वों हुचौंD था। याह स्वोंया सतं
की कीथा था।
उसकी उ दुशां औरे निशांक्षा ओं मझे फिकीतं सह रे फिदुया ह!तं , याह प्रश्न अ रिरेतं ह रेह गेया। उ फिदु भ रेतं की
रिरेनिस्थानितंया Dअत्यातं उथाले- था ले स भरे हुई थाA, औरे म 1अ या स ह उ रे जी नितंकी उथाले- था ले की ध रे म (लिंखोचौंत
चौंले गेया। उस समया हम निब्रारिटशां शां स की निवोंरुद्ध सघ र्षों4रेतं था— याह एकी प्रकी रे की म !वों ज्ञा नि की औरे स मरिरेकी या

जी! दु! निगेरे ड़ा

म 1वों स आ चौंकी था , ले फिकी म 1निछे हुआ था । निवोंश्वनिवोंद्या लेया निशांक्षा , रे जी नितंकी सले ग्रतं औरे स निहनित्याकी गेनितंनिवोंनिधया की प्रनितं मरे आकीर्षों4ण की की रेण म 1आध्या नित्मकी स ध म (था!ड़ा निशांनिथालेतं अ भ वों कीरे लेगे था , ह ले फिकी म 1 इस रे" तंरेह छे!ड़ा हA था । इले ह ब दु म (इस दुHरे , मझे तं रु र्षों औरे दु! मनिहले ओं स सह यातं निमले , जी! मरे बहुतं नि कीट
था।

अ नितंम रे क्षा तंब आई जीब एकी यावों मनिहले मझे अ प्रम अर्पि तं फिकीया ; औरे म 1 भ उस प्रम स

स्वों की रे फिकीया ।

ले फिकी निजीस तंरेह स म 1 उस अ या , उसस वोंह रे" तंरेह निवोंचौंनिलेतं ह! गेई। निजीतं वोंह मरे कीरे ब आई, उतं ह उस

याह एहस स हुआ फिकी प्रम की एकी स्वोंरू शांरे रे की स म ओं स रे ह!तं ह, जी! अनिधकी स्था या औरे

अत्यानिधकी >लेदु या

ह!तं ह।

ले फिकी दुभ 4ग्या उस बहुतं जीCदु घ रे निलेया । अ स ध की चौंरेम तंकी शां ग्र हुचौंD की प्रया स म,(

उस स्वोंया की! !र्षोंण

औरे निवोंश्चे म स वोंनि चौंतं कीरे फिदुया । शां ग्र ह वोंह तं फि दुकी स ग्रेनिसतं ह!कीरे मत्Mया की! प्र स हुई। याह o निसद्ध कीरेतं ह फिकी

तं त्रम गे4 कीठ!रे तं की! स्वों की रे कीरेतं ह, ले फिकी शांरे रे की सह शांनि रे कीठ!रेतं हA कीरेतं । शांरे रे चौंतं

की मफि दुरे ह;

यावोंह स्वों ओं तंत्रानिवोंह Dकी वों स्थाले ह। इस उस प्रकी रे सशां ब ए रेखो चौं निहए, निजीस प्रकी रे फिकीस मफि दुरे की! सुरे निक्षतं

गेले ह! गेई औरे अ जी वों की अ नितंम फिद्व एकी म निसकी नि चौंफिकीत्स लेया म (निबतं ए। उसकी निलेए वों स लेHट की म गे 4 रेखो जी तं ह। भ!जी निवोंश्र म, आदुतं(, औरे याह Dतंकी फिकी वों वोंस्तं ए Dभ , निजीन्ह (स म न्यातंo रे" तंरेह घ जीगे ले की झें निड़ाया स भरे चौंकी था ।

निवोंले निसतं म जी तं ह, तं त्र

म (निनिर्षोंद्ध हA ह 1 याफिदु वों स ध की प्रम खो उद्दी श्या की निलेए उ या!गे की जी ए।D ले फिकी भ!गे-निवोंले स म (Dत्ती ह दु!सेरी।

व्यनि या की निलेए, तं त्र-स ध म (की!ई स्था हA ह। इ फिद्रया Dअ तं त्रतं की! अ भ वों कीरेतं ह,1 ले फिकी वों इस ब!ह रे म निहले ओं की निवोंर्षोंया म (जी की अवोंसरे निमले । इ म (स एकी सतं त्वों की! प्र स कीरे निलेया था ब हरे वोंस्तं ओं

औरे उन्ह (व्य की रू स "म "D या आ दुमया म D(रेम दुमया) की रू म (जी जी तं था । म 1 उन्ह (कीई ब रे दुखो , रे निव्र4रे हA ह!तं A।

ले फिकी मरे यावों म म (सदु ह था , जी! फिकी तं र्किकीकी ज्ञा औरे श्र त्या निवोंज्ञा की नितंहरे आया म रिरेनिध म (जीकीड़ा हुआ"रे मनिहले बहुतं ले ब समया तंकी इस था रे ब रेह , ले फिकी फि>रे उस तं त्रम गे4 स अनिधकी मझे की" स म न्या प्रवोंMनि था ।

वों" 4की म निसकीतं सदुवों तं रे स भरे आकी शां की चौं, रे निगेस्तं की निवोंस्तंMतं निवोंस्तं रे म ((निजीस प्रकी रे प्र चौं या प्रवों स निमस्रो स आए था) , निहम लेया की ब>¬ले चौं!रिटया रे, औरे ले गे स क्या गे तंथा ह्वों गे ह! जीस उग्रे फिदुया की फिकी रे अ निवोंस्तं रे या । जी स ले कीरे जी वों , श्रे लेकी , चौं , स्या म स ले कीरे जी²डी 4 दु औरे गेले ले स गेरे की तंट तंकी, म वोंतं की असख् या प्रवों ह सफिदुया स चौंतं की गेहरे इया की रे क्षाण फिकीया ह। चौं ह वोंह ऋग्वोंदु की म प्र था 4 ए Dरेह ह , याजीवों Ôदु औरे अथावोंवों4दु की जीरिटले अ छों , ज़ीडी(अवोंस् तं की गेढ़" मत्र , बद्ध की शां तंले औरे कीरुण याथा थावों4 दु, नितंब्बतं ले म ओं की रेहस्यावों दु, मतंM स गेरे स्क्रं²Cस औरे एस्स सप्र दु या की प्र चौं भजी -सगे तं रे रे , या

इस्ले म म (ईरे सफि">या की गेह ध्या —इ सभ एनिशांया ई म की! आध्या नित्मकी लिंचौतं म (स्वोंतं त्रतं की वोंरेदु
फिदुया ।

इसकी निवों रे तं, निश्चम जीगेतं म (भले ह तं र्किकीकी एवों भHनितंकी निवोंझा की निवोंकी स हुआ ह!, ले फिकी

सगे रिठतं चौंचौं' धम 4की!

जीकीझकीरे उस शांनि की म ध्याम म (बदुले फिदुया , निजीसस वोंह D की आध्या नित्मकीतं स्वोंतं त्र रू स
निवोंकीनिसतं हA ह! सकी।

स वों दु ध पिंमकी सस् था ए Dअ अ या नियाया की! ब Dध ले तं ह,1 निजीसस स्वोंतं त्र लिंचौतं स निमतं ह! जी तं

ह। यावों वोंस्था म (हम बथा(म औरे निमले, निस् !ज़ी औरे डीस की ट4, वों!Cट यारे औरे ह्या"म जीस निवोंचौं रेकी स

प्रभ निवोंतं हुए। ले फिकी

प्रथाम निवोंश्च याद्ध की ब दु निश्चम म (जीब आइ स्ट , जीगे , म क्स4औरे एगे Cस, एलिंडीगेट , डीवों , रेसले , रे!
ल1डी, क्रे!चौं, बगे4स ,

हस् स औरे स तं या जीस निवोंचौं रेकी ए आया म खो!ले , तंब एनिशांया ई म स की! ग्रे की दुशां4 , वों-प्ले ट!

नि ज़्म, प्र रे निभकी

ईस ई धम 4औरे एकीह ट4, जीआ डी ब्रा॰याक्स, आCडीस हक्सले तंथा थाइ लेह डी4 डी चौं र्किदु जीस सतं की
ध रे की o या दु

आई।

मझे दुखोेह ह।
गंगं सट स दुरे", रे जी नितं की चौंक्रव्य"ह म (> स मरे म औरे शांरे रे अ दुरे ह अ दुरे सघ र्षों4कीरे रेह था । ऐस ह

एकी र्किदु म म1
वोंह स्वोंया म DथाA। औरे वोंह दुनिMr... की!ई भ उस दुनिMr की! शांब्दु म (व्य हA कीरे सकीतं । उन्ह अ चौंमकीतं आDखो की

की! म मझे दुखो औरे उ की चौं रे ले सम" 4तं की रेनिलेम म (था तं एकी निचुत्म तं Mवों झेलेकी रेह था । म Dअत्यातं स
गेहणशां ले हA ह!
वों D ल्ली या निमिले गेया । ले फिकी एकी सशां थाग्रेस्त म कोम भ आध्या निजीकीतं की ब्रेनिले लो "ह4 स

औरे म!हकी थाA। उ की आभ , उ की ओजीस्वों तं ज़ी, उ की उ निस्थानितं मरे शांरे रे की रे!म-रे!म की! सु फि दुतं कीरे रेह था । म 1
सूकीतं । म 1 दुखो फिकी म Dकी चौं रे औरे वोंह स म न्या जी सम"ह एकीनित्रतं था , जी! की वोंले तं ल्की निलेकी
कीभ भ इतं फिदुव्य सदु रेतं की! इतं निवोंत्र रू म (हA हुआ था।

आशां वों दु4, उ चौं रे,

म 1मत्र मग ध हु!कीरे उन्ह (दुखो तं रेह । उन्ह दुरे" स ह मझे म सवों द्र फिकीया औरे मरे प्रश्न की उरे मझे की छे
सम ध या स स रिरकी इच्छे आ की पि तं की आशां म (वोंह D आया था।

की छे दुरे तंकी म 1इस भ ड़ा की! दुखो तं रेह औरे ध रे -ध रे इस नि रेथाकी4तं स झे झेले लेगे । तंभ म 1 महस"स
कीह स हले

ह द्र फिदुया ।
फिकीया फिकी की!ई

अगेले फिदु म 1 o वोंह D गेया । फि>रे अगेले फिदु , फि>रे अगेले फिदु । म 1 हA जी तं क्या । ले फिकी म

1लिंखोचौंतं चौंले गेया । एकी फिदु , जीब म 1निवोंन्ध्यावों निस ह निड़ाया म (एकी फिदु की ठहरे वों की निलेए

भटकी रेह था , वोंह D म 1 म Dकी! एकी की रिटया की

द्वी रे रे अकी ले बठ या । वोंह अध-4निशांनिथाले मद्र म (थाA। उ की आDखो म (ऐस गेहरे ई था , निजीसस स् r
थी फिकी वोंह इस

सस रे म (हA थाA, वों रेम ध्या की अवोंस्था म (थाA। म Dकी! अकी ले दुखो दुले 4भ था , क्या फिकी आमतंHरे

रे उ की चौं रे ओरे

भ ड़ा ब रेहतं था ।

तंभ एकी वोंद्धM मनिहले वोंह D आई औरे मझे स म Dकी! चौं ले जी म (सह यातं कीरे की निलेए कीह ।

उन्ह समझे या ,
तंत्र की दुनि या '

"उन्ह शब्द म (सतं रे खो ए ह था फिकी अचौं की ध्या म (चौंले गेईं। अब याह रे शां ह! गेई। म 1चौं हतं था
फिकी वों रे"

श्तं कीरे ले(।"

"क्या म 1की!निशांशां कीरुD?" म 1 निझेझेकीतं हुए छे"

मनिहले मझे ध्या स दुखो और निब की छे कीह कीट!रे और चौंम्मचौं मझे थाम फिदुए।

म 1 जीस ह म Dकी ह ठ की स चौंम्मचौं ले जी या , उन्ह उन्ह (ध रे स खो!ले और बड़ा कीरिठ ई स वोंह ग्रेहण फिकीया। चौं
ब रे ऐस हुआ। फि>रे उन्ह अ आDखो (खो!लेA और अ निवोंशांर्षों मस् की स मरे ओरे दुखो । की वोंले म Dह इस तंरेह
मस् कीरे सकीतं थाA।

अब तंकी की छे और ले!गे वोंह D आ चौंकी था। म Dजी स हले मझे स ब!लेA, " चौं जी कीरे एकी घरे ढं"Dढं!।" और वोंह चौंले गे

रे तं की निलेए मझे एकी शांरेणस्थाले निमले गेया। ले फिकी उन्ह की स जी निलेया फिकी म 1फिकीस रिठकी की तंले शां म (था
बहुतं अनिधकी दु सकीतं थाA? हम वों स्तंवों म (हA जी तं फिकी हम (क्या चौं निहए। जी!
म 1 की वोले घरे ह क्या म Dग , जीब वोंह मझे
हम चौं हतं ह,1 वोंह अक्सरे व्यथा 4निसद्ध ह!तं ह। सह इच्छे की हचौं ह ण"4तं की ओरे हले कीदुम ह।

मझे याकी था फिकी हम रे फि>रे भ(ट ह!गे।

हम निमले— एकी ब रे, दु! ब रे, तं ब रे। ले फिकी म 1उ की और कीरे ब हA आ सकी। वों हमशां भ ड़ा स निघरे रेहतं थाA।

भ रेतं लेHट की ब दु म 1प्रया गे की की भ मले म (गेया। वोंह D हजी रे सतं की निशांनिवोंरे लेगे था। म 1अ या स ह एकी निशां
गेया और दुखो फिकी वोंह म Dध्या स्था अवोंस्था म (बठ थाA। चौं रे ओरे भ गेण भजी गे रेह था, और हजी रे ले!गे उन्ह (दुरे"
स नि ह रे रेह था।

म 1स!चौं रेह था फिकी जीब म 1वोंस् ट इ डी ज़ी स भ रेतं लेHट , तं! इस मले म (क्या आया ? और क्या , हजी रे निशांनिवोंरे म (स,
इस निशांनिवोंरे म (हुचौंD ? क्या मरे आत्म सदुवों उन्ह (खो!जी रेह था ?
म Dआ दुमया की! सतं जी तंद्र(और या!गे गे! था भले -भ Dनितं जी तं था। उन्ह (आजी भ भ रेतं की उच्चीतंम आध्या नित्मकी
आत्म ओं म (स एकी म जी तं ह— एकी मनिहले रेमहस।

एकी की था

फि>रे की छे निवोंनिचौंत्र घरिटतं हुआ।

याह लिंवोंध्या वों4तं की घट की ब दु हुआ, और वोंस् ट इ डी जी स वों स स बहुतं हले।

म 1सतं जी तंद्र(की! भ"ले चौंकी था। मरे अवोंचौंतं म (की वोंले की ले मफि दुरे की उस छे!ट सतं कीन्या की स्मनिMतं रेह गेई था
फिकीस निवोंशांर्षों उद्दी श्या की , म 1 मफि दुरे की एकी आकीनिस्मकी या त्र की। की छे यावों की नितंब्बतं या त्र की तं या रिरेया D

निवोंस्तंMतं तं या रिरेया Dयाह दुशां 4रेह थाA फिकी वों एकी-दु! फिद म (प्रस्था दुकीरेक्रोन्हो थाह मझेस था चौंले
की आमत्र ण फिदुया , ले फिकी म 1 म कीरे फिदुया। क्या ? याह म 1स्वोंया भ हA जी तं।
जीब म 1मफि दुरे स ब हरे नि कीले , जीह D म 1उस कीन्या की ब रे म (की छे जी की रे प्र ष्न कीरे की आशां कीरे रेह था , तं! एकी
व्यनि मरे स आया। उस कीह , "तं म्ह (सतं जी तंद्र(की आश्रेम म (तं रे तं उ निस्थातं ह! चौं निहए। एकी सकी ट आ ड़ा ह. .."

निजीस कीन्या की म 1खो!जी कीरे रेह था ...

वोंह सम निध म (चौंले गेई था औरे वों स हA आई। Dचौं फिदु औरे रे तं तंकी की गेई स ध की ब दु, उस म आत्म घ!निर्षोंतं कीरे फिदुया गेया । की वोंले शांरे रे शां र्षों था , निजीस अनिग्न की! समर्पि तं फिकीया जी था । इस निवोंत्र सस् की रे की नि मझे स; गेई था ।

म 1जी तं था फिकी सतं जी तंद्र(की शां की गेले -की"चौं की भ तंरे गेहरे ई म (नि वों स कीरेतं था। उ की की रिटया कीई तं थाया4 निलेए एकी प्रम खो स्थाले था । ले फिकी उस फिदु उन्ह (मरे आवोंश्याकीतं था । म 1असमजी स म (था ।

जीब म 1 हुचौंD! मझे बतं या गेया फिकी सतंसमझोंहरे स दुरे", की म ख्या की जीगे ले म (प्रतं क्षा कीरे रेह था।

प्र चौं मफि दुरे की आDगे म (प्रवों शां कीरेतं ह म 1जी - हचौं ऊजी ओं4 स अवोंगेतं हुआ। आगे की!ई म गेदु4शां4 आवोंश्याकी ह था ।
मफि दुरे की छे की आDगे म,(बरे मदु रे एकी शांरे रे स> दु चौं दुरे स ढंकी हुआ ड़ा था । चौं दुरे >"ले औरे म ले ओं स लेदु था । सकी ड़ा अगेरेबनिया स उठतं ध"म्र रे खो एD शांरे रे की चौं रे ओरे घ"म रेह थाA। शांरे रे की चौं रे ओरे स> दु औरे ले ले रे गे स ब निवोंस्तंMतं मडी ले था । स म (ह सतं जी तंद्र(बठ था, उ की ह था म (उस कीन्या की ह था था ।

उसकी ह था की की!मलेतं औरे त्वोंचौं की चौंमकी दुखो कीरे याह निवोंश्व स कीरे कीरिठ था फिकी याह शांरे रे नि जीÂवों था । सतं निसरे झे की हुआ था । म 1 स!चौं , क्या वों भ सम निध म (था?
आDगे की दुस"रे ओरे एकी मडी ले भजी -की तं4 म (सले ग्र था । लिंहदु "म न्यातं म (मत्Mया म!क्षा की द्वी रे खो!लेतं ह, औरे इस उ की क्षाण म जी तं ह। इस प्रकी रे की मत्Mया की निवोंशांर्षों रू स उत्सवों म या जी तं ह।
रे तं वोंह था कीH ?

चौं रे ओरे > ले गेभ रेतं औरे ले!गे की दुनिMr इस रेहस्या की! औरे गेढ़" ब फिदुया । मझे लेगे फिकी मरे उ निस्थानितं की वोंले

अ नि क्षातं ह हA, बनिCकी अ रिरेह या 4था । ऐस प्रतं तं ह! रेह था फिकी याह सबरे निमझें था ।
म 1स वोंध स आगे बढ़ । क्या याह वोंह था ? ह ,D याह वोंह था ।

म 1अ भ तंरे हसD ड़ा । क्या म 1 स्वोंया ह की ले मफि दुरे जी कीरे उसकी ब रे म (जी की रे प्र म्न कीरे की

प्रया स हA फिकीया
था ? औरे याह Dवोंह था – सतं की चौंयानि तं रेछे ई, मरे बचौं की निमत्र की आध्या नित्मकी सहचौंरे । म 1 या दु फिकीया फिकी फिकीस
प्रकी रे सतं की म उसकी स था जीड़ा घनि ष्ठों सब ध की! ले कीरे अ वों दु म (निघरे था । अब वोंह जी चौंकी था ।

सतं मरे ह था कीड़ा औरे आDगे की एकी की! म (ले गेए। बले की ड़ा की चौं उन्ह मझे की छे नि दुशांÔ

फिदुए। वोंह इस घट स अत्यानिधकी व्यनिथातं प्रतं तं ह! रेह था। उन्ह कीह , "मझे तं म्ह रे आवोंश्याकीतं था । वोंह

मह स ध्या म (
था । ध रे -ध रे , उसकी ध्या वोंस्था की अवोंनिध, निवोंशांर्षों रू स की म्भकी, बढ़तं गेई। एकी समया ऐस आया जीब उस ब हरे
सस रे स रे" तंरेह तं तां!ड़ा निलेया औरे की वोंले भजी गे लेगे । H फिदु तंकी उस सम निध हA छो!ड़ा । अ तंतंo, मझे

हस्तंक्षा कीरे ड़ा। म 1उसकी कीक्षा म (गेया , ले फिकी तंब तंकी बहुतं दुरे ह! चौंकी था। उस अ रेम लेक्ष्या प्र म्र कीरे निलेया था। वोंह जीन्म स ह शांनि शां ले था। वोंह की वोंले इस अC अवोंनिध की निलेए आई था। वोंह सदुवों तं म्ह रे स्मरेण कीरेतं था। तंस्म्हरेतंम्हHकीवोंह4म्रसफिकीगेया भाम्ह फिकी (की छे ह! वों ले ह। उन्ह मझे

व्यनि की! अ रे ह स्वोंया ह तंया कीरे ह!तं ह। क्या याह एकी की था हA ह? वोंह वोंहA गेई, जीह D उस जी था। अब उसकी निलेए की!ई आगेम या गेम हA ह। "

सतं अचौं की रुकी गेए। म 1 उ की ओरे दुखो ।

" रे तं एकी ब तं औरे ह जी! मझे तं म्ह (बतं चौं निहए," उन्ह अ तंतंo कीह।

उन्ह समझे या।

उन्ह उस बचौं स ह हचौं निलेया था। सतं की! उसकी वों"4जीन्म की या त्र की स "ण 4ज्ञा था। वोंह एकी नितंब्बतं या!निगे था , निजीसकी आध्या नित्मकी उन्ननितं एकी अनिवोंवोंकी ले म की की रेण ब निधतं ह! गेई था। क्या फिकी वोंह समया रेहतं की! उस ले म की प्रभ वों स अलेगे कीरे म (स>ले रेह था , इसनिलेए वों ले म , जी! वों स्तंवों म (उसकी शांनि की! नि यानि त्रतं कीरे चौं हतं था, अब भ उसकी खो!जी म (था। वों की वोंले भHनितंकी रू स ह हA, बनिCकी आध्या नित्मकी स्तंरे रे भ सफिक्रंया नि छेले जीन्म स हले , वोंह की ब!निडीया (अब की बनि चौंया) म (जीन्म था , जीह D आजी भ चौं म स धकी की प्रनिसद्ध बस्तं निस वोंह उ की गेढ़" तं नित्रकी सम दु या की एकीम त्र भ रेवों था। नि छेले स तं जीन्म स वोंह भ रेवों ह रेह था। उस अ अ नितंम दु! जीन्म की ण"4 ज्ञा था। अ तंतंo, उस स्वोंया की! सतं जी तंद्र(की छेत्रछे या म (सरे निक्षातं या।

"अब तं म्ह (अ भ"निमकी नि भ ह!गे ," सतं गेभ रेतं स कीह। "हम (याह सनि निश्चतं कीरे ह!गे फिकी उसकी अ नितंम या त्र निब फिकीस ब ध की रे" ह!। उसकी शांरे रे अ निवोंत्र ह!।"
म 1हतंप्रभ रेह गेया। "उसकी शांरे रे अ निवोंत्र ह!गे ? याह शांरे रे?" म 1 अनिवोंश्व स स छे"

।

सतं मरे ओरे दुखो । "इसम (आश्चयाचौं4फिकीतं ह! की क्या ब तं ह? क्या तं म गे! ले मफि दुरे की छे तं रे

मफि दुरे की
अ छों की! भ ले फिदुया ? क्या तं म्ह (मतंM शांरे रे औरे आस या दु हA?"
"की स भ"ले सकीतं हूँ?D" "वोंह एकी रु षों की शांरे रे था। याह एकी स्त्र की शांरे रे ह। याह कीन्या एकी निवोंत्र औरे

प्रनितंनिष्ठोंतं भ रेवों था। ह ले Dफिकी वोंह स्वोंया
अ उस दुह की रेक्षा कीरे म (सक्षाम ह, फि>रे भ उस ऐस कीरे की निलेए इस सस रे स o जीड़ा ड़ा गे। इसस अत्यानिधकी ड़ा ह!गे। उसकी मनि म (निवोंलेब ह!गे। उसकी समस्तं प्रया स व्यथा 4ह! सकीतं ह।1 निमत्र सकी ट म

(सह यातं की निलेए
ह!तं ह।1 हम (उसकी शांरे रे की! अनिग्न-स्न्रा म (समर्पि तं कीरे दु चौं निहए औरे उसकी रेक्षा तंब तंकी कीरे ह!गे , जीब तंकी याह
ण"4 ह!।"

"रेक्षा ? फिकीसकी रेक्षा ? कीM या मरे म गेदु4शां4 कीरे(।" म 1 सतं स निवों म्रतं स कीह।

मMतंकी की रेखोवों ले

तंब मझे एकी ई निवोंद्या की ज्ञा हुआ। याह मतंMकी की स् तंकी की ज्ञा था । इ स् तंकी म (स कीई की! उ ले!गे r कीरे फिदुया जी! उ की महत्वों की! हA समझे सकी । कीई ले!गे इन्ह (जी दु-"ट! औरे रेहस्यामया निवोंकीMनितंया की स्रो!तं कीहकीरे की फिदुया । याह तंकी फिकी एस्स , निमस्रो , म या (औरे अब शां यादु नितंब्बनितंया की भ) की अमC"या अनिभले खो r कीरे फिदुए गे औरे फिकीस फिकीस की रेण स r फिकीए जी रेह ह।1 जीब म वोंजी नितं की! अज्ञा तं की ज्ञा म (मह रेतं ह निसले कीरे चौं निहए था , तंब वोंह अ ह निवों शांकी रे स्वोंभ वों की की रेण सत्या स औरे दुरे" ह!तं जी रेह ह, निवोंशांर्षों रू स जीब इस स्वोंभ वों की! उसकी निवोंशां ले अहकी रे द्वी रे बढ़ वों फिदुया जी तं ह।

म वों की तंरेह, आत्म ए Dभ स्वोंतं त्र आत्म ओं स सवों दु कीरे की प्रतं क्षा कीरेतं ह।1 ऐस आत्म ओं की उ निस्थानितं उ की निलेए बहुतं ले भकी रे ह!तं ह। उच्ची आत्म ए,D ठ की वोंस ह जीस आगे तंकी प्र!> सरे, निड़ातं आत्म ओं की! की छे रे हतं प्रदु कीरेतं ह।1 मह भ रेतं म (इस प्रकी रे की घट ओं की वोंण4 कीई ब रे फिकीया गेया ह। सबस प्रनिसद्ध घट एD रे जी स!मदुवों , रे जी अ बरे र्षों औरे रे जी यानि धनिष्ठोंरे स सब निधतं ह।1 निड़ातं आत्म ए Dइ निवोंत्र आत्म ओं की उ निस्थानितं की अवोंनिध बढ़ या चौं कीरेतं थाA क्या फिकी उ की उ निस्थानितं स उन्ह (अत्यानिधकी रे हतं निमलेतं था ।

इ निड़ातं आत्म ओं की अले वों , जी! उच्ची आत्म ओं की क्षानिणकी प्रवों स की इ तंजी रे कीरेतं ह,1 की छे दुr आत्म ए Dभ ह!तं ह,1 जी! उन्नतं आत्म रे आक्रमण कीरे औरे उसकी प्रगेनितं की! रे!की की निलेए तं या रे रेहतं ह।1 रे म याण म (हम दुखो तं ह 1फिकी या!गे ह म की या त्र की! सरे स औरे लिंसनिहकी जीस दुr शांनि या D ब रे-ब रे ब निधतं कीरेतं ह।1 कीMष्ण की स म तं" स ह!तं ह, औरे रे म की तं ड़ाकी स। दुr शांनि या D उन्ननितं की! रे!की की निलेए मHजीदु" रेहतं ह।1 याह निसद्ध या!निगेकी प्रगेनितं की भ सत्या ह, औरे आत्म की प्रगेनितं की निलेए भ । आनित्मकी उद्दी श्या की निलेए म वों शांरे रे की उ या!गे कीरे एकी रे प्रथा ह। आ ले की ले शां सप्र दु या, भतंहM4रिरे औरे रेशां रे म स इस निवोंर्षोंया रे रे मशां 4कीरे सकीतं ह।1
मझे रे एकी या ज्ञा उफिदुतं ह! रेह था । मझे गे तं की रेहस्यामया नि या Dया दु आईं।

मझे इस निजीम्म दु रे की रे" एहस स हुआ निजीस म 1 अ की ध रे निलेया था । की वोंले मझे शांवों की! मनिणकीर्पिणकी तंकी स्वोंया या!निगे
आ ट की सह यातं स शांवों की! स्ना कीरे था औरे उस सजी था , जीस फिकी वोंह अ नितंम शांवों स म (बठ रेह ह!। उसकी ग्र शांरे रे की! एकी ढं ले स> दु चौं दुरे स ढंकी था । जीब शांवों की! निचौंतं रे रेखो जी एगे , तं! रे" लेकीड़ा की ढं रे रे एकी भ रे जी था बनिCकी स 1क्स अ स शां4 स दुरे" भ हA कीरे सकीतं था । फि>रे श्मशां भ"निम के हचौंDकीरे मझे
ले ले रे शांम वोंस्त्रि डी ले फिदुया जी एगे । फि>रे स वोंधि वों"की4 स> दु चौं दुरे की! हट फिदुया जी एगे , तं फिकी शांरे रे रे" तंरेह स छे!ड़ा फिदुया जी एगे तं फिकी वों निचौंतं की
ऊDचौं ई स जीले जी ए।D जीब तंकी ब ले औरे ले ले आवोंरेण रे" तंरेह जीले जी ए, तंब तंकी तं! शांरे रे औरे ह निचौंतं मरे स की4 स ब हरे ह! चौं निहए।
तंकी रेह, ले फिकी उस रे की!ई गे हुआ निजसले ई ह!। ब ले की! की घ कीरे खोले
तं म्ह रे स था की छे म गेलेतं हA ह!गे । या!निगे तंम्ह रे म गेदु4शां4 कीरे गे। की छे भ हA ह!गे । नि डीरे ह!कीरे वोंह कीरे! जी! म 1 कीह ह, " उन्ह मझे आश्व स फिदुया ।
की छे भ अप्रत्या निशांतं हA हुआ। ले फिकी ....

या!निगे स्वोंया बहुतं अजी ब तंरे की स व्यवोंह रे कीरे रेह था । ब रे-ब रे उस मझे

की म म (लेगे की बह ढं" ढं , तं फिकी म 1शांवों
स दुरे" जी सकी"D। ले फिकी म 1 ऐस हA फिकीया । फि>रे उस अ सबस प्रभ वों औरे की ट ण" 4तंरे की अ या । स्ना औरे

!शां की की प्रफिक्रंया की दुHरे उस अचौं की मरे ध्या एकी यावों स्त्र की ग्र शांरे रे की ओरे आकीर्पिर्षोतं फिकीया औरे कीह फिकी वोंह मरे स म इस अ छों की! कीरे म (असहजी महस"स कीरे रेह था।

ले फिकी म 1 हले स ह सतंकी4 था।

सतं निजीतंद्र(मझे या!निगे आ ट की सह यातं ले की निलेए कीह था, ले फिकी उन्ह याह भ चौंतं वों दु

था, "वोंह खोदु भ
शांवों की! प्र स्त कीरे की प्रया स कीरे सकीतं ह। कीभ भ अ कीड़ा मतं छे!ड़ा ।"
म 1 उस टकीरे वों की चौं Hतं हA दु औरे हरे सभ वों तंरे की स उसकी आज्ञा म , बस म 1 शांवों की! अ स अलेगे

हA
फिकीया।
ले फिकी उस फि>रे स स्ना कीरे की मद्दी उठ या। म 1 की वोंले याह श्लो!की ढ़ :

यानिस्म सवों 4निण भ"तं नि
आत्मवों भदु" निवोंजी तंo।
तंत्र की! म!हo कीo शां!कीo
एकीत्वोंम श्यातंo॥
(ईशां! नि षोंदु, ७)

(आत्म ह सभ प्र निणया की स्रो!तं ह, औरे या सभ निभन्नतं एD की वोंले उसकी निवोंस्तं रे ह;1 औरे आत्म म (ह सब

एकी ह! जी तं
ह।1 जीब सभ की! एकी रू म (दुखो जी तं ह, तं! म!ह औरे शां!की की की!ई गेजी इशां हA रेह जी तं।)
अ तंतंo, उस निस्थानितं की! समझेतं हुए ह रे म ले।

म 1 स>लेतं वों"की4 शांवों की! निचौंतं रे रेखो। अब समया था उसकी वोंस्त्र हट की। म 1 रे" निचौंतं की! ब रेस

स हरे जीरे
स कीढ़ ई फिकीए गेए भ रे ले ले मखोमले वोंस्त्र स ढंकी फिदुया। फि>रे स वोंध वों"की4 म 1 उसकी स ड़ा की! खो!
ले शां रू फिकीया।
स ड़ा आस स हट रेह था, ले फिकी अचौं की ब चौं म (रुकी गेई। की!ई भ प्रया स उस आगे हA बढ़ सकी। मझे

ब ध की
स्रो!तं की! छे" ड़ा।
मरे ह था उसकी शांरे रे स लेगे। शांरे रे बहुतं गेम4 था। क्या वोंह जी निवोंतं था ? चौं;कीकीरे, म 1 ह था उसकी

हृदुया रे रेखो। स् r रू स हृदुया की वोंले धड़ाकी रेह था, बनिCकी शांरे रे हलेचौंले भ कीरे रेह था।
म 1इतं गेहरे सदुम म (था फिकी म 1अ ह!शां ब ए रेखो म (असमथा 4था।
अचौं की, या!निगे आ ट कीह, "मझे कीरे दु!। हट!, म 1कीरे दुगेD"।" याह एकी सरेले औरे स्वों भ निवोंकी प्रस्तं वों

था, ले फिकी म 1सतंकी4 था। म 1 दुखो फिकी दु! की ले की मरे रे की स खोड़ा था। म 1 तं रे तं अनिग्र की

वोंफि दुकी मत्र की जी कीरे शां रू कीरे फिदुया। ध रे -ध रे की गे याब ह! गेए। म 1आ ट की ओरे दुखो तं रेह।
उस भ स -स ह!कीरे मरे ओरे दुखो।
अब, म 1 रे" तंरेह स नि निश्चतं था फिकी मझे सतं निजीतंद्र(की आदुशां की ले कीरे चौं निहए।

अ तंतंo, म 1 शांवों की! निचौंतं की! समर्पि तं फिकीया और अनिग्र प्रज्व्वोंनिलेतं की । जीब ले ट(ऊDचौं ई तंकी उठA, तं! म 1 दुखो फिकी जीलेतं निचौंतं की ब चौं एले.एस. बठ था , शांवों की! अ गे!दु म (निलेए हुए। वोंह शां तं था , जीस फिकी उसकी रेक्षा कीरे रेह ह!।

क्या याह दुनिMr था ? भ्रम? आनित्मकी जी गेनिMतं? मझे शां की क्या कीरे चौं निहए? याह एले.एस. ह था , इसम (की!ई सदु ह हA।

म तं म ! मस!-रे-मगे म म रेसस्या तं लेम तं हस्तं तं सo फिकीम की हCम त्वों ब याले सह स म वोंध शां तं म दुवों निMथावों मह ले!की नि त्याशां निवोंवोंध स्वों यामरे जीस। (18:2:111:4-5) -अथावोंवों4दु म 1 गेगे म (प्रवों शां फिकीया । बहुतं ठ डी और गेले लेगे वों ले था । दु की दुस"रे फिकी रे रे सरे"जी उगे रेह था । शां तं (डी बकी लेगे ने गे आकी शां रे हले फिकीरेण (हले स ह फिदुखो ई दु रेह थाA। कीबतं"रे इधरे-उधरे उड़ा रेह था, ब चौं ध रे म रेह था, और ब स की एकी तं रेतं हुए ट कीड़ा रे बठ था निजीस फिकी रे की निवोंचौं रेशां ले सरे क्षाकी तं रे कीरे छे!ड़ा फिदुया था । इ म लिंहदुओं की निलेए जी वोंरे और निक्षाया की प्रनितं प्रम इतं सच्ची ह फिकी याह निब फिकीस फिदुखो वों की प्रकीट होतं ह!।

जी गेले म(एकी निचौंतं

जीस फिकी म 1सतं की आस की की वों रे कीन्या की निचौंतं की निवोंर्षोंया म (निलेखो रेह हूँ,D मझे याह उनिचौंतं लेगेतं ह फिकी म 1एकी और निचौंतं की वोंण4 कीरूD, निजीस एकी वोंद्धM व्यनि की! भस्म कीरे फिदुया था —वोंह वोंद्धM व्यनि जी! एकी मफि दुरे की सरे क्षाकी था ।

ठकी की! या दु ह!गे फिकी हCद्वी और रे म गेरे की स जीगे ले म (निस्थातं एकी चौं मडी मफि दुरे म (एकी घट घट था । याह जीगे ले ब घ की निशांकी रे की निलेए प्रनिसद्ध था । याह Dकी वोंक्षाM > Âचौंरे और भवों नि म 4ण की निलेए बहुतं की मतं म जी तं था, जीस फिकी ले ले लेकीड़ा , सम गे, खोरे , बबले", दुवों दु रे आफिदु। जीगे ले ऊDचौं ह था घ स स भरे हुआ था । याह Dकीई जीलेध रे ए D घ रिट्या म ह!कीरे बहतं थाA, और नि चौंले भ गे म (एकीत्र ह!कीरे एकी बड़ा दुलेदुले क्षा त्र ब दुतं था , जी! आगे चौलेकीरे एकी झे ले म (रिरेवोंर्पितंतं ह! जी तं था । इस झे ले की फिकी रे आ निशांकी रू स कीमले की >"ले स ढंकी , वोंह D ध्या कीरे की स हस कीरूD, तंकीझे निवोंशांषों ले भ प्र त ह! सकीतं ह!1

चौं मडी दुवों की मफि दुरे निस्थातं था । चौं मडी की! मतMया और निवों शां की दुवों म जी तं ह। की वोंले निवोंनिशांर तं निनत्रकी स धकी ह!कीतं ह!

म रे निमत्र हवोंलेद रे शां रे लिंसह मझे इस स्था रे हचौंD की निलेए एकी ह था प्रदु फिकीया , और स्वोंया इस या त्र स मझे रे!की की प्रयों स फिकीया । जीब म 1मफि दुरे की ओरे बढ़ रेह था , तं! म 1 एकी निवोंशां ले बरेगेदु की ड़ा की चौ उतंरे की नि श्च फिकीया। मरे इस नि4या से बह वोंतं (ह था चौं लेकी) अचौंनिम भतं रेह गेया । उस बरेगेदु की अ निमगे तं जीट ए,D चौं उतंरेकीरे म थMवों म (सम रेह थाA। झे ले की निवोंशां ले निवोंस्तं रे कीमले की असख या >"ले स आच्छे फिदुतं था । चौं रे ओरे गेजी" तं मध मनि तं था । म 1इस मफि दुरे तंकी एकी वोंद्धM व्यनि की नि दुशाO की अ स रेण कीरेतं हुए हचौंD , निजीस मझे की भ भ हट वों तं वोंरेण म (एकी रेहस्यामया लेया दु कीरे रेह था । म वों बस्तं की की!ई नि शां म ले तंकी हA था , फि>रे भी मझे स्था और ध्याना की महत्वा ह!ई था । मिवोंद्ध स नि फिदुलेन वों ह था फिकी याफिदु म 1

मह्नौंवोंतंवोंमझे फिकी याह स्था एकी भया वोंह प्रनितंष्ठों रेखोतं ह। याह Dकी मफि दुरे म (नि रे तंरे शां बनिले दु जी तं था , औरे निशांकी रिरेया की निलेए याह एकी उ या स्था था । उस > स> स तं हुए कीह , "याह Dएकी की की ले अक्सरे दुखो जी तं ह, जी! म वों रे की प्या स ह। "

रे तं उसकी ब तं स मरे सकी C हA डीगेमगे या । याह स्था मझे अ ओरे खोAचौं रेह था । म 1 मह वोंतं स कीह फिकी वोंह मरे प्रतं क्षा कीरे औरे स्वोंया अकी ले आगे बढ़ गेया ।
मरे या त्र सरेले हA था । झे ले म गेदु4शां4की की रू म (था , ले फिकी था अवोंरुद्ध था । की ट दु रे झे निड़ाया D, दुलेदुले, औरे ड़ा झे"लेतं शां खो एD रे स्तं कीरिठ ब रेह थाA। जीले क्षा औरे जीलेचौंरे जी वों झे ले की! जी वोंतं ब रेह था। आगे बढ़तं हुए म 1 एकी निवोंशां ले इमले की ड़ा रे चौंढ़ की नि श्चया फिकीया , तं फिकी फिदुशां की अ म लेगे सकी"D।

ले फिकी जीस ह म 1चौंढ़ लेगे , बदु रे की एकी झे डी मझे रे आक्रंमण कीरे फिदुया । उ की उग्रे व्यवोंह रे मझे छे हट रे मजीबरे" कीरे फिदुया । इसस हले फिकी म 1उतंरेतं , मझे दुरे" ले ले झे डी लेहरे तं हुआ फिदुखो ई फिदुया । मझे लेगे फिकी याह मफि स्था ह! सकीतं ह।

मरे आगे बढ़ कीरिठ ह!तं जी रेह था । फि>रे अचौं की, मरे स म एकी की ले गे > > ले कीरे रे स्तं रे!की निलेया । म 1 छे हट ह वों ले था फिकी तंभ हवों म (एकी चौं ले तं ज़ी चौं खो म रे औरे म 1वोंहA स्तंब्ध रेह गेया । गे मरे स म तं हुआ था , उसकी की ले आDखो (मझे रे जीम थाA। वों तं वोंरिण भया वोंह था । मरे शांरे रे स स बह रेह था ।

अचौं की एकी तं ज़ी हवों चौंले , ड़ा सरेसरे लेगे, औरे जीगे ले की शां नितं भ गे ह! गेई। उस क्षाण एकी बदु रे की बच्ची ड़ा स चौं निगेरे ड़ा । गे की ध्या उस ओरे गेया औरे उस तं जी स हमले फिकीया । इस ब चौं, एकी म दु बदु रे निबजीले की गेनितं स आई औरे गे की! गेदु 4 स कीड़ा निलेया । वोंह उस ड़ा की तं रे जी!रे-जी!रे स रेगेड़ा लेगे ।

जीगे ले भया वोंह चौं त्की रे स गेजी" उठ । क्रं!निधतं बदु रे की झे डी हरे फिदुशां म (दुHड़ा लेगे । म 1स्तंब्ध खोड़ा इस अप्रत्या निशांत घट क्रंम की! दुखो रेह था । याह जीगे ले, जी! शां तं औरे रेहस्यामया था , अब जी वों औरे मत्Mया की एकी क्रं"रे खोले की मचौं ब

चौंकीथा ।

बदु रे औरे स D

मझे वों रे णस की दुगे 4की डी की स फिढ़या रे हुई एकी ऐस ह घट या दु आ गेई, जीह D बदु रे की एकी सम"ह बस गेया था , निजीसस इस 'बदु रे मफि दुरे' की आकीर्षो4की म निमले गेया ।

उस दु! हरे, म 1भ स्कीरे दु मफि दुरे स ब हरे नि कीले औरे दुखो फिकी एकी छे!ट भ ड़ा फिकीस चौंले रेह सघ र्षो4की! दुखो की निले इकीट्ठा था । एकी बदु रे स फिढ़या म (स एकी रे बठ था , उसकी निसरे झे की हुआ था , म ! वोंह की!ई खो!या हुआ अखोरे!ट खो!जी रेह ह!। जीCदु ह , मझे एहस स हुआ फिकी वोंह एकी खोतंरे की निशांकी रे खोले म (निलेप्त था , जी! फिकीस भ जी वोंरे की निलेए जी!निखोम भरे था ।
उत्स निहतं भ ड़ा फिदुलेचौंस् की स था इस दुश्Mया की! दुखो रेह था औरे आ स म (ब तंचौं तं कीरे रेह था । बदु रे की रुनिचौं स फिढ़या की ब चौं > स एकी छे दु म (था , जीह D स एकी > नि कीले हुआ था —याह एकी गे था । स D की! अ निस्थानितं की आभ स ह! गेया था , ले फिकी वोंह अ प्रवोंMनिया की की रेण बदु रे की चौं ले की आगे बब स ह! गेया था ।

हरे ब रे जीब वोंह रे!ए दु रे ह था छे दु की   स जी तं , > तं जी स ब हरे आतं और बदु रे रे हमले कीरे की की!निशांशां कीरेतं ।
ह था निजीतं कीरे ब जी तं , > उतं ह ब हरे नि कीलेतं ; हमले की गेनितं निजीतं तं जी ह!तं , ह था उतं ह तं जी स छे
हटतं । याह खोलेत जी स रे!म चौंकी ह!तं जी रेह था ।

बदु रे ब रे-ब रे अ ब या Dह था छे दु की स ले जी तं , जीबफिकी उसकी दु या Dह था स D की! कीड़ा की निलेए तं या रे था ।
आनिखोरेकी रे, एकी अवोंसरे आ ह गेया । जीब ब ए Dह था छे दु की! छे" की स हस फिकीया , तं! गेस् स स भरे > झे ट ड़ा ।
कीरे ब दुस इ चौं की शांरे रे जीस ह ब हरे नि कीले , बदु रे झेट स अ दु ए Dह था स > की! एकी जी ले वों कीड़ा म (जीकीड़ा
निलेया ।
इसकी ब दु, बदु रे अ ह था म (जीकीड़ा > की! त्थारे की स फिढ़या रे जी!रे-जी!रे स रेगेड़ा शां रू कीरे फिदुया —निबलेकी ले
या!जी बद्ध, सतंकी4 और निवोंनिध वों"की4। हरे ब रे जीब वोंह इस आध निम ट तंकी रेगेड़ातं , तं! अ ह था की! अ की की स
ले जी कीरे सघ" तं और अ 'कीले ' की! कीरे ब स जी चौंतं । ध रे -ध रे , वोंह > और निवोंर्षोंदुतं रे" तंरेह स की चौंले कीरे एकी

लेथा था म स की ढं रे म (बदुले **चौं**की

जीब बदु रे की! सतं !र्षों हुआ फिकी वोंह स D की शांनि और निवोंर्षों खोत्म कीरे चौंकी ह, तं! उस उस म स की ट कीड़ा की! घMण
तं ले ब की ठहरे हुए म (>(की फिदुया । अब उस घ तंकी गे की तं कीतं और जीहरे की एकीम त्र अवोंशांर्षों म (> लेतं
की छे लेहरिरेया DथाA।

मझेले स तं था फिकी बदु रे ज़ीहरे ले स D रे ह वों ह! की प्रवोंMनि रेखोतं ह,1 खो सकीरे अ सतं की सरे क्षा की
निलेए, जीस फिकी मा!रे, ब ज़ी, उCले "और गेरुड़ा कीरेतं ह।1 जीगे ले की याह नि याम उस फिदु मरे क्षा म (की म कीरे गेया , और म
की ओरे अ या त्र जी रे रेखो सकी । वों स लेHट की की!ई सवों ले ह हA था ।

श्मशां की दुश्Mया

कीमले स भरे झे ले की निवोंस्तंMतं जीले , निब मरे जी की रे और समझे की , मरे निलेए एकी या खोतंरे दु कीरे फिदुया था ,
निजीस मरे या त्र की! और भ कीरिठ ब फिदुया । निवोंनिभन्न प्रकी रे की मध मनिक्खोया की निवोंशां ले छे था, और मरे ओरे स

गेई की!ई भ गेलेतं चौं ले मझेएकी बड़ा सकी ट म (डी ले सकीतं था ।

इस समया, मझे जीलेतं हुए ब ले और म स की गेध की अ भ वों हुआ। याद्यानि याह फिकीस बड़ा अनिग्नकी डी की सकी तं दु रेह
फि>रे भ कीहA ध आDफिदुखो ई हA दु रेह था । रे तं गेध इतं तं त्र था फिकी इस ज़ीरेअदु ज़ी हA फिकीया जी सकीतं था ।
जीब म 1 एकी छे!ट ड़ा रे चौंढ़कीरे दुखो , तं! मझे की वोंले आगे जीलेतं फिदुखो ई दु बनिCकी मफि दुरे भ जीरे आ गेया । अब
हले ब रे मझे याकी हुआ फिकी चौं मडी मफि दुरे झे ले की स एकी श्मशां भ"निम की सम निस्थातं था और वोंह D जी वों की
हलेचौंले था ।

जीब म 1उस स्था रे हुचौंD
, तं! म 1 दुखोफिकी वों स्तंवों म (एकी दु ह-सस् की रे चौंले रेह था । ले फिकी एकी दुघ 4ट वोंह D
उ निस्थातं तं जीकीसह याकी की! सकीम (डी ले फिदुया था । या ले!गे ह ड़ा क्षा त्र की नि वों स था, जी! निहम लेया की की ख्या तं
तंरे ई जीगे ले स लेगे स्था म (रेहतं था। वों कीMनिर्षों और लेकीड़ा इकीट्ठा कीरेकी जीस - तं स अ जी वों व्यतं तं कीरेतं था। या
ह निथाया , ब घ , निहरेण और स D की ड़ा!स था और उन्हA की दुया रे जी निवोंतं रेहतं था।

याह दु ह-सस् की रे उ की एकी सब ध की था , निजीस एकी ब घ म रे डी ले था । उसकी अ नितंम इच्छे की अ स रे, उस मफि दुरे की निवोंत्र स्थाले की स जीले या जी रेह था । निचौंतं आध जीले चौंकी था , औरे अनिधकी शां रिरेश्तंदु रे जी चौंकी था। दुभ 4ग्या स, एकी
अप्रत्या निशांतं घट वोंह D उ निस्थातं ले!गे की! औरे भ बड़ा मनि श्कीले म (डी ले फिदुया था । आगे की ले ट की प्रभ वों स शांवों
मड़ा गेया औरे जीलेतं हुई निचौंतं स ब हरे निगेरे ड़ा ।

जी! ले!गे इस निस्थानितं की! समझेतं ह,1 वों जी तं ह गे फिकी जीलेतं हुए शांवों की! फि>रे स निचौंतं रे रेखो

फिकीतं खोतंरे की ह!
सकीतं ह। वोंह D मHजीदु" गेरे ब ले!गे इस सह कीरे म (लेगे था, ले फिकी उ की प्रया स समस्या की सम ध कीरे की बजी या
उ की निलेए औरे अनिधकी खोतंरे उत् न्न कीरे रेह था। म 1 स!चौं फिकी शां यादु म 1उ की मदुदु कीरे सकीतं हूँ।D

जीब म 1 सह यातं की
शां कीशां की , तं! उन्ह मझे अनिवोंश्व स भरे ज़ीरे स दुखो । म 1 उ की चौंह रे रे भया औरे घबरे हट दुखो ।
"क्या ?" म 1 छे," उ की भया की! समझे की प्रया स कीरेतं हुए।
उ की सतंकी4तं की एकी ठ!स वोंजीह था । उ की म म (इस स्था स जीड़ा एकी दुहशांतं भरे कीह बस हुई था ।

"वोंह शांवों चौं हतं ह। वोंह म स खो तं ह. .. वोंह रेले!की की ह। "
उ की

अ स रे याह शमशां औरे मफि दुरे एकी "दुर" आत्म की प्रभ वों म (था । "कीई ले!गे उस दुखो ह ।"
उन्ह समझ स>से कीई कीह रेहस्या औरे गेहरे तं जी उरेह था । म 1औरे अनिधकी जी चौं हतं था , ले फिकी मझे अ ह था की
"की छे सकीत डीथा हलेइ भ ले!वोंह याह तD था, औरे तन्हे रे >आतदु्म वोंह!निकी गेइश ले, फिकी वोंह वों स जीलेतं हुए शांवों की! दु!ब रे
निचौंतं रे रेखो की की या 4म (खोदु की! झे की फिदुया ।

जीब म 1 उ की सह यातं की , तं! उन्ह मझे मरे ह था तंकी हुचौंD। ले फिकी म 1याह नि श्चया कीरेथा चौंकी फिकी म 1इस रेहस्यामया "वोंह" की ब रे म (अवोंश्या तं लेगे ऊDगे ।

एकी रेहस्यामया या त्र

इस दुHरे , जीब म 1इस वों -गेप्त "वोंह" की! खो!जी की ध म (था , मरे म तं -नि तं अचौं की मझे स निमले आ हुचौंD ।
खो सकीरे अ नि तं की! अ स कीरे म 1अत्यातं प्रसन्न था । ले फिकी मरे हरे तंब औरे बढ़ गेई जीब एकी-दु! फिदु ब दु उन्ह स्वोंया चौं मडी मफि दुरे की निवोंर्षोंया छे ड़ा ।

"याह मफि दुरे हमशां स या!निगेनि या की निप्रया स्था रेह ह, " उन्ह कीह । "मझे आश्चया 4ह फिकी तं म अभ

तंकी इस अत्यातं
महत्वों ण" 4आध्या नित्मकी स्थाले की खो!जी कीरे की की!ई की!निशांशां हA की ।"
"ले फिकी याह स्था भ तंह म जी तं ह औरे इसकी बहुतं ह खोतंरे की प्रनितंष्ठों ह, " म 1 कीह । "याह डीरे वों औरे की!दु याकी ह! सकीतं ह। "
"ऐस ह तं! सभ मह या!निगे स्थाले की स्वोंरू ह!तं ह, " उन्ह उरे फिदुया । "ले फिकी जी! भ तं त्र म (भ रेवों-

निसनिद्ध प्र प्त
कीरे चौं हतं ह, उस इ स्था की आशां वों दु4 अवोंश्या प्र प्त कीरे चौं निहए। तं थाया4 त्र ए Dबवों जीह हA की जी तंA! फिकीस
तंत्र की हुनि या
स्था की आध्या नित्मकी ऊजी 4स धकी की! गेहरे प्रभ वों म (डी लेतं ह। "

इसकी ब दु उन्ह और की छे हA कीह। चौंचौं 4 वोंहA सम स ह! गेई।

इसस हले फिकी म 1उ की निलेए फिकीस या त्र की व्यवोंस्था कीरे तं, एकी सचौं, कीरे निफ़ुयाँ। उन्ह बतं या फिकी वों हले ह मफि दुरे की या त्र कीरे चौंकी था और वोंह D उन्ह (वों निछेतं '>ले' निमले चौंकी था। ले फिकी याह '>ले' क्या था, इ खोलेस उन्ह हA फिकीया।

अब मरे म Dमझे स ब रे-ब रे आग्रेह कीरे लेगेA। वों भ मफि दुरे जी चौं हतं थाA। उन्ह कीह, "याह एकी निवोंत्र स्था ह। "

म 1जी तं था फिकी निब उनिचौंतं वों ह की वों याह कीरिठ या त्र हA कीरे सकीतं थाA। इसनिलेए म 1 अ निमत्र शां रे लिंसह स स की4 फिकीया, निजीन्ह हम रे निलेए म्ली बलेड़ा की व्यवोंस्था की।
भया और स की तं

जीस - जीस हम मफि दुरे की नि कीट हुचौंD, मरे म Dकी ह वों-भ वों म (स् r रिरेवोंतं4 आ लेगे। ध रे -ध रे, वोंह > स> स ईं, "य स्था अवोंश्या ह प्रतं -ग्रेस्तं ह। याह Dअकी ले कीभ मतं आ ।"
"ले फिकी नि तं जी आए था, और कीई श्रेद्ध ले भ आतं ह।1 क्या आ की! डीरे लेगे रेह ह? "

उन्ह की!ई उरे हA फिदुया।

इस समया, की ले कीHवों जी!रे-जी!रे स की वों-की वों कीरे लेगे।

जीगे ले म (तं त्र-स ध की निलेए कीHवों, गे दुड़ा, की और निगेद्ध की उ निस्थानितं शां भ सकी तं म जी तं ह।

म फिदुरे

मफि दुरे स्वोंया त्थारे स ब हुआ था, जीस भ रेतं की कीई अन्या मफि दुरे ह!तं ह।1 आस स की वों तं वोंरिण की गेभ रे प्रनितंष्ठों की! दुखो तं हुए, मफि दुरे की! अ क्षा कीMतं अच्छे निस्थानितं म (रेखो गेया था, निसवों या उस >ट हुए आDगे की, जी! एकी अत्यानिधकी रे ले की ड़ा की बढ़तं हुए तं स क्षानितंग्रेस्तं ह! चौंकी था। चौं ट त्थारे की स्तं भ द्वी रे समर्पिथातं एकी बरे मदु तं फिदुशां ओं म (
> ले हुआ था। चौंHथा फिदुशां म (एकी जी ले दु रे अवोंरि!ध था, और उसकी रे गेभ4गेहM निस्थातं था, जीह D दुवों की मर्पि"तं लेकीड़ा की दुरेवों जी की छे प्रनितंनिष्ठोंतं था। ह ले Dफिकी, रे तंले की कीड़ा लेगे दुरेवों जी अ कीनिड़ाया स लेगेभगे अलेगे ह! चौंकी था, और
गेजी रेतं हुई हवों उ की चौंरिमरे हट की! दुखो दु या ब दुतं था, फि>रे भ दुवों की! सरे निक्षातं रू स भ तंरे रेखो गेया था। और म 1अ आध्या नित्मकी चौंतं म (ध रे -ध रे बढ़तं हुई एकी तं त्र की की! अ भ वों कीरे सकीतं था। हवों म (ध" की सगे ध > ले
हुई था।

उस स्था की निवोंनिचौंत्र और भया की अ भ "नितं मरे म Dकी! मH कीरे फिदुया। ह ले Dफिकी

उन्ह अ ष्ठों नि की रू स ह था जी!ड़ा,
और उन्ह (ब रे-ब रे घबरे हट म (अ म था स लेगे या, ले फिकी उन्ह मफि दुरे की दुरेवों जी की स जी म (की!ई

सरेकीतं हुई झ निड़ाया की बजी या, उन्ह ले की चौं रे ओरे हु गे!ले चौंब"तंरे रे निवोंश्रे म कीरे की की!निशांशां की।

अचौं की उन्ह
हCकी चौं खो नि की ले, और म 1 मस् कीरे तं हुए दुखो फिकी एकी निवोंशां ले निछे कीले चौंब"तंरे की आध रे स

चौं निहए, निब इस निवोंत्र स्था की शां नितं भ गे फिकीए।" म 1 उ की इस असह् या निस्थानितं रे हसDतं हुए कीह ,
"ले फिकी नि तं
तं! याह Dअकी ले आए था; क्या आ की! या दु हA?"

उन्ह   मरे   इस मज़ी फिकीया व्यवोंह रे की!   स दु फिकीया औरे उले ह   दु , "भ"तं, भ"तं की ह निमत्र ह!तं ह,1" इतं

कीहकीरे वों
उदु स ह! गेईं।
"ले फिकी हम याह   Dदुवों   की दुशां4 कीरे   आए ह।1 हम की स उन्ह (अ दुखो   कीरे सकीतं ह 1औरे निब

श्रेद्ध जीनिले अर्पि तं फिकीए ह
लेHट सकीतं ह?1 म 1 निवोंशांर्षों रू स इ कीमले की! इस उद्दी श्या की निलेए इकीट्ठा फिकीया ह। "
"दुरेवों जी खो!ले ? औरे >"ले चौंढ़   ? जीब तंकी म 1जी निवोंतं हूँ,D ऐस   हA ह! दुगेD" ," उन्ह   दुढ़Mतं "वोंकी4

कीह । "तं म इस
दुरेवों जी की! रे कीरे   की की!निशांशां भ मतं कीरे ," उन्ह   आदुशां फिदुया । "हम (याह Dस चौंले जी
चौं निहए।" याह कीहतें हुए
वोंह वोंह D स हट लेगेA। मझे   भ की छे दुरे" तंकी उ की अ स रेण कीरे   ड़ा । बले गे ड़ा   स ह था , औरे वोंह उसम

(सरे क्षा की
स था बठ   म (सकी !चौं हA कीरे रेह थाA। ले फिकी म 1तं रे तं उ की   छे कीरे की बजी या एकी बह   ब कीरे झे ले
की औरे
चौंले गेया , स्ना   कीरे   औरे की छे तं जी कीमले ले   की निलेए।

म 1मफि दुरे की नि छेवों ड़ा की गेस्र द्वी रे स प्रवों शां कीरे गेया तं फिकी म Dकी नि गेरे   स बचौं सकी"D।

म 1 >Hरे जी ले दु रे द्वी रे की!
खो!ले औरे भ तंरे घ स गेया । वोंह D की!ई हA था , निसवों या की ले औरे ले ले रे गे की दुवों   की , जी! अ   बड़ा
की Dचौं की आDखो स
मझे   टकीटकी लेगे ए दुखो रेह था । म 1 अ   कीमले एकी-एकी कीरेकी चौंढ़ ए, की ले H की सख् या   रे" की , औरे

फि>रे ध्या   म (
बठ गेया , जी कीरे   लेगे ।
अचौं की मरे   म Dकी तं ज़ी औरे निवोंनिक्षाप्त चौं खो स मरे   तं द्र भ गे हुई। म 1 मड़ा कीरे दुखो , वोंह तं जी स

 मफि दुरे की द्वी रे स ब हरे
जी रेह थाA। तंभ म 1 उ की [illegible] की [illegible] खो!जी ।
खो चौंब   था , निजीसम (निवोंशांषों रू स बनिले फिकीए गेए शां ओं की कीट हुए निसरे रेखो जी तं था।
मरे   स म   आDगे म (एकी जीले हुई औरे ग्र की की ले-आकीMनितं खोड़ा था , निजीसकी लेगेभगे की!ई उदुरे-गेह   हA
उस अ   की की ले-सम   उDगेनिलेया की! कीट!रे म (डी ब!या , दु वों रे की! खोरे चौं औरे फिकीस   दु था 4की! नि की लेकीरे अत्यानिध
था । उसकी
भ"खो औरे ले लेस् की स था चौं ट लेगे ।
[illegible]
[illegible]
[illegible]
तं म्ह (निप्रया रे ।" म 1 अ   मट्ठा   म (बचौं हुए कीमले उठ ए औरे उसकी ओरे बढ़ ।
 दु Dतं उसकी दुतं निवोंह
मह D स ब हरे protrude ह! रेह था। उसकी गेले म (उलेझे हुई जीट ए Dचौं खो रेह थाA, ले फिकी उसकी निसरे रे
एकी गे Dठ बंध   हुई
था , जी! म ! फिकीस म वों अनिस्था द्वी रे ब Dध गेई ह। तंरेह-तंरेह की म की की म ले उसकी गेले म (लेटकी रेह
तंत्र की दुनि या

था । म 1उस
दुखो तं रेह , औरे वोंह मझे   गेहरे   जीरे स दुखो तं रेह । अचौं की वोंह ज़ी!रे स कीकी4शां हसD हसD । मरे   खो "
इसीनिलेए हA

औरे वोंह D वोंह खोड़ा था , ग्र, तंझेड़ा म (खोड़ा चौंरे की वोंक्षाM की तंरेह निवोंरेले, सम द्र की निक्षानितंजी की! छे"तं इ द्रध र्षों की तंरेह सम्म!हकी। उसकी खो!खोले उदुरे-गेह , ले ब गेदु 4, की की ले सम उ निस्थानितं, तं त्र भ"खो आDखो,(रे रे निजीतं मह D मझे मत्र मग् ध
कीरे रेह था। म 1उसकी आध्या नित्मकी निवोंस्तं रे स अनिभभ"तं ह! गेया ।

म 1 वोंह भजी गे शां रू फिकीया , निजीस म 1 अ नि तं की शांया कीक्षा म (ब Cयाकी ले स गे तं स था :

म!क्षास्या की क्षा , चौं निवोंभवों वों छे चौं म। निवोंज्ञा अशांनिशां मखोखोत् छे o। तंतां!त्वों सया चौं जी नि , जी या तं मम वों। मडीM नि रुद्र ण , निशांवों निशांवों भवों जी तंह।।

उस अ रे स स कीट!रे म (फि>रे स उDगेनिलेया Dडी ब!ईं, फि>रे वोंह जी ले दु रे द्री रे की ओरे भ गे औरे गे याब ह! गेई। म 1 । म 1उसकी सदु शां की! समझे
छे भ गे , ले फिकी इसस हले फिकी वोंह जीगे ले की अ धकी रे म (सम जी तं , उस मदुखोकीरे मझे
गेयागेयामझे 1एकी अदुश्Mया छेत्रछे या म (खोड़ा हूँ,D निजीस एलेएस कीह जी तं ह।

भगेवों वोंत्रध रे मनिहले की अ नितंम खो!जी

आजी जीब म 1बठ कीरे अ जी वों की नि रे शां जी की अस>लेतं ओं औरे उ आशां वों दु4 की! या दु कीरेतं हूँ Dजी! मझे निब फिकीस निवोंशांर्षों दु बों की प्र स्त हुए ह,1 तं! म 1याह स!चौंकीरे आश्चयाचौं4फिकीतं ह! जी तं हूँ Dफिकी क्या प्रकीMनितं की स था मं उलेझे (मरे भ तंरे दुब फिकीस भ"खो की रिरेण म हAथाA? मझे छेत्रकी कीकी कीयातंत्र मह लेले था4 चौंतंफिकी म 1 भ"ले गेया था ।

कीभ भ फिकीस स अत्यानिधकी लेगे वों मतं रेखो!। क्या म 1वों रे णस , एलेएस, सतं निजीतंद्र(, रेदु औरे उ मफि दुरे

स अनिधकी
जीड़ा हA था ? फिकीस भ प्रकी रे की लेगे वों स्वोंतं त्रतं की! ब निधतं कीरेतं ह। वों स्तंनिवोंकी स्वोंतं त्रतं की वोंले म आत्म ओं की! ह
प्र स्त ह!तं ह। औरे जी! म ह!तं ह,1 वों कीभ भ फिकीस स जीड़ा तं हA। याह की!ई नि निष्क्रंया या की रे त्मकी

दुशां4 हA ह।
इसकी निवों रे तं, की वोंले वोंह जी! अ स ह!तं ह,1 वों एकी सच्ची सकी रे त्मकी जी वों जी सकीतं ह।1
मरे भ वों त्मकी स्वोंभ वों, जी! प्रम औरे अनिधकी प्रम की ले लेस कीरेतं था , मरे निलेए एकी जी ले ब गेया था । म

1लेगे तं रे
एलेएस की सगे नितं खो!जी रेह था । जीब म 1 रे जी नितं की भ वोंरे स खोदु की! निस्थारे फिकीया औरे वों रे णस लेHट , तं! म 1 या
फिकी वोंह छे!ट स रिरेयाले की दुकी अब खो ले था । वोंह D अब एकी ई अ स ध रेण स दुकी चौंले रेह था ।

वोंह भ
औरे आस- ड़ा!स की अन्या ले!गे भ मझे उस मनिहले की ब रे म (की!ई जी की रे हA दु सकी , निजीस वों एकी गेले, ग्र,
अधभ"खो औरे आध फिदुम गे वों ले बफि ढ्या समझेतं था।

फि>रे भ , म 1 उस खो!जी की प्रया स फिकीया । ले फिकी वोंह म ! रे" तंरेह स गे याब ह! चौंकी था । मझे आजी

भ हA तं फिकी
म 1 अ नि बं स उसकी ब रे म (क्या हA छे" । ले फिकी ब दु की घट ओं मदे सदु ह म (डी ले फिदुया फिकी वोंह ए चौं औरे तंत्र की दुनि या
सतं प्रवोंMनि की व्यनि शां यादु उस 'बफि ढ्या ' स कीभ स की4 खो! ह हA ए था, निजीस ब की दुनि या

निवोंनिक्षास्त समझे निलेया
था ।

मरे निलेए ऐस दुश्Mया हमशां गेहरे अथा 4रेखोतं था।

अदुश्Mया स रेक्षा त्मकी ह था

अक्सरे जीब मरे म शां"न्या और ध धले ह! जी तं ह, तं! म 1एलेएस की स था अ अ नितंम महत्वों ण" 4बठ की की कीC कीरेतं हूँ।D जीब भ मरे आत्म ऊDचौं ई रे हुचौंDतं ह, वोंह अ प्रम और कीरुण स मरे आ तंरिरेकी चौंतं की! सह रे दुतं ह, और

म 1स्वोंया की! एकी चौंजी" की तंरेह सरे निक्षातं महस"स कीरेतं हूँ,D जीस फिकी कौंह ज्ञों ह!।Dकी खो

फि>रे भ , मरे हृदुया की गेह तंम की! म (अक्सरे एकी चौंमकीदु रे स क्ष्या की;धतं ह; और म 1स्वोंया स प्रश्न कीरेतं हूँ,D 'क्या वोंह सचौंमचौं अ तं म (निवोंले ह! चौंकी ह? याफिदु ऐस ह, तं! वोंह कीH ह जी! अजी ब घनिड़ाया म,(निवोंर्षोंम रिरेनिस्थानितंया म आतं ह? उस दुरे"स्था, अकी ले रे तं म (जीब म 1एकी खो!ए हुए क्षाण म (ओक्स की की अट वों Cकी दु की तंट रे एकी मनि क्सकी प्रनितंरू की अनितंम वों या शांनि या की स म कीरे रेह था , तंब मरे म गेदु4शां4 फिकीस फिकीया ? उसकी म क्या था ? मरे ?

और वोंह एकी अ धरे रे तं, जीब एकी और भ अ धरे प्रवों ह की स्वोंप्रमया प्रवों ह म (एकी सत्र चौंले रेह था ? वोंह रे तं मरे अ नितंम रे तं ह! सकीतं था । ले फिकी हA; म 1आजी भ जी निवोंतं हूँ,D और की!ई शांनि मझे बचौं रेह था , मझे अनिवोंचौंले, अचौंकी" म गे दु रेह था । फि>रे वोंह कीH था , जी! हुआ नि च्चौं "की चौंद्र गे> म (मरे स था था , जी! सया"-4प्रध म चौं "नि च्चौं "की ड़ा!स था या फि>रे, उस क्षा ण ले की रे, जी! कीई सH > ट गेहरे खो ई की! रे कीरे रेह था , जीह D मरे बढ़" कीदुम लेड़ाखोड़ा रेह था, अनिस्थारे था, की D रेह था? वोंह लेड़ाकी कीH था , जी! अचौं की कीहA स प्रकीट हुई और मझे म (स हस भरेतं हुए ब!ले , "एकी ब इस म गे 4 रे चौंले फिदुए, तं! छे मड़ा की की!ई उ या हA।"

या फि>रे, शां ह मतंMकी की गे> म?(क्या म 1वोंह D अचौंतं ह!कीरे हA निगेरे ड़ा था ? म 1एकी ऊDचौं चौंट्टा मचौं स निगें म 1 स्वोंया की! घ याले कीरे निलेया था । फिकीसकी ह था था निजीस मझे चौंतं म (लेHट या , हले मरे घ वों की! सह रे फिदुया फि>रे अचौं की निवोंलेप्त ह! गेया ? म चौं "नि च्चौं "की निवोंस्तंMतं, नि जी 4 क्षा त्र म,(जीह D म ले दुरे" तंकी दुनिMr जी तं था , वोंह फ्ले!रे(स इरिंटगे ले कीह Dचौंले गेई?

हA, एलेएस कीभ हमशां की निलेए हA गेई। बनिCकी, वोंह नि रे तंरे मरे स था रेह ह, हरे कीदुम रे, जीब भ म 1निगेरे , उस मझे सभ ले , जीब भ मझे सह यातं की आवोंश्याकीतं हुई, उस उस प्रदु फिकीया , और जीब भ म 1 अ अज्ञा तं म (अ क्षामतं स अनिधकी प्रया स फिकीया , उस मझे रे!की फिदुया । वोंह शां श्वतं, अनिडीगे, अ तं शांनि मझे कीभ छे!ड़ाकीरे हA गेई

मयाहे ह्म सज्ञा मलं क्हिAथा। क्षिकेबि रे म 1निवोंद्र!ह ब तं गेया , भ गेतं गेया । मह -मह तंकी मझे की!ई सरे क्षाकी दुतं" मझे सह रे दु रेह ह; म 1अ उच्ची अनिभम और उस जी वों की ऊष्म की अले वों फिकीस और चौं जी की रेवों ह हA कीरेतं था , जी! यावों ओं की! आत्म-मनिहम की घ तंकी रे ह रे धकी लेतं ह— वोंह आत्म-निवों शांकी रे म गे 4जी! आत्म-मग् धतं और अ ध प्रम म (व्यनि की! भस्म कीरे दुतं ह।

वों स की रे स्तं

मझे आजी भ इले ह ब दु की अ छे त्र वों स की वोंह दु! हरे या दु ह। जीब म 1ले गेइ स और की ज़ी निमया की स् तंकी की अभ्या स म (आध स अनिधकी व्यस्तं था , तंभ म 1 कीमरे म (एकी रिरेनिचौंतं उ निस्थानितं महस"स की । दुरेवों जी बदु और की डी ले

हुई था , फि>रे भ मई की गेम4 हवों म (एलेएस की शांरे रे की जी - हचौं खोशां ब "सम ई हुई था । म 1 दुरेवों जी की ओरे दुखो और महस"स फिकीया फिकी वोंह अ ण"4 कीदु म (वोंह D खोड़ा था ; ले फिकी इसस हले फिकी म 1निस्थानितं की! रे" तंरेह समझे तं , वोंह
अदुश्Mया ह! गेई।

याह अ भ वों वों स्तंनिवोंकी था या भ्रम, रे इस मरे म oनिस्थानितं की! रे" तंरेह अस्तं-व्यस्तं कीरे फिदुया था । मरे

स्ना तंकी!रे

रे क्षा की अ नितंम नितंनिथाया Dनि कीट थाA, और इस समया फिकीस भ तंरेह स निवोंचौंनिलेतं ह! खोतंरे की
था । ले फिकी म 1फिकीस

और चौं ज़ी रे ध्या की(फिद्रतं ह हA कीरे रेह था । मझे इस ब तं की अ रे धब!ध था फिकी नि छेले तं -चौं रे वोंर्षों'

की भ!गे-

निवोंले स और उच्छेM खोले जी वों म (म 1एलेएस की! रे" तंरेह भ"ले चौंकी था ।

उस रे तं म 1स! हA सकी । एलेएस की स था निबतं ए अ निगे तं सत्र की या दु (मरे बचौं स्मनिMतं म (दुHड़ा रेह
तं चौंले फिकी एलेएस की छे समया स अस्वोंस्था

था और मरे भ तरे इसकी स जी आवोंश्याकी था । ले फिकी याह जी की रे अधरे" और अस् r था , क्या फिकी मरे नि तं की! भ याह
हA तं था फिकी वोंह इस समया कीस Dथा ।

सकी अ जी ब स शा की शरेरे तं महसस ह! रेह था । अ तंतंo, म 1सब ह छेह बजी की Å कीड़ाकीरे वों रे णस की
निलेए नि कीले

म 1गे! दुदु की स गेया, ले फिकी उन्ह (म की छे झांतं हA थुा। उन्ह बस इतं कीह फिकी याफिदु एलेएस चौं हतं ह!गे फिकी
ह! गे फिकीस भ जीस आकी! भ और आकी(लेतं स झिंवोंचौंतं हुआ।

म 1उस खो!जी नि की ले"D, तं! अवोंश्या खो!जी ले"Dगे । म 1सतं निजीतंद्र(की स गेया , ले फिकी उन्ह भ याह कीह फिकी याफिदु
घरे हचौंD रे म 1 अ नि तं की! मरे इ तंजी रे कीरेतं हुए या । उ स मझे
वोंह मझे स निमले चौं हत ह, तं! रे स्तं अ आ निमले जी एगे । "याह उसकी लिंचौंतं ह, तं म्ह रे हA," उन्ह आश्व स
फिदुया ।

म 1लेगे तं रे खो!जी कीरेतं रेह और अ तं म (मनिणकीर्पिणकी की एकी वोंद्धM की स हुचौंD । उस भ वोंर्षों' स एलेएस की! हA स ध
दुखी या क्यों कीरे उस ममझे दुरे म (जी कीरे दुखो की सले ह दु । वोंह D भ रेवों की मफि दुरे म (एकी वोंद्धM
निमले , निजीस मरे ब तं स कीरे आDखो म रे और मझे बठ की! कीह ।

आध घ ट की असह या इ तंजी रे की ब दु वोंह लेHट और मझे स कीह फिकी म 1अगेस्त्याश्व रे की प्र चौं मफि दुरे की ओरे जी ऊD। ' सकी रे गेनिलेया की ब चौं एकी उजी ड़ा खोडी हरे ह। ह ड़ा रे चौंढ़!, ध्या स दुखो !, तं म्ह (वोंह D एकी झे की हुआ ट्स्वोंरे निमलेगे वोंहA!"

वोंह D की सकी रे गेनिलेया Dइतं तं गे थाA फिकी उ म (सरे"जी की रे!शां भ दु! हरे की समया ह प्रवों शां कीरे सकीतं था । अ तंतंo मलेब की उस ह ड़ा और झे की हुए मफि दुरे की अवोंशांर्षों की! ढं"Dढ़ नि की ले । उस दुखो तं ह म 1फिकीस अ जी शांनि द्वी रे लिंखोचौंतं हुआ उस ओरे बढ़ लेगे । म 1 ध रे स की रे , "म !D" और गे गे लेगे ।

उस खोडी हरे की अ तं म (झे निड़ाया और की क्टस स निघरे एकी छे!ट स उ त्याकी ए D म स्था था । म की एकी निवोंशां ले वोंक्षा वोंह D छे या और म ब ए रेखो हुए था । वोंहA, मलेब की ढं रे की भ तंरे गेहरे निछे वोंह जी ण-4शां ण 4मफि दुरे निस्थातं था । म 1स वोंध वों"की4 चौं उतंरे । वोंह D की ऊजी 4अब स् r और तं व्र था । म 1 > स> स कीरे की रे , "म !D" और उस क्षाण मरे आत्म फिकीस अदुश्Mया शांनि की भDवोंरे म (सम गेई। म 1तं जी स की छे ह कीदुम म (मफि दुरे की भ तंरे हुचौंD गेया ।

वोंह D वोंह था , निशांवोंलिंलेगे की आध रे स रिटकीकीरे, गेHरे ठ रे बठ हुई, ठ की उस मद्र म (जीस म 1 हले ब रे उस चौंHखो
की निशांवों मफि दुरे म (दुखो था । एकी ह दुनिMr म (म 1 कीट सत्या की! समझे निलेया —याह अ तं था ।

उसौंकी श्यारे रेभसखोवोंक्षा सकी निचौंतं ह! गेए था, उ की ब!झे स दुब ले4 जीघ ओं रे झे"ले रेह था। जीस एकी प्र चौं
वोंक्षाM की! दु मकी ध रे -ध रे खो रेह ह!, वोंस ह उम्र उस की तंरे रेह था । म 1उस रिरेनिचौंतं, गेHरेवोंशां ले व्यनि त्वों की अ नितं
अवोंशांर्षों की! दुखो रेह था । फि>रे भ , वोंह D एकी सगे ध व्य स्त था —वोंह जी - हचौं चौंदु की सवों स, निजीस मरे बचौं
की स्मनिMतंया की! o जी निवोंतं कीरे फिदुया । (सभ इ फिद्रया म,(गेध सबस अनिधकी अतं तं की! जीÂनिवोंतं कीरे म (सक्षाम
उसकी बड़ा , चौंमकीतं आDखो (अब आध बदु थाA, औरे वों मझे गेहरे ई स भ दु रेह थाA। म 1बस उस दुखो तं रेह , असह या। म 1
उसकी स बठ , उसकी ह था की! अ ह था म (निलेया , ले फिकी की छे कीह की निलेए शांब्दु हA था।
फिकीस तंरेह स हस बट!रेकीरे म 1 ध रे स उसकी की म (कीह , "तं म अब हA जी सकीतं । क्या तं म स रेह ह!? हA... मझे
अभ तं म्ह रे जीरूरेतं ह। हले स कीहA अनिधकी। म 1 हूँ।D"
उस मझे अ आलिंलेगे म (भरे निलेया । आश्चयाजी4 की रू स, उसकी कीड़ा अब भ मजीबतं" औरे जी वोंतं था । उसम (की!ई
कीमजी!रे हA था । उसकी कीड़ा सदु ढ़M, ऊजी वों4 औरे गेहरे था , म ! वोंह मझे अ सवों4स्वों दु की निलेए सकी निC तं ह!। म
सह यातं की निलेए की रे चौं हतं था , ले फिकी की!ई अज्ञा तं शांनि मझे ट"ट स बचौं रेह था ।

फि>रे भ , एकी अदुश्Mया स हस मरे भ तंरे ध रे -ध रे ब तं जी रेह था । उसकी शांरे रे क्षा ण ह! रेह था , ले फिकी उसकी
इच्छे शांनि की अनिग्न प्रज्वोंनिलेतं था । तंभ मझे एहस स हुआ फिकी अ तं नि कीट था । म 1व्य की ले ह! उठ ।

अ नितंम आस

एकी सस रे निजीसम (वोंह हA था , मरे निलेए अकीC या था । याद्यानि म 1स्वोंया की! उसस ले ब समया तंकी दुरे" रेखो चौंकी थ
हमशां याह
अहस स था फिकी वोंह मरे स था था । उसकी स हस मरे स हस था , औरे म 1स हस ब ; उसकी नि भÂकीतं औरे स् rतं मरे
व्यनि त्वों की निहस्स ब गेईं; उसकी नि रे तंरे खो!जी औरे प्रश्नशां लेतं मझे भ निजीज्ञा स औरे सतंतं प्रया सशां ले ब फिदुया ।
म 1निजीस ओरे भ बढ़ रेह था , एकी औरे अ भ वोंगेम्या शांनि मझे गेनितं दु रेह था । म 1एकी थाकी हुआ तं रे की था जी! बस जीले
रे तं रेतं रेह की निलेए निवोंश्रे म कीरे रेह था —याद्यानि ध रे की मझे रे नि यात्र ण था , फि>रे भ मझे आशां था फिकी अ तंतंo
इस अवोंनिध म (प्रा सकी रे लेरेDगे औरे की!ई प्रकी! रे केकीसर्जी ओDगे। गेजी रे था , फि>रे भ मरे भ तंरे कीहA गेहरे मझे

अब वोंह चौं हतं था फिकी म 1फि>रे स तं रूD। ह ले Dफिकी म 1एकी निशांनिथाले आस म (बठ था , म 1उसकी सतंतं जीÂवों शां
अवोंगेतं ह! गेया । वोंह मझे उस आस म (ब Dध रेह था , निजीसम (वोंर्षों हले , जीब म 1म त्र एकी ब लेकी था , उस मझे ब Dध
था । उस मझे स कीह फिकी म 1उस 'तं या रे' कीरूD। म 1 नित्रभ जी की रे" आध रे की! निवोंत्र फिकीया ; उस निवोंनिध स निजीस
था —लिंसदुरे" औरे घ (रे ऑक्स इडी औरे नि घले हुआ मक्खो) स निवोंत्र कीरे फिदुया । तं त्र म (रे की! एकी अत्यातं
शांनि शां ले म ध्याम म जी तं ह, औरे इस निशांवों की 'ब जीध रे वों या'4 की सम सजीM त्मकी प्रभ वोंकी रे म गेया ह।
इसकी श्च तं ।म 1 एकी दु प्रज्वोंनिलेतं फिकीया औरे ध" बनिया D जीले ईं। तंत् श्च तं, म 1 जी घ की मध्या स्था की! ले ले की रे की
>"ले स ढंDकी फिदुया ।

मरे ध्या म (वोंह स्था बढ़ लेगे , याह Dतंकी फिकी उस मरे रे" अनिस्तंत्वों की!, मरे कीC की! घ रे निलेया औरे स "ण 4जी वों

औरे सजीM की निलेए एकी फिदुव्य द्री रे ब गेया । एकी प्रज्वोंनिलेतं आभ मडी ले मरे सम् "ण 4अनिस्तंत्वों की! घ रे निलेया । मरे

हथानि लेया Dउष्ण तंरे गे की! महस"स कीरे सकीतं थाA, औरे निजीतं अनिधकी याह् गेम 4हट निले टतं गेई, उतं ह अनिधकी दुढ़Mतं स म 1 उस कीड़ा निलेया । की छे समया श्व तं,i जीब याह् तं व्रतं अ चौरेम स म रे था औरे म 1एकी चौं खो दु ह वों ले था , तं!

अचौं की मझे म (एकी रिरेवोंतं4 आ गेया ।

एकी शां नितं औरे सरे क्षा की भ वों मरे स्ना यातं त्र रे उतंरे आया । एकी ठ डी आ दुमया ध रे मझे रे" तंरेह

डी ब! फिदुया , मरे

सम् "ण 4अ भ "नितं रेकी अनिस्तंत्वों की! ब ढ़ की तंरेह भरे फिदुया । अब हम शांरे रे स शांरे रे तंकी एकी की रे ह! चौंकी था, औरे उसकी

गेले म (ड़ा म की की म ले , जी! हम दु! की ब चौं झे"ले रेह था , सजी वों ह! उठ । म 1 उ निचौं गे रिरेया की!

मझेकी हA दुया फिकीस र्लेब दु रे म 1क्या रे! लेगे , ले फिकी तंभ एकी निवोंनिचौंत्र घट घट निजीस मझे महस"स फिकीया

औरे निशांनिथाले स्तं स दुध" बह लेगे ! म 1 आश्चयाचौं4फिकीतं ह!कीरे इस दुखो । " ओ! ओ!" एकी की!मले आदुशां स ई फिदुया । जी! उस ऊजी 4की जी स प्रकीट ह! रेह थाA। वोंह की छे मूत्र की उच्ची रेण कीरे रेह था , निजीन्ह (म 1आ निशांकी " ओ औरे शांनि शां ले ब !। याह म 1हूँ।D याह ह। याह सदु की निलेए ह। "

वोंह अ रे निजीतं स्तं!त्र की जी कीरे रेह था ।

औरे म 1 नि या । म 1 तं रेह , तं रेह । मझे हA तं फिकीतं दुरे तंकी। फिकीतं अनिधकी। की छे क्षाण ऐस ह!तं ह 1जीब की!ई फि>ने वोंह मझे रेकीनिक्षाण कीरे म (व्यस्तं ह! गेई "ॐ जीं ... ह्रींA ... " ... म (स एकी था ।"

सभ शांनि या D, सभ ऊजी ए4D, सभ प्रभ वों स्वोंया की! व्य कीरे की निलेए फिकीस भHनितंकी म ध्याम की खो!जी कीरेतं ह।1 ज

शांनि दु था 4 हA ह, रे तं इस दु था 4की म ध्याम स प्रवों निहतं फिकीया जी सकीतं ह। वोंह दुध" दु था 4था , म ध्याम था , फि>

की वोंले दु था 4 हA था । याह उसकी स रे था ।

याह शांनि शां ले था । उस ज्ञा तं था फिकी मझे उसकी आज्ञा ओं की! रे" कीरे की निलेए शांनि की आवोंश्याकीतं ह!गे । वोंह मझे तं या रे कीरे रेह था ।

श्व तं दु 4औरे निचौंत्र गेMह

इस शांरे रे की स्थाले"तं हम रे चौंतं न्या रे इतं प्रभ वों ह!तं ह फिकी हम अक्सरे इसकी दुब वों म (अ इ फिद्रया की! ब निधतं ह! दुतं ह।1 म स औरे हनिÄया की इस दु वों रे की निवोंरुद्ध हम रे सक्ष्"म ऊजी ए4D, जीस फिकीस कीठ!रे चौंट्टा स टकीरे तं प्रचं ध रे , ब रे-ब रे आघ तं कीरेतं ह,1 लेटतं ह,1 झे गे औरे उ जी स भरे जी तं ह,1 औरे o आघ तं कीरेतं ह।1 इस प्रफिक्रंया म (प्रगेनितं अवोंरुद्ध ह!तं ह, की वोंले अगेले क्षाण दु!गे ऊजी 4स आगे बढ़ की निलेए। हम भ"ले जी तं ह 1फिकी इस भHनितंकी जी दु था 4की वोंले एकी अनिभव्यनि ह, जी! वों स्तंवों म (अनिधकी सक्ष्"म अनिभव्यनि या की आकी क्षा रेखोतं ह औरे शांरे रे की! की वों म ध्याम की तंरेह उ या!गे कीरेतं ह।

चौंतं न्या, जी वों , सवों दु ए,D इच्छे शांनि —या सभ की वोंले इस जीड़ा शांरे रे म (बदु फिकीस रेहस्या की! व्य कीरे की प्रया स कीरे रेह ह।1 वोंह रेहस्या क्या ह? वोंह फिकीस प्रकी रे सचौं निलेतं ह!तं ह? क्या की वोंले म ष्या ह इस फिक्रंया वों दु प्रण ले की अध

याह फिक्रंया एD क्या ह?1 वों की स ह!तं ह?1 क्या ह!तं ह?1 कीH या क्या प्रेरे ण दुतं ह? वोंह ऊजी 4स्रो!तं कीह Dह जी! हम

स , स् शां4 कीरे , सघ" , आश्वया 4कीरे , प्रया स कीरे , प्रनितंस् ध 4कीरे , न्या या कीरे , वोंगेÂकीरेण कीरे , कीनिवोंतं निलेखो , निचौंत्र ब , त्थारे तंरे शां , घरे ब , ब गे चौं सवों रे , जीह् जी , बदु की" औरे रेम ण बम की आनिवोंष्की रे कीरे की शांनि प्रदु कीरेतं ह?

हम भ"ले जी तं ह 1फिकी याह शांरे रे ह सब की छे हA ह; याफिदु की छे भ ह, तं! याह की वोंले एकी स् r उ निस्थानितं

म त्र ह, जीस फिकी

फिकीस निचौंत्र गेहM म (स> दु दु 4। इस रे ह सस रे की टकी रिरेलेनिक्षातं ह!तं ह, औरे इस रे!चौंकी टकी की भ वों त्मकी

प्रभ वों म (निलेप्त ह!कीरे, हम जी ब"झेकीरे भ"ले जी तं ह 1फिकी हम वों स्तंवों म (कीH ह 1औरे हम (दु Ô रे चौंले रेह

दुश्Mया हसD औरे

रे! की निलेप्त ब ध्या फिकीया ह। इस अ धरे कीक्षा म,(हम अ नित्रआया म वों स्तंनिवोंकीतं की! छे!ड़ाकीरे दु!-आया म भ्रम की!

स्वों की रे कीरे ले तं ह।1 इस सम्म!निहतं कीरे दु वों ले तंम शां म (हम स्वोंया की! उस मगेMतंMष्ण की स था जी!ड़ा

ले तं ह 1जी! वों स्तंवों म (

की वोंले एकी छेले वों ह।

औरे याफिदु याह सभ वों ह, तं! क्या हम इस निवोंनिचौंत्र टकी की! फिकीस औरे स्था , फिकीस औरे दुनिMrकी!ण,

फिकीस औरे आया म म (

ले-जी कीरे फिकीस चौंHथा आया म की ओरे उन्मखो ह! जी ए?D एकी स्वों कीMतं तं -आया म जीगेतं स रे भ एकी औरे आया म ह।

हम की वोंले तंभ उस आया म की शांनि की! समझे सकीतं ह 1जीब हम अ आध्या नित्मकी उच्चीतं ओं तंकी उठ सकी(।

एकी चौंHथा

आया म अवोंश्या ह। निजीस हम अ वों स्तंनिवोंकीतं म तं ह,1 वोंह की वोंले एकी म ध्यानिमकी शांनि की नि र्पिमतं म या ह, जी! हम (

एकी छे या प्रदुशां 4 म (उलेझे ए रेखोतं ह। वों स्तंनिवोंकीतं हम रे कीड़ा स रे निछे रेहतं ह। अनिधकी शां ले!गे इस

भ्रनिमतं कीरे वों ले सनि लेप्ततं की! म या की खोले म तं ह।1 याह अवों स्तंनिवोंकी हA ह; याह जीरिटले ह; औरे

इसकी सबस बड़ा प्रभ वों याह ह फिकी याह हम (समया-समया रे म!निहतं औरे भ्रनिमतं कीरेतं रेहतं ह, निजीसस हम सत्या की!,

वों स्तंनिवोंकीतं की!, औरे अ तं की! की रे दुतं ह।1 इस सफिक्रंया भ गे दु रे की सस रे म,(जीह D जी वों औरे मत्Mया

नित्रभ जी म (सतं ले ब तं हुए खोले तं ह 1औरे अस्था या दुशां4की की

म !रे जी कीरेतं ह,1 हम रे" तंरेह स इस सम्म!हकी म या की प्रभ वों म (ह!तं ह।1 जीस गेभ4 म (भ्र"ण जी वों द्रव्य म (तं रेतं रेहतं

ह, जी! जीन्म की ब दु त्या ज्या ह! जी तं ह, वोंस ह म या हम (इस सस रे म (तं रे की सनि वोंध दुतं ह तं फिकी

हम एकी ए जीन्म

की अ भ वों कीरे सकी(। अब शांरे रे म (हA, बनिCकी आत्म म (एकी या जीन्म। जीब हम वों स्तंवों म (जीन्म ले तं ह—1याफिदु कीभ ले तं

ह—1तं! याह सब की छे, निजीसस हम निघरे हुए ह,1 त्या ज्या ह! जी एगे । इस स् r झे"ठ की! वों स्तंनिवोंकीतं म ले

भस वोंह सत्या की! की रे हA रेह था फिकी वोंह हमेशां की निलेए दुरे" जी वों ले था । अनिवोंची

(अज्ञा) ह; औरे इसकी वों स्तंनिवोंकी स्वोंरू की! समझे ले निवोंद्या (सच्ची ज्ञा) ह, निजीस बHद्ध धम 4म (प्रज्ञा रेनिमतं की रू म (

जी" या म जी तं ह, औरे जी धम 4म (सरेस्वोंतं की रू म (प्रनितंनिष्ठतं फिकीया जी तं ह। म 1अ निवोंचौं रे म

(इतं गेहरे डी"ब हुआ था फिकी तंत्की ले रिरेनिस्थानितंया स रे" तंरेह स कीट चौंकी था। ले फिकी वोंह मरे

निवोंचौं रे की! ठ की वोंस ह समझे रेह था , जीस की!ई की शांले निशांकी रे अ लेक्ष्या की दुनिचौंह् की अ स रेण कीरेतं ह। आसन्न

त्र सद की भया मझे भ तंरे तंकी निहले फिदया था। म 1 उस हमशां की निलेए अ म निलेया था।

म 1निबखोरे गेया। जीस ह मरे निसरे उसकी वोंक्षा रे झे की , म 1>"ट->"ट कीरे रे! ड़ा। मझे उसकी की!मले ह् था की उDगेनिलेया Dअ

ब ले म (महस"स हुईं। उस मरे निसरे की! अ वोंक्षा स औरे अनिधकी कीसकीरे लेगे निलेया। म 1 श्च तं स भरे गेया। गेह्रे दुo खो

की एकी तं त्र लेह्रे मरे चौंतं की! जीकीड़ा निलेया। म 1 कीरिठ ई स रुकी-रुकी कीरे कीह , "म 1 तं म्ह् रे उ क्षा की ह, म D। म 1 रे स्तं स भटकी गेया था। म 1दुडी की त्र हूँ;D ले फिकी इस ब रे मझे एकी मHकी दु!। एकी अ नितंम मHकी।"

अ नितंम स>रे

वोंह् ब!ले लेगे। उस म Dगे। म 1 रिरेनिचौंतं कीमडी ले की! उसकी मह् D की स ले गेया , ले फिकी उस अ ह् ठ उसम (हA लेगे ए। "कीट!रे की उ या!गे कीरे!," उस कीह्। म 1 तंले की कीट!रे की उ या!गे फिकीया। उस ले ब घ"Dट भरे औरे फि>रे ब!ले , "याफिदु म 1तं म्ह् (दुडी भ दु,D" तं! वोंह् भ तं म्ह् रे निलेए आशां वों दु4 ह ह्!गे , निप्रया। या दु ह की ले भ रेवों मफि दुरे म (हम

रे ड़ा वों ले सख्तं स खो? याह् भ रेवों की म गे 4ह्— स् r औरे सच्ची , बशांतं Ôफिकी तं म अ प्रनितं ईम दु रे रेह्!। अब तंकी

तं म स्वोंया की! ध!खो हA फिदुया। की!ई व्यनि फिकीस औरे की! ध!खो दु स हले स्वोंया की! ध!खो दुतं ह। म की जीरिटले सस रे म (आघ तं कीरे वों ले हले स्वोंया आह्तं ह!तं ह, लिंह्सकी हले स्वोंया निड़ातं ह!तं ह।

"क्या तं म्ह् रे स सचौं म (की!ई की रेण ह फिकी तं म इतं ह्तं शां औरे आत्मग्ले नि स भरे ह!? आत्म सदु शां द्ध औरे

सशां

कीरे

द्ध!बं ह। इसनिलेए उस रे नि निष्क्रंया श्च की मले मतं लेगे ओ। अवोंस दु एकी ऐस निवोंर्षों ह जी! स् r स!चौं की! r दुतं ह। मत्Mया ह सत्या ह; एकीम त्र सत्या। मत्Mया ह समया की ण"4 उद्धा ट ह। मत्Mया की स म कीरे! औरे

उसकी सम्म

कीरे स खो!। कीभ ह रे मतं म !, कीभ झे की! मतं, जी वों की स्वों म की आगे कीभ निसरे मतं झे की ओ। मत्Mया उस रेथावों की

तंरेह् ह, जी! जी वों की! ' श्चरेतं ' स 'अ श्चरेतं ' की ओरे ले जी तं ह। याह् मतं स!चौं! फिकी इस भHनितंकी जी वों म

(क्षानिणकी

घट एD आत्म की वों स्तंनिवोंकी शांनि की! सम प्त कीरे सकीतं ह।1

"सभ वों एकी स!या हुआ ब जी ह, जी! सह् दुखो भ ले स o जी ग्रेतं ह! सकीतं ह। इस सम की सस रे म (की छे

भ

वों स्तंवों म (सम प्त हA ह!तं। उठ!, सघ र्षों4कीरे!, जी गे!, क्या फिकी जी वों सतंतं प्रया स की प्रफिक्रंया ह।

" वों निहले सकीतं ह, ले फिकी की शांले सचौं ले स मनि ज़ीले तंकी हुचौंD जी सकीतं ह। जी वों म (की छे भ

हमशां की निलेए खो!या

निहम्मतं

हA जी तं , औरे की!ई भ कीस अ नितंम हA ह!तं। हरे तं म (एकी उठ की सभ वों नि निहतं ह!तं ह। जी गे!, कीरे!, सघ र्षों4कीरे! औरे प्रया स कीरे!। प्रया स सजीM शां लेतं स भरे रे" ह!तं ह। "मझे तं ह, औरे भले फिकीस तं

ह!गे ? मझे तं ह फिकी तं म्ह् रे निलेए या Dचौं स ले अत्यानिधकी कीरिठ रेह् ह।1 तं म्ह् (अ की

फिकीतं ब रे

प्लो!भ की दुHरे स गेजी रे ड़ा। तं म कीई ब रे दुब ले4तं की अ भ वों फिकीया , ले फिकी याह् भ या दु रेखो! फिकी

~~तं म अ आत्मशांनि स निवोंजीया प्र स की ह। तं म्ह् (आस की कीले म (दु निश्चातं फिकीया गेया था ; तं म~~

नि भÂकी वों रेव्रतं की

म गे 4 रे था। औरे म 1तं म्ह् रे स था हूँ।D म 1हमशां रेहूँगेD।

"या Dचौं स ले कीरिठ तंम रेह् ह,1 ले फिकी इन्हA वोंर्षों' तं म्ह् (गेढ़ भ ह। जी वों या त्र म (कीरिठ इया

"गेरु द्वी रे ब!या गेया ब जी निशांष्या की आत्म म (अ की रिरेतं ह!तं ह; औरे इसकी गेभ 4वोंनिध नि निश्चतं हA ह!तं , ले फिकी इस
शां कीभ हA ह!तं । याफिदु इस जी वों म (हA, तं! फिकीस औरे जीन्म म,(फिकीस औरे रू म,(याह ब जी अवोंश्या अ की रिरेतं ह!गे
याफिदु याह सत्या ह!तं , तं! याह सस रे औरे उसकी प्र कीMनितंकी व्यवोंस्था ए Dट"टकीरे निबखोरे जी तंA।

"मतं रे!ओ। याह ट"ट की क्षाण हA ह। क्या म 1एकी अस्था या निवोंश्रे म गेहM स एकी स्था या नि वों स की ओरे हA जी रेह हूँ?D
सचौं याह ह फिकी म 1की छे समया की निलेए तं म्ह रे दुनिMr स दुरे" जी रेह हूँ,D ले फिकी म 1तं म्ह रे अनिस्तंत्वों म (सम निहतं ह!
याह शांरे रे चौं तंत्वों की ऋण ह, औरे याह ऋण चौंकी ह ह!गे । मत्Mया म (हम एकी ह! जी तं ह।1 जी वों हम (अलेगे कीरेतं ह,
ले फिकी मत्Mया हम (बरे बरे रे ले दुतं ह। मझे स दुरे" मतं रेह!। मरे अ नितंम आशां वों दु4 ले!। स आओ। म 1 तं म्ह (इस क्षाण

निलेए बलेया था । क्या तं म हA समझेतं ?"

की छे दुरे रुकीकीरे उस स Dस ले । म 1 उस फि>रे स कीट!रे दु , औरे उस था!ड़ा औरे नि या ।

फिदु नि कीट आ रेह था , औरे दुरे" स घ रिटया की आवों ज़ी स ई दु रेह था । अगेस्त्याश्व रे मफि दुरे म (श्रेद्ध ले अ अ ष्ठों म (
व्यस्तं था। जी वों अ गेनितं स चौंले रेह था , इस ट"ट ->"ट की रिटया म (जी! ह! रेह था , उसस अ निभज्ञा। तंभ अचौं की, उस
अ धरे गेभ4गेहM म,(जीह D लिंलेगेम एकी फिदुव्य टकी की अ नितंम गेवों ह दु रेह था , एकी फिदुव्य प्रकी शां >"ट ड़ा ।

एलेएस अ आDखो (खो!लेA, अ निवोंदु ई की क्षाण म (स D की ओरे दुखो तं हुए कीह , "जी ओ, स्वोंतं त्रतं की ओरे रे(गे!,

ले फिकी मझेतं भ"ले ।"

याह कीहतं ह म 1 उसकी चौंह रे की! दुखो , जी! एकी प्रकी शांमडी ले स निघरे हुआ था । वोंह दुश्Mया मरे निलेए

चौं;की वों ले था । औरे
तंभ , उस शां तं स्वोंरे म (कीह , "मझे ण"4 रू स अ आलिंलेगे म (ले!, जीस हले निलेया कीरेतं था। इस ब रे म
1अ रे
तं म्ह रे चौंक्रं की चौं रे ओरे हA डी ले सकी"Dगे , ले फिकी तं म कीरे सकीतं ह!। औरे तं म कीरे!गे। वोंत्र हट दु!, जीले

की! स् शां4 कीरे!,
औरे आओ। इस अ नितंम ब रे, इस सबस गेह क्षाण की निलेए। याह स्मरेण रेहगे ।"
अचौं की म 1 उस रे!की । "म 1 हले जीस हA रेह , म ,D" म 1 कीह । "अब म 1उतं निवोंत्र औरे सरेले हA रेह ।"

उस मझे ब!ले हA फिदुया । उस मरे ह था कीड़ा निलेया औरे की D तं आवों ज़ी म (कीह , "समया जी रेह ह।

हम रे स
बहुतं ले ब स>रे ब की ह। स आओ। औरे स। तं म छेतं ओगे हA। आओ, आओ।"
औरे म 1 छेतं या हA। औरे अब भ छेतं वों हA ह। समया ब तं गेया, जीस आलिंलेगे म (बधD ह! अनिस्तंत्वों
अ शांरे रे की अ निवोंत्रे ह! की अहस स था । की छे
ह समया हले याह वों स ओं की दुलेदुले म (डी"ब हुआ था । ले फिकी अब म 1नि लिंश्चतं था । म 1 जीनि4न्मतं अ भ वों कीरे रेह था ।
अ जी
म 1 उसकी ह था की! अ निसरे रे आशां वों दु4 दुतं हुए सह्म"स फिकीया । "नि रे शां मतं ह!।" उस कीह । "म 1तं म्ह (कीभ छे!ड़ागे"D
फिदुव्यतं म (सम निहतं ह! गेए ह । स्मनिMतं की स रे निचौंह एकी अथा ह स गेरे म (निवोंले ह! गेए। वोंह अ नितंम
निमले , वोंह अ नितंम
हA।"
सवों दु, वोंह अ नितंम या त्र , निजीस मरे समस्तं अनिस्तंत्वों की! बदुले फिदुया ।

म 1अ म की निस्थानितं की! ले कीरे अ वोंश्याकी रू स लिंचौंनितंतं था । मझे

जीस ह उस मझे स की छे और कीह की की!निशांशां की , म 1भयाभ तं ह!कीरे दुखो तं रेह । उसकी शांरे रे ढं ले ड़ा रेह था । ध रे -
ध रे , उसकी अ गे निशांनिथाले ह! रेह था। म 1 उस स वोंध वों"की4 धरेतं रे निलेट फिदुया । स D लेHट आए था, उसकी स निले
लेगे था। उसकी निसरे की चौं रे ओरे प्रकी शां की मडी ले अब भ ब हुआ था । म 1 उस फि>रे स की छे फिदुया ।

अ नितंम निशांक्षा

अचौं की वोंह एकी ई ऊजी 4की स था ब!ले लेगे ।

"आनिखोरेकी रे तं म लेHट आए। याह आश्वस्तं कीरे वों ले ह। म 1प्रतं क्षा कीरे रेह था । और म 1प्रतं क्षा कीरेतं । मझे अब तं म्ह रे ज़ीरूरेतं था । म 1उस चौं ज़ी की! त्या गे हA सकीतं था जी! मरे हA था । मरे स आओ। और नि कीट आओ। ऐस ह हम आरे भ फिकीया था । हम एकी फिदुशां म (शां रू फिकीया था , अब इस उलेट ह!गे । अब तं म्ह,(मरे जीगेह, सफिक्रंया ह! ह!गे । सफिक्रंया ब रेह!। तं म मरे फिक्रंया शां लेतं की स्रो!तं ह!। की वोंले इसकी उ या!गे भले ई की निलेए कीरे!।

"भले ई क्या ह? इसकी लिंचौंतं मतं कीरे!। भले ई वोंह ह जीब तं म अच्छे महस"स कीरे!। आ दु सनिMजीतं कीरे म,(आ दु > ले म।(भगेवों की सबस मह रेचौं एकी स ध रेण >"ले ह, एकी छे!ट नितंतंले ह; म ष्या की सबस मह उ लेनिब्ध याह ह! सकीतं ह फिकी वोंह फिकीस की आDस "की एकी बदु"D छे दु और उसकी जीगेह एकी मस् की ले दु। याह हमशां भले ई ह!तं ह। गेहरे दु शांनि4 की वों दु-निवोंवों दु म (मतं ड़ा!। शांब्दु कीहA हA ले जी तं।

"जी वों की! सभ ले!, मत्Mया अ आ सभDले जी एगे । एकीम त्र सनि निश्चतं चौं ज़ी, निजीस फिकीस प्रम ण की आवोंश्याकीतं हA, वोंह मत्Mया ह। जी वों निमट्टा म (ह; जी वों जीले, वों या और थ्Mवों म (ह। जी! इ तंत्वों की नि कीट रेहतं ह,1 वों ह ईश्वरे की स्तंरे रे अ सबस प्रभ वों

ऊजी 4की! सनि चौंतं रेखोतं ह, जी! उनिचौंतं प्रज्वोंले और उ जी रे कीभ भ निवोंस्>!ट कीरे सकीतं ह। क्षा!भ (आवोंगे उत् न्न कीरे वों ले ऊजी)4 की! आह्वों कीरे आवोंश्याकी ह। रु षों की स्वोंभ वों ब हरे स निवोंद्यातं मया ह!तं ह, ले फिकी भ तंरे स चौंब की या। प्रकीMनितं की स्वोंभ वों इसकी निवों रे तं ह!तं ह— ब हरे स चौंब की या और भ तंरे स निवोंद्यातं मया। जीब या दु! ए

सतं ह।1 उ की नि कीट रेह!। उ की Hरुषों वों स्तंनिवोंकी रु षों था 4ह; प्रकीMनितं भ ज्वों ले मखो

ह!तं ह,1 तं! उ की घर्षो4ण स उत् न्न ऊजी 4म वों व्यनि त्वों म (शांनि की सचौं रे कीरेतं ह, और याह तं नित्रकी शांनि की आशां वों ब जी तं ह। याह सबस अनिधकी स दुगे म,(निमट्टा की स ध- स ध ले!गे , जी जी नितंया , और श्रेनिमकी म (ई जी तं ह। रू , निशांr चौं रे और औ चौं रिरेकीतं की बदु इस स ध म (समर्पि तं ह! कीरिठ तं ह।1 उ की चौंतं न्या अ ह कीनिC तं लिंबब म (उलेझे रेहतं ह। म वों की भनिवोंष्या की नि म 4ण की निलेए, हम रे आ तंरिरेकी आत्म ओं की र्पि म 4ण प्रकीMनितं की सरेले रे!शां म (कीरे आवोंश्याकी ह।

"निजीस तं म उच्ची, मह , निवोंशांर्षो निधकी रे प्र त्त म तं ह!, वों की वोंले रे गेम चौं की कीठ तं निलेया Dह।1 वों आतं ह 1और चौंले ले फिकी निमट्टा ब रेहतं ह, थ्Mवों ब रेहतं ह, और इस धरेतं रे फिकीया गेया की या 4ब रेहतं ह। या कीभ हA बदुलेतं । निमट्टा की सरेले ले!गे की स था रेह!। वों जी निवोंतं रेहगे(। उ की ह तं त्र ह। वों सतं निr की आ दु ले तं ह।1 उ की जी वों की दु सरेले ह!तं ह। फिकी उ ले!गे की , निजीन्ह (तं म निवोंशांर्षो , उच्ची म तं ह!।

"तं म क्या रे! रेह ह!? क्या म 1 तं म्ह (इसकी निलेए तं या रे फिकीया था ? म 1आतं हूँ Dऔर म 1जी तं हूँ।D तं म्ह (ह मझे एकी भव निवोंदु ई दु ह। फि>रे भ , याह निवोंदु ई हA ह। म 1हमशां तं म्ह रे नि कीट रेहूँगेD । की वोंले सच्ची रेह!, ईम दु रे रेह!, हम रे सकी C और आस की प्रनितं नि ष्ठों वों रेह!। म 1तं म्ह रे हूँ,D हमशां की निलेए। क्या तं म मझे अ स था रेखो!गे ? क्या तं म

मझेस याह वों दु कीरे सकीतं ह!?"

म ले म (जीस प्र ण आ गेए था, औरे वों निहले लेगेA। म 1याह दुखो कीरे भयाभ तं था फिकी म!नितंया की ढं रे की ब चौं दु! जी निवों
लेहरे तं हुए अ जीगेह ब रेह था। म 1 हले भ उन्ह (दुखोंकी था।

उसकी शांरे रे आध मझे रे झे की हुआ था , इसनिलेए म 1उ जी वों की! महस"स फिकीए निब हA रेह सकी। मरे स्वों भ निवोंकी की , निजीस उस भ महस"स फिकीया ह!गे , उस हCकी मस् की म (तं!ड़ा फिदुया।
उस अ ह था उ रे > रेतं हुए मझे उ की नि रे दुतं औरे निमत्रतं की आश्व स फिदुया। "मझे हA लेगेतं फिकी तं म डीरे हुए ह!।" वोंह मस् की रे ई, औरे फि>रे उस मझे दुखो ।
उस दुनिMr की वोंण4 की स कीरूD? एकी म Dकी दुनिMr।

मझे तं था फिकी वोंह मझे इस तंरेह अ नितंम ब रे दुखो रेह था। वोंह अ समस्तं आभ मडी ले औरे आशां वों दु4 की! मझे म (सचौं रिरेतं कीरे रेह था। मरे आDखो (अनिवोंरेतं आDसओं स भरे गेईं। म 1उ स D स डीरे भ"ले गेया।
जीब प्रम प्रबले ह!तं ह, तं! प्रम ह प्रम खो रेहतं ह। अन्या भ वों ए Dजीस की!हरे की तंरेह सरे"जी की स म घ ले जी तं ह।1 भया, द्वीर्षों , ईष्या 4, ले!भ, क्रं!ध—सभ की रे त्मकी भ वों ए Dऐस प्रम की तं व्र शांनि स सम त्त ह! जी तं ह।1 रु र्षों हले क्या हA प्रम कीरे स खोतं, बजी या सध रे की प्रया स की ? ले फिकी ऐस प्रम ध या 4औरे क्षाम की म Dगे कीरेतं ह। सबस अनिधकी, याह नि स्वों था4 अमतं"4तं की म Dगे कीरेतं ह। याह जीड़ा वों की स था अलेगे वों ह। ण"4 क्षाम कीरे की निलेए अ सनि आवोंश्याकी जीड़ा ह!तं ह,1 वों हले स ह बध ह!तं ह,1 गेले म ह!तं ह।1 जी! स्वोंया स्वोंतं त्र हA, वों अ स की स ह! सकीतं ह?1 याफिदु वों हA ह!गे। स्वोंतं त्र प्रम की अ भ वों शां नितं की अ भ वों दुतं ह। म 1नि लिंश्चतं ह!

रू स अ स हA, तं! उ की प्रम भ म
गेया।

"या मरे गेप्त गेरु ह,1" उस स D की ओरे इशांरे कीरेतं हुए कीह , "औरे वों भ अब मझे निवोंदु ई दु आए ह।1 वों जी तं ह 1फि म 1कीह Dजी रेह हूँ;D औरे वों भ मझे अकी ले हA छे!ड़ागे(, मरे जी वों की रे भ। मरे निप्रयाजी।"
उस अ ह था फि>रे स उ रे > रे। "याह की!ई सया !गे हA," उस जी रे रेखो , "फिकी आध्या नित्मकी अ भ "नितं म (ब रे-ब रे स D की लिंबब आतं ह। की डीनिले की! एकी स D की रू म (निचौंनित्रतं फिकीया गेया ह; की डीनिले जी गेरेण की! गेहरे Adु स 4 की खोले की रू म (दुखो जी तं ह। निशांवों, तं रे औरे कीई अन्या वों मम गेÂ दुवों तं ओं जीस गेण शां भ स D स जीड़ा ह ह इसम (अकी ले हA ह।1 अन्या सस् कीMनितंया म (भ दुवों तं स D स जीड़ा ह।1"

"क्या तं म छे" चौं हतं ह!? की!ई प्रश्न? की!ई सदु ह ? अभ !छेंया फि>रे कीभ हA।"

मझे तं था फिकी जी वों की दु की की ब हले वोंह एकी ब रे प्रज्वोंनिलेतं ह!तं ह। एलेएस म (अचौं की ऊजी 4की निवोंस्>!ट दुखो म 1प्रसन्न ह! की बजी या औरे अनिधकी दुखो ह! गेया। वोंह जी रेह था ... जी रेह था।

चौं तं की भ"निम स नि वों स4

स्वोंरे मH ह! चौंकी था। दु! हरे की सरे"जी अनिस्तंत्वों की हरे चौं ज़ी की! जीले रे तं ले था। दुरे" कीहA एकी जी!ड़ा कीठ>!ड़ावों अ टकीरे हट भरे ब तंचौं तं कीरे रेह था। एकी > रे वों ले की रे रेह था , की C> मले ई... की C> मले ई...

"मच्चो ,बहुतं की छे ।"बहुतं की छे स खो था । म 1अभ भ की छे हA जी तं । म 1अभ भ एकी अनि निश्चतं

भ"निम म (हूँ।D या!गेवों निसछों की सतं ले औरे सतं !र्षों की अवोंस्था स म 1फिकीतं   दुरे" हूँ।D फिकीतं   आस   स म 1बहकी गेया ;
की । म वों शांरे रे की प्रनितं मरे   सम्म , स्त्र म (निस्थातं शांनि -लिंसह स की प्रनितं मरे   आदुरे, प्रनितंकी"लेतं ओं की निवोंरुद्ध मरे
समतं ब रे-ब रे क्षा ण ह!तं गेई। म 1अभ भ चौंतं   की भ"निम स नि वों 4निसतं हूँ।D मझे   अभ तं म्ह रे बहुतं आवोंश्याकीतं था ; म
अभ भ प्रश्न की एकी लिं लेदु म त्र हूँ।D मरे   की!ई औरे निमत्र हA ह। अब म 1क्या   छे" सकीतं हूँ?D म 1की स तं म्ह रे अ नितंम
शां नितं की क्षाण की! छे   सकीतं हूँ?D ... ओह, याफिदु म 1स्वोंया की! रे" तंरेह असह या महस"स हA कीरेतं ।" म 1चौं खो उठ ।

" हA, तं म हA कीरेतं । औरे कीभ   हA कीरे!गे, " उस आश्वस्तं फिकीया । "शां नितं की निलेए की!ई 'अब' या 'तंब' हA ह!तं । शां नितं,
शां नितं ह!तं ह। या तं! हमशां   ह!तं ह, या कीभ   हA। शां नितं खोडी   म (हA ह!तं । शां नितं ण"4 ह!तं ह। चौं रे ओरे दुखो !। तं
दुखो !गे फिकी निश्चम स, जीह D सरे"जी रे तं म (स!   चौंले जी तं ह औरे जी वों ठ डी ह! जी तं ह, वोंह D स स!ए हुए ले!गे की श
 थ्Mवों   रे उतंरेतं ह; याह ढंकी हुई चौंतं   की शां नितं ह; मत्Mया की शां नितं।
"ले फिकी याह स्वोंया अशां तं ह। इतं   अशां तं फिकी याह म वोंतं की निलेए फिकीस की म की   हA। याफिदु याह स्वोंया अशां तं ह
दुस"रे की! शां नितं की स दु सकीतं ह?
"भनिवोंष्या की दुनि या व्यवोंनिस्थातं शां नितं चौं हतं ह। ले फिकी व्यवोंनिस्थातं शां नितं, शां नितं हA ह!तं । हम (शां नितं की म
अर्पिजीतं कीरे   ह!गे ; मले"भतं" शां नितं। याह वोंह शां नितं ह जी! प्र तंoकी ले   सया" 4म (एकी झे ले की सतंह रे प्रनितंलिंबनिबतं की
की ह!तं ह। शां नितं प्रम की अवोंस्था ह। प्रम की निब   की!ई शां नितं हA ह! सकीतं । शां नितं स "ण 4ह!तं ह; शां नितं शां श्वतं
ह; शां नितं नि र्पिलेप्त ह!तं ह; शां नितं स्वोंया अ   रेक्षा कीरेतं ह, अ   शांनि ह!तं ह। की!ई शां नितं की रेक्षा   हA कीरे सकीतं ।
याह एकी खो!खोले दु वों लेगेतं ह। शां नितं आत्म-सरे निक्षातं ह!तं ह।

"शां नितं हृदुया की ह!तं ह; मनिस्तंष्की की   हA। म ष्या की वोंले मनिस्तंष्की की उ या!गे स शां नितं प्र प्त हA कीरे सकीतं । महस"स
कीरे!... महस"स कीरे!... महस"स कीरे!... अ स महस"स कीरे!। याह एकीम त्र उ या ह।
"निजीस शां नितं की म 1ब तं कीरे रेह हूँ,D वोंह आ तंरिरेकी शांनि की शां नितं ह। मरे   शां नितं तं म्ह रे स था ह, इस सस रे की स
ब्राह्म डी की स था, 'अ-ब्राह्म-स्तं भ- यातंáम'i (निवोंस्तं रे, निवोंस्तं रे, जीब तंकी तं म सजीM की गेभ4 औरे ब हरे आकी शां तंकी हA
 हुचौंDतं) जीस   फिकी कीह गेया ह। म 1याह Dहूँ।D म 1याह D हA हूँ।D म 1हूँ Dक्या फिकी मरे   शांरे रे ह; फि>रे भ म 1इस शांरे
निवोंशां ले हूँ,D म वों समया की म   स कीहA रे > ले हुआ हूँ।D म 1आ वों ले हूँ;D जीस   म 1जी   की निलेए आई था । मरे   स स
समया ह; औरे मरे   स की!ई समया हA ह। जीब तंकी सरे"जी उदुया हA ह!तं ... छे"!... छे"!। सकी !चौं मतं कीरे!; मतं रे!की!।
तं म क्या खो!जी रेह ह!?"

आभ

ध रे -ध रे कीमरे की भ तंरे घ   ह!तं छे या एD जी वोंतं ह! लेगेA, औरे म 1 दुखो   फिकी एकी प्रकी रे की चौंमकी उसकी क्षा ण शांरे रे
की! आवोंतंM कीरे रेह था । उसकी निसरे की चौं रे ओरे गे!ले औरे निवोंशां ले, याह आभ उसकी   रे की ओरे जी कीरे तंले ह! गेई
था , जीब तंकी फिकी मस्रो   लेगे फिकी वोंह फिकीस निवोंशां ले बरेगेदु की   रे ड़ा हुई था ।

तंब स म 1 आभ ओं की ब रे म (बहुतं की छे स खो ह औरे प्ले ज़्म की इस रेहस्यामया प्रफिक्रंया की अध्याया फिकीया ह। म 1
यारे"! औरे अमरि रेकी , निवोंशांर्षों रू स मनि क्सकी! म,(इस निवोंर्षोंया रे फिकीए गेए प्रया!गे की गेह अध्याया कीरे   म (कीई समा

घ ट निबतं ए ह।1 ले फिकी उस सध् या म 1स्वोंया भ इस आभ स निघरे हुआ था। वों स्तंवों म,(म 1स्वोंया इस आभ की सरे क्षा व
भ तंरे बठ था, उस फिदुव्य प्रभ मडी ले म (निजीस सतं की निलेए समर्पि तं भ 'हले !' कीहतं ह।1

जीस - जीस इस आभ की क्षा त्र निवोंस्तंMतं हुआ औरे कीमरे की मदु रे!शां इस फिदुव्य चौंमकी स जी वोंतं ह! लेगे, म 1 दुखो फि
दु! स D व्य की ले ह! रेह था। वों ध रे -ध रे उसकी गेदु 4 स खोले तं गेए औरे उसकी शांरे रे स सरेकीतं हुए मरे दुह रे निवोंश्रे म
की प्रया स कीरे लेगे।

जीब म 1बच्ची था, वों रे णस की गेनिलेया म (घ"म वों ले शां वोंरे स रे स म 1निवोंनिभन्न प्रकी रे की स D उध रे ले तं था। म 1
तंले, चौं ट, स Âले शांरे रे की निवोंद्यातं मया, सवों दु शां ले, शां या कीड़ा की! हचौं तं था औरे जीCदु ह याह भ समझे गेया
फिकी उ की हरेकीतं म (एकी निवोंशांर्षो द्धनितं था। वों दु! शांरे रे की! एकी म (ले ट चौं हतं था औरे नि तं ब जी!ड़ा की चौं रे ओरे
दुब वों उत् न्न कीरे चौं हतं था।

लेतं स ध

मरे आDखो (> ले गेईं। म 1 उसकी ओरे दुखो । एकी हCकी मस् की उसकी ले ह!ठ रे चौंमकी उठ, जी! अब औरे अनिधकी गेहरे,
अनिभव्यनि ण"4 ह! चौंकी था।

"दुखो !; मरे निमत्र फिकीतं शां तं ह।1 याह शां नितं की अ नितंम रे क्षा ह। तं म शां तं ह!। शां नितं औरे प्रम तं म्ह रे सबस निवोंश्व
शांनि या D ह गे, याफिदु तं म अहकी रे औरे ईष्या 4 स म रेह सकी!। शांनि तं म्ह रे ह! सकीतं ह, याफिदु तं म इस की वोंले शां नितं

की निलेए समर्पि तं कीरे सकी!। स्वोंया, स D तं म्ह (उतं ह प्रम कीरेतं ह 1निजीतंम्हरे क्षा ह। "

सस् कीMतं फिकीतं शां ध की भ र्षो ह। इसलेएस की कीह ब तं की अ वों दु कीरे की निलेए मझे
ह,1 फि>रे भ उसकी बगे ले (जी! सस् कीMतं जीस ह सनि क्षाप्त औरे सट की ह) फिकीतं स रेगेर्पिभतं था। याह अ नितंम वों क्या, उ
की निलेए, बगे ले म (इस प्रकी रे ह!तं : "शां नितं निब, जी!फिदु अह भ वों था की।"

"याह लेतं स ध की रेम रेहस्या ह, स्त्र रु र्षो की शांरे रे की! एकी लेतं की तंरेह ले ट तं ह, ठ की वोंस ह जीस या स D।
म वों शांरे रे म (वों स रे(गेतं हुई प्रम औरे समझे म (रिरेवोंर्पितंतं ह! जी तं ह। याह शां कीरे की तं सरे त्र स की म की दुह
कीरे ह। तं म जी तं ह! वोंह कीथा। याह स ध की अ तं ह। स D की! निमत्र की तंरेह शांरे रे स निले ट रेह दु!।

"क्या तं म लेतं स ध की रेहस्या की! हA खो!जी था ? रे-म दु आस जी! ले ब समया तंकी जीड़ा रेहतं ह,1 वों इस स ध
की एकी अ गे ह।1 शांवों स भ लेतं स ध की एकी प्रकी रे ह। क्या तं म याह सब हA जी चौं हतं था?
"उन्ह (दुखो !, रे औरे म दु। ओह, वों तं म्ह रे शांरे रे रे दु! की(चौंओं की तंरेह, प्र था 4 म (जीड़ा दु! ह था की तंरेह ड़ा ह,1 फि>रे
भ फिकीतं शांनि शां ले ह।1 जी वों म (मत्Mया, मत्Mया म (जी वों।"
म 1स!चौं रेह था फिकी वोंह की स जी तं था फिकी मरे म म (क्या चौंले रेह था। ले फिकी म 1मखो"

4था। मझेउसकी निवोंर्षोंया म (निवोंस्मया
कीरे छे!ड़ा दु चौं निहए था। निवोंज्ञा उसकी इ क्षामतं ओं की निलेए की!ई स् r कीरेण दु सकीतं था, फि>रे भ वोंह स्वोंया
निवोंज्ञा स रे था। वोंह प्रज्ञा था, अनितंनिवोंज्ञा था।

लेतं स ध औरे की म

"म ष्या निजी भ वों ओं स निड़ातं ह!तं ह, " उस समझे या , "उ म (स की म औरे की म-प्रध भ वों ए Dसबस अनिधकी बनिलेदु की म Dगे कीरेतं ह।1 याह सबस अनिधकी म Dगे कीरे वों ले औरे सबस स हस भ वों ह; याह स्वों था4 रेकी भ ह, भ"खो
की ब दु सबस अनिधकी। याह स्वोंया की! सबस अनिधकी जी"तं ह, औरे अ आ दु औरे रिरे ण"तं4 की! स झे कीरे स घMण कीरेतं ह। याह सबस अनिधकी वों छे या ह, औरे सबस अनिधकी खोदु जी की भ । याह सजीM शां ले ह, याह निवों शांकी रे ह। याह
आ दु ह, याह दुo खो ह। की म की! प्रण म कीरे!, याह 'आह्ले फिदु ' शांनि ह।

"की!ई भ भ वों त्मकी उथाले- था ले गेमÂ उत् न्न कीरेतं ह। गेमÂ दुह की प्रभ वों ह; जीब तंकी की!ई वोंस्तं जीलेतं या

r हA

ह!तं तंत्र तंकी गेमÂ उत् न्न हA ह! सकीतं । दुस"रे शांब्दु म,(जीब भ शांरे रे म (अत्यानिधकी गेमÂ (जीस क्रं!ध म)(
उत् न्न ह!ति ह,
तं! याह नि ष्कीर्षों4नि की ले जी सकीतं ह फिकी शांरे रे म (की छे महत्वों ण" 4तंत्वों जीले रेह ह।1 (की!ई दुह हA, तं!

की!ई गेमÂ हA,
औरे इसकी निवों रे तं भ सत्या ह।)

"वोंह तंत्वों जी! फिकीस भ वों त्मकी असतं ले स जीलेतं ह औरे गेमÂ उत् न्न कीरेतं ह, शांरे रे की भ तंरे निस्थातं

एकी महत्वों ण" 4

जीनि वोंकी तं त्र ह। इन्द्ह (गेढ़" की!शां (गेस की!शां) या आशांया (की!निशांकी -ग्रेनि थाया)D कीह जी तं ह। या की!शां
नि रे तंरे बदुलेतं रेह्तं ह,1 ए
की!शां की! स्था दुतं हुए। इ रिरेवोंतं4 की गेनितं शांरे रे की! गेम4 रेखोतं ह। भ!जी , श्व स, जीले औरे म इ की!शां

की!

ब ए रेखो की म ध्याम ह,1 औरे नि रे तंरे सतं निलेतं आ र्पि"तं सनि निश्चतं कीरेतं ह,1 ब वोंजीदु" इसकी फिकी इ की
उ भ!गे नि रे तंरे ह!तं
रेहतं ह। हम वोंद्धM ह!तं ह 1औरे क्षा ण ह! जी तं ह 1क्या फिकी उ भ!गे फिकीए गेए की!शां की! प्रनितंस्था नि तं कीरे

की प्रफिक्रंया ध रे -
ध रे नि निष्क्रंया ह! जी तं ह।

"अतंo इ की!शां की सतं निलेतं उ या!गे अत्यातं महत्वों ण" 4ह। अचौं की भ वों त्मकी निवोंस्>!ट, जीस फिकी मH

ड़ा (जी! सत्त

अनिग्र की तंर्द्ह अनिधकी ह नि की रेकी ह!तं ह) , की!शां की! गेभ रे रू स क्षानितंग्रेस्तं कीरे सकीतं ह। कीभ -कीभ की!
शां की आ पि"तं
प्रण ले म Dगे की अ रू की या 4कीरे म (निवों>ले ह! जी तं ह, निजीसस स्ना या तं त्र की अस>लेतं ह!तं ह औरे

शांरे रे की की छे अ गे

म (लेकीवों तंकी त्र! सकीतं ह। याह Dतंकी फिकी गेले , जी! मनिस्तंष्की तं त्र की शां४ट4-सर्किकीरिंटगे म त्र ह, भ
इन्हA निवों>लेतं ओं स
उत् न्न ह! सकीतं ह। भ वों ओं (निजीन्ह (वों स , क्रं!ध आफिदु कीह जी तं ह) की नि यात्र ण प्रम औरे शां नितं की

निलेए अत्यातं
आवोंश्याकी ह।

"याह समझे कीरिठ हA ह फिकी म ष्या की निलेए स्ना या तं त्र की सतं ले की! ब ए रेखो फिकीतं आवोंश्याकी
तं त्र की दु नि या

ह, जी! आ तंरिरेकी

श्ां नितं ब ए रेखो की एकी चौरेण ह। की वोंले वोंह व्यनि शांनि शां ले ह!तं ह जी! शां नितं स रिरे ण" 4ह!तं ह।
की वोंले वोंह शां नितं

"निजीस प्रकी रे की!ई व्यनि मशां रे नि यात्र ण प्र म्र फिकीए निब उस रे" तंरेह् स हA चौंले सकीतं , उस प्रकी रे इस सबस महत्वों ण" 4शांनि —या की म शांनि —की रे" नि यात्र ण तंब तंकी सभ वों हA जीब तंकी इस अत्यानिधकी सम तं स हA

समझे जी तं ।

"की वोंले इस शांनि की स था घनि छों स की4 ब ए रेखो स ह इस रे" तंरेह् स आत्मस तं फिकीया जी सकीतं ह

औरे ण"4 शां नितं

प्र म्र की जी सकीतं ह।

"की म की गेहरे इया Dव्यनि की व्यनि त्वों की सबस भ तंरे रेतं तंकी > ले हुई ह;1 औरे उच्चीतंम आध्या नित्मकी

स धकी की! भ

साह भ वों ब रे-ब रे चौं Hतं दुतं ह, भले ह वों स!चौं (फिकी उन्ह इस जी तं निलेया ह। अ शां स बद्ध औरे

नि यानिमतं स ध

की म ध्याम स ह इसकी अवोरे!ध स ण"4 मनि ई जी सकीतं ह। तं नित्रकी म गे 4की! इस शांनि की ज्ञा औरे

तं4 "वोंकी4 शांरे रे की! अत्या चौं रे सह की

नि यात्र ण की निलेए निलेतं ह,1 वों वों स्तंवों म (दु वों ह'1—(गे तं)। प्रकीMनितं म वों शांरे रे म (की छे भ व्यथा 4 हA ब या ह। या!गे म

सबस प्रभ वों औरे सानि लिध्दस्वउ यो म गया ह। याह फिकी4 निले शां रे रिरेकी क्षह की!ध य निकी दुनिMकीणि स

अ की म ध्याम स

ह, अथा तं4नि यात्र ण की उ या!गे—औरे उम उ या!गे। नि यात्र ण की अथा 4अस्वों कीMनितं या नि षोंध हA ह। ब्राह्मचौंया 4इस नि

फिकीया जी सकीतं ह।

की! स खो की प्रफिक्रया ह।

"सया म (अनिभग्रेह) प्रकीMनितं की उ ह रे की सवोंAम उ या!गे की म गे 4 हA ह। 'जी! मखो"

"प्र कीMनितकी क्षमतं ओं की सवोंAम उ या!गे उन्ह (नि यानि त्रतं औरे समझेदु रे स अभ्या स म (ले म (ह। एकी नि यानि त्रतं म स्वोंय

की! सह उ या!गे स आ फिदुतं कीरेतं ह। याह अस्वों की रे, नि षोंध या सया म हA ह।

"की म की शांनि , जी! स्वोंया की! सजीM त्मकी तंMनिप्त की म ध्याम स आ फिदुतं कीरेतं ह, की दुरु या!गे म निसकी औरे शां रे रिरे

प्रण ले की निलेए वोंस ह निवों शांकी रे ह, जीस बट रे की भ तंरे तं ब की प्लेट की गेलेतं उ या!गे उस r कीरे दुतं ह। याफिदु

इस शांनि की दुरु या!गे, अ या!गे, या अनितं-उ या!गे फिकीया जी ए, तं! याह म वोंतं की निलेए ईश्वरे द्वी रे दु गेई सबस मह

शांनि की! रे" तंरेह् औरे अ रे"ण या रू स क्षानितं हुचौंD सकीतं ह। चौंफि"Dकी की म रेम आ दु दुतं ह, इसनिलेए की वोंले म ष्या

अन्या फिकीस प्र ण स अनिधकी, इस शांनि की अनि यानि त्रतं उ या!गे कीरेकी अ अ नितंम बदु"D तंकी आ दु नि की ले की प्रया स

कीरेतं ह। याह आत्मघ तं गेलेतं ह। वों स्तंवों म (याह शांरे रे औरे म की आत्महत्या ह।

म ष् या म ष् या की! क्या ब फिदुया

"दुखो ! फिकी म ष्या स्वोंया की! औरे इस सस रे की! अ भटकी हुए औरे गेलेतं फिदुशां म (लेगे ए गेए उत्स ह की म ध्याम स क्या ब फिदुया ह। दुखो ! प्रकीMनितं की इस मह खोज़ी औरे प्र कीMनितंकी सस ध की!। म ष्या की ले लेचौं औरे अध रेतं इ खोज़ी की हरे निवोंभ गे की! अ ध धध शां!षोंण स लेगेभगे r कीरे फिदुया ह। याह Dतंकी फिकी शां औरे स म निजीकी जीगेतं भ इसस

अछे"तं हA रेह। हम (प्र कीMनितंकी जी वोंनिवोंज्ञा , रिरेनिस्थानितंकी औरे भ"निवोंज्ञा की सतं ले की! क्या ब फिदुया , जी! म ष्या की! उसकी अनिस्तंत्वों की सबस आवोंश्याकी आवोंश्याकीतं ओं, जीस फिकी शां द्ध वों या, शां द्ध भ!जी औरे शां द्ध जीले प्रदु कीरेतं था । अब

हम (उ की क्या ह ले कीरे फिदुया ह।

"याह बबरे4तं याहA हA रुकीतं। दुखो ! फिकी हम अ स्वोंया की शांरे रे-मशां की स था क्या फिकीया ह। हम इस सले म और मदु तं की समया स ह गेलेतं तंरे की स उ या!गे कीरे रेह ह।1 हम अ इ फिद्रया की अवोंहले की की रेण अत्यातं दुया या रू स की या4कीरे रेह ह।1 हम या तं! अनिधकी उ या!गे कीरेतं ह 1या कीम, और दु! ह म मले म (हम इसकी दुरु या!गे कीरेतं ह,1 असतं ले दु कीरेतं ह 1और इस अव्यवोंनिस्थातं कीरे दुतं ह।1 उCले," निगेद्ध, ब जी हमस अनिधकी दुखो सकीतं ह;1 की हमस अनि सट की गेध हचौं सकीतं ह; स D , मध मक्खो , मछेले की स की क्षामतं हमस अनिधकी तं त्र ह!तं ह। उड़ा वों ले निक्षाया और निशांकी रे कीरे वों ले मध मनिक्खोया की सवों दु शां लेतं आश्चयाजी4 की रू स निवोंद्यातं -चौंब की या ह!तं ह। म वों शांरे रे भ इस निवोंद्यातं -चौंब की या सरे क्षा कीवोंचौं स सस निज्जतं फिकीया गेया था तं फिकी वोंह सवों दु शां ले सचौं रे की! सक्षाम ब स हम रे अ ह अ नि चौंतं उ या!गे और दुरु या!गे की की रेण याह सरे क्षा कीवोंचौं की रिठतं और अवोंरुद्ध ह! गेया ह। हम चौंमत्की रे रु र्षों की शांनि या की तंले शां कीरेतं ह,1 जीबफिकी हम स्वोंया चौंमत्की रे की भ डी रे ब सकीतं था, क्या फिकी हम (स्वों भ निवों सचौं रे और ज्ञा की एकी रे निडीया!धमÂ क्षा त्र की सभ वों स भरे रे" ब या गेया था। की वोंले या!निगेकी प्रनिशांक्षाण ह हम (हम खो!ई हुई इ फिद्रया की! o प्र स्त कीरे और स्वों भ निवोंकी तंथा स्वोंतंo स्>"तं 4 वों"-4ज्ञा की क्षामतं स प्ररि रेतं कीरे सकीतं ह।

स 4 की प्रतं की

"या स D भ ," उस जी रे रेखो , "जी तं ह 1फिकी क्या ह! वों ले ह। वों अब बचौं ह;1 और तं म्ह रे ह तंरेह वों भ मझे स निचौं की हुए ह।1 इस प्रकी रे वों निवोंदु ई दुतं ह।1 वों तं म्ह रे तंरेह शां!की हA म तं। तं म क्या शां!की म रेह ह!? क्या तं म्ह (या एहस स हA फिकी म 1एकी कीहA अनिधकी बह तंरे स्था की ओरे जी रेह हूँ?D म ष्या की उच्चीतंरे सभ वों एD इस जी वों स प्रस्था की स था खोले तं ह।1 चौंक्रं की! आगे स आगे घ म तं रेह ड़ातं ह। की वोंले चौंक्रं की स था दुHड़ातं हुए ह हम बह तंरे सभ वों ओं की म गे 4 रे आगे बढ़तं ह।1 निब चौंक्रं की! गेनितंशां ले फिकीए की!ई मनि हA, की!ई शां नितं हA।"

म 1रे! रेह था। उस याह महस"स फिकीया। वोंह मनि श्कीले स अ ह था उठ सकीतं था ; ले फिकी उसकी चौं रे ओरे की आभ की गेमÂ और तं व्रतं बढ़ रेह था। फिकीस तंरेह अब मझे वोंह रे!शां अ चौं रे ओरे निले ट हुई महस"स ह! रेह था।
वोंह लेगेभगे मरे ब ह म (था। म 1उस अ शांरे रे स निजीतं ह! सकी उतं नि कीट कीड़ा हुए था। स्वों भ निवोंकी रू स, वोंह की वोंले उ म ले स आवोंM था , जी! शां खो , हनिÄया , ब जी , फिक्रंस्टले और नितंब्बतं मगे" स ब थाA। उसकी निसरे मरे की ध रिटकी हुआ था ; उसकी उलेझे हुए ब ले मरे त्वोंचौं की! छे" रेह था; उसकी शांरे रे की गेमÂ, जी! उस समया तं ज़ी बखो रे की तंरेह बढ़ रेह था , मरे त्वोंचौं की म ध्याम स प्रस रिरेतं ह! रेह था।
स D की जी!ड़ा अ निस्थानितं बदुले ले था और वों हम रे शांरे रे की! और कीसकीरे ले ट रेह था। उसकी शांरे रे की तं ज़ी तं था फिकी अ तं अब अनिधकी दुरे"

बखोरे मझे स स निभगे! फिदुया , ले फिकी म 1 अचौंतं ह! की निवोंचौं रे छे!ड़ा फिदुया। मझे
हA था।

म 1आ रेह हूँD

" हA; अब बहुतं दुरे" हA। म 1नि कीट आ रेह हूँ।D म 1आ रेह हूँ।D ले फिकी याह अ तं हA ह। याह की वोंले एकी आरे भ ह। याह एकी ऐस आरे भ ह निजीसकी निलेए जी वों भरे की तं या रे और जीन्म-जीन्म तं रे की अ की प्रया स की वोंले एकी ले ब श्रेखोM ले की की प्रतं तं ह!तं ह।1

"वोंह जी निवोंतं रेहतं ह जी! याह जी तं ह फिकी कीब औरे की स छे!ड़ा ह। मत्Mया ह सच्ची जी वों औरे जी वों की सत्या की! उजी गेरे

कीरेतं ह। निजीस हम मत्Mया कीहतं ह,1 वोंह शां श्वतंतं की आरे भ ह। याह मह अज्ञा तं की या त्र की निलेए सबस गेभ रे क्षाण ह। इस क्षाण शां!की मतं कीरे!। इस क्षाण की! की वोंले आ दु, सह भ "नितं, शां भच् छे औरे 'की!ई रे गेम ह!' की की म स भरे दु!। मझे o आ की की म मतं कीरे!।

"म 1 कीह की!ई रे गेम हA। फि>रे भ , हमशां एकी प्रकी रे की वों स ह!तं ह, जी! आनित्मकी ह!तं ह।

आध्या नित्मकी शांनि

सदुवों एकी आशां वों दु4, एकी कीM की रू म (उ निस्थातं रेहतं ह।

"याह म जी! इच्छे ओं औरे नि रे शां ओं की भ डी रे ह, शांरे रे की! रे!गेग्रेस्तं ब तं ह। म ह! की अथा 4ह इस म स

मनि ।

एकी म -भ रिरेतं आत्म ह निड़ातं जी वों ह; औरे म स म आत्म ह शां श्वतं मC"या की आत्म , ब्राह्म डी या आत्म ह।

इसकी की!ई व्यनि गेतं हचौं हA ह!तं । ले फिकी जीब की!ई व्यनि खो!जीतं औरे प्र था 4 कीरेतं ह, जीब की!ई

समर्पि तं ह!कीरे

सह यातं की या चौं कीरेतं ह, तं! वोंह आत्म उरे दुतं ह, ले फिकी एकी व्यनि गेतं रू म।(

"की!ई दुखो की लिंबदु हA ह!तं ; की!ई समया की क्षाण हA ह!तं ; की!ई सचौं रे हA ह!तं , निसवों या एकी

हचौं गेए व्यनि त्वों

की- म ध्यास स। याह की रेण ह फिकी भ उ म आत्म ओं की! दुखो औरे सवों दु कीरे सकीतं ह,1 जी! सवों दु की निलेए समझे या!ग्या

रू म (प्रकीट ह!तं ह।1

"म 1 कीह की!ई रे गेम हA। फि>रे भ , जीब भ तं म्ह (आवोंश्याकीतं ह!गे —औरे की म ह फिकी तं म्ह रे

आवोंश्याकीतं ए D

तं म्ह रे स!चौं स हले ह सम स ह! जी ए—Dजीब भ तं म्ह (इस 'दुस"रे म'1 की आवोंश्याकीतं ह!गे , वोंह आत्म , जी! सभ की

"शा घ्र ह याह सब सम स ह! जी एगे । तंब याह शांरे रे तं म्ह रे निलेए एकी भ रे ब जी एगे । इस वोंह D ले जी ओ जीह D इसकी

सह यातं कीरेतं ह, तं म्ह रे स म एकी हचौं गेए रू म (प्रकीट ह!गे । याह मनि म (फिकीस ब ध की सकी तं हA

स्था ह। मनिणकीपिणकी , अनिग्न औरे रे खो की हवों ले, गेंगे की ध रे म,(जी! खोले सम द्र की ओरे बहतं ह।

ह। याह

"समशां रे तं म्ह रे मHस की! सब जी की रे ह। वोंह तं या रे ह! रेह ह। वोंह निचौंतं की तं या रे म (व्यस्तं ह। तं म इस शांरे रे

की सवोंमें म (मनि की ह सकी तं ह। की वोंले म आत्म म D ह, एकी शांत्मया रू म (प्रकीट ह!कीरे प्र था 4 ओं की उछे ह

सकीतं ह।1 म रेवों गेले स म जीओ। म स की डी रे इस थेले!ड़ा निवोंश्र म दु!। फि>रे मनिणकीपिणकी गेले की ओ तं तंकी बढ़!, जीह

स निदुम D द स Dमझा तं ह।1 वोंह D मत्Mया जी कीरेंग की या ले4मा म (एकी की झे तं या रे निमले गे । ले फिकी, याह सब की वोंले दु

इस निदुव्यस उकी! प्रे ले कीरेंह की निलेए स्वोंया की! सदुवों शां तं, स्वोंच्छे, निवोंत्र औरे सरले ब ए रेखो। आवोंश्याकीह

इन्ह (ध्या स समझे ले!।

ह। यहोसेतं

"इस शांरे रे की! की!ई अन्या ह था हA छे"एगे । की वोंले तं म औरे तं म ह इस ले जी ओगे। उस की! की! दुखो !। वोंह D दु! ब Dस औरे

अनिन्शमी शां न्नतं स आकीनिर्षेतं कीरेतं ह, जीबकिफि जीस्मिलेतं औरे औ चौं निरेकीतं हA।"

की! छे रेनस्सया Dखो ह।1 मझे वोंह D ड़ी की ड़ी स छेकी दु! औरे शांरे रे की! ब Dस स ब Dध दु!। फि>रे इ ब Dस की! घस टतं ह

जीह D इस जी ह

चौंली। म 1हरे कीदुम रे तं म्ह रे सह यातं कीरूDगे ।"

उस की भ ।

"मझे इस ब रे मरे दु!," वोंह आगे ब!ले। "म 1तंब समया की ह! जी ऊDगे। तं म मझे चौं तंत्वों की! स; दु!गे। की!ई भया, की!ई शां!की। वों दु कीरे!?"

मझे की!ई उरे दु की आवोंश्याकीतं हA था। म 1 शांरे रे की! था म निलेया और वोंह हले फिदु या दु आया जीब उस मझे चौंतं र्षौंनिr गेले की निशांवों मफि दुरे म (ले जी कीरे अ ऊ रे बठ या था , अ शांरे रे की! एकी आस ब कीरे।
स D अदुश्[Mया ह! चौंकी था; और मझे लेगे फिकी कीमरे अचौं की अ निगे तं स्वोंरे की रे!शां स भरे गेया ह, जी! गे भ रेह था और उजी गेरे भ कीरे रेह था। उ जी की लेहरे(मरे गेहरे इया तंकी प्रवों निहतं हुईं, निजीसस मरे आत्म उत्स ह, निवोंस्तं रे और गेहरे ई स भरे गेई। मझे लेगे जीस म 1अ तंरिरेक्षा की अ नितंम छे!रे रे सया" 4की ड़ा!स ब गेया हूँ।D म 1 अ निगे तं आत्म ओं की! इस एकी या त्र कीरेतं आत्म स शां नितं म Dगेतं दुखो और उसकी या त्र स उत् न्न ऊजी 4 मझे अनिद्वीतं या प्रे ण और उत्स ह स भरे फिदुया।

याद्यानि स D अदुश्[Mया ह! चौंकी था, म 1 उ की की डीले बद्ध कीड़ा की! अ कीमरे और निभ की चौं महस"स फिकीया। नि C हनिÄया की दु! ओरे की मरे रे ढ की! निवोंद्यातं कीMतं कीरे फिदुया ; और ब रे-ब रे म 1उस निस्थानितं स ब हरे की"दु की! तंत् रे अत्यानिधकी तं त्र गेनितं

था। ले फिकी म 1 शांरे रे की! त्वोंचौं स त्वोंचौं जी!ड़ाकीरे कीड़ा रेखो। इस स्वों निधष्ठों चौंक्रं की हलेचौंले मझे स घ"मतं दुनि या की! दुखोनिवोंवोंशां कीरे फिदुया।

ब हरे एकी मनिद्धम चौं Dदु प्रतं क्षा कीरे रेह था। खोडी हरे और मलेब की ढं रे चौंद्र म रे निस्थातं वों4तं की तंरेह फिदुखो ई दु रेह अ हचौं , ले फिकी मनिहम मनि डीतं।

एकी दुवों की जीन्म

ण"4 शां"न्यातं की निब वों स्तंनिवोंकीतं की अ भ "नितं हA ह! सकीतं। म की एकी शां"न्यातं ह!तं ह और चौंतं की भ। एकी ब जीब याह अ भ "तं ह!तं ह, तं! इस शां"न्यातं की छोंMभनि"म की निवोंरुद्ध इनिच्छेतं निवोंर्षोंया वोंस्तं एकी ठ!स आकी रे ग्रेहण कीरे ले ह। तंभ और की वोंले तंभ एकी दुवों जीन्म ले तं ह और प्रकीट ह!तं ह। क्या फिकी याह फिकीस भ वोंण4 स रे ह, इस भ वों की! व्य कीरे की एकीम त्र तंरे की प्रतं की और सकी तं की भ र्षों की सह रे ले ह, अमतं"4तं की! इ निगेतं कीरे की निलेए अमतं" 4 अनिभव्यनि या की उ या!गे कीरे । या मद्र ए,D यात्र , मत्र , आस , मडी ले और नि निश्चतं रू स प्रनितंम ह।1 ले फिकी स्वोंया दुवों की वोंले म की ह!तं ह, और की वोंले एकी शां"न्या म ह उस ध रेण कीरे सकीतं ह।

एकी शां"न्यातं ध रे -ध रे मझे रे ह वों ह! गेई। याह एकी आकी रेह , स म ह , निब गेध , निब स् शां4, निब ध्वोंनि और । वोंह की छे
समया तंकी एकी सक्ष्"म आकी रे म (तं रेतं रेह , जीब तंकी फिकी वोंह एकी चौं Dदु रेनिहतं उष्णकीरिटबध या आकी शां म (एकी तं रे की चौंमकी लेगे।
तिममझे गेयाहि आहस्या हुआ निवोंकी फिकीम उज्वोंले निरिस्रध वोंच्छोंवें श्चा सुर्यानिषवेंतं, निप्रनिलेसवोंस्रु दुमकीशांतं"न्यावों (मुन्योंलेमझे!तंरेदुवों की रे रेह था। उसकी भHह की ब चौं उसकी तं सरे त्र स् r रू स चौंमकी रेह था। म 1 इस रू की! दुवों म तंगे की रू म (हचौं , क्या कीरे चौं निहए। म 1उस प्रकी शां लिंबदु की खो!जी कीरे रेह था जी! की सरिरेया

ले फिकी म 1याह हA जी तं था फिकी मझे
वोंस्त्रध रे दुवों था। मरे की सरिरेया वोंस्त्रध रे दुवों ।

"ह ,D" एलेएस की आवों ज़ी प्रतं तं हुई, "याह सब ह! वों ले ह। सब की छे म 1हूँ;D सब की छे मझे म (था । तं म्ह (अकी ले छे!ड़ा मरे उद्दी श्या ह, मरे क्षामतं । म 1याह कीभ हA कीरूDगे । तं मरे निहो!,उकीस सि गेजीां मतं ह!। सभ प्रकीMनितंया D मरे ह प्र कीMनितंकी रू ह।1 तं म निजी कीरिठ इया और सघ र्षों' स गेजी रे ह!, उन्ह तं म्ह (ह सशां ब या ह, क्या फिकी तं म मझे स स की4 कीभ हA खो!या । कीभ नि रे शां मतं ह! । ' ! रिरेट '4 की म गे 4आत्म म (कीभ हA या गेया ह। "

अचौं की म 1 उसकी आवों ज़ी गे तं हुए स । और म 1स तं रेह , जीब तंकी फिकी म 1उसकी स था गे लेगे ।

रे" इस प्र था 4 और भजी की दुHरे , म 1उसकी सभ नि दुशांÔ की ले कीरे म (व्यस्तं था । म 1 ब Dस चौं रेखो। वों ले ले रे शांम वोंस्त्र स निले ट था। म 1 उसकी शांरे रे रे लिंसदुरे" मले फिदुया । म 1 म!नितंया की! व्यवोंनिस्थातं फिकीया । अ तंतंo म 1 उस की निचौंतं रे निलेट या और रेनिस्सया स ब Dध फिदुया । फि>रे म 1 इस खोAचौं की शां कीशां की । शांरे रे की वोंले बहुतं हCकी बनिCकी ऐस प्रतं तं हुआ जीस म 1एकी निहए वों ले गे ड़ा खोAचौं रेह हूँ।D स>रे सहजी था , और फिदुशां एD स् r। अकी ले म 1 मलेब की ढं रे रे चौंढ़ ई की । जीस ह म 1 शांवों की! खोAचौं , की छे ईंट(और मलेब निगेरे और आवों ज़ी हुई, निजीसस कीMतं समतंले भ गे म (हुचौंD । वों रे णस जीस शांहरे म,(जीह D प्रनितंफिदु अज़ी ब!ग़ेरे ब ले!गे अज़ी ब!गेरे ब की या' म (लेगे रेहतं ह,1 फिकीस ध्या हA फिदुया फिकी म 1अकी ले एकी मतंM शांरे रे की! घस ट रे नित्रचौरे क्षा उड़ा लेगे। म 1गेनिलुया की अ क्षां रेह था । फिकीस भ निस्थानितं म,(रे तं की उस हरे म (शां यादु ह की!ई मरे रे स्तं म (आया ह!। फिकीस अज्ञा तं की रेण स की , जी मरे स था चौंले रेह था, रे" इस एकी की स>रे म (कीभ हA भ;की ।

आ दु स्वोंया अ रेस्की रे ह

म 1अ जी वों रे लिंचौंतं कीरे रेह था । म 1 जी फिकी म ष्या की निलेए फिकीस फिकीस प्रकी रे की आध्या नित्मकी स ध म (सले ग्र रेह फिकीतं आवोंश्याकी ह। की वोंले एकी आध्या नित्मकी अ शां स की प्रभ वों म (ह म ष्या निवोंश्व टकी की रिरेवोंतं4 की मC"या की कीरे सकीतं ह। मझे महस"स हुआ फिकी शांरे रे की की!ई भ अवोंस्था अ निवोंत्र, मतंM या रेस हA ह! सकीतं । की!ई भ कीम 4 ण"4तंo शां द्ध या अशांद्ध , उनिचौंतं या अ नि चौंतं हA कीह जी सकीतं । इ सभ भ दु स रे , शांरे रे एकी आस ह, एकी ठ ह रेम तंत्वों की । याह इसस निभन्न ह! ह हA सकीतं ।

फि>रे ईश्वरे म (सदुवों ब रेह म (क्या आ नि ह! सकीतं ह? आत्म की आह्वों की निलेए निवोंशांर्षों तं या रे क्या ? निवोंशांर्षों रू , निवोंशांर्षों मफि दुरे, निवोंशांर्षों सदु शां वों हकी की आवोंश्याकीतं क्या ? प्रत्याकी निस्थानितं म,(म ष्या ईश्वरे म (ह निस्थातं ह: इस की!ई उ या हA। अ तंरे की वोंले इस मले" और अटले सत्या की प्रनितं हम रे अ भ "नितं म (उत् न्न ह!तं ह। की!ई भ शां रे रिरेकी फिक्रंया वों स्तंवों म (अ निवोंत्र, बरे या ण"4 हA ह!तं । फिकीस की या 4की! ऐस कीह स हले , याह शांरे रे म (निस्थातं आत्म की दुनि"र्षोंतं कीरे दुतं ह, जी! सभ निवोंचौं रे और कीम' की स्रो!तं ह।

जी! चौं जी दु और स झे कीरे स बढ़तं ह, वोंह आ दु ह; जी! अ आ म (ह अ रे स्की रे ह!तं ह, वोंह आ दु ह; जी! की वोंले व्यनि की!, बनिCकी उसकी सम जी, उसकी यागे , उसकी समया की! भ उन्नतं कीरेतं ह, वोंह आ दु ह। ले फिकी जी! एकी नि रे शां की श्रेखोM ले , हतं शां और असतं !र्षों उत् न्न कीरेतं ह, उस दुखो कीह जी चौं निहए। नि रे शां ह, क्या फिकी नि रे शां की!ई गेण हA ह। नि रे शां नि र्षों ध त्मकी ह!तं ह, और नि र्षों ध ह। की वोंले सकी रे त्मकी ह शां भ ह, की वोंले सकी रे त्मकी ह ण् या ह। भया ह; भया ह ह। भया की खो!जी की!ई हA कीरेतं , फि>रे भ याह म की गेस की! म (तं ह। नि रे शां भ ऐस ह ह— की!ई इस हA चौं हतं , फि>रे भ याह हम (घ रे ले तं ह।

जीब म ष्या नि रे शां स लेड़ातं ह, तं! वोंह् स्वोंया की! r कीरे की एकी तंरे की निवोंकीनिसतं कीरे ले तं ह।
ले फिकी वोंह् अ भ तंरे
स ह एकी अन्या म गे 4नि की ले सकीतं ह, निजीसस वोंह् इस सकी ट की मकी बले कीरे सकी । याह् म गे 4इस ब तं
रे नि भ4रे कीरेतं ह्
फिकी वोंह् की रे त्मकीतं की! ह्रे की निलेए फिकीस ह्दु तंकी सह औरे सकी रे त्मकी दुनिMrकी!ण निवोंकीनिसतं कीरे
सकीतं ह। जीब सह
सकी रे त्मकी तंरे की निमले जी तं ह, तंब याह् म Dकी आशां वों दु4 प्रतं तं ह्!तं ह। इस शांनि की गेण गे कीरे!।
उसकी स्तं नितं म (
गे ओ। गे ओ, गे ओ, गे ओ। भयाभ तं आत्म गे हA सकीतं । अ आ तंरिरेकी अनिस्तंत्वों की! प्रसन्न कीरे की निलेए
हA गे
सकीतं । की वोंले वोंह् ले!गे जी! ईश्वरे की निप्रया ह.1 गे तं औरे प्र था 4 कीरेतं ह.1 निचौंत्र ब तं ह 1 सजीM कीरेतं
ह्।1 या सभ म त MकीM की सकी त औरे उ ह रे ह।1
ले फिकी म आत्म अ म गे 4की अ तं तंकी हA हुचौंD ह; उस की वोंले वों स्तंनिवोंकी प्र रे निभकी लिबदु की! प्र प्त फिकीया ह। क्या
वोंहA रुकी जी तं ह? क्या स क्षा त्की रे की अवोंस्था म (श्व स की! रे!की (की भकी) उनिचौंतं ह!गे ?

नि रे तंरे गेनितं उ लेनिब्धया की ओरे ले जी तं ह

हA! नि रे तंरे गेनितं ह उ लेनिब्धया की की जी ह। फिदुव्य स् दु ह आ दु की स रे ह। मनि की अवोंस्था स की!ई छे हA हट
सकीतं । उस आगे औरे आगे बढ़तं रेह ह!तं ह, औरे स म न्या जी तंकी हुचौंD ह!तं ह। जी तं प्रेरे ण की प्रतं क्षा कीरेतं
ह। म आत्म जी तं की! छे!ड़ा हA सकीतं क्या फिकी वोंह् अ लेक्ष्या प्र प्त कीरे चौंकी ह। की!ई भ तंब तंकी स्वोंतं त्र हA जीब
तंकी अ नितंम व्यनि भ स्वोंतं त्र हA ह!तं ।
म 1नित्र रे भ रेवों की गेनिलेया स प्र था 4 गे तं हुए औरे म आत्म ओं की म गे 4 रे निवोंचौं रे कीरेतं हुए गेज़ी रे । म 1 म स
की ले की मफि दुरे की प्र गेण म (रुकीकीरे भ रेवों की आशां वों दु4 की अ भ वों फिकीया ।

ठ डी था

म 1मनिणकीर्पिणकी घ ट हुचौंD । मHस सब की छे हले स तं या रे कीरे रेखो था , औरे मझे अ की सरिरेया वोंस्त्रध रे दुवों की!
अनिग्न की! समर्पि तं कीरे म (अनिधकी समया हA लेगे ।

सया"Áदुया स हले की ठ डी हवों मरे चौंतं की! म!निहतं कीरे निलेया । म 1 स!चौं फिकी इस दुवों की निब सस रे की स लेगे
आगे की ले ट(उसकी शांरे रे की! अ तं त्र भ"खो स घ रे रेह थाA। म 1तंब स्तंब्ध रेह गेया जीब दु! बड़ा स D रे खो स ढंकी रे तं
रे रे(गेतं हुए निचौंतं की स हुचौंD । वों जीलेतं शांरे रे की चौं रे ओरे निले ट गेए। औरे म 1 की सरिरेया वोंस्त्रध रे दुवों की! दुखो –
बठ हुई, दु! ह था म (अनिग्न की त्र औरे एकी त्र निसरे रे रेखो हुए।

क्या म 1की!ई भ्रम दुखेह था ? क्या याह् की वोंले मरे इच्छे ओं की एकी निचौंत्रण था ? याफिदु ऐस था , तं! भ क्या ? याह् एकी
निवोंत्र अ भ "नितं था , औरे इसकी अ एकी सदु शां था । वोंह् सदु शां मरे रे स्की रे था ।

मनिणकीर्पिणकी की मHस कीह , "उस ध्या !स्वोंखुखे म्ह रे ह, याफिदु तं म चौं ह!। वोंह् तं म्ह (कीभ हA छे!ड़ा सकीतं ।"

हA, याह् की वोंले एकी भ्रम हA था । वों स्तंवों म,(कीभ हA छे!ड़ा । जीब म 1गेया की घ जीगे ले म (अ रिरेवों रे
की स था एकी नि रे शां जी की निस्थानितं म (था , म 1 उस की Dगेरुम दु की जीले म (मस् की रे तं हुए दुखो था । एकी औरे ब रे, जी
की ब!निडीया की रिरेत्या जीगे ले म (निशांवों मफि दुरे की दुशां4 की निलेए अवोंध रू स प्रवों शां कीरे चौंकी था , औरे जीब मझे

मरे रेह हूँ,D तंब म 1 उस दुखो , जी! मझे एकी गेडीडी रे बले रेह था। औरे जीब म 1आगे बढ़ , तं! एकी बHद्ध निभक्षा निमले , निजीस मरे जी बचौं ई।

फि>रे भ , याह अ तं हA था। म 1 उस फि>रे जी की एकी मफि दुरे की स ह निड़ाया स नि कीलेतं हुए दुखो । म 1की वोले एकी क्षाण की! रुकी , औरे वोंह मरे स था।
एकी ब रे, की निहरे म,(जीब निवोंम दुरे स था औरे हम (की!ई ठहरे की स्था हA निमले , म 1 ले दु की फिकी रे खोड़ा था। थाकी हुआ औरे असह या महस"स कीरे रेह था। जीब म 1की रे म (बठ , तं! म 1 उस अ स दुखो । औरे हम सह स्था रे निवोंश्रे म या।

सरे"जी की हले फिकीरेण तंकी शांरे रे जीलेतं रेह। उसकी फिदुव्यतं गेगे की दुस"रे ओरे की जीगे ले स झेलेकी रेह था। घ ट स्ना कीरे वों ले स भरे गेए था। वों रे णस की हज़ी रे मफि दुरे की घ रिटया D बजी उठA।
गे Dवों, गे शांरे रे, म 1उस घ ट तंकी गेया , जीह D वोंह शां म की! बठ कीरे गे तं था। म 1 गेगे म (प्रवों शां फिकीया।

ठ डी था।

शांब्दुकी!षों

1. आस (**Asana):** ध्या औरे स ध की निलेए ले ब समया तंकी निस्थारे बठ की एकी सनि वोंध जी की मद्र । याह शां रे रिरेकी 'व्य या म' की एकी श्रेखोM ले की! भ सदु र्पिभतं कीरेतं ह, निजीसस शांरे रे की! सह शां लेतं औरे एकी ग्रेतं की निलेए सफिक्रंया औरे सक्षाम ब या जी तं ह।

2. अश्वत्था म (**Asvatthämän):** मह भ रेतं की एकी त्र, निजीस फिदुव्य अ ग्रे ह प्र प्त कीरे की निलेए आत्म!त्सगे4 कीरे की प्रया स फिकीया।

अघ!रे (**Aghoras):** भ रेवों सप्र दु या की एकी उग्रे था।

3. अहतं4 (**Arhat):** एकी बHद्ध सतं।

4.

5.

अवोंले!फिकीतेंश्व(**Avalokiteśvara):** नितंब्बतं म (नि"जीतं भगेवों कीबुद्धएकी रू।

6.

अभया मद्र (**Abhaya Mudra):** खोले दु निह हथाले निजीसम (उ गेनिलेया Dस ध औरे ऊ रे की ओरे ह!तं ह,1 'सरे क्षा ' दुशां 4 की निलेए।

अ तं शांया (**Ananta Sayanam):** अ तं की ले की शांय्या (निशांवों या निवोंष्ण की सदु भ 4म (प्रया)।

7.

अनिस्मतं (**Asmi-tā):** 'अनिस्म' की अथा 4'म 1हूँ'D; 'अनिस्मतं ' की अथा 4'अहभ वों' ह, जी! आत्मचौंतं की! सवोंÁच्ची

8. अहकी रे की रू म (ब ए रेखोतं ह।

अवोंतं रे (**Avatāra):** जी वों रू म (फिदुव्य अवोंतंरेण। जी , बHद्ध औरे लिंहदु "निवोंचौं रेध रे म (इसकी गेह्रे म न्यातं ह।

9. भ रेवों (**Bhairava):** तं नित्रकी सतं जी! अ निवोंत्र जी वों शांले औरे स ध की निलेए जी जी तं ह।1

ब्राह्म (**Brahman):** ब्राह्म डी या चौंतं , जी! ब्रा ह्मण (निवोंद्वी , सतं निलेतं औरे ज्ञा या व्यनि) स निभन्न ह!तं ह।

10. भगे रेथा (**Bhagiratha):** एकी Hरे निणकी रे जी , निजीन्ह निहम लेया स गेगे की! थृMवों रे ले की प्रया स फिकीया।

11.

ब्राह्मचौं रे (**Brahmacharin):** सया म औरे आत्मसया म की ले कीरे वों ले व्यनि।

12.

ब जी (**Bija):** 'ब जी' की शां निब्दुकी अथा 4ह 'ब जी ध्वोंनि ', जी! ध्या औरे स ध म (दु!ह्रे की निलेए प्रया!गे की जी तं ह।

13.

14.

15. बध **(Bandha):** शां निब्दुकी रू स 'गे Dठ'; तं नित्रकी स ध म (इस निवोंशांर्षों आस की रू म (प्रया!गे फिकीया जी तं ह, निजीसम (ण"4 आत्मनि यात्र ण द्वी रे चौंतं की! सवोंÁच्ची अवोंस्था तंकी हुचौंD या जी तं ह।

16. भद्र स **(Bhadrasana):** एकी या!गे स , निजीसम (क्रं²स-ले गे ह!कीरे एड़ा की! निवों रे तं जीघ ओं की चौं दुब या जी तं ह।

निचौं-शांनि **(Cit-power):** चौंतं की शांनि ।

17. छे दु **(Chhanda):** लेयाबद्धतं या की व्यगेतं प्रवों ह।

18. चौंक्रं **(Cakra):** तं नित्रकी अ छों नि की सत्र, निजीसम (स ध हतं रु र्षों औरे स्त्र निमलेकीरे ध्या कीरेतं ह।1

19. दु त्र या **(Dattatreya):** ऋनिर्षों अनित्र की त्र , जी! मह तं नित्रकी निसद्ध म जी तं ह।1

20. दुया Áध **(Duryodhana):** मह भ रेतं की प्रम खो निवोंरे!ध त्र।

21. दुशांरेथा **(Dasaratha):** भगेवों रे म की नि तं ।

22. दुगे 4 **(Durga):** दुस भ जी ओं वों ले दुवों , निजीन्ह रे क्षास मनिहर्षों सरे की वोंध फिकीया ।

23. दुगे 4 सप्तशांतं **(Durga Saptasati):** म कीáडी या रे ण म (वोंर्पिणतं 700 श्ले!की की निवोंत्र ग्रेथा ।

24. गेहMस्था **(Grhastha):** रिरेवों रिरेकी जी वों अ   वों ले व्यनि ।

25. गे तं **(Gita):** मह भ रेतं की भ तंरे सनिम्मनिलेतं 'ईश्वरे या गे ', जी! लिंहदु "आध्या नित्मकीतं म (सवोंÁच्ची स्था रेखोतं ह।

26. गेनितं **(Gati):** गेनितं या चौं ले।

गेण **(Gunas):** तं प्र कीMनितंकी अवोंस्था ए D– (1) स नित्त्वोंकी (शां द्धतं औरे ज्ञा), (2) रे जीनिसकी (सफिक्रंयातं औरे सघ र्षों4), (3) तं मनिसकी (अलेस औरे अज्ञा तं)।

गेण शां **(Ganesa):** ह था -शां र्षों4वों ले दुवों तं , जी! स>लेतं की प्रतं की ह।1

27. हठया!गे **(Hatha-yogi):** या!गे की अभ्या स कीरे वों ले व्यनि , जी! शांरे रे रे स "ण 4नि यात्र ण स्था नि तं कीरेतं ह।

28. जी **(Japa):** फिकीस मत्र या ब जी क्षारे की ब रे-ब रे उच्ची रेण, निजीसस ध्या की(फिद्रतं फिकीया जी तं ह।

29.

30.

31.

32.जी वों **(Jiva):** शांरे रे म (निस्थातं आत्म , निजीस 'आत्म ' भ कीह जी तं ह।

33.की डीनिले **(Kundalini):** सप्त चौंतं की शांनि , जी! जी गेतंM ह! रे आत्मब!ध कीरे तं ह।

34.कीMष्ण **(Krsta):** मह भ रेतं की याकी, जी! ब दु म (एकी जी" या दुवों तं ब ।

35.की रुक्षा त्र **(Kurukshetra):** मह भ रेतं की अ नितंम याद्ध क्षात्र ।

36.की ले **(Kali):** समया की दुवों , निजीन्ह (तं नित्रकी रे रे म (जी" जी तं ह।

37.ले!टस **(Lotus):** स तं चौंक्र म (अ नितंम औरे उच्चीतंम चौंक्र – सहस्रो रे।

38.लिंलेगेम **(Lingam):** निशांवों की प्रतं की, आमतंHरे रे त्थारे की ब ह!तं ह।

39.मत्र **(Mantra):** आध्या नित्मकी औरे तं नित्रकी स ध म (प्रया निवोंत्र ध्वोंनि या ।D

40.मडी ले **(Mandala):** रे गे स ब ए गेए जीरिटले आध्या नित्मकी निचौंत्र, जी! ध्या म (सह यातं कीरेतं ह।1

41.मह भ रेतं **(Mahābhārata):** सस् कीMतं की सबस ले ब मह की व्य।

42.मह या **(Mahāyāna):** बHद्ध धम 4की एकी प्रम खो सप्र दु या।

43.मद्र **(Mudra):** ह था औरे उDगेनिलेया की निवोंनिशांr इशां रे , जी! आध्या नित्मकी सकी तं दुतं ह।1

44.या!गे **(Yoga):** आत्म औरे रेम त्म की! जी!ड़ा की फिक्रंया ।

45.यात्र **(Yantra):** तं नित्रकी स ध म (प्रयानिवोंशांर्षों ज्या निमतं या निचौंत्र।

46.याज्ञा **(Yajña):** अनिग्न की! समर्पि तं निवोंत्र अ ष्ठों ।

याह शांब्दुकी!र्षों या!गे, तं त्र, लिंहदु "औरे बHद्ध आध्या नित्मकीतं स सब निधतं गेहरे अथा 4प्रदु कीरेतं ह।

उ ख्या की स"चौं

याह Dदु गेईघट ओं (Anecdotes) की सचौं"उ की शां र्षों4की की स था प्रस्तं तं ह:

याह् सचौं" कीथा ओं औरे अ भ वों की सग्रे ह ह जी! आध्या नित्मकी, रेहस्यामया, औरे दु शांनि4 की जी वों दुनिMrकी!ण की! प्रकीट कीरे इ कीथा ओं की म ध्याम स ले खोकी   जी वों , मत्Mया, आध्या नित्मकी स ध , औरे म वों या भ वों ओं की! गेह् तं स निचौंनित्रतं फिकीया ह्।

स बनि धतं रुनिचौं की   स्तंकी(

स बनि धतं रुनिचौं की   स् तंकी(

1.शां   धम 4की इनितंह स - रे(द्र   था भट्टा चौं या4
2.शां   लिंहदु "धम 4म (निमथाकी, था औरे प्रतं की - भ रेतं या म तं Mदुवों   की अध्याया - वोंन् डीले चौं Cस4ब
3.शां वोंवों दु औरे > निलेकी निवोंश्व **(2** खोडी **)** - वों रे णस   खोÁजी - ब . भट्टा चौं या4
4.शां   स धकी - एकी प्र रे निभकी औरे तं ले त्मकी अध्याया - अ स्Ôट ए.   वों
5.शांनि की क्रं नितं - भ रेतं या उग्रे दुवों -दुवों तं ओं की उत् नि औरे इनितंह सलेखो   - डी!   जी श्डी 4
6.तं   गेरे की रेहस्या - लिंहदु "शां   तं त्र की   रिरेचौंया - डीगेलेस रे फ्री" ब्राक्"स

7. श्रे मदु दुवों   भ गेवोंतं - स्वों म निवोंज्ञा   दु
8.   तं त्र या!गे - नि की डीगेलेस
9.तं त्र - उ की दुशां4 औरे गेढ़" रेहस्या - डी .ए . ब!स (स   दुकी); सशां !निधतं - ह रे ले ले हलेदु रे
10.मत्र की निसद्ध तं औरे अभ्या स - म-"सगे1 निघम

प्रकी शांकी**:**

म शां रे म म !हरेले ले निब्लेशांस 4प्र इवोंट निलेनिमट डी, ई फिदुCले

www.mrmlbooks.com
ISBN: 978-81-215-0968-8 / 9788121509688



Books of related interest

History of the Sakta Religion
Narendra Nath Bhattacharyya

Myth, Cult and Symbols in Sakta Hinduism
A Study of the Indian Mother Goddess
Wendell Charles Beane

Saivism and the Phallic World, 2 vols.
Varanasi Rediscovered
B. Bhattacharya

The Saktas
An Introductory and Comparative Study
Ernest A. Payne

Sakti's Revolution
Origins and Historiography of Indic Fierce Goddesses
Donna Jordan

The Secret of the Three Cities
An Introduction to Hindu Sakta Tantrism
Douglas Renfrew Brooks

The Srimad Devi Bhagavatam
Swami Vijnanananda

Tantra Yoga
Nik Douglas

Tantras
Their Philosophy and Occult Secrets
D.N. Bose, ed.; Revised by Hiralal Haldar

The Theory and Practice of Mantra
Moo-Saeng Ghim

Munshiram Manoharlal
Publishers Pvt. Ltd.
New Delhi
www.mrmlbooks.com

ISBN 978-81-215-0968-8
9788121509688
₹ 795